दिल्ली विश्वविद्यालय

UNIVERSITY OF DELHI

93वीं वार्षिक रिपोर्ट

(भाग - I) 2015-16

93वां वार्षिक प्रतिवेदन

2015-2016

भाग–1

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली

www.du.ac.in

दिल्ली विश्वविद्यालय

93वां वार्षिक प्रतिवेदन

आमुख

दिल्ली विश्वविद्यालय देश का एक अग्रणी विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1922 में हुई थी तथा इसने राष्ट्र–निर्माण के प्रति अपनी दीर्घकालीन प्रतिबद्धता संपोषित करने तथा सार्वभौमिक मानव मूल्यों का निर्बाध अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उच्चतर शिक्षा में उच्चतम वैश्विक मानकों और श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को निरंतर बनाए रखने की दिशा में अनवरत कार्य किया है। अत्यंत प्रसन्नता और गौरव की भावना के साथ 1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 तक की अवधि का 93वां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय सांस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क में छठा रैंक प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय को एच–सूचकांक ने 128 का आंकड़ा छुआ जो भारतीय विश्वविद्यालयों में उच्चतम है। विश्वविद्यालय को बाह्य स्रोतों से 2015–16 में 131 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत वर्तमान में 260 से अधिक बड़ी और छोटी अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसने अनुसंधान और विकास अनुदान के रूप में अपने विभागीय संकाय को तथा अभिनव परियोजनाओं के रूप में अपने कॉलेजों को लगभग 35 करोड़ रुपए का अनुदान प्रदान किया है जिसके फलस्वरूप अनेक प्रतिष्ठित शोध प्रकाशन, पुस्तकें जारी की हैं तथा पेटेंट दाखिल किए गए हैं। विश्वविद्यालय ने उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक उष्मायित भी स्थापित किए हैं जैसे इलेक्ट्रोप्रेन्यूर पार्क और प्रौद्योगिकी व्यवसाय।

16 संकाय–सदस्यों, 82 विभागों, 85 कॉलेजों और 20 केन्द्रों के साथ विश्वविद्यालय अध्ययन के लगभग 500 कार्यक्रम संचालित करता है, जिनमें शामिल हैं – स्नातकपूर्व कार्यक्रम, अनेक स्नातकोत्तर कार्यक्रम (मास्टर्स, एम.फिल और पीएच.डी.) तथा सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कार्यक्रम। इसने स्नातकपूर्व स्तर पर विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) क्रियान्वित की है तथा यह विभिन्न कौशल–आधारित कार्यक्रमों को संचालित करता है। यह आने वाले वर्षों में नए केन्द्रों की स्थापना करके कार्यक्रमों में विविधता का समावेश करने की योजना भी बना रहा है जैसे, पत्रकारिता विद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय कार्य विद्यालय और साइबर विधि और सुरक्षा संस्थान।

एक अनुसंधान गहन विश्वविद्यालय के रूप में, विश्वविद्यालय का लक्ष्य अनुसंधान और अभिनवता में उत्कृष्टता के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टता हासिल करने के लिए अनुसंधान संस्कृति को सुदृढ़ और सबल बनाना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, यह अनुसंधान अभिनवता और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक नीति तैयार करने की योजना भी बना रहा है। यह विभिन्न गुणवत्ता पहलकदम उठाने की योजना भी तैयार कर रहा है, जैसे छात्र अनुभव सर्वेक्षण के आधार पर छात्रों से फीडबैक प्राप्त करना।

विश्वविद्यालय विभिन्न प्रक्रियाओं के डिजिटीकरण के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसने अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन बना ली है तथा यह विभिन्न शहरों में प्रवेश परीक्षाएं भी आयोजित करता है। इसने ऑनलाइन फीस संग्रहण तथा ऑनलाइन छात्र शिकायत निवारण प्रणाली की शुरुआत भी की है। यह ई–अधिप्राप्ति की प्रणाली का क्रियान्वयन करने तथा बेहतर शासन के लिए और अधिक पहलकदम उठाने पर भी ध्यान केन्द्रित कर रहा है।

शिक्षा और अनुसंधान में विश्व नेता के रूप में उभरने के दृष्टिकोण के साथ, दिल्ली विश्वविद्यालय समूचे भारत और विश्व के लगभग सात लाख छात्रों और संकाय–सदस्यों को सेवा प्रदान करते हुए देश का बौद्धिक विकास सुनिश्चित करने के लिए उल्लेखनीय रूप से योगदान प्रदान करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहा है। एतदद्वारा, विश्वविद्यालय का 93वां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है।

ह0/–
(योगेश त्यागी)
कुलपति
दिल्ली विश्वविद्यालय

संपादकीय समिति

दिल्ली विश्वविद्यालय की 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष की 93वीं वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत है। इस रिर्पोट के दो भाग हैः भाग–I में संकायों, विभागों, केंद्रों और कॉलेजों, अवसंरचनात्मक विभागों और वित्त सहित दिल्ली विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति से संबंधित जानकारी है और भाग–II में सूचना और आंकड़े हैं।

इस रिर्पोट को तैयार करने वाले संपादकीय मंडल में निम्नलिखित सदस्य थे :

1.	प्रोफेसर पमी दुआ	संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक कार्यकलाप, अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर देवेश के. सिंहा	कॉलेज संकायाध्यक्ष
3.	प्रोफेसर तरूण कुमार दास	कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय
4.	प्रोफेसर अजय कुमार	संकायाध्यक्ष, अनुसंधान (शारिरिक विज्ञान व गणित विज्ञान)
5.	प्रोफेसर एम.एम.चतुर्वेदी	संकायाध्यक्ष अनुसंधान (जीवन–विज्ञान)
6.	प्रोफेसर क्रीस्टल आर. डेविडसन	अंग्रेजी विभाग
7.	प्रोफेसर विजय चौधरी	जैव रसायन विभाग
8.	प्रोफेसर नीरज अगनीमित्रा	सामाजिक कार्य विभाग
9.	डॉ. दिपिका भास्कर	उप–संकायाध्यक्ष, अनुसंधान
10.	कैप्टन परमिंदर सेहगल	उप–कार्याध्यक्ष
11.	डॉ. प्रेम के. श्रीवास्तवा	अंग्रेजी, महाराजा अग्रसेन कॉलेज
12.	डॉ. विनोद कुमार सिंह	अंग्रेजी विभाग
13.	डॉ. श्वेता एंटोनी	अंग्रेजी विभाग
14.	डॉ. विकास गुप्ता	संयुक्त कुलसचिव (कॉउंसिल)

सहयोगित सदस्य

i)	प्रोफेसर संजय कुमार	पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग
ii)	प्रोफेसर अनुपम चटौपाधयाय	भू–विज्ञान विभाग
iii)	प्रोफेसर अनिता शर्मा	पूर्व एश्यिाई अध्ययन विभाग
iv)	प्रोफेसर शोभा बागई	क्लस्टर नवाचार केंद्र
v)	डॉ. के. रत्नाबलि	उप–संकायाध्यक्ष, विधि
vi)	डॉ. मुकेश के.मेहलावत	प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग

इस प्रतिवेदन में दिल्ली विश्वविद्याल की वर्ष 2015–16 (1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016) के कार्यकलापों और उपलब्धियों की झलकियों को दर्शाया गया है।

विषय–सूची

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण 1

छात्र पंजीकरण 2

वर्ष की उपलब्धियां 3

स्थापना दिवस, विश्वविद्यालय की रैंकिंग, अनुसंधान विशेषताएं [एच–सूचकांक, अनुसंधान प्रकाशन, उच्च प्रकाशनों से संबद्ध शोधकर्ता, बाह्य अनुसंधान अनुदान, डीएसटी–एफआईएसटी, के विभाग, यूजीसी एसएपी (डीआरएस, डीएसए, सीएएस,एएसपी), के विभाग, रुपये एक करोड़ से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य, रुपये दस लाख़ से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य, विदेशी अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुदान, अनुसंधान व विकास अनुदान, नवाचार परियोजनाएं], विश्वविद्यालय संकाय को सम्मान/पुरस्कार, आयुर्विज्ञान में पुरस्कार/फैलोशिप, सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं, विश्वविद्यालय में ऊष्मायन केंद्र, शिक्षाविदों–उद्योग की संयोजकता, विश्वविद्यालय व्याख्यानमाला, विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन, डिजिटल पहल, समान अवसर प्रकोष्ठ पहल, नियुक्ति कार्यकलाप, कौशल संवर्धन पहल, सामाजिक अभिगम्यता, खेल–कूद उत्कृष्टता, अवसंरचना

सामान्य सुविधाएं एवं कार्यक्रम

संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण 15

दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय रेडियो 17

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली 18

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह–शिक्षा विद्यालय 22

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद 23

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संगठन 24

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय 25

विदेशी छात्रों का पंजीकरण 26

गांधी भवन 26

उद्यान समिति 30

विश्वविद्यालय अतिथि गृह 31

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह 31

राष्ट्रीय कैडिट कोर 31

राष्ट्रीय सेवा योजना 32

नॉन–कालिजिएट महिलाओं का शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) 32

पूर्व छात्र मामलों का कार्यालय 33

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो........34
विश्वविद्यालय मुद्रणालय........34

शैक्षणिक केंद्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद्र........34
सूंसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र 35
उद्यमिता और आजीविका उन्नमुख कार्यक्रम केंद्र 40
फसल पौधों आनुवांशिक परिचालन केंद्र 41
संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार केंद्र 42
पहाडो और पहाड़ी हेतु अंतर–आयामी अध्ययन केंद्र........43
उच्च शिक्षा में व्यवसायिक विकास केंद्र 44
क्लस्टर इनोवेशन सेंटर 47
कंप्यूटर केंद्र 56
डी.एस.कोठारी विज्ञान, आचार और शिक्षा केंद्र........59
विकासशील देशों का अनुसंधान केंद्र........59
सूचना और संचार संस्थान 60
आजीवन अभिग्रहण संस्थान 61
वनस्पति जीनोमिक्स के लिए अंतःविषय केन्द्र/........63
विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन केंद्र 64
महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र 65
विश्व विश्वविद्यालय स्वास्थ्य सेवा केंद्र 68

विभाग

कला संकाय

अरबी 70
बौद्ध अध्ययन 71
अंग्रेजी 73
जर्मन और रोमांस अध्ययन 78
हिंदी 79

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान 81
भाषाविज्ञान 83
आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन 86
फारसी 87
दर्शन–शास्त्र 89
मनोविज्ञान 93
पंजाबी 97
संस्कृत 99
उर्दू 102

शिक्षा संकाय

शिक्षा 103

विधि संकाय

कैम्पस विधि केंद्र 106
विधि केंद्र-I 107
विधि केंद्र-II 110

विज्ञान संकाय

नृविज्ञान (मानव विज्ञान) 112
वनस्पति–विज्ञान 120
रसायन–विज्ञान 124
डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जैव–चिकित्सा अनुसंधान केंद्र 125
पर्यावरणीय अध्ययन 129
भूविज्ञान 132
भौतिकी और खगोल भौतिकी 136
प्राणी विज्ञान 139

सामाजिक विज्ञान संकाय

अफ्रीकी अध्ययन 141

प्रौढ़, सतत् शिक्षा और विस्तार 143
पूर्व एशियाई अध्ययन 145
अर्थशास्त्र 146
भूगोल 150
इतिहास 154
राजनीतिक विज्ञान 162
सामाजिक कार्य 170
समाज–शास्त्र 177

गणितीय विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान 181
गणित 184
प्रचालनात्मक अनुसंधान 189
सांख्यिकी 193

प्रबंध अध्ययन संकाय

व्यापार प्रबंध और औद्योगिक प्रशासन 195

चिकित्सा विज्ञान संकाय

शरीर–रचना–विज्ञान (एलएचएमसी) 200
शरीर–रचना–विज्ञान (यूसीएमएस) 202
निश्चेतन और गहन देखभाल (जीआईपीएमईआर) 203
जैव–रसायन (एलएचएमसी) 205
जैव–रसायन (यूसीएमएस) 206
जैव–रसायन (वीपीसीआई) 207
कार्डियोलॉजी (जीबीपीएच) 208
सामुदायिक चिकित्सा (एमएएमसी) 209
सामुदायिक चिकित्सा (एलएचएमसी) 210
सामुदायिक चिकित्सा (यूसीएमएस) 214
त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (यूसीएमएस) 215

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (एमएएमसी) 217
फोरेंसिक मेडिसिन (एलएचएमसी) 219
माइक्रोबायोलॉजी (एमएएमसी) 220
मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज 222
औषध (यूसीएमएस) 224
प्रसूति एवं स्त्री रोग (एमएएमसी) 225
प्रसूति एवं स्त्री रोग (यूसीएमएस) 226
नेत्र–विज्ञान (यूसीएमएस) 228
आर्थोपेडिक्स (एमएएमसी) 229
नेत्र–विज्ञान (एलएचएमसी) 230
आंख–नाक–गला चिकित्सा (यूसीएमएस) 231
पेडोडोनेटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा (यूसीएमएस) 232
पैथोलोजी (एमएएमसी) 232
पैथोलोजी (यूसीएमएस) 234
बाल–चिकित्सा (एमएएमसी) 238
औषध–विज्ञान (एमएएमसी) 246
औषध–विज्ञान (एलएचएमसी) 248
शरीर–विज्ञान (यूसीएमएस) 249
शरीर–विज्ञान (एमएएमसी) 251
मनश्चिकित्सा (जीआईपीएमईआर) 252
फेफडा औषध (वीपीसीआई) 252
रेडियोलॉजी (यूसीएमएस) 256
वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान 258

अंतर–आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव–रसायन 260
जैवभौतिकी 263
इलैक्ट्रोनिक विज्ञान 265
आनुवांशिकी 267

सूक्ष्म जीवविज्ञान.......... 271
शारिरिक शिक्षा और खेल–कूद विज्ञान.......... 274
पादप आण्विक जीवविज्ञान.......... 275

प्रौद्योगिकी संकाय

उपकरण और नियंत्रण इंजीनियरिंग.......... 282
यांत्रिक अभियांत्रिकी.......... 284
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईसीई).......... 286
उत्पादन और औद्योगिकी इंजीनियरिंग.......... 287

संगीत और ललित कला संकाय

संगीत.......... 288

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय

व्यावसायिक अर्थशास्त्र.......... 292
स्लाव और फिनो–उग्रियन अध्ययन.......... 293

वाणिज्य और व्यापार संकाय

वाणिज्य.......... 295
वित्तीय अध्ययन.......... 300

कॉलेज

आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज.......... 302
अदिति महाविद्यालय.......... 305
अहिल्याबाई नर्सिंग कॉलेज.......... 307
अमर ज्योति भौतिक–चिकित्सा संस्थान.......... 307
आर्यभट्ट कॉलेज.......... 310
आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज.......... 311
आयुर्वेदिक और यूनानी तिबिया कॉलेज.......... 315

भगिनी निवेदिता कॉलेज 316
भारती कॉलेज....................317
भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज....................320
भीमराव अंबेडकर कॉलेज 324
कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज 326
कॉलेज ऑफ आर्ट 328
नर्सिंग आर्मी अस्पताल कॉलेज (अनुसंधान व निर्दिष्ट) 329
दौलत राम कॉलेज....................332
दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज....................336
दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स....................340
दिल्ली भेषज विज्ञान और अनुसंधान संस्थान 342
देशबंधु कॉलेज....................344
दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन (दृष्टि बाधित)....................347
दयाल सिंह कॉलेज....................349
दयाल सिंह कॉलेज(संध्या) 351
गार्गी कॉलेज 354
हंसराज कॉलेज 357
हिंदु कॉलेज 359
होली फैमिली नर्सिंग कॉलेज....................363
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान 365
इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज 368
इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकानॉमिक्स 371
मानव व्यवहार व संबद्ध विज्ञान संस्थान....................374
जानकी देवी कॉलेज....................376
जीसस और मैरी कॉलेज....................380
कालिंदी कॉलेज....................383
कमला नेहरू कॉलेज....................385
केशव महाविद्यालय....................389
किरोड़ी मल कॉलेज....................391

लेडी इर्विन कॉलेज....394
लेडी श्रीराम महिला कॉलेज 396
लक्ष्मीबाई कॉलेज 400
महाराजा अग्रेसेन कॉलेज....402
महर्षि बाल्मिकी कॉलेज ऑफ एजुकेशन 404
मैत्री कॉलेज 406
माता सुंदरी महिला कॉलेज 407
मौलाना आजाद दंत–विज्ञान संस्थान....409
मिरांडा हाउस 412
मोतीलाल नेहरू कॉलेज....415
मोतीलाल नेहरू कॉलेज (संध्या)....417
नेहरू होम्मोपैथिक चिकित्सा कॉलेज और अस्पताल 419
नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान 419
पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज....422
पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज (संध्या)....423
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारिरिक विकलांग संस्थान 425
राजधानी कॉलेज....427
राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग कॉलेज 428
रामलाल आनंद कॉलेज 429
रामानुजन कॉलेज....430
रामजस कॉलेज 433
सत्यवती कॉलेज 436
सत्यवती कॉलेज (संध्या)....437
स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग....439
शहीद भगत सिंह कॉलेज 440
शहीद भगत सिंह कॉलेज (संध्या)....441
शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेज फॉर वूमेन....442
शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज 445
शिवाजी कॉलेज 448

श्रीराम कालेज ऑफ कामर्स 451
श्यामलाल कॉलेज 452
श्यामलाल कॉलेज (संध्या) 454
श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज 455
श्री अरबिंदो कॉलेज 459
श्री अरबिंदो कॉलेज (संध्या) 461
श्री गुरू गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स 462
श्री गुरू नानक देव खालसा कॉलेज 464
श्री गुरू तेग बहादुर खालसा कॉलेज 466
श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज 468
सैंट स्टीफन कॉलेज 471
स्वामी श्रृद्धानंद कॉलेज 473
विवेकानंद कॉलेज 473
जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज 476
जाकिर हुसैन स्नातकोत्तर कॉलेज (संध्या) 478

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अंबेडकर–गांगुली महिला छात्रावास 479
अरावली स्नातकोत्तर पुरूष छात्रावास 480
केंद्रीय शिक्षा संस्थान 481
डी.एस.कोठारी छात्रावास 481
सामाजिक कार्य विभाग छात्रावास 481
गीतांजली छात्रावास 482
ग्वेयर हॉल 482
अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास 483
अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास 484
जुबली हॉल 485
मानसरोवर छात्रावास 485
मेघदुत छात्रावास 486

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास 488
स्नातकोत्तर पुरूष छात्रावास 489
राजीव गांधी स्नातकोत्तर बालिका छात्रावास 489
सारामति स्नातकोत्तर पुरूष छात्रावास 492
स्नातक–पूर्व बालिका छात्रावास 492
विश्वविद्यालय महिला छात्रावास 492
वी.के.आर.वी.राव छात्रावास 493
डब्लूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास 493
वार्षिक लेखे 495

विश्वविद्यालय के अधिकारी

कुलाधिपति

माननीय मोहम्मद हमीद अंसारी, उप–राष्टपति, भारत

प्रति–कुलपति

न्यायाधीश एच.एल. दातु	02.12.2015 तक
न्यायाधीश त्रिनाथ सिंह ठाकुर	03.12.2015 से

कुलपति

प्रोफेसर दिनेश सिंह	28.10.2015 तक
प्रोफेसर सुधीश पचौरी कार्यवाहक कुलपति	09.03.2016 तक
प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी	10.03.2016 से

प्रति–कुलपति

प्रोफेसर सुधीश पचौरी	09.03.2016 तक

कॉलेजों के अध्यक्ष
प्रोफेसर मालाश्री लाल

निदेशक, दक्षिण दिल्ली कैम्पस
प्रोफेसर उमेश राय

निदेशक, मुक्त अभिग्रहण कैम्पस
प्रोफेसर सी.एस.दुब्बे (कार्यवाहक)

कोषाध्यक्ष
श्री टी.एस.कृपानिधी

कार्याध्यक्ष
प्रोफेसर(सुश्री) सतवंती कपूर

छात्र कल्याण अध्यक्ष
प्रोफेसर जे.एम.खुराना

कुलसचिव
प्रोफेसर तरूण कुमार दास

संकायाध्यक्ष

कला
प्रोफेसर मिनी शॉनी

विज्ञान
प्रोफेसर दिवेश के. सिंहा

सामाजिक विज्ञान

प्रोफेसर श्रीमती चकबर्ती	28.12.2015 तक
प्रोफेसर ज.पी.दूबे	29.12.2015 से

विधि
प्रोफेसर अशवनी कुमार

प्रबंध अध्ययन
प्रोफेसर एम.एल.सिंगला

गणित विज्ञान
प्रोफेसर जगदीश सरान

चिकित्सा विज्ञान

प्रोफेसर रीवा त्रिपाठी	02.09.2015 तक
प्रोफेसर सुधा प्रसाद	03.09.2015 से

संगीत और ललित कला

प्रोफेसर उमा गर्ग	15.10.2015 तक
प्रोफेसर मंजूश्री त्यागी	31.01.2016 तक
प्रोफेसर सुनीरा कसलीवाल	01.02.2016 से

प्रौद्योगिकी

प्रोफेसर सुधीश पंचुरीया,पीवीसी	9.03.2016 तक

आयुर्वेदिक और युनानी
डॉ. महोम्मद इद्रिस खान

शिक्षा
प्रोफेसर साधना सक्सेना

अंतर–आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान

प्रोफेसर जे.पी.खुराना	15.09.2015 तक
प्रोफेसर प्रदीप कुमार बर्मा	16.09.2015 से

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी
प्रोफेसर सुरेश चंद अग्रवाल

वाणिज्य और व्यापार
प्रोफेसर मुनीश कुमार

होम्मोपेथिक औषध
संकायाध्यक्ष,आयुर्विज्ञान संकाय

छात्र पंजीकरण

विश्वविद्यालय में 2015–16 के आंकडों के अनुसार दर्शन निष्णात/ विद्या वाचस्पति और प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा/स्नातकोतर डिप्लोमा में पंजीकृत 6,338 सहित 1,92,142 स्नातक–पूर्व, 24,321 स्नातकोतर छात्र हैं। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षण में 4,32,436 छात्र पंजीकृत है और 18,489 गैर–कॉलेज महिला छात्र भी इस विशालकाय विश्वविद्यालय का हिस्सा हैं। वर्ष 2015–16 में सभी कार्यक्रमों में पारंपरिक और दूरस्थ साधन में कुल पंजीकरण 6,73,726 था। इस समय आधे से अधिक छात्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों के हैं।

वर्ष की उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय को संस्थान के रूप में 1922 से सम्मानित विशेषाधिकार का गौरव प्राप्त है। यह संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित और विधियों, अध्यादेशों, नियमों और निर्धारित विनियमों से मार्गदर्शित है

दिल्ली विश्वविद्यालय में 16 संकाय, 82 विभाग, 20 केंद्र, 85 संघटक कॉलेज, 1 समुदाय कॉलेज हैं और यह भारत के विशालकाय विश्वविद्यालयों में से एक है। दिल्ली विश्वविद्यालय औपचारिक और गैर–औपचारिक/दूरस्थ शिक्षा में 6 लाख से अधिक छात्रों सहित अपनी परंपरा और विकास को कायम रखते हुए शाक्तिशाली होता जा रहा है।

यह विश्वविद्यालय द्वारा विगत आलोच्य एक वर्ष में स्थापित उपलब्धियों और दिशा–निर्देश में परिलक्षित है।वर्ष 2015–16 (1 अप्रैल 2015–31मार्च, 2016) की उल्लेखनीय उपलब्धियों का संक्षिप्त परिदृश्य यहां प्रस्तुत है।

स्थापना दिवस

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 1 मई, 2015 को अपना 93वां स्थापना दिवस आयोजित किया। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर उपेन्द्र बक्शी ने मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय ध्वज फहराया। मुख्य अतिथि ने निष्ठावान शैक्षणिक कार्य समर्पण और सामंजस्य भाव से विश्वविद्यालय की सेवा करने वाले शिक्षकों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रदत्त सम्मान और पुरस्कार की दीर्घकालिक परंपरा को दोहराया विश्वविद्यालय का सर्वोच्च सम्मान ''निष्ठा धृति सत्यम सम्मान'' प्रोफेसर उपेन्द्र बक्शी का प्रदान किया गया। वनस्पति–विज्ञान, आर्थिक, इतिहास, प्रबंधन, गणित, संगीत, सामाजिक कार्य, उर्दू के 9 प्रोफेसर और चार सेवा–निवृत्त सेवा कार्मिकों को भी यह सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मंजूर नवाचार परियोजनाओं के निष्पादन पर आधारित ''नवाचार हेतु शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार'' भी 28 नवाचार परियोजनाओं से जुड़े 93 कॉलेज शिक्षकों को प्रदान किए गए।

विश्वविद्यालय की रैंकिंग

- उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित संस्थागत रैंकिग रूपरेखा(एनाआईआरएफ) में छठी रैंकिंग।
- आउटलुक दृष्टि सर्वेक्षण 2016 द्वारा देश में सामाजिक कार्य शिक्षण करने वाले शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक कार्य विभाग की द्विवतीय रैंक प्रदान किय गया है।
- आर्थिकी में कार्यकारी शोध–पत्रों और प्रकाशनों के वैश्विक इलेक्ट्रोनिक पुरालेख, रेपेक ने प्रकाशनों के आधार पर लगातार पांचवे वर्ष देश के विश्वविद्यालय आर्थिकी विभागों में अर्थिकी विभाग का उच्चतम रेंक प्रदान किया। (http://ideas.repec.org/top/top.india.html)

स्मग्र रैंकिंग 2016	
क्यूएस ब्रिक्स	41
क्यूएस एशिया	66
क्यूएस वर्ल्ड	601-801
क्यूएस ब्रिक्स2016	
शैक्षणिक प्रतिष्ठा	19
नियोक्ता प्रतिष्ठा	11
क्यूएस वर्ल्ड विषय–वार, 2016	
नृविज्ञान	51-100
भौगोलिक और क्षेत्र अध्ययन	151-200
समाज–विज्ञान	151-200
आर्थिकी और अर्थमितीय	201-300
भौतिक और खगौलविद्या	201-300
रसायन–विज्ञान	301-400
जीवविज्ञानिक विज्ञान	301-400
गणित	301-400

क्यूएस ब्रिक्स		
सूचक	**2015**	**2016**
शैक्षिणिक प्रतिष्ठा	18	19
नियोक्ता प्रतिष्ठा	11	11
छात्र संकाय	201+	101+
प्रति संकाय पेपर	201+	101+
प्रति पेपर उल्लेख	18	64
अंतर्राष्ट्रीय संकाय	201+	101+
अंतर्राष्ट्रीय छात्र	201+	101+
पी.एच.डी सहित छात्र	112	79

अनुसंधान विशेषताएं

एच–सूची

स्कोपस डॉटाबेस के अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय की एच–सूची 128 है जो भारतीय विश्वविद्यालयों में अधिकतम में से एक है।

अनुसंधान प्रकाशन

स्कोपस डॉटाबेस रिकार्ड के अनुसार इस अवधि में प्रकाशनों की कुल 1795 है। विश्वविद्यालय के रिकार्ड के अनुसार, वर्ष 2012–16 में प्रकाशनों की कुल संख्या 9242 (7245 अनुसंधान शोध, 167 विनिबंध, पुस्तकों में 1083 चैप्टर, 316 संपादित पुस्तके और 431 पुस्तकें) हैं।

शोधकर्ताओं के प्रकाशन/उद्धरण/एच–सूची

अनुसंधान प्रकाशन, उद्धरण और एच–सूची (स्त्रोत डीएसटी) के संदर्भ में देश के 10 उच्च अनुसंधानकर्ताओं में से दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोलविद्या विभाग के तीन सदस्य हैं।

प्रोफेसर ब्रजेश चौधरी
डॉ. कीर्ति रंजन
डॉ. एम. नईमुद्दीन

प्रकारबाह्य अनुसंधान अनुदान

- दिल्ली विश्वविद्यालय डीएसटी–पीयूआरएसईके उच्चतम अनुदान के चरण II (2014–2019) का प्राप्तकर्ता है। रुपये 40.80 करोड़
- प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं से कुल अनुदान Rs 114.14 करोड़
- लघु अनुसंधान परियोजनाओं से कुल अनुदान: Rs 82.08 करोड़

वर्ष 2015–16 में प्राप्त कुल अनुदान= रुपये 13183.17 लाख

विभाग–वार प्राप्त अनुदान

विभाग	अनुदान (लाख रुपये में)
एसीबीआर	628.49
नृविज्ञान	295.34
जैव–रसायन	1396.48
वनस्पति विज्ञान	651.36
रसायन विज्ञान	839.00
कंप्यूटर विज्ञान	42.01
पर्यावरणीय अध्ययन	300.70
आनुवांशिकी	3010.00

गणित	35.65
अणुजीव विज्ञान	481.87
प्रचालनात्मक अनुसंधान	43.30
भौतिकी और खगौल भौतिकी	2750.10
पौध आणविक जीव–विज्ञान	1893.18
प्राणी विज्ञान	815.70

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में लगभग 260 बाह्य वित्त–पोषित प्रमुख और लद्यु अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं।

विश्वविद्यालय लगभग सभी राष्ट्रीय वित्त–पोषित एजेंसियों और अनेक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसेकि डीबीआी, डीएसटी, आईएफआईसीएआर, यूजीसी, एमओईएफ, आईएईए, आईसीएआर, डीआरडीआ, सीएसआईआर, एमओईएस, आईसीएमआर, एमएनआरई, वर्लड बैंक, टीईआरआई, इंडोयूएसएसटीएफ, जीएआईएल, आईयूएसी, आईसीएसएसआर, यूएसए, एमसीआईटी, एनयूएसटी, नौरवे विश्वविद्यालय, टर्की विश्वविद्यालय, आईएसआरओ, एसडीटीआई, विज्ञान प्रसार,एसईआरबी– डीएसटी, जापान फाउंडेशन, एसईडब्लयू ए–टीएचडीसी, एमओएसजे और ई,डीएई, एमडब्लयूसीडी, आईएनएसए, टीआईएसएस–डीयू, लीवरहुल्मे ट्रस्ट यूके, आईसीएचआर की अनुसंधान परियोजनाएं कर रहा है।

<u>विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डीएसटी–एफआईएसटी)के सुधार हेतु निधि वाले विभागः</u>

- नृविज्ञान
- जैव–रसायन
- वनस्पति विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- आनुवांशिकी
- भूविज्ञान
- गणित
- भौतिकी और खगौल भौतिकी
- पौध आणविक जीव–विज्ञान
- प्राणी विज्ञान

<u>यूजीसी–विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) के अंतर्गत वित्तीय सहायता वाले विभाग</u>
<u>विभागीय अनुसंधान सहायता (डीआरएस)–बारह</u>

- नृविज्ञान
- जैव–रसायन
- वनस्पति विज्ञान
- डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र
- जर्मन और प्रेम अध्ययन
- आनुवांशिकी
- भूगोल
- हिंदी
- अणुजीव विज्ञान
- आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन
- फारसी
- पौध आणविक जीव–विज्ञान

विभागीय विशेष सहायता (डीएसए)–तीन

- अंग्रेजी
- गणित,
- संगीत और ललित कला

उन्नत अध्ययन केंद्र (सीएएस)–आठ

- ❖ बौद्धधर्म अध्ययन
- ❖ रसायन विज्ञान
- ❖ आर्थिकी,
- ❖ भूविज्ञान
- ❖ भाषा–संबंधी
- ❖ सामाजिक कार्य
- ❖ समाज–विज्ञान
- ❖ प्राणी विज्ञान

क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम (एएसपी)–चार

- ❖ अफ्रीकाई अध्ययन
- ❖ कनाडियन अध्ययन केंद्र
- ❖ विकासशील देश अनुसंधान केंद्र
- ❖ पूर्व एशियाई अध्ययन

एक करोड़ रुपये से अधिक अनुदान वाले संकाय सदस्य

रिपोर्ट की अवधि में, विश्वविद्यालय के कुछ संकाय सदस्यों को एक करोड़ रुपये प्रत्येक के मूल्य की अनुसंधान परियोजनाएं मंजूर की गई हैं।

- प्रोफेसर दिपक पंतल, आनुवांशिकी विभाग, डीबीटी-बीबीएसआरसी से रुपये 1.88 करोड
- प्रोफेसर बी.के. थेलमा, आनुवांशिकी विभाग, डीबीटी से रुपये 5.71 करोड़
- प्रोफेसर बी.के. थेलमा, आनुवांशिकी विभाग, डीबीटी-बीबीएसआरसी से रुपये 1.88 करोड़
- प्रोफेसर विनय गुप्ता, भौतिकी और खगौल भौतिकी विभाग, डीआरडीओ से रुपये 2.14 करोड़
- डॉ.कीर्ती रंजन, भौतिकी और खगौल भौतिकी विभाग, डीएसटी से रुपये 3.27 करोड़ और रुपये 1.1 करोड़
- प्रोफेसर संजय कपूर, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग, डीबीटी से रुपये 1.31 करोड़ और 1.67 करोड़
- प्रोफेसर जे.पी.खुराना, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग, डीबीटी से रुपये 1.38 करोड़
- डॉ.ए.के.शर्मा, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग डीबीटी ''टमाटर परिपक्व नेटवर्क'' से रुपये 1.3 करोड़
- प्रोफेसर संजय कपूर, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग, डीबीटी से रुपये 1.88 करोड

दस लाख रुपये से अधिक अनुदान वाले संकाय सदस्य

कम संख्या	नाम	विभाग
1.	डॉ. विनीता	एसीबीआर
2.	डॉ. यतेंद्रा कुमार	एसीबीआर
3.	डॉ. प्रवीण कुमार	एसीबीआर
4.	डॉ.शफीकुर रेहमान	एसीबीआर
5.	डॉ.महोम्मद तबीश्रेहमन	एसीबीआर
6.	डॉ. मीनल धाल	नृविज्ञान
7.	प्रोफेसर सुमन कुंडु	जैवरसायन
8.	प्रोफेसर सुमन कुंडु	जैवरसायन
9.	प्रोफेसर देबी पी. सरकार	जैवरसायन
10.	प्रोफेसर संदीप दास	वनस्पति विज्ञान
11.	प्रोफेसर डी.बी.साहू	वनस्पति विज्ञान
12.	प्रोफेसर सुमन लखनपाल	वनस्पति विज्ञान
13.	प्रोफेसर रेणु देशवाल	वनस्पति विज्ञान
14.	प्रोफेसर आर. गीता	वनस्पति विज्ञान

15.	प्रोफेसर मोनीका दत्ता	रसायन विज्ञान
16.	प्रोफेसर रमा कांत	रसायन विज्ञान
17.	प्रोफेसर एस.के.अवस्थी	रसायन विज्ञान
18.	प्रोफेसर फिरासत हुसेन	रसायन विज्ञान
19.	प्रोफेसर अखिलेश के. वर्मा	रसायन विज्ञान
20.	प्रोफेसर ए. सकतीवेल	रसायन विज्ञान
21.	प्रोफेसर दिवान एस. रावत	रसायन विज्ञान
22.	प्रोफेसर एन. तिरूपती	रसायन विज्ञान
23.	प्रोफेसर सुनील के शर्मा	रसायन विज्ञान
24.	प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह	सीईएमडीई
25.	डॉ.चिराश्री घोष	सीईएमडीई
26.	डॉ. जयोती शर्मा	क्लस्टर नवाचार केंद्र
27.	डॉ. जयोती शर्मा	क्लस्टर नवाचार केंद्र
28.	प्रोफेसर पूनम बत्रा	शिक्षण
29.	प्रोफेसर इनाक्क्षी शर्मा	इलैक्ट्रोनिक विज्ञान
30.	प्रोफेसर मृदुला गुप्ता	इलैक्ट्रोनिक विज्ञान
31.	डॉ. चिराश्री घोष	पर्यावरण अध्ययन
32.	डॉ. संजय सेहगल	वित्तीय अध्ययन
33.	प्रोफेसर ए.के.प्रधान	आनुवांशिकी
34.	डॉ. जगरीत कौर	आनुवांशिकी
35.	प्रोफेसर एम वी राजम	आनुवांशिकी
36.	डॉ. शिवानी मित्तल	आनुवांशिकी
37.	प्रोफेसर दीपक पेंटल	आनुवांशिकी
38.	डॉ.कोस्तुव दता	आनुवांशिकी
39.	प्रोफेसर दीपक पेंटल	आनुवांशिकी
40.	डॉ.वर्तिका सिंहा	आनुवांशिकी
41ण	प्रोफेसर तंमोय भट्टाचार्य	भाषा–संबंधी
42.	प्रोफेसर ए.वेंकट रमन	प्रबंधन अध्ययन
43.	डॉ.नीलिजा सिंघल	अणुजीव विज्ञान
44.	डॉ. स्वाती शाह	अणुजीव विज्ञान
45.	प्रोफेसर विनय गुप्ता	भौतिकी और खगौल भौतिकी
46.	प्रोफेसर बी.सी.चौधरी	भौतिकी और खगौल भौतिकी
47.	प्रोफेसर विनय गुप्ता	भौतिकी और खगौल भौतिकी
48.	प्रोफेसर बिनय कुमार	भौतिकी और खगौल भौतिकी
49.	डॉ. महोम्मद नेमुद्दीन	भौतिकी और खगौल भौतिकी
50.	प्रोफेसर बिनय कुमार	भौतिकी और खगौल भौतिकी
51.	डॉ. अशोक कुमार	भौतिकी और खगौल भौतिकी
52.	प्रोफेसर देबज्योति चौधरी	भौतिकी और खगौल भौतिकी
53.	प्रोफेसर डी.एन.गुप्ता	भौतिकी और खगौल भौतिकी
54.	प्रोफेसर संजय जैन	भौतिकी और खगौल भौतिकी
55.	प्रोफेसर नवनीता सी.बैहरा	भौतिकी और खगौल भौतिकी
56.	डॉ.एन.सुकुमार	भौतिकी और खगौल भौतिकी
57.	प्रोफेसर अमिताभ मुखर्जी	भौतिकी और खगौल भौतिकी
58.	प्रोफेसर जी.के.पांडे	पौध आणविक जीव–विज्ञान
59.	डॉ.अमरजीत सिंह	पौध आणविक जीव–विज्ञान
60.	प्रोफेसर सौरभ रघुवंशी	पौध आणविक जीव–विज्ञान
61.	डॉ.बुशरा सईद	पौध आणविक जीव–विज्ञान
62.	डॉ.ए.मलाठी	सामाजिक विज्ञान
63.	डॉ.बलराम शुक्ला	संस्कृत
64.	प्रोफेसर राकेश कुमार सेठ	प्राणी विज्ञान
65.	प्रोफेसर रूप लाल	प्राणी विज्ञान
66.	प्रोफेसर योगेंद्र सिंह	प्राणी विज्ञान
67.	प्रोफेसर आर.के.सेठ	प्राणी विज्ञान

68.	प्रोफेसर राजगोपाल रामन	प्राणी विज्ञान
69.	प्रोफेसर रीटा सिंह	प्राणी विज्ञान
70.	प्रोफेसर राजगोपाल रामन	प्राणी विज्ञान

उपरोक्त वर्णित परियोजनाओं के अतिरिक्त विभिन्न वित्त–पोषित एजेंसियों के विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों को 74 परियोजनाओं के लिए कुल रुपये 3.31 करोड़ मंजूर किए गए हैं।

विदेशी अनुदान

नाम	**विभाग**	**राशि**
प्रोफेसर दिवान एस.रावत	रसायन विज्ञान	अमरीकी डॉलर -19800
प्रोफेसर डी.के.सिंह	प्राणी विज्ञान	यूरो -4735
डॉ.राधिका चोपड़ा	समाज–विज्ञान	यूरो -13800
		यूरो - 5900

दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुदान

अनुसंधान व विकास अनुदान

विश्वविद्यालय विभागों के संकाय सदस्यों को अनुसंधान व विभाग सहायता प्रदान करके सहारा देता है–विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों को रुपये 3.0 लाख तक, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभागों के संकाय सदसयों को उनके द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्तावों के आधार पर रुपये 1.50 लाख तक।

वर्ष 2015–16 में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों को रुपये 9.00 करोड़ मूल्य की 387 अनुसंधान व विकास परियोजनाएं दी गई।

कॉलेजों में नवाचार परियोजनाएं

- विश्वविद्यालय में कॉलेजों में स्नातक पूर्व छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए नवाचार परियोजना कार्यक्रम की विशेष योजना है।
- तृतीय चक्र (2015-16), के लिए रुपये 14.63 करोड़ से अधिक अनुदान की 317 नवाचार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। अधिक जोर शहरी, सामाजिक और वैश्विक नवाचार पर है।
- वर्ष 2012–2015 के बीच कुल 364 नवाचार परियोजनाएं (प्रथम चक्र–2012–13:113, द्वितीय चक्र 2013–15:25) परियोजनाएं) दी गई जिनके परिणाम महत्वपूर्ण हैं।
- चक्र 2013–15 की अधिकाशं नवाचार परियोजनाओं ने 112 प्रकाशनों और 9 पुस्तकों सहित महत्वपूर्ण परिणाम दर्शाएं हैं।

विश्वविद्यालय संकाय को पुरस्कार/सम्मान

- प्रोफेसर जे.पी.दुबे, प्रौढ़ सतत् शिक्षा व विस्तार विभाग, न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा श्रेष्ठ शिक्षाविद पुरस्कार
- प्रोफेसर डेबी पी. सरकार, जैव.रसायन विभाग, पांच वर्षों (2015–2020) के लिए द्वितीय टर्म डीएसटी जे.सी.बोस नेशनल फैलोशिप
- प्रोफेसर अरूण के. पांडे, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंचानन महेश्वरी मेडल, भारतीय वानस्पतिक सोसायटी, 2015
- प्रोफेसर अरूण के. पांडे वनस्पति विज्ञान विभाग अध्यक्ष पौध विज्ञान भारतीय विज्ञान कॉग्रेस
- प्रोफेसर रमा कांत, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान अकादमी के निर्वाचित फैलो
- डॉ.दिब्येंदु मैती, आर्थिकी विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, अनुसंधान ऊष्मायन पुरस्कार, 2015,दक्षिण पैसेफिक विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर पामी दूआ, आर्थिकी विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, अध्यक्ष भारतीय अर्थमितीय सोसायटी (टीआईईएस), 2015–16
- प्रोफेसर संतोष पांडा, आर्थिकी विभाग, (प्रतिनियुक्ति), दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष नियुक्त
- प्रोफेसर अनीता शर्मा, पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, थाईलैंड सरकार से द्वितीय विश्व बुद्धधर्म उत्कृष्ट पुरस्कार 2015 और विश्व युवा बुद्ध धर्म फैलोशिप
- प्रोफेसर महाराज पंडित, पर्यावरणीय अध्ययन विभाग, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का फैलो निर्वाचित
- प्रोफेसर जी.वी.आर. प्रसाद, भूविज्ञान विभाग, जे.सी.बोस राष्ट्रीय फैलोशिप, 2016
- प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह, पर्यावरणीय अध्ययन विभाग, रोबर्ट एच.व्हिट्टाकर डिस्टिंग्विस्ट अवार्ड, अमरीका इकोलॉजिकल सोसायटी 2015
- प्रोफेसर एम.वी.राजम, आनुवांशिकी विभाग, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली 2015 का फैलो निर्वाचित
- प्रोफेसर सुनील कुमार, इतिहास विभाग, एलियांज डिस्टिंग्विस्ड विजिटिंग स्कॉलर इन ईस्लामिक स्टडीज, इंस्टिट्यूट फॉर नियर एंड मिडल ईस्टर्न स्टडीज, ल्यूडविग मैक्सिमिलियन्स यूनिवर्सिट, म्यूनिक जून, 2015
- डॉ. शिओराज सिंह हिंदी विभाग, संविधान दिवस 26 नवंबर, 2015 के उपलक्ष्य में दिल्ली सरकार से राज्य स्तरीय पुरस्कार
- प्रोफेसर कुसुमलता, हिंदी विभाग, शैक्षणिक उपलब्धि और सामाजिक कार्य हेतु 4 दिसम्बर 2015 को अध्यक्षीय पुरस्कार श्रेणी (आदर्श माडॅल) सामाजिक कार्य.

- प्रोफेसर जे.एस.विर्दी, अणुजीव विज्ञान विभाग, डीबीटी–एंटीमाईक्रोबॉयल रेजिस्टेंट पर बीआईआरएसी आईआरएसी आइडियाथोन एवार्ड 2016
- प्रोफेसर सुनीरा कासलीवाल, संगीत और ललित कला विभाग, मेहेरानगढ. संग्रहालय न्यास, जोधपुर द्वारा वर्ष 2015 के लिए राजस्थानी संगीत और वाद्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदत्त 'मारवाड़ रत्न पदकश्री कोमल कोठारी पुरस्कार'
- प्रोफेसर दीप्ति भल्ला, संगीत और ललित कला विभाग, ईरायिम्मनतंपीन्यास (त्रावनकोर, केरल का राजपरिवार) नवम्बर, 2015 द्वार प्रदत्त संगीत नृत्य विशारद और नारद गण सभा पुरस्कार चैन्नई, अक्तूबर, 2015
- प्रोफेसर प्रतीक चौधरी, संगीत और ललित कला विभाग, श्रीमती शांति देवी सम्मान, दिल्ली 22 फरवरी, 2016
- डॉ. संजीव कुमार, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान, एसईआरबी, डीएसटी द्वारा आजिविका पूर्व अनुसंधान (यूवा वैज्ञानिक) पुरस्कार, 2016
- प्रोफेसर एन.के.चड्डा, मनोविज्ञान विभाग राष्ट्रीय आजीविका विकास एसोसिएशन, अमेरिका द्वार 2015 में आजीविका विकास हेतु वर्ष का वैश्विक व्यवसायी
- प्रोफेसर नवनीत चंद्र बेहेरा राजनैतिक विज्ञान विभाग, आईबीआईईएस इरामस मुंडस विजिटिंग फैलो, वारसा विश्वविद्यालय, पोलेंड, जून 2015 जूलाई 2015
- प्रोफेसर जे.पी. खुराना, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग, एनजीबीटी सम्मेलन, हैदराबाद के दौरान अक्तूबर, 2015 को सिजीनोम अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा आजीवन उपलब्धि पुरस्कार 2015
- प्रोफेसर पी. खुराना, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग, परिषद का एनएएसआई सदस्य नामित, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 2016
- प्रोफेसर ए.के.त्यागी, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग, अध्यक्ष, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
- प्रोफेसर अनिल ग्रोवर, पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग सर जे.सी.बोस राष्ट्रीय फैलो, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (201572020)
- प्रोफेसर रमेश चंद्र भारद्वाज, संस्कृत विभाग विद्यानंद वेदिक पुरस्कार, आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली 7 नवंबर, 2015
- डॉ. भारतेंदु पांडे, संस्कृत विभाग काशी विद्वत परिषद, वाराणसी द्वारा नवंबर 2015 में विद्वतभूषण पुरस्कार
- प्रोफेसर नंदिनी सुंदर, समाज–विज्ञान विभाग ईस्टर बोसरप पुरस्कार 2016

आयुर्विज्ञान में पुरस्कार/फैलोशिप

- डॉ. अनिर्बन एच. चौधरी, निश्चेतनता और गहन देखभाल, इंडियन सोसायटी फॉर क्रिटिकल केयर मेडिसिन
- प्रोफेसर एस.बी. शर्मा, जैवरसायन विभाग (यूसीएमएस),अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी फॉर एहथिरोसीलेओसिस रिसर्च, 2015
- एस.के, रसनिया, सामुदायिक औषध (एलएचएमसी) विभाग, भारतीय रोगनिरोधी और सामाजिक औषध एसोसिएशन
- डॉ. एस.के. बसीन, सामुदायिक औषध (यूसीएमएस) विभाग, भारतीय रोगनिरोधी और सामाजिक औषध एसोसिएशन (यूसीएमएस) विभाग की 7 जनवरी, 2016 को जीएमईआरएस आयुर्विज्ञान कॉलेज गांधीनगर के 43 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाषण।
- डॉ. ए.के. शर्मा, सामुदायिक औषध (यूसीएमएस) विभाग, ईलिनोइस, अमेरिका के अतिथि अध्येता के रूप में विदेशी विश्वविद्यालय के लिए डीएचआर फैलोशिप
- डॉ. अर्चना, त्वचाविज्ञान और एसटीडी (यूसीएमएस) विभाग प्रथम डर्मासोर्स इनोवेशन पुरस्कार 2015
- डॉ. विजय कुमार गर्ग त्वचाविज्ञान और एसटीडी (यूसीएमएस) विभाग, त्वचाविशेषज्ञों, मैथुन संबंधी विशेषज्ञों और कुष्ठरोग विशेषज्ञों की भारतीय एसोसिएशन के 21–24 जनवरी, 2016 मैंगलूर, भारत के 44वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''एसजेएस–टेनए क्रिटिकल एनेलिसिस एंड इफेक्टिव मोडिफिकेशन ऑफ स्कोर्टन एंड ए स्टॉंग रिकमेन्डेशन फार एडोप्टिंग कन्जरवेटिव मैनेजमेंट'' पर आईएडीवीएल सिस्टोपिक भाषण पुरस्कार
- डॉ. बी. उप्पल, अणुजीव विज्ञान (एमएएमसी) विभाग, एलुमनस पुरस्कार
- डॉ. आर. बी. अहुजा, दाह और प्लास्टिक (एमएएमसी) विभाग, भारतीय दाह शल्य चिकित्सक एसोसिएशन द्वारा वर्ष का उत्कृष्ट शिक्षक
- डॉ. सिद्धार्थ एमजी, मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कॉलेज, स्वस्थ्य में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिल्ली राज्य स्वास्थ्य पुरस्कार, 2015
- डॉ. ए. अग्रवाल, आयुर्विज्ञान (यूसीाएमएस) विभाग, भारतीय चिकित्सक कॉलेज की फैलोशिप
- डॉ. एस.वी. मधु, औषध (यूसीाएमएस) विभाग, दिल्ली आयुर्विज्ञान एसोसिएशन द्वारा 2016 में चिकित्सा भूषण पुरस्कार
- डॉ. एस. प्रेमजी, बालचिकित्सक (एमएएमसी) विभाग, स्वास्थय में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिल्ली राज्य स्वास्थ्य पुरस्कार, 2015 और रामचंद्रन भाषण, भारतीय पोषण फाउंडेशन, 2015 और मनीष स्मारक भाषण, बालचिकित्सा शय चिकित्सा विभाग
- डॉ. उर्मिला झांब, बाल–चिकित्सक (एमएएमसी) विभाग, डेंगू प्रकोप के दौरान किए गए सराहनीय कार्य के लिए दिल्ली सरकार (स्वास्थ्य सचिव) से प्रशंसा पुरस्कार
- डॉ. वंदना रॉय, औषध विज्ञान (एमएएमसी) विभाग, आयुर्विज्ञान शिक्षण और अनुसंधान में प्रौन्नत फाउंडेशन फैलोशिप कार्यक्रम 2016
- डॉ. उप्रेती, विकिरण चिकित्सा विज्ञान (यूसीएमएस) विभाग, आईआरआई के दिल्ली चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय अगुवा पुरस्कार, अध्यक्ष द्वारा भारतीय विकिरण चिकित्सा विज्ञान और ईमेंजिंग एसोसिएशन फरवरी 2016 से फरवरी 2017 का निर्वाचन और आईआरआईए के दिल्ली राज्य चैप्टर से शैक्षणिक प्रौन्नत पुरस्कार, फरवरी 2016
- डॉ. अनुराधा चौघरी, वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान, रोग–विज्ञानी राफयल कॉलेज, लंदन, यू.के, के सितंबर 2015 में फैलो निर्वाचित

विश्वविद्यालय के ई–जर्नल

दिल्ली विश्वविद्यालय तीन ई–जर्नल प्रकाशित करता है

- स्नातक–पूर्व अनुसंधान और नवाचार का दिल्ली विश्वविद्यालय जर्नल (आईएसएसएन 2395–2334), ऑनलाईन द्विवार्षिक समकक्ष समीक्षा अनुसंधान जर्नल (भारत में अपनी किस्म का पहला)

- दिल्ली विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान जर्नल (आईएसएसएन 2348–4357) समकक्ष समीक्षा अनुसंधान जर्नल
- डीयू–विद्याः वर्ष में दो बार प्रकाशित दिल्ली विश्वविद्यालय सृजनात्मक लेखन जर्नल

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं (चयनित)

- प्रौढ़ सतत् शिक्षा व विस्तार विभाग ने वूर्जबर्ग विश्वविद्यालय के शोध–छात्रों के लिए 6–10 सितंबर, 2015 को सेमेनार आयोजित किया
- प्रौढ सतत् शिक्षा व विस्तार विभाग ने नए साक्षरों के पुनर्कोशल पर पूर्व शिक्षण और इसके एकीकरण पर 17–18 मार्च, 2016 को सेमिनार आयोजित किया।
- नृविज्ञान विभाग ने ''नृविज्ञान प्रचारः मानव विज्ञान'' 2016 पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।
- अरबी भाषा ने ''भारतीय प्रज्ञताः पंचतंत्र/कलिलाहवा दिम्नाहरु परंपरा, इतिहास और सभ्यता'' पर 8–10 मार्च , 2016 को सेमिनार आयोजित किया
- अफ्रीका अध्ययन विभाग के ''अफ्रीका 2000 सेः पारगमन और परिर्वतन पर फरवरी, 2016 को राष्ट्रीय सम्मेलन पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- जैवरसायन विभाग ने ''जीनोम जीव–विज्ञान और बिग डॉटा जैव–आसूचना'' पर जैव प्रोद्योगिक केंद्र सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय में 29 मार्च, 2016 को सेमिनार आयोजित किया।
- जैवरसायन विभाग ने ''प्रोटिओमिक्स अनुसंधान में अगुआ'' पर एस.पी.जैन सभागार दिल्ली विश्वविद्यालय में 18 मार्च 2016 को सेमिनार आयोजित किया
- जैवभौतिकी विभाग ने प्रोफेसर निक एस. जॉन्स, इंपीरियल कॉलेज, लंदन द्वारा 16 दिसंबर 2015 को सेमिनार आयोजित किया।
- डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र ने जैवआसूचना और औषध डिजाईन में आणविक मॉडलिंग पर 21–23 जनवरी, 2016 को छठी कार्यशाला आयोजित की।
- डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र ने ''जीन समाविष्टि @ कार्य :संरचना जीव–विज्ञान से औषध खोज'' पर 29–31 अक्तूबर, 2015 को जैव–चिकित्सा अनुसंधान में अगुवाओं पर 10वीं संगोष्ठि आयोजित की।
- रसायन विज्ञान विभाग ने ''पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' पर 1–4 मात्र, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- रसायन विज्ञान विभाग ने कार्यात्मक अणु/पदार्थ पर 26–27 फरवरी, 2016 को '' डीयू–जेएआईएसटी भारत–जापान संगोष्ठि'' का अयोजन किया।
- वाणिज्य विभाग ने ''कार्पोरेट अभिशासन और सीएसआरः पुनरावलोकन और संभावनाओं'' पर 18–19 दिसंबर 2015 को चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अययोजित किया।
- कलस्टर नवाचार केंद्र ने पीएचपी चैंबर ऑफ कॉमर्स और एसएसएमई मंत्रालय ने सहयोग से 17 मार्च 2016 को फरीदाबाद में एमएसएमई के लिए आईपीआर पर अभिगम्यता कार्यक्रम अयोजित किया।
- कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने 'बिग डॉटा विश्लेषणात्मक सीआरडीए'' पर दिसंबर 2015 में हैदराबाद में चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- पूर्व एशियाई अध्यय ने प्रोफेसर तानसेन सेन, न्यूयार्क सिटी विश्वविद्यालय, द्वारा अप्रैल 2015 में ''लंबी यात्रा जो कभी नहीं हुईः दिल्ली पेकिंग मित्रता मार्च, 1963 और इसके वैश्विक परिप्रेक्ष्य'' पर वी.पी.दत्त स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया।
- आर्थिकी विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स ने 14–16 दिसंबर, 2015 को ''शीत स्कूल 2015'' पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया
- आर्थिकी विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स ने प्रोफेसर जेम्स के.बॉयी, मासस चेसेट्स विश्वविद्यालय द्वार 27 अप्रैल 2015 को ''जलवायु बोनसः वर्तमान पीढ़ी से संबंधित जलवायु नीति का निर्माण'' पर सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया।
- इलैक्ट्रोनिक विज्ञान विभाग ने प्रोफेसर जुइन जे. लिओयू, पिगासस प्रतिष्ठित प्रोफेसर ओर लॉकहीद मार्टिन सेंट लारेंट प्रोफेसर ऑफ इंजीनियरिंग, सैंट्रल फलोरिडा विश्वविद्यालय, आरलेंडो, फ्लोरिडा द्वार 14 दिसंबर, 2015 को ''इलैक्ट्रोस्टेटिक निस्मरण (ईएसडी) का दृष्टिकोण और चुनौतियां आधुनिक और भावी एकीकृत सर्फिट का सरंरक्षण'' पर संगोष्ठि का अयोजन किया
- अंग्रेजी विभाग ने 17–19 दिसंबर, 2015 को ''दलित साहित्य के प्रकाशन और प्रचार–प्रसार'' पर 17–19 दिसंबर, 2015 को कार्यशाला अयोजित की।
- अंग्रेजी विभाग ने 24–25 फरवरी, 2016 को ''अंग्रेजी विभाग में पूर्वोतर अध्ययन का भविष्य ''पर कार्यशाला आयोजित की।
- वित्तीय अध्ययन विभाग ने रामानुजम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय लेखांकन एसोसिएशन, एनसीआर चैप्टर के सहयोग से 15–20 जूनत्र 2015 को दक्षिणी कैम्पस में शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए ''गुणवता अनुसंधान हेतु अनुसंधान साधनों के लाभ उठाने'' पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया।
- भूगोल विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स ने हिमालयी पर्यावरण में आपदा जोखिम न्यूवता और जीवन–यापन सुरक्षा पर 23 दिसंबर, 2015 को कार्यशाला आयोजित की।
- भूविज्ञान विभाग ने डॉ. रास्मस थिडे, पृथ्वी और पर्यावरणीय विज्ञान, संस्थान पोट्सडम विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा 22 फरवरी, 2016 को'' हिमालय में बनावट विकृति कटिबंध'' सेमिनार आयोजित किया।
- जर्मन भाषा और प्रेम अध्ययन विभाग ने 3–5 मार्च, 2016 को ''बार्डरः लाक्षणिक और भौतिक'' पर 3–5 मार्च, 2016 को सम्मेलन आयोजित किया।
- इतिहास विभाग ने ''महिलावादी सिद्धांतों और कार्यविधियों'' पर महिला अध्ययन और विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में फरवरी–मार्च 2016 में कार्यशाला का आयोजन किया।
- विधि संकाय विधि केंद्र I के सहयोग से वैश्विक विधि शिक्षा, राष्ट्रीय नियमों के अभिसरण, शिक्षण और अनुसंधान में श्रेष्ठ पद्धतियों पर 11 मार्च, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- विधि संकाय ने ''जैव–विविधता और संपोषणीय उर्जाः विधि और व्यवहार पर 12–14 फरवरी, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- गणित विभाग ने ''ऑपरेटर स्पेसिल'' पर 7–9 दिसंबर, 2015 को 14वीं चर्चा बैठक अयोजित की।

- गणित विभाग ने गणित प्रोग्रमिंग समूह, दिल्ली और प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से ईष्टतम सिद्धांत और अनुप्रयोग में निवर्तमान प्रौन्नतियों पर 30–31 जनवरी, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया
- गणित विभाग ने भारतीय महिला और गणित पर 2–4 अप्रेल, 2016 को सेमिनार आयोजित किया।
- अणुजीव विज्ञान विभाग ने डॉ. रोहित केत्र झागंड़ा, और प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, एलबर्ट आईंस्टाईन स्कूल ऑफ मेडिसिन, न्यूयार्क, अमेरिका द्वारा 28 मार्च को ''विषाणु संक्रामण हेतु वांछित पोषक कारकों के चिन्हिकरण के लिए जीनोम–व्यापक स्कीन'' पर संगोष्ठि आयोजित की।
- संगीत संकाय ने ''भारतीय संगीत में निष्पादन पद्धति के परिवर्तित परिप्रेक्ष्य'' 15–16 मार्च,2016 को अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।
- प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग ने ''गुणता, विश्वसनीयता, इंफोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यापार प्रचालन'' पर 28–30 दिसंबर, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग ने ईष्टतम सिद्धांत और अनुप्रयोग में निवर्तमान प्रौन्नतियां'' पर 30–31 जनवरी, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग ने''व्यापार विशलेषणात्मक और प्रज्ञताः उद्योग–शैक्षिणिक अंतःसंवाद पर 4–5 मार्च, 2016 को राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
- फारसी विभाग ने ''सल्तनत अवधि और मुगल सम्राज्य'' पर 3–4 सितंबर 2015 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- फारसी विभाग ने ''मुगल न्यायालय में इंडों–पारसी संस्कृति (1556–1656)'' पर 3–5 मार्च, 2016 को तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।
- दर्शन–शास्त्र विभाग ने प्रोफेसर स्टीफन स्टिच, रूटगर्स विश्वद्यिालय द्वारा 23 फरवरी, 2016 को ''प्रयोगाात्मक दर्शन–शास्त्र और दार्शनिक परंपरा'' पर सेमिनार आयोजित किया।
- भौतिकी और खगौल भौतिकी विभाग ने ''इलैक्ट्रान माईक्रोस्कॉपी ओर सबद्ध तकनीकों'' पर 21–23 दिसंबर 2015 को कार्यश्शला आयोजित की।
- भौतिकी और खगौल भौतिकी विभाग ने''इकोनोफिजिक्स और सोशोफिजिक्स'' पर 27 नवबंर–1 दिसंबर,2015 को कार्यशाला आयोजित की।
- पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर 29 फरवरी 2016 को पूर्णसत्र व्याख्यान आयोजित किया।
- पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग ने''आणविक जीव–विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी पर मार्च 2016 में कार्यशाला आयोजित की।
- राजनैतिक विज्ञान विभाग ने ''विधि, संस्थान और राजनैतिक दर्शन'' पर 21–22 अगस्त 2015 को सम्मेलन आयोजित किया।
- राजनैतिक विज्ञान विभाग ने ''समकालीन भारत के लिए अंबेडकर के प्रमुख लेखों की विवेचना'' पर 18–27 फरवरी 2016 को कार्यशाला आयोजित की
- मनोविज्ञान विभाग ने 'खेल मनश्चिकित्सा'' पर मार्च 2016 में कार्यशाला अयोजित की।
- पंजाबी विभाग ने साहित्य अकादमी दिल्ली के सहयोग में ''पंजाबी लोक–साहित्य और संस्कृति की चुनौतियों पर 16 मार्च, 2016 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।
- संस्कृत विभाग ने''विश्वविद्यालय के वर्तमान परिवेश में संस्कृत शास्त्रों का अभिग्रहण'' पर 11–12 मार्च 2016 को सेमिनार अयोजित किया।
- समाज–विज्ञान विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स ने जलवायु परिवर्तन पर 20–21 जनवरी, 2016 को तृतीय कार्यशाला आयोजित की।
- समाज–विज्ञान विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स ने प्रोफेसर वीणादास, जॉन होयकिन्स विश्वविद्यालय द्वारा ''साधारण नीतिशास्त्र कैसा दिखता है। दैनिक जीवन की पुनर्कल्पना'' पर 29 जुलाई 2015 को प्रोफेसर डी.एस.कोठरी स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया।
- सांख्यिकी विभाग ने प्रोफेसर विकास सिन्हा द्वारा सूडोकू पहेली''–एक मिश्रित आश्चर्य'' पर 5 जून 2015 को सेमिनार आयोजित किया।

विश्वविद्यालय के उष्मायन केंद्र

क. इलैक्ट्रोउद्यम पार्क

A. **Electropreneur Park**

विश्वविद्यालय ने इलैक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वाधान में भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क और भारतीय इलेक्ट्रोनिक्स और सेमिकंडक्टर एसोसिएशन के साथ समझौता ज्ञापन किया और एक इलैक्ट्रोउद्यमिता पार्क स्थापित किया। इलैक्ट्रोनिक प्रणाली डिजाईन और निर्माण में स्टार्ट–अप को समर्थन करने हेतु अपने किस्म का पहला इलैक्ट्रोउद्यामिता पार्क विश्वविद्यालय के दक्षिण कैम्पस में स्थापित किया। पार्क के मुख्य उद्देश्य हैं:

1. भारत में ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान व विकास, नवाचार,उद्यमिता के प्रोत्साहन हेतु साकल्य ईको–प्रणाली बनाना।
2. वृहत उपभोज्य इलैक्ट्रोनिक उत्पादों में घरेलू मूल्यवर्धन अधिकतम करना और बाह्य पराधीनता न्यून करने हेतु देश में बौद्धिक संपदा का सृजन सुकर करना।
3. भारत और अन्य विकसित बाजारों के लिए स्कीम के जरिए उत्पादित उत्पादों के लिए प्रोटोटाइपिंग, विकास और वाणिज्यिकरण के दौरान सहायता प्रदान करना।
4. विभिन्न स्तरों पर रोजगार सृजित करना।
5. कूटनीतिक क्षेत्रों के साथ दीर्घावधि साझेदारी बनाना

ख. प्रौद्योगिकी व्यापार उष्मायक

एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से डिजाईन नवाचार केंद्र में उष्मायक स्थापित किया गया है। क्लस्टर नवाचार केंद्र की स्थापना उद्यमियों/उष्मायकों को प्रयोगशाला अथवा कार्यशाला स्तर पर और तत्पश्चात अपनी नवाचार संकल्पनाओं (प्रक्रियाएं और/अथवा उत्पाद) के परीक्षण हेतु प्रोत्साहित करने के लिए की गई है।

ग. उद्यमिता और आाजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों, दोनों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने हेत आजीविका उन्मुख कार्यक्रम के संचालन के लिए स्थापित किया गया है।

ध. नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र

आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक संस्थानों में उद्यमिता परिवेश विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इस केंद्र की स्थापना की।

ड़. एमएसमई मंत्रालय के साथ सहयोग में उष्मायक

इस उष्मायक की स्थापना विश्वविद्यालय के आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज में की गई है।

शैक्षिक–उद्योग संयोजकता

विश्वविद्यालय के क्लस्टर नवाचार केंद्र में एसटीपीआई, पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स, आईआईटी, मुंबई, एनटीपीसी के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। सीआईसी ने भी मांग, स्वचलीकरण, आंकडा विश्लेषण और उन्नत मीटर अवसंरचना के क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान हेतु टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए। सीआईसी के छात्रों को विभिन्न संस्थानों जैसेकि डीआरडीओ, एनआईएफ, बीएआरसी, एनबीआरसी, आईआईअी, मुंबई, एफएमएस दिल्ली आईआईएम बंगलूर, अग्रणी राष्ट्रीय दैनिक जैसेकि दि हिंदू आदि में भेजा गया। सीआईसी मंत्रालय, भारत सरकार के साथ आईटी और गणितीय मॉडलिंग प्रयुक्त करके रेल नेटवर्क निष्पादन के मापन पर रेल समयबद्धता सूचकांक और वास्तविक समय मानीटरन प्रणाली के विकास हेतु कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला

विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला–विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला–भारत/ श्रीलंका/ बंग्लादेश/ नेपाल और मालद्वीप में मैक्सिको के राजदूत महामहिम मेल्वा प्रिया द्वारा 22 सितंबर,2015 को ''ईक्कीसवीं सदी में मैक्सिको'' पर एक व्याख्यान

समझौता ज्ञापन और विदेशी विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक ईनपुट और अनुभवों को समृद्य करने हेतु प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग करने की परंपरा कायम रखी है। विश्वविद्यालय ने अपने इस प्रयास में विश्व के अनेक संस्थानों के साथ शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग हेतु हस्ताक्षर किए हैं।

1. राष्ट्रीय तसिंग हुआ विश्वविद्यालय, ताईवान
2. एम.वी.लोमोनोसोव मास्को राज्य विश्वविद्यालय,रूस
3. जार्डन विश्वविद्यालय, अमान, जार्डन
4. ईसरा विश्वविद्यालय, अमान,जार्डन
5. आईडीसी, हर्जिल्या, इजाराईन
6. जेरूसलम हिब्रु विश्वविद्यालय, ईजराईल
7. बेगेव बेनगूरियन विश्वविद्यालय, ब्रीर शेवा, ईजराईल
8. मानविकी रूस राज्य विश्वविद्यालय, मास्को, रूस
9. भाषा और संस्कृति स्नातकोत्तर स्कूल/विदेशी अध्ययन स्कूल, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान
10. टोक्यो विश्वविद्यालय,जापान
11. जॉर्ज–अगस्त विश्वविद्यालय, गोटि्टगेन, जर्मन
12. वूप्पेरटल विश्वविद्यालय, जर्मन
13. किंग कालेज, लंदन
14. वूर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मन
15. लीडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड
16. पेक्स विश्वविद्यालय, हंगरी
17. टूरिन विश्वविद्यालय, ईटली

डिजिटल पहल

कैम्पस संयोजकता

- वाई–फाई सुकर कैम्पस और कॉलेज
- एनकेएन संयोजकता
- कैम्पस और कॉलेजो में फैला सुदृढ आईसीटी नेटवर्क
- विश्वविद्यालय की अनेक प्रकियाओं जैसेकि परीक्षा प्रवेश–पत्र/प्रवेश–पत्र, परीक्षा सारणी, कॉलेजों द्वारा आंतरिक परिणाम सहित डिजिटिकरण किया गया है

पुस्तकालय के इलैक्ट्रोनिक संसाधन

डीयूएलएस ने प्रयोक्ताओं के इलैक्ट्रोनिक संसाधनों की अभिगम्यता को सशक्त करना जारी रखा। विभिन्न विषयों और आयामों में 48 इलैक्ट्रोनिक आधार आंकड़े हैं जो विश्वविद्यालय के प्रयोक्ता समुदाय को उपलब्ध है।

समान अवसर प्रकोष्ठ पहल

- विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता कार्यकम आयोजित किया जिसके अंतर्गत दिव्यांग छात्रों को किंग्स कॉलेज लंदन, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और दक्षिणी कोरिया भेजा गया
- विश्वविद्यालय ने भारत सरकार की दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता स्कीम के जरिए दृष्टिहीन छात्रों को स्मार्ट फोन और स्मार्ट फेन प्रदान करना प्रारंभ किया है।

नियुक्ति कार्यकलाप

इस वर्ष केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ में पंजीकृत छात्रों को आकर्षक वार्षिक पैकेज दिए गए। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय अग्रणी संगठनों ने केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ के जरिए भर्ती के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी की। उत्तरी और दक्षिणी कैम्पस, दोनों में 35 से अधिक कंपनियों ने ऑनलाईन चयन कार्य किया। विभिन्न कंपनियों ने 1500 से अधिक छात्रों को नियुक्ति प्रस्तावों सहित संक्षिप्त सूची बनाई और 1100 छात्रों को विभिन्न सार्वजनिक और प्राईवेट क्षेत्रों में रोजगार के आकर्षक वेतन पैकेज दिए।

कौशल संवर्धन पहल

विश्वविद्यालय ''अभिज्ञान अधिग्रहण और कुशल मानव सक्षमताएं और जीवन–यापन (कौशल्य)'' के लिए दीन दयाल उपाध्याय स्कीम के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर उद्योग की आवश्यकताओं हेतु कुल जनशक्ति तैयार करने में सकिय रूप से संलिप्त है। इस दिशा में विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज कार्यरत है। विश्वविद्यालय ने प्रयोगशाला अनुसंधान में एक ग्रीष्म प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जिसमें विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं में 68 स्नातक–पूर्व छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

सामाजिक अभिगम्यता

विश्वविद्यालय अपनी सामाजिक अभिगम्यता पहल के प्रति प्रतिबद्ध है। इसने एक सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की है। विश्वविद्यालय ने इस प्रकोष्ठ के अंतर्गत पांच ग्रामों–जगतपुर, शाहदरा, झरोदा, माजरा, बुरारी, मुकुंदपुर, बदरपुर, खादर और बकियाबाद अंगीकार किए हैं। विशिष्ट कार्यों में शामिल हैं– यातायात, जल, स्वच्छता से संबंधित मूल अवसंरचना हेतु समुदाय आधारित पहल और स्वच्छता व अवशिष्ट प्रबंधन से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु कार्य करनाः मोहल्ला क्लिनिक और मोबाईल वैन स्थापित करके संपोषणीय स्वास्थ्य सेवाओं का सुजनः नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन। उन्नत भारत अभियान एक अन्य पहल है जो महिला समूह, स्व–सहायता समूह, यूवा समूह, सहकारिता आदि समुदाय आधारित समूहों के सृजन/सुदृढ़ीकरण के जरिए समेकित ग्रामीण सामुदायिक विकास की दिशा में कार्य कर रहा है और सफाई व स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण, महिला सुरक्ष, लिंग समानता, महिला सशक्तीकरण, सूक्ष्म केडिट जैसे संबंधित विषयों पर जागरूकता कों प्रोत्साहित कर रहा है।

कीड़ा विशेष सम्मान

छात्रों की ओलम्पिक में प्रतिभागिता

दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के तीन छात्रों का रियोडी जनेइरा, ब्राजिल में 2016 ग्रीष्म ओलम्पिक में प्रतिभागिता हेतु चयन किया गया।

- अपूर्वी चंदेला (जीसस और मेरी कॉलेज) 10 मीटर एयर राईफल
- ललित माथुर (गुरू तेग बहादुर खालस कॉलेज)–4x400 मीटर रिले दौड।
- मनिका बत्रा (जीसस और मेरी कालेज) टेबल टेनिस, वीमेन सिंगल।

उत्तर अंचल उत्तर–विश्वविद्यालय टेबल टेनिस(पुरूष व महिला) टूर्नामेंट

टूर्नामेंट का आयोजन दिसंबर 2015 में किया गया जिसमें पुरूषों की 48 टीम और महिलाओं की 43 टीम ने भाग लिया। टूर्नामेंट मैच दिल्ली विश्वविद्यालय के बहु–प्रयोजनीय हॉल में खेले गए। दिल्ली विश्वविद्यालय ने पुरूष वर्ग में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ को परास्त करके उत्तरी–क्षेत्र अंतर–विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (पुरूष) टूर्नामेंट जीता। दिल्ली

विश्वविद्यालय ने महिला वर्ग में भी ईलाहाबाद विश्वविद्यालय ईलाहाबाद को परास्त करके उत्तरी क्षेत्र अंतर–विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (महिला) टूर्नामेंट जीता।

उत्कृष्ट खेल–कूद सम्मान/विशिष्टता

- श्री अखिल शेओरन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने ग्वांगजू, कोरिया गणराज्य में 3–14 जुलाई, 2015 को हुए 28वें विश्व विश्वविद्यालय खेल में कांस्य पदक जीता।
- सुश्री अपूर्वी चंदेला, दिल्ली विश्वविद्यालय कोरिया गणराज्य में 3–14 जुलाई, 2015 को हुए 28वें विश्व विश्वविद्यालय खेल में महिला 10मीटर एयर शूटिंग में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।
- श्री ईशान गोयल, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कुवैत में 1–12 नवंबर, 2015 को 13वे एशियाई चैंपियनशिप में 50 मीटर राईफल तृतीय स्थान कनिष्ठ पुरूष टीम में स्वर्ण पदक जीता।
- श्री ईशान गोयल,, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कुवैत में 1–12 नवंबर, 2015 को 13वे एशियाई चैंपियनशिप में 50 मीटर राईफल प्रोन स्थान कनिष्ठ पुरूष टीम में रजत पदक भी जीता।
- श्री योगेश गौतम, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सुवोन में 3–11 अगस्त 2015 को हुई एशियाई युवा चैस चैंपियनशीप में स्वर्ण पदक जीता।
- श्री योगेश गौतम दिल्ली विश्वविद्यालय ने नई दिल्ली में 22–30 जून 2015 को हुई राष्ट्रमंडल (18 वर्ष से कम) चैस चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीते।
- सुश्री पूजा टोकस, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 27 अक्तूबर से 18 नवंबर, 2015 को बोंगईगांव असम में हुई 16वीं वरिष्ठ महिला राष्ट्रीय बाक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- सुश्री हीना टोकस, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 27 अक्तूबर से 18 नवंबर, 2015 को बोंगईगांव में हुई 16वीं वरिष्ठ महिला राष्ट्रीय बाक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- सुश्री शुभ गुलाटी, दिल्ली विश्वविद्यालय ने जापान में 11–13 मार्च, 2016 को 20वीं एशियाकप हिरोशिमा अंतर्राष्ट्रीय साफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भाग लिया।
- सुश्री योगिता वोहरा, दिल्ली विश्वविद्यालय ने ताईवान (चीनी ताईपी) में 26 जुलाई से 2 अगस्त 2015 को हुई पांचवी आईकेएफ यू–23 एशिया–ओशिएनिय कोर्फबॉल चैंपियनशिप में भाग लिया।
- सुश्री मोनिका, दिल्ली विश्वविद्यालय ने ताईवान (चीनी ताईपी) में 26 जुलाई से 2 अगस्त 2015 को हुई पांचवी आईकेएफ यू–23 एशिया–ओशिएनिय कोर्फबॉल चैंपियनशिप में भाग लिया।

अन्य महत्वपूर्ण खेल सम्मान

- दिल्ली विश्वविद्यालय के बासठ (62) खिलाड़ियों ने उत्तर–क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट (पुरूष व महिला) में बैडमिंटन (महिला), बॉस्कटबाल (महिला), बाक्सिंग (महिला), चैस (पुरूष व महिला), खो–खो (महिला), शूटिंग (महिला), स्क्वेश रेकेट (पुरुष), टेबल टेनिस (पुरूष व महिला), ताईकांडों (महिला), टेनिस (महिला), में स्वर्ण पदक जीते।

- अट्ठानवे (98) खिलाड़ियों ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में जलक्रीड़ा (पुरूष व महिला), बास्केट बॉल (पुरूष व महिला) बास्केट बॉल (पुरूष), क्रिकेट (पुरूष), फुटबाल (महिला), जिम्नास्टिक (पुरूष व महिला), जुडो (महिला), शूटिंग (पुरूष), टाईकोंडो (महिला), कुश्ती (पुरूष) में रजत पदक जीते
- अड़तालिस (48) खिलाडियों ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर–विश्विद्यालय टूर्नामेंट में जलक्रीडा (पुरूष), तीरंदाजी (महिला), कुश्ती (पुरूष व महिला), चैस (पुरूष व महिला), जिमनास्टिक (महिला), जूडो (महिला), खो–खो(पुरूष), शूटिंग (महिला), स्कवैशा रेकेट (महिला), टाईकोंडो (पुरूष), टेनिस (महिला),कुश्ती (पुरूष व महिला), में कांस्य पदक जीते।

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में टीम चैंपियनशिप

- दिल्ली विश्वविद्यालय निशानेबाजी (पुरूष व महिला) को अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय निशानेबाजी (पुरूष व महिला) चैंपियनशिप 2015–16 में टीम रजत पदक प्राप्त हुआ।
- दिल्ली विश्वविद्यालय जिम्नास्टिक को अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय जिम्नास्टिक (महिला) चैंपियनशिप 2015–16 में जिम्नास्टिक लयवबद्धता में टीम कांस्य पदक प्राप्त हुआ
- दिल्ली विश्वविद्यालय जलक्रीडा (महिला) को अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय जल क्रीडा (गोताखोरी) चैंपियनशिप 2015–16 में टीम कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

अवसंरचना

शैक्षणिक कार्य के लिए उपयुक्त अवसंरचना चूंकि महत्वपूर्ण है अतः विश्वविद्यालय स्थान कमी की समस्या का समाधान का प्रयास करता रहा है।

उत्तरी कैम्पस

निम्नलिखित निर्माण कार्य पूर्ण हो गए हैः

- कला संकाय के लिए व्याख्यान हॉल कॉम्पलेक्स/कला व सामाजिक विज्ञान भवन
- स्नातकोत्तर महिला हास्टल का पुनरूद्धार (सिविल/इलैक्ट्रिकल/एसी कार्य

उत्तरी कैम्पस

निम्नलिखित निर्माण कार्य प्रगति में हैः

- प्राणी विज्ञान विभाग के लम्बवत विस्तार का निर्माण

दक्षिणी कैम्पस

विभिन्न सिविक एजेंसियों जैसेकि वन विभाग, दक्षिण दिल्ली नगर निगम से मंजूरी लंबित होने के कारण निम्नलिखित कार्य को रोका हुआ है।

- प्रबंध अध्ययन संकाय हेतु शैक्षणिक भवन का निर्माण
- शोध–छात्रों के लिए छात्रावास का निर्माण
- इलैक्ट्रोनिक विज्ञान भवन का क्षैतिज विस्तार

जीवन विज्ञान भवन का क्षैतिज विस्तार

सामान्य सुविधाएं एवं कार्यक्रम
संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण

प्रमुख गतिविधियाँ

मुक्त दिवसः उत्तरी कैंपस (सम्मेलन केंद्र) में दस मुक्त दिवस आयोजित किए गए। मुक्त दिवसों का आयोजन प्रवेश की प्रक्रिया में छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए किया जाता है। इसमें कुल मिलाकर, 30000 से अधिक छात्रों और अभिभावकों ने भाग लिया। इच्छुक उम्मीदवारों और उनके माता–पिता ने मुक्त दिवस में काफी उत्साह दिखाया।

सहायता केंद्रः स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए डीन छात्र कल्याण कार्यालय, सम्मेलन केंद्र में छात्र सहायता केंद्र स्थापित किया गया था। यह कदम इच्छुक उम्मीदवारों में गलत/अपर्याप्त जानकारी का प्रसार करने वाले अवांछनीय तत्वों को समाप्त करने के लिए उठाया गया था। सम्मेलन केंद्र में ये सहायता केंद्र एक महीने से अधिक समय तक संचालित किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रमः विदेशी छात्रों के पंजीकरण कार्यालय (एफएसआर) ने 2015–2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले विदेशी नागरिकों के प्रवेश, अध्ययन और सुरक्षित रूप से रहने की जिम्मेदारी संभाली। जिन्हें जरूरत थी, उन्हें पूरे वर्ष परामर्श सुविधा प्रदान की गई। छात्रों की समस्याओं को हल करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ नेटवर्क और संचार बनाए रखा गया। कार्यालय ने छात्रों की सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी मदद और स्थान प्रदान किया। इस प्रकार, 40 छात्रों ने विश्व युवक केन्द्र (अंतर्राष्ट्रीय युवा केंद्र), नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय समुदायों पर केंद्रित था। हिंदू कॉलेज में कोरियाई सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाया गया और 400 से अधिक भारतीय और विदेशी नागरिकों ने इसमें भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय छात्रों के छात्रावास को अपनी वार्षिक रात्रि के आयोजन के लिए वित्तीय मदद दी गई थी। इसमें छात्रों की बड़ी भागीदारी रही। किरोड़ीमल कॉलेज के विदेशी छात्र संघ को पूरे वर्ष मार्गदर्शन प्रदान किया गया और इसकी गतिविधियों में उप–संकायाध्यक्ष ने भी भाग लिया।

दाखिले की गतिविधियाँ

स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले का समन्वयः

डीन छात्र कल्याण कार्यालय सभी श्रेणियों (साधारण/अपिव/अजा/अजजा/दिव्यांग) में प्रवेश के लिए अंग्रेजी और हिंदी में विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन के प्रकाशन और ओएमआर प्रपत्रों के डेटा विश्लेषण (ऑनलाइनध्ऑफलाइन) में शामिल रहा था। साधारण/अजा/अपिव आदि सभी श्रेणियों के छात्रों को एक ऑनलाइन ओएमआर पंजीकरण फार्म के माध्यम से पंजीकरण कराने की अनुमति दी गई। दिव्यांग उम्मीदवारों को उनके दाखिले से संबंधित सभी अतिरिक्त सुविधाएं अलग से प्रदान की गईं। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान जानकारी बुलेटिन 100 रुपए प्रत्येक की दर से उपलब्ध था। सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों द्वारा इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता था।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों की प्रवेश से संबंधित शिकायतों का समाधान करने के लिए, डीन छात्र कल्याण की अध्यक्षता में एक समिति स्थापित की गई थी।

केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल) की गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के अंतर्गत, सभी घटक कॉलेजों और विश्वविद्यालय स्तर के विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए रोजगार के अवसर की व्यवस्था करने के लिए एक केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल) है। 2008 में स्थापना के बाद, शैक्षणिक वर्ष 2015–16 इसके काम करने का आठवां वर्ष था। इंटर्नशिप पंजीकरण सहित पंजीकृत छात्रों की कुल संख्या 16000 को पार कर गई थी। इस वर्ष उत्तरी और दक्षिणी परिसर में चयन अभियान आयोजित करने के लिए कुल 35 कंपनियों को सूचीबद्ध किया गया। विभिन्न कंपनियों से 1500 से अधिक छात्रों को नौकरी के प्रस्ताव के लिए चुना गया और 1100 छात्रों को अच्छे वेतन के साथ विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रोजगार मिला है। इस वर्ष कुछ कॉरपोरेट् द्वारा स्नातकोत्तर और पीएचडी उम्मीदवारों को नौकरियों की पेशकश करने में रुचि दिखाई गई, जिससे एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का पता चला है। इस वर्ष सीपीसी की नियमित गतिविधियों के साथ, क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ बातचीत करने और उन्हें विशेष कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। इन कार्यशालाओं से हमारे छात्रों को पेशेवरों के साथ बातचीत करने, अपने बुनियादी कौशल अर्थात् सीवी लेखन, साक्षात्कार का सामना करने, स्व–मूल्यांकन और स्व–रोजगार को बढ़ाने में मदद मिली।

इंटर्नशिप कार्यक्रमः विभिन्न कॉलेजों से प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को कंपनियों के साथ जानकारी और प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए इंटर्न के रूप में विभिन्न कंपनियों में भेजा गया। इस उद्देश्य के लिए विभिन्न कंपनियों को इंटर्नशिप के लिए सीपीसी में पंजीकरण कराने हेतु आमंत्रित किया गया था। इस वर्ष कई कंपनियों ने सीपीसी का दौरा किया और गर्मियों के लघु इंटर्नशिप के लिए उम्मीदवारों को सूचीबद्ध किया। स्पेस टेक्नोलॉजी एंड एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, एबीपी न्यूज नेटवर्क लिमिटेड और वाणी प्रकाशन तथा कार 24 सर्विस प्राइवेट लिमिटेड आदि इंटर्नशिप के लिए प्रमुख कंपनियां थीं।

नियुक्ति (प्लेसमेंट): इस वर्ष बहुत से छात्रों को विप्रो, एसआरएफ लिमिटेड, आदि कंपनियों से नौकरी का प्रस्ताव मिला है। इस वर्ष सीपीसी के लिए पंजीकृत छात्रों को 6.00 लाख तक के वार्षिक पैकेज की पेशकश की गई है। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति के अग्रणी संगठनों ने केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ के माध्यम से भर्ती के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ भागीदारी की है। केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ व्यापार जगत के नेताओं और प्रतिष्ठित कंपनियों में वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ संपर्क बनाता है।

केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ, नियुक्ति प्रकोष्ठ सलाहकार समिति की सलाह पर काम करता है। इस समिति में डीन छात्र कल्याण, नियुक्ति समन्वयक, छात्र कल्याण के डिप्टी डीन, नियुक्ति सलाहकार और सभी कॉलेजों और विभागों से नियुक्ति सलाहकार और नियुक्ति समन्वयक शामिल होते हैं। सलाहकार समिति, नियुक्ति प्रकोष्ठ के कामकाज की निगरानी करती है और उसे मार्गदर्शन प्रदान करती है। छात्रों के नेतृत्व कौशल को विकसित करने के लिए, उनके लिए विभिन्न क्षमता संवर्धन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

कंपनियों के नाम

1. इंटर ग्लोब एविएशन लिमिटेड
2. ओजी होल्डिंग्स कॉरपोरेशन
3. माइंड शेपर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
4. महिन्द्रा कॉमविवा
5. ईपीएएम सिस्टम्स
6. एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड
7. ऐप्स डिस्कवर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
8. सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
9. जकूपी इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड
10. लॉजिस्टिक्स डिपार्टमेंट थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड
11. परफेक्ट पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल
12. टाटा एसआईए एयरलाइंस लिमिटेड
13. ग्रे मीटर
14. स्पेस टेक्नोलॉजी एंड एजूकेशन प्राइवेट लिमिटेड
15. मार्जस एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड
16. हेरिटेज स्कूल
17. एमेजॉम डेवलपमेंट सेंटर
18. यूनाइटेड हेल्थ ग्रूप इन्फार्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
19. अल्मा मेटर मैटर्स
20. टेक महिंद्रा
21. टीचरसिटी (एसआईटीवाई)
22. अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
23. इन्फोसिस लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी,
24. नेविग8 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
25. एसआरएफ लिमिटेड

26. आइरिस पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड
27. इनोडेटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
28. विवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
29. एफआरआर फोरेक्स प्राइवेट लिमिटेड

संस्कृति परिषद ने 2015–2016 में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया:

8 और 9 जनवरी, 2016 को शिक्षा मंडल, वर्धा (एमएस) में, कमल नयन बजाज मेमोरियल अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्कृति परिषद ने, हिंदू कॉलेज के श्री राहुल राज आर्यन को दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से भाग लेने का अवसर दिया और उसने इस प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

संस्कृति परिषद के सहयोग से श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज द्वारा एक अंतर–कॉलेज गजल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम का प्रारंभिक दौर 19 जनवरी, 2016 को संस्कृति परिषद कार्यालय में और अंतिम दौर 29 जनवरी, 2016 को श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में आयोजित किया गया। 29 जनवरी को हंसराज कॉलेज में एक अंतर कॉलेज निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। 12 फरवरी,2016 को संस्कृति परिषद समर्थित, ललित कला संगीत संकाय का एक कार्यक्रम ''वसंत समारोह '' आयोजित किया गया।

18 फरवरी, 2016 को दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में एक अंतर कॉलेज शास्त्रीय नृत्य और बैले नृत्य प्रतियोगिता ''वंदे मातरम्'' आयोजित की गई। संस्कृति परिषद पिछले 10 वर्षों से इस कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है। संस्कृति परिषद के सहयोग से एप्लाइड साइंस के भास्कराचार्य कॉलेज में 24 फरवरी, 2016 को एक अंतर कॉलेज वाद्य प्रतियोगिता ''भारत के गीत'' आयोजित की गई।

14 मार्च, 2016 को संस्कृति परिषद ने हिंदू कॉलेज के साथ मिलकर हिंदू कॉलेज में एक अंतर कालेज हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया। 19 मार्च, 2016 को, संस्कृति परिषद के सहयोग से श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में एक अंतर कॉलेज गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो

डीयूसीआर 90.4 मेगाहर्ट्ज

स्थायी ऑडियो लिंक का सफल विकास: दिल्ली विश्वविद्यालय के इंट्रानेट सुविधा का उपयोग कर दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों और दिल्ली विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो (डीयूसीआर) के बीच सफलतापूर्वक ऑडियो लिंक बनाया और विकसित किया गया है। इस सुविधा की मदद से दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी कॉलेज के छात्र, अपने कॉलेज से ही रेडियो कार्यक्रम प्रसारित कर सकते हैं। उन्हें डीयूसीआर आने की जरूरत नहीं है।
इस प्रणाली को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है और महिलाओं के आईपी कॉलेज द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। आई पी कॉलेज में आयोजित एक समारोह में कुलपति द्वारा इस लिंक का उद्घाटन किया गया।

कौशल विकास पर धारावाहिकों का निर्माण: कौशल विकास मंत्रालय द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो को, सामुदायिक रेडियो के माध्यम से स्थानीय समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने और उनके कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा देने के धारावाहिक बनाने के लिए चयनित किया गया है।
हमने इस तरह के आठ धारावाहिकों को सफलतापूर्वक रिकार्ड और प्रसारित किया है।

सामुदायिक रेडियो के माध्यम से कानूनी जागरूकता श्रृंखला:
दिल्ली विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो (डीयूसीआर) ने दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सहयोग से कानूनी साक्षरता पर एपिसोड बनाना शुरू कर दिया है। एफआईआर, सूचना का अधिकार, यौन उत्पीड़न, गिरफ्तारी, जमानत, रिमांड, पीड़ित मुआवजा, घरेलू हिंसा, वरिष्ठ नागरिक अधिकारों आदि विभिन्न विषयों पर 11 एपिसोड बनाए गए हैं। ये कार्यक्रम छात्रों द्वारा विद्वान न्यायाधीशों/डीएसएलएसए द्वारा नामित सचिवों के साथ साक्षात्कार पर आधारित हैं।

बज्म–ए–उर्दू नामक उर्दू कार्यक्रम: डीयूसीआर ने नियमित आधार पर ''बज्म –ए–उर्दू'' नामक एक कार्यक्रम शुरू कर दिया है। उर्दू विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर एन. एम. कमाल द्वारा इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में साक्षात्कार, गजल, मुशायरे और उर्दू जुबान के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल होंगे।

मनोवैज्ञानिक विकार: ''मानसिक विकारों'' पर आधारित विशेष कार्यक्रम के छह एपिसोडा सफलतापूर्वक तैयार किए गए और उनका प्रसारण किया गया है।

मन की बात कार्यक्रम पर छात्रों द्वारा चर्चाः हाल ही में डीयूसीआर ने प्रधानमंत्री के मन की बात पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों के छात्रों के बीच की जाने वाली चर्चा पर आधारित विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। हम इन धारावाहिकों (एपिसोडों) को सफलतापूर्वक रिकॉर्ड और प्रसारित कर रहे हैं।

आवाज की यात्राः "आवाज की माइक्रोफोन से रेडियो रिसीवर तक की यात्रा" शीर्षक से एक तकनीकी कार्यक्रम के दस एपिसोड सफलतापूर्वक बनाए और प्रसारित किए गए हैं। यह कार्यक्रम रेडियो प्रसारण को समझने में मदद करता है।

डिजिटल इंडिया पर डीयूसीआर द्वारा विशेष एपिसोडः सरकार द्वारा आरंभ किए गए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं और बुनियादी समझ पर एपिसोड बनाए जा रहे हैं।

डीयूसीआर द्वारा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमः रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में डीसीयूआर द्वारा रेडियो प्रसारण पर एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम कोर्स आरंभ किया गया है। 22 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और प्रमाण पत्र प्राप्त किए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य कॉलेजों ने भी समान पाठ्यक्रम में दिलचस्पी दिखाई है।

विभिन्न सेमिनारों और कार्यशालाओं में डीयूसीआर की भागीदारी

डीयूसीआर के सलाहकार ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में छठे राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन में भाग लिया।
डीयूसीआर के स्वयंसेवकों ने पुणे में आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

दिल्ली विश्वविद्यालय की पुस्तकालय प्रणाली ने, नव संशोधित अध्यादेश XVI को ध्यान में रखते हुए, अपने 34 घटक पुस्तकालयों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली पुस्तकालय और सूचना सेवाओं में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। एक संक्षिप्त सूची नीचे दी गई हैः

मुद्रित संसाधन

पुस्तकालय प्रणाली ने अपने संग्रह में पुस्तकों/पत्रिकाओं के 20,365 अंक जोड़े हैं। 31–03–2015 की स्थिति के अनुसार संग्रह में कुल 16,33,823 अंक है। वर्तमान में डीयूएलएस द्वारा 1296 पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

डीयूएलएस ने उपयोगकर्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की पहुंच को मजबूत करना जारी रखा है।
विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ता समुदाय के लिए विभिन्न विषयों में 48 इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस उपलब्ध हैं। ये हैंः

1. एबीआईःइनफार्म संपूर्ण
2. अकादमिक सर्च प्रीमियर
3. एसीएम डिजिटल पुस्तकालय
4. अमेरिकी भूभौतिकीय संघ जर्नल
5. अमेरिकन पैथालॉजिकल सोसायटी
6. सूक्ष्म–जीवविज्ञानियों की लिए अमेरिकन सोसायटी
7. एंथ्रोसोर्स
8. बिजनेस सोर्स प्रीमियर
9. पूंजीवाद, प्रकृति, समाजवाद
10. कैपिटालाइन प्लस
11. शिकागो मैनुअल ऑफ स्टाइल
12. सीएलए प्लस
13. क्रेडो (पूर्वएक्सरेफरप्लस)
14. इकोलिट (सार डाटाबेस)
15. ई–ज्यूरिक्स
16. एमराल्ड मैनेजमेंट एक्स्ट्रा
17. एनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रितानिका
18. साइबर अपराध का विश्वकोश
19. कानून प्रवर्तन का विश्वकोश
20. भू–विज्ञान विश्व के साथ भू–संदर्भ
21. हाउस ऑफ कॉमन्स में ब्रिटिश संसदीय पत्र
22. मानविकी अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण
23. आईईएल ऑनलाइन

24. भारत के आँकड़े
25. इंडियन जर्नल्स डॉट कॉम
26. आईएसआई इमर्जिंग मार्केट–सीईआईसी एशिया
27. कीसिंग के विश्व समाचार
28. कानूनी पंडित (लॉ पंडित्स)
29. लेक्सिस नेक्सिस
30. एलआईएसए
31. एलएनसीएस
32. आधुनिक कानून का निर्माण
33. मनुपत्र
34. प्रकृति प्रकाशन (नेचर पब्लिशिंग)
35. अर्थशास्त्र का नया पालग्रेव शब्दकोश
36. पुस्तकों की न्यूयॉर्क समीक्षा (न्यूयार्क रिव्यू ऑफ बुक्स)
37. ओमनीफाइल पूर्ण पाठ (ओमनीफाइल फुल टेक्स्ट)
38. ऑक्सफोर्ड डिक्शेनरी ऑफ नेशनल बायोग्राफी ऑनलाइन एंड ग्रोव आर्ट ऑनलाइन
39. सेज ऑनलाइन
40. विज्ञान प्रत्यक्ष (साइंस डायरेक्ट)
41. विज्ञान पत्रिका (साइंस मैगजीन)
42. स्कोपस
43. पूर्ण पाठ के साथ समाज सूचकांक
44. स्टेट्समेन्स इयरबुक
45. प्रोक्वेस्ट डिसर्टेशन एंड थिसिस फुल टेक्स्ट डेटाबेस
46. वेस्टलॉ इंडिया
47. विश्वबैंक ई–पुस्तकालय
48. विश्व व्यापार संगठन ई–पुस्तकालय

ऑडियो बुक संसाधन और ब्रेल पुस्तकालय

ब्रेल पुस्तकालय सक्रिय रूप से नेत्रहीन छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान के समर्थन में कार्य कर रहा है। इसमें 3 ऑडियो बुक निर्माण स्टूडियो, 2 उच्च क्षमता ब्रेल एंबॉसर्स, सिगटुन, जॉ, डेक्सबरी, लीप ऑफिस जैसे सॉफ्टवेयरों के साथ 23 नवीनतम कंप्यूटरों का नेटवर्क है। इसमें 1697 ऑडियो पुस्तकें, 1707 ब्रेल पुस्तकें, 1672 ई–पाठ, आदि हैं। ऑडियो पुस्तकें और ई–पाठ का पूरा संग्रह पिछले शैक्षणिक वर्ष से एक डीयूसीसी आईपी रेंज पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया गया है और आईडी और पासवर्ड के माध्यम से http/bl.du.ac.in पर सुलभ है। विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले नेत्रहीन छात्रों द्वारा नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग किया जाता है। वर्तमान में, 220 सदस्य पुस्तकालय में नामांकित हैं। ब्रेल पुस्तकालय की वेबसाइट में सुलभ सामग्री डाउनलोड करने वालों की बड़ी संख्या है। यह सीडी पर 1475 पुस्तके वितरित करता है।

उपयोगकर्ता सेवाएं

(1)डीयूएलएस –वेबसाइट

डीयूएलएस वेबसाइट में चयनित पुस्तकालयों की सूची (ओपेक) ई–संदर्भ का प्रावधान, ई–पत्रिकाओं की ए–जेड सूची, ऑनलाइन सूचना साक्षरता ट्यूटोरियल, विषय पोर्टल शामिल हैं, अपने पुस्तकाध्यक्ष से मुफ्त अभिगम्यता संसाधनों और कई अन्य उपयोगकर्ता के अनुकूल सुविधाओं सहित, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग के बारे में पूछें, ये संचालन में है। आज की तारीख तक 5,83,396 उपयोगकर्ताओं द्वारा वेबसाइट देखी गई है।

(2) डिजिटल पुस्तकालय

पुस्तकालय ने डीयूएलएस में उपलब्ध कॉपीराइट क्षेत्र के बाहर की 14,386 पुस्तकों को डिजीटल बनाया गया है और मुक्त स्रोत सामग्री प्रबंधन प्रणाली, अर्थात "डीएसपीएएससी" का उपयोग कर वैश्विक इंटरनेट उपयोग के लिए वेब पर रखा गया है। इसका यूआरएल http://library.du.ac.in/dspace है। यह इंडिया'ज पोर्टल की डिजिटल पुस्तकालय पर भी उपलब्ध है।

(3) सूचना साक्षरता कार्यक्रम

डीयूएलएस ने 2006 के बाद से नियमित रूप से सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करना शुरू कर दिया है और 107 ई–संसाधन अभिविन्यास कार्यक्रमों, 15 प्रत्यक्ष प्रशिक्षण सत्रों, सामाजिक विज्ञान के अनुसंधान विद्वानों के लिए 15 एक दिवसीय कार्यशालाओं सहित विभिन्न विभागों और दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में कुल 137 सूचना साक्षरता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। चालू वर्ष में डीयूएलएस ने विभागों/कालेजों और सम्मेलन केंद्र में 8 सूचना पुस्तकालय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। स्नातकोत्तर, अनुसंधान विद्वानों और सदस्यों सहित 517 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया है।

(4) केएनआईएमबीयूएस (निम्बस)
वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय से 1,636 पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। पिछले एक वर्ष में, निम्बस के माध्यम से 1,591 लॉगिन, 3886 खोजें और 2,271 लेखों को डाउनलोड किया गया है।

(5) दस्तावेज डिलिवरी सेवा
जे–गेट @ यूजीसी इंफोनेट (**J-Gate@UGCInfonet**), यूजीसी इंफोनेट डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के सभी डेटाबेस के लिए लेख स्तर तक पहुंच प्रदान करता है। 30 विश्वविद्यालय पुस्तकालयों द्वारा ली गई सदस्यता की लगभग 5200 मुक्त उपयोग इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और मुद्रित पत्रिकाओं को, इनफ्लिबनेट केन्द्र के केंद्रों के लिए अंतर–पुस्तकालय उधार (आईएलएल) के रूप में तैयार किया गया है। इंटरफेस इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध और एक विशेष विश्वविद्यालय में पहुंच योग्य लेखों के लिए हाइपर लिंक प्रदान करता है ताकि एक उपयोगकर्ता लेखों का उपयोग और डाउनलोड कर सके। इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध या एक विशेष विश्वविद्यालय में सुलभ न होने वाली पत्रिकाओं के लेखों के लिए, इंटरफेस इनफ्लिबनेट केन्द्र या किसी आईएलएल केंद्र से, मामले के अनुसार, उपयोगकर्ता(ओं) को सीधे एक अर्द्ध–स्वचालित आईएलएल के उत्पादन के लिए अनुरोध की सुविधा देता है। ये सीधे डीयूएलएस सेवाओं के लिए नामित 30 आईएलएल केंद्रों में से एक है। J-Gate@UGCInfonet से हम निम्न लाभ प्राप्त करते हैं।

क) यूजीसी–इंफोनेट डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध सभी इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस के लिए एकल खिड़की खोज की सुविधा प्रदान करता है।
ख) 13,290 प्रकाशकों द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन उपलब्ध लाखों पत्रिकाओं के आलेखों के लिए सहज पहुँच प्रदान करता है।
ग) प्रकाशक साइटों पर पूर्ण पाठ के लिंक के साथ 45,339 ई–पत्रिकाओं से अनुक्रमित पत्रिका साहित्य के भारी डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करता है।
घ) खुले उपयोग के लिए 9,425,618 से अधिक आलेख के साथ पूर्ण पाठ में लगभग 23410 ई–पत्रिकाओं के लिए खुली पहुँच प्रदान करता है।
ङ) डीयूएलएस की 917 मुद्रित पत्रिकाओं के लिए आलेख स्तर की खोज।
च) दस्तावेज डिलीवरी सेवा के माध्यम से डीयूएलएस में उपलब्ध न होने वाली मुद्रित पत्रिका के लेख की फोटोकॉपी उपलब्ध कराना।
छ) अन्य नामित विश्वविद्यालयों से अनुरोध द्वारा मुद्रित पत्रिका के लेख की प्रति उपलब्ध कराने के लिए दस्तावेज डिलिवरी सेवा का उपयोग।

डीयूएलएस **J-Gate@UGCInfonet** के एक नामित आईएलएल केंद्र के रूप में भी, कई जिम्मेदारियों को निभा रहा है। लगभग 1,00,000 भारतीय रुपए कीमत के, यूजीसी इंफोनेट डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस के एवज में, डीयूएलएस **J-Gate@UGCInfonet** के माध्यम से किए गए अनुरोध पर पूरे भारत के विद्वानों को आलेखों की फोटोप्रतियों की आपूर्ति करने की जिम्मेदारी निभाता है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक जानकारी सामग्री के बड़े संग्रह सहित एक बड़ा संगठन होने के नाते, डीयूएलएस, अपने अधिकांश उपयोगकर्ताओं की जानकारी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्य कर रहा है। इसलिए, डीयूएलएस उपयोगकर्ताओं द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों से लेखों की फोटोप्रतियों के लिए बहुत कम अनुरोध किया जाता है। हालांकि, एक आईएलएल केंद्र के रूप में, डीयूएलएस नियमित रूप से लेखों की फोटोकॉपी आपूर्ति कर रहा है। हमारे विद्वानों से केवल 686 अनुरोध की तुलना में डीयूएलएस ने अन्य संस्थानों के विद्वानों से 7146 अनुरोध प्राप्त किए हैं।

मानव संसाधन
''पुस्तकालय में कंप्यूटर के उपयोग'' विषय पर प्रशिक्षण देने के लिए केन्द्रीय पुस्तकालय में निर्मित प्रशिक्षण सुविधा द्वारा डीयू कंप्यूटर सेंटर के संसाधन व्यक्तियों की मदद से विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और कॉलेजों के पुस्तकालय कर्मचारियों के लाभ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

गर्मियों में इंटर्नशिप
डीयूएलएस ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्रों को शामिल करने के लिए 7500 रुपए प्रति माह पर गर्मियों में इंटर्न कार्यक्रम जारी रखा है। इस अवधि के दौरान 13 छात्रों को विभिन्न पुस्तकालयों में प्रशिक्षण दिया गया है।

संगोष्ठिया/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रदर्शनी

प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण: 16–17 जुलाई, 2015 को डीयूएलएस द्वारा सूचना साक्षरता और योग्यता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विवरण http://: crl.du.ac.in पर उपलब्ध हैं।

उप पुस्तकाध्यक्ष, श्री राजेश सिंह को निम्नलिखित व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया :

11–12 अप्रैल, 2015 के दौरान नई दिल्ली में टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज और पुस्तकालय के लिए सतीजा रिसर्च फाउंडेशन फॉर पुस्तकालय एंड इंफार्मेशन साइंस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सतत एवं कारपोरेट सामाजिक दायित्व बनाने पर द्वितीय टेक्निया एसआरएफएलआईएस इंडिया शिखर सम्मेलन 2015 के ग्रे टू ग्रीन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ''डिजिटल वातावरण में अकादमिक अखंडता का प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

13 अप्रैल 2015 को पुस्तकालयों और शिक्षकों के लिए संकाय विकास एवं अनुसंधान केंद्र (एफडीआरसी), एडब्ल्यूईएस रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा, आयोजित कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में स्कूल पुस्तकालयों में सूचना साक्षरता की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया।

8 मई 2015 को, दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इरविन कॉलेज द्वारा ''गृह विज्ञान अनुसंधान में आचार'' पर आयोजित संकाय संवर्धन कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ''ऑनलाइन साहित्यिक चोरी का पता लगाने'' पर व्याख्यान दिया।

निम्न विषयों पर आमंत्रित व्याख्यान दिए गए:
(क) 5 जून, 2015 को 'बौद्धिक जानकारी के लिए वेब को सुलझाना''।
(ख) 6 से 9 जून, 2015 के दौरान ''यूजीसी–इंफोनेट डिजिटल पुस्तकालय संघः बौद्धिक जानकारी के लिए प्रवेश द्वार''।

03.06.2015 से मानव संसाधन विकास केंद्र, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, सी जी 492010 द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः सीखने की प्रक्रिया'' पर अभिविन्यास कार्यक्रम में।
8 जून, 2015 से 4 जुलाई, 2015 तक उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास के केंद्र (सीपीडीएचई), दिल्ली, विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में 15 जून, 2015 को एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ''अनुसंधान प्रकाशन का मूल्यांकनः उत्पादकता और प्रभाव'' पर एक व्याख्यान दिया (ओआर–81)।

19 से 21 वीं फरवरी, 2016 को एनसीएनआर, पीआरएसयू, रायपुर और एसएफई, भारत द्वारा आयोजित एथ्नोफार्माकोलॉजी की सोसायटी के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, इंडिया एसएफईसी–2016 में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ''साहित्यिक चोरीः क्या, क्यों और इससे कैसे बचें''पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. तारिक अशरफ, उप पुस्तकाध्यक्ष प्रभारी ने एसएलए, संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतर्गत सियोल, दक्षिण कोरिया में 22–24 अप्रैल, 2015 को आयोजित एशियाई विशेष पुस्तकालयों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 26–28 नवंबर, 2015 को आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में ''वेबोमेट्रिक्स, इंफोरमेट्रिक्स और साइंटोमेट्रिक्स (डब्ल्यूआईएस)'' पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कोलनेट–2015 में भी भाग लिया।

विश्वविद्यालय के पुस्तकाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर सिंह और उप–पुस्तकाध्यक्ष, डॉ तारिक अशरफ ने 12–14 मार्च 2016 को राजकोट, सुरेस्ठा विश्वविद्यालय में में आयोजित 61ए आईएलए सम्मेलन में भाग लिया।

पुस्तकालय स्टाफ द्वारा प्रकाशन
2–5 सितम्बर, 2014 के दौरान इलमेनायु, जर्मनी में आयोजित कोलनेट सम्मेलन में ''अनुसंधान रुझान और प्रशस्ति पत्र पैटर्नः दिल्ली में स्थित तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन'' शोधपत्र प्रस्तुत। पृ.383–401.
22–24 अप्रैल, 2015 के दौरान सिओल, दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियाई विशेष पुस्तकालयों (आईसीओएएसएल 2015) के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''समानता, समावेश और ई–अभिशासन के माध्यम से सशक्तिकरणः पुस्तकालयों का सुविधन्वयन एवं पुनर्गठन''। पृ.393 403.

अन्य प्रमुख पुस्तकालयों में गतिविधियाँ

केन्द्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित)

केन्द्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित) पिछले वित्तीय वर्ष में 4075 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और 44,676 पुस्तकों के संचलन के साथ 4740 पुस्तकों का एक संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है।
केन्द्रीय पुस्तकालय में अनुसंधान स्थल पर शोध छात्रों के विशेष उपयोग के लिए प्रदान की गई इंटरनेट के उपयोग की सुविधा का प्रतिदिन औसतन 25–30 विद्वानों द्वारा नियमित रूप से उपयोग किया जा रहा है। पांच नए कंप्यूटर जोड़े गए हैं। छात्रों और कर्मचारियों के लिए भी 50 नए कंप्यूटर जोड़े गए हैं।

रतन टाटा पुस्तकालय

पुस्तकालय पिछले वित्त वर्ष में लगभग 2,505 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और 68,000 से अधिक पुस्तकों के संचलन के साथ 4,004 पुस्तकों का एक संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है।
आरटीएल ने विभिन्न संसाधनों का उपयोग करने के लिए 86 टर्मिनलों और एक हाई एंड सर्वर के साथ अपनी कंप्यूटिंग सुविधा और अद्वितीय ई–पुस्तकालय में वृद्धि की है। पुस्तकालय ने अधिक मूल्य परिवर्धन के साथ अपनी वेबसाइट को अद्यतित किया गया है।
ई–संसाधनों के विशेष संदर्भ में विभिन्न विभागों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आरंभ किया गया है।

केन्द्रीय विज्ञान पुस्तकालय

केन्द्रीय विज्ञान पुस्तकालय पिछले वित्तीय वर्ष में 3375 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और 2.30 लाख पुस्तकों के संचलन के साथ 2,486 पुस्तकों का एक संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है। पुस्तकालय में आईटी संबंधित विभिन्न सेवाओं के लिए बुनियादी आईटी सुविधाओं की उत्कृष्ट व्यवस्था है। पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सूचना साक्षरता कार्यक्रम और ई–मेल सेवा का संचालन जारी रखा। पुस्तकालय विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के सभी संकायों के उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है। पुस्तकालय ने जेसीसीसी के माध्यम से देश के विभिन्न पुस्तकालयों को दस्तावेज/लेख भेजे और उनसे मंगाए हैं। लेजर प्रिंटर, एलसीडी प्रिंटर, स्कैनर आदि शामिल करके कंप्यूटरीकृत सेवाओं को बढ़ाने के लिए कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जोड़ा गया है। इसमें सीडी और डीवीडी पर पुस्तके भी है।

दक्षिण दिल्ली कैम्पस

दक्षिण दिल्ली कैम्पस पुस्तकालय 1,430 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और लगभग 28735 पुस्तकों के संचलन के साथ पिछले वित्त वर्ष में 2,092 पुस्तकों का एक संग्रह जोड़ने में सक्षम हुआ है। पुस्तकालय ने पुस्तकों के ग्रंथ सूची विषयक डेटा और पत्रिकाओं की सजिल्द संस्करणों के लिए डेटा रखकर कम्प्यूटरीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। पुस्तकालय ने अपनी वेबसाइट का उन्नयन किया है। एक ई–संसाधन केंद्र स्थापित किया गया है। पूरे पुस्तकालय में व्यापक संकेत रखे गए हैं। पुस्तकों की बार कोडिंग पूरी की गई है और उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुस्तकालय में सीडी–रोम, पूरक पठन सामग्री और इसके डिजिटल संग्रह में पिछले वर्ष के प्रश्नपत्र हैं। उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करने के लिए एक समर्पित संदर्भ डेस्क कार्य कर रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह–शिक्षा विद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह–शिक्षा माध्यमिक विद्यालय ब्लॉक–सी, मौरिस नगर, दिल्ली–07 के आवासीय क्षेत्र में स्थित है। महिलाओं के स्वैच्छिक संगठन के एक छोटे समूह ने वर्ष 1945 में यह स्कूल आरंभ किया था। वास्तव में यह स्वतंत्र के पूर्व भारत में सर मौरिस ग्वेयर के संकेत पर की गई एक विनम्र शुरुआत थी। 1964 के बाद से स्कूल को दिल्ली सरकार से 95% और दिल्ली विश्वविद्यालय से 5% सहायता प्राप्त होती है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रेसर मुनीस रजा की अवधि के दौरान स्कूल के लिए एक आधुनिक इमारत प्रदान की थी, जिसका रखरखाव दिल्ली विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा अपने स्वयं के धन से किया जा रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय हर वर्ष संविदात्मक कर्मचारियों और बुनियादी सुविधाओं के लिए 10–12 लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने इसे सी–4 स्कूल से सटे प्रोफेसर आवास भी आवंटित किए हैं। कुछ प्राथमिक कक्षाओं को इस इमारत में स्थानांतरित कर दिया गया है। हम उस इमारत में एक नर्सरी खंड शुरू करने में सक्षम रहे हैं, जो काफी लोकप्रिय है। 2003 में स्कूल को 8 वीं कक्षा से 10 वीं कक्षा के लिए उन्नत किया गया था। स्कूल में लगभग 600 छात्र हैं। दसवीं कक्षा के 100% परिणाम दर्शाते हैं कि विद्यालय पूर्ण उत्साह के साथ सफलता के रास्ते पर बढ़ रहा है, जो दसवीं कक्षा के सीबीएसई परिणाम से स्पष्ट है। उसमें सभी छात्र अच्छे अंकों से पास हुए हैं। यहाँ तक कि किसी भी छात्र को 'डी' से नीचे का ग्रेड नहीं मिला है। यह एक अच्छी उपलब्धि है। इसलिए पिछले 5 वर्षों से छात्रों का नामांकन लगातार बढ़ रहा है। लेकिन जगह की कमी के कारण हम अधिक छात्रों को समायोजित नहीं कर सकते। हमने विश्वविद्यालय से अतिरिक्त इमारत के लिए अनुरोध किया है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

सत्र 2015–16 के दौरान निम्नलिखित समारोह मनाए गए: –

अप्रैल के महीने में पृथ्वी विज्ञान सप्ताह
स्वतंत्रता दिवस
वार्षिक दिवस
बाल दिवस
रेड क्रॉस दिवस
26 नवंबर से 25 जनवरी तक संविधान दिवस
गणतंत्र दिवस
23.3.2016 को शहीद भगत सिंह दिवस

स्कूल को अनुबंधित कर्मचारियों के मानदेय और बुनियादी सुविधाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से 12 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है।

कार्यशालाओं और संगोष्ठियों

माता पिता को अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करने और अपने बच्चे की शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भूमिका में सुधार करने के लिए भी परामर्श दिया गया।

हमारा स्कूल 10–15 वर्ष के आयु वर्ग के छात्रों के साथ एक सह–शिक्षा विद्यालय है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग की मदद से बालिकाओं के लिए मार्गदर्शन और परामर्श कार्यशाला की व्यवस्था की गई।

स्कूल के छात्रों में भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। हमारे स्कूल में "कानूनी साक्षरता दिवस" पर एक "कानूनी साक्षरता" संगोष्ठी का आयोजन किया गया। छात्रों ने "गांधी भवन" में गांधी जी शहीद दिवस में भी भाग लिया। स्कूल दिल्ली विश्वविद्यालय की "पुष्प प्रदर्शनी" में भाग लेता है और दो पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद

प्रमुख गतिविधियाँ

प्रो. सी. एस. दुबे – अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद के गतिशील नेतृत्व में दिल्ली विश्वविद्यालय ने इंटर कॉलेज का आयोजन किया, पुरुषों और महिलाओं के 57 खेल/क्रीड़ा के पश्चात कोचिंग शिविर और नार्थ जोन एवं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की पुरुषों और महिलाओं टीमों का चयन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित नॉर्थ जोन और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता (पुरुष एवं महिला), टूर्नामेंट में 63 खेलों में भाग लिया। कुल 616 खिलाड़ियों (महिला एवं पुरुष) ने नॉर्थ जोन और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद ने अंतर विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (महिला एवं पुरुष) टूर्नामेंट 2015–16 आयोजन किया, जो अच्छी तरह से संगठित था और सभी प्रतिभागियों द्वारा इसकी सराहना की गई ।

2015–16 नॉर्थ जोन अतर विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट 2015–16

यह टूर्नामेंट दिसंबर, 2015 के महीने में आयोजित किया गया था, जिसमें पुरुषों की 48 टीमों और महिलाओं की 43 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट दिल्ली विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय कक्ष में खेले गए। दिल्ली विश्वविद्यालय नॉर्थ जोन अंतर विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (पुरुष) टूर्नामेंट के अंतिम मैच में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ को हरा कर विजेता के रूप में उभरा। दिल्ली विश्वविद्यालय नॉर्थ जोन अंतर विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (महिला) टूर्नामेंट के फाइनल मैच में इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद को पराजित कर महिला वर्ग का विजेता बना।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अखिल श्योराण ने 3–14 जुलाई 2015 को कोरिया गणराज्य के ग्वांगजू में आयोजित 28 वें विश्व विश्वविद्यालय खेल–2015 में कांस्य पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री अपूर्वी चंदेला ने 3–14 से जुलाई 2015 के दौरान ग्वांगजू, कोरिया गणराज्य में आयोजित 28 वें विश्व यूनिवर्सिटी खेल– 2015 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में चौथा स्थान हासिल किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री ईशान गोयल ने 1–12 नवंबर 2015 के दौरान कुवैत में आयोजित 13वीं एशियाई चैम्पियनशिप की 50 मीटर राइफल शूटिंग जूनियर पुरुष टीम में 3 पोजीशन पर स्वर्ण पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री ईशान गोयल ने 1–12 नवंबर 2015 से कुवैत में आयोजित 13वें एशियाई चैम्पियनशिप 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर पुरुष टीम में रजत पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री योगेश गौतम ने 3–11 अगस्त, 2015 के दौरान सुवान, कोरिया में आयोजित एशियाई युवा शतरंज चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री योगेश गौतम ने 22–30 जून, 2015 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल (18 वर्ष से कम) शतरंज चैम्पियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री पूजा टोकस ने 27 अक्टूबर से 18 नवंबर, 2015 के दौरान बोंगईगांव असम में आयोजित 16 वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री हिना टोकस ने 27 अक्टूबर से 18 नवंबर, 2015 के दौरान बोंगईगांव असम में आयोजित 16वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री शुभ गुलाटी ने 11–13 मार्च, 2016 को जापान में आयोजित 20वें एशिया कप हिरोशिमा इंटरनेशनल नरम टेनिस चैम्पियनशिप में भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री योगिता वोहरा ने 26 जुलाई से 2 अगस्त, 2015 के दौरान ताइवान (चीनी ताइपे) में आयोजित 5 वीं आईकेएफ यू–23 एशिया–ओसियाना कोर्फबॉल चैम्पियनशिप में भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री मोनिका ने 26 जुलाई से 2 अगस्त, 2015 के दौरान ताइवान (चीनी ताइपे) में आयोजित 5 वीं आईकेएफ यू–23 एशिया–ओसियाना कोर्फबॉल चैम्पियनशिप में भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के बासठ (62) खिलाड़ियों ने नॉर्थ जोन और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) में स्वर्ण पदक जीते– बैडमिंटन (महिला), बास्केटबॉल (महिला), मुक्केबाजी (महिला), शतरंज (पुरुष एवं महिला), खो–खो (महिला), शूटिंग (महिला), स्क्वैश रैकेट (पुरुष), टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला), तायक्वोंडो (महिला), टेनिस (महिला)।

अट्ठानबे (98) खिलाड़ियों ने नॉर्थ जोन और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) में रजत पदक जीते– एक्वाटिक्स (पुरुष एवं महिला), बेसबॉल (पुरुष एवं महिला), बास्केटबॉल (पुरुष), क्रिकेट (पुरुष), फुटबॉल (महिला), जिमनास्टिक्स (पुरुष एवं महिला), जूडो (महिला), शूटिंग (पुरुष), तायक्वोंडो (महिला), कुश्ती (पुरुष)।

अड़तालीस (48) खिलाड़ियों ने नॉर्थ जोन और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीते– तैराकी (पुरुष), तीरंदाजी (महिला), मुक्केबाजी (पुरुष एवं महिला), शतरंज (पुरुष/महिला), जिमनास्टिक्स (महिला), जूडो (महिला), खो–खो (पुरुष), शूटिंग (महिला), स्क्वैश रैकेट (महिला), तायक्वोंडो (पुरुष), टेनिस (महिला), कुश्ती (पुरुष एवं महिला), (अनुबंध– II)

ऑल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट 2015–16 में टीम चैम्पियनशिप
– दिल्ली विश्वविद्यालय शूटिंग (पुरुष एवं महिला) टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2015–16 (पुरुष और महिला) में समग्र शूटिंग (पुरुष एवं महिला) चैम्पियनशिप में टीम रजत पदक प्राप्त किया।
– दिल्ली विश्वविद्यालय जिमनास्टिक (महिला) टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय जिमनास्टिक (महिला) चैम्पियनशिप 2015–16 में टीम का कांस्य पदक मिला
– दिल्ली विश्वविद्यालय तैराकी (महिला) टीम को अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तैराकी (गोताखोरी) चैम्पियनशिप 2015–16 में टीम कांस्य पदक मिला है।

संकाय की संख्याः स्थायीः निदेशक, शारीरिक शिक्षा

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
ग्वांगजू, कोरिया गणराज्य में 3–14 जुलाई 2015 के दौरान आयोजित 28 वें विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में एथलेटिक्स, जूडो, शूटिंग और टेनिस में भारतीय विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से तेरह (13) खिलाड़ियों का चयन किया गया था। खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं:

शूटिंग (पुरुष एवं महिला), सुश्री अपूर्वी चंदेला, सुश्री अदिति सिंह, श्री अखिल श्योराण, श्री हरित बब्बर, श्री ईशान गोयल, सुश्री माहेश्वरी चौहान, सुश्री प्रेरणा गुप्ता, सुश्री सजनीत कौर रेहल, सुश्री संजना सहरावत, सुश्री सर्वेश्वरी कुमारी जूडो (महिला) सुश्री वनिता एथलेटिक्स (महिला) श्री ललित माथुर टेनिस (पुरुष), सुश्री रिषिका शंकर (महिला)

दिल्ली विश्वविद्यालय के छह (6) खिलाड़ियों को नॉर्थ जोन क्रिकेट (पुरुष) टीम का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था, जिसने विज्जी ट्रॉफी ''इंटर जोनल चैम्पियनशिप '' में भाग लिया, उनमें से पांच प्रथम ग्यारह में खेले और उनके योगदान ने विज्जी ट्रॉफी में चयनित होने में उत्तर क्षेत्र की मदद की। खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं:– अभिषेक वत्स, रोहन राठी, मनीष तेहलान, योगेश कुमार, करण डागर, राजेश शर्मा।

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संगठन

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन (डीयूडब्ल्यूए) एक सामाजिक कल्याण संगठन है और इसे 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI (पंजाब संशोधन अधिनियम 1957) के अंतर्गत पंजीकृत किया गया था, जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय और आसपास के क्षेत्र में महिलाओं के हितलाभ के लिए, सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजन, शैक्षिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ 31 अक्टूबर 1964 को दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के लिए बढ़ा दिया। डीयूडब्ल्यूए को एक सामाजिक कार्यकर्ता, एक महान दूरदर्शी और उप कुलपति प्रो. सी. डी. देशमुख की पत्नी, डॉ दुर्गाबाई देशमुख ने वंचित महिलाओं को को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किया था।

कार्यक्रम और गतिविधियाँ

मनो शरीर केंद्रः दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देना इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य है, जिसका उद्घाटन फरवरी 2014 में प्रो. दिनेश सिंह, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। मन और शरीर की समस्याओं के परस्पर जुड़े होने के कारण उन्हें केंद्र के चिकित्सकों, प्राकृतिक चिकित्सक और सलाहकारो की विशेषज्ञता द्वारा एक समग्र रूप में संभालने की जरूरत होती है। केंद्र में निःशुल्क परामर्श के अलावा, योग और एक्यूप्रेशर तकनीक का भी प्रयोग किया जाता है। विशेष डॉक्टरों होम्योपैथी और छात्राओं और विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों के उपचार के लिए होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा के विशेष डॉक्टरों को नियुक्त किया गया है।

प्ले स्कूलः डीयूडब्ल्यूए, उषा गांगुली शिशु विहार और दुर्गा बाई देशमुख बालवाड़ी नामक दो प्री–स्कूल चलाता है, जिन्हें बच्चों के शारीरिक और बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और सुरुचिपूर्ण विकास को बढ़ावा देने के लिए क्रमशः 1967 और 1966 में स्थापित किया गया था। बालवाड़ी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए है जहां उन्हें निःशुल्क पोषक आहार दिया जाता है। दोनों स्कूलों में लगभग 210 बच्चे हैं।

सहयोगः सहयोग कार्यक्रम कक्षा I से XII तक के स्कूली छात्रों को उनके शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार करने के उद्देश्य के साथ आरंभ किया गया, जो पड़ोस के छात्रों की मदद करता है। इस ट्यूशन सहायता कार्यक्रम में, बच्चों को पौष्टिक नाश्ता और स्वास्थ्य पेय परोसा जाता है। सप्ताह में छह दिन 3 बजे से 5 बजे तक शैक्षणिक कक्षाएं चलाई जाती हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 30 बच्चे शामिल हैं।

वात्सल्यः बच्चों के देखभाल के इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय में काम कर रही माताओं के अपने बच्चों की हितलाभ से संबंधित तनाव को कम करना है। दिवस–देखभाल की यह सुविधा 6 महीने से 6 वर्ष की उम्र के बच्चों के लिए है। 50 बच्चों को इस सुविधा के लिए भर्ती किया गया है।

महिला छात्रावासः डीयूडब्ल्यूए ने 1975 में अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष मनाने के लिए कामकाजी महिलाओं के होस्टल श्री सदन को स्थापित किया, जिससे दिल्ली विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों की एकल महिला शिक्षकों को लाभ हो सके। अन्य दो हॉस्टल, पुराने डीयूडब्ल्यूए छात्रावास और नए डीयूडब्ल्यूए छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.फिल और पीएचडी के छात्राओं के लिए आवास प्रदान करते हैं। हॉस्टल में एक पूर्णकालिक वार्डन के साथ लगभग 37 आवासी हैं।

दृष्टिः डीयूडब्ल्यूए सदस्यों ने दृष्टि कार्यक्रम के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय के नेत्रहीन छात्रों की जरूरतों को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सदस्याएं सबक को पढ़ती और रिकॉर्ड करती हैं। अध्ययन सामग्री की व्यवस्था करती हैं और नेत्रहीन व्यक्तियों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करती हैं।

जागृतिः महिलाओं के बीच कैंसर की बढ़ती घटनाओं को स्वीकार करते हुए इस कार्यक्रम में व्याख्यान, चर्चा, परीक्षण शिविरों के आयोजन के माध्यम से जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं और अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है।

स्मारिका की दुकानः यादगार वस्तुओं की दुकान को नवंबर 2014 में शुरू किया गया। डीयूडब्ल्यूए के स्वर्ण जयंती समारोह में प्रो. दिनेश सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। इस गतिविधि का प्राथमिक उद्देश्य डीयूडब्ल्यूए ब्रांड को बढ़ावा देने और इसके साथ–साथ छात्रों और डीयूडब्ल्यूए समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच गर्व और अपनेपन की भावना पैदा करना है। यादगार वस्तुओं की वस्तुओं की डिजाइन और बिक्री को डीयूडब्ल्यूए सदस्यों द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है। फोल्डर, स्वेट शर्ट, बैग, कलम, कुंजी जंजीरों, मग जैसी कुछ यादगार वस्तुओं के लिए काफी मांग रहती है।

कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रमः यह चार महीने का कंप्यूटर कोर्स है, जिसमें एमएस वर्ड, एक्सेल, प्रवेश और इंटरनेट का बुनियादी ज्ञान दिया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी कम्प्यूटर कौशल प्राप्त करने में लड़कियों की मदद करना है।

भाषा परिचय कार्यक्रमः डीयूडब्ल्यूए, डीयूडब्ल्यूए के सदस्यों दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के लिए निःशुल्क अल्पावधि भाषा परिचय पाठ्यक्रमों के संचालन की पहल कर रहा है। चीनी और जर्मन भाषा के एक चार–पांच महीने के पाठ्यक्रम के साथ यह कार्यक्रम शुरू किया गया है।

चीनी परिचय कोर्स : फरवरी, 2015 से अगस्त, 2015 तक
जर्मन परिचय कोर्स : फरवरी, 2015 से सितंबर, 2015 तक

डीयूडब्ल्यूए छात्रावास के निवासियों और सभी डीयूडब्ल्यूए सदस्यों के लिए पुस्तकालय की सुविधा प्रदान करता है। डीयूडब्ल्यूए ने कई जागरूकता कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया। डीयूडब्ल्यूए ने बच्चों और सदस्यों के लिए खेल कार्यक्रमों की व्यवस्था की।

वर्ष 2015–2016 के दौरान आयोजित कुछ प्रमुख गतिविधियाँः
यूजीएसवी और डीडीबी स्कूलों ने 18 अप्रैल 2015 को नए माता–पिता के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीयूडब्ल्यूए ने 6 जुलाई, 2015 को ''मधुमेह की रोकथाम पर सार्वजनिक व्याख्यान'' का आयोजन किया। 31 जुलाई, 2015 को मानसून, मिलन समारोह मनाया गया और छात्रों को चीनी भाषा पाठ्यक्रम के प्रमाणपत्र दिए गए तथा योग विशेषज्ञ द्वारा और ''पावर योगा'' पर विशेष प्रदर्शन और बातचीत की गई।
12 सितम्बर 2015 को ''स्व–संवर्धन कार्यशाला'' का आयोजन किया गया।

कुछ विशेष घटक शामिल हैंः तनाव प्रबंधन; सकारात्मक सोच की शक्ति; विश्वास की बहाली; ध्यान

डीयूडब्ल्यूए ने 26 फरवरी को दिल्ली विश्वविद्यालय ''वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी'' में भाग लिया, और खाने–पीने, मन शरीर केंद्र की सुविधा, यादगार वस्तुओं की दुकानों के स्टाल लगाए। जागृति उप–समिति द्वारा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम 12मार्च, 2016 को आयोजित किया गया जिसमें कॉलेज के छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। यूजीएसवी और बालवाड़ी स्कूल ने 28 मार्च को ''स्नातक दिवस'' मनाया गया।

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, हिंदी माध्यम के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के हितलाभ के लिए मुख्य रूप से सामाजिक विज्ञान और मानविकी में, हिंदी में उच्च मानक युक्त पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करता है। 1978 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अधिग्रहण के बाद से, हमने अब तक, लगभग 210 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान, हमने 10 नई पुस्तके और 3 संशोधित पुस्तकें प्रकाशित की हैं। हमने मध्यकालीन भारत भाग–1 और भाग–2, आजादी के बाद का भारत, भारत का स्वतंत्रता संग्राम, प्राचीन भारत का इतिहास, आदि, जैसी अपनी अधिक बिकने वाली पुस्तकों की करीब 50,000 प्रतियां प्रकाशित की हैं।

हमने प्रगति मैदान में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में 15 जनवरी 2016 को निम्नलिखित आठ नई पुस्तके जारी कीं:

1.	व्यवसायिक सन्नियम	प्रोफेसर जे. पी. शर्मा और डॉ. सुनैना कनौजिया
2.	तुलनात्मक शासन और राजनीति	डॉ. आशा गुप्ता
3.	तुलनात्मक सरकार और राजनीति	डॉ. आशा गुप्ता
4.	बीसवीं शताब्दी का विश्व इतिहास भाग –1	डॉ. स्नेह महाजन
5.	बीसवीं शताब्दी का विश्व इतिहास भाग –2	डॉ. स्नेह महाजन
6.	भारत के प्रमुख बोद्ध तीर्थ स्थल	डॉ. प्रियसेन सिंह
7.	राज से स्वराज	डॉ. आर. सी. प्रधान
8.	आधुनिक भारत का राजनीतिक चिंतन	डॉ. रुचि त्यागी

डॉ. आशा गुप्ता, निदेशक, डीएचएमआई ने तुलनात्मक राजनीति पर हिंदी में भी कुछ पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जो 2015 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत नए पाठ्यक्रम के अनुसार हैं। ये हैंः

1. तुलनात्मक शासन और राजनीति (बीए ऑनर्स, सेमेस्टर –3)
2. तुलनात्मक सरकार और राजनीति (बीए कार्यक्रम, सेमेस्टर –4)
3. राजनीतिक प्रतिक्रियाएं एवं संस्थाएं (बीए ऑनर्स, सेमेस्टर –4)

डॉ. आशा गुप्ता ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी भाग लियाः

1. 16–19 मार्च, 2016 को हिल्टन होटल अटलांटा, अटलांटा, जॉर्जिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन के 57वें वार्षिक सम्मेलन में ''शांति के लिए संघर्षः गांधीवादी मार्ग'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
2. द इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट (आईएचईआर) में ''भारत में निजी उच्च शिक्षा में उभरते रुझानः कुछ प्रतिबिंब'' नामक शोधपत्र 2015 में उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान के केंद्र (सीपीआरएचई), न्यूपा, नई दिल्ली के लिए, रूटलेज द्वारा प्रकाशित।
3. 'आर्थिक और राजनीतिक शासन का पुनर्गठनरू ब्रिक्स की भूमिकाश। रवांडा में लोकतांत्रिक शासन पर शासन बोर्ड की रिपोर्ट, रूटलेज द्वारा प्रकाशित किया जाना है (आगामी 2016) ।

इस वर्ष हमने अपनी प्रकाशित पुस्तकों की बिक्री का उच्चतम रिकॉर्ड हासिल किया। यह लगभग 1 करोड़, 30 लाख है, जो अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री थी। हमें यह सूचना देते हुए खुशी हो रही है कि वर्ष 2015–16 के दौरान, यूजीसी ने, डीएचएमआई की हिंदी/क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकों में प्रकाशित करने की दिशा में पूरे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में हिंदी कार्यान्वयन प्रकोष्ठों की स्थापना करना अनिवार्य कर दिया है।

विदेशी छात्रों का पंजीकरण

अंतरराष्ट्रीय छात्र समुदाय ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रमों में शामिल होने में अपनी रुचि दिखाना जारी रखा है। शैक्षणिक वर्ष 2015–2016 के लिए, विदेशी छात्रों के कार्यालय में 2638 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें आईसीसीआर छात्रवृत्ति धारकों के 636 आवेदन पत्र शामिल थे। 238 महिला और 314 पुरुषों सहित कुल 552 छात्रों को दाखिला मिला। विश्वविद्यालय में, 2015–2016 में लगभग 1310 विदेशी नागरिक, प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम से पीएच.डी. तक के पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

विदेशी छात्रों का पंजीकरण कार्यालय, नामांकित छात्रों, आवासीय हॉस्टल, दूतावासों, कॉलेजों, विभागों और संस्थाओं के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रख सुनिश्चित करता है कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अपने शिक्षाविदों से संबंधित किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

छात्रों के लिए कई सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। विश्व युवक केन्द्र (अंतर्राष्ट्रीय युवा केंद्र) द्वारा आयोजित एक बैठक में भागीदारी की गई। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के हाउस को अपनी वार्षिक बैठक का आयोजन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई। किरोड़ीमल कॉलेज के विदेश छात्र संघ द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यों में उप–संकायाध्यक्ष की करीबी भागीदारी थी।

गांधी भवन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

27 अप्रैल 2015 को ''गांधी जी और युवा'' पर एक इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के वक्ताओं में श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्य, अध्यक्ष, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, श्री ए. अन्नामलाई, निदेशक, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, राजघाट, नई दिल्ली और प्रो. दिनेश सिंह, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय शामिल थे।

28 अप्रैल 2015 को एक भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ सीता बिंब्राव, पूर्व संकाय, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने गांधी जी के प्रिय भजनों का गायन किया।

15 मई 2015 को ए. के. चेट्टियार की एक फिल्म ''महात्मा गांधीः 20 वीं सदी के पैगंबर'' दिखाई गई थी।

29 मई 2015 को, टाइम्स इंडिया ग्रुप के आयुर्वेदिक चिकित्सक, डॉ. लक्ष्मी कांत त्रिपाठी द्वारा ''योग और आयुर्वेद'' पर एक विशेष वक्तव्य का आयोजन किया गया।

5 जून 2015 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया और गांधी भवन के परिसर में पौधे लगाए गए। उसी दिन ''आपदा तैयारीः भविष्य की चुनौतियां पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। दिल्ली अग्नि–शयन सेवा के डॉ. ए. के. मलिक ने दर्शकों को विनाशकारी स्थिति का मुकाबला करने के तरीकों पर लिए एक व्यापक दृष्टिकोण दिया। श्री मलिक ने ''आपदा के दौरान अग्नि सुरक्षा'' पर बात की और आग लगने की किसी भी स्थिति में सुरक्षा उपायों और शिक्षा और तैयारियों की जरूरत पर सुझाव दिए। डॉ रितु सक्सेना, सीएमओ, दुर्घटना और आपातकालीन विभाग, लोकनायक अस्पताल ने किसी भी आपदा के मामले में अस्पताल जाने से पहले की देखभाल पर बात की। डॉ. रितु ने एक ''डमी'' की मदद से आपदा के पीड़ितों को प्राथमिक उपचार देने के तरीकों का प्रदर्शन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास के केंद्र (सीपीडीएचई) में उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले शिक्षकों, और छात्रों के साथ–साथ अन्य संकाय सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में गांधी भवन की निदेशक (मानद), प्रो. अनिता शर्मा ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद योग आयोजक, गांधी भवन के मार्गदर्शन में सभी के लिए योग और ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। छात्रों, शिक्षकों और बड़ी संख्या में गैर–शिक्षण संकाय उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह ने दर्शकों को संबोधित किया और भीतर की अच्छाई और हर किसी के लिए योग की प्रासंगिकता पर बात की। आयुष मंत्रालय से ''आम योग प्रोटोकॉल'' नामक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। आधुनिक समय में ''आसन और उनकी प्रासंगिकता'' को समझने के लिए, गांधी भवन के योग आयोजक, श्री आई. एन. रमन द्वारा एक प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इसके पश्चात् आनंद अमृत योग केंद्र के योग और आयुष मंत्रालय के एक सदस्य गुरु गोपाल कृष्ण द्वारा ''प्राणायाम'' और साँस लेने के व्यायाम पर एक विस्तृत व्यावहारिक अनुप्रयोग किया गया। इस अवसर पर, डॉ. सीता बिंब्राव द्वारा गांधी जी के पसंदीदा भजनों के गायन और एक विशेष चरखा कताई सत्र भी आयोजित किया गया।

6 जुलाई 2015 को, ''मैंने गांधी को नहीं मारा'' पर एक फिल्म दिखाई गई थी, जिसमें आम जनता के साथ–साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र और गैर–शिक्षण कर्मचारी भी उपस्थित थे। 16 जुलाई 2015 को ''अन्य आधे को समझनाः लिंग संवेदीकरण पर संबद्धता'' पर सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. पामेला सिंगला द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। 21 जुलाई 2015 को, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री शिखा गुप्ता द्वारा ''चुन्नट डालने की कला'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। 10 अगस्त 2015 को, दिल्ली महानगर शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के प्रोफेसर और मेंटर, प्रो. विक्रम दत्त द्वारा ''एक समावेशी समाज के निर्माण'' पर एक इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। 14 अगस्त 2015 को ''गांधी'' पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
24 अगस्त 2015 को डॉ. वाई. पी, आनंद, पूर्व अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, भारतीय रेलवे, भारत सरकार और पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, राजघाट, नई दिल्ली द्वारा ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और रेलवे''पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। 7 सितंबर 2015 को श्री राजीव रंजन, रिसर्च स्कॉलर, अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा संस्थान, नार्थईस्ट नॉर्मल यूनिवर्सिटी, चांगचुन, चीन द्वारा ''अपने मन को जानें: अपने ही मन के साथ एक बातचीत'' पर एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। 26 सितंबर 2015, एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2 अक्टूबर 2015 को बड़े उत्साह से गांधी जयंती मनाई गई। उसी दिन गांधीजी के जीवन का चित्रण करने वाले भित्तिचित्र का उद्घाटन हुआ। इसके बाद सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर 26.9.2015 से सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम रंगोली प्रतियोगिता के साथ शुरू हुआ, जिसमें सभी ने रचनात्मक डिजाइन बनाए अगले दिन गीता प्रवचन हुआ। रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली के स्वामी शांति स्वरूपा नंद के साथ एक इंटरएक्टिव सत्र भी हुआ। तीसरे दिन एक फिल्म *गांधी माई फादर* दिखाई गई। उसी दिन कानूनी परामर्श की भी व्यवस्था की गई थी। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पटियाला हाउस कोर्ट के एक वकील ने समस्याओं को सुना और सुझाव दिए। यह गांधी भवन का एक नियमित कार्यक्रम है। अगला आयोजित कार्यक्रम अध्यक्ष, भारतीय डायटेटिक्स एसोसिएशन, दिल्ली चैप्टर और एक प्रसिद्ध पोषण चिकित्सक डॉ. नीलांजना सिंह द्वारा ''विज्ञान और स्वस्थ भोजन की कला'' पर एक विशेष व्याख्यान था। खादी आश्रम, कमला नगर द्वारा खादी उत्पादों के लिए उस दिन प्रदर्शनी एवं बिक्री काउंटर लगाए गए। इसके अलावा गांधी साहित्य केंद्र, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, राजघाट, नई दिल्ली द्वारा एक बुक स्टाल भी लगाया गया था। 29 सितंबर 2015 को चरखा कताई प्रदर्शन मुख्य आकर्षण था। कई युवा उस दिन कताई सीखने में शामिल हो गए। यह भी गांधी भवन में एक नियमित कार्यक्रम है, जो युवा और बूढ़ों को समान रूप से आकर्षित करता है। उसी दिन आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में एक एक्यूप्रेशर चिकित्सक, सुश्री माधवी चक्रवर्ती द्वारा ''एक लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर'' पर एक इंटरएक्टिव सत्र था। उन्होंने बीमारियों का इलाज करने के लिए दबाव बिंदु का उपयोग करने के तरीके समझाए। अगले दिन साथ–साथ कुछ कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल द्वारा रक्तदान शिविर सुबह शुरू हुआ और दोपहर तक जारी रहा था। डेंगू जागरूकता अभियान में, पर्चे वितरित किए गए और लोगों को अपने वातावरण को साफ रखने के लिए जागरूक किया गया। उस समय हिंदू कॉलेज के छात्रों द्वारा संस्कृत में एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने महिला शिक्षा और साफ–सफाई जैसे विषयों को शामिल किया। इसे बहुत वाहवाही मिली। दोपहर के बाद दो घंटे का योग और ध्यान सत्र था। माता सुंदरी कॉलेज के नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड की छात्राओं ने डॉ. प्रेरणा अरोड़ा द्वारा शबद और गांधी जी के प्रिय भजन प्रस्तुत किए। प्रो. दिनेश सिंह, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने गांधी जयंती शांति संदेश दिया। अंत में विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और स्वयंसेवकों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। गांधी बुक हाउस, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा पूरे सप्ताह के लिए गांधी जी पर पुस्तकों की प्रदर्शनी और बिक्री काउंटर स्थापित किया गया था। यह पहली बार था कि गांधी भवन में महात्मा गांधी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पूरे सप्ताह के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

14 अक्टूबर 2015 को प्रो. दिनेश सिंह, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने ''गांधी जी और सत्य'' पर एक विशेष व्याख्यान दिया। प्रो. असुम गुप्ता, पूर्व निदेशक (मानद), गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्र के अध्यक्ष थे। 27 अक्टूबर 2015, एक तंबाकू विरोधी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें संसाधन व्यक्ति डॉ. एस. के. अरोड़ा, अपर निदेशक–स्वास्थ्य, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने दर्शकों के साथ बातचीत से पहले एक भाषण दिया। 28 अक्टूबर 2015 को डॉ. सीता बिंब्राव, पूर्व संकाय, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने गांधी जी के

प्रिय भजनों का गायन किया था। 5 नवंबर 2015 को डॉ मीरा शर्मा, होम्योपैथी सलाहकार, दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन (डूयूडब्ल्यूए) द्वारा ''होम्योपैथी – मिथक और तथ्य'' पर एक विशेष बातचीत का आयोजन किया गया। 14 नवंबर 2015 को राजघाट और राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, नई दिल्ली के लिए एक यात्रा आयोजित की गई। 18 नवंबर 2015 को श्री सुधीर कुमार द्वारा गांधीजी के प्रिय भजन गाय। 20 नवंबर 2015 को प्रो. सुशीला नरसिम्हन (सेवानिवृत्त), पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''भारतीय मसालों का लालच और विद्या'' पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया गया। 30 नवंबर 2015 को श्री प्रशांत कौशिक द्वारा ''चीन में महात्मा गांधी को याद करते हुएः पूर्वी मिसेलनी के विशेषांक'' पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था। 8 दिसंबर 2015 को छात्रों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय अभिलेखागार के एक दौर का आयोजन किया गया। डॉ. अमृत बसरा के समूह को अभिलेखागार के बारे में विस्तार से सब कुछ समझाया गया।

7 . 11 दिसंबर 2015 के दौरान एक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। 16 दिसंबर 2015 में डॉ. सीता बिंब्राव, पूर्व संकाय, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गांधी जी के पसंदीदा भजनों का गायन गया।

20 दिसंबर 2015 में पर ''सत्य ही सफलता की कुंजी है'' पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उसी दिन ''सुशासन दिवस'' भी मनाया गया, जिसमें ''सुशासन में ध्यान और योग का महत्व'' विषय पर एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया। 22 दिसंबर 2015 को डॉ. रवि पी. भाटिया, सदस्य, शासी निकाय, अदिति महाविद्यालय ने श्पर्यावरण और स्वास्थ्यश पर एक विशेष वक्तव्य दिया। 11 जनवरी 2016, चीनी और भारतीय कवियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने ''समकालीन चीनी और भारतीय काव्य'' नामक भारतीय–चीनी काव्य सत्र में अपने अनुभवों को साझा किया। बैठक के आरंभ में, प्रो. अनिता शर्मा, निदेशक (मानद) गांधी भवन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि लेखकों के कार्यक्रम का आयोजन वास्तव में भारत और चीन के बीच ''ज्ञान के आदान प्रदान'' को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों का फल है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मई 2015 में चीन के फुडान विश्वविद्यालय में गांधी अध्ययन केंद्र का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में ऐसा करने पर बल दिया था। एक प्रख्यात कवि, आलोचक और शिक्षक और दिल्ली विश्वविद्यालय में अरुणा आसफ अली के प्रतिष्ठित अध्यक्ष प्रो. सुकृत पाल कुमार और एक प्रख्यात हिंदी विद्वान एवं पीकिंग विश्वविद्यालय, चीन में हिंदी के पूर्व विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. अनिल कुमार राय ने भारतीय कवियों का प्रतिनिधित्व किया। शू टिंग, अस्पष्ट काव्य के अग्रदूत, ग्यारहवें चुआन, सबसे प्रसिद्ध समकालीन चीनी कवियों में से एक और लैनलान, वर्तमान समय के सबसे प्रभावशाली गेय कवियों में से एक द्वारा, चीनी कविता की दुनिया का प्रतिनिधित्व किया गया था।

25 जनवरी 2016 को, श्री विश्वजीत मुखर्जी द्वारा निर्देशित ''गांधी का चंपारण'' नामक एक वृत्तचित्र दिखाया गया। राष्ट्रपिता– महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए, 26 जनवरी 2016 से एक सप्ताह तक निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए

26 जनवरी 2016 को, ''मानसिक रोगों के लिए योग – सरवाइकल, साइनस, माइग्रेन, उच्च रक्तचाप, मोटापा'' पर श्री इंद्र नारायण रमन, योग आयोजक, गांधी भवन द्वारा एक व्याख्यान दिया गया।

27 जनवरी 2016 को बिड़ला हाउस और तीन मूर्ति हाउस के लिए एक यात्रा का आयोजन किया गया। उसी दिन, रंग मंच थियेटर सोसायटी, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक नुक्कड़ नाटक ''दो रास्ते'' का आयोजन किया गया।

28 जनवरी 2016 को, एक्यूप्रेशर चिकित्सक, सुश्री माधवी चक्रवर्ती के साथ एक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें परामर्श दिया गया। उसी दिन, दक्षिण एशियाई अध्ययन के केंद्र, पीकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन के निदेशक प्रो. जियांग जिंगकुई द्वारा ''साहित्यिक कार्यों का अनुवाद'': इसकी भूमिका और प्रभाव'' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

29 जनवरी 2016 को प्रो. एच पी गंगनेगी, प्रमुख, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''गांधी जी और महिला सशक्तिकरण'' पर एक विशेष वक्तव्य का आयोजन किया गया।

30 जनवरी 2016 को शहीद दिवस मनाया गया जिसमें सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक केंद्र स्कूल, मौरिस नगर, सीआईई बेसिक प्रायोगिक स्कूल और हरिजन सेवक संघ, किंग्सवे कैम्प, दिल्ली के छात्रों ने प्रार्थना, भजनों का प्रदर्शन किया और महात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

4 फरवरी 2016 को डॉ. सुधीर शर्मा द्वारा ''भावनात्मक परिवर्तन'' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें आम जनता सहित विश्वविद्यालय बिरादरी ने भाग लिया।
16 फरवरी 2016 को ''गांधी जी का सत्याग्रहः इसका ऐतिहासिक महत्व और समकालीन प्रासंगिकता'' विषय पर फ्रिक, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी की प्रो. गीता धर्मपाल द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
22 फरवरी 2016 को मातृ भाषा दिवस पर ''कस्तूरबा गांधी का स्मरण'' नामक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकांश शोधपत्र हिंदी में प्रस्तुत किए गए।
29 फरवरी 2016 को डॉ. एस. वी. एश्वरण, अवकाश प्राप्त वैज्ञानिक, यूनेस्को डीबीटी, जैव प्रौद्योगिकी, फरीदाबाद, हरियाणा के क्षेत्रीय केंद्र और पूर्व डीन अकादमिक, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गांधीजी के प्रिय भजन गाये गए।
5 मार्च 2016 को शहजाद राय शोध संस्थान, बड़ौत, यूपी द्वारा आसपास के पुरातात्विक स्थलों के लिए एक अध्ययन दौरा आयोजित किया गया।
8 मार्च 2016 को ''बा और बापू'' पुस्तक पर एक पुस्तक पढ़ने के सत्र और मुकुल भाई कलार्थी से बातचीत का आयोजन किया गया।

11 मार्च 2016 को, डॉ. राजीव कुमार जैन, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा ''माताओं के अनुकूल कार्यस्थला'' पर एक वार्ता आयोजित की गई।
14 मार्च 2016 को ''गांधीजी और धर्मानुराग'' नामक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।
31 मार्च 2016 को बच्चों के लिए पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया।

नियमित कार्यक्रम/गतिविधियाँ
सोमवार से शुक्रवार सुबह 7:00 से 9:00 बजे तक और दोपहर 1:00 बजे से 5:30 बजे तक तथा शनिवार को शाम 7:00 बजे से – 9:00 बजे तक योग कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।
ध्यान की कक्षाएंः सोमवार – शुक्रवार अपराह्न 4:30 बजे से – 5:30 बजे तक।
हर रविवार को सुबह 10:00 बजे से – 11:00 बजे तक गीता प्रवचन आयोजित किया जा रहा है।
हर बुधवार को अपराह्न 3:00 बजे से – 5:00 बजे तक चरखा कताई सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।
हर बुधवार को 9:00 बजे से 5:00 बजे तक खादी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक गुरुवार को अपराह्न 3:00 से 5:00 बजे तक दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों की शिकायतों को निपटाने के लिए ''कुलपति के साथ बैठक'' नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।
हर शुक्रवार को अपराह्न 3:00– 5:00 बजे तक, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पटियाला हाउस अदालत, नई दिल्ली के साथ सहयोग में मुफ्त कानूनी सहायता क्लीनिक चलाई जा रही है।
गांधी भवन में दिल्ली सरकार की हिन्दी अकादमी द्वारा हिंदी में शार्टहैंड और टाइपिंग का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।
युवा पीढ़ी को गांधीवादी विचारधारा से अवगत कराने के लिए ''गांधी स्टडी सर्किल'' द्वारा विभिन्न कॉलेजों में गांधीवादी विचारधारा और कार्यों के बारे में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अंतर संस्थागत सहयोग
5 जून 2015 को, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अभिविन्यास पाठ्यक्रम के शिक्षकों ने उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई), दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में भाग लिया।

2 अक्टूबर 2015 को, नॉन–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड, दिल्ली विश्वविद्यालय – माता सुंदरी कॉलेज के छात्रों ने गांधी भवन में शबद का प्रदर्शन किया।

5 नवंबर 2015 को, ''होम्योपैथी – मिथक और तथ्य'' पर डॉ. मीरा शर्मा, होम्योपैथी सलाहकार, दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन (डीयूडब्ल्यूए) द्वारा एक विशेष वार्ता आयोजित की गई।

20 दिसंबर 2015 को गैर–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए ''सत्य ही सफलता की कुंजी है'' पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सम्मेलनों का आयोजन/भागीदारी
22 फरवरी 2016 को मातृभाषा दिवस पर ''कस्तूरबा गांधी को याद करना'' नामक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकांश शोधपत्र हिंदी में प्रस्तुत किए गए।

14 मार्च 2016 को ''गांधीजी और धर्मानुराग'' नामक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

कोई भी अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
गांधी भवन द्वारा वित्तपोषित/आंशिक वित्त पोषित ''गांधी स्टडी सर्किलों'' के तत्वावधान में कॉलेजों में आयोजित कार्यक्रम/गतिविधियाँः

हिंदू कॉलेजः गांधी स्टडी सर्किल, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6 और 7 अक्टूबर, 2015 को हिन्दू कॉलेज में दो दिवसीय समारोह का आयोजन करके गांधी जयंती मनाई गई। एक अंतर कॉलेज कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ. सीता बिमब्राव, पूर्व संकाय, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''गांधीजी के प्रिय भजन'' का भी आयोजन किया गया।

कला और वाणिज्य के दिल्ली कॉलेजः 5 नवंबर 2015 को, गांधी स्टडी सर्किल, कला और वाणिज्य के दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, ''गांधीवादी सोचः समकालीन समय में आशा की एक किरण'' पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक व्याख्यान–सह–चर्चा के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। महात्मा गांधी की विचारधारा पर कोलाज और पोस्टर बनाने की प्रतिस्पर्धा एक अन्य कार्यक्रम था, जिसमें छात्रों ने पुरस्कार जीता। दिन का अंतिम कार्यक्रम ''गांधी माई फादर'' नामक एक फिल्म शो था।

अदिति महाविद्यालयः गांधी स्टडी सर्किल, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 20 और 21 नवंबर 2015 को महात्मा गांधी के विचारों, विचारधारा और जीवन शैली पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। पहले दिन, ''गांधी का संपूर्ण जीवन समानता और समरसता

का पर्याय है'' विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उसके बाद प्रदर्शन और कताई के प्रशिक्षण के साथ–साथ ''गांधी का भारत पुनरागमन और गांधी की जीवन शैली'' पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। अगले दिन, ''सामाजिक सुधार और गांधी'' विषय पर एक पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान गांधी की अनूठी जीवन शैली और भारतीय परिप्रेक्ष्य पर एक विशेष व्याख्यान भी आयोजित किया गया।
अदिति महाविद्यालयट गांधी स्टडी सर्किल, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 और 20 फरवरी को महात्मा गांधी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेजः दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की गांधी स्टडी सर्किल ने 24. 2.2016 को, प्रो. अपूर्व नंदा और प्रो. दिलीप शिमोन द्वारा ''सम्मान बनाम सहिष्णुता'' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उसी दिन, स्टडी सर्किल ने एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

आर्यभट्ट कॉलेजः गांधी स्टडी सर्किल, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 8.3.2016 को एक वार्ता, भजन और चरखा सत्र का आयोजन किया। प्रो. दिनेश सिंह, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी पर एक भाषण दिया। डॉ सीता बिंब्राव, पूर्व संकाय, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गांधी जी के प्रिय भजनों का गायन हुआ।

उद्यान समिति

नए लॉनों और बगीचों का विकास/नवीकरण।

(1) सी–9 मौरिस नगर में लॉन का विकास
(2) डी–14 मौरिस नगर में लॉन का विकास
(3) सी –1 मौरिस नगर में लॉन का विकास
(4) सी –17 मौरिस नगर में लॉन का विकास
(5) ए –3 छात्र मार्ग पर लॉन का विकास
(6) ए–2 छात्र मार्ग पर लॉन का विकास
(7) 23 कैवेलरी लाइन पर लॉन का नवीनीकरण
(8) 38/12 प्रोबीन रोड पर लॉन का नवीनीकरण
(9) कला संकाय, पार्किंग के पास लैंडस्केप का विकास

पुरस्कार और ट्राफियाँ

वाटिका समिति ने इंद्रप्रस्थ बागवानी सोसायटी, दिल्ली द्वारा आयोजित वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और निम्न ट्राफियां जीतीः
1. कुलपति की छत पर वाटिका – अनीश फाउंडेशन रोलिंग ट्रॉफी
2. मुगल गार्डन – श्री मनोरंजन कुमार रोलिंग ट्रॉफी
3. कुलपति की आवासीय वाटिका – आईएचएस रोलिंग ट्रॉफी
4. जवाहर गुलाब वाटिका – रूपाली भटनागर रोलिंग ट्रॉफी
5. सर शंकर लाल हॉल – रघुवीर लक्ष्मी देवी मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी
6. वित्त अधिकारी का निवास – श्रीमती सुनीता कुमार चैलेंज शील्ड

स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता

20 फरवरी 2016, शनिवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक कॉलेज और स्कूल के छात्रों के लिए विभिन्न आयु वर्ग के अंतर्गत खेल परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007 के बहुउद्देशीय हॉल में एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से 800 से अधिक छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया।

58 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी – 2016

26 फरवरी, 2016 को मुगल गार्डन (कुलपति कार्यालय के सामने), दिल्ली विश्वविद्यालय में 58 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रोफेसर अनिल कुमार त्यागी, माननीय उप–कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने इसका उद्घाटन किया। वे पुष्प प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम के दौरान जैविक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, विभिन्न प्रकार के उद्यान उपकरणों और पौधों के स्टालों के प्रदर्शन जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। 25000 से अधिक दर्शकों ने शो में भाग लिया। मालियों/प्रदर्शकों को लगभग 100 चल कप/ट्राफियां प्रदान की गईं और कई नकद पुरस्कार वितरित किए गए।
दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला संगठन ने पुष्प प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न मदों का प्रदर्शन किया जिनकी गणमान्य व्यक्तियों और आगंतुकों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

उक्त अवधि के दौरान सम्मेलन/संगोष्ठियों/बैठकों/सेवानिवृत्ति पार्टियों/मिलन समारोह आदि के लिए 19,878 व्यक्तियों को विशेष खान–पान व्यवस्था (लंच/डिनर/हाई टी) प्रदान की गई।
इस अवधि के दौरान 3193 मेहमानों को भोजन और आवास प्रदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह

वर्ष 2015–16 के दौरान निम्न सुधार/बुनियादी ढांचे के विकास/नए योजन किये गए हैं।

नई व्यवस्थाएं और सुविधाएंः –

सोलह सीसीटीवी की स्थापना
लिफ्ट की स्थापना
दस स्प्लिट एयर कंडीशनर की खरीद
लाउंज में लकड़ी की पैनलिंग
दो एलईडी टीवी की खरीद
लाउंज में पीवीसी का फर्श
भूतल के धुलाई कमरों का पुनर्निर्माण
लाउंज की रोशनी का एलईडी से प्रतिस्थापन
सफाई अभियान
छह अतिथि कक्षों की पुताई
खान–पान व्यवस्था
उक्त अवधि के दौरान लंच/डिनर/हाई–टी/सम्मेलन/बैठकों/संगोष्ठियों के लिए 356 आवेदनों पर खान–पान की विशेष व्यवस्था प्रदान की गई।

कक्ष आवासः –

इस अवधि के दौरान 1206 व्यक्तियों को आवास और भोजन प्रदान किया गया। आईजीएच में रहने वाले मेहमानों में से अधिकांश विदेशी हैं और सभी मेहमान सेवाओं/खाद्य/आईजीएच के कर्मचारियों के व्यवहार से संतुष्ट हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों की एनसीसी इकाइयों में लगभग 4500 लड़कों और लड़कियों को कैडेटों में नामांकित किया गया।
नीचे सूचीबद्ध गतिविधियों को केन्द्रीय रूप से आयोजित किया गयाः

- स्वच्छ भारत अभियान
- तम्बाकू निषेध दिवस 31 मई, 2015
- मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता दौड़ः 26 जून, 2015
- वरिष्ठ नागरिक दिवसः 8 अगस्त, 2015
- ध्वजारोहण समारोहः 15 अगस्त, 2015
- मुख्यमंत्री की रैलीः 15 अगस्त, 2015
- चेशायर होम संस्थापक दिवसः 7 सितंबर, 2015
- राष्ट्रीय एकता दिवसः 31 अक्टूबर, 2015
- स्मरण दिवस सेवाः 9 नवंबर, 2015
- रक्तदान शिविरः 22 नवंबर, 2015
- वृक्षारोपणः 23 नवंबर, 2015
- आपदा प्रबंधनः 24 नवंबर, 2015
- 25वां यमुना श्रमदानः 14 दिसंबर, 2015
- प्रधानमंत्री की रैलीः 27 जनवरी, 2016
- आरडीसीः 26 जनवरी, 2016

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सभी केन्द्रीय कार्यक्रमों में कैडेटों द्वारा भागीदारी की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र 2015–2016 में विश्वविद्यालय के 62 कॉलेजों के स्वयंसेवकों द्वारा कॉलेजों में अन्य गतिविधियों के आयोजन के अलावा एनएसएस केन्द्र– दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत नीचे सूचीबद्ध कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. स्थापना दिवस	:	1 मई, 2015
2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	:	21 जून, 2015
3. पूर्व आरडी चयन	:	7 सितम्बर, 2015
4. एनएसएस दिवस समारोह	:	24 सितम्बर, 2015
5. गांधी जयंती समारोह	:	2 अक्टूबर, 2015
6. एकता समारोह	:	29–31 अक्टूबर 2015
7. संविधान दिवस समारोह	:	26 नवम्बर, 2015
8. ऑपरेशन सद्भावना के तहत इंटरेक्शन सत्र	:	11दिसंबर, 2015
9. स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह	:	12 जनवरी, 2016
10. राष्ट्रीय युवा महोत्सव	:	12–16 जनवरी 2016
11. मतदाता महोत्सव	:	14 जनवरी, 2016
12. डिजिटल इंडिया पर कार्यशाला	:	25 फरवरी, 2016
13. एनएसएस विशेष शिविर	:	22–28 मार्च 2016

कैप्टन परमिंदर सहगल, कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली द्वारा मतदाता महोत्सव 2016 के दौरान कॉलेज स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मतदाता महोत्सव को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए उनकी बहुमूल्य सेवाओं को मान्यता देते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह के साथ एक मान्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में डिजिटल भारत योजना के कार्यान्वयन के लिए, एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक को दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गयां
एनएसएस केंद्र के इतिहास में पहली बार शिविर की सदस्यता के अंतर्गत परमिंदर सहगल, एनएसएस केंद्र की ओर से विश्वविद्यालय के मध्य सेमेस्टर ब्रेक के दौरान एक विशेष शिविर आयोजित किया गया था। एसआरसीसी, मिरांडा हाउस, एलबीसी और कालिंदी कॉलेज के 200 स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए कैर और मित्राओं गांव का दौरा किया।

नॉन कॉलेजियट महिलाओं का शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी)

दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम. 1943 के अंतर्गत सितम्बर, 1944 में एनसीडब्ल्यूईबी की स्थापना की गई थी। बोर्ड छात्रों को नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लिए बिना कुछ परीक्षाओं में बैठने की सुविधा देता है। एनसीडब्ल्यूईबी महिला छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक विकल्प के रूप में उभरा। बोर्ड 3 छात्रों के साथ शुरू किया गया था और वर्तमान में इसमें 17500 छात्र हैं। वे 13 शिक्षण केंद्रों में यूजी पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहे हैं। ये केन्द्र, दिल्ली क्षेत्र के भीतर हैं और छात्रों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। यूजी केंद्रों के अलावा ट्यूटोरियल बिल्डिंग, कला संकाय में एक पीजी केंद्र भी स्थित है। बीए में 11112 छात्र हैं (भाग–प्रथम, द्वितीय और तृतीय), 3 बीकॉम में 631 छात्र (भाग–प्रथम, द्वितीय और तृतीय) और 851 स्नातोकोत्तर पाठ्यक्रम भाग द्वितीय एवं चतुर्थ में 851 छात्र)। इस प्रयोजन के लिए 546 अतिथि व्याख्याताओं को नियुक्त किया गया था। विभाग प्रमुखों की सिफारिश के अनुसार पीजी छात्रों के लिए 48 एसोसिएट प्रोफेसरसहायक प्रोफेसरों को नियुक्त किया गया था।

एनसीडब्ल्यूईबी शिक्षण की पचास दिनों की लघु अवधि में छात्रों को उनके संबंधित शिक्षण केन्द्रों में बहस, सवाल जवाब, रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका दिया गया। कॉलेज जीवन का अनुभव कराने के लिए मेहदी, चित्रकला, संगीत, खेल, क्रीड़ा आदि जैसी सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गई। इसके अलावा छात्रों में प्रतिस्पर्धा विकसित करने के लिए कई अंतर–केंद्र और सांस्कृतिक गतिविधियां भी हुई। इन सभी गतिविधियों की झलक बोर्ड और शिक्षण केन्द्रों की वार्षिक समारोह में देखी गई। 24 अप्रैल 2015 को, एनसीडब्ल्यूईबी ई–पत्रिका एनसीडब्ल्यूईबी शुरू की गई, जिसमें हर वर्ष तेरह शिक्षण केन्द्रों के विभिन्न लेख और रचनात्मक लेखन को शामिल किया गया।

स्नातकीय पाठ्यक्रम के उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत इस प्रकार है:

पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
स्नातक (कार्यक्रम.)	84.25 %	81.50 %	84.33 %
बी. कॉम	81.18 %	78.00 %	80.47 %

बोर्ड ने 13 शिक्षण केंद्रों के स्नातक–पूर्व छात्रों की पहले 3 स्थान हासिल करने में मदद की। इसके अलावा वर्ष 2015–16 में, बीए (प्रोग्राम)/बीकॉम में 100% और 90% अंक हासिल करने वाले 15 छात्रों और 240 छात्रों को और हर विषय में एमए में 75% अंक लाने वाले 40 छात्रों को एक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

एनसीडब्ल्यूईबी ने एनएसडीसी के सहयोग से एनसीडब्ल्यूईबी छात्रों की वृद्धि की रोजगार के लिए अस्पताल प्रबंधन, अस्पताल बिलिंग और बीपीओ प्रशिक्षण आदि कौशल विकास कक्षाएं आयोजित की। यह कौशल के साथ–साथ व्यक्तित्व और संचार कौशल विकसित करने और छात्र के आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ा कर नौकरी के अवसर का लाभ उठाने में मदद करता है। आसपास के बीए (कार्यक्रम) और बीकॉम द्वितीय और तृतीय वर्ष के 94 छात्र ऊपरोक्त 3 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नामांकित हैं। वर्तमान में कौशल सीखने के लिए छात्रों की संख्या में वृद्धि के साथ यह सफलतापूर्वक चल रहा है।

अट्ठाईस एनसीडब्ल्यूईबी छात्रों को ओखला में आईएलएफएस (एनएसडीसी के कौशल सेक्टर साथी) द्वारा उनके कार्यालय में प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने ई–माध्यम से उपभोक्ता सामग्रियों का विपणन करने वाली कंपनियों में नौकरी पाने के लिए छात्रों को व्यक्तित्व विकास, ग्राहक देखभाल और अंग्रेजी संचार में प्रशिक्षित किया। कुलपति ने एनसीडब्ल्यूईबी के तीस छात्रों को 2015 की गर्मियों के दौरान इंटर्नशिप की पेशकश की थी।

वर्ष 2015 में, एनसीडब्ल्यूईबी के छात्रों के लिए स्पाइसजेट द्वारा भर्ती अभियान आयोजित किया गया और हमारे छात्र उनके द्वारा प्रदान किए गए 50 प्रतिशत प्रस्ताव पाने में सफल रहे। जेडीएम के लगभग 25 छात्रों को स्पाइसजेट से नौकरी के प्रस्ताव मिले। एनसीडब्ल्यूईबी के छात्र सुकेम कंपनी द्वारा नौकरी की पेशकश से भी लाभान्वित हुए। एसजीजीएससीसी, एनसीडब्ल्यूईबी शिक्षण केंद्र के 3 छात्रों को मैक्स अस्पताल, साकेत में अस्पताल के प्रबंधन में नौकरी मिली।

जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता दी गई। समिति ने आवेदन करने वाले 950 छात्रों में से, 790 जरूरतमंद छात्रों को 3000 रुपए प्रति छात्र की दर से वित्तीय सहायता प्रदान की। चारों इस वर्ष के दौरान छात्रों को ओर लगभग 442 पुस्तके (मुफ्त) प्रदान की गई थी। महिलाओं की शिक्षा की दिशा में एक नया क्षितिज प्राप्त करने के लिए, बोर्ड अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हर कदम उठा रहा है।

एनसीडब्ल्यूईबी के शिक्षण केन्द्र
भारती कॉलेज, हंसराज कॉलेज, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, जीसस एंड मैरी कॉलेज, कालिंदी कॉलेज, लक्ष्मीबाई कॉलेज, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज, माता सुन्दरी कॉलेज, पीजीडीएवी कॉलेज, गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज वाणिज्य, विवेकानंद कॉलेज, एसपीएम कॉलेज, पीजी शिक्षण केंद्र।

पूर्व छात्र मामलों का कार्यालय

अभिनव पूर्व छात्रों की सेवाओं की ओर पहलों की एक श्रृंखला आरंभ की गई है और इस वर्ष उपलब्धियां/प्रमुख विरासतें से पूर्व छात्रों के सेवा पोर्टल को समृद्ध किया गया है।

प्रोफेसर सिडनी रेरियो की कल्पना के अनुसार, सलाहकार डॉ कर्ण सिंह, सांसद, गोपालकृष्ण गांधी, सीईसीएस नवीन बी चावला और डॉ एस वाई कुरैशी, सीएजी विनोद राय, अमिताभ बच्चन, डॉ. शशि थरूर, नटवर सिंह, डॉ. एनके. सिंह, किश्वर देसाई अहलूवालिया, निर्मल वर्मा, रामचंद्र गुहा और अनुजा बी चौहान जैसे प्रख्यात पूर्व छात्रों और दाताओं द्वारा, हस्ताक्षर सहित पुस्तकों के साथ एक अनूठा पूर्व छात्र लेखक पुस्तकालय एएएल स्थापित किया गया है – इसके साथ ही ड्यू के पूर्व छात्र, प्रख्यात न्यायविदों के न्यायालय में दुनिया भर में दशकों से स्पष्ट निर्णय के प्रकाशित संकलन/नों को भी शामिल किया गया है।
परीक्षा शाखा के साथ घनिष्ठ समन्वय के साथ पूर्व छात्रों की प्रमाण पत्र, शुल्क कार्यक्रम आदि सेवाओं की जरूरत के लिए पहली बार पूर्व छात्र सेवाएँ को एक एकीकृत ई–विंडो में लाया गया है, जिससे तेजी से प्रदायगी संभव हुई है।
4 महाद्वीपों में 700 से अधिक पूर्व छात्रों से, अनुकूलित परामर्श, मार्गदर्शन और समर्थन सेवाओं सहित समयबद्ध, 48 घंटे प्रतिक्रिया प्रदान किया गया है।
पूर्व छात्रों की आगे की पढ़ाई, कैरियर में उन्नति और भारत एवं विदेश में नागरिकता की लंबे समय से महसूस की जाने वाली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, इस वर्ष – शुल्क/दान आदि का ई–ट्रांसफर – नियंत्रित समर्पित बैंक खाते, ई–ट्रान्सक्रिप्ट की शुरूआत और तत्काल पार संदर्भित अभिलेखों की ईमास्टर सूचियों को अद्यतन करना, आदि नए उपाय किए गए हैं, जिससे हमारे विश्वविद्यालय को दुनिया भर में मानक संचालन प्रक्रियाओं के भीतर लाया जा रहा है।
सक्रिय अनुसरण के माध्यम से पूर्व छात्रों के मामलों के अकाउंट एएएसी, प्लेटिनम 1997 में शुरू किया गया और लगभग 2003 के बाद से निष्क्रिय रहने के बाद, इस वर्ष इसे पुनर्जीवित किया गया है और इससे पूर्व छात्रों की सेवा को फायदा होगा।
लगभग 90 विभागों, केन्द्र और कॉलेजों में अब (संकाय) कोर समन्वयकों सीसीएस और सलाहकार/डीन पूर्व छात्र मामलों के साथ सीधे संपर्क के लिए एएल प्रतिनिधि हैं, जबकि 25 से अधिक नए सूक्ष्म/संस्था – आधारित पूर्व छात्रों अध्यायों ने मार्गदर्शन और समर्थन प्राप्त किया।
2000 से अधिक ताजा तस्वीरों से कोडित एलपिक्स सॉफ्टक दस्तावेज और एक अतिरिक्त 1500 इलाकों, तथ्य पत्रक, फाइल – फोलियो आदि कॉर्पोरेट, शैक्षणिक, मीडिया, खेल, संस्कृति, व्यावसायिक, कानूनी, साहित्य, सिविल सेवा और प्रख्यात सार्वजनिक व्यक्तियों संसाधन पूलों के 10 व्यापक सेट आरपीएस को आलोच्य वर्ष में पूर्व छात्र संसाधन बैंक के अंतर्गत जोड़ दिया गया है।
प्लेटिनम वर्ष 1997–1998 में एक परंपरा का पुनरुद्धार किया गया। प्रख्यात पूर्व छात्रों को दीक्षांत समारोह 2015 के लिए आमंत्रित किया गया और प्रख्यात पूर्व छात्रों के एक बड़े समूह ने नए स्नातकों को अपने ''बधाई और आशीर्वाद'' से अवगत कराया।

बोर्ड सेवाओं के –पार

इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका/ब्रिटेन/कनाडा/अफ्रीका/मध्य पूर्व/मुंबई/चेन्नई अध्याय की संशोधित और वर्दि्धत पूर्व छात्रों सूचियों के साथ, बहुत प्रख्यात पूर्व छात्रों की एक अद्यतित वीईएआई चयनित सूची ने ''सार्थक, पूरा ड्यू पूर्व छात्रों गतिशील'' की बुनियाद रखी है।

और तेजी से संपर्क करने के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय पूर्व छात्रों के वैश्विक डाटाबेस 2015 में सभी स्रोतों से 45,000 से अधिक नाम हो गए हैं, जबकि 2014 में इसमें 30,000 पूर्व छात्रों के नाम थे। पूर्व छात्रों की सलाहकार परिषद एएएसी के लिए एक अद्यतित प्रस्तावित वैधानिक ढांचा प्रस्तुत किया गया है।

सांविधिक डीयूएए में सदस्यता वृद्धि जारी है और डीयूएए के डॉ. अनिल सरदाना, अधिवक्ता गौतम बनर्जी, माइकल डायस और संजीत कुमार सिंह, मीडिया विशेषज्ञ – सिद्धार्थ मिश्रा, उल्लेखनीय ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. गौरी कपूर, हरि शंकर गुप्ता, सुरिंदर कुमार, प्रोफेसर जी.एल. गुप्ता और प्रोफेसर वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल डीयू न्यायालय के प्रतिनिधि चुने गए हैं।

पूर्व छात्र, कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह द्वारा एक प्रमुख पूर्व छात्र संगोष्ठी – सह – फैलोशिप डिनर की मेजबानी की गई और इसे डीन माला श्री लाल द्वारा आयोजित किया गया था। पैनल की अध्यक्षता जस्टिस पूर्व छात्र दोहरे स्वर्ण पदक विजेता अर्जन के सीकरी ने की और कानून के पूर्व छात्र किरण रिजिजू राज्यमंत्री भारत सरकार भी इसमें शामिल थे।

पूर्व छात्रों की निदेशिका मुद्रण के लिए तैयार है, जबकि पूर्वछात्र समाचार पत्रिका संस्करण तीन 2015 और संस्करण चार 2016 जारी की गई है और एक नया, तेज पूर्व छात्र फास्टट्रैक में चित्र, विचारोत्तेजक पुरानी यादों, विरासत अनुभागों और एक विशिष्ट स्मृतियों को इसमें शामिल किया गया जो हमारे कुछ प्रिय दिवंगतों को स्नेहपूरित श्रद्धांजलि देता है। हम इस अशेष आशीर्वाद के लिए भगवान को धन्यवाद देते हैं और कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह के सुसंगत और प्रेरणादायक समर्थन के प्रति अपना आभार और प्रशंसा व्यक्त करते हैं। हम कोलंबिया, जेएनयू और दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय से कानूनी अध्ययन के एक प्रतिष्ठित विद्वान अपने नए कुलपति प्रोफेसर योगेश के त्यागी का स्वागत करते हैं, और उनसे इस महान विश्वविद्यालय की अखंडता और बौद्धिक स्वायत्तता बनाए रखने के साथ इसका समेकन, संवर्धन और महिमा वृद्धि चाहते हैं, इसके साथ ही हम उत्कट उम्मीद और प्रार्थना अभिव्यक्त करते हैं कि वे हमारे मूल्यों और ''एक सार्थक दिशा में, संपूर्ण – दिल्ली विश्वविद्यालय – पूर्व छात्र – गतिशील'' के आदर्श वाक्य को मजबूत करेंगे और हमारे पूर्व छात्रों को अतिथियों के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पूर्व छात्रों को बार–बार समर्थकों, सलाहकारों, प्रेरकों और डीयू के गतिशील जीवन के सभी पहलुओं में प्रायोजक की भूमिका निभाने पर जोर देते हैं।

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो (रोजगार कार्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा छात्रों और अन्य लोगों को रोजगार के अवसर, रोजगार के लिए विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं पर कैरियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में सेवा प्रदान की जाती हैं। वर्ष के दौरान, 129713 उम्मीदवारों को ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से पंजीकृत किया गया था। 5178 रिक्तियां प्राप्त की गईं, 459 नियोक्ताओं ने माँग दर्ज कराई, कई उम्मीदवारों को प्रायोजित किया गया और काम पर रखा गया।
रोजगार निदेशालय द्वारा निजी प्रतिष्ठित कंपनियों फर्मों के लिए 2 चरणों में रोजगार मेला भी आयोजित किया गया। पहला चरण में 1 से 8 चार अगस्त, 2015 के दौरान चार रोजगार कार्यालय अर्थात् (1) किर्बी प्लेस (2) आर के पुरम (3) पूसा और (4) शाहदरा में आयोजित किया गया।
दूसरा चरण 16.11.15 से 19.12.15 तक त्याग राज स्टेडियम सहित ऊपर उल्लिखित रोजगार कार्यालयों में आयोजित किया गया। 300 विकलांगों सहित लगभग 2000 उम्मीदवारों को इन कंपनियों में काम पर रखा गया।

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

विश्वविद्यालय प्रेस ने विश्वविद्यालय और इसके कॉलेजों के डिग्री, अंक पत्रों, उत्तर पुस्तिकाओं, सूचीपत्र, वार्षिक समीक्षा, विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, शैक्षणिक परिषद/कार्यकारी परिषद के कार्यवृत्त, परीक्षा फार्म की छपाई और विश्वविद्यालय के कई अन्य मदों के मुद्रण जैसे विभिन्न कार्यों को हाथ में लिया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के विभिन्न अभिलेखों और रजिस्टरों आदि की जिल्दसाजी भी पूरी की गई।
प्रेस सलाहकार समिति (पीएसी) ने मुद्रकों की सूची को अंतिम रूप दिया। तदनुसार नौ मुद्रकों को विभिन्न प्रकार के मुद्रण कार्यों के लिए विश्वविद्यालय प्रेस के पैनल में शामिल किया गया। वित्त वर्ष 2015–2016 के दौरान निष्पादित 558 नौकरियों को रु. 22341971/– के बराबर आंका गया और 627 डॉकेट खोले गए।

शैक्षणिक केन्द्र
कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

डॉ उषा टुटेजा ने 2015–2016 के दौरान कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के लिए "हरियाणा में थोक मूल्यों, खुदरा मूल्य और बासमती के निर्यात मूल्य के बीच संबंध 'विषय पर अध्ययन पूरा कर लिया। कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र (एईआरसी) के अनुसंधान के वर्तमान प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

उत्तराखंड में ऑफ सीजन सब्जियों की लागत और लाभ का आर्थिक विश्लेषण।
किसानों की आत्महत्याः हरियाणा में कारण और नीति निर्धारण।

इसके अलावा, केंद्र हरियाणा और उत्तराखंड राज्यों के अधिकार क्षेत्र में 15 संकेतकों की त्रैमासिक स्थिति प्रस्तुत कर रहा है। इस काम की देखरेख डॉ. उषा टुटेजा कर रही हैं। एईआरसी पुस्तकालय एक छोटे सा अनुसंधान और संदर्भ पुस्तकालय है। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान इस पुस्तकालय ने कृषि अर्थशास्त्र के क्षेत्र में और ग्रामीण विकास, पर्यावरण और व्यापार, आदि संबद्ध विषयों पर पुस्तकों और पत्रिकाओं को खरीदने के लिए 23256 रुपयों (लगभग) का उपयोग किया।

प्रकाशन

एस चंद्रा,(2016). पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान की पारंपरिक एवं उन्नत किस्मों की विपणन किए गए एवं विपणन के योग्य अधिशेष की प्रकृति, विस्तार अधिशेष के निर्धारकों, अर्थशास्त्र और विकास की भारतीय पत्रिका,12(1), 65–70.

यू तनेजा. (2015). कृषि पर कमजोर मानसून का संभावित असर। आर्थिक विषय, 20(5), मई जून।

यू तनेजा. (2015). हरियाणा में वैकल्पिक फसलों के लिए धान को अपनाने में संभावनाएं और बाधाएं। भारत में कृषि की स्थिति, LXXII(8), 36–41.

यू तनेजा. (2016). हरियाणा में प्रमुख खाद्यान्न की बिक्री और विपणन अधिशेष का आकलन। भारत में कृषि की स्थिति, LXXII(10), 52–59.

सूंसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केन्द्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

केंद्र पहले 2012 में हिग्स बोसॉन की प्रमुख खोज में सीईआरएन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में हो रहे सीएमएस के प्रयोग में शामिल था और 2015–16 में इसने सीएमएस प्रयोग के साथ अपने सहयोग को जारी रखा। बीईएल के सहयोग से बेंगलुरू में डिजाइन, विकसित और तैयार किए गए बहु–पट्टी सी सेंसरों का लक्षण वर्णन केआईटी, जर्मनी में किया गया। ये अत्याधुनिक डिटेक्टर हैं और भारत में लगभग पहली बार विकसित किए गए हैं।

प्रकाशन

डब्ल्यू एडम एवं अन्य. (2015). सिलिकॉन पट्टी सेंसर पर N^+pकम खुराक इलेक्ट्रॉन विकिरण का प्रभाव। परमाणु उपकरण और भौतिकी अनुसंधान के तरीके ए, 803, 100–112.

डब्ल्यू एडम एवं अन्य. (2016). एचएल–एलएचसी बाहरी पर नजर रखने में प्रत्याशित फ्लुएंसों पर प्रोटॉन ऊर्जित p^+-n-n^+ सिलिकॉन सेंसरों को फंसाने का प्रयास। इंस्ट्रूमेंटेशन की पत्रिका, 11(04), पी04023 (19 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस=8टीईवी पर पीपी मुठभेड़ों में प्रमुख ऊर्जित कणों और प्रमुख ऊर्जित कण जेटों के छोटे अनुप्रस्थ मोमेंटा का उत्पादन। भौतिकी समीक्षाडी, 92(11), 112001 (17 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस=8टीईवी पर पीपी टक्कर में फोटॉनों साथ अतिसमरूपता की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 92(7), 072006 (23 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस=2.76 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में ऊर्जित कण जेटों का उपयोग कर अंतर्निहित घटना गतिविधि का मापन। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2015(9), 137 (33 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस=8टीईवी पर सीएसआईएन पीपी टक्कर में एक प्रकाश ऊर्जित हिग्स बोसॉन क्षय के लिए खोज । उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, (12), 178 (37 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस=8टीईवी पर पीपी टक्कर में ऊर्जित हिग्स बोसॉन की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2015(11), 18 (64 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2015). √एस=8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में वेक्टर–बोसॉन संलयन टोपोलॉजी में अति समरूपता की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2015(11), 189 (42 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). हिग्स बोसॉन जीवन की सीमाएं और उसके क्षय से चार ऊर्जित लेप्टानों की चौड़ाई की सीमाएं। भौतिकी समीक्षा डी, 92(7), 072010 (28 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस=13टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में ऊर्जित हेड्रानों का सिडोरापिडीसी वितरण। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 751,143–163.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). नीचे के क्वार्कों की एक जोड़ी में क्षय प्राप्त तटस्थ एमएसएसएम हिग्स बोसॉन की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2015(11), 71 (43 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में 150 से 850 जीईवी मास रेंज में डिपहाटन अनुनादों की खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 750, 494–519.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). वेक्टर बोसॉन संलयन के माध्यम से उत्पादित और बीबी के लिए क्षय प्राप्त मानक मॉडल हिग्स बोसॉन की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 92(3), 032008 (26 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में तटस्थ रंग–ओकटेट कमजोर–त्रिक अदिश कणों की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2015(9), 201 (37 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में शीर्ष क्वार्क जोड़ी उत्पादन के लिए अंतर के पार अनुभाग का मापन। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 75(11), 542 (39 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). और एक जेड बोसॉन में एक स्यूडोस्कालर बोसॉन और $l^+l^-b\bar{b}$ अंतिम स्थिति में 125 जीईवी हिग्स बोसॉन की खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 748, 221–243.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2015). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में उत्पादित जेड बोसॉन के कोणीय गुणांक और अनुप्रस्थ गति और तीव्रता के एक कार्य के रूप में μ′ μ′– के लिए क्षय। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 750, 154–175.

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में γजेट्स वर्गों के पार Z/γ′ जेटों की तुलना। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2015(10), 128 (46 पृष्ठ), ईराटमः उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(04), 10 (21 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). रेजर चरों का उपयोग कर अंतिम स्थिति में वर्द्धित डब्ल्यू बोसॉन और बी जेट में √ = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में अतिसमरूपता की खोज । भौतिकी समीक्षा डी, 93(9), 092009 (31 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 7टीईवी पर पीपी टक्कर में तीव्रता में व्यापक रूप सेअलग किए गए जेटों का अजीमुथल विच्छिन्न सहसंबंध। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(8), 139 (41 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर $l\nu b\bar{b}$ अंतिम अवस्था में क्षय प्राप्त बड़े पैमाने पर डब्ल्यू एच अनुनादों की खोज। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(5), 237 (26 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016).. √एस = 7टीईवी पर पीपी टक्कर में ड्रेल –यान लेप्टॉन जोड़े की आगे–पीछे की विषमता। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(6), 325 (24 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √ एसएनएन = 5.02 टीईवी पर पीपीबी टक्कर में समावेशी जेट उत्पादन और परमाणु संशोधनों का मापन। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(7), 372 (24 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में अंतिम स्थिति डिलेप्टानों का उपयोग कर टीटी स्पिन सहसंबंध और टॉप क्वार्क ध्रुवीकरण का मापन। भौतिकी समीक्षा डी, 93(5), 052007 (25 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √ एसएनएन = 2.76 टीईवी पर पीबीपीबी और पीपी टक्करों में जेट और ऊर्जित कणों के बीच सह–संबंध। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(2), 156 (39 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 7 और 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में चार लेप्टॉन क्षय चैनल में हिग्स बोसॉन उत्पादन के लिए अंतर और एकीकृत असंदिग्ध पार वर्गों का मापन। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(4), 5 (46 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में नरम लेप्टानों, कम जेट बहुलता और गायब अनुप्रस्थ ऊर्जा की घटनाओं में अतिसमरूपता की खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 759, 9–35.

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016).√ एसएनएन = 5.02टीईवी पर पीपीबी टक्करों में जेड बोसॉन उत्पादन का अध्ययन। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 759, 36–57.

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016).. √एस = 2.76 टीईवी पर पीपी टक्कर में समावेशी जेट पार अनुभाग का मापन। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(5), 265 (21 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). √एस = 13 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में डिजेट के लिए क्षय प्राप्त संकीर्ण अनुनादों की खोज। भौतिकी समीक्षा पत्र, 116(7), 071801 (17 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). अंतर्निहित घटना से घटना उत्पादक धुनों और मल्टीपार्टन बिखराव की माप। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(3), 155 (52 पृष्ठ).
वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). √एस = 8 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में एक जेड बोसॉन के साथ सहयोग में उत्पादित डार्क मैटर और अनपार्टिकलों की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 93(5), 052011 (29 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में म्यून. जेट अंतिम अवस्था में मैट्रिक्स तत्व विधि का उपयोग कर टीटी¯ उत्पादन में स्पिन सहसंबंध का मापन। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 758, 321–346.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में एक फोटान के सहयोग से विषम एकल टॉप क्वार्क उत्पादन की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(4), 35 (38 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में एक बीबी जोड़ी के साथ सहयोग में उत्पादित एक कम द्रव्यमान स्यूडोस्कालर हिग्स बोसॉन की खोज।भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 758, 296–320.

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). टी–चौनल एकल टॉप क्वार्क उत्पादन में टॉप क्वार्क ध्रुवीकरण का मापन। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016 (04), 73 (42 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). √एस = 8 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में उत्साहित लेप्टानों की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016 (03), 125 (54 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य (2016). सीएमएस पर हार्डन और √एस = 8 टीईवी के लिए τ लेप्टॉन क्षय का पुनर्निर्माण और पहचान। इंस्ट्रूमेंटेशन की पत्रिका, 11(1), पी01019 (77 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में 125 जीईवी अदिश बोसॉन के क्षय में उत्पादित और τ लेप्टान में क्षय प्राप्त एक बहुत ही हल्के एनएमएसएसएम हिग्स बोसॉन की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(01), 79 (46 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 13 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में टॉप क्वार्क जोड़ी उत्पादन पार अनुभाग का मापन। भौतिकी समीक्षा पत्र, 116(5), 052002 (18 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √ एसएनएन= 5.02 टीईवी पर पीपीबी टक्कर में समावेशी बी जेट की अनुप्रस्थ गति स्पेक्ट्रा। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 754,59–80.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्करों का उपयोग कर डिलेप्टान क्षय चौनल में, बी क्वार्क जेट सहित अतिरिक्त जेट गतिविधि टीटी उत्पादन का मापन। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(7), 379 (56 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 13 टीईवी पर पीपी टक्कर में लंबी दूरी के पास स्थित दो–कणों के कोणीय सहसंबंध का मापन। भौतिकी समीक्षा पत्र, 116(17), 172302 (19 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). एक 125 जीईवी हिग्स बोसॉन एचएच की एक जोड़ी के लिए एक भारी अदिश बोसॉन एच या एच→ττ की अंतिम स्थिति के साथ एक भारी स्यूडास्कालर बोसॉन एक जेडएच क्षय प्राप्त की खोज । भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 755, 217–244.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में एक वेक्टर बोसॉन के साथ सहयोग में उत्पादित टॉप क्वार्क जोड़ी का अवलोकन। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(1), 96 (55 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √ एसएनएन = 2.76 टीईवी पर पीबीपीबी और पीपी टक्करों में डीजेट प्रणालियों में अनुप्रस्थ गति सापेक्षता का मापन। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(1), 6 (52 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में एक एकल टॉप क्वार्क के साथ एक हिग्स बोसॉन के संबंदित उत्पादन की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(6), 177 (48 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में टीडब्ल्यू के लिए क्षय प्राप्त नीचे के एक उत्साहित क्वार्क के उत्पादन की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(1), 166 (44 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में सभी–जेट अंतिम अवस्था में टीटी उत्पादन पार अनुभाग का मापन। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका, 76(3),128 (26 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्करों में W^'→tb की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(2), 122 (42 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में वेक्टर–जैसे प्रभारी 2/3 टी क्वार्कों की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 93(1), 012003 (30 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 7 और 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन डेटा का उपयोग कर टॉप क्वार्क द्रव्यमान का मापन। भौतिकी समीक्षा डी, 93(7), 072004 (37 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √ एसएनएन = 5.02 टीईवी पर प्रोटॉन–सीसा टक्कर में स्थिर पार अनुभाग का मापन। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 759, 641–662.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में अदिश लेप्टोक्वार्क के एकल उत्पादन की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 93(3), 032005 (25 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में पहली और दूसरी पीढ़ी के लेप्टोक्वार्क की जोड़ी के उत्पादन की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 93(3), 032004 (32 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8 टीईवी पर पीपी टक्कर में डिफ्थान क्षय चैनल में हिग्स बोसॉन उत्पादन के लिए अंतर पार अनुभागों का मापन। भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(1), 13 (31 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). अनन्य हार्डोनिक क्षय का उपयोग कर √ एसएनएन = 5.02 टीईवी पर पी.पीबी टक्कर में बी मेसन उत्पादन का अध्ययन। भौतिकी समीक्षा पत्र, 116(3), 032301 (18 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में टाउ लेप्टॉन और न्यूट्रिनो के W^ क्षय प्राप्त की खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 755,196–216.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). एक टेम्पलेट विधि का प्रयोग कर √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में टॉप क्वार्क जोड़ी उत्पादन में चार्ज विषमता का मापन। भौतिकी समीक्षा डी, 93(3), 034014 (27 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 7 और 8टीईवी पर पीपी टक्करों में μ' μ'– μ के लिए क्षय प्राप्त तटस्थ एमएसएसएम हिग्स बोसॉन की खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र डी, 752,221–246.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में एक फोटान, एक लेप्टॉन और गायब अनुप्रस्थ गति की घटनाओं में अतिसमरूपता की खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 757,6–31.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर से $B^0 \rightarrow K^{*0}\mu^+\mu^-$– क्षय का कोणीय विश्लेषण। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 753,424–448.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर $B_s^0 \rightarrow J/\psi\phi($(1020) 7, चैनल का उपयोग कर सीपी–उल्लंघन कमजोर चरण φ_s और क्षय चौड़ाई ΔΓ_s का मापन। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 757,97–120.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में बी क्वार्कों जैसी जोड़ी के उत्पादन वेक्टर की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 93(11), 112009 (32 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में W^+W^-पार अनुभाग का मापन और विषम गेज कपलिंग पर सीमा।भौतिक विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका सी, 76(7), 401 (29 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में टीटी प्रभारी विषमता के समावेशी और अंतर की माप। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 757,154–179.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर पीपी टक्कर में कम डिलेप्टान मास के साथ γ^* γ->llγ में क्षय प्राप्त एक हिग्स बोसॉन की कोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 753,341–362.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016).पता न चलने वाले कणों और एक या एक से अधिक फोटॉनों में एक हिग्स बोसॉन के बाहरी क्षय की खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 753, 363–388.

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में हेड्रीनिक अंतिम स्थिति में हिग्स बोसॉन और एक डब्ल्यू या जेड बोसॉन में क्षय प्राप्त तेज अनुनाद की खोज। उच्च शक्ति भौतिकी की पत्रिका, 2016(02), 145 (42 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016). √एस = 8टीईवी पर प्रोटोन–प्रोटोन टक्कर में अनुनाद टीटी उत्पादन की खोज। भौतिकी समीक्षा डी, 93(1), 012001 (35 पृष्ठ).

वी खाचात्रायन एवं अन्य(2016), म्युअन में क्षय प्राप्त नई रोशनी बोसॉन की जोड़ी उत्पादन के लिए एक खोज। भौतिक विज्ञान के पत्र बी, 752, 146–168.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. कीर्ति रंजन, डीएसटी की प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2014–2019 शीर्षक "कॉम्पैक्ट म्युअन सोलेनायड (सीएमएस) का उन्नयन, ऑपरेशन और उपयोगिता", रु .9.99 करोड़।

डॉ. कीर्ति रंजन, डीएसटी की प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2014–2019 शीर्षक, "क्षेत्रीय डब्ल्यूएलसीजी ग्रिड प्रणाली का अद्यतन और संचालन", रु. 25.30 लाख.।

डॉ. अशोक कुमार, डीएसटी की प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2015–2018 शीर्षक "जेम डिटेक्टरों और चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए अनुसंधान एवं विकास", रु.23.48 लाख।

डॉ. मुहम्मद नइमुद्दीन, डीएसटी की प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2013–2018 शीर्षक,"आईएनओ परियोजना के लिए विश्वविद्यालय के समूह द्वारा अनुसंधान एवं विकास प्रयास ", रु.1.79 करोड़।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अशोक कुमार
8 जून – 2 जुलाई, 2015 के दौरान डेजी, हैम्बर्ग, जर्मनी में आयोजित "विकिरण इमेजिंग डिटेक्टरों पर 17 वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (आईडब्ल्यूओआरडी 2015)" में "आरपीसी डिटेक्टर लक्षण और आईएनओ–आईसीएएल प्रयोग के लिए प्रदर्शन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

22–26 फरवरी, 2016 के दौरान गेन्ट विश्वविद्यालय, बेल्जियम में आयोजित "प्रतिरोधक प्लेट मंडलों और संबंधित डिटेक्टरों (आरपीसी2016) पर तेरहवीं कार्यशाला" में "एचएआरडीआरओसी मल्टीचौनल रीड आउट का उपयोग कर ग्लास प्लेट प्रतिरोधक का प्रदर्शन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

गीतिका जैन
पोस्टर प्रस्तुति 24–30 मई, 2015 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में आयोजित "फ्रंटियर भौतिकी एल्बा सम्मेलन 2015 के लिए फ्रंटियर डिटेक्टर" में "दूसरे चरण सीएमएस ट्रैकर के उन्नयन के लिए डिवाइस सिमुलेशन का उपयोग कर पिक्सेल सेंसर का डिजाइन अनुकूलन"।

24–30 मई, 2015 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में आयोजित आयोजित "फ्रंटियर भौतिकी एल्बा सम्मेलन 2015 के लिए फ्रंटियर डिटेक्टर" में "टीसीटी के माध्यम से सिलिकॉन डिटेक्टरों की विशेषता का पता लगाना" पर पोस्टर प्रस्तुति।

02–04 दिसंबर, 2015 के दौरान सर्न, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित "बहुत उच्च चमक युक्त कोलाइडरों के लिए पर विकिरण हार्ड सेमीकंडक्टर उपकरणों की 27 वीं आरडी50 कार्यशाला" में "द्वितीय चरण पिक्सेल सेंसर डिजाइन के लिए टीसीएडी 2 डी सिमुलेशन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रंजीत ने 02–04 दिसंबर, 2015 के दौरान सर्न, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित "बहुत उच्च चमक युक्त कोलाइडरों के लिए पर विकिरण हार्ड सेमीकंडक्टर उपकरणों की 27 वीं आरडी50 कार्यशाला" में "कम लाभ हिमस्खलन डिटेक्टरों के लिए टीसीएडी अनुकरण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग

उपर्युक्त सभी अनुसंधान परियोजनाएं अंतर–संस्थागत परियोजनाएं हैं।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की उपाधियाँः पीएच.डी.: 3

उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केन्द्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
भारत में उद्यमशीलता को अभी तक अपनी छिपी क्षमता का पता लगाना बाकी है। यह दुनिया के नेताओं के साथ खड़े होने में भारत की मदद करने के साथ–साथ, बल्कि दिमाग के उन गुणों को भी खोलेगा जिन पर हम बहुत गर्व करते हैं, उद्यमिता केंद्र और कैरियर उन्मुख कार्यक्रम (सीईसीओपी) और महिलाओं के लिए एप्लाइड साइंसेज के शहीद राजगुरु कॉलेज में 9 अक्टूबर, 2015, को उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के माननीय उप मुख्यमंत्री, भारत सरकार श्री मनीष सिसोदिया द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था। हमारा ई–सेल युवा उद्यमियों के लिए संसाधनों के एक आसानी से सुलभ और संपूर्ण सेट बनाने के द्वारा भारत में उद्यमशीलता की पर्यावरण को जगाना और समृद्ध करना चाहता है, जिसमें छात्र, नवोदित पेशेवर और सलाहकार शामिल हैं। हमारा ई–सेल परिसर से छात्र उद्यमों की कंपनियों, तैयार कोष और निवेशकों से नेटवर्किंग के माध्यम से नव प्रस्तावित विचारों को प्रभावी ढंग से सफल आरंभ में बदलने के इन उद्देश्यों को पूरा करती है। राष्ट्रीय व्यवसायियों और प्रख्यात हस्तियों के साथ मिलकर अपने भीतर छिपी विशाल क्षमता का आह्वान करने के लिए उनमें जागरूकता पैदा करने और उद्यमशीलता के बारे में छात्रों को प्रेरित करने के लिए कार्यशालाओं और अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। ई–सेल ने दिल्ली विश्वविद्यालय और भारत के अन्य कॉलेजों के छात्रों के लाभ के लिए वर्ष भर अनेक गतिविधियों का संचालन करेगा। ई–सेल कच्ची उद्यमशीलता की ऊर्जा को प्रवाह देने और के सफल व्यवसायी बनने के लिए परिष्कृत करने के लिए उद्योग के विशेषज्ञों से सलाह समर्थन जुटाएगा। ई–सेल समूह ने 31 जनवरी 2016 को आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उद्यमिता चौलेंज (एनईसी) में भाग लिया पचास कॉलेजों के बीच एक कड़ी प्रतिस्पर्धा में पूरे भारत में दूसरा स्थान प्राप्त किया। ई सेल आईएसबीए की सहायता से अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने और उनके शुरू करने में छात्रों की मदद करने के उद्देश्य से कॉलेज में एक ऊष्मायन केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। सीईसीओपी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अपने सभी कॉलेजों में उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ईडीपी) और नवाचार और रचनात्मकता केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। दिल्ली विश्वविद्यालय और आसपास के कॉलेजों के नवोदित प्रबंधकों और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए कॉलेज के ई–सेल और सीईसीओपी ने 30 मार्च, 2016 को कांक्वेस्ट नामक एक प्रबंधन उत्सव का आयोजन किया। विशेषज्ञ वार्ता श्रृंखला के अलावा, उत्सव ने प्रबंधन प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया में काम करने का अनुभव और अनावरण प्रदान करने के उद्देश्य कौशल से संबंधित प्रतिस्पर्धी घटनाओं की एक श्रृंखला आयोजित की। कांक्वेस्ट, 2016 के कार्यक्रमों की सूची में निम्नलिखित शामिल थेः

इनोवेस – यह एक व्यवसाय योजना प्रतियोगिता थी।

मार्केटिंग पागलपन – जिसमें एक कंपनी का नाम और टैगलाइन दिए गए थे और छात्रों को कंपनी के लिए एक नई टैगलाइन देनी थी।

आइडिया स्टाल–जहां छात्र एक स्टाल की स्थापना करके अपने नए उत्पादों और सेवाओं को बेच सकते थे।

कार्यक्रम काफी सफल रहा और दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के साथ ही दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अन्य कॉलेजों ने इसमें भाग लिया। हम अपने ई–सेल और सीईसीओपी के माध्यम से अपने कॉलेज के लिए और अधिक ख्याति लाने की उम्मीद करते हैं।

सम्मेलनों में भागीदारी

डॉ. एस लक्ष्मी देवी ने 19 मार्च, 2016 को विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन दिल्ली और स्वामी शिवानंद मेमोरियल संस्थान द्वारा आयोजित "महिलाओं के सशक्तिकरण की कुंजीः उद्यमिता पर संगोष्ठी सह इंटरैक्टिव कार्यशाला" में "महिलाओं की उद्यमिता के लिए विचार और कौशल" पर व्याख्यान में दिया ।

फसल पौधों आनुवांशिक परिचालन केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

केंद्र की प्रमुख गतिविधि पारंपरिक और जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण के माध्यम के रूप में तिलहन ब्रेसिका के आनुवंशिक सुधार पर शोध करना है। प्रमुख वित्तीय समर्थन राष्ट्रीय डेयरी विकास मंडल (एनडीडीबी) और डीबीटी से आया है। केंद्र मुख्य रूप से बी जुनेका के आणविक मानचित्रण पर काम कर रहा है। कुल जीनोम मैपिंग और कई गुणात्मक और मात्रात्मक लक्षणों के मानचित्रण के लिए आठ द्वि–पैतृक डीएच आबादी के मानचित्रण का इस्तेमाल किया जा रहा है। पूरे जीनोम मैपिंग के साथ लक्ष्य क्षेत्र के ठीक मानचित्रण के लिए आरएफएलपी, एएफएलपी, जीनोमिक और जेनिक एसएसआरएस और आरएनए क्रम आधारित एसएनपी जैसी विभिन्न मार्कर प्रणालियों (प्रयोगशाला में विकसित और खोजी गई) का इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्तमान में बी जुनेका वर. के जीनोम अनुक्रमण किया जा रहा है। पैकबायो प्रौद्योगिकी का उपयोग कर वरुणा को अनुक्रमित किया जा रहा है। एसएनपी आधारित प्रजनन मंच के विकास के लिए पांच अन्य महत्वपूर्ण सरसों लाइनों की कम–पास अनुक्रमण को लक्ष्य बनाया गया है।

प्रकाशन

एस बाली, ए. मैमगेन, एस एन रैना, एस के यादव, बी भट्ट, एस दास, ए के प्रधान, एवं एस गोयल, (2015). एक आनुवंशिक संबंध नक्शा और इंडियन बेवरेज चाय में सूखी सहिष्णुता विशेषता के मानचित्र का निर्माण। आणविक प्रजनन, 35(5), 112 (20 पृष्ठ).

एन सी बिष्ट, ए जगन्नाथ, आर ऑगस्टाइन, पी के बर्मा, ए के प्रधान एवं डी पेंटल (2015) पुरुष–बाँझ (बारनेस) लाइनों की प्रभावी बहाली के लिए बारस्टार अभिव्यक्ति की ओवरलैपिंग और उच्च स्तर की आवश्यकता हैः ब्रेसिका जुनेका एक बहु–पीढ़ी क्षेत्र विश्लेषण। पादप जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी के पत्रिका,24(4),393–399.

मीनू आउस्टाइन, आर माजी, ए. के. प्रधान एवं एन बिष्ट (2015). जीनोमिक मूल, अभिव्यक्ति भेदभाव और सीवाईपी83ए1 बहुजीनों की एनकोडिंग का विनियमन, एलॉटेट्राप्लॉयड से कोर ग्लुकोसिनोलेट जैवसंश्लेषण के लिए एक महत्वपूर्ण एंजाइम। प्लान्टा,241(3), 651–665.

के. राउत, एम. शर्मा, वी. गुप्ता, ए. मुखापाध्याय, वाई. एस. सोढी, डी. पेंटल एवं ए. के. प्रधान. (2015). दो द्वि–माता पिता का मानचित्रण आबादी का उपयोग कर (ब्रेसिका जुनेका) तिलहन सरसों में बीज के ग्लुकोसिनोलेट लक्षण के लिए एलेलिक रूपों के गूढ़ रहस्य का भेदन। सैद्धांतिक और व्यावहारिक आनुवंशिकी,128(4), 657–666.

एम. शर्मा ए. मुखापाध्याय, वी. गुप्ता, डी. पेंटल एवं ए. के. प्रधान. (2016). ब्रेसिका जुनेकाः बीजू बी.सीवाईपी 79 एफ 1 तिलहन सरसों में ब्रेसिका जुनेका के स्निग्ध ग्लूकोसाइनोलेट्स के प्रोपील अंश के संश्लेषण को नियंत्रित करता हैः आनुवंशिक और ट्रांसजेनिक दृष्टिकोण के माध्यम से आंशिक सत्यापन। पीएलओएस वन,11(2), म0150060 (17 पृष्ठ).

अनुसंधान परियोजनाएं

केंद्र की योजना (प्रोफेसर डी. पेंटल एवं प्रोफेसर. ए. के. प्रधान), बीआईपीपी, डीबीटी, 2010–2016 शीर्षक "आनुवंशिक रूप से तैयार ब्रेसिका जुनेका (पुरुष बाँझपन और आरोग्य लाइन्स परागण नियंत्रण तंत्र के रूप में) भिन्नाश्रय प्रजनन और उपज सुधार के लिए सीमित क्षेत्र परीक्षण और जैव सुरक्षा अध्ययन का संचालन", रु .8.00 करोड़।

केंद्र की योजना (प्रोफेसर डी. पेंटल, प्रोफेसर. ए. के. प्रधान एवं प्रोफेसर. जे. कौर), डीबीटी, अनुसंधान एवं विकास परियोजना, 2015–2020 शीर्षक "ब्रेसिका की जीनोम मैपिंग और आणविक प्रजनन पर उत्कृष्टता केंद्र", रु .4.87 करोड़।

केंद्र की योजना (प्रोफेसर डी. पेंटल), डीबीटी, अनुसंधान एवं विकास परियोजना, 2015–2018 शीर्षक "तिलहन सरसों (ब्रेसिका जुनेका) में सफेद रतुआ के प्रतिरोध के लिए सतत उपयोग की रणनीति विकसित करने के लिए आनुवंशिकी और जीनोमिक इंटरफेस का विकास" रु .1.89 करोड़।

केंद्र की योजना (प्रोफेसर. ए. के. प्रधान), डीबीटी, अनुसंधान एवं विकास परियोजना, 2015–2018 शीर्षक "सरसों रेप और तिलहन रेप में जेनेटिक विविधता की मजबूती, बीज की गुणवत्ता और उपज लक्षण का विस्तार" रु.1.04 करोड़।

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार केन्द्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण (सीआईआईडीआरईटी) में नवाचार के केंद्र को अक्तूबर, 2015 में अध्यादेश ग्यारह– क के अंतर्गत स्थापित किया गया है। इसके अनुसंधान के उद्देश्यों में तपेदिक, मलेरिया, टाइफाइड एचआईवी (एड्स), चिकनगुनिया और डेंगू संक्रमण जैसे भारत की नाक में दम करने वाले संक्रामक रोगों के निदान, प्रोफीलेट्क्स और चिकित्सा विज्ञान के विकास की दिशा में नवीन दृष्टिकोण शामिल हैं। उपलब्ध नई अत्याधुनिक प्रोटिओमिक और जीनोमिक सुविधाओं का निर्माण और उपयोग और अपनी नियमित कक्षाओं से परे लघु अवधि और लंबी अवधि के पाठ्यक्रम के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों, शोधार्थी को प्रशिक्षित कर उन्नत तकनीक और प्रौद्योगिकी में उनके कौशलों में वृद्धि करना केंद्र के अन्य उद्देश्य हैं। इसके अतिरिक्त केंद्र का एक और उद्देश्य है बायोटेक इंडस्ट्रीज के साथ बातचीत कर परामर्श प्रदान करना और विशेषज्ञता और सीआईआईडीआरईटी में शामिल वैज्ञानिकों/शिक्षकों के साथ उपलब्ध सुविधाओं के माध्यम से समाधान प्रदान करना।

सीआईआईडीआरईटी ने रुपए 7.70 लाख की कुल राशि से एमध्एस स्पैन डॉयग्नोस्टिक लिमिटेड, सूरत से "हाइब्रिडोमा के एकल कक्ष क्लोन उत्पादन" के लिए एक औद्योगिक परियोजना आरंभ की है। कोष का प्रमुख हिस्सा उपभोग्यों की खरीद के लिए था। लेकिन, सीआईआईडीआरईटी वैज्ञानिकों ने परामर्श/बौद्धिक शुल्क अर्जित किया।

प्रोफेसर. विजय के. चौधरी, निदेशक, सीआईआईडीआरईटी सलाहकार/परामर्शदाता के रूप में मेसर्स यशराज बायोटेक्नोलॉजा लिमिटेड, नवी मुंबई को समर्थन प्रदान कर रहे हैं। असाइनमेंट 1 अप्रैल 2016 से आरंभ हुआ है।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर. विजय के. चौधरी– प्रोफेसर विजय के चौधरी "विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय अंतःविषय जीवन विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान के लिए डीबीटी–बूस्ट टास्क फोर्स के सह–अध्यक्ष हैं (डीबीटी – ब्यूल्डर)।

अनुसंधान परियोजनाएँ

उत्कृष्टता का एक केन्द्र, शीर्षक "एंटीबॉडी प्रौद्योगिकी:चिकित्सीय और नैदानिक अनुप्रयोग के लिए अनुसंधान"। डीबीटी टास्क फोर्स द्वारा लगभग 7 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की सिफारिश की गई है। अगले वित्त वर्ष में अंतिम स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की उम्मीद है।

डीबीटी समर्थित डीएनए अनुक्रमण सुविधा को एजिलेंट मंच और एमआईएसआक्यू मंच पर अगली पीढ़ी के अनुक्रमण माइक्रोएरे में शामिल करने के लिए उन्नत किया गया है और "दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में डीबीटी– समर्थित जीनोमिक सुविधा" का नाम दिया गया है।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर. विजय के. चौधरी

18–19 मार्च, 2016 के दौरान स्वास्थ्य विज्ञान के एमजीएम संस्थान, नवी मुंबई में आयोजित "क्षय रोग के निदान और प्रबंधन में निर्णायक और नई चुनौतियों पर संगोष्ठी" एक में व्याख्यान दिया।

1 मार्च, 2016 को जनजातीय स्वास्थ्य, जबलपुर में अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय संस्थान (आईसीएमआर – एनआईआरटीएच) द्वारा आयोजित "एंटीबॉडी का जादू" में स्थापना दिवस व्याख्यान दिया ।

5–6 फरवरी, 2016 के दौरान, "वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन–2016" के जैव प्रौद्योगिकी के 30 वर्ष के जश्न के खंड में "स्वच्छ भारत स्वस्थ स्वच्छः एक स्वस्थ राष्ट्र के लिए नवाचार" पर एक प्रस्तुति पेश की।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डीएसटी) विभाग की एक पहल, भारत सरकार द्वारा एमिटी यूनिवर्सिटी कैम्पस, मानेसर नें 24 नवंबर 2015 को आयोजित इन्स्पायर "इंटर्नशिप कार्यक्रम (प्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान में नवाचार)" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और "विज्ञानः मेरी प्रेरणा" पर उद्घाटन भाषण दिया ।

प्रोफेसर. विजय के. चौधरी एवं डॉ. अनिता गुप्ता ने 16 मार्च, 2016 को राष्ट्र पति भवन, नई दिल्ली के लॉन में आयोजित "विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार पर प्रदर्शनी" में प्रतिस्पर्धात्मक रूप से चयनित पोस्टर में अपने नवाचार "टी बी की पुष्टिः टीबी की जांच के लिए माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की एक कल्चर पुष्टि के लिए त्वरित परीक्षण" का वर्णन दिखाया।

पहाडो और पहाड़ी हेतु अंतर–आयामी अध्ययन केंद

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

बिजली परियोजनाओं और नदी घाटियों की पर्यावरण संवेदनशीलता अध्ययन के पर्यावरण प्रभाव आकलन के क्षेत्र में केंद्र के महत्वपूर्ण योगदान का एहसास करते हुए, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने 2001–2002 में इसे उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी। इसे पर्यावरण के प्रभाव और बिजली क्षेत्र में पर्यावरण प्रबंधन के मुद्दों से संबंधित अध्ययन के संचालन के लिए एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। केंद्र ने भारत भर में पर्यावरण प्रभाव आकलन और जैव विविधता संरक्षण से संबंधित कई अध्ययनों का आयोजन किया। केंद्र, पर्यावरण प्रभाव आकलन और सतत विकास के क्षेत्र में भारत सरकार, उसके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों के लिए विशेषज्ञ सलाह और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। केंद्र में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और पारिस्थितिकीय, जैव विविधता संरक्षण प्रबंधन, जलीय पारिस्थितिकी, सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के क्षेत्र में विशाल विशेषज्ञता उपलब्ध है। केंद्र ने सतत विकास के लक्ष्य का अनुसरण करने में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संकाय के सदस्य और वैज्ञानिक केंद्र में पर्यावरण अध्ययन विभाग के पूर्णकालिक शिक्षण कार्यक्रमों में लगे हुए हैं और पीएच.डी. पर अनुसंधान मार्गदर्शन कर रहे हैं।

सम्मान/विशिष्टता

प्रोफेसर.महाराज के. पंडित

रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय में, 2015–2016 के हार्डी फेलो नियुक्त किए गए हैं।

भारत सरकार द्वारा 2015 से अभी तक टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक (निदेशक मंडल) नियुक्त किये गए हैं।

2015 से अभी तक भारत सरकार की नदियों को जोड़ने पर विशेष समिति में सदस्य नियुक्त किये गए हैं।

भारत की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद में विर्वाचित फेलो।

प्रकाशन

जे. पी. भट्ट एवं एम. के. पंडित. (2015). लुप्तप्राय गोल्डन मशीर टॉर पुटिटोर हैमिल्टनः प्राकृतिक इतिहास की समीक्षा। मतस्य जीवविज्ञान एवं मत्स्य पालन में समीक्षा, 26(1), 25–38.

जे. पी. भट्ट, एम कुमार, आर मेहता, एवं एम के पंडित, (2016). भारतीय नदी घाटियों में मीठे पानी के मछली क्षेत्रों का संरक्षण और संभावित बहाली के क्षेत्रों का आकलन। पर्यावरण प्रबंधन, 57(5), 1098–1111.

एम जैन, डी दावा, आर मेहता, ए पी डिमरी एवं एम के पंडित (2016). भूमि उपयोग परिवर्तन और बहु अस्थायी उपग्रह डेटा का उपयोग कर दिल्ली, भारत में उनके वाहकों की निगरानी करना। पृथ्वी प्रणाली और पर्यावरण की मॉडलिंग,2(1), 19 (14 पृष्ठ).

एम कुमार, वाई तेलवाला, डी सी नौटियाल एवं एम के पंडित (2016). हिमालय में पादप समुदायों पर भविष्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों मॉडलिंगः पूर्वी हिमालय, भारत से एक मामले का अध्ययन। पृथ्वी प्रणाली और पर्यावरण की मॉडलिंग,2(2), 92(12 पृष्ठ).

छलए नियामवांजा, ए.के काहन, एम के पंडित, ए हक, सी रेड्डी, जे डोहर्टी–बिगारा, आई ग्लारगा, एवं ई डिंगमैन, (2015). बड़ा सवालः जलवायु के सबसे बड़े पराजित, जिन्होंने अपने देश में जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक खोया है? विश्व नीति पत्रिका 32(2), 3–7.

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रोफेसर. एम के पंडित, डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड से अनुसंधान परियोजना, 2015–2016 शीर्षक "भारत में विभिन्न अध्ययनों के लिए (ऊपरी सियांग एचईपी, कमला एचईपी और पंचेश्वर एचईपी) पारिस्थितिक सर्वेक्षण (मानसून के मौसम)", रु.12.60 लाख.

प्रोफेसर. एम के पंडित, डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड से अनुसंधान परियोजना 2015–2016 शीर्षक "पंचेश्वर एचईपी के लिए पारिस्थितिक सर्वेक्षण (सर्दियों के मौसम में)" डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड से अनुसंधान परियोजना, रु .4.20 लाख।

प्रोफेसर. एम के पंडित, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय एवं सीसी की अनुसंधान परियोजना, 2015–2016 शीर्षक "संचयी प्रभाव आकलन और उत्तराखंड में गंगा नदी के ऊपरी भाग में ले जाने की क्षमता का अध्ययन", रु .66.00 लाख।

सम्मेलनों में भागीदारी

प्रोफेसर.महाराज के पंडित

3 दिसंबर, 2015 को आर्गेनिस्मिक एवं विकासवादी जीवविज्ञान विभाग, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित "ओईबी संगोष्ठी श्रृंखला" में "आपस में गूंथी भूभौतिकीय और हिमालयी वनस्पतियों के विकास में पारिस्थितिक प्रक्रियाओं" पर व्याख्यान दिया।

22 दिसंबर, 2015 को बेलमाउंट सामुदायिक टेलीविजन पर आयोजित "समकालीन विज्ञान के मुद्दों और नवाचार के अंतर्गत सार्वजनिक वार्ता" में "हिमालय में जलवायु परिवर्तन और बांध के निर्माण के संयुक्त प्रभाव" पर व्याख्यान दिया।

15 जनवरी, 2016 को हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका में आयोजित "हार्वर्ड वन पर आयोजित संगोष्ठी" में "जलवायु परिवर्तन और वनों की जल रही कटाई ने हिमालय में जैविक विलुप्तता के जोखिम को बढ़ाया है" पर व्याख्यान दिया।

25 जनवरी, 2016 को कानून और कूटनीति के फ्लेचर स्कूल, टफ्ट्स विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित जल कूटनीति समूह के संवर्धन में "हिमालयी पर्यावरण में जल संसाधन विकास, आर्थिक और भू–राजनीतिक बाधा" पर व्याख्यान दिया।

8 अप्रैल, 2016 को उन्नत अध्ययन के रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, हार्वर्ड, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित "एक हजार जेन्टियनों को खिलने दें" पर व्याख्यान दिया।

श्री आर मेहता "18–19 फरवरी, 2016 के दौरान अफ्रीकी अद्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत के में आयोजित "2000 के बाद से अफ्रीकाः संक्रमण और परिवर्तन" पर व्याख्यान दिया।।

अंतर संस्थागत सहयोगः
प्रोफेसर. एंड्रयू नॉलस, ओईबी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय
प्रोफेसर. चार्ल्स डेविस, ओईबी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय
प्रोफेसर. रॉबिन हॉपकिन्स, ओईबी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय
प्रोफेसर. ऑलिवर जैगोत्ज, एआईपीएस, एमआईटी
प्रोफेसर. टेलर पेरॉन, एआईपीएस, एमआईटी
प्रोफेसर. ट्रेवर प्राइस, शिकागो विश्वविद्यालय
प्रोफेसर. लियान पिन कोह, एडीलेड विश्वविद्यालय
एमओईएफ एवं सीसी, नई दिल्ली
डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड, गुड़गांव
एनएचपीसी लिमिटेड, फरीदाबाद
टीएचडीसी लिमिटेड, उत्तराखंड
एसजेवीएन लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्याः पीएचडी .: 1
संकाय ताकतः स्थायीः 1, अनुबंध के आधार परः 2

उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास का केन्द्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

उच्च शिक्षा (यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र) में व्यावसायिक विकास के केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालयोंध्कॉलेज शिक्षण संकाय की मौजूदा क्षमताओं को नए आयाम जोड़ने के उद्देश्य से लगातार पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया है। तकनीकी क्रांति के की वर्तमान युग में जब कक्षा शिक्षण को अभिनव इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की उपलब्धता के द्वारा लगातार चुनौती दी जारी है, शिक्षकों को लगातार अपने को उन्नत करने की जरूरत है। इस वर्ष हमने 4 उन्मुखीकरण कार्यक्रम (158 प्रतिभागी), 7 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (284 प्रतिभागी) और 5 कार्यशालाओं (232 प्रतिभागी) का आयोजन किया, जिनमें देश भर से विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों के शिक्षण संकायों ने भाग लिया। विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लेने वाले शिक्षक – अलग लिंग, जाति, वीएच/विकलांग वर्ग से संबंधित होने के अलावा स्थानीय और बाहरी प्रतिभागी थे। उपरोक्त के अलावा, उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास के केन्द्र (सीपीडीएचई) ने इस वर्ष भी आईएसबीएन संख्या के साथ तीन पुस्तकें प्रकाशित कीं जिनमें देश के विभिन्न भागों के विश्वविद्यालय/महाविद्यालय शिक्षण संकायों ने अपने सैकड़ों आलेखों के साथ योगदान किया।

सम्मान/विशिष्टता

प्रोफेसर गीता सिंहः

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय, 2015 की स्थानीय कार्यक्रम योजना और प्रबंधन समिति के मंडल में एक सदस्य के रूप में नियुक्त की गई हैं।

यूजीसी–एसईआरओ, हैदराबाद, 2015 में महिला छात्रावास निर्माण की योजना के अंतर्गत प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समिति की सदस्य नियुक्त की गईं।

2015 में भारत राज्य सरकार के अधीन कॉलेजों को स्वायत्त दर्जा प्रदान किए जाने के लिए प्रदर्शन और शैक्षणिक योग्यता के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त।

बारहवीं योजना अवधि, 2015 के दौरान डब्ल्यू आरओ, पुणे (महाराष्ट्र) – महिला छात्रावास, यूजीसी के निर्माण की योजना के अंतर्गत प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त।

उत्कृष्टता की क्षमता वाले कॉलेज (सीपीई) और उत्कृष्टता की क्षमता वाले विश्वविद्यालयों (यूपीई) के लिए यूजीसी 2015 योजनाओं के अंतर्गत विशेषज्ञ (निगरानीध्समीक्षा) समिति के एक सदस्य के रूप में नियुक्त।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कार्यकारी परिषद (हरियाणा) हरियाणा, 2015 में महामहिम राज्यपाल द्वारा नामित, राज्यपाल के उम्मीदवार के रूप में नियुक्त की गईं हैं।

हरियाणा के महामहिम राज्यपाल द्वारा नामित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की कोर्ट सदस्य (हरियाणा), 2015 की राज्यपाल का उम्मीदवार।

2015 में हरियाणा के महामहिम राज्यपालतक नामित चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कार्यकारी परिषद में राज्यपाल की उम्मीदवार।

स्थानीय कार्यक्रम योजना और यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय की प्रबंधन समिति, 2016 के मंडल में सदस्य के रूप में नियुक्त।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, आर.डी. विश्वविद्यालय, जबलपुर, 2016 के एलपीपीएमसी मंडल में एक सदस्य के रूप में नियुक्त।

नामित सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 2016.

शैक्षणिक सलाहकार समिति, 2016 यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर की एक सदस्य के रूप में नियुक्त।

राज ऋषि भरथरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, 2016 की शैक्षणिक परिषद में राज्यपाल की उम्मीदवार।
राज ऋषि भरथरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, 2016 की शैक्षणिक परिषद में राज्यपाल की उम्मीदवार।

प्रकाशन

जी सिंह एवं एस जे कौर (2015). शिक्षा के क्षेत्र में नई प्रवृत्तियों। नई दिल्ली, दिल्लीः रेणु प्रकाशक (आईएसबीएन सं. 978–81–930379–2–8).

जी सिंह एवं एन शर्मा (2015). शिक्षकों का व्यावसायिक विकास। नई दिल्ली, दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक। (आईएसबीएन सं. 978–93–81274–71–2).

जी सिंह एवं एस एम परिहार (2016). लिंग और अंतरिक्षरू इन दोनों क्षेत्रों अंतदृष्टि। सीपीडीएचई, नई दिल्ली, दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक (आईएसबीएन सं. 978–93–85503–48–1).

जी सिंह एवं एन शर्मा (2016). उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की तलाश। नई दिल्ली, दिल्लीः रेणु प्रकाशक। (आईएसबीएन सं. 978–93–85502–15–6).

जी सिंह (2016). उच्च शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण। सीपीडीएचई, नई दिल्ली, दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक। (आईएसबीएन सं. 978–93–85503–20–7).

जी सिंह (2016). उच्च शिक्षा के आयाम। सीपीडीएचई, नई दिल्ली, दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक। (आईएसबीएन सं. 978–93–85503–19–1).

जी सिंह (2016). मैं तेरे विश्वास में हूँ। नई दिल्ली, दिल्लीः डायमंड बुक्स। (आईएसबीएन सं. 978–93–85975–67–7).

जी सिंह एवं पी. भारद्वाज(2016). सूफीयाना दिल। नई दिल्ली, दिल्लीः डायमंड बुक्स। (आईएसबीएन सं. 978–93–85975–66–0).

आयोजित सम्मेलन

सीपीडीएचई वर्ष 2015–16 के दौरान 4 उन्मुखीकरण कार्यक्रम (158 प्रतिभागी), 7 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (284 प्रतिभागी) और 5 कार्यशालाओं (232 प्रतिभागी) आयोजन किया। पूरी सूची इस प्रकार हैः
अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर–80) मई 25 – जून 20, 2015 के दौरान आयोजित।

अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर –81) जून 8 – जुलाई 4, 2015 के दौरान आयोजित।

अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर –82) 17 नवंबर – 15 दिसंबर, 2015 के दौरान आयोजित।

अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर –83) 17 नवंबर – 15 दिसंबर, 2015 के दौरान आयोजित।

"शीतकालीन स्कूल" में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 18 फरवरी – 9 मार्च, 2016 के दौरान आयोजित।

"अंग्रेजी (भाषा, साहित्य और संस्कृति) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" 2–22 मार्च, 2016 के दौरान आयोजित।

"अनुसंधान क्रियाविधि (आईडी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" 15 जून – 4 जुलाई, 2015 के दौरान आयोजित।

"रसायन शास्त्र" में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, जून 26 – जुलाई 16, 2015 में आयोजित।

"पर्यावरण अध्ययन /पृथ्वी विज्ञान (आईडी)" में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 13 अक्टूबर – 4नवंबर, 2015 के दौरान आयोजित।

"गणितीय विज्ञान" पर कार्यशाला 26 नवंबर – 16 दिसंबर, 2015 में आयोजित।

"महिला अध्ययन (आईडी)" पर कार्यशाला 2–22 दिसंबर,, 2015 में आयोजित।

"अकादमिक प्रशासन" पर कार्यशाला 29–31 मार्च, 2016 में आयोजित।

"अभिनव शिक्षणः नई भारतीय लेका परीक्षा" पर कार्यशाला 22–23 मई, 2015 में आयोजित।

"मानव अधिकार" पर कार्यशाला 6–11जुलाई, 2015 में आयोजित।

"शिक्षण में आईसीटी के उपयोग" पर कार्यशाला 1–8 सितंबर, 2015 में आयोजित।

सम्मेलनों में भागीदारी

प्रोफेसर. गीता सिंह :
26 मार्च, 2016 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर विश्वविद्यालय में आयोजित "शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" संसाधन व्यक्ति के रूप में "वैदिक काल में शिक्षा प्रणाली" और "शिक्षा नैतिकता और मूल्यों के माध्यम से" 2 व्याख्यान दिए।

26 मार्च, 2016 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर विश्वविद्यालय में आयोजित "शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में "उच्च शिक्षा के माध्यम लिंग संवेदीकरण" और "शिक्षक प्रशिक्षकों संस्था निर्माण" पर 2 व्याख्यान दिए।

28 मार्च, 2016 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर विश्वविद्यालय में आयोजित "पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए" संसाधन व्यक्ति के रूप में "गुरुकुल प्रणाली और समकालीन शिक्षा" और "संचार और व्यक्तित्व निर्माण" पर 2 व्याख्यान दिए।

29 जनवरी, 2016 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर विश्वविद्यालय में आयोजित "70 वें उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में "उच्च शिक्षण संस्थान में नेतृत्व" में और "उच्च शिक्षा में नैतिकता और मूल्य" पर 2 व्याख्यान दिए।

"28 जनवरी, 2016 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर के विश्वविद्यालय में आयोजित "70 वें उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में "उच्च शिक्षारू मुद्दे और चुनौतियाँ" और उच्च शिक्षा संस्थानों के विकासःएक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर 2 व्याख्यान दिए।

28 जनवरी, 2016 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर विश्वविद्यालय में आयोजित "70 वें उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में "वर्तमान सामाजिक परिदृश्य एवं उच्च शिक्षा" और "समकालीन भारत एवं उच्च शिक्षा" पर 2 व्याख्यान दिए।

4 दिसंबर, 2015 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर विश्वविद्यालय में आयोजित "69 वें उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में "कौन सी बात आपको एक महान शिक्षक बनाती है? कुछ सबक" और "भारत में संस्था निर्माणः कुछ उल्लेखनीय उच्च शिक्षण संस्थानों का एक इतिहास" पर 2 व्याख्यान दिए।

4 दिसंबर, 2015 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर, श्रीनगर विश्वविद्यालय में आयोजित "69 वें उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में "शिक्षाः एक शिक्षक की भूमिका और शिक्षण प्रबंधन" पर एक व्याख्यान दिया।

12 सितंबर, 2015 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में आयोजित "115 वें उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में "प्रेरणा" और "टीम निर्माण" पर 2 व्याख्यान दिए।

11 सितंबर, 2015 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में आयोजित "115 वें उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति के रूप में"नेतृत्व" और "व्यक्तित्व विकास" पर 2 व्याख्यान दिए।

11–12 मार्च, 2016 के दौरान शिक्षण समुदाय के सहयोग से शिक्षा और अनुसंधान के एमआईटी स्कूल (पुणे) द्वारा आयोजित "ई–जनरेशन सशक्तीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः विजन 2020" में "समकालीन समय को समझना" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

28–29 जनवरी, 2016 के दौरान इतिहास और भारतीय संस्कृति विभाग और राजस्थान अध्ययन के केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित "भारत में ऐतिहासिक लेखन में उभरती धारणाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में "सरस्वती नदी की ऐताहासिकता – नवीन अनुसन्धान पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय की संख्याःस्थायीः1 (निदेशक)

क्लस्टर इनोवेशन सेंटर

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

क्लस्टर इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) में डिजाइन इनोवेशन सेंटर जुलाई 2015 में पूरी तरह से आरंभ हो गया। केंद्र स्नातक, स्नातकोत्तर और छात्र इंटर्नशिप प्रदान करता है, जिनका कनिष्ठ और वरिष्ठ डिजाइन अध्येताओं द्वारा मार्गदर्शन किया जाता है। डीयूडीआईसी डिजाइन के आधार पर शिक्षण के प्रसार के उद्देश्य से ऐच्छिक, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं और डिजाइन शिविरों की पेशकश करेगा। पाठ्यक्रम एक मिश्रित शिक्षण प्रारूप में आयोजित किये जाएंगे।

चार वरिष्ठ डिजाइन अध्येता और चार जूनियर डिजाइन अध्येताओं के अंतर्गत आठ इंटर्न काम कर रहे हैं। वर्तमान में, डीयूसीआईसी – प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर (एमएसएमई) में आठ परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें से चार उत्पाद विकास के चरण में हैं, दो बाजार के परीक्षण के चरण में हैं, एक अंतिम प्रक्षेपण के लिए वेंचर कैपिटलिस्ट वित्तपोषण प्राप्त कर चुकी है और एक पहले से ही लाभ सहित आरंभ की गई है। टीबीआई चयनित इनक्यूबेटों को निजी– सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) तरीके से प्रयोगशाला/कार्यशाला सुविधाएं और कार्यालय स्थान उपलब्ध कराता है और जिसमें इनक्यूबेट एक माइक्रो पैमाने शुरूआत के लिए लागत के 15% की जिम्मेदारी लेता है या एक छोटे पैमाने पर शुरू करने के लिए ऊष्मायन की लागत के 25% की जिम्मेदारी लेता है। अनुदान की सीमा चार लाख रुपए और आठ लाख रुपए के बीच हो सकती है।

एमएससी गणित की शिक्षा (एमएमई) के छात्रों ने गणित प्लाजा विकसित किया है, जो बनाने, प्रदर्शन और सक्रिय गणित सीखने के लिए अभिनव शिक्षण–अधिगम संसाधनों प्रयोग करने के लिए एक रचनात्मक मंच है। पिछले दो वर्ष से एक परियोजना चल रही है, यह छात्रों और गणित के शिक्षक को पेश आ रही वास्तविक समय शिक्षण चुनौतियों पर आधारित है। गणित प्लाजा में संसाधनों का छात्रों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और गणित शिक्षा के क्षेत्र में रुचि रखने वाले अन्य लोगों के द्वारा प्रयोग किया जा सकता है।

एमएमई छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सम्मेलनों और संगोष्ठियों में अपने काम को प्रस्तुत किया है। छात्रों को अपने काम को : आर.आई.ई. भुवनेश्वर, ओडिशा (17–18 दिसंबर, 2015) में आयोजित स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन पर नेशनल कांफ्रेंस, आर.आई.ई., मैसूर (21 एवं 22 दिसंबर 2015) में गणित शिक्षण पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, हिंदुस्तान विश्वविद्यालय, केलामबक्कम, पेडूर, चेन्नई (दिसंबर 27–30, 2015) में आयोजित 50 वें वार्षिक सम्मेलन एएमटीआई, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग (फरवरी 11–12, 2015) में आयोजित अध्यापक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

बीए (ऑनर्स) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के छात्रों ने 'चिकित्सा क्षेत्र की शब्दावली से युक्त भारतीय सांकेतिक भाषा' पर एक पुस्तिका तैयार की। पुलिस के लिए आइएसएल पर तैयार की गई एक छोटी पुस्तिका की पांडुलिपि प्रस्तुत की गई है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के भीतर सांकेतिक भाषा दुभाषियों की एक डिजिटल निर्देशिका संकलित की गई है। क्लस्टर इनोवेशन सेंटर में भारतीय सांकेतिक भाषा के लिए एक प्रारंभिक लघु अवधि का उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। भूमिका क्लस्टर इनोवेशन सेंटर द्वारा विभिन्न हितधारकों– बधिर समुदाय, प्रासंगिक गैर सरकारी संगठनों, शिक्षाविदों और दिल्ली पुलिस में एक तालमेल बनाने में महत्वपूर्ण निभाई गई। छात्रों ने बधिर समुदाय के जीवन में एक सकारात्मक प्रभाव लाने के लिए संसाधनों के भंडारण की सुविधा के लिए विभिन्न संगठनों के साथ संपर्क किया है।

अगस्त 2015में कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क, से छह छात्रों के दूसरे बैच ने सीआईसी में दाखिला लिया। उनकी मुख्य आवश्यकता एक हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम और परियोजना का काम था। हिंदी पाठ्यक्रम को रेखांकित किया गया और श्री आशु मिश्रा के साथ प्रोफेसर रविंदर गारगेश द्वारा इसे आयोजित किया गया दिसंबर 2015 में पांच छात्रों ने सफलतापूर्वक एक सेमेस्टर के इस घटक पूरा किया। चिकित्सा कारणों से हमारे छात्रों को इसे छोड़ना पड़ा।

मार्च 2016 में आइयूएसटी, जम्मू एवं कश्मीर के छह छात्रों ने प्रोफेसर शोभा बगाई और डॉ. दोरजी दावा के अंतर्गत अपना इंटर्नशिप पूरा किया।

बी.टेक से 40 छात्रों के पहले बैच (सूचना प्रौद्योगिकी एवं गणितीय इनोवेशन) और बीए (ऑनर्स) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के 36 छात्र 2015 में सीआईसी से उत्तीर्ण हुए।

सीआईसी से अस्सी छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय, पीएचडी के वाणिज्य कक्ष और भारत के आईएएम एसएमई के बीच समझौता ज्ञापन के अंतर्गत मई से अगस्त 2015 के दौरान 'आईटी महा अभियान' परियोजना में भाग लिया।

प्रसिद्ध शोधकर्ता और इतिहासकार डॉ. अमृत कौर बसरा को हाल ही में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीआईसी में स्थापित तात्या टोपे चेयर के लिए नियुक्त किया गया है।

सीआईसी ने मांग स्वचालन, डेटा विश्लेषण, उन्नत पैमाइश बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्रों में समस्याओं को हल करने में छात्रों की भागीदारी के लिए टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे कंपनी, समाज और सामान्य रूप से राष्ट्र को भी लाभ होगा ।

सम्मान / विशिष्टताएं

प्रोफेसर. पंकज त्यागी, प्रोफेसर. शोभा बागाई, प्रोफेसर. बिभु बिस्वाल, डॉ ज्योति शर्मा, डॉ विकास कुमार वर्मा एवं डॉ असनी भादुड़ी को 01 मई, 2015 को स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "अभिनव शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

डॉ. महिमा कौशिक को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2015 की "वाइस चांसलर की फैलोशिप" प्रदान की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "अंतरध्वनि 2015" के दौरान "पर्यावरण के मुद्दों धारा" में अभिनव परियोजना(आरसी–201) के लिए "सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन" प्रशंसा का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. असानी भादुड़ी

मार्च, 2016 के दौरान बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित "ग्लोबल स्वास्थ्य यात्रा अवार्ड" प्राप्त किया।

वाणिज्य एवं उद्योग के पीएचडी चैंबर और माइक्रोसॉफ्ट के द्वारा 30 सितंबर, 2015 को आयोजित प्रौद्योगिकी समृद्ध निर्देश कार्यशाला ''21 वीं सदी के लिए संकाय विकास'' में "माइक्रोसॉफ्ट संकाय फेलो" प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

डॉ जोगेश्वर एस पुरोहित

एकीकृत विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी की पत्रिका के संपादकीय मंडल के सदस्य।

चिकित्सा और चिकित्सा विज्ञान के वैश्विक उन्नत अनुसंधान की पत्रिका के संपादकीय मंडल के सदस्य।

प्राणी विज्ञान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के संपादकीय मंडल के सदस्य।
जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति के समीक्षक।

प्रकाशन

एस अरोड़ा एवं आर चतुर्वेदी (2016). खंड 3 (डी): औषध क्षेत्र के लिए निहितार्थ और प्रमुख चिंता का विषय। बौद्धिक संपदा अधिकार की पत्रिका, 21(1), 16–26.

एस बगाई (2015). अलग–अलग उन्मूलन कदम के साथ जोसेफस समस्या का विस्तार। अंडर ग्रेजुएट अनुसंधान और इनोवेशन की डीयू पत्रिका,1(3), 211 – 218.

एस बगाई (2015). पेंटिंग में लाप्लास समीकरण आधारित छवि का उपयोग करते हुए तेजी से एवं गतिशील छवि बहाली। दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातर अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका,1(3), 115 – 123.

ए भादुड़ी, आर मिश्रा एवं एन धमीजा (2015). खाएं या न खाएंः माइक्रोबैक्टीरिया और मेजबान स्वपोषी के बीच संघर्ष को समझना। माइक्रोबायोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 55(4), 456–459.

आर चतुर्वेदी (2015).जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में अनुसंधान उपकरण के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के मुद्दे। प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स की पत्रिका, 6(3), 225–236.

एम के हमतोसे एवं पी प्रियंका (2016). सीबीटी का का उपयोग कर चोट प्रबंधन और मानसिक सहनशक्ति कार्यक्रम। शारीरिक शिक्षा अनुसंधान की पत्रिका 3(1), 56–63.

ए कौर एवं आर चतुर्वेदी (2015). ड्रग्स एवं फार्मास्युटिकल्स का अनिवार्य लाइसेंसः मुद्दे और दुविधा। बौद्धिक संपदा अधिकार की पत्रिका, 20, 279–287.

एम कौशिक (2015). अक्षय ऊर्जा स्रोतों की खोजरू समय की आवश्यकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातर अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका,1(3), 67–74.

एम कौशिक, एस कौशिक एवं एस कुकरेती, (2016). गिनाइन– क्वार्डःप्लेक्सों के लक्षण वर्णन उपकरण की खोज। जीव विज्ञान में दिशाएं, 1(21), 468–478.

एम कौशिक, एस कौशिक, के रॉय, ए सिंह, एस महेन्द्रू, एम कुमार, एस चौधरी, एस अहमद एवं एस कुकरेती (2016). डीएनए संरचना का एक गुलदस्ताः उभरती विविधता। जैव रसायन एवं बायोफिजिक्स रिपोर्ट, 5, 388–295.

एम कौशिक, ए सिंह एवं एस कुकरेती, (2015). ड्यूप्लेक्स मानव न्यूरोनल विकास नियामक1 (एनईजीआर1) जीन में मौजूद एक क्वासीपेलिनड्रोम का दोहराकरण, कैंसर से जुड़े में संक्रमण को समाप्त करने के लिए। प्रोटीन एवं प्रोटिओमिक्स की पत्रिका, 6(1), पृ 99.

एम कौशिक, ए सिंह एवं एस कुकरेती, (2015). डीएनएजी क्वार्डरुप्लेक्स टोपोलॉजी की तरजीही मान्यता। प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स की पत्रिका, 6(1), पृ. 35.

एम कौशिक, पी सिन्हा, पी जायसवाल, एस महेन्द्रू, के रॉय एवं एस कुकरेती (2016). प्रोटीन इंजीनियरिंग और एक जैव उत्प्रेरक की नए सिरे से डिजाइन। आणविक मान्यता के पत्रिका,जारी करने की तारीखः 10.1002/jmr.2546.

एम एफ खान एवं एन के हमसो (2016). ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम विकारों और सीखने में विकलांग बच्चों की माताओं के जीवन की गुणवत्ता। शारीरिक शिक्षा अनुसंधान की पत्रिका, 3(1), 38–46.

एम कुमार, एम कौशिक एवं एस कुकरेती (2015). सीटी–डीएनए और नए मिथाइलीन नीले रंग के बीच परस्परक्रिया की स्पेक्ट्रोस्कोपी जांच। प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स की पत्रिका, 6(1), जेपीपी 104.

एन कुमार, (2015). बहादुर नया बॉलीवुड समकालीन हिंदी फिल्म निर्माता के साथ बातचीत। नई दिल्ली, दिल्लीः सेज प्रकाशन।

एन कुमार, (2015). मध्ययुगीन दिल्ली में निबंध। नई दिल्ली, दिल्लीः अनुसंधान इंडिया प्रेस।

एन कुमार, (2015). राज्य, समाज और प्रारंभिक आधुनिक राजस्थान में अपराध। नई दिल्ली, दिल्लीः अनुसंधान इंडिया प्रेस।

एस कुमार, शोभा एवं एस के पाल (2015). शिक्षा सूचना प्रणाली के लिए एक नई स्थायी प्रोटोटाइप खासियत। कम्प्यूटेशनल विश्लेषण और ज्ञान प्रबंधन, आईईईई में फ्यूचरिस्टिक रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, 174–179.

एस कुमार, आर सिंह एवं एस के पाल (2015). बुद्धिमान स्वास्थ्य सूचना प्रणाली के लिए एक वैचारिक वास्तुशिल्प डिजाइनरू भारत से मामले का अध्ययन।गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और बिजनेस ऑपरेशंस (रुझान और भविष्य के निर्देश) पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, मुद्रणालय में।

एस कुमार, आर सिंह एवं एस के पाल (2015). भारत की सार्वजनिक नीति में बड़े डेटा एनालिटिक्स का आकलन और संभावनाएं। उन्नत डेटा विश्लेषण, व्यापार विश्लेषिकी और बुद्धमत्ता पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, आईआईएम अहमदाबाद, आईसी 15d074.

ए माजी, ए भादुड़ी, आर गोखले एवं वाई सिंह (2015). तपेदिक के रोगियों में लिम्फ नोड्स की अभिव्यक्ति की रूपरेखा संक्रमण के स्थल पर भड़काऊ परिवेश प्रकट करती है। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 5, 15214 (10 पृष्ठ).

एस मीर (2016). पर्यटन भारत का भूगोल। एल एस भट्ट, एच एस शर्मा, एम एच कुरैशी, एच रामचंद्रन एवं आर एन व्यास में (सं.) आईसीएसएसआर अनुसंधान सर्वेक्षण और अन्वेषणः आर्थिक भूगोल, समस्करण.द्वितीय (पृ. 41–64). नई दिल्ली, दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

एन मिश्रा, एम हासे, बी बिस्वाल एवं, एच पी सिंह (2015). जैविक प्रणालियों में अस्थिर आवधिक कक्षा आधारित नियंत्रण रणनीति की विश्वसनीयता। काओस,25, 043104 (11 पृष्ठ).

जे एस पुरोहित एवं एम चतुर्वेदी (2016). क्रोमेटिन और उम्र बढ़ना। पी सी रथ, आर शर्मा, एवं एस प्रसाद (सं) बायोमेडिकल जरा विज्ञान में विषय, प्रेस में।

एन सरकार एवं वी के वर्मा, अतीत में स्ट्रीमिंगः इतिहास में प्रायद्वीपीय भारत। नई दिल्ली, दिल्लीः प्राइमस पुस्तकें (आगामी)।

जे शर्मा (2015). युवा मन को गढ़नाः प्रतिभाशाली बच्चों की जरूरतों का जवाब। विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(5), 2891–2892.

जे शर्मा (2016). भारत में एवं संरक्षक प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान के लिए संदर्भ विशिष्ट प्रक्रियाओं को विकसित करना। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा एवं अनुसंधान पत्रिका, 2(2), 18–23.

वी शर्मा, वी सिंह, एम अरोड़ा, एस अरोड़ा एवं आर पी टंडन (2015). संयुग्मित बहुलक/फुलरीन सौर कोशिकाओं के फोटोवोल्टिक मापदंडों पर दाता प्राप्तकर्ता सामग्री का प्रभाव। सामग्री विज्ञान की पत्रिकाः इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 26, 6212दृ6217.

वी शर्मा, वी सिंह, एम अरोड़ा, एस अरोड़ा एवं आर पी टंडन (2015). विभिन्न सक्रिय परतों के साथ थोक असमलैंगिक जंक्शन सौर कोशिकाओं मिश्रणोंः प्रायोगिक और सैद्धांतिक परिणाम की तुलना। उन्नत सामग्री पत्र, 6(10), 920–923.

वी शर्मा, वी सिंह, एम अरोड़ा, एस अरोड़ा एवं आर पी टंडन (2016). पीसीडीटीबीटीःपीसी71बीएम की गिरावट विश्लेषण कार्बनिक सौर कोशिकाएं–एक अंतर्दृष्टि। वर्तमान प्रयुक्त भौतिकी, 16, 273–277.

शोभा, एस कुमार, पी कल्ला एवं आर यादव (2015). दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीटी लागत में कमी के लिए एक क्लाउड रूपरेखाः मामले का अध्ययन। गुणवत्ता, विश्वसनीयता पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और बिजनेस ऑपरेशंस (रुझान और भविष्य के निर्देश), प्रेस में।

एस सिंह एवं आर भार्गव (2015).. प्रवाह और एक खींच चादर चर तरल पदार्थ के गुण और न्यूटन की हीटिंग के साथ एक झरझरा माध्यम में अंकित एक चिपचिपे द्रव की गर्मी हस्तांतरण का तत्व मुक्त गालेर्किन अनुकरण। साइंटिका इरानिका बी, 22(2), 504–518.

एस सिंह एवं आर भार्गव (2015). संकर एफईएम/ईएफजीएम तकनीक का उपयोग कर प्राकृतिक संवहन के साथ एक चरण संक्रमण की समस्या का संख्यात्मक अनुकरण। ताप और द्रव के प्रवाह के लिए असंख्य तरीकों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 25(3), 570–592.

पी त्यागी (2016). पतली फिल्मों के अवशिष्ट तनाव निर्भर ऑप्टिकल गुण पर अवस्थित गर्मी उपचार का प्रभाव। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भारतीय पत्रिका, 9(3), 1–6.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ सलीम मीर, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परियोजना, नई दिल्ली के भारतीय परिषद, 2013–2016 शीर्षक शीर्षक "जम्मू एवं कश्मीर में लिंग अनुपात में गिरावटः एक जमीनी परिप्रेक्ष्य", रु.6.0 लाख.

डॉ सलीम मीर, दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुसंधान और विकास योजना, 2015–2016 शीर्षक शीर्षक "दिल्ली में पानी की कमीः मांग आपूर्ति विश्लेषण", रु.1.5 लाख.

डॉ ज्योति शर्मा (पीआई), प्रोफेसर शोभा बगाई (सह पीआई) एवं प्रोफेसर. पंकज त्यागी (सह पीआई), भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय से राष्ट्रीय स्तर की अनुसंधान परियोजना, 2014–2017 शीर्षक "विज्ञान और गणित में संभावित प्रतिभाशाली बच्चों की प्रक्रिया के आधार पर पहचान और सलाह आचरण की स्थापना", रु.1.65 करोड़.

डॉ. असानी भादुड़ी, दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुसंधान और विकास योजना, 2015–2016 शीर्षक "माइक्रोबैक्टीरियल स्रावित विषैलापन कारकों के अभिव्यक्ति पैटर्न का पता लगाना", रु.3.0 लाख.

डॉ जोगेश्वर सच्चिदानंद, आर पुरोहित, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान, 2015–2018 शीर्षक "चिकन यकृत परमाणु से एक नवल हिस्टोन ए2ए विशिष्ट प्रोटीज का शोधन", रु.3.0 लाख.

डॉ. निर्मल कुमार (पीआई), सुश्री एम खियोतमगलो एवं श्री एम जीवन, दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 301ः गोवा से गायब होते पुर्तगाली घरः पारिस्थितिक आपदा के सूचक", रु.5.0 लाख.

डॉ दोरजी दावा (पीआई) एवं डॉ दीपिका भास्कर (सह पीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 302ः अभिनव परियोजनाओं के माध्यम से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के अंतर्गत अधिगम और शिक्षण अनुभव संवर्धन के लिए कार्यक्रम", रु.5.0 लाख।

प्रोफेसर पंकज त्यागी, दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 303ः इंटरएक्टिव वेबसाइट और मोबाइल ऐप्लिकेशन लिंक के साथ बनाया गया अभिनव भौतिकी प्रायोगिक मॉड्यूल", रु.4.1 लाख.

डॉ स्वाति अरोड़ा (पीआई) एवं सुश्री शोभा राय (सह पीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 304ः सौर ऊर्जा और उसके अनुप्रयोगों की खोजः दैनिक उपयोगिता उपकरण/ औजारों का निर्माण", रु.5.1 लाख.

डॉ विकास वर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 305ः गांव में परिवर्तन के लिए नवाचारः ग्रामीण विकास के हिवारे बाजार मॉडल की एक खोज ", रु.4.5 लाख.

डॉ महिमा कौशिक, दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 306ः कैंसर से लड़ने का समग्र दृष्टिकोणः इलाज के लिए रोकथाम", रु.7.0 लाख.

डॉ असानी भादुड़ी, दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 307ः एक सस्ते त्रि आयामी बायो प्रिंटर का विकास", रु.7.0 लाख.

डॉ. ज्योति शर्मा (पीआई), डॉ. हरेंद्र कुमार (सह पीआई) एवं श्री अंजनी (सह पीआई), नवाचार परियोजनाओं की योजना दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–2016, शीर्षक "सीआईसी 308ः वर्तमान गणित पाठ्यक्रम के दायरे में लीलावती भास्कर का अनुवाद", रु.4.5 लाख.

प्रोफेसर बी बिस्वाल, दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 309ः बुद्धिमान 3 डी–मुद्रित प्रोस्थेटिक्स के विकास", रु.6.0 लाख.

प्रोफेसर शोभा बगाई (पीआई) एवं डॉ सोनम सिंह (सह पीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 शीर्षक "सीआईसी 310ः बेसहारों के लिए सपने बुनना" रु.4.5 लाख.

डा अचला टंडन (पीआई), डॉ सुभाष (सह पीआई) एवं सुश्री गीतांजलि कला (सह पीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय से नवाचार परियोजनाओं की योजना, 2015–2016 से शीर्षक "सीआईसी 311: भारत के स्कूली बच्चों में आक्रामक व्यवहार", रु.4.0 लाख.

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

सुश्री मारा शोरगाट, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, ड्यूक विश्वविद्यालय ने 24 मार्च 2015 को आयोजित "युवा शिक्षार्थियों के लिए जरूरत के आधार पर स्कूल कार्यक्रम" पर व्याख्यान दिया।

श्री प्रवीर सिन्हा, टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने22 सितंबर, 2015 को आयोजित "नवाचार और रचनात्मकता – आगे का रास्ता" पर व्याख्यान दिया।

डॉ मीनाक्षी गुप्ता, प्राचार्य, एस.डी. पब्लिक स्कूल ने 15 अक्टूबर, 2015 को "स्कूल शिक्षा में उम्मीदों, सुधार और चुनौतियों का संतुलनः एक स्कूल के प्रशासक की दृष्टि से" पर व्याख्यान दिया।

डॉ सुशील चंद्रा, वैज्ञानिक 'एफ', इनमास डीआरडीओ ने 15 अक्टूबर, 2015 को "प्रौद्योगिकी और मानव वृद्धि के संबर्धन" पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर भरत बी अग्रवाल, प्रायोगिक चिकित्सा विभाग, कैंसर चिकित्सा, टेक्सास विश्वविद्यालय के एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर ने, 30 अक्टूबर, 2015 को आयोजित "रोकथाम और कैंसर के उपचार के लिए माँ प्रकृति से दवाओं द्वारा लक्ष्य भड़काऊ रास्ते" पर वितरित व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर निक जोन्स, अनुप्रयुक्त गणित में रीडर और गणितीय भौतिकी, इंपीरियल कॉलेज, लंदन ने 15 दिसंबर, 2015 को "इंपीरियल कॉलेज के साथ संभव सहयोग" पर छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की।

22 जनवरी, 2016 को भारतीय वन्यजीव संस्थान के डॉ कौशिक बनर्जी ने "शेरों की कथाः गिर के जंगलों से एक संरक्षण सफलता की कहानी" पर व्याख्यान दिया।

सुश्री एलना दांतोस, सीईओ, सटारताओ, तेल अवीव विश्वविद्यालय ने उद्यमिता केंद्र में 03 फरवरी, 2016 को "उद्यमी भावना को बढ़ावा देना" पर व्याख्यान दिया।

श्री दिवाकर वैश्य, ए–सेट प्रशिक्षण में रोबोटिक्स एवं अनुसंधान संस्थान के प्रमुख ने 25 फरवरी, 2016 को "कैसे रोबोट न बनें" पर व्याख्यान दिया।

श्री शोहेई माइकल मिकावा एक घोंसले से छुट्टी, जापान ने 03 मार्च, 2016 को "रियल टेक बीज त्वरण" पर व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

"अभिनव प्रथाओं और आदर्श गांव के उभार" पर 12 फरवरी 2015 को आयोजित संगोष्ठी।

14–15 सितम्बर, 2015 और 12 मार्च, 2016 के दौरान "ई यंत्र लैब सेट अप पहल" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

25 नवंबर 2015 को जेडएमक्यू सॉफ्टवेयर सिस्टम के श्री हिलमी कुरैशी (अशोक फेलो) और श्री शुभी कुरैशी द्वारा "खेल लैब" पर कार्यशाला।

29 फरवरी, 2016 और 28 मार्च, 2016 के दौरान विशेष प्रशिक्षण केन्द्र, दिल्ली पुलिस, राजिंदर नगर, दिल्ली में दिल्ली पुलिस कर्मियों के लिए "बहरे और भारतीय सांकेतिक भाषा के विषय में मुद्दों के प्रति दिल्ली पुलिस के जवान को संवेदित करने" पर दो कार्यशालाए आयोजित।

डॉ हादी सरमद द्वारा 7 और 13 मार्च, 2016 को "शरीर की भाषा" और "गैर मौखिक संचार" पर दो रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित की गई।

एमएमई छात्रों को सार्थक अनुसंधान और नवाचार करने के लिए तैयार करने के लिए निम्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया:
16 नवंबर 2015 को आयोजित "गणित पढ़ाने के लिए एक इंटरैक्टिव उपकरण के रूप में जियोजेब्रा"।

"एसपीएसएस के माध्यम से डेटा विश्लेषण" 13 फरवरी, 2016 को आयोजित।

15 जनवरी, 2016 को मिरांडा हाउस में कॉलेज के शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए "प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" आईपीआर कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

एससीआईआरई एसोसिएशन, पेरिस के सहयोग से, 17 मार्च, 2016 को "खेल लैब" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

वाणिज्य पीएचडी चैंबर और एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से 17 मार्च, 2016 को फरीदाबाद में "एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार" पर आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

15 सितंबर और 20 जनवरी, 2016 को प्रोफेसर बृज बख्शी, विजिटिंग प्रोफेसर सीआईसी द्वारा "संचार में रचनात्मकता" पर कार्यशाला आयोजित।

06 अक्टूबर, 2015 को सीआईसी में झुग्गी जागृति के युवाओं के समूह के साथ कठपुतली कॉलोनी झुग्गी परियोजना के लिए जागृति नामक एक "चर्चा–सह–कार्यशाला" आयोजित की गई।

अनुसंधान विद्वानों और सीआईसी के संकाय सदस्यों के लिए 14 दिसंबर, 2015 को "शोधकर्ताओं के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला" आयोजित की गई थी।

सम्मेलनों में भागीदारी

प्रोफेसर पंकज त्यागी ने 27 सितम्बर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय में विश्व एआर अनुसंधान प्रकाशन द्वारा आयोजित सम्मेलन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्नातक स्तर पर नवाचार की आवश्यकताः औद्योगिक और शैक्षणिक संबंध की जरूरत है" पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर शोभा बगाई

1 जून, 2015 को बंगलौर विश्वविद्यालय में आयोजित "पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में "परियोजना आधारित शिक्षाः रेखीय बीजगणित के लेंस के माध्यम से" पर व्याख्यान दिया।

1 जून, 2015 को बंगलौर विश्वविद्यालय में आयोजित "पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में "अलग गणितीय मॉडलिंग" पर व्याख्यान दिया।

2 जून, 2015 कोबंगलौर विश्वविद्यालय में आयोजित "पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी में गणितीय मॉडलिंग –प्रथम एवं द्वितीय" पर व्याख्यान दिया।

17 सितंबर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज में "मॉडलिंग फार्माकोकाइनेटिक्स" पर व्याख्यान दिया।

सितंबर, 2015 में में दिल्ली विश्वविद्यालय के "देशबंधु कॉलेज में "गणित के साथ भविष्य की भविष्यवाणीः अलगाव के समीकरण" पर व्याख्यान दिया।

29 अक्टूबर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी कॉलेज में भाषण और "खेल और पहेलियाँः गणित की कला की खोज" पर व्याख्यान दिया।

पर बात छुड़ाया, 22–23 दिसंबर, 2015 को एआईटी, चिकमंगलूर में आयोजित गणित और इसके अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एक नैनो तरल पदार्थ द्वारा झरझरे माध्यम संतृप्त में डूबे विषम निकायों के उछाल प्रेरित प्रवाह" पर व्याख्यान दिया।

11 मार्च, 2016 को रामानुजन कॉलेज में हाल की सांख्यिकीय कम्प्यूटिंग तकनीक और उनके आवेदन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "रोड पर रंग करने की समस्या" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. रेखा चतुर्वेदी, अध्यक्ष, बौद्धिक संपदा अधिकार (एमएचआरडी)

पीएचडी के वाणिज्य चौंबर द्वारा 27 फरवरी, 2015 को नई दिल्ली के पीएचडी के वाणिज्य चैंबर में आयोजित "प्रशस्ति पत्र विश्लेषण, प्रभाव कारक, पेटेंट और अधिकतम अनुसंधान प्रभाव के लिए कॉपीराइट पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला" में "भारत के विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में आईपीआर एवं तकनीक हस्तांतरण प्रबंधन के मुद्दे एवं चुनौतियां' पर व्याख्यान दिया।

29 अप्रैल 2015 को फिक्की, रूस हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित "विश्व आईपी दिवस –2015" के अवसर पर "मेक इन इंडिया के लिए सीमावर्ती उपकरण के रूप में आईपी" पर व्याख्यान दिया।

भौगोलिक संकेतक, आईपीआर एवं आर्गेनिक फेसिलिटेशन सेल यूपीसीएआर, लखनऊ के तत्वावधान में एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा (उत्तर प्रदेश) में 1–2 जून, 2015 के दौरान आयोजित "जीवन विज्ञान एवं कृषि में आईपीआर प्रबंधन" में "भारतीय विश्वविद्यालयों में आईपीआर प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान दिया।

26 फरवरी, 2016 को पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स, नई दिल्ली में "अनुसंधान के प्रभाव का आकलनः बेहतर अनुसंधान कौशल के विकास" पर आयोजित कार्यशाला" में "शोध पत्र लेखन में पेटेंट खोजों के उपयोग" पर व्याख्यान दिया।

17 मार्च, 2016 को पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स और एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय आईपीआर चेयर के तत्वाधान में) द्वारा फरीदाबाद, हरियाणा आयोजित "बौद्धिक संपदा अधिकार पर आउटरीच कार्यक्रम" "एमएसएमई में पेटेंट के लिए मुद्दे और चुनौतियां" पर व्याख्यान दिया।

18 मार्च, 2016 को आईपी कानून फर्म के एवं एस पार्टनर्स, गुड़गांव द्वारा आयोजित "आईपीआर जागरूकता कार्यशाला" में "पेटेंट लेना– वैज्ञानिकों का परिप्रेक्ष्यः आम गलतियों और चुनौतियां" पर व्याख्यान दिया।

डॉ महिमा कौशिक

वितरित 24 अगस्त, 2015 को जूलॉजी विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "पर्यावरण प्रदूषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "पर्यावरण प्रदूषण वार्ता कैंसर के लिए खतरे की घंटी" पर व्याख्यान दिया।

19–20 फरवरी, 2016 के दौरान मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "नेनौसाइंस– अवसर और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में "कैंसर और पर्यावरण प्रदूषण के बीच खतरनाक और पारस्परिक संबंध" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. निर्मल कुमार

7 फरवरी 2015 को डब्ल्यूडीसी ऑफ जीसस एंड मैरी कॉलेज, नई दिल्ली में "लिंग और हिंदी फिल्मों" पर व्याख्यान दिया।

5–6 अक्टूबर, 2015 के दौरान पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रकाश झा की दलित व्यथाः दामूल से आरक्षण तक" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सलीम मीर

2–4 दिसंबर, 2015 के दौरान जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित "पर्यटन, संसाधन, पर्यावरण और विकास पर जीआईएस और रिमोट सेंसिंग तकनीक का उपयोग कर 37वें भारतीय भूगोल कांग्रेस (एनएजीआइ)" "परिदृश्य के लिए पर्यटकों की पसंदः कश्मीर के परिदृश्य का एक अध्ययन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

15–17 दिसंबर, 2015 के दौरान जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित "विकास, स्मार्ट शहरों की योजना और आपदा प्रबंधन के लिए स्थानिक शासन पर 35 वें आईएनसीए अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस" में "भू–स्थानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर कश्मीर क्षेत्र में पर्यावरण पर्यटन गंतव्यों की पहचान" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

18–20 मार्च, 2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "भूमि का उपयोग परिवर्तन जलवायु चरम सीमाओं और आपदा न्यूनीकरण 9वें अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ सम्मेलन" में "पेय जल की मांग और आपूर्ति का विश्लेषणः दिल्ली के विशेष संदर्भ में भारतीय शहरों का मामला" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

22–23 मार्च, 2016 के दौरान जेएनयू कन्वेंशन सेंटर में आईसीएसएसआर द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय संगोष्ठी" में "भारत में पर्यटन का भूगोल" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सचिन कुमार ने 28–30 दिसंबर, 2015 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यवसाय संचालन (रुझान और भविष्य के निर्देश) पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "स्वास्थ्य सूचना प्रणाली के लिए एक वैचारिक वास्तुकला डिजाइनः भारत में एक प्रकरण अध्ययन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री ग्लोरी खियोथुंगलो ह्युमत्सो

31 जनवरी, 2016 को आईएएसई, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित "केंद्र और राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों और अन्य सेवा प्रदाताओं, लक्षित समूह – एसएमसी/पंचायत/ नगर पालिकाओं के प्रमुख पदाधिकारियों का सेवाकालीन प्रशिक्षण और संवेदीकरण" के भाग के रूप में "विकलांगता की पहचान, हस्तक्षेप और रोकथाम" विषय पर व्याख्यान दिया।

13 फरवरी, 2016 को आईएएसई, जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित "केंद्र और राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों और अन्य सेवा प्रदाताओं, लक्षित समूह – जमीनी स्तर के कार्यकर्ता (सीबीआर, एएनएम, ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं जीओएस / एनजीओ) का सेवाकालीन प्रशिक्षण और संवेदीकरण" के भाग के रूप में "विकलांगता की रोकथाम रणनीतिः प्राथमिक, माध्यमिक एवं तृतीयक रणनीतियाँ" पर व्याख्यान दिया।

5 मार्च, 2016 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आईएएसई द्वारा आयोजित "विशेष शिक्षा (विकलांग शिक्षण) में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए विस्तार व्याख्यान" के एक हिस्से के रूप में "परामर्शः संकल्पना, सिद्धांत, आकलन एवं चिकित्सकीय रणनीति" पर व्याख्यान दिया।

12 मार्च, 2016 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आईएएसई द्वारा आयोजित "विशेष शिक्षा (विकलांग शिक्षण) में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए विस्तार व्याख्यान" के एक हिस्से के रूप में "ऑक्यूपेशनल थेरेपीः संकल्पना, गुंजाइश, मूल्यांकन एवं कक्षा हस्तक्षेप" पर व्याख्यान दिया।

सुश्री गीतांजलि कला ने 21 फरवरी, 2016 को गालिब अकादमी में आयोजित "गालिब की मइय्यत पर संगोष्ठी" में "दीवान–ए–गालिब का पहला शेर" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एम कौशिक, ए सिंह, एवं एस कुकरेती ने 11–13 अप्रैल, 2015 के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य एवं रोग में फ्रेडरिक के गतिभंग और डीएनए की संरचना पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस" में "मानव ओटीओजी जीन के प्रमोटर क्षेत्र में मौजूद एक क्वासीपालिन्ड्रोम में द्वैध से क्रुसीफार्म पर संरचनानत परिवर्तन" पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

एम कौशिक, ए सिंह एवं एस कुकरेती 29–31 अक्टूबर, 2015 के दौरान "जैव चिकित्सा अनुसंधान में सीमाओं पर एसीबीआर संगोष्ठी –2015" में "एनईजीआर1 आनकोजीन में स्थित एक क्वासीपालिन्ड्रोम में स्ट्रक्चरल पॅलिमरफ्स" पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

एम कुमार, एम कौशिक एवं एस कुकरेती, 01 –04 मार्च, 2016 के दौरान सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में आयोजित "सामग्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 2016" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जैव भौतिक तकनीक का प्रयोग कर एक विद्युत रिडॉक्स संकेतक में न्यू मिथाइलीन ब्लू की डीएनए के साथ संबंध" पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

सी कुमारी, एस पवित्र, डी कुमार, के कर्पूरमंजरी एवं ए भादुड़ी ने 24–25 सितम्बर, 2015 के दौरान भारतीय पेप्टाइड सोसायटी की 5वीं संगोष्ठी में "माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के प्रोटीयोम में डेटा खनन तकनीकों का प्रयोग कर अनोखे रूपांकनों की भविष्यवाणी" पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

एस कुकरेती, एम कौशिक, ए सिंह 11–13 अप्रैल, 2015 के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित पर पोस्टर प्रस्तुति दी ।

एस कुकरेती, एम कौशिक, ए सिंह पर 'स्वास्थ्य एवं रोग में फ्रेडरिक के गतिभंग और डीएनए संरचना पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में और "मानव मायोसिन (एमवाईएच7) जीन के प्रमोटर क्षेत्र में एक नवल समानांतर तिहरे गूंथे क्वाडः प्लेकेस गठन" पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

ए पाठक, सी कुमारी, पी सेल्वा कुमार, पी जायसवाल, पी सिन्हा, ए परमार, एवं ए भादुड़ी, 28 फरवरी– 3 मार्च, 2016 के दौरान "अद्वितीय प्रोटीन रूपांकनः माइक्रोबैक्टीरियल स्लाइस" पर कीस्टोन संगोष्ठी में "क्षय रोग सह–रुग्णता और इम्युनो रोगजनन" पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

अंतर संस्थागत सहयोगः

सीआईसी के साथ समझौता ज्ञापन पर काम जारी
एसटीपीआईः दिल्ली विश्वविद्यालय में एक सूचना प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना।
वाणिज्य एवं उद्योग पीएचडी चैंबरः आईटी महा अभियान।
आईआईटी बॉम्बेः रोबोटिक शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सदस्यों के रूप में दिल्ली के कॉलेजों के साथ सीआईसी में ई–यन्त्र के नॉर्थ जोन नोडल केंद्र की स्थापना की।

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड।

रेल मंत्रालयः आईटी और गणितीय मॉडलिंग का प्रयोग कर ट्रेन नेटवर्क के प्रदर्शन को मापने के पर एक ट्रेन के पाबंदी सूचकांक (टीपीआई) के विकास और वास्तविक समय निगरानी प्रणाली।

अन्य साझेदारों के सहयोग से

शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण की राष्ट्रीय परिषद (एनसीईआरटी)
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए)
अनुप्रयुक्त सांकेतिक भाषा विभाग, इग्नू
दिल्ली जल मंडल (डीजेबी)
दिल्ली पुलिस
गांधी स्मृति
स्वयंसेवी प्रयास के लिए अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन (आईएवीई)
मानव बस्तियों का इंडियन इंस्टीट्यूट, बैंगलोर
गूंज, दिल्ली
स्वेच्छा, हैदराबाद
एक गांव, दिल्ली

अगस्त्य अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन, बंगलौर
प्रयास
नोएडा वधिर सोसायटी (एनडीएस)
कथा, नई दिल्ली
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीबीएसई)
शिक्षा निदेशालय
आईजीआईबी

एमएससी (गणित की शिक्षा) पाठ्यक्रम की अवधारणा मेटा विश्वविद्यालय के अंतर्गत बनाई गई है। पाठ्यक्रम संयुक्त रूप से क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय और एकेजे जनसंचार एवं अनुसंधान केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा चलाया जाता है।

बीए ऑनर्स की पूर्ति में (मानविकी और सामाजिक विज्ञान), मेटा कॉलेज की अवधारणा के अंतर्गत सीआईसी दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर कॉलेजों के साथ सक्रिय भागीदारी और जुड़ाव रखता है।

संकाय की संख्याः स्थायीः 26,
विजिटिंग प्रोफेसरः 02. 1, 02 प्रतिनियुक्ति पर

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीः

निदेशक, सीआईसी ने अक्टूबर, 2015 में भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के साथ इजरायल, जॉर्डन और फिलिस्तीन गए शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

निम्न के साथ डीयू की ओर से समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गएः
जेरूसलम का हिब्रू विश्वविद्यालय
आईडीसी, हर्जलिया
बेन गुरियन विश्वविद्यालय, नेगेव
विज्ञान के विजमैन संस्थान
इस्रा विश्वविद्यालय, जॉर्डन

कम्प्यूटर केंद्र

पिछले एक वर्ष के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर केन्द्र (डीयूसीसी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीटी बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं को मजबूत किया है। आईटी से संबंधित सभी संसाधनों के एक केंद्र के रूप में, डीयूसीसी ने विश्वविद्यालय की इंटरनेट और अन्य आवश्यकताओं को पूरा किया। नेटवर्क की अधिकतम उपलब्धता और सेवाओं को उस पर चलाने को सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क की योजना बनाई गई और उसका रखरखाव किया गया था। सभी संबद्ध कॉलेज दूरसंचार दिशा–निर्देशों विभाग के अनुपालन में इंटरनेट सेवा का उपयोग करते हैं, संकायों और छात्रों की सुविधा के लिए प्रमाणीकरण सेवाओं का उपयोग करना जारी है। कॉलेजों में स्थापित वाई–फाई सिस्टम सभी छात्रों के लिए लैपटॉप, स्मार्ट फोन, टैबलेट आदि उपकरणों में इंटरनेट का उपयोग सक्षम करता है। कॉलेजों में वाई–फाई सुविधा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए इंटरनेट का उपयोग करती है, छात्रों में ज्ञान साझा करने का हिस्सा है।

नेटवर्क, वेबसाइट, प्रशिक्षण आदि से संबंधित दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों के अलावा डीयूसीसी द्वारा विश्वविद्यालय की आईसीटी की वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने के लिए विभिन्न नई पहलें की गई हैं। डीयूसीसी द्वारा वर्तमान में चल रही कुछ प्रमुख परियोजनाएं और नई पहलें इस प्रकार हैंः

1 जीबीपीएस से 10 जीबीपीएस के लिए बैंडविड्थ का अपग्रेडेशन
उत्तर एवं दक्षिणी दोनों परिसर और संबद्ध कॉलेजों में बैंडविड्थ की पूरी क्षमता का उपयोग किया गया था। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) से अतिरिक्त बैंडविड्थ आवश्यकताओं को समायोजित करने के लिए अनुरोध किया गया था। जिससे नॉर्थ कैंपस में बैंडविड्थ को 2 जीबीपीएस से 10 जीबीपीएस बढ़ा दिया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय देश भर में एनकेएन संसाधनों का उच्चतम प्रयोग करने वालों में से एक है। निकट भविष्य में एनकेएन के साथ साउथ कैंपस के बैंडविड्थ में भी वृद्धि की जाएगी।

एएए प्रमाणीकरण के साथ उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में व्यापक वाई–फाई
उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में परिसर के लिए वाई–फाई सफलतापूर्वक शुरू किया गया और चल रहा है। सेवा शिक्षकों, छात्र और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में वाई–फाई की सुविधा का लाभ उठाने की इच्छा रखने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को परिसर में व्यक्तिगत लॉगिन और पासवर्ड के साथ व्यापक वाई–फाई पहुंच प्रदान की गई है। प्रमाणीकरण, प्राधिकरण, और व्यक्तिगत इंटरनेट

उपयोगकर्ता स्तर पर लेखा (एएए) के लिए वाई–फाई सेटअप बनाया गया है। 6000 से अधिक उपयोगकर्ता पहले से ही परिसर वाई–फाई सुविधा का लाभ उठा रहे हैं और यह गिनती दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है।

इंटरनेट यातायात की लॉगिंग

दूरसंचार विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार, किसी भी संगठन को पिछले 6 महीनों के लिए इंटरनेट यातायात लॉग बनाए रखने की जरूरत होती है। डीयूसीसी प्रवेश के तंत्र का उपयोग करने के लिए, जिसमें सभी नेटवर्क वाई–फाई यातायात सहित व्यक्तिगत उपयोग के लिए यातायात की लॉगिंग करना जारी है।

सक्रिय निगरानी के लिए जगह में वाई–फाई नेटवर्क मॉनिटरिंग की व्यवस्था

लगातार वाई–फाई नेटवर्क की निगरानी करने के लिए, निगरानी हार्डवेयर लगाया गया है जो वाई–फाई नेटवर्क के लिए अधिकतम समय सक्रिय रूप से समस्या निवारण में मदद करता है।

कॉलेज नेटवर्क

परिसर के बाहर के कॉलेजों के लिए 100 एमबीपीएस की बैंडविड्थ जारी रखी गई है। इंटरनेट सेवाओं को अधिकतम समय बनाए रखने और कॉलेज वीपीएन कनेक्टिविटी रिंग को सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, डीयूसीसी ने मजबूत कदम उठाए हैं। एक तरफ से वीपीएन कनेक्टिविटी के विघटन के मामले में रिंग के दूसरी तरफ से नेटवर्क उपलब्ध रहता है।

महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के लिए सह सर्वर होस्टिंग

परीक्षा
ऑनलाइन स्नातकीय दाखिला
ऑनलाइन स्नातकोत्तर दाखिला
ऑनलाइन भर्ती
बीएमएस प्रवेश
आभासी कक्षा
क्लस्टर इनोवेशन सेंटर
डीयू सामुदायिक रेडियो
लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर (सेंट स्टीफंस कॉलेज)
दिल्ली विश्वविद्यालय की पुस्तकालय प्रणाली
ब्रेल लाइब्रेरी
ओपन लर्निंग के स्कूल
आभासा शिक्षण पर्यावरण (वीएलई)
नामांकन डेटा प्रबंधन प्रणाली (ईडीएमएस)
डीयूसीसी लाइव वेबकास्टिंग और वीडियो मेजबानी
वार्षिक दीक्षांत समारोह
"संसद और नीति निर्माण" पर भारत के राष्ट्रपति के अभिभाषण
अतीत की विभिन्न घटनाओं के अभिलेखागार
ई–जर्नल्स, वेबसाइटें और विभाग की वेबसाइटों का आरंभ
सीपीपी पोर्टल पर ई–प्रकाशन
दिल्ली विश्वविद्यालय की अंडर ग्रेजुएट अनुसंधान और इनोवेशन के पत्रिका
दिल्ली विश्वविद्यालय की मानविकी और सामाजिक विज्ञान के पत्रिका

दिल्ली विश्वविद्यालय का कम्प्यूटर केन्द्र http://ducc.du.ac.in

पूर्व छात्रों का संस्करण 3 – http://alumni.du.ac.in

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन)डीयूडब्ल्यूए(http://duwa.du.ac.in

वेब आधारित अनुप्रयोगों का रखरखाव और विकास

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल छात्र एवं कंपनी पंजीकरण 2015–16 (http: // placement.du.ac.in)

विदेशी छात्रों का पंजीकरण 2015–16 (http://fsr.du.ac.in)

पूर्व छात्रों के दान के फार्म)http://alumni.du.ac.in(

कॉलेज एमआईएस
एसबीआई एकीकृत भुगतान गेटवे
पूर्व स्नातक प्रवेश 2016
स्नातकोत्तर प्रवेश 2016
बी. एड./बी. ईआई. एड./सीआईसी प्रवेश 2016
शिक्षण भर्ती आवेदन
गैर शिक्षण भर्ती आवेदन
केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ – विद्यार्थी पंजीकरण भुगतान
विभिन्न कॉलेजों के लिए शिक्षण एवं गैर शिक्षण भर्ती आवेदन

कैम्पस वाइड सॉफ्टवेयर
डीयूसीसी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अनुसंधान विद्वानों, पीजी एवं यूजी छात्रों के उपयोग के लिए निम्नलिखित नेटवर्क लाइसेंस सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराना जारी रखा हैः
एसपीएसएस वी 22. एएमओएस (विंडोज 32 बिट एवं 64 बिट, यूनिक्स एवं मैक्स प्लेटफार्म)
मतलब आर2014बी (विंडोज 32 बिट एवं 64 बिट, यूनिक्स एवं मैक्स प्लेटफार्म)
मैथेमेटिका 10 (विंडोज 32 बिट एवं 64 बिट, यूनिक्स एवं मैक्स प्लेटफार्म)
सिग्मा प्लॉटज 12 (केवल विंडोज के लिए)
जॉज सर्वर (केवल विंडोज के लिए)

डीयूसीसी पर आयोजित प्रशिक्षण
डीयूसीसी ने संकायों, कर्मचारियों, शोधार्थी, पीजी छात्रों, कॉलेज के सिस्टम प्रशासक/तकनीकी सभी के लिए पूरे साल विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है, इनमें कार्यक्षेत्र के बुनियादी ज्ञान से लेकर एक्सेल, प्रवेश, एसपीएसएस, मैथेमेटिका में पाठ्यक्रम को कवर करने के लिए अग्रिम स्टाफ, मैटलैब, वेब डिजाइनिंग आदि शामिल हैं, जो शिक्षण, अनुसंधान उपकरण, और परियोजना के छात्रों के लिए उपयोगी होते हैं।

नियमित गतिविधियां
नई पहलों के अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर केन्द्र (डीयूसीसी) भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आईटी राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क को डिजाइन करती और चलाती है जो आज की तारीख में तार सहित इंटरनेट के 15000 उपकरणों और नेटवर्क प्रशासन राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) वाई–फाई पर 1.5 लाख उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करता है।

डीयूसीसी दिल्ली विश्वविद्यालय के मूल आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर का प्रबंधन करता है
सर्वर, कोर स्विच, जोनल स्विच, राउटर यू टीएम उपकरणों, भंडारण आदि सहित 100 से अधिक सक्रिय उपकरणों के साथ डाटा सेंटर ।
वायर्ड उपकरणों में 400 से अधिक नेटवर्क स्विच शामिल हैं (और बढ़ रहे हैं)।
100. स्विच और 500 वायरलेस उपयोग वाई–फाई उपकरण शामिल ।
43 किलोमीटर की दूरी पर दोनों परिसरों में फाइबर ऑप्टिक केबल नेटवर्क बिछा है।

सर्वर विश्वविद्यालय के मुख्य वेबसाइट, डीएनएस, प्रॉक्सी, ईमेल, भुगतान गेटवे, लाइसेंस और वेबकास्ट सर्वर के साथ–साथ कॉलेज और विभाग की वेबसाइट जैसे अलग–अलग अनुप्रयोगों की मेजबानी करता है ।
परीक्षा, प्रशासन, वित्त, ओपन लर्निंग, पुस्तकालय सूची और ब्रेल सॉफ्टवेयर आदि के स्कूल के लिए सह सर्वर।

डीयूसीसी पीजी छात्रों, शोधार्थी, संकायों और कर्मचारियों को लाभ पहुँचाता है, जो इंटरनेट और मुद्रण सेवाओं की लागत से मुक्त है जिसमें 1500 से अधिक सदस्य हैं।

डीयूसीसी सक्रिय रूप से कालेजों/विभागों/केन्द्रों, संकाय सदस्यों वेब होस्टिंग सेवाओं के लिए डीयू वेबसाइट पर डीयू फेसबुक पेज की तकनीकी सहायता एवं नियमित रूप से अद्यतन, वेब होस्टिंग सेवाओं की सामग्री प्रबंधन प्रदान कर रही है।
नेटवर्क और वेबसाइट डिजाइन और रखरखाव के अलावा, डीयूसीसी ने सफलतापूर्वक तकनीकी सहायता प्रदान की है और सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला, स्टूडियो व्याख्यान, वार्षिक दीक्षांत समारोह आदि घटनाओं के लिए वीडियो की भी मेजबानी की है।

डीयूसीसी के पास भविष्य की योजनाओं में परिसर और कॉलेज वाई–फाई का संयोजन शामिल है ताकि उपयोगकर्ता स्थान की परवाह किए बगैर इंटरनेट से जुड़े रहें। यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

डी.एस.कोठारी विज्ञान, आचार और शिक्षा केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दो शोध पत्रों का प्रकाशन। पुस्तकों की खरीदः 33 किताबें।

अतिथि अध्येताओं की यात्रा का आयोजनः आरहूस विश्वविद्यालय, कोपेनहेगन, की डॉ करेन वैलेन्टिन, एसोसिएट प्रोफेसर और शैक्षिक मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख, अक्टूबर 3–13, 2015 से केंद्र से संबद्ध थीं। उन्होंने 9 अक्टूबर, 2015 को समाजशास्त्रीय अनुसंधान संवर्धन, समाजशास्त्र विभाग में "डेनमार्क के लिए शैक्षिक प्रवास" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, और अनौपचारिक रूप से विभाग के छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की।

प्रकाशन

ए चक्रवर्ती (2015–2016). वर्किंग पेपर 1: दैनिक अभ्यास में पाठ्यक्रम।

पी चौधरी, (2015–2016). वर्किंग पेपर 2: एक अंतरिक्ष डरः एक वैकल्पिक स्कूल का कार्य।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रोफेसर मीनाक्षी थापन, दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुसंधान और विकास योजना, 2015–2016 , शीर्षक "शिक्षित भारतः पाठयक्रम परिवर्तन के लिए संभावनाएं" रु.1.1 लाख.

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सहयोग से आयोजित डी.एस. कोठारी स्मृति व्याख्यान "साधारण आचार कैसा दिखता है? रोजमर्रा की जिंदगी को दुबारा चित्रित करना "प्रोफेसर वीना दास, क्रीगर आइजनहावर से मानव विज्ञान की प्रोफेसर, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय ने 29 जुलाई, 2015 को विवेकानंद हॉल, अर्थशास्त्र के दिल्ली स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित।

19 जनवरी, 2016 को 25 स्कूलो के शिक्षकों और स्प्रिंग डेल्स स्कूल के संसाधन व्यक्तियों, के साथ पूसा रोड में आयोजित "प्राथमिक स्कूल के पाठ्यक्रम में धर्मनिरपेक्ष नैतिकता लागू करने" पर एक कार्यशाला का नियोजन सह–मेजबानी की।

16 मार्च, 2016 को "प्राथमिक स्कूल के पाठ्यक्रम में धर्मनिरपेक्ष नैतिकता लागू करने" पर एक स्कूल के शिक्षकों और अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस के संसाधन व्यक्तियों, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ अनुवर्ती कार्यशाला आयोजित की गई।

अंतर संस्थागत सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सहयोग से, विवेकानंद हॉल, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में डी एस कोठारी मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया गया।

स्प्रिंग डेल्स स्कूल, पूसा रोड के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 16 मार्च, 2016 दिल्ली विश्वविद्यालय में और 19 जनवरी, 2016 को स्प्रिंग डेल्स स्कूल में कार्यशाला आयोजित की गई।

विकासशील देशों का अनुसंधान केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

16–17 अप्रैल, 2015 को "समकालीन भारत की शोध" विषय पर पहला राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संवर्धन आयोजित किया गया था। इसने दूरी को जोड़नेवाली नए डिजिटल क्षमताओं और दुनिया के लिए अनुकूलित रिक्त स्थान को बदलने के बीच भारतीय समाज की जरूरत पर बल दिया।इसमें नागरिक और राजनीतिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, संसाधन और लोगों की गतिविधियों, पर्यावरण अध्ययन, सामाजिक नीति, शिक्षा सहित क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया गया। केंद्र ने 8 जनवरी 2016 को डॉ हिमांशु रॉय, एक प्रख्यात सामाजिक वैज्ञानिक और साथी, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति, नई दिल्ली द्वारा "समकालीन भारत में माअंतर्गत आंदोलनों" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

11 मार्च, 2016 को "भारतीय राजनीति में नई दिशाः आगे की राह" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह, निदेशक, एसओएल, प्रोफेसर सीएस दुबे, प्रोफेसर योगेश अटल, पूर्व प्रधान निदेशक, यूनेस्को मुख्य

वक्ता थे। अन्य वक्ताओं में प्रोफेसर ए एस नारंग (इग्नू), सुश्री निधि कुलपति (एनडीटीवी) और श्री पुण्य प्रसून बाजपेयी (आजतक) आदि शामिल थे। उठाए गए मुद्दों में भारतीय राजनीति, विविधता, बहुलवाद, लोकतंत्र और मीडिया की गति शामिल थे।

26 मार्च 2016 को अंतरराष्ट्रीय ख्याति के प्रख्यात सामाजिक वैज्ञानिक, प्रोफेसर बृज महाराज ने "खेल मेगा घटनाएं और मानव अधिकारों के उल्लंघनः भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका से अनुभव" विषय पर 10 वां पाब्लो नेरुदा लेक्चर दिया।

अनुसंधान परियोजनाएं

केंद्र की योजना(प्रोफेसर. एस के चौधरी), यूजीसी क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम की परियोजना, 2014–2019 शीर्षक "दक्षिण एशिया", रु .51 लाख।

सम्मेलनों का आयोजन

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं का संवर्धन 16–17 अप्रैल, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के आजीवन सीखने के संस्थान के समिति कक्ष में आयोजित किया गया।

11 मार्च, 2016 को समिति कक्ष, आजीवन सीखने के संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "भारतीय राजनीति में नई दिशाः आगे रास्ता" पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

अंतर संस्थागत सहयोग

ओपन लर्निंग (एसओएल) के स्कूल के साथ सहयोग में 11 मार्च, 2016 को समिति कक्ष, आजीवन सीखने के संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "भारतीय राजनीति में नई दिशाः आगे रास्ता एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संकाय की संख्या : निदेशक (अवैतनिक): 01य अध्येता(अवैतनिक): 28

सूचना और संचार संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

संस्थान ने यूनिवर्सिटी सूचना प्रबंधन प्रणाली (यूआईएमएस) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान सूचना और संचार (आईआईसी) के विकास और ऑनलाइन यूजी और पीजी प्रवेश, शिक्षण और गैर शिक्षण, स्टाफ, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, दस्तावेज प्रबंधन, कॉलेज प्रबंधन आदि और वर्तमान में छात्रों के लिए ऑनलाइन भर्ती के लिए उद्यम अनुप्रयोगों प्रबंध किया गया है और चक्र प्रबंधन लागू किया जा रहा है। संस्थान ने औद्योगिक व्याख्यान श्रृंखला जैसा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जिसमें प्रख्यात व्यक्तियों ने संस्थान का दौरा किया और आईटी उद्योग के क्षेत्र में मौजूदा रुझान पर विशेष व्याख्यान दिए। इसके अलावा छात्रों और संकाय ने समय–समय पर उद्योग–विश्वविद्यालय बातचीत कार्यक्रम का आयोजन किया। संकायसदस्यों ने सक्रिय रूप से राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं जैसे विभिन्न मंचों पर अपने शोध कार्य प्रस्तुत किये। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष में भी सक्रिय रूप से नियोजन गतिविधि चलाई गई, जिसके परिणामस्वरूप नियुक्तियां हुईं। कई शीर्ष आईटी उद्योग कैंपस प्लेसमेंट के लिए आ रहे हैं। इस वर्ष संस्थान का दौरा करने वाले उद्योंगों में स्नैपडील, जिलियस सॉल्यूशन्स, एरीसेंट टेक्नोलॉजीज, ह्यूजेस सिस्टीक, क्यूए इंफो टेक आदि शामिल हैं।

सम्मान/विशिष्टता

सुश्री शिखा खन्ना को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कैप्टन अनुज नैयर मेमोरियल गोल्ड मेडल 2015 से सम्मानित किया।

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान और विकास योजना, 2015–2016 शीर्षक "दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए खुले स्रोत भंडार का विकासः डीयू स्रोत", रु .3.0 लाख ।

सम्मेलनों का आयोजन

एस.पी. जैन सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली में 08 जनवरी, 2016 को आयोजित "विकास, विविधीकरण और एस एवं टी के वैश्वीकरण के मात्रात्मक अध्ययन" पर कार्यशाला।

साउथ कैंपस के एस.पी. जैन सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 16 जनवरी, 2016 को "पायथन में उद्यम विकास" पर कार्यशाला ।

05 फरवरी, 2016 को साउथ कैंपस के जैव प्रौद्योगिकी केंद्र सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में प्रोफेसर लियोन ओंग चुआ, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा" सब कुछ जो आप मेमरिस्टर के बारे में पता करना चाहते हैं, लेकिन पूछने में डर रहे हैं" पर कार्यशाला आयोजित।

साउथ कैंपस के एस.पी. जैन सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 01 मार्च, 2016 को लीव ए नेस्ट कंपनी लिमिटेड, वैश्विक मंच विकास डिवीजन, जापान द्वारा "अपने अनुसंधान को उत्पाद में बदलने" पर कार्यशाला।

संकाय की संख्या : स्थायीः 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आईआईसी दक्षिणी परिसर और इससे संबद्ध कॉलेजों के लिए इंटरनेट, डेटाबेस सहित आईसीटी सेवाएं प्रदान करने और होस्टिंग के लिए एक केंद्रीय बिंदु है

आईआईसी कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों के लिए खुला स्रोत प्रौद्योगिकी, इसके उपयोग और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण प्रदान करने करता है।

आईआईसी खुले स्रोत प्रौद्योगिकियों के आधार पर विकास, मेजबानी और समाधान प्रदान करने के लिए एक प्रमुख इकाई है।

आजीवन अभिग्रहण संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कई विषयों के शिक्षकों, छात्रों और विशेषज्ञों को शामिल कर की जाने वाली शैक्षणिक गतिविधियां शैक्षणिक वर्ष 2015–16 की विशेषता थीं। आजीवन सीखने के संस्थान (आईएलएलएल) की वेबसाइट, vle.du.ac.in को और अधिक उन्नत एवं उपयोगकर्ता के अनुकूल कर दिया गया है। वर्तमान में, वेबसाइट के भंडार में 900 से अधिक ई–शिक्षा, 25000 ई–परीक्षाएँ, साठ ई–व्याख्यान, साक्षात्कार और प्रदर्शन हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दी गई एनएमई–आईसीटी परियोजना के अंतर्गत नई सामग्री भी जोड़ी गई है। प्रोफेसर शर्मिष्ठा पांजा, निदेशक, आईएलएलएल की नई पहल के अंतर्गत, एमओओसी के सृजन (बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम) पर आईएलएलएल अध्येता और कॉलेजों के शिक्षकों के लिए चार कार्यशालाएं आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं में संसाधन व्यक्ति के रूप में अश्विनी शर्मा, गूगल इंडिया के प्रमुख, प्रोफेसर एंड्रयू थंगराज और आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर प्रताप रामदास और डॉ गुरप्रीत सिंह टुटेजा, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय शामिल थे। 16 फरवरी 2016, को प्रोफेसर शर्मिष्ठा पांजा, निदेशक, आईएलएलएल और मनीला कोहली, अंग्रेजी की फेलो, आईएलएलएल द्वारा अंग्रेजी में "पुनर्जागरण और शेक्सपियर" नामक एक एमओओसी का उद्घाटन किया गया। अन्य विषयों में एमओओसी तैयार करने के लिए कदम उठाए गए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों के बीच आईएलएलएल ई–संसाधनों के प्रचार–प्रसार पर विशेष ध्यान दिया गया। इस प्रयोजन के लिए, 15 जनवरी से 30 मार्च, 2016 के बीच अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, गणित, इतिहास, वाणिज्य, हिंदी और कंप्यूटर विज्ञान में सात क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं की सबसे उल्लेखनीय विशेषता छात्रों और शिक्षकों को बराबर हितधारकों के रूप में आमंत्रित करना और साइट को सुधारने के लिए उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करना थी। प्रतिक्रिया काफी अच्छी थी। प्रतिभागियों से प्राप्त प्रतिक्रिया को ई–सामग्री के निर्माण में लागू किया गया है। आईएलएलएल की वेबसाइट को दो लाख से अधिक शिक्षार्थियों द्वारा देखा गया है। छात्रों के ऑनलाइन प्रश्नों का तुरंत उत्तर दिया जाता है। अपलोड की गई ई–सामग्री कक्षा शिक्षक को स्तानांतरित नहीं कर सकती। यह नक्शों, एनिमेशन, दृश्यों, रेखांकन, ऑडियो लिंक, वेब लिंक आदि के अलावा के साथ सीखने के नए क्षितिज खोलता है और आईएलएलएल की vle.du.ac.in साइट पर सभी सामग्री निःशुल्क है और इस शिक्षा मंच तक बिना किसी पासवर्ड के कभी भी और कहीं से भी पहुँचा जा सकता है। एक अद्यतन ब्रोशर में विस्तार से सभी आईएलएलएल गतिविधियों को प्रकाशित किया गया है। आईएलएलएल के शिक्षाविदों ने व्यक्तिगत स्तर पर, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लिया, शोध पत्र और प्रकाशित किताबें तथा लेख प्रस्तुत किए।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर शर्मिष्ठा पांजा, निदेशक, आईएलएलएल को हटिंगटन, अमरीका में अक्टूबर–नवंबर, 2015 के मेयर्स फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. अमित कुमार बसरा, उच्च शिक्षा सचिव, आईएलएलएल और डिप्टी डीन, विदेशी छात्रों के रजिस्ट्री क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, को दिल्ली विश्वविद्यालय में तात्या टोपे चेयर दी गई है।

डॉ. बसरा ने फिल्म नानक शाह फकीर, (2015 में दुनिया भर में जारी) की पटकथा लिखी, जिसे संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता, 2015 को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार दिया गया है ।

प्रकाशन

ए के बसरा (2015). अमृत कौर बसरा पंजाब में सांप्रदायिक दंगे, 1923–1928 । नई दिल्ली, दिल्लीः श्री कला प्रकाशन।

ए के बसरा (2015). पंजाब में प्रेस और राजनीति, 1860–1905. नई दिल्ली, दिल्लीः श्री कला प्रकाशन।

एन खन्ना, वी कुमार एवं एस के कौशिक (2015). बारिश के हिल्बर्ट रूपांतरण के लुप्त होते क्षण। विश्लेषण और आवेदनों की प्वायनकेयर पत्रिका, 2015(2), 115–127.

एन खन्ना, वी कुमार,एवं एस के कौशिक. (2015). हिल्बर्ट का उपयोग कर बारिश के अधिकतम होने को बदलना। शास्त्रीय विश्लेषण के पत्रिका, 7(2), 83–91.

एम लाल, सी मोहन, ई के शर्मा, डी के नरुला एवं ए के बसरा(2015).. लिंग और विविधताः कनाडा भारत और उसके परे। नई दिल्ली, दिल्लीः रावत प्रकाशन।

एस पांजा, के कौशिक (2015). हमेशा के लिए तरल पदार्थ। अतिथि स्तंभ। द वीकः विशेषांक शेक्सपियर, 400, 78–80.

एस पांजा, के कौशिक (2015). अरविंदादिगा के सफेद शेर में उत्तर औपनिवेशिक संकरता, स्थान, प्रामाणिकता और यथार्थवाद के अप्रिय सवाल। आर के अग्निहोत्री, सी बेन्थियन एवं टी ओरानसकिया (सं) अशुद्ध भाषाएँः समकालीन संस्कृतियों में भाषाई और साहित्यिक संकरता। दिल्ली, दिल्लीः ओरिएंट ब्लैक स्वान।

एस पांजा, के कौशिक (2016). सांस्कृतिक थिएटर और एशिया में शेक्सपियर प्रोडक्शंसः भारत। एस लियू (सं.), एशियन थिएटर की रूटलेज पुस्तिका में (पृ. 504–508)। लंदन, न्यूयॉर्कः रूटलेज।

एस. के. शर्मा एवं जी कौर. (2015). व्यापार गणित। नई दिल्ली, दिल्लीः अंतरराष्ट्रीय बुक हाउस प्रा लिमिटेड

एस. के. शर्मा एवं जी कौर (2016).. व्यापार गणित और सांख्यिकी। नई दिल्ली, दिल्लीः अंतरराष्ट्रीय बुक हाउस प्रा. लिमिटेड

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रोफेसर शर्मिष्ठा पांजा, अल्पकालिक फैलोशिप हटिंगटन, संयुक्त राज्य अमरीका 2015–2016, शीर्षक "शेक्सपियर के लिए नए दर्शकों का निर्माणः बॉयडेल और बंगाल", अमरीकी डालर 8000।

डॉ. आशा (पीआई), डॉ रोहिणी आर्य (सह पीआई), डा पूजा शर्मा (सह पीआई) एवं डॉ गुरमीत कौर (सह पीआई), डीआरसी–03–स्टार दिल्ली विश्वविद्यालय से अभिनव परियोजना शीर्षक "पर्यावरणीय प्रभाव वक्तव्यः माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाओं के साथ अपशिष्ट से स्वच्छ ऊर्जा", रु .3.36 लाख।

डॉ शगुफ्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय से शोध एवं विकास योजना, 2015–2016 शीर्षक "उदारीकरण युग के बाद भारतीय स्टेट में अवधारणा– नीति झुकाव में वेलफेरिज्म के दृष्टिकोण का एक अध्ययन" रु.1.5 लाखे.

प्रोफेसर. शर्मिष्ठा पांजा (पीआई), प्रोफेसर आर सी कुहाद (सह पीआई), श्री आर के व्यास (आईसीटी समन्वयक),एवं डॉ. अमित कुमार बसरा (अकादमिक सचिव, एनएमई–आईसीटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एनएमई–आईसीटी परियोजना, 2015 शीर्षक "इतिहास, वाणिज्य, गणित, वनस्पति विज्ञान, अर्थशास्त्र और जंतु विज्ञान के विषयों में ई–सामग्री का निर्माण", रु.2.0 करोड़.

सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर शर्मिष्ठा पांजा ने 09–11 मार्च, 2015 के दौरान पश्चिम बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, कोलकाता में आयोजित "संस्कृति के अनुवादः समाज, इतिहास, राजनीति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बॉयडेल और बंगालः शेक्सपियर का रेखांकन" पर पूर्ण व्याख्यान दिया।

डॉ. अमित कुमार बसरा
09 जनवरी, 2016 को आईआईसी में स्जेनट्रल डर फ्रांजी स्कानेर मिशन द्वारा आयोजित "सिख धर्म और लिंग" में "समाज में महिलाओं के स्तान पर धर्म का प्रभाव" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

11 जनवरी, 2016 को ओआईडी, नई दिल्ली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्टडीज के कैस–स्कूल, जेएनयू के साथ सहयोग में आयोजित "प्रवासी और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन के विकासः तुलनात्मक वैश्विक अनुभव" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक व्यक्ति दो राष्ट्रः कनाडा में प्रवासी सिख समुदाय और भारत के साथ संबंध" शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ शगुफ्ता ने 25–27 अक्टूबर, 2015 के दौरान राजनीति विज्ञान विभाग, बीएचयू की ओर से वाराणसी में आयोजित "भारत में बदलती राजनीति की खोज" पर 56 वें पर अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान सम्मेलन में "एक वैश्वीकृत दुनिया में भारतः नायकत्व, संप्रभुता और सामाजिक वास्तविकता पर कुछ विचार" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. वरिंदर कुमार ने 25–27 फरवरी, 2016 के दौरान मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा "विश्लेषण, अंतर समीकरणों और अनुप्रयोग" पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में पर "फ्यूजन फ्रेम्स और बनाच अंतरीक्ष में संबंधित अवधारणाओं" बात पर व्याख्यान दिया।

अंतर संस्थागत सहयोग

एमओओसी के अंतर्गत एनपीटीईएल (आईआईटी–मद्रास) के साथ दो पाठ्यक्रमों के विकास की प्रक्रिया चल रही है।

6 विषयों (इतिहास, वाणिज्य, गणित, वनस्पति विज्ञान, अर्थशास्त्र और जूलॉजी) में ई–सामग्री के निर्माण के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से एनएमई–आईसीटी परियोजना।

संकाय की संख्याः सलाहकार (तदर्थ)ः 1, अध्येता (प्रतिनियुक्ति)ः 3

वनस्पति जीनोमिक्स के लिए अंतःविषय केन्द्र

गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अंतर्राष्ट्रीय गेहूं जीनोम अनुक्रमण कंसोर्टियम के हिस्से के रूप में, गेहूं जीनोम अनुक्रम के हमारे प्रयास का प्राथमिक कार्य दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में सेंगर प्रौद्योगिकी का उपयोग कर बेक्स की छोर से बीएसी अंत अनुक्रम डेटा उत्पन्न करना था।
अब तक दोनों तरफ से टी7 (आगे) का उपयोग कर, 2–3% त्रुटि दर के साथ 1,30,848 बीएसी क्लोनों का अनुक्रमण समाप्त हो गया है और 2,61,696 दृश्य उत्पन्न करने वाली एक कस्टम डिजाइन रिवर्स प्राइमर से प्रदर्शित की गई है। कुल मिलाकर, लगभग 150 एमबी गेहूं के औसतन प्रति बीएसी ̧550 बीपी जीनोमिक दृश्य उत्पन्न किये गए हैं। इन बीएसी अंतिम दृश्यों की गुणवत्ता के आकलन के बाद, जीन सामग्री और कार्यात्मक एनोटेशन, एसएसआरएस की पहचान के लिए इन आंकड़ों के दोहराव की पहचान का विश्लेषण किया गया और मॉडल घास जीनोम के साथ इनकी तुलना की गई है।

सम्मान/विशिष्टताः

प्रोफेसर जे. पी. खुराना

जुलाई, 2015 को भारत की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा (एनएएसआई) डॉ बी पी पाल स्मारक व्याख्यान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अक्टूबर 2015 में हैदराबाद में आयोजित एनजीबीटी सम्मेलन के दौरान विज्ञान जीनोम अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

जनवरी 2016 से 31 दिसंबर, 2020 डीएसटी–इन्सपायर कार्यक्रम के लिए आईएनएसए कोर कमेटी के सदस्य नियुक्त किए गए।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, जनवरी, 2016 के बाद से सरकार द्वारा गठित डीएनए सलाहकार समिति (आरडीएसी) का सदस्य नियुक्त किया है।

मार्च, 2016 के बाद सदस्य, संयंत्र फिजियोलोजिस्ट, नई दिल्ली के इंडियन सोसायटी की कार्यकारी परिषद नियुक्त किया है।

प्रकाशन

डी जैन, एच खंडाल, जे पी खुराना एवं डी चट्टोपाध्याय (2016). साइटोटोक्सिक एल्डीहाइड स्केवेंज के लिए एल्डो/कीटो रिडक्टेज के रूप में एक रोगजनन संबंधित –10 प्रोटीन सीएएआरपी कार्य। पादप आण्विक जीवविज्ञान, 90(1), 171–187.

वी जायसवाल, वी गहलौत, एस माथुर, पी अग्रवाल, एम खंडेलवाल, जेपी खुराना, ए.के त्यागी, एच एस बालियान एवं पी के गुप्ता (2015). गेहूं (ट्रिटिकमएस्टिवम एल) में अनाज के वजन और अन्य कृषि लक्षण के साथ जुड़े टीएजीडब्ल्यू2–6ए के प्रमोटर अनुक्रम में नए एसएनपी की पहचान। पीएलओएस वन, 10(6),म0129400 (15 पृष्ठ).

वी कुमार, ए सिंह, एस वी ए मिथरा, एस एल कृष्णमूर्ति, एस के परिदा, एस जैन, के के तिवारी, पी कुमार, ए आर राव, एस के शर्मा, जे पी खुराना, एन के सिंह एवं टी महापात्र (2015). चावल (ओरिजा सातिवा) में लवणता सहिष्णुता के जीनोम वार संघ मानचित्रण। डीएनए अनुसंधान, 22, 133–145.

के के तिवारी, ए सिंह, एस सस्मिता पटनायक, जी जे एन राव, जे पी खुराना, एन के सिंह एवं टी महापात्र (2015). एक मिनी कोर भारतीय चावल जर्मप्लाज्म संग्रह से सेट की पहचान। पौध प्रजनन, 134(2), 164–171.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रोफेसर जे. पी. खन्ना, डीबीटी, 2015–2020 शीर्षक "चावल में फूल के लिए संक्रमण विनियमन में शामिल जीन का कार्यात्मक मान्यकरण" एक बहु संस्थागत नेटवर्क परियोजना "आनुवंशिक और एपिजेनेटिक विनियामक नेटवर्क चावल में प्रजनन विकास में शामिल के कार्यात्मक विशेषताओं" के भाग के रूप में, रु.1.40 करोड़.

सम्मेलनों का आयोजन

प्रोफेसर जे पी खुराना ने 29 फरवरी, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "आईएनएसए–टीवास" में भाग लिया और प्रायोजित पूर्ण व्याख्यान दिया।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर जे पी खुराना
11–14 दिसंबर, 2015 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस (आईपीपीसी 2015)" में एक पूर्ण व्याख्यान दिया।

25 अक्टूबर, 2015 को एनबीआरआई, लखनऊ में आयोजित "सीएसआईआर–एनबीआरआई स्थापना दिवस" के अवसर पर (सम्मानित अतिथि के रूप में) व्याख्यान दिया।

29 अक्टूबर, 2015 को सीएसआईआर–एनसीएल, पुणे एवं विज्ञान की महाराष्ट्र अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

28–30 दिसंबर, 2015 के दौरान आईएनएसए द्वारा अपनी वर्षगांठ के अवसर पर आईआईएसईआर, भोपाल में आयोजित आम बैठक में "प्रकाश के अंतरराष्ट्रीय वर्ष 2015" पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दिया ।

अंतर संस्थागत सहयोगः

6–7 संस्थानों के साथ एक बहु संस्थागत परियोजना चल रही है और दिल्ली दक्षिणी परिसर के विश्वविद्यालय, नई दिल्ली इसका समन्वय संस्थान है।

विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन केन्द्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन केंद्र (यूएसआईसी) विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न विभागों में शोधकर्ताओं और विज्ञान संकाय सदस्यों के लिए परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों का रखरखाव करता है। केंद्र सप्ताह में (9:00 बजे से 5:30 बजे तक) 6 दिनों के लिए खुला रहता है। कंपनियों के प्रशिक्षित इंजीनियर अत्याधुनिक उपकरणों पर कार्य करते हैं।

आयोजित सम्मेलन

जनवरी 22–फरवरी 11, 2016 के दौरान दिल्ली के विज्ञान कॉलेजों और विभागों के विश्वविद्यालय के लैब कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

18–19 जून, 2015 के दौरान दौलत राम कॉलेज ने अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए "एसईएम, सुखाने और जैविक नमूने तैयारी के महत्वपूर्ण बिंदु" पर कार्यशाला।

20–21 जनवरी, 2016 के दौरान शोध छात्रों के लिए "टीईएम नमूना तैयार" करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

25 फरवरी, 2016 को स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के छात्रों के लिए आयोजित अंडर ग्रेजुएट जागरूकता कार्यक्रम।

18 सितंबर, 2016 को किरोड़ीमल कॉलेज के अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

23–24 फरवरी, 2016 के दौरान बीएससी कर रहे विभिन्न कॉलेजों के छात्रों (भौतिकी) ने एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया और उन्हें "एक्स–रे विवर्तन द्वारा सामग्री की विशेषता" पर प्रशिक्षित किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

यूएसआईसी शोधकर्ताओं के लिए निम्नलिखित उपकरणों का रखरखाव करता है:

एफईआई उच्च संकल्प संचरण इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप।
गाटन कोरम – टीईएम नमूना तैयार करने के उपकरण।
सेनेच परिवर्तनशील कोण और परिवर्तनशील तरंगदैर्घ्य इलिप्सोमीटर।
ब्रुकर उच्च संकल्प एक्स–रे विवर्तन।
ऑक्सफोर्ड विवर्तन, ब्रिटेन से एकल क्रिस्टल एम/एस एक्स–रे डिफ्रैक्टोमीटर।
जियोल 400 मेगाहर्ट्ज परमाणु चुंबकीय अनुनाद
जेस्को सर्कुलर डिकोर्ज्म स्पेक्ट्रो–पोलरीमीटर
जल अंतर स्कैन करने वाला कैलोरीमीटर
एटीआर और स्पेक्यूलर रिफ्लेक्टेंन्स लगाव के साथ पर्किन एल्मर एफटीआईआर
मेसर्स सीएचएनएसओ विश्लेषक एलीमेंटर
रिगाकू घूर्णन एनोड एक्स–रे डिफ्रेक्टोमीटर
रेनिशॉ लेजर रमन स्पेक्ट्रोमीटर
जिओल इलेक्ट्रॉन स्पिन गूंज (ईएसआर) स्पेक्ट्रोमीटर
पर्किन एल्मर डीटीए–टीजीए, और डीएससी उपकरण
मिलिपोर कम चालकता पानी
परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर (ग्रेफाइट भट्ठी)
सिमाड्ज़ू अंतर थर्मल विश्लेषक (रसायन विज्ञान विभाग से)
कैरी ग्रहण प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (रसायन विज्ञान विभाग से)।
होरिबा जोबिन यिवान प्रतिदीप्ति जीवनकाल स्पेक्ट्रोमीटर (रसायन विज्ञान विभाग से)
900 लीटर पोर्टाक्रायो. 600 लीटर तरल नाइट्रोजन (एलएन2) भंडारण नॉर्थ कैंपस के लिए टैंक।
साउथ कैंपस के लिए एक अलग तरल नाइट्रोजन भंडारण की सुविधा स्थापित की गई है
बी. ई. टी. सतह क्षेत्र विश्लेषक
कम तापमान लगाव के साथ कंपनशील नमूना चुंबक मीटर।
फोटो ल्यूमिशेंस की स्थापना (325 एनएम, 488 एनएम अस्थायी लगाव के साथ (–196 से 500 सेल्सियस तक)
आवृत्ति और तापमान परिवर्तन के साथ मुकाबला करने के लिए स्पेक्ट्रोस्कोपी स्थापित किया गया है।
एक्स–रे डिफ्रेक्टोमीटर – पतली फिल्म लगाव के साथ पैन विश्लेषणात्मक उपकरण
एजिलेंट मास स्पेक्ट्रोमीटर
महत्वपूर्ण बिंदु ड्रायर
जियोल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप ईडीएस के साथ (एसई), पेल्टायर तापमान मंच

महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र (डब्ल्यूएसडीसी) में दो राष्ट्रीय कार्यशालाएं – अप्रैल 2015 में "नारीवादी सिद्धांत एवं तर्क" और फरवरी –मार्च, 2016 में "नारीवादी सिद्धांतों एवं वाद" आयोजित करने के अलावा स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए दो अंतःविषय पाठ्यक्रम पढ़ाये हैं। दिसंबर, 2015 में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। नवंबर में, डब्ल्यूएसडीसी की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थायी समिति के साथ एक बातचीत हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र को उन्नत अद्ययन के एक केन्द्र में उन्नत किया गया था। दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय के लिए नवंबर 2015 में एक लिंग संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई और दिसंबर 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय की सलाहकार समिति के साथ एक बैठक आयोजित की गई। डब्ल्यूएसडीसी ने जनवरी, 2016 में यूजीसी श्रीलंका की एक तीन सदस्यीय टीम की मेजबानी की और महिला दिवस समारोह आयोजित किया, जिसमें महिलाओं की कहानियां जो शोवना नारायण और प्रख्यात नारीवादी कवियों के काव्य को पढ़ना और नृत्य–गायन शामिल थे। भारत में नए मध्यम वर्ग में लिंग का स्थान का संपादन भी पूरा कर लिया है और प्रकाशन के लिए उसे आईआईएएस, शिमला में प्रस्तुत किया गया है।

सम्मान/विशिष्टता
डब्ल्यूएसडीसी को 01 अप्रैल, 2016 से यूजीसी द्वारा उन्नत अध्ययन के केन्द्र का दर्जा प्रदान किया गया है।

प्रोफेसर. जया एस. त्यागी
09 मार्च, 2016 को महिला विकास केंद्र, जीसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव 'जागृति'16 में सम्मानित अतिथि के रूप में "लिंग और समाज" पर बात करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

07 अक्टूबर, 2015 को महाराजा अग्रसेन कॉलेज में "महिला विकास केन्द्र" का उद्घाटन करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

16 अक्टूबर, 2015 को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित "महिला विकास केन्द्र" के उद्घाटन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ मंजीत भाटिया ने 07 मार्च, 2016 को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर की ओर से आयोजित "लिंग संवेदीकरण एवं विविधता प्रबंधन" पर यूजीसी लघु पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रकाशन
जे. त्यागी. (2015). प्राचीन भारतीय परिवार की गतिशीलताः पारिवारिक, संरक्षण और शाब्दिक परंपराओं में औचित्य।). के रॉय (सं.) में, भीतर देखना, बाहर देखना समय के माध्यम से उपमहाद्वीप में रहने वाले परिवारों की खोज (पृ. 137–72), नई दिल्ली, दिल्लीः प्राइमस बुक्स।

जे. त्यागी. (2016). महिलाओं की 'एजेंसी' का सवाल हैः महिलाएं, काम और शाब्दिक परंपराओं में पारिवारिक चरित्र। वी रामास्वामी (सं.) में, महिलाएं और उपनिवेश पूर्व भारत में काम । नई दिल्ली, दिल्लीः सेज पब्लिकेशन।

एम. भाटिया, (आगामी)। भारत में नए मध्यम वर्ग में लिंग का पता लगाना।

एम. भाटिया, (आगामी)। भारत में मध्यम वर्ग के परिवारों में वैश्विक मातृत्व के नए अर्थ। एम भाटिया (सं.) में, भारत में नए मध्यम वर्ग में लिंग का पता लगाना।

आर तिवारी, (2015). एक सवाल किया जाता हैः मंटो, समस्या उत्पन्न करने वाला, विभाजन। भारत, 62 (जुलाई–अगस्त)।

आर तिवारी, (2015). कुछ पुनर्जागरण छवियों के माध्यम से प्यार, इच्छा और ईसाई धर्म का अध्ययनः कृष्टेवा के काल्पनिक पि (मा)ता की खोज। म्यूज इंडिया, 64 (अक्टूबर)।

अनुसंधान परियोजनाएं

जॉ. मनजीत भाटिया (पीआई), एवं डॉ रिधिमा तिवारी (सह पीआई), डब्लयूएसडूसी लघु अवधि की अनुसंधान परियोजना, 2016 शीर्षक "माल– एक लिंगीय अंतरिक्ष", रु.1.8 लाख.

सम्मेलनों का आयोजन

6–10 अप्रैल, 2015 के दौरान "नारीवादी सिद्धांतों एवं वाद" पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
29 फरवरी–04 मार्च, 2016 के दौरान "नारीवादी सिद्धांतों एवं वाद" राष्ट्रीय कार्यशाला।

सम्मेलनों में प्रस्तुति
प्रोफेसर. जया त्यागी
19–20 फरवरी, 2016 में पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बहुसांस्कृतिक भारतः समग्रता एवं नई मानविकी" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बहुसंस्कृतिवाद, नारीवाद और एक नई ज्ञानमीमांसाः सआदत हसन मंटो की ओयेवर का अध्ययन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

19–20 फरवरी 2016 के दौरान श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "जाति और लिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" में कागज" प्रारंभिक प्रारंभिक पौराणिक परंपरा में लिंग, वर्ण और सामाजिक औचित्यः भारत में पुनर्परिभाषित सामाजिक श्रेणियाँ" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

01 मार्च, 2016 को पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "भारतीय इतिहास और संस्कृति" पर आयोजित एक संगोष्ठी में "प्रारंभिक ऐतिहासिक परंपराओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रस्तुत कागज पर 15 मार्च, 2016 को श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "सीमांत श्रेणियों पर आयोजित एक संगोष्ठी में "अन्य'' का सामरिक समावेशनः पौराणिक परंपराओं से पुनर्निर्माण और सामाजिक इतिहास" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ मंजीत भाटिया ने 7 मार्च, 2016 को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर की ओर से यूजीसी अल्प कालिक पाठ्यक्रम में आयोजित "लिंग संवेदीकरण एवं विविधता प्रबंधन" में "घरेलू हिंसा–एक अध्ययन" और "लिंग और अंतर अनुभाग" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रिधिमा तिवारी ने 22–23 फरवरी, 2016 के दौरान पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बहुसांस्कृतिक भारतःसमग्रता एवं नई मानविकी" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बहुसंस्कृतिवाद, नारीवाद और एक नई ज्ञानमीमांसाः सआदत हसन मंटो की ओयेवर का एक अध्ययन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग
केंद्र 6–10 अप्रैल, 2015 को "नारीवादी सिद्धांत एवं तर्क" शीर्षक एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में, पूरे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थाओं से आए 15 शिक्षकों और विद्वानों ने भाग लिया था। प्रोफेसर भारती बवेजा निदेशक, डब्ल्यूएसडीसी ने राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उद्घाटन भाषण प्रोफेसर इंदु अग्निहोत्री द्वारा दिया गया था। इसके अलावा कार्यशाला में उदार, कट्टरपंथी और समाजवादी नारीवाद से, नारीवादी न्यायशास्त्र और मनोविश्लेषण और नारीवाद से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। डब्ल्यूएसडीसी संकाय के अलावा, विभिन्न संस्थाओं से संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था, इनमें लॉ स्कूल, वारविक विश्वविद्यालय, ब्रिटेन भी शामिल था।

डब्ल्यूएसडीसी ने 28 जनवरी, 2016 को यूजीसी श्रीलंका की एक तीन सदस्यीय टीम की मेजबानी की। डब्ल्यूएसडीसी संकाय और श्रीलंका के मेहमानों ने एक दिवसीय बैठक के भाग लिया और लिंग संवेदीकरण, जागरूकता, शिक्षा प्रणाली और पाठ्यक्रम के मुद्दों के संबंध में विचारों का आदान–प्रदान किया। श्रीलंकाई टीम ने डब्ल्यूएसडीसी के विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों के साथ भी बातचीत की और रैगिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

एक स्ट्रीट खेल 28 जनवरी, 2016 को परिंदे थिएटर ग्रुप द्वारा अंधकार से उजाले की तरफ शीर्षक परिंदे नाटक खेला गया था। जो कन्या भ्रूण हत्या, के साथ इस तरह के व्यवहार से धीरे–धीरे दूर होने और परिवर्तन ही जरूरत के विषय पर आधारित था, नाटक शैक्षिक अनुसंधान भवन के लॉन में उपस्थित युवा छात्रों और कर्मचारियों को भी पसंद आया।

29 फरवरी से–04मार्च, 2016 को केंद्र ने "नारीवादी सिद्धांतों एवं तर्क" शीर्षक एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। पूरे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों से 19 संकाय सदस्यों और विद्वानों ने कार्यशाला में भाग लिया था। प्रोफेसर जया एस त्यागी, निदेशक, डब्ल्यूएसडीसी ने राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला में नारीवादी(यों) के सिद्धांतों के अलावा, मनोविश्लेषण और नारीवाद पर विशेष जोर दिया गया। डब्ल्यूएसडीसी संकाय के अलावा, जामिया मिलिया इस्लामिया, अंबेडकर विश्वविद्यालय, लेडी श्रीराम कॉलेज जैसे संस्थानों से संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था।

10 मार्च, 2016 को डब्ल्यूएसडीसी द्वारा महिलाओं की कहानियां शीर्षक आयोजित किया गया जिसमें कविता और नृत्य के कलात्मक रूपों के माध्यम से महिलाओं और उनकी व्यक्तिगत यात्रा के प्रति एक श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम सीआईई सभागार में आयोजित किया गया था। जानी–मानी लेखक/कार्यकर्ता कमला भसीन ने डॉ. सुकृता पाल कुमार और डॉ सविता सिंह के साथ, इस अवसर पर उनकी कविता साझा की सुश्री शोवना नारायण और मंडली ने समारोह में नृत्य–गायन का प्रदर्शन किया ।

संकाय की संस्थाः स्थायीःएक निदेशक, एक स्थायी संकाय, तदर्थ 1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
केंद्र ने दिसम्बर, 2016 में महिलाओं के अध्ययन में अपना 17 वां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया, जो लिंग और स्थान विषय के आसपास संरचित था। संसाधन व्यक्तियों की सूची में प्रोफेसर सरस्वती राजू, प्रोफेसर सोमेंद्र पटनायक, प्रोफेसर जया एस त्यागी, डॉ. सौम्यजीत भट्टाचार्य और डॉ मंजीत भाटिया आदि शामिल हैं। पाठ्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों और भारत के विश्वविद्यालयों से समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास और प्रबंधन जैसे विषयों में प्रशिक्षित शिक्षकों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम की अंतःविषय प्रकृति, विभिन्न संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिये गए व्याख्यानों के द्वारा आगे बढ़ाया गया था, जिनसे वे लिंग और अंतरिक्ष के बीच दिलचस्प संबंध का पता लगाया गया। डब्ल्यूएसडीसी दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का आयोजन करता है – लिंग और समाज में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम (जनवरी, 2016 से) और लैंगिक अध्ययन में एडवांस सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम (फरवरी, 2016 में शुरू)। लिंग और समाज पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य विशेष रूप से भारतीय उप–महाद्वीप के संदर्भ में लैंगिक मुद्दों की एक अंतःविषयक समझ लागू करना है। एडवांस पाठ्यक्रम लिंग के अध्ययन के क्षेत्र में एम.फिल और पीएचडी विद्वानों के अनुसंधान के संचालन में प्रशिक्षण देता है।

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सेवा (डब्ल्यूयूएस) स्वास्थ्य केन्द्र 19 मार्च, 1955 को अस्तित्व में आया। बीते वर्षों में इसमें कई नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (नॉर्थ कैंपस) लगभग 1 लाख लाभार्थियों अर्थात् नियमित कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों, निवासी और अनिवासी छात्रों और तदर्थ और संविदात्मक कर्मचारियों की जरूरतें पूरी करता है। वर्ष 2015–2016 में कुल ओपीडी उपस्थिति 142,791 और कुल नैदानिक सेवाओं (फिजियोथेरेपी, पैथोलॉजी लैब, ईसीजी, नर्सिंग, ड्रेसिंग और एक्स–रे) की संख्या 173211 थी, अर्थात् इसने सप्ताह में 6 दिन, प्रति दिन लगभग 800 रोगियों को सेवाएं प्रदान कीं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (साउथ कैंपस) लगभग 9000 लाभार्थी ग्राहकों की जरूरत पूरा करता है। प्रति दिन लगभग 100 रोगी डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (साउथ कैंपस) (सप्ताह में छह दिन) की सुविधाओं का लाभ उठाते हैं। स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) लगभग 3300 लाभार्थी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। प्रति दिन लगभग 40 रोगी डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) सुविधाओं (हफ्ते में पांच दिन) का लाभ उठाते हैं। डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिम दिल्ली) लगभग 3000 लाभार्थी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। प्रति दिन लगभग 50 रोगी डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिम दिल्ली) की सुविधाओं (हफ्ते में पांच दिन) का लाभ उठाते हैं।

वित्तीय वर्ष 01अप्रैल, 2015 – 31 मार्च, 2016 के लिए कुल ओपीडी उपस्थिति।

उत्तरी परिसर	: 142791
दक्षिणी परिसर	: 23973
पूर्वी दिल्ली	: 4917
पश्चिमी दिल्ली	: 6975

वित्तीय वर्ष 01अप्रैल, 2015 – 31 मार्च, 2016 के लिए कुल नैदानिक सेवाएं।

उत्तरी परिसर	: 173211
दक्षिणी परिसर	: 10178
पूर्वी दिल्ली	: 1120
पश्चिम दिल्ली	: 2190

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र ने 22 मार्च से 28 मार्च, 2016 के बीच, एनएसएस समन्वयक द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय, भगिनी निवेदिता कॉलेज, कैर (नजफगढ़ के पास) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में चिकित्सा सेवाओं कार्यक्रम के प्रावधान के लिए पैरा मेडिकल स्टाफ भेजा। इसके अलावा उस शिविर में भाग लेने वाले सभी लोगों के लाभ के लिए एक स्वास्थ्य वार्ता भी आयोजित की गई थी।

इस स्वास्थ्य केन्द्र के अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित निम्नलिखित प्रतियोगिता/कार्यों में रविवार को भी आपातकालीन चिकित्सा सेवा प्रदान की गईः

01–02 अप्रैल, 2015 के दौरान वार्षिक खेल "उडान 2015"।

28–31 अक्टूबर, 2015 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज एथलेटिक मीट (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट 2015–16.

05–07 नवंबर, 2015 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज जूडो (पुरुष एवं महिला) चौंपियनशिप 2015–16।

27–29 जनवरी 2016 के दौरान डीयूएसयू सांस्कृतिक कार्यक्रम।

11 जनवरी, 2016 को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

12 जनवरी, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज कुश्ती (पुरुष एवं महिला) चौंपियनशिप 2015–16 आयोजित की गई।

15–17 जनवरी, 2016 के दौरान12वीं के. के. लूथरा मेमोरियल अंतर्राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता।

12–14 फरवरी, 2016 के दौरान परिसर विधि केंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

20 फरवरी, 2016 को आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता।

26 फरवरी, 2016 को आयोजित पुष्प प्रदर्शनी।

02–04 मार्च, 2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज तायक्वोंडो (पुरुष एवं महिला) चौम्पियनशिप।

18–19 मार्च, 2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज फुटबॉल (एम) चौम्पियनशिप 2015–16.

7 अप्रैल 2015 को डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (नॉर्थ कैंपस) में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया।

इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय खाद्य सुरक्षा थी। खाद्य सुरक्षा के बारे में मुद्दों पर प्रकाश डाला, जिसकी सभी संकायों/विभागों/केंद्र/कालेजों/हॉस्टल हर किसी के द्वारा सराहना की गई, पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं। विश्वविद्यालय बिरादरी की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय दिल्ली की वेबसाइट पर खाद्य सुरक्षा पर एक लेख अपलोड किया गया था।

सितंबर और अक्टूबर, 2015 में पूरे दिल्ली/एनसीआर में डेंगू बुखार की महामारी फैली थी। विश्वविद्यालय परिसर क्षेत्र और विश्वविद्यालय एन्क्लेव कॉलेजों में अधिकता से पेरीथ्रम का छिड़काव किया गया था। सभी संकायों/विभागों / केंद्र / कालेजों / हॉस्टल में डेंगू बुखार के बारे में मुद्दों पर प्रकाश डालने वाली पुस्तिकाएं वितरित की गईं। जिसकी हर किसी के द्वारा अत्यधिक सराहना की गई। विश्वविद्यालय की बिरादरी की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डेंगू बुखार पर एक लेख अपलोड किया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके घटक कॉलेजों कर्मचारियों की सचित्र चित्रण के साथ के उन क्षेत्रों में पैनल में शामिल अस्पतालों की उपलब्धता का मानचित्रण तैयार किया गया था। इससे उन क्षेत्रों में जहां दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए कोई अस्पताल सूचीवद्ध नहीं हैं, क्षेत्र में मौजूद अस्पतालों को पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया में सुविधा होगी।

समय–समय पर प्रतिष्ठित अस्पतालों के सहयोग में स्वास्थ्य जांच शिविर, कार्डिएक परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया है।

मौजूदा सुविधाएं

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (नॉर्थ कैंपस) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, उनके आश्रितों और छात्रों को सातों दिन चौबीस घंटे सेवा प्रदान करता है। यह सप्ताह में छह दिन सुबह 08:00 बजे से, शाम 08:00 बजे तक ओपीडी सेवाएं प्रदान करता है और रविवार को (सुबह 08:30 से दोपहर 10.30 बजे तक) और राजपत्रित अवकाशों के दिन (सुबह 08.30 बजे से शाम 10.30 बजे तक) खुला रहता है। यह होली और दीवाली की छुट्टियों पर दिन भर खुला रहता है। यह चौबीसों घंटे आपातकालीन सेवाएं प्रदान करता है। इसमें 4 पूर्ण कालिक चिकित्सा अधिकारी, अनुबंध के आधार पर 4 चिकित्सा सलाहकार, अनुबंध पर 1 चिकित्सा अधिकारी, 3 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी (अनुबंध), 12 अंशकालिक विशेषज्ञ हैं, जो कार्डियोलॉजी में दो घंटे के लिए विशेष सेवाएं को प्रदान करते हैं (प्रति सप्ताह तीन बार) न्यूरोलॉजी (प्रति सप्ताह एक बार), मनोरोग (प्रति सप्ताह एक बार), अस्थियां (प्रति सप्ताह पांच दिन), ईएनटी (प्रति सप्ताह पांच दिन), बाल (प्रति सप्ताह चार दिन), त्वचा (प्रति सप्ताह 4 दिन), नेत्र विज्ञान (प्रति सप्ताह तीन दिन), दंत (सप्ताह में छह दिन) और ऑप्टोमेट्री (सप्ताह में छह दिन) और ईसीजी सुविधाएं (सप्ताह में पाँच दिन)। केंद्र में एक पैथोलॉजी प्रयोगशाला, फिजियोथेरेपी यूनिट, एक्स–रे विभाग, नर्सिंग स्टेशन, ड्रेसिंग रूम और बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस है।

1 सितंबर, 2015 को केंद्र में 500 एमए सीमेंस मेक की सीमेंस एक्स–रे मशीन के एक अनुलग्नक के रूप में सूखे इमेजर के साथ गणना रेडियोग्राफी (सीआर) प्रणाली लगाई गई है और इसे डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र के रेडियोलॉजी विभाग में वर्तमान कंप्यूटर पर स्थापित किया गया था, इससे संसाधित एक्स–रे फिल्में उत्पन्न की जा सकती हैं, जो अधिक सटीक और विश्वसनीय हैं।

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (साउथ कैंपस) सोमवार से शुक्रवार तक अपने लाभार्थियों को सुबह 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक और शनिवार सुबह 09:00 बजे से शाम 03:00 बजे तक सेवा प्रदान करता है। यहां 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी, 2 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारियों (अनुबंध), अनुबंध पर 1 चिकित्सा सलाहकार, 3 अंशकालिक विशेषज्ञ, जो स्त्री रोग (एक सप्ताह में तीन बार), नेत्र विज्ञान (सप्ताह में दो बार किया) और दंत चिकित्सा (सप्ताह में तीन दिन) दो घंटे के लिए विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने आते हैं। केंद्र में एक पैथोलॉजी प्रयोगशाला, फिजियोथेरेपी यूनिट, नर्सिंग स्टेशन, ड्रेसिंग रूम, ईसीजी की सुविधा और बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस है।

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) और डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिम दिल्ली) सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 09:00 बजे से शाम 03:00 बजे तक अपने लाभार्थियों की जरुरतों को पूरा करते हैं। प्रत्येक में 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी है। प्रत्येक केन्द्र के लिए एक पैथोलॉजी प्रयोगशाला, फार्मेसी, मेडिकल स्टोर और ड्रेसिंग रूम है।

विभाग

कला संकाय

अरबी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अरबी विभाग ने 8, 9 और 10 मार्च, 2016 को "भारतीय ज्ञानःपंचतंत्र/कलिलाह वा दिमनाहय परंपरा, इतिहास और संस्कृति" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

अरबी विभाग ने 8 मार्च, 2016 को प्रो. के. ए. फारीक स्मृति व्याख्यान श्रृंखला– 9 के अंतर्गत "भारतीय भाषाओं पर अरबी का प्रभाव" विषय पर डॉ. एस मुनव्वर नैनार द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया।

अरबी विभाग ने 17 दिसम्बर, 2015 को विश्व अरबी दिवस की पूर्व संध्या पर "समाज में संस्कृति एवं बुद्धिजीवियों की भूमिका" विषय पर एक विशेष अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान श्री मोहम्मद सलमावे, मिस्र के अरब गणराज्य के एक प्रख्यात विद्वान द्वारा दिया गया था।

प्रकाशन
वली अख्तर, 2015, तयसिरस सर्फ (पुस्तक), एक, 235 पृष्ठ।

नइमूल हसन, 2015, भारत में तफसीर साहित्य का विकास, अल तकाफत उल अरब फी अल–हिंद, सऊदी अरब की राजधानी रियाद, 322–331.

नइमूल हसन, 2016, प्रो. मोहम्मद सुलेमान अशरफ एक शिक्षक और एक लेखक के रूप में, तकाफत उल हिंद (अरबी त्रैमासिक), संस्करण 66, 177–197 पृष्ठ।

नइमूल हसन, 2016, अल–नवाब सिद्दीकी हसन खानः अरबी भाषा और साहित्य के विकास में उनका योगदान, मजाल्लाह अल मजाहिर।

अनुसंधान परियोजनाएं
प्रो. एम एन खान "प्रोफेसर खुर्शीद अहमद फारीक, यूजीसी द्वारा जायजी का एक महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक संस्करण", रु. 10,76,600.

आयोजित संगोष्ठियाँ
8, 9, 10 मार्च, 2016 को अरबी विभाग में के विषय "भारतीय बुद्धिमत्ताः पंचतंत्र/कलिलाह वा दिमनाह, परंपरा, इतिहास और संस्कृति" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।

सम्मेलनों में प्रस्तुति
वली अख्तर, 2016, अरबी और अफ्रीकी अध्ययन के एक केंद्र, जेएनयू में 28–29 मार्च 2016 को "आधुनिक अरबी साहित्य में समकालीन प्रवृत्तियों" पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अल–हदाथा अल–अरबिया" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नइमूल हसन, 2016, 02–03 मार्च, 2016 को अरबी विभाग, एएमयू, अलीगढ़ द्वारा"भारत–अरबी साहित्य के विशेष संदर्भ में भाषाई विज्ञान में भारत का योगदान– एक अंतःविषय दृष्टिकोण" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "छात्रों और विद्वानों के व्यक्तित्व को आकार देने में शब्दकोशों की भूमिका" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मोहम्मद अकरम, 2016. 12–13 फरवरी, 2016 को सीसीआरयूएम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "हाकिम अजमल खान का बहु आयामी व्यक्तित्व और स्थायी योगदान" विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्या
पीएच.डी. – 7
एम.फिल – 2

संकाय की संख्या
स्थायी – 7
अतिथि संकाय – 2

बौद्ध अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने वर्ष 2015–16 के दौरान कई शैक्षणिक गतिविधियां आरंभ की हैं। इनमें चार वर्ष के स्नातक कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया और साप्ताहिक संगोष्ठिया/विशेष व्याख्यानों का आयोजन शामिल हैं। विभाग ने सफलतापूर्वक उत्तराखंड की शिक्षा सह क्षेत्र की यात्रा का आयोजन किया और हमारे विभाग से तीन अनुसंधान स्कॉलरों और एक एसोसिएट प्रोफेसर ने अयूथया, थाईलैंड में द्वितीय एमसीयू अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन में भाग लिया।

प्रकाशन

प्रो. के टी एस सराओ, (2015). "दलाई लामाः व्यक्ति और संस्था," वार्ता, आस्था भारती की एक पत्रिका, नई दिल्ली, संस्करण 16, सं. 3 जनवरी–मार्च 2015: 71–85.

प्रो. के टी एस सराओ, (2015) "ब्राह्मण–हिंदू और आधुनिक कम्बोडियन बौद्ध धर्म में एनिस्टिक आचरण," थिच न्हात तु में(संपा.):, मेकांग डेल्टा, हो ची मिन्ह सिटी में बौद्ध धर्मः वियतनाम राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी प्रेस, 516–528.

प्रो. के टी एस सराओ, (2015). "भारत में बौद्ध धर्म के पतन की पहेली पर कुछ विचार," इतिहास आज, इतिहास और ऐतिहासिक पुरातत्व के पत्रिका, नं. 16, 2015: 6–17.

प्रो. के टी एस सराओ, (2016). निम्नलिखित प्रविष्टियों को भारतीय धर्म का विश्वकोश (मुख्य संपादक अरविंद कुमार शर्मा), न्यूयॉर्क में प्रकाशित किया गया हैः स्प्रिंगर (आईएसबीएन 978–94–007–1988–0), 2016: अभिधम्म पिटकय अहिंसा (बौद्ध धर्म), अजातशत्रु (अजातशत्रु), अलचीय अंबा पाली (आम्रपाली), आनंद, अंथपिंडिका, बौद्ध धर्म में अनत (अनात्मन), अंगुलिमाल, अंगुत्तर निकाय, अनोतत्त, अपादान, अरियासका, अशेकवदना, अवलोकितेश्वर, अयोध्या (बौद्ध धर्म), बिम्बिसार, बोधि, बुद्धावांसा, बौद्ध परिषद, कागा (त्याग), काका (ककरा), कंडाला (बौद्ध धर्म), करियापिटक, जाति (बौद्ध धर्म), बुद्ध की तारीख(बौद्ध युग), भारतीय बौद्ध धर्म के पतन, देवदत्त, धम्मपद, धम्मसंगनी, दीघनिकाय, दिव्यावदान, बौद्ध धर्म में पारिस्थितिकी, अर्थशास्त्र (बौद्ध), भारतीय बौद्ध धर्म में इच्छामृत्यु, बौद्ध धर्म में लोकगीत, भारतीय बौद्ध धर्म के इतिहास, बौद्ध धर्म में मानव अधिकार, इतिवुत्तक, जातक, कैलाश, कपिलवत्तु (कपिलवस्तु), कासापा, कथावत्थु, खुद्दक निकाय, किसागौतमी, कुणाल, कुशानारा (कुशीनगर), लंकावतार सूत्र, ललिता विस्तार, लुम्बिनीय मगध, महायान, मज्झिम निकाय, मानसरोवर, बौद्ध धर्म में मेरु, मोग्गलन (मौद्गल्यायन), मुदिता, नागासेना, नालंदा, पजापतिगोतमी (प्रजापतिगौतमी), पसेनादि, पतिसमभिदमाग्गा, पाथ्थना, भारतीय बौद्ध धर्म में उत्पीड़न, पेतावत्थु, बौद्ध धर्म में तीर्थयात्रा, बौद्ध धर्म में बहुलवाद, पुग्गलापन्नात्ति पुष्यमित्र शुंग राहुल, राहुल सांकृत्यायन, भारतीय बौद्ध धर्म में राम, भारतीय बौद्ध धर्म में रामायण, संघ, बौद्ध धर्म में संसार, संयुक्त निकाय, सांसी (सांची), सारिपुत्त (सारिपुत्र), सावत्थी (श्रावस्ती), भारतीय बौद्ध धर्म में आत्महत्या, सुत्त–निपात, सुत्त पिटक, तारा, बौद्ध धर्म, थेरा– और थेरिगाथा, तिपित्तक, उडान, उपगुप्त, उपलिय वाराणसी (बारानासी), वसुबंधु, भारतीय बौद्ध धर्म में शाकाहार, वेशाली (वैशाली), विभंग विहार, विक्रमशिला, विमानानत्थ, भारतीय बौद्ध धर्म में महिलाएं, यमाक।

प्रो. के टी एस सराओ, (धम्मपदः एका व्युतपत्ति प्रकार हिंदी में अनुवाद), नई दिल्लीः विद्या निधि प्रकाशन, 2015 (आईएसबीएनः 978–93–80651–94–1).

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. हीरा पॉल गांगनेगी (समन्वयक) और डॉ इंद्र नारायण सिंह (उप–समन्वयक)। (दिसंबर 2014 – जुलाई 2016) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विशेष सहायता कार्यक्रम "बौद्ध अध्ययन–प्रथम चरण में उन्नत अध्ययन के केंद्र", रु.1,65,00,000/–.

गांगनेगी प्रो हीरा पॉल गांगनेगी (प्रधान अन्वेषक) और डॉ इंद्र नारायण सिंह (सह– प्रमुख अन्वेषक))। (01.05.2015–31.03.2020) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एनएमई–आईसीटी) बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम "ई–पीजी पाठशाला" के लिए कोर्सवेयर पर उत्पादन, रु.1,12,00,000/–.

सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रो. के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 12–13 अक्टूबर, 2015 को लॉजेन विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड द्वारा पूर्व आधुनिक दक्षिण एशिया में बौद्ध और मुस्लिम मुठभेड़ों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आठवीं शताब्दी में सिंध में बौद्ध और मुस्लिम मुठभेड़" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो के.टी.एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 13–14 नवंबर 2015 को वियतनाम बौद्ध शोध संस्थान और सामाजिक विज्ञान और मानविकी विश्वविद्यालय, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम, द्वारा संयुक्त रूप से मेकांग क्षेत्र में बौद्ध धर्मः इसका इतिहास और विकास पर आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और "ब्राह्मण–हिंदू धर्म और आधुनिक कम्बोडियन बौद्ध धर्म में एमिनिस्टिक आचरण" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. एच पी गांगनेगी, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18–21 मई, 2016 को काठमांडू, नेपाल में, 2560वीं बुद्ध जयंती के अंतर्राष्ट्रीय उत्सव और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लुम्बिनी नेपालः भगवान बुद्ध के जन्मस्थान और बौद्ध धर्म का प्रवाह एवं विश्व शांति पर "बौद्ध धर्मः इसकी शुरुआत और निरंतरता" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो एच. पी. गांगनेगी, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल में 24 दिसंबर, 2015 को "तिब्बत में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति और विकास में भारतीय बौद्ध गुरुओं का योगदान" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 13–14 नवंबर 2015 को वियतनाम बौद्ध शोध संस्थान और सामाजिक विज्ञान और मानविकी विश्वविद्यालय, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम, द्वारा संयुक्त रूप से मेकांग क्षेत्र में बौद्ध धर्मः इसका इतिहास और विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और "आधुनिक कम्बोडियन बौद्ध धर्म में ब्राह्मण–हिंदू धर्म और एन्स्टिक आचरण" शीर्षक एक शोधपत्र किया।

प्रो के. टी. एस. सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 28–29 नवंबर, 2015 को बौद्ध अध्ययन संस्थान, नॉर्थवेस्ट विश्वविद्यालय, शीआन, शानक्सी, चीन द्वारा ह्वेन त्सांग और रेशम मार्ग पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया और "ह्वेन त्सांग की दा तांग जियुजी और भारतीय बौद्ध धर्म के पतन के मानस" शीर्षक एक शोधपत्र पढ़ा।

प्रो. के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 12–14 जनवरी, 2016 को सन यात सेन विश्वविद्यालय और दाफो मठ, गुआंगजौ, चीन द्वारा समुद्री यात्रा और बौद्ध धर्म के प्रचार पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और "अरब सागर में समुद्री यात्रा और सिंध में बौद्ध धर्म" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. के. टी. एस. सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने को 25–28 मार्च 2016 मैत्रेय अध्ययन संस्थान, हांगकांग द्वारा आयोजित पहले मैत्रेय युवा सांस्कृतिक महोत्सव में "वासुबंधु की ट्रिमसिका और उसके अन्य कार्यों का एक महत्वपूर्ण परिचय" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 03–06 जनवरी 2016 को शिक्षा और अनुसंधान के एथेंस संस्थान, एथेंस, ग्रीस द्वारा एक वैश्विक दुनिया में मानविकी और कला पर आयोजित तीसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक हीरो की जीवनी के मॉड्यूल का निर्माणः कुछ बौद्ध महापुरूषों की एक परीक्षा", शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. के. टी.एस. सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 24–26 अक्टूबर 2015 के दौरान सांची बौद्ध विश्वविद्यालय और इंडिक स्टडीज तथा संस्कृति मंत्रालय, मध्य प्रदेश सरकार, इंदौर द्वारा धर्मों के सद्भाव पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय धर्म–धम्म सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और "पारिस्थितिकी संतुलन के रखरखाव पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो के.टी.एस.सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 16–18 अक्टूबर, 2015 को इतिहास विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित तीसरे दक्षिण एशियाई इतिहास सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और "भक्ति आंदोलन और भारतीय बौद्ध धर्म के पतन" शीर्षक एक शोधपत्र पढ़ा।

प्रो. के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 07–09 दिसंबर 2015 को बौद्ध कला और पुरातत्व सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा दक्षिण एशिया और चीन के बौद्ध मठों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मठ, शहरीकरण और भारत में बौद्ध धर्म का पतनः पुरातात्विक सामग्री की एक परीक्षा" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो के.टी.एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 10–11 मार्च 2016 को एशियाई अध्ययन के मौलाना आजाद अबुल कलाम संस्थान, कोलकाता द्वारा ट्रांस हिमालय बौद्ध धर्मः सांस्कृतिक अंतरिक्ष की खोज पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "गंग रिमिपोचे (कैलाश) की तीर्थयात्रा और उसके भारतीय संपर्क" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया और पैनल चर्चा में भाग लिया।

प्रो के.टी.एस.सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 24–26 फरवरी 2016 को एस. पी. पुणे विश्वविद्यालय के पाली विभाग द्वारा आयोजित बौद्ध कथा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और "माया का स्वप्नः कला और साहित्य में कथाओं की एक परीक्षा", शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. एच पी गांगनेगी, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 फरवरी, 2016 को "वर्तमान शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में दर्शन की प्राचीन भारतीय शाखाओं पर गंभीर विचार" पर आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित पांच दिन की कार्यशाला में "दर्शन की बौद्ध धारा" पर व्याख्यान दिया।

प्रो. एच पी गांगनेगी, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 4 मार्च, 2016 को आईजीएनसीए द्वारा आयोजित "बौद्ध धर्म और समकालीन समाज पर व्याख्यान श्रृंखला" में "शून्य और सापेक्षता" पर व्याख्यान दिया।

प्रो. एच पी गांगनेगी, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 26 फरवरी, 2016 को आईजीएनसीए द्वारा आयोजित "बौद्ध धर्म और समकालीन समाज पर व्याख्यान श्रृंखला" में "बौद्ध धर्म और इस्लाम" पर व्याख्यान दिया।

प्रो. के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 4–6 मार्च 2016 पंजाबी ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित पंजाब का इतिहास सम्मेलन के 48 वें सत्र में एक सत्र की अध्यक्षता की और "इतिहास के स्रोत के रूप में किंवदतियांः बुद्ध की जीवनी से संबंधित किंवदंतियों की एक परीक्षा" पर अनुभागीय अध्यक्ष का भाषण दिया।
प्रो. के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 4–6 मार्च 2016 पंजाबी ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित पंजाब का इतिहास सम्मेलन के 48 वें सत्र में एक सत्र की अध्यक्षता की और "इतिहास के स्रोत के रूप में किंवदतियांः बुद्ध की जीवनी से संबंधित किंवदंतियों की एक परीक्षा" पर अनुभागीय अध्यक्ष का भाषण दिया।

प्रो के टी एस सराओ, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 11–13 दिसंबर 2015 को जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं के जैनधर्म और तुलनात्मक धर्म और दर्शन विभाग द्वारा आयोजित बौद्ध अध्ययन की भारतीय सोसायटी के 15 वें वार्षिक सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और "गया धर्मक्षेत्र में हिस्सेदारी के लिए विभिन्न संघर्षों की एक परीक्षाः बुद्ध से नीतीश कुमार तक" शीर्षक एक शोधपत्र पढ़ा।

प्रदत्त पीएचडी/एम फिल उपाधियों की संख्या
पीएचडीः 03
एम.फिलः 11

संकाय की संख्या
स्थायीः 10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग की अपनी निजी वेबसाइट है buddhist.du.ac.in. इसमें विभाग के शोध छात्रों, विभाग द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रमों, पाठ्यक्रम, सेमिनार और अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी को नियमित रूप से वेबसाइट पर अद्यतित किया जाता है ।

अंग्रेजी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अंग्रेजी विभाग में यूजीसी– एसएपी तृतीय के अंतर्गत दो नए केंद्र शुरू किए हैंःदलित अध्ययन का केंद्र और सदमा, हिंसा और स्मृति में अध्ययन के लिए केंद्र। अकादमिक अनुवाद और संग्रह के मौजूदा केंद्र ने यात्रा साहित्य और गलियों के साहित्य पर कुछ नई परियोजनाएं शुरू की हैं। विभाग ने भारतीय भाषाओं– साहित्य, भाषा और इतिहास पर एक 3 दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया। छात्रों और शिक्षकों के लिए उत्तर–पूर्व के अध्ययन, अनुवाद और दलित साहित्य पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। अनिया लूम्बा, शमशूर रहमान फारूकी, टोरुल जतिन गजरवाला, प्रो. अमृत जीत सिंह, निगेल लेसक, सुसान चौपलिन और सीएम नईम जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों ने व्याख्यान दिए और विभाग में छात्रों से बातचीत की। लेखकों के निवास कार्यक्रम के अंतर्गत विभाग ने दो प्रतिष्ठित लेखकोः बहुभाषी नाटककार अभिषेक मजूमदार और कवि और कार्यकर्ता तेनजिन संड्यू को आमंत्रित किया। विभाग ने सीबीएसई के नियमों के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रम के पुनर्गठन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उत्कृष्ट सम्मान / विशिष्टता

प्रो. अनिल अनेजा सामाजिक ने विकलांगों के न्याय एवं सशक्तिकरण अपने प्रयासों और दृढ़ संकल्प के लिए भारत सरकार के न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से विकलांग व्यक्तियों के न्याय एवं सशक्तिकरण (2014) का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. रुपेन्द्र गुहा मजूमदार, एसोसिएट प्रोफेसर को सुफोक विश्वविद्यालय, बोस्टन के अंग्रेजी विभाग में, 2014–15 के लिए एक अतिथि प्रोफेसर और वरिष्ठ फेलो फुलब्राइट के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. अंजना शर्मा को नालंदा विश्वविद्यालय में विशेष ड्यूटी पर एक अधिकारी और बाद में संस्थापक डीन (अकादमिक योजना) (2011– 2015) नियुक्त किया गया था।

प्रकाशन
अनिल कुमार अनेजा, (2015). मानव अधिकार और स्वैच्छिक सेवा, नई दिल्लीः दोआबा।

सुबर्नो चटर्जी, (2015). सुमन गुप्ता, रिचर्ड एलन, और सुप्रिया चौधरी, भारतीय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी अध्ययन पर पुनर्विचार। लंदनः रूटलेज।

राज कुमार, (2015). दलित व्यक्तियों के आख्यानः जाति, राष्ट्र और पहचान को पढ़ना। दिल्लीः ओरिएंट ब्लैक स्वान।

शर्मिष्ठा पांजा (2015) "उत्तर–औपनिवेशिक संकरता, स्थान, प्रामाणिकता और यथार्थवाद के अप्रिय प्रश्न। अरविन्द अडिग का व्हाइट टाइगर", अशुद्ध भाषाएँः भाषाई और समकालीन संस्कृति में साहित्यिक संकरता संपादन। रमा कांत अग्निहोत्री, क्लाउडिया बेंथियन और तातियाना ओरान्सकिया। दिल्लीः ओरिएंट ब्लैक स्वान

शर्मिष्ठा पांजा (2016). अंतर–सांस्कृतिक रंगमंच और एशिया में शेक्सपियर प्रोडक्शंसः भारत। एशियाई रंगमंच की रूटलेज हैंडबुक संपा. सियुन लियू। लंदन और न्यूयॉर्कः रूटलेज

सुमन्यु सत्पथी, (2015) जैसे कि वह एक पुरुष थीः चित्रांगदा और समकालीन समलैंगिक टैगोर का विनियोजन।

डी. बनर्जी (संपा.) परंपराओं और संस्कृतियों के पार–संस्कृति दर्शन में 21वीं सदी सोफिया अध्ययन में रवींद्रनाथ टैगोर।)। दिबाकर बनर्जी। नई दिल्लीः स्प्रिंगर भारत।

सुमन्यु सत्पथी, हारिस कदीर. (2015). एलिस इन वंडरलैंड का उर्दू अनुवाद, आश्चर्यों की दुनिया में ऐलिस, न्यू कैसलः ओक नॉल प्रेस, उत्तरी अमेरिका के लुईस कैरोल सोसायटी के सहयोग से डेलावेयर।

देवदासन, क्रिस्टल रश्मि. (2015). व्यक्तिगत प्रतिबद्धता, सार्वजनिक प्रदर्शनरू अन्ना हजारे का प्रतिनिधित्व, पश्चिम से बाहर का सार्वजनिक क्षेत्र, (संपा.) दिव्या द्विवेदी और सानिल वी, लंदनः ब्लूम्सबरी। 176–192.

राज कुमार, (2016) इतिहास का निर्माण। दलित अस्मिता का अध्ययनः इतिहास, साहित्य और धर्म, स्वराज बसु द्वारा संपादित, नई दिल्लीः ओरिएंट ब्लैक स्वान 242–60.

राज कुमार, (2016). जाति और उड़िया साहित्य के संदर्भ में साहित्यिक कल्पनाः अखिला नायक के भेदा का एक अध्ययन। भारत में दलित साहित्य, के जोशिल अब्राहम और जूडिथ मिसराही– द्वारा संपादित, बराक, नई दिल्लीःरूटलेज। 143–60।

राज कुमार, (2016)..104–20. अलगाव, चेतना और दावारू उड़िया दलित कथा की एक व्याख्या। विरोधी सांस्कृतिक प्रवचन और भारत में दलित साहित्य। (संपा.)। एम दासन और राजेश करनकल, नई दिल्लीः एबीडी प्रकाशक। 104–20.

अनिल अनेजा, (2015). "वैवाहिक कोलाहल, एकतरफा प्यार और पहचान का संकटः अनीता देसाई के उपन्यास चयन का एक प्रवासी अध्ययन", विदेशों में बसे भारतीयों पर महत्वपूर्ण निबंध में।

अनिल अनेजा, (2015). "जड़ें कहीं नहीं: कमला मार्कण्डेय के पहचान के अन्वेषणों में" कहीं का न होने वाला आदमी" भारतीय मूल के लोगों पर महत्वपूर्ण निबंध में।

अनिल अनेजा, (2015). "बामा की करुक्कू पहचान की झूठी कथा", भारतीय दलित आत्मकथाओं मेंः हाशिए की आवाजें।

अनिल कुमार अनेजा, (2015). "परिचय" इलांको अतिकल, शिलप्पादिकारम में। नई दिल्लीः दोआबा प्रकाशन कंपनी। 1–28.

सुबर्नो चटर्जी (2015). पश्चिम से बाहर के सार्वजनिक क्षेत्र में "अंग्रेजी अध्ययन का संकट और भारत में सार्वजनिक क्षेत्र।", संपादित, सानिल वी और दिव्या द्विवेदी (लंदनः ब्लूम्सबरी 95–110.

प्रिया कुमार. "भूखे ज्वार का पर्यावरणवाद," वैश्विक दक्षिण का पर्यावरणवाद, स्कॉट स्लोविक, आर. स्वर्णलता और विद्या सर्वेश्वरन द्वारा संपादित, (लेक्सिंगटन पुस्तकें, रोमैन और लिटलफील्ड, 2015).

प्रशांत चक्रवर्ती, (2015). "दया की वापसी" भावना, राजनीति, सेंसरशिप, चोट की स्थति में। संपा. रीना रामदेव, देवादित्य भट्टाचार्य, संध्या देवेसन नांबियार। सेज भारत।

कादिर हैरिस और सुमन्यु सत्पथी,(2015). ऐलिस इन वंडरलैंड का उर्दू अनुवाद। आश्चर्यों की दुनिया में एलिस। ओक नॉल प्रेस, न्यू कैसल, उत्तरी अमेरिका की लुईस कैरोल सोसायटी के सहयोग से डेलावेयर।

कादिर हैरिस. (2015) "स्वॉयल", तरन्नुम रियाज की उर्दू लघु कथा मिट्टी का अनुवाद, गुंबदों पर कबूतर, नियोगी बुक्स, भारत

अनिल कुमार अनेजा। "एक जवान आदमी के रूप में कलाकार के एक चित्र में पहचान की तलाश।" अंग्रेजी भाषा, साहित्य और मानविकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 2015.

अनिल कुमार अनेजा, झुंपा लाहिड़ी के नेमसेक में संस्कृति संक्रमण से अलगाव की भावना"। अंग्रेजी भाषा, साहित्य और मानविकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 2015.

अनिल कुमार अनेजा, "लेडी चौटर्ले के प्रेमी की विशिष्टता।" अंग्रेजी भाषा और साहित्यकी अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

अनिल कुमार अनेजा, "एक जवान आदमी के रूप में कलाकार के एक चित्र में आकृति की स्थापना"। शिक्षा प्लसरू शिक्षा और मानविकी की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2015.

अनिल कुमार अनेजा, "कंपनियां और समुदायः संभावनाएं और चुनौतियां" शिक्षा, प्रशासन और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2015

सुबर्नो चटर्जी, अमेरिकी महिला वेटर्नेस की कविता। एलेयाःइस्तुदोस नियोलेसन्स, 16(2), (2014). 300–16.

अंजना शर्मा, "नालंदाः इक्कीसवीं सदी का एक विश्वविद्यालय।" सेन्सु विश्वविद्यालय के मानविकी संस्थान का बुलेटिन, मई (2015). 11–16.

रुपेन गुहा मजूमदार, "एला के भूत को तैयार करनाः यूजीन ओ नील के डिजायर अंडर द एल्म, और ए मून फॉर द मिसबिगॉटेन के बाद में ईन्सेस्त में प्यार को उच्च बनाने की क्रिया।" यूजीन ओ "नील की समीक्षा, संस्करण.37, नं.1 (2016). 41–56.

ईरा राजा, (2015). गंदगी की सांस्कृतिक राजनीतिः भारत में वर्ग, लिंग और सार्वजनिक स्थान", उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन 18.2: 145–160.

श्वेता एंटोनी, "माइकल ओन्दात्जे के अनिल का भूत में स्मृति, इतिहास और हिंसा की एक उलझन के रूप में पहचान", साहित्यिक तलाशः एक अंतरराष्ट्रीय, सहकर्मी समीक्षा की, मुक्त उपयोग, मासिक, अंग्रेजी भाषा और साहित्य की ऑनलाइन पत्रिका, 1. 11 (2015) 84–92.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अंजना शर्मा, अंग्रेजी प्रिंट मीडिया में वर्ष 1947 में पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया के साथ दो खंड पुस्तक परियोजना और 1947–48 के महत्वपूर्ण वर्ष में अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्रों में एम के गांधी की दिन ब दिन परीक्षा। ये गांधीः नोआखली से नई दिल्ली, 1947–48 के लिए गोपा सभरवाल के साथ सह–लेखन में किए गए काम हैं।

डॉ. विनोद कुमार सिंह, अनुसंधान और विकास परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2015, परियोजना का शीर्षकः समकालीन आदिवासी लेखन की मुख्य विशेषताओं की एक खोज।

डॉ. विनोद कुमार सिंह, अनुवाद और संग्रह के केंद्र, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2015, परियोजना का शीर्षकः "हिंदी साहित्य के दुर्लभ और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की अधिप्राप्ति"।

आयोजित सम्मेलन

भारतीय देशी भाषाएः भाषा, साहित्य और इतिहास (सितंबर 7–9, 2015).

सम्मेलन में प्रस्तुति

शर्मिष्ठा पांजा,"इतिहास की चित्रकारी, जुनून, बॉयडेल और बंगाल" हटिंगटन लाइब्रेरी, संयुक्त राज्य अमेरिका, नवंबर, 2015

शर्मिष्ठा पांजा,"पुनर्जागरणः एक परिचय" www.vle.du.ac.in

2015 शर्मिष्ठा पांजा,"बॉयडेल परियोजना और बंगाल" ग्लासगो विश्वविद्यालय, लिटअप परियोजना मई 2015 .

जुलाई 11, 2015 शर्मिष्ठा पांजा,"संश्लेषण वार्ता "भूत और पोल्टरगेइटिस (शेक्सपियर, मार्क्स, डेरिडा)" 11 जुलाई, 2015.

देवदासन, आर क्रिस्टेल, आम जन, असामान्य मनरू भारत में कार्टूनों के स्थिति पर एक चर्चा, आईएचसी समन्वय, नई दिल्ली, दिसंबर 2015

देवदासन, आर क्रिस्टेल, "गांव, जंगल, और किपलिंग के राजनीतिक जानवर, ग्लासगो विश्वविद्यालय, दिसंबर, 2015

देवदासन, आर क्रिस्टेल, "सचित्र व्यंग्यः सार्वजनिक स्थान और निजी लोग," अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, सितंबर 2015

देवदासन, आर क्रिस्टेल, "दृश्य मोड़" के बाद दृश्य राजनीति" ग्लासगो विश्वविद्यालय, मई 2015.

देवदासन, आर क्रिस्टेल, संचालित पैनल चर्चा, में "आर के लक्ष्मण को एक श्रद्धांजलि" दिल्ली साहित्य महोत्सव अप्रैल 2015 ।

देवदासन, आर क्रिस्टेल, ग्लासगो विश्वविद्यालय के लिए ऑडियो–विजुअल व्याख्यान, "और फिर गांधी आए" रिकार्ड किया गया आईएलएलएल, दिल्ली विश्वविद्यालय, नवंबर 2014.

राज कुमार, "जाति के माध्यम से यात्रा" भारत में तीर्थः बहुलता और पवित्रता का जश्न मनाना, 04 मार्च 2016, इंडियाना विश्वविद्यालय, गुड़गांव ।

राज कुमार, "कालाहांडी में विकास प्रवचन", विकास की राजनीति, 13 फरवरी 2016, बी आर अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ।

राज कुमार, "जी कल्याण राव का अछूत झरनाः एक दलित महाकाव्य", एक विशेष व्याख्यान, 16 जनवरी 2016, बी आर अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

राज कुमार, "प्रगतिशील और दलित आत्मीयता", भारतीय अंग्रेजी साहित्य में प्रगतिशील कार्यः प्रवासी और उनके परे, 05 दिसंबर, 2015 केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा।

राज कुमार, "बाबा साहेब बी आर अम्बेडकरः उनका जीवन और दर्शन", एक विशेष व्याख्यान, 26 नवंबर, 2015, दलित अध्ययन का केंद्र, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। [निमंत्रण द्वारा]

राज कुमार, "दलित साहित्य का भविष्य", साहित्यिक लेखन का भविष्य, 25 नवंबर 2015, अंग्रेजी साहित्य विभाग, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद ।

राज कुमार, "समकालीन भारतीय कथा साहित्य में दबी आवाजें", एक विशेष व्याख्यान, 17 सितंबर, 2015 को ओडिशा साहित्य अकादमी, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, दिल्ली।

राज कुमार, "असंभव विषयः भारतीय स्थानीय भाषा में दलित", भारतीय भाषाः भाषा, साहित्य और इतिहास, 08 सितम्बर 2015, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

राज कुमार, "दलित जीवन–लेखनः भाषाओं और संस्कृतियों के पार", एक विशेष व्याख्यान, 19 अगस्त, 2015 दलित अध्ययन का केंद्र, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

राज कुमार, "उड़िया साहित्य के माध्यम से दलित अत्याचार पढ़ना", एक विशेष व्याख्यान, 12 अगस्त, 2015, दलित अध्ययन का केंद्र, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

राज कुमार, "दलित साहित्य का परिचय" एक विशेष व्याख्यान, 10 अगस्त 2015, अंग्रेजी विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान।

अनिल अनेजा, "पूर्वी भारत में विकास से संबंधित मुद्दे" मानव अधिकार और वकालत, पटना, 2015.

अनिल अनेजा, मानव अधिकार और वकालत में "सफलता के प्रति उदासीनता", अप्रैल 2015.

अनिल अनेजा, मानव अधिकार और वकालत में, "कार्य और कथनः कथा साहित्य में सक्रियता प्रतिपादन", पटना, अप्रैल 2015.

रिमली भट्टाचार्य. "हिंसा की नब्जः प्रकृति, प्रौद्योगिकी और आत्मवाद पर एक दूर दृष्टि" भभारत में बचपनः परंपराएं, रुझान और परिवर्तन पर 3 दिवसीय संगोष्ठी, 19–21 नवंबर 2015, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बंगलौर। [निमंत्रण द्वारा]

रिमली भट्टाचार्य, "मानव, मशीन और हिंसा का प्रक्षेप पथः युवाओं के लिए छवि और ग्रंथों में डब्ल्यूडब्ल्यूआई, भारत और डब्ल्यूडब्ल्यूआईः पीढ़ियों के पार सम्मेलन, 6–7 नवंबर 2015, शिव नाडर विश्वविद्यालय और भारत का संयुक्त सेवा संस्था, दिल्ली [निमंत्रण द्वारा]

रिमली भट्टाचार्य, "विषयः कमल और आगः उन्नीसवीं सदी के शाही मंच पर "सुंदर भ्रम"", संकाय संगोष्ठी, 8 अप्रैल 2015, सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र, कलकत्ता में।

सुबर्नो चटर्जी, "अमेरिका और भारत में अंग्रेजी अध्ययन।" 17 नवंबर, 2015. यूनिवर्सिडेड इस्ताडुअल डी कैम्पिनास, ब्राजील में सार्वजनिक व्याख्यान।

सुबर्नो चटर्जी, "बीसवीं और इक्कीसवीं सदी में युद्ध का प्रतिनिधित्व।" 16 नवंबर, 2015. व्याख्यान फकुलडेड डी लेत्रास यूनिवर्सिडेड फेडरल में रियो डी जनेरियो, ब्राजील में मुख्य वक्ता के रूप में।

सुबर्नो चटर्जी, "भारत में अंग्रेजी अध्ययन का संकट।" 11 नवंबर, 2015. यूनिवर्सिडेड डी साओ पाउलो, ब्राजील में सार्वजनिक व्याख्यान।

तपन बसु,. दलित साहित्य अध्ययन पर दो वार्ताएं "भाषा, साहित्य और संस्कृति" में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम विभाग और सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मार्च, 2016 में आयोजित।

तपन बसु, "मार्च, 2016 में अंग्रेजी विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता, द्वारा आयोजित भारतीय जाति व्यवस्था की आलोचना के रूप में दलित साहित्य पर युवा शोधकर्ताओं के सम्मेलन में "दलित साहित्य का प्रकाशन और विपणन"

तपन बसु, "मार्च, 2016 में अंग्रेजी विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता, द्वारा आयोजित भारतीय जाति व्यवस्था की आलोचना के रूप में दलित साहित्य पर युवा शोधकर्ताओं के सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में "दलित (साहित्य) अध्ययनः एक अकादमिक अनुशासन का उभार"।

तपन बसु, "दलित आख्यानः यथार्थवादी या यथार्थवाद विरोधी?" यथार्थवाद और आधुनिकतावाद/पोस्ट–आधुनिकतावाद विरोधी – साहित्य में आख्यान, अप्रैल, 2015 में अंग्रेजी विभाग, श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली, द्वारा आयोजित पर एक संगोष्ठी में।

तपन बसु. अप्रैल, 2015 में सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली द्वारा आयोजित पुरुषत्व पर पूछताछ पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पहचान और अंतर/संयुक्त राज्य अमरीका के ब्लैक पैंथर्स और दलित पैंथर्स ऑफ इंडिया के अनुरूप पुरुषत्व सत्संग", प्रस्तुत किया।

प्रिया कुमार, "29 जनवरी 2016 को दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "अस्पष्ट नागरिकताः विभाजन की पूर्वी सीमा से गुप्त प्रवासी" ।

नंदिनी चंद्रा, नवंबर, 2015 में हवाई विश्वविद्यालय मानोआ में आयोजित महिला अध्ययन वार्तालाप में "नेहरूवादी नियोजित विकास के साये में बेमानी पुरुष और मशीन जैसी महिलाएं"।

बादिक भट्टाचार्य. 12 मार्च 2016, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के विजय सम्मेलन के निकायों में "होमो अपराधी:आपराधिक नृविज्ञान और इंपीरियल संस्कृति"।

बादिक भट्टाचार्य. 10 मार्च 2016 रामलाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "यूरोपीय यथार्थवाद,"।

बादिक भट्टाचार्य, 4 मार्च 2016 को आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय "पाठ और प्रदर्शन में लकीर के घिसे–पिटे आख्यान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "किपलिंग और उनकी आर्चीटाइप्स" ।

बादिक भट्टाचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में समानता का माप : ''अपराध, साम्राज्य, न्यायिक पहचान के लिए फोटोग्राफिक चित्रांकन" के सर्कुलेशन" पर एक संगोष्ठी में "समानता से परेः चित्रांकन, इसकी कई अभिव्यक्तियां और संभावनाएं," 2015.

योगेश कुमार दुबे, 26–27 मार्च 2016 को अंग्रेजी विभाग, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के तत्वावधान में "शेक्सपियर और पुनर्जागरण पर पुनर्विचार और पुनर्निर्धारण" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "शेक्सपियर का एक नारीवादी निर्धारण" किया।

कदीर हैरिस, 15–17 अक्टूबर, 2015 को अंग्रेजी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित अधुनिकोत्तर धर्मनिरपेक्ष दुनिया में साहित्यिक ग्रंथों की समीक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कैंटरबरी टेल्स पर पुनर्निरिक्षणः "रूपांतर और विनियोजन"

कदीर हैरिस, 22–23 सितम्बर, 2015 को महिलाओं के अध्ययन के सरोजिनी नायडू केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा मुस्लिम महिलाओं पर मानचित्रण अनुसंधानः पुनर्विचार और संगठित संभावनाओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सड़क पर विद्रोहः भारतीय मुस्लिम महिलाओं द्वारा समकालीन यात्रा लेखन"।

कदीर हैरिस, 7–9 सितंबर, 2015 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा भारतीय भाषाओंः भाषा, साहित्य और इतिहास पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "तालीम, तहजीब और तरबियतः उर्दू में बाल साहित्य का पाठ"।

श्वेता एंटोनी, 4 दिसंबर 2015 को अंग्रेजी विभाग, गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोडिनजामपारा, पलक्कड़, केरल में "पार राष्ट्रवाद का अनुरेखणःसमछेदी, लेनदेन, और पार–म्यूटेशन", अंतर–राष्ट्रवादः ग्रंथ, प्रवचन और सामाजिक–सांस्कृतिक–देन, ।

श्वेता एंटोनी, 7 – 9 सितंबर 2015 को लीसेस्टर विश्वविद्यालय, लीसेस्टर, ब्रिटेन में उत्तर–औपनिवेशिक अध्ययन एसोसिएशन 2015 प्रवासियों के सम्मेलन में "निर्वासन की चिंताः डेविड मालोफ के एक काल्पनिक जीवन में एक मिथक और आकृति के रूप में यात्रा"।

श्वेता एंटोनी, 15 – 17 सितंबर 2015 को मैन्सफील्ड कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, ब्रिटेन में खाद्य आचरण के निर्माण और परिभाषित करने पर सम्मेलन द फुड प्रोजेक्टः चौथी वैश्विक बैठक में नमक और "मिर्च/उस्ताद होटलः केरल का स्वाद और तेजी से बढ़ते मलयालम फिल्म उद्योग में पाक कामोत्तेजक वस्तुएँ"।

विनोद कुमार सिंह। 26–27 मार्च 2016 को अंग्रेजी विभाग, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन के तत्वावधान में आयोजित शेक्सपियर और पुनर्जागरण पर पुनर्विचार और पुनर्निधारण पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "शेक्सपियर के विश्ववाद को तौलना"।

विनोद कुमार सिंह। 06–07 फरवरी 2016 को भारतीय भाषाओं के केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और नई दिल्ली आईसीएसएसआर के तत्वावधान में आयोजित "आदिवासी भाषा, साहित्य और समाज" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय आर्थिक सुधारों के अधपन्ने का एक सर्वेक्षण"।

अंजू गुरावा, 6–7 फरवरी, 2016 को जेएनयू, भारतीय भाषाओं के केंद्र में "आत्मकथात्मक लेखन की भूमिकाःमारिया कैंपबेल के हॉफब्रीड का एक तुलनात्मक अध्ययन और भारत में आदिवासी लेखन"।

अंजू गुरावा, 13 से14 जनवरी 2016 को एसईएसओएमयू महिला कॉलेज, श्री डूंगरगढ़ द्वारा महिलाओं के अधिकारः चुनौतियां और समाधान पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "दिल्ली और राजस्थान में स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए चुनौतियां और अवसर" पर पत्र प्रस्तुत किया।

अंजू गुरावा, "18 वीं सदी में भारत की महिलाएंरू जीवन और योगदान, जेएनयू, नई दिल्ली, 10 जून, 2016.

अंजू गुरावा, "सावित्रीबाई फुलेः भारत में पुनर्जागरण और सुधार", दिल्ली विश्वविद्यालय का शैक्षणिक मंच (डीयूएएफ), 5 जनवरी 2016.

अंतर संस्थागत सहयोग
गंभीर अध्ययन विभाग (ग्लासगो विश्वविद्यालय) और अंग्रेजी विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय) के बीच 2013–वर्तमान तक सहयोगात्मक शिक्षण और एलआईटीयूपी अनुदान (ब्रिटिश काउंसिल से) के अंतर्गत अनुसंधान परियोजना के लिए अनुबंध है। अप्रैल 2015–जनवरी 2016 तक प्रत्येक विभाग से दो संकायो सदस्यों – ग्लासगो से प्रोफेसर निगेल लेसक, डॉ. क्रिस्टीन फर्ग्यूसन, और दिल्ली से प्रोफेसर शर्मिष्ठा पांजा, प्रोफेसर क्रिस्टेल देवदासन ने 1–2 सप्ताह के लिए दौरा किया। ग्लासगो से 3 शोध छात्रों और दिल्ली से 5 शोध छात्रों ने दिसंबर 2015 में स्काइप पर एक संगोष्ठी में भाग लिया। इन पांच छात्रों ने 2016 में लिए शैक्षणिक बातचीत के लिए एक सप्ताह की ग्लासगो की यात्रा की।

प्रदत्त पीएच.डी. /एम. फिल. की संख्या
पीएच.डी. : 08
एम.फिलः 43

संकाय की संख्याः 26

जर्मन और रोमांस अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
विभाग ने इस अवधि के दौरान दो प्रमुख सेमिनारों का आयोजन कियाः
"सीमाएं": प्रतीकात्मक और शारीरिक, जर्मन और रोमांस अध्ययन के विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 3–5 मार्च 2016.
अंतःविषय अनुसंधान विद्वानों का पहला सम्मेलन "तथ्य और कल्पना में सीमाएं और सीमा के स्थानों की तलाश", 11 – 15 जनवरी 2016.

प्रकाशन
मिन्नी साहनी 2015. आलेख, "अल नार्को मुंडो एन लास नोवेलस ट्रांसनेसिनल्स डी एल्मर मेंडोजा वाई डॉन विंस्लो" में पेरिफेरियस डे ला नार्कोक्रासिया, एंसायोस सोबरे नरेटिव्स कंटेम्पोरेनियस. ईडी. सीसिलिया लोपेज बदानो, ब्यूनस आयसर्स कॉरेगिडर आईएसबीएन 978–950–05–3075–0.

वर्ष 2015 मुखर्जी में «इस नार्को कारिडो/नार्को नोवेल में लिंग की प्रासंगिकता», भादुड़ी एवं अन्य, लिंग का अंतरसांस्कृतिक बातचीतः अभीप्सा में (बीई) अध्ययन। नई दिल्लीःस्प्रिंगर आईएसबीएन 978–81–322–2436–5.

पेपलेस डे ला भारत में "ओक्टेवियो पाज, क्लॉड लेवी स्ट्रास वाई ला इंडिया", संस्करण.44, न्युमरो 1, पृ.64–76. आईएएसएन0971–1449.

2015. "ओक्टेवियो पाज एन इंडिया" ओक्टेवियो पाज यूनिवर्सल प्यूब्ला मेंः एल कोलेजियो डे प्यूब्ला।

कुसुम अग्रवाल 2015, एथ्नोग्राफीइ कोलोनिले कॉमे स्ट्रेटेजी डी"एक्रिचर डे सोई : ले कास डे डोगुइसिमी डे पॉल हाजोमे , फ्रैंकोफोन अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में,संस्करण 18 सं. : 2–3, 2015.

रमेश कुमार, 2016, हिंदी में शोध लेख, पत्रकारिता का सांप्रदायिक सिध्दान्त, "सूर्यप्रभा" मार्च –16, पृ..–7–12, आईएसएसएनः 2348–4179.
2015. साल्वातोरे क्वासिमोदो की कविता का इतालवी से हिंदी में अनुवाद, एरोनो मोर्तो ("मृतबगुला"=मृत बगुला) "सूर्यप्रभा" नवंबर –15, पृ.–25, आईएसएसएनः 2348–4179.

2015. गियाकोमो लियोपार्दी की कविता ए सिल्विया का इतालवी से अनुवाद, ("सिल्विया" = Silvia)," सूर्यप्रभा" "अक्टूबर –15, पृ..23–24, आईएसएसएनः 2348–4179.

आयोजित सम्मेलन
"सीमाएं": प्रतीकात्मक और भौतिक, जर्मन विभाग और रोमांस अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय, 3–5 मार्च 2016

"पेरिस, एक वैश्विक सांस्कृतिक राजधानी का निर्माण", लिबरल आर्ट्स का सिमब्बायसेस केंद्र (एससीएलए) फ्रांसिसी साहित्य, कला और संस्कृति को समझने के लिए मुंबई में फ्रांस के महावाणिज्य दूतावास, पुणे, के सहयोग से सिमब्बायस– पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 14–15 दिसम्बर 2015।

अंतर संस्थागत सहयोग
फ्रेंच
1. मोंटपेलियर विश्वविद्यालय –III
2. फ्रेंच भाषी विश्वविद्यालयों की एजेंसी (एयूएफ)

जर्मन
1. विएप्ट्रल विश्वविद्यालय, जर्मनी
2. फ्रेइ विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी
3. पॉट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी
4. बीएलेफेल्ड विश्वविद्यालय, जर्मनी

स्पेनिश
1. सैंटियागो डे कम्पोस्टेला विश्वविद्यालय,स्पेन
2. नवारा विश्वविद्यालय, पैम्प्लोना, स्पेन

इतालवी
1. ट्यूरिन विश्वविद्यालय, ट्यूरिन, इटली

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्या
पीएचडी .: 02 (स्पेनिश), 03 (फ्रेंच), एम.फिल.: 02 (फ्रेंच), 01 (स्पेनिश)

संकाय स्थायी /अस्थायी/ तदर्थ की संख्याः स्थायी 14, तदर्थः 10, अतिथिः 07

हिंदी

प्रमुख की गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग देश के अग्रणी विभागों में से एक है। यह अकादमिक उत्कृष्टता के उच्च मानकों का निर्माण, नवीकरण, रखरखाव करता है और उन्हें बढ़ावा देता है। विभाग ने एक बहुत ही गतिशील पाठ्यक्रम विकसित किया है, जो बदलते समय की जरूरतों, ज्ञान और जरूरतों के मामले में तेजी से विकास को प्रतिबिंबित और उन्नत करता है।

विभाग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित, एक प्रमुख अनुसंधान कार्यक्रम, डीआरएस–एसएपी, के अंतर्गत दो राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों का आयोजन किया गया । "हिन्दी साहित्य के इतिहास का पुनर्लेखन" अब भी चल रहा है।

विभाग समय समय पर "लेखक से मिलिए" वार्ता का आयोजन करता है।

सम्मान/विशिष्टता
प्रो. शिवराज सिंह ने 26 नवंबर 2015 को संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली सरकार द्वारा "प्रशंसा का राज्य स्तरीय पुरस्कार" प्राप्त किया।

प्रो. कुसुम लता मलिक ने 4 दिसंबर, 2015 को शैक्षणिक उपलब्धियों और सामाजिक कार्य के लिए "राष्ट्रपति पुरस्कार श्रेणी (रोल मॉडल)" प्राप्त किया।

डॉ विनोद तिवारी ने कथा– आलोचना के क्षेत्र में योगदान के लिए "वानमाली कथा– आलोचना सम्मान, 2016" प्राप्त किया।

अनुसंधान परियोजनाएं
डॉ राम नारायण पटेलय अनुसंधान एवं विकास, दिल्ली विश्वविद्यालय, "हिंदी हाइकू: समवेदना और शिल्प" दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–07, रु.1 लाख.

डॉ मंजू मुकुल कांबले, प्रमुख अनुसंधान परियोजनाय विषयः "हिंदी जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की प्रक्रिया का भाषिक विश्लेषण" विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित, रु.12.4 लाख.

प्रकाशन
आशुतोष कुमार, (2015), "रुक्मिणी ओर इक्कीसवीं सदी का लोकतंत्र, कल के लिए

मंजू मुकुल कांबले, (2015), "संप्रेषण की चुनौतियां और हिंदी समाज" शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली

संजय कुमार, (2015), "रुमानी संसार से मुक्ति का आत्मसंघर्ष" उम्मीद

अल्पना मिश्रा, (2015)य "इन डियानो", नया ज्ञानोदय

कुसुम लता मलिक, (2015), नया रंग बोध, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

राम नारायण पटेल, (2015), "छायावाद के प्रथम व्याख्याकारः मुकुटधर पांडे", परिषद–पत्रिका

अनिल कुमार राय, (2015), "चीन में एक समर्पित हिंदी सेवी", सबलोग

शिवराज सिंह (2015), ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की पुस्तक में एक अध्याय (अमिट यादों की एक वर्णमाला), "लपटों को सुनो"

सुधा सिंह, (2015), "बुनियादी हिंदी स्वानिकि और व्याकरण", अनामिका प्रकाशन, दिल्ली

विनोद तिवारी, (2015), "कथालोचनः दृश्य–परिदृश्य" वसुधा (राष्ट्रीय पत्रिका, आईएसएसएनः 2231–0460)

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्याः
पीएच.डी. : 34
एम.फिल : 25

संकाय की संख्याः
स्थायीः 22

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग डॉ. नागेन्द्र शताब्दी कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, अप्रैल, 2015 में प्रो. दिनेश सिंह, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा इसका उद्घाटन किया गया है।

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने दो भागों में शैक्षिक पर्यटन कार्यक्रम का आयोजन किया, इनमें एक स्थानीय शैक्षिक यात्रा है और दूसरा दिल्ली के बाहर का शैक्षिक पर्यटन कार्यक्रम है, जिससे छात्रों को अलग–अलग पुस्तकालयों में आयोजित एलआईएस गतिविधियों को जानने और विभिन्न पुस्तकालयों और सूचना केन्द्रों की याझा की रिपोर्ट तैयार करने में मदद मिलती है।

अनुसंधान परियोजनाएं

"प्रौद्योगिकी के भारतीय संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं और उत्पादों के विपणन में सोशल मीडिया का प्रयोगः एक अध्ययन" पर परियोजना चल रही है, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रकाशन

नौशाद अहमद और एम मधुसूदन, भारतीय प्रबंधन संस्थानों के पुस्तकालयों की वेबसाइट। नई दिल्लीः संघर्ष, 2015, पृ.130. (आईएसबीएनः 978938298423).

गरिमा सनामन और शैलेंद्र कुमार, (2015). भारत की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के पुस्तकालयों में उपलब्ध सहायक तकनीकों के प्रति उपयोगकर्ताओं का नजरिया। पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी की डीईएसआईडीओसी पत्रिका। 35(2),90–99, 2015.

राजकुमार भारद्वाज और एम मधुसूदन। "ऑनलाइन कानूनी जानकारी प्रणाली (ओएलआईएस) भारतीय पर्यावरण में कानूनी जानकारी संसाधन के उपयोग की सुविधा।" पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी की डीईएसआईडीओसी पत्रिका 36.1(2016):47–55 (आईएसएसएनः0976–4658, सहकर्मी समीक्षा).

नौशीबा, अशरफ आशमी और एम मधुसूदन "शैक्षणिक सामाजिक नेटवर्किंग साइटेंरू वे क्या प्रस्तुत करती हैं?" ज्ञान और संचार प्रबंधन की पत्रिका 5. 1(2015): 1–11 (आईएसएसएन : 2277–7946, सहकर्मी समीक्षा).

के.पी. सिंह, मुवीन कुमत और वनिता कंचनदानी, (2015). 1995–2008 के दौरान सामाजिक विज्ञान में दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तुत पीएच. डी. शोध पत्रों का उद्धरण विश्लेषण। ज्ञान सामग्री विकास और प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेकेसीडीटी), 3(2) 2015, 25–43. आईएसएसएनः 2287–187एक्स.

मनीष कुमार और के पी सिंह, (2015) सामाजिक मीडिया के माध्यम से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के उत्पादों और सेवाओं विपणनः समय की मांग, लाइब्रेरी हेराल्ड, 53(4)2015रू432–440. आईएसएसएन.0024–2292.

के पी सिंह और वनिता कंचनदानी । (2015) विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मुक्त उपयोग विद्वानों के प्रकाशन के लिए भारतीय अंशदानः मुक्त उपयोग पत्रिकाओं की निर्देशिका का गंभीर अध्ययन (डीओएजे)। लाइब्रेरी हेराल्ड। 53(3)2015, 268–283. आईएसएसएन.0024–2292.

मीरा एवं मनलुनचिंग. (2015). भारत में जैव सूचना संसाधन और जैव सूचना विज्ञान केन्द्र में सेवाएं। ज्ञान प्रबंधन भारतीय पत्रिका। 2(1): 1–17

भारती यादव और मीरा, (2015). भारतीय प्रशस्ति पत्र सूचकांक (आईसीआई) के माध्यम से जानकारी प्रबंधन की एसआरईएलएस पत्रिका का एक बिबिलोमेट्रिक अध्ययन, 2004–2012 के दौरान। सूचना पुस्तकालय और समाज की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 4(2): 11–19.

मीरा और सैयद अली अनस, (2015). सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अमेरिकन सोसायटी (जेएएसआईएसटी) की पत्रिकाःएक प्रशस्ति पत्र विश्लेषण। पुस्तकालयाध्यक्ष के क्षेत्र में प्रगति की आईएसएसटी पत्रिका। 6(1): 7–20 (आईएसबीएन सं.: 09769021)

मीरा एवं लिंगसंगमी खोंग्रेइओ. (2016). जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, (जेएनयू), नई दिल्ली के सामाजिक विज्ञान के स्कूल के स्नातकोत्तर छात्रों और शोध अध्येताओं स्कॉलर व्यवहार की तलाश में जानकारी। सनीता गुप्ता के संपादन में। पुस्तकालय के भविष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः प्रवृत्तियां, मुद्दे और चुनौतियां, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में 15–16 मार्च 2016 को आयोजित। 361–372. (आईएसबीएनः 978–93–84556–02–0)

श्री मनीष कुमाररू पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान उत्पादों और सामाजिक मीडिया के माध्यम सेवाओं का विपणनरू समय की जरूरत शीर्षक संयुक्त पत्र, हेराल्ड लाइब्रेरी में प्रकाशित, दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन के प्रकाशन में, संस्करण. 53,सं. 4,दिसंबर 2015.

गरिमा सनामन और शैलेंद्र कुमार, (2015). दिल्ली के पुस्तकालय में अंधे और नेत्रहीन प्रयोक्ताओं के द्वारा सामना की जाने वाली वेब चुनौतियांरू एक भारतीय परिदृश्य। इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय. 33(2), 242–257, 2015.

एम मधुसूदन और विकास सिंह। "एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणालीः कोहा, लिबसिस, न्यूजेनलिब और विरटुआ का तुलनात्मक अध्ययन" डिइलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी (एमराल्ड) 34.2 (2016रू223–249.

राजकुमार भारद्वाज, और एम मधुसूदन। "भारतीय वातावरण में ऑनलाइन कानूनी जानकारी सूत्रों का तुलनात्मक विश्लेषण" नई लाइब्रेरी दुनिया (एमराल्ड) 117.3/4(2016):251–278.

एम मधुसूदन। "दिल्ली विश्वविद्यालय और हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्रों द्वारा अनुसंधान काम में सुधार लाने के लिए मोबाइल उपकरणों का उपयोगः एक अध्ययन" "विश्व के डिजिटल पुस्तकालय, 8.2(2015):127–144.

राजकुमार भारद्वाज, और एम मधुसूदन। "भारतीय पर्यावरण के लिए ऑनलाइन कानूनी सूचना प्रणाली का विकासः पुस्तकाध्यक्षों के परिप्रेक्ष्य का एक सर्वेक्षण" विश्व के डिजिटल पुस्तकालय 8.2(2015):99–112.

एम. मधुसूदन "भारत में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शोध छात्रों द्वारा 3 जी सेवाओं का प्रयोगः एक अध्ययन" विश्व के डिजिटल पुस्तकालय (एक इंस्ट्रुमेंटल सहकर्मी–समीक्षा पत्रिका) 8.1 (2015):33–48.

के.पी. सिंह, मलकीत सिंह। (2015). सामाजिक नेटवर्किंग साइटों (एसएनएस) की भूमिका और उनके लिए उपयोगकर्ताओं का दृष्टिकोणः उत्तर भारत के विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन। इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय।33 (1) 2015,19–34.

मीरा और मनलुनचिंग.(2015) भारत में जैव सूचना विज्ञान केंद्र के उपयोगकर्ताओं द्वारा जैव सूचना विज्ञान संसाधनों और उपकरणों का प्रयोग। लाइब्रेरी दर्शन और अभ्यास (ई–पत्रिका)। http://digitalcommons-unl-edu/libphilprac/1254.

प्रदत्त पीएचडी/ एम फिल की संख्या
पीएच.डी. : 10
एम. फिल : 01

स्थायी संकाय की संख्याः 07

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
क्षमता निर्माण, भविष्य के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों के पेशेवरों के प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम की जरूरत है। भारत के सार्वजनिक पुस्तकालय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ताः भविष्य को देखते हुए भारत में सार्वजनिक पुस्तकालयों को बदलना, 2015. 18–03–2015.

डॉ. एम मधुसूदन, सदस्य, आईसीएसएसआर–राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र (एनएएसएसडीओसी) प्रलेखन सेवाओं और अनुसंधान सूचना समिति, नई दिल्ली (2016–17).

सदस्य, डीआरटीसी आकलन बोर्ड, डीआरडीओ पुस्तकालय विज्ञान/ प्रलेखन, दिल्ली, (29 जून 2015).

सहयोगी संपादक, 92 वां वार्षिक प्रतिवेदन, दिल्ली विश्वविद्यालय (2015)।

सदस्य, निगरानी और लाइब्रेरी संपादन समिति और सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम (पाठ्यपुस्तक बारहवीं कक्षा), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), दिल्ली 2015।

डॉ. के. पी. सिंहः ज्ञान सामग्री विकास और प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेकेसीडीटी), कोरिया संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य ।
(2015).हरित प्रबंधन पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से टिकाऊ पर्यावरण बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन– ग्रे टू ग्रीन, आईसीटी, उद्यमिता और निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (एसआरएफएलआईएस) पर कार्यवाही के पत्रः नई दिल्ली। पृ.577. आईएसबीएन –978–81–927409–3–5.

डॉ मीरा टसिनिया एसआरएफएलआईएस शिखर सम्मेलन 2015ः उन्नत अध्ययन के टसिनिया संस्थान में भूरे को हरा बनाने के लिए, 11–12 अप्रैल 2015 को आयोजित

शोधपत्र /पोस्टर प्रस्तुतकर्ता
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में लेखक सहयोग का तरीकारू जीएलआईएस का एक अध्ययन। साइंटोमेट्रिक्स और चीजों के इंटरनेट (एसआईओटी) का एक अध्ययनपर साइंटोमेट्रिक्स के संस्थान और एनसीएसआई–नेट, बंगलौर द्वारा 25–26 सितम्बर, 2015 को आयोजित चौथे राष्ट्रीय कांफ्रेंस।

भाषाविज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग भाषाविज्ञान में एमएध्एमफिल और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। एमए कार्यक्रम में छात्रों की कुल संख्या 80, एम.फिल में कार्यक्रम 22 और पीएचडी में 22 है। इस अवधि के दौरान भाषा विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्रों के नियमित रूप से शिक्षण और अनुसंधान के पर्यवेक्षण अलावा के अलावा पीएच.डी. और एम.फिल के 13 शोध प्रबंधों का सफल समापन हुआ। स्टाफ के सदस्य 6 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सहयोग में भी शामिल रहे, विदेशों में समझौता ज्ञापन सहित दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालयों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान कार्य भी शामिल है, अनुसंधान और प्रकाशनों में योगदान से उनके साथ काम कर रहे छात्रों के अंतरराष्ट्रीय निवेश और कौशल को बढ़ाने के द्वारा लाभान्वित किया गया है। विभाग ने वर्ष में दो बार कोरिया के छात्रों के लिए हिंदी भाषा शिक्षा प्रदान करने की परंपरा जारी रखी है। विभाग को भाषाविज्ञान की प्रतिष्ठित पत्रिका, एशिया–प्रशांत भाषा विभिन्नता और भारतीय भाषाविज्ञान में दो वर्तमान प्रमुख संपादक होने पर गर्व है।

सम्मान/ विशिष्टता

प्रो. रमेश चंद शर्मा को ऑनलाइन पत्रिका सूक्ष्मभाषाविज्ञान, नानजिंग, चीन के संपादकों में से एक के रूप में शामिल किया गया था।

प्रकाशन

टी. बागची, (2015). जीवन–निर्माण और नीति निर्माण के बीच। भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास मेंः मूल्यों का सामना, संपा. 88–103. राजेश्वरी एस रैना, 88–103. नई दिल्लीः ओरिएंट ब्लैक स्वान।

टी बागची, (2015).भाषाई विश्लेषण में जटिलता के मुद्दे। 121–130. विज्ञान और तरीके में [संगोष्ठी और सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला], विशेष संपादक बिजय मुखर्जी और राजकुमार राय चौधरी, 121–130. कोलकाता और शांति निकेतनः एशियाटिक सोसाइटी/ विश्व भारती।

टी बागची, (2016). टैगोर, संगीत क्षमता और "भूमंडलीकृत" शिक्षा में प्रदर्शनः समस्याएं और संभावनाएं। टैगोरः विश्व उनके घोंसले के रूप में। संपा. संगीता दत्ता और शुभो रंजन दासगुप्ता, 89–105। कोलकाताः जादवपुर यूनिवर्सिटी प्रेस।

एस सत्यनाथ, (2015). भाषा बदलाव और परिवर्तनः भारतीय अनुभव। (संपा.) डिक स्माकमैन और पैट्रिक हेनरिक में, वैश्वीकृत सामाजिकताः सिद्धांत को चुनौती और विस्तार (पृ.107–122)। लंदनय न्यू यॉर्कः रूटलेज।

एस सत्यनाथ, और आर शर्मा (मुद्रणालय में)। दिल्ली में अंग्रेजी का विकासः एक बहुभाषी व्यवस्था में नया दृष्टिकोण। सिंह, जसपाल में। अर्गाएरो, कांतारा और दोरोत्यो सीजरो (संपा.), आकार घटाने की संस्कृति : अंतर – संस्कृति संचार पर पुनर्विचार। न्यूकैसलः कैम्ब्रिज विद्वान।

एस सत्यनाथ, (2015). सम्पादकीय। एशिया–प्रशांत भाषा विभिन्नता, 1(1), 1–6. जारी किए जाने की तारीखः10.1075/एपीएलवी.1.1.001ईडी.

एस सत्यनाथ, (2015). सम्पादकीय। एशिया–प्रशांत भाषा विभिन्नता, 1(2), 1–3.

एस सत्यनाथ, (मुद्रणालय में)। सम्पादकीय। एशिया–प्रशांत भाषा विभिन्नता,2(1), 1–4.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. तन्मय भट्टाचार्य, भारत–नॉर्वे सहयोग कार्यक्रम (आईएनसीपी), 2014–17, शीर्षक "एक सूक्ष्म तुलनात्मक वाक्यात्मक भिन्नता के एक मामले के रूप में मिटेइलन और नार्वे की बोलियों में "दोहरीकरण" का अध्ययन", रु.65,81,491.

डॉ. तन्मय भट्टाचार्य, यूजीसी की प्रमुख अनुसंधान परियोजना शीर्षक, 2015–18 शीर्षक "मिटेइलन की छह बोलियाँ में भाषाई बदलाव", रु.11,99,400.

सम्मेलन में प्रस्तुति

रमेश चंद शर्मा

जून 18–20, 2015 के दौरान 43 वें द्रविण भाषाविज्ञान, अन्नामलाई विश्वविद्यालय अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु में आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन में एक विशेष विदाई भाषण के रूप में "21वीं सदी में भाषाविज्ञान पर पुनर्विचार" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

31 अगस्त, 2015 को भाषाओं और भाषा विज्ञान के स्कूल, जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित भाषाविज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "सीमा से परे भाषाविज्ञान" पर उद्घाटन व्याख्यान दिया।

1 सितंबर, 2015 को भाषाओं और भाषा विज्ञान के स्कूल, जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित भाषाविज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "साइकोलिंग्विस्टिक्स और के न्यूरोलिंग्विस्टिक्स के निहितार्थ" विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

10 सितंबर, 2015 को प्रौद्योगिकी अध्ययन के केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में "तंत्रिका नेटवर्किंग और एनएलपी के लिए अपने प्रभाव" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

17–18 मार्च, 2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के वयस्क, सतत् शिक्षा एवं विस्तार विभाग में "पहले सीखना और निरक्षरों के पुनःकौशल में इसका एकीकरण" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पहले सीखना और निरक्षरों के पुनःकौशल में इसके एकीकरण में भाषा की भूमिका" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

केन्द्रीय हिंदी संसथान, आगरा के अंतर्राष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी 2016 आगरा केंद्र में मार्च 18–19 को आयोजित संगोष्ठी "हिंदी भाषा शिक्षणः विदेशी विद्यार्थियों के सन्दर्भ में" के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया और व्याख्यान दिया, प्रथम सत्र में "हिंदी भाषा संरचना और भाषा शिक्षण–कोरियाई शिक्षार्थियों के सन्दर्भ में" शोधपत्र पढ़ा।

28–29 अक्टूबर, 2015 के दौरान सामाजिक विज्ञान, मास्को के रूसी स्टेट यूनिवर्सिटी में "रूस में संस्कृत और भारतीय अध्ययन" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय–केंद्रित भाषाई अनुसंधान की रूसी परंपरा और उभरते आयाम" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

तिस्ता बागची

6 अप्रैल, 2015 शार्पनेल मिनिमा की अपनी किताब शीर्षक "मानविकी में विधि का प्रश्न" लोकार्पण के अवसर परदिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग सामाजिक विज्ञान एक्सटेंशन बिल्डिंग के साथ, संयुक्त रूप से आयोजित मानविकी मार्ग के दो मंच समारोह में और 13 मई, 2015 को और उन्नत अध्ययन के जवाहरलाल नेहरू संस्थान, जेएनयू में ।

शोभा सत्यनाथ

14–16 मार्च, 2016 के दौरान एशियाई अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान (आईआईएएस), लीडेन, नीदरलैंड में "एशिया में भाषा की शक्ति और पहचानः भाषा सीमाएं बनाना और पार करना" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नगालैंड में संकरता, बहुभाषावाद, पहचान और परिवर्तन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

15–17 अक्टूबर, 2015 के दौरान जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित "क्षेत्रीय किस्मों और भिन्नता के अध्ययन में मुद्दों पर पैनल" पर भारतीय भाषाविज्ञान सोसायटी के 37 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भाषण किस्मों पर परिप्रेक्ष्य" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

तन्मय भट्टाचार्य

15 अक्टूबर, 2015 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "भाषा, बहुभाषी परिवेश में पहचान" परआयोजित भारतीय भाषाविज्ञान सोसायटी के 37 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "महानगरीय संस्कृतिः एक बहुभाषी कक्षा में विलयक शक्ति" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

23 नवंबर, 2015 को नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग में "वाक्यात्मक टाइपोलॉजीः भाषा संपर्क और अभिसरण" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विषयः मिटेइलॉन में ***–rəm/ ləm-*** के साधन और चरण सीमा प्रभाव पर" शोध पत्र प्रस्तुत किया।

24 नवंबर, 2015 को नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग में "वाक्यात्मक टाइपोलॉजीः भाषा संपर्क और अभिसरण" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मैं पीड़ा का अनुभव करता हूँ: भारतीय भाषाओं में स्वयं के अनुभव एन्कोडिंग के रूप में भोक्ता का विषय निर्माण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

27, 2015. पर 27 नवंबर, 2015 को आईआईटी, गुवाहाटी में "भाषा, साहित्य, और अनुभूति" पर आयोजित संगोष्ठी में "सोच परिकल्पना के रूप में भाषा पर कुछ योग्यता" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

7 जनवरी, 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित की दक्षिण एशियाई भाषाओं और साहित्य (आईसीओएसएएल –12) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विषयों के बारे में प्रश्नों के रूप में बांग्ला ध्रुवीय सवाल" पर पत्र प्रस्तुत किया।

गेल कोएल्हो

15–17 अक्टूबर, 2015 के दौरान जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय भाषा विज्ञान सोसायटी के 37 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएलएसआई –37) में "बेट्टा कुरुम्बा क्रिया शाखाओं में नवाचार" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

4–6 फरवरी, 2016 के दौरान डेक्कन कॉलेज, पुणे में में "संपर्क के स्थिति में भारतीय भाषाएं" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बेट्टा कुरुम्बा में भाषा संपर्क प्रभाव की पहचान" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग
विदेश अध्ययन का हैनकुक विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया।

विदेश अध्ययन का बुसान विश्वविद्यालय, बुसान, दक्षिण कोरिया ।

हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का कार्डिफ विश्वविद्यालय, वेल्स, ब्रिटेन के साथ। (आईसीएसएसआर–ईएसआरसी यूकेआईईआरआई पीएच.डी. साझेदारी पहल) [2013–2016].

भारतीय अंग्रेजी सहित अंग्रेजी की आठ विभिन्न किस्मों में मॉड्यूल विकसित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के कांडा विश्वविद्यालय, जापान के साथ सहयोग और समन्वय।[2015–2016]

प्रदत्त पीएच.डी/एम.फिल की संख्या
एम.फिल : 12
पीएच.डी.: 01

संकाय की संख्या
स्थायीः 06

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

तिस्ता बागची
2015–16 में, भारतीय सांख्यिकी संस्थान का सामाजिक विज्ञान प्रभाग, कोलकाता, दिल्ली और बैंगलोर में सदस्य, तकनीकी सलाहकार समिति के रूप में सेवा की।

तिस्ता बागची का नया पेपरबैक संस्करण, भाषा और अनुभूति में वाक्य, सितंबर 2015 में प्रकाशित (लैनहेम, मेरीलैंडः लेक्सिंगटन बुक्स)।

13 नवंबर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग मेंः "अजूबों और अन्य संदर्भों केः अर्थ की व्याख्या और भाषा के संकाय" विषय पर संगोष्ठी व्याख्यान दिया।

शोभा सत्यनाथ
एशिया–प्रशांत भाषा विभिन्नता (एपीएलवी) पत्रिका की मुख्य संपादक, एक वर्ष में दो बार प्रकाशित, जॉन बेंजामीन द्वारा।

तन्मय भट्टाचार्य
मुख्य संपादक भारतीय भाषाविज्ञान, भारतीय भाषाविज्ञान सोसायटी द्वारा प्रकाशित।

लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "विकलांगता अध्ययन के लिए बहुविभागीय दृष्टिकोण" विषय पर इंटरैक्टिव कार्यशाला का संचालन।

14 अक्टूबर, 2015, "संरचित सोच के रूप में भाषाः भाषा के जैव भाषाई परिप्रेक्ष्य पर एक टिप्पणी, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान।

8 जनवरी, 2016, "बांग्ला में ध्रुवीय और वैकल्पिक प्रश्नों को निकालना" भाषाविज्ञान विभाग, ईएफएलयू, हैदराबाद में आमंत्रित व्याख्यान।

9 जनवरी, 2016ः "न्यूनीकरण का परिचय", आमंत्रित प्रस्तुति, सीएएलटीएस, हैदराबाद विश्वविद्यालय।

3 फरवरी, 2016रू "विकलांगता का भाषाई निर्माण", सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान।

गेल कोएल्हो
13– 14 मई 2016 को भालुकपोंग, अरुणाचल प्रदेश में "एकेए (ह्रुसो) लिपि पर परिसंवाद" आयोजित 13 (एकेए (ह्रुसो) सोसायटी द्वारा आयोजित)। "भाषा का मानः यह क्यों मायने रखता है"।

आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने विश्वविद्यालय के "ज्ञानोदय V : धरोहरः उत्तर–पूर्व की महिमा" कार्यक्रम के अंतर्गत 20 दिन के एक "उत्तर–पूर्व की भाषाओं के लिए भाषा प्रशिक्षण सह कार्यशाला" का आयोजन किया।

मार्च, 2016 के दौरान "मौखिक परंपरा और समुदाय की पहचान" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

तमिलनाडु में नकली विद्या पर प्रमुख अनुसंधान परियोजनारू विकास और वर्तमान परिदृश्य पर एक शोध।

स्वतंत्रता के बाद गुजराती, मराठी और हिन्दी नाटकों के विषयगत सर्वेक्षण पर प्रमुख अनुसंधान परियोजना।

भारत में सिंधी लोक संस्कृति और लोक साहित्य रू एक अध्ययन पर प्रमुख अनुसंधान परियोजना।

"लेखन, लेखन और इतिहास (साहित्यिक वार्ताओं का एक संग्रह) पर प्रमुख अनुसंधान परियोजना।

प्रकाशन

डॉ. जी राजगोपाल

जी. राजगोपाल सांस्कृतिक काव्यशास्त्र और संगम काव्य, नई दिल्लीःसन इंटरनेशनल पब्लिशर्स, 2016 आईएसबीएन 978–81–928130–8–0

राजगोपाल गोविंदस्वामी, अखिल भारतीय विश्वविद्यालय तमिल शिक्षक संघ की कार्यवाही, संस्करण. 1, (पृष्ठ 209–219), मई 2015. आईएसबीएनः 978–81–928616–8–5

———————————— नोक्कू (एवं नात्पू (तिरुक्कुरल में प्रेम संबंध), तिरुक्कुरल सम्मेलन की कार्यवाही (पृष्ठ 310–321), फरवरी. 2016. आईएसबीएनः978–81–909790–5–4

डॉ. के प्रेमानाथन

भूतानिरक चेम्परुथि (चीमामंदा न्गोजि आदिची के उपन्यास "पर्पल हिबिस्कुस" का तमिल में अनुवाद) पुडुचेरीःअनांगु फेमिनिस्ट पब्लिकेशन, 2016. आईएसबीएन 978–93–5258–273–0

डॉ. रत्नोतम दास

रत्नोतम दास.(2015) नाख नारखा सोवालीबोर, चार असमिया उपन्योसों का एक संग्रह गुवाहाटीः पी गी भारत. आईएसबीएन आईएसबीएनः 978–81–925486–9–2

रत्नोतम दास (2015) "टाट नाडी नसिल उपन्यासोत थोका नोथोका किसु कोथा" प्रकाश के संपादन में, मिहिर गोस्वामी, गुवाहाटी।

———————————— 2015, "नार्वेजियन वुडः एटा गान, एखन किताप" सोमय में संपादन पंकज ठाकुर, टाइम्स ऑफ इंडियाः गुवाहाटी।

डॉ. वेंकट रमैय्या, गम्पा

गम्पा वेंकट रमैय्या (संपा.) (2015). "रवि शास्त्री कथा प्रपंचम "(साहिति वेदिका के संगोष्ठी पत्र). दिल्लीःसाहिति वेदिका.

वेंकट रमैय्या, गम्पा. 2015. तेल्ला काकुलु कथाः इक्कादिवी तेल्ला काकुलु में रचयिता अंतरंगम। जी वेंकट रमणऔर नागराजू (संपा.). हैदराबादः चंद्रकला पब्लिकेशन्स. आईएसबीएनः 978–81–908572–4–6

———————————— . 2015. रविशास्त्री रुक्कुल्लू कथालु– रविशास्त्रीकथा प्रपंचम में विश्लेषण. वेंकट रमैय्या गम्पा (संपा.). दिल्लीःसाहिति वेदिका. आईएसबीएनः 978–93–5212–887–7.

———————————— 2015. रायला भुवना विजय सभा –पर्यालोकनम प्राचीन साहित्य समालोचना में. तिरुपति भुकया (संपा.). कुप्पमः क्रुतुर चरण पब्लिकेशन. आईएसबीएनः 978–93–81992–68–5.

———————————————— .2015. प्रपंचीकरण नेथाम्लो तेलुगु कन्नड़ नवाललुरू ताम्रपानी में तुलनात्मक परिशीलन। नरेश कुमार नाइक(संपा). पुत्तापाथीरूं महिमानवितासरी पब्लिकेशन. आईएसबीएनः978–93–5254–035–8.
———————————————— 2015. ताम्रपानी में थिरुवल्लुवर वेमानारचनाल्लो समाजम, नरेश कुमार नाइक(संपा.). पुत्तापाथीः महिमानवितासरी पब्लिकेशन. आईएसबीएनः 978–93–5254–035–8.

———————————————— 2015. साहिति सुरभि में माइनोरिटी वदा गलम वतन कथालु. वेंकट स्वामी (संपा.). श्रीकाकुलमः सिक्कोलू बुक ट्रस्ट. आईएसबीएनः978–81–929374–6–5.

———————————————— 2016. धर्मावरम रामकृष्नमाचार्युला वारि पादुकापट्टाभिषेकमु – तेलुगु नाटक साहित्यम में सामाजिका संबंधालु– सामाजिक प्रयोजनम. शंकर राव, विस्ताली (संपा.) मद्रास– तेलुगु विभाग. आईएसबीएन :978–93–81992–62–3.

संकाय की संख्याः स्थायीः 12, तदर्थः 1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
नई दिल्ली, तुलनात्मक साहित्य के ई–पीजी कोर्स के लिए सामग्री विकासः (प्रायोजक संगठन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, अपने ई–पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत,राष्ट्रीय शिक्षा मिशन–आईसीटी) प्रधान अन्वेषकः प्रो पी सी पटनायक।

फारसी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
विभाग, फारसी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, एडवांस डिप्लोमा कोर्स, एमए अनुवाद और व्याख्या में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एम फिल और पीएचडी में कार्यक्रम प्रदान करता है। सर्टिफिकेट कोर्स में छात्रों की कुल संख्या 285, डिप्लोमा कोर्स 24, एडवांस डिप्लोमा कोर्स में 16, एमए 8, अनुवाद और व्याख्या में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा में 2 एम फिल में 8 और पीएचडी में 12 है। विभाग यूजीसी–डीएसए एसएपी –द्वितीय अनुदान द्वारा समर्थित है। संकाय सदस्यों ने वर्ष 2015–16 के दौरान अंतरराष्ट्रीय ख्याति के पत्रिकाओं में 03 से अधिक प्रकाशन किए हैं।

कुछ संकाय सदस्य पेशेवर समाज और अनुदान एजेंसियों के साथ जुड़े रहे हैं। एक संकाय सदस्य को विभिन्न विश्वविद्यालयों के यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम की सलाहकार समिति और यूजीसी, और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की कई समितियों पर विशेषज्ञ नियुक्त किया गया है। नियमित रूप से शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, विभाग साप्ताहिक सेमिनार, वार्षिक कार्यशाला और सेमिनार का आयोजन करता है। वर्ष 2015–16 के दौरान विभाग ने दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी, एक राष्ट्रीय कार्यशाला और एक वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।

सम्मान / विशिष्टता
प्रो अलीम अशरफ खान, लोक सेवा आयोग, अजमेर, राजस्थान में विशेषज्ञ नियुक्त किए गए।
प्रो अलीम अशरफ खान सीबीएसई में फारसी विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किए गए।
प्रो अलीम अशरफ खान फारसी पाठ्यक्रम और एनआईओएस में पठन सामग्री के सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए।

अनुसंधान परियोजनाएं

शीर्षक	अनुदान एजेंसी	वर्ष /अवधि	मंजूर राशि
डीआरएस एसएपी–द्वितीय यूजीसी		2014–2019	रु.44,00,000 (इंडो फारसी साहित्य)

प्रकाशन
अनुसंधान पत्रिका, (2015) फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।
कंद–ए–फारसी (2015) ईरान कल्चरल हाउस, नई दिल्ली।
दान्श नामेह, शिव घरे, (2015) फारसी भाषा अकादमी, तेहरान, ईरान ।

अनुसंधान परियोजनाए

प्रो. चंदर शेखर, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एवं विकास परियोजना, 2015–16 शीर्षक "मध्यकालीन भारत–फारसी साहित्य में शहर और किलों के विवरण", रु.1.5 लाख.

प्रो. राजिंदर कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एवं विकास परियोजना, 2015–16 शीर्षक "शेइरुलेरफिन और रहस्यवाद पर कार्य"। रुपये 1 लाख।

डॉ. मेहताब जहान, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एवं विकास परियोजना, 2015–16 शीर्षक "अदीब–उल–अदब–ई–दरवेश पर कार्य", रु.1 लाख.

डॉ. अली अकबर शाह, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एवं विकास परियोजना, 2015–16 शीर्षक "शोला–ए–आह का सटीक संस्करण", रु.1 लाख.

सम्मेलनों का आयोजन

3–4 सितंबर, 2015 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय और एनसीपीयूएल के समर्थन से "सल्तनत अवधि और प्रारंभिक मुगल साम्राज्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

3–5 मार्च, 2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय और एनसीपीयूएल समर्थन से"मुगल दरबार (अकबर जहांगीर और शाहजहां) पर भारत–फारसी संस्कृति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

28 मार्च, 2016 को एनसीपीयूएल द्वारा समर्थित "हजरत अमीर खुसरो" पर प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो. अलीम अशरफ खान

3– 5 मार्च, 2016 को, दिल्ली विश्वविद्यालय के फारसी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "मुगल दरबार (अकबर, जहांगीर और शाहजहां) में भारत–फारसी संस्कृति" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

3–5 वीं फरवरी, 2016 को फारसी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "अकबर के शासनकाल के दौरान उपलब्ध (1556–1605. ईस्वी.)" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

1–3 नवंबर, 2015, के दौरान तुर्की भाषा और साहित्य कार्यक्रम के अंतर्गत "भारत–तुर्की संबंधः परिप्रेक्ष्य और इसकी समकालीन प्रासंगिकता" पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत–तुर्कीः संबंधों के बहुआयामी आधार" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

1–3 मार्च 2016 को मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी, फारसी शोध संस्थान टोंक, राजस्थान द्वारा "अरबी फारसी भाषा का भारतीय इतिहास और उनके लेखक और अनुवादक" पर आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय संगोष्ठी में "तारीख–ए–फिरोज शाही और उसके मुतारजिम मोइनुल हक" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

6–7 मार्च, 2016 को तेहरान, ईरान में, "विश्व में फारसी अध्ययन की चुनौतियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी" में "भारत में फारसी साहित्य की समस्याएं और उनके समाधान" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

8 –10 मार्च 2016 को, दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा फारसी, संस्कृत व उर्दू, विभागों के साथ सहयोग में ''भारतीय बुद्धिमत्ताः पंच तंत्र/कालिया वा दिमनाहय परंपरा, इतिहास और संस्कृति'' पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पंचतंत्रः फारसी परंपरा'' शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

13–15 फरवरी 2016 को इस्लामी अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा "इस्लामी रहस्यवाद" पर आयोजित तीन दिन की अखिल भारतीय संगोष्ठी में "भारत के मध्यकालीन फारसी साहित्य में हाजियोलॉजिकल (तजाकिरा) के स्रोत का एक परिचय" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

17– 18 मार्च, 2016 को वयस्क, सतत् शिक्षा और विस्तार, सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "पहले के सीखे को मान्यता और नए कौशल के साथ जुड़ाव स्थापित करना" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "शाहजहांनाबाद और हस्तशिल्प श्रमिकः एक प्रकरण अध्ययन" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया

24–26 मार्च, 2016 को सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति के अध्ययन के केंद्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "गुर्जरों और जम्मू–कश्मीर राज्य के बकरवालों का इतिहास" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया
7 से 8 मई 2016, को ऐवान–ए–गालिब, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "1947 के बाद फारसी भाषा और साहित्य और प्रो नजीर अहमद" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. राजिंदर कुमार

3– 5 मार्च, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के फारसी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "मुगल दरबार (अकबर, जहांगीर और शाहजहां) में भारत–फारसी संस्कृति" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

26–28 दिसंबर, 2015 को पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार द्वारा आयोजित 34 वें अखिल भारतीय फारसी शिक्षक सम्मेलन में ''हुमायूं नामेह गुलबदन बेगमः मकाजे सियासी वा फिरंगी दरे हुमायूं" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

3–5 फरवरी, 2016 को फारसी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी, द्वारा आयोजित ''अकबर के शासनकाल के दौरान उपलब्ध (1556–1605 ई।)'' तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और ''इंसाई फैजीःमनाबे जोगराफ, अदबी बनाम सियासी'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. मेहताब

3–5 मार्च, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के फारसी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और ''मुगल दरबार (अकबर, जहांगीर और शाहजहां) में भारत–फारसी संस्कृति'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

8–10 मार्च, 2016 को अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''भारतीय बुद्धिमत्ताः पंचतंत्र/ कालिया वा दिमनेह परंपरा, इतिहास और संस्कृति'' पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''एक जायजा पंचतंत्र'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

26–28 दिसंबर, 2015 को पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार द्वारा आयोजित 34 वें अखिल भारतीय फारसी शिक्षक सम्मेलन में "उन्नीसवीं सदी का हिंदुस्तान और फरासतनामा'' शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

फारसी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी द्वारा 3–5 फरवरी, 2016 को आयोजित "अकबर के शासनकाल के दौरान उपलब्ध (1556–1605 ईस्वी)" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "अइहाद–ए–अकबर के इंडोर खेल" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

संस्थागत सहयोग
प्रो चंदर शेखर, बॉन विश्वविद्यालय, जर्मनी

प्रदत्त पी.एचडी. / एम. फिल. की संख्या
पीएच डी : 04
एम. फिल.: 04

संकाय की संख्या
स्थायी संकायः 05
तदर्थ संकायः 01
अतिथि संकायः 03
अनुसंधान अध्येताः 01. 01 (खाली)

दर्शन–शास्त्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
दिल्ली विश्वविद्यालय का दर्शन विभाग एम.ए., एम. फिल., और पीएच.डी. जैसे विभिन्न स्तरों पर शिक्षण और अनुसंधान दोनों प्रदान करता है, इसमें एम. ए. स्तर पर, 277 संयुक्त (उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों) स्वीकृत सीटें हैं। एमए पाठ्यक्रम (अनिवार्य और वैकल्पिक) को दो वर्षों के 4 सत्रों में बांटा गया है और नियमित संकायों एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों से कुछ आमंत्रित संकायों द्वारा पढ़ाया जाता है। एम.फिल और पीएच.डी. स्तरों पर, यहां व्याख्यान आधारित पाठ्यक्रम काम और एक निबंध लेखन के माध्यम से शोध कार्य दोनों किये जाते हैं। यह एम फिल कार्यक्रम में 25 सीटें उपलब्ध कराता है, जबकि पीएचडी में सीटों की उपलब्धता के अनुसार छात्रों को लिया जाता है। मौजूदा सत्र (2016–2017) में विभाग में 15 एम.फिल और 15 पीएचडी छात्रों को भर्ती किया गया है। तीनों कार्यक्रमों में, भारतीय और पश्चिमी दार्शनिक परंपराओं सहित समकालीन प्रवचनों को शामिल किया जाता है। विभाग में संकाय की कुल संख्या 19 है, जिसमें से 11 को 2015 की शुरुआत में नियुक्त किया गया था, यो दर्शन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं और शिक्षण और अनुसंधान दोनों के क्षेत्र में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

पिछले एक वर्ष (2015–2016) में, विभाग ने शुक्रवार की अपनी नियमित संगोष्ठियों के अलावा, कुछ राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन किया है, जिसके लिए बाहरी वक्ताओं, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। हमारे वरिष्ठ संकाय सदस्यों में से कुछ विभिन्न शैक्षिक सासायटियों और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, सेंट्रल बोर्ड स्कूल परीक्षा और विभिन्न लोक सेवा आयोगों के अलावा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे संस्थानों के साथ जुड़े रहे हैं। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं सौंपी गई हैं। विभाग का कार्लटन और एडिनबर्ग जैसे विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के अंतर्गत विनिमय कार्यक्रम है।

सम्मान / विशिष्टता

प्रो. एच एस प्रसादः
सदस्य, धर्म के इतिहास का अंतर्राष्ट्रीय संघ,
महा सचिव, धार्मिक अध्ययन का भारतीय संघ,
सदस्य, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
सदस्य, भारतीय दार्शनिक कांग्रेस
मुख्य संपादकः नए युग की बौद्ध धर्म श्रृंखला, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
डॉ. प्रगति साहनीः एसोसिएट प्रोफेसर

5 जनवरी, 2016 से 30 अप्रैल, 2016 कार्लटन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा में भारतीय अध्ययन की आईसीसीआर विजिटिंग प्रोफेसर में एक सेमेस्टर के लिए नियुक्त किया गया,

प्रकाशन

एन भौमिक, (2015). "भाषा का प्रारंभिक आधुनिक दर्शन," यूजीसी ई–पाठशाला, भाषा मॉड्यूल का दर्शन।

एन भौमिक, (24 फरवरी, 2016) "उमर खालिद को इस्लाम में धर्मांतरित करना" द वायर.इन

ए.के. गुप्ता, और नम्रता चतुर्वेदी, (2015). "स्कूली बच्चों में" "डब्ल्यू बी. यीट्स" के अलावाः एक बौद्ध अध्ययन", कोरिया की यीट्स पत्रिका, दक्षिण कोरिया, संस्करण. 47, पृ. 83–95.

आर जायसवाल, (2015). सैंडेल और वाल्जर के विशेष संदर्भ में पश्चिमी उदारवाद के सामुदायिक आलोचक। यूजीसी–ई पाठशाला। (ए. रघुरामराजू, संपा.) आईसीटी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन, http://epgp.inflibnet.ac.in/view_f-php\category=622 से लिया गया।

पी. केशव कुमार (2016). गीत' बेजबान की आवाज, तेलुगु दलित लेखन का ऑक्सफोर्ड इंडिया संकलन (संपा. के पुरुषोत्तम, गीता रामास्वामी और गोगु श्यामला), नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 451– 457

पी. केशव कुमार (2016).दाप्पूः दलित विरोध का एक प्रतीक, विरोधी लेखनः दलितों और अन्य अधीन (सं. जे.भीमइया), नई दिल्लीःप्रेस्टीज बुक् इंटरनेशनल, 117–127

एस. मोतीलाल और डी.आर. जुयाल, (2016) मानव अधिकार और सार्वजनिक नीति का ढांचाः एक कांतीय परिप्रेक्ष्य। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद की पत्रिका, संस्करण. 33, 241–251.

एस मोतीलाल, (2015) अश्विनी पीत्युश और जे ड्राइडक में मानव नैतिक दायित्व, धर्म, और मानव अधिकार (सं.): मानवाधिकारः भारत और पश्चिम नई दिल्ली, भारत, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (भारत) 123 –145.

एस मोतीलाल, (2015) क्या नैतिक सिद्धांत के लिए नैतिक अभ्यास का विरोध किया जा सकता है। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद की पत्रिका, संस्करण 32, 289 –299

एस मोतीलाल, (2015) स्व–शासनः मूल्यों और नैतिकता की जरूरत" "भवन आज और बाद में'', नई दिल्लीःभारतीय विद्या भवन 251 – 265

एस मोतीलाल, (2015) सतत विकास लक्ष्य और मानव के नैतिक दायित्वः अंतिम और माध्य संबंध।" वैश्विक नैतिकता की पत्रिका। संस्करण 11, 24–31

ई मित्रा (2015) "भारतीय तर्क का एक संक्षिप्त सर्वेक्षणः न्याय, बुद्ध, और जैन" तर्क के परिचय में (संपा.)। कोपी.आई.एम सी, कोहेन और के. मैकमोहन, दिल्ली, चेन्नई पीयरसन इंडिया, एजुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, पृ. 414–463

ई मित्रा (2016) "विटजेन्सटनेर सोंधाने सोतिंद्रनाथ", अनुष्टुप में, एनिल आचार्य (प्रधान संपादक), (एक द्वि वार्षिक पत्रिका, कोलकाता), स्वर्ण जयंती विशेषांक, (संपा.) अरिंदम चक्रवर्ती, कोलकातारू अनुष्टुप पब्लिकेशन. पृ. 213–255

ए. वीरावल्ली 2016, परिचय पत्रः पहचान की पूर्वधारणाएं व्यक्तित्व और पहचान, सार्वजनिक नीति के जिंदल पत्रिका में, संस्करण.3

अनुसंधान परियोजनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2015– 2018, आंध्र के प्रारंभिक बौद्ध संप्रदायों की सैद्धांतिक मतविशिष्टता का एक अध्ययन, नई दिल्ली 13.5 लाख

दिल्ली विश्वविद्यालय, वार्षिक अनुसंधान एवं विकास अनुदान 2015–16, "भारत में लोक प्रशासन में नैतिकता और मूल्य", मंजूर राशिः 1 लाख।

दिल्ली विश्वविद्यालय, वार्षिक अनुसंधान एवं विकास अनुदान 2015–16, रॉल्स को समझना "न्याय का सिद्धांतः लिंग असमानता की समस्या, मंजूर राशिः 1 लाख।

सम्मेलनों का आयोजन
23 फरवरी, 2016 को प्रो. स्टीफन स्टीच द्वारा (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, विशिष्ट प्रोफेसर, रटगर्स विश्वविद्यालय) "प्रायोगिक दर्शन और दार्शनिक परंपरा" पर एक दिवसीय कार्यशाला ।

"कश्मीर के शैन धर्म के अभिनवगुप्त के 1000 वर्ष" दिल्ली विश्वविद्यालय, 7 नवंबर, 2015.

"समकालीन भारतीय विचारकों" पर संगोष्ठी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 13–15 मार्च 2016 के दौरान।

"पहचान, संस्कृति और मान्यता," और "भूल दर्शन" पर संगोष्ठी, प्रो. विलियम स्वीट, सेंट फ्रांसिस जेवियर विश्वविद्यालय द्वारा 15 फरवरी 2016 को।

माध्यमक धारा की तिब्बती धारणाओं पर संगोष्ठी, डॉ पॉल डोनेली, 29 जुलाई 2016.

प्रारंभिक भारतीय सोच में बहुलवाद की समस्या पर संगोष्ठी, प्रो, गेराल्ड लार्सन द्वारा, 16 मार्च 2016.

दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास के केंद्र, दिल्ली में, 18 फरवरी से 9 मार्च 2016 के दौरान, लोकगीत, परंपरा और संस्कृति पर, 21 दिनों के लिए शीतकालीन स्कूल आयोजित किया गया था।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो. बाला गणपति देवराकोंडा

तीर्थ यात्रा और अनुष्ठानः 30 जुलाई 2016 को दर्शनशास्त्र विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा दार्शनिक प्रतिबिंब पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में।

12 और 13 मार्च 2016 को रामानुजन कॉलेज, दिल्ली द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी के विषय पर नैतिकताः नैतिक आयाम पर आयोजित दो दिवसीय 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा पर वैश्वीकरण का प्रभाव।

समानता के विचार पर 28–30 जुलाई. 2015 के दौरान दार्शनिक अनुसंधान के भारतीय परिषद द्वारा, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंसा और धार्मिक अल्पसंख्यकरू अंतर सांस्कृतिक संदर्भ में आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य के समतावादी मूल्यों की जांच।

तीन दिवसीय 28–30 जनवरी 2015 के दौरान आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर के महायान बौद्ध धर्म के केंद्र द्वारा आयोजित आचार्य नागार्जुन के दर्शन की समकालीनता को समझने पर वैश्विक संगोष्ठी में गैर–सत्वता और तरल जीवनः वैश्विक संदर्भ में नागार्जुन और बौमन का एक अध्ययन।

प्रोफेसर पी. केशव कुमार

दलित और आदिवासी अध्ययन और अनुवाद के केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा दलित चेतनाः साहित्य और संस्कृतिः भविष्य की चुनौतियां पर 19–20मार्च, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "दलित चेतनाः साहित्य और संस्कृतिः भविष्य की चुनौतियां", पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

27 जनवरी, 2016 को दर्शन विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में भारत की गंभीर दार्शनिक परंपराओं पर आमंत्रित व्याख्यान।

28–30 जुलाई, 2015 को आईआईसी में दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग द्वारा आईसीसी, नई दिल्ली में आयोजित आईसीपीआर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अम्बेडकर की समानता की अवधारणाः एक दार्शनिक समझौता पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

26–27 मार्च, 2015 को अम्बेडकर अध्ययन केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा अम्बेडकर और भारतीय लोकतंत्र पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अम्बेडकर की लोकतंत्र की अवधारणाः एक दार्शनिक टिप्पणी पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

19–21 मार्च, 2015 को बौद्ध अध्ययन पहल, दर्शनशास्त्र विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा समकालीन बौद्ध धर्मः बहस और अनुप्रयोग पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समकालीन बौद्ध धर्म और जाति का प्रश्नरू इयोथी थास और बी आर अम्बेडकर, पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

18 फरवरी 2016 राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "समकालीन भारत के लिए महत्वपूर्ण ग्रंथोंध्अम्बेडकर के अध्ययन की व्याख्या" की शोध पद्धति पर आयोजित आईसीएसएसआर कार्यशाला में "बी आर अम्बेडकर के राजनीतिक दर्शन" पर आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. शशि मोतीलाल

22 सितम्बर, 2015 को दर्शन विभाग, ग्राज विश्वविद्यालय, ग्राज, ऑस्ट्रिया में "सतत विकास लक्ष्य और मानव नैतिक दायित्वः अंत और मध्य संबंध'' पर व्याख्यान दिया।

मार्च 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी कॉलेज द्वारा किशोर न्याय पर आयोजित पैनल चर्चा में "किशोर अपराध, दंड और मानवाधिकार के निहितार्थ" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अप्रैल, 2016 में दर्शन और साहित्य पर दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित, आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "काल्पनिक नियम और उनके दार्शनिक निहितार्थ" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मार्च 2016 में भारतीय दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित, आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित आधुनिक भारतीय विचारकों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "सामाजिक न्याय पर अमर्त्य सेन" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ प्रगागी साहनी ने 8 अप्रैल, 2016 को कार्लटन विश्वविद्यालय,ओटावा, कनाडा में "प्रारंभिक बौद्ध साहित्य में शरीर पर कुछ प्रतिबिंब", शीर्षक एक सार्वजनिक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. एनाक्षी राय मित्रा, ने 10 जनवरी 2016 को यूजीसी प्रायोजित और दर्शनशास्त्र विभाग एवं जीवन–विश्व विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल द्वारा "मन का दर्शन – भारतीय और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विटजेन्सटीन के मन के दर्शन पर, संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।

13 जनवरी, 2016 को आईसीपीआर द्वारा आयोजित एक एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया "दर्शन की भारतीय प्रणाली में निषेध, अनुपलब्धि और अभाव की अवधारणाओं" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। उनके शोधपत्र का शीर्षक था "रसेल और विटजेन्सटीन के प्रारंभिक विचारों के संदर्भ में न्याय–वैशेषिका और अभाव के मीमांसा सिद्धांत पर पुनर्विचार"।

12अप्रैल, 2016 को दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 11 से 13 अप्रैल 2016 को "साहित्य के दर्शन में परिप्रेक्ष्य में" आयोजित आईसीपीआर की 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "भाषा के एक दार्शनिक दृष्टिकोण सेःसुकुमार राय के अवाक जलपान को पढ़ना" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुराधा वीरावल्ली

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला–171005 द्वारा आयोजित (21–22 जुलाई 2015) भगवान है, भगवान नहीं है और तार्किक भारतीय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भगवान है/भगवान नहीं है, राम नाम सत्य है" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एन भौमिक, (15 अक्टूबर, 2015) आईआईटी दिल्ली, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में "संदर्भ का औचित्य बनाना" पर व्याख्यान।

डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता

6–7अगस्त, 2016 को पटनीटॉप, जम्मू–कश्मीर में आयोजित "युवा विचारक" मीट (इंडिया फाउंडेशन) में "भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय राजनीतिक बहस की मुख्य शर्तें" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जुलाई 2016 में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़, राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वैश्वीकरण और अद्वैतिक धर्मः संभावनाएं और प्रासंगिकता" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जून 2016 में सी.पी.डी.एच.ई, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में "भूमंडसीकरण का दार्शनिक आधार वसुधैव कुटुम्बकम" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मई 2016 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आर. डी. रानाडे पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रानाडे और भगवदगीताः बिटिफिसिज्म के अपने सिद्धांत की एक परीक्षा" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अप्रैल 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "दर्शन और साहित्य" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कबीर में "प्रेम" : एक अद्वैत परिप्रेक्ष्य" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मार्च 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ओशोः एक आधुनिक अदेवैत वादी" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

26–28 नवंबर, 2015 को केरल विश्वविद्यालय के गणित विभाग, तिरुवनंतपुरम (त्रिवेंद्रम), केरल में आयोजित गणित 2015 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक वृत्त के अधिकतम ग्राफ से जुड़े रेखा ग्राफ के व्यास" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

फरवरी 2016 में नेहरू मेमोरियल, दिल्ली में आयोजित "अरबिंदो की प्रासंगिकता" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अरविंद और मानव विकास के वेदांत सिद्धांत", पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अक्टूबर, 2015 में इंदौर में आयोजित, धर्म–धम्म अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "धर्म का अद्वैतिक दृष्टिकोणरू धार्मिक सद्भाव का एक मॉडल" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. आयशा गौतम ने, साहित्य के दर्शन में परिप्रेक्ष्य" विषय पर दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित, आईसीपीआर प्रायोजित (11अप्रैल 2016) राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आदिवासी लोकगीत और भारतीय संदर्भ में दर्शन" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रीतु जायसवाल

आईसीपीआर आयोजित समानता के विचार पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (28–30 जुलाई, 2015). पर "रॉल्स की मूल स्थितिः लिंग तटस्थता का प्रश्न"।

समकालीन भारतीय विचारकों पर आईसीपीआर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सत्ता से शांति तकरू टैगोर का मानवतावाद" (13–15 मार्च, 2016)।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के दर्शन और धर्म विभाग द्वारा भारतीय परंपरा, शैवागम और मूल्यः कमलाकर मिश्र के तांत्रिक परिप्रेक्ष्य पर आयोजित आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सही या अच्छे की प्राथमिकताः प्रो. कमलाकर मिश्र की मौक्ष की अवधारणा के अध्ययन" (12–14 अगस्त, 2016)।

एम के सुमेश, बेनेमेरिटा यूनिवर्सीडेड आतोनोमा डी पुबेला, मैक्सिको में सादृश्यता पर प्रथम विश्व कांग्रेस में "सादृश्य के मूल के रूप में व्युत्पत्ति" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। आईएसबीएन 978–83–65275–01–1, 4–6 नवंबर, 2015.

प्रदत्त पीएच.डी./एम. फिल. की संख्या
पीएचडीः 14
एम.फिलः 4

संकाय की संख्या
स्थायीः 19

मनोविज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
मनोविज्ञान विभाग, मनोविज्ञान और प्रयुक्त मनोविज्ञान में एम.ए. और मनोविज्ञान में पीएच.डी. में कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग की दो इकाइयां हैं– उत्तर परिसर में मनोविज्ञान इकाई और दक्षिण परिसर में प्रयुक्त मनोविज्ञान इकाई। जो उत्तर और दक्षिण परिसर में एम.ए .और पीएच.डी. कार्यक्रम में संयुक्त इकाइयों में दाखिला लेने वाले छात्रों की कुल संख्या क्रमशः 147 और 17 है।

संकाय अनुसंधान यूजीसी–एसएपीध्सीएएस, आईसीएसएसआर, डीएसटी–एपआईएसटी, डीआरडीओ, एआईसीटीई, एलएसआरबी, अनुसंधान एवं विकास, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुदान द्वारा समर्थित है। विभाग की अनुसंधान गतिविधियों सामुदायिक विकास, बूढ़े, नैदानिक मनोविज्ञान परामर्श, बाल और किशोर मनोविज्ञान, संज्ञानात्मक और न्यूरो मनोविज्ञान, व्यक्तित्व और आत्म विकास, संगठन संस्कृति और विकास के क्षेत्रों के आसपास केंद्रित है।

विभाग के पास एम. ए. मनोविज्ञान और एम. ए, प्रयुक्त मनोविज्ञान के छात्रों की इंटर्नशिप और अंतिम नियुक्ति के लिए अपना निजी नियोजन प्रकोष्ठ है। नियोजन प्रकोष्ठ छात्रों को परामर्श, नैदानिक, कॉर्पोरेट संगठनों और व्यापारिक घरानों के साथ मिलने और बातचीत करने और ऐसे क्षेत्रों को चुनने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जहां वे अपने कौशल और ज्ञान का सबसे अच्छा उपयोग कर सकते हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान, लगभग 20: छात्रों को अलग–अलग कंपनियों और संगठनों से काम के लिए नियोजन प्रस्ताव प्राप्त हुआ। विभाग के छात्रों के शैक्षणिक और अनुभवात्मक संवर्धन के विकास के लिए दो शैक्षिक यात्राओं– एक तिलोनिया गांव के लिए और एक अन्य कुल्लू मनाली के लिए, का आयोजन किया।

सम्मान/ विशिष्टता

प्रो. एन. के. चड्ढा को 2015 में संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल कैरियर डेवलपमेंट एसोसिएशन (एनसीडीए) द्वारा कैरियर विकास के लिए वर्ष के ग्लोबल व्यवसायी के रूप में सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

एस एस अरोड़ा और एस एस वोहरा, (2015) विश्वास आरोग्यः सकारात्मक संज्ञानात्मक – व्यवहार मनोविज्ञान के लिए एक दृष्टिकोण। सामाजिक विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका,1(1).

अलका बाजपेयी, (फरवरी, 2016). कार्यस्थल पर राजनीति की धारणाओं में भावनात्मक जलवायु की भूमिका की खोज। मनोविज्ञान के राष्ट्रीय एकेडमी की 25 वीं रजत जयंती का सम्मेलन।

एम. भाईसोरा, पी. सेजवाल और जी सी महाकुद, (2015). ऑटिस्टिक और देखभाल करने वालों में सदमे के बाद विकास। विकलांग और दुर्बलताः एक अंतःविषयक अनुसंधान पत्रिका, संस्करण–29, पृ.96–108.

एन. के. चड्ढा, और वी. चोपड़ा, (2015). सकारात्मक कार्य–परिवार इंटरफेस। सकारात्मक मनोविज्ञानः काम, स्वास्थ्य एवं कल्याण में अनुप्रयोग।

एन.के. चड्ढा और हरप्रीत भाटिया, (2015). कैरियर का विकासः अलग–अलग आवाजें विभिन्न विकल्प। मैकमिलन पेनिकल्स बुक्स रीडर्स पैराडायज।

मेघा ढिल्लों एवं नंदिता बाबू, (2015). स्कूली व्यवस्था में भारतीय बच्चों के बीच सहकर्मी संघर्ष। मनोवैज्ञानिक अध्ययन संस्करण 60, अंक 2,154–159.

के गंगई, जी सी, महाकुद और वी शर्मा, (2016). कर्मचारियों में नियंत्रण का स्थान और नौकरी से संतुष्टि के बीच सहयोगरूएक गंभीर समीक्षा, भारतीय मनोविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। ई–आईएसएसएनः 2348–5396, पी–आईएसएसएनः 2349–3429. डीआईपीः 18.01.179/20160302, संस्करण–3, पृ.–55–68.

वी गुप्ता, और देवलीना (2015). संगठनों को बेहतर तरीके से सामना करने में मदद करने में सकारात्मक भावनाओं की भीमिकारू फ्रेड्रिक्शन के व्यापक बनाने और सिद्धांत निर्माण का योगदान। संगठनात्मक और मानव व्यवहार, संस्करण 4, पृ. 52–61.

वी गुप्ता, और आर मेंद्रिता, (2015). खुशीः इसके पूर्ववृत्त और परिणामों को समझना। सामाजिक विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 2, सं. 2.

एम. बी. जग्गी और एस. एस. वोहरा, (2015). भावनात्मक विनियमन के माध्यम से कर्मचारियों के बीच लचीलापन बढ़ाना। प्रबंधन, के लिए मन, ब्लूम्सबरीः भारत। 306–318.

एस. पी. के. जेना, (2016). आरईएनओवीए, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यवहार संशोधन में सामान्यीकरण और प्रशिक्षण का रखरखाव। संस्करण. 2, सं. 1, 42–47.

एस खन्ना, और वी गुप्ता, (2016). ''नौकरी से संतुष्टि और संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर मनोवैज्ञानिक अधिकारिता का प्रभाव।'' संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण. 4, सं. 1, पृ–24–36.

एस कौल, और एस एस वोहरा, (2015). *अकेलेपन और निराशा से उबरना।* संज्ञानात्मक व्यवहार और मनोविज्ञान पर चौथा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीबीपी 2015). सिंगापुर, 9– 10 फरवरी 2015.

जी सी महाकुद, (2015). नैदानिक मनोविज्ञान और मनोचिकित्सा पेशेवर के लिए एक मानकीकृत प्रकरण इतिहास स्वरूप। मनोविज्ञान और मनोरोग विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। ऑनलाइन संस्करण, खंड –3, अंक–2, 48–55, जारी किए जाने की तारीखः10.5958/2320–6233.2015.00015.2

जी सी महाकुद और के एन गंगई, (2015). दफ्तर में आध्यात्मिकता का सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों में संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर प्रभाव। संगठन और मानव व्यवहार की पत्रिका। संस्करण 4 (1) पृ–37–46.

जी सी महाकुद, और आर जोशी, (2016). स्व–अवधारणा और शैक्षिक उपलब्धि का इससे संबंध, शिक्षा और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, ई–आईएसएसएन–2279–0179, संस्करण, 5, अंक–1, पृ–1–6.

जी सी महाकुद और आर यादव, (2015). मानसिक स्वास्थ्य पर खुशी का प्रभाव। भारतीय मनोविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। ई–आईएसएसएन:2348–5396, पी–आईएसएसएन:2349–3429. पृष्ठ परिचयः बी00385वी232015, संस्करण–2, अंक–3, पृ–106–114.

जी सी महाकुद, (2015). सरकारी और निजी स्कूल के किशोरों में कामकाज के प्रति दिलचस्पी। प्रौढ़ शिक्षा की भारतीय पत्रिका, संस्करण. 76 (2), पृ. 87–97.

जी सी महाकुद, एस अरोड़ा, और जे कौर, (2015). स्कूल जाने वाले बच्चों में व्यवहार की समस्या के प्रबंधन के लिए व्यवहार उपचार का प्रयोग। शिक्षा और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण, 4, अंक–3, पृ–38–43, आईबीआई कारकः 3.46.

जी सी महाकुद, वी गुप्ता और एन. के. चड्ढा, (2015). महिला सशक्तिकरण की दिशा में किशोर और युवा वयस्क महिलाओं का रवैयाः एक तुलनात्मक अध्ययन। स्वास्थ्य और कल्याण की भारतीय पत्रिका,संस्करण 6, अंक– 1.पृः 22–26.

ए पाइन और एस एस वोहरा, (2015). *अकेलापन और निराशाः इसके कारणों और वर्तमान समाज में मानसिक हस्तक्षेप के निहितार्थ को समझना।* संज्ञानात्मक व्यवहार और मनोविज्ञान पर चौथा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीबीपी 2015). सिंगापुर, 9–10 मई 2015.

सक्सेना व बाबू (2015). साझा करने पर दैनिक सबक। मानवीय मूल्यों की पत्रिका, 21 (2) 116–126.

वी सक्सेना, (2015). एक विधि के रूप प्रवचन विश्लेषण। अनुसंधान की भारतीय पत्रिका, 4(4),4–5.

वी सक्सेना, (2015). स्थिति के आधार पर नैतिक मूल्यांकन। सकारात्मक मनोविज्ञान की भारतीय पत्रिका, 6(2), 143–145.

वी सक्सेना, (2015). सांस्कृतिक रूप से सूचित नैतिक क्षेत्र। अनुसंधान विश्लेषण की वैश्विक पत्रिका, 4 (4), 1–2.

वी सक्सेना, और एन बाबू, (2015). "एक नैतिक पुण्य के रूप में बड़ों का सम्मानः टर्मिनल या इंस्ट्रुमेंटल?" मनोवैज्ञानिक अध्ययन में स्वीकृत। जारी किए जाने की तारीखः 10.1007/एस12646–015–03057वाई

एस वर्मा, (2016). ''संबंध जोड़ने के अहिंसक तरीकेः प्यार, चिकित्सा, और परे।'' व्यवहार विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 1(1).

एस विज और एन बाबू, (2016) भारतीय बच्चों में कृतज्ञता की अभिव्यक्तिः एक गुणात्मक जांच, कला और सामाजिक विज्ञान के ब्रिटिश पत्रिका, संस्करण.21 सं.1(2016) 25–33.

एम वानी, और एस एस वोहरा, (2015). मध्यम आयु वर्ग की गृहीणियों में जीवन में अर्थ की खोज और जीवन संतुष्टि पर इसका प्रभाव। मानव अधिकार अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका। 3 (1).

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. नंदिता बाबू, अनुसंधान एवं विकास अनुसंधान परियोजना, 2015–16 शीर्षक "सहानुभूति और भावनात्मक उत्तरदायी अपराधी और गैर–अपराधी किशोरों का एक तुलनात्मक अध्ययन।"

डॉ. दिनेश, अनुसंधान एवं विकास अनुसंधान परियोजना, 2015–16 शीर्षक "स्मृति और इंटरनेट आत्म प्रभावकारिता की भूमिका पर गूल प्रभाव।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों का आयोजन

22 जुलाई 2015 को डॉ. के रामचंद्रन, निदेशक, डीआईपीआर, डीआरडीओ द्वारा मनोविज्ञान विभाग में "सैन्य स्थापना में मनोविज्ञान के उपयोग"।

डॉ. वंदना थापर, संयुक्त निदेशक, एनआईपीसीसीडी द्वारा 23 जुलाई 2015 को "बच्चों और किशोरों तक पहुँचना"।

"डॉ राजेश सिंह, उप पुस्तकाध्यक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007 द्वारा 24 जुलाई, 2015 को मनोविज्ञान विभाग में "ऑनलाइन सूचना पुनर्प्राप्तिः उपकरण और तकनीक (II) मनोविज्ञान में ई–संसाधन" ।

प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा द्वारा 10 अगस्त, 2015 को 11:00 बजे मनोविज्ञान विभाग में "मनोविज्ञान का विकासः राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य"।

डॉ. सुशील चंद्रा, वैज्ञानिक, आईएनएमएएस, डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा 1 सितंबर, 2015 को 2:00 बजे मनोविज्ञान विभाग में "संज्ञानात्मक विज्ञान में उभरते रुझान"।

सुश्री प्रतीक्षा शर्मा, शास्त्रीय संगीतकार, जीवन रक्षा शोधक, मानसिक स्वास्थ्य में अंतःविषय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान द्वारा 4 सितंबर, 2015 को "गीत बनाना, द्विध्रुवी विकार से विवेक–का उद्धार करना"।

सुश्री ई. राइट, वाईएमसीए, निजामुद्दीन दिल्ली द्वारा28 सितंबर, 2015 को "वैश्विक सामाजिक कार्य रुझान"।

"डॉ. आशिमा नेहरा, न्यूरो मनोविज्ञान विभाग, संकाय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा 23 जुलाई, 2015 को 11:00 बजे मनोविज्ञान विभाग में "न्यूरो मनोविज्ञान में उभरते रुझानरू अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अनुभव"।

9 वीं फरवरी, 2016 को शबनम विरमानी द्वारा कबीर के साथ चलनाः एक अनुभवात्मक यात्रा।

डॉ. सुसान आनंद और डॉ. जेन क्रिस्टेल (मिसिसिपी विश्वविद्यालय) द्वारा 13 फरवरी, 2016 को कला चिकित्सा पर कार्यशाला।

डॉ. सुसान आनंद और डॉ. जेन क्रिस्टेल (मिसिसिपी विश्वविद्यालय) द्वारा 13 और 14 फरवरी, 2016 को कला उपचार।

डॉ. सुनीत वर्मा, डॉ. मोनिका गुप्ता और प्रो. भरत गुप्ता द्वारा 17 फरवरी, 2016 को श्री अरबिंदो और भविष्य मनोविज्ञान।

फोर्टिस अस्पताल की डॉ. अदिति कौल द्वारा 9 मार्च, 2016 को क्रिएटिव आर्ट और मूवमेंट थेरेपी।

17 वीं मार्च, 2016 को प्रो. नावेद इकबाल द्वारा मनोविज्ञान पर इस्लामी परिप्रेक्ष्य ।

श्री सुधीर मिश्रा द्वारा 18 वीं मार्च, 2016 को मनो विश्लेषक मनोचिकित्सा।

प्रो. आर सी त्रिपाठी द्वारा 18 वीं मार्च, 2016 को प्रो. एनिमा सेन स्मारक व्याख्यान।

प्रो. एंथोनी पार्कर द्वारा 29 मार्च, 2016 को योग और मनोचिकित्सा पर कार्यशाला।

2 और 3 अप्रैल, 2016 को नाट्यशस्ता की प्रक्रिया के माध्यम से चेतना साक्षी की संभावना तलाश।

प्रो. हनी ओबराय, अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा 4 मार्च, 2016 को शोधकर्ता की स्वयं की चुनौतियां।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो. आनंद प्रकाश
2–3 मार्च, 2016 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के मनोविज्ञान विभाग द्वारा "स्वास्थ्य और कल्याणः सांस्कृतिक आख्यान को साझा करना" पर एक व्याख्यान दिया।

15–18 अप्रैल, 2016 को मनोविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (यूपी) द्वारा आयोजित गुणात्मक अनुसंधान के तरीके के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

30–31 मई, 2016 को गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित गुणात्मक अनुसंधान के तरीके पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. एस पी के जेना, (2016) नशे की लत के व्यवहार में निरोधात्मक नियंत्रण और त्रुटि–प्रसंस्करण पर एक न्यूरो संज्ञानात्मक परिप्रेक्ष्यरू संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, 4–5 अप्रैल 2016 को व्यवहार विज्ञान संस्थान, फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात में।

डॉ. एस पी के जेना, (2016) सिरदर्द में जैवप्रतिक्रिया के उपयोग पर। विभिन्न विकारों में बायोफीडबैक के उपयोग में, 3–5 मार्च, 2016 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा जैवप्रतिक्रिया पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

डॉ. अलका बाजपेयी

2–5 फरवरी, 2016 को मनोविज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी की 25 वीं रजत जयंती पर मनोविज्ञान विभाग और सीबीसीएस, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में "कार्यस्थल पर राजनीति की धारणाओं में भावनात्मक पर्यावरण की भूमिका की खोज" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

24–26 फरवरी, 2012 को एसएमएस, वाराणसी में "भावनात्मक पर्यावरण और दफ्तर में आध्यात्मिकता" शीर्षक से "वैश्विक प्रबंधन संकट को दूर करने के लिए आध्यात्मिक प्रतिमान" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएचडी की संख्या
पीएचडीः 23

संकाय की संख्या
स्थायी – 13
अस्थाई – कोई नहीं
तदर्थ – 03

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग को हाल ही में एसएपी – डीआरएस–I के लिए यूजीसी से मान्यता प्राप्त हुई है और 44 लाख रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ है।

पंजाबी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
पंजाबी विभाग में छात्रों के लिए एमए, एम फिल, पीएच.डी. के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2015–2016 के दौरान सफल साहित्यिक कार्यक्रमों राष्ट्रीय संगोष्ठियों, स्मारक व्याख्यान और विशेष व्याख्यान आदि का आयोजन किया है। अनुसंधान उन्मुख अध्ययन करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए, हमारे संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों/सम्मेलनों/व्याख्यानों/पुनश्चर्या व अन्य शैक्षणिक एवं साहित्यिक संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पंजाबी आलोचना के दिल्ली स्कूल का प्रमुख केंद्र होने के एक उल्लेखनीय विरासत के साथ, बदलते समय के साथ विभाग में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सम्मेलन ६ संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान आदि आयोजित किए जाते रहे हैं। विचारकों, लेखकों, बुद्धिजीवियों और शिक्षकों और छात्रों में सीधी बातचीत के लिए विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए मंच के माध्यम सेयह सुनिश्चित किया गया है कि विभाग दशकों से पंजाबी साहित्य और संस्कृति के गतिशील परिवर्तन के केंद्र में रहता आया है।

सम्मान/ विशिष्टता
प्रो. रवैल सिंह, विभाग प्रमुख ने पंजाबी साहित सभा, दिल्ली द्वारा पंजाबी भाषा के संवर्धन के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन
जे कौर, (2015), मौलश्री : पाठकी प्रवचन, खोज पतरिया, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला

आर कुमार, (उर्फ रवि रविंदर) (2015, दिसंबर) पंजाबी भाषा साहित अते सशियाचरक : साम्बली साहिति अते भविखमुखी संभावनावान, पंजाबी साहित्य की आंतरिक पत्रिका, संस्करण.1.

ए सिंह, (2015, जुलाई अगस्त). मंजीत इंदिरा काव दे विधि विधान समदर्शी, पंजाबी अकादमी दिल्ली अंक सं 146, (84–93) छवजम नोटः यही लेख "मंजीत इंदिरा कावःबिरतांत–पुनर्बिरतांत" नामक किताब में दुबारा दिया गया है, डॉ हरजोत सिंह द्वारा संपादित, चेतना प्रकाशन लुधियाना द्वारा प्रकाशित (2015) (40–48).

ए सिंह, (2014, सितंबर अक्टूबर). पंजाबी क्रिया विशेषण पर संस्कृत के अव्यय का प्रभाव। समदर्शी, 141, (58–63)

आ सिंह, (2015, जनवरी फरवरी). मीडिया रू वर्तमान अते भवुख दी तलाश. समदर्शी, 143, (56–62)

वाई. सिंह, (2015) हैदरः देह ते उकरिया कौम दा बिरतांत (पृष्ठ सं. 87–93), फिलहाल, संस्करण. 25.

वाई. सिंह, (2014, सितंबर). इतिहास दी बिरतांतकारीः लाली. खोज पत्रिका, संस्करण.79, (6–16)

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. मनजीत सिंह, 2012 इतिहास और पंजाबी आलोचना का दिल्ली स्कूल, पंजाबी साहित सभा की उपलब्धियाँ, दिल्ली।

प्रो. रवैल सिंह, 2013 वाराणसी उपन्यास का अनुवाद– एम.टी. वासुदेवन नायर द्वारा एक उत्कृष्ट उपन्यास, साहित्य अकादमी, दिल्ली.

प्रो. रवैल सिंह, 2013 मोनोग्राफ शीला भाटिया–एक प्रख्यात रंगमंच कलाकार, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।

डॉ. नछत्तर सिंह 2013 पाणिनी की अष्टाध्यायी लिपि अंतरण, अनुवाद और व्याख्या का पंजाबी, साहित्यिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में।

प्रो. रवैल सिंह 2014, पुस्तक का संपादन ष्संकलन राजस्थानी लघु कथाएँ, साहित्य अकादमी दिल्ली।

संगोष्ठियों का आयोजन

साहित्य अकादमी, दिल्ली के सहयोग से पंजाबी विभाग ने विषय पंजाबी विभाग के विभागीय सेमिनार हॉल में 16 मार्च, 2016 को ''पंजाबी लोकगीत और संस्कृति के लिए चुनौतियां'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

साथ ही, विभाग में ''सूफी और पंजाबी सूफी काव्य'' पर प्रो. हरभजन सिंह स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया। 20 अक्टूबर, 2015 को पंजाबी अकादमी के साथ सहयोग में पंजाबी विभाग के विभागीय सेमिनार हॉल, दिल्ली में प्रख्यात विद्वान डॉ. नरेशों द्वारा व्याख्यान दिया गया।

विभाग ने ''भारतीय नाटक परंपरा'' प्रो. एस एस नूर स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया। प्रख्यात सैद्धांतिक और लेखक अर्जुन देव चरनान द्वारा 18 फरवरी, 2016 को पंजाबी विभाग के विभागीय सेमिनार हॉल में व्याख्यान दिया गया।

साहित्य अकादमी और पंजाबी विभाग ने 28 मार्च, 2016 को ''मेरी खिड़की के माध्यम से'' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें प्रख्यात लेखक ने पंजाबी विभाग के विभागीय सेमिनार हॉल में प्रसिद्ध लेखक और स्तंभकार खुशवंत सिंह के बारे में बात की ।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. कुलवीर गोजरा ने 30 अप्रैल–1 मई, 2015 को पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला में आयोजित दो दिनों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन, सरब भारती सम्मेलन में ''दिल्ली विच पंजाबी भाषा दी साहिती'' शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कुमार ने 13 –14 जून, 2015 को कलम भाषा विकास फाउंडेशन, ब्रैम्पटन, टोरंटो, कनाडा द्वारा आयोजित पंजाबी भाषा पर ''विश्व पंजाबी सम्मेलन'' 2015 में "साहित और सभियाचारः वर्तमान अते भविख" पर एक मुख्य भाषण दिया।

डॉ. रविंदर कुमार ने 30.09.2015 से 01.10.2015 के दौरान गुजरांवाला गुरु नानक खालसा कॉलेज, लुधियाना द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. बलजिंदर सिंह ने 05.11.2015 को बीजीसी भुट्टा लुधियाना पंजाब में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''समकालीन यामिति और साहित्य'' शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कुलवीर गोजरा ने 5–7 नवंबर, 2015 को भुट्टा ग्रुप ऑफ कॉलेज्स, लुधियाना में आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी अध्ययन कांग्रेस में ष्समकाली पंजाबी खोजः दशा ते दिशाष शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. यादविंदर सिंह ने 5–7 नवंबर 2015 को भुट्टा ग्रुप ऑफ कॉलेज्स, लुधियाना में आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी अध्ययन कांग्रेस में ''पंजाबी सिनेमा विच रुढ़िबद्ध पहचान न दी निर्मानकारी'' शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कुलवीर गोजरा ने 27–28 नवंबर, 2015, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में जन्म शताब्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी में बावा बलवंत पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बावा बलवंत दी काव–विकास यात्रा" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. यादविंदर सिंह ने 27–28 नवंबर, 2015 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में जन्म शताब्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी में बावा बलवंत पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बावा बलवंत दी काव सृजन प्रक्रिया" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कुमार ने 09.03.2016 से 10.03.2016 तक पंजाबी विभाग, गुरु नानक खालसा कॉलेज, यमुनानगर और उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कुमार ने 14.03.2016 से 15.03.2016 तक बाबा फरीद ग्रुप के संस्थानों, भटिंडा, पंजाब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोगः
साहित्य अकादमी, दिल्ली ने 2 कार्यक्रमों को प्रायोजित किया।
एस एस नूर फाउंडेशन, दिल्ली से एक विस्तार व्याख्यान प्रायोजित

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल.की संख्या
पीएचडीः 07
एम.फिलः 06

संकाय की संख्या
स्थायीः 09

संस्कृत

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
संस्कृत विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों और कॉलेजों में 26.08.2015 से 01.09.2015 तक संस्कृत सप्ताह के समारोह का आयोजन किया गया।

डॉ. ओम नाथ बिमाली, एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग को भारतीय अध्ययन विभाग, विदेश अध्ययन के हनकुक विश्वविद्यालय, योगिन्सी, दक्षिण कोरिया में विदेशी प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्हें 28.3.2015 से 27.3.2016 तक अर्थात् एक वर्ष के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है।

प्रो. रमेश सी. भारद्वाज, 28–29 अक्टूबर, 2015 के दौरान मानविकी की रूसी स्टेट यूनिवर्सिटी, मास्को में आईसीसीआर, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "भारत, रूस और पड़ोसी देशों में संस्कृत और इंडोलॉजीः अतीत, वर्तमान और भविष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शैक्षिक समन्वयक और भारतीय समन्वयक के रूप में काम किया।

सम्मान/विशिष्टता
प्रो. रमेश सी. भारद्वाज आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा विद्यानंद सरस्वती वैदिक पुरस्कार 2015 से सम्मानित किया गया।

प्रो. रमेश सी. भारद्वाज को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत विद्या मार्तंड पुरस्कार 2014 से सम्मानित किया गया।

प्रो. रमेश सी. भारद्वाज को हरियाणा संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत सेवा पुरस्कार 2014 के लिए सम्मानित किया गया।

प्रकाशनः

2015–2016 के दौरान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा 69 शोध पत्र / किताबें प्रकाशित की गई थीं। प्रकाशनों की सूची इस प्रकार हैः

डॉ दया शंकर तिवारी(2015). भवभूति के नाटकों में अलंकारध्वनि, गंगानाथ झा की पत्रिका, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 0377–0575.

डॉ दया शंकर तिवारी (2015). संस्कृत साहित्य में जल प्रबंधन की वैज्ञानिक अवधारणा, पाटलिपुत्र की पत्रिका, इंडोलॉजी की पत्रिका, पीसीआईआर, पटना द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 2320–351X.

डॉ दया शंकर तिवारी (2015). उत्तर राम चरित में ध्वनि का प्रयोग, पाटलिपुत्र की पत्रिका, इंडोलॉजी की पत्रिका, पीसीआईआर, पटना द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 2320–351 X.

डॉ दया शंकर तिवारी (2015). एपी कालीदास के नाटकों में नारी का स्थानरू आधुनिक संदर्भ, नव उन्नयन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 2230–8997.

डॉ दया शंकर तिवारी (2015). संस्कृत दर्पण (संपादित), प्रकाशक चौखंभा ओरियेंटलिया, दिल्ली, आईएसबीएन:978–81–89469–82–5.

डॉ रंजन कुमार त्रिपाठी (2015). संस्कृत साहित्य में वर्णित दोहद, शोध –धारा की पत्रिका, आईएसबीएन/ आईएसएसएन सं. 0975–3664.

डॉ रंजन कुमार त्रिपाठी (2015). मृच्छकिटिकम में नारीअलंकरण, त्रिपथगा की पत्रिका, आईएसबीएन/ आईएसएसएन सं. 2395–4280.

डॉ रंजन कुमार त्रिपाठी (2015). कालीदास की कृति अभिज्ञानशाकुंतलम में ध्वनि : एक अनुशीलन, शोध –धारा की पत्रिका, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 0975–3664.

डॉ रंजन कुमार त्रिपाठी (2015). अनुसंधान पत्रिका "त्रिपथगा" के प्रधान संपादक, त्रिपथगा की पत्रिका, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 2395–4280.

डॉ. वेद प्रकाश डिंडोरिया (2015). महर्षि दयानंद के अनुसार शिष्य एवं गुरु–शिष्य संबंध, वाक सुधा की पत्रिका, आईएसएसएन सं. 2347–6605.

डॉ. वेद प्रकाश डिंडोरिया (2016). योगानुशासनप्रकाश, पुस्तक परिपल पब्लिकेशन, दिल्ली, आईएसबीएन सं. 978–81–7110–543–4.

डॉ. वेद प्रकाश डिंडोरिया (2016). वक्रोक्तिवितान –प्रार्थना उन्मेष, पुस्तक शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली आईएसबीएन सं. 978–93–85144–76–9.

डॉ. रंजीत बेहरा (2015). 40 पुस्तकों ''रानी एपीआई'' की एक श्रृंखला का अनुवाद किया, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/ आईएसएसएन सं. 978–93–5007–353–7 (वर्षा श्रृंखला)

डॉ. रंजीत बेहरा (2015). ''सुक्तिसौरभम भाग–I'' के सह–संपादक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

पुस्तक ''सुक्तिसौरभम भाग–I'' के सह–संपादक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 978–93–5007–350–6.

डॉ. रंजीत बेहरा (2015). "सूक्तिसौरभम भाग–II" के सह–संपादक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित,आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 978–93–5007–351–3.

डॉ. रंजीत बेहरा (2015). "सूक्तिसौरभम भाग – तीन" के सह–संपादक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 978–93–5007–352–0.
डॉ. राजीव रंजन (2015). "वेदांग ज्योतिष का काल निर्धार्ण" शोध–धारा की पत्रिका, आचार्य अकादमी, रोहतक द्वारा प्रकाशित, आईएसएसएन:2348–0114.

डॉ. राजीव रंजन (2015). "मंगला दोष परिहार और ग्रहों की भूमिका" भविष्य समाचार की पत्रिका, फ्यूचर प्वायंट द्वारा प्रकाशित, दिल्ली, आईएसएसएन–2278–7941.

डॉ. राजीव रंजन (2015). "प्राकृतिक आपदाओं का ज्योतिषशास्त्र द्वारा पूर्वानुमान" वेद ज्योतिषमती की पत्रिका, राष्ट्रीय संस्कृत अनुसंधान परिषद, दरभंगा द्वारा प्रकाशित, आईएसएसएन:2349–3100.

डॉ. राजीव रंजन (2016). "राजनीति में सफलता और ज्योतिषशास्त्र" शोध नवनीत की पत्रिका, स्तुति परिचय विद्या समिति, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रकाशित, आईएसएसएन:2321–6581.

डॉ. सोमवीर (2016). "भास्काचार्य का काल निर्धारण : एक पुनराकलन" अनंता की पत्रिका, तिरुपति जर्नल सॉल्यूशन्स, दिल्ली द्वारा प्रकाशित दिल्ली, आईएसबीएन/ आईएसएसएन सं. 2394–7519.

डॉ. सोमवीर (2015). "वर्तमान शिक्षा –प्रणाली के सन्दर्भ में उपनिषदीय–शिक्षा की उपादेयता" अनंता की पत्रिका, तिरुपति जर्नल सॉल्यूशन्स, दिल्ली द्वारा प्रकाशित आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 2394–7519.

डॉ. सोमवीर (2015). "आचार्य काका कालेलकर की दृष्टि में गीता का समाजदर्शन" अनंता की पत्रिका, तिरुपति जर्नल सॉल्यूशन्स, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 2394–7519.

डॉ. विजय शंकर द्विवेदी (2014). "वेदकालीन शासनव्यवस्था के आधुनिक स्वरूप" गगंगानाथ झा कैंपस की पत्रिका, आईएसबीएन/आईएसएसएन सं. 0377–0575.

डॉ. विजय शंकर द्विवेदी (2015). ''ईपसतमभृगयासूत्र में वर्णित संस्कारों की आधुनिक प्रासांगिकता'' वेदविद्या की पत्रिका, महर्षि सांदीपनी राष्ट्रीय देदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित आईएसबीएन/ आईएसएसएन सं. 2230–8962.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. बलराम शुक्ला, ''मन, नैतिकता और इरादेः भारतीय परंपराओं से सीख" शीर्षक अनुसंधान परियोजना, आईसीएसएसआर, भारत सरकार, रु. 10,00,000.

डॉ. मीरा द्विवेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुसंधान परियोजना शीर्षक ''अभिनय और पटकथा लेखनः संस्कृत नाट्य परंपरा के प्रकाश में'', रु. 1,50,000.

डॉ. दया शंकर तिवारी, अनुसंधान परियोजना, शीर्षक ''सीबीसीएस, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत बीए (कार्यक्रम) के लिए संस्कृत में गणितीय परंपरा पर संस्कृत पाठ्यपुस्तक की तैयारी (डीएसई –5)। रु. 1,50,000.

डॉ. धनंजय कुमार आचार्य, "मितभासीकरण टीका का समीचन" शीर्षक अनुसंधान परियोजना, रु. 1,50,000.

डॉ. वेद प्रकाश डंडोरिया, अनुसंधान परियोजना हकदार ''नाट्यशास्त्र के टीकाकार के रूप में आचार्य उद्भट का अवदान" शीर्षक अनुसंधान परियोजना, रु. 1,00,000.

सम्मेलन का आयोजन

28 जुलाई, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

26.09.2015 से 28.09.2015 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा वैदिक कालक्रमः एक पुनर्मूल्यांकन पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः

24 नवंबर 2015 को संस्कृत, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभाग में नई शिक्षा नीति पर संगोष्ठी।

02.02.2016 को ''पुस्तकः संस्कृत के लिए लड़ाई श्री राजीव मल्होत्रा द्वारा लिखी पुस्तक'' पुस्तक का विमोचन समारोह।

11.03.2016 –12.03.2016 को पर ''वर्तमान विश्वविद्यालय प्रणाली में संस्कृत शास्त्र की शिक्षा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो. रमेश सी. भारद्वाज, 28–29 अक्टूबर, 2015 के दौरान मानविकी की रूसी स्टेट यूनिवर्सिटी, मास्को में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ''भारत, रूस और पड़ोसी देशों में संस्कृत और इंडोलॉजीः अतीत, वर्तमान और भविष्य'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शैक्षिक समन्वयक और भारतीय समन्वयक के रूप में काम किया।

प्रो. रमेश सी. भारद्वाज 15–23 मार्च, 2016 के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में अनुवाद सम्मेलन में भाग लिया।

23.11.2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की विश्व इंडोलॉजिकल सम्मेलन के विदेशी प्रतिनिधियों का सम्मान।

दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने 28.6.2015 से 02.07.2015 के दौरान संस्कृत अध्ययन केन्द्र, सिल्पाक्रोन विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित 16 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में में भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किया।

i. डॉ. सत्यपाल सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर
ii. डॉ. दया शंकर तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर
iii. डॉ. पंकज कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर (21.7.2015 को इस्तीफा दे दिया)
iv. डॉ. सत्यमूर्ति, रीडर (जेएनयू में प्रतिनियुक्ति पर)
v. डॉ. सुभाष चंद्रा, सहायक प्रोफेसर

अंतर संस्थागत सहयोग

26–28 सितंबर, 2015 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, महर्षि संदिपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन और भारतीय पुरातत्व सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मूलपाठ, पुरातत्व, भाषाई, सामाजिक, पौराणिक और आनुवांशिक प्रमाणों के प्रकाश में ''वैदिक साहित्य के कालक्रम (संहिता से वेदांग)'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

भारत के माननीय राष्ट्रपति के निर्देश पर संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के वैश्विक भारतीयता सम्मेलन के विदेशी प्रतिनिधियों का सम्मान।

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और आर्श साहित्य ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंद्र विद्या वाचस्पति संस्कृत भाषण प्रतियोगिता।

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रो. नरेंद्र नाथ चौधरी स्मृति व्याख्यान 2016 का आयोजन।

11–12 मार्च 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर के संस्कृत विभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर के संस्कृत विभाग में वर्तमान विश्वविद्यालय प्रणाली में संस्कृत शास्त्र की शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

प्रदत्त पीएच.डी./एम. फिल. की संख्या
पीएच.डी.: 29
एम.फिल. : 14

संकाय की संख्या
स्थायीः 24

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग में निम्न अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ की गई हैं :

1. वैदिक कालक्रम के प्रकाश में आर्य सिद्धांत।
2. संस्कृत साहित्य के कालक्रम की जड़।
3. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास लेखन।

तदनुसार, विभाग द्वारा इन विषयों पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिनके बारे में हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक जागरण, टाइम्स ऑफ इंडिया, द हिंदू, मेल टुडे, इकोनोमिक टाइम्स, नवभारत टाइम्स जैसे राष्ट्रीय समाचार पत्रों में अच्छी तरह से रिपोर्टिंग की गई।

विभाग अपनी निजी वेबसाइट Sanskrit.du.ac.in चलाता है। विभाग के लोगों, शोध छात्रों, विभाग द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों, पाठ्यक्रम, सेमिनार और अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी को नियमित रूप से वेबसाइट पर अद्यतित किया जाता है।

उर्दू

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभाग के शिक्षक सक्रिय रूप से उर्दू साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रकाशन के काम में लगे हुए हैं। कई विशिष्ट आगंतुकों, प्रोफेसरों और प्रख्यात हस्तियों ने विशेष व्याख्यान देने और संकाय सदस्यों के साथ ही विभाग के छात्रों से बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

प्रो. एस.ए. करीम, एन.सी. पी.यू.एल के निदेशक नियुक्त किए गए।

अनुसंधान परियोजनाएं
1.डॉ. काडिम मोहम्मद, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एदम विकास राशि रु.1,50,000/–
2.डॉ. रेहमानी नजमा, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एदम विकास राशि रु.100,000/–
3.डॉ. अबु आबाद बकर, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एदम विकास राशि रु.100,000/–
4.डॉ. अहमद इम्तियाज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान एदम विकास राशि रु.100,000/–

प्रकाशनः

2015–16 के दौरान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा कुल 19 शोध पत्र/पुस्तकें प्रकाशित की गई थीं। प्रकाशित पुस्तकों की सूची इस प्रकार हैः –

प्रो. एन. एम. कमाल, 2015, तनकीदी इजहार , दिल्ली, किताबी दुनिया।

प्रो. करीम एस.ए. 2015. गुरेज (उपन्यास) संपादित, माडर्न पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

डॉ. रहमानी नजमा, उर्दू अफसाने का सफर – 2 संस्करण (संपादित) अर्सिया पब्लिकेशन, दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

डॉ. अबु बकर आबाद, ताकीद से पर, पुस्तक निगम, दिल्ली–6 द्वारा प्रकाशित।

डॉ. अर्जुमंद आरा, तानिसी मुतालियत, एजुकेशनल पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित।

डॉ. सुल्ताना नासरा, हिंदुस्तानी मुशायरे का आईना जिलानी बानो का फिक्शन अर्शिया पब्लिकेशन, दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

डॉ. अहमद इम्तियाज (2016), ''सौदा के कासिद में तंज की सूरत'' ''ऐवान–ए–उर्दू'' में प्रकाशित (संदर्भित उर्दू पत्रिका) दिल्ली.

डॉ. अहमद इम्तियाज, (2015) अल्लामा इकबाल के सूफियाना तस्सबुरात पर एक नजर अल्लामा इकबाल हयात ओ खिदमत में प्रकाशित, डॉ. नईम अनीस द्वारा संपादित, मगरबी बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता, नवंबर 2015।
डॉ कुमार मिथुन, 2015 कहानी अभी खतम नहीं हुई, नया दौर ''लखनऊ'' के एक उर्दू मासिक में।

डॉ. कुमार मिथुन, 2015 में, एक मासिक पत्रिका उर्दू दुनिया में उर्दू अफसानों में दलित रुझान शीर्षक एक लेख प्रकाशित किया।

डॉ. कुमार मिथुन, 2015 में, लखनऊ से प्रकाशित एक त्रैमासिक हिंदी पत्रिका ''दलित संवेग'' में ''इक्कीसवीं सदी के द्रोणाचार्य और एकलव्य'' शीर्षक एक लेख प्रकाशित किया।

डॉ. इरशाद अहमद खान, 2016 गालिब शनासी का एक मुहब्बतनामाः अबु मोहम्मद शहर गालिब कृलेज, गया मैगजीन (एम.यू. बोध गया).

डॉ. इरशाद अहमद खान, (2016) "गर्ज" का हीरो, नईमुल हसन, किताब नामा, दिल्ली.

डॉ. इरशाद अहमद खान 2016 "गुरेज कीकिरदार नागरी" ऐवान –ए–उर्दू, दिल्ली.

डॉ. अदरीश अली अहमद, (2015) "इकबाल–आतिया फैजी की खुतूत की रोशनी में" पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता

डॉ. ओमर साजिया, 2015, हरमन हेसेः मगरबी फनकार, मशरिकी आरिफ, ऐवान –ए–उर्दू, दिल्ली, आईएसएसएनः 2321–2888.सफर मुसलसल का इस्तराः नासीर काजमी, आजकल, जुलाई 2015, दिल्ली.

डॉ. ओमर साजिया, 2016 गालिब शनासी के तीन अहम नामे, शमा –ए–हयात, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य).

प्रदत्त पीएच.डी/एम.फिल उपाधियों की संख्या
पीएच.डी : 7
एम.फिल. : 15

संकाय की संख्या
स्थायी :16

शिक्षा संकाय

शिक्षा

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
शिक्षा विभाग को शिक्षा के केंद्रीय संस्थान के रूप में जाना जाता है, यह शिक्षा के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। विभाग कई पेशेवर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम अर्थात् दो वर्ष का बी.एड., दो वर्ष का एम.एड., एम फिल (पूर्णकालिक और अंशकालिक प्री–डॉक्टरेट रिसर्च कार्यक्रम) और पीएच.डी. (शिक्षा में डॉक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रम) प्रदान करता है। एनसीटीई की विभिन्न समितियों में होने के नाते, हमारे संकाय सदस्यों ने न केवल विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों, बल्कि पूरे देश के लिए दो वर्ष के नये बी. एड. कार्यक्रम और दो वर्ष के एम.एड. कार्यक्रम के लिए नया पाठ्यक्रम ढांचा और कार्रवाई की योजना विकसित की है। विभाग के सभी संकाय सदस्य पूरे वर्ष विभिन्न पाठ्यक्रमों को विकसित, संशोधित और समृद्ध करने, नए कार्यक्रमों को लागू करने, नए कार्यक्रमों को लागू करने में सामने आने वाली स्थितियों से संघर्ष करने और उन्हें हल करने में व्यस्त रहे। वास्तव में, हमारे विभाग द्वारा विकसित पाठ्यक्रम और कोर्स देश भर में कई संस्थानों के लिए मशाल वाहक और मॉडल की भूमिका निभा रहे हैं। 2015 के पहले पूर्णकालिक बी.एड. और एम. एड. कार्यक्रम एक वर्ष की अवधि के थे। एम.फिल. और पीएच.डी. विभाग के कार्यक्रमों ने भी बहुत से लोगों को प्रवेश हेतु आवेदन पत्र लेने के लिए आकर्षित किया।

संकाय सदस्यों की एक बड़ी संख्या आईएएसई/मानव संसाधन विकास मंत्रालय और अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित विभिन्न अनुसंधान परियोजना में शामिल रही। संकाय सदस्य अंतर– संस्थागत सहयोग में भी लगे हुए थे। हमारे कुछ संकाय सदस्यों ने विभिन्न शैक्षणिक प्रयासों के लिए विषय विशेषज्ञों और संसाधन व्यक्तियों के रूप में अन्य राज्यों और देशों के संस्थानों का दौरा किया। ईरान और स्वीडन से विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने शैक्षिक विचारों के आदान–प्रदान के लिए विभाग का दौरा किया। विभाग ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और विभिन्न आर्थिक सहायता एजेंसियों द्वारा समर्थित चार राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों का आयोजन किया। प्रो. नमिता रंगनाथन स्कूली स्वास्थ्य और कल्याण की भारतीय पत्रिका में संपादक के रूप में शामिल हुईं। हमारे संकाय सदस्यों में से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड, सलाहकार समितियों और समीक्षक पैनलों में हैं। कई शैक्षणिक गतिविधियां, नियमित रूप से नागरिक शास्त्र सोसायटी, इतिहास सोसाइटी, मानव अधिकार एसोसिएशन (एएएचआरएवी) और शैक्षिक प्रौद्योगिकी सोसायटी (एसओसीआरएटीईएस) जैसी विभिन्न छात्र समितियों के माध्यम से विभागीय गतिविधियों का एक हिस्सा हैं। संगठन और डेटा की रिकॉर्डिंग, संगठन और संचार तथा विश्वविद्यालय के एनएएसी सहकर्मी टीम की निर्बाध यात्राओं के लिए आईक्यूएसी और एनएएसी समितियां भी गठित की गईं।

प्रकाशन

वी. के. कांवरिया, (2016). अकादमिक लेखन और प्रशस्ति पत्र पर परिप्रेक्ष्य और धारणाएं। दिल्लीः वीएल मीडिया प्रकाशक। आईएसबीएनः 9789385068836.

वी. के. कांवरिया, (2015, मुद्रण के अंतर्गत)। आईसीटी संवर्धित प्राथमिक शिक्षण और अधिगम। प्राथमिक शिक्षक, आईएसएसएनः 09209282.

एस. कुमार, (2016) .उलझती धर्मनिरपेक्षता अन्वेषिका। आईएसएसएनः 09747702.

ई. अंटरहाल्टर, टी. मैकक्रोवन और ए. रामपाल, (2015). निष्कर्षः टी. मैकक्रोवन में अनीता रामपाल और ई. अंटरहाल्टर (संपा.) शैक्षणिक और अंतर्राष्ट्रीय विकास के साथ एक परिचय। लंदनः ब्लूम्सबरी। आईएसबीएनः 9781472506979.

अनुसंधान परियोजनाएं

अनामिका, आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 2015–16. शीर्षक ''एनसीईआरटी की इतिहास की पाठ्यपुस्तकों के साथ शैक्षणिक अनुभव'', 0. 5 लाख रु.।

डी. परिमल, अनुसंधान एवं विकास योजना, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16. शीर्षक ''दिल्ली विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर के छात्रों की उच्च शिक्षा की स्थिति के बारे में समझ'', 1.5 लाख रुपए।

कंचन, आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 2015–16. शीर्षक ''उच्च शिक्षा में सुधारः शिक्षकों की धारणा का एक अध्ययन'', 0.5 लाख रुपए ।

विनोद कुमार कांवरिया, आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शीर्षक, ''शैक्षणिक लेखन और प्रशस्ति पत्र पर एक अध्ययन''। 0.5 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई सम्मेलन में ''उच्च शिक्षा में सामाजिक नीतिःचुनौतियां और संभावनाए'' पर आईसीएसएसआर और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित और नवंबर 2015 के दौरान डी. परिमल द्वारा आयोजित।

फरवरी, 2016 के दौरान ''विज्ञान और गणित की शिक्षा में उभरते रुझान'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित और साधना सक्सेना, हनीत गांधी और युक्ति शर्मा द्वारा आयोजित।

आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित और फरवरी, 2016 के दौरान पंकज अरोड़ा, संदीप कुमार और वंदना सक्सेना द्वारा आयोजित ''सामाजिकः राजनीतिक परिप्रेक्ष्य समावेशन'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित और फरवरी, 2016 के दौरान आशीष रंजन, एम राजेंद्रन और रितु बाला द्वारा आयोजित, ''अध्यापक शिक्षाः मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित और मार्च, 2016 के दौरान नमिता रंगनाथन, अलका बिहारी और शैलजा चेन्नत द्वारा आयोजित ''विकलांगता, मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षक अवधारणाः स्कूलों के लिए निहितार्थ'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

अंतर संस्थागत सहयोग

एम राजेंद्रन, शीर्षक, ''शिक्षा के क्षेत्र में आईसीटी पर ईपीसी द्वितीय पर महत्वपूर्ण समझ की अंतर संस्थागत समीक्षा'' पर बैठक, दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.एड. कॉलेजों के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा वित्त पोषित, 5000रु.

पूनम बत्रा शीर्षक, ''बी.ईएल.ईडी. पाठ्यक्रम की समीक्षा'', दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.एड. कॉलेजों के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषितए 5000 रु.

पूनम बत्रा शीर्षक, ''बी.ईएल.ईडी. प्राथमिक शिक्षा के लिए क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र'', दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.ईएल.ईडी. कॉलेजों के साथ।

विनोद कुमार कांवरिया, शीर्षक, ''अंतर संस्थागत पाठ्यक्रम बी.एड. पाठ्यक्रम के गणित के अध्यापन अनुभाग की पुनरूनिरीक्षण के लिए समीक्षा बैठक कार्यक्रम'', दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.एड. कॉलेजों के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा वित्त पोषित 5000रु.

डॉ. युक्ति शर्मा, शीर्षक, ''जीवविज्ञान के शिक्षण–पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन पर अंतर संस्थागत समीक्षा बैठक''। दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.एड कॉलेजों के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित। 5000 रुपए।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल डिग्री
पीएच.डीः 16
एम.फिलः 13

संकाय की संख्या
स्थायीः 28

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग ने अपनी निजी वेबसाइट http://www.cie.du.ac.in है, जिसे लगभग हर दिन अद्यतित किया जाता है। वेबसाइट नेत्रहीन और वधिर लोगों के अनुकूल है और एक बेहद समर्पित टीम के द्वारा इसका रखरखाव किया जाता है। यह हमारे संकाय, शैक्षणिक, छात्रों, विद्वानों, वार्तालाप/मौखिक, प्रवेश, आईक्यूएसी, संसाधन, सीआईई स्टाफ, सीआईई पूर्व छात्रों की वेबसाइट, ऑनर बोर्ड, इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं, उपयोगी विश्वविद्यालय लिंक, उपयोगी वेब लिंक, वार्षिक रिपोर्ट, नेत्रहीन एवं श्रवण विकलांगों के लिए विशेष वेब संसाधन, रैगिंग विरोधी और हमसे संपर्क करने की जानकारी के साथ अत्यधिक समृद्ध है। वेबसाइट की सभी छात्रों, घटक कॉलेजों और संकाय सदस्यों द्वारा नियमित रूप का खोज की जाती है। विभाग का अपना नियोजन प्रकोष्ठ है, जो सभी कार्यक्रमों के अपने छात्रों के लिए काम कर रहा है। विभाग में यूजीसी के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक जागरूक रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ है। विभाग इससे संवद्ध एक स्कूल अर्थात् सीआईई प्रायोगिक बेसिक स्कूल की भी देखरेख करता है, जो विभागीय प्राधिकरण के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और देखरेख में काम करता है। स्कूल में अन्य स्कूलों विशेष रूप से दिल्ली के स्कूलों की तुलना में बहुत ही इष्टतम शिक्षक–छात्र अनुपात है।

विधि संकाय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
विधि संकाय के तीन कार्यात्मक केन्द्र, अर्थात् परिसर विधि केंद्र, विधि केंद–I और विधि केंद्र– II हैं। इन तीन केन्द्रों में एलएलबी पाठ्यक्रम संचालित होते हैं और एलएलएम, एमसीएल एवं पीएच.डी. संकाय के स्तर पर आयोजित किए जाते हैं।
संकाय ने एलएलएम – 2015–16 के छात्रों को संकाय सदस्यों और अभिन्न संस्था द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं से परिचित कराने के लिए एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, माननीय न्यायमूर्ति श्री ए. के सीकरी, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने प्रेरणादायक भाषण में उन्होंने छात्रों को कानूनी पेशे में दूसरों से आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत और विशेषज्ञता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। कानून और कानूनी अध्ययन के स्कूल, जीजीएसआईपीयू, द्वारका, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख एवं डीन, प्रो. एम. अफजल वानी ने मुख्य भाषण दिया।
संकाय, एलएलबी, एलएलएम और पीएचडी में दाखिले के लिए, हर वर्ष जून के महीने में लगभग 3000 उम्मीदवारों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन करता है। पीएच.डी. के उम्मीदवारों के प्रदर्शन और अनुसंधान प्रस्ताव के आधार पर उन्हें एक वर्ष में दो बार दाखिला दिया जाता है।

आयोजित सम्मेलन
विधि संकाय ने विधि केंद्र–I के सहयोग से वैश्विक कानूनी शिक्षा, राष्ट्रीय कानूनों के अभिसरण, शिक्षण और अनुसंधान में उत्तम आचरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया (11 मार्च, 2016)।

संकाय की संख्या
स्थायी संकायः 45
तदर्थ संकायः 81
अतिथि संकायः10

परिसर विधि केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

2015–16 में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। अक्टूबर 2015 में कानूनी सेवा क्लिनिक का उद्घाटन किया गया है और कानूनी सहायता सोसायटी ने नियमित आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

सम्मान/विशिष्टता

इंडिया टुडे और नील्सन कंपनी द्वारा 2015 में किए गए सर्वेक्षण में गए परिसर विधि केंद्र को देश के विधि कॉलेजों में तृतीय और 2016 में किए गए सर्वेक्षण में द्वितीय स्थान दिया गया था।
[http://indiatoday.intoday.in/bestcolleges/2016/ranks.jsp?ST=Law&Y=2016]. से लिए गए रूप में।

प्रकाशन

परिसर विधि केंद्र की पत्रिका प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। परिसर विधि केंद्र ने पत्रिका का तीसरा संस्करण, अर्थात् III जेसीएलसी (2015) आईएसएसएन:2321-4716 प्रकाशित किया है।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. कमला शंकरन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (नवंबर–दिसंबर 2015) द्वारा तैयार अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों से संबंधित शोध पत्र में परामर्श के लिए 10,000 अमरीकी डालर की राशि प्राप्त की।

प्रो. उषा टंडन ने आईएसयूएन के विश्व आयोग के समर्थन से ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड और वाइडनर विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पर्यावरण कानून और उसके विशेषज्ञ आचार समूह पर आयोजित "जलवायु परिवर्तन प्रतिबद्धताएं: एक नैतिक विश्लेषण" पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना पर एक देशी रिपोर्ट तैयार की (2015).

आयोजित सम्मेलन

12 –14 फरवरी 2016 को "जैव विविधता और सतत ऊर्जा के संरक्षण: कानून और अभ्यास" पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित।

29 अक्टूबर 2015 को "विकलांग व्यक्तियों के अधिकार– विधेयक, 2014" पर एक पूर्व–विधायी पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

15 जनवरी, 2016 को "मौखिक वकालत प्रतियोगिता में सफलता" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

27 जनवरी, 2016 को अपराध पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

30 मार्च, 2016 को "पर्यावरण कानून" पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

16 मार्च, 2016 को "वर्ष 2030 तक– ग्रह पर 50–50 लैंगिक समानता" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

2015–16 में सीएलसी द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों में अक्टूबर, 2015 में सीएलसी में स्थित कानूनी सेवा क्लिनिक का स्थापना दिवस समारोह शामिल है, जिसमें कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद और लोगो बनाने जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सीएलसी कानूनी सहायता सोसायटी द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों, मलिन बस्तियों, गांवों के साथ –साथ औद्योगिक क्षेत्रों, विभिन्न स्कूलों और किशोर गृहों में नियमित आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सीएलसी ने विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों का आयोजन किया।

फरवरी 2016 में "जैव विविधता और सतत ऊर्जा का संरक्षण: कानून और अभ्यास" पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, नाइजीरिया, अल्जीरिया, मॉरिशस, इंडोनेशिया और बांग्लादेश की वैश्विक भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री ए. के. पटनायक विशेष सम्मानित अतिथि और मुख्य अतिथि श्रीमती मेनका संजय गांधी, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, महिला एवं बाल विकास और पूर्व पर्यावरण मंत्री और वन ने उद्घाटन भाषण दिया।
मार्च 2016 में पर्यावरण कानून पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण और जैव विविधता पर उद्योगों के प्रभाव के विषय में कुछ ऐतिहासिक निर्णयों के एक विस्तृत विश्लेषण के प्रतिभागियों को काफी लाभदायक जानकारी प्राप्त हुई। प्रोफेसर आर्मिन रोजेनक्रैन्ज, परामर्श प्रोफेसर, अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थे।

जनवरी 2016 में आयोजित "मौखिक वकालत प्रतियोगिता की सफलता" पर एक कार्यशाला के माध्यम से सीएलसी के छात्रों को वकालत कौशल की विभिन्न जटिलताओं के बारे में बताया गया था। कार्यशाला का संचालन, अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक कानूनी अध्ययन के डीन, जॉर्ज वाशिंगटन

विश्वविद्यालय के कानून के स्कूल, प्रो. (डॉ.) सुसान एल करामेनियन द्वारा आयोजित किया गया। मार्च 2016 में "2030 तक– ग्रह पर 50–50लैंगिक समानता द्वारा" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसके अलावा परिसर विधि केंद्र ने अक्टूबर 2015 में विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों– विधेयक 2014 पर एक पूर्व–विधायी पैनल चर्चा आयोजित करने की पहल की।

परिसर विधि केंद्र में एक जीवंत मूट कोर्ट सोसायटी भी है, जो मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। जनवरी 2016 में प्रतिष्ठित 12वीं के. के. लूथरा मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, इंडोनेशिया, श्रीलंका और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय टीमों सहित, 50 टीमों ने भागीदारी की थी। परिसर विधि केंद्र, चौथी एनएएलएसएआर एनएफजीसी नेशनल लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता– 2015 में विजेता रहा था, जीएलसी मुंबई द्वारा आयोजित 17वीं डी. एम. हरीश मेमोरियल गवर्नमेंट लॉ कॉलेज इंटरनेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2016 में दूसरा सबसे अच्छा मेमोरियल पुरस्कार और तीसरी आई आई टी नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2015 में "सर्वश्रेष्ठ एडवोकेट" जीता।

अंतर संस्थागत सहयोग

परिसर विधि केंद्र ने दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से अक्टूबर में विभिन्न गतिविधियों के संचालन के द्वारा कानूनी जागरूकता प्रदान की, अर्थात्

• दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कानूनी सहायता सोसायटी से पांच छात्रों को दिल्ली महिला आयोग की सहायता के लिए नियुक्त किया गया। उनका मुख्य काम 7 सितंबर से–1 अक्टूबर 2015 तक डीसीडब्ल्यू द्वारा प्राप्त शिकायतों का आकलन और कानूनी अनुसंधान में डीसीडब्ल्यू की मदद करना था।

• कानूनी सहायता सोसायटी के दस सदस्यों ने नए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 7 नवंबर 2015 से शुरू की गई योजनाओं से शुरू करने के लिए आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

• कानूनी 10 अक्टूबर 2015 को सीएलसी में सहायता क्लीनिक स्थापना दिवस मनाया गया।

परिसर विधि केंद्र ने सेंटर फॉर सोशल रिसर्च (सीएसआर) के सहयोग और फेसबुक के समर्थन से नवंबर 2015 में "सोशल सर्फिंग– पहुँच अधिकारिता है" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। सीएसआर की मीडिया और संचार शाखा ने इस कार्यशाला के माध्यम से छात्रों की जागरूकता बढ़ाने और ऑनलाइन उपलब्ध विभिन्न उपकरणों के बारे में बताने के साथ–साथ इस पर भी प्रकाश डाला कि बदलाव लाने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग कैसे किया जा सकता है ।

प्रदत्त पीएच.डी./ एम.फिल की संख्या

प्रदत्त पीएच.डी.– 13

संकाय की संख्या

स्थायी/ 10

28 तदर्थः 28

07 अतिथि संकायः 07

विधि केंद्र– I

मुख्य गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विधि केंद्र– I संकाय सदस्यों और छात्र अधभोग की संख्या के मामले में विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा केंद्र है। शिक्षाविदों और छात्रों के हित में अपने प्रयासों को जारी रखते हुए केंद्र ने अपनी राष्ट्रीय और राज्य स्तर की कोर्ट प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक पूरा किया, विधिक सहायता कार्यक्रमों का संचालन और विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया। इसने अपनी (2014) प्रमुख पत्रिका, कानून के शिक्षकों की पत्रिका –भारत (जेओएलटी– I) को 5 वां संस्करण प्रकाशित किया।

सम्मान/ विशिष्टता

प्रो. वेद कुमारी ने मिनिस्टिरियो पब्लिको ट्यूटेलर पोदेल ज्यूदिसियल दे ला क्लुदाद दे ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना के आमंत्रण पर "बाल अधिकारःवर्तमान और भविष्य" पर 19–20 नवम्बर 2015 को ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "किशोर न्याय से संबंधित मुद्देः एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. उषा राजदान को मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर फॉरेन और इंटरनेशनल क्रिमिनल लॉ, फ्रीबर्ग, जर्मनी, द्वारा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया है, जिसने उन्हें 20 मई से 20 जुलाई 2015 तक जर्मनी में "बच्चों के खिलाफ हिंसाः एक व्यवहार्य कारण की खोज" विषय पर अनुसंधान का संचालन करने के लिए सक्षम किया।

प्रो. अश्विनी कुमार बंसल, कार्यकारी परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य, जो विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है, भारतीय विधि संस्थान, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आईआईटी रुड़की के अतिथि संकाय बने ।

डॉ. अंजू वली टिक्कू ने 14 सितम्बर 2014 को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से सरोगेसी – मुद्दे और चुनौतियां पर आयोजित संगोष्ठी में भारत में सरोगेसीःचिकित्सा, कानूनी, नैतिक मुद्दों पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. एल. पुष्पा कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय लॉ की भारतीय सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आयोजित 3 दिवसीय विश्व कांग्रेस में 11 वीं जनवरी 2015 को पर्यावरण और संसाधन संरक्षण छात्र कार्यशाला कार्यक्रम में एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा को यूएनएचआरसी मानवाधिकार सलाहकार, जिनेवा, स्विट्जरलैंड, 2016 में एक शैक्षणिक मित्र के रूप में चुना गया है।

डॉ. गिरीश कुमार ने एनयूएएलएस, कोच्चि, केरल द्वारा 2 फरवरी, 2015 को लैंगिक न्याय की तुलना में भारत के सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों, पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण सत्र की अध्यक्षता की।

प्रकाशन

केंद्र ने अपनी प्रमुख पत्रिका, भारत के कानूनी शिक्षकों की पत्रिका (जेओएलटी–I) का 5 वां संस्करण (2014) प्रकाशित किया। प्रकाशन की तारीखः को 31 अगस्त, 2015.

ए. के. बंसल, (2014). *भारत में ट्रेड मार्क्स कानून,* थॉमसन रायटर, तृतीय संस्करण।

एस. कौर, (2015). *सेवा अधिकरण – एक परिचय,* सत्यम कानून अंतर्राष्ट्रीय, आईएयटीडीएन.।

रत्नाबली, कॉगब्रेलात्पम (2015), *कानून और विकासात्मक नीतियांः जनजातियों के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थान पर प्रभाव,* अभिजीत प्रकाशन, नई दिल्ली।

ए के बंसल, (2014). *बौद्धिक संपदा अधिकार कानून के गुप्त मुद्दों में अंतर्दृष्टि,* दिल्ली कानून की समीक्षा, 32, 1.

एस भारती, (2013). *कानून बदलाव के लिए रोता हैः मानसिक रूप के लिए विकलांग महिलाओं के लिए एमटीपीए,* 1971 का आकलन। दिल्ली कानून की समीक्षा, 32, 165–180. (पत्रिका जारी 2015 में प्रकाशित)।

एस भारती, (2014). *पशु संपत्ति नहीं हैं? तो क्या वे व्यक्ति हैं,* भारत के कानून के शिक्षकों की पत्रिका।

पूनम दास, (2015). ई–कॉमर्स में साइबर ठेके को प्रशासित करने वाली कानूनी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन, भारत के कानून के शिक्षकों की पत्रिका, 6 (1), 21–34.

एस कौर, (2015). न्यायिक समीक्षा के सिद्धांत और प्रशासनिक न्यायाधिकरणों के निर्णय, भारत के कानून के शिक्षकों की पत्रिका, 6 (1), 1–20.

वी कुमारी एवं आर बार्न, (2015). यौन हिंसा और भारत में आपराधिक न्याय प्रशासन, अपराध की ब्रिटिश पत्रिका, 55(3), 435–453.

वी कुमारी, (2014). किशोर न्याय विधेयक 2014– एक प्रतिगामी कदम, भारतीय विधि संस्थान की पत्रिका, 56 (3), 303–319.

पी बी पंकजा, (2015). हरित अर्थव्यवस्था के एक उपकरण के रूप में निगमित सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन की एम सी स्टैनफोर्ड पत्रिका, 1(10), 53–64.

पी बी पंकजा, (2015). समान नागरिक संहिता – आधा रास्ते के आसपास – अन्य आधे रास्ते के लिए ब्लू प्रिंट, दिल्ली कानून की समीक्षा।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. अश्विनी कुमार बंसल, अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 70,000 रुपए मंजूर।

डॉ. सरबजीत कौर, अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 70,000 रुपए मंजूर।

आयोजित सम्मेलन

विधि केंद्र–I ने भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से, 18–20 मार्च 2016 को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में चौथी एनएचआरसी – एलसीआई राष्ट्रीय मूट कोर्ट, प्रतियोगिता का आयोजन किया। सभी में, राष्ट्रीय स्तर के मूट कार्यक्रम में देश भर से कुल 48 टीमों ने भाग लिया।

विधि केंद्र–I ने भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से, 20–22 फरवरी, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय में तृतीय एनएचआरसी–एलसीआई राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें विधि विद्यालयों की कुल 36 टीमों ने भाग लिया। सेमीफाइनल और फाइनल राउंड का निर्णय उच्चतम न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों, एनएचआरसी अध्यक्ष और दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा किया गया।

विधि केंद्र– I ने 15 नवम्बर, 2014 को बारहवीं अखिल दिल्ली मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2014 का आयोजन किया।

13 फरवरी, 2015 को सेंटर के सम्मेलन कक्ष में महामहिम माननीय एलेक्स चेरनोव, एसी, क्यूसी, विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर द्वारा "विक्टोरिया (ऑस्ट्रेलिया) में राज्यपाल का चयन और भूमिकाः भारत के साथ तुलना" पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
28 जुलाई, 2014 को एलएलबी प्रथम वर्ष के छात्रों (2014–15), के लिए एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को श्री हरीश साल्वे, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय (भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल) और सुश्री पिंकी आनंद, भारत की अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के साथ बातचीत का अवसर मिला।

प्रो. वेद कुमारी ने प्रशिक्षण और कार्यशाला का आयोजन 20–22 फरवरी, 2015 को राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल द्वारा/में महिलाओं और बच्चों से संबंधित कानून पर आयोजित जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों के राष्ट्रीय सम्मेलन में "महिलाओं और बच्चों से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानून और भारतीय कानून पर इसका प्रभाव" और "महिलाओं और बच्चों से संबंधित सुरक्षात्मक विधान"।

10–11 जनवरी, 2015 को राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में/द्वारा आयोजित सतत न्यायिक शिक्षा पर राज्य न्यायिक अकादमियों के राष्ट्रीय सम्मेलन/अनुसंधान गतिविधियों और पुनश्चर्या कार्यक्रम की समीक्षा में "प्रशिक्षण संस्थानों में अनुसंधान गतिविधियों को शुरु करने के लिए उपकरण और तकनीक" और "न्यायिक अकादमियों के लिए अनुसंधान के नए परिदृश्य"।

28 फरवरी से 4 मार्च 2014 तक टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान के विधि विद्यालय, मुम्बई के साथ सहयोग में आईबीए–सीएलई अध्यक्ष और एमआईएलएटी द्वारा आयोजित बच्चों और बाल अधिकारों की वकालत से न्याय पर व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यशाला में "बाल प्रवेश, मुलाकात और हिरासतरू बच्चों के सर्वश्रेष्ठ हितों को बढ़ावा देने के लिए उत्तम आचरण" और "बाल अधिकार संरक्षण और किशोर प्रशासन में महत्वपूर्ण मुद्दे"।

8–9 फरवरी, 2014 को दिल्ली न्यायपालिका द्वारा आयोजित अदालत कक्ष आचरण को यौन अपराध के पीड़ितों के प्रति उत्तरदायी बनाने पर दिल्ली में न्यायिक अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण में "यौन अपराध अधिनियम के खिलाफ बच्चों का संरक्षण और दिल्ली उच्च न्यायालय के दिशा निर्देश" ।
10 दिसम्बर, 2014 को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित "मानव अधिकारः समकालीन मुद्दे और चुनौतियां" पर पहले वार्षिक सम्मेलन में "मानवाधिकार शिक्षण और अनुसंधान"

21–23 नवंबर, 2014 को राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में आयोजित किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान मजिस्ट्रेट और सदस्यों के राष्ट्रीय सम्मेलन में "किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) विधेयक, 2014: किशोर न्याय प्रणाली की संशोधन पूर्व और पश्चात स्थिति"।

8 नवम्बर, 2014 को कोच्चि में किशोर विधेयक पर मानवाधिकार लॉ नेटवर्क द्वारा आयोजित गोलमेज में "किशोर न्याय न्यायशास्त्रः भारतीय इतिहास, आपराधिक जिम्मेदारी के हिस्से और प्रासंगिकता का निर्धारण" ।

सम्मेलन प्रस्तुति

डॉ. पूनम दास ने 11 जनवरी, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय कानून पर दिल्ली की भारतीय सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कानून के समकालीन मुद्दों पर : 3 दिवसीय वर्ल्ड कांग्रेस में "डिजिटल युग में कॉपीराइट युक्त कार्यों के मालिकों के रिप्रोग्राफिक अधिकार और शैक्षिक प्रयोजनों के लिए निःशुल्क उपयोग – राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रावधानों का एक विश्लेषण" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया ।

डॉ. गिरीश कुमार ने 23–25 अप्रैल, 2014 को विधि विभाग, केरल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य कानून और नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अलग प्रकार से सक्षम लोगों के स्वास्थ्य अधिकारः दान बनाम अधिकार दृष्टिकोण" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग

20–22 फरवरी, 2015 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा वित्त पोषित और एनएचआरसी के सहयोग से केंद्र द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता,के लिए एनएचआरसी से लगभग 6 लाख चालीस हजार रुपए की राशि प्राप्त की गई।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्या
पीएचडी की उपाधि से सम्मानितः13

स्थायी/अस्थायी/ तदर्थ संकाय की संख्या
स्थायी 21, तदर्थ–32

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
2015–16 में विधि केंद्र–I द्वारा आयोजित आउटरीच और अन्य कार्यक्रम

(i) प्रहसन और नुक्कड़ नाटक– जनता में कानूनी जागरूकता उत्पन्न करने उन्हें अपने निःशुल्क कानूनी सेवाओं के अधिकार से अवगत कराने के लिए 13 छात्रों ने नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन किया (क) 8 मार्च जनवरी 2016ः परिसर विधि केंद्र में (ख) 26 जनवरी 2016ः तिहाड़ जेल में कैदियों के लिए। (ग) 31 जनवरी 2016 को संगम पार्क में, (घ) 12 वीं फरवरी 2016 को वीएसपीके अंतर्राष्ट्रीय स्कूल, रोहिणी में, (ङ) फरवरी/ मार्च 2016ः रोहिणी जिला न्यायालय में 3 नाटक।

(ii) सितम्बर 2015 में दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के साथ इंटर्नशिप – चार पैरा कानूनी स्वयंसेवकों (पीएलनीएस) ने लंबित मामलों की जांच और परीक्षण, मानक संचालन प्रक्रिया के निर्माण (एसओपीएस), और शिकायत नीति से निपटने के लिए दिल्ली महिला आयोग को सहायता प्रदान की ।

(iii) परिसर और आसपास के क्षेत्रों में एक से अधिक अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान आयोजित किए गए., जिसमें शिक्षकों और छात्रों की एक बड़ी संख्या ने भाग लिया ।

विधि केंद्र– II

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
विधि केंद्र–द्वितीय, विधि संकाय दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में स्थित है। इसने अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के लिए कानूनी सेवाएं प्रदान की, कानूनी सहायता शिविर, विशेष व्याख्यान और छात्रों के नैदानिक प्रशिक्षण का आयोजन किया।

सम्मान/विशिष्टता
प्रोफेसर पूनम प्रधान सक्सेना को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर का के कुलपति नियुक्त किया गया है।

प्रोफेसर बी. टी. कौल को 12.05.2014 को दिल्ली न्यायिक अकादमी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और वे अब तक इस पद पर हैं।

अनुपम झा को यूजीसी द्वारा रमन फैलोशिप प्रदान किया गया, उन्होंने संयुक्त राज्य अमरीका के कान्सास विश्वविद्यालय में अक्टूबर 2014– अक्टूबर 2015 के दौरान डॉक्टरल पश्चात् अनुसंधान किया।

प्रकाशन
वी के आहूजा, (2016). *सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून,* प्रथम संस्करण, लेक्सिस नेक्सिस बटरवर्थ्स।

वी के आहूजा,(2016). *भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार,* द्वितीय संस्करण, लेक्सिस नेक्सिस बटरवर्थ्स।

वी के आहूजा, (2015). *कॉपीराइट कानून और पड़ोसी अधिकार का कानूनः राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण,* द्वितीय संस्करण, लेक्सिस नेक्सिस बटरवर्थ्स

डॉ. वागेश्वरी और डॉ. सुनंदा भारती (संपा.) (2015) "चयनित परचों की पुस्तक" दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय।

अनुपम झा (2015). फुकुशिमा प्रभावः परमाणु इतिहास, प्रतिनिधित्व और बहस। इस पुस्तक का अध्याय 06 भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी (परमाणु ऊर्जा) और पर्यावरण शासन पर फुकुशिमा का प्रभाव। (एस.आई.) रूटलेज।

वागेश्वरी देसवाल (2015), दुर्लभ मामलों में उक्ति के बौद्धिक लोडस्टार की डिकोडिंग, दिल्ली की कानून की समीक्षा, संस्करण 34 .

अनुपम झा (2015). संयुक्त राज्य अमेरिका और जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी –21) : ग्रीन हाउस गैसों को कम करने की चुनौतियां। संघीय वकील, संस्करण। 62, नं. 10.

अनुपम झा (2015). सीओपी– 21 में जलवायु परिवर्तन पर भारत की स्थिति का पूर्वानुमान। अमेरिकी बार एसोसिएशन, संस्करण. 17, नं.. 5

पिंकी शर्मा, (2015). "मौलिक मानवाधिकारों के उल्लंघन के रूप में शादी के भीतर यौन हिंसाः अपराधीकरण की जरूरत है" दिल्ली की कानूनी समीक्षा के लिए, संस्करण. 34.

अनुसंधान परियोजनाएं

इस अवधि के दौरान, यूजीसी और डीयू द्वारा वित्त पोषित 3 अनुसंधान परियोजनाएं ।

आयोजित सम्मेलन

विधि केंद्र–द्वितीय, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 3 अगस्त, 2015 को 2015–16 के फ्रेशर्स का स्वागत करने के लिए एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह उन्मुखीकरण दिवस का उद्देश्य छात्रों को संकाय सदस्यों और अभिन्न संस्था द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के साथ परिचित कराना था। दिल्ली उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश, माननीय न्यायमूर्ति श्री जगजीवन राम मिधा, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो. एम. अफजल वानी, प्रमुख एवं डीन, कानून और कानूनी अध्ययन के स्कूल, जीजीआईपी विश्वविद्यालय, द्वारका, दिल्ली विश्वविद्यालय ने मुख्य भाषण दिया। प्रो. बी. टी. कौल, अध्यक्ष, दिल्ली न्यायिक अकादमी ने विधि केंद्र–द्वितीय के अपने मूल्यवान अनुभवों को साझा किया और इसकी विरासत पर प्रकाश डाला। प्रो. ए. के. कौल, पूर्व प्रमुख और डीन, कानून, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय और एनएलयू, जोधपुर और रांची के पूर्व कुलपति ने भारतीय कानून व्यवस्था और उसके कामकाज तथा समस्याओं के पर एक प्रेरक भाषण दिया। अंतिम संबोधन में डॉ. किरण गुप्ता, प्रभारी, विधि केंद्र–द्वितीय ने छात्रों नें संस्था के मूल्यों ईमानदारी और अनुशासन को स्थापित किया।

9 मार्च, 2016 को विधि केंद्र–द्वितीय द्वारा केंद्र के सभागार में "राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। प्रो. पूनम सक्सेना, कुलपति, एनएलयू, जोधपुर, पिंकी आनंद, भारत की अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, डॉ रजनी अब्बी, एसोसिएट प्रोफेसर, विधि केंद्र–द्वितीय, और एमएल शर्मा, केंद्रीय सूचना आयोग के पूर्व सदस्य, इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे।

डॉ राजेश गुप्ता, अधिवक्ता द्वारा छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए "चेकों के अपमान से संबंधित कानून" विषय पर, विशेष अतिथि व्याख्यान दिया गया था।

श्री फेंग क्विंगघु, उप महासचिव, एशियाई अफ्रीकी कानूनी सलाहकार संगठन (एएएलसीओ) और श्री पार्थन एस. विश्वनाथ, कानूनी अधिकारी, एएएलसीओ द्वारा 16 मार्च 2016 को विधि केंद्र–द्वितीय में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय था श्अंतर्राष्ट्रीय कानून के विकास में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिकाश। उनके व्याख्यान के बाद श्री पार्थन ने छात्रों के साथ एएएलसीओ में इंटर्नशिप के अवसरों के संबंध में बातचीत की।

अंतर संस्थागत सहयोग

17 नवंबर 2014 को दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के सहयोग से विधि केंद्र–द्वितीय के परिसर में विधिक सेवा क्लिनिक की स्थापना की गई थी। क्लिनिक जरूरतमंदों को कानूनी परामर्श और कानूनी सहायता सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस क्लिनिक ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अपने शिविरों का आयोजन किया है। पैरा–लीगल स्वयंसेवकों का एक समूह पास के पुलिस स्टेशनों पर और मौके पर सेवा में निःशुल्क कानूनी सहायता सेवाएं प्रदान कर रहा है।

प्रदत्त पीएच.डी./ एम.फिल की संख्या

पीएचडी की उपाधि से सम्मानितः 13

संकाय की संख्या

स्थायी–13

तदर्थ –21

अतिथि संकाय–04

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कानूनी सहायता शिविर

विधि केंद्र–द्वितीय के संकाय और छात्रों ने ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश के एक गांव में एक और नजफगढ़ में एक अन्य, दो कानूनी सहायता शिविरों का आयोजन किया। संकाय सदस्यों और वकीलों के साथ 40 छात्रों की टीमों ने कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए इन गांवों का दौरा किया।

परियोजना प्रतियोगिता कानूनी सेवा क्लिनिक द्वारा "आरोपी का अधिकार" विषय पर परियोजना प्रतियोगिता आयोजित की गई। उच्चतर न्यायिक सेवा, दिल्ली और वर्तमान में सदस्य सचिव, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के रूप में कार्य कररहे श्री धर्मेश शर्मा द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए ।

फरवरी, 2016 के महीने में 3 संकाय सदस्यों के साथ 40 छात्रों के एक दल ने तिहाड़ जेल का दौरा किया। उन्होंने आरोपी के अधिकारों और उनके पुनर्वास में तिहाड़ जेल जैसी जेलों की भूमिका से अवगत कराया गया था।

छात्रों ने नैदानिक प्रशिक्षण के लिए जिला न्यायालय द्वारका का दौरा किया। प्रत्येक छात्र को दो दिनों के लिए बुलाया गया था।

11–13 अप्रैल, 2016 से विधि केंद्र–द्वितीय में खेल सप्ताह आयोजित किया गया था। इसने सभी छात्रों को विभिन्न खेलों में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने का एक मौका दिया। क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और ट्रैक के विभिन्न खेलों के अलावा, एक शतरंज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। विजेताओं को सेलिब्रिटी, महा मेधा नगर द्वारा पुरस्कार, वितरित किए गए।

एनजीटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में छात्रों की भागीदारीः 50 छात्र मार्च, 2016 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा सफल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन में शामिल रहे।

विज्ञान संकाय

नृ–विज्ञान (मानव विज्ञान)

विभाग की प्रमुख गतिविधियां

नृविज्ञान विभाग मानव विज्ञान की सभी प्रमुख शाखाओं में शिक्षण प्रदान करता है। वर्तमान में इसमें बाईस संकाय सदस्य हैं ये सभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित विद्वान हैं उच्च–प्रभावी पत्रिकाओं में इनके प्रकाशन हैं। यह विभाग केवल भारत में ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया में मानव विज्ञान के अन्य सभी शिक्षण एवं अनुसंधान विभागों में एक अग्रणी विभाग है। 2015 का वर्ष विभाग के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा क्योंकि इस वर्ष फॉरेंसिक विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ किया गया था। विभाग में पूर्व छात्रों की एक प्रभावशाली सूची है, जो पेशेवर और नौकरशाही के जीवन के विभिन्न परिदृश्यों से संबद्ध हैं। यह विषय के आधार पर 2016 तक की शीर्ष 100 क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शामिल है,– भारत से केवल मानव विज्ञान विभाग को यह श्रेणी प्राप्त है। इस उपलब्धि को उत्सवित करने के लिए, एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''नृविज्ञान का उत्सवः मानव विज्ञान'' का आयोजन किया गया था। वर्ष 2015–16 के दौरान विभाग ने संगोष्ठियां, चर्चा सत्र, और कार्यशालाओं का आयोजन किया।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ इंद्राणी चट्टोपाध्याय को 2015 में, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में रॉक कला पर अनुसंधान के लिए राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा ''प्रभा–श्री'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

डी. अग्रवाल, और ए. के. कपूर, उत्तर भारत के एक जातीय समूह का भावना परिप्रेक्ष्य। वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रकाशनों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 725।

ए. बंसल एवं पी. सी. जोशी, (2015)। मेटाबोलिक सिंड्रोम के कारकः शहरी दिल्ली, भारत से एक सामुदायिक अध्ययन। मानव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका ।12(1), 451–1462, जारी करने की तारीखः 10.14687/आईजेएचएस.अ12आईप1.3289.

के चांडक, एस. जोशी, पी. आर. मंडल, वी. आर. राव, और के. एन. सरस्वती, (2016)। कार्डियो–मेटाबोलिक जोखिमः हरियाणा राज्य, भारत से एक पार अनुभागीय अध्ययन। मानव जीवविज्ञान समीक्षा, 5 (1), 104–116.

एस. चंदेल एवं एस. एल. मलिक (2016)। मानव रूपांतर का महत्व और फर्नीचर डिजाइनिंग में वैज्ञानिक आदान। खेल विज्ञान की अमेरिकन पत्रिका, विशेषांक किनाथ्रोपोमेट्री, 4 (1), 31–36.

एस चन्ना (2015)। राज्य नियंत्रण, राजनीतिक जोड़तोड़ और पहचान का सृजनः भारत का उत्तर–पूर्व। नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएलए) समसामयिक पत्र, इतिहास और समाज नई श्रृंखला 72.

एस चन्ना, (2015)। मायावी पहचानः सीमाओं पर स्व, समुदाय और राष्ट्र पर बातचीत। बातों को आगे बढ़ानाः पूर्वोत्तर भारत, नागालैंड में पूर्वज और वंशावलियां, (संपा) माइकल हेनेसी, हटन व्याख्यान श्रृंखला 1.

एस. चन्ना, वृद्धावस्था की कल्पनाःबुजुर्गों की देखभाल में सांस्कृतिक व्याख्याएं। सामाजिक जरा विज्ञान। भारतीय संदर्भ, (संपा) तत्तावामसी पालता सिंह और रेणु त्यागी, नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशन।

एस चन्ना, (2015)। प्रकृति के रूप में पुरुष और संस्कृति के रूप में महिलाएंः हिमालय के एक देहाती समुदाय मे महिलाओं का काम और प्रजनन। लिंग, पर्यावरण और आजीविकाःमहिलाएं संसाधनों का प्रबंधन कैसे करती हैं, (संपा.) सुभद्रा मित्रा चन्ना और मर्लिन पोर्टेर, ओरिएंट ब्लैकस्वान।

एस. चन्ना, भारत में पारिस्थितिकी और सामाजिक विविधता पर औपनिवेशिक प्रभाव और उसके परिणाम। विविधता और विकासः एक मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य, कलकत्ता, एशियाटिक सोसायटी, 63–73.

एस चन्ना, लोकतंत्र के हाशिये पर पहचान की मांगः हिमालय में उत्तरकाशी के जैडा भोटियों में प्रजातंत्रीकरण। रूचियाँ, संघर्ष और वार्ता (संपा.) विभा अरोड़ा और एन. जयराम, नई दिल्ली, रूटलेज पब्लिकेशन।

एस चन्ना, (2015). एक वैश्वीकृत दुनिया में महिलाओं की उद्यमिता पर विशेष अनुभाग का परिचय। शहरीपन, शहरी नृविज्ञान पर आईयूएईएस आयोग की पत्रिका, 5 (1).

एस. चन्ना, ''शहरी होने'' के संज्ञानात्मक आयाम पर आलोचनात्मक दृष्टिः भारत जैसे विकासशील समाज के विकास में वैश्विक शहरीकरण के संदर्भ में। डायोजनीज, यूनेस्को।

वी. चौधरी और ए. के. कपूर, (2015). नागपुर के जातीय समूहों में मस्सों, निशान और टैटू के निशान, जन्मचिह्न और गालों के गढ्ढे की प्रासंगिकता। गैलेक्सी अंतरराष्ट्रीय अंतःविषयक अनुसंधान पत्रिका, 3 (6), 122 दृ 129.

वी. दीपानी और ए के कपूर, (2016).पश्चिमी भारत के जनसंख्या समूहों में पीटीसी की परिवर्तनशीलता और रंग–दृष्टिहीनता। मानव विज्ञान में अनुसंधान की भारतीय पत्रिका, 2 (1), 39–43।
एस. दे एवं ए. के. कपूर, (2016). हाथ सूचकांकः भारत में एक एंथ्रोपो–फोरेंसिक उपकरण। फोरेंसिक विज्ञान की मिस्र की पत्रिका। मुद्रणालय में।

एस. दे एवं ए. के. कपूर, (2016). डिजिट अनुपात (2 डीः4 डी) – उत्तर भारतीय जनसंख्या में लिंग निर्धारण के लिए एक फोरेंसिक मार्कर। फोरेंसिक विज्ञान की मिस्र की पत्रिका। मुद्रणालय में।

एस. दे, वी .चौधरी और ए. के. कपूर (2015). हाथ की छाप से कद का आकलनः राजस्थान में एक अध्ययन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4 (5) 472–475.

एस. दे एवं ए. के. कपूर, (2015). हाथ के आयामों से कद की भविष्यवाणी करने में कारकों के गुणन और रेखीय प्रतिगमन मॉडल के बीच एक तुलनात्मक दृष्टिकोण। जैविक और चिकित्सा अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6 (3): 5072 – 5077.

एस. दे एवं ए. के. कपूर, (2015). फोरेंसिक पहचान के लिए हाथ के आयामों से लिंग निर्धारण। चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (6), 1466 –1472.

एस. दे एवं ए. के. कपूर, (2015). हाथ की लंबाई और चौड़ाईः मानव आबादी के बीच सहसंबंधी आंकड़ों का अध्ययन। विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(4), 148 – 150.

एस. दे एवं ए. के. कपूर, (2015). हाथ की रूपरेखाःफॉरेंसिक जांच में एक नया आयाम। उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। आईएसएसएन 2320–5407, 3 (1), 193–199.

एम. ढल (2016). भारत की जनजातियों में गरीबी, कुपोषण और जैविक डायनेमिक्स .. स्वास्थ्य विज्ञान की पत्रिका। 10 (3), 5–15.

एस दुआ, एस कपूर एवं एम ढल (2016). दिल्ली के पंजाबी निवासियों में मोटापे की भयावहता और रक्तचाप से इसका संबंध। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 5 (1), 20–26.

एम. ढल, एन.के. मनग्रेइफी और एस कपूर, (2016). आभ्यासिक शारीरिक गतिविधि, शरीर की संरचना और हृदय– सांस स्वास्थ्यरू काँगड़ा जिले की राजपूत महिलाओं के बीच अध्ययन। पुस्तक का शीर्षक ''मानव विकास और पोषणः एक जैव सांस्कृतिक संश्लेषण'' डॉ. पी. के. पात्रा और डॉ. राजेश गौतम द्वारा संपादित, 173–195.

एम. ढल, आर. त्यागी एवं एस. कपूर, (2015). रजोनिवृति से पूर्व और रजोनिवृति के पश्चात् महिलाओं में उच्च रक्तचाप के जैव–सामाजिक कारक। सेज ओपेन, 1दृ12. जारी होने की तारीखः10.1177 / 2158244015574227

वी. गुप्ता, जी. के. वालिया, आर. खगावत, एच.के.टी. एनजी, एम. पी. सचदेवा, (2015). पारिवारिक इतिहास भारत में दिल्ली की ''अग्रवाल'' आबादी के बीच टाइप 2 मधुमेह के लिए एक जोखिम कारक। विकासशील देशों में मधुमेह के पत्रिका, स्प्रिंगर, जारी होने की तारीखः 10.1007 ६ एस13410–015–0345–9 ख्आईएफ–0.4,

ए. डी. जोन्स, ए.के.एम हैटर, सी.पी. बेकर, पी. प्रभाकरण, वी. गुप्ता, बी. कुलकर्णी, जी.डी. स्मिथ, वाई बेन–स्लोमो, के. वी. राधाकृष्ण, पी. यू. कुमार, और एस. किनरा, (2015)। एनीमिया और कार्डियोमेटाबोलिक रोग के जोखिम का साथ होना दक्षिण भारत के ग्रामीण क्षेत्र में एक शहरीकरण की लिंग–विशिष्ट सामाजिकजनसांख्यिकी को दर्शाता है। क्लीनिकल न्यूट्रीशन की यूरोपीय पत्रिका, प्रकृति। जारी होने की तारीखः10.1038/ईजीसीए. 2015.177. ,आईएफ–2.95,

पी. सी. जोशी, (2016). चरम मौसम की घटनाएं और हिमालयः हाल में आई बाढ़ की आपदा से सीखना। विश्व फोकस, 437, 12–16.
पी. सी. जोशी, (2016). अतिथि संपादक, विशेषांक, विश्व फोकस, 437

पी.सी. जोशी (2015). जलवायु परिवर्तन और हिमालय पर विशेषांक का संपादकीय। नाम टूडेः नए युग के मन की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 48, 6.

पी. सी. जोशी, (2015). जलवायु परिवर्तन और हिमालय का भाग्य। नाम टूडेः नए युग के मन की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 48 (6), 2–3.

पी. सी. जोशी, (2015). मानव विज्ञान का आगमन और दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक नृविज्ञान का जन्म। पूर्वी मानवविज्ञानी। 68 (1), 35–41.

पी. सी. जोशी (2015)। (संपा.) भारत के लोगों पर संगोष्ठी। पूर्वी मानवविज्ञानी। 68, 2 और 3, 410–474.

जी कामेह, और जी. के. क्षत्रिय, (2016). मणिपुर के चंदेल जिले की लामकेंग जनजाति में प्रजनन क्षमता और उसके निर्धारक। मानव जीवविज्ञान की समीक्षा। 5 (1), 92–103.

वी. कांडपाल, एम. पी. सचदेवा और के. एन. सरस्वती (2016). भारत की एक आदिवासी आबादी में सीवीडी से संबंधित जोखिम कारकों का एक आकलन अध्ययन। बीएमसी पब्लिक स्वास्थ्य स्वीकृत – 25 मई 2016.

ए. के. कपूर और के. सिंह, (2016). दिल्ली की तपेदिक रोगियों में जनसांख्यिकीय गतिशीलता। चिकित्सा अनुसंधान एवं स्वास्थ्य विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5 (4), 43 – 49

ए. के. कपूर एवं के सिंह, (2016). दिल्ली की जीवन शैली और क्षय रोग के बीच संबंध का अध्ययन। एप्लाइड अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 6 (5), 131– 135।

ए. के. कपूर, एम. ढल, के. सिंह और एम. जी.टंगडिम, (2015). दिल्ली की बसे और प्रवासी आबादी के बीच मानवशास्त्रीय माप के संबंध में क्षय रोग का एक तुलनात्मक अध्ययन। चिकित्सा विज्ञान और नैदानिक अनुसंधान की पत्रिका, 3(11), 8167–8173.

ए. के. कपूर, एम. भुखेर, पी. शर्मा, एम टंगडिम, आर. त्यागी एवं एस कपूर। भारत की जनसंख्या के विभिन्न समूहों के पुरुषों में उच्च रक्तचाप और पोषण की स्थिति। शारीरिक नृविज्ञान और मानव आनुवंशिकी की भारतीय पत्रिका। 30, 63–78.

एस. कपूर, पी. भसीन, एम. ढल और एस. भारद्वाज, वयस्क महिलाओं में सामान्य और क्षेत्रीय मोटापे जैसे संकेतकों के प्रजनन लक्षण और सामाजिक जनसांख्यिकीय कारक। शारीरिक नृविज्ञान और मानव आनुवंशिकी की भारतीय पत्रिका, 29, 1–19.

आई. खान और ए. के. कपूर (2015). दक्षिण– पश्चिम भारत की आबादी के समूहों में निर्णय लेने की संज्ञानात्मक गतिशीलता। प्रौद्योगिकी नवाचारों और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, आईएसएसएनः 2321 –1814, 15, 1– 6.
:
आई. खान और ए. के. कपूर (2015). कर्नाटक की आबादी में न्यूरोएंथ्रोपोलॉजिकल प्रोफाइल। मानविकी और सामाजिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (3), 22–27.

आई. खान और ए. के. कपूर (2015). कर्नाटक, भारत की आबादी के एक समूह में सेक्स के संदर्भ में संज्ञानात्मक गतिशीलता का पहलू। बहु क्षेत्रीय अनुसंधान और विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2(4)167दृ 170.

आई. खान और ए. के. कपूर (2015). भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संबंध में मुसलमानों में लिंग विशिष्टता। भारतीय मनोविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (1) 51 दृ 57.
ए. सी. कोटवानी, जेड. वत्तल, सिद्दीकी और पी. सी. जोशी (2015). नई दिल्ली, भारत में उच्च विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों में एंटीबायोटिक उपयोग और प्रतिरोध पर ज्ञान और धारणा। स्वास्थ्य में मान।18 (3), ।92– ।93, जारी होने की तारीखः 10.1016/जे.जेवीएएल.2015.03.542.

जी. के. क्षत्रिय और एस. सिंह, (2016). झारखंड के पूर्वी–सिंहभूम जिले की संथाल महिलाओं में पहले जन्म अंतराल के निर्धारक। मानव विज्ञान में अनुसंधान की भारतीय पत्रिका। स्वीकृत।

जी. के. क्षत्रिय और एस के आचार्य, (2016). भारतीय जनजातियों में मोटापा, अल्पोषण और हृदय रोग के जोखिम का तिहरा बोझ। पीएनओएल वन। 11 (1), ई0147934.

जी. के. क्षत्रिय और एस. सिंह, (2015). मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव। विश्व फोकस, XXXVI, (7), 51–57.

जी. के. क्षत्रिय एवं पी सुब्रमण्यन (2015). इराक में हिंसक संघर्ष जारी रहने के परिणाम। विश्व फोकस, XXXVI, (7), 31–37.
एस. कुमारी और जी. के. क्षत्रिय, (2016). झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में उरांव महिलाओं के बीच गर्भनिरोधकों के उपयोग का एक अध्ययन। मानव जीवविज्ञान की समीक्षा, 5 (2), 176–191.

के. कुमार और ए. के. कपूर (2015). हस्तलिपि के लक्षण दमन और दीव की आबादी में परिवर्तनशीलता। बहु क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान की पत्रिका। आईएसएसएनः 2320 – 5083. 3 (4), 446 – 463.

एम. मत्सुजाकी एच, कुपर, जी.बी. पोलुबुडिस, बी. कुलकर्णी, के.वी. राधाकृष्ण, एच. विजयकेनन, ए. ई. टेलर, पी. प्रभाकरण, वी. गुप्ता, जी. के. वालिया, ए. अग्रवाल, जे. एच. टोबीस, जे.सी. वेल्स, डी. प्रभाकरण, के. वी. आर. शर्मा, जी.डी. स्मिथ, वाई. बेन–शोल्मो और एस. किनरा (2015). भारत में एक शहरीकरण ग्रामीण समुदाय में किशोरों में अल्पपोषण और हड्डियों की जल्दी वयस्कता। ऑस्टियोपोरोसिस का अभिलेखागार, स्प्रिंगर, 10 (1), 29.

मीनाक्षी एवं पी. सी. जोशी (2016). आपदाओं में महिलाओं का जोखिमः कोसी में आई बाढ़ पर एक नजर। विश्व फोकस, 437, 92–95.

एस. मित्रा एवं जी. के. क्षत्रिय (2016). पीओएन1 में क्यू192आर और एल55एम बहुरूपताओं में आनुवंशिक परिवर्तन। पर्यावरण विष विज्ञान और फार्माकोलॉजी, स्वीकृत।

टी. पनामी, जी. कामेह, एस. मित्रा एवं जी. के. क्षत्रिय (2016). मणिपुर, भारत की नागा जनजातियों में डोपामाइन रिसेप्टर जीन डीआरडी2 के एलेलिक परिवर्तन और हेप्लो टाइप संरचना। विज्ञान और अनुसंधान, 5 के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (1), 313–317.

एस. एम. पटनायक, (2016). सार्वजनिक नीति में ह्विधर नृविज्ञानः भारत से अनुभव। मानव विज्ञान के बहुत सी बातचीतः समकालीन मानव विज्ञान के न्यू रूटलेज साथी, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका।

एस. एम. पटनायक, उपभोक्ता संस्कृतिः भारत के उत्तर पूर्व में नागालैंड के सांस्कृतिक पर्यटन में सौंदर्य की राजनीति। रमिंदर कौर एवं अन्य, एक वैश्वीकृत होती दुनिया में कला और सौंदर्यशास्त्र, एएसए वॉल्यूम, ब्रिटेन (आगामी)।

आर. रोहतगी एवं ए. के. कपूर (2015). महिला जनजातीय आबादी के प्रवासन से संबंधित समस्याएंःउनके प्रवासी तरीके और संघर्ष पर एक जनसांख्यिकीय परिप्रेक्ष्य। विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 4 (1), 2714 दृ 2717.

आर. रोहतगी एवं ए. के. कपूर (2015). उत्तर भारतीय आबादी में उंगलियों के निशान का डर्मेटोग्लीफिक्स का उपयोग कर लिंग निर्धारण, 2249–594,10 ६ 2015, 5 (10), 321 – 333.

ए. के. कपूर (2015). भौतिक और सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका का विकास, बुनियादी फ्युसिन डाई के आधार पर एसपीआर आधारित गीली गैर–झरझरी सतहों पर उंगलियों के अव्यक्त निशान। फोरेंसिक विज्ञान के मिस्र की पत्रिका।

एम. सैनी एवं ए. के. कपूर (2015)। दस्तावेजी परीक्षा में पारंपरिक और कम्प्यूटेशनल सुविधाएँ। फोरेंसिक विज्ञान एवं अपराध विज्ञानकी पत्रिका, 3 (3), 1–7.

एम सैनी, एवं ए के कपूर एवं एस कपूर (2015)। मध्य प्रदेश के बैगा और गोंड जनजाति में कार्डियोवास्क्युलर कार्यों का तरीका, पोषण की स्थिति और मोटापा सूचकांकों का पैटर्न। मेडिकल अनुसंधान एवं स्वास्थ्य विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, आईएसएसएनः 2319–5886, 4 (1).

एम. सैनी, ए. श्रीनिवासन और ए. के. कपूर (2015). लिखावट की विशेषताओं की विरासत। इंजीनियरिंग और विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 4 (4), 1–5.

एम. सैनी एवं ए. के. कपूर (2015). लिखावट की पारिवारिक समानता में आनुवंशिकता और पर्यावरण का प्रभाव। कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4 (1), 1–10.

आर. समतानी, एम. बाजपेयी, पी.के. घोष एवं के. एन. सरस्वती, (2015). ए49टी, आर227क्यू और टीए स्टेरॉयड 5 अल्फा रिडक्टेस टाइप द्वितीय जीन और उत्तर भारतीय बच्चों में अधोमूत्रमार्गता जोखिम के दोहराव की बहुरूपता। मेटा जीन, 3, 1–7.

के. शर्मा और जे. सी. जोशी, (2016). प्राकृतिक आपदाओं के दायरे के भीतर लिंग का पता लगाना। विश्व फोकस, 437, 83–87.

पी. शर्मा, एम. भुखेर, एम. ढल और एस कपूर, (2016). रक्तचाप मापने के लिए बॉयोपैक का मान्यीकरण।

पी. शर्मा एवं एस. कपूर, (2015). गद्दी जनजाति महिलाओं में हृदय स्वास्थ्य के सामाजिक जैविक सहविचरण। शारीरिक नृविज्ञान और मानवीय आनुवांशिकी की भारतीय पत्रिका। 29, 21–31.

के. सिंह और ए. के. कपूर (2015). भारतीय जनसंख्या में प्राकृतिक चयन तीव्रता –एक सिंहावलोकन। समकालीन वैज्ञानिक अनुसंधान की अमेरिकन अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2 (8), 01–08.

एम. श्रीवास्तव (2015). निर्माण में ग्रामीण बैंकिंग, एक मानवशास्त्रीय प्रकरण अध्ययन। एशियाई आदमी। एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 10, 2, मानव विज्ञान और विकास का एशियाई संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत।

एम. श्रीवास्तव (2015). धार्मिक निकायों की राजनीति की समीक्षाः बुर्यात बौद्ध धर्म में संप्रभुता की रस्में। अन्या बर्नस्टीन द्वारा, अमेरिकी मानवविज्ञानी, 117(4), 816–817, अमेरिकी मानव विज्ञान एसोसिएशन (यूएसए) और विले।

एम. श्रीवास्तव, (2015). सुनामी 2004 के बाद एक तटीय समुदाय में जीवन और आजीविकाः अरातुपुझा, केरल का एक प्रकरण अध्ययन। 12–13 फरवरी, 2015 को आईजीआरएमएस (भोपाल) के सहयोग से हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक विज्ञान के स्कूल, हैदराबाद, भारत में विकास, संसाधन और आजीविका नृविज्ञान (यूजीसी–एसएपी) विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और आईसीएसएसआर की कार्यवाही। 192–202.

एम. श्रीवास्तव (2015). जब एक महान परंपरा आधुनिक बनती है। समकालीन भारतीय समाज, 382–408 दिल्ली, अनमोल प्रकाशन।

वी.के. श्रीवास्तव, (2015). प्रोफेसर टी. एन. पांडेय के साथ साक्षात्कार। पूर्वी मानवविज्ञानी, 68 (2 और 3), 393–405.

वी. के. श्रीवास्तव, (2015). नृविज्ञान का शिक्षणः डॉ. अभिमन्यु शर्मा को एक श्रद्धांजलि। पूर्वी मानवविज्ञानी, 68 (1), 43–65.

वी. के. श्रीवास्तव (2015. भारत में सामाजिक अनुसंधान। सामाजिक परिवर्तन, 4 (3), 475–90.

वी.के. श्रीवास्तव, (2015). जीव विज्ञान और संस्कृतिः उद्घाटन भाषण 25 सितंबर 2015 को कार्डियो–मेटाबोलिक कठिनाइयों के मानव विज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में (मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित)। भारत में आदमी, 95 (3), 849–854 .

वी.के. श्रीवास्तव, (2015). भारत में जनजातियां। पी. सी. जोशी (संपा.) भारत के लोगों पर संगोष्ठी। पूर्वी मानवविज्ञानी, 68 (2 और 3), 437–439.

वी.के. वर्मा, एन. अंसारी और ए. के. कपूर (2015). पूर्वी उत्तर प्रदेश की माताओं में परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल पर पारंपरिक दृष्टिकोण के परिवर्तन में प्रोत्साहन। उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 3(10), 1045–1051.

वी.के. वर्मा और ए के कपूर (2015). पूर्वी उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख जातीय समूह निवासियों में ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल पर सामाजिक–आर्थिक और जनसांख्यिकीय पहलुओं के प्रभाव की जांच। मानविकी और सामाजिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4 (10), 117–124.

वी. के. वर्मा, ए. के. कपूर और एन. अंसारी (2015). स्वास्थ्य से जुड़े कारकों की समीक्षा में मानव विज्ञान की विशिष्टता की झलक का प्रसार, समाज के गतिशील विकास का अनावरण। विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 4(10), 1423–1427.

वी. के. वर्मा, एन. अंसारी, और ए. के. कपूर (2015). लोगों के जीवन के विकास के लिए मानव विज्ञानियों के अर्थः मनुष्य द्वारा मनुष्य का अध्ययन। वैज्ञानिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(12), 1–3.

वी. के. वर्मा और ए के कपूर, (2015). पूर्वी उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख जातीय समूह के निवासियों में जैव सांस्कृतिक संवेदनशीलता और स्वास्थ्य देखभाल भ्रमों के निर्धारक। अनुसंधान विश्लेषण की वैश्विक पत्रिका। 196 4(10), 194–196.

वी. के. वर्मा और ए. के. कपूर (2015).पर्यावरण और रोगः तराई क्षेत्र, उत्तर प्रदेश के निवासियों में उभरते स्वास्थ्य खतरों की गतिशीलता। पेरिपेक्स अनुसंधान की भारतीय पत्रिका 4 (10), 196–198.

जी. के. वालिया, आर वेलेकल एवं वी गुप्ता, (2015). क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और भारत में इसके धूम्रपान रहित जोखिम कारक। सीओपीडीः जटिल प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के पत्रिका, जारी होने की तारीखः 10.3109 / 15412555.2015.1057807 [आईएफ–2.67]

एस. के. आचार्य, पी. के. दास और जी के. क्षत्रिय, (2016). भारत में मानव और मानव अधिकारों के मुद्दों से संबंधित जैवचिकित्सा अनुसंधान आचारः सूचित सहमति और अवैध चिकित्सा/दवा प्रयोगों के उल्लंघन पर टिप्पणियों। डॉ. पी. वत्सला (संपा.) मानवाधिकार शिक्षाःमुद्दे और चुनौतियां, 32–48, अटलांटिक प्रकाशक, नई दिल्ली।

एस. के. आचार्य व जी. के. क्षत्रिय, (2016). पश्चिम बंगाल और ओडिशा की चयनित जनजातियों में कुपोषण और उच्च रक्तचाप का बोझ। ए के कपूर और एम सैनी (एड्स), मानव विकास नृविज्ञान परख, 1, 68–92, निर्मल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एस. एम. चन्ना, (2015). लिंग, पर्यावरण और आजीविकाः महिलाएं संसाधनों का प्रबंधन कैसे करें, ओरिएंट ब्लैकस्वान। मर्लिन पोर्टर के साथ संपादित।

एम. ढल, (2015). स्वास्थ्य के मुद्दों में पुरानी और पार सांस्कृतिक भिन्नता। भारत के संदर्भ में सामाजिक जरा विज्ञानः बुजुर्गों की देखभाल। डॉ. तत्तवानमासी पलता सिंह और डॉ. रेणु त्यागी द्वारा संपादित, सेज प्रकाशन 120–138.

एस. गुप्ता एवं पी. सी. जोशी, (2015). भारत के विशेष संदर्भ में वैश्वीकरण और विकास पर आलोचनात्मक समीक्षा। ए. मतीन, एम. अकरम और एस. नासिर (संपा.) विकास, स्वास्थ्य और वैश्वीकरण, शैक्षणिक प्रकाशन, दिल्ली, 44–64.

पी. सी. जोशी, (2016). नोट अग्रेषण। बी.एम. मुखर्जी और फरहाद मलिक (संपा.) मध्य भारत में आदिवासी अशांतिः कारण, चुनौतियां और संभावनाएं, नई दिल्लीः के.के. प्रकाशन, प–पअ.

ए. के. कपूर, डी. मीनल एवं सी विजेता, (2015). मानव विकासः पोषाहार निरीक्षण। निर्मल प्रकाशन (भारत)

जी. के. क्षत्रिय और एस. के. आचार्य (2016). भारत के छह आदिवासी आबादी समूहों के बीच अल्पपोषण और उच्च रक्तचाप की उच्च दर का सह–प्रसार। पी. के. पात्रा, आर. गौतम (संपा.) मानव विकास और पोषणः एक जैव सांस्कृतिक संश्लेषण, 117–136, कल्पाज प्रकाशन, नई दिल्ली।

सी महाजन, (2015). उग्रवाद के कुण्डल को समझना जम्मू–कश्मीर (1947–1989) के राजनीतिक इतिहास पर टिप्पणी। अशांति, उग्रवाद और परे, (संपा.) अजीत कुमार डंडा, सार्थक सेनगुप्ता और दीपाली डंडा, आईएनसीएए, 200–222, कोलकाता।

वी. के. श्रीवास्तव, ए. के. कपूर व एम. ढल, (2016). पर्यावरण, विकास, सार्वजनिक नीति और स्वास्थ्य : मानव विज्ञान परिप्रेक्ष्य, 1, (संपा.) बी आर प्रकाशन निगम।

वी. के. श्रीवास्तव, ए. के. कपूर व एम. ढल, (2016). पर्यावरण, विकास, सार्वजनिक नीति और स्वास्थ्य : मानव विज्ञान परिप्रेक्ष्य, 2, (संपा.) बी आर प्रकाशन निगम।

वी. के. श्रीवास्तव (2015). समाजशास्त्रीय सिद्धांत में संपादन योगदान। सेज।

वी. के. श्रीवास्तव (2015). फील्ड वर्क और लेखन के संपादित अनुभव। परिचय, vii-xl, नई दिल्लीः धारावाहिक।

वी. के. श्रीवास्तव (2015). संपादित भारतीय समाज का अनुसंधान, योगेश अटल के सम्मान में निबंध। नई दिल्लीः राष्ट्रीय पब्लिशिंग हाउस। (सह–संपादकः सुरेंद्र कुमार गुप्ता)।

वी. के. श्रीवास्तव, (2015). फील्ड वर्क और संस्कृति लेखन के संस्मरणः डॉक्टरेट शोध प्रबंध की तैयारी का एक विवरण। कुमार रवि प्रिया और अजीत कुमार दलाल (संपा.), बीमारी पर गुणात्मक अनुसंधान, खुशहाली और आत्म विकास, समकालीन भारतीय परिप्रेक्ष्य में। टलेज, टेलर और फ्रांसिस समूह, 74–101.

वी. के. श्रीवास्तव. (2015). वर्गीकरण परः एक विधि। ईश्वर मोदी (संपा.), लिंग, पहचान और एकाधिक हाशिये में। प्रोफेसर योगेंद्र सिंह के सम्मान में निबंध। रावत प्रकाशक, 141–54.

आई. चट्टोपाध्याय (2016). जीवित परंपराः जिला सोनभद्र, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, भारत से प्रागैतिहासिक रॉक पेंटिंग और स्वदेशी कला का एक अध्ययन। शिक्षा एवं अनुसंधान के एथेंस संस्थान एटीआईएनईआर के सम्मेलन की शोधपत्र श्रृंखला एएनटी2015–1863.

आई चट्टोपाध्याय (आगामी)। जीवित परंपरा जिला सोनभद्र, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, भारत से प्रागैतिहासिक रॉक पेंटिंग और स्वदेशी कला का एक अध्ययन। मानविकी और कला की एथेंस पत्रिका।

पी. एस. तत्तवांमसी, एस. कपूर, डी. वर्मा, आर. त्यागी, एन.के. मुंगरेफी, एम. ढल, पी. भसीन, एच. अरोड़ा एवं ए. के. कपूर, उम्र बढ़ने के स्वास्थ्य आयामः एक पार सांस्कृतिक भिन्नता। शालीनता के साथ वार्धक्य शीर्षक पुस्तकः एक पार सांस्कृतिक दृष्टिकोण, डॉ. सेज प्रकाशन द्वारा संपादित। स्वीकृत।

पी. सी. जोशी, (2015). पुस्तक समीक्षाः मनीष ठाकुर, भारतीय गांव एक वैचारिक इतिहास। सामाजिक परिवर्तन, 45 (1), 172–173, जारी होने की तारीखः10.1177/0049085714561849.

पी. सी. जोशी, (2015). पुस्तक समीक्षा लहरों का संघर्ष अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सुनामी पश्चात् राहत एवं पुनर्वास, सुनीता रेड्डी द्वारा। पूर्वी मानवविज्ञानी, 68 (1), 163–164.

एम. श्रीवास्तव, (2016). नृविज्ञान में ई–पीजी पाठशाला में एक शोधपत्र के लिए जमा मॉड्यूल्स ''भारत में आदिवासी संस्कृतियां'' (राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत सूचना और संचार एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा (एनएमईआईसीटी) सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए एक प्रवेशद्वार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना, यूजीसी की मंजूरी के अंतर्गत मानव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजितः (मॉड्यूल 9 अनुसूचित और गैर–अनुसूचित जनजाति श्रेणियां, पीटीजीएस/पीवीटीजीएः मॉड्यूल 39 दो सांस्कृतिक क्षेत्रों के कम से कम दो आदिवासी नृवंशविज्ञान मोनोग्राफ का अध्ययन)

वी. के. श्रीवास्तव, (2016). मानव विज्ञानः उनके लिए जो वास्तव में मानव को सामाजिक, सांस्कृतिक, और जैविक रूप से समझने के लिए उत्सुक हैं। हिंदुस्तान टाइम्स, शिक्षा टाइम्स, 11 मई 2016.

वी.के. श्रीवास्तव (2016). गरीबी और जीवन के लिए अनुसंधान की समीक्षा। ग्रामीण भारत में आध्यात्मिक और भौतिक प्रयास– भृगुपति सिंह द्वारा। अमेरिकी मानवविज्ञानी, 118 (1), 215–6.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. ए. के. कपूर, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016 ''दिल्ली के तपेदिक रोगियों में पर्यावरण और जैविक गतिशीलता'', पूरा हो चुकी है

पी. सी. जोशी (सह प्रमुख अन्वेषक), विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2015 औषध विज्ञान विभाग, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान, नई दिल्ली और बाल चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के साथ तीव्र ऊपरी श्वसन तंत्र के संक्रमण और बच्चों में डायरिया के इलाज के लिए एंटीबायोटिक प्रतिरोध और एंटीबायोटिक डॉक्टरी नुस्खे के बारे में जागरूकता राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में प्राथमिक देखभाल करने वाले डॉक्टरों और सामुदायिक फार्मासिस्ट के बीच एक गुणात्मक अध्ययनष नामक परियोजना। जारी

पी.आर. मंडल, यूजीसी, शीर्षक ''उत्तर भारत के ब्राह्मणों में हृदय रोगों का एक एंथ्रोजेनेटिक अध्ययन'', 10.573 लाख
के. एन. सरस्वती, जैव प्रौद्योगिकी विभाग(डीबीटी), शीर्षक ''वैश्विक और एमटीएचएफआर जीन विशिष्ट मेथिलिकरण की तुलना में उत्तर भारतीय जनसंख्या में गर्भावस्था जटिलताओं का एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन'', 41.17 लाख

के. एन. सरस्वती, जैव प्रौद्योगिकी विभाग(डीबीटी), शीर्षक ''उत्तर भारत की ग्रामीण और शहरी आबादी में वायु प्रदूषण और डीएनए मेथिलतकरण की तुलना में हृदय परिणामों/भिन्नताओं का अध्ययन'', 53.70 लाख।

के. एन. सरस्वती, डीएसटी–पीयूआरएसई कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, शीर्षक ''उच्च ऊंचाई अनुकूलन – गलत अनुकूलन का आणविक आधार'', 37.76 लाख

के. एन. सरस्वती (सह पीआई), डीएसटी–पीयूआरएसई कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, शीर्षक ''हृदय रोग के मनो–सामाजिक और जैविक निर्धारक'' राजस्थान, भारत के भील और मीणाओं में एक प्रकरण अध्ययन'', 1.20 करोड़

के. एन. सरस्वती, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, शीर्षक ''अनुभूति पर हाइपरहोमोसिस्टेनेमिया का प्रभावः उत्तर भारतीय आबादी में एक अध्ययन'' 3 लाख

एस. एल. मलिक एवं जी. के. क्षत्रिय, यूजीसी, शीर्षक ''उत्तर भारत की शहरी आबादी में बच्चों और वयस्कों में अधिक वजन/मोटापे का प्रसार और कठिनाइयां और सामान्य और क्षेत्रीय मोटापे के लिए मानवशास्त्रीय सूचकांकों की स्थापना''

आर. पी. मित्रा, आदिम जाति कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, शीर्षक ''मध्य प्रदेश के भराइयों के लिए सीसीडी कार्यक्रमों का मूल्यांकन'', 3.50 लाख

बी. मुरे (सह–पीआई), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), शीर्षक ''मणिपुर के चार (गुदा, कोथे, थडाउ और पाइते) जनजातीय जनसंख्या समूहों की जीनोमिक विविधता पर अध्ययन''

बी. मुरे, आईसीएसएसआर, शीर्षक ''नागालैंड के दीमापुर जिले के नागाओं में जनसांख्यिकीय गतिशीलता और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के जैव सामाजिक निर्धारक''

बी. मुरे यूजीसी, शीर्षक ''मेइती ब्राह्मण और मणिपुर के मेइती मुसलमानों के बीच ग्लूकोज–6–फॉस्फेट डिहाइड्रोजनेज की कमी और थैलेसेमिया की आण्विक स्क्रीनिंग''

ए. झिमो, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016 शीर्षक ''स्वदेशी ज्ञान, एथेनोबॉटनी और कथाएं:एक नया नृवंशविज्ञान परिप्रेक्ष्य'' 1.50 लाख, जारी।

डॉ. विपिन गुप्ता, जीपीएस एलायंस, संयुक्त राज्य अमेरिका, शीर्षक ''शहरीकरण और वायु प्रदूषण का जोखिम'', 99,500 डॉलर।
मीनल ढल, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016 शीर्षक ''दिल्ली की वयस्क महिलाओं में पोषण प्रजनन स्वास्थ्य और मार्कर'', 30 लाख, जारी ।

मीनल ढल, युवा वैज्ञानिकों के लिए प्रारंभिक डीएसटी अनुदान, 2015–2018 शीर्षक ''उत्तर भारतीय वयस्कों में उपापचयी सिंड्रोम और उससे संबंधित आनुवंशिक मार्करों के साथ जीवन की गुणवत्ता'' 25 लाख, जारी।

किरणमाला देवी, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, शीर्षक ''विटामिन बी12 की कमी की आनुवांशिकता उत्तर भारतीय आबादी में एक पारिवारिक अध्ययन'', जारी

मीताश्री श्रीवास्तव, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016 शीर्षक ''बौद्ध चिन्हों के साथ:राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत की बौद्ध दुनिया के लिए एक मानवशास्त्रीय यात्रा'', जारी

शिवानी चंदेल, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016 शीर्षक ''पुराने वयस्कों में फीनोटाइप निर्बलता और एंथ्रोपो–शारीरिक परिवर्तनों के साथ इसके सहयोग पर एक अध्ययन'', जारी

महाजन चक्रवर्ती, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016, शीर्षक, ''2015–16 इस्लामी कानून और जम्मू–कश्मीर के गुर्जरों के बीच संपत्ति विरासत के प्रथागत आचरण'', दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसंधान और विकास अनुदान (1.50 लाख) द्वारा प्रायोजित 1.50 लाख।

इंद्राणी चट्टोपाध्याय, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016, शीर्षक, ''मध्य प्रदेश, मध्य भारत में प्रागैतिहासिक काल के दौरान गतिशीलता पैटर्न का एक जातीय–पुरातात्विक अध्ययन'', 1.50 लाख

एम. केनेडी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान एवं विकास अनुदान, 2015–2016,शीर्षक, ''दिल्ली की शहरी झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों की समस्याएं और चुनौतियां एक समग्र अध्ययन'', 1.50 लाख।

सम्मेलनों का आयोजन
''मानव विज्ञानः नृविज्ञान उत्सव'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 2016, प्रतिभागीः 125, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित।

''नृविज्ञान और पर्यावरण'', 2016, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रतिभागीः 122, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित ।

''नृविज्ञान और स्वास्थ्य'', 2016, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रतिभागीः 136, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित ।

''फोरेंसिक विज्ञान और इसकी उपयोगिता में हाल के रुझान'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला,2016, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित प्रतिभागीः 146,

''नगा राजनीतिक गुत्थी की जटिलता मानव विज्ञान से परख'', 2015 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रतिभागीः 62.

''कार्डियोमेटाबोलिक परेशानियों का नृविज्ञान'', 2015, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रतिभागीः 136, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित।

''नृवंशविज्ञान अनुसंधान'', 2015 पर प्रशिक्षण कार्यशाला, प्रतिभागीः38 अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित।

''सन्निहित विशिष्टताभावः जातिवाद, नस्लवाद और जातिवादः भारत, जापान और कोरिया से तुलनात्मक दृष्टिकोण'' 2015 पर एक दिवसीय संगोष्ठी। प्रतिभागी 43.

अंतर संस्थागत सहयोग
प्रो. ए. के. कपूर, लियोनेक्स निदान और चिकित्सा, जर्मनी द्वारा प्रायोजित परियोजना में पीआई, ''प्रवासियों और दिल्ली की आबादी में क्षय रोग का प्रसार लिंग और सामाजिक–सांस्कृतिक भिन्नता''। परियोजना पूरी हो गई है और रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है।

प्रो पीसी जोशी, डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रायोजित परियोजना में सह पीआई, फार्माकोलॉजी विभाग, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान, नई दिल्ली और बाल चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सहयोग से, ''बच्चों में दस्त और तीव्र ऊपरी श्वसन तंत्र के संक्रमण के इलाज के लिए एंटीबायोटिक प्रतिरोध और एंटीबायोटिक के डॉक्टरी नुस्खे के बारे में जागरूकताः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के प्राथमिक देखभाल करने वाले डॉक्टरों और सामुदाय फार्मासिस्ट में एक गुणात्मक अध्ययन'', 2015 .

पीएचडी /एम फिल की उपाधि से सम्मानितों की संख्या
पीएचडी 10
एम फिल 15

वनस्पति विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
संगठन और एमआईआरएनए में स्थित जीनोमिक क्षेत्रों और जुड़े सीआईएस नियामक तत्वों के साथ प्रतिलेखन कारक जीन के विकास का अध्ययन किया गया है। ब्रेसिका (भारतीय सरसों) और सीबकथॉर्न (एक झाड़ी हिमालय) में एक प्रोटिओमिक्स तरीके के पश्चात् निर्स्पक निट्रोसेटिव और अजैविक (ठंड) तनाव के संकेत पारगमन तनाव की पहचान और लक्षण वर्णन पर अध्ययन किया गया है। रेट प्रजातियों के पेड़ के प्रजनन जीव विज्ञान का अनुसरण किया गया है और आधारभूत डेटा उत्पन्न किया गया है तथा पोडोस्टीमेसे में डबल निषेचन की कमी के कारणों को जानने की प्रक्रिया चल रही है। प्राकृतिक पौधों के अर्क के साथ ही विभिन्न पौधों की अलग–थलग बायोएक्टिव यौगिकों का उपयोग कर इन–विट्रो और इन–सिलिको ट्यूमर विरोधी गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया। भारतीय एलिकारपस और इंडिगोफेरा का आण्विक व्यवस्थित अध्ययन पूरा हो चुका है। क्रोटेलारियाएल (फेबासे) की आण्विक फिलोजेनी और भारतीय कुकुरबिटेसे की फिलोजेनी व जैव भौगोलिक और का अध्ययन किया जा रहा है। दिल्ली रिज प्रजातियों के कामकाज पर जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभाव की रोशनी में कार्यात्मक तंत्र का अध्ययन किया जा रहा है। वनस्पतियों के लिए अनुपलब्ध पोषक तत्वों को अवशोषित करने में रणनीतियों में से एक है मिट्टी कवक के साथ एक्रोकारप्स काई की तीव्र संगठन। सभी काई प्रजातियों के रिजोस्फीयर मिट्टी में केशिकाजाल पाया जाता है।

सम्मान/विशिष्टताएं
प्रो. एस. सी. भाटिया, एसोसिएट एडीटर, पादप सिग्नलिंग और व्यवहार में एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका। टेलर और फ्रांसिस,अमेरिका, मई 2015 में घोषित।

प्रो. रेणु देसवाल, प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स की पत्रिका की संपादक, भारत की आधिकारिक पत्रिका की एक प्रोटिओमिक्स सोसायटी।

प्रो. रेणु देसवाल, पादप फिजियोलॉजी पत्रिका में फ्रंटियर्स के लिए संपादक।

प्रो. रेणु देसवाल, ''अंतर्राष्ट्रीय सीबकथॉर्न एसोसिएशन (आईएसए 2015) के 7वें सम्मेलन'' में भारत के सीबकथोर्न एसोसिएशन द्वारा सीबकथॉर्न अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार।

प्रो. अरुण कुमार पांडे, भारतीय वानस्पतिक सोसायटी, 2015 का सम्मानित प्रो. पंचानन माहेश्वरी पदक।

प्रो. वीना अग्रवाल, औषधीय और सुगंधित पौधों का अर्क (एमएपीए) के संपादकीय बोर्ड की सदस्य, विज्ञान संचार के राष्ट्रीय संस्थान और सूचना अनुसंधान (निस्केयर), सीएसआईआर, दिल्ली द्वारा।

प्रकाशन

पी. जैन, ए. डेविड और एस. सी . भाटिया 2016. पौधों में नाइट्रिक ऑक्साइड का पता लगाने के लिए एक अभिनव प्रोटोकॉल। आण्विक जीवविज्ञान में तरीके आईएसएसएनः 1064–3745, पादप नाइट्रिक ऑक्साइड अनुसंधानः तरीके और प्रोटोकॉल। बमना प्रेस, यूएसए/स्प्रिंगर प्रोटोकॉल

एन सिंह और एस सी भाटिया, 2016 नाइट्रिक ऑक्साइड और लोहे सूरजमुखी अंकुर बीजपत्र में नमक तनाव के लिए एक लंबी दूरी की प्रतिक्रिया के रूप में संकेतन हीम ऑक्सीजीनिक गतिविधि। नाइट्रिक ऑक्साइड। जारी होने की तारीखः 10.1016 / जे.एनआओएक्स.2016.01.003।

एच.राम, ए. कुमार, एल. थॉमस, एस. जी. दस्तगेर, आर. मालवंकर और वी. पी. सिंह, (2015) माइरोडाइ इंडिकस एसपी. एनओवी। बगीचे की मिट्टी से अलग किये गए। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 65ः 4008–4012.

एस. मंडल, एस. उपाध्याय, वी.पी. सिंह और आर. कपूर, (2015) मायकोरिजल पौधों में स्टेवियोल ग्लाइकोसाइड का वर्दि्धत उत्पादनः बायोसिंथेटिक जीन के प्रतिलेखन पर अरबसक्यूलर मायकोरिजल सहजीवन का एक ठोस प्रभाव। पादप फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री 89ः 100–106.

एस.बी बब्बर और डी.एस. सिंह, 2016. इन विट्रो अधिक गुणन के प्रोटोकॉल और एक सालेप आर्किड के औषधीय रूप से महत्वपूर्ण फेनोलिक्स के विश्लेषण के लिए प्रोटोकॉल, सेतेरियम नेपालेन्ज डी. डॉन (ष्सलाम मिश्रीष्)।जैन, एस.एम. (संपा.) में, इन विट्रो संस्कृतियों और सुगंधित और औषधीय पौधों के माध्यमिक मेटाबोलाइट विश्लेषण के लिए प्रोटोकॉल, द्वितीय संस्करण। आण्विक जीवविज्ञान में विधि1391ः 1–11.

डी. एस. सिंह, एस निर्वान और एस. बी. बब्बर, 2015. एनिकल्स पाइरेथ्रम (गुलदाउदी) का सूक्ष्मप्रजनन और पेलीटोराइन के लिए पुनरुत्पादित पौधों की रासायनिक प्रोफाइलिंग, सक्रिय सिद्धांत। पादप सेल, ऊतक और अंग संस्कृति 122ः 249–255.

एस. नौटियाल, आर स्कॉलडच, के. राजू, एच. केचल, बी. प्रिचर्ड, और के. एस. राव, 2016. जलवायु परिवर्तन चुनौती (3 सी) और सामाजिक–आर्थिक–पारिस्थितिक अंतरफेस–निर्माण। स्प्रिंगर–वेरलाग, बर्लिन। पृ.765.

के. जी. सक्सेना और के. एस. राव, 2016. मृदा जैव विविधताः सूची, कार्य और प्रबंधन। बिशन सिंह महेंद्र पाल सिंह, देहरादून।पृ. 476.

एस. के. छेत्री, एच. कपूर, एवं वी. अग्रवाल, 2016. कैसिया अन्गुस्तिफोलिया वहल में पूर्व आहार के माध्यम से सेनोसाइड बायोएक्टिव यौगिकों की चिह्नित वृद्धि और इसके जैवसंश्लेषण में शामिल आइसोकोरिस्मेट सिन्थेस जीन की क्लोनिंग। पादप कोशिका ऊतक अंग संस्कृति. 124ः 431–446. (स्प्रिंगर नीदरलैंड)।

आर. नंदा एवं वी. अग्रवाल, 2016. कैसिया अन्गुस्तिफोलिया वहल में बीज अंकुरण के दौरान जस्ता और तांबा प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव, डीएनए की क्षति और रक्षा प्रणाली के सक्रियण की व्याख्या। पर्यावरण। प्रा. बाट। 125ः 31–41 (एल्जेवियर नीदरलैंड)।

पी. राठौर, आर. गीता और एस दास, 2016. माइक्रो सिनटेनी और ब्रेसिकेसे के पांच सदस्यों के पार संगठित एमआईआरएनए परिवारों की वंशावली विश्लेषण से जटिल प्रतिधारण और हानि के इतिहास का पता चलता है। पादप विज्ञान। 247ः 35–48.

ए. जैन और एस दास, 2016. सिनटेनी और एमआईआरएनए प्रतिधारण, संरक्षण और पूरी ब्रेसिकेसे लाइनेज में संरचना – और उप जीनोम–विशिष्ट परिवर्तन का का तुलनात्मक विश्लेषण। कार्य. एकी. जीनोमिक्स। 16ः 253–268।

ए.के. पांडे, एम. डी. द्विवेदी और ए.घोलामी, 2016. पादप व्यवस्था में प्रजनन जीव विज्ञान डेटा– और सिंहावलोकन। पादप प्रजनन जीवविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका. 8 (1), 65–74.

पी खंडूरी, आर शर्मा, वी भट्ट, आर टंडन, 2016. के अलगाव, पोडोस्टेमसे में निषेचन स्वतंत्र एण्डोस्पर्म होमोलाग का अलगाव, अभिव्यक्ति और विकास। पादप अनुसंधान पत्रिका, 129, 241–250।

एच. अंबरीन, एस. कुमार, टी. वी. मुरली, जी. जोशी, एस. बाली, एम. अग्रवाल, ए. कुमार, ए. जगन्नाथ, और एस. गोयल, 2015. कार्थमस टिंकटोरियस एल में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण और विविधता के विश्लेषण और पार प्रजातियों के परिवर्तन के लिए उनकी उपयोगिता का आकलन करने के लिए जीनोमिक माइक्रोसेटेलाइट मार्कर के एक नवल सेट के विकास। पीएलओएस वन10 (8)ः ई0135443.

ए आर. भारद्वाज, जी. जोशी, बी. कुकरेजा, वी. मलिक, पी. अरोड़ा, आर. पांडे, आर. एन. बैंकर, के. जी. कटियार, एस. अग्रवाल, एस. गोयल, ए. जगन्नाथ, ए. कुमार, एम. अग्रवाल, 2015. आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण तिलहन फसल ब्रेसिका जुनेका में उच्च तापमान और सूखे तनाव विनियमित जीन में आरएनए अंतर्दृष्टि द्वारा वैश्विक निरीक्षण। बीएमसी पादप जीवविज्ञान.15 (1)ः 9.

पी. कश्यप, ए. सहरावत और आर. देसवाल, 2015. नाइट्रिक ऑक्साइड लिकोपरसिसन एसक्युलेंटम सी– दोहराव बाध्यकारी कारक 1 (एलईसीबीएफ1) को प्रतिलेखन के साथ ही पोस्ट–पारगमन नाइट्रोसिलेशन द्वारा परिवर्तित करता है। पादप फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री 96, 115–123 जारी होने की तारीखः 10.1016 /जे. प्लाफी.2015.07.032.

जे. ठाकुर, ए. मदन, एम. डी. द्विवेदी और पी. एल. उनियाल, 2015. ऑर्किडों को माइकोहीट्रोट्रॉफी की ओर क्या चालित करता है? भारत की आर्किड सोसायटी की पत्रिका, 29:55–60.

पी. खंडूरी, आर. टंडन, पी. एल. उनियाल, वी. भट्ट, ए. के. पांडे, 2015. भारतीय पोडोस्टेमेसे का तुलनात्मक आकृति विज्ञान और आणविक व्यवस्था। पादप वर्गीकरण और विकास 301, 861–882.

पी. सौरभ, जे. ठाकुर, पी. एल. उनियाल और ए के पांडे, 2015. लिलियम पॉलीफिलियम –एक विलुप्तप्राय औषधीय पौधे का जीवविज्ञान। औषधीय पौधे 7 (2): 158–165.

आर. वैश्य एवं एस के बारिक, 2015. पारिस्थितिकी तंत्र स्तर कार्बन और पुराने विकास की शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता एवं उत्तर–पूर्वी भारत की नम उष्णकटिबंधीय वन उपज। पादप और पर्यावरण की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। जारी होने की तारीख संख्याः 10.18811 /आईजेपीईएन.अ1आई1.7117.

अनुसंधान परियोजनाएं

यूजीसी परियोजना ''प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों और सूरजमुखी पौध में अपनी सफाई तंत्र का नमक तनाव प्रेरित परिवर्तन'' (2015–2017).

डीबीटी परियोजना तीन वर्ष (2016 के बाद) के लिए ''जीनोम की बहुरूपता, इंप्रिन्टोम्स और मिथाइलोम्स का अन्वेषण आनुवंशिक, एपिजेनेटिक और निम्फेआ एल पर जोर देने के साथ बेसल वनस्पतियों के विकासवादी रहस्यों को प्रकट करना''।

यूजीसी परियोजना ''डी.अलाटा कंद के विकास के विभिन्न चरणों और रिडॉक्स स्थिति के साथ उनके संबंध के लिए आण्विक, जैव रासायनिक और रूपात्मक (प्ररूपी) मार्कर की खोज'' (2014–2017).

डीएसटी–पीयूआरएसई–II, पादप क्युटिकुलर वैक्स का संरचनात्मक, कार्यात्मक, विकास और मूल्यांकन (2013–17).

डीबीटी परियोजना जैव प्रौद्योगिकी उपकरण के माध्यम से विलुप्त और खतरे में होने वाले पौधों के संरक्षण की स्थिति में सुधार (2012–2017).

डीबीटी परियोजना ''ब्रेसिका एमआईआरएएनए जीन के साथ जुड़े प्रमोटर तत्वों का आणविक विश्लेषण'' नवम्बर 2012 से अक्टूबर 2015.

डीएसटी–एसईआरबी ''दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कगार के वन पारिस्थितिकी तंत्र में मिट्टी का कार्बन अधिग्रहण'' (2013– 2016).

डीएसटी–एसईआरबी ''मार्कर की सहायता से सिमोंडसिया पउशिनेन्सिस (लिंक) श्नाइडर (जोजोबा) के नर और मादा पौधों का चयन – एक बहुउद्देशीय डायोसियस फसल।'' (2013–2016)

दिल्ली विश्वविद्यालय–डीएसटी पीयूआरएसई ग्रांट द्वितीय चरण ''जलवायु परिवर्तन के कारण अनुमानित बदलते तापमान और विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में पादपों के प्रभाव के कारण मिट्टी के सूक्ष्मजीवी समुदाय की गतिशीलता''। (2014–2018)

डीएसटी–पीयूआरएसई अनुदान द्वितीय चरणः ''तिलहन फसल,कार्थामस ट्रिंक्टोरियस (कुसुम)'' के सुधार के लिए जेनेटिक और जीनोमिक दृष्टिकोण (2014 – 2017).

डीबीटी–केंद्र उत्कृष्टता अनुदान द्वितीय चरणः उपग्रह परियोजना ''ब्रेसिकास की जीनोम मैपिंग और आणविक प्रजनन'' के अंतर्गत ''सरसों एफिड के प्रतिरोध के लिए ट्रांसजेनिक दृष्टिकोण'' विषय पर डीबीटी परियोजना में पीआई। (2015 – 2020).

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

आईएएटी के 25वें रजत जयंती सम्मेलन और आवृत्तबीजी वर्गीकरण और संरक्षण में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कालीकट, केरल में 20 नवंबर, 2015 .

भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 103वां सत्र मैसूर, कर्नाटक में 5 जनवरी, 2016 को आयोजित किया गया।

5–7 फरवरी को 2016, नई दिल्ली, भारत में आयोजित पादप विज्ञान अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में बायोएसे निर्देशित अलगाव और चयापचय इंजीनियरिंग का उपयोग कर औषधीय पौधों से मलेरिया रोधी और कैंसर विरोधी जैव सक्रिय यौगिकों को निकालनाः पर्यावरण और कृषि क्रांति के लिए 21 वीं सदी के परे देखना।

जैव प्रौद्योगिकी पर 6ठे विश्व कांग्रेस शीर्षक ''जैविक और अजैविक दबावों का उपयोग कर अर्टेमिसिया एनुवा एल में आर्टीमिसिनिन को तेजी से निकालने के लिए जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण, इसका अलगाव और कैंसर कोशिका लाइनों, मलेरिया और डेंगू वैक्टर के खिलाफ इसकी जैव प्रभावकारिता का मूल्यांकन''नई दिल्ली, भारत, अक्टूबर 5–7 2015.

पेनिन्सटम में एपोमिक्सीज के नियंत्रण के गूढ़ रहस्य। तेईसवां अंतर्राष्ट्रीय ग्रासलैंड कांग्रेस, नवंबर 20–24, 2015, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत में आयोजित

आईएसएसआर आधारित एससीएआर मार्कर द्वारा हिप्पोफेई रेमोनॉइड्स में नर विशिष्ट मार्कर की पहचान। स्थायी कृषि और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी में आगे बढ़ने की दिशाएं (एएफबीएसएएच–2–16) '' 25–2 फरवरी, 2016 के दौरान, इलाहाबाद।

चिटिनासेस का शोधन, हिप्पोफेई रेमोनॉइड्स से एक शीत सहिष्णु हिमालयी झाड़ी के दोहरे कार्य प्रोटीन और लाल रक्त कोशिकाओं के क्रायोप्रीजर्वेशन के लिए इसकी क्षमता का परीक्षण। कम तापमान विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एनएएससी परिसर, नई दिल्ली, भारत, 27–30 अप्रैल, 2015.

हिप्पोफेई रेमोनॉइड्स अंकुर, बेरी और पत्ते में दोहरा कार्य करने वाले एंटीफ्रीजर प्रोटीन का निष्कर्षण और शोधन। 24–26 नवंबर, 2015 को एनएएससी परिसर, नई दिल्ली, भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सीबकथॉर्न एसोसिएशन (आईएसए 2015) के 7वें सम्मेलन में।

भारतीय वानस्पतिक सोसायटी के 26–28 अक्टूबर, 2015 को वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित 38वें अखिल भारतीय सम्मेलन में (2015).

थनबरजिया ग्रेंडिफ्लोरा (रोक्स्ब. एट रोटलर) रोक्स्ब. (एसेन्थेसे) में नेक्टर–डिस्क विकास और परागण पीपी पर इसके प्रभाव पर 18–23 मार्च, 2016 को एरिजोना, संयुक्त राज्य अमेरिका में यौन पादप प्रजनन पर, 24 वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में।

''फसल सुधार के लिए पादप जैव प्रौद्योगिकी'' पर एनबीआरआई, लखनऊ में, 25–27 फरवरी, 2016 को पीटीसीए (I) की 37 वीं बैठक और राष्ट्रीय संगोष्ठी में।

अंतर संस्थागत सहयोग
म्यूनिख तकनीकी विश्वविद्यालय। फ्रेजिंग, जर्मनी।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी के साथ सहयोगात्मक परियोजना।

वनस्पति विज्ञान विभाग, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी के साथ सहयोगात्मक परियोजना।

मलेरिया और फाइलेरिया वैक्टर के खिलाफ उनकी लर्विसाइडल गतिविधि के लिए उत्तर भारतीय औषधीय पौधों का सर्वेक्षण। राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, नई दिल्ली।

आर्टीमिसिनिन एवं इंसुलिन के उत्पादन के लिए ट्रांसजेनिक पौधों को उगाने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग। जेनेटिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र।

पीएच.डी. और एम फिल डिग्री से सम्मानित संख्या
पीएच.डी.:14
एम.फिल. : 08

संकाय की संख्या
स्थायी संकायः 25

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
9–10 सितंबर, 2015 के दौरान जैव संसाधनों और सतत विकास के संस्थान (आईबीएसडी), इम्फाल और हिमालय पर्यावरण अध्ययन और संरक्षण संस्था (एचईएससीओ), देहरादून के सहयोग से प्रथम हिमालय कॉन्क्लेव – 2015 का आयोजन।

नवंबर 09, 2015 को आयोजित प्रोफेसर पंचानन माहेश्वरी स्मारक व्याख्यान।

2015 के दौरान प्रोफेसर बी. एम. जौहरी चल वैजयंती शोधपत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित।

01 मार्च, 2016 को जोलांटा स्लोविक, गौटिंगेन विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन।

5–7 फरवरी, 2016, नई दिल्ली में पादप विज्ञान अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजितः पर्यावरण और कृषि क्रांति में 21 वीं सदी के परे देखना।

रसायन–विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

1922 में स्थापित, रसायन विज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे बड़े विभागों में से एक है। विभाग में एम.एससी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। वर्तमान में, विभाग में 42 संकाय सदस्य हैं, जो अकार्बनिक जैविक और भौतिक रसायन विज्ञान सहित रसायन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं। उपर्युक्त विषयों के उप क्षेत्रों में निम्नलिखित शामिल हैं (1) रसायन विज्ञान, आर्गेनोमेटलिक और मुख्य समूह रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान सुप्रामॉलिक्यूलर, (2) बॉयोआर्गेनिक रसायन विज्ञान, प्राकृतिक उत्पाद, कार्बोहाइड्रेट से संबंधित रसायन शास्त्र, हरित रसायन शास्त्र, कटेलिसीस और औषधीय रसायन विज्ञान, (3) कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान सहित सैद्धांतिक अध्ययन, प्रायोगिक और सैद्धांतिक दोनों पहलुओं सहित विद्युतरसायन अध्ययन, आणविक गतिशीलता, प्रोटीन और पेप्टाइड रसायन विज्ञान, रसायन और ऊष्मा गतिशीलता। सामग्री रसायन विज्ञान के क्षेत्र में कुछ अंतःविषयक अनुसंधान कार्य भी किए जा रहे हैं। डीएसटी, डीबीटी, सीएसआईआर और यूजीसी जैसी आर्थिक सहायता एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान भी प्राप्त हुआ है। विभाग के व्यापक योगदान के कारण डीएसटी ने रसायन विज्ञान विभाग की अनुसंधान करने वाले अग्रणी अनुसंधान विभागों में से एक के रूप में पहचान की है।

उत्कृष्टता सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर मोनिका दत्ता ने केमिस्टों के 52वें वार्षिक सम्मेलन–2015 में ''जलीय घोल से इंडिगो कारमाइन डाई को हटाने के लिए प्राचीन और संशोधित क्ले, मांटमोरिलोनाइट''शीर्षक मौखिक शोधपत्र की प्रस्तुति के लिए प्रोफेसर वी. पांडु रंगा राव पुरस्कार प्राप्त किया।

28–30 दिसंबर, 2015 को जेसीईआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित केमिस्टों के 52वें वार्षिक सम्मेलन में ''मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों की विस्तारित जारीकरण के लिए बीज कोटिंग सामग्री के रूप में क्ले–बहुलक समग्र फिल्म'' शीर्षक मौखिक शोधपत्र की प्रस्तुति के लिए प्रोफेसर जी. गोपाल राव शताब्दी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर राम कांत भारतीय विज्ञान अकादमी (2015) : एफएएससी का फैलो चुना गया है।

प्रोफेसर रमा कांत ने रसायन विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए अपने योगदान की मान्यता के रूप में सीआरएसआई कांस्य पदक प्राप्त किया (सीआरएसआई पुरस्कार 2015)

प्रकाशन कुल 290 (चयनित 10 इस प्रकार हैं)

एच. कुंद्रा, एम. दत्ता, (2015). क्षारीय जलतापीय कृत्रिम पद्धति का उपयोग कर फ्लाई ऐश के एल्यूमिनोसिलिकेट के एक ढांचे में पूर्ण रूपांतरण पर के लिए बढ़ती उम्र के तापमान और समय का प्रभाव। प्रायोगिक भौतिक और जैव रसायन विज्ञान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5 (3), 9–18.

एच कुंद्रा, एम दत्ता (2015). क्षारीय जलतापीय कृत्रिम पद्धति का उपयोग कर फ्लाई ऐश के एल्यूमिनोसिलिकेट के एक ढांचे में पूर्ण रूपांतरण पर उपचार तापमान समय का प्रभाव। प्रायोगिक भौतिक और जैव रसायन विज्ञान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 5 (3), 19–32.

डी. शर्मा, एच. ओझा, एम. पाठक, बी. सिंह, एन. शर्मा, ए. सिंह, आर. कक्कड़ एवं आर शर्मा (2016). गोजातीय सीरम एलब्यूमिन के साथ मेटफार्मिन के बंधन तंत्र की स्पेक्ट्रोस्कोपी और आणविक मॉडलिंग अध्ययन। जे. मोल. स्ट्रक. 1118ः 267–274.

बी. बधानी, एन. शर्मा और आर कक्कड़, (2015). गैलिक एसिडः संभावनायुक्त चिकित्सीय और औद्योगिक अनुप्रयोगों के साथ एक बहुमुखी एंटीऑक्सीडेंट। आरएससी एडवांस। 5 (35)ः 27,540–27,557.

परवीन और आर कांत, (2016). रफ इलेक्ट्रोडों पर दो कदम चार्ज स्थानांतरण तंत्र की चक्रीय सीढ़ी की वोल्टामेट्री के लिए सिद्धांत। भौतिक.रसायन सी पत्रिका, 120, 4306–4321. जारी होने की तारीखः 10.1021 / एसीएस.जेपीसीसी.6बी00810.

परवीन और आर कांत, (2016). असमान प्रसार के साथ प्रतिवर्ती रिडॉक्स प्रणाली के लिए रफ और परिमित भग्न इलेक्ट्रोड पर पल्स वोल्टामेट्रिक तकनीक के लिए सामान्य सिद्धांत। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा। 194, 283–291.

डी. के सिंह, एम. नाथ, (2015). मेसो–फिनाइल–ट्रायजोल पोरफेरिन –कूमेरिन डायड्सः संश्लेषण, लक्षण वर्णन और फोटोफिजिकल गुण। रंग और रंजक, 121ः 256–264.

आर. तिवारी, एम नाथ, (2015). एक क्लाउजन–कास प्रतिक्रिया और उसके इलेक्ट्रॉनिक गुणों के अध्ययन के माध्यम से 2–नाइट्रो–3–(पयरॉल–1–वाईएल) –5,10,15,20–टेट्राएरिलपोरफिन्स का संश्लेषण। रसायन की नई पत्रिका, 39ः 5500–5506.

आर. वार्ष्णेय, एस. सेठी, एस. रंगास्वामी, ए. के. तिवारी, एम. डी. मिल्टन, एस. कुमारन, ए. के. मिश्रा, (2016). ट्रीयजोल से जुड़े गेडोलिनियम (तृतीय) –डीओ3ए–बीटी बिस्ट्रियाजासपाइरोडेकेनोनीयस– एक संभावित एमआरआई विपरीत एजेंट की डिजाइन, संश्लेषण और अध्ययन। रसायन की नई पत्रिका, जारी होने की तारीखः 10.1039 / सी5एनजे03220बी।

एस. बिश्नोई, एम. डी. मिल्टन, (2015). रंग प्रदर्शित, रेशियोमेट्रिक और प्रतिवर्ती पीएच सेंसर के रूप में ट्युनेबल फेनोथियाजाइन हाइड्राजोन्स। टेट्राहेड्रान लेट. 56: 6633–6638.

अनुसंधान परियोजनाएं
प्रोफेसर मोनिका दत्ताः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित परियोजना ''क्ले पॉलिमर नैनोयौगिकः औषधि के विस्तारित जारीकरण के लिए मौखिक प्रशासन का एक नया दृष्टिकोण'' 36.36 लाख (लगभग)

प्रोफेसर राम कांतः डीएसटीध्एसईआरबी परियोजना ''एसईएम माइक्रो रेखांकन से स्थानीय विद्युत प्रतिबाधा स्पेक्ट्रोस्कोपी और सतह आकृति विज्ञान के पुनर्निर्माण का 3–डी सिमुलेशन''।

प्रोफेसर राम कांतः एप्लाइड मैटेरियल्स (भारत) द्वारा प्रायोजित परियोजना ''ठोस स्थिति बैटरी की मॉडलिंग''।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँः कुल 20 (चयनित 5 नीचे दी गई हैं)
सीमा और एम दत्ता, 2016. इंसुलिन के मौखिक प्रशासन के लिए अभिनम दवा वितरण वाहक के रूप में मांटमोरिलोनाइट–पीएलजीए नैनो कंपोजिट।) 3 मार्च, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिल्ली –110007, भारत में आयोजित सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसी एमटेक 2016) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ।

यू नदीम और एम दत्ता, 2015. 28–30 दिसंबर, 2015 को जे.सी. ई आर सी विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत में आयोजित केमिस्टों के 52वें वार्षिक सम्मेलन में कुछ भारी धातुओं के एडजार्पटिव को हटाने के लिए बेंटोनाइट–एल्गिनेट माइक्रोस्फीयर्स।
बी. बधानी और आर कक्कड़, (2015). पोस्टरः ''प्रबल कैंसर विरोधी कारकों के रूप में गैलिक एसिड संजातों पर फर्माकोफोर मॉडलिंग और एटम आधारित 3डी–क्यूएसएआर अध्ययन'', 31 अगस्त – 3 सितंबर, 2015 के दौरान यूचेम्स, जर्मनी द्वारा आयोजित कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान पर 10वें यूरोपीय सम्मेलन में।

आर. कांत, 2015. 13–15 सितंबर को डरहम विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में आयोजित इलेक्ट्रोकेम 2015 में प्रमुख वक्तव्य, क्या इलेक्ट्रोड विकार का महत्व है?

एम.डी. मिल्टन और एस बिश्नोई, 2016. 1–4 मार्च, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसीएमटीईसीएच 2016) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अभिनव डाइब्रोमोफेनोथाइजीन–5–ऑक्साइड स्केफोल्ड्स का संश्लेषणः ओएलईडी सामग्री के लिए संभावित ब्लॉक निर्माण' पर शोधपत्र की प्रस्तुति।

प्रदान की गई पीएच.डी. की संख्या
पीएच.डी. 49

संकाय की संख्या
स्थायी 42
तदर्थ 9

डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जैव–चिकित्सा अनुसंधान केंद

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
जैव चिकित्सा अनुसंधान का डॉ. बी आर अम्बेडकर केंद्र वर्ष 2015–2016 में भी उत्कृष्ट रहा। अपनी परंपरा को जारी रखते हुए एमएससी के बैच 2015 के छात्र उत्तीर्ण हुए, अधिकांश छात्रों ने यूजीसी–सीएसआईआर, नेट की परीक्षा पास की और अपनी पीएच.डी. के लिए आईजीआबी, एनआईआई, आईसीजीईबी जैसे देश के विभिन्न सुप्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल हो गए।
एसीबीआर ने गर्मियों में स्नातर अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 21 छात्रों को अनुसंधान करने के लिए एसीबीआर की विभिन्न प्रयोगशालाओं में भर्ती कराया गया। विज्ञान अकादमी ग्रीष्मकालीन फैलोशिप के कई छात्रों ने भी एसीबीआर में अनुसंधान परियोजनाएं पूरी कीं। 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2015 के दौरान एसीबीआर के छात्रों के लिए एक शैक्षिक यात्रा आयोजित की गई थी। छात्रों ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), मोहाली और हिमालय जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी) पालमपुर का दौरा किया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टताएं

सम्मान	नाम
2016–एफएनए (भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान की फेलो) निर्वाचित	प्रो. वाणी ब्रह्मचारी

अनुसंधान परियोजनाएं

शीर्षक	प्रधान अन्वेषक	प्रायोजक संगठन
मानव इम्यूनो वायरस और माइकोबेक्टीरियम क्षयरोग सह–संक्रमण के दौरान बृहतभक्षककोशिका कार्यों का गूढ़ रहस्य।	प्रो. के नटराजन	डीबीटी
आरएनए हस्तक्षेप से माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के संक्रमण के दौरान नेडीलेशन डेन्ड्रिटिक सेल सक्रियण की भूमिका गूढ़ रहस्य।		डीबीटी
माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग प्रतिजनी चुनौती मैक्रोफेज में केमोकाइन और केमोकाइन रिसेप्टर्स स्तरों की जांचरू कैल्शियम और टोल जैसे रिसेप्टर्स की भूमिका।		दिल्ली विश्वविद्यालय
मानव जीनोम...... एचआईएनओ 80, के परस्पर सक्रिय साइटों का जीनोम के आधार पर मानचित्रण और लक्ष्य जीन विनियमन पर उसके प्रभाव का विश्लेषण, 56.25 लाख रुपए, 2013–2016	प्रो. वाणी ब्रह्मचारी	सीएसआईआर
स्वास्थ्य और रोग में एपिजिनेटीक – (ईपीआईएचईडी): कार्य संकुलः मेली बग्स में जिनोमिसिप्रंटिंग के आणविक आधार (2012–17, 119.7 लाख रुपए) नेटवर्क परियोजना		सीएसआईआर
"संवेदनशील और विशिष्ट पीसीआर आधारित डायग्नोस्टिक किट और क्लैमाइडिया और निसेरिया संक्रमण के निदान के लिए उपकरणों का मान्यकरण, फील्ड ट्रायल पैमान और व्यवसायीकरण"	प्रो. दमन सलूजा	डीबीटी–बीआईपीपी
एसआएन3 की भूमिका को समझना, गैर जीनोविषाक्तता तनाव में एक वैश्विक प्रतिलेखन नियामक जीन अभिव्यक्ति की मॉडुलन मध्यस्थता।		डीएसटी
अनुसंधान एवं विकास अनुदान	डॉ. मनीषा तिवारी	दिल्ली विश्वविद्यालय
अल्जाइमर रोग के उपचार के लिए अभिनव एरिल और एल्काइल पिपराजीन एनालागों की क्षमता का उपयोगः इन विवो और इन विट्रो अध्ययन में		डीएसटी
जैव सूचना विज्ञान बुनियादी सुविधा का निर्माण (बीआएफ)	डॉ. मधु चोपड़ा	डीबीटी
प्रोटीन संरचना और तहों पर मैक्रो–आणविक और ओस्मोलिटिकक्राउडरों का प्रभाव।	डॉ. एल.आर. सिंह	डीएसटी
प्रोटीन स्थिरता, संरचना और कार्यकारिता पर कई ओस्मोलाइटों का प्रभावः ओस्मोलाइट मिश्रण के नशा, सहकारिता या पर एक अंतर्दृष्टि।		सीएसआईआर
संक्रमण पश्चात् संशोधन पर पेरोऑक्सीरिडोक्सीन –6 के लिए एक अद्वितीय द्विकार्यात्मकस एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम के एलोस्टिरिक विनियमन का तंत्र		डीबीटी

अंतर संस्थागत सहयोग

सफदरजंग अस्पताल, डीएसएस इमेज टेक प्रा. लिमिटेड, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट (वीपीसीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो दमन सलूजा द्वारा।

डांग की जेवांग, पशु आनुवंशिक इंजीनियरिंग और स्टेम कोशिका प्रयोगशाला, जीव विज्ञान,पशु जैव प्रौद्योगिकी और अगली पीढ़ी की प्रगति अभिसरण के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग, जैव प्रौद्योगिकी के संकाय, जाजू राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, कोरिया गणराज्य, डॉ. मनीषा तिवारी द्वारा।

प्रकाशन

2015–16 में प्रकाशनों की कुल संख्या = 58

सी एंटोनी, एस महतो, बी के तिवारी, वाई सिंह एवं के नटराजन, (2015). माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के संक्रमण पर मैक्रोफेज में एल–टाइप वोल्टेज गेटेड कैल्शियम चौनल सीएसीएनएआईएस का विनियमन. पीएलओएस वन10(4), ई0124263.
एस महतो., सी एंटोनी, एन खान, आर आर्य, ए सेल्वाकुमार, बी के तिवारी. एम वशिष्ठ, वाई सिंह, एस जमील एवं के नटराजन(2015).
माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग और मानव इम्यूनो वायरस टाइप 1 सहयोग से टोल जैसे रिसेप्टर 2 और कैल्शियम होमियोस्टेसीस के माध्यम से मैक्रोफेज एपोप्टोसिस को मिलाना। पीएलओएस वन10(7), ई0131767.
एम वशिष्ठ, एन खान, एस महतो, डी सहगल एवं के नटराजन(2015). न्युमोकोकल सतह प्रोटीन ए (पीएसपीए) एक टोल जैसे रिसेप्टर 2 और कैल्शियम निर्भर तरीके से डेनड्रिटिक कोशिकाओं पर प्रोग्राम की हुई मौत लिजेंड 1 अभिव्यक्ति को नियंत्रित करता है । पीएलओएस वन 10(7), ई0133601.
ए चढ़ढा, एस महतो., ए सेल्वाकुमार, एम वशिष्ठ, एस के. कांबले, एस पोपली, र रमन, वाई सिंह एवं के नटराजन (2015). माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के संक्रमण के दौरान डेनड्रिटिक कोशिकाओं में नेडीलेशन की दमनकारी भूमिका।तपेदिक (एडिन) 95, 599–607.
एस पांडे, एस सिंह, वी अनाग, ए वी भट्ट, के नचराजन एवं बी एस द्वारकानाथ, (2015). कैंसर की प्रगति और मेटास्टेसिस में पैटर्न पहचान रिसेप्टर्स। कैंसर का विकास एवं मेटास्टेसिस, 8, 25–34.
विकास में ड्रोसोफिलानो 80 की कार्यात्मक विविधता. एम घासेमी, एच पवार, आर के मिश्र,वी ब्रह्मचारी, (2015) मेक. देव. 138, 113–121.
एस स्वानवे, आर अरोड़ा, के के अग्रवाल एवं डी सलूजा. (2015) एसक्यूलेटिन एमआरएनए के आधे जीवन को कम करके कासुमी –1 सेल लाइन में एएमएल1–ईटीओ और सी–किट की अभिव्यक्ति को नीचे नियंत्रित करता है। आन्कोलॉजी की पत्रिका 8 781473. जारी करने की तारीखः 10. 1155/2015/781473
एस गुप्ता, पी कुमार, एच कौर, एन शर्मा, डी सलूजा, एसी भरती, बीसी दास (2015). जीभ के कैंसर में फ्रा–2/ सी–एफओएस के साथ सी–जून की चुनिंदा भागीदारी आक्रामक ट्यूमर फीनोटाइप और गरीब पूर्वानुमान को बढ़ावा देती है। विज्ञान रिपोर्ट. 19, 5:16811
आर कदंब, एस मित्तल, एन बंसल, डी सलूजा (2015) तनाव –मध्यस्थता युक्त सिन3बी सक्रियण पी53 लक्ष्य जीन के सबसेट के नकारात्मक विनियमन की ओर जाता है। जीवविज्ञान रिपोर्ट 25य35(4).
डी जून, एम निमेष, डी सलूजा (2015) लूप की मध्यस्थता अतिरिक्त–फुफ्फुसीय तपेदिक के निदान के लिए पीसीआर के लिए विकल्प के रूप में इजोटेर्माल प्रवर्धनतपेदिक और फेफड़े की बिमारियों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका. 19(8):986–91
एस सिंह, एस पांडे, ए एन भट्ट, आर चौधरी, वी भूरिया, एन कालरा, आर सोनी, बीजी राय, डी सलूजा, बी एस द्वारकानाथ (2015) ग्लाइकोलिटिक अवरोधक 2– डीओक्सी–डी ग्लूकोज (2–डीजी) अवरोधक का जीर्ण आहार प्रशासन चूहे में प्रत्यारोपित एलिक के जलोदर ट्यूमर के विकास को रोकता है। पीएलओएस वन. 10(7):ई0132089
ए मिश्र, आर कुमार, ए त्यागी, आई कोहर, एस ह्दू ए सी भारती, एस सरकार, डी दे, डी सलूजा, बी दास (2015) करक्यूमीन मुंह के कैंसर में सेलुलर एपी–1, एनएफ–केबी, और एचपीवी16 ई6 प्रोटीन को परिवर्तित करता है। ई कैंसर चिकित्सा विज्ञान 9:525.
एस चंद्रा, डी सलूजा, आर नारंग, जे भाटिया, के श्रीवास्तव. (2015) आवश्यक उच्च रक्तचाप में अलिंद नैट्रियूरेटिक पेप्टाइड और एल्डोस्टेरोन सिंथेस जीनः एक मामला नियंत्रण अध्ययन। जीन– 567(1):92–7.
टी हसन, एम अली, डी सलूजा, एल आर सिंह (2015) पीएच संरचना और थर्मोगतिशील स्थिरता में फेरबदल कर मानव सिन3बी की जोड़ी वाले एंफिपैथिक सर्पिलों डोमेन के कार्यों को विनियमित करने में एक भूमिका निभा सकता है। जैवरसायन (एमओएससी) 80(4):424–32.
डी सचदेव, ए एल पटेल, एस सी सोनकर, आई कुमारी, डी सलूजा . (2015) आणविक बीकन का उपयोग कर नेइसेरिया गोनोरिया का निदान। जैव चिकित्सा अनुसंधान की पत्रिका 597432.
आर अरोड़ा, एस स्वाने, डी सलूजा. (2016) एएमएल1–ईटीओ ट्रांसलोकेशन के साथ तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के इलाज के लिए संभावित चिकित्सीय प्रयास. वर्तमान कैंसर चिकित्सा लक्ष्य.16(3):215–25.
के श्रीवास्तव, आर नारंग, जे भाटिया, डी सलूजा. (2016) गर्मी झटका प्रोटीन 70 जीन की अभिव्यक्ति और आवश्यक उच्च रक्तचाप में भड़काऊ मार्करों के साथ इसका सहसंबंध। पीएलओएस वन 11(3):ई0151060
एस सी सोनकर, के वास्निक, ए कुमार, पी मित्तल, डी सलूजा . (2016)
लक्षणयुक्त रोगियों में व्यक्तिपरक निर्णय के आधार पर सिंड्रोमिक और पीसीआर आधारित नैदानिक परख का तुलनात्मक विश्लेषण में गलत निदान/ट्रिकोमोनिसीस का अधिक उपचार का पता चलता है। संक्रमक रोग गरीबी. 2016 मई 5य5रू42. जारी करने की तारीख: 10-1186/s40249/016/0133/x
बहु लक्ष्य अल्जाइमर विरोधी एजेंट के रूप में साइनोपाइराडीन–ट्राइजेन संकर का विकास। मुदासिर मकबूल, अपरा मनरल, एहतशाम जमील, जीतेन्द्र कुमार, विकास सैनी, आशुतोष शांडिल्य, मनीषा तिवारी*, नसीमुल होदा', बी जयराम, जैव कार्बनिक एवं औषधीय रसायन विज्ञान 2016 (प्रेस में) आईएफ 2.95
डीएडीएस अनुरूपता ने अल्जाइमर की तरह चूहे जैसे मॉडल की स्कोपोलामाइन प्रेरित संज्ञानात्मक क्षति को सुधारा है। अपरा मनरल, पूनम मीणा, विकास सैनी, फौजिया सिराज, श्रुति शालिनी, मनीषा तिवारी, * न्यूरो विषाक्तता त्मेमंतबी 2016 (प्रेस में) आईएफ 3.538
एक अनुभूति बूस्टर के रूप में शंखपुष्पीःअल्जाइमर रोग में प्रासांगिकता। सैयद वसीम बिहाकी, सुहेब इब्राहिम अलखामेष, मनीषा तिवारी, औषधि विज्ञान और औषध अनुसंधान इंटरनेशनल जर्नल 2016, 8(2), 68–74
मिर्गी के इलाज में पॉलीफार्माकोलॉजिकल दवाएंः विपणन में और नए उभरते अणुओं की व्यापक समीक्षा। शिखा कुमारी, चंद्र भूषण मिश्र, मनीषा तिवारी* वर्तमान फार्मास्युटिकल डिजाइन 2016 (प्रेस में) प्रभाव कारक 3.452

नए 1–(4–इमिनो–1–प्रतिस्थापित–1एच –पाइराजेलो[3, 4–डी, पाइरिमिडीन–5 (4एच)–वाईएल) यूरिया संजातों की इन विट्रो और इन विवो कैंसर विरोधी गतिविधियों का संश्लेषण। चंद्र भूषण मिश्र, राज कुमार मोंगरे, शिखा कुमारी, डांग की जेवांग', मनीषा तिवारी' आरएससी–एडवांस 2016, 6, 24491 – 24500: प्रभाव कारक 3.84

शक्तिशाली निरोधी और विरोधी कारकों के रूप में कुछ नए 1–फिनायल –3/4–[4– (एरिल/हिट्रोएरिलस/एल्काइल–पिपेराजाइन एल–वाईएल)–फिनायल –यूरिया की डिजाइन और संश्लेषण। चंद्र भूषण मिश्र, शिखा कुमारी ंदक मनीषा तिवारी' फार्माकोल अनुसंधान के अभिलेखागार 2016 (प्रेस में) प्रभाव कारक 2.046

एक अभिनव वर्ग के कार्बोनिक एनहाइड्रेज नौवें अवरोध 1–(3–9फिनायल/4–फ्लूरोफिनायल)–7–इमिनो–3एच–{1,2,3} ट्रायजोलो[4]5डी] पाइरिमिडाइन 6(7एच)वाईएल) यूरिया की डिजाइन और संश्लेषण। शिखा कुमारी, दानीस छदरीश, चंद्र भूषण मिश्र, अमरेश प्रकाश, वहीदुजमा, फैजान अहमद, मुहम्मद इम्तियाज हसन*, मनीषा तिवारी' आण्विक ग्राफिक्स और मॉडलिंग का पत्रिका, संस्करण 64, मार्च 2016, पृष्ठ 101–109 आईएफ 1. 722

शक्तिशाली निरोधी और विरोधी कारकों के रूप में अभिनव 1–[4–(4–बेजो[1]3] डायोक्सोल–5–वाईएल मिथाइल–पिपराजीन–1–वाईएल)–फिनायल]–3– फिनायल –यूरिया का औषधीय मूल्यांकन। शिखा कुमारी, चंद्र भूषण मिश्र, मनीषा तिवारी' औषधीय रिपोर्टें 68 (2016) 250–258 प्रभाव कारक 1.928 (एल्जेवियर)

अल्जाइमर रोग के उपचार के लिए ß–एमीलॉयड को कम करने, चोलिनर्जिक, एंटीऑक्सीडेंट और धातु चेलेटिंग गुणों के साथ बहु–कार्यात्मक नवल डायलिल डिस्युलफाइड (डीएडीएस) संजात। अपरा मनरल, विकास सैनी, पूनम मीणा और मनीषा तिवारी' जैव कार्बनिक और औषधीय रसायन शास्त्रप्रभाव कारक 2.95 संस्करण 23, अंक 19, 2015, पृष्ठ 6389–6403

हाइपरहोमोसिस्टेनिमियारू तंत्रिका अवक्षय कारक रोगों पर प्रभाव । मीनाक्षी शर्मा, मनीषा तिवारी और राकेश कुमार तिवारी। बुनियादी और चिकित्सीय औषध और विष विज्ञान 117(5), 287–96, 2015 आईएफ 2.124 (विले)

अभिनव निरोधी एजेंट के रूप में एन [4–(4–(एल्कायल / एरिल/ चीट्रोएरिल /) – पिपराजीन–1–वाईएल) –फिनायल, –कार्बनिक एसिड एथिल एस्टर संजात की डिजाइन, संश्लेषण और औषधीय मूल्यांकन। शिखा कुमारी, चंद्र भूषण मिश्र एवं मनीषा तिवारी' जैव कार्बनिक और औषधीय रसायन विज्ञान के पत्र 25, 1092–1099, 2015 प्रभाव कारक 2.33 (एल्जेवियर)

अल्जाइमर रोग के इलाज के लिए बहु–लक्षित एजेंटों के रूप में नए पिपरीडाइन और पिपराजीन संजातों का संश्लेषण, जैविक मूल्यांकन और आणविक डॉकिंग अध्ययन।पूनम मीणा, अपरा मनरल, मनीषा खत्री, विशाल निमेश, प्रतिभा, एम लूथरा एवं मनीषा तिवारी* जैव कार्बनिक और औषधीय रसायन विज्ञान 23, 1135–1148,2015 प्रभाव कारक 2.95 (एल्जेवियर)

थाइजोलः शक्तिशाली सीएनएस सक्रिय एजेंटों के विकास के लिए एक आशाजनक हीट्रो सससाइकल (समीक्षा आलेख) चंद्र भूषण मिश्र, शिखा कुमारी एवं मनीषा तिवारी* औषधीय रसायन विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका, 92, 1–34, 2015 प्रभाव कारक 3.43 (एल्जेवियर)

एल्यूमिनियम प्रेरित न्यूरो विषाक्तता के विरुद्ध एक पिपराइजीन ख्एन–{4–[4–(2–मेथॉक्सी फिनायल)– पिपराइजीन –1–वाईएल,–फिनायल}कारबेमिक एसिड इथाइल एस्टर, के संरक्षात्मक प्रभाव : इन सिलिको एवं इन विवो अध्ययनों में एक अंतर्दृष्टि। पूनम मीणा, अपरा मनरल, विकास सैनी ंदक मनीषा तिवारी* न्यूरो विषाक्तता अनुसंधान 27, 314–327, 2015 प्रभाव कारक 3.54 (स्प्रिंगर)

टी कुमार, एम यादव, एल आर सिंह, (2016). प्रतिरक्षा प्रणाली को विनियमित करने में ओस्मोलाइटों की भूमिका। वर्तमान फार्मा डेस (प्रेस में).

पी ए दर, एल आर सिंह, एम ए कमल, टी ए दर. एनियासोम्नीफिरा के साथ अद्वितीय औषधीय गुणः पादप रसायन घटक और प्रोटीन घटक, वर्तमान फार्मा डेस. 2016,22(5):535–40.

एस रहमान, एम वारेपम, एल आर सिंह, एवं टी ए दर. (2015). प्रोटीन स्थिरता और कार्यों पर यूरिया और मिथाइलेमाइन के प्रतिपूरक प्रभाव पर एक वर्तमान परिप्रेक्ष्य। बायोफिजिक्स और आण्विक जीव विज्ञान में प्रगति, 119(2), 129–136.

जी एस शर्मा, टी कुमार, टी ए दर एवं एल आर सिंह (2015). प्रोटीन एन होमोसिस्टेनिलेशनः सेलुलर विषाक्तता से न्यूरो अवक्षय के लिए। बायोकेमिका एट बायोफिजिक्स एक्टा (बीबीए)–सामान्य विषय, 1850(11), 2239–2245.

एस रहमान, एम टी रहमान, एल आर सिंह, एम वारेपम, एफ अहमद, टी ए दर, साल्ट प्रोटिनेट्स मिथाइलामाइन प्रतिरोध प्रणाली से प्रोटीन स्थिरता और कार्यों पर यूरिया के हानिकारक प्रभाव की समाप्ति,
पीएलओएस वन, 2015, 10(3):ई 0119597.

सूरज शर्मा, जी अली, टी दर एवं राजेंद्र कुमार, एल सिंह. (2015). तह मध्यवर्ती पर इसके प्रभाव के माध्यम से ओस्मोलाइट द्वारा प्रोटीन स्तरों को फिर से आकार देना। वर्तमान प्रोटीन एवं पेप्टाइड विज्ञान, 16(6), 513–520.(प्रभाव कारक 2.3).

एस मित्तल, आर के चौहान, एल आर सिंह. मैक्रोमॉलिक्यूलर क्राउडिंगरू मैक्रोमॉलिक्यूल दोस्त या दुश्मन। बायोकेमबायोफिजिक्स एक्टा, 8 मई, 2015 पीआईआईः एस0304–4165(15)00127–0. जारी करने की तारीखः 10-1016/j.bbagen.2015-05-002 (प्रभाव कारक 3.829).

जी एस शर्मा, एस मित्तल, एल आर सिंह. प्रोटीन के थर्मोडायनामिक और संरचनात्मक गुणों पर डेक्सट्रान 70 का प्रभाव। बायो मैक्रो मॉल. की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 29 अप्रैल. 2015,पीआईआईः एस0141–8130(15)00289–5. जारी करने की तारीखः 10-1016/j.ijbiomac.2015-04-051(प्रभाव कारक 3.1).

टी हसन, एम अली, डी सलूजा, एल आर सिंह. 2015) पीएच संरचना और तापीयगतिशीलता की स्थिरता को बदलकर पीएएच डोमेन के कार्यों को विनियमित करने में एक भूमिका निभा सकता है, जैव रसायन (मास्को) (प्रभाव कारक 1.753)

सम्मेलनों का आयोजन/भागीदारी

आयजितः अक्टूबर 2015 में, जैवचिकित्सा अनुसंधान में दिशाएं– 2015, जीन / के काम को समझनाः संरचनात्मक जीवविज्ञान से दवाओं की खोज।

21–23 जनवरी, 2016 को एसीबीआर में जैव सूचना विज्ञान और नशीली दवाओं के डिजाइन में आणविक मॉडलिंग, पर छठी कार्यशाला की संयोजक और आयोजन सचिव।
दक्षिण एशियाई जैव प्रौद्योगिकी सम्मेलन, साव, नई दिल्ली (फरवरी 2015) में प्रो. वाणी ब्रह्मचारी द्वारा
क्रोमेटिन एशिया, जेएन केंद्र, बेंगलुरू (नवंबर 2015) प्रो. वाणी ब्रह्मचारी द्वारा
एमसीबी75: अणुओं से जीव, आईआईएससी, बैंगलोर (दिसम्बर, 2015) प्रो. वाणी ब्रह्मचारी द्वारा
डॉ मधु चोपड़ा द्वारा 22–25 जुलाई, 2015 को बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका में दवाओं की खोज एवं उपचार पर विश्व कांग्रेस में, "गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर पर एचडीएसी अवरोध (पेनोबिनोस्टेट) और टोपोआइसोमेरेज अवरोधकों के सिनर्जिस्टिक प्रभाव"।
18–20 नवंबर, 2015 को भारतीय विज्ञान संस्थान, जेएन टाटा ऑडिटोरियम, बेंगलुरू में डॉ. मधु चोपड़ा द्वारा वैश्विक कैंसर शिखर सम्मेलन में "एचडीएसी अवरोध और टोपोआइसोमेरेज अवरोधक हेला कोशिकाओं पर सिनर्जिस्टिक प्रभाव दर्शाते हैं"।
डॉ. एल.आर. सिंह द्वारा आईआईएससी बंगलोर में "भारतीय जैव–भौतिक सोसाइटी–2016 की वार्षिक बैठक" आयोजित की गई।

प्रदत्त पीएच.डी. की संख्या
छात्रों की संख्या = 14

संकाय स्थायी की संख्या / अस्थायी /तदर्थ
संकाय की संख्या : 12
10 (नियमित)
02 (तदर्थ)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
प्रो. दमन सलूजा की एक पीएच.डी. छात्रा, सुश्री दिपाली जून को माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की एलएएनपी आधारित नैदानिक परख के विकास पर अपने काम के लिए रैनबैक्सी पुरस्कार 2015–16 से सम्मानित किया गया है।

पर्यावरणीय अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान में लगा हुआ है। हर वर्ष, हम एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (एमएससी = 31 एवं एमए = 23) के लिए 54 छात्रों को स्वीकार करते हैं। हमारे छात्र विभिन्न विषयों की विस्तृत विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि से आते हैं। हमारे विभाग में कुछ सबसे अच्छे शिक्षक हैं और संकाय सदस्य बुनियादी, पारिस्थितिकी पर्यावरण और व्यावहारिक विज्ञान में अनुसंधान के कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में लगे हुए हैं। हम राष्ट्रीय विकास से जुड़े सामाजिक रूप से प्रासंगिक क्षेत्रों में अनुसंधान कर रहे हैं और पर्यावरण क्षरण से उत्पन्न होने वाले मुद्दों की समस्या को हल करने के लिए योगदान करते हैं। अनुसंधान विषय पारिस्थितिकी और पर्यावरण के मौलिक और लागू दोनों पहलुओं में अभिनव योगदान पर केंद्रित हैं। हमारे संकाय सदस्य अपने शोध के निष्कर्षों को नियमित रूप से शीर्ष स्तरीय सहकर्मी समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित करते हैं। हमने नेचर, साइंस और अन्य उच्च प्रभाव युक्त पत्रिकाओं में प्रकाशन किये हैं। संकाय सदस्यों ने बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं भी प्राप्त की हैं, जिनका अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास और युवा शोधार्थियों प्रशिक्षण में इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारे संकाय सदस्य अपने क्षेत्रों के विश्व नेताओं में पहचाने जाते हैं जो अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ व्यापक रूप से सहयोग करते हैं। हमारे शिक्षकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में मुख्य वक्ता के रूप में नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है और पूर्ण व्याख्यान देने के माध्यम से ने अपने नए शोध के निष्कर्षों को साझा करते हैं।

सम्मान विशिष्टता
प्रोफेसर महाराज के. पंडित को, उन्नत अध्ययन के रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में हर्डी फेलो नियुक्त किया गया था।

प्रोफेसर महाराज के. पंडित को उन्नत अध्ययन के रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा खोजपूर्ण संगोष्ठी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रोफेसर महाराज के. पंडित को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस (एनएएसआई), इलाहाबाद का भारत का फैलो चुना गया।
प्रोफेसर महाराज के. पंडित को भारत सरकार द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का स्वतंत्र निदेशक (निदेशक मंडल) नियुक्त किया गया है।

प्रोफेसर महाराज के. पंडित को भारत सरकार की नदियों को जोड़ने की विशेष समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।
प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह को अमेरिका की पारिस्थितिक सोसायटी द्वारा प्रतिष्ठित परिस्थितिविज्ञानशास्त्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रकाशन

हिमालयी अल्पाइन घास के मैदान में जलवायु परिवर्तन प्रेरित नुकसानः झाड़ीदार भूमि को आगे बढ़ाने से संकट में स्थिक घास। पृथ्वी प्रणाली और पर्यावरण की मॉडलिंग, 2:92.10.1007:40808–016–0163–1.

जे.पी. भट्ट, के. मनीष, आर. मेहता, एम. के. पंडित, (2016). भारतीय नदी घाटियों में मीठे पानी के मछली वनों का संरक्षण और संभावित बहाली के क्षेत्रों का आकलन। पर्यावरण प्रबंधन 57: 1098–1111।

एम. जैन, डी. दावा, आर. मेहता, ए. पी. डिमरी और एम. के. पंडित, (2016). बहु–अस्थायी उपग्रह डेटा का उपयोग कर दिल्ली, भारत में भूमि उपयोग परिवर्तन और इसके वाहकों की निगरानी। पृथ्वी प्रणाली और पर्यावरण की मॉडलिंग, 2: 1–14।

जे. पी. भट्ट और एम. के .पंडित (2015). लुप्तप्राय गोल्डन महशीर तोर प्यूटिटोरल हैमिल्टनः प्राकृतिक इतिहास की एक समीक्षा। मछली जीवविज्ञान और मत्स्य पालन की समीक्षा। 26:25–38.

ए. नियामवांजा, ए.के. कायहान, एम. के पंडित, ए. हक, सी. रेड्डी, जे. डोहर्टी–बिगारा और ई. डिंगमैन (2015). बड़ा सवालरू जिनके पास आपके देश में जलवायु परिवर्तन से खोने के लिए सबसे अधिक है? विश्व नीति पत्रिका 32: 3–7.

एन. शबनम, पी. शर्मिला, ए. शर्मा, आर.जे. स्त्रासर, गोविंद जी और पी. पार्थ सारथी (2015). माइटोकांड्रियल इलेक्ट्रान परिवहन लंबी पत्ती वाले तालाबों की वनस्पति के तैरते हुए पत्तों की फोटोइनहेविशन से सुरक्षा करता है :डूबे हुए पत्तों के साथ तुलना। फोटोसिंथ., रेस। जारी होने की तारीख 10.1007 /एस11120–014–0051–3।

एम. वानकेलुनन, डावसन, डब्ल्यू. इंद्रजीत और पी. पाइसेक (2015). वैश्विक विनिमय और गैर–देशी पौधों का संचय। नेचर 525: 100–103.

इंद्रजीत, (2015). विशेषांक का परिचय : पादप हमलों की मध्यस्थता में जमीन के नीचे की प्रक्रियाओं की मिट्टी माइक्रोबियल संचालित भूमिका। एओबी प्लांट्स 7: पीएलवी052.

डी.ए. ड्रिसकोल, जे.एन. बार्नी, पी. ई. हुल्म, इंद्रजीत, टीजी मार्टिन, ए. पौकार्ड... जे.ए. कैटफोर, (2015). प्रोएनका व अन्य का जवाबः बोई गई जैव विविधताएं चराई आक्रमण जोखिम के लिए एक सार्वभौमिक समाधान नहीं हैं। पीएनएएस 112: ई1696।

इंद्रजीत और जे. एफ. काहिल (2015). पादप–मृदा प्रतिक्रिया और अंतर्निहित आक्रमण तंत्र का जुड़ाव। एओबी प्लांट्स, जारी होने की तारीखः 1093 /एओबीपीएलए/पीएलवी022.

ए.जे.उर्फी (2015). पुरानी होती पारिस्थितिकी और भारत के तट के साथ वाडर्स के संरक्षण के लिए:विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता वाडर अध्ययन 122 (2): 153–159. जारी होने की तारीखः10.18194 /डब्ल्यूएस.00013.

ए.जे.उर्फी और एन.के. तिवारी, (2015). बगुलों के घोंसला बनाने की सफलता पर प्रासपिसजुली वनस्पति नकारात्मक प्रभाव डालती है? वर्तमान विज्ञान में छपी एक रिपोर्ट की आलोचना। वर्तमान विज्ञान.108: 1973– 1974.

एम. शर्मा, वी. मिश्रा, एन. राव, और आर. एस. शर्मा, (2016). खदान से साइडरफोर–उत्पादक आर्थोबैक्टरग्लोबिफार्मिस के संचरण के माध्यम से मक्का की लौह तनाव लचीलेपन में वृद्धि। बेसिक माइक्रोबायोलॉजी की पत्रिकारू 56:719–735। जारी होने की तारीखः10.1002 :जेओबीएम.20150045.

एस. एस. मीणा, आर. एस. शर्मा, पी. गुप्ता, एस. कर्मकार, के. के. अग्रवाल (2016). एक प्रवाह दूषित साइट से बेसिलस मेगाटेरियम वाईबी 3 की अलगाव और पहचान पाइरिन को कुशलतापूर्वक अवक्रमित करता है। बेसिक माइक्रोबायोलॉजी की पत्रिका 56:369–378.

डी. रावत, वी. मिश्रा, आर. एस. शर्मा (2016). पर्यावरण प्रक्रियाओं के संदर्भ में ओजेडओ रंगों की विषाक्तता का निवारण। केमोस्फीयर 155: 591 – 605.

आर. एस. शर्मा, स्वागता कर्मकार और वंदना मिश्रा (2016). पर्यावरण विषाक्त पदार्थ और प्रजनन स्वास्थ्य – एक पर्यावरण के नजरिए। प्रजनन और प्रजनन क्षमता के अध्ययन की भारतीय सोसायटी, 18:78–81.

पी. सक्सेना और सी. घोष, (2015). सड़क के किनारे के उष्णकटिबंधीय पौधों की प्रजातियों से आइसोपोरीन उत्सर्जन के मौसमी बदलाव और हवा की गुणवत्ता के अवक्षय में उनकी संभावित भूमिका,पर्यावरण शंकाएं और आलोचक। 4: 67–80.

पी. शर्मा, एस. कुमार, ए. गर्ग और सी घोष, (2015). पौधों की चुनी गई प्रजातियों पर वायुमंडलीय तत्वों के प्रभाव का पता लगाने के लिए विश्लेषण, पर्यावरण पृथ्वी विज्ञान, जारी होने की तारीखः 10.1007 / एस12665–015–4452–1।.

ए. गर्ग, पी. सक्सेना और सी. घोष, 2015. गैसोलीन निकास प्रदूषण के विशेष संदर्भ में चुने गए पौधों की प्रजातियों की सहिष्णुता और संवेदनशीलता का मूल्यांकन। वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4.199–207.

एन. गोयल एवं जीपी शर्मा, (2015). लैंटाना कमारा एल (सेनसुलाटो)रू एक रहस्यपूर्ण जटिलता, नियोबायोटा 25 15–26.

ए. सनी, एस. दिवाकर एवं जी.पी. शर्मा, (2015). देशी कीड़े और आक्रामक पौधों कामुठभेड़। एंथ्रोपॉड–पादप सहभागिता, 1–9.

वी. मिश्रा, आर. मिश्रा और आर.एस. शर्मा, (2015). राइबोसोम निष्क्रिय प्रोटीनः बहु–तनाव सहिष्णु ट्रांसजेनिक पौधों के विकास के लिए एक संभावित अणु। पर्यावरण संरक्षण के लिए जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, स्प्रिंगर (प्रेस में)

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना। शीर्षक ''जैव विविधता और संरक्षण के संदर्भों में प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के आक्रमण की पारिस्थितिकी''।

प्रो. आर. एस. शर्मा/डॉ. वंदना मिश्रा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक तारीख पोषक तत्वों पर तनाव के साइट में बैक्टीरिया की विविधताः बैक्टिरियोफेजेज की भूमिका तारीख''।

प्रो. आर.एस. शर्मा, यूजीसी–ड्यू द्वारा वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक ''फेज–जीवाणु की भूमिका... माइन''।

डॉ.चीराश्री घोष, पर्यावरण और वन (एमओईएफ) मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक ''मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण बायोएयरोजल प्रदूषण का प्रभावः उत्तर भारतीय जनसंख्या में सीओपीडी के प्रकोप के लिए :एक मामला नियंत्रण अध्ययन''।

डॉ. चीराश्री घोष, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना। शीर्षक ''हवा की गुणवत्ता की भविष्यवाणी और अनुसंधान (सफर) आईआईटीएम, पुणे के कार्यक्रम की प्रणाली'।

डॉ वंदना मिश्रा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''ष्पॉलीफास्फेट...... ..माइन का प्रसार और पारिस्थितिक महत्व'' शीर्षक।

डॉ. वंदना मिश्रा, परियोजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित, शीर्षक ''फ्लाई ऐश वातावरण में........ पादप विकास रिजोबैक्टीरिया को प्रोन्नत करने वाली कार्यात्मक और वर्गीकरण विविधता''।

डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. स्वाति दिवाकर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक ''एक आक्रामक पौध (हिपटिश्यूएवोलेन्स) पर कीट शाकाहारीः मेजबान परिवर्तन, पारिस्थितिक फिटिंग या एक विकासवादी जाल का एक मामला?''।

डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक ''लक्षण जो मायने रखता है ... भारतीय उप–महाद्वीप''।

डॉ. स्वाति दिवाकर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक ''भारत में वेटारू ध्वनिक संचार, व्यवस्था और व्यवहार पारिस्थितिकी''।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

महाराज के. पंडित, संगोष्ठी के नेता। अनुशासनात्मक बुखारियों से परे देखना, हिमालय पुष्प विकास और पृथ्वी की सतह प्रक्रियाओं के बीच के जटिल संबंधों को समझना, रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, अगस्त 2016.

इंद्रजीत सिंह। तीसरा एशियाई एलोपैथी सम्मेलन, फूजौ, चीन, 30 अक्टूबर से 02 नवम्बर, 2015 के दौरान।

इंद्रजीत सिंह, जून 2015 में पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में वक्तव्य के लिए आमंत्रित।

परिवर्तन के विषयगत क्षेत्र पर केंद्रित दूसरी एचआईएमएपी, आईआईएमओडी कार्यशाला, थिम्पू, भूटान, 04–06 फरवरी, 2015.

महाराज के. पंडित, एक हजार जीनेटियनों को खिलने दें। 08 अप्रैल, 2016. उन्नत अध्ययन का रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, हार्वर्ड, अमरीका।

महाराज के. पंडित, 2014. डेटाबेस और आक्रमण अनुसंधानः एक इकोजीनोमीक परिप्रेक्ष्य। जीबीआईएफ सतत विकास के लिए अनुसंधान का समर्थन कर रहा है। 17 सितम्बर, 2014 को इंडिया हैबिटेट केंद्र, नई दिल्ली, भारत में आयोजित जीबीआईएफ पब्लिक संगोष्ठी।

वी. मिश्रा, एस. मल्होत्रा, ए. जुनेजा, एस. कर्मकार, आर.एस. शर्मा (2015). वनस्पति विकास के विभिन्न चरणों में विभिन्न प्रजातियों के पौधे में नाइट्रोजन फिक्सिंग जीवाणुओं में विविधता। 56वें वार्षिक ''सूक्ष्म जीव विज्ञान में उभरते खोजों''पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और माइक्रोबायोलॉजिस्ट के एसोसिएशन के सम्मेलन की कार्यवाही में। 7–10 दिसंबर, 2015, जेएनयू, नई दिल्ली, पृ.एएमपी 97.

आर.एस. शर्मा, एस. कर्मकार, आर. बिधूड़ी, एस. मल्होत्रा, आर. सिंह, वी. मिश्रा (2015). निम्नीकृत पारिस्थितिक तंत्र में जमते पालीफॉस्फेट बैक्टीरिया का प्रसार। भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट की एसोसिएशन के 56वें वार्षिक सम्मेलन (एएमआई–2015) और ''सूक्ष्म जीव विज्ञान में उभरती खोज'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही। 7–10 दिसंबर, 2015, जेएनयू, नई दिल्ली, पृ. ईएमपी 123.

डी. रावत, आर. एस. शर्मा, वी. मिश्रा (2015). एसिड ऑरेंज 7 डाई की सूक्ष्मजीव–मध्यस्थता गिरावट की विषाक्तता का मूल्यांकन। मेंरू पर कोश और आण्विक जीव विज्ञान में रुझान (टीसीएमबी) पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान के बिरला संस्थान (बिट्स) पिलानी, गोवा, 19–21 दिसंबर, 2015.
डी. रावत, एस. शर्मा, आर.एस. शर्मा, वी. मिश्रा (2015). एसिड ऑरेंज – डाई की गिरावट में हलोपलिक जीवाणु कुशलता का प्रोटिओमिक विश्लेषण। 3–6 दिसंबर, 2015 को वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी), वेल्लोर, तमिलनाडु में आयोजित भारत की प्रोटिओमिक्स सोसायटी (पीएसई) की ''जैव क्रोमैटोग्राफी, आणविक मान्यता और प्रोटिओमिक्स'' पर 7वीं वार्षिक बैठक में।

अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. महाराज के. पंडित ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका के प्रो. एंड्रयू टीला के साथ ''पृथ्वी प्रणाली की प्रक्रिया और हिमालयी वनस्पति के विकासवादी विचलन'' नामक परियोजना पर काम किया।

प्रो. महाराज के. पंडित ने एडीलेड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के प्रो लियान पिन कोह के सहयोग में ''हिमालय स्थानिकमारी वाले पौधों विविधता और वितरण'' नामक परियोजना पर काम किया।

प्रो. महाराज के. पंडित ने उन्नत अध्ययन के रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से ''हिमालय में जीवन'' नामक परियोजना पर काम किया।

प्रो. पी. पार्द्ध सारधि ने प्रो. गोविंद जी, प्रोफेसर एमेरिटस, जैव रसायन, बायोफिजिक्स और पादप बायोलॉजी, यूआईयूसी, 265 मॉरिल हॉल, 505 दक्षिण गुडविन एवी, उरबाना, आएल61801–3707, संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से ''प्रकाश संश्लेषण और नेनोबायोटेक्नोलॉजी पर जांच'' नामक परियोजना पर काम किया।

प्रो. पी. पार्द्ध सारधि ने प्रो. रेतो जे. स्ट्रासर, बायोएनर्जेटिक्स प्रयोगशाला, जिनेवा विश्वविद्यालय, 1254 जस्से / जिनेवा, स्विट्जरलैंड के सहयोग में ''प्रकाश संश्लेषण और नेनोबायोटेक्नोलॉजी पर जांच'' शीर्षक परियोजना पर काम किया।

प्रदत्त पीएच.डी. और एम.फिल

पीएच.डी.: 3

संकाय की संख्या

स्थायी: 11

भूविज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्रो. जे. पी. श्रीवास्तव ने पूर्वी डेक्कन ज्वालामुखी प्रांत के भारत के मंडला पालि में लावा संकुल के टेक्टनो–मैग्मेटिक सेटिंग की स्थापना के लिए पालेओमैग्नेटिक और मैगनेटोस्ट्रेटिग्राफिक प्रमाणों पर काम किया। प्रो. सी. एस. दुबे ने विवर्तनिक अध्ययन और पूर्वी अरुणाचल हिमालय के क्रस्टल को छोटा करने पर काम किया। प्रो. जी. वी. आर. प्रसाद ने जम्मू के लोअर शिवालिक से टेस्टुडायड और मध्य भारत के ऊपरी क्रीटेशस डेक्कन इंटरट्रापीयन बेड से क्रोकोडायल्ड एगशेलों और और क्रीसेटाइड मूषक का वर्णन किया। प्रो. ए. चट्टोपाध्याय ने गाविलगढ़–टैन कतरन जोन, मध्य भारत के हस्तक्षेप करने वाले ग्रेनाइट की उम्र की रेडियोमेट्रिक माप और सतपुड़ा पर्वत के मार्फोटेक्टॉनिक अध्ययन पर काम किया है। प्रो. एन. सी. पंत, अरुणाचल हिमालय से मध्य–क्रस्टल चट्टानों के रूपांतरण पर अध्ययन किया, और अंटार्कटिका से समुद्री तलछट की मिट्टी खनिज पर काम किया। प्रो. पी. पी. चक्रवर्ती ने बीजावर और ग्वालियर की घाटियों के विशेष संदर्भ में प्रोटेरोजोइक घाटियों का नियंत्रण स्थापित करने वाले अवसादन पर काम किया। उन्होंने विंध्य और छत्तीसगढ़ घाटियों की अर्जिलेसेअस चट्टानों के लिए भूविज्ञान, बॉयोमेट्रिक्स और समग्र कार्बनिक कार्बन क्षमता के मूल्यांकन पर काम किया। प्रो. पंकज श्रीवास्तव भारत की लाल जंग मिट्टी की पीडोजेनिक प्रक्रियाओं पर काम किया। उन्होंने भारत–गांगेय मैदानों की मिट्टी की होलोसीन परिदृश्य स्थिरता, जलवायु परिवर्तनशीलता और मानवीय गतिविधि के प्रति मिट्टी की पेडोजेनिक प्रतिक्रिया पर काम किया। डॉ. विमल सिंह ने गंगा और अन्य हिमालयी नदियों की वास्तविक लंबाई का अनुमान लगाया। उन्होंने भारत के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर टिप्पणियों को भी प्रकाशित कराया। डॉ. ए. सैकिया ने छोटानागपुर ग्रेनाइट शैल परिसर के बथानी ज्वालामुखी और ज्वालामुखी–तलछटी अनुक्रम में मेफिक और

फेल्सिक चट्टानों के विकास पर भू रासायनिक कमी पर काम किया। उन्होंने महासागरीय स्लैब सामग्री में सजल चरणों की लोच पर भी काम किया है। डॉ. पी. कुमार ने अनुक्रम स्तरीकृत विश्लेषण के माध्यम से पश्चिमी कच्छ, भारत में निष्क्रिय मार्जिन शिथिलता–घाटियों को बंद करने पर काम किया।

सम्मान/ विशिष्टता

प्रो. जी. वी. आर. प्रसाद को जे. सी. बोस. नेशनल फैलोशिप प्रदान किया गया (2016)

प्रो. जी. वी. आर. प्रसाद अध्यक्ष, विशेषज्ञ समिति, युवा वैज्ञानिकों के लिए डीएसटी फास्ट ट्रैक योजना (2015–2018)

प्रो. जी. वी. आर. प्रसाद ने स्वर्ण जयंती फैलोशिप के लिए अध्यक्ष, पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान में विषय विशेषज्ञ समिति (2015) के रूप में कार्य किया।

प्रो. एन. सी. पंत ने आइसकैप –2 परियोजना के रूप में ब्रिटिश काउंसिल अभिनव पुरस्कार प्राप्त किया(2015–2017).

प्रो. ए. चट्टोपाध्याय, जून 2015 के बाद से पर्यावरण मंत्रालय, दिल्ली सरकार की राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में सेवारत हैं।

प्रो. सी. एस. दुबे एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में राष्ट्रीय भू–स्थानिक नीति – डीएसटी सलाहकार समिति 2016 में सेवारत हैं।

प्रकाशन

एस. बनर्जी, एस. मंडल, पी. पी. चक्रवर्ती और एस. एस .मीना, (2015). प्रीकैम्ब्रियन ग्लुकोनाइट की विशिष्ट गठनमूलक विशेषताएं और विकासवादी प्रवृत्तिःभालुकोना गठन, छत्तीसगढ़ बेसिन, भारत से उदाहरण। प्रीकैम्ब्रियन अनुसंधान v. 271, पृ..33–48.

डी. भट्टाचार्य, वी. जैन, ए. चट्टोपाध्याय, आर. एच. बिस्वास, ए. के. सिंघवी, (2016). जिओमोर्फिक सबूत और एक क्रेटोनिक क्षेत्र में कई नीयोटेक्टोनिक घटनाओं का कालक्रमः गविलगढ़ दोषयुक्त क्षेत्र से परिणाम, मध्य भारत। टेक्टोनोभौतिकी, (कागज स्वीकृतरू प्रेस में)।

पी. पी. चक्रवर्ती, एस. साहा और पी दास, (2015). मेसोप्रोटेरोजोइक छत्तीसगढ़ बेसिन, मध्य भारत का भूविज्ञानः वर्तमान स्थिति और भविष्य के लक्ष्य। ''भारत की प्रीकैम्ब्रियन घाटियांः स्तरीकृत और विवर्तनिक संदर्भ'' पर लंदन संस्मरण नं 43 की भूवैज्ञानिक सोसायटी। पी. जी. एरिकसन और आर. मजूमदार, (संपा.) पृ. 185–206.

पी.पी. चक्रवर्ती, एन. सी. पंत, पी. पी. पॉल, (2015). पालेओप्रोटीयोजोइक घाटी में अवसादन का नियंत्रण– ग्वालियर और बीजावर घाटियों, मध्य भारत में एक मामले का अध्ययन। विशेष प्रकाशन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।भूवैज्ञानिक सोसायटी लंदन संस्मरण, 43, 67दृ83, http://dx.doi.org/10.1144/M43.5

ए.चट्टोपाध्याय, के. दास, वाई. हयसायका, वाई. ए. सरकार, (2015). सौसर फोल्ड बेल्ट, मध्य भारत में एसवाईएन– और विवर्तनिक ग्रेनाइट प्लुटोनिज्मः उम्र की बाधा और विवर्तनिक निहितार्थ। एशियाई पृथ्वी विज्ञान की पत्रिका 107, 110–121

ए. चट्टोपाध्याय, (2015) ''सौसर समूह, मध्य भारत से एक पालेयोप्रोटेरोजोइक कैप– कार्बोनेट अनुक्रम के व्यवस्थित कार्बन और ऑक्सीजन आइसोटोप'' पर चर्चा। एस मोहंती द्वारा ए बारिक, एस सारंगी और ए सरकार पालेओज्योग्रफी, पालेयोक्लाइमेटोलॉजी, पालेयोइकोलॉजी 433, 156–157.

के. दास, पी. पी. चक्रवर्ती, वाई. हयास्का, एम. कयामा, एस. साहा और के किमुरा (2015)़ पूर्व भारतीय क्रेटन के छोर पर 1450 एमए क्षेत्रीय फेल्सिक ज्वालामुखीः बॉयोमेट्रिक्स विछिन्न तलछटी घाटियों के टफ बेड की भू–क्रमविकास और भू–रसायन बाधाएं। ''भारत की प्रीकैम्ब्रीयन घाटियांः स्तरीकृत और विवर्तनिक संदर्भ '' पर भूवैज्ञानिक सोसायटी का लंदन संस्मरण नं 43. पृ. 207–222

आर. देवरानी, वी. सिंह, एस. एम. मड, डी. सिंक्लेयर, (2015). हिमालय की नदी प्रोफाइल से अचानक आई बाढ़ के खतरा प्रभाव की भविष्यवाणी। भूभौतिकी रेस. लेट. 42, 5888–5894, जारी होने की तारीखः10.1002:2015जीएल063784.

आर. ए. डंकन, जे. पी.श्रीवास्तव, एम. कश्यप, (2015). मंडला लावा की पोस्ट–के/पीबी यंगर 40एआर–39 एआर की उम्ररू दक्षिणी ज्वालामुखी भू–भागों के लिए निहितार्थ की अवधि, सं. 224–225, पृ. 214–224.

ए. ए . खान, एन. सी. पंत, ए .गोस्वामी, आर. लाल, आर. जोशी, (2015). सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र बेसिन, उत्तरी भारत में औसत वार्षिक वर्षा का गहन मूल्यांकन और आकलन, आर जोशी एवं अन्य। (संपा.), उत्तर–पश्चिमि हिमालय की जलवायु परिवर्तन और जल संसाधन की गतिशीलता, भू वैज्ञानिकों की सोसाइटी श्रृंखला, 67–84, जारी होने की तारीख 10.1007 : 978–3–319–13743–8_7, © स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, स्विट्जरलैंड

एस. एम. मेहदी, एस. कुमार, एन. सी. पंत, (2015). उत्तरी दिल्ली फोल्ड बेल्ट (एनडीएफबी) की लालसोट–बयाना उप बेसिन में रूपांतरित स्थिति की विशेषता – दिल्ली फोल्ड बेल्ट के भीतर इसकी स्थिति के निहितार्थ। भारत की भू. सोसायटी की पत्रिका, 85, 397–410.

पी. एस. निंगथोउजाम, सी. एस. दुबे, एल. के. लोली, डी.पी. शुक्ला, एस.एस. नावरेम, एस. के. सिंह, (2015) पूरे पूर्वी अरुणाचल हिमालय में विवर्तनिक अध्ययन और क्रस्टल छोटा करना, एशियाई पृथ्वी विज्ञान की पत्रिका 111. 339– 349 http;//dx.doi.org/10.1016/j.jseaes.2015.07.003.

वी. परमार, जी. वी. आर. प्रसाद, (2015). जम्मू, भारत के लोअर शिवालिक उप समूह से क्राइसीटेड कृंतकः जैव कालानुक्रमिक महत्व। पालेयोवर्ल्ड 24: 324–335 (नानजिंग, चीन)।

एस. पाल, जे. पी. श्रीवास्तव, एस. के. मुखोपाध्याय, (2015). मेघालय, भारत की उम–शोरींगकियू नदी खंड के लेट क्रिटेशस–अर्ली पालेओजीन अनुक्रमण के साथ क्लेज से जुड़े खनिज रसायन विज्ञानः पुरातात्विक–पर्यावरण निष्कर्ष और केध्पीजी संक्रमण। भारतीय जियोलाजिकल सोसाइटी की पत्रिका, सं. 86, नं. 6, पृ.631–647.

मेघालय, भारत की उम–शोरींगकियू नदी खंड के लेट क्रिटेशस–अर्ली पालेओजीन अनुक्रमण से के/पीजी सीमा संक्रमण के फिसिल्स और कार्बनिक पदार्थ आधारित पुरातात्विक–पर्यावरण रिकॉर्ड। एस. पाल, जे. पी. श्रीवास्तव, एस. के. मुखोपाध्याय, (2015) . केमी. डेर एर्डे, सं. 75, पृ.445–463.

एस. पाल, जे .पी. श्रीवास्तव, एस. के. मुखोपाध्याय, (2015). पीएएच यात्रा और मेघालय कीउम–शोरींगकियू नदी अनुभाग के लेट क्रिटेशस–अर्ली पालेओजीन अनुक्रमण में पीएएच भ्रमण ओर के/पीजी संक्रमण। वर्तमान विज्ञान, वर्तमान विज्ञान, सं. 109, नं. 6, 1140–1150.

एन. सी. पंत, एस. कुमार, एम. पांडेय, ए. के. बजाज, ए. कुंडू, एस. जोशी, आर. वी. एस.शिम्याफी, (2015). उत्पत्ति और खेतड़ी कॉपर बेल्ट और निकटवर्ती निम्न स्तरीय सीयू खनिज, उत्तर–पश्चिमी भारतीय शील्ड में खनिज के नियंत्रण पर नई अंतर्दृष्टिरू पी के गोलानी (संपा.) राजस्थान में धातुकर्म और खनिज अन्वेषण में हाल की घटनाएं, में। भारत के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का विशेष प्रकाशन, 101, 109–128.

जी. वी. आर. प्रसाद, ए. शर्मा, ओ. वर्मा, ए. खोसला, एल. आर. सिंह और आर. के. प्रियदर्शिनी, टेस्टुडायड, मध्य भारत के ऊपरी क्रीटेशस डेक्कन इंटरट्रापेन बेड से टेस्टुडायड और क्रोकोडायल्ड अंडों के छिल्के। सी.आर. पालेवोल.14: 513–526 (पेरिस)।

एन. रानी, जे. पी. श्रीवास्तव, आर. के. बाजपेयी, (2015). दक्षिणी ज्वालामुखी प्रांत से प्राकृतिक सीसाः रेडियोधर्मी कचरे के रूप के लिए एक सादृश्य। भूविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (–जिओल रंडश) जारी होने की तारीख 10.1007/ एस00531–015–1244–5.

ए. डी. रोजा, वेले –सांचेज, सी. जिंगयुन वांग, आशिमा सैकिया (2015). सुपरहाइड्रस चरण बी की लोच, ठंड स्लैब में भूकंप विसंगतियां और गहरे पानी में परिवहन के लिए निहितार्थ। पृथ्वी और ग्रहों अंतरिक स्थिति की भौतिकी, 24:330 जून

ए. सरकार एस. अली, एस. कुमार, एस. शेखर, एस. वी. एन. राव (2016: प्रेस में). दिल्ली, भारत में भूजल का माहौल, एशियाई शहरों में भूजल पर्यावरण, संपा. एस. श्रेष्ठ, वी. पांडेय, बी. आर. शिवकोटि, एस. थातिकोंडा, इंप्रिंटः बटरवर्थ–हिनेमैन, एल्सवीयर प्रकाशन।(http://store.elsevier.com/Groundwater-Environment-in-Asian-Cities/isbn-9780128031667/).

वी. सिंह, (2015). भारतीय क्रिटिकल जोन पर टिप्पणी – प्राथमिकता अध्ययन का एक मामला। वर्तमान विज्ञान, संस्करण 108 (6)य 1045–1046.

पी. श्रीवास्तव, के. एम. अरुचे, ए. आर्य, डी. के. पाल, एल. पी. सिंह, (2015). सिंधु–गंगा के मैदानी इलाकों की मिट्टी में समकालीन और अवशेष पेडोजेनिक प्रक्रियाओं का एक माइक्रोमार्फोलॉजिकव रिकॉर्डः खनिज अपक्षय, उद्गम और जलवायु परिवर्तन के लिए निहितार्थ। पृथ्वी सतह की प्रक्रियाएं और भूआकृतियां। (जारी होने की तारीखः 10.1002/ ईएसपी.3862)। (जॉन विले एवं संस लिमिटेड प्रकाशन)।

पी. श्रीवास्तव, डी. के. पाल, के. एम. अरुचे, पी. एस. वानी, के. एल. सहरावत, (2015). सिंधु–गंगा के मैदानी इलाकों की मिट्टीरू होलोसीन के दौरान परिदृश्य स्थिरता, जलवायु परिवर्तनशीलता और मानवीय गतिविधि की एक पेडोजेनिक प्रतिक्रिया। पृथ्वी विज्ञान समीक्षा 140:54–71, जारी होने की तारीख 10.1016/जे.इयर्सरेव.2014.10.010).। (एल्सवीयर)।

आर. श्रीवास्तव, आर. रमेश, गांधी, एन. आर. ए जानी, ए. के. सिंह, (2015). मानसून वाष्प के स्थिर ऑक्सीजन और हाइड्रोजन आइसोटोप अनुपात में मानसून शुरू होने के संकेत। वायुमंडलीय पर्यावरण। 108.पृ. 117–124.

एम. तिवारी, ए.के. सिंह, डी.के.सिन्हा, (2015). स्थिर आइसोटोपरू अतीत की जलवायु परिस्थितियों को समझने के लिए उपकरण और केमोस्ट्रेटीग्राफी में इसका आवेदन। केमोस्ट्रेटीग्राफी पुस्तकरू संपादित– रामकुमार–9780124199682, अध्यायरू 03, 2015.एल्सवीयर इंक2015. http://dx.doi.org/10.1016/B978-0-12-419968-2.00003-0 65,

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. पी. श्रीवास्तवः 'शिवालिक संक्रमण.........पालेयोपेडोलॉजिकल' नामक एमओईएस परियोजना'(ड्यू–केयू–डब्ल्यूआईएचजी सहयोगरू परियोजना स्वीकृत, लेकिन वित्तपोषण में देरी हुई है) 2015–18: 92.00 लाख

प्रो. जी. वी. आर प्रसादः डीएसटी से जे सी बोस नेशनल फैलोशिप परियोजना (2 कार्यकाल) (2016–18): 68.00 लाख

प्रो. जे. पी. श्रीवास्तवः डीएसटी परियोजना, शीर्षक ''दक्षिण–पूर्वी ज्वालामुखी प्रांत के ज्वालामुखी–तलछटी संक्रमण पर सीओ 2 प्रसार का अध्ययन'' , 2014–17: 57 लाख

पी. पी. चक्रवर्ती डीएसटी की ''प्रोटेरोजोइक विंध्य और छत्तीसगढ़ सुपरग्रुप के मृणमय अंतराल के लिए भूविज्ञान बॉयोमेट्रिक्स और कुल जैविक कार्बन मूल्यांकन'' शीर्षक परियोजनाः 45 लाख।

प्रो. ए. चट्टोपाध्यायः एसईआरबी की ''जीआईएस–आधारित प्राकृतिक विकृतिकारक संरचनाओं की डिजिटल मैपिंगः संरचनात्मक रूप से नियंत्रित अयस्क भंडार के लिए पद्धति और आवेदन का विकास'' शीर्षक परियोजना (2015–2018) :37 लाख।

सम्मेलन में भागीदारी

''मेसोजोइक स्थलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों'' पर 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और 16–20 अगस्त, 2015 के दौरान आईजीसीपी परियोजना 608 की शेनयांग, चीन में आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ।

13–17 जुलाई 2015 को गोवा में आयोजित अंटार्कटिक पृथ्वी विज्ञान पर बारहवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में।

हिमालयन जियोलॉजी के वाडिया इंस्टीट्यूट, देहरादून, भारत में 6–8 अक्टूबर 2015 के दौरान 30वीं हिमालय– काराकोरम –तिब्बत कार्यशाला (डॉ वी सिंह ने शोधपत्र प्रस्तुत किया)

जल–भू–विज्ञानियों के अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन की भारतीय राष्ट्रीय समिति और मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी द्वारा 19–12–2015 को फरीदाबाद हरियाणा, भारत द्वारा आयोजित जल संरक्षण और प्रदूषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला, (डॉ. एस. शेखर. द्वारा शोधपत्र का योगदान)

उत्तर–पश्चिमी हिमालय खाड़ा में सुबाथु– डागसाई सीमा पार मजबूर प्रतिगमन की तलछटी प्रतिक्रिया। 23–24 अप्रैल 2015 को लखनऊ में भारतीय उप–महाद्वीप के पालेयोजीन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, (प्रो. पी. पी. चक्रवर्ती द्वारा शोधपत्र प्रस्तुति)।
प्रारंभिक मिओसिन के दौरान, पश्चिमी कच्छ, भारत में एमिनिफेरा (सासीजेरिनेला एसपी.) के लिए प्लेंक्यॉनिक के माध्यम से कच्छ के सेनोजोइक संक्रमण में उच्चतम बेथीमेट्री के साक्ष्य। तीसरी एनईसीएलआईएमई एशिया बैठक, बीएसआईपी लखनऊ (डॉ. पी. कुमार द्वारा शोधपत्र प्रस्तुति)

आमंत्रित वार्ता

जे. पी. श्रीवास्तव ने), 29 अक्टूबर, 2015 को इग्नू के इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रोडक्शन केंद्र (ज्ञान दर्शन कार्यक्रम स्कूल ऑफ साइंस, के उच्च परिभाषा स्टूडियो में ''डेक्कन ज्वालामुखी'' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

जे. पी. श्रीवास्तव ने 5–6 अगस्त, 2015 को डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर के एप्लाइड जियोलॉजी विभाग में स्थापना दिवस के अवसर पर मध्य भारत की भू–क्षमता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''स्ट्रेटीग्राफी, उम्र और दक्षिणपूर्वी ज्वालामुखीय भूरसायनिक प्रवाह प्रांत, भारत के मंडला पालि से बेसाल्ट के पेट्रोजेनिस'' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. ए. चट्टोपाध्याय ने नवंबर 2015 में जीएसआई प्रशिक्षण केंद्र, जावर में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारियों के लिए व्याख्यान और क्षेत्र प्रशिक्षण दिया।

अंतर संस्थागत सहयोग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून।
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, फरीदाबाद
जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता
आईआईटी, खड़गपुर

आईआईटी, कानपुर
जेएनयू, नई दिल्ली
आईआईटी, रुड़की
एनजीआरआई, हैदराबाद
यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड, ब्रिटेन, ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, कोर्वालिस, संयुक्त राज्य अमरीका
हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान
दक्षिण केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हुनान, चीन

प्रदत्त पीएच.डी./एम फिल
प्रदत्त पीएच.डी.: 06
एम. फिलः 10

संकाय की संख्या
स्थायीः 16
डीएसटी–प्रेरित संकायः 01
तदर्थ संकाय सदस्यः 04

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
भूविज्ञान विभाग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक उन्नत अध्ययन केन्द्र है (कैस–द्वितीय चरण पूरा हो गया है)

भौतिकी और खगोल भौतिकी

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
विभाग ने शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में उच्च मानकों को सुनिश्चित करना जारी रखा है। 2014 में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम की सफलता के बाद, विभाग ने स्नातक छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम 2015 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक व्याख्यान, व्यावहारिक प्रयोगशाला कार्य और कंप्यूटर आधारित सत्र शामिल थे। अनावरण व्याख्यान और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के दौरे ने प्रतिभागियों को विभाग में किए गए शोध कार्य की झलक और मुख्य बातें जानने का अवसर प्रदान किया। छात्रों ने इस पहल के लिए बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। विभाग ने इस वर्ष के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। मार्च 2016 में आगंतुकों के लिए वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों से कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने उत्कृष्ट व्याख्यान दिए। प्रख्यात वक्ताओं द्वारा नियमित रूप से औपचारिक वार्तालाप आयोजित किए गए जिसका हमारे स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों ने स्वागत किया। इस वर्ष अनेक विदेशी आगंतुकों द्वारा वार्ताओं का आयोजन किया गया। हमारे विभाग को ऐसे दो संकाय सदस्यों को पाने पर गर्व है, जो तीन राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के फेलो हैं।

उत्कृष्ट सम्मान/ विशिष्टताएं
सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति, अंतर–विश्वविद्यालय त्वरण केंद्र (आइयूएसी), दिल्ली (विनय गुप्ता)

डीएसटी, भारत द्वारा भारत–जापान विज्ञान परिषद के सदस्य नियुक्त किये गए हैं। (एच पी सिंह)

डरहम विश्वविद्यालय ब्रिटेन में अतिथि प्राध्यापक (ब्रजेश चौधरी)

प्रकाशन
(कुल संख्याः 304) 16 चयनित पत्रों का विवरण नीचे दिया गया है
के. वरदान, ए. कुमार, अरुण कुमार, एस .आहूजा, ए. भारद्वाज, बी. सी. चौधरी, ए. कुमार, एस. मल्होत्रा, एम. नइमुद्दीन, के. रंजन, और वी .शर्मा, (2015) वेक्टर बोसॉन बिखरने का अध्ययन और दो समान– हस्ताक्षर लेप्टॉनों और दो जेट के साथ घटनाओं में नए भौतिकी की खोज। फिजि.रेस. लेट. 114 (2015) 5, 051801.

एन. रानी, डी. जैन, एस. महाजन, ए. मुखर्जी और एन. पीयर्स, (2015). संक्रमण रेडशिफ्टः पैरामीट्रिक और गैर–पैरामीट्रिक तरीकों से नई बाधाएं। जे कॉस्मो. आस्ट्रो. फिजि.12, 045.

ए. कुमार, ए. गौर, एम हसबुद्दीन और एम नइमुद्दीन, (2015). आईएनओ–आईसीएएल प्रयोग के लिए आरपीसी डिटेक्टर की विशेषताएं और प्रदर्शन, जेआईएनएसटी, 11 सी 03034.

आर. गर्ग, एस. कुमार, एम. सक्सेना, एस. गोयल, डी. सिवाल, एस. कलकल, एस. वर्मा, आर. सिंह, एस. सी. पंचोली, आर. पालित, डी. चौधरी, एस. जेडएस घुग्रे, जी. मुखर्जी, आर. कुमार, आर. पी. सिंह, एस. मुरलीथार, आर. के. भौमिक, एस. मंडल, (2015). 135 पीआर में नकारात्मक–समता उच्च–स्पिन स्थिति और एक संभव चुंबकीय घूर्णन। रेव सी 92, 054325।

सी. सी. नगेओ, एस. एम. कानबर, ए. भारद्वाज, एच. पी. सिंह, (2015). ओएलजीई–III मौलिक विधा केपहेड्स द्वितीय से निकले अवधि–चमक संबंधः छोटे मैगेलैनिक बादल केपहेड्स। खगोल भौतिकी पत्रिका 808 (1) 67.

के. शर्मा, पी. प्रुग्नियल, एच. पी. सिंह, (2016). एमआईएलईएस कूल स्टार्स के लिए नए वातावरणीय मानक और वर्णक्रम क्षेपक। खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी 585, ए64.

एस आनंद, डी चौधरी, ए. ए. सेन, एस सेनगुप्ता, (2015) मापांक स्थिरीकरण के लिए एक ज्यामितीय दृष्टिकोण। भौतिकी समीक्षा डी 92 026008।

थॉमस, एम. अरुण डी चौधरी (2015) थोक गेज और नेस्टेड वार्पिंग में बल्क गेज और मैटर फील्ड : I, द फार्मालिज्म, उच्च ऊर्जा भौतिकी की पत्रिका। 1509 202।

आर नांगजाई, एस. खान, एच. अहमद, आई. खान, एस. अन्नापूर्नी ,एस. गौतम, लिन एच. जे , एफ एच चांग, के.एच. चे, के अशोकन (2015) कोबाल्ट फेराइट पतली फिल्मों में तेजी से भारी आयन विकिरण से प्रेरित चुंबकीय एनिस्ट्रॉफी का संशोधन। जे. मैग. मैग. मेटर, 394, 432।

एस. के. शर्मा, वी गुप्ता, आर.पी. टंडन, वी. के. सचदेव (2016) ग्रेफीन और ग्राफीम के विद्युत चुम्बकीय परिरक्षण गुण पर एमडब्ल्यूसीएनटी फिलरों का समन्वित प्रभाव – एमडब्ल्यूसीएनटी/एबीएस नैनोकंपोजिट, आरएससी एडवान्सेज 6, 18,257।

जी. कौर, ए.पालीवाल, एम तोमर, वी गुप्ता, (2016) सतह प्लाज्मा अनुनाद आधारित डीएनए जैव संवेदक का उपयोग कर नेइसेरिया मेनिनजिटाइडिस की जांच , बॉयोसेन. बॉयोइलेक्ट्रान, 78, 106 दृ

ए. खक्कर, ओ. पी. ठाकुर, पी. के. गोयल, ए. के. शुक्ला, के. श्रीनिवास,(2015). बीएबीआइ$_{4x}$एलए $_x$ टीआई4ओ15 मिट्टी के बरतन के कुचालक और फेरोइलेक्ट्रिक गुणों पर एलए वितरण का प्रभाव। सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, 152, 13–25.

जे.के. मूर्ति, के. डी. चंद्रशेखर, एस. मुरुगवेल, ए. वेणीमाधव (2015). एलए$_2$सीओएमएनओ$_6$ में आंतरिक मैग्नोडिइलेक्ट्रिक प्रभाव की जांचरू चुंबकीय विकार की भूमिका, सामग्री रसायन सी की पत्रिका, 3, 836–843.

एम, के. गुप्ता, एस–डब्ल्यू किम, बी. कुमार, (2016) लचीला उच्च प्रदर्शन सीसा मुक्त एनए0.47के0.47एलआई0.06एनबीआ$_3$ माइक्रोक्यूब– संरचना आधारित पाइजोइलेक्ट्रिक ऊर्जा हारवेस्टर, एसीएस एप्ला. मेटर. इंटरफेस. 8, 1766.

पी कुमार, एन. सक्सेना, एस. दीवान, एफ. सिंह, वी. गुप्ता, (2016). आयन बीम किरणित नैनोक्रिस्टलाइबसीडीएस पतली फिल्मों में विशाल यूवी संवेदनशीलता, आरएससी एडवांसेस 6., 3642.

वी. चौधरी, ए. कौर (2015). शहद के छत्ते की आकृति के पॉलीमराइज्ड पॉलीएनिलाइन– टंगस्टन ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट के साथ कमरे के बढ़े तापमान पर सल्फर डाइऑक्साइड संवेदन का व्यवहार, आरएससी एडवांसेस 5, 73,535.

अनुसंधान परियोजनाएं

विनय कुमारः पीजोइलेक्ट्रिक और पाइरोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों (2015–18) के लिए पीबी(एमजी1 / 3 एनबी2/3) ओ3–पीबीटीआईओ3 (पीएमएनटी) एकल क्रिस्टल प्रवाह वृद्धि पर डीआरडीओ वित्त पोषित परियोजनाः रु 85 लाख।

एस मुरुगवेलः फेज चेंजमेमोरी सामग्री की सूक्ष्मसंरचना पर यूजीसी–डीएई परियोजना (2014–17)ः 14.76 लाख

एस मुरुगवेलः अव्यवस्थित संरचना के साथ ठोस इलेक्ट्रोलाइट्स में क्षार आयनों की परिवहन और गतिशीलता पर डीएसटी परियोजना (2014–17) 51.83 लाख रुपए

एस. मुरुगवेल, सीएसआईआर परियोजनाः उन्नत ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए नैनो संरचित ओलीवाइन फॉस्फेट कैथोड सामग्री पर जांच (2014–17)रू 56.40 लाख

श्यामा रथ, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, अर्धचालकों और इंसुलेटरों में विकिरण प्रेरित दोष के लिए अध्ययन और मॉडलिंग के लिए आयन त्वरक के उपयोग पर वियना प्रायोजित परियोजनाः यूरो 5000.

कीर्ति रंजन कॉम्पैक्ट म्यूअन सोलेनॉयड (सीएमएस) के उन्नयन, ऑपरेशन और उपयोगिता पर डीएसटी परियोजना (2014–2019): 9.99 करोड़ रुपए।

कीर्ति रंजन, क्षेत्रीय डब्ल्यूएलजीसी ग्रिड प्रणाली के अद्यतन और संचालन पर डीएसटी परियोजना (2014–2019): 25.30 लाख रु.

विनय गुप्तारू देश में विकसित टेबल टॉप सतह प्लाज्मा अनुनाद (एसपीआर) प्रणाली के सुधार और वौधीकरण पर डीएसटी परियोजना (2015–2016): 86.31 लाख रुपये

विनय गुप्ता, संवेदन अनुप्रयोगों के लिए एक मंच के रूप में पतली फिल्म भूतल ध्वनिक वेव डिवाइस के विकास पर डीएसटी परियोजना (2014–2019): 424.38 लाख।

विनय गुप्ता, हेलोन्स विकल्प की आण्विक मॉडलिंग पर डीआरडीओ परियोजना (2015–2017): 276.07 लाख।

विनय गुप्ता, पीएलडी द्वारा जीएएन एलईडी के प्रदर्शन पर आईटी और संचार मंत्रालय (डेइटी) प्रायोजित परियोजना (2014–2016) :470.80 लाख रुपए।

वैज्ञानिक और चिकित्सा आवेदन के लिए जीईएम डिटेक्टरों पर डीएसटी परियोजना (2015–2018): 23.48 लाख।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एसयूएसवाई 2015, 23–29 अगस्त, झील तेहो, संयुक्त राज्य अमेरिका (सुप्रिया कर)

स्ट्रिंग्स 2015. 21–26 जून (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), आईसीटीएस एवं भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर, भारत (सुप्रिया कर)

आरएफ–स्पटर्ड जेडएनओ पतली फिल्मों के संरचनात्मक और ऑप्टिकल संपत्तियों पर आर्गन दबाव का प्रभावः सोजिफोंग चाट्राफार्न, चमन सिंह, रीना गोयल, श्यामा रथ, सियाम भौतिकी कांग्रेस– 2015, मई 2015, थाईलैंड। (श्यामा रथ)

सी विकिरण डिटेक्टरों में विकिरण प्रभाव की मॉडलिंग और प्रायोगिक जांच, सियाम भौतिकी कांग्रेस, मई 2015, थाईलैंड। (श्यामा रथ)

पीटी आधारित कठोर चुंबकीय मिश्रधातु में तनाव प्रेरित एनीसोट्राफी की वृद्धि। भविष्य के आवेदन के लिए बहुकार्यात्मक सामग्रियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी बीएचयू ,28 अक्टूबर, 2015 (एस अन्नापूर्नी)

27 वीं आरडी 50 कार्यशाला, सर्न, जिनेवा, 2–4 दिसम्बर, 2015 (ए. भारद्वाज)

परमाणु रसायन विज्ञान पर गॉर्डन अनुसंधान सम्मेलन, कोल्बी सॉयर कॉलेज, न्यू लंदन, एनएच अमरीका, 31 मई से 5 जून, 2015 (सुरेश कुमार)

आईसीएमएजीएमए–2015), वीआईटी, वेल्लोर, दिसंबर 2015, चुंबकीय सामग्री पर पीटी आधारित चुंबकीय मिश्रधातु में घना इलेक्ट्रॉनिक एक्सकिटोशन प्रेरित चरण परिवर्तन। (2015 (सलाहकार समिति के सदस्य) (एस अन्नापूर्नी)

आमंत्रित व्याख्यान, ''ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए पतली फिल्मों और बहुफेरोइक्स की पतली फिल्में और बहुपरत संरचनाए'', ''सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन'', सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1–4 मार्च 2016 (विनय गुप्ता)

19 – 21 जनवरी, 2016 को भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई में, क्रिस्टल ग्रोथ और अनुप्रयोग (एनएससीजीए) पर आयोजित 20 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी, सलाहकार समिति के सदस्य और एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए ''फलक्स विकास और नेतृत्व मुक्त कार्यात्मक क्रिस्टल के लक्षण वर्णन''। (विनय कुमार)

मार्च 14–15 वर्ष 2016 के दौरान क्रिस्टल ग्रोथ केंद्र, अन्ना विश्वविद्यालय में क्रिस्टल ग्रोथ और एपिटेक्सी पर छब्बीसवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी (XXVI–एनएससीजीई) में आमंत्रित व्याख्यान। (विनय कुमार)

भौतिकी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय में ठोस स्थिति ऑयोनिक्स पर 11वें राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता। 20 – 23 दिसंबर, 2015 (एस. मुरुगवेल)

पांडिचेरी विश्वविद्यालय में ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण के लिए सामग्री पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता, 10–13 मार्च 2016 (एस. मुरुगवेल)

नवम्बर 2015 में कम ऊर्जा आयन बीम सुविधा कार्यशाला (एलईआईबीएफ –2015) में आमंत्रित व्याख्यान, अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी), (एस अन्नापूर्नी)

परमाणु ऊर्जा विभाग की परमाणु भौतिकी संगोष्ठी 2015, प्रशांतिनिलयम, आंध्र, भारत, 7–11 दिसंबर, 2015 (सुरेश कुमार)

आईआईटी जोधपुर में 4–6 मार्च 2016 को अर्धचालक सामग्रियों और उपकरणों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''यूवी फोटोडिटेक्टरों और बॉयेंसरों के लिए सेमीकंडक्टर पतली फिल्में और नैनोस्ट्रक्चर'' पर आमंत्रित वक्तव्य, (विनय गुप्ता)

26 फरवरी 2016, थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला की माइक्रोस्कोप विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी (एएमएसटी) की दूसरी आम बैठक में सामग्री की माइक्रोस्कोपी पर सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान और सत्र की अध्यक्षता । (विनय गुप्ता)

डीपीएस सोसायटी के– मानव संसाधन विकास केंद्र, फरवरी 2016 में, छठी से दसवीं कक्षा के शिक्षकों के लिए संवर्धन कार्यक्रम में भौतिकी के बुनियादी बातों पर मुख्य वक्तव्य, ''भौतिक विज्ञान की दुनिया'', (विनय गुप्ता)

अंतर संस्थागत सहयोग

आईयूएसएसटीएफ– सहयोग द्वारा वित्त पोषित परिवर्तनशील स्टार डेटा के विश्लेषण पर भारत–अमेरिका संयुक्त नेटवर्क केंद्र – दिल्ली विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क के राज्य विश्वविद्यालय, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, टेक्सास ए एवं एम विश्वविद्यालय और आईयूसीएए, पुणे के बीच सहयोग। (एच पी सिंह)

अंतर यूनिवर्सिटी त्वरक केंद्र के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य – यूजीसी–डीएई इंदौर और दिल्ली विश्वविद्यालय (एस अन्नापूर्नी)

प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर के लिए टाटा बुनियादी अनुसंधान संस्थान के साथ। (अविनाश खरे)

दिल्ली विश्वविद्यालय और आईजीसीएआर के बीच सहयोगात्मक कार्य (सेवीमुरुगवेल)

त्वरक ज्ञान पोर्टल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना में प्रदर्शित (http://nucleus.iaea.org/sites/accelerators/Pages/default.aspx) (श्यामा रथ)

उच्च ऊर्जा भौतिकी में कॉम्पैक्ट म्युअन सोलेनाइड (सीएमएस) प्रयोग पर के राष्ट्रीय (टीआईएफआर, एसआईएनपी, बीएआरसी, आदि) और अंतर्राष्ट्रीय (सर्न, फर्मीलैब, डेजी आदि) संस्थानों के साथ देश–व्यापी सहयोग (अशोक कुमार, ए. भारद्वाज, बी. सी. चौधरी एम नइमुद्दीन, के. रंजन)

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्या

पीएच.डी: 27

संकाय की संख्या

स्थायी: 47,
यूजीसी–एफआरपी: 01
डीएसटी प्रेरित: 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एक संकाय सदस्य प्रमाण – भौतिकी की पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में शामिल हुए हैं – (अवधेश प्रसाद)
अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के नेटवर्क के अंतर्गत परमाणु संरचना और क्षय डेटा मूल्यांकन और संकलन की गतिविधियों के लिए डॉ. सुरेश कुमार द्वारा परमाणु डेटा मूल्यांकन के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू किया गया था। (सुरेश कुमार)।

प्राणी विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्राणी विज्ञानप्राणी विज्ञानप्राणी विज्ञानप्राणी विज्ञानप्राणी विज्ञानप्राणी विज्ञानप्राणी विज्ञान विभाग उन्नत अध्ययन के लिए केंद्र (कैस) के रूप में मान्यता प्राप्त है और यूजीसी–एसएपी कार्यक्रम की विशेष सहायता से इस स्थिति का आनंद ले रहा है। यूजीसी ने 2012 में इसकी कैस की स्थिति को और पांच वर्ष के लिए बढ़ा दिया है और इस वर्ष भी धनराशि प्रदान की है। विभाग ने डीएसटी–एफआईएसटी कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त अनुदान और

विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए कोष से एक केंद्रीय साधन इकाई बनाई है। वर्तमान में, विभाग में एम.एससी के 195, एम. फिल के 25 और पीएच.डी. के 89 छात्र हैं। वर्तमान में विभाग के अनुसंधान और शिक्षण में पशु शरीर क्रिया विज्ञान, पशु व्यवहार, एक्वाकल्चर, सेल संकेतन, एंडोक्रीनोलॉजी, कीट विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जीनोमिक्स और मेटाजीनोमीक्स, आण्विक कोशिका बायोलॉजी, क्रोमेटिन और कैंसर जीवविज्ञान, विकिरण जीवविज्ञान, क्रोनोबॉयोलॉजी, प्रजनन फिजियोलॉजी और विष विज्ञान शामिल हैं। शिक्षण के अलावा, संकायों ने सहकर्मी समीक्षा की शोध पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित किये हैं। विभाग अंतःविषय अनुसंधान करता है। वर्तमान में संकाय सदस्य इमटैक, आईएआरआई, टेरी, नीरी, आईसीजीईबी, आईजीआबी, एनआईआई, और एनआईएचएफडब्ल्यू जैसे देश के प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग कर रहे हैं। संकाय सदस्यों के अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। संकाय सदस्य कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्य और/या और डीएसटी और डीबीटी की परियोजना सलाहकार समितियों (पीएसी) के लिए तदर्थ समीक्षक हैं। सभी संकाय सदस्यों को उनकी अनुसंधान परियोजनाओं के लिए बाह्य वित्त पोषण और ऑस्ट्रिया (एफएओध्आईएईए), संयुक्त राज्य अमेरिका (इंडोध् अमेरिका), और स्विट्जरलैंड (ईएडब्ल्यूएजी–ईपीएफएल, यूएनआईआल), नार्वे (विज्ञान और प्रौद्योगिकी का नार्वे विश्वविद्यालय) के साथ विभागीय अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त है। विभाग ने वैज्ञानिक आदान–प्रदान हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और अन्य शिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया है। विभाग कॉलेज के शिक्षकों को मौजूदा रुझान के साथ अनुकूलित करने के लिए, उनके लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है। शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, संकाय सदस्यों विभिन्न पदों पर विश्वविद्यालय प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। विभाग के शिक्षण और अनुसंधान और मजबूत करने के लिए, एक व्यापक नवीकरण और उन्नयन शिक्षण और अनुसंधान प्रयोगशालाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।

सम्मान विशिष्टता

प्रो. रूप लाल को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, दिल्ली का फेलो निर्वाचित किया गया था

प्रो. रूप लाल, प्रो. उमेश राय, प्रो. आर. सेठ, प्रो. एम.एम. चतुर्वेदी – इन संकाय सदस्यों को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस, इलाहाबाद का फेलो निर्वाचित किया गया।

प्रो. रूप लाल और प्रो .रीना चक्रवर्ती को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी का फेलो चुना गया।

डॉ. शिव नाथ मजुमदार ने आईएनएसए–शिक्षक पुरस्कार प्राप्त किया

प्रो. आर. के. सेठ को रॉयल एंटोमोनॉजिकल सोसायटी का फेलो निर्वाचित किया गया था

प्रकाशन

डी. पंवार, एल. रावल, एन. सहगल और एस. अली, (2015). भैंसों में डिम्बग्रंथि फॉलिक्यूलोजीनेसिस के साथ केजीएफ और केआईटीएलजी प्रोटीनों के संबंध पर क्रॉस टॉक। बुबालुसबुबालिस, पीएलओएस वन, 10 (6), ई0127993.

सी. अंजलिका, एन. अग्रवाल, (2016) करक्युमिन कोशिका मृत्यु को परिवर्तित करता है और हंटिंगटन रोग से रक्षा करता है। नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स 6ः 18,736 जारी होने की तारीखः 10.1038/एसआरईपी18736.

आर. के. नेगी, ए. मौर्य, (2015). भगवानपुर मछली तालाब, भारत से मेजर कार्प और मोहक कार्प के ऊतकों में भारी धातु सांद्रता। मत्स्य पालन और जलीय विज्ञान की पत्रिका 10 (6)ः 543–552.

ए. शर्मा, एन. सांगवान, वी. नेगी, पी. कोहली, डी. एल. एन. राव और आर. लाल, (2015). स्यूडोमोनास जीन की पान जीनोम गतिशीलता हेक्साक्लोरोसिक्लोहेक्सीन डंपसाइट का समृद्ध पूरक। बीएमसी जीनोमीक्स.16ः 313.

बी.के. खानजेम्बम और आर. चक्रवर्ती, (2015). कार्प किरिनुसम्रिगाला के पाचन तंत्र से ट्राइप्सीनः शोधन, लक्षण और इसकी आवेदन क्षमता । खाद्य रसायन विज्ञान 175ः 386–394. जारी होने की तारीखः 10.1016 /जे.फुडकेम.2014.11.140.

वी. एस. राणा, एस. पोपली, जी. के. सौरभ, एच. एस. रैना, आर. चौबे, वी. वी. राममूर्ति और आर. राजगोपाल (2015). ए बी टेबासिमिडगट प्रोटीन वीगोमोवायरसेज के साथ सूचना का आदान प्रदान करता है और वायरस संचरण में एक भूमिका निभाता है। सेलुलर माइक्रोबयोल। 18ः 663–678। जारी होने की तारीखः 10.1111/ सीएमआई.12538

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो रीना चक्रवर्तीः डीबीटी–बीबीएसआरसी (यूके) वित्त पोषित परियोजना– मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए नई गैर पारंपरिक स्वदेशी सामग्री के प्रयोग से स्थायी मछली वैकल्पिक आहार का विकास।

प्रो. रूप लालः डीबीटी–वित्त पोषित परियोजना– तपेदिक से पीड़ित रोगियों में एंटीबायोटिक उपचार आहार के अंतर्गत एमीकोलेटोप्सीमेडिटेरनी एस699 के रिफामाइसिन्पोलीकेटाइड बायोसिंथेटिक जीन क्लस्टर के हेरफेर से मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीआर) माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के तनाव के खिलाफ एनालागस रिफामाइसीन उत्पादन और मानव माइक्रोबायोम में परिवर्तन को समझना।

प्रो. रूप लाल5 डीएसटी–वित्त पोषित परियोजना– प्रदूषण के संकेतकों और दिल्ली, भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से बहने वाली यमुना नदी की सूक्ष्म पारिस्थितिकी पर उनके प्रभाव के रूप में निरू शुल्क लिविंग रोमक प्रोटिस्टों परियोजना विशेषता।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाः

26–30 मई, 2015 के दौरान जाजू, कोरिया में विश्व एक्वाकल्चर सोसायटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''डब्ल्यूए2015ः में, :मछली में पाचन एंजाइमों''पर एक विशेष सत्र।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14.05.2015 से 15.05.2015 आयोजित जूलॉजी विभाग के साथ जैव सूचना विज्ञान के साथ बैक्टीरियल टैक्सोनॉमी का नवीकरण।

यूरोपीय जैविक लय (ईबीआरएस)/क्रोनोबॉयोलॉजी (डब्ल्यूसीसी) मैनचेस्टर, ब्रिटेन का वर्ल्ड कांग्रेस, 2–6 अगस्त 2015 (प्रो. विनोद कुमार वक्ता, , सत्र अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित)।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन, 7.12.2015. (प्रो. रूप लाल और प्रो डी.के. सिंह)

उत्तराखंड राज्य परिषद द्वारा आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी देहरादून का 10 वां उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 10–12 फरवरी, 2016. (डॉ. आर. के. नेगी)

अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. रीना चक्रवर्तीः नई गैर पारंपरिक स्वदेशी सामग्री के प्रयोग से मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सतत विकल्प मछली आहार का विकास। सहयोगीः भारतः गोवा विश्वविद्यालय, केरल का मत्स्य विश्वविद्यालय, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ब्रिटेनः स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, समुद्री विज्ञान का स्कॉटिश एसोसिएशन, अफ्रीकाः कृषि के सोकोइन विश्वविद्यालय, केन्या का एक्वाकल्चरल एसोसिएशन, मत्स्य पालन के राज्य विभाग, डीबीटी, भारत द्वारा वित्त पोषित – बीबीएसआरसी, ब्रिटेन।

प्रो. डी.के. सिंहः भारत में खाद्य पदार्थों और आहार की क्षमता का पता लगाने के लिए परमाणु और आणविक तकनीक का उपयोग। सहयोगीः निम्नलिखित देशों के विश्वविद्यालय/संस्थानः अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, भारत, चीन, मोरक्को, चिली, पुर्तगाल, सिंगापुर, थाईलैंड, बोत्सवाना, लेबनान, युगांडा आईएईए /एफएओ।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्या (2014–2015)

एम.फिल 10
पीएच.डी. 45

संकाय की संख्या

18 स्थायी

सामाजिक विज्ञान संकाय

अफ्रीकी अध्ययन

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 6 अगस्त, 1955 को की गई थी तथा वर्ष 2005 इसने अपनी स्थापना के 50 वें वर्ष का आयोजन किया। यह विभाग, जिसकी स्थापना भारत के प्रथम प्रधानमंत्री (स्वर्गीय) पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा की गई थी, अफ्रीकी मामलों के इतिहास, राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, भूगोल और साहित्य में विशेषज्ञता रखता है।

यह विभाग शोधार्थियों को अनुसंधान करने के लिए सक्रिय तौर पर शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है। एम.फिल और पीएच.डी. शोधार्थियों को अफ्रीका संबंधी प्रासंगिक मुद्दों और विषयों पर अनुसंधान करने और गुणवत्तापरक शोध–पत्र तैयार करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। आज की तारीख तक यह विभाग 391 शोधार्थियों को एम.फिल डिग्री और 97 शोधार्थियों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान कर चुका है। इसके अतिरिक्त इस विभाग में स्वाहिली, पूर्वी अफ्रीका में बोली जाने वाली एक मुख्य अफ्रीकी भाषा, का शिक्षण भी करवाया जाता है। आज तक 200 से भी अधिक विद्यार्थियों को स्वाहिली भाषा में डिप्लोमा और प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए हैं। इनमें से कई विद्यार्थी अफ्रीका में अपना कारोबार कर रहे लोगों के लिए अनुवाद और व्याख्या करने का कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2005 में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने विभाग में अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र की स्थापना की। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदान किए जाने वाले अनुदान के साथ विभाग, विभागीय पुस्तकालय के लिए पुस्तकों और पत्रों की अधिप्राप्ति के अतिरिक्त अपने अकादमिक कार्यकलापों जैसे सेमिनारों, सम्मेलनों और विशेष व्याख्यानों का आयोजन करने में सक्षम रहा है। इसके अतिरिक्त, संकाय सदस्यों को अफ्रीका का दौरा करने और प्रत्यक्ष क्षेत्रीय अनुभव प्राप्त करने के लिए अनुदान प्रदान किया गया। इस अनुदान का एक भाग पीएच.डी. शोधार्थियों को अनुसंधान हेतु डाटा एकत्रण हेतु अफ्रीका जाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आबंटित किया गया।

विभाग उपलब्धता के आधार पर समय–समय पर परियोजनाएं प्रारंभ करता है। विभाग द्वारा प्रारंभ की गई परियोजनाओं में से एक परियोजना हाशिम बीटा परियोजना है, जिसका प्रायोजन भारत, एनएएम तथा दक्षिणी अफ्रीका की स्वतंत्रता में इसकी भूमिका संबंधी कार्य के लिए दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एसएडीसी) द्वारा किया गया है।

प्रकाशन

दाश, संदीपनी (2015), –दक्षिणी अफ्रीका निष्कर्षित संसाधन उत्पादन संबंध : ए सिम्मेट्रिकल पर्सपेक्टिव इन परमजित सिंह सहाय, संपादन, इंडिया एंड सदर्न अफ्रीका : फॉरजिंग अहेड थ्रू पार्टनरशिपः नई दिल्ली, पेन्टागन।

दाश, संदीपनी (2015), डायनेमिक्स ऑफ एक्सट्रेक्टिव रिसार्स इन अफ्रीका : प्रोसपेक्ट फॉर इंडिया (ईडी.) नई दिल्ली : जी.बी. बुक्स, 2015, आईएसबीएन सं.: 978–93–83930–24–1.

कपूर, रश्मि (2015)। ''इंडियन इनफ्लुएंसिज ऑन स्वाहिली लैंग्वेज'' इन द राईजिंग अफ्रीकाः ऑपोरच्युनिटिज एंड चाईलेंज फॉर इंडिया। ए.एस. यौरिंगम और रश्मि कपूर (ईडी.) दिल्लीः अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007.

कपूर, रश्मि (2015)। उभरता हुआ अफ्रीकाः भारत के लिए अवसर एवं चुनौतियां। सह–संपादन ए.एस. यौरिंगम। दिल्लीः अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007. आईएसबीएनः 978–93–5174–975–5.

कुमार सुरेश (2015)। दक्षिणी अफ्रीका की मुक्ति में भारत की भूमिका। मुकी एना न्योटा प्रकाशक, तंजानिया।

कुमार सुरेश (2015)। भारत और एसएडीसी का आर्थिक विकासः परमजीत सिंह सहाय की भारत और दक्षिण अफ्रीका पुस्तक में चुनौतियां और अवसर, पेंटागन प्रेस, दिल्ली।

कुमार सुरेश (2015)। परमजीत सिंह सहाय की पुस्तक भारत और दक्षिणी अफ्रीका में परियोजना अवसर। पेंटागन प्रेस, दिल्ली।

कुमार सुरेश (2015)। भारत पश्चिमी एशिया और उत्तरी अफ्रीका की विदेश नीति (ईडी.) न्यू सेंचुरी प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएनः 978–81–7708–406–1.

सिंह, गजेन्द्र (2015)। 'भारतीय उपमहाद्वीप की संस्कृतियां' नामक पुस्तक में ''लोक संस्कृति और साहित्यिक परंपराएं'' नामक अध्याय का प्रकाशन। प्रकाशन– हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अनुसंधान परियोजनाएं

डा0 गजेन्द्र सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ''एनसीस्ट्रल रूटस ऑफ मॉडर्न मैनः डिगिंग ऑफ साऊथ अफ्रीका'' नामक अनुसंधान एवं विकास परियोजना पर कार्य किया।

डा0 रश्मि कपूर ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ''जलवायु परिवर्तन और मत्स्य पर इसका प्रभाव : केन्या और केरल का एक तुलनात्मक अध्ययन'' नामक अनुसंधान एवं विकास परियोजना पर कार्य किया।

प्रो0 सुरेश कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ''भारत और अफ्रीका में योग सम्पर्क का विकास'' नामक अनुसंधान और विकास परियोजना पर कार्य किया।

आयोजित किए गए सम्मेलन

18–19 फरवरी, 2016 को 'अफ्रीका 2000 से : परिवर्तन एवं बदलाव' नामक विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयेजन किया गया।

प्रो0 आदम हबीब, कुलपति, डब्लूआईटीएस विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका द्वारा 8 मार्च, 2016 को 'राज्य पुनर्निर्माण' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

18 मार्च, 2016 को ''भारत में अफ्रीकी अध्ययन कार्यक्रम : संभावनाएं एवं चुनौतियां'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

अन्तर–सांस्थानिक सहयोग

प्रो0 सुरेश कुमार, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान (आईसीएसएसआर–एनआईएचएसएस) की 'भारत और दक्षिण अफ्रीका में धर्म, योग और शिक्षा (2016–2018) नामक अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त अनुसंधान परियोजना' के मुख्य समन्वयक है।

प्रदान की गई एम.फिल. डिग्रियां

एम.फिल डिग्रियां : 05

संकाय संख्या

स्थायी : 07

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग इसके द्वारा स्थापित विभिन्न अध्ययन समूहों जैसे भारत–अफ्रीका संबंध अध्ययन समूह, दक्षिण अफ्रीका, मानवाधिकार, शरणार्थी और सूडान अध्ययन इकाईयों में चयनित मुद्दों के संबंध में गहन अध्ययन और अनुसंधान का आयोजन करता है।

प्रौढ़, सतत् शिक्षा और विस्तार

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रौढ़ अनवरत शिक्षा और विस्तार विभाग सामाजिक विज्ञान संकाय के अन्तर्गत एक संपूर्ण विभाग है। यह विभाग जीवनपर्यन्त अधिगम में एम.ए. के अतिरिक्त परामर्श और मार्गदर्शन, यात्रा और पर्यटन, रेडियों प्रसारण और कम्प्रीहेंशन के साथ स्पीड़ रीड़िंग में चार अल्पकालिक पाठ्यक्रमों सहित जीवन पर्यन्त अधिगम में एम.फिल और पीएच.डी. पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। विभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से दिनांक 17–18 मार्च, 2016 को 'पूर्व अधिगम और पुनर्कौशल में इसके समेकन' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। इसके द्वारा 21–22 अक्तूबर, 2016 को ''प्रौढ़ शिक्षा संबंधी शिक्षा नीति रणनीतियां भारत और यूरोप का तुलनात्मक विश्लेषण'' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने की भी योजना बनाई गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय के साथ जीवन–पर्यन्त अधिगम और विस्तार में सहयोग हेतु एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रस्ताव (चार वर्ष के लिए) को स्वीकृत करते हुए इसकी अनुमति प्रदान कर दी है। विभाग गत एक वर्ष से व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय के साथ आदान–प्रदान कार्यक्रम में शामिल रहा है, जिसके अन्तर्गत 17 विद्यार्थी और दो संकाय सदस्यों ने व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय का दौरा किया है जबकि इतनी संख्या में विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने भारत का दौरा किया है।

ऑनर्स/विशिष्टताएं

प्रो0 राजेश ने वर्ष 2015 में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय का दौरा किया।

प्रो0 जे.पी. दुबे ने वर्ष 2016 में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी में आयोजित शीतकालीन कार्यशाला में भाग लिया।

प्रो0 जे.पी. दुबे को भारतीय समाचार–पत्र संघ (एनएआई) द्वारा ''श्रेष्ठ शिक्षाविद्'' का पुरस्कार प्रदान किया।

प्रो0 जे.पी. दुबे को दिसम्बर, 2015 में सामाजिक विज्ञान संकाय का डीन नियुक्त किया गया।

प्रो0 जे.पी. दुबे को दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की स्थायी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

दुबे, जे.पी. (2015)। 'केयर फॉर एलिंग सीनियर सीटीजन्सः द स्टेटस ऑफ अनपेड एंड पेड केयर इन इंडिया। मित्तल प्रकाशन।

राजेश (2015)। भारत में दक्षिण कश्मीर के सरकारी और निजी प्रारंभिक स्कूलों के पाठ्यक्रमों में समानता। जनरल ऑफ लाइफलोंग लर्निंग। एएसएचआईए, 2:1. अक्तूबर–मार्च, 2015.

राजेश (2015)। उच्चतर शिक्षा में किन्नर, आईजेएलएल, 2:1.

राजेश (2015)। प्रौढ़ों के बीच नियोजनीयता का अध्ययन, आईजेएलएल, 2:1.

यादव, राहुल (2015)। स्वतंत्र भारत में साक्षरता, प्रौढ़ शिक्षा और जीवनपर्यन्त अधिगम। सीपीडीएचई (एचआरडीसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय, बैच–082. दिसम्बर में उच्चतर शिक्षा के आयाम। नई दिल्ली प्रकाशक, दिल्ली। आईएसबीएन– 9789385503191.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो0 जे.पी. दुबे वर्ष 2016–2020 तक चार वर्ष के लिए भागीदार व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय के साथ यूजीसी–डीएएडी से 'भारत–जर्मनी भागीदारी' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय परियोजना लेकर आए हैं। परियोजना का कुल मूल्य 8800000 रूपये है।

प्रो0 जे.पी. दुबे को 'उत्तर और मध्य भारत में डीएसीईई के माध्यम से उच्चतर शिक्षा के विस्तार द्वारा प्रारंभ द्वारा की गई कौशल प्रशिक्षण पहलों का एक अध्ययन' नामक एक मुख्य परियोजना प्रदान की गई है, जिसका मूल्य 5,46,000 रूपये है।

प्रो0 जे.पी. दुबे को, पूर्व अधिगम और नव–साक्षरों के पुनर्कौशल में इसका समेकन' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के लिए 3,00,000 रूपये का अनुदान प्रदान किया गया।

प्रो0 जे.पी. दुबे को 'प्रौढ़ों के व्यवसायीकरण का एक अध्ययन और भारत में जीवन पर्यन्त अधिगम' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान और विकास अनुदान प्रदान किया गया।

प्रौ0 प्रकाश नारायण को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'विश्वविद्यालय प्रणाली में परामर्श एवं मार्गदर्शन और मेंटरिंग की प्रभावशीलता का एक अध्ययन–एक प्रायौगिक अध्ययन' विषय पर अनुसंधान और विकास अनुदान प्रदान किया गया।

प्रो0 राजेश को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'भारत में हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए नवाचार और अवसर : सामुदायिक अधिगम केन्द्रों का अनुभव साझा करना' विषय पर अनुसंधान और विकास हेतु अनुदान प्रदान किया गया।

प्रो0 वी.के. दीक्षित को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली की संभावना और प्रभावशीलता का एक अध्ययन'' विषय पर अनुसंधान और विकास हेतु अनुदान प्रदान किया गया।

आयोजित किए गए सेमिनार

दिनांक 17–18 मार्च, 2016 को ''पूर्व अधिगम और नव–साक्षरों के पूनर्कौशल में इसका समेकन'' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

दिनांक 6–10 सितम्बर, 2015 को व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के विद्यार्थी शोधार्थियों के लिए एक सेमिनार– कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अन्तर–सांस्थानिक सहयोग

प्रो0 जे.पी. दुबे को 'स्पीड रीडिंग प्रोजेक्ट' के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग की तरफ से निधियां प्रदान की गई। आईसीएसएसआर द्वारा 'पूर्व अधिगम और नव–साक्षरों के पुनर्कौशल में इसका समेकन' विषय पर आयोजित किए गए राष्ट्रीय सेमिनार का वित्त पोषण किया गया। विभाग ने व्युर्झबुर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ सहयोग स्थापित किया है।

संकाय संख्या –06

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग ने विश्वविद्यालय और गैर–विश्वविद्यालय दोनों ही समूहों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तौर पर 'रेडियों प्रसारण' और 'स्पीड रीडिंग विद् कंप्रीहेंशन' नामक दो नए अल्पावधि पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम को अब 30 से अधिक संगठनों तक विस्तारित किया गया है।

पूर्व एशियाई अध्ययन

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रो0 तानसेन सेन, सिटी यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क ने दिनांक 9 अप्रैल, 2015 को वी.पी. दत्त मैमोरियल व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान का शीर्षक 'द लांग मार्च दैट नेवर वाज : द दिल्ली– पेकिंग फ्रेंडशिप मार्च ऑफ 1963 एंड इट्स ग्लोबल कन्टेक्सट' था। इस वर्ष की मुख्य विशेषताओं में विभाग के प्रथम सामाजिक–पत्र का प्रकाशन किया जाना शामिल है। इसके लेखक डा0 जी. बालाचंडीराणे हैं। पत्र का शीर्षक 'टेल्स डायरिज टेल : एग्रीकल्चर एंड हिस्टारियोग्राफी ऑफ प्री–वार जापन 2015' था। मितसुबिसी निगम ने योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान करना जारी रखा है। इस वर्ष आठ विद्यार्थियों को यह छात्रवृति मिली है। पीएच.डी. के एक विद्यार्थी, श्री भीम बहादुर सुब्बा को एक वर्ष के लिए चीन में भाषा अध्ययन और दूसरे वर्ष हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अनुसंधान हेतु 'हारवर्ड–पेनचिंग–इंस्टीटयूट ऑफ चाइनीज स्टडीज फैलोशिप' प्रदान किया गया। इस अवधि में दो सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

आनर्स/विशिष्टताएं

प्रो0 अनिता शर्मा को थाइलैंड सरकार और बौद्ध युवाओं के लिए वर्ल्ड फैलोशिप की तरफ से 'द्वितीय विश्व बौद्ध असाधारण पुरस्कार, 2015' प्रदान किया गया।

डा0 जी. बालाचंडीराणे 1 मार्च से 31 मार्च, 2016 तक ओसाका स्कूल ऑफ इंटरनेशनल पब्लिक पॉलिसी में विजिटिंग प्रोफेसर रहे।

प्रकाशन

बालाचंडीराणे, जी. (2015), स्मेल ऑफ द सॉयल : पीजेन्ट डायरिज ऑफ प्री–वार जापान। चीनी रिपोर्ट 51:2.87–101.

बालाचंडीराणे, जी. (2015) टेल्स डायरिज टेल : एग्रीकल्चर एंड हिस्टोरियोग्राफी ऑफ प्री–वार जापान, पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की सामाजिक पत्र–श्रृंखला की सामाजिक पत्र संख्या 1.

भट्टाचार्य, अबांती (2015) 'बुक रिव्यू ऑफ स्ट्रांग सोसायटी, स्मार्ट स्टेट बाइ जेम्स रेल्ली, चीन रिपोर्ट, 48:3.365–367.

चक्रवर्ती, श्रीमती (2015) राधा चक्रवर्ती और सूर्यकांति त्रिपाठी (संपादित) 'टैगोर : द इटरनल सीकर'' में टैगोर की चीन यात्रा। इंडियन काऊंसिल फार वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली।

चक्रवर्ती, श्रीमती (2015) सभ्यता का जुड़ाव अथवा राष्ट्र–राज्य प्रतिद्वन्द्विता : 21वीं सदी में भारत और चीन। ग्लोबल डायलाग रिव्यू।

चक्रवर्ती, श्रीमती (2015) चाइना अंडर माओ : ए रिवोल्यूशन डिरेल्ड। पुस्तक समीक्षा, चीनी रिपोर्ट– 51:4.

शर्मा अनिता (2015) दक्षिण पूर्वी एशिया में बौद्ध सहभागिता–वियतनाम के मामले का अध्ययन, मेकांग–गंगा एक्सिस, पंकज मित्तल, रवि भूषण एवं डेजी, संपादक डीके प्रिंटवर्ल्ड, नई दिल्ली।

आयोजित सम्मेलन

दिनांक 27–28 मार्च, 2015 को 'भारत–कोरिया संबंधों का विकास : दक्षिण एशिया के परिपेक्ष्य में' विषय पर कोरिया अध्ययन शौधार्थी संघ (आरएएसके) के सहयोग से एक अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विभाग ने दिनांक 27 नवम्बर, 2016 को 'लेटिन अमेरिका में चीनी सहभागिता–भारत के लिए सबक' विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया।

आयोजित सेमिनार

विभाग ने 12 मार्च, 2016 को 'चीन : भाषा, संस्कृति और साहित्य में परिवर्तन' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

प्रो0 अनिता शर्मा ने दिनांक 3–6 जनवरी, 2016 को ग्लोबल वर्ल्ड, एथेंस, ग्रीस में आयोजित तीसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय मानविकी और कला सम्मेलन में 'द एक्सपीरियंस ऑफ बुद्धिज्म' ए स्टडी ऑफ अरली बुद्धिस्ट लिटरेचर' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 श्रीमती चक्रवर्ती ने 26 सितम्बर, 2016 को 'भारत और चीन के बीच सभ्यता अंतरापृष्ठ' विषय पर आयोजित सम्मेलन, चीना भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, में मुख्य अभिभाषण दिया।

प्रो0 श्रीमती चक्रवर्ती ने 14 मार्च, 2016 को महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''बदलती हुई विश्व व्यवस्था में भारत की विदेश नीति'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार और 'भारत–चीन संबंध' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'प्रस्तावनाः वर्तमान युग में भारत चीन संबंध' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 जी. बालाचंडिराणे ने 3 मार्च, 2016 को ओसाका इंटरनेशनल स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, ओसाका विश्वविद्यालय में 'भारत और चीन में उच्चतर शिक्षाः गेम चेंजर अथवा लोस्ट ऑपोरच्युनिटी?' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्तर–सांस्थानिक सहयोग

विभाग ने निम्नलिखित संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग किया है :

कोरिया प्रतिष्ठान

जापान प्रतिष्ठान

जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका

न्यू स्कूल, न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमेरिका

कोरिया अध्ययन हेतु अनुसंधानकर्ता संघ, नई दिल्ली

कोरियाई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक नीति संस्थान

कोरियाई, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संघ

इंस्टीट्यूट ऑफ पीस एंड कॉनफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली

इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज, नई दिल्ली

सेंटर फॉर पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

सेंटर फॉर एयर पॉवर स्टडीज, नई दिल्ली

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल. डिग्रियां

एम.फिल.:09

पीएच.डी.:03

संकाय संख्या

स्थायी : 14

तदर्थ : 03

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

डा0 जी. बालाचंडीराणे जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के डा0 जाकिर हुसैन शिक्षा अध्ययन केन्द्र के प्रोफेसर विनोद खाडरिया, ओसाका स्कूल ऑफ इंटरनेशनल पब्लिक पॉलिसी के प्रोफेसर शिगेहारू नोमूरा तथा ओसाका विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र संकाय के प्रोफेसर मसाका टकायामा के साथ ''भारत और जापान में मानव पूंजी'' नामक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

अर्थशास्त्र

अप्रेल, 2015 से मार्च, 2016 की अवधि के दौरान विभाग के सदस्यों ने अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को जारी रखा। यह विभाग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का उच्च अध्ययन केन्द्र बना हुआ है और लगातार पांचवे वर्ष इसे रेपेक, अर्थशास्त्र के क्षेत्र में वर्किंग पेपर्स और प्रकाशनों का एक वैश्विक इलैक्ट्रॉनिक लेखागार (http://ideas.repec.org/top/top.india.html), द्वारा भारत में विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभागों में श्रेष्ठतम रैंकिंग प्रदान की गई है। वर्ष के दौरान, विभाग ने दो मुख्य अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और एक साप्ताहिक सेमिनार श्रंखला का आयोजन किया, जिसमें भारत और विदेश के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपना अनुसंधान प्रस्तुत करने के लिए भाग लिया। एम.फिल. और पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए एक औपचारिक वार्तालाप का आयोजन किया गया, जिसमें अनुसंधान करने वाले विद्यार्थियों द्वारा अपने कार्य की प्रगति का ब्यौरा दिया गया और संकाय सदस्यों ने अनुसंधान पद्धतियों और नीति शास्त्र पर व्याख्यान दिया। अनुसंधान विद्यार्थियों ने व्यावसायिक सम्मेलनों में भी अपने कार्य प्रस्तुत किए। विभाग अपने मास्टर्स ग्रेजुएटस को कॉरपोरेट नौकरियों और विदेश के टाप–ग्रेड विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. कार्यक्रमों में नियोजित करने में भी सफल रहा है।

ऑनर्स/विशिष्टताएं

प्रो0 पामी दुआ ने भारतीय इकानामिट्रीक सोसायटी के अध्यक्ष के तौर पर कार्य किया।

प्रो0 संतोष पांडा (लिएन पर) को दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय में उपाध्यक्ष के तौर पर नियुक्त किया गया।

प्रो0 रोहिणी सोमनाथन, रेजीडेन्शियल फैलोशिप को एडमांड जे. सफरा सेंटर फॉर एथिक्स, हावर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा 2015–16 में सम्मानित किया गया।

प्रो0 श्रीकांत गुप्ता, संकाय एसोसिएट, सेंटर आन एशिया एंड ग्लोबलाइजेशन, एलकेवाई स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, एनयूएस 2015– वर्तमान तक।

प्रो0 सुनील कंवर, गोएंटिजन विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र विभाग, समर सेमेस्टर 2015.

डा0 नेहा गुप्ता को भारतीय इकोनोमेट्रिक सोसायटी का एमजे मनोहर राव अवार्ड प्रदान किया गया।

डा0 दिबयेन्दू मैती को साऊथ पेसिफिक विश्वविद्यालय का रिसर्च इनक्यूबेशन अवार्ड, 2015 प्रदान किया गया।

प्रकाशन

आय, जी.सी., दुआ, पी. एंड गुप्ता, आर (2015)। फॉरकास्टिंग इंडियन मैक्रोइकानामिक वेरिएबल्स यूजिंग मीडियम स्केल वीएआर मॉडल्स, इन एस.के. उपाध्याय (संपादन), करंट ट्रेंडस इन बेएशियन मैथाडालाजी विद् एप्लीकेशन, चैपमन हाल/सीआरसी प्रेस।

बैग, सुगाता (2015)। ऑन ब्रीच रिमिडीज : कान्ट्रेक्टिंग विद बाइलेटरल सेलफिश इनवेस्टमेंट एंड टू–साइडिड प्राइवेट इनफारमेशन। सुब्रता गुहा, राजेन्द्र कुंडु और एस. सुबरमण्यन (संपादित) की 'आर्थिक विश्लेषण में योगदान : सतीश जैन के सम्मान में निबन्ध', राऊटलेज, नई दिल्ली।

बैग, सुगाता (2015)। 'दिल्ली में वायु प्रदूषण का विनियमन : सभी दोषी परंतु किसी पर आरोप नहीं!', उच्चतर शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में, नई दिल्ली प्रकाशन, दिल्ली।

भट्टाचारजी, ए. एंड सिन्हा, यू.बी. (2015)। मल्टी मार्केट काल्यूजन विद टेरीटोरियल एलोकेशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल आर्गेनाइजेशन, 41,42–50.

बिरोल, ई. मीनाक्षी, जे.बी., ओपरिंडे, अडावले, पेरेज, सलोमेन एंड टोमलिंस, केथ (2015)। डिवलपिंग कंट्री कंज्यूमर्स एक्सेपटेंस ऑफ बायोफोर्टिफाइड फूडस : ए सिन्थेसिस, फूड सिक्योरिटी, 7, पृष्ठ 555–568.

चौहान, जी.एस., परमजीत एवं विजय, जी. (2015)। स्थायी जैव–विविधता, यह संरक्षण और पारि–पर्यटन है– नागार्जुनसागर श्रीसाइलम बाघ अभ्यारण्य, आन्ध्र प्रदेश (भारत) के मामले का अध्ययन, पृष्ठ 144–155, द हारिजन–जर्नल ऑफ सोशल साइंसिज संख्या 1/2015 खंड VI (आईएसएसएन–09755535)।

दास, मौसुमी (2015) पी. पटनायक (संपादित) की आईसीएसएसआर रिसर्च सर्वेज एंड एक्सपलोरेशन : मैक्रोइकानामिक्स, खंड 3, आक्सफार्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली में "सुधार उपरांत अवधि के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में अन्तर क्षेत्रीय संबंध।"

देशपांडे, ए. (2016), स्मृति शर्मा के साथ 'स्वरोजगार में नुकसान और भेदभाव : भारतीय छोटे कारोबार में आय अर्जन में जातिगत अंतर', स्माल बिजनेस इकानामिक्सः एन इंटरप्रेनरशिप जर्नल, 46(2): 325–346.

देशपांडे, ए. (2016), डीन स्पीयर्स के साथ, हू इज द आइडंटिफायबल विक्टिम?: कास्ट एंड चैरिटेबल गिविंग इन मार्डन इंडिया, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक परिवर्तन; खंड 64, संख्या 2, पृष्ठ 299–321.

देशपांडे, ए. (2015)। डेप्रिवेशन, कास्ट इनइक्विलिटी एंड माओइस्ट कनफलिक्ट इन इंडिया; एन. जयराम (संपादक) सतीश सबरवाल, एसेज इन हिस्टारिकल एंड कम्पेरेटिव स्टडीज, ओरियंट ब्लैक्सवान।

दुआ, पी. एवं गर्ग, आर. (2014) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के सूक्ष्म आर्थिक निर्धारक : भारत से प्रमाण। द जर्नल ऑफ डिवलपिंग एरिआज, 49(1), 133–155.

दुआ, पी. एंड टुटेजा (2015)। भारत और चीन पर यूरोजोन सावरेन डेट क्राइसिस का डी. प्रभाव, सिंगापुर इकानामिक रिव्यू।

घोष, परीक्षित एवं रे, देबराज (2016)। अनौपचारिक क्रेडिट बाजारों में सूचना और प्रवर्तन, इकॉनामिका, 83(269), 59–90.

गोयल, दीप्ति एवं गुप्ता, सोनम (2015)। दिल्ली में वायु प्रदुषण पर मेट्रो विस्तार का प्रभाव, द वर्ल्ड बैंक इकानामिक रिव्यू।

जाफरी, एस. एवं मैती, डी. (2015)। ग्लास स्लीपर्स एवं ग्लास सीलिंग्सः एन एनलिसिस ऑफ मैरिटल एंटीसिपेशन एंड फीमेल एजुकेशन, जर्नल ऑफ डिवलपमेंट इकॉनामिक्स, 115, 45–61.

जैन, एस., कुमार, एस. एवं परमजीत (2015)। एशियाई देशों में पर्यावरणीय लाभ का मूल्य निर्धारण। एस. मानागी (संपादक), राऊटलेज, हेंडबुक ऑफ इनवायरमेंटल इकानॉमिक्स इन एशिया, राऊटलेज, न्यूयार्क (यूएसए)।

जैन, एस., कुमार, एस. एवं परमजीत (2015)। एशियाई देशों में पर्यावरणीय लाभ का मूल्य निर्धारण। एस. मनागी (संपादक), राऊटलेज, न्यूयार्क (यूएसए)।

कबीराज, टी. एवं सिन्हा, यू.बी. (2015)। विदेशी प्रवेश, अधिग्रहण लक्ष्य और मेजबान देश कल्याण, मैनचेस्टर स्कूल, खंड 83(6), 725–748.

कुमार, पी., कुमार, एस., एवं जोशी, एल. (2015)। सोशियोइकानामिक्स एंड इनवायरनमेंटल इंपलिकेशंस ऑफ एग्रीकल्चरल रेजीड्यूज बर्निंग, स्प्रिंगर, नई दिल्ली. आईएसबीएन संख्या 978–81–322–2146–3.

कुमार, एस. एवं मानागी, एस. (2016)। कार्बन सेंसिटिव प्रोडक्टिविटी, क्लाइमेट एंड इंसटिट्यूशन, इनवायरमेंट एंड डिवलपमेंट इकानामिक्स, खंड 21(1) पृष्ठ, 109–133.

कुमार, एस., फौजी, एच, एवं मानागी, एस. (2015)। प्रतिस्थापक अथवा पूरक? ओईडी देशों में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा का मूल्यांकन, एप्लाइड इकानामिक्स, खंड 47, संख्या 14, पृष्ठ 1438–1459.

कुमार, एस. एवं कुमार, एस. (2015)। क्या आधुनिकिकरण से कार्य–निष्पादन में सुधार होता हैः भारतीय पुलिस से प्रमाण, युरोपीयन जर्नल ऑफ लॉ एंड इकानामिक्स, खंड 39, पृष्ठ 57–77.

कुमार, एस. (2015)। प्रौद्योगिकीय परिवर्तन और पर्यावरण। एस. मानागी (संपादक) की पुस्तक राऊटलेज हैंडबुक ऑफ इनवायरमेंटल इकानामिक्स इन एशिया, राऊटलेज, न्युयार्क(यूएसए)।

कुमार, एस. एवं मानागी, एस. (2015)। उत्पादकता, संस्थान और जलवायु परिवर्तनः एशियाई देशों के लिए सबक. एस. मानागी (संपादक) राऊटलेज हैंडबुक ऑफ इनवायरमेंटल इकानामिक्स इन एशिया, राऊटलेज, न्युयार्क(यूएसए)।

मैति, डी. एवं कुमार, एस. (2016), क्षेत्रिय करार, व्यापार लागत और प्रशांत द्वीप समूह अर्थव्यवस्था में प्रवाह, इकोनोमिका पोलिटिका, डीओआईः 10. 1007/एस40888–016–0029–जेड.

मैति, डी. एवं परमजीत, एस. (2015)। 1980–2009 के दौरान क्षेत्रीय खुलापन, आय वृद्धि और भारतीय राज्यों का अभिसरण, दक्षिण एशियाई आर्थिक पत्र, 16(1), 145–166.

पंडित, बी.एल. एवं टुटेजा, दिव्या (2015)। बी.एल. पंडित की पुस्तक ग्लोबल फाइनेनशियल क्राइसिस एंड द इंडियन इकॉनामी, स्प्रिंगर, इंडिया में मानीटरी पॉलिसी ट्रांसमिशन : को इंटिग्रेशन एंड वेक्टर एरर करेक्शन एनालिसिस।

परमजीत, (2015)। समावेशी विकास– वॉट अबाऊट इम्पलायमेंट, विद भारत भूषन एवं शिक्षा गुप्ता, पृष्ठ 614–622, एचएसबी 7 वां वार्षिक राष्ट्रीय कारोबार एवं प्रबंध सम्मेलन, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार आईएसबीएन– 9789384224226.

परमजीत, (2015)। भारतीय स्टॉक मार्केट के रिटर्न और जोखिम के बीच संबंधः ए मिडास, रिग्रेसन एप्रोच, वेदपाल के साथ पृष्ठ 381–388 एचएसबी 7 वां वार्षिक राष्ट्रीय कारोबार एवं प्रबंध सम्मेलन, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार आईएसबीएन– 9789384224226.

परमजीत एवं सिंह, गजेन्द्र (2015)। सिंधु घाटी सभ्यता की कृषि एवं व्यापार, पृष्ठ 49–53, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल (आईएसएसएन–22775226) खंड 4.

परमजीत (2015)। कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्थायी विकास, गीतांजली सिंह के साथ, पृष्ठ 206–220, संपादक प्रदीप एस. चौहान, ट्वंटी फर्स्ट सेंचूरी प्रकाशन, पटियाला (पंजाब), आईएसबीएनः 9789380748894.

प्रकाश, के. एवं मैति, डी. (2016)। डिवेल्यूएशन, ट्रेड बेलैंसिज एंड जे–कर्व फिनामिननः द केश ऑफ फिजी, इकॉनामिक मॉडलिंग, 55, 382–393.

रे, एस.सी., कुम्भकर, एस.सी. और दुआ, पी. (संपादन) (2015)। बैंचमार्किंग फॉर परफॉरमेंस इवेल्यूएशन, स्प्रिंगर। आईएसबीएन संख्या 978–81–322–2253–8.

सिंह, आर. (2015)। एग्जिसटेंस एंड एफिसिएंसी ऑफ इक्विलिब्रियांः वेन केअर इज मल्टीडायमेंशनल, इन सुब्राता गुहा, राजेन्द्र कुंडु, एवं एस. सुब्रहमण्यन (संपादन) कंट्रीब्यूशन टू इकॉनामिक एनालिसिसः एसेज इन ऑनर ऑफ सतीश जैन, राऊटलेज, नई दिल्ली।

सोमनाथन, आर., रोमेर, जॉन एवं आचार्य, एडविट. (2015)। भारत में जातिवाद, भ्रष्टाचार और राजनैतिक प्रतिस्पर्धा, रिसर्च इन इकानामिक्स, वॉल्यूम 69, ईश्यू 3, पृष्ठ 336–352.

अनुसंधान परियोजनएं
राम सिंह, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स ''क्या अवसंरचना की लागत और गुणवत्ता के लिए अधिप्राप्ति विकल्प का महत्व है?'' (अंतर्राष्ट्रीय विकास केन्द्र परियोजना कोड : 1–वीआरएस–वीआईएनसी– VXXXX–89209; पीआई)।

राम सिंह, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स ''लिटिगेशन ओवर एमिनंट डोमेन कम्पनशेसन'', अन्तर्राष्ट्रीय विकास केन्द्र : सीपीआर–आईएनसी–आईएनएफ–2012–सीपीपी–35048. पीआई।

सुरेन्द्र कुमार ''एमबोडिड कार्बन ट्रेड रेजिसटेंसः एविडेंस फ्रांस साऊथ एशियन कंट्रीज,'' प्रयोजक : दक्षिण एशियाई विकास और पर्यावरणीय अर्थशास्त्र नेटवर्क, राशि, 10 लाख रूपये (अप्रैल 2014 से सितम्बर 2015) पीआई।

आयोजित किए गए सम्मेलन
दिनांक 14–16 दिसंबर 2015 को 'विंटर स्कूल, 2015' का आयोजन किया गया जिसका प्रायोजन भारतीय निर्यात–आयात बैंक द्वारा किया गया।

दिनांक 2 मार्च, 2015 को प्रो0 डी. डेनियल सोकोल (लेविन लॉ कॉलेज, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय) द्वारा 'न्यू इश्यूज एट द इंटरफेस ऑफ कम्पीटीशन (एंटीट्रस्ट) पॉलीसी एंड इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी : 5 इंटरनेट, पेटेंट एंड आनलाइन सेल्स' विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

दिनांक 3 मार्च, 2015 को डा0 सुब्रमण्यन (मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार) ने 'द इकॉनामिक सर्वे ऑफ इंडिया, 2014–15' विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

दिनांक 23 अप्रेल, 2015 को प्रो0 फ्रांकोइस बारगुईगणन (पेरिस स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स) द्वारा 'द ग्लोबलाइजेसन ऑफ इनइक्विलिटी' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

दिनांक 27 अप्रैल, 2015 को प्रो0 जेम्स के. बॉयस (मैसच्युसेट्स विश्वविद्यालय) द्वारा 'क्लाइमेट बोनस : डिजाइनिंग क्लाइमेट पॉलिसी एज इफ द प्रजेंट जेनेरेशन मैटर्स' विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

दिनांक 13 अगस्त, 2015 को प्रो0 क्रिस्टोफ जेफ्रीलॉट (अनुसंधान निदेशक, सीएनआरएस) ने ''द 'गुजरात मॉडल' – रिविजिटिड'' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

दिनांक 13 अगस्त, 2015 को 'इम्बोडिड कार्बन ट्रेड एंड ट्रेड रेजिसटेंसः एविडेंस फ्रॉम साऊथ एशियन कंट्रीज' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अन्तर–सांस्थानिक सहयोग
अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स विश्व परियोजन लिंक (एलआईएनके) (नोबल पुरस्कार विजेता स्वर्गीय प्रो0 लारेंस कलेन द्वारा प्रबंध एवं मार्गदर्शन) का भारतीय समकक्ष है, जो मैक्रोइकानामिक फोरकास्टिंग एंड पॉलिसी एनलिसिस के लिए स्वतंत्र विकसित किए गए राष्ट्रीय मैक्रो मॉडल्स को वैश्विक मॉडल में समेकित करता है तथा इनका समन्वय संयुक्त तौर पर यूएन अर्थशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग तथा टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। प्रारंभिक चरण में, प्रो0 वी. पंडित और प्रो0 स्वर्गीय के. कृष्णमूर्ति, आर्थिक विकास संस्थान सक्रिय तौर पर लिंक परियोजना से जुड़े हुए थे। अर्थशास्त्र विभाग से प्रो0 के. सुन्दरम और प्रो0 पामी दुआ अभी हाल ही तक इसके साथ संयुक्त तौर पर जुडे हुए थे। इस परियोजना का वर्तमान में संयुक्त प्रबंध प्रो0 पामी दुआ और एन. आर. भानुमूर्ति, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त और नीति संस्थान द्वारा किया जाता है तथा प्रो0 वी. पंडित द्वारा परामर्शी सहायता प्रदान की जाती है।

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल. डिग्रियां
पीएच.डी. डिग्रियां : 02

संकाय संख्या
स्थायी : 21
तदर्थ : 07

भूगोल

मुख्य कार्यकलाप एवं उपलब्धियां

यह विभाग अन्तर–विषयकता, नवाचार और समावेशिता पर बल देते हुए देश में भूगोल विषय के सुदृढ़ीकरण में अग्रणी स्थान बनाए हुए है। भूगोल विभाग का उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान कार्यकलापों के माध्यम से भौतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के अंतर को दूर करना है। विभाग के संकाय सदस्यों ने इस वर्ष अत्यधिक प्रभाव वाले एवं श्रेष्ठ लोगों द्वारा पढ़े जाने वाले पत्रों अर्थात नेचुरल हजार्डस, सोशल एंड कल्चरल जियोग्राफी, वाटर एंड इनवायरनमेंट जर्नल, फिजिक्स एंड कैमेस्ट्री ऑफ अर्थ में शोध लेखों का प्रकाशन किया है। यह विभाग पर्यावरण, रिमोट सेंसिंग/जीआईएस और जेंडर अध्ययन इत्यादि में अपनी विशेषज्ञता रखता है। मीडिया लैब, जिसका कार्य प्रगति पर है, इन संभावनाओं का पता लगाएगा कि समसामयिक मीडिया किस प्रकार भौगोलिक ज्ञान को आकार प्रदान कर रहा है। विभाग को मुख्य क्षेत्रों (क) पर्यावरण एवं संसाधन (ख) शहरी और क्षेत्रीय योजना में शिक्षण और अनुसंधान हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अनुसंधान सहायता कार्यक्रम डीआरएस ।।। (2013–18) के अंतर्गत विशेष सहायता भी प्रदान की जा रही है। विभाग नीदरलैंड, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कई अन्य देशों में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ अनुसंधान सहयोग में सक्रिय तौर पर शामिल है।

ऑनर्स/विशिष्ताएं

प्रो0 आर. बी. सिंह को सेनडाई फ्रेमवर्क ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडेक्शन, 2015–2030 संबंधी यूएनआईएसडीआर विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मेलन में 'एक्पोजर एंड वलनेरबिलिटी' पर कार्य समूह को मॉडरेट करने के लिए आमंत्रित किया गया (जनवरी, 2016)।

प्रो0 आर. बी. सिंह को आईएपी–ग्लोबल नेटवर्क ऑफ साइंस एकेडमीज द्वारा दक्षिण अफ्रीका ने आपदा आपात स्थितियों में वैज्ञानिक परामर्श विषय पर एक पेनलिस्ट के तौर पर आमंत्रित किया गया (28 फरवरी– 2 मार्च, 2016)।

डा0 अनंदिता दत्ता को वर्ष 2020 तक दूसरे कार्यकाल के लिए 'आईजीयू कमीशन ऑन जेंडर एंड जियोग्राफी' की संचालन समिति में नामित किया गया।

डा0 अनंदिता दत्ता वर्ष 2015 से दूसरे कार्यकाल के लिए 'जेंडर प्लेस एंड कल्चर : ए जर्नल ऑफ फेमिनिस्ट जियोग्राफी' के संपादन बोर्ड में शामिल हैं।

श्री किरण भैरनवार ने सेक्सुएल्टी एंड स्पेस ग्रेजुएट स्टुडेंट पेपर कांपीटिशन, 2015, अमेरिकन जियोग्राफर्स संघ की वार्षिक बैठक, 2015 अप्रैल 21–25, शिकागों, यूएसए में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

आनंद–एस. (2015)। एसेसमेंट ऑफ स्पेशिओं–टेम्पोरल एक्सपेंशन ऑफ दिल्ली मेट्रो रेल। 'द हारिजन', जुलाई 6 : 2, 159–170.

आनंद एस. (2015)। 'अरूणाचल प्रदेश में एक दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के विशेष संदर्भ सहित धन उधार लेने की मौजूदा प्रवर्तियों के कुछ पहलू। द हारिजन, 6 : 2, 137–148.

बंदोपाध्याय, एन., भूयियन, सी., साहा, ए.के. (2015)। 'अत्यधिक तापमान, नमी की कमी और गुजरात, भारत में शुष्क कृषि पर उनके प्रभाव' जे. सोलेरा, ए. परदेश अरक्विला, जे. हेरो मोंटेगुडों, डी एंड वान लानेन, एच (संपादक), ड्रॉट : रिसर्च एंड साइंस–पॉलिसी इंटरफेसिंग, सीआरसी प्रेस, बालकेमा। 119–124. आईएसबीएन 978–1–138–02779–4.

बंदोपाध्याय, एन, साहा, ए.के. (2015)। 'मेपिंग जेंडर एंड जेंडर्ड स्पेसिज इन ड्राट–प्रोन एरियाज ऑफ गुजरात', दत्ता, ए. (संपादित) की पुस्तक प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिऑरिएंटिंग जेंडर :जियोग्राफिज ऑफ रेजिसटेंस, एजेंसी, वायलेंस एंड डिजायर इन एशिया, आर. के. बुक्स, नई दिल्ली। 127–137. आईएसबीएन 978–93–82847–41–0.

बंदोपाध्याय, एन., साहा, ए.के. (2016)। ए कंपेरेटिव एनालिसिस ऑफ फॉर ड्राड इंडिसिज यूजिंग जियोस्पेशियल डाटा इन गुजरात, इंडिया–अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसिज। डीओआई : 10.1007/एस12517–016–2378–एक्स।

बंदोपाध्याय, एन., भूयियन, सी., साहा, ए.के. (2016)। लू, अत्यधिक तापमान और मानसूनी वर्षा पर उनका प्रभाव और गुजरात में मिट्रियोलॉजिकल ड्राट्स, भारत–प्राकृतिक बाधाए, डीओआई : 10.1007/एस11069–016–2205–4.

दत्ता, ए. (संपादित) (2015)। 'रिऑरिएंटिंग जेंडर : जियोग्राफिज ऑफ रेजिस्टेंस एजेंसी वायलेंस एंड डिजायर इन एशिया' संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रक्रियां–विधियां। आर. के. बुक्स, दिल्ली, आईएसबीएन 9789382847410.

दत्ता, ए. (2016)। 'ये भूगोल शास्त्र नहीं है : ऑन (इन) विजिबिलाइजिंग जेंडर्ड जियोग्राफिज ऑफ रेजिसटेंस एंड एजेंसी इन इंडिया। सोशल एंड कल्चरल जियोग्राफी। डीओआई : 10.1080/14649365.2015.1129434.

डी.,ए.(2015)। हिन्दू और मुस्लिमों के बीच स्थल का बंटवारा : अहमदाबाद वर्ल्ड सिटी में सीमा और पहचान कायम करना, एथनि सिटी इन ईस्ट एंड नॉर्थ ईस्ट इंडिया, रॉय, संजोय (संपादन), ज्ञान प्रकाशन, दिल्ली।

गुलाटी, ए., राय, एस. सी. (2015)। छोटा नागपुर पठार, भारत के कृषि–पारितंत्रों में भूमि और जल संरक्षण उपायों हेतु किसानों द्वारा भुगतान की इच्छा। वाटर एंड इनवायरनमेंट जर्नल। 29:4,523–532. आईएसएसएन :1747–6593.

कपूर, ए. (2015)। मेड ऑनली इन इंडिया : गुड्स विद जियोग्राफिकल इंडिकेशंस। राऊटलेज, भारत।

कुमार, एम., कूमार, पी. (2016)। स्नो कवर डायनेमिक्स एंड टिम्बरलाइन चेंज डिटेक्शन ऑफ यमुनोत्री वाटरशेड यूजिंग मल्टी–टेम्पोरल सेटेलाइट इमेजरी इन सिंह, आर.बी., शिकॉफ, यू., माल, एस. (संपादन), क्लाइमेट चेंज, ग्लेशियर रिसपांस एंड वेजीटेशन डायनेमिक्स इन द हिमालया। स्प्रिंगर, स्विट्जरलैंड, 391–399.

कुमार, एम., कूमार, पी. (2016)। स्नो कवर डायनेमिक्स एंड जियो हजर्डस : ए केस स्टडी ऑफ भिलंगना वाटरशेड। उत्तराखंड हिमालया, भारत। जियोइनवायरमेंटल डिजास्टर्स, 3:2. डीओआई : 10.1186/एस40677–016–0035–जेड.

ओ'शिया, पी.एम., रॉय, एस.एस. और सिंह, आर.बी. (2016)। डायूर्नल वेरिएशंस इन द स्पेशियल पेटर्नस ऑफ एयर पॉलयूशन एक्रॉस दिल्ली। थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड क्लाइमेटोलॉजी। 124:3.609–620.

पाल, बी., सेन, ए. (2015)। एनालिजिंग द स्पेशियल एंड टेम्पोरल पेटर्न ऑफ लैंड यूज/लैंड कवर चेंज ऑफ चूरू सिटी इन राजस्थान इन एम. इस्माइल एंड ए. आलम (संपादित)। 'लाइफ एंड लिविंग थ्रू न्यूअर स्पेक्ट्रम ऑफ जियोग्राफी', मोहित प्रकाशन, दिल्ली। 123–138. आईएसबीएन 978–81–7445–690–8.

पाठक, पी.के. (2015)। महिलाओं का सामाजिक नेटवर्क और ग्रामीण उत्तर प्रदेश, भारत में परिवार नियोजन पद्धतियां, 'नेशनल जियोग्राफिकल जर्नल ऑफ इंडिया। 61:3. 287–306.

प्रसाद, ए.एस., पांडेय, बी.डब्ल्यू. लेम्गुबर, डब्ल्यू., कंवर, आर.एम. (2016)। माउंटेन हजार्ड ससेप्टीबिलिटी एंड लाइवलिहुड सिक्योरिटी इन द अपर कैचमेंट एरिया ऑफ द रिवर ब्यास, कुल्लू वेली, हिमाचल प्रदेश, भारत, जियोइनवायरनमेंटल डिजास्टर्स। 3:3 डीओआई 10. 1186/एस40677–016–0037.

राय, एस.सी., पी.के. मिश्रा (2016)। इंडिजिनस नालेज ऑफ टेरेस मैनेजमेंट इन सिक्किम हिमालया, भारत। भारत में पर्यावरण, प्रदूषण और सामाजिक आर्थिक विकास (संपादन) में, के.के. यादव, एस.पी.एल. श्रीवास्तव और प्रमोद कुमार। विजय प्रकाशन मंदिर (प्राइवेट) लिमिटेड, वाराणसी। आईएसबीएन : 978–93–84201–40–1.

राय, एस.सी., और साहा, ए.के. (2015)। इम्पेक्ट ऑफ अर्बन स्प्राल ऑन ग्राऊंडवाटर क्वालिटी : ए केस स्टडी ऑफ फरीदाबाद सिटी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसिज। 8:10. 8039–8045.

राय, एस.सी., रिषिदेव, जे. (2015)। फ्लडस फयूरी इन लोवर गंडक रिवर बेसिन इन अरबन सिस्टमस, रूरल लाइवलीहुड सिक्योरिटी एंड रिसोर्स मैनेजमेंट (संपादन) आर.डी. दोई, नरेश मलिक और महीपाल सिंह सिहाग, मदरलैंड प्रिंटिंग प्रेस, जयपुर। 265–274. आईएसबीएन : 978–93–85215–03–2.

रंजन, ओ., पांडेय, बी.डब्ल्यू. (2015)। पायवटल रोल ऑफ प्रिवेलिंग इनफॉरमल–क्रेडिट–सिस्टम ऑन सोशियो–इकानामिक आपटीमाइजेशन इन डिटेच्ड विलेजिज : ए केस स्टडी ऑफ थ्री विलेजिज ऑफ बिहार, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिपलीनरी रिसर्च इन साइंस सोसायटी एंड कल्चर। आईजेआईआरएसएससी, 1:2, 1–13.

रंजन, ओ., पांडेय, बी.डब्ल्यू., आनंद, एस. (2015)। हिमाचल प्रदेश में एक दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के विशेष संदर्भ सहित धन उधार लेने की मौजूदा प्रवृतियों के कुछ पहलू 'द हॉरिजन :ए जर्नल ऑफ सोशल साईसिज', 2:6.137–148.

शर्मा, एस., सेन ए. (2015)। गुडगांव–मानेसर शहरी परिसर, ट्रांजेक्शंस ऑफ द इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन जियोग्राफर्स, 37:1, 133–146. आईएसएसएन 0970–9851.

सिंह, बीवीआर, सेन, ए. (2015)। क्रोनोलाजिकल एंड एन इनसाइड लेयर एनलिसिस ऑफ टाइगर लैंडस्केप कॉम्प्लेक्स इन इंडिया, यूरोपीयन एकेडेमिक रिसर्च, 2:12. 16070–16088.

सिंह, बीवीआर, सेन, ए. (2015)। कम्पेरेटिव एनलिसिस ऑफ टाइगर लैंडस्केप कम्पलेक्सिज एंड रिजर्व इन इंडिया : एन इवेल्यूएशन ऑफ द टाइगर पॉपुलेशन 2006–2014, अमेरिकन रिसर्च थॉटस, 1:8, 1796–1812.

सिंह, आर.बी. शहरी विकास चुनौतियां, एशियाई बड़े शहरों में जोखिम और प्रत्यास्थता–उभरते हुए एशियाई वृहत क्षेत्र की टिकाऊ शहरी भविष्य, स्प्रिंगर, टोक्यो 2015.

सिंह, आर.बी. दक्षिण एशिया का पर्यावरणीय भूगोल, भविष्य की भू–पहलों के लिए योगदान, स्प्रिंगर टोक्यो, 2015.

सिंह, आर.बी., जनमईजया, एम., ढ़ाका, एस.के. और कुमार, वी. (2015)। एआईआरएस और टीआरएमएम सैटलाइट अवलोकनों का प्रयोग करते हुए मानसूनी वर्षा के साथ ग्रीन हाऊस गैस (CO_2) का अध्ययन, पृथ्वी की फिजिक्स और कैमेस्ट्री, 89–90: 65–72.

सिंह, आर.बी., कुमार, ए. (2015)। वलनेरिबिलिटी ऑफ एग्रीकल्चर टू क्लाइमेट चेंज इन एरिड रीजन : ए केस स्टडी ऑफ वेस्टर्न राजस्थान, इंडिया, इन वलनेरिबिलिटी ऑफ लैंड सिस्टम इन एशिया (संपादित) एडिमोला के. बराईमोह एंड हे क्विंग हुआंग, विले ब्लैक्वेल, 77–90.

सिंह, आर.बी., कुमार पी., रहमान, एस. (2016)। साइंस एंड जियोस्पेटल एडवाइस डयूरिंग साइक्लोन एंड सूनामी इन बंगाल इनड्यूस्ड एमरजेंसी/हेल्थ रिस्क। एनएएम टुडे, फरवरी, एलवीः 2. 08–19.

सिंह, आर.बी., ग्रोवर, ए. (2015)। एनालिसिस ऑफ अरबन हीट आइसलैंड (यूएचआई) इन रिलेशन टू नोरमेलाइज्ड डिफरेंस वेजिटेशन इन्डेक्स (एनडीवीआई) : ए कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ दिल्ली एंड मुंबई, एनवायरनमेंट, 2. 125–138.

सिंह, आर.बी., हक, एस., ग्रोवर, ए. (2015)। कोलकाता महानगर में पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य :कन्ट्रीब्यूशन टूवर्डस अर्बन ससटेनेबिलिटी, 8:4. 64–81.

यादव, ए., सेन, ए. (2015)। रि–इमेजिंग ए स्मार्ट आइडेंटिटी फॉर फरीदाबाद सिटी इन जे. मैकवन, के. ए. चौहान, आर.एम. टेलर एवं सी.आर. पटेल. (संपादित)। सस्टेनेबल एंड स्मार्ट सिटीज, एक्सेल इंडिया प्रकाशक, दिल्ली, 335–347. आईएसबीएन 978–93–8486–952–6.

अनुसंधान परियोजनाएं

डा0 अनंदिता दत्ता को 'वायसिज फ्रॉम द डिस्पलिनरी एज : मैपिंग द डिवलपमेंट ऑफ जेंडर एंड फेमिनिस्ट जियोग्राफिज इन इंडिया' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2015–16 का 1,50,000 रूपये का अनुसंधान और विकास अनुदान प्रदान किया गया।

डा0 अंजन सेन को 'रोल ऑफ फायर एंड आइस इकानामिज इन मेकिंग ऑफ ग्लोबल सिटीज–केस स्टडी ऑफ वाराणसी एवं इलाहाबाद' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2015–16 का 1,30,000 रूपये का अनुसंधान एवं विकास अनुदान प्रदान किया गया।

डा0 आशीष के. साहा को 'मैपिंग एंड मॉनीटरिंग ऑफ मैंग्रोवज इन इंडियन सुंदरबन यूजिंग टाइम–सीरिज रिमोट सेंसिंग डाटा' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2015–16 का 1,50,000 रूपये का अनुसंधान एवं विकास अनुदान प्रदान किया गया।

डा0 आशीष कुमार साहा को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 3 वर्षा के लिए 17.57 लाख रूपये की 'डिवलपमेंट ऑफ आब्जेक्ट–बेस्ड इमेजएनालिसिस फॉर लैंडस्लाइडिंग मॉडिफिकेशन एंड हजर्ड जोनेशन इन द हिमालया' एक परियोजना प्रदान की गई।

डा0 बी डब्ल्यू पांडेय 'क्रायोफेरिक हजर्ड ससेप्टिबिलिटी एंड वलनेरबिलिटी असेसमेंट फॉर लाइवलिहुड सिक्योरिटी इन मिड अल्टिट्यूड रिजन ऑफ वेस्टर्न हिमालया' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2015–16 का 1,50,000 रूपये का अनुसंधान एवं विकास अनुदान प्रदान किया गया।

डा0 सुभाष आनंद को 'स्टेटस ऑफ डिस्पोजल एंड मैंनेजमेंट ऑफ इलेक्ट्रोनिक वेस्ट इन दिल्ली' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2015–16 का 1,30,000 रूपये का अनुसंधान एवं विकास अनुदान प्रदान किया गया।

आयोजित किए गए सेमिनार

विभाग द्वारा 23 दिसंबर, 2015 को 'डिजास्टर रिस्क रिडेक्शन एंड लाइवलिहुड सिक्योरिटी इन द हिमालयन इनवायरनमेंट' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विभाग द्वारा 20–21 मार्च, 2015 को 'थ्रस्ट एरियाजः इनवायरनमेंट एंड रिसोर्स एंड अरबन एंड रीजनल प्लानिंग' विषय पर यूजीसी–एसईपी–डीआरएस ।।। राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

पांडे बिंध्यावासिनी ने सेंटर फॉर माऊंटेन स्टडीज, पर्थ कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ द हाइलैंड्स एंड आइलैंडस, स्कॉटलैंड, यूके, 2015 में ''माऊंटेन्स ऑफ अवर फ्यूचर अर्थ'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पांडे बिंध्यावासिनी अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईसीएसयू) में 'फाइनेंशियल सपोर्ट फॉर अवर कॉमन फ्यूचर अंडर क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, यूनेस्को, परिस, फ्रांस, जुलाई, 2015.

सेन अंजन और मिश्रा सत्यम ने 'भारत में तीर्थ पर्यटन और सरकारी नीतियां : प्रसाद योजना का एक समालोचनात्मक मूल्यांकन' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह पत्र नागी (एनएजीआई) 37वीं भारतीय भूगोल कांग्रेस, 2015 में प्रस्तुत किया गया जो जम्मू, जम्मू और कश्मीर, भारत में ''रिमोट सेंसिंग तकनीकों और जीआईएस का प्रयोग करते हुए पर्यटन, संसाधनों, पर्यावरण और विकास'' विषय पर आयोजित की गई थी।

सेन अंजन और कुमार शैलेष ने 'सांस्कृतिक पर्यटन : वाराणसी की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए एक दृष्टिकोण' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह पत्र नागी (एनएजीआई) 37वीं भारतीय भूगोल कांग्रेस, 2015 में प्रस्तुत किया गया जो जम्मू, जम्मू और कश्मीर, भारत में ''रिमोट सेंसिंग तकनीकों और जीआईएस का प्रयोग करते हुए पर्यटन, संसाधनों, पर्यावरण और विकास'' विषय पर आयोजित की गई थी।

सेन अंजन और सेनगुप्ता सोामा ने रि–इनवेंटिंग ए ट्रेडिशनल ग्रीन प्रोडक्ट इन द कंटेम्परेरी ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड– सोशल मार्केटिंग ऑफ ट्रेडिशनल परफ्यूम 'अट्टार' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय का ''हमारी भविष्य की भूमि के लिए भूगोल, संस्कृति और सोसायटी'' विषय पर मास्को, रूस में आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन,2015 में प्रस्तुत किया गया।

सेन अंजन और यादव अनुजा ने ''फरीदाबाद शहर के लिए स्मार्ट पहचान की पुनः खोज करना'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली, भारत में ''पर्यावरण एवं संसाधन और शहरी एवं क्षेत्रीय योजना'' विषय पर आयोजित यूजीसी–एसएपी–डीआरएस।।। सेमिनार, 2015 में यह पत्र प्रस्तुत किया गया।

सेन अंजन और चक्रबर्ती अंकिता ने ''रि–पोजीशनिंग द ट्रेडिशनल हैंडलूम साड़ी हैरिटेज ऑफ बंगाल– स्टडींग द रोल ऑफ जियोग्राफिकल इंडिकेशंस'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली, भारत में ''पर्यावरण एवं संसाधन और शहरी एवं क्षेत्रीय योजना'' विषय पर आयोजित यूजीसी–एसएपी–डीआरएस।।। सेमिनार, 2015 में यह पत्र प्रस्तुत किया गया।

सेन अंजन और कुमार कृष्णा ने ''शेपिंग ऑफ अरबन मार्जिनेलाइज्ड स्पेसेज : ए बिहेवियरल एनालिसिस ऑफ अरबन स्लम ड्वेलर्स इन टंकी वाली झुग्गी इन रघुवीर नगर, दिल्ली'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया, जो दिल्ली, भारत में ''लैंड–यूज चेंज, क्लाइमेट एक्सट्रीम्स एंड डिजास्टर रिस्क रिडेक्शन'' विषय पर आयोजित नवीं अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक यूनियन सम्मेलन, 2016 में प्रस्तुत किया गया।

सिंह आर.बी. ने दिनांक 8 अगस्त 2015 को समर स्कूल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'आरएस एंड जीआईएस के अनुप्रयोग' पर व्याख्यान दिया।

सिंह आर.बी. ने दिनांक 5 अक्तूबर, 2015 को 'आपदा प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका' विषय पर अदिति कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान दिया।

सिंह आर.बी. ने 4–6 नवंबर, 2015 के दौरान 'शहरी स्वास्थ्य' विषय पर आईजीयू सम्मेलन, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान दिया।

अंतर–सांस्थानिक सहयोग

टुर्कु विश्वविद्यालय, फिनलैंड और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच ''हिमाचल प्रदेश में बदलते हुए सामाजिक–आर्थिक परिवेश में आजीविका सुरक्षा'' नामक परियोजना के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग वर्ष 2015 में पूरा कर लिया गया है (पीआई : प्रो0 आर. बी. सिंह)।

प्रतिष्ठित लिननियस पालमें कार्यक्रम के अंतर्गत जेंडर स्टडीज विभाग, लुंद विश्वविद्यालय, स्वीडन के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के तीसरे वर्ष में डा0 अनंदिता दत्ता, प्रो0 हेले रिडस्ट्रॉम और डा0 मारिया टोनिनी द्वारा किए गए शिक्षण विनिमय कार्यक्रम के साथ ही विद्यार्थियों के दो समूहों का भी आदान–प्रदान हुआ। इस कार्यक्रम का वित्त पोषण स्वीडिश उच्चतर शिक्षा प्रशिक्षण और स्वीडिश इंटरनेशनल डिवलपमेंट एजेंसी एसआईडीए द्वारा किया जाता है।

डा0 अनंदिता दत्ता और डा0 अजय बैली, सोशियल साइंस फैकल्टि, ग्रोनिन्जन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड के बीच दिर्घकालिक सहयोग के अंतर्गत एक संयुक्त निरीक्षण वाले डॉक्टरल थीसिज प्रस्तुत किया गया।

डा0 अपराजिता डे ''भयमुक्त महिलाएं : महानगरीय भारत में लैंगिक हिंसा, शहरी परिवहन और सार्वजनिक स्थल'' नामक सहयोगात्मक परियोजना में कला संकाय और इंजीनियरिंग संकाय, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया (अप्रैल 2015–दिसंबर 2015) के साथ सहभागी इनवेस्टीगेटर थी।

प्रदान की गई एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियां

एम.फिल. डिग्रियां : 12

पीएच.डी. डिग्रियां : 08

संकाय संख्या

स्थायी : 14

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

प्रो0 आर. रामचंद्रण, विभाग के पूर्व संकाय सदस्य को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस, 2016 के अवसर पर ''सेवानिवृत्त अध्यापकों के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार'' प्रदान किया गया।

प्रो0 एस.सी. राय, रूसी भौगोलिक सोसायटी, मास्को, रूस, अक्तूबर, 2015.

डा0 अनंदिता दत्ता, जेंडर स्टडीज विभाग, लुंद विश्वविद्यालय, स्वीडन, दिसंबर, 2015.

डा0 बी.डब्ल्यू. पांडे, माऊंटेन स्टडीज केन्द्र, पर्थ कॉलेज, हाइलैंड्स एंड आइलैंड्स विश्वविद्यालय, क्रिफ रोड़, पर्थ, स्काटलैंड, यूके, 2015.

डा0 नेत्रानंद साहु, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान, जनवरी, 2016.

डा0 पंकज कुमार, द सेंटर फॉर कंटेम्परेरी इंडिया स्टडीज, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, अक्तूबर, 2015.

इतिहास

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

इतिहास विभाग के संकाय को भारत और विदेशो में आयोजित सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं में व्यापक ऐतिहासिक विषयों पर काफी संख्या में सुप्रतिष्ठित अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किए। कई सदस्यों को आयोजित किए गए सम्मेलनों और सेमिनारों में शामिल किया गया। विभाग का प्रकाशन रिकार्ड प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रों तथा काफी संख्या में मोनोग्राफ्स एवं तैयार किए गए संपादित खंडों में काफी संख्या में शोध पत्रों के प्रकाशन से पता चलता है। संकाय सदस्यों को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृतियां और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। वे कई शोध परियोजनाओं में शामिल रहे हैं, जिनमें से कईयों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। विभाग की सेमिनार श्रृंखला में कई सुविख्यात वक्ताओं को आमंत्रित किया गया जिन्होंने अपने अद्यतन शोध प्रस्तुत किए। शोधार्थियों की कार्यशाला में विभाग के एम.फिल. और पीएच.डी. विद्यार्थियों ने प्रभावशाली शोध कार्यों को दर्शाया।

असाधारण सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो0 सुनील कुमार को 'एलियंज डिस्टिंगुइस्ड विजिटिंग स्कोलर इन इस्लामिक स्टडीज, इंस्टीट्यूट फॉर नियर एंड मिडिल ईस्टर्न स्टडीज, लुडविग मेक्सिमिलियंस विश्वविद्यालय, मुनिच (जून 2015) : अवार्ड प्रदान किया गया।

डा0 संघमित्र मिश्रा को मई 2005 में चार्लस वालेस ट्रस्ट इंडिया ग्रांट प्रदान किया गया।

नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 2015–17 : वरिष्ठ अध्येतावृति, डा0 बिश्वामोय पति।

आईसीएसएसआर, विदेश दौरा अध्येतावृति, दिसंबर 2015 : डाटा कलेक्शन एब्राड, डा0 चारू गुप्ता।

रचेल कारसन सेंटर, मुनिच, 2015 : फेलोशिप, डा0 विपुल सिंह।

नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय, 2015–17 : अध्येतावृति, डा0 संघमित्र मिश्रा।

प्रकाशन

अल्वी, सीमा (2015)। मुस्लिम कोस्मोपोलीटेनिज्म इन द एज ऑफ एम्पायर, आईएसबीएन : 978–0–674–73533–0, हावर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

अरपुथारानी सेनगुप्ता, आईएसबीएन : 978–81–246–0797–8, डी के प्रिंटवर्ल्ड एवं राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, दिल्ली।

बावा, सीमा (2015)। एस्पेक्टस ऑफ द गोडडेस (रूद्र एवं सौम्या) : ए स्टडी ऑफ टू आइकंस फ्रॉम द चम्बा वेली इन कल्ट ऑफ द गोडडेस : पास्ट एंड प्रजेंट इन इंडियन आर्ट (संपादित)।

बावा, सीमा (2015)। द थ्यूरी एंड प्रेक्टिस ऑफ कलर एंड कलरिंग इन द विष्णुधर्मोत्तर पुराण, इन ए बक्केट ऑफ इंडियन हेरिटेज, रिसर्च एंड मैनेजमेंट (डा0 आगम प्रसाद फैलिसिटेशन वाल्यूम) : संपादन प्रशांत श्रीवास्तव और संजय कुमार महापात्रा, आईएसबीएन : 978–93–81843–15–4, स्वाति प्रकाशन, नई दिल्ली।

चौधरी, मनीषा (2015)। जयपुर राज्य में कोर्ट नवाचार एवं सामाजिक व्यवस्था, अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास और संस्कृतिक अध्ययन पत्र (आईजेएचसीएस), खंड 1, अंक 1, पृष्ठ–14–26, आईएसएसएन : (प्रिंट) : 2454–7646, (ऑनलाइन) : 2454–7654.

देशपांडे, अनिरूद्ध (2015)। प्रथम रक्षा पंक्ति : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शानदार पचास वर्ष, शिप्रा प्रकाशन, आईएसबीएन : 978–81–7541–841–7.

देशपांडे, अनिरूद्ध (2015)। द शिवाजी लीजेन्ड, बिइंग द इंट्रोडेक्शन टू गोविंद पानसरे, हू वाज शिवाजी, लेफ़्ट वर्ल्ड बुक्स, आईएसबीएन : 978–93–80118–13–0, 2015.

धार, पारूल पांडया (2015)। चैलेंजिंग कॉस्मिक आर्डर : रावन इनकाऊंटर विद शिवा एट बेलूर एंड हलेविडू इन आर्ट, आर्किटेक्चर एंड आइकोनोग्राफी इन साऊथ एशिया। डा0 देवगाना देसाई के सम्मान में फेलिसिटेशन वाल्यूम संपादित अनिला वर्गीस एवं अन्ना एल. डालापिक्कोल्ला, 169–186, आईएसबीएन : 9788173055331, आर्यन बुक इंटरनेशनल, दिल्ली।

धार, पारूल पांडया (2016)। पायोनियरिंग परस्पेक्टिवज : द टेम्पल इन एम. ए. धाकी राइटिंग्स, इन पारूल पांडया धार एंड जेर्ड जे.आर. मेविस्सेन (संपादित), दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया की मंदिर वास्तुकला और चित्रकारी। प्रसादनिधि : पेपर्स प्रजेंटेड टू प्रो0 एम.ए. धाकी, xxxix-xlviii, आईएसबीएन : 9788173055508, दिल्ली : अंतर्राष्ट्रीय आर्यन बुक्स।

धार, पारूल पांडया (2016)। द अर्ली टेम्पल्स ऑफ कैम्पा : शेपिंग एन आर्किटेकचरल लैंग्वेज। इन पारूल पांडया धार एंड जेर्ड जे.आर. मेविस्सेन (संपादित), दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया की मंदिर वास्तुकला और चित्रकारी। प्रसादनिधि : पेपर्स प्रजेंटेड टू प्रो0 एम.ए. धाकी, पृष्ठ 30–51, आईएसबीएन : 9788173055508, दिल्ली : अंतर्राष्ट्रीय आर्यन बुक्स।

फारूकी, अमार (2015)। आर्काइवल सोर्सिज रिलेटिंग टू इंडियन आपियम मर्चेन्टस ऑफ द नाइन्टिंथ सेंचुरी, स्टडीज इन पीपलस हिस्ट्री, आईएसबीएन : 2348–4489.

गोविंद, राहुल (2015)। द इनफिनिट डबल, आईएसबीएन : 9789382396208, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला।

गुप्ता, चारू (2015)। एम्बोडिंग रेजिस्टेंस : रिप्रजेन्टिंग दलित इन कॉलोनियल इंडिया, साऊथ एशिया : जर्नल ऑफ साऊथ एशियन स्टडीज 38, 1: 100–18, आईएसएसएन : 0085–6401, इंटरनेशनल, इम्पेक्ट फैक्टर : क्यू 1 (एसजेआर)।

गुप्ता, चारू (2015)। इन्नोसेंट विक्टिमस/'गिल्टी' माइग्रेंटस : हिन्दी पब्लिक स्फेहर, कास्ट एंड इनडेंचर्ड विमिन इन कॉलोनियल नार्थ इंडिया, माडर्न एशियन स्टडीज 49, 5, सितम्बर : 1345–77, आईएसएसएन : 0026–749एक्स, अंतर्राष्ट्रीय, इम्पेक्ट फेक्टर : 0.250 (2010); क्यू 1 (एसजेआर), नम्बर ऑफ साइटेशंस : 1.

गुप्ता, चारू (2015)। सेविंग 'रांगड' बॉडीज, कॉस्ट, इनडेंचर्ड विमिन एंड हिन्दी प्रिंट–पब्लिक स्फेयर इन कॉलोनियल इंडिया, प्रोसिडिंग्स ऑफ द इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, प्लेटिनम (75वां) सत्र, आईएसएसएन : 2249–1937, नेशनल।

गुप्ता, चारू (2016)। दलित विमिन एज विक्टिमस : आइकोनोग्राफिज ऑफ सफरिंग, सिम्पेथी एंड सबसरविएंस, साऊथ एशियन हिस्ट्री एंड कल्चर 7, 1, जनवरी : 55–72, आईएसएसएन : 1947–2498, अंतर्राष्ट्रीय, इम्पेक्ट फेक्टर : क्यू 3 (एसजेआर)।

गुप्ता, चारू (2016)। इंटिमेट डिजायर्स : दलित विमिन एंड रिलिजियस कनवर्संस इन कॉलोनियल इंडिया, इन लिविंग विद रिलिजियस डायवर्सिटीज संपादन, सोनिया सिक्का, बिन्दु पुरी एवं लरी जी. बीमन, आईएसबीएन : 978–1–138–63972–0, ओक्जोन, न्यू यार्क एंड न्यू दिल्ली : राऊटलेज।

जाफरी, एस.जेड.एच. (2015)। इंडो–इस्लामिक शिक्षण तथा औपनिवेशिक शासन की नीतिया, इतिहास दृष्टि, आईएसएसएन– 0976–349एक्स, नेशनल, 2015.

जाफरी, एस.जेड.एच. (2016)। अवध फ्रॉम मुगल टू कॉलोनियल रूल : स्टडीज इन द अनाटमी ऑफ ट्रांसफार्मेशन (दूसरा संशोधित और विस्तृत संस्करण), 978–81–212–13295, ज्ञान पब्लिकेशन।

जैन, शालिन (2015)। ''जैन इलाइट्स एंड द मुगल स्टेट अंडर शॉहजहान'', इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू, आईएसएसएन : 0376–9836, राष्ट्रीय, खंड : 42, संख्या : 2.

कुमार, सुरेन्द्र (2016)। आशीशुंता और अन्य विचार, पाखी।

कुमार, सुरेन्द्र (2016)। समावेशी सोच की जरूरत, सबलोग, आईएसएसएन : 22775897.

लाहिरी, नयनजोत (2015)। प्राचीन भारत में अशोक, आईएसबीएन : 978–0–674–05777–7, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

लाहिरी, नयनजोत (2016)। बुद्धिज्म इन एशिया : रिव्युवल एंड रिइन्वेंशन (सह–संपादित), आईएसबीएन : 9789350981160, दिल्ली, मनोहर।

मल्होत्रा, अंशु (2015)। इन्ट्रोडक्शन : जेंडर, परफार्मेन्स एंड आटोबायोग्राफी इन साऊथ एशिया (सियोभन लैम्बर्ट हर्ले के साथ सह–लेखन), इन अंशु मल्होत्रा एंड सियोभन लैम्बर्ट हर्ले, स्पीकिंग ऑफ द सेल्फ, जेंडर, परफोर्मेंस एंड आटोबायोग्राफी इन साऊथ एशिया, आईएसबीएन : 978–0–8223–5983–8 (हार्ड कवर) ; 978–0–8223–5991–3 (पेपर बेक); 978–0–8223–7497–8, दुके यूनिवर्सिटी प्रेस, डरहम।

मल्होत्रा, अंशु (2015)। परफोर्मिंग ए परसोना : रीडिंग पीरो काफीज, इन अंशु मल्होत्रा एंड सियोभन लैम्बर्ट हर्ले, स्पीकिंग ऑफ द सेल्फ, जेंडर, परफोर्मेंस एंड आटोबायोग्राफी इन साऊथ एशिया, आईएसबीएन : 978–0–8223–5983–8 (हार्ड कवर) ; 978–0–8223–5991–3 (पेपर बेक); 978–0–8223–7497–8, दुके यूनिवर्सिटी प्रेस, डरहम।

मल्होत्रा, अंशु (2015)। स्पीकिंग ऑफ द सेल्फ : जेंडर, परफोर्मेंस एंड आटोबायोग्राफी (सह–संपादित), आईएसबीएन : 978–0–8223–5983–8 (हार्ड कवर) ; 978–0–8223–5991–3 (पेपर बेक); 978–0–8223–7497–8 (ई–बुक), दुके यूनिवर्सिटी प्रेस, डरहम।

पाई, बिश्वमय, (2016)। पर्यावरण और सामाजिक इतिहास : कालाहांडी, 1800–1950, इन अरूण बंदोपाध्याय (संपादित), प्रकृति, ज्ञान और विकास भारत के पर्यावरणीय इतिहास में महत्वपूर्ण निबन्ध, आईएसबीएन : 978–93–84082–61–1, प्रीमस, दिल्ली।

पोथुकंदियील, यासेर अराफात (2015)। मुहियुद्दीन माला एन्ना प्रतिरोध साहित्यम मुहियुद्दीन माला एज ए रेजिस्टेंस टेक्स, इन जमाल अहमद (संपादित), कालीकट, भारत, आईएसबीएन : –978–81–8271–704–6, इस्लामिक प्रकाशन संस्था, कालीकट।

पोथुकंदियील, यासिर अराफात (2015)। सेंट, गोडडेज एंड सर्पेन्टस : फर्टिलिटी कल्चर ऑन मालबार कोस्ट (सिरका 1500–1800), इन अन्ना एलिजाबेथ विंटरबॉटम (संपादित), हिस्ट्रीज ऑफ मेडिसन इन द इंडियन ओसियन वर्ल्ड, पलग्रेव, न्यूयार्क।

राय, संतोष (2015)। वेज टू माडर्नाइजेशन एंड एडेप्शन : द स्टेट, विविंग ट्रेनिंग स्कूल एंड हैंडलूम विवर्स इन अर्ली ट्वन्टिंथ यूनाइटेड प्रोविन्सिज, इंडिया, इंडियन हिस्टारिकल रिव्यू, आईएसएसएन : 0376–9836, नेशनल, खंड : 42 संख्या : 2.

राय, संतोष (2016)। फार्मस ऑफ मार्डन आर्गेनाइजेशन एंड प्रैक्टिस ऑफ ट्रेडिशन मोबिलाइजेशन : जुलाहा विवर्स इन अर्ली ट्वन्टिंथ सेन्चुरी इन उत्तरी इंडिया, इन सबयासाची भट्टाचार्य एंड राणा पी. बेहल (संपादित), द वर्नेकुलेराइजेशन ऑफ लेबर पालिटिक्स। आईएसबीएन : 9789382381822, तुलिका बुक्स।

राय, संतोष (2016)। मैनी मदनपुर्स : मैमोरिज एंड हिस्ट्रीज ऑफ माइग्रेंट विवर्स ऑफ नार्थन इंडिया ड्यूरिंग द नाइन्टिंथ एंड ट्वेन्टींथ सेन्चुरीज, इन विजय रामास्वामी (संपादित), माइग्रेशन इन मेडिवल एंड अर्ली कालोनियल इंडिया, आईएसबीएन : 9781138121928, राऊटलेज।

साहु, बी.पी. (2013)। द चैंजिंग गेज : रीजनस एंड द कंस्ट्रक्शन ऑफ अर्ली इंडिया, आईएसबीएन 13: 978–0–19–808919–3, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।

साहु, बी.पी. (2015)। क्षेत्रीय इतिहास से क्षेत्र के इतिहास तक और इससे भी आगे, अध्य्क्षीय अभिभाषण, उत्तराखंड इतिहास एवं संस्कृति संघ 2015, इन सोशल साइंटिस्ट, संख्या 502–03, पृष्ठ 33–48.

साहु, बी.पी. (2015)। मार्केटस, मर्चेन्टस एंड टाऊन्स इन अर्ली मेडिकल ओडिशा, इन स्टडीज इन पीपल्स हिस्ट्री, 2(1), 9–20.

साहु, बी.पी. (2015)। सोसायटी एंड कल्चर इन पोस्ट–मॉर्यन इंडिया सी.200 बीसी–एडी 300, आईएसबीएन : 978–93–82381–75–4, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली।

साहु, बी.पी. (2015)। इंटेरोगेटिंग पॉलिटिकल सिस्टम : इंटिग्रेटिव प्रोसेस एंड स्टेटस इन प्री–मॉर्डन इंडिया, आईएसबीएन 978–93–5098–064–4, मनोहर प्रकाशक, नई दिल्ली।

सिंह, उपिन्द्र (2015)। ए हिस्ट्री ऑफ एनसिएंट एड अर्ली मेडिवल इंडिया : फ्रॉम द स्टोन ऐज टू द ट्विन्टिंथ सेन्चुरी , तेलुगु संस्करण, आईएसबीएन 978–93–85829–01–7.

सिंह, उपिन्द्र (2016)। द आइडिया ऑफ एनसिएंट इंडिया : एसे ऑन रिलीजन, पॉलिटिक्स एंड आर्कियोलाजी, आईएसबीएन : 9789351506461, प्रकाशक : नई दिल्ली, सेज (एसएजीई), 2016.

सिंह, उपिन्द्र (2016)। एशियन इनकाऊंटर्स : एक्सप्लारिंग कनेक्टिड हिस्ट्रीज (पारूल पांडया धर के साथ सह–संपादित), आईएसबीएन : 9780198099802, नई दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

सिंह, उपिन्द्र (2016)। बुद्धिज्म इन एशिया : रिवाइवल एंड रिइनवेंशन (नयनजोत लाहिरी के साथ सह–संपादित), आईएसबीएन : 9789350981160, दिल्ली, मनोहर।

सिंह, विपुल (2016)। कंस्ट्रक्शन ऑफ ए रिजनल आइडनटिटी : मेडिवल एंड अर्ली मार्डन परसेपशन ऑफ द रिवराइन बिहार, अभिषेक–बिहार, बिहार राज्य अभिलेखागार, पटना।

त्यागी, जया (2015)। द डायनेमिक्स ऑफ द अर्ली इंडियन हाऊसहोल्ड : डोमेस्टिसिटी, पेट्रोनेज एंड प्रोपर्टी इन टेक्सच्युअल ट्रेडिशन, इन कुमकुम रॉय (संपादित), लुकिंग विदइन, लुकिंग विदआउट, एक्सप्लॉरिंग हाऊसहोल्ड इन द सबकांटिनेंट थ्रू टाइम, आईएसबीएन : 978–93–84082–33–8, प्रीमस बुक्स।

वेलुथट, केशवन (2015)। व्यापार, बाजार और शहरीकरण : मध्यकालीन केरल में साहित्य की अवधारणाएं, इन स्टडीज इन पिपल्स हिस्ट्री, 2, 1.

वेलुथट, केशवन (2016)। सशत्रम, कारिताम, मानविकता : समकालीन समस्याकाल (विज्ञान, इतिहास, मानवीयता : समसामयिक मुद्दें), के सच्चिदानंद (संपादित) इंडिया फासिस्टथिलेकु?, कोट्टायम, डीसी बुक्स।

जोऊ, डेविड (2016)। उत्तर–पूर्वी भारत में वर्तमान हिस्टारिग्राफी में पर्यावरण, सामाजिक पहचान और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, स्टडीज इन हिस्ट्री 32(1) : 1–13.

जोऊ, डेविड वमलालियन (2015)। मिररस ऑफ ट्रिब्यूट्री पॉलिसी : चीफ एंड ओवरलोर्डस एट द फ्रिंज ऑफ अपर बर्मा एंड मणिपुर, इन जिन खान थ्यांग एंड पी. सुआनटक (संपादित) : ट्रिब्यूट्री हिल पालिटी : चीफ्स एंड ओवरलोर्डस इन नार्थन चिन हिल्स, सिरका 1800–1948, नई दिल्ली, मित्तल प्रकाशन, 1–18.

जोऊ, डेविड वमलालियन (2016)। मीणा, राधाकृष्ण (संपादित) सिटीजन फर्स्ट : स्टडीज ऑन ट्राइबल, आदिवासी एंड इंडिजिनस पीपल्स ऑफ इंडिया में "पीपल्स पावर एंड बिलिफ इन नार्थईस्ट इंडिया", नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, रिलिज्ड इन द यूएसए एंड इंडिया।

अनुसंधान परियोजनाएं

डा0 अनिरूद्ध देशपांडे, द बार्डर सिक्योरिटी फोर्स, एस एफ– इतिहास लेखन परियोजना, कुल प्राप्त अनुदान : 75,000 रूपये/महिना (जुलाई–नवम्बर, 2015); नवम्बर 2015 में पूरी हुई।

डा0 चारू गुप्ता, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, पैराडाक्सिज ऑफ सिम्पेथी : दलित वूमन एंड आइकोनोग्राफिज ऑफ सफरिंग, विक्टिमहुड एंड सबसरविएंस, कुल प्राप्त अनुदान : 1,20,000.

डा0 मनीषा चौधरी : अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, द डेपिक्शन ऑफ मल्टी–फेसिटिड लाइफ स्टाइल्स इन द भित्ती चित्रकारी ऑफ सेठ का रामगढ़ और नवलगढ़ हवेलीयां : ए स्टडी इनटू पापुलर नालेज सिस्टम एंड रोल ऑफ ट्रेडर्स, कुल प्राप्त अनुदान : 1,50,000 रूपये, 2016.

डा0 पारूल पांडया धार, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, सोशियो–पॉलिटिकल एलगोरिज इन चौलुक्य आर्ट, कुल प्राप्त अनुदान : 50,000 रूपये, 2015.

डा0 पारूल पांडया धार, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, आर्किटेक्चरल ट्रांसफार्मेशंस : एनसिएंट इंडिया एंड इंडोनेशिया, कुल प्राप्त अनुदान : 1 लाख रूपये, 2016.

डा0 संघमित्र मिश्रा, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, ट्रेड, ट्रिब्यूट एंड टेरिटरी इन द गारो हिल्स : मिड एटिन्थ टू द मिड नाइन्टिंथ सेन्चुरी, कुल प्राप्त अनुदान : 60,000 रूपये, 2015.

प्रो0 सीमा बावा, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, विज्युएलाइजिंग द एपिक इन नरेटिव रिलीफज : द रामायणा, इमेजरी, टेक्स्ट एंड कंटेक्सट (सी, 5वीं से 7वीं सेंचुरीज सी ई); कुल प्राप्त अनुदान : 140,000 रूपये।

डा0 शालिन जैन, प्रो0 फिलिप क्लाइटन ऑफ कलेरमांट लिंकलन विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया, यूएसए के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

डा0 विजया लक्ष्मी सिंह, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, बनारस शहर– त्यौहार, मेले, तीर्थ, घाट और धार्मिक स्मारक : एक नृजाति ऐतिहासिक जांच (महिल–पुरूष संबंधों के विशेष संदर्भ सहित), कुल प्राप्त अनुदान : 1.35 लाख, 2016.

डा0 यासिर अराफात पोथुकांदियिल : अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, इनकाऊंटरिंग अर्ली काफिर्स : रिजेन्टमेन्ट एंड टेक्सच्युअल रेजिस्टेंस ऑफ द उलेमा ऑन द साऊथ–वेस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया, 2015–2016, कुल प्राप्त अनुदान : 1.5 लाख।

आयोजित किए गए सम्मेलन

प्रो0 सुनिल कुमार ने वार्षिक भारतीय आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास संबंधी वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला का सह–आयोजन किया, स्टेन आडिटोरियम, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली, दिसम्बर, 2015.

प्रो0 जया त्यागी ने फरवरी–मार्च, 2016 में महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में फेमिनिस्ट थ्यूरीज एंड मैथडालाजिज विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डा0 सुरेन्द्र कुमार ने दिनांक 4 मार्च, 2016 और 9 अप्रैल, 2016 को कंस्टीट्यूशन क्लब, दिल्ली में राजीव गांधी अध्ययन सर्किल के समन्वयक के तौर पर दो राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया – 1. जर्नी ऑफ मार्डर्न इंडिया 2. डा0 अम्बेडकर का योगदान, फंडिंग एजेंसी : राजीव गांधी अध्ययन सर्किल।

डा0 विजय लक्ष्मी सिंह ने वर्ष 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय में यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, सीपीडीएचई के चार सप्ताह के ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आर्योजन और समन्वय किया, फंडिंग एजेंसी : यूजीसी।

डा0 विजय लक्ष्मी सिंह ने वर्ष 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय में यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, 3 से 6 दिवसीय कार्यशालाओं के 60 चक्रों का आयोंजन और समन्वय किया, फंडिंग एजेंसी : यूजीसी।

डा0 विजय लक्ष्मी सिंह ने फरवरी, 2015 में तीन सप्ताह की अवधि के 20 रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों का आयोजन और समन्वय किया।

डा0 चारू गुप्ता 6–9 मार्च, 2016 को बीआरएसी विश्वविद्यालय, ढाका और कॉक्स बाजार, बंगलादेश में 'मेन, मेस्कुलिनिटी एंड एसआरएचआर' विषय पर आयोजित कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन एवं सह–आयोजक थी।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

प्रो0 बी.पी. साहू ने दिसम्बर, 2015 में एएचएस द्वारा आईसी, गौर–बंगा विश्वविद्यालय, मालदा में आयोजित 76 वें सत्र में ''भारत में राज्य और धर्म: भूतकाल और वर्तमान'' विषय पर आयोजित पेनल में रिचुअल्स ऑफ पावर ऑन कांस्टिट्यूटिंग कन्सेन्ट टू रूल : ए स्टडी ऑफ द सुल्कीस इन अर्ली मेडिवल ओडिशा विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 बी.पी. साहू ने इतिहास विभाग, केन्द्रिय विश्वविद्यालय कर्नाटक, गुलबर्ग द्वारा जनवरी, 2016 में ''प्री–कालोनियल डेक्कन : हिस्ट्री, कल्चर एंड लिटरेचर'' विषय पर आयोजित किए गए अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'एवरी डेय लाइव्ज, एवरी डेय हिस्ट्रीज, टूवर्डस अंडरस्टेंडिंग सोसायटी इन पोस्ट–मौर्यन डेक्कन' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 जाफरी ने दिसम्बर, 2015 में अलीगढ़ हिस्टारियन सोसायटी द्वारा आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस के 76 वें सत्र, गौर–बंगा विश्वविद्यालय, मालदा (पश्चिमी बंगाल) में 'रिलीजन एंड स्टेट इन द वर्ल्ड ऑफ रिबेल्स ऑफ 1857 : एन एनलिसिस ऑफ द डाक्यूमेंटस, प्रोक्लेमेशंस एंड मैमरीज' नामक पत्र प्रस्तुत किया, जो रिलीजन एंड स्टेट इन इंडिया : पास्ट एंड प्रजेन्ट विषय पर आयोजित पेनल के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

प्रो0 सुनील कुमार ने जुलाई, 2015 में नियर एंड मिडल ईस्टर्न स्टडीज सेमिनार इंस्टीट्यूट, लुडविंग मैक्सीमिलियंस विश्वविद्यालय, मुनिच में ''डीप स्ट्रक्चर्स : द कैपिटल ऑफ द दिल्ली सुल्तान एंड द रिवराइन प्लेन ऑफ दिल्ली, सीए 13वीं–14वीं सेंन्चुरी'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सुनील कुमार ने मई, 2015 में लुडविग मैक्सीमिलियन्स विश्वविद्यालय, मुनिच में इनोगरल प्रोफेसरियल लेक्चर में पॉलिटिक्स, हिस्ट्री एंड फॉकलोर एंड मेकिंग ऑफ हजरत–ए–दिल्ली, सीए 1200–1300 सीई विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सुनील कुमार ने जून, 2015 में ईरानियन अध्ययन संस्थान, वेन्ना में पॉलिटिक्स, हिस्ट्री एंड फॉकलोर एंड मेकिंग ऑफ हजरत–ए–दिल्ली, सीए 1200–1300 सीई विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 फरहत हसन ने नवम्बर, 2015 में जेएनयू (दिल्ली) और बिल्गी विश्वविद्यालय (इस्तांबुल, तुर्की) द्वारा संयुक्त तौर पर ''कल्चरल एनकाउंटर्स एंड इंटरएक्शंस : ओट्टोमन, मुगल, विजयनगर एम्पायर्स एंड बियोंड'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द रूल स्ट्रक्चर इन द मुगल एंड ओट्टोमन एम्पायर्स : टूवर्डस ए कम्पेरेटिव मॉडल ऑफ स्टेटफॉरमेशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 फरहत हसन ने नवम्बर, 2015 मे जेएनयू (दिल्ली) और त्रिनिटी कॉलेज (डबलिन) द्वारा 'कनफीगुरिंग अर्ली मार्डन साऊथ एशिया' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द इंटेरोगेशन ऑफ रिलीजियस थॉट एंड प्रेक्टिस इन अर्ली मार्डन इंडिया : द हेरिटिक एंड हिज सोशल मैमरी' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा अलवई ने वर्ष 2015 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'द अरेबिक इंटरल्युड इन द ट्रांजिशन टू मार्डन इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा अलवई ने वर्ष 2015 में जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'मुस्लिम कोस्मोपॉलीटनिज्मद इन द एज ऑफ एंपायर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा अलवई ने वर्ष 2015 में सिंगापुर विश्वविद्यालय, सिंगापुर में 'हाजी इमदादुलाह मक्की इन द एज ऑफ एम्पायर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा अलवई ने वर्ष 2016 में जीसस एंड मेरी कान्वेंट, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मुस्लिम कोस्मोपोलीटनिज्म इन द एज ऑफ एम्पायर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा अलवई ने वर्ष 2016 में कोलकाता विश्वविद्यालय में 'मुस्लिम कोस्मोपालीस इन द नाइन्टिंथ सेन्चुरी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा अलवई ने वर्ष 2016 में येल विश्वविद्यालय, यूएसए में 'मुस्लिम कोस्मोपोलीटनिज्म इन द एज ऑफ एम्पायर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा अलवई ने वर्ष 2016 में टफ्टस विश्वविद्यालय, यूएसए में 'यूनानी हीलिंग इन अर्ली माडर्न इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 जया त्यागी ने मार्च, 2016 में श्रीवेंकटेश्वर कॉलेज में आयोजित सेमिनार में 'स्टेटिजिक इनक्लुजन ऑफ द 'अदर' रिकंस्ट्रक्टिंग सोशियल हिस्ट्रीज फ्राम पुराणिक ट्रेडिशंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 जया त्यागी ने मार्च, 2016 में पीजीडीएवी कॉलेज में भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय पर आयोजित सेमिनार में 'रिप्रजंटेशंस ऑफ विमिन इन अर्ली हिस्टारिक ट्रेडिशंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 जया त्यागी ने फरवरी, 2016 में श्यामलाल कॉलेज में 'कास्ट एंड जेंडर' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में जेंडर, वर्ण एंड सोशल प्रोपर्टी इन अर्ली पुराणिक ट्रेडिशंस : रिडिफाइनिंग सोशियल कैटेगिरिज इन अर्ली इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा बावा ने फरवरी, 2016 में रामलाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'लिमिटस ऑफ हिस्ट्री' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सीमा बावा ने अप्रैल, 2015 में ईस्टर्न रिसर्च कमीशन ऑफ द कमीटी ऑफ एथनॉलाजिकल साइंसिज, पॉलिस एकेडमी ऑफ साइंसिज एंड डिपार्टमेंट ऑफ एथनालाजी एंड कल्चरल एंथ्रोपोलोजी, निकोलस कापरनिकस यूनिवर्सिटी ऑफ टाऊन द्वारा बेडलेवो, पाजनन के नजदीक में 'करंट हिमालयन रिसर्च : एप्रोचिज मेथडोलॉजिज' विषय पर आयोजित सम्मेलन में ' रथयात्रा ऑफ बटुका महादेव एट छत्राई : समआर्ट हिस्टारिकल एंड रिलीजियस इंक्वायरीज' शीर्षक के तहत पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 अंशु मल्होत्रा ने दिसम्बर, 2015 में 'नरेटिव्स ऑफ ट्रांसफार्मेशन लैंग्वेज, कन्वर्जन एंड इंडियन ट्रेडिशंस ऑफ ऑटोबायोग्राफी' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'डिस्सोनेंस, रूजीज एंड सर्च फार रेज्योल्यूशंस इन पिरो वर्स ऑटोबायोग्राफी फ्राम मिड–नाइन्टिंथ सेंचुरी पंजाब' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 अंशु मल्होत्रा ने नवंबर, 2015 में सेंटर ऑफ ह्यूमन वेल्यूज एंड एथिक्स, गुरू गोबिन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'आईडेंटिटी एसरशंस एंड कंफ्लिक्ट्स इन साऊथ एशिया' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द मिरेकल ऑफ द गुरू, द एजेंसी ऑफ द डिसिपल : अंडर स्टेंडिंग एजेन्सी इन एन ऑटोबायोग्राफिकल फ्रेगमेंट' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 अंशु मल्होत्रा ने अप्रैल, 2015 में द नेहरू मेमोरियल एंड लाइब्रेरी, नई दिल्ली में ''न्यू परस्पेक्टिव ऑन पंजाब स्टडीज : रिथिंकिंग हिस्टारियोग्राफी'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'एग्नास्टिक रिलिजियोस्टि, जेंडर्ड सेल्फ एंड कंवर्जन नरेटिव' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 अंशु मल्होत्रा ने अप्रैल, 2015 में येल विश्वविद्यालय में ''गुरूज : मेपिंग स्प्रिच्युलिटी इन कंटम्परेरी इंडिया'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'ए डेविएंट मेवरिक ऑर ए सर्वेंट मानिस्ट? कंट्रडीक्ट्री परसेपशंस ऑफ गुरू गुलाबदास' (1809–1873) शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 चारू गुप्ता ने सितम्बर, 2015 में इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द जेंडर कास्ट : रिप्रजेंटिंग दलित' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने अक्तूबर, 2015 में अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'द जेंडर कास्ट : रिप्रजेंटिंग दलित' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने अक्तूबर, 2015 में सरोजिनी नायडु महिला अध्ययन केन्द्र जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली में 'जेंडर्ड हिस्टोरियोग्राफिज ऑफ कालोनियल इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने अक्तूबर, 2015 में राजनीतिक विज्ञान विभाग, जिसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली के अकादमिक विषय पर 'जेंडरिंग माडर्न इंडिया : इन्टिमेट मैटर्स, पब्लिक डिबेट्स' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने नवंबर, 2015 में डा0 जाकिर हुसैन कॉलेज (यौन प्रताड़ना संबंधी आंतरिक शिकायत समिति), दिल्ली में 'विमिन, सेक्सुएलिटी, आईडेंटिटी एंड सेंसरशिप' विषय पर एक मुख्य अभिभाषण दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने फरवरी, 2016 में श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''कास्ट एंड जेंडर : हिस्टारिकल परस्पेक्टिव'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'जेंडर आफ कास्ट' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने फरवरी, 2016 में मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'डिस्टार्टिंग हिस्टी, मैन्युफैक्चरिंग कल्चर' विषय पर आयोजित सेमिनार में फारबिडन इंटीमेसिज : जेंडर एंड हिन्दु आईडेंटीटिज इन 1920–30, नॉर्थ इंडिया विषय पर मुख्य भाषण दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने मार्च, 2016 में मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''स्टेट, सोसायटी एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ लेबल्स'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'वेम्प, विक्टिम, वीरांगना : कन्सट्रक्टिंग दलित विमिन इन नार्थ इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने मार्च, 2016 में रोटरी क्लब, दक्षिणी दिल्ली में '(इम) पासिबल लव इन इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने नवम्बर, 2015 में मौलाना अब्दुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता में ''इंडियाज क्रिटिकल ट्रेडिशन एंड मौलाना आजाद'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'डिजायरिंग माडर्निटी : रिलिजियस कनवर्जंस एंड दलित विमिन इन कालोनियल यूनाइटेड प्रोविन्सिज' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डा0 चारू गुप्ता ने दिसम्बर, 2015 में यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफार्ड, ऑक्सफार्ड में समसामयिक दक्षिण एशियाई सेमिनार श्रंखला में 'द जेंडर ऑफ कास्ट : रिप्रजेन्टिंग दलित' विषय पर व्याख्यान दिया।

डा0 विपुल ने वर्ष 2015 में कागवा विश्वविद्यालय, टाकामाटसु, जापान में 'पूर्वी एशियाई पर्यावरणीय इतिहास' विषय पर आयोजित तीसरे सम्मेलन में 'रिवर, टेक्नालाजी एंड रूल : एनाटामी ऑफ मेडिवल एंड माडर्न कैनाल कंस्ट्रक्शन इन द गंगा बेसिन, इंडिया' शीर्षक वाला व्याख्यान दिया।

डा0 विजय लक्ष्मी सिंह ने मार्च, 2016 में एमिटी यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित सम्मेलन में इंटरनेलाइजिंग द रिवोल्यूशन एंड सर्चिंग फार जेंडर इक्विलिटी : पास्ट एंड प्रजेन्ट, थीमिंग अपआन प्लेनेट 50 50 : स्टेप इट अप फार जेंडर इक्विलिटी विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 संतोष राय ने मार्च, 2016 में भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में ''18वीं और 19वीं सदी के श्रोत'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'एक्सपलारिंग सोर्सिज फार द सोशल हिस्ट्री आफ नाइन्टिंथ सेन्चुरी यूनाइटेड प्रोविन्सिज' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 संतोष राय ने मार्च, 2015 मे इतिहास विभाग, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''डज हिस्ट्री ब्रेथ : सम परसेप्शंस'' विषय पर आयोजित किए गए राष्ट्रीय सेमिनार में 'चिल्ड्रन ऑफ कबीर : मुस्लिम जुलाहा विवर्स इन कालोनियन नार्थ इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 शालिन जैन ने दिसम्बर, 2015 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनएसी) नई दिल्ली द्वारा ''इंडिया–लाओस : इंटर कल्चरल लिंकेज'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कनेक्टिड हिस्ट्रीज : कल्चरल इंटरएक्शन बिटविन इंडिया एंड लाओस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 यासिर अराफात ने जुलाई, 2015 में गवर्नमेंट ग्रेजुएट कॉलेज, मोकरी, यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल, भारत में ''हिस्ट्री एंड आइडंटिटी : सिचुएटिंग द 'डिसिप्लिन' इन कंटेम्परेरी केरल'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 संघमित्र मिश्रा ने फरवरी, 2016 में सेंटर फार इंटरनेशनल पॉलिटिक्स, ऑर्गेनाइजेशन एंड डिसार्मामेंट, स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा ''बार्डर्स इन ग्लोबल साऊथ'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'आर्डरिंग एंड आरिएंटिंग स्पेसेज : द इकोलाजी ऑफ ब्रिटीश इम्पीरिएलिज्म' शीर्षक के तहत पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 सुरेन्द्र कुमार ने जनवरी, 2016 में सेसोम गलर्स कॉलेज, बीकानेर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में विमिन राइट्स ''चैलेंजिज एंड साल्युशंस'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 मनीषा चौधरी ने मार्च, 2016 में भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित एवं आयोजित ''कंटम्परेरी इंडियन थिंकर्स'' नामक राष्ट्रीय सेमिनार में 'विजन एजुकेशन एंड कमिटिड कलाम : नरेटिव्स ऑफ लाइफ एंड जील टू एचिव ड्रीम्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 सज्जन कुमार ने वर्ष 2016 में सर छोटूराम चीर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा ''हरियाणा की सांस्कृतिक और सैन्य विरासत'' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'ए केस स्टडी ऑफ टेंजिबल हेरिटेज फार डिवलपमेंट ऑफ टूरिज्म इन हरियाणा' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 सज्जन कुमार ने वर्ष 2015 में जेवीएमजीआरआर कॉलेज, चरखी दादरी, हरियाणा द्वारा ''भारत की विरासत : चुनौतियां एवं संभावनाएं'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'राजतरंगिणी में वर्णित नारी' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल डिग्रियां
एम.फिल. : 26
पीएच.डी. : 23

संकाय संख्या
स्थायी : 37

अन्य महत्वपूर्ण सूचना
डा0 अंशु मल्होत्रा : येल विश्वविद्यालय, यूएसए (2015), सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 चारू गुप्ता : यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यू के (2015), बीआरएसी विश्वविद्यालय, बंगलादेश (2016) : मुख्य वकता, सम्मेलन पेनलों का आयोजन किया, व्याख्यान, विचार–विमर्श, शोध कार्य, सम्मेलन प्रस्तुतिकरण और कार्यशालाओं का आयोजन।

डा0 संघमित्र मिश्रा : एसओएएस और ब्रिटिश पुस्कालय, लंदन, आर्काइवल कार्य।

डा0 विजय लक्ष्मी सिंह : आईजेएएस सम्मेलन, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी परिसर, बोस्टन यूएसए, पत्र प्रस्तुति।

डा0 विपुल सिंह : क्योटो विश्वविद्यालय, क्योटो। वर्कशाप ऑन माडलिंग फार इनवायरनमेंटल हयुमनिटिज पर रिसर्च इंस्टीट्यूट फार मैथमेटिकल साईंसिज।

डा0 राहुल गोविंद : ब्रिटिश लाइब्रेरी, लंदन, आर्कीवल कार्य।

प्रोफेसर नयनजोत लाहिरी : ऑस्ट्रेलिया–इंडिया इंस्टीट्यूट (मेलबोर्न), यूनिवर्सिटी ऑफ पेराडेनिया (कैंडी), बेन्द्रानायक सेंटर ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (कॉलंबो), आमंत्रित किए जाने पर व्याख्यान दिए।

प्रो0 सीमा अलबी : टफ्टस यूनिवर्सिटी, यूएसए, येल यूनिवर्सिटी, यूएसए, सिंगापुर विश्वविद्यालय, सिंगापुर, एनवाईयू, अबुधाबी, इन विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध प्रस्तुत किए।

प्रो0 सीमा बावा : म्यूजियम ऑफ एशियाटिश कुनस्ट, बर्लिन, टॉक आन मैत्रीमूतिस एंड मैत्रीदेवीज ऑफ मथुरा एवं संबद्ध स्थल, 30 अप्रैल, 2015.

प्रो0 सुनील कुमार : इंस्टीट्यूट ऑफ नियर एंड मिडल ईस्टर्न सेमिनार, लुडविग मैक्सीमिलियंस यूनिवर्सिटी, मुनिच, इंस्टीट्यूट ऑफ ईरानियन स्टडीज, वियना, स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज, लंदन विश्वविद्यालय, टोयो बुनको, टोक्यो, जापान। सम्मेलन प्रस्तुतियां, व्याख्यान, विचार–विमर्श, शोध मार्गदर्शन।

प्रो0 उपिन्द्र सिंह : न्यूयार्क यूनिवर्सिटी– शंघाई, विक्टोरिया एंड एल्बर्ट म्यूजियम, लंदन, गेट्टी इंस्टीट्यूट, लास एंजेलिस, में व्याख्यान दिए, गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया।

राजनीतिक विज्ञान

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस विभाग की स्थापना 1952 में की गई थी, इसमे स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संख्या धीरे–धीरे बढती गई जो प्रारंभ में 40 से बढ़कर वर्तमान में 1,000 तक पहुॅच गई है।

विभाग ने भारतीय वास्तविकता को दृढता से ध्यान में रखते हुए अनुसंधान और शिक्षण दोनों ही क्षेत्रों में राजनीतिक विज्ञान के क्षेत्र में व्यापक और तुलनात्मक अध्ययन को बढावा दिया है। इसने राजनीतिक जांच के लिए केन्द्रों को डि–सेंटर करने और एक ऐसा शोध एजेंडा तैयार करने का प्रयास किया हैं, जो औपनिवेशिक काल के बाद के संदर्भो में विचार और प्रैक्टिस के प्रभावशाली यूरोपीयन मॉडल की स्वीकार्यता पर प्रश्न उठाता है, जबकि यह भी स्वीकार किया गया है कि इन माडलों को लागू करना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण हैं। विभाग ने, विशेष तौर पर पश्चिमी राजनीतिक सिद्धान्त के साथ–साथ और उसकी तुलना करते हुए भारतीय राजनीतिक सिद्धान्त के साथ–साथ और उसकी तुलना करते हुए भारतीय राजनीतिक विचारों के उप–क्षेत्र में अध्ययन को बढ़ावा दिया है। प्रक्रीयागत तौर पर विभाग सार्वभौम रहा है, जिसने मात्रात्मक और व्याख्यात्मक विश्लेषण दोनों का समर्थन करते हुए सांख्यिकीय और एथनोग्राफिक एवं आर्कीवल अनुसंधान को बढ़ावा दिया है।

विभाग ने 'लोकतंत्र, मानदंड और संस्थाएं' को अपना वर्तमान मुख्य क्षेत्र बनाया है, जो इसके द्वारा आयोजित किए गए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों का मुख्य फोकस रहा है। गत वर्ष किए गए मुख्य कार्यकलापों में सबसे महत्वपूर्ण हैं : तीन अंतर–सांस्थानिक सहयोगात्मक परियोजनाएं और विभिन्न संकायों द्वारा प्रारंभ की गई अन्य मुख्य परियोजनाएं और एमए राजनीतिक विज्ञान कार्यक्रम के लिए 31 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को शामिल किया जाना है।

आनर्स / विशिष्टताएं

प्रो0 नवनीता चढ्ढा बेहेरा जून, 2015 से जुलाई, 2015 तक आईबीआईईएस और वारसा विश्वविद्यालय पोलैंड में इरेसमस मुंडस विजिटिंग फैलो रहे।

पीएच.डी. स्कॉलर अंबुजा कुमार त्रिपाठी को ब्राऊन इंटरनेशनल एडवांसड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीआईएआरआई) फैलोशिप, यूएसए, 2015 प्रदान किया गया।

पीएच.डी. स्कॉलर अलिया जमन को ब्राऊन इंटरनेशनल एडवांसड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीआईएआरआई) फैलोशिप, यूएसए, 2015 प्रदान किया गया।

पीएच.डी. स्कॉलर कोमल को यूके स्टडी ट्यूर, भारत सरकार, 2015 अवार्ड प्रदान किया गया।

पीएच.डी. स्कॉलर पूजा बक्शी का यूथ डेलीगेट, ब्रिक्स यूथ समिट, मास्को, 2015 के तौर पर चयन हुआ।

पीएच.डी. स्कॉलर पूजा बक्शी ने एशियाई क्षेत्र राष्ट्रमंडल युवा एवं युवा नेता मंच, दिल्ली, 2015 में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

प्रकाशन

आचार्य, अशोक (2015) ''द ग्राऊंडस फार, एंड लिमिटस ऑफ, अफरमेटिव एक्शन पालिसी इन इंडिया'' का प्रकाशन सुभाष कश्यप, आईएसपीसी परियोजना : पर्सन द्वारा संपादित 'संवैधानिक विकास और भारत में शासन' में किया गया।

बनर्जी, मधुलिका (2015)। 'आयुर्वेदिक मेडिसिन्स इन कादीर', इन इंडिया सोशल डिवलपमेंट रिपोर्ट 2014 : चैलेन्जिज ऑफ पब्लिक हेल्थ, संपादन इमराना कादीर एवं काऊंसिल फार सोशल डिवलपमेंट आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 153–160.

बेहेरा, नवनीता चढ्ढा (2016)। ''नालेज प्रोडेक्शन'', 'ग्लोबल आईआर एंड रीजनल वर्ल्डस', संबंधी विशेष अंक इंटरनेशनल स्टडीज रिव्यू– 18.

बेहेरा, नवनीता चढ्ढा (2016)। ''द कश्मीर कनफ्लिक्ट : मल्टीपल फाल्टलाइंस'', इन जर्नल ऑफ एशियन सिक्योरिटी एंड इंटरनेशनल अफेयर्स 3, संख्या 1: 41–63.

चक्रबर्ती, बिद्युत (2016)। ''बी.आर. अंबेडकर एंड द हिस्ट्री आफ कंसटीट्यूशनलाइजिंग इंडिया'', कंटम्परेरी साऊथ एशिया 24, संख्या 2 फार्थकमिंग।

चक्रबर्ती, बिद्युत (2015)। ''लोकेलाइजिंग गवर्नेंस :प्रोज एंड कोन्स'', इंटरनेशनल जर्नल आफ अर्बन साइंसिज 19, संख्या–2.

चक्रबर्ती, बिद्युत (2015)। ''नरेटिवाइजिंग विमिन एम्पावरमेंट इन इंडिया'' इंडियन जर्नल आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, संख्या 1.

चक्रबर्ती, बिद्युत (2015)। ''यूनिवर्सल बेनिफिट :ट्रस्टीशिप इन गांधियन परस्पेक्टिव'', मार्डर्न एशियन स्टडीज 49: 2.

चौधरी, नसरीन (2016)। विशेष अंक ''डिस्पलेस्मेंट–ए 'स्टेट आफ एक्सेप्शन' एंड बियांड : इश्यूज एंड परस्पेक्टिवज इन फोर्सड माइग्रेशन इन साऊथ एशिया, मार्जेनेलिटि एंड स्टेट ऑफ एक्सेप्शन इन कैम्पस इन साऊथ एशिया,'' की अतिथि एंव संपादक और लेखक, इन इंटरनेशनल जर्नल आफ माइग्रशेन एंड बार्डर स्टडीज 2, अंक 2.

चक्रबर्ती, बिद्युत एंड प्रकाश चंद (2016)। इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन इनएन इवोल्यूशनरी परस्पेक्टिव, नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशंस, आईएसबीएन 978–9–351–50733–8.

चक्रबर्ती, बिद्युत एंड प्रकाश चंद (2016)। 'पब्लिक पालिसी : कन्सेप्ट, थ्यूरी एंड प्रैक्टिस, नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशंस, आईएसबीएन– 13 : 978–9351509257.

चक्रबर्ती, बिद्युत एंड सुगातो हाजरा (2016)। विनिंग द मेन्डेट : द इंडियन एक्सपीरियंस, नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशंस, आईएसबीएन 978–93–515–0744–4.

चक्रबर्ती, बिद्युत (2015)। लेफ्ट रेडिकेलिज्म इन इंडिया : लंदन एवं न्यूयार्क, राऊटलेज, (आईएसबीएन 978–0–415–81032–6).

चक्रबर्ती, बिद्युत (2016)। एथिक्स इन गवर्नेंस इन इंडिया : लंदन एवं न्यूयार्क, राऊटलेज, (आईएसबीएन 978–1–317–32909–1).

चक्रबर्ती, बिद्युत– लोकेलाइटिंग गवर्नेंस एंड पार्टिसिपेशन इन इंडिया : लंदन एवं न्यूयार्क, राऊटलेज, (फार्थकमिंग) आईएसबीएन 978–1–138–69400–2.

चौधरी, सुनील के, एवं योगेश अटल, (संपादित) (2015)। राइट टर्न इन इंडियन पालिटी : मोदी ऑन बीजेपी चैरिटल, दिल्ली, हर–आनंद पब्लिकेशंस, आईएसबीएन : 978–81–241–1888–7, पृष्ठ : 248.

दत्ता, प्रदीप कुमार (2015)। ''को–ऑपरेशन एंड को–ऑपरेटिव्ज : द ग्लोबल डायलेमाज ऑफ टैगोर रूरल डेमाक्रेसी'', लिटरेचर कम्पास 12/5 : 184–193, 10.1111/एलआईसी3. 12232.

देव, राजेश (2015)। ''इंस्टीट्यूशनेलाइजिंग सोशल पालिसिज इन द मार्जिनस : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ 'नरेगा' इन मेघालय एंड झारखंड'', इन पालिटिक्स ऑफ वेलफेअर : कम्पेरिजन एक्रास इंडियन स्टेटस, संपादन लुईज टिलिन ईटी.एएल., दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, आईएसबीएन : 978–0199460120.

गिरी, सरोज (2016)। ''द हैप्पी एकसीडेंट ऑफ ए यूरोपिया'' इन एन अमेरिकन यूरोपिया, डुअल पावर एंड द यूनिवर्सल आर्मी, संपादन–फ्रेडरिक जेमसन एंड सलावेज जिजेक, लंदन : वर्सो।

गिरी, सरोज (2016)। ''रेडिकल सबजेक्टिविटी कान्ट्रा स्टानिज्म'', क्राइसिस एंड क्रिटिक 3, अंक–1.

एच.एम., संजीव कुमार (2016)। ''मेटोनाइमिज ऑफ फीचर इस्लामोफोबिया एंड द मेकिंग ऑफ मुस्लिम आइडंटिठी इन हिन्दी सिनेमा'', सोसायटी एंड कल्चर इन साऊथ एशिया 2, संख्या–2.

एच.एम., संजीव कुमार (2015)। ''रेस्पांडिंग टू वेस्टर्न क्रिटिक्स ऑफ द मुस्लिम वर्ल्ड : डिकंसट्रक्टिंग द क्लिच ऑफ इस्लामोफोबिया एंड द जेनालाजिज ऑफ इस्लामिक एक्सट्रीमिज्म'', ब्रिटिश जर्नल ऑफ मिडल ईस्टर्न स्टडीज 42, संख्या 4: 579–598.

एच.एम., संजीव कुमार, ईटी.एएल. (2016)। 'कंटेम्परारी इंडियन पालिटिक्स, इंटरनल डायनेमिक्स एंड एक्सटर्नल कंपलसंस – एसेज इन ऑनर ऑफ एस.एस. पाटागुंदी, नई दिल्ली : पिन्नेकल लर्निंग, आईएसबीएन : 978–93–83848–23–2.

एच.एम., संजीव कुमार और देव एन. पाठक, संपादन (2016)। भारत में राजनीतिक प्रक्रिया, नई दिल्ली : पिन्नेकल लर्निंग, आईएसबीएन : 978–93–83848–23–2.

एच.एम., संजीव कुमार संपादन (2016)। ''डिकंसट्रक्टिंग इंडिया पाकिस्तान कनफ्लिक्ट : परस्पेक्टिव फ्राम द एपिस्टेमिक कंसेप्शंस ऑफ साऊथ एशियन रीजनल सिक्योरिटी'', इन कंटेम्परेरी इंडियन पालिटिक्सः इंटरनल डायनेमिक्स एंड एक्सटर्नल कम्पलसंस– एसेज इन ऑनर ऑफ एस.एस. पाटागुंदी, एएल. नई दिल्ली : पिन्नेकल लर्निंग, आईएसबीएन : 978–93–83848–23–2.

एच.एम., संजीव कुमार संपादन (2016)। इंट्रोडक्शन, 'मैपिंग इंडिया इंटरनल एंड एक्सटर्नल पालिटिक्स,' इन संजीव कुमार एच.एम. (सह–संपादन), समसामयिक भारतीय राजनीति : आंतरिक आयाम और बाह्य मजबूरियां – एसेज इन ऑनर ऑफ एस.एस. पाटागुंदी, नई दिल्ली : पिन्नेकल लर्निंग, आईएसबीएन : 978–93–83848–23–2.

कुकरेजा, वीना (2015)। ''भारत–पाक संबंध – अतीत और भविष्य'' इन ''इंडिया एंड हर नेबर्स : टुवर्डस ए प्रोएक्टिव पार्टनरशिप,'' संपादन मोहम्मद बदरूल आलम, दिल्ली, कल्पाज प्रकाशन।

कुकरेजा, वीना (2015)। ''बहु–ध्रुवीय विश्व में भारत की विदेश नीति : चुनौतियां एवं अवसर,'' बिहार जर्नल ऑफ पालिटिकल साइंस 4, संख्या–1.

कुकरेजा, वीना (2015)। ''पाकिस्तान आर्मी फ्राम एन इंस्टीट्युशनल प्रेशर ग्रुप टू फाइनल आर्बिटर इन गवर्नेंस,'' द इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एलएक्सआई, संख्या : 3.

कुकरेजा, वीना (2016)। 'द मीनेंस ऑफ नैको पावर इन पाकिस्तान'', इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एलएक्सआईआई, संख्या : 2.

रागी, संगीत कुमार (2015)। ''मिशनरीज एंड नक्सल मूवमेंट इन इंडिया'', डायलाग।

रागी, संगीत कुमार (2015)। ''नेहरू : ए ट्रब्लड इन इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस'', आईएएसएसआई तिमाही 34, संख्या 1–4 : 210–216.

रागी, संगीत कुमार (2015)। प्रशासनिक विचारक, दिल्ली : ट्रिनिटी, आईएसबीएन संख्या 9789351380900.

सक्सेना, रेखा और एम.पी. सिंह (2015)। ''भारत में अन्तर–सरकारी संबंध'', इन इंटरगवर्नमेंटल रिलेशंस इन फेडरल सिस्टम, संपादन जानी पोइरयर , चेरिल सौंडर्स और जॉन किनकेड, टोरंटो : ओयूपी, 9780199022267.

सक्सेना, रेखा (2015)। ''द प्रोबल्मस ऑफ स्टेटहुड इन इंडियन फेडेरेलिज्म : ए केस फार टेरीटेरियल प्लुरेलिज्म।'' इन ग्लोबलाइजेशन एंड गवर्नेंस इन इंडिया : न्यू चैलेंजिज टू सोसायटी एंड इंस्टीट्यूशन, संपादन, हरिहर भट्टाचार्य एवं लियान कोइनिंग। लंदन एवं न्यूयार्क : राऊटलेज, 978–1138853232.

शर्मा, देविका एवं जेसन मिकलिएन (2016)। ''इंडिया ग्लोबल फॉरेन पालिसी इंगेजमेंटस– ए न्यू पैराडिग्म?'' नार्नेजिअन पीस बिल्डिंग रिसोर्स सेंटर रिपोर्ट, जो उपलब्ध है: http://www.peacebuilding.no/var/ezflow_site/storage/original/application/5b8313e0b6a939d7f0aff25b7cb1218b.पीडीएफ.

सिंह, श्रीप्रकाश एवं सुषमा यादव, (संपादित) (2015)। डा0 अंबेडकर ऑन सोशल जस्टिस : लीगल पालिटिकल एंड सोशल लैंड स्केप, नई दिल्ली : मानक प्रकाशन संस्थान (आईआईपीए)।

सिंह, श्रीप्रकाश और सुषमा यादव, संपादित (2015)। कर्तव्य निष्ठा कर्मयोगी : डा0 भीम राव अम्बेडकर, नई दिल्ली : मानक प्रकाशन संस्थान (आईआईपीए)। आईएसबीएन संख्या– 978–7831–378–3.

सिंह, श्रीप्रकाश और सुषमा यादव, संपादित (2015)। ''21वीं सदी का दलित एजेंडा, खंड 1, दिल्ली : ग्लोबस प्रेस, आईएसबीएन संख्या–978–93–82484–073.

सिंह, श्रीप्रकाश और सुषमा यादव, संपादित (2015)। हरिजन, दलित एंड बियांड, दिल्ली : अल्का पब्लिकेशन, आईएसबीएन संख्या–978–93–81434–15–4.

सिंह, श्रीप्रकाश (2015)। चक्रवर्ती राजगोपालाचारी : व्यक्तित्व कर्तव्य विचार, दिल्ली : श्री नटराज प्रकाशन, आईएसबीएन संख्या–978–93–81350–81–2.

सिंह, श्रीप्रकाश और सुषमा यादव, संपादित (2015)। डा0 अम्बेडकर : अल्पसंख्यक प्रश्न एवं संवैधानिक प्रावधान, नई दिल्ली : अनामिका पब्लिशर, आईएसबीएन सख्या–978–81–7975–696–6.

सिंह, उज्जवल (2015)। ''इन सर्च ऑफ 'गुड डेमोक्रेसी' इलेक्ट्राल लॉ, पालिटिकल डायनेमिक्स एंड द इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया'', इन सर्च फार गुड डेमोक्रेसी इन एशिया, संपादन– इनसुब माह हीओक ली, दिल्ली : मानक, 9789378314032.

सिंह, सत्यजीत (2016)। ''उत्तर भात में ग्रामीण वन परिषदों का विकेन्द्रीकरण : विवाद समाधान, पुनः विकेन्द्रीकरण एवं राजनीति'', इंटरकल्चरल स्टडीज 20, रियुकुकू विश्वविद्यालय, जापान।

सिंह, उज्जवल और अनुपमा रॉय (2015)। ''द मेसकुलिनिस्ट सिक्योरिटी स्टेट एंड एंटी–टेरर लॉ रिजीमस इन इंडिया,'' एशियन स्टडीज रिव्यू 39, अंक 2.

सुकुमार, एन. और शैलजा मेनन (2015)। ''मानव प्रतिष्ठा और मानवाधिकार'' संबंधी विशेष अंक के अतिथि संपादक, इन सोशल एक्शन।

सुकुमार, एन. और शैलजा मेनन (2015)। ''आर ह्यूमन बीईंग इक्वल इन डिग्निटी एंड राइटस'' सोशल एक्शन क्वार्टरली जर्नल, स्पेशल अंक ''मानवीय गरिमा और मानवाधिकार'', भारतीय सामाजिक संस्थान, नई दिल्ली।

सुकुमार, एन. (2015)। ''वाई बीफ वाज बेनिशड फ्रॉम माई किचन : फूड एंड कल्चरल सेल्फहुड ,'' ईपीडब्ल्यू वेब एक्सक्लुसिव एल संख्या 17. आईएसएसएन (ऑनलाइन)–2349–8846.

सुकुमार, एन. (2015)। मानव प्रतिष्ठा और मानवाधिकार, आईएसएसएन 0037–7627, भारतीय सामाजिक संस्थान, सामाजिक कार्य।

तिवारी, बिपीन कुमार एवं चन्द्र शेखर संपादन, (2015)। धरोहर द ग्लोरी ऑफ द नार्थ–ईस्ट ज्ञानदेय– ***V***. दिल्ली विश्वविद्यालय।

शोध परियोजनाएं

डा0 बिपिन के. तिवारी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, प्रोजेक्ट ऑन ''नॉन ट्रेडिशनल सिक्योरिटी इन इंडिया : अंडरस्टेंडिंग इनवायरनमेंटल इश्यूज इन हिमालयन रीजन।

डा0 नसरीन चौधरी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, प्रोजेक्ट ऑफ 'जेंडर्ड डायमेंशन ऑफ माइग्रेशन इन इंडिया।'

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा, एएल–आख्यान यूनिवर्सिटी, मोरक्को एवं न्यू स्कूल, न्यूयार्क, यूएसए प्रोजेक्ट ऑन आईआर टेक्सट बुक : ए ग्लोबल साऊथ परस्पेक्टिव।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा, कॉलेज ऑफ विलियम्स एवं मैरी, यूएसए प्रोजेक्ट ऑन टिचिंग रिसर्च एंड इंटरनेशनल (टीआरआईपी), प्रोजेक्ट सर्वे।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा, आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट ऑन रिवर्किंग द नॉलेज स्ट्रक्चर इन इंटरनेशनल रिलेशंस : इंडियन कंट्रीब्यूशंस।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा, यूनिवर्सियाड डे एंडेज, कोलम्बिया, यूनिवर्सिटी ऑफ कोपनहेगन, डेनमार्क एवं मेकालेस्टर कॉलेज, यूएसए, प्रोजेक्ट ऑन वर्ल्ड ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस स्कालरशिप : जियो–कल्चरल एपिस्टेमॉलिजिन।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा, वर्ल्ड बैंक इनवालम्मेंट स्टडीज कमिटी (डब्ल्यूआईएससी) एवं मौलाना अब्दुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान (एमएकेएआईएस), प्रोजेक्ट ऑन अल्टरनेटिव कास्मालाजिज एंड नॉलेज सिस्टम इन आईआर।

प्रो0 प्रकाश सिंह, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली, सीएसटीटी ग्लोसरी ऑफ पालिटिकल साइंस डिक्शनरी।

प्रो0 प्रकाश सिंह, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली, सीएसटीटी फंडामेंटल्स ऑफ पालिटिकल साइंस।

प्रो0 प्रकाश सिंह, प्राचीन भारतीय यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, प्रोजेक्ट ऑन राजनीतिक चिंतन परम्पराओं का विश्लेषण।

डा0 राजेश देव, किंग्स कॉलेज, लंदन एवं सीएसडीएस, दिल्ली कम्पेरेटिव स्टेट पालिटिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी।

प्रो0 रेखा सक्सेना, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट ऑन पालिटिकल साइंस जेंडर्ड फेडेरेलिज्म : ए केस स्टडी ऑफ इंडिया।

प्रो0 संगीत के. रागी, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट ऑन डिकोडिंग मुज्जफरनगर राइट्स 2013 : राल ऑफ स्टेट, सोशल मीडिया एवं पालिटिकल पार्टिज।

प्रो0 सत्यजित सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट ऑन लोकल गवर्नमेंटस, क्लाइमेट चेंज एंड एडेप्शन।

प्रो0 उज्ज्वल के. सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोजेक्ट ऑन इलेक्ट्रान पालिटिक्स एंड इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया।

प्रो0 उज्ज्वल के सिंह/नवनीता सी. बेहेरा (विभागाध्यक्ष के तौर पर) यूजीसी सीएएस–एसएपी–1 ग्लोबलाइजेशन, डेमोक्रेसी एंड जस्टिस।

प्रो0 उज्जवल के. सिंह/प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा (विभागाध्यक्ष के तौर पर यूजीसी/सीएएस/एसएपी) डेमाक्रेसी, नार्मस एंड इंस्टीट्युशंस।

प्रो0 उज्जवल के. सिंह/प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा (विभागाध्यक्ष के तौर पर) यूरोपीयन यूनियन एक्सचेंज बाय प्रोमाटिंग क्वालिटी एजुकेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन साऊथ–ईस्ट एशिया (एक्सपर्टस ।।।)।

आयोजित सम्मेलन

दिनांक 21–22 अगस्त, 2015 को लॉ, इंस्टीट्यूशंस एंड पालिटिकल फिलोसॉफी।

आयोजित कार्यशालाएं/सेमिनार

दिनांक 7–8 अगस्त, 2015 को जेंडर, आइडेंटिटी एंड माइग्रेशन इन इंडिया विषय पर।

7 दिसम्बर, 2015 को राऊंडटेबल डिस्कसन ऑन इंटरगवर्नमेंटल रिलेशंस इन इंडिया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा, को अन्वेषक कार्यशालाओं की मेजबानी हेतु वर्ल्ड इंटरनेशनल स्टडीज कमिटी (डब्ल्यूआईएससी) द्वारा वन ए ग्लोबल, कंपीटिटीव के लिए बुलाया गया। इसके साथ ही आईसीएसएसआर सम्मेलन अनुदान और मौलान अब्दुल कलाम एशियाई अध्ययन संस्थान द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त वित्तीय सहायता का उपयोग 'इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन इंडिया एंड इंटरनेशनल स्टडीज में तीन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं के आयोजन के लिए किया गया। शुरूआती दो कार्यशालाएं 'एल्टरनेटिव कोस्मोलॉजिज एंड नालेज सिस्टमस इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषय पर आयोजित की गई और इनमें भारत, कोलंबिया, इक्वाडोर, यूएसए, टर्की, मलेशिया दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, डेनमार्क, फिलीपीन्स, जापान, कनाडा, मेक्सिकों एवं जर्मनी के वरिष्ठ और युवा शोधार्थी दोनों ही शामिल थे। दूसरी कार्यशाला के लिए दुनिया भर के सभी भागों से आवेदन करने वाले 45 शोधार्थियों में से अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी समूह द्वारा 18 युवा शोधाथियों का चयन किया गया। तीसरी कार्यशाला 'इन्कलकेटिंग आन्टोलाजिकल कंपीटेन्स : सीइंग द वर्ल्ड/कोस्मोस थ्रू मल्टीपल आन्टोलाजिकल लेंसिज' विषय पर आयोजित की गई, जिसका संचालन प्रो0 टमारा ट्राऊंसवेल द्वारा किया गया। तीनों कार्यशालाओं का आयोजन 9–14 जनवरी, 2014 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में किया गया।

18–27 फरवरी, 2016 को समकालीन भारत के लिए अंबेडकर की मुख्य पुस्तकों की व्याख्या।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

प्रो0 अशोक आचार्य ने दिनांक 4–5 सितम्बर, 2015 को घेंट विश्वविद्यालय, बेल्जियम में 'ग्लोबल जस्टिस : न्यू डासरेक्शंस इन रिसर्च एंड एडवोकेसी, विषय पर आयोजित संगोष्ठी में' अफरमेटिव एकशन एंड द पालिटिक्स ऑफ डिस्एडवांटेज इन द ग्लोबल साऊथ विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

प्रो0 अशोक आचार्य ने जून, 2016 में एडिनबर्ग में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर बायोथिक्स वर्ल्ड कांग्रेस में 'थ्यूरिटाइजिंग वलनेरिबिलिटी : ए ग्लोबल साऊथ परस्पेक्टिव' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

प्रो0 अशोक आचार्य 2 मई को ग्रिफिथ विश्वविद्यालय में 'गांधी कस्मोपालिटिक्स', विषय पर व्याख्यान दिया।

डा0 बिपिन कुमार तिवारी ने रविवार, 28 फरवरी, 2016 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमएसजेई) के साथ सहयोग से भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम–ए), अहमदाबाद में एक्सेसिबल एंड इनक्लुसिव हायर एजुकेशन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'एड्रेसिंग बैरियर्स–फिजिकल एक्सेसिबिलिटी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 नसरीन चौधरी ने 16–19 मार्च, 2016 को इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन, एटलांटा, जार्जिया में 57 वें वार्षिक समारोह में ''पोस्ट–कन्फलिक्ट रिकंसिलिएशन इन श्रीलंका : परफार्मिंग लिबरल ट्रांजिशन'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 नसरीन चौधरी ने 15–16 मई, 2015 को यार्क यूनिवर्सिटी, टोरंटो, कनाडा में सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान परिषद (एसएसएचआरसी) द्वारा अपने रणनीतिक ज्ञान समूह कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित 'ए कनाडियन रिफ्यूजी रिसर्च नेटवर्क : ग्लोबलाइजिंग नालेज' 2008–2015 में एक पेनलिस्ट के तौर पर उपस्थित रही।

डा0 नसरीन चौधरी ने 13–15 मई, 2016 को टोरंटो, ओनटारियो, कनाडा में क्रिमिनालाजी विभाग, रेयर्सन विश्वविद्यालय द्वारा रेयर्सन सेंटर फॉर इमिग्रेशन एंड सेटलमेंट (आरसीआईएस) के सहयोग से आयोजित कनाडाई शरणार्थी एवं बलात प्रवास अध्ययन संघ के 8वें वार्षिक सम्मेलन में 'एडवांसिंग प्रोटेक्शन एंड फास्टेरिंग बिलांगिंग इन ए ग्लोबल ऐरा ऑफ द क्रिमिनलाइजेशन ऑफ माइग्रेशन' विषय पर आयोजित राऊंडटेबल डिस्कशन में पेनलिस्ट थी।

डा0 नसरीन चौधरी ने 30 मई– 1 जून, 2016 को आईआईएएस, शिमला, भारत में 'प्रवास और नागरिकता' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मेकिंग सिटीजन्स फ्राम बिलो : बिलांगिंग एंड राइटस ऑफ रिफ्यूजीन इन कैम्पस इन तमिलनाडु' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 एन सुकुमार ने 16–18 मार्च, 2016 को गुजरात केन्द्रिय विश्वविद्यालय द्वारा फिलोसाफी ऑफ बी.आर. अम्बेडकर इन कंटेमपरेरी पीरियड, आईसीएसएसआर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार 'ए जर्नी विद अम्बेडकर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 एन सुकुमार ने 2 फरवरी, 2016। को स्कूल ऑफ सोशल साइंसीज, इग्नू नई दिल्ली द्वारा 'डिसक्रिमिनेशन, एक्सक्लुजन एंड हुमीलिएशन इन हायर एजुकेशन : पालिटिक्स, पालिसी एंड प्रैक्टिस, विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'कास्ट स्टिगमा इन इंडियन यूनिवर्सिटी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 एन सुकुमार ने 8 से 10 सितम्बर, 2015 को आईसीएसएसआर एवं यूनिवर्सिटी ऑफ लौसान्ने द्वारा आयोजित इंडो–स्विस ज्वाइंट रिसर्च प्रोग्रम इन द सोशल साइंसिज, दूसरा संयुक्त सेमिनार में 'ऑन वेल बिइंग' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 17 मार्च, 2016 को एटलांटा यूएसए में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्टडीज एसोसिएशन के 57वें अधिवेशन में 'एक्सप्लोरिंग पीस' में 'अलटरनेटिव ट्राजेक्टरिज फॉर साऊथ एशियन पीस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया, जो 'इंटर–रिलेशनशिप ऑफ डोमेस्टिक, सिस्टेमिक एंड रीजनल पीस : ए केस स्टडी–साऊथ एशिया एंड इंडियन ओसियन' पेनल मे प्रस्तुत किया गया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 16 मार्च, 2016 को एटलांटा यूएसए में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्टडीज एसोसिएशन के 57वें अधिवेशन में 'एक्सप्लोरिंग पीस' में शुब्रांशु मिश्रा, कनिका राखडा एवं माइकल आर. पोर्टर के साथ 'लुकिंग फार पीस इन साऊथ एशियन कंफ्लिक्ट जोंस, विषय पर आयोजित चर्चा में भाग लिया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 24 अप्रैल 2015 को आईआईसी, नई दिल्ली में 'रिवर्किंग द नालेज स्ट्रक्चर्स इन इंटरनेशनल रिलेशंस : सम इंडियन कंट्रिब्युशंस' विषय पर एक जोरदार कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 23 से 26 सितम्बर 2015 को जियारडिनी–नेक्सोस, सिसली में ईआईएस पेन–यूरोपीयन कांफ्रेंस ऑन इंटरनेशनल रिलेशंस में थामस डीएज, लेने हानसेन और मेरिया राक्वेल के साथ 'इज देअर ए यूरोपीयन एप्रोच टू इंटरनेशनल रिलेशन? द फ्यूचर ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस डिसिप्लिन इन यूरोप' विषय पर आयोजित गोलमेज चर्चा में पेनलिस्ट के तौर पर भाग लिया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 11 से 12 जून 2015 को राजनीतिक और सामाजिक विज्ञान विभाग, केटानिया विश्वविद्यालय, सिसली, ईटली द्वारा 'इनसिक्योरिटी कॉम्प्लेक्सिज : द ईयू एंड मेम्बर स्टेटस रेसपांसिज' विषय पर आयोजित तीसरी वार्षिक आयोजित कार्यशाल में 'इनसिक्योरिटी कॉम्प्लेक्सिज : डिफरेंट व्यूज' विषय पर आयोजित गोलमेज चर्चा में पेनलिस्ट के तौर पर भाग लिया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 3 जून, 2015 को अंतर्राट्रीय संबंध संस्थान, वारसा विश्वविद्यालय में 'इंडिया एज ए ग्लोबल एक्टर :न्यू चैलेंजिज एंड आपरचुनिटीज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में एक पेनलिस्ट थी।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 23 से 26 सितम्बर, 2015 को ईआईएसए पेन–यूरोपीयन कांफ्रेंस ऑन इंटरनेशनल रिलेशंस : गियारडिनी–नाक्सोज सिसिली में 'कॉलोनाइज्ड डिसिप्लिन एंड डिकालोनाइजिंग माइंडस : सम इंडियन इम्प्रींटस' संबंधी पेनल में' मैपिंग द इम्बेडिड प्लुरोलिट्स : सोसायटल बेसिस ऑफ पालिटिकल अथरिटी इन इंडियन ट्रेडिशंस'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 21 मार्च 2016 को यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, काल्ज पार्क, यूएसए में 'सिविलाइजेशन इन एम्ब्रेस : हिस्टारिकल एंड कंटेम्परेरी परस्पेक्टिव आन आइडियाज, पीस एंड वर्ल्ड आर्डर' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पालिटिकल आइडंटिटीज, सावरेन स्टेटस एंड सिविलाइजेशनल पाथ्वेज : एक्सपलारिंग एल्टरनेट फ्यूचर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 नवनीता सी. बेहेरा ने 23 से 26 सितम्बर, 2015 को ईआईएसए पेन–यूरोपीयन कांफ्रेंस ऑन इंटरनेशनल रिलेशंस : गियारडिनी–नाक्सोज सिसिली में एरलीन बी. टिकनेर, गुरमिंदर मामरा एवं जार्ज लासन के साथ 'आफ्टर एम्पायर : न्यू लीगेसिज फार इंटरनेशनल थाट्स' विषय सेमी–प्लीनरी वक्ता था।

प्रो0 प्रकाश सिंह ने 12 अप्रैल, 2016 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा 'प्राचीन भारत और साफ्ट भारत' विषय पर आयोजित सॉफ्ट पावर संबंधी राष्ट्रीय सेमिनार में विदाई भाषण दिया।

प्रो0 प्रकाश सिंह ने 14 अप्रैल, 2016 को डा0 हरि सिंह गौड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश में 'डा0 अम्बेडकर मैमोरियल लेक्चर' विषय पर विदाई भाषण दिया।

प्रो0 प्रकाश सिंह ने 7–9 मार्च, 2016 को बी.बी.ए. केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ में 'डा0 अम्बेडकर ग्लोबल विजन : द एमर्जिंग नालेज सोसायटी इन 21वी सेंचुरी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'डा0 अम्बेडकर एंड अर्बेनाइजेशन' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो0 श्रीप्रकाश सिंह ने 14 मार्च, 2016 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ और आईडीएसए द्वारा 'द रीडिंग आफ सोशल साइंस एंड पालिटिकल फिलासाफी' विषय पर आयोजित किए राष्ट्रीय सेमिनार में 'वैदिक रिसर्च मैथाडालाजी' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो0 श्रीप्रकाश सिंह ने 26 मार्च, 2016 को जीएनडी खालसा कालेज और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा 'रिसर्च मैथाडालाजी' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'वैदिक रिसर्च मैथाडालाजी टू स्टडी इंडियन पालिटिकल थाट' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो0 रेखा सक्सेना ने 2–3 अक्तूबर, 2015 को मांट्रियल, कनाडा में आयोजित आईएसीएफस अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 'एसिमेटरिकल फेडेरेलिज्म : ए की टू इंडिया यूनिटी इन डायवर्सिटी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 रेखा सक्सेना ने 16–17 दिसम्बर, को यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, ब्रिस्टल, यूके में आयोजित लीवर हल्मे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ज्यूडिसियल फेडरेलिज्म इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 रेखा सक्सेना ने 9–11 अप्रैल, 2015 को लीवर हल्मे इंटरनेशनल नेटवर्क, यूके और हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'राज्य सभा, फेडरल ऑर सैकंडरी चैम्बर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 रेखा सक्सेना ने ब्रिघटन, यू के द्वारा वर्ष 2016 में आयोजित यूके पीएसए इंटरनेशनल कांफ्रेंस में 'राज्य सभा एज ए फेडरल चैंबर : ए केस स्टडी ऑफ प्राइवेट मेम्बर बिल्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 संगीत के. रागी ने 4 नवम्बर, 2015 को स्कूल ऑफ स्टडीज इन एनसिएंट हिस्ट्री एंड आर्कियॉलाजी, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में 'सरदार पटेल : नेशनलिज्म एंड स्टेटक्राफ्ट' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो0 संगीत के. रागी ने 18 अप्रैल, 2015 को महाराजा श्याजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बडौदा में 'अम्बेडकर : इश्यू इन चैलेंजिज इन इकानामिक ग्रोथ एंड सोशल जस्टिस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 संजीव कुमार एच.एम. ने 21–23 मई, 2016 को अकादमी ऑफ कम्पेरेटिव फिलासाफी एंड रिलीजन, बेलगावी, कर्नाटक द्वारा आयोजित एवं आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित 'ए पेराडिगम ऑफ इंटिग्रल ह्यूमन डिवलपमेंट इन द थाट्स आफ पंडित दीन दयाल उपाध्याय' राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डेंटालाजी, द ऐज ऑफ रीजन एंड द इंडियन इंटेलेक्च्युअल ट्रेडिशंस' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो0 सत्यजीत सिंह ने 21–22 अगस्त, 2015 में को दिल्ली विश्वविद्यालय, येल एवं बर्मिंघम द्वारा 'इंटरनेशनल वर्कशाप आन लॉ, इंस्टीट्यूशंस एंड पालिटिकल फिलासाफी' विषय पर आयोजित किया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जोगराड फार 'न्याय' फ्राम सरकारियत : एग्रीडे मोरल/एथिकल क्लेम्स एंड पालिटिक्स ऑफ कंजरवेशन इन रूरल गढवाल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 शांता एन. वर्मा ने दिनांक 21–22 अगस्त, 2015 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'विधि संस्थाए एवं राजनीतिक दर्शन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/कार्यशाला में 'इनवायरनमेंटल ईथंस एंड लीगल इंगेजमेंट : कन्टेक्सटिंग साइलेंट वेजी एंड बियांड इन केरल' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा0 सोहिनी गुहा ने 21–22 अगस्त, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'विधि, संस्थाए और राजनीतिक दर्शन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'सोशल जस्टिस इन पोस्ट कालोनियल इंडिया सम प्रेडिकामेंटस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सुनील के चौधरी ने 27 जुलाई, 2016 को पोजनन, पोलैंड में आयोजित 24 वें वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ इंटरनेशनल पालिटिकल साइंस एसोसिएशन में 'इंटीग्रेटिंग द मार्जिनलस :कम्पेयरिंग इजराइल इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सुनील के चौधरी ने 13 से 14 फरवरी, 2016 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ और भारतीय राजनीतिक विज्ञान संघ में 'भारतीय साहित्य में राजनीतिक विचार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'पालिटिकल थिंकिंग इन एनलिस्ट संस्कृत लिटरेचर' विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र– 1 की चर्चा में भाग लिया।

प्रो0 सुनील के चौधरी ने 29–30 जनवरी, 2016 को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और राजनीतिक विज्ञान विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय राजस्थान द्वारा 'भारतीय संविधान और तकनीकी शब्दावली' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'भारतीय राजनीति : बदलती प्रवृतियां' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सुनील के चौधरी ने 28–29 नवम्बर, 2015 को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और नेहरू अध्ययन केन्द्र/राजनीतिक विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 'इंडियाज फारिन पालिसी इन इंटरनेशनल सिस्टम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'भारत–इजराल संबंध बदलती प्रवृतियां' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 सुनील के. चौधरी ने 25 फरवरी, 2015 को इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेन्ट, इलेक्शन कमीशन आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा 'राजनीतिक पार्टियां एवं उनकी कार्यप्रणाली : सुधारों की आवश्यकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'ट्रांसफॉर्मिंग पार्टिज : ट्रेंड्स एंड चैलेंजिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो0 उज्जवल कुमार सिंह ने 29 जून, 2015 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा रीतांजली एवं स्वराज प्रतिष्ठान और अतुल्य भारत अभियान, पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किए एक माह चलने वाले समर स्कूल में 'भारतीय राजनीतिक प्रणाली' विषय पर व्याख्यान दिया।

अन्तर–सांस्थानिक सहयोग
रिसर्च ग्रुप ऑन माडर्न साऊथ एशियन थिंकर्स।

कंटीन्यूटी एंड चेंज इन इंडिया फेडरेलिज्म

डब्लूआईएससी–एमएकेएआईएस–आईआरआईआईएस, यूनिवर्सिडेड सेन फ्रांसीस्को डे क्विटो एंड डीयू वर्कशाप आन 'इनकलकेटिंग आन्टोलाजिकल कम्पीटेंस : सीईंग द वर्ल्ड/कॉस्मोस थ्रू मल्टीपल आन्टोलाजिकल लेंसिज।'

सिस्टम ऑफ रिलेटिडनेस : कल्चर एंड वलनेरिबिलिटी : दलित लाइफ वर्ल्ड इन पोस्ट–लिबरेलाइज्ड इंडिया–

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल. डिग्रियां
पीएच.डी. : 9
एम.फिल. : 15

संकाय संख्या
स्थायी : 19
तदर्थ : 12

अन्य महत्वपूर्ण सूचना
डा0 बिपिन कुमार तिवारी ने जनवरी, 2016 में किंग्स कालेज, लंदन के साथ मेक्सिको यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको तथा हम्बोल्ट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विकलांगता संघ का समन्वय किया।

पीएच.डी. शोधार्थी चांदनी मेहता को शिमला में 2016 में 'इंटीमेसी एंड बिलांगिंग इन कन्टम्परेरी इंडिया' विषय पर आयोजित सम्मेलन में पत्र प्रस्तुति के लिए भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान से सम्मेलन विधि प्राप्त हुई।

पीएच.डी. शोधार्थी चांदनी मेहता को जर्मनी में 2016 में 'यंग साऊथ एशिया स्कालर्स' सम्मेलन पत्र प्रस्तुति के लिए गाटि्टन्जेन विश्वविद्यालय द्वारा सम्मेलन विधि प्राप्त हुई।

एम.ए. विद्यार्थी आदित्य आचार्य को ब्रिक्स युवा समारोह, मास्को, 2015 में युवा प्रतिनिधि के तौर पर चुना गया।

एम.ए. विद्यार्थी आदित्य आचार्य ने एशियाई क्षेत्र राष्ट्रमंडल युवा और युवा नेता मंच, दिल्ली 2015 में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

एम.ए. विद्यार्थी अवंतिका तिवारी का ब्रिक्स युवा समारोह, मास्को, 2015 में युवा प्रतिनिधि के तौर पर चयन किया गया।

एम.ए. विद्यार्थी रेहा मेहता को सीएचई स्कालरशिप, ईजराइल काऊंसिल फार एजकेशन, 2016 प्राप्त हुई।

एम. ए. विद्यार्थी तम्मना शर्मा को अंतरध्वनि, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015 में 'कश्मीरियत' परियोजना के लिए श्रेष्ठ डिस्प्ले अवार्ड प्राप्त हुआ।

एम.ए. विद्यार्थी स्नेहा सारा फेलिक्स को सुमिटोमो कारपोरेशन इंडिया–सेट स्टीफन स्कालरशिप, दिल्ली, 2015 प्राप्त हुई।

एम.ए. विद्यार्थी उत्सा सरमिन को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गोल्डन की इंटरनेशनल आनर अवार्ड प्राप्त हुआ।

सामाजिक कार्य

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा फरवरी, 2015 में राष्ट्रपति भवन में आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन में की गई सिफारिशों के अनुरूप, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को एक सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की स्थापना करने का निर्देश दिया। विश्वविद्यालय ने इस प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली की निगरानी हेतु एक समिति का गठन किया, जिसके अध्यक्ष प्रो0 मनोज के. झा तथा प्रो0 नीरा अग्निमित्रा इसकी सदस्य सचिव थी। इसके लिए पांच गांवों की पहचान कर समुदाय के साथ सहभागिता आधार पर आवश्यकता आधारित कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। विभाग को अभिनिर्धारित गांवों में कार्य की प्रगति की निगरानी हेतु नोडल संस्थान बनाया गया है। प्रधान मंत्री के अधिदेश को ध्यान में रखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय ने इससे संबंधित कार्य विभाग को सौप दिया है। विभाग ने पांच गांवो को चिन्हित किया है तथा एजेंसियों और संस्थाओं के साथ सफलतापूर्वक सहयोग करते हुए लक्षित क्षेत्रों में आवश्यकता आधारित वृहतक्षेत्रों के माध्यम से अधिदेशित एजेंडा को लागू कर रहा है।

सम्मान/विशिष्टताएं

विभाग को आऊटलुक सर्वे में गत 6 वर्षो से नंबर ।। रैंकिंग प्रदान की गई है। टीआईएसएस, जो नंबर एक रैंक पर है, तथा हमारे बीच एकमात्र अंतर अवसंरचनात्मक संघटक है। विभाग को अकादमिक उपलब्धियों, नियोजन तथा अपने विद्यार्थी निकाय के व्यक्तित्व विकास के अर्थों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह विभाग तथा विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

प्रकाशन

अदुसुमाली, एम. (2015)। टूवर्डस सस्टेनेबल कम्युनिटी एंड इंस्टीट्यूशनल रिसपंस टू क्लाइमेट एक्सट्रीम्स : ए सिचुऐटिड एनलिसिस आफ इंस्टीट्यूशंस, कम्युनिटीज एंड देयर रिसपांस टू क्लाइमेट चेंज इन्ड्यूसड डिजास्टर्स इन उत्तराखंड : ईएसआई विशेष अंक 1 आईएसएसएनः 1857–7881 (प्रिंट) और आईएसएसएनः 1857–7431 (आनलाईन)।

अदुसुमाली, एम. और शर्मा (2015)। रिविजिटिंग एंड ईवेल्युएशन इन सोशल वर्क, रजत प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन 978–81–7880–696–9.

अदुसुमाली, एम. (2016)। इंटेरोगेटिंग मेनस्ट्रीम कान्सेप्टस ऑफ हेल्थ एंड वेल बीईंग (एन. इक्बाल, संपादित), इन एस. अलीम (संपादित), पाजिटिव विस्टास इन हेल्थ एंड वेल बीईंग।

अदुसुमाली, एम. और श्रीवास्तव, एस. (2015)। रिफ्लेक्शंस आन एडोलिसेंट हेल्थ ''इनसाइट फ्राम 'यूथ पार्टिसिपेशन' एंड 'एडवोकेसी' इनिशिएटिव इन इंडिया (के. सत्यमूर्ति, संपादन) इन एडोलिसेंट हेल्थ : ए ट्रांसडिस्सीप्लिनरी परस्पेक्टिव, संपादन के. सत्यमूर्ति, चेन्नई, टुडे प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–81992–21–ओ.

अदुसुमाली, एम. (2015)। आधुनिक भारत की समस्याएं और समाधान, एस. चन्द्रा संपादित, टुवर्डस साल्यूशंस, शिवालिक प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–85144–54–7.

अदुसुमाली, एम. और जैनर, एन. (2016)। रेलिवेंस ऑफ फेमिनिस्ट एपिटेमोलाजिज फॉर सोशल वर्क रिसर्च (एम.एन. परमार, संपादित)। इन बी. मेहता (संपादित), रिसर्च फार सोशल वर्क इन इंडिया : ट्रेन्डस एंड चैलेन्जिज, बरौड़ा, समर्थ प्रकाशन, आईएसबीएन 978–81–927226–34.

अदुसुमाली, एम. और जैनर, एन. (2016)। लुकिंग इनवर्ड एंड लुकिंग फारवर्ड 21 वीं सेन्चुरी चैलेंजिंग फार सोशल वर्क प्रोफेशनल्स इन इंडिया/ इन ए सोशल जस्टिस एंड सोशल वर्क प्रोफेशन इन इंडिया चैलेन्जिंग रेस्पांसिज एंड रेस्पांडिंग चैलेन्जिंज, नई दिल्ली, मानस और डिस्ट्रिब्युटर्स, आईएसबीएन 978–93–83231–30–ओ।

अग्निमित्र, एन., झा, एम. के एंड शाहिद, एम. (2015)। सोशल वर्क इन इंडिया : डू वी लव बीईंग एट क्रॉसरोडस? इंडियन जर्नल ऑफ सोशल वर्क, 176(3).

अग्निमित्र, एन., एंड शर्मा, वी. (2015)। एनलाइजिंग द कंटवार्स आफ ओरिएंटेशन : एन एक्सपीरियंस विद स्टूडेन्टस जर्नल, कंटम्परेरी सोशल वर्क, 3(2).

अग्निमित्र, एन. (2015)। ''फील्ड वर्क इन कंटम्परेरी कंटेक्सट विजन एंड इंगेजमेंट'' इन जर्नल आफ सोशल वर्क एजुकेशन, रिसर्च एंड एक्शन, खंड 1, संख्या 1.

अग्निमित्र, एन., (2016)। केयर आफ द एलडरली : ए केस फार नीड बेस्ड इंटरवेंशन, इन एस. भट्ट एंड ए.पी. सिंह (संपादित) ''सोशल वर्क प्रैक्टिस : द चैंजिंग कंटेक्स्ट, नई दिल्ली, द रिडर्स पेराडाईज।

अग्निमित्र, एन., (2015)। एक्सप्लारिंग फील्ड वर्क लिंकेजिज इन इवेल्यूएशन, इन एस. शर्मा एंड एम. अदुसुमाली (संपादन), रिवाइजिंग एसेसमेंट एंड इवेल्यूएशन, नई दिल्ली, रजत प्रकाशन।

आनंद, एम. (2016)। जेंडर्ड एस्पेक्टस ऑफ मेंटल हेल्थ : इश्यूज एंड स्ट्रेटिज। इन एस. अलीम एंड एन. इक्बाल (संपादन) पाजिटिव विस्टास आन हेल्थ एंड वेल–बीईंग, एक्सेल इंडिया।

आनंद, एम. (2015)। वैश्वीकरण और भारतीय स्कूली शिक्षा : प्रभाव और चुनौतिया, यूरोपीयन साइंटिफिक जर्नल, 1, विशेष संस्करण।

आनंद, एम. (2015)। अनवेलिंग जेंडर मेटाफर्स इन स्कूलिंग : नरेटिव्स फ्राम दिल्ली, द सोशिअलियन, 4(1).

आनंद, एम. (2015)। अंडरपिनिंग द थ्यूरीटीकल पैराडिग्म आफ जैंडर मेनस्ट्रीमिंग, सुमनगली, ए जर्नल आफ जैंडर एंड हेरिटेज, 4(1).

आनंद, एम. चौपड़ा, एन. (2015)। 'चाइल्ड मेंटल हेल्थ इन इंडिया द जेंडर स्पेक्ट्रम' इन जेड. मीनाई (संपादन) केयर फार यंग चिल्ड्रनः हेल्थ, न्यूट्रिशंस एंड प्रोटेक्शन, ग्लोबल बुक्स ऑर्गेनाइजेशन।

आनंद, एम. (2015)। अनवेलिंग मेंटल हेल्थ : ए ह्यूमन राइटस परस्पेक्टिव इन एस. चन्द्रा (संपादन) टूवर्डस साल्यूशंस, शिवालिक प्रकाशन।

बेहेरा, पी.सी. (2015)। डिसएबिलिटी, हेल्थ एंड सोशल वर्क, इन भट्ट एंड ए.पी. सिंह (संपादन), सोशल वर्क प्रैक्टिस : द चैंजिंग कंटेक्सट (पृष्ठ 261–276), नई दिल्ली, द रिडर्स पेराडाईज।

भट्ट, एस. (2015)। मनोहर पवार द्वारा सामाजिक एवं सामुदायिक विकास प्रकिया, सोशल चेंज, 45(3), सेज पब्लिकेशन।

भट्ट, एस., एंड फुकन, डी. (2015)। भारत में सामाजिक कार्य शिक्षाः ए रिसोर्स बुक, नई दिल्ली, अल्टर नोट्स प्रेस, आईएसबीएन : 978–81–908923–7–7.

भट्ट, एस. एंड सिंह, ए.पी. (2015)। सोशल वर्क प्रैक्टिस : द चैंजिंग कंटेक्सट, नई दिल्ली, द रिडर्स पेराडाइज, आईएसबीएन : 978–93–82110–43–9.

भट्ट, एस., पठारे, एस एंड वर्गीस, जे. (2015)। सोशल जस्टिस एंड सोशल वर्क प्रोफेशन इन इंडियाः चेलेंजिंग रिसपांस एंड रिसपांडिंग चैलेंजिज, जयपुर, राजस्थान : मानस एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, आईएसबीएन 978–93–83231–30–0.

भट्ट, एस. (2015)। युथ वालन्टेरिज्म इन मैनेजिंग डिजास्टर्स : लर्निंग थ्रू एक्शन इन सी. पटेल (संपादन) 'भारत में सामाजिक विकास : समालोचनात्मक मूल्यांकन' रावत पब्लिकेशंस आईएसबीएन 978–81–316–0748–0.

गोगोई, एम. (2015, जुलाई)। काजीरंगा अंडर थ्रेट : बायोडायवर्सिटी लास एंड इन्क्राचमेंट आफ फारेस्ट लैंड 'इकानामिक एंड पालिटिकल वीकली, एल (28), रिट्राइव्ड फ्राम www.epw.in/reports-states/kaziranga-under-threat.html. से प्राप्त।

झा, एम. (2016)। इंडियन सेक्यूलेरिज्म : नेहरू एज ए सुपरिगो, इन ए. (संपादन), जवाहर लाल नेहरू द इंडियन पालिटी इन परस्पेक्टिव, त्रिवंद्रम : टी.एम. वरझीज फाउंडेशन।

झा, एम. (2016)। दक्षिणपंथी शोर के दौर में वैकल्पिक राजनीति की संभावनाएं। ए.के. त्रिपठी एवं पी.के. सिन्हा (संपादित), वैकल्पिक राजनीति का भविष्य, दिल्ली, अनामिक एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

कौशिक, ए. (2016)। सोशियो–कल्चरल डिटरमिंट्स आफ एक्टिव ऐजिंग : ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ टू लोकेशंस, इंडियन जर्नल आफ जिरोटोलाजी, 30(1).

कौशिक, ए. एंड नागवंशी, एस. (2016)। मार्जिन्स टू सेंटरस्टेज : एमपावरिंग दलित इन इंडिया, लंदन : फ्रंटपेज पब्लिकेशंस, आईएसबीएन : 9789381043196.

कौशिक, ए., एंड सिंह, ए.पी. (2016)। एल्डरली एब्यूज : द टार्निश इन गोल्डन ऐज। इन एस. भट्ट (संपादन), सोशल वर्क प्रैक्टिस : द चेंजिंग कंटेक्सट, आईएसबीएन 978–93–82110–43–9.

कौशिक, ए. (2016)। जागरूकता अभियान और सामाजिक कार्य की अन्य पद्धतियो के साथ इसका संबंध। इन जी. थामस (संपादन), कंटेम्परेरी मैथडस ऑफ सोशल वर्क, शिप्रा पब्लिकेशंस, आईएसबीएन : 978–81–7541–831–8.

पांडे, एन. (2016)। अनवेलिंग द लेयर्स : ए जर्नी इनटू द कवरट्यर्स आफ विमिन पार्टिशन सरवायवर्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल।

पांडे, एन. (2015, अक्तूबर/दिसम्बर)। जेंडर डायनेमिक्स इन व्रत कथा : विमिन लिंक, रिट्राइब्ड, अक्तूबर/नवम्बर, 2015।

पांडे, एन. (2016)। वायलेंट लाइव्ज, वायलेंट फेमिलिज, इन एस. पठारे, एस. भट्ट एवं जे. वर्गीज (संपादित), जस्टिस एंड सोशल वर्क प्रोफेशन इन इंडिया : चैलेंजिंग रिस्पांसिज एंड रेसपांडिंग चैलेंजिज, जयपुर, राजस्थान, मानस।

रानी, एस. (2015)। जातिवाद एवं आरक्षण, दलित दस्तक।

रानी, एस. (2015, जून)। एन एनलिसिस आफ आक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी आफ मार्जिनेलाइज्ड पापुलेशन इन इंडिया, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी, वेल प्रेस प्रकाशन।

रानी, एस. (2015, जनवरी)। एचआईवी/एड्स एंड एरियाज ऑफ काऊंसलिंग, इन इन्द्रप्रस्थ रिव्यू, एन इंटरनेशनल रेफर्ड बाइन्युएल रिसर्च ऑफ ह्युमिनिटीज एंड मल्टीडिस्पलीनरी स्टडीज, 2(1). अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

रानी, एस. (2015, जून)। दलितों (एससी/एसटी) का स्वास्थ्य और असामनता और चुनौतियां। मूल निवासी टाइम्स तनेजा, जे. (2016, अप्रैल)। द प्लाइट आफ चिल्ड्रन ग्रोइंग अप इन एचआईवी एफलिक्टिड फेमिलिज इन दिल्ली। एशियन जर्नल आफ मल्टीडिस्पलीनरी स्टडीज।

रानी, एस. (2014)। सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं– ए केस स्टडी आफ बीएचईएल (भेल), हरिद्वार, उत्तराखंड, नई दिल्ली : क्लासिकल प्रकाशन, आईएसबीएन– 978–81–7054–728–0.

रानी, एस. (2015)। द राइट बेस्ड एप्रोच टुवर्डस चाइल्ड डवलपमेंट : इश्यूज एंड चैलेंजिज, इन एन. चौपड़ा (संपादित), केयर फार यंग चिल्ड्रन : हेल्थ, न्यूट्रिशन एंड प्रोटेक्शन, नई दिल्ली : ग्लोबल बुक्स ऑरगेनाइजेशन, आईएसबीएन– 978–93–80570–98–3.

रॉय, एस. (संपादित) (2015)। सामाजिक कार्य की पद्धतियां और विकास, नई दिल्ली : डिस्कवरी पब्लिशिंग हाऊस, आईएसबीएन–93–5056–707–5.

रॉय, एस. (संपादित) (2015)। सामुदायिक विकास में नए परिपेक्ष्य, नई दिल्ली : अटलांटिक पब्लिशर, आईएसबीएन : 978:81:269–2035–8.

रॉय, एस. (2016)। भारत में दलित और मानवाधिकार उल्लंघन युक्ति कहां हैं? (एस. भट्ट संपादित), इन एस. पठारे (संपादित) 'सोशल जस्टिस एंड सोशल वर्क प्रोफेशन इन इंडिया : चैलेंजिंग रिस्पांसिज एंड रिस्पांडिंग चैलेंजिज (पृष्ठ 167–178), नई दिल्ली : मानस एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, आईएसबीएन–978–9383231–30–0.

शर्मा, एस. (एन.डी.)। बिजनेस एंड कम्युनिटी : द स्टोरी आफ कारपोरेट सोशल रिसपोंसिबिलिटी इन इंडिया। सोशल चेंज, 45(4), 1–4, रिट्रइब्ड 2015, सेज प्रकाशन।

शर्मा, एस. (2015, समर)। फील्डवर्क सुपरविजन : मीटिंग रिक्वायरमेंटस आफ सोशल वर्क एजुकेशन थ्रू क्रिटिकल थिंकिंग, द हांगकांग जर्नल आफ सोशल वर्क, 49(1/2), 1–12.

तनेजा, जे. (2016, मई)। एचआईवी प्रभावित बच्चों के लिए सेवाएं– रिफ्लेक्शन फ्राम द सर्विस प्रोवाइडर, सोशल वर्क एजेकेशन, रिसर्च एंड एक्शन।

वर्मा, एस. (एन.डी.)। ए विंडो, ए विक्टिम, ए मदर : रिथिंकिंग रेजिलिएन्स एंड वेल बीईंग विदइन द कम्पलेक्सिटीज आफ विमिन लाइव्ज इन कश्मीर, इंटरनेशनल : जर्नल आफ मेंटल हेल्थ एंड साइकोसोशल स्पोर्ट इन कंफ्लिक्ट एफेक्टिड एरिया, 13(2), 156–170. डीओआई : 10. 1097/डब्लयूटीएफ। 0000000000000090. आईएसएसएन : 1571–8883.
वर्मा, एस. (2015)। इवोल्विंग कन्सेप्ट आफ रेजिलिएंस : इम्प्लीकेशंस फार रिसर्च एंड प्रैक्टिस, जर्नल आफ सोशल वर्क एजुकेशन, रिसर्च एंड एक्शन, 1(1), 50–57, आईएसएसएन : 2394–4102.

वर्मा, एस. (एन.डी.)। फ्राम टीचिंग टू प्रैक्टिस : रिफ्लेक्टिंग आन द रोल आफ सोशल वर्क एजुकेटर्स। सोशल वक्र जर्नल, 6(1), आईएसएसएन : 0976–5484.

अनुसंधान परियोजनाएं
डा0 अर्चना कौशिक, दिल्ली विश्वविद्यालय अनुसंधान परिषद द्वारा वित पोषित परियोजना यूजिंग शार्ट स्टोरीज एंड एनेक्डॉटस एज एन एंड्रागाजिकल एप्रोच इन सोशल वर्क एजुकेशन, 50 हजार रूपये।

प्रो0 नीरा अग्निमित्रा, इवेल्यूएशन स्टडी ऑन द इनवॉल्वमेंट ऑफ सेल्फ हेल्प ग्रुप्स फार प्रोवाइडिंग सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन टू आगनवाड़ी सेंटर्स इन द स्टेट ऑफ दिल्ली, महिला एवं बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, 3.90 लाख रूपये।

प्रो0 नीरा अग्निमित्रा, कनवरजंस ऑफ सर्विस एंड इटस इम्पेक्ट आन विमिन एंड चिल्ड्रन : ए केस स्टडी आफ ए जेंडर रिसार्स सेंटर–सुविधा केन्द्र, यूजीसी उच्च अध्ययन केन्द्र, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्तर्गत। 40 हजार रूपये।

डा0 नीना पांडे, ''ए स्टडी आन द अवेयरनेस अबाऊट द सेक्सुअल हरेसमेंट ऑफ विमिन एट वर्क प्लेस (निवारण, प्रतिषेध एवं समाधान) अधिनियम, 2013 एमंग्स्ट स्टॉफ ऑफ दिल्ली यूनिवर्सिटी'' परियोजना के लिए अनुसंधान और विकास योजना 2014–2015, 50 हजार रूपये।

डा0 नीना पांडे, सुश्री शशी रानी एवं श्री सुधीर मस्के, परियोजना, जेंडर एंड क्लास एनलिसिस ऑफ कम्यूनल टेंशन इन दिल्ली : ए स्टडी ऑफ बवाना एवं त्रिलोकपुरी एरियाज ऑफ दिल्ली, यूजीसी एनटाइटल्ड। 40 हजार रूपये।

प्रो0 पमेला सिंगला, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान यूनिट द्वारा प्रयोजित परियोजना, इम्पेक्ट ऑफ नेचुरल डिजास्टर्स आन द लाइव्ज ऑफ लोकल पीपल विद ए जेंडर फोकस : ए केस स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर, (अक्तूबर, 2014–सितम्बर, 2015)। 55 हजार रूपये।

प्रो0 पमेला सिंगला, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान यूनिट द्वारा प्रयोजित परियोजना, ''क्लाथ, डिजास्टर्स एंड लाइवलीहुड : ए स्टडी आफ पीपल्स पार्टिशिपेशन थ्रू गूंज।'' (अक्तूबर, 2015–सितम्बर, 2016)। 1.5 लाख रूपये।

डा0 पुष्पांजली झा, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुसंधान यूनिट द्वारा प्रयोजित परियोजना, ''ए स्टडी आन द अवेयरनेस अबाऊट द सेक्सुअल हरेसमेंट आफ विमिन एट वर्क प्लेस (प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन एंड रिड्रेसल) एक्ट 2013, एमंग्स्ट द स्टाफ आफ यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली'', 50 हजार रूपये।

प्रो0 संजय भट्ट, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का पीआरईएम प्रभाग की शोध परियोजना, इवेल्यूएशन स्टडी ऑफ ग्रांट इन ऐड टू वालेंटरी आर्गेनाइजेशंस वर्किंग फॉर द वेलफेयर ऑफ ओबीसी एंड एससी, 8.8 लाख रूपये।

प्रो0 संजय भट्ट, एवीए, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजना ''एशेसिंग सस्टेनेबिलिटी एंड एफेक्टिवनेस ऑफ गवर्नमेंट रिहेबिलिटेशन इनिटिएटिव फार ट्रैफिकड चाइल्ड लेबर्स'', 2.5 लाख रूपये।

प्रो0 संजय भट्ट, सामाजिक कार्य उच्च अध्ययन केन्द्र, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजना, ''कनवरजेंस ऑफ सर्विस एंड इट्स इम्पेक्ट आन विमिन एंड चिल्ड्रन : ए केस स्टडी आफ ए जेंडर रिसोर्स सेंटर–सुविधा केन्द्र''।

प्रो0 संजय भट्ट एवं श्री अभिषेक ठाकुर, सीबीएम इंडिया ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजना ''पावर्टी रिडक्शन मीजरमेंट थ्रू सीबीआर इंटरवेशंस : ए बेस लाइन स्टडी, 6.6 लाख रूपये।

प्रो0 संजय भट्ट, टीपीडीडीएल–सीएसआर एवं टाटा पॉवर लिमिटेड द्वारा प्रयोजित अनुसंधान परियोजना ''स्टडी आन सोशियो इकानामिक फैक्टर्स ऑफ जेजे क्लस्टर्स इनहेबिटेंटस'', 6.5 लाख रूपये।

प्रो0 संजय रॉय एवं श्री प्रताप सी. बेहेरा, सीएएस (यूजीसी) प्रायोजित अनुसंधान परियोजना ''एन एनलिसिस ऑफ स्टेक्हाल्डर परसेप्शंस आन एलीमेंट्री एजुकेशनल इन्टीटलमेंटस : ए स्टडी इन वजीरपुर जेजे कॉलोनी, दिल्ली, 20 हजार रूपये।

डा0 सीमा शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजना, ''हेबिटट, सोशल स्ट्रक्चर एंड इकोनॉमी ऑफ मार्जिनेलाइजेशन : ए स्टडी ऑफ गडोलिया लोहारा कम्युनिटी इन दिल्ली, 68 हजार रूपये।

डा0 सीमा शर्मा, सामाजिक कार्य उच्च अध्ययन केन्द्र, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजना, ''सेक्स वर्क एज ट्रेडिशनल आक्युपेशन : ए स्टडी ऑफ चिल्ड्रन फ्राम बेडिया कम्युनिटी ऑफ दिल्ली'', 40 हजार रूपये।

डा0 सीमा शर्मा, एनवाईसीएस प्रायोजित अनुसंधान परियोजना ''इम्पेक्ट इवेल्युएशन ऑफ स्किल डिवलपमेंट प्रोग्राम ऑफ एनवाईसीएस'', 44 हजार रूपये।

आयोजित किए गए सेमिनार

प्रो0 नीरा अग्निमित्रा, ''डिपार्टमेंट–एजेंसी इंटरफेस'' 18 फरवरी, 2016।

प्रो0 पमेला सिंगला, ''विमिन सेफ्टी एंड डिफेंसिज'', 22–23 फरवरी, 2016.

प्रो0 पमेला सिंगला, ''इंटरनेशनल विमिन डे सेलिब्रेशन, 2016 अजीत विहार, बुराड़ी, 8 मार्च, 2016.

सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

ए. मलाथी ने अप्रैल, 2015 में यूरोपीयन साइंटिफिक इंस्टीट्यूट और जेएनयू, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित 'ग्लोबल अकादमिक मीटिंग' में 'टुवर्डस सस्टेनेबल कम्युनिटी एंड इंस्टीट्यूशनल रिस्पांस टू क्लाइमेट एक्ट्रीम्स : ए सिच्युएटिड एनलिसिस ऑफ इंस्टीट्यूशंस, कम्युनिटीज एंड देयर रिस्पांस टू क्लाइमेट चेंज इन्डयुस्ड डिजास्टर्स इन उत्तराखंड' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

ए. मलाथी ने नवम्बर, 2015 में सेंटर फार अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट एंड रिसर्च, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ईसीडी ''एमरजिंग वर्ल्ड पालिसिज एंड प्रैक्टिस फॉर ईसीडी'' में 'क्रिएटिंग एक्सेस टू अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट सर्विसिज फार वन गुज्जर कम्युनिटीज'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

ए. मलाथी ने नवम्बर, 2015 में सेंटर फार अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट एंड रिसर्च, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ईसीडी ''एमरजिंग वर्ल्ड पालिसिज एंड प्रैक्टिस फॉर ईसीडी'' में डा0 आर.आर. ज्योति के साथ 'ओवरव्यू ऑफ पालिसिज बिलो 3 इयर चिल्ड्रन विषय पर प्रथम लेखक के तौर पर पत्र प्रस्तुत किया।

ए. मलाथी ने मार्च 2015 में डिपार्टमेंट आफ साइक्लॉजी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा ''साइको–सोशल परस्पेक्टिव्ज आन हेल्थ एंड वेलबीईंग'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंटेरोगेटिंग मेनस्ट्रीम कन्सेपशंस ऑफ हेल्थ एंड वेल बीईंग' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अभिषेक ठाकुर ने जुलाई, 2015 में लंदन स्कूल ऑफ इकानामिक्स एंड पालिटिकल साइंस, यूनाइटेड किंगडम द्वारा ''21 वीं सदी में असमानता'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द सोशल एंड इकानामिक कंडीशन ऑफ ट्राइबल माइग्रेंट विमिन डोमेस्टिक वर्कर्स इन मुम्बई : अंडरस्टेंडिंग द सोशल इनइक्विलिटीज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अभिषेक ठाकुर ने फरवरी, 2015 में डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलाजी, जनता शिवरात्री कालेज, मेदिनीनगर, झारखंड द्वारा ''भारत में जनजातीय विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'सोशियो इकानामिक स्टेट्स आफ माइग्रेट विमिन एज डोमेस्टिक वर्कर्स इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

अभिषेक ठाकुर ने मार्च, 2015 में सीआरआरआईडी द्वारा ''कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी इन इंडिया : चैलेंजिज पासिबिलिटीज एंड प्रोस्पैक्टस फार सोशियो इकानामिक ट्रांसफार्मेशन'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ''झारखंड में सीएसआर के माध्यम से समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करना'' शीर्षक के तहत पत्र प्रस्तुत किया।

अर्चना कौशिक ने नवम्बर 2015 में सामाजिक कार्य विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी और पीवीसीएचआर द्वारा ''एंडिंग टार्चर : कलेक्टिव कंसर्न'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'एंडिंग टार्चर : रोल आफ सोशल वर्क एजुकेशल इंस्टीट्यूशंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मीनू आनंद ने 1–4 अप्रैल, 2015 को जवाहर लाल नेहरू, विश्वविद्यालय और यूरोपीयन साइंटिफीक इंस्टीट्यूट द्वारा 'मल्टीडिसीप्लिनरी एप्रोच टूवर्डस ग्लोबलाइजेशन, क्लाइमेट चेंज, डिजास्टर मिटिगेशन, गवर्नेंस एंड ह्यूमन वेल–बीईंग' विषय पर आयोजित ग्लोबल एकेडमिक मीट, 2015 में 'ग्लोबलाइजेशन एंड इंडियन स्कूल एजुकेशन : इम्पेक्ट एंड चैलेंजिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मीनू आनंद ने 1–2 मार्च, 2016 को डिपार्टमेंट आफ साइक्लोजी (यूजीसी डायरेक्शंस), जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा 'साइको–सोशल परस्पेक्टिव आफ हेल्थ एंड वेल बीईंग' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जेंडर्ड एस्पेक्टस आफ मेंटल हेल्थ : इश्यूज एंड स्ट्रेटेजिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मीनू आनंद ने 19–20 नवम्बर, 2015 को सेंटर फार अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट एंड रिसर्च, जामिया मिलिया इस्लामिया एंड सेव द चिल्ड्रन, इंडिया द्वारा 'अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट : इमर्जिंग पालिसिज एंड प्रैक्टिस फार ईसीडी' विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चाइल्ड मेंटल हेल्थ : द जेंडर स्पैक्ट्रम' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मीनू आनंद ने 25–26 सितम्बर को एंथ्रोपालाजी विभाग द्वारा 'एंथ्रोपालाजी ऑफ कार्डियो–मेटाबालिक एडवर्सिटीज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'साइको–सोशल डिटरमिनेंट्स आफ कार्डियो मेटाबालिक एडवर्सिटीज (सीएमए)–ए सोशल वर्क परस्पेक्टिव' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मीनू आनंद ने 20–21 अप्रैल 2015 को श्री गुरूनानक गर्ल्स डिग्री कालेज, लखनऊ द्वारा 'आधुनिक भारत की समस्याएं और समाधान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'अनरेवलिंग मेंटल हेल्थ : ए ह्यूमन राइटस परस्पेक्टिव' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नीना पांडे ने 13–15 फरवरी 2015 को बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय द्वारा 'जेंडर इक्वीलिटी, पावर एंड वोइलेंस अगेंस्ट विमिन, काम्बेटिंग मिथ्स एंड अंडरस्टेंडिंग, लीगल प्रोविजर्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिकंस्ट्रक्टिंग जेंडर कनसियसनेस : एक्सपाइरिंग फ्राम द फील्ड' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नीना पांडे ने 7 अक्तूबर 2015 को एमिटी इंस्टीट्युट ऑफ एजुकेशन, नई दिल्ली में 'राइट टू एजुकेशन : इक्वल राइट एंड ऑपारच्युनिटीज फार सोशल पार्टिसिपेशन ऑफ स्टुडेंटस फ्राम मार्जिनेलाइज्ड सेक्शन आफ द सोसाइटी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नीना पांडे ने 24–26 अक्तूबर 2015 को लाडनूं, राजस्थान में आयोजित तिसरी इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस (आईएसडब्ल्यूसी) में 'एग्जामिनिंग रेप थ्रू द लेस ऑफ इमेंसिपेट्री एप्रोच' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नीना पांडे ने 30 एवं 31 अक्तूबर, 2015 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में ''लैंग्वेज, आइडंटिटी एंड सोसायटी : सेन्ट्रेलिटी ऑफ लैंग्वेज इन फारमेशन ऑफ आइडंटिटी इन कनटम्परेरी सोसायटी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फॉक कल्चर एंड जेंडर' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

नीरा अग्निमित्रा ने 29 जुलाई, 2015 को यूएनडीपी–इस्तांबुल इंटरनेशनल सेंटर फार प्राइवेट सेक्टर इन डिवलपमेंट, फिक्की (एफआईसीसीआई), नई दिल्ली द्वारा ''स्किल्स फार इनक्लुजिव मार्केट्स इन इंडिया : लिवरेजिंग द प्राइवेट सेक्टर'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'स्किलिंग फॉर इनक्लुजिव मार्केट्स : ए केस स्टडी आफ इम्पावर प्रगति' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

पमेला सिंगला ने 28 अगस्त, 2015 को दिल्ली पुलिस मुख्यालय नार्थ डिस्ट्रिक्ट द्वारा ''काऊंसलिंग आफ ईव टीजर्स'', दिल्ली पुलिस के शिष्टाचार प्रोग्राम, एक दिवसीय कार्यशाला सह–इंटरएक्शन, कार्यक्रम में 'इफ एवर दिस हैपन्स टू माई फैमिली' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

पमेला सिंगला ने 14–15 सितम्बर, 2015 को क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर द्वारा ''ह्यूमन ट्रेफिकिंग : चैलेन्जिज एंड इंटरवेशंस'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में 'उज्जवला स्कीम : ए स्टेप टुवर्डस कम्बेटिंग ह्यूमन ट्रैफिकिंग–ए स्टडी ऑफ आन्ध्रा, कर्नाटका एंड महाराष्ट्रा' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

पमेला सिंगला ने 29 सितम्बर, 2015 को न्यू देलही वाईएमसीए, डिपार्टमेंट ऑफ स्टुडेन्ट्स एट यूथ, कल्चरल एंड ट्राइबल कमिटी; आडिटोरियम में 'दिल्ली में महिला सुरक्षा एवं संरक्षा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ के साथ महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

पमेला सिंगला ने 27 अक्तूबर, 2015 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा ''जेंडर सेंसिटाइजेशन अंडर द फेकल्टी डिवलपमेंट प्रोग्राम'' विषय पर आयोजित कार्यशाला के 'जेंडर सेंसिटाइजेशन : ए वे आफ लाइफ' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रताप चन्द्र बेहेरा ने 24–26 अक्तूबर, 2015 को एनएपीएसडब्ल्यूआई और सामाजिक कार्य विभाग, जेवीबीआई, लाडनूं, राजस्थान द्वारा संयुक्त तौर पर ''थर्ड इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस 2015 ऑन कम्युनिटी, इंगेजमेंट, सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सोशल वर्क प्रोफेशन'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में ''डायलेक्टस ऑफ आईसीटी : इम्प्लीकेशंस आन सोशल वर्क प्रैक्टिस'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

पुष्पांजली झा, ने 18 अगस्त, 2015 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा के आईटीईसी/एससीएएपी कार्यक्रम के अन्तर्गत विकासशील देशों से नियोक्ता संगठनों को शामिल करते हुए ''स्किल डिवलपमेंट एंड इम्पलायमेंट जिनिरेशन'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला में 'सेल्फ हेल्प ग्रुपस एंड माइक्रो फाइनेंस फार स्किल डिवलपमेंट एंड इम्पलायमेंट जिनिरेशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

संजय भट्ट ने 27–30 जून, 2016 को सीओईएक्स, सियाल, कोरिया में ''सोशल वर्क, एजुकेशन एंड सोशल डिवलपमेंट 2016'' विषय पर आयोजित संयुक्त विश्व सम्मेलन में 'द चैंजिंग कन्टेक्सट ऑफ सोशल वर्क प्रैक्टिस इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

संजय भट्ट ने 27–30 जून, 2016 को सीओईएक्स, सियाल, कोरिया में 'इंगेजिंग यूथ फार डिजास्टर मैनेजमेंट एंड प्रीवंशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

संजय रॉय ने 10–11 मार्च, 2015 को एनएसीडीओआर द्वारा जीएआईएन और सेंटर फार द स्टडी आफ डिस्क्रिमिनेशन एंड एक्सकलुजन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज, जेएनयू के सहयोग से 'विजन प्लान फार इन्कलुसिव न्यूट्रिशन सिक्योरिटी इन इंडिया फ्राम द परस्पेक्टिव ऑफ सोशियली एक्सक्लुडिड कम्युनिटीज' विषय पर आयोजित कंसलटेशन में पेनलिस्ट की भूमिका निभाई।

संजय रॉय ने डा0 भीमराव अंबेडकर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'इग्नाइटिंग बिलियन माइंडस–अब्दुल कलाम विजन 2020', विषय पर आयोजित सेमिनार सह–अंतर–कालेज प्रतियोगिता में गेस्ट ऑफ ऑनर/पेनलिस्ट थे।

सीमा शर्मा ने 19–20 नवम्बर, 2015 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा ''अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चाइल्डहुड ऑन द मार्जिन्स : चिल्ड्रन ऑफ गडोलिया लुहार इन दिल्ली' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सीमा शर्मा ने 14–15 मई, 2015 को आईआईएम, रायपुर, आईआईसीए एवं एनएलयू बैंगलोर द्वारा आईआईसी, दिल्ली में ''कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी'' विषय पर आयोजित ग्लोबल समिट में ''कम्युनिकेशन स्ट्रेटिजी फार इम्पलीमेंटिंग सीएसआर इनिशिएटिव'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सीमा शर्मा ने 4–5 सितम्बर, 2015 को एशियाई अध्ययन केन्द्र, सेंट ऐंटनी कालेज आक्सफोर्ड, यूके में ''इन सर्च आफ न्यू परस्पेक्टिवज, मैथड्स एंड फाइनर फैक्टर्स आफ आइडंटिटी फार्मेशन– फ्राम ईस्ट एशिया टू द वर्ल्ड'' विषय पर आयोजित वार्षिक अध्ययन कार्यक्रम सम्मेलन में 'रि–एग्जामिनिंग कास्ट आइडंटिटी फ्राम द परस्पेक्टिव ऑफ चिल्ड्रन इन रूरल इंडिया, इन ताईवान' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

शशि रानी देव ने दिनांक 24 से 26 फरवरी, 2016 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान (सीयूआरएजे), 2016 द्वारा इंडियन सोसायटी ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क (आईएसपीएसडब्ल्यू), के XXXIV वे वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रूरल एजुकेशन कैम्प : ए विजडम बेसड लर्निंग पेडागागी टू लीड सोशल ट्रांसफार्मेशन–ए केस स्टडी ऑफ मनपुरा विपेज, किशनगढ़, राजस्थान, विषय पर संयुकत पत्र प्रस्तुत किया।

शशि रानी देव ने सेंटर फार अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट एंड रिसर्च (सीईसीडीआर), जामिया मिलिया इस्लामिया एव सेव द चिल्ड्रन, 2015 द्वारा दिनांक 19–20 नवम्बर, 2015 को ''द राइट बेसड एप्रोच टुवर्डस चाइल्ड डिवलपमेंट : इश्यूज एंड चैलेंजिज'' शीर्षक के तहत आयोजित तीसरे 'अर्ली चाइल्डहुड डिवलपमेंट' संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।
शशि रानी देव ने डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, यूनिवर्सिटी ऑफ मिनीसोटा (ट्विन सिटीज कैम्पस), मिन्नियापोलिस, यूएसए द्वारा संयुक्त तौर पर दिनांक 18 से 20 फरवरी, 2015 को जेएमआई, नई दिल्ली में ''पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर इन ट्रांजिशन : चैलेंजिज एंड ए वे फारवर्ड'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द स्टेट आफ आक्युपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी इन इंडिया : ए नीड ऑफ रिव्यू एंड रिफ्लेक्शन' शीर्षक के तहत पत्र प्रस्तुत किया।

सुधीर मस्के ने दिनांक 24–26 फरवरी, 2016 को डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान एवं आईएसपीएसडब्ल्यू, बैंगलोर द्वारा ''सोशल वर्क एंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट'' विषय पर आयोजित 34 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रूरल एजुकेशन कैम्प : ए विजडम बेसड लर्निंग पेडागागी टू लीड सोशल ट्रांसफार्मेशन (ए केस स्टडी ऑफ मनपुरा विलेज, किशनगढ़, राजस्थान)' विषय पर संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।

सुधीर मस्के ने 24–26 अक्तूबर, 2015 को एनएपीएसडब्ल्यूआई एवं जैन विश्व भारती, लाडनूं, राजस्थान द्वारा आयोजित ''तिसरी इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस : कम्युनिटी इंगेजमेंट, सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सोशल वर्क प्रोफेशन'' में 'एंटी–आप्रेशिव सोशल वर्क थ्यूरी एंड प्रेक्टिस : कंटेक्सचुएलाइजिंग कास्ट डिबेटस इन इंडियन सोशल वर्क एजुकेशन' विषय पर संयुकत तौर पर लिखा गया पत्र प्रस्तुत किया।

सुधीर मस्के ने 24–26 अक्तूबर, 2015 को एनएपीएसडब्ल्यूआई एवं जैन विश्व भारती, लाडनूं, राजस्थान द्वारा आयोजित ''तिसरी इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस : कम्युनिटी इंगेजमेंट, सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सोशल वर्क प्रोफेशन'' में आईटीसी इन सोशल वर्क प्रैक्टिस : प्रोस्पेक्टस फार सोशल चेंज इन इंडिया, विषय पर संयुक्त तौर पर लिखा गया पत्र प्रस्तुत किया।

सुषमा बत्रा ने 24–26 अक्तूबर को एनएपीएसडब्ल्यूआई एवं जैन विश्व भारती, लाडनूं, राजस्थान द्वारा आयोजित ''तिसरी इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस : कम्युनिटी इंगेजमेंट, सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सोशल वर्क प्रोफेशन'' में रिसर्च इन कम्युनिटी इंगेजमेंट, विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल. डिग्रियां

पीएच.डी. : 08
एम.फिल. : 12

संकाय संख्या

स्थायी : 18
तदर्थ : 01

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

यह विभाग एक ऐसे संस्थान के तौर पर उभरकर सामने आया है जिसने सिविल सोसायटी संगठनों, सरकार और देश भर में लोगों के आन्दोलनों के साथ गहन संबंध स्थापित किए हैं।

अत्यधिक लोकप्रिय व्याख्यान श्रंखला के एक भाग के तौर पर एमकेएसएस और स्कूल फार डेमोक्रेसी के सहयोग से लोकतंत्रशाला श्रंखला का आयोजन किया गया।

डा0 बी.आर. अम्बेडकर के 125वीं जयंती को मनाने के लिए 4 अप्रैल, 2016को अम्बेडकर मैमोरियल लेक्चर समिति के सहयोग से दूसरे वार्षिक अंबेडकर मैमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया।

हमारे पूर्व छात्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में बहुत ही प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं। वे सरकारी और गैर–सरकारी निकायों, अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठनों, मीडिया और फिल्मों, जमीनी स्तर के आन्दोलनों, अकादमिक कार्यकलापों और अन्य कार्यकलापों में सक्रिय तौर पर भाग लेते हैं।

अकादमिक चर्चाएं जैसे संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार प्रस्तुतियां, एम.फिल. और पीएच.डी. शोधार्थियों के शोध कार्यों को साझा करना, तथा आमंत्रित किए गए वक्ताओं के साथ चर्चाएं विभाग में किए जाने वाले कुछ शोध कार्यकलाप हैं।

विभाग के विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा पर्यावरणीय चिंताओं के समाधान में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका को बढ़ावा देने के लिए इको–क्लब का गठन किया।

विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्च अध्ययन केन्द्र का विशेष दर्जा प्रदान किया गया है। सीएएस दर्जा विभाग की इस सुदृढ़ स्थिति और मान्यता को बल प्रदान करता है कि यह देश में सोशल वर्क का बहुत ही प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध स्कूल है।

विभाग के संकाय सदस्य सरकार और सिविल सोसायटी संगठनों द्वारा गठित उन सर्वाधिक महत्वपूर्ण समितियों में बहुत ही सक्रिय भूमिका निभाते है, जो नीतिगत और विद्यार्थी सुधारों, आईसीडीएस जैसे महत्वपूर्ण संघटकों के मूल्यांकन, उज्जवला योजना और अन्य कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती है; समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन, एथिक्स समिति, संपादकीय बोर्ड, परामर्शी समितियों के लिए राष्ट्रीय दिशा–निर्देश तैयार करते हैं। वे कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को परामर्शी और शोध सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

विभाग कई विस्तार–सह–प्रदर्शन परियोजनाओं का संचालन भी करता है, जो सभी संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को अपने कौशलों को निखारने तथा सिद्धान्त को व्यवहार में लागू करने में सक्षम बनाते हैं। सामुदायिक विकास और कार्य केन्द्र; सेंटर फार एडोलिसेंट एंड चाइल्ड वेल बीईंग : और जेंडर रिसार्स सेन्टर जैसी परियोजनाओं को विशेष सराहना प्राप्त हुई है।

समाज–शास्त्र

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने 26 फरवरी, 2016 को विवेकानंद हाल, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में एम.एन. श्रीनिवास जन्म सदी समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में, जिसे दो सत्रों में आयोजित किया गया था, काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। स्वागत भाषण प्रो0 अभिजीत दासगुप्ता, विभागाध्यक्ष, समाज–शास्त्र और प्रो0 पामी दुआ, निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानामिक्स ने दिया। कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने प्रो0 श्रीनिवास के साथ अपनी यादों को साझा किया तथा विभाग के लिए उनके योगदान और भारत में समाज–शास्त्र विषय के लिए उनके योगदान का उल्लेख किया। प्रो0 टी.एन. मदन, इंस्टीट्यूट ऑफ इकानामिक ग्रोथ (सेवानिवृत); प्रो0 ए.एम. शाह, समाज–शास्त्र विभाग, डी यू (सेवानिवृत); प्रोफेसर

डेविड गेल्लनेर, आक्सफार्ड विश्वविद्यालय; प्रो0 गोपाल गुरू, सेंटर फॉर पालिटिकल स्टडीज, जेएनयू; प्रो0 रीता बराड़, समाज–शास्त्र विभाग, डी यू, सीनियर फैलो (आईसीएसएसआर); प्रो0 रोमा चटर्जी, समाज–शास्त्र विभाग, डी यू; प्रो0 ई.ए. रामास्वामी, स्वतंत्र स्कॉलर एवं पूर्व संकाय सदस्य, समाज–शास्त्र विभाग, डी यू; प्रो0 आनंद चक्रवर्ती, समाज–शास्त्र विभाग, डी यू (सेवानिवृत), प्रो0 मिनोरू मिओ, इंस्टीट्यूट ऑफ एथनालॉजी, ओसाका, जापान और प्रो0 सव्यासाची, जामिया मिलिया इस्लामिया, दो सत्रों में पेनलिस्ट थे।

सम्मान/विशिष्टताएं

बराड, रीता को तीन समर मंथस के लिए पर्यावरण एवं समाज के अध्ययन, मूनिच, जर्मनी में राचेल कारसन सेंटर में कारसन फैलोशिप प्रदान की गई।

दासगुप्ता, अभिजीत ने यूजीसी के आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत जुलाई, 2015 में एथनालाजिकल इंस्टीट्यूट, मूनिच विश्वविद्यालय, मूनिच, जर्मनी का दौरा किया।

पटेल, तुलसी गोटि्टनजेन विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ अनुसंधान आदान–प्रदान कार्यक्रम की टीम लीडर थी : कनटेसटिड एवेन्यूज ऑफ असिस्टिड रिप्राडेक्टिव टेक्नालाजिज : ए स्टडी ऑफ ट्रांस्नेशनल ट्रांसफर्स एंड क्रास–कल्चरल प्रैक्टिसज (यूजीसी–डीएएडी 2014–2016)। उन्होने नवम्बर–दिसम्बर, 2015 में गोटि्टनजेन विश्वविद्यालय, जर्मनी का दौरा किया।

सुंदर, नंदिनी को ईस्टर बोसर्प पुरस्कार, 2016 प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रो0 सुंदर 27 मई, 2016 को कोपनहेगन में एक सार्वजनिक व्याख्यान देंगी।

तपन, मीनाक्षी को वर्ष 2012 में डी.एस. कोठारी विज्ञान, एथिक्स एवं शिक्षा केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय का सह–समन्वयक नियुक्त किया गया। यह केन्द्र वार्षिक तौर पर डी एस कोठारी मैमोरियल लेक्चर का आयोजन करता है, डीयू के अवर स्नातक कालेजों में विद्यार्थियों और संकाय हेतु एथिक्स और शिक्षा संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन करता है और विद्यार्थियों को वार्षिक तौर पर प्रदान की जाने वाली शिवलाल सहाय छात्रवृत्ति के आधार समाज–शास्त्र विभाग में एम.ए विद्यार्थियों के कार्य सहित शिक्षा संबंधी अनेक विषयों पर वर्किंग पेपर निकालता है।

प्रकाशन

अग्रवाल, अनुजा (2016)। 'क्रिमिनल नेगलेक्ट : हैज द स्टेटस ऑफ डिनोटिफाइड ट्राइब्स इन इंडिया चेंजड सिग्निफिकेंटली पोस्ट–इंडिपेंडस?' हिमल साऊथ एशियन।

अग्रवाल, अनुजा (2015)। 'जेंडर कन्टेक्टस इन द दिल्ली मेट्रो इम्पलिकेशंस ऑफ रिजर्वेशन आफ ए काच फार विमिन (आरूषि शर्मा के साथ सह–लेखन), इंडियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज, 22:3.

अग्रवाल, अनुजा (2015)। सुसाइड आफ ए 'क्रिमिनल' ऑर मर्डर ऑफ द स्टिगमेटाइज्ड? इन काफिला।

अग्रवाल, अनुजा (2015)। हू गेट्स कॉट–फ्राम डेथ रो कनविक्ट टू 'क्रिमिनल्स बाय बर्थ', इन काफिला।

अग्रवाल, अनुजा (2016)। 'विच–हंटिंग' इन इंडिया? : डू वी नीड स्पेशल लॉज? (मधु मेहरा के साथ सह–लेखन), इकानमिक एंड पालिटिकल वीकली,वाल्यूम ।। संख्या 13, 51–57.

अफुन, कमेई (2016)। ''मैपिंग आइडंटिटी एंड एथनिक एसेप्शन इन नार्थ ईस्ट इंडिया : द केस ऑफ द जेलियांगरोग नागाज'', इन अफुन कमेई (संपादन) इनडामिटेबल स्प्रिट : रानी गईडिनलिऊ (1905–1993), नई दिल्ली : जेडडब्ल्यूएडी।

अफुन, कमेई (संपादन) (2016)। इनडोमिटेबल स्प्रिट : रानी गईडिनलिऊ (1905–1993), नई दिल्ली : जेडडब्ल्यूएडी।

अफुन, कमेई (2015)। समाज शास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में 12 मार्च, 2015 को 'नार्थ ईस्ट इंडिया टुडे : सम रिफलेक्शंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का संचालन ।

बर्धन, विकमेन्द्रा (2016)। एन्थ्रपालोजिकल परस्पेक्टिव ऑन डिसएबिलिटी, ''इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनफार्मेशन रिसर्च एंड रिव्यू, खंड 3.

बराड, रीता (2016)। ''एनिमल राइटस बनाम बुलफाइटस : द होर्नस आफ इंडियन डायलेमा'', पर्यावरण सोसायटी पोर्टल, अर्काडिया, संख्या 5, रेसल कार्सन सेंटर फार इनवायरमेंट एंड सोसायटी, http://www.environmentandsociety.org/node/7426.

चटर्जी, रोमा (2016)। ''रिपिटिशन, इम्प्रोवाइजेशन, ट्रेडिशन। डेलियूजेन थीम्स इन द फॉक आर्ट ऑफ बंगाल'', कल्चरल एनलिसिस 15(1).

चटर्जी, रोमा (2016)। ''डच नर्सिंग होम में मौत का अनुभव। ऑन टचिंग द अदर'', इन वीना दा एंड कलारा हन (संपादित), लिविंग एन डाईंग इन द कन्टेम्परेरी वर्ल्ड, बर्ककेले यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया प्रेस।

चटर्जी, रोमा (2016)। स्पीकिंग विद पिक्चर्स, फॉक आर्ट एंड द नरेटिव इमेजिनेशन इन इंडिया, रिप्रिन्टिड।

चौपडा, राधिका (2016)। ''हैबिटस ऑफ ट्रस्ट : सरविट्यूड इन कालोनियल इंडिया'', इन विगडिश ब्राच–डयू एंड मार्गिट वाई स्टेन्स (संपादन), ट्रस्टिंग एंड इट्स ट्रिब्यूलेशंस, न्यू यार्क एंड ऑक्सफोर्ड, बर्धन बुक्स, 2016.

चौपडा, राधिका (2015)। 1984– डिसइंटरड मैमोरिज, सिख फार्मेशंस, रिलीजन, कल्चर, थ्यूरी, स्पेशल अंक– 1984, 1–10.

चौपडा, राधिका (2016)। कमोरेटिंग हर्ट : मैमोरिएलाइजिंग आपरेशन ब्लू स्टार इन रीना रामदेवे एट एल (संपादन) सेंटीमेंट, पालिटिक्स, सेंसरशिप : द स्टेट आफ हर्ट, सेज : नई दिल्ली, 86–109.

चौपडा, राधिका (2015)। जिद्दी मुंडे : पालिटिकल एसिलम, ट्रांसनेशनल मूवमेंट एंड द माइग्रेशंस ऑफ मैन, इन एस. इरूदया राजन, वीजे वर्गिश एवं अश्विनी कुमार नंदा (संपादन) माइग्रेशन, मोबिलिटी एंड मल्टीपल एफिलिएशंस : पंजाबीज इन ए ट्रांसनेशनल वर्ल्ड, कैम्ब्रिज एवं नई दिल्ली कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 133–155.

दासगुप्ता, अभिजीत (2016)। डिस्प्लेसमेंट एंड एक्जाइल : द स्टेट रिफ्यूज रिलेशंस इन इंडिया, नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

देशपांडे, सतीश (2015)। ''लोकसभा चुनाव के बाद डेढ़ साल का जायजा'', आदित्य निगम, पीटर डिसूजा, संजय कुमार एवं हिला अहमद के साथ, इन पार्टीमेन : समय, समाज, संस्कृति, खंड 3, संख्या, 2, 345–71.

देशपांडे, सतीश (2016)। ''द पब्लिक यूनिवर्सिटी आफ्टर रोहित–कन्हैया'', इन इकानामिक एंड पालिटिकल वीकली, खंड 51, संख्या 11, 32–34.

देशपांडे, सतीश (विंटर 2015–स्प्रिंग 2016)। ''वीक स्टूडेंटस एंड एलीट इस्टीट्यूशंस : द चैलेंजिज ऑफ डेमोक्रेटाइजेशन इन द इंडियन यूनिवर्सिटी इन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर क्वार्टरली स्पेशल इश्यू: एजुकेशन एट द क्रॉसरोड्स, 131–42.

पलरीवाला, रजनी (2015)। 'रेशनेलिटी, इंस्ट्रयूमेटिलिटी एंड द अफेक्टिव : क्रासिंग एंड बलरिंग्स इन रिलेशन ऑफ केयर एंड इंटीमेसी' कोरियन जर्नल ऑफ सोशियालाजी, 49(3).

पलरीवाला, रजनी (2015)। ''एक्टस आफ आमिशन एंड कमीशन : द एडवेंचर जुवेनाइल सेक्स रेशयो एंड द इंडियन स्टेट'', इन रविन्द्र कौर (संपादन), टू मैनी मैन, टू फिव विमिन : सोशल कांसीक्यूनेशिज आफ जेंडर इम्बेलेंस इन इंडिया एंड चाइना, दिल्ली, ओरिएन्ट ब्लैकस्वान।

पटेल, तुलसी रेड्डी, सुनीता (2015)। 'देयर आर मैनी ऐग्स इन माई बास्केट : मेडिकल मार्केटस एंड कोमोफाइड बाडिज,' ग्लोबल बायोटेक्स, पृष्ठ 1–15. (आनलाइन जर्नल)।

पटेल, तुलसी, तेन्द्रप, एम, रेड्डी, एस. एवं नीलसन, बीबी (2015)। रिप्रोडक्टिव एथिक्स इन कामर्शियल सेरोगेसी : डिसीजन मेकिंग इन आईवीएफ क्लिनिक्स इन न्यू देहली, इंडिया, जर्नल ऑफ बायोएथिकल इन्क्वायरी।

सम्पत, प्रीति (2015)। 'द गोन इम्पासिज : लैंड राइटस एंड रेजिस्टेंस टू सेज इन गोआ', जर्नल ऑफ पीजेन्ट स्टडीज, 42(3).

साहनी, चारू (2015)। 'विस्थापन और सांस्कृतिक परिवर्तन : द केस ऑफ कश्मीरी हिन्दू' द ईस्टर्न एंथ्रापालोजिस्ट, 68(1).

तपन, मीनाक्षी (2016)। (अंशु सिंह और निधिता श्रीकुमार के साथ) विमिन मोबिलिटी एंड माइग्रेशन। एन एक्सपलोरटरी स्टडी आफ मुस्लिम विमिन माइग्रेंटस इन जामिया नगर, दिल्ली, दीपक के. मिश्रा (संपादित)। इंटरनल माइग्रेशन इन कंटेम्परेरी इंडिया, सेज पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, 47–70.

तपन, मीनाक्षी (2016)। फारवर्ड, वार, मैमोरी एंड ट्रेवल इन शशांक परेरा। वारजोन ट्यूरिज्म इन श्रीलंका। टेल्स फ्राम डार्कर प्लेसिज इन पैराडाइज, सेज पब्लिकेशंस। xv-xvii.

तपन, मीनाक्षी (2016)। बीईंग 'सिंगल' एंड एलोन : तिब्बतियन यूथ इन एक्जाइल इन इंडिया, सोसायटी एंड कल्चर इन साऊथ एशिया। 2(2), 161–181.

वासन, सुधा (2016)। कंज्यूमिंग द टाइगर : एक्सपीरिएंसिंग रियोलिबरल नेचर इन मनीषा राव (संपादन)– रिफ्रेमिंग द इनवायरनमेंट : रिसोर्सिज, रिस्क एंड रेजिस्टेंस इन नियोलिबरल इंडिया, कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, समाज–शास्त्र विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मुम्बई, 23–30.

वासन, सुधा (2016)। शिफ्टिंग द टेरेन ऑफ स्ट्रग्ल : क्रिटिकली इवेल्यूएटिंग द फारेस्ट राइटस एक्ट इन मीना राधाकृष्ण (संपादन) फर्स्ट सिटीजन्स : स्टडीज ऑन ट्राइवल्स : आदिवासी एंड इंडिजिनस पीपल इन इंडिया, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, चेप्टर 11.

अनुसंधान परियोजनाएं

अफुन, कमेई आईसीएसएसआर प्रायोजित मुख्य अनुसंधान परियोजना 'स्टेट, एथनिलिटी एंड डिवलपमेंट : ए स्टडी ऑफ एथनिक एसरशंस, कनफ्लिक्टस एंड मूवमेंटस इन नार्थ ईस्ट इंडिया।'

चटर्जी, रोमा आईएफए द्वारा वित्तपोषित परियोजना 'वर्डस एंड इमेजिज : फॉक आर्ट एंड द नरेटिव इमेजिनेशन' में कार्यरत है।

चोपडा, राधिका, दिल्ली विश्वविद्यालय और बर्गेन विश्वविद्यालय की अनुसंधान परियोजना : 'इंडियन कास्मोपालिटन एल्टरनेटिव्ज : रिचुअल इंटरसेक्शंस एंड द प्रोसक्रिप्शन ऑफ रिलिजियस आफेंस' की परियोजना प्रभारी है।

दासगुप्ता, अभिजीत आईसीएसएसआर की परियोजना 'मुस्लिम आऊटकास्टस इन बंगाल' पर कार्य कर रहे है।

पलरीवाला, रजनी क्योटो यूनिवर्सिटी, मियागी–गाकुईन यूनिवर्सिटी, सेंडई, नियागाटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, नियागाटा और शिबौरा प्रौद्योगिकी संस्थान, टोक्यो के सहयोग से 'ट्रांसफार्मेशंस इन एवरीडे लाइफ एंड जेंडर : लाइफ हिस्ट्रीज ऑफ एल्डर विमिन इन इंडिया' पर कार्य कर रही है।

माइनर कास्मोपालिटेनिज्म। इंटरनेशनल आरटीजी आफ यूनिवर्सिटी आफ पोस्टडैम, फ्रेई यूनिवर्सिटी, बर्लिन और हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी विद यूनिवर्सिटी आफ न्यू साऊथ वेल्स, मैक्वायर यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ केपटाऊन, यूनिवर्सिटी ऑफ प्रीटोरिया, पार्क यूनिवर्सिटी, ड्यूक यूनिवर्सिटी एंड आईएफएलयू।

अन्तर–सांस्थानिक सहयोग

विभाग लिडेन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड और जियानटन यूनिवर्सिटी, हुनान, चीन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए सैद्धान्तिक तौर पर सहमत है। समझौता ज्ञापन के एक भाग के तौर पर विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के आदान–प्रदान करने, कार्यशालाओं, सेमिनारों के आयोजन और पुस्तकों तथा लेखों के प्रकाशन पर सहमति व्यक्त की गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन को मूर्त रूप प्रदान किया जा रहा है।

आयोजित किए गए सम्मेलन

दिनांक 8 अप्रैल, 2015 को 'सावरेनिटी, पब्लिक इंटरेस्ट एंड लैंड एक्विजिशन : लैंड एक्विजिशन बिल, 2015' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ इकानामिक्स (डिपार्टमेंट ऑफ इकानामिक्स, सोशियोलाजी एंड ज्योग्राफी) द्वारा संयुक्त तौर पर किया गया। यह सेमिनार भू–अधिग्रहण संशोधन विधेयक, 2015 और भू–अर्पन, पुनर्वास और पुर्नस्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के बारे में विभिन्न विचारों पर चर्चा के लिए आयोजित किया गया था। इसमें उभरने वाले भू–अधिग्रहण ढ़ांचे में समप्रभुता और लोक हित के प्रश्नों पर चर्चा की गई।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकानामिक्स के सहयोग से प्रो0 मीनाक्षी तपन ने विवेकानंद हाल, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानामिक्स में दिनांक 29 जुलाई, 2015 को प्रोफेसर वीना दास के ''वाट डज आर्डिनरी एथिक्स लुक लाईक? रि–इमेजिंग एवरीडे लाइफ'' विषय पर दिए गए व्याख्यान के साथ प्रो0 डी.एस. कोठारी मैमोरियल लेक्चर का आयोजन किया।

दिनांक 20–21 जनवरी, 2016 को समाज–शास्त्र विभाग में 'जलवायु परिवर्तन' पर तीसरी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला, वर्ष 2014 और वर्ष 2015 में पूर्व में आयोजित की गई दो कार्यशालाओं के पैटर्न को ध्यान में रखते हुए, ने समाज–शास्त्र के दृष्टिकोण से जलवायु परिवर्तन से जुडे हुए मुद्दों के सैद्धान्तिक और गहराई से अध्ययन का अवसर प्रदान किया। कार्यशाला के दौरान संकाय सदस्यों, एम.फिल. और पीएच.डी. विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतियां दी गई। प्रत्येक सत्र में संकाय अथवा व्यापक विद्यार्थी निकाय से किसी विद्यार्थी ने चर्चा में भाग लिया। दिल्ली, एनसीआर और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित 69 भागीदारों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

इस कार्यशाला का शीर्षक 'डिड एनीवन क्राइ एंथ्रापासिन? फ्रेमस फ्राम इंडिया' एजए प्लेफुल टेक आन द स्टोरी आफ द ब्वाय हू क्राइड वुल्फ। इसका उद्देश्य एंथ्रापासिन एक नवीन अवधारणा जो मानव द्वारा किए गए गृह संबंधी परिवर्तनों को दर्शाती है, के विचार की जांच करना था। इस कार्यशाला में प्रारंभिक संबोधन विभागाध्यक्ष, प्रो0 अभिजीत दासगुप्ता द्वारा किया गया और संयोजक, प्रो0 रीता बराड़ द्वारा 'व्हाट माइट वी मीन बाय द एंथ्रापासिन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया गया।

विभाग में 10 और 11 मार्च, 2016 को एक रिसर्च स्कॉलर कार्यशाला का आयोजन किया गया। हमारे विभाग के 10 पीएच.डी. और एम.फिल. स्कालर्स ने चार पेनल में शोध पत्र प्रस्तुत किए : प्रैक्टिसिज ऑफ पैडागागी; सीन्स फ्राम द एवरीडे; नेगोशिएटिंग आइडंटिटी : लॉ, लैंड एंड स्टेट; इनहेरिटिंग कम्युनिटी ; चिल्ड्रन एट द मार्जिन्स। श्रोताओं के अतिरिक्त 20 संकाय और रिसर्च स्कालर्स ने शोध पत्रों के साथ गहन चर्चा में भाग लिया। इस कार्यशाला में 'रिफ्लेकशंस आन फील्ड एंड फील्डवर्क' विषय पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमे वरिष्ठ रिसर्च स्कालर्स और संकाय सदस्यों ने इस विषय पर चर्चा की।

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल. डिग्रियां

पीएच.डी. : 08,
एम.फिल. : 24

संकाय संख्या

स्थायी : 18

गणितीय विज्ञान संकाय
कंप्यूटर विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

पाठ्यक्रमः विभाग कंप्यूटर विज्ञान में दो मास्टर डिग्री कार्यक्रम अर्थात एमसीए और एमएससी चला रहा है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने कम्प्यूटर साइंस में मुख्य क्षमता विकसित करने और छात्रों को विकास का काम करने के साथ ही अनुसंधान के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने उद्देश्य के साथ वर्ष 1982 एमएससी में कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) कार्यक्रम तीन वर्ष का मास्टर और वर्ष 2004 में कंप्यूटर साइंस में एमएससी शुरू किया है।

अनुसंधानः इसके अलावा विभाग में कंप्यूटर साइंस की विभिन्न शाखाओं (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, समानांतर कंप्यूटिंग, डेटाबेस, डेटा माइनिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स, नेटवर्किंग, वेब प्रौद्योगिकी, सूचना सुरक्षा, एल्गोरिदम और जैव सूचना विज्ञान) में मजबूत अनुसंधान में रुचि है और गुणवत्ता युक्त शोधकर्ताओं को तैयार करने के उद्देश्य से डॉक्टर ऑफ फिलास्फी (पीएचडी) कार्यक्रम की पेशकश करता है। वर्तमान में विभाग में लगभग 52 पीएचडी छात्र हैं और वर्ष 2015–16 में 6 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई है। 23 एमएससी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें से कुछ प्रकाशनों के विभिन्न चरणों में हैं।

नियोजनः अमेजन, ब्लैकरॉक, नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स, डायरेक्टी, सुमोजिक, मॉर्गन स्टेनली, नेगारो, थोरोगुड, एकोलाइट, एडोब, एरिस्ट्रोक्रेट जैसी प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनियों ने कैंपस नियोजन प्रक्रिया में भाग लिया। कैंपस नियोजन के दौरान एमसीए और एमएससी के छात्रों को कुल 83 नौकरियों के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। न्यूनतम 15 छात्रों को एक से अधिक नौकरी की पेशकश की गई थी। न्यूनतम और अधिकतम वेतन पैकेज क्रमशः 4.5 लाख वार्षिक और 20 लाख वार्षिक थे।

छात्र गतिविधियाँः कंप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा वार्षिक तकनीकी उत्सव "संकलन" का ग्यारहवां संस्करण आयोजित किया गया। उत्सव में पूरे भारत के कॉलेजों से कंप्यूटर साइंस के लगभग 400 छात्रों ने भाग लिया।

प्रकाशन

विभाग के संकाय द्वारा 2015–2016 के दौरान कुल 24 शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे।

एम. अग्रवाल, एन. अग्रवाल, एस. शर्मा, एल. विग और एन. कुमार, (2015). समानांतर बहु उद्देश्य बहु– रोबोट गठबंधन का गठन। अनुप्रयोग के साथ विशेषज्ञ प्रणालियां, 42 (21), 7797–7811. आईएफ 1.965, एसजेआर 1.487.

ए. बंसल ए, एस.के. मट्टू, वी. कुमार (2016)."बेतरतीब ढंग से चयनित बंद नाइट टूर के साथ सुरक्षित डेटा छिपाव", व्यवहारिक सुरक्षा अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, टेलर व फ्रांसिस, खंड11 नं. 1, पृ. 90–100.

ए. बंसल ए, एस.के. मट्टू, वी. कुमार (2015), "बंद नाइट दौरे के साथ रानी की ऑप्टिमल–मल नियुक्ति से सुरक्षित डेटा छिपाव", आई–प्रबंधक की सूचना प्रौद्योगिकी पत्रिका, खंड 4, नं. 3, पृ. 18–24

बेदी, पूनम, छवि शर्मा, (2016)। सामाजिक नेटवर्क में सामुदायिक जांचः विले अंतःविषयक समीक्षाः डेटा माइनिंग और ज्ञान की खोज 6 (3): 115–135.

पूनम बेदी, पूजा वशिष्ठ। दीपक चांडोलिया और बिपिन कुमार यादव। (2015). विवाद सक्षम रुचि आधारित पर व्यक्तिगत रिकमेंडर प्रणाली, प्रायोगिक और सैद्धांतिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पत्रिका (जेईटीएआई), 27 (2): 199–226, टेलर और फ्रांसिस।

पूनम बेदी और रवीश शर्मा, (2015). एबीएफआरः सामाजिक टैगिंग सिस्टम में ऐंट आधारित दोस्तों की सिफारिश, स्वार्म इंटेलिजेंस की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1 (4): 321–343.

शैली चावला, संगीता श्रीवास्तव और पूनम बेदी, (2016). लक्ष्य और परिदृश्य आधारित वेब आवश्यकताओं की इंजीनियरिंग। कंप्यूटर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 31 (1) जनवरी 2016.

शैली चावला, संगीता श्रीवास्तव और पूनम बेदी, (2015). वेब विशिष्ट लक्ष्य संचालित आवश्यकताओं की इंजीनियरिंग के साथ वेब अनुप्रयोगों की गुणवत्ता में सुधार। प्रणाली आश्वासन इंजीनियरिंग और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड 6: पृ. 1–13, स्प्रिंगर।

शैली चावला, संगीता श्रीवास्तव और पूनम बेदी, (2015). वेबजीआरएल चित्रों के मूल्यांकन के लिए एक गुणात्मक अग्रिम तर्क दृष्टिकोण, सूचना और सिस्टम प्रबंधन की पत्रिका, 5 (1): 1–15.

एस. गुप्ता, बी. खत्री, टी. गुप्ता और एन. कुमार, (2015). बहुआयामी सामाजिक नेटवर्क में सामुदायिक जांच के लिए संशोधित विभाजन एकीकरण विधि। प्राकृतिक संगणना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनसी) में।

एच. हंस, एल. आहूजा और एस. मट्ट, (2016). "स्पैम का पता लगाने व पुनर्निर्धारण के लिए एक अस्पष्ट तार्किक दृष्टिकोण"। इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक की पत्रिका।

विनीता जिंदल, पूनम बेदी, (2016). वाहनों से होने वाले तदर्थ नेटवर्क– परिचय, मानक, रूटिंग प्रोटोकॉल और चुनौतियां। कंप्यूटर विज्ञान के मुद्दों की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका (आईजेसीएसआई). 13 (2): 44–55, 2016.

विनीता जिंदल, पूनम बेदी, (2016). एमएसीओ सहित सीयूडीए जीपीयू का उपयोग कर वीएएनईटी की यात्रा के समय को कम करना, नेटवर्क और अभिनव कम्प्यूटिंग की पत्रिका (जेएनआईसी)। 4 (1): 200–208, 2016.

खालिद अल्हमाजानी, राजीव रंजन, करण मित्रा, थी ए रबही, प्रेम प्रकाश जयरामन, समीउल्लाह खान, एडनेने गुओबतनी, वसुधा भटनागर, (2015), वाणिज्यिक बादल निगरानी उपकरणों का अवलोकनः अनुसंधान आयाम, डिजाइन के मुद्दे, और आधुनिकता। कम्प्यूटिंग 97 (4): 357–377.

एम. भारद्वाज, वी. भटनागर, (2015), एक बेहतर पर्नड वर्गीकारक पहनावे की ओर, मशीन लर्निंग और साइबरनेटिक्स की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड 6, अंक 5, पृ. 699–718 ,

महिंदर पाल सिंह भाटिया, मनजोत भाटिया, सुनील कुमार मट्ट, (2015), सुरक्षित समूह संदेश स्थानांतरण स्टेगोसिस्टम, आईजेआईएसपी 9 (4): 59–76.

मंजू भारद्वाज, कपिल शर्मा, वसुधा भटनागर, (2016) वर्गीकरण एंजेबल्य, पैटर्न पहचान की लागत प्रभावशीलता।

प्रीति नागरथ, संध्या अनेजा, नीलिमा गुप्ता और संजय माद्रिया। (2015). "देरी सहिष्णु नेटवर्क में ब्लैकहोल हमलों को कम करने के लिए प्रोटोकॉल।" वायरलेस नेटवर्क पर स्प्रिंगर पत्रिका, जारी होने की तारीख 10.1007/ एस11276–015–0959–3.

पी मंसूरी, बी असादी, एन गुप्ता, (2015), "नियत बिन्दु की समस्याओं को हल करने के लिए द्विभाजन कृत्रिम बी कॉलोनी एल्गोरिदम"। अनुप्रयुक्त सॉफ्ट कम्प्यूटिंग की एल्सवियर पत्रिका (प्रभाव कारक 2.679), 26, पृ. 143–148.

प्रीति नाग रथ, संध्या अनेजा, नीलिमा गुप्ता और संजय मैद्रिया। (2015). "विलंब सहिष्णु नेटवर्कों में ब्लैकहोल हमले को कम करने के लिए प्रोटोकॉल।"वायरलेस नेटवर्क पर स्प्रिंगर पत्रिका, जारी होने की तारीखः 10.1007/ एस11276–015–0959–3.

राहुल जौहरी, नीलिमा गुप्ता, संध्या अनेजा, (2015), "कॉनकोरः जुड़े नेटवर्क के लिए संदर्भ जागरूक समुदाय उन्मुख राउटिंग मार्ग" वायरलेस संचार और नेटवर्किंग पर यूराशिप पत्रिका, जारी होने की तारीखः 10.1186/ एस13638–015–0357–7.

राजन गुप्ता, सुनील कुमार, मट्टू सैबल, के पाल (2016), भारत जैसे विकासशील देश में एकीकृत उपयोगिता प्रणाली का कार्यान्वयन और विश्लेषण, आईजेईएस 4 (2):11–17.
शर्मा, नीरज कुमार, विभा गौड़, पूनम बेदी, (2016). आक्रमण लचीले प्रतिष्ठा मानकों के साथ खरीदारों की सुरक्षा। सैद्धांतिक और व्यावहारिक इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स अनुसंधान पत्रिका (जेटीएईआर), 11 (1)रू 46–66.

वसुधा भटनागर, संगीता आहूजा, शरणजीत कौर, (2015), विविशिष्टता के विश्लेषण आधारित क्लस्टर पहनावा, डेटा माइनिंग, मॉडलिंग और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाः 7 (2) 83–107.

अनुसंधान परियोजनाएं
डॉ. पूनम बेदी, यूजीसी परियोजनाएं, 2013–2016 शीर्षक "विश्वसनीय सक्रिय समर्थक प्रणाली", रु. 13.38 लाख।

डॉ. पी सी झा, प्रधान अन्वेषक, संचालन अनुसंधान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, डीएसटी (ड्यू–डीएसटी पर्स अनुदान) परियोजनाएं के साथ कंप्यूटर विज्ञान विभाग की संयुक्त प्रधान अन्वेषक, डॉ.. पूनम बेदी, 2014–2018 शीर्षक "डिजाइनिंग गलती सहिष्णु सॉफ्टवेयर प्रणालियों में घटक चयन के लिए बहु–मानदंड अनुकूलन मॉडल के लिए सॉफ्ट कम्प्यूटिंग दृष्टिकोण" । 6.12 लाख रुपए।

डॉ. पूनम बेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–16 के लिए अनुसंधान एवं विकास अनुदान, शीर्षक "छवि स्टेग्नालिसिस के लिए विशेषताओं का चयन"। 1.50 लाख रुपए।

डॉ. नीलिमा गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–16 के लिए अनुसंधान एवं विकास अनुदान, शीर्षक "सुविधा स्थान समस्या के चरों के लिए सन्निकटन एल्गोरिदम।" 1.50 लाख रुपए।

प्रो. वसुधा भटनागर, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–16 के लिए अनुसंधान एवं विकास अनुदान, शीर्षक "जैविक और सामाजिक नेटवर्क का विश्लेषण"। 1.50 लाख रुपए।

डॉ. एस के मट्टू, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–16 के लिए अनुसंधान एवं विकास अनुदान, शीर्षक "एंड्रॉयड मालवेयर का पता लगाना"। 1.40 लाख रुपए।

डॉ. नवीन कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–16 के लिए अनुसंधान एवं विकास अनुदान, शीर्षक "नेटवर्क विश्लेषण"। 1.50 लाख रुपए।

सम्मेलनों का आयोजन
ग्राफ एनालिटिक्स पर एक दिवसीय कार्यशाला, सीएस विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, अप्रैल 2015.

कार्यक्रम के सह–अध्यक्षः बिग डेटा एनालिटिक्स (बीडीए) चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद, भारत, दिसंबर 2015।

सम्मेलनों में वार्ता
डॉ. एस के मट्टूः 3–5 फरवरी, 2016 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में साइबर सुरक्षा में नवाचार और चुनौतियां, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सूचना सुरक्षा" और 18 से 20 फरवरी, 2016 को एसआरएम विश्वविद्यालय में गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान में उन्नत तकनीक विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

डॉ. नवीन कुमार "अनुसंधान क्रियाविधि", चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, 2015. "अनुसंधान क्रियाविधि", 22 जुलाई, 2015, जेपी विश्वविद्यालय, नोएडा।

डॉ. नीलिमा गुप्ताः सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी और सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान की नींव (एफएसटीटीसीएस 2015)रू 35 वां आईएआरसीएस वार्षिक सम्मेलन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर। दिसंबर 2015.

प्रो. वसुधा भटनागर
"सामाजिक नेटवर्क विश्लेषणरू सामाजिक सिद्धांतों कान" बिग डेटा पर राष्ट्रीय संगोष्ठीरू मुद्दे और चुनौतियां, 16 अक्टूबर, 2015, जीआईबीएस, रोहिणी, दिल्ली।
"नेटवर्क विश्लेषण के लिए सामाजिक सिद्धांत", शुक्रवार, 4 दिसंबर, 2015 को जेपी विश्वविद्यालय, नोएडा में "डेटा एनालिटिक्स और सुरक्षा के मुद्दों" पर कार्यशाला ।
रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 11 मार्च, 2016 को हाल की सांख्यिकीय कम्प्यूटिंग तकनीक और उनके आवेदन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण – एक परिचय"।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
एइजु, विश्वविद्यालय, जापान
एपिटेक, सूचना प्रौद्योगिकी का यूरोपीय संस्थान (स्मले क्रेमलिन बिस्त्रे, फ्रांस)

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल उपाधियाँ
प्रदत्त पीएच.डी.: 6

संकाय की संख्याः स्थायीः 6, तदर्थः 6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
त्योहार के दौरान कपड़े दान करने के लिए एक अभियान शुरू किया गया था। एकत्र किए गए कपड़े गूंज नामक एनजीओ को सौंप दिये गए।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के छात्रों ने संकलन के 11वें वर्ष में ऑनलाइन और प्रिंट में दोनों में "सृजन" पत्रिका के पांचवें संस्करण का शुभारंभ किया।

गणित

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
विभाग गणित में एमए/एमएससी और एम. फिल./पीएच. डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। एमए/एमएससी में छात्रों की कुल संख्या 550, एम.फिल कार्यक्रम में 23 और पीएच. डी. में 115 है। विभाग यूजीसी–डीएसए, डीएसटी–पीयूआरएसई और डीएसटी–एफआईएसटी अनुदान द्वारा समर्थित है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की 2016 की रैंकिंग में विभाग 301–400 स्थान पर था। वर्ष 2015–16 के दौरान संकाय सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 43 से अधिक प्रकाशनों का योगदान किया है। कुछ संकाय सदस्य विश्वविद्यालय में निम्न प्रशासनिक पदों पर हैं:

- प्रो. दिनेश सिंह, अक्टूबर 2015 तक कुलपति,
- प्रो. तरुण दास, फरवरी, 2015 से रजिस्ट्रार,
- प्रो. अजय कुमार, डीन अनुसंधान (पीएस और एमएस)

कुछ संकाय सदस्य पेशेवर सोसायटियों और अनुदान एजेंसियों के साथ जुड़े हैं। कई संकाय सदस्यों को विभिन्न विश्वविद्यालयों के यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम की सलाहकार समिति और यूजीसी, डीएसटी और सीएसआईआर के कई समितियों में विशेषज्ञों के रूप में शामिल किया गया है। नियमित शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, विभाग नियमित रूप से सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करता है। वर्ष 2015–16 के दौरान विभाग ने दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, एक राष्ट्रीय कार्यशाला और 17 संगोष्ठियों का आयोजन किया।

सम्मान/विशिष्टता
प्रो. तरुण दास को 2016–17 के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन का अनुभागीय अध्यक्ष (सांख्यिकी सहित गणितीय विज्ञान) निर्वाचित किया गया था। प्रो. दिनेश सिंह, प्रो. बी के दास और प्रो. अजय कुमार भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पूर्व अनुभागीय अध्यक्ष थे।

प्रो तरुण दास को मई, 2015 में मुख्य सतर्कता अधिकारी नियुक्त किया गया था।

प्रो. बी के दास को, मई, 2016 में प्रौद्योगिकी संकाय का डीन नियुक्त किया गया था।

प्रकाशन
2015–2016 के दौरान विभाग के संकायों द्वारा कुल 43 शोध पत्र प्रकाशित किये गए थे। प्रकाशनों की सूची इस प्रकार है:
आर.एम.अली, एस आर मंडल और वी रविचंद्रन, (2015). जोनोलस्की उत्तलता और कॉन्फ्लुएंट हाइपरज्योमेट्रिक कार्यों की सितारा सादृश्यता पर। बेल्जियम गणितीय सोसायटी का बुलेटिन– साइमन स्टेविन, 22 (2), 227–250.

ए बंसल और ए कुमार (2015). हाइजेनबर्ग अनिश्चितता असमानता की सामान्यीकृत सादृश्यताएं। असमानता और अनुप्रयोग की पत्रिका, 2015 (168), 15 पृष्ठ ।

ए बंसल और ए कुमार (2016). गेबर परिवर्तन के लिए हाइजेनबर्ग अनिश्चितता असमानता। गणितीय असमानताओं की पत्रिका, 10 (3), 737–749.

बी वी आर भट्टऔर एस श्रीवास्तव, (2015). मात्रात्मक गतिशील अर्द्ध समूहों की स्थिरता। प्रचालक सिद्धांतः प्रगति और अनुप्रयोग, 250, 67–85.

सी जे के, आर चिल और एस श्रीवास्तव, (2015). दूसरे क्रम की कॉची समस्याओं के लिए कुछ प्रक्षेप रिक्त स्थान की अधिक से अधिक नियमितता। प्रचालक सिद्धांतःप्रगति और अनुप्रयोग, 250, 49–66.

सी चरित, जे दत्ता, और सी.एस. ललिता, (2015). वेक्टर परिवर्तन संबंधी असमानताओं के लिए रिक्त स्थान कार्य करता है। अनुकूलन, 64 (7), 1499–1520.

ए छाबड़ा, बी.के. दास और एस मेहता, (2016). बहु चरण वैकल्पिक असंबंधित सवाल का आरआरटी मॉडल। सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोग, की पत्रिका 15 (1), 80–95.

आर चुघ, एम सिंह, और एल के वशिष्ठ, (2015)। तख्ते पर ऑपरेटरों की छाया। व्यवहारिक और इंजीनियरिंग गणित की टीडब्ल्यूएमएस पत्रिका, 5 (1), 132–144.

बी.के. दास, एन शर्मा, और आर वर्मा, (2015). एक पोसेट ब्लॉक कोड की पैकिंग त्रिज्या। असतत गणित, एल्गोरिदम और अनुप्रयोग, 7 (4), 1550045 (10 पृष्ठ)।

दीपशिखा और एल के वशिष्ठ, (2015)।. उपस्थानों के लिए स्थानीय परमाणुओं की गड़बड़ी पर। विश्लेषण और अनुप्रयोग की पोएनकारे पत्रिका, 2015 (2), 129–137.

एस. दुबे, ए. कुमार और एम.एम. मिश्रा, (201. हाइजेनबर्ग समूह हेमवती में कोरनाइ गेंद के एक टुकड़े के लिए ग्रीन का कार्य। गणित और गणितीय विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2015, 460461 (पृ. 7)।

एस दुबे, ए कुमार और एम.एम. मिश्रा, (2016). हाइजेनबर्ग समूह एचएन के क्षेत्र में न्यूमन मूल्य सीमा समस्या। संभावित विश्लेषण, 45, 119–133.
साक्षी गर्ग और एल के वशिष्ठ, (2015). टोपोलॉजिकल बीजगणित में सटीक फ्रेम पर। गणित की फिलिस्तीनी पत्रिका, 5 (1), 131–134.

ए गौर और ए शर्मा, (2015). अधिकतम जीआरपी से जुड़े रेखा रेखांकन। बीजगणित और संबंधित विषयों की पत्रिका, 3(1), 1–11.

जी कुलचा, एस गुप्ता और बी. के. दास, (2015). वैकल्पिक बेतरतीब प्रतिक्रिया मॉडल का उपयोग कर परिमित जनसंख्या माध्य के अनुपात का अनुमान। सांख्यिकीय सिद्धांत और व्यवहार की पत्रिका, 9(3), 633–645.

जे कौर और एच के. सिंह, (2015). कुछ निश्चित मॉडपी कोहोमोलॉजी रिक्त स्थान पर $\mathbb{S}3$ की स्वतंत्र कार्रवाई के अस्तित्व पर। भारतीय गणितीय सोसायटी की पत्रिका, 82 (3–4), 97–106.

जे कौर, एच के सिंह और टी बी सिंह,(2016). दो प्रक्षेपी रिक्त स्थानों के उत्पाद पर वृत समूह कार्रवाई की। टोपोलॉजी कार्यवाही, 48, 163–172.

जी खट्टर और एल के वशिष्ठ (2015). बनाच रिक्त स्थान में पुनर्निर्माण संपत्ति से संबंधित अभिसरण के कुछ प्रकार। गणितीय विश्लेषण की बनाच पत्रिका, 9 (2), 253–275.।

एस कुमार, (2016). निश्चित देरी के साथ अर्द्ध रैखिक व्यवस्था के हल्के समाधान और आंशिक इष्टतम नियंत्रण। अनुकूलन सिद्धांत और अनुप्रयोग की पत्रिका, जारी होने की तारीखः 10.1007/ एस10957–015–0828–3.

एस कुमार, एस नागपाल और वी रविचंद्रन, (2016). जानोवस्की सितारा सादृश्यता के लिए गुणांक असमानताएं। जांगजियो गणितीय सोसायटी की कार्यवाही, 19 (1), 83–100.

सी.एस. ललिता और पी चटर्जी, (2015). कमजोर दक्षता का उपयोग कर वेक्टर अनुकूलन समस्याओं में लेविटीन–पोलियाक वेल–पोजेडनेस के स्केलराइजेशन। अनुकूलन पत्र, 9 (2), 329–343.

सी.एस., ललिता और पी चटर्जी (2015). सुधार के सेट का उपयोग कर वेक्टर अनुकूलन में स्थिरता और स्केलराइजेशन। अनुकूलन सिद्धांत और अनुप्रयोग की पत्रिका (3), 825–843 ।166(3), 825–843.

सी.एस. ललिता और एम. ढींगरा, (2016). वेल–सेटनेस और सेट अनुकूलन में स्केलराइजेशन। अनुकूलन पत्र, जारी होने की तारीखः 10. 1007ध0942 एस11590–015–जेड।

एस. के. ली, वी. रविचंद्रन, और एस. सुब्रमण्यम, (2015). विश्लेषणात्मक कार्यों की उत्तलता से निकटता और स्टारलाइकनेस। गणित की तमकांग पत्रिका 46 (2), 111–119।

आर. मेद्रिता, एस.नागपाल और वी. रविचंद्रन (2015). घातीय कार्यों के साथ जुड़े स्टारलाइक पर दृढ़ता से एक उपवर्ग। मलेशियाई गणितीय विज्ञान सोसायटी का बुलेटिन, 38 (1), 365–386.

आर. मेद्रिता, एस.नागपाल और वी. रविचंद्रन (2015). निश्चित गुणांक असमानताओं को संतोषजनक निश्चित दूसरी गुणांक के साथ विश्लेषणात्मक कार्य के लिए स्टारलाइकनेस और उत्तलता का राडी। कियुंगपुक गणितीय पत्रिका, 55 (2), 395–410.

आर. मेद्रिता, एस. नागपाल और वी. रविचंद्रन (2015). निश्चित प्रारंभिक गुणांक के साथ विश्लेषणात्मक कार्य के लिए दूसरे क्रम का अंतर सुपरआर्डीनेशन। गणित का दक्षिण पूर्व एशियाई बुलेटिन, 39 (6), 851–864.

एस. नागपाल और वी. रविचंद्रन (2015). हार्मोनिक कोएबी कार्यों के के कनवल्शन गुण और 2–स्टारलाइक मैपिंग के साथ इसके संबंध। जटिल चर और अण्डाकार समीकरण, 60 (2), 191–210.

पी. राय और के. के. शर्मा, (2015). अकेले क्षुब्ध संवहन–प्रसार बदलाव के साथ मोड़ की समस्या। गणितीय विश्लेषण और उसका आवेदन, गणित और सांख्यिकी में स्प्रिंगर कार्यवाही, 143, 381–391.

पी. राय और के. के. शर्मा, (2015). मोड़ के साथ अकेले क्षुब्ध परवलयिक समीकरण अंतर और विकृत तर्क। अनुप्रयुक्त गणित की आईएईएनजी अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 45 (4), 404–409.

वी. राजपाल, ए. कुमार, ए, और टी. इटोह (2015). ऑपरेटर स्थान का शुर टेन्सर उत्पाद। मैथेमेटिकम फोरम, 27 (6), 3635–3655.

वी. रविचंद्रन और के. शर्मा, (2015). सितारे की सादृश्यता (स्टारलाइकनेस) के लिए पर्याप्त शर्तें। कोरियाई गणितीय सोसायटी की पत्रिका, 52 (4), 727–749.

वी. रविचंद्रन, और एस. वर्मा, (2015). कुछ सितारे की सादृश्य (स्टारलाइकनेस) कार्यों के पांचवें गुणांक के लिए बाध्यत। कॉम्पेट्स रेंडस मैथेमेटिका, 353 (6), 505–510.

एन. साहनी और डी. सिंह, (2015). एचपी रिक्त स्थान के लैक्स–हालमास प्रकार के प्रमेय। गणित की हॉस्टन पत्रिका, 41 (2), 571–587।

एस शाह और आर दास, (2015). जेडडी–कार्रवाई के लिए विशृंखलता पर एक टिप्पणी। सतत अलहदा और आवेगी सिस्टम सीरीज ए की गतिशीलताः गणितीय विश्लेषण, 22 (2), 95–103.

के शर्मा और वी रविचंद्रन, (2016). जानोवस्की सितारे सादृश्य कार्यों के लिए पर्याप्त स्थितियां। स्तुडिया यूनिवर्सितातिस बेब्स–बोलयाइ मेथमेटिका, 61 (1), 63–76.

एस.के.शर्मा, ए जोथानसंगा और एस कौशिक, (2015). शुद्धिपत्ररू हिल्बर्ट रिक्त स्थान में समीपवर्ती ढांचों पर। गणित की फिलिस्तीनी पत्रिका, 5 (1), 191–191.

आर सिंह और जे जेना, (2015), गैर आदर्श राहत देने वाली गैस में लहरों की एक आयामी बढ़त। गैर रेखीय यांत्रिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 77, 158–161.

आर सिंह और जे जेना, (2016). एक गैर आदर्श राहत देने वाली गैस में कमजोर तरंगों तथा केंद्रीय विस्तारित लहरों का विकास। आइन शम्स इंजीनियरिंग पत्रिका, 7(1), 409–413.

जे तलवार और आर मोहंती, (2015). असंरेखित एकल दो बिंदु सीमा मान समस्याओं के लिए एक असमान जाल पर तीसरे क्रम के क्यूबिक स्पलाइन विधि के लिए युग्मित न्यूनीकृत वैकल्पिक समूह स्पष्ट एल्गोरिथ्म। विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी की कार्यवाही, भारत खंड एः शारीरिक विज्ञान, 85(1), 71–81.

डी ठक्कर और आर दास, (2015). एक अस्वायत्त असतत गतिशील प्रणाली में चेन आवर्तक सेटों के कुछ गुण। शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के क्षेत्र में प्रगति, 6(3), 173–178.

वीरेंद्र और ए जोथानसंगा (2015). फेचितिंगर अनुमान पर एक टिप्पणी। गणित का दक्षिण पूर्व एशियाई बुलेटिन 39(5), 727–733.

ए जोथानसंगा और एस पंवार, (2015). एल 2 (आर) के लिए मॉड्यूलेट्स की प्रणाली के विषय में कुछ परिणाम। अनुप्रयुक्त कार्यात्मक विश्लेषण की पत्रिका, 10(1–2), 13–18.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. रुचि दास, 2013–17 के लिए "गतिशील गुण और मानचित्र के अराजक व्यवहार पर" शीर्षक, यूजीसी की प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 10.5 लाख रुपए।

प्रो. अजय कुमार, 2015–16 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से "अनिश्चितता सिद्धांतों और सीमा मान समस्याओं" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना, 1.5 लाख रुपए।

प्रो. सी एस ललिता, दिल्ली विश्वविद्यालय से, 2015–16 के लिए "निर्धारित मूल्य अनुकूलन में स्केलेराइजेशन" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना, 1.3 लाख रुपए।

डॉ. साची श्रीवास्तव, डीएसटी फास्ट ट्रैक, 2014–17 शीर्षक "गैर विनिमेय एलपीस्पेसेज पर अर्धसमूह"। 12.3 लाख रुपए।

डॉ. ललित कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय से, 2015–16 के लिए "बुनाई फ्रेम्स" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.3 लाख रुपए।

डॉ. अरविंद पटेल, 2015–16 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से "हाल की विश्लेषणात्मक विधि का एक अध्ययन और द्रव प्रवाह समस्याओं के समाधान में उनका आवेदन" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना, 1.3 लाख रुपए।

डॉ. अतुल गौड़, 2015–16 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से, "अधिकतम रेखांकन की हैमिल्टोनियन संपत्ति और इसके लाइन ग्राफ की क्रोमेटिक संख्या", शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.3 लाख रुपए।

डॉ. हेमंत कुमार सिंह, 2015–16 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से "मॉड2 कोमोतॉजी आरएमपीएक्सएस के साथ एक परिमित अंतरिक्ष की अनुक्रमणिका" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.4 लाख रुपए।

डॉ. अनुज बिश्नोई, 2015–16 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से शीर्षक विश्वविद्यालय से "संतृप्त विशिष्ट चेन और ओकुत्सु फ्रेम्स" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.4 लाख रुपए।

डॉ. सुरेंद्र कुमार, 2015–16 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से दिल्ली, रुपये, 2015–16 के शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना "आंशिक अर्धरेखीय देरी प्रणाली का नियंत्रण" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना । 1.4 लाख रुपए।

डॉ. रंजना जैन, अनुसंधान और दिल्ली विश्वविद्यालय से विकास योजना 2015–16 के शीर्षक "वॉन न्यूमन बीजगणित टेन्सर उत्पाद के लिए बंद लाई और आदर्श" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना । 0.6 लाख रुपए।

डॉ. रणधीर सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16 शीर्षक "गैर–आदर्श राहत देने वाली गैसों में असंरेखित लहर प्रचार", रुपये से शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना । 1.35 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन

न्यू यॉर्क में 13 मई 2015 को प्रो. एच एडवर्ड्स, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, गणितीय विज्ञान के कोरेंट संस्थान द्वारा "बीजगणित और अभ्यंकर हाई स्कूल बीजगणित के मौलिक प्रमेय" पर आयोजित संगोष्ठी।
18 मई 2015 को प्रो. अविनाश सथाये, केंटकी विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा "वर्गसम मैट्रिक्स के उत्पाद" पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

प्रो. वेस्लाव क्रावसेविद, टेक्सास विश्वविद्यालय द्वारा 3 जुलाई, 2015 डलास में "संकाय और छात्रों के साथ बातचीत" पर संगोष्ठी आयोजित की।

डॉ. एस नफिरी, एफएसएसएम, मरेकेश, मोरक्को द्वारा 23 जुलाई, 2015 को "सैद्धांतिक और संख्यात्मक अध्ययनः कुछ थर्मोलास्टिक प्रणालियों के बहुपद क्षय" पर आयोजित संगोष्ठी।

पर प्रो. गेरार्डो एडेसो, गणितीय विज्ञान के स्कूल, नॉटिंघम विश्वविद्यालय द्वारा 14 दिसंबर, 2015 को "मात्रात्मकता जुटाना और इसके अनुप्रयोग" पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. निक एस जोन्स, इंपीरियल कॉलेज द्वारा 16 दिसंबर, 2015 को "कोशिकाओं और अंगों के भीतर एमटीडीएनए की उभरती आबादी पर लंदन" पर आयोजित संगोष्ठी।

प्रो. के बी सिन्हा, जेएनसीएएसआर द्वारा 12 फरवरी, 2016 को "शास्त्रीय यांत्रिकीः न्यूटन से जैकोबी तक, हैमिल्टन के माध्यम से –ज्योमेट्रीसातियो में एक यात्रा" पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

प्रो. एम एस रघुनाथन, आईआईटी मुंबई द्वारा 29 फरवरी, 2016 को "भारत में गणित बनाना" पर संगोष्ठी, आयोजित की गई।

प्रो इसाबेल चौलेंडर, कैमिल जॉर्डन संस्थान, ल्यों विश्वविद्यालय द्वारा 15 मार्च, 2016 को "अपरिवर्तनीय उपस्थानों की समस्या के लिए आधुनिक दृ ष्टिकोण" पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

प्रो वोल्फगैंग एरेंड्त, उल्म विश्वविद्यालय द्वारा, 21 मार्च, 2016 को "अर्धसमूहों की अनन्तपर्शिता" पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

सम्मेलनों का आयोजन
2–4 अप्रैल, 2015 के दौरान "भारतीय महिलाओं और गणित" पर एनबीएचएम द्वारा समर्थित कार्यशाला आयोजित की गई।

17–26 सितंबर, 2015 के दौरान "गैर विनिमेय रिक्त स्थान पर कॉम्पैक्ट कोर्स" पर एनबीएचएम द्वारा समर्थित कार्यशाला आयोजित की गई।

7–9 दिसंबर, 2015 के दौरान "संचालन स्थान" विषय पर एनबीएचएम द्वारा समर्थित और यूजीसी–एसएपी आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।

10–12 दिसंबर, 2015 के दौरान "हार्मोनिक विश्लेषण" पर एनबीएचएम द्वारा समर्थित और यूजीसी–एसएपी द्वारा आयोजित 14वीं चर्चा बैठक।

30–31 जनवरी, 2016 के दौरान यूजीसी–एसएपी द्वारा समर्थित और गणितीय प्रोग्रामिंग समूह, दिल्ली और परिचालन अनुसंधान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "अनुकूलन सिद्धांत और अनुप्रयोग में हाल की प्रगति (आरएओटीए)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ
सी. एस. ललिता
4–6 जून, 2015 के दौरान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में गणितीय जीवविज्ञान में हाल की प्रगति, विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर "निर्धारित अनुकूलन में अच्छी स्थिति" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता।
5–7 फरवरी, 2016 के दौरान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में "तय मूल्यवान समस्याओं के लिए स्थापित मानदंड" पर विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता।
4 मार्च, 2016 को कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित और उसके अनुप्रयोग पर आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी में "टोमोग्राफी का गणित" पर आमंत्रित वार्ता।

साची श्रीवास्तव
मई, 2015 में शिव नाडर विश्वविद्यालय, यूपी के उन्नत फाउंडेशन स्कूल में आयोजित सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता।
जून, 2015 में गणित विभाग, न्यूकासल विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में आयोजित "शुद्ध गणित संगोष्ठी" में आमंत्रित वक्ता।
जून 2015 में लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में आयोजित "शुद्ध गणित संवर्धन" औपचारिक वार्ता में आमंत्रित वक्ता।
जून 2015 में लीड्स विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में आयोजित "विश्लेषण संगोष्ठी" में आमंत्रित वक्ता।
जून, 2015 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में आयोजित "कार्यात्मक विश्लेषण संगोष्ठी" में आमंत्रित वक्ता।

अतुल गौड़
26–28 नवंबर, 2015 के दौरान गणित विभाग, केरल, तिरुवनंतपुरम (त्रिवेंद्रम), केरल विश्वविद्यालय में आयोजित गणित 2015 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक घेरे के एक अधिकतम ग्राफ से जुड़े रेखा ग्राफ का व्यास" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

25–27 फरवरी, 2016 के दौरान एम एल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान के गणित एवं साख्यिकी विभाग में विश्लेषण, अंतर समीकरणों और अनुप्रयोग पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक घेरे (वृत्त) से जुड़े विभिन्न रेखांकनों के लाइन रेखांकन पर एक सर्वेक्षण" शोधपत्र प्रस्तुत किया। ।

हेमंत कुमार सिंह 15–17 मई, 2015 के दौरान विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के भारतीय संस्थान, मोहाली में आयोजित रामानुजन गणितीय सोसायटी के 30 वें वार्षिक सम्मेलन में "क्षेत्रों, प्रक्षेपित रिक्त स्थान, लेंस रिक्त स्थान और (क, ख) प्रकार के रिक्त स्थान पर एस^0, एस^1 और एस ^{3} कार्यों पर (क, ख)" पर व्याख्यान दिया।

रणधीर सिंह ने 17–19 दिसंबर, 2015 के दौरान एमएनआईटी जयपुर, भारत में आयोजित सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त मैकेनिक्स की भारतीय सोसायटी (आईएसटीएएम) के 60वें कांग्रेस में "छूट के साथ वान डर वाल्स गैसों में कमजोर अलगाव में उछाल के प्रचार–प्रसार" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुरेंद्र कुमार ने 30–31जनवरी, 2016 के दौरान अनुकूलन सिद्धांत और अनुप्रयोग में हाल की प्रगति (आरएओटीए) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "असंरेखित नियंत्रण के साथ अर्धसंरेखित विलंबित प्रणालियों की समाधेयता और नियंत्रण" पर व्याख्यान दिया।

अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. अली बकलौती, सफैक्स विश्वविद्यालय, ट्यूनिशिया

प्रो. जी बी फोलैंड, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यू. एस. ए.

प्रो. ताकाशी इटोह, गुनमा विश्वविद्यालय, जापान

प्रो. क्रिश्चियन ले मर्डी, फ्रेंच कामते विश्वविद्यालय, फ्रांस

प्रो. क्रजिस्तोफ स्टेमपैक, पोलितेचिन्का व्रोक्लावस्का, व्रोकला।

प्रदत्त पीएच. डी./एम. फिल. उपाधियाँ

प्रदत्त पीएचडी :15

प्रदत्त एम.फिलः 9

संकाय की संख्या

स्थायीः 24

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नियोजन प्रकोष्ठ – विभाग का अपना स्वयं का नियोजन प्रकोष्ठ है, जिसे अनन्या नाम दिया गया है। प्रकोष्ठ की अपनी वेबसाइट http://placement.maths.du.ac.in/ है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय से गणित में एमएध्एमएससी करने वाले छात्रों के नियोजन के लिए बनाया गया है है। नियोजन प्रकोष्ठ छात्रों को कॉर्पोरेट संगठनों और व्यापारिक घरानों के साथ मिलने और बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। 2012 में इसकी स्थापना के बाद से 35 से अधिक छात्रों को इसके माध्यम से नियुक्त किया गया है। विभाग अपनी निजी वेबसाइट maths.du.ac.in.चलाता है। विभाग के लोगों, शोध छात्रों, विभाग द्नारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों, सिलेबस, सेमिनार और अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी नियमित रूप से वेबसाइट पर अद्यतित की जाती है।

प्रचालनात्मक अनुसंधान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

पिछले 50 वर्षों के दौरान परिचालन अनुसंधान विभाग ने खुद को अनुकूलन और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है। छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए, नियमित रूप से शिक्षण और अनुसंधान के अलावा विभाग हर वर्ष नीचे उल्लिखित रूप में विद्वानों की गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन करता है।

(एयूआरओआरए) अवरोरा (परिचालन अनुसंधान का सार्वभौम मिलन स्थल और उसके आवेदन की पावती): यह विभाग का वार्षिक शैक्षिक महोत्सव है। इसे परिचालन अनुसंधान नामक उपकरण का जश्न मनाने, प्रसार और विस्तार करने के लिए बनाया गया है, उत्सव में प्रख्यात विद्वानों और पेशेवरों द्वारा अतिथि व्याख्यान से लेकर प्रश्नोत्तरी, समस्या को हल करने, मामले के अध्ययन की प्रस्तुति आदि जैसे छात्र केंद्रित कार्यक्रमों की बहुलता रहती है

औद्योगिक यात्राः विभाग हर वर्ष, एक सप्ताह तक देश के नगरों/गांवों के एक समूह के लिए औद्योगिक यात्रा का आयोजन करता है। इन यात्राओं का उद्देश्य छात्रों को विषय का एक व्यावहारिक ज्ञान के साथ परिचित कराने के लिए औद्योगिक प्रक्रियाओं का एक प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है ताकि उनकी कक्षा की समस्याएं जिज्ञासा की चीख में बदल जाएं।

समूह चर्चाः विभाग समय–समय पर समूह चर्चा का आयोजन करता है, जिसमें कॉर्पोरेट दुनिया की नवीनतम घटनाओं, सामयिकी, अमूर्त विचारों आदि विषयों की एक सारणी को चर्चा के लिए आगे बढ़ाया जाता है। ये केवल नियुक्ति प्रक्रिया के लिए तैयारी में ही छात्रों की सहायता नहीं करती है बल्कि अगर उन्हें बोलने में कोई समस्या हो तो उसे दूर करने में भी उनकी मदद करता है।

सम्मान/विशिष्टता

डॉ. आदर्श आनंद

28–30 दिसंबर, 2015 के दौरान गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यापार के संचालन पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विपणन में नवाचार प्रसार मॉडलिंग के क्षेत्र में युवा होनहार शोधकर्ता के रूप में योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

5 मार्च, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के फॉर्च्यून संस्थान, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित व्यापार और अर्थव्यवस्थाः विकास, प्रशासन और वैश्वीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में सामान्य प्रबंधन के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार से प्रमाणित किए गए।

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत, शुरू करने के लिए –अनुदान प्राप्तकर्ता, संकाय अनुसंधान प्रमोशन योजनाएं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली।

प्रकाशन

2015–2016 के दौरान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में कुल 27 शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे। प्रकाशनों की सूची इस प्रकार हैः

एम अग्रवाल, ए आनंद और डी अग्रवाल, (2015). प्रेरणा और प्रसार की प्रक्रिया पर आधारित लाभ निर्धारणः एक अनुक्रमिक दृष्टिकोण। विश्वसनीयता और गुणवत्ता प्रबंधन में संचार, 18(4), 111–119.

के.के. अग्रवाल और ए.के त्यागी, (2015). जब मांग और बुरे ऋण हानि क्रेडिट अवधि पर निर्भर करता हो व्यापार ऋण के वित्तपोषण के दो स्तर के अंतर्गत संयुक्त पुनःपूर्ति और क्रेडिट नीतियां। परिचालन अनुसंधान की युगोस्लाव पत्रिका, जारी होने की तारीखः 10.2298/ वाईजेओआर140412003ए।

के.के. अग्रवाल और ए.के त्यागी, (2015). समन्वय और तारीख शर्तों क्रेडिट लिंक की मांग के साथ एक सूची प्रणाली में सूची और क्रेडिट नीतियों के संयुक्त अनुकूलन के लिए एक मॉडल। परिचालन अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 22 (1), 65–90.

ए आनंद, एम अग्रवाल, वाई तमुरा और एस यामादा, (2016). सॉफ्टवेयर पट्टी और इष्टतम रिहाई समय निर्धारण के आर्थिक प्रभाव। गुणवत्ता और विश्वसनीयता इंजीनियरिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, जारी होने की तारीखः 10.1002/ क्यूआरई.1997.

ए आनंद, आर अग्रवाल, ओ सिंह व डी अग्रवाल, (2016). उत्पाद को न अपनाने के संदर्भ में समझौता प्रसार की प्रक्रिया। अर्थशास्त्र और प्रबंधन के सैद्धांतिक आधार, 240 (2), 7–18.

ए आनंद, दीपिका और ओ सिंह (2016). सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता विकास मॉडलिंग और इष्टतम रिलीज के समय निर्धारण में सुविधाओं को शामिल कर वृद्धि का मूलरूप आदर्श। कम्प्यूटर अनुप्रयोग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 139 (4), 1–6.

आनंद, ओ सिंह और एस दास, (2015). परीक्षण और परिचालन प्रोफाइल पर विचार कर गलती की गंभीरता आधारित बहु उन्नयन मॉडलिंग। कम्प्यूटर अनुप्रयोग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 124(4), 9–15.

एस दास, ए आनंद, ओ सिंह व जे सिंह, (2015). सॉफ्टवेयर रिलीज और परीक्षण समय के लिए इष्टतम योजना पर पट्टी का प्रभाव। निर्भरता और गुणवत्ता प्रबंधन में संचार, 18(4), 81–92.

के गर्ग, डी कन्नन, ए डायबेट और पी सी झा, (2015). बंद लूप आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क डिजाइन में पर्यावरण के मुद्दों का प्रबंधन करने के लिए एक बहु मानदंड अनुकूलन दृष्टिकोण। स्वच्छ उत्पादन की पत्रिका, 100, 297–314.

वी गुप्ता, एस धर्मराज और वी अरुणाचलम, (2015). एक वीओआईपी नेटवर्क की देरी के विश्लेषण के लिए स्टोकेस्टिक मॉडलिंग। संचालन अनुसंधान का इतिहास।233, 171–180.

सी.के. जग्गी, एस पारीक, ए खन्ना और एन सिंघल, (2016). मुद्रास्फीति की शर्तों के अंतर्गत बिगड़ते वस्तुओं और स्वीकार्य कमी के साथ अस्पष्ट इनवेंटरी मॉडल के लिए इष्टतम पुनःपूर्ति नीति। संचालन अनुसंधान के युगोस्लाव पत्रिका, जारी होने की तारीखरू 10.2298/ वाईजेओआर150202002वाई.

सी.के. जग्गी, ए शर्मा और एस तिवारी, (2015). एक नया दृष्टिकोणः भुगतान में देरी अनुज्ञेय के अंतर्गत मूल्य निर्भर मांग के साथ गैर तात्कालिक बिगड़ते मदों के लिए आर्थिक नीतियों में आदेश देने के लिए ऋण वित्तपोषण। औद्योगिक इंजीनियरिंग संगणना की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6 (4), 481–502.

सी.के. जग्गी, एस तिवारी और ए शफी, (2015), अपूर्ण गुणवत्ता के साथ दो गोदाम सूची मॉडल पर गिरावट का प्रभाव। कम्प्यूटर एवं औद्योगिक इंजीनियरिंग, 88, 378–385.

सी.के. जग्गी, पी वर्मा और एम गुप्ता, (2015). भंडारण के दो स्तर के साथ बिगड़ते मदों के लिए एक सूची के मॉडल और शेयर पर निर्भर मांग दर का प्रदर्शन। विज्ञान और इंजीनियरिंग में अग्रिम अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4 (2), 469–481.

सी.के. जग्गी, वी एस एस यादवल्ली, ए शर्मा, और एस तिवारी, (2016). विभिन्न व्यापार ऋण शर्तों के अंतर्गत स्वीकार्य कमी के साथ एक अस्पष्ट ईओक्यू मॉडल। अनुप्रयुक्त गणित और सूचना विज्ञान, 10 (2), 785–805.

सी.के. जग्गी, ए खन्ना और एन निधि, (2016). बिगड़ती वस्तुओं और आंशिक रूप से पुरानी कमी के साथ एक सूची प्रणाली पर पैसे की मुद्रास्फीति और समय मूल्य के प्रभाव। औद्योगिक इंजीनियरिंग संगणना की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7 (2), 267–282.

पी सी झा, एस अग्रवाल एवं ए गुप्ता, (2015). एक खंडित बाजार में एक टिकाऊ प्रौद्योगिकी उत्पाद के लिए प्रचार की इष्टतम अवधि। संवर्धन प्रबंधन के पत्रिका में स्वीकृत।

पी सी झा, एस अग्रवाल, ए गुप्ता और आर सरकार, (2016). खंड विशिष्ट और मास मीडिया के साथ एक ही उत्पाद के विज्ञापन के लिए मल्टी–मीडिया मानदंड मिश्रण निर्णय मॉडल। औद्योगिक और प्रबंधन अनुकूलन की पत्रिका, 12 (4), 1367–1389.

ए खन्ना, एम मित्तल, पी गौतम और सी जग्गी, (2016). स्वीकार्य कमी के साथ अपूर्ण गुणवत्ता के नष्ट होते मदों के लिए ऋण वित्तपोषण। निर्णय विज्ञान पत्र, 5 (1), 45–60.

के कुमार, (2016). एक सुपरमार्केट में ग्राहक खरीद व्यवहार को समझने के लिए एसोसिएशन नियम का खनन। ए के सिन्हा, ए पांडेय, ए.के महापात्र, और उत्कर्ष (संपा.) में, प्रबंधन और सार्वजनिक नीति में उभरते रुझान। (पृ. 156–174) नई दिल्ली, दिल्लीः रीगल प्रकाशन।

पी माणिक, ए गुप्ता, पी सी झा और के गोविंदन (2015). चयन और ऑनलाइन समाचार मीडिया पर विज्ञापनों के समय निर्धारण के लिए एक लक्ष्य प्रोग्रामिंग मॉडल। परिचालन अनुसंधान की एशिया–प्रशांत पत्रिका, 33 (2), 1650012 (41 पृष्ठ)।

एम के मेहलावत और पी गुप्ता, (2015). अस्पष्ट मौका विवश बहुउद्देश्य प्रोग्रामिंग का उपयोग कर सीओटीएस उत्पादों के चयन। अनुप्रयुक्त इंटेलिजेंस, 43 (4), 732–751.

एम के मेहलावत और पी गुप्ता, (2016). एक महत्वपूर्ण पथ चयन करने के आवेदन के साथ एक नई अस्पष्ट समूह बहु–मानदंड निर्णय विधि। उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 83(5), 1281–1296.

पी डब्ल्यू श्रीवास्तव और टी गुप्ता, (2015). वारंटी के साथ गड़गड़ाहट प्रकार बारहवीं वितरण के लिए इष्टतम समय–सेंसर संशोधित रैंप तनाव विकल्पः एक लक्ष्य प्रोग्रामिंग दृष्टिकोण। विश्वसनीयता, गुणवत्ता और सुरक्षा इंजीनियरिंग की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 22 (3), 1550012 (23 पृष्ठ)।

पी डब्ल्यू श्रीवास्तव और टी गुप्ता, (2016). त्रिकोणीय चक्रीय तनाव लोडिंग के अंतर्गत एक समय सेंसर शून्य विफलता वैकल्पिक योजना। प्रदर्शनीयता इंजीनियरिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 12(2), 121–130.

पी डब्ल्यू श्रीवास्तव और मनीषा।, (2015). वाइनर प्रक्रिया का उपयोग कर इष्टतम कदम–तनाव पीएडीटी योजना। प्रदर्शनीयता इंजीनियरिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 11(5), 443–452.

एस तिवारी, कारडेनस–बैरन, एल ई, ए खन्ना और सी.के. जग्गी, (2016). एक दो गोदाम के माहौल में गैर तात्कालिक बिगड़ते मदों के लिए नीतियों के आदेश देने के लिए खुदरा विक्रेताओं पर व्यापार ऋण और मुद्रास्फीति का प्रभाव। उत्पादन अर्थशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 176, 154–169.

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी–पूयूआरएसई द्वितीय चरण में दिल्ली विश्वविद्यालय से, 2014–2018 के लिए 25 लाख रुपए का अनुदान।

प्रो. पी सी झा, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "सतत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.5 लाख रुपए।

प्रो. चंद्र के जग्गी, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "यथार्थवादी स्थितियों के अंतर्गत भण्डारण समस्याएं" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.5 लाख रुपए।

प्रो. पंकज गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "अनिश्चितता के अंतर्गत घटक आधारित सॉफ्टवेयर विकास में घटक चयन के लिए बहु–मानदंड अनुकूलन मॉडलिंग" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.5 लाख रुपए।

प्रो. अनु गुप्ता अग्रवाल, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "परिवर्तन बिंदु आधारित बहु रिहाई सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता विकास मॉडल का विकास", शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.0 लाख रुपए।

डॉ. ओम पाल सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "सॉफ्टवेयर के लिए इष्टतम परीक्षण रोकने का समय और वारंटी की लंबाई" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.3 लाख रुपए।

डॉ. वंदना खेतान, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "आगामी पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क की विश्लेषणात्मक विश्वसनीयता का विश्लेषण" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.3 लाख रुपए।

डॉ. अदिति खन्ना, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "निरीक्षण त्रुटियों के साथ अपूर्ण गुणवत्ता मदों के लिए सामरिक इन्वेंटरी मॉडलिंग" शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.4 लाख रुपए।

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए, "रिसोर्स प्लानिंग समस्याओं के लिए अस्पष्ट हाइब्रिड अनुकूलन फ्रेमवर्क", शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.5 लाख रुपए।

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत, 2015–2017 के लिए यूजीसी से, "अस्पष्ट पोर्टफोलियो चयन के लिए हाइब्रिड मल्टी मानदंड अनुकूलन मॉडल", शीर्षक प्रमुख अनुसंधान परियोजना। 6 लाख रुपए।

डॉ. आदर्श आनंद, दिल्ली विश्वविद्यालय से 2015–2016 के लिए "सॉफ्टवेयर की पैचिंग और इष्टतम रिलीज की योजना", शीर्षक अनुसंधान और विकास योजना। 1.3 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन

4–5 मार्च, 2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "बिजनेस एनालिटिक्स और इंटेलीजेंसरू उद्योग–एकेडेमिया इंटरेक्शन" पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

30–31 जनवरी, 2016 के दौरान गणितीय प्रोग्रामिंग समूह, दिल्ली और गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में संयुक्त रूप से आयोजित "अनुकूलन सिद्धांत और अनुप्रयोग में हाल की प्रगति – 2016" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

28–30 दिसंबर, 2015 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सूचना प्रौद्योगिकी तथा व्यापारिक संचालन" पर आयोजित 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सम्मेलनों में प्रस्तुतिः

प्रो. (डॉ.) प्रकाश सी झा

29–31 मई, 2015 के दौरान दक्षिण बिहार, पटना के केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित "गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति" पर व्याख्यान दिया।

18–20 दिसंबर, 2015 के दौरान "समस्या को सुलझाने के लिए सॉफ्ट कम्प्यूटिंग पर आयोजित पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में व्याख्यान दिया।

5–7 फरवरी, 2016 के दौरान गणित विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित "विश्लेषण और अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में व्याख्यान दिया।

18–20 फरवरी, 2016 के दौरान सांख्यिकी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित "सांख्यिकी, कंप्यूटर और अनुप्रयोग सोसायटी के 18वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन," में व्याख्यान दिया।

प्रो. (डॉ.) चंद्र कुमार जग्गी

10 –11 जून, 2015 के दौरान सरकार होलकर ख्स्वायत्त, साइंस कॉलेज, ए.बी. रोड, इंदौर के गणित विभाग में आयोजित "शिक्षकों के लिए कार्यशाला" में "सूची प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।

18–20 अक्टूबर, 2015 के दौरान "संचार प्रणाली" अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के बी के बिड़ला संस्थान, पिलानी, राजस्थान में आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "व्यापार ऋण के अंतर्गत इन्वेंटरी मॉडल का विकास" विषय पर व्याख्यान दिया।

9–11 दिसंबर, 2015 के दौरान "असंरेखिक गतिशीलता, विश्लेषण और अनुकूलन" पर जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्टोकेस्टिक सूची प्रणाली पर लीड समय का प्रभाव" विषय पर व्याख्यान दिया।

28–30 दिसंबर, 2015 के दौरान सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यापार संचालन (रुझान और भविष्य के निर्देश)" पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्टोकेस्टिक सूची प्रणाली पर लीड समय का प्रभाव" पर व्याख्यान दिया।

30–31 जनवरी, 2016 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय में "अनुकूलन सिद्धांत में हाल की प्रगति और अनुप्रयोग–2016" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अलग परिदृश्य में सूची मॉडलिंग" पर व्याख्यान दिया।

8 मार्च, 2016 को श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक गणित कार्यक्रम "गणित –2016" में "परिचालन अनुसंधान और इसके अनुप्रयोग का परिचय" पर व्याख्यान दिया।

प्रो. (डॉ.) प्रीति वांति श्रीवास्तव ने 20–24 दिसंबर, 2015 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय भारतीय सांख्यिकी एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "बड़े और छोटे डेटा की दुनिया में सांख्यिकीय नवाचार और प्रभाव का जश्न" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "समय के साथ बदलते तनाव के साथ त्वरित द्विचर जीवन परीक्षण मॉडल" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अदिति खन्ना

18–20 अक्टूबर, 2015 के दौरान बीके–बीआईईटी, पिलानी में आयोजित "संचार प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएस–2015)" में "निरीक्षण त्रुटियों, बिक्री रिटर्न और मुद्रास्फीति शर्तों के अंतर्गत आदेशों की वापसी के साथ अपूर्ण उत्पादन के लिए मूल्य निर्धारण और सूची अनुकूलन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

18–20 अक्टूबर, 2015 के दौरान के दौरान बीके–बीआईईटी, पिलानी में आयोजित "संचार प्रणालियों (आईसीसीएस–2015)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मूल्य निर्भर मांग और ऋण वित्तपोषण के तहत कमी आदेशों की वापसी के साथ अपूर्ण गुणवत्ता के बिगड़ते मदों के लिए सूचीपत्र मॉडलिंग" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कौशल कुमार ने 5 मार्च, 2016 को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के फार्यूसून संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "व्यापार और अर्थव्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन" "विकास, प्रशासन और वैश्वीकरण (आईएमसी–2016)" में "एक सुपरमार्केट में ग्राहक खरीद व्यवहार को समझने के लिए एसोसिएशन नियम खनन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त पीएच.डी. एम.फिल उपाधियाँ

पीएच.डी.: 6

एम.फिल.: 12

संकाय की संख्या

स्थायी – 12, तदर्थ –1

सांख्यिकी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

सांख्यिकी विभाग आंकड़ों के विविध क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण में शामिल है। अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए इसने सांख्यिकी की शक्ति और कंप्यूटर के ज्ञान का इस्तेमाल किया है। विभाग का मुख्य जोर बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान का संचालन करने और सांख्यिकी के अनुशासन में प्रशिक्षित मानव शक्ति का विकास करने पर है। विभाग तीन डिग्री उन्मुख कार्यक्रम, अर्थात् एम.ए./एम. एससी सांख्यिकी, एम फिल और पीएच.डी. का एक पाठ्यक्रम आयोजित करता है। जिसके पाठ्यक्रम में सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते और प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। विभाग ने भारत और विदेशों के प्रख्यात व्यक्तियों द्वारा विशेष आमंत्रित वार्ताओं का आयोजन किया। प्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने अनुसंधान वार्ताओं और शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया। विभाग के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों /संगठनों में छात्रों की उपयुक्त नियुक्ति में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

प्रकाशन

2015–2016 के दौरान विभाग के संकाय द्वारा कुल 11 शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं। प्रकाशनों की सूची इस प्रकार हैः

ए चतुर्वेदी, ए, एस.बी. कांग और ए पाठक, (2016). सामान्यीकृत आधे रसद वितरण की विश्वसनीयता के कार्यों के लिए आकलन और परीक्षण प्रक्रियाएं। कोरियाई सांख्यिकीय सोसायटी की पत्रिका, 45(2), 314–328.

ए चतुर्वेदी और टी कुमारी, (2015). एक परिवार की जीवन वितरण की विश्वसनीयता के कार्यों के लिए आकलन और परीक्षण प्रक्रियाएं। *interstat.statjournals.net/YEAR/2015/abstracts/1306001.php.*

ए चतुर्वेदी और ए पाठक, (2015). चुकता त्रुटि नुकसान कार्यों और टाइप द्वितीय सेंसरिंग के अंतर्गत तीन–पैरामीटर एक्सपेनेनशियेटेड–वेइबुल बंटन के लिए बेइशियन अनुमान प्रक्रियाएं। विश्व इंजीनियरिंग और अनुप्रयुक्त विज्ञान पत्रिका, 6 (1), 45–58.

ग्रोवर जी और पी.के. स्वेन (2016). त्वरित विफलता समय साझा दोष मॉडलः दिल्ली, भारत में एंटी–रेट्रोवायरल थेरेपी पर एचआईवी/एड्स रोगियों के लिए आवेदन। जैव सांख्यिकी की तुरकेइ क्लिनिक्लेरी पत्रिका, 8(1), 13–20.

जी ग्रोवर, वी रवि और पी.के. स्वेन, (2015). सामान्यीकरण पॉसों प्रतिगमन का उपयोग कर एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी के दौर से गुजर रहे एड्स रोगियों के सीडी4 गिनती में सुधार को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का आकलन। व्यावहारिक सांख्यिकी की पत्रिका, 42(6), 1291–1305.

एम. के. झा, पी. सिंह और जी. प्रियदर्शिनी, (2016). निजी और मिश्रित भार प्रभाव के साथ एक मॉडल के लिए क्रास ओवर डिजाइन। प्रोब स्टेट फोरम, 9, 35–43।

एम. के. झा, पी. सिंह और जी. प्रियदर्शिनी, (2015). क्रमगुणित प्रयोगों के लिए पार डिजाइन। कृषि और सांख्यिकीय विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 11 (2), 349–355.

आर. पांडे, एन. एस. ठाकुर और के. यादव, (2015). सर्वेक्षण, गैर प्रतिक्रिया के अंतर्गत घातीय अनुपात प्रकार अलगाव विधि का उपयोग कर जनसंख्या माध्य का आकलन। भारतीय सांख्यिकी एसोसिएशन की पत्रिका।, 53 (2), 89–107.

जे. सरन, एन. पुष्करणा और आर. तिवारी (2015). लिंडले वितरण से सामान्यीकृत आदेश आँकड़ों के क्षणिक गुण। सांख्यिकी अनुप्रयोग और प्रायिकता की पत्रिका, 4, अंक 3, 429–434.

जे. सरन, एन. पुष्करणा और आर. तिवारी (2015). वितरण के एक सामान्य वर्ग से दोहरी सामान्यीकृत आदेश आँकड़ों के एकल और उत्पाद क्षणों के लिए पुनरावृत्ति संबंध। सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोग की पत्रिका, 14, अंक 2, 123–130.

जे. सरन और के. नैन, (2015). कुछ विशिष्ट निरंतर वितरण से सामान्यीकृत आदेश आँकड़ों के क्षण उत्पन्न करनेवाले कार्यों के लिए पुनरावृत्ति संबंध। जे केरल सांख्यिकीविद। एसोसिएटेड, 26, 01–23.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. जगदीश सरन, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय 2015–2016. शीर्षक "सामान्यीकृत आदेश सांख्यिकी के कुछ पहलू", 1.30 लाख रुपए।

आयोजित सेमिनार

प्रो. विकास सिन्हा, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता, 05 जून, 2015 को "संवेदनशील विशेषताओं पर जानकारीः ब्लॉक कुल रिस्पांस तकनीक और संबंधित निष्कर्ष"।

प्रो. विकास सिन्हा, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता, "सुडोकू पहेली – एक मिश्रित चमत्कार" 04 जून, 2015.

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. रंजीता पांडे

28–30 नवंबर, 2015 को सांख्यिकी और इक्विटी, स्थिरता और विकास के संबंधित क्षेत्रों के लिए संभावना और सांख्यिकी की भारतीय सोसायटी के 35वें वार्षिक सम्मेलन के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत के राज्यों में जन्म गतिशीलता" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया ।

17–19 दिसम्बर, 2015 को सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय द्वारा इक्कीसवीं सदी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी पर एक प्रतिगमन दृष्टिकोण पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जन्म गणना का सामाजिक–आर्थिक प्रभाव" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग और उन्नत अध्ययन के केंद्र द्वारा 20–24 दिसंबर, 2015 को आयोजित सांख्यिकीय नवाचार और बड़े और छोटे डेटा के एक विश्व पर उसके प्रभाव के जश्न पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उलटा आकार पक्षपातपूर्ण पी–आयामी रेले वितरण" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

स्कूल ऑफ साइंस, यूपी, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा वर्तमान परिदृश्य और नैनो प्रौद्योगिकी और जैव सांख्यिकी में संभावनाओं पर 25–26 फरवरी, 2016 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "चर रैखिक गतिशील मॉडल में त्रुटियों का बेएसियन अनुमान।" एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. सुक–बॉक कांग, येउंगनाम विश्वविद्यालय, कोरिया गणराज्य

प्रदत्त पीएच.डी./एम फिल डिग्रियां

पीएच.डी.: 01

एम फिल : 02

संकाय की संख्या
स्थायीः 05, तदर्थ : 04

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग में क्रेडेंस नामक अपना निजी नियोजन प्रकोष्ठ है। दिल्ली विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में एम.ए./एम. एससी. की शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के नियोजन के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य के साथ इसे वर्ष 2004 में बनाया गया था। नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के संगठनों के साथ बातचीत करने का अवसर मिलता है। हर वर्ष लगभग 75: छात्रों को नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से नौकरी पर रखा गया है। वर्ष 2015–16 में 42 छात्रों को नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से काम पर रखा गया। विभाग की अपनी वेबसाइट है : statistics.du.ac.in. नियोजन प्रकोष्ठ, शिक्षकों, शोधार्थियों, विभाग के अन्य स्टाफ, विभाग द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम और अन्य प्रासंगिक जानकारी विभाग की वेबसाइट पर पाई जा सकती है। विभाग के छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए नवीनतम कंप्यूटिंग सुविधाओं के साथ दो अच्छी तरह से सुसज्जित पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत प्रयोगशालाएं है।

प्रबंध अध्ययन संकाय
व्यापार प्रबंध और औद्योगिक प्रशासन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) प्रबंधन शिक्षा के अनेक कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें एमबीए (पूर्ण कालिक), एमबीए कार्यकारी, एमबीए कार्यकारी (स्वास्थ्य परिचर्या प्रशासन) और प्रबंधन में पीएच.डी. शामिल हैं। सत्र 2015–2016 के दौरान एमबीए (पूर्ण कालिक) में कुल 225 छात्र, एमबीए कार्यकारी में 159 छात्र, एमबीए कार्यकारी (एचसीए) में 34 छात्रों ने अपनी अंतिम परीक्षा दी। अधिसूचित किया गया है इस अवधि के दौरान पीएच.डी. के लिए कुल 23 अध्येताओं को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई है।

एफएमएस के संकाय सदस्यों ने अनुसंधान दस्तावेज, किताबें, मामलों के प्रकाशन के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में बहुत सक्रियता से भाग लिया है। एफएमएस के छात्रों का निकाय, यानि प्रबंधन विज्ञान एसोसिएशन, अतिथि व्याख्यान, शैक्षणिक कार्यशालाएं, सेमिनार और औपचारिक वार्तालाप के साथ ही हमारे देश के विभिन्न बी–स्कूलों के प्रबंधन छात्रों के लिए खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बहुत सक्रिय रहा है। एफएमएस के छात्रों ने पढ़ाई, व्यापार की योजना के साथ ही विभिन्न संस्थाओं और कॉरपोरेट सेक्टर दोनों द्वारा आयोजित मामलों के अध्ययन की कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बी–स्कूल प्रतियोगिताएं जीता। एफएमएस ने विभिन्न संगठनों के लिए बड़ी संख्या में प्रबंधन विकास कार्यक्रमों का भी आयोजन किया।

सम्मान/विशिष्टता
प्रो. सिमरित कौर को नेपाल और भूटान के लिए ग्रामीण आकलन का संचालन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय कोष के लिए काम करने के लिए कृषि विकास कंसल्टेंसी अनुबंध प्रदान किया गया है।

डॉ. माला सिन्हा को हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, कोलून, हांगकांग में "अत्यधिक सराहनीय सैद्धांतिक पत्र" के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हॉगकॉग।

प्रकाशन
तनुजा अग्रवाल (2015), "लिंग पदानुक्रम से लैंगिक समानतारूउच्च शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन के लिए एक एजेंडा" प्रबंधन में लिंग पदानुक्रमः एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका ("शिक्षा में महिलाएं" विषय पर विशेषांक), संस्करण 30, नं. 5, पृ. 338–342. एमराल्ड पब्लिशिंग हाउस, ब्रिटेन, आईएसएसएनः1754–2413. (जुलाई 2015),

मधु विज व स्वाति धवन, (2015), संस्करण 4, नं. 5, "वित्तीय लक्षण और भारत में वाणिज्यिक बैंकों द्वारा व्युत्पन्न को उपयोग – के बीच उपयोगकर्ता एवं गैर–उपयोगकर्ताओं में अंतर की जांच" अर्थशास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका और डी दास एवं आर चौधरी, (2015), "उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में रिवर्स आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनरू एक भारतीय परिप्रेक्ष्य", रसद प्रणाली और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 20, नं. 3, पृ.. 348 – 369.

व्यवसाय अध्ययन, आईएसएसएन : 2251–1555.

स्वाति धवन एवं मधु विज (2015) "भारतीय बैंकिंग उद्योग में बाजार संरचना, क्षमता और प्रदर्शन के बीच संबंध" प्रबंधन की इंद्रप्रस्थ पत्रिका, संस्करण 3 नं. 2, जुलाई से दिसंबर, 2015, आईएसएसएन 2454 –4175.

रचना सरीन एवं मधु विज (2015) "कॉर्पोरेट क्रेडिट रेटिंग के अवधारकः विनिर्माण क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की एक अनुभवजन्य विश्लेषण", संस्करण 36 अंक 2 ,अक्टूबर 2015– मार्च 2016, आईएसएसएन नं. 0973–211X.

शालू महाजन और मधु विज (2016), "भारत में बैंकों की लाभप्रदता के निर्धारकों का एक तुलनात्मक अध्ययन" संस्करण 7, नं. 1, जनवरी –अप्रैल 2016, आईएसएसएन 0976–030.

सुनील शर्मा और प्रभात मित्तल, "बहु स्थान आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क में बुलह्वीप प्रभाव का निर्धारण, डेम और मांग की भविष्यवाणी का प्रभाव", भारतीय विद्या भवन की प्रबंधन एवं अनुसंधान की पत्रिका, नई दिल्ली, पृ. 55–60, जनवरी–जून,2016.

सिमरीत कौर एवं हरप्रीत कौर, (2016) "दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और जल प्रबंधनः क्षेत्रीय सहयोग के लिए निहितार्थ", पृ.: आगामी शोध पत्र, आईएमआई की पत्रिका – उभरती हुई अर्थव्यवस्था का अध्ययन, आईएसएसएनः 2394–9015 ईआईएसएसएनः 2454–2148.

सिमरीत कौर एवं हरप्रीत कौर तथा अपर्णा संजीव, "अनाज और ईंधन मूल्य सहभागिताः भारत से अर्थमितीय साक्ष्य", व्यवसायिक सोच की पत्रिका, संस्करण 6. 14–37. आईएसएसएनः 2231– 1734, दिल्ली।

ए तनेजा एवं टी अग्रवाल.(2015), "कार्य–जीवन में संतुलन प्रथाओं से संतुष्टि का विश्लेषण और भारत में विभिन्न सेवा क्षेत्रों के बीच नियोक्ता ब्रांड अनुभव" जीडी गोयनका व्यवसायिक समीक्षाः प्रबंधन के स्कूल की अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका, संस्करण 1, नं.2, पृ. 1–8, आईएसएसएनः 2394–8639.

तनुजा अग्रवाल (2015), "लिंग पदानुक्रम से लैंगिक समानता के लिएरू उच्च शिक्षा में संक्रमण के लिए एक एजेंडा" (जुलाई 2015), प्रबंधन में लिंग:एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका ("शिक्षा में महिला" विषय पर विशेषांक), संस्करण 30, नं.5, पृ. 338–342. एमराल्ड पब्लिशिंग हाउस, यूके, आईएसएसएनः 1754–2413.

पंकज सिन्हा, साक्षी शर्मा, और कीर्ति सोंधी, (2016). "बाजार पूंजीकरण और काले का उपयोग करते हुए भारतीय बैंकों के जोखिम आकलन – स्कोल्स –मेरटान मॉडल (वित्त भारत मार्च 2016 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

पंकज सिन्हा एवं साक्षी शर्मा, (2016), "बैंक के मुनाफे के अवधारक और भारतीय बैंकों में इनकी दृढ़ताः एक गतिशील पैनल डेटा ढांचे में एक अध्ययन" प्रणाली आश्वासन इंजीनियरिंग और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 7, अंक 1, 35–46.

पंकज सिन्हा एवं साक्षी शर्मा, (2016), परिचालन जोखिमः भारतीय बैंकों पर संशोधित मानकीकृत दृष्टिकोण के प्रभाव का आकलन, परिचालन जोखिम की पत्रिका 11(2), 1–12.

पंकज सिन्हा, साक्षी शर्मा और कीर्ति सोंधी, (2016), "बाजार पूंजीकरण और काले –स्कोल्स –मेरटन मॉडल का उपयोग कर भारतीय बैंकों का जोखिम मूल्यांकन" (वित्त भारत 2016 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।

हर्ष वर्धन और पंकज सिन्हा, (2016), "भारतीय शेयर आंदोलन पर व्यापक आर्थिक चर का प्रभाव– सहएकीकरण दृष्टिकोण" उभरते बाजार वित्त की पत्रिका 15(1) 1–35.

मधु विज और स्वाति धवन, (2015), संस्करण 4, नं. 5 "वित्तीय लक्षण एवं भारत में वाणिज्यिक बैंकों द्वारा व्युत्पन्न उपयोग – उपयोगकर्ता एवं गैर उपयोगकर्ताओं के बीच अंतर की जांच" अर्थशास्त्र और व्यवसायिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, आईएसएसएन :2251–1555.

पंकज सिन्हा और शालिनी अग्निहोत्री, (2016). "द्विचर जीजेआर–जीएआरसीएच के उपयोग से शेयर सूचकांक के उतार–चढ़ाव पर उतार–चढ़ाव दृढ़ता, बाजार विषमता और सूचना प्रवाह के प्रभाव की जांच"।(वैश्विक व्यवसाय समीक्षा में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

सी. नगाचो और डी दास, (2016), "केन्या में निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि निर्माण परियोजनाओं की सफलता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण सफलता कारकः एक पुष्टि कारक विश्लेषण", परियोजना संगठन और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 8, नं. 6, पृ. 172 – 196, इंडरसाइंस पब्लिशर्स
मोनिका सिंघानिया, (2015), आयकर मिनी रेडी रेकनर, टैक्समैन पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत, नवीनतम अंक।

मोनिका सिंघानिया, (2015), "आयकर के छात्रों के लिए गाइड, टैक्समैन पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत, नवीनतम अंक।

सी सिंघानिया, मोनिका (2015), कॉरपोरेट टैक्स प्लानिंग और व्यापार कर प्रक्रियाएं, टैक्समैन पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत, नवीनतम अंक।

मोनिका सिंघानिया, (2015), "छात्रों के आयकर समस्याओं और समाधान के लिए गाइड", टैक्समैन पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत, नवीनतम अंक।

मोनिका सिंघानिया, (2015), सामाजिक और पर्यावरण प्रकटीकरण सूचकांकःभारतीय कॉरपोरेट सेक्टर से परिप्रेक्ष्य", प्रबंधन अनुसंधान में प्रगति की पत्रिका, आईएसएसएन 0972–7981 एमराल्ड प्रकाशन, यूनाइटेड किंगडम, संस्करण 12, नं. 2, पृ.. 192–208

मोनिका सिंघानिया, (2015), पहले टेलीकॉमः भारत 2 रणनीति, एमराल्ड उभरते बाजार से मामलों का संग्रह।

मोनिका सिंघानिया, (2016), ईंधन का किराया और माल ढुलाई की लागत आधारित अनुक्रमण, लागत प्रबंधन मार्च–अप्रैल, थॉम्पसन रायटर

मोनिका सिंघानिया, (2015), विदेशी स्वामित्व और भारतीय कंपनी का प्रदर्शनः एक गतिशील पैनल दृष्टिकोण, निजी इक्विटी विंटर की पत्रिका,19(1), 77–85.

मोनिका सिंघानिया, (2016), एफआईआई, स्टॉक एक्सचेंज लाभ और लाभ उठाने के प्रभावः भारत से सबूत, धन प्रबंधन की पत्रिका, 19(1), 103–119

परवीन और माला सिन्हा (2016), भारतीय सेवा क्षेत्र के संगठनों में सामरिक कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन की प्रकृति और प्रभाव। कॉर्पोरेट संचार मेंः एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 21 नं. 1, 2016पृ. 120–140. एमराल्ड समूह प्रकाशन लिमिटेड. आईएसएसएन 1356–328

सुनील शर्मा और प्रभात मित्तल, (2016), "एकाधिक स्थान आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क में बुलह्विप प्रभाव का निर्धारणय मांग की भविष्यवाणी का प्रभाव, भारतीय विद्या भवन की प्रबंधन एवं शोध की पत्रिका, नई दिल्ली, पृ. 55–60, जनवरी से जून, 2016.

ए वेंकटरमन और एन शर्मा, (2016), "सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में मानव संसाधन चुनौतियां"। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की दक्षिण एशियाई पत्रिका। (स्वीकृत)।

एच वी वर्मा और ई दुग्गल, (2015), "पर्यावरण चिंताएं, उभरते बाजार के व्यवहार संगतिः युवा एवं विपणन" उभरती हुई अर्थव्यवस्था का अध्ययन, नवंबर संस्करण1 नं. 2 पृ. 171–187.

अनुपमा वोहरा और नेहा भारद्वाज, (2016), "सामाजिक मीडिया के संदर्भ में ग्राहक संलग्नता की एक वैचारिक प्रस्तुति – एक उभरते हुए बाजार का परिप्रेक्ष्य" प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2016, पृ. 351–366.

अनुपमा वोहरा और रुचिका रामकृष्णन, (2016), "भारतीय संदर्भ में ब्रांड अनुभव स्केल का अनुप्रयोग" शीर्षक एक शोध पत्र, व्यापार विश्लेषक, संस्करण 36, नं. 2 (अक्टूबर 2015– मार्च 2016), पृ. 1–11.
अनुपमा वोहरा और रुचिका रामकृष्णन, (2015), एक शोध पत्र शीर्षक "क्या बीआर एवं ट्रस्ट के आयाम वास्तव में मौजूद हैं? भारत में चुने हुए सेवा बीआर और एस का एक अनुभवजन्य अध्ययन", संस्करण 2 य पृ. 7–16, आईएसएसएन – 2394–0484.

ए. के. बर्धन और एस पटनायक, (2016), "नकारात्मक महत्वपूर्ण घटनाओं पर कार्रवाई और विपणन के बीच पार कार्यात्मक एकीकरण का प्रभाव", समग्र गुणवत्ता प्रबंधन और व्यवसाय उत्कृष्टता, 18 फरवरी 2016 को ऑनलाइन प्रकाशित। जारी होने की तारीखः 10.1080൳14783363.2016.1147943. टेलर और फ्रांसिस, आईएसएसएन 1478–3363 (प्रिंट), 1478–3371 (ऑनलाइन)

ए के बर्धन, और एच के डांगी, (2016), "राहत श्रृंखला में प्रदर्शन के वाहक और संकेतकः एक अनुभवजन्य अध्ययन", वैश्विक व्यवसाय समीक्षा, फरवरी, 2016, 17(1): 88–104. सेज (अंतर्राष्ट्रीय)। प्रिंट आईएसएसएनः 0972–1509 ऑनलाइन आईएसएसएनः 0973–0664.

सोमा दे (2016), "क्या एक मजबूत पेटेंट व्यवस्था नवाचार और नई प्रौद्योगिकी के अभिनव अर्थशास्त्र को प्रोत्साहित करती है। 2016. आईएसएसएन 1043–8599.

एस के जैन और गुप्ता जी (2015), "स्टोर में आनेवालों और वफादारी का पूर्ववृत्तः एक एकीकृत दृष्टिकोण से एक जांच", वाणिज्य और व्यापार अध्ययन की पत्रिका (आईएसएसएनः 2322–0767), संस्करण.2, नं.2 (जुलाई से दिसंबर), पृ. 1–18.

एस सहगल एवं जी गुप्ता. (2015), "बाजार अभिविन्यास और सेवा नवाचारः संगठन प्रदर्शन के लिए कड़ियों की जांच", इंदौर प्रबंधन पत्रिका (आईएसएसएनरू 0975–1653), संस्करण.7, नं.2 (जुलाई–दिसम्बर), पृ.36–44.

एस नागपाल एवं गुप्ता जी (2016), गोइंग ग्रीन के माध्यम से स्थिरताः सेवा फर्मों का एक अनुभवजन्य अध्ययन", इफुलजेन्स (आईएसएसएनरू 0972–8058), संस्करण 14, नं. 2 (जुलाई दिसम्बर), पृ. 37–48.

अंजला(2015), ग्रेविटी आदर्शः भारत और अमेरिका के बीच व्यापार संबंधों की जांच, शोध लेख आईएसएसएनः 22774947 संदर्भित जुलाई–अगस्त 2015 व्यापार और प्रबंधन की अभिनव पत्रिका [आईजेबीएम] 77–82.

अंजला कैलसी (2015), वित्तीय संकट 2007–09ः भारतीय अर्थव्यवस्था के कुछ समकालीन मुद्दों पर प्रकाश डालना। शोध लेख आईएसएसएनः 23220899. संदर्भ जुलाई– सितम्बर 2015 आईजेआरएमएसएस– प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, (ईआईएचई) – प्रकाशन – उच्च शिक्षा का इंपिरियल संस्थान 82–86

अंजला कैलसी (2015), ब्राजील की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के वित्तीय संकट 2008–09 का प्रभाव। शोध लेख, संदर्भित आईजेआरडीटीएम – प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन विज्ञान के अनुसंधान एवं विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका – कैलाश।

अंजला कैलसी (2015), चीनी अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के वित्तीय संकट 2008–09 का प्रभाव। शोध लेख, आईएसएसएनः 23475587 संदर्भित अगस्त –15, सीकेपीआईएमबीआर 1–25.

अंजला कैलसी (2015), रूसी संघ की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के वित्तीय संकट 2008–09 का प्रभाव। शोध लेख, आईएसएसएन –2348–0653 संदर्भित आईजेबीएआरआर पत्रिका 77–89.

अंजला कैलसी (2015), भारतीय अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के वित्तीय संकट 2008–09 का प्रभाव, शोध लेख, व्यापार और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका –आईजेबीएम।

अंजला कैलसी (2015), दक्षिण अफ्रीका की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के वित्तीय संकट 2008–09 का प्रभाव। शोध लेख, संदर्भित कोर इंजीनियरिंग और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

अंजला कैलसी (2015), अमेरिका के वित्तीय संकट का विश्लेषणः ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में एनोवा का उपयोग करना। शोध लेख, जुलाई – दिसम्बर, 2015 फोकसः अंतरराष्ट्रीय व्यापार की पत्रिका

अंजला कैलसी (2015), एचएसआईएल लिमिटेड का मूल्यांकन, शोध लेख, अगस्त–15, प्रबंधन और आईटी के लिए आदर्श पत्रिका 79–85.

अंजला कैलसी (2015), भारतीय बाजार में अवसरों का मूल्यांकनः पब्लिक इक्विटी में निजी निवेश (पीआईपीईएस) शोध लेख अक्तूबर – दिसंबर, 2015 एफआईआईबी फॉर्च्यून व्यवसाय समीक्षा 03– दिसंबर।

अंजला कैलसी (2015), भारत में कॉरपोरेट गवर्नेंस की समीक्षाः कंपनी के प्रदर्शन पर प्रभाव, शोध लेख, जुलाई–सितम्बर, 2015 आईजेबीएआरआर पत्रिका– 170–174.

अंजला कैलसी (2015), स्वामित्व संरचना और कंपनी के प्रदर्शन पर इसका प्रभावः साहित्य शोध लेख की एक समीक्षा, सितम्बर 2015, आईजेएमडीआरआर बहुक्षेत्रीय अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 156–159

एम ठाकुर, ए बंसल और पी स्टोक्स, (2016 प्रेस में), विलय सफलता में प्रशिक्षण की भूमिकाः सीखने का एक एकीकृत परिप्रेक्ष्य, विलय और अधिग्रहण में प्रगति, 15, रूटलेज, अंतर्राष्ट्रीय 2016 (मई 2016 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

एम ठाकुर और आर मैनी, (2016), ट्रेड यूनियनों में भागीदारी में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली बाधाओं को खोलना, सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, संस्करण द्वितीय, अंक–1, अंतर्राष्ट्रीय बहुक्षेत्रीय शोध फाउंडेशन, राष्ट्रीय, मार्च, 2016, आईएसएसएनः 2395–0

रचना सरीन और मधु विज, (2015). "भारत में कॉर्पोरेट क्रेडिट रेटिंग के अवधारक" में प्रकाशित "वित्त में उभरते क्षितिज", ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ए के पुरी और कन्हैया सिंह द्वारा संपादित।

शालू महाजन और मधु विज, (2015), "सुधार युग के बाद भारत में बैंकों के मुनाफे पर जोखिम प्रबंधन क्षमताओं प्रभाव" शीर्षक लेख, वित्त में "उभरते क्षितिज" ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ए के पुरी और कन्हैया सिंह द्वारा संपादित।

सिमरीत कौर और हरप्रीत कौर, (2016), "उप–सहारा अफ्रीका, दक्षिण एशिया और लैटिन अमेरिका में खाद्य सुरक्षा के अवधारकः नीति के लिए निहितार्थ", पृ.: 81–102 अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक में अध्याय, "शासन एवं विकासः जी–20 देशों से विचार", "स्प्रिंगर वेरलाग आईएसबीएनः 978–81–322–2696–3, ई आईएसबीएनः 978–81–322–2698–7, स्प्रिंगर, भारत।

सिमरीत कौर और हरप्रीत कौर, (2016), "खाद्य असुरक्षा का मुकाबलाः नीति के लिए निहितार्थ", पृ. 103–118, अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक में अध्याय, प्रशासन एवं विकासः जी–20 देशों से विचार", स्प्रिंगर वेरलाग, आईएसबीएनः 978–81–322–2696–3, ई आईएसबीएनः 978–81–322–2698–7, स्प्रिंगर, भारत।

डिजिटल इंडिया और भारत के डिजिटल स्कोर, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, लोकप्रिय लेखन श्रृंखला, एक ओप–एड के रूप में प्रस्तुत http://www.financialexpress.com/article/fe-columnist/digital-india-&-indias-digital-score/98301/, 10 वीं जुलाई 2015 को दिखाई दिया।

माला सिन्हा (2016), लोग, उत्पाद/सेवा और प्रक्रियाओं का संरेखणः सामरिक परिवर्तन और विकास के लिए ए3पी मॉडल। भारत में संगठनात्मक अध्ययन में (आर सी त्रिपाठी एवं आर द्विवेदी, (संपा.) ओरिएंट ब्लैक स्वान।

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), नैतिक एवं प्रबंधन शिक्षा की नैतिक नींव (संपा.)। नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन, 2016. आईएसबीएन नं. 978–93–85355–004.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), प्रबंधन और नीतिशास्त्र का दर्शन (संपा.) नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन 2016.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), कार्यालय शोध में आध्यात्मिकता की तात्विकी और ज्ञानमीमांसा। नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन 2016.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), कार्यस्थल में मानव प्रकृति की समझ और मानवीय रिश्तों की परस्पर क्रिया आईएनजी (सं.)। नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन 2016.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), मन की शक्ति और प्रबंधकीय निर्णय लेना (संपा.) नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन 2016.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), संगठनात्मक नेतृत्व का सांस्कृतिक मूलाधार (संपा.)। नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन, 2016. आईएसबीएन नं. 978–93–85355–05–9.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), आर्थिक विकास के मॉडलः स्वदेशी ज्ञान की दुबारा खोज। नई दिल्लीरू आईएसओएल प्रकाशन 2016. आईएसबीएन नं. 978–93–85355–06–6.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), व्यवसाय परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक नेतृत्व (संपा.)। नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन 2016. आईएसबीएन नं. 978–93–85355–07–3.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), सामाजिक नवाचार और सामाजिक परिवर्तन के लिए आध्यात्मिकता (सं।)। नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन, 2016. आईएसबीएन नं. 978–93–85355–09–7.

सेनगुप्ता, सुनीता सिंह (2016), निगमित सामाजिक दायित्व, सुशासन और सतत विकास के लिए आध्यात्मिकता। नई दिल्लीः आईएसओएल प्रकाशन 2016. आईएसबीएन नं.978–93–85355–08–0.

सुनेजा, विवेक (2016), आध्यात्मिकता और संगठनात्मक नेतृत्व के घालमेल पर संग्रह में "बोरियत में फंस गए हैंः क्या इससे बाहर निकलने का रास्ता है?", संस्करण 5, मन की शक्ति और प्रबंधकीय निर्णय लेना, आईएसओएल प्रकाशन, दिल्ली।

के सिंह, (2015) "संगठन व्यवहारः पाठ और मामले, विकास प्रकाशन।" तृतीय संस्करण, आईएसबीएन 978–81–317 –2400–6.

एच वी वर्मा और ई दुग्गल (2015), विपणन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस नई दिल्ली, आईएसबीएनः 9780199459100

सम्मेलनों में प्रस्तुति

संकाय सदस्यों ने भारत और विदेशों के विश्वविद्यालयों में कई आमंत्रित वार्ताएं दीं।

प्रो. सिमरीत कौरः अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारीः 8वें दक्षिण एशिया आर्थिक शिखर सम्मेलन (एसएईएस) में 7 से 10 दिसम्बर 2015 के दौरान 18 वें सतत विकास सम्मेलन (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) में सतत विकास नीति संस्थान (एसडीपीआई) इस्लामाबाद, पाकिस्तान में "कृषि क्षेत्र में निवेश और क्षेत्रीय सहयोग के लिए गुंजाइश" प्रस्तुत किया।

प्रो. सुनील शर्माः 18–19 दिसम्बर 2015 को पीओएमएस, अमरीका, एनआईटीआईई, मुंबई के सहयोग से एनआईटीआईई, मुंबई में आयोजित प्रैक्टिस लीडर फोरम (पीएलएफ) में "सहयोगात्मक अनुसंधान" पर एक सत्र में "फर्म के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए निर्माण कार्यों में नवाचार" पर मुख्य पैनल वक्ता ।

डॉ. अनुपमा वोहराः "आईसीसीएमआई – 2016 में प्रस्तुत करने के लिए जोखिम लेने, गोपनीयता चिंताओं, समय के दबाव और भारतीय युवाओं में ऑनलाइन खरीदारी करने की इच्छा का पता लगाना" (जून, 2016)।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. कविता सिंह, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, "चयनित भारतीय व्यापार संगठनों के प्रबंधक/कर्मचारियों के कार्य जीवन में संतुलन का मापन और आकलन"।

डॉ. डी. दास, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, "समग्र संगठनात्मक प्रदर्शन पर सतत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रथाओं के प्रभाव का एक आकलनः एक अनुभवजन्य अध्ययन"

डॉ. अमित बर्धन, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, "मानवीय राहत लॉजिस्टिक्स में महत्वपूर्ण सफलता कारकों पर आधारित प्रदर्शन मेट्रिक्स का विकास"

डॉ गरिमा गुप्ता, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, "ग्रीन मार्केटिंग आचरणः विनिर्माण क्षेत्र की चयनित कंपनियों का एक अध्ययन"।

डॉ. अंजला कालसे, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, "बांड बाजार का विश्लेषण"।

प्रदत्त पीएच. डी. डिग्रियों की संख्याः 23

संकाय की संख्या : स्थायी 26

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एमबीए (पूर्ण कालिक) 2014–2016 के सभी स्नातकों को उत्कृष्ट नियुक्ति प्राप्त हुई और एमबीए (पूर्ण कालिक) 2015–2017 के सभी छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति की कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए रखा गया था। 223 छात्रों के एक बैच से, 13 छात्रों ने सामाजिक और वाणिज्यिक क्षेत्र में प्रयोग करने के लिए नियुक्ति छुट्टी ली। 60 छात्रों को नियुक्ति पूर्व प्रस्ताव मिला। सार्वजनिक, निजी और सरकारी संगठनों के सीएक्सओ स्तर के 60 से अधिक अधिकारियों ने एफएमएस में छात्रों के लिए आमंत्रित व्याख्यान दिए। अनेक छात्रोंने कंपनियों और अन्य प्रमुख व्यवसाय स्कूलों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीतीं।

चिकित्सा विज्ञान संकाय

शरीर रचना विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने विद्यालय के छात्रों और स्नातक मेडिकल छात्रों के लिए 29 जुलाई, 2015 को एसजे सभागार फोयर और चिकित्सा शिक्षा हॉल, एलएचएमसी में "अंगों के साथ वार्ताः किशोर स्वास्थ्य के लिए एक कदम" पर एक विचार गोष्ठी सह प्रदर्शनी का आयोजन किया। संगोष्ठी के मुख्य आकर्षण थेः

• अंग दान और प्रत्यारोपण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए डॉ. रीता धर द्वारा अंग दान पर स्वास्थ्य तंबोला का आयोजन किया गया। तंबोला के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

• डॉ. इंदु ग्रेवाल (प्रमुख, स्वास्थ्य संवर्धन और शिक्षा प्रभाग, सीएचईबी, दिल्ली) ने "स्वस्थ रहना एबीसीडीई जितना आसान है" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

• डॉ. नंद कुमार (अतिरिक्त प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली) ने "शराब और नशीली दवाओं का दुरुपयोगः शरीर और मस्तिष्क पर प्रभाव" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

27 अक्टूबर, 2015 को एमबीबीएस, प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। संगोष्ठी के मुख्य आकर्षण थेः

• डॉ. अंजना सेन (भावनात्मक बुद्धिमत्ता सलाहकार, प्रशिक्षक एवं कोच) ने "अधिकतम संभावना, भावनात्मक बुद्धि के माध्यम से तनाव को कम करने" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

•डॉ. मोहित दयाल गुप्ता (एसोसिएट प्रोफेसर, कार्डियोलोजी, जीबी पंत अस्पताल, दिल्ली) ने "युवा चिकित्सक मन के कायाकल्प" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

सितंबर 2015 से फरवरी को 2016 के बीच शरीर दान जागरूकता अभियान शुरू किया गया था।

• पूर्व स्नातक मेडिकल छात्रों के लिए "शरीर दान जागरूकता" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता और रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

• 25 मेडिकल छात्र स्वयंसेवकों को सूचीवद्ध और अभियान के लिए प्रशिक्षित किया गया।
• दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में सामान्य जन जागरूकता व्याख्यान दिए गए थे। पर्चे भी वितरित किए गए।
• गैर–सरकारी संगठन – दधिचि के साथ सहयोग में देह दान शुरू किया गया था।

प्रकाशन

के सैनी, (2015) सूखी वयस्क मानव खोपड़ी में रंध्र मैग्नम का एक मार्फोमेट्रिक अध्ययन, वर्तमान शोध और समीक्षा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7 (4), 14–19.

एन यादव, के सैनी, के पाटिल, (2015) वयस्क मानव त्रिकास्थि का उपयोग कर लिंग का निर्धारण – एक मार्फोमेट्रिक अध्ययन, वर्तमान शोध और समीक्षा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7 (3), 22–28.

के छाबड़ा, के सैनी, (2015) महाधमनी और उसकी शाखाओं के आर्क का मार्फोमेट्रिक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (2), 1016–1082.

पी शिलाल और ए तुली, (2015) दाहिने यकृत नसों जिगर के दाहिने भाग के पीछे के खंड की वाहिका के पैटर्न में शारीरिक बदलाव, जे क्लीन डायजेन रेस, 9(3), एसी08– एसी 12. जारी करने की तारीखः 10.7860/जेसीडीआर/2015d8736.5671.

आर महाजन, ए तुली, एस रहेजा, (2015) गुर्दे और पैरानेफ्रिक वसा वाहिका के बीच विपथगामी धमनी सम्मिलनः एक सेरेंजिपिटियस खोज, एससीएच जे. अनुप्रयुक्त कित्सा विज्ञान, 3(3एच)ः1567–1569.

आर महाजन, एस रहेजा, ए तुली, एस सिंह, एस अग्रवाल, (2015) कपटपूर्ण उलनर धमनी और गेंटजरत की पेशीः नैदानिक प्रभाव के साथ एक दुर्लभ प्रस्तुति, आइएआइएम, 2(7), 141–146.

मंगला कोहली, रीहा महाजन, पायल बंसल, अनीता तुली, पीए अथीरा (2015) कोशिका जीवविज्ञान और नीतिशास्त्रः ज्ञान, भारत में एंटोमिस्टों के दृष्टिकोण और प्रथाएं, जीवविज्ञान एवं दवाओं की पत्रिका,3ः 66–72. du.doi.org/10.4236/jbm.2015.33010.

एल मेहरा, एस रहेजा, एस अग्रवाल, वाई रानी, के कौर, ए तुली, (2016). कोरोनरी साइनस कैथीटेराइजेशन का शारीरिक विचार और संभावित जटिलताएं। निदान और नैदानिक अनुसंधान की पत्रिका। जारी करने की तारीखः10-7860/jcdr/2016/16455-7295

बी बी अग्रवाल, चिंतामणि और एस अग्रवाल, (2015). फास्ट ट्रैक सर्जरी– सर्जरी के पक्षीय प्रभाव को न्यूनतम करना। शल्य चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, 77[S3] 7537758. जारी करने की तारीखः10.1007d12262–016–1451–8

एल मेहरा, एस रहेजा, एस अग्रवाल, वाई रानी, के कौर और ए तुली, (2016). ट्रांसवेनस माइट्रल एनुलोप्लास्टी की संरचनात्मक बातेंरू कार्यात्मक माइट्रल ऊर्प्वनिक्षेप के उपचार के लिए एक अभिनव प्रक्रिया। शरीर रचना और कोशिका जीव विज्ञान, 49(1), 68. जारी करने की तारीखः10. 5115/acb.2016.49.1.68

पी ए अथिरा, एम कोहली आर महाजन, ए तुली, एम रानी (2016) मस्तिष्क गोलार्द्धों के आकृति विज्ञान में बदलाव और पॉलीगिरिया के विशेष संदर्भ में उनके नैदानिक निहितार्थ, वर्तमान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 8(3), 28554–28557.

अनुसंधान परियोजनाएं

"वयस्क मानव जिगर में ऊतकीय आयु संबंधित परिवर्तन" एलएचएमसी द्वारा वित्त पोषित।

"वयस्क भारतीय आबादी में मध्य मस्तिष्क धमनी का माइक्रोएनाटोमिकल और एंजियोग्राफिक अध्ययन" एलएचएमसी द्वारा वित्त पोषित।

"श्वासनली, ब्रांकाई और वयस्क मानव शव के फेफड़ों में फेफड़े के धमनी के साथ उनकी सहवर्ती स्थलाकृतिक संबंध का मार्फोमेट्रिक अध्ययन और तुलनीय आयु वर्ग के रोगियों में सीटी इमेजिंग"एलएचएमसी द्वारा वित्त पोषित।

"वयस्क मानव शव के मस्तिष्क और तुलनीय आयु समूहों में रोगियों के एमआर छवियों के साथ संबंध में सबथैलेमिक न्यूक्लियस का हिस्टोमार्फोमेट्रिक अध्ययन"। एलएचएमसी द्वारा वित्त पोषित।

"वयस्क मानव कंकाल और उनके परिवर्तनों का मानवशास्त्रीय अध्ययन"। एलएचएमसी द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ
डॉ. शीतल जोशी ने 19 नवम्बर–21 नवम्बर, 2015 के दौरान एनसीएचपीई द्वारा आयोजित एमएएमसी में "प्रौद्योगिकी के विवेकपूर्ण उपयोग एनाटॉमी व्याख्यान दिलचस्प बनाने के लिए" पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. मीनाक्षी वर्मा 20 –23नवंबर, 2015 के दौरान भारत की शरीर संरचना सोसायटी, केजीएमयू लखनऊ द्वारा आयोजित एनएटीसीओएन–63 में "मानसिक रंध्र का एकतरफा रूपांतर" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. ललित मेहरा ने 20 –23 नवंबर, 2015 के दौरान भारत की शरीर संरचना सोसायटी, केजीएमयू लखनऊ द्वारा आयोजित एनएटीसीओएन–63 में "परक्यूटेनस ट्रांसवेनस माइट्रल एनुलोप्लास्टी की संरचनात्मक बातें: कार्यात्मक माइट्रल रिगरगिटेशन के उपचार के लिए एक अभिनव प्रक्रियाष पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।

डॉ. आकांक्षा सिंह ने 20 –23 नवंबर, 2015 के दौरान भारत की शरीर संरचना सोसायटी, केजीएमयू लखनऊ द्वारा आयोजित एनएटीसीओएन–63 में ''मस्तिष्क धमनियों की विविधताएं और विसंगतियां और मध्य मस्तिष्क धमनी के विशेष संदर्भ में उनके नैदानिक निहितार्थ'' पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।

डॉ. पी ए अथिरा ने 20 –23नवंबर, 2015 के दौरान भारत की शरीर संरचना सोसायटी, केजीएमयू लखनऊ द्वारा आयोजित ''एनएटीसीओएन–63 में नपॉलीगिरिया– के साथ असमान मस्तिष्क गोलार्द्धों–नैदानिक निहितार्थ के साथ एक दुर्लभ खोज'' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग
एनाटॉमी विभाग के संकाय, एलएचएमसी ने भारतीय आर्थोपेडिक एसोसिएशन दिल्ली चौप्टर के तत्वावधान में 6 दिसम्बर, 2015 को एक प्राथमिक अस्थिभंग और निर्धारण कार्यशाला का आयोजन किया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं:
- राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त शवलेपन केंद्र,
- शोध और शिक्षण के लिए भ्रूण भंडार।
- अस्थि बैंक और अस्थायी अस्थि प्रयोगशाला की स्थापना (आने वाली)
- तंत्रिका जीव विज्ञान प्रयोगशाला,
- सूक्ष्म शरीर रचना विज्ञान प्रयोगशाला,
- शल्य कौशल के लिए शव प्रयोगशाला
- शिक्षण और प्रदर्शनों के लिए वीडियो विच्छेदन

शरीर रचना विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रकाशन
आर चौहान, (2016) एमएलटी और अन्य संबद्ध पाठ्यक्रमों के लिए शरीर–रचना, अविचल प्रकाशन कंपनी, नई दिल्ली, भारत
आर चौहान, एम नागर, (2015) पृष्ठीय त्रिक आयामी शरीर–रचना–पुनर्विचार, चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(6), 1473–1477.

आर चौहान, एम नागर, (2015) उत्तर भारतीयों में शारीरिक प्रोफाइल और मानव त्रिक अंतराल का मार्फोमेट्रिक मूल्यांकन। शल्य चिकित्सा शिक्षा की पत्रिका। 5(2), 8–12.

पी रानी, एस कालरा, (2015) एक शव में साइटिक तंत्रिका के विभाजन के सामान्य और विविधता के स्तर का अध्ययन और शल्य हस्तक्षेपों में नैदानिक अनुप्रयोगों के साथ युग्मित विसंगतियां, शरीर रचना विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 3(3), 1230–1236.

संकाय की संख्याः स्थायी – 2

निश्चेतन और गहन देखभाल
जी बी पंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इस शैक्षणिक वर्ष में, एनेस्थीसिया विभाग द्वारा 16 लेख प्रकाशित किए गए थे, विभिन्न सम्मेलनों में 12 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 4 ने पुरस्कार जीते। संकाय सदस्यों को 37 शैक्षणिक मंचों में अतिथि व्याख्यान, शैक्षणिक सत्रों की अध्यक्षता, पुरस्कृत शोधपत्रों के निर्णय और पैनल चर्चा तथा प्रो–कॉन सत्रों के लिए विशेषज्ञ राय देने के लिए आमंत्रित किया गया था। 18 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गईं थीं। डॉ. आर उप्पल, एनेस्थीसिया के प्रमुख ने दो नए पाठ्यक्रमों– डी एम कार्डियाक और डी एम न्यूरो एनेस्थीसिया शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की।

विभाग ने दो सम्मेलनों का आयोजन किया, इसने अस्पताल की स्टाफ नर्सों के लिए "एनेस्थेसिया और गहन देखभाल" और "जीसीएस" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया। 282 अस्पताल कर्मियों को "बुनियादी जीवन समर्थन कौशल" में प्रशिक्षित किया गया। डॉ. राजीव उप्पल और डॉ. ए एस तोमर, क्रमशः अस्पताल आपदा प्रबंध समिति के अध्यक्ष और संयोजक ने अस्पताल की आपदा तैयारियों में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान किया है। डॉ. अनिर्बान एच चौधरी के गहन देखभालमेडिसिन की इंडियन सोसायटी द्वारा"उत्कृष्टता के सम्मान" से सम्मानित किया गया।

सम्मान/ विशिष्टताएं

डॉ. अनिर्बान एच चौधरीः गहन देखभाल मेडिसिन की इंडियन सोसायटी द्वारा "उत्कृष्टता के सम्मान" से सम्मानित किया गया।

डॉ. आर चावला डॉ शिखा बंसलरू 3 एम्स न्यूरो आघात सम्मेलन, अक्टूबर 2015 में "भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में नर्सों में ग्लासगो कोमा स्केल के बारे में जागरूकताः एक सर्वेक्षण" पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रगति गंजू, डॉ. इजहारः दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन संबद्ध विज्ञान अनुभाग मार्च 2016 के 18 वें वार्षिक सम्मेलन में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया। विषयः मस्तिष्क ट्यूमर के दो रोगियों में फिनाइटोइन संबंधित घातक स्टीवन जॉनसन सिंड्रोमः सामान्य ऐंठन विरोधी चिकित्सा पर फिर से विचार की जरूरत है?

डॉ. मोनिका एस टंडन, डॉ. प्रियंका खुराना, डॉ. पारुल शमार्रू दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशनः संबद्ध विज्ञान अनुभाग, मार्च 2016 के 18वें वार्षिक सम्मेलन में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विषयः एंडोवास्क्यूलर क्वॉयलिंग के बाद विलंबित उद्भव– संवेदनाहारी प्रभाव एक रेड हेरिंग है?

डॉ. आर चावला, डॉ. शिखा बंसलत अक्टूबर 2015 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, तृतीय न्यूरो एनेस्थीसिया अद्यतन में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विषयः भारत में अनेस्थिसियोलॉजी स्नातकोत्तरों में कोमा स्केल जागरूकताः एक सर्वेक्षण।

प्रकाशन

वी दत्त, डी टेम्पे, पी लालवानी, एस अग्रवाल, पी कुमार, ए दिवाकर और ए तोमर, (2015). टेट्रालजी कुल सुधार और नए होमोलॉगस पेरिकार्डियल फेफड़े के वाल्व में नाली आरोपण के दौर से गुजरने के टेट्रालजी के साथ डैंडी वॉकर कुरूपता के साथ एक रोगी का पेरीऑपरेटिव प्रबंधनःएक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। कार्डियाक अनेस्थेसिया का इतिहास, 18(3), 433.

डी टेम्पे, के चौधरी, ए दिवाकर, वी दत्त, एस विरमानी, ए तोमर, वी मोहीरे, (2016). ट्रुव्यू पीसीडी टीएम के साथ लैरिंगोस्कोपी और इंटुबैशन के लिए रक्तसंचार प्रकरण प्रतिक्रियाओं की तुलना, मैकग्रेथ एवं मैकिंगतोश कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग के दौर से गुजर रोगियों में लैरिंगोस्कोपः एक यादृच्छिक भावी अध्ययन। कार्डियाक अनेस्थेसिया का इतिहास,19(1), 68.

डी टेम्पे, यू बत्रा, वी दत्त, ए तोमर और एस विरमानी, (2015). फेफड़े की धमनी का कैथेटर कहाँ तैरता हैः ट्रांसएसोफगेअल इकोकार्डियोग्राफी मूल्यांकन। कार्डियाक अनेस्थेसिया का इतिहास,18(4), 491.

एम कुमार, आर चावला, एम गोयल, (2015) सामयिक एनेस्थीसिया। एनेस्थिसियोलॉजी और चिकित्सीय औषध की पत्रिका, 31(4), 450– 456.

ए जिंदल, बी सी शर्मा, एस सचदेवा, आर चावला, एस श्रीवास्तव और एस महर्षि, (2015). सिरोटिक रोगियों में यकृत एनसिपैथोलॉजी की गंभीरता के निदान और आकलन के लिए बाइस्पेक्ट्रल सूचकांक निगरानी। पाचन और यकृत रोग, 47(9), 769–774.

पी गंजू (2015). मोयामोया रोग के लिए दुबारा वास्क्यूलराइजेशन सर्जरी के बाद परिणामःएक एनेतियोलॉजिस्ट का परिप्रेक्ष्य। न्यूरोलॉजी इंडिया, 63(5), 654.

एम एस टंडन, के कीरो, (2016), मस्तिष्क की चोट। बबीता गुप्ता (संपा.) संज्ञाहरण और गहन देखभाल की अनिवार्य बातेःमें, प्रथम संस्करण, पी पी पब्लिशर, नई दिल्ली, 254–285.

एस मोहंती, जे डबास, एम एस टंडन, डी सिंह, (2015), क्रेनियोफेसियल शल्यचिकित्सा के पश्चात तीव्र संचार विफलताः दुर्लभ घटना और दुर्लभ कारण, मैक्सिलोफेशियल सर्जरी की राष्ट्रीय पत्रिका, 6(1), 93–95.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. विष्णु दत्त, "मानक पीए कैथेटर के साथ टीईई माप की सटीकता की तुलनाः वयस्क हृदय शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे रोगियों में फेफड़े के धमनी दबाव की माप"।

डॉ. प्रगति गंजू, "बैठने की स्थिति में सर्जरी के जोखिम और लाभ का विश्लेषण"।

डॉ. मोनिका एस टंडन, "डिकम्प्रेसिव क्रेनियेक्योमी के बाद परिणामों का एक विश्लेषण"।

डॉ. संजुला विरमानी, "ऑन पंप और ऑफ पम्प सीएबीजी का एक सर्वेक्षण"।

डॉ. प्रियंका खुराना, "शल्यक्रिया के पश्चात दर्द प्रबंधन के लिए ज्ञान, दृष्टिकोण और नर्सों के अभ्यास"।

आयोजित सम्मेलन

अप्रैल 2015 में एनेस्थिसियोलॉजिस्टों की इंडियन सोसायटी (दिल्ली चौप्टर) का 54 वां वार्षिक सम्मेलन, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली में।

शताब्दी में गहन देखभाल में प्रगति पर तृतीय वार्षिक सम्मेलन (एसीसीओआरडीआईओएन)। नवंबर 2015, सिल्वर ओक, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

कुल संख्याः 35, (डॉ. आर चावला – अंतरराष्ट्रीय–1, राष्ट्रीय– 5, डॉ. विष्णु दत्त –2, डॉ. पी गंजू – 8 राष्ट्रीय, डॉ. ए एच चौधरी –14 राष्ट्रीय, डॉ . मोनिका एस टंडन –5 राष्ट्रीय, डॉ. एस विरमानी –1 राष्ट्रीय, डॉ. प्रियंका खुराना – 1)

डॉ. प्रगति गंजूः 8–9 अगस्त 2015 को न्यूरोसर्जरी जीआईपीएमईआर विभाग द्वारा आठवें एनएसआई शिक्षण और दूसरे फाउंडेशन कोर्स 2015 के लिए आयोजित "वेंटिलेटर से हटाना" पर अतिथि व्याख्यान

डॉ. प्रियंका खुरानाः ईओआरसीएपीएस, दिल्ली, सितंबर 2015 में "ड्यूरल पंचर के बाद सिरदर्द" पर अतिथि व्याख्यान

डॉ. राजीव चावलाः बुसान, दक्षिण कोरिया में, न्यूरोएनेस्थिसिया और गहन देखभाल की एशियाई सोसायटी के चौथे सम्मेलन में, "न्यूरोसर्जरी में आरबीसी ट्रांसफ्यूजन" पर अतिथि व्याख्यान।

डॉ. अनिर्बान एच चौधरीः

प्रस्तुत 27–30 जून, 2015 को मैड्रिड, स्पेन में क्लिनिकल औषध विज्ञान और चिकित्सा के यूरोपीय संघ के 12वें कांग्रेस में "यूलिनेस्टेशन का प्रारंभिक उपयोग एनेस्टोमोटिक विफलता के बाद सेप्टिक सदमे में एमओडीएस को कम कर देता है" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोगः

एल.एन.जे.पी. अस्पताल के आवासियों का हृदय और न्यूरो एनेस्थीसिया प्रशिक्षण।

कार्डियाक और न्यूरो एनेस्थीसिया रेलवे अस्पताल, नई दिल्ली से डॉक्टरों का प्रशिक्षण

संकाय की संख्याः स्थायीः 11

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीः

निम्न संकाय सदस्यों ने वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में काम कियाः

डॉ. विष्णु दत्तः कार्डियॉक अनेस्थेसिया का इतिहास

डॉ. प्रगति गंजूः अनेस्थिसियोलॉजी और चिकित्सीय औषध की पत्रिका, न्यूरोलॉजी भारत, गहन देखभाल मेडिसिन की भारतीय पत्रिका, एनेस्थिसियोलॉजी की भारतीय पत्रिका, न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और गहन देखभाल की पत्रिका।

डॉ. मोनिका एस टंडनः न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और गहन देखभाल की पत्रिका

डॉ. अनिर्बान एच चौधरीः गहन देखभाल की पत्रिका, गहन देखभाल चिकित्सा की भारतीय पत्रिका"।

जैव रसायन (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
इस साल चार एमडी छात्रों ने पर्यवेक्षक के रूप में जैव रसायन विभाग के शिक्षकों के साथ और अन्य विभागों के 20 से अधिक एमडी/एमएस ने सह–पर्यवेक्षकों के रूप में जैव रसायन शिक्षकों के साथ थीसिस/प्रोटोकॉल प्रस्तुत किया है। संकाय ने एसीबीआई, एएमबीआई, आईएसएआर आईएसएसआरएफ और आईएबीएस के वार्षिक सम्मेलनों में भाग लिया है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगभग 10 प्रकाशन किए गए हैं। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में स्नातकोत्र छात्रों को दो सम्मानध्पुरस्कार दिए गए थे।

विभाग पूरी तरह से स्वचालित आधुनिक एनालाइजर के साथ–साथ हार्मोन प्रयोगशाला और आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला के साथ नियमित और 24X7X365 दिन आपात नैदानिक प्रयोगशाला सेवाओं चलाता है। केएससीएच नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला को जैव रसायन विभाग द्वारा अधिगृहीत किया गया है। इस साल नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला में आयोजित परीक्षण की कुल संख्या 10 लाख से अधिक है।

सम्मान/विशिष्टताएंः
डॉ. रितु सिंहः जीनोमिक्स 2014–2015 में डीएचआर–आईसीएमआर इंटरनेशनल फैलोशिप

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अंजू जैनः "पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम के साथ बांझ महिलाओं पर एन एसिटाइल सिस्टीन, मेटफार्मिन या प्लेसबो चिकित्सा की प्रभावकारिता तुलना करने के लिए नैदानिक, हार्मोन, चयापचय और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रोफाइल का क्लोमिफेन साइट्रेट के साथ एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण"।

डॉ रितु सिंहः "प्रीक्लेम्पसिया की भविष्यवाणी के लिए गर्भावस्था की पहली तिमाही में गर्भावस्था से संबंधित प्लाज्मा प्रोटीन (पीएपीपीए) और स्वतंत्र β एचसीजी स्तर, गर्भाशय धमनी डॉपलर और मातृ कारकों की भूमिकाः आईसीएमआर 5ध्7ध्509ध्10–आरएचएन"।

डॉ. बिनीता गोस्वामीः "एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के रोगियों में ट्यूमर बोझ के संकेतक के रूप में सीरम वीईजीएफ, वीईजीएफ–आर2 पेक्सालीन और एकेटी स्तर और वीईजीएफ, वीईजीएफ–आर2 पेक्सालीन और एकेटी अभिव्यक्ति की भूमिका,"।

सम्मेलनों का आयोजन

संगोष्ठी दिल्ली अध्याय– आईएसएआर "हृदय रोगों में हाल की प्रगति"

"प्रजनन स्वास्थ्य के आण्विक पहलुओं" पर संगोष्ठी

संकाय की संख्याः स्थायीः 9

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
- विशेष जैव रसायन प्रयोगशाला परीक्षण शुरू कियारू सीरम इंसुलिन, विटामिन बी 12, फोलिक एसिड और विटामिन डी

• पूरी तरह से जैव रसायन एलएचएमसी और एसएसकेएच विभाग के अधीन केएससीएच जैव रसायन प्रयोगशाला।

• नया हार्मोन परीक्षण शुरू कियाः सीरम पीएसए और बीटा एचसीजी रोगी की देखभाल के लिए एसएसकेएच प्रयोगशाला में एसएसकेएच के अलावा चल रहे अन्य हार्मोन/ परीक्षण।

•एनएबीएल और एमसीआई में सभी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण मंजूरी प्राप्त।

जैव रसायन (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के साथ ही अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। तीन छात्रों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया और वर्तमान में विभिन्न संकाय सदस्यों के अधीन पीएचडी के लिए 16 छात्र पंजीकृत हैं। हमारे संकाय सदस्यों को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उनमें से कई विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ/तकनीकी/समीक्षक समितियों में प्रतिष्ठित पदों पर हैं। वर्तमान में जैव रसायन विभाग में आठ परियोजनाएं चल रही हैं। डीबीटी, आईसीएमआर और आयुष (2015–2016) द्वारा तीन नई परियोजनाओं मंजूर किया गया है। संकाय सदस्यों ने सहकर्मी समीक्षा की अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं में में तीस से अधिक उच्च प्रभाव कारक शोध लेख प्रकाशित किये हैं।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. एस.बी. शर्मा, निदेशक प्रोफेसर 2015–2017 में, एथेरोस्लेरोसिस अनुसंधान की इंडियन सोसायटी के अध्यक्ष चुने गये।

प्रकाशन (चयनित)

कुलः 30

एस के शुक्ला, एस बाला, यू आर सिंह, एस अहमद, एस द्विवेदी, (2015) अर्जुन वृक्ष (रोक्स्ब.) रुकें एवं कमाएँ। चूहों में आइसोप्रोटेरोलॉल प्रेरित कार्डियोटॉक्सिटी में एंटीऑक्सिडेंट और एपोटोटिक विरोधी प्रपात के माध्यम से कार्डियो संरक्षण में संवर्धन, प्रयोगिक जीवविज्ञान की भारतीय पत्रिका, 53, 810–818.

एम मेहंद्रिता और डी पुरी, (2015) प्रयोगशाला जांच के लिए नमूना संग्रह और प्रसंस्करण के बारे में मेडिकल इंटर्न के प्रशिक्षण के लिए भूमिका निभाने को अपनाना, औषध जैवरसायन की भारतीय पत्रिका,19(1), 24–27.

पी दीक्षित, एम के त्यागी, के शुक्ला, जे के गंभीर और आर शुक्ला, (2015). कोलेस्ट्रॉल खिलाए गए विस्टर चूहों में मूसा सेपिन्टम (केला) के तने की स्ट्रॉल समृद्ध मेथनॉल सार का एंटीहाइपरकोलेस्ट्रोलेमिक और एंटीऑक्सिडेंट प्रभाव। खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पत्रिका, 53(3), 1690–1697.

एम ए खान, एम सुब्रह्मणयम, वी के अरोड़ा, बी डी बनर्जी, और आर एस अहमद, (2015). इडियोपेथिक भ्रूण के विकास के प्रतिबंध के साथ मातृ भ्रूण में प्ररुपी अभिव्यक्ति और गलूथियोन एस ट्रानफेरस जीन की बहुरुपता। पूरक और एकीकृत चिकित्सा की पत्रिका, 12(2), 117–125.

एन चंद्रा, एम मेहेंद्रिता, बी डी बनर्जी, के गुलेरिया, और ए के त्रिपाठी, (2015). कोलेजन प्रेरित गठिया से ग्रस्त चूहो में ऑक्सिडेटिव तनाव और प्रतिपिंडो के उत्पादन में सुधार पर विथानीय सोम्निफेरा (अश्वगंधा) की जड़ के सत्व का प्रभाव। प्रजनन स्वास्थ्य और चिकित्सा की पत्रिका, 1(1), 10–17.

एस गर्ग, आर कर, एस वी मधु, (2015) बिना इलाज के टाइप 2 मधुमेह के प्रारंभिक दौर में उच्च घनत्व लिपो प्रोटीन काफी कम हो जाता है, नैदानिक जैव रसायन और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2, 13–17.

एम मेहेंद्रिता, एस गर्ग, आर कर , डी पुरी, (2016) मेडिकल छात्रों को पढ़ाने के वर्तमान तरीकों में कमीः राय और विकल्प, नैदानिक जैव रसायन अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेसीबीआर), 3(1), 100–104.

के देव, एस बी शर्मा, एस गर्ग, ए अग्रवाल, और एस वी मधु, (2016). ग्लाइकेटेड एपोलिपो प्रोटीन बी–एक उप क्लिनिकल एथिरोस्क्लिरोसिस के किराए मार्कर। – मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोमः नैदानिक अनुसंधान एवं समीक्षा, 10(2), 78–81.

एम मेहेंद्रिता, एस गुप्ता, एवं डी पुरी, (2015) भूमिका निभानाः चिकित्सा पूर्वस्नातकों के लिए जैव रसायन शिक्षण का एक तरीका है, चिकित्सा जैवरसायन की भारतीय पत्रिका, 19(1), 39–41.

पी एस देशमुख, एन नसारे, के मेघा, बी डी बनर्जी, आर एस अहमद, डी सिंह, पी के मेंद्रिता, (2015). कम तीव्रता माइक्रोवेव विकिरण के संपर्क में चूहों में संज्ञानात्मक हानि और न्यूरोजीनोटॉक्सिक प्रभाव। विषाक्तता की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 34(3), 284–290.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ बी.डी. बनर्जी, डीबीटी अनुसंधान परियोजना, 2014 – 2017, शीर्षक "जीन –पर्यावरण इंटरएक्शन और उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के एटियलॉजी में उच्च जोखिम फीनोटाइप की पहचान" रु. 56 लाख।

डॉ, एस.बी. शर्मा, आईसीएमआर अनुसंधान परियोजना, सितम्बर, 2015 से अगस्त 2018, शीर्षक "मधुमेह ग्र्स्त चूहों...... डिजाइन और संश्लेषण।" " रु. 28,60,45 ६ –।

डॉ. रफत एस अहमद, आयुष अनुसंधान परियोजना, 2016– 2019 शीर्षक, "संज्ञानात्मक कार्यों और न्यूरो संरक्षण के सुधार के लिए आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले यूनानी नुस्खों की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए प्रयोगात्मक अध्ययन"। 47,00,160 रुपए।

डॉ. सीमा गर्ग, डीएचआर अनुसंधान परियोजना (एमआरयू, यूसीएमएस के अंतर्गत) के अंतर्गत, शीर्षक "प्लेटलेट को सक्रिय करने वाले कारक– एसेटील हाइड्रोलेस (पीएएफ–एएच), उपापचयी सिंड्रोम में, सूजन और ऑक्सीकरण तनाव के बीच परस्पर क्रिया "। 8.5 लाख रुपए ।

डॉ. राजर्षि कर, डीबीटी अनुसंधान परियोजना, 2015–2018 शीर्षक "केमोथिरेप्टक कारकों के प्रति प्रतिरोध का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर की प्राथमिक संस्कृतियां – एक प्रायोगिक अध्ययन", 25 लाख।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. राजर्षि कर ने 20 –22 नवंबर 2015 के दौरान पंडित बी डी शर्मा पीजीआईएमएस, रोहतक, में भारतीय चिकित्सा बायोकेमिस्टों एसोसिएशन के 23 वें वार्षिक सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर एसबी शर्मा की परियोजना शीर्षक" मधुमेह ग्रस्त चूहों में.......डिजाइन और संश्लेषण ...... "। रसायन विज्ञान विभाग एआरएसडी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोग में है।

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रीः 3

संकाय की संख्याः स्थायीः 07

जैव रसायन (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन प्रोफाइल और ऑक्सीडेंट और दमा में रक्त की एंटीऑक्सीडेंट स्थिति पर अध्ययन से पता चला है कि दमा के रोगियों में लाल रक्त कोशिकाओं में नियंत्रण की तुलना में ऑक्सीडेटिव तनाव अधिक हो जाता है। दमा और स्वस्थ लोगों में प्रोटीन के 2–डी वैद्युतकणसंचलन में एरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन प्रोफाइल ने महत्वपूर्ण अंतर अभिव्यक्ति दिखायी है, जिसे ऑक्सीडेटिव तनाव के साथ जोड़ा जा सकता है।

उत्तर भारतीय आबादी में अस्थमा की विभिन्न भड़काऊ साइटोकिन्स की अभिव्यक्ति के साथ सीआरएचआर1 और जीआर जीन बहुरूपता और इनके संबंध पर अध्ययन ने 16 प्रकार के दमा में 37260 (आरएस242940) (टी/सी), 50089 (आरएस 242949) (टी/सी) 50229 (ए/सी), 50300 (ए/सी) पर सीआरएचआर 1 जीन में एसएनपीएस की उपस्थिति देखी गई। जीआर जीन उत्पत्ति की अनुक्रमण में प्रगति हो रही है।
चूहों के मॉडल में ब्लेओमाइसीन प्रेरित फेफड़ों फाइब्रोसिस के विकास में सहज प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया तंत्र की भूमिका का अध्ययन किया गया था। बाह्य मैट्रिक्स पुनःप्रतिरूपण में शामिल प्रोटीज (एमएमपी 9) और प्रोटीज विरोधी (टीआईएमपी –1) में सातवें दिन से चौदहवें दिन तक की एमएमपी 9 प्रोटीन अभिव्यक्ति में वृद्धि का पता चला और 28वें इसमें कमी आई, जबकि टीआईएमपी –1 अभिव्यक्ति प्रगति में प्रोटीज और विरोधी प्रोटीज गतिविधि में एक असंतुलन दिखाने वाली वृद्धि हुई।

अनुसंधान परियोजनाएं

श्री मनोज कुमार, डीबीटी अनुसंधान परियोजना, शीर्षक "एरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन प्रोफाइल और ऑक्सीडेंट और दमा में रक्त की एंटीऑक्सीडेंट स्थिति पर अध्ययन"। 14.92 लाख

डॉ. राजेंद्र सिंह (डॉ. डीएस कोठारी पोस्ट डॉक्टरल फैलो), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुसंधान परियोजना, शीर्षक "एरिथ्रोसाइटिक झिल्ली प्रोटीनरू अभिव्यक्ति प्रोटिओमिक्स और दमा में उनके महत्व ", 16.57 लाख।

श्री अनिल मीणा (आईसीएमआर–जेआरएफ), आईसीएमआर अनुसंधान परियोजना, शीर्षक "सीआरएचआर 1 और जीआर जीन बहुरूपता पर एक अध्ययन और उत्तर भारतीय आबादी में अस्थमा में विभिन्न भड़काऊ साइटोकिन्स की अभिव्यक्ति के साथ उनके सह–संबंध", 16.10 लाख।

सुश्री अपूर्वा पांडे (यूजीसी–एसआरएफ), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुसंधान परियोजना, शीर्षक "ब्लेओमाइसीन प्रेरित फेफड़े के फाइब्रोसिस के विकास में सहज प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया तंत्र की भूमिका", 19.00 लाख।

संकाय की संख्याः स्थायी' 02

कार्डियोलॉजी (जीबीपीएच)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
कार्डियोलॉजी विभाग सबसे अच्छा मानकों के हृदय देखभाल को हर व्यक्ति की पहुंच के भीतर लाने का प्रयास करना है। वर्ष 2015 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और गठिया इस्कीमिक हृदय रोग और कोरोनरी धीमी प्रवाह की आनुवंशिकी में बुनियादी अनुसंधान प्रमुख सहकर्मी समीक्षा की अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए थे।

अनुसंधान परियोजनाएं
विभाग में निम्नलिखित परियोजनाओं को पूरा किया गयाः

"तीव्र रोधगलन के बहुत युवा रोगियों में एपीओ–ई जीन बहुरूपता और गैर परंपरागत जैव रासायनिक जोखिम कारकों का महत्व"।

"35 वर्ष से कम आयु के एमआई के रोगियों में जनसांख्यिकीय, नैदानिक, एंजियोग्राफिक और जोखिम कारक प्रोफाइल"।

"रिम्युटिक माइट्रल स्टेनोसिस के रोगियों में पी लहर फैलाव और आमवाती माइट्रल आलिंद विद्युत देरी पर बीएमवी का प्रभाव।"

"भारतीय आबादी में कोरोनरी के धीमी प्रवाह के भविष्य वक्ता"।

"माइट्रल वाल्व प्रतिस्थापन के दौर से गुजरने वाले रूमेटिक माइट्रल वाल्व रोग और फेफड़े के उच्च रक्तचाप के रोगियों में फेफड़े संवहनी परिवर्तन का आकलन"।

आयोजित कार्यशालाएं / संगोष्ठियां
जटिल पूर्ण अवरोध पर कार्यशाला, जापानी ऑपरेटर डॉ. कावजारी द्वारा।

डॉ निराट बेवहर, कार्डियोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर और निदेशक, संरचानात्मक हृदय रोग कार्यक्रम ने एमटी सिनाई मेडिकल सेंटर में "कोरोनरी धमनी की बीमारी के लिए पेक्युटेनस उपचारों" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. शनाखून कुरैशीः प्रोफेसर और निदेशक ने एविलिना हृदय केंद्र, लंदन में जन्मजात हृदय रोग में एंबोलाइजेशन चिकित्सा पर एक भाषण दिया।

डॉ. साल्वाटोर केसासे, निदेशक जर्मन हार्ट केंद्र, म्यूनिखः पीसीआई रोगियों के लिए एंटीप्लेटेलेट्सः वर्तमान रुझान और भविष्य के निर्देश पर व्याख्यान दिया।

अंतर संस्थागत सहयोग
विभाग ने जीनोमिक्स के संस्थान और उन्नत आनुवांशिक विश्लेषण के लिए एकीकृत जीवविज्ञान के साथ सहयोग किया है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
विभाग ने विशेष रूप से हृदय रोग की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया है। विभाग के संकाय हृदय रोग पर विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रमों आरंभ कर रहे हैं।

- नर्स दिवस पर स्वस्थ और सुखी जीवन का राज "व्यस्त लोगों के लिए आसान जीवन" पर व्याख्यान।
- "तनाव प्रबंधन, आत्म परिवर्तन, स्वस्थ जीवन शैली और जीवन शैली के विभिन्न संशोधनों के रहस्यों पर व्याख्यान।
- विभाग हृदय रोगों की रोकथाम पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन करता है और उनमें भाग लेता है।
- विभाग का योग केंद्र हृदय रोगियों की रोकथाम और जीवन शैली प्रबंधन में मदद करता है।

सामुदायिक चिकित्सा (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने एमबीबीएस, एमडी, पीएचडी के नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा इस अवधि के दौरान 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजन किया है। आठ एमडी शोध पूरे किए, एक पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की, दो आईसीएमआर छात्रवृत्ति परियोजनाओं को पूरा किया। वर्तमान में विभाग में आईसीएमआरध्सनोफी पाश्चर द्वारा वित्त पोषित पांच परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। विभाग के शिक्षकों ने 65 प्रकाशनों और 7 पुस्तकों/अध्यायों में योगदान किया। संकाय सदस्यों ने कई सम्मेलनों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में अध्यक्ष आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया या शोध पत्र प्रस्तुत किए। विभाग ने चार स्वास्थ्य केन्द्रों में 217233 मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की, बच्चों को प्रतिरक्षित किया और महिलाओं को गर्भ निरोधक प्रदान किए तथा कई स्वास्थ्य वार्ताओं का आयोजन किया, समुदाय में प्रहसन खेले।

सम्मान और विशिष्टताएं

डॉ. सुनीला गर्ग को दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए शिशु जांच स्क्रीनिंग मॉड्यूल के दिशा–निर्देशों के विकास के लिए सम्मानित किया गया।

प्रकाशन (चयनित)

कुलः 65

आर सिंह, एस गर्ग, और डी खुराना, (2015). भारत में शिशु मामलो की सुनवाई स्क्रीनिंगः वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता। निवारक चिकित्सा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6(1), 113.

टी आनंद और एस गर्ग, (2015). भारत में माहवारी से संबंधित मिथकः इसका मुकाबला करने के लिए रणनीति। पारिवारिक चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल की पत्रिका, 4(2), 184.

एस गर्ग, ए रामलिंगम, और एन प्रभु, (2015) डेंगू में सुरक्षा निगरानी का सुदृढ़ीकरणः समय की मांग है, संक्रामक रोगों की भारतीय पत्रिका, 1(2).

आर बंसल, एस गर्ग और वी के गुप्ता, (2015) दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में वयस्कों के बीच उच्च रक्तचाप और उससे जुड़े जोखिम कारकः रणनीतिक कार्रवाई की आवश्यकता, चिकित्सा अनुसंधान और समीक्षा की पत्रिका, 1(2), 5–12.

ए मलिक, एम भीलवार, एन, रस्तोगी और डी.के. तनेजा (2015). दिल्ली के उत्तर पूर्व जिले, भारत में समेकित बाल विकास सेवा योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सुविधाओं और सेवाओं के एक आकलन। स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 27(3), 201–206.

वी सी सोयम, एन शर्मा, जे दास, पी बोरो, सी कोहली, ए खन्ना, और जी एस मीणा, (2015). टीबी–एचआईवी संदर्भित रणनीति और दिल्ली में एचआईवी परीक्षण की गैर तेजी के बारे में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं का परिप्रेक्ष्य– एक गुणात्मक अध्ययन। क्षय रोग की भारतीय पत्रिका, 62(3), 156दृ161.

एम भीलवार, पी लाल, एन शर्मा, पी भल्ला, और ए कुमार, (2015). उत्तर–पूर्वी दिल्ली, भारत के एक शहरी झुग्गी बस्ती में रहने वाली विवाहित महिलाओं में प्रजनन पथ के संक्रमण और उनके निर्धारकों के प्रसार। प्राकृतिक विज्ञान, जीव विज्ञान और चिकित्सा की पत्रिका, 6(3), 29–34.

जे साहू, एस वी सिंह, वी के गुप्ता, एस गर्ग, और जे किशोर, (2015). क्या सामाजिक जनसांख्यिकीय कारक अभी भी प्रसव के स्थान के विकल्प की भविष्यवाणी करते हैं। ग्रामीण उत्तर भारत में एक पार के अनुभागीय अध्ययन। महामारी विज्ञान और वैश्विक स्वास्थ्य की पत्रिका, [4] S27–S34-

बी बनर्जी, आर बनर्जी, (2015) मातृ एवं नवजात टिटनेस उन्मूलनः भारत के लिए "टोपी में एक और पंख", भारतीय जे संक्रामक रोगों की भारतीय पत्रिका, 1(2), 79–82.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ सुनीला गर्ग, सनोफी पाश्चर अनुसंधान परियोजना, शीर्षक "भारत में 5 से 10 साल की उम्र के बच्चों में संभावित डेंगू सेरोप्रिवीलेन्स अध्ययन"।

डॉ सुनीला गर्ग, सनोफी आईसीएमआर अनुसंधान परियोजना, शीर्षक "दिल्ली में गर्भावस्था में घरेलू हिंसा की भयावहता का भावी अध्ययन, इससे जुड़े कारक, संबंधित मातृ स्वास्थ्य और जन्म परिणाम।"

डॉ. सुनीला गर्ग, डब्ल्यूएचओ और एसएसएचआई रिसर्च प्रोजेक्ट, शीर्षक "दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में कान की स्थिति और सुनने की शक्ति की देखभाल"।

डॉ. एम.एम. सिंह, आईसीएमआर अनुसंधान परियोजना, शीर्षक "दिल्ली में लिंग आधारित हिंसा के संबंध में स्वास्थ्य सुविधा तैयारियां और ज्ञान, दृष्टिकोण और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के अभ्यास"।

आयोजित सम्मेलन

बेहतर सुनने की दिशा में कार्रवाई पर पहला विश्व सम्मेलन।

"डेंगू को हरानाः प्रभावी प्रतिक्रिया और उपचार के लिए तैयारियों पर गोलमेज चर्चा", आईएमपीआरआईएमआईएस द्वारा प्रायोजित, भावात्मक भारत सरकार के एमओएचएफडब्ल्यू, एनसीडीसी से प्रतिभागी।

बहरापन की रोकथाम और नियंत्रण के लिए आईईसी सामग्री की तैयारी पर हितधारकों की बैठक, भारत सरकार के एमओएचएफडब्ल्यू, अलियावरजंग संस्थान, एमएएमसी से प्रतिभागी।

भारत सरकार के एमओएचएफडब्ल्यू में सुनने की शक्ति की क्षति में बच्चों को शामिल किए जाने पर हितधारकों के साथ बैठक।

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर रासायनिक जोखिम के प्रभाव पर एमएएमसी, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

अंतर संस्थागत सहयोग

एमएएमसी में स्वास्थ्य कार्यक्रमों और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के बारे में दिल्ली न्यायिक सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण।

एमडी डिग्री से सम्मानितः 8

संकाय की संख्याः स्थायी – 11

सामुदायिक चिकित्सा (एलएचएमसी)

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. एस के रसानिया

• निरोधक एवं सामाजिक दवाओं के भारतीय संघ की फैलोशिप (एफआईएपीएसएम) से सम्मानित किया गया।

• सामुदायिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, सार्वजनिक स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, युवा चिकित्सा शोधकर्ताओं की पत्रिका, जरा विज्ञान और जरा में पोषण चिकित्सा की पत्रिका, चिकित्सा अनुसंधान की भारतीय पत्रिका के समीक्षक।

• निरोधक एवं सामाजिक दवाओं के भारतीय संघ के दिल्ली चौप्टर के सचिव।

• "व्यक्ति विकास केंद्र", के एक कार्यक्रम "आर्ट ऑफ लिविंग" अंतरराष्ट्रीय के एक कार्यक्रम के मानद संकाय, संयुक्त राष्ट्र गैर सरकारी संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त।

डॉ. बचानी

• स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा उपायुक्त (एनसीडी) के रूप में अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया

• एनसीडी और ट्रॉमा से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के योजना, समन्वय, निगरानी और पर्यवेक्षक।

• एनसीडी निगरानी और निगरानी पर संचालन समिति के सदस्य सचिव

• बाल रोग की भारतीय पत्रिका, चिकित्सा अनुसंधान की भारतीय पत्रिका (आईसीएमआर), सामुदायिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, आईएसआरएन संक्रामक रोग की पत्रिका, आदि के समीक्षक।

• सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य पत्रिका – दक्षिण एशिया संस्करण के संपादकीय मंडल के सदस्य

• एनसीडी पर जैव चिकित्सा अनुसंधान (ब्रिटेन) के विशेष अंक के मुख्य अतिथि संपादक

• पत्रिका "महामारी विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय" पत्रिका के संपादकीय सलाहकार मंडल के सदस्य

डॉ. जे. जी. प्रासुना

• 12–23, जनवरी 2015 को चुलालोंगकॉर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड में एसईएआर के मेडिकल स्कूलों में "लोक स्वास्थ्य शिक्षण के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में सरकार के उम्मीदवार के रूप में भाग लिया।

• "भारत में महिलाओं के अधिकाररू एक समकालीन परिप्रेक्ष्य"। 20 मार्च को एफआईएमटी, कापसहेड़ा, नई दिल्ली– 110037 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथि वक्ता ।

• अतिथि वक्ता – "महिलाओं के स्वास्थ्य – क्षेत्रीय स्टाफ प्रशिक्षण केन्द्र, लिंक हाउस बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में 13/10/15 को सीबीआई के कर्मचारियों के लिए।

डॉ. अनीता एस आचार्य

• वरिष्ठ कार्यकारी संपादक, चिकित्सा विशषताओं की भारतीय पत्रिका ।

डॉ. मनीष के गोयल

• युवा और किशोर स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका के संपादकीय मंडल के सदस्य
• आईएपीएसएम, दिल्ली अध्याय संयुक्त सचिव सह कोषाध्यक्ष।

प्रकाशन

टी के रे, एस गर्ग, विजय कुमार गुप्ता, जे चंद्र, एवं डी बचानी, (2015) दिल्ली के एक तृतीयक स्तर मेडिकल संस्थान में श्रमिकों के बीच एचआईवीध्एड्स के बारे में प्रथाओं पर ज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल प्रशिक्षण का प्रभाव, इंडियन प्रेक्टीशनर, 68:6, 53–58.

ए आचार्य, आर कौर, जे प्रासुना, और एन रशीद, (2015). प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दिल्ली में उपस्थित लोगों के बीच प्रसव को सुरक्षित बनाने के लिए महिलाओं की गर्भावस्था की जन्म तैयारियों और जटिलता तत्परता का अध्ययन। सामुदायिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, 40(2), 127 – 134.

पी.एम. कासदेकर, जे जी प्रसून., ए सुलानिया, एस रसानिया और एन द्विवेदी, (2015) "दिल्ली के एक पुनर्वास क्षेत्र में 5–14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में एनीमिया और रुग्णता का संबंध" सामुदायिक स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 27(2), 270–275.

ए सुलानिया, जे खांदेकर एवं एस नागेश (2015). एक शहरी समुदाय में बोझ और विकलांगता से संबद्ध कार्यात्मक हानि। चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 82 – 85.

ए आचार्य, और एम पंथ, (2015). सार्वजनिक स्वास्थ्य के सुधार और परिवर्तन में कंप्यूटर की अभूतपूर्व भूमिकाः एक उभरती हुई प्राथमिकता। सामुदायिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, 40(1), 8 – 13.

ए आर लस्कर, एस सूरी, एवं ए एस आचार्य, (2015) स्क्रब सन्निपातः भारत में फिर से उभरती सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या, सामान्य रोगों की पत्रिका, 47(3), 19–25.

जी खेड़ा, आर टंडन, ए एस आचार्य और एस आचार्य, (2015). एक तृतीयक देखभाल अस्पताल, दिल्ली में भारतीय रेलवे में काम करने वाले मरीजों के बीच रीढ़ की हड्डी विकारों का परिमाण और पैटर्नः एक परिप्रेक्ष्य अध्ययन। चिकित्सा विशेषताओं की भारतीय पत्रिका, 6(3), 88–93.

ए एस आचार्य, प्रियंका और जे खांडेकर, (2015) इंजेक्शन सुरक्षा के संबंध में मेडिकल इंटर्नों का ज्ञान, विश्वास और आचरणः मानक सावधानियां और सुई से चोट लगने की घटनाएंः दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन, स्वास्थ्य विज्ञान एवं अनुसंधान की भारतीय पत्रिका, 5(5), 72–79.

ए ठाकुर, एम के गोयल, और टी के रे, (2015) किशोरों में कैंसरः एक स्थिति की अनदेखी, युवाओं और किशोर स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 2(3), 58–63.

ए भट्ट, टी के रे, विभा और जे के साहनी (2015) दिल्ली के एक वंचित समुदाय के बच्चों में कान की समस्याएं, भारतीय चिकित्सक 68(4), पृ.22–26.

ए शर्मा, टी के रे, और एस नागेश, (2015) असुरक्षित यौन संबंध – दिल्ली में वंचित युवाओं के बीच एक गंभीर चिंता का विषय है, युवा और किशोर स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 2 (4),17–20.

ए भट्ट, टी के रे, विभा और जे के साहनी, (2015) दिल्ली के वंचित बच्चों में कर्ण स्वच्छता प्रथाओं, नेटल, जे मेड इंडिया, नेटल 28(6),280–81.

पी रॉय, एम गोयल, एस रसानिया, एस रॉय, वाई कुमार और ए कुमार, (2015). धन सूचकांक और मातृ स्वास्थ्य देखभालः एनएफएचएस –3 पर पुनर्विचार। सार्वजनिक स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 59(3), 217–219.

जी कुमार जी सेठ और एम के गोयल, (2015). यात्रियों का स्वास्थ्यः एक उभरता मुद्दा। चिकित्सा विशेषताओं की भारतीय पत्रिका, 6(1), 20–25.

ए ठाकुर, एम के गोयल, और टी के रे, (2015) किशोरों में कैंसरः गंभीर चिंता के साथ एक अनदेखी स्थिति, युवा और किशोर स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 2(3), 58–63.

आई गोयल, एम के गोयल, और एस नागेश, (2015) आपदा राहत कार्यकर्ताः स्वास्थ्य के मुद्दों, चिकित्सा में उन्नत अनुसंधान की पत्रिका, विशेष अंक, 2(1), 33–36.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. डी बचानी, निदेशक प्रोफेसर (पीआई), डॉ. अनीता एस आचार्य (सह पीआई), डॉ. ज्योति खांडेकर (सह पीआई) और डॉ. एस के रसानिया (सह पीआई) आईसीएमआर अनुसंधान परियोजना 2015 शीर्षक "स्वास्थ्य लेखांकन योजनाः एक बहु–क्षेत्रीय समन्वय के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल के लिए लोगों को सशक्त बनाना– परिचालन मूल्यांकन" रु. 36 लाख.

अंतर संस्थागत सहयोग

विभाग के संकाय इग्नू से मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएमसीएच) के लिए नामांकित छात्रों के प्रशिक्षण में शामिल है (एक कार्यक्रम अध्ययन केंद्र के रूप में)।

•एनेस्थिसिया विभाग के प्रशिक्षुओं के लिए सामाजिक मुद्दों, नेतृत्व और प्रेरक कौशल पर "पूर्व अस्पताल तकनीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीटीटी)"।

• विभाग के शिक्षक मदुरै में आई केयर कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के संसाधन व्यक्ति के प्रशिक्षण में शामिल है।
• एनसीडीसी, नई दिल्ली में एमपीएच छात्रों के प्रशिक्षण में अतिथि संकाय।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. डी बचानी

6 अप्रैल, 2015 को एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और जनसंख्या गतिविधियों की सार्क तकनीकी समिति की 5 वीं बैठक में प्रस्तुतकर्ता।

7 जून, 2015 को विजन 2020–भारत द्वारा आयोजित विजन –2020 भारत के 11 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुतकर्ता।

सरकार द्वारा आयोजित। 1 जुलाई 2015 को पंजाब सरकार द्वारा आयोजित रोकथाम एवं एनसीडी के प्रबंधन पर परामर्श बैठक में भारत सरकार के प्रतिनिधि।

मुख्य वक्ता का व्याख्यान, मधुमेह पर क्षेत्रीय गोलमेज सम्मेलन (तृतीयक देखभाल) में 7 जुलाई 2015 को सीआईआई द्वारा आयोजित।

नई दिल्ली में 25 सितम्बर 2015 को वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन द्वारा आयोजित सीवीडी रोडमैप बैठक के अध्यक्ष।

अध्यक्ष, भारत की कार्डियोलॉजिकल सोसायटीः विश्व हृदय दिवस, कोलकाता में 4 अक्टूबर, 2015 को सीएसआई द्वारा आयोजित।

23–26 नवंबर, 2015 को पीएचएफआई और डब्ल्यूएचओ द्वारा आयोजित बच्चों के पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर कार्यशाला में भारत सरकार के प्रतिनिधि।

14 दिसंबर, 2015 को आईसीआरडब्ल्यू द्वारा आयोजित शराब और महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर कार्यशाला में भारत सरकार के प्रतिनिधि।

19 दिसंबर, 2015 को आईआईपीएच द्वारा लोक स्वास्थ्य में फिजियोथेरेपी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता।

21– 23 दिसंबर, 2015 को डब्ल्यूएचओ द्वारा आयोजित सीवीडी के रोकथाम और प्रबंधन पर बैठक में भारत सरकार के प्रतिनिधि।

6 अप्रैल, 2015 को दिल्ली में "सार्क देशों में एनसीडी के रोकथाम और नियंत्रण के लिए बोझ और रणनीतियों", पर स्वास्थ्य और जनसंख्या गतिविधियों की सार्क तकनीकी समिति की 5 वीं बैठक में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नई दिल्ली में 10 अप्रैल, 2015 को संकल्प ग्लोबल सम्मेलन 2015: भारत में एनसीडी के खतरे का मुकाबला करने पर सत्र में "एनसीडी के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए बोझ और रणनीतियाँ" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

11 वें वार्षिक सम्मेलन, 7 जून, 2015 को विजन 20202–भारत, मुरादाबाद में "एनसीडी और आई केयर सेवाओं के अभिसरण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

4 अक्टूबर, 2015 को भारत की कार्डियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा विश्व हृदय दिवस पर कोलकाता में "भारत में सीवीडी के रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय प्रतिक्रिया" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

9 दिसंबर, 2015 को भौतिक चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर आनंद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गैर संचारी रोगों का बोझ" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अनीता एस आचार्य

4–5 दिसंबर, 2015 को आईएपीएसएम,दिल्ली चैप्टर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग और सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एलएचएमसी द्वारा "डेटा विश्लेषण" संगोष्ठी द्वारा आयोजित प्रायोगिक कार्यशाला में अतिथि वक्ता।

डॉ. मनीष कुमार गोयल

सामुदायिक चिकित्सा विभाग, बीपीएस सरकार द्वारा महिला मेडिकल कॉलेज, खानपुर कलां, सोनीपत, 2015 में आयोजित शोध पद्धति पर कार्यशाला में अतिथि वक्ता।

दिसंबर 2015 में सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एलएचएमसी, नई दिल्ली के विभाग द्वारा आयोजित, शोध पद्धति पर प्रायोगिक कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

ईशा गोयल, एस नागेश, मनीष कुमार गोयल, हरीश पेमदे, एस के रसानिया,

21–22 नवम्बर, 2015 को भारतीय हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में।

नई दिल्ली के शहरी क्षेत्र में किशोरियों के बीच पोषण की स्थिति की स्वयं की धारणा, पर, आईएपीएसएम उत्तर प्रदेश और ब्रिटेन अध्याय, द्वारा 9–10 अक्टूबर, 2015 को गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में स्कूल जाने वाले किशोरों में गैर संचारी रोगों के बारे में जोखिम कारकों पर ज्ञान, परिवार चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र से सम्मानित।

ए सिंह, ए एस आचार्य और बी धीमान

आईएपीएसएम उत्तर प्रदेश और ब्रिटेन राज्य अध्याय द्वारा बीआरडी मेडिकल कालेज, गोरखपुर में 9 –10 अक्टूबर, 2015 को आयोजित वार्षिक सम्मेलन में "दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी के वयस्कों में गैर संचारी रोगों के आम जोखिम वाले कारकों की प्रोफाइल" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

परिवार चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल पर 21–22 नवंबर, 2015 को दिल्ली में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "पूर्वी दिल्ली के एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में वयस्कों के बीच मधुमेह और इसकी जटिलताओं के बारे में जागरूकता", पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

केएससीएच पर 30 सालसे कम आयु के वयस्कों के लिए स्वास्थ्य संवर्धन क्लिनिक।

समुदाय की सेवा
स्वास्थ्य केन्द्र।

- शहरी स्वास्थ्य केंद्र – कल्याणपुरी
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र – पालम

o प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र – महरौली
बाल स्वास्थ्य संवर्धन केंद्र (सीएचपीसी) और एनसीडी स्क्रीनिंग क्लिनिक केएससीएच, नई दिल्ली।

सामुदायिक चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इस विभाग के संकाय सदस्यों ने तीन परिधीय स्वास्थ्य केन्द्रों के माध्यम से शिक्षण, अनुसंधान और प्राथमिक स्तर पर रोगी की देखभाल में सक्रिय रूप से शामिल हैं। संकाय सदस्यों ने संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक और वैज्ञानिक समितियों में सेवा की है, आईसीएमआर–आईएनसीएलईएन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत, जीएनसीटीडी, एनआईपीपीसीडी की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित किया। संकाय सदस्यों ने शिक्षण और अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के लिए विशेषज्ञ सलाह प्रदान की है, व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया और उच्च प्रभाव की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित किया। संक्रामक रोग, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य, गैर संचारी रोगों, टेलीमेडिसिन और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाना आदि इस विभाग के मुख्य अनुसंधान क्षेत्रों के कुछ उदाहरण हैं। संकाय सदस्य देश और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा की कई पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे हैं। प्रो. (डॉ.) अरुण के शर्मा को भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा अप्रैल–जून 2015 में इलिनोइस, शहरी संयुक्त राज्य अमरीका के विश्वविद्यालय में काम करने के लिए इलिनोइस विश्वविद्यालय में विजिटिंग स्कॉलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के 3 महीने के इंडिया शॉर्ट टर्म फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

सम्मान/ विशिष्टताएं

एस के भसीन, डॉ हरचरण सिंह ने 7 जनवरी 2016 को जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज, गांधीनगर में आयोजित निरोधक एवं सामाजिक चिकित्सा के भारतीय संघ के 43 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति दी।

ए के शर्मा, ईएसआरआई उपयोगकर्ता सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अवार्ड, 3 दिसंबर 2015.

ए.के. शर्मा को इलिनोइस विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में अप्रैल– जून 2015 के लिए एक विजिटिंग स्कॉलर के रूप में विदेशी विश्वविद्यालय के लिए डीएचआर फैलोशिप।

प्रकाशन

एस कुमार भसीन, एस द्विवेदी, एवं आर कुमार मल्होत्रा, ए देगनानी (2015). सीएचडी के रोगियों में व्यापक जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव। स्वास्थ्य विज्ञान की वैश्विक पत्रिका, 7(7), 6 –16.

पी छाबड़ा और ए गुप्ता, (2015). शिशु और बालक आहार प्रथाएं और दिल्ली के एक शहरी गांव में इसके निर्धारक। चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(3), 228–231.

एस पी शक्तिवेल, पी राज यूजवालस, एस मिश्रा, एव् ए के शर्मा, (2015). भारत में रक्त दाताओं के बीच आधान संक्रामक संक्रमण सकारात्मकता के स्तर, रुझान और अंतर–क्षेत्रीय विविधताएं: भारत की राष्ट्रीय एचआईवी कार्यक्रम से साक्ष्य। एड्स की विश्व पत्रिका, 05(03), 217दृ225.

वी कुमार, एस मिश्रा, एस कौशल, एस गुप्ता, और के मारूफ, (2015). जननी सुरक्षा योजनाः उत्तर भारत के एक ग्रामीण इलाके में माताओं और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच इसका उपयोग और धारणा। चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(2), 165–168.

जे राजा, और एस भसीन, (2014). कॉल सेंटर कर्मचारियों, भारत में एक उभरते हुए व्यावसायिक समूह में स्वास्थ्य के मुद्दे। सामुदायिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, 39(3), 175–177.

डी जयपाल, एस भसीन, ए कन्नन, और एम भाटिया, (2015). दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर में कार्यरत कॉल संचालकों में तनाव, चिंता और अवसाद। जन स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 59(2), 95–101.

एस भसीन, पी छाबड़ा और एम भाटिया, एस लुखमाना (2015). "परिवार की देखभाल करने वालों का बोझः दिल्ली से कैंसर मरीजों के बीच 2010 में एक अस्पताल आधारित अध्ययन। कैंसर की भारतीय पत्रिका, 52(1), 146–151.

एम कक्कड़, टी एन ढोले, ई टी रोगावस्की और एस चतुर्वेदी, (2016). जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला निगरानी और जापानी इन्सेफेलाइटिस के निदानः पुनर्विचार का समय। भारतीय प्रथाएं, 53(1), 33–35.

एस चतुर्वेदी (2015). खसरा टीकाकरण की उम्र अग्रिम करने के लिए अनिच्छाः सबसे अच्छा सौदा की नैतिकता, इनकार की नीतियां और कार्यक्रमों की शीर्षता। नैदानिक अनुसंधान एवं जैवनैतिकता की पत्रिका,06(02), जारी करने की तारीखः10.4172/2155–9627.1000216

डी, शाह, एस अरोड़ा, एस चतुर्वेदी एवं पी गुप्ता, (2015).युवा लोगों में असुरक्षा को परिभाषित करना और मापना। सामुदायिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, 40(3), 193–197.

ए शर्मा एवं रुइज मैरीलीन ओ हारा (2016). भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य में जीआईएस का आवेदनः एक साहित्य आधारित समीक्षा, विश्लेषण और सिफारिशें। सार्वजनिक स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 60(1), 51–58.

वी कुमार, एस मिश्रा, एस कौशल, एस गुप्ता एवं ए खान, (2015). उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में प्रसव पूर्व पंजीकरण और संस्थागत प्रसव पर जननी सुरक्षा योजना के प्रभाव पर एक अध्ययन। सार्वजनिक स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका, 59(1), 54–57.

एम उपाध्याय, डी के पाल और आर तिवारी, (2015). मध्य प्रदेश, भारत के मंडला जिले में उप केंद्रों में भौतिक सुविधाओं की उपलब्धता का मूल्यांकन। सार्वजनिक स्वास्थ्य में अनुसंधान एवं विकास की भारतीय पत्रिका, 6(4), 314–318.

एम उपाध्याय, ए अग्रवाल और पी अग्रवाल, (2015). नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के दो कालोनियों में दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों के बीच शिशु और बालक आहार (आईवाईसीएफ) प्रथाओं का प्रसारः एक तुलनात्मक अध्ययन। सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान एवं विकास की भारतीय पत्रिका, 6(4), 319–323.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ संजय चतुर्वेदी

- सह प्रमुख अन्वेषक और कंसोर्टियम के सदस्य, 2010–2016, "व्यवहार, लोक स्वास्थ्य और क्रॉस सेक्टर रणनीति में नवाचार के लिए सोसायटी निगरानी प्रणाली के लिए एक मस्तिष्क बचपन में मोटापा और अन्य जीवन शैली से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए मूलभूत कामः स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर स्वस्थ आहार की जीवन शैली निर्धारित करने के लिए एक कनाडा–भारत सहयोग" स्वास्थ्य अनुसंधान–मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा–आईसीएमआर– आईएनसीएलईएन के लिए कनाडा के संस्थानों द्वारा वित्त पोषित।
- केंद्रीय समन्वय दल के सदस्य, 2013–2016, विश्व स्वास्थ्य संस्था द्वारा वित्त पोषित "भारत के केरल और तमिलनाडु राज्यों में शिशुओं की एक पलटन के नियमित यूआईपी टीकाकरण के साथ अस्पताल में भर्ती की क्षमता के संयोजन की तलाश",

- केंद्रीय समन्वय दल के सदस्य, 2013–2016, "मध्य प्रदेश में एचबीएनसी और एचबीएनसी . का मूल्यांकन", भारत सरकार–एनआपीआई–आईएनसीएलईएन द्वारा वित्त पोषित, 1,30,000.00 प्रति वर्ष ।

डॉ प्रगति छाबड़ा, 2012–2015, "एक तृतीयक अस्पताल में लगभग मातृत्व विफलताः कारण, संबद्ध कारक और परिणाम", आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, रु. 6,19,342.

डॉ. मधु उपाध्याय, 2014 – 2016, "दिल्ली में आईसीडीएस परियोजनाओं, राज्य निगरानी इकाई के एक भाग के रूप में निगरानी और मूल्यांकन सलाहकार", एनआईपीपीसीडी, दिल्ली, द्वारा प्रायोजित। 1,30,000.00 रुपए प्रति वर्ष।

सम्मेलनों में प्रस्तुतिः

डॉ संजय चतुर्वेदी "कार्डियो–चयापचय हानि का नृविज्ञान" दिल्ली, 25 सितम्बर 2015 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में बचपन में मोटापे के सामाजिक और पर्यावरण चालकों" – पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

अंतर संस्थागत सहयोग

डॉ संजय चतुर्वेदी, संयोजक, डेंगू का रोकथाम और नियंत्रण, 2016 पर जीएनसीटीडी संचालन समिति।

डॉ ए के शर्मा, 2016 2018 के लिए लोक स्वास्थ्य भारतीय पत्रिका के संयुक्त प्रबंध संपादक।

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

यह विभाग 1988 में स्थापित किया गया था और वर्ष 2000 में इसे पीजी एमडी शिक्षण के लिए मान्यता दी गई थी तथा 2001 में पहले बैच को दाखिला दिया गया। वर्तमान में 2 निदेशक प्रोफेसर, और 3 प्रोफेसर काम कर रहे हैं। प्रारंभ में पीजी के 2 पद स्वीकृत किए गए थे, वर्ष 2009 में 3 की वृद्धि हुई है। विभाग नियमित रूप से मामला चर्चा, सेमिनार, पत्रिका क्लब और शैक्षिक प्रस्तुति के साथ सक्रिय रूप से संबद्ध स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम चलाता है। विभाग के निवासियों को नियमित अंतराल पर सबसे अच्छे थीसिस और अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप के लिए आइएडीवीएल पुरस्कार मिला है। संकायों ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मंचों पर अतिथि व्याख्यान देने के लिए बुलाए गये हैं। विभाग में सरकार एजेंसियों से वित्त पोषित कई

अनुसंधान परियोजनाएं चलाई जाती हैं। विभाग ने 6.5.2012 को, 2013 के नाखून विकार पर राष्ट्रीय सम्मेलन और नवंबर 2015 में अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में नाखून विकारों पर एक दिवसीय संगोष्ठी/सीएमई का आयोजन किया गया है। बहुत परिश्रमी संकाय और रेजीडेंट डॉक्टर त्वचा विज्ञान विभाग में काम कर रहे हैं।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ अर्चनाः त्वचा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए पहले डेर्मास्रोत इनोवेशन अवार्ड 2015 की प्राप्तकर्ता।

प्रकाशन

एस ए डार, एन अख्तर, एस हक, टी सिंह, आर के मंडल, वी जी रामचंद्रन, एस दास, (2016).: ट्यूमर परिगलन कारक (टीएनएफ) −α−308जी/ए (आरएस1800629) उत्तर भारत में बहुरूपता वितरण और झलका के साथ इसका सहयोगः मामला नियंत्रण अध्ययन और मेटा–विश्लेषण। स्वप्रतिरक्षा, 49(3), 179–187.

सी ग्रोवर, ए खुराना, एस भट्टाचार्य और ए शर्मा, (2015). नियंत्रित परीक्षण बनाम पैरों की उंगलियों के बढ़े हुए नाखून के प्रबंधन में रासायनिक मैट्रीसेटोनॉमी के लिए 10प्रतिशत सोडियम हाइड्रोक्साइड 88प्रतिशत फिनोल की प्रभावकारिता की तुलना। त्वचा विज्ञान, रतिजरोग, और लेप्रोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 81(5), 472–477.

एन छाबड़ा, एस एन भट्टाचार्य, ए सिंघल, आर एस अहमद और पी वर्मा, (2015) टाइप 1 कुष्ठ प्रतिक्रिया के लिए उपचार के जवाब में ऑक्सीडेटिव तनाव की प्रोफाइल। कुष्ठ समीक्षा, 86(1), 80–88.

ए सिंघल, और डी पांधी, (2016). दाद स्क्रोफुलोसोरम और एंडोमेट्रियल क्षयरोगः एक अभिनव संगठन। त्वचा विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 55(3), 322–324.

ए सिंघल, डी दौलताबाद, सी ग्रोवर, एस शर्मा और एन छिलर, (2015). समय से पहले कैनिटी के रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव का आकलन। ट्रिकॉलाजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7(3), 91–94.

एस वोहरा, ए सिंघल और एस बी शर्मा, (2015). मौखिक दाद प्लेनस में सामयिक कैलकिन्यूरीन अवरोधकों की नैदानिक और सीरम वैज्ञानिक प्रभावकारिताःएक भावी अनियमित नियंत्रित परीक्षण। त्वचा विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 55(1), 101–105.

ए सिंघल, डी पांधी, एस दास, और पी यादव, (2015). हाथों, पैरों की त्वचा में होने वाले कवक संक्रमण में सतत और पल्स खुराक टरबिनाफाइन व्यवस्थाओं की तुलनात्मक प्रभवकारिताः एक यादृच्छिक दोहरा अंधा परीक्षण। त्वचा विज्ञान, रतिजरोग, और लेप्रोलॉजी की भारतीय पत्रिका,81(4), 363–369.

ए सिंघल, और आर अरोड़ा, (2015). प्रणालीगत रोगों की एक खिड़की के रूप में नाखून। भारतीय त्वचा विज्ञान की ऑनलाइन पत्रिका, 6(2), 67–74.

डी दौलताबाद, डी पांधी और ए सिंघल, (2016). मस्सों में इम्यूनोथेरेपी के लिए बीसीजी का टीकाः क्या यह तपेदिक के प्रकोप वाले क्षेत्र में वास्तव में सुरक्षित है? त्वचा विज्ञान थेरेपी, 29(3), 168दृ172.

सी ग्रोवर, ए धवन, एस भट्टाचार्य, आई कौर, एस दास और बी कश्यप, (2015). एसटीडी रोगियों में हेपेटाइटिस बी विरोधी एंटीबॉडी स्थिति का एक पार अनुभागीय अध्ययनः उन्नत टीकाकरण के लिए की जरूरत। त्वचा विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 60(3), 305.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. दीपिका पांधी, 2015–2017, "फ्लूकोनाजेल के लिए सतही फंगल संक्रमण के कारण त्वचा विकारी कवक की एंटी–फंगल संवेदनशीलता का निर्धारण करने के लिए, टरबिनाफाइन, ग्रिसियोफुलविन, इट्राकोनाजोल, वोराकोनिजोल", आईएडीवीएएल द्वारा वित्तपोषित।

डॉ. दीपिका पांधी, "क्लिनिको – हाथ के एक्जिमा और बीमारी और जीवन की गुणवत्ता पर रोग के प्रभाव की लागत के विश्लेषण का एटियोलॉजिकल अध्ययन"। इंट्रा–म्युरल अनुसंधान अनुदान।

आयोजित सम्मेलन

तीसरा आईएसएनडी और चौथा ओएनवाईसीएचओसीओएन –2015, 20–22 नवंबर, 2015 को भारत की नाखून सोसायटी के तत्वावधान में दिल्ली, भारत में त्वचा विज्ञान और एसटीडी, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल के विभाग द्वारा आयोजित।

19 नवंबर, 2015 सम्मेलन कक्ष, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली, भारत में भारत की नाखून सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित पूर्व सम्मेलन नाखून सर्जरी कार्यशाला।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ अर्चना सिंघल

• त्वचा विज्ञान की 23 वें वर्ल्ड कांग्रेस (महिला एवं बाल विकास), कनाडा के वैंकूवर (8–13 वीं जून, 2015) की कार्यवाही के दौरान "संगोष्ठी एसवाई33 नाखून" के लिए आमंत्रित संकायः "भारत से नाखून के दिलचस्प मामलों" पर एक व्याख्यान दिया।

• "संगोष्ठी डी2टी 4, गैर एसटीआई त्वचा संक्रमण" के लिए आमंत्रित संकाय, 6 से 11 अक्तूबर, 2015 के दौरान आयोजित त्वचा विज्ञान और रतिजरोग (ईएडीवी) कांग्रेस, कोपेनहेगन के 24 वें यूरोपीय अकादमी (डेनमार्क) की कार्यवाही के दौरान। "छिपे माइकोसेज" पर एक व्याख्यान दिया।

• मोस्कोन केंद्र में त्वचा विज्ञान की अमेरिकन अकादमी, सैन फ्रांसिस्को, सीए में 20–24 मार्च, 2015 को 73 वीं वार्षिक बैठक के कार्यवाही के दौरानः "नाखून संगोष्ठी एस045 के लिए" आमंत्रित संकाय। ओनीकोमाइकोसिस के उपचार में "नाखून सर्जरी और लेजर की उपयोगिता पर एक व्याख्यान दिया।

• 20–22 नवंबर 2015 को दिल्ली, भारत में त्वचा विज्ञान विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल और नाखून सोसायटी द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और चौथे ओएनवाईसीएचओसीओएन की कार्यवाही के दौरान" ओनीकोस्कोपीः यह कितना जोड़ती है!" के लिए आमंत्रित संकाय।

• 6 –11 अक्टूबर, 2015 के दौरान आयोजित त्वचा विज्ञान और रतिजरोग (ईएडीवी) कांग्रेस, कोपेनहेगन के 24 वें यूरोपीय अकादमी (डेनमार्क) की कार्यवाही के दौरान "संगोष्ठी डी2टी4, गैर एसटीआई त्वचा संक्रमण" के लिए आमंत्रित संकाय। "छुपे हुए माइकोसेस" पर एक व्याख्यान दिया।

संकाय की संख्याः निदेशक प्रोफेसर–2, प्रोफेसर –3

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (एमएएमसी)

मुख्य गतिविधियाँ / उपलब्धियां

वर्ष 1962 में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के आरंभ होने के समय त्वचा विज्ञान और एसटीडी विभाग स्थापित किया गया था। वर्षों तक यह प्रो. पी एन बहल (1962–1968), प्रो रतन सिंह (1969–1981), निदेशक प्रो. वी एन सहगल (1981–1991), निदेशक प्रो. बी एम एस बेदी (1991–1994) और डॉ. बी एस एन रेड्डी (1995–मई 2005) तक चलता रहा है। वर्तमान में, डॉ. विजय कुमार गर्ग, निदेशक प्रोफेसर जून, 2005 के बाद से विभाग के प्रमुख हैं। विभाग पूरी तरह से सुसज्जित है और आउट पेशेंट विभाग में प्रति दिन औसतन 600 रोगियों को संभालता है। लघु ओटी सेवाएं भी प्रतिदिन उपलब्ध हैं। इसके अलावा, रोगियों की देखभाल के लिए विभाग में कुल 41 बिस्तरों के साथ दो वार्ड (पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए अलग) हैं। यह एक सप्ताह में 2 दिन एक पूर्ण ऑपरेशन थियेटर भी चलाता है, जहां लेजर प्रक्रियाओं सहित छोटी और बड़ी सभी प्रकार की प्रमुख त्वचा सर्जरी की जा रही है। हाल ही में हमने विभाग में छोटे ओटी के लिए अत्याधुनिक ऑपरेटिंग कुर्सी की व्यवस्था की है। हम स्थिर विटिलिगो के इलाज के लिए गैर–सुसंस्कृत मेलानोसाईट हस्तांतरण तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं। विभाग में सभी नवीनतम रासायनिक पील्स किए जा रहे हैं। आईजीआईबी के साथ सहयोग में मुँहासे के रोगियों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध पर एक प्रायोगिक परियोजना चलाई जा रही है।

विभाग दैनिक और साप्ताहिक विशेष क्लीनिक भी चलाता है। विभाग में कंप्यूटर और स्कैनिंग तंत्र सहित अत्याधुनिक दृश्य–श्रव्य सुविधा के साथ पूरी तरह सुसज्जित एक संगोष्ठी सह शिक्षण हॉल है। यहां एक नियमित रूप से उन्नत विभागीय पुस्तकालय भी है।

विभाग को उत्तर भारत में 4 आधुनिक लेजर (आंशिक ईआर याग, आईपीएल, एनडी याग (क्यू एसडब्ल्यू) और सीओ 2) के साथ मेडिकल कॉलेज होने की अद्वितीय गौरव प्राप्त है। हम एफआरसीओ 2 लेजर प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं।

प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई प्रकाशनों के साथ सक्रिय रूप से अनुसंधान कार्य किया जा रहा है, संलग्न रिपोर्ट में इस साल किये गये प्रकाशनों को देखा जा सकता है। संकाय ने कई प्रतिष्ठित मंचों पर विभिन्न सम्मान हासिल किया है। इसके अलावा, विभाग सक्रिय रूप से समुदाय की सेवा में लगा हुआ है।

सम्मान / विशिष्टता

डॉ. विजय कुमार गर्ग

• 21 – 24 जनवरी, 2016 को मंगलौर, भारत में आयोजित त्वचा विशेषज्ञ, वेनेरियोलॉजिस्टों और लेपरोलॉजिस्टों के इंडियन एसोसिएशन के 44 वें राष्ट्रीय सम्मेलन डर्माकॉन 2016 के दौरान "एसजेएस–दस एक महत्वपूर्ण विश्लेषण और स्कार्टेन के प्रभावी संशोधन तथा रूढ़िवादी प्रबंधन अपनाने के लिए एक मजबूत सिफारिश" के लिए आईएडीवीएल द्वारा सिस्टोपिक ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

• होटल ली मेरिडियन, नई दिल्ली में 6 दिसंबर 2015 को आयोजित वार्षिक क्यूटिकॉन में आईएडीवीएल डीएसबी द्वारा प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

• अप्रैल 2016 में आयोजित किये जाने वाले पिगमेंट्रीकॉन के लिए निर्वाचित अध्यक्ष।

प्रकाशन (चयनित)
कुल संख्या 26

आर सरकार, आर रंजन, एस गर्ग, वी.के गर्ग, एस सोंथालिया और एस बंसल, (2016) पेरिआर्बिटल हाइपरपिगमेंटेशनरू एक गहन समीक्षा। एस्थेट. डर्माटोल की नैदानिक पत्रिका, 9(1), 49–55.

के सरदाना, टी गुप्ता, बी कुमार, एच गौतम और वी गर्ग, (2016). प्रोपायोनिबैक्ट्रियन एक्ने तनाव में –16 एस–आरएनए पोलीमरेज चेन रिएक्शन का उपयोग कर मुँहासे के भारतीय रोगियों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध का एक पार अनुभागीय पायलट अध्ययनः एंटीबायोटिक दवाओं, पेरोक्साइड, और आइसोट्रेटिनोइन सहित उपचार की रूपरेखा के बीच एक तुलना। त्वचा विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 61(1), 45–52.

पी अग्रवाल, एस भट्टर, एस.के. साहनी, पी भल्ला, और वी के गर्ग, (2016). यौन संचरित संक्रमण और पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने वाले खुद रिपोर्ट करने वाले पुरुषों में एचआईवीः भारत से दो साल का एक अध्ययन। संक्रमण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की पत्रिका, 9(5), 564–570.

एस सिन्हा, सी गुप्ता, बी साहू और वी गर्ग, (2016). एक बच्चे में प्लेनस दाद के लिए एरिथ्रोडर्मा माध्यमिक। त्वचा विज्ञान, वेनेरोलॉजी, रतिजरोग और लेप्रोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 82(1), 89–91.

एस गोयल, ए मारवाह, एस कौशिक, वी गर्ग, और एस गुप्ता, (2015). बहुऔषध प्रतिरोधी मौखिक दाद प्लानस में चिकित्सा तय करने की योजना बनाने में सीरम इंटरल्यूकिन –6 की भूमिका। नैदानिक और प्रायोगिक दंत चिकित्सा की पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-4317/jced-52376

पी अरोड़ा, के सरदाना, एस बंसल, वी गर्ग, और एस राव, (2015). "सैक्सोफोन" लिंग के साथ प्रस्तुत एंटोमोप्थोरोमाइकोसिस (बेसिडायोबोलोमाइकोसिस) और पोटेशियम आयोडाइड की प्रतिक्रिया। त्वचा विज्ञान, वेनेरोलॉजी, रतिजरोग और लेप्रोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 81(6), 616–618.

ए मदन, के सरदाना, और वी के गर्ग, (2015) एडम्स ओलिवर सिंड्रोम। भारतीय बालरोग, 52(7), 633–634.

वी रल्हन, के गोयल, ए कोचर, वी गर्ग, और बी वाधवा, (2015). विटामिन डी और त्वचा रोगः एक समीक्षा। त्वचा विज्ञान, वेनेरोलॉजी, रतिजरोग और लेप्रोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 81(4), 344–355.

के सरदाना, टी गुप्ता, वी के गर्ग, और एस घुनावत, (2015).प्रोपिनोबोक्ट्रियम मुंहांसों के लिए एंटीबायोटिक प्रतिरोधरू विश्वव्यापी परिदृश्य, निदान और प्रबंधन। विरोधी संक्रामक थेरेपी के विशेषज्ञ की समीक्षा, 13(7), 883–896.

अनुसंधान परियोजनाएं

विभाग में निम्नलिखित परियोजनाएं की गईः
''एलोपेसिया एर्येटा में क्लिनिकोहिस्टोपैथॉलाजिकल और प्रतिरक्षा अध्ययन''।

"मेलिज्मा में नैदानिक प्रोफाइल और कॉस्मेटिक एलर्जी के लिए संपर्क संवेदनशीलता का अध्ययन"।

"नैदानिक प्रोफाइल और सीरम विटामिन बी 12, सीरम होमोसिस्टेइन और एमटीएचए आर विटिलिगो में जीन बहुरूपता"।

"नैदानिक सुविधाओं और सीरम जस्ता और विटिलिगो में तांबे का अध्ययन"।

"सोरायसिस में साइटोकाइन मूल्यांकन के साथ क्लिनिक पैथोलॉजिकल अध्ययन"।

सम्मेलनों में प्रस्तुतिः

डॉ. रश्मि सरकार 2 –5 मार्च 2016 को वाशिंगटन डीसी में 74 वें वार्षिक एएडी में "अंतर्राष्ट्रीय पीलिंग" सत्र में बोलने के लिए आमंत्रित संकाय, 28 से 1 जुलाई 2015 को आयोजित म्यूनिख में प्रैक्टिकल त्वचा विज्ञान की चौथी अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन अकादमी में "महिला त्वचा विकार" सत्र में पर "बचपन में विटिलिगो" और "मेलाज्मा" में आमंत्रित संकाय, 7 से 11 मई, 2015 के वैंकूवर में त्वचा विज्ञान के 23 वें वर्ल्ड कांग्रेस में "आम नवजात डर्मोटोसेस" पर बात करने के लिए आमंत्रित संकाय ।

संकायकी संख्याः 6

फोरेंसिक मेडिसिन (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां

"वयस्कों में गुर्दे की धमनी प्रकार के रोग का एक शवपरीक्षा अध्ययन" शीर्षक एक शोध प्रबंध वर्ष 2015 में विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार किया गया।

"ऑटोप्सी पर दावा किया और लावारिस शवों में एचबीवी और एचसीवी स्क्रीनिंग" और "आत्महत्या के मामलों में सामाजिक जनसांख्यिकीय प्रोफाइल और अंग वजन की एक शवपरीक्षा अध्ययन" शीर्षक दो लघु शोध प्रबंधों पर वर्तमान में काम चल रहा है।

प्रकाशन

सी बेहरा, के कृष्णा, डी एन भारद्वाज, आर राउतजी, और ए कुमार, (2015). मानव और कुत्तों को शामिल कर आकस्मिक घातक एल्यूमीनियम फास्फाइड की विषाक्तता के एक मामले। फोरेंसिक विज्ञान की पत्रिका, 60(3), 818–821.

एम सी मीणा, एस. के. नाइक, एस मित्तल, और आर बैंड, (2015). कुत्ते के घातक काटने की चोट–एक मामले की रिपोर्ट। मेडिसिन के लिए मेडिसिन टॉक्स अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(3), 64–67.

एम सी मीणा, के पांचाल, और एम रानी, (2015) स्थानीय संज्ञाहरण के बाद स्ट्राबिस्मस सर्जरी में अचानक मौत –एक मामले की रिपोर्ट। आपातकालीन अभ्यास आघात की पत्रिका, 1(3),

एम सी मीणा, एस मित्तल, वी के चोकुसे, और वाई रानी, (2015 आस्टियो मीट्रिक विश्लेषण द्वारा चौथी पसली से लिंग निर्धारण। फोरेंसिक विज्ञान पैथोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(7), 148–151.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. सचिन मित्तल, "वयस्कों में गुर्दे धमनी प्रकार के रोगों का एक शवपरीक्षा अध्ययन"।

डॉ ऋषभ कुमार, "शव परीक्षण के समय दावा किए और लावारिस शवों में एचबीवी और एचसीवी स्क्रीनिंग"।

डॉ. विवेक चौकसे, "आत्महत्या के मामलों में सामाजिक जनसांख्यिकीय प्रोफाइल और अंगों के वजन का एक शवपरीक्षा अध्ययन"।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. मुक्ता रानी, प्रोफेसर प्रतिनिधि ने फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में 13 –14 नवम्बर, 2015 को फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान के इंडियन कांग्रेस के 14 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "सुसाइड नोट विश्लेषण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. एस के नाइक, प्रोफेसर ने फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में 13 –14 नवम्बर, 2015 को फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान के इंडियन कांग्रेस के 14 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में, "मृतकों की गरिमा को बनाए रखना– सभी के लिए एक चुनौती" पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. बी एल चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर प्रतिनिधि, फोरेंसिक मेडिसिन के मेडिकल प्रैक्टिस विभाग में 30–31 जनवरी, 2016 को हैदराबाद में आयोजित चिकित्सा लापरवाही और मुकदमेबाजी पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, "बच्चे और भारतीय कानून में शारीरिक दंड" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सचिन मित्तल, पीजी तृतीय वर्ष के प्रतिनिधि, फोरेंसिक मेडिसिन, 8– 10 जनवरी, 2016 को आइएएफएम विभाग के 37 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "लगभग शिरच्छेद का कारण बनने वाली कॉरिडोर छत–एक दुर्लभ मामला रिपोर्ट" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय की संख्याः स्थायी – 8, तदर्थ – 1

माइक्रोबायोलॉजी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज का माइक्रोबायोलॉजी विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी के छात्रों के क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी के सिद्धांत और कला सिखाने के मामले में सबसे आगे है और लोकनायक अस्पताल, नई दिल्ली से भेजे गए रोगियों को नैदानिक और प्रॉग्नास्टिक प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान करता है। इसके अलावा, विभाग बीडीएस और बी. एससी (नर्सिंग) के छात्रों और एमएससी (सूक्ष्म जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी), बी एससी (जैव प्रौद्योगिकी और जैव चिकित्सा विज्ञान), बीटेक (बायोटैक्नोलॉजी) और डिप्लोमा एम एल टी अन्य संस्थानों में छात्रों के लिए लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विभाग की एचआईवी प्रयोगशाला एचआईवी के लिए एक राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (एसआरएल) के रूप में काम करती है और 26 संबद्ध आईसीटीसी और पीपीटीसीटी के एचआईवी परीक्षण की गुणवत्ता पर नाको दिशा निर्देशों के अनुसार नजर रखती है। एचआईवी प्रयोगशाला लोकनायक अस्पताल के एआरटी केंद्र, और गुरु तेग बहादुर अस्पताल में एआरटी केंद्र, दिलशाद गार्डन में पंजीकृत रोगियों को पूर्ण सीडी4 –टी–लिम्फोसाइट गिनती के लिए सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, एचआईवी प्रयोगशाला एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र है, जो सीधे आनेवाले और निर्दिष्ट ग्राहकों को एचआईवी के लिए प्रयोगशाला परीक्षण और परामर्श सेवाएं प्रदान करती है। तेजी से किए जाने वाले एचआईवी परीक्षण एचआईवी परीक्षण इंटरनेशनल स्टैंडर्ड, आईएसओ 15189रू 2012 के अनुसार परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसके अलावा, विभाग के एसटीडी प्रयोगशाला एक क्षेत्रीय एसटीआई संदर्भ, अनुसंधान और प्रशिक्षण प्रयोगशाला और विभाग में फेज प्रयोगशाला राष्ट्रीय स्टेफीलोकोकल फेज टंकण केंद्र है।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. बी उप्पलः पूर्व छात्र पुरस्कार के प्राप्तकर्ता (एमएएमसी)।

डॉ. एस कुमाररू 7 वें वार्षिक सम्मेलन, चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञानियों इंडियन एसोसिएशन, दिल्ली अध्याय, नई दिल्ली, भारत में सर्वश्रेष्ठ स्वतंत्र पोस्टर अवार्ड 2015.

प्रकाशन

सी पी बवेजा, (2015) माइक्रोबायोलॉजी की पाठ्यपुस्तक, 5 वां संस्करण, आर्य प्रकाशन, दिल्ली ।

सी पी बवेजा, (2015) डेंटल छात्रों के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, 5 वां संस्करण आर्य प्रकाशन, दिल्ली ।

सी पी बवेजा, (2015) एमएलटी के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, द्वितीय संस्करण आर्य प्रकाशन, दिल्ली।

सी पी बवेजा, (2015) संक्षेप में सूक्ष्म जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, द्वितीय संस्करण, आर्य प्रकाशन, दिल्ली।

एस कुमार, (2015) (संपा), बीएससी नर्सिंग के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण।

एस कुमार, (2015) (संपा), जनरल नर्सिंग एवं मिडवाइफरी में डिप्लोमा छात्रों के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण ।

के राजेश्वरी, बी उप्पल, आर सिंह, ए.के. मालाकर, और एस के चिकारा, (2015)।. एसरिसिया कोलाई व146 आइसोलेट का मसौदा जीनोम मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, भारत । जीनोम घोषणाएँ, 3 (1), e01515–14 जारी करने की तारीख:10-1128/genomea-01515&14.

के राजेश्वरी, बी उप्पल, जी तिवारी और ए के महतो, (2015) बच्चों में बहुत दवा प्रतिरोधी एंट्रोपैथोजीनिक ई. कोलाई दस्त। अमेरिकन पत्रिका रेस. संचार 3 (9), 27–28.

बी उप्पल, पी अग्रवाल, एन परवीन, और ए सूद, (2015), उत्तर भारत में एचआईवी संक्रमित और एचआईवी गैर संक्रमित व्यक्तियों के बीच टोक्सोप्लाज्मा का सीरो प्रसार। उष्णकटिबंधीय रोगों की एशियाई प्रशांत पत्रिका, 5, एस 15एवं एस18.

उप्पल, बी (2015). भारत में आंतों में बैक्टीरिया और परजीवी संक्रमण का एक तुलनात्मक अध्ययन। क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च का पत्रिका। जारी करने की तारीख:10.7860/jcdr/2015/11965-5619

ए चक्रवर्ती, पी रॉय, ए अशरफ, और ओ सिद्दीकी, (2015). एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण का महामारी विज्ञान में रुझानः 10 साल का एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 34(2), 189–190.

वी.के. कर्रा, पी.के. गुम्मा, एस जे चौधरी, आर रुटाला, एस.के. पोलीपाली, ए चक्रवर्ती, और, पी कर, (2015). हेपेटाइटिस बी वायरस से संबंधित जिगर की बीमारी में आईएल 18 बहुरूपताएं। साइटोकाइन, 73(2), 277–282.

पी भल्ला, डी रावत, वी गर्ग, के सरदाना, ए चक्रवर्ती, और टी भरारा, (2015). नेइसेरिया गनोरिया आइसोलेट्स में रोगाणुरोधी प्रतिरोध की बढ़ती प्रवृत्ति और एन गनोरिया के उद्भव से अलग सेफ्रिऑक्सोन के लिए संवेदनशीलता में कमी आई है। मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 33(1), 39–42.

एन बी माथुर, पी खारोद और एस कुमार, (2015). नवजात बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस में एंटीबायोटिक चिकित्सा की अवधि का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। उष्णकटिबंधीय बाल रोगों की पत्रिका, 61(2), 119–125.

एस कुमार, एस कपूर, और एस सहगल, (2015). एक 11 वर्षीय लड़के में माइकोप्लाज्मा निमोनिया की वजह से रक्तस्रावी इन्सेफेलाइटिसः एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी की भारतीय पत्रिका,33(3), 463–464.

वी जैन, एस प्रकाश, एस कुमार और एच झा, (2015). खून से नैदानिक वियोजन में नई दिल्ली मेटलोबेटालेक्टामेज –1 का तेजी से उभरना – 12 महीने के अलावा दो अवधियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन। मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 33(4), 609–610.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. सी पी बवेजा, "एचआईवी परीक्षण के लिए बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, नाको और डीएसएसीएस के अंतर्गत राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (एसआरएल)"।

डॉ. सी.पी. बवेजा, "क्षेत्रीय एसटीआई संदर्भ, अनुसंधान और प्रशिक्षण केन्द्र प्रयोगशाला"।

डॉ. अनीता चक्रवर्ती, "भारत में 5 से 10 साल की उम्र के बच्चों में संभावित डेंगू सीरोप्रसार का अध्ययन। सनोफी पाश्चर"।

डॉ अनीता चक्रवर्ती, "आईआरईएस, ई2 के उत्परिवर्तनीय विश्लेषण और एचसीवी की एनएस5ए क्षेत्र और पेजीलेटेड अंटरफेरोन रिवाभिरिन थेरेपी प्रतिक्रिया से उनका संबंध। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद"।

डॉ. एस कुमार, "एक नवजात सेप्सिस रजिस्ट्री का विकास और बैक्टीरियल वियोजन की आणविक महामारी विज्ञान और उनके रोगाणुरोधी प्रतिरोध का अध्ययन – एक बहु केंद्र अध्ययन। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद "आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित।

आयोजित सम्मेलन

माइक्रोबायोलॉजी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में 21 मार्च 2015 को "डिजाइनिंग, कार्यान्वयन और एक संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम की निगरानी" आईएफआईसी – एचआईएसआईसीओएन, 2015 के एक भाग के रूप में आयोजित पूर्व सम्मेलन कार्यशाला।

दिसंबर 2015 में इग्नू द्वारा एचआईवी में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम का अनुसरण कर रहे भारत के विभिन्न भागों के डॉक्टरों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. सी.पी. बवेजा ने जून, 2015 में मास्ट्रिच, नीदरलैंड में आयोजित यूरोपीय सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के छठे अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत चार मेडिकल कॉलेजों के बीच एक अंतर–संस्थागत सहयोग कार्यक्रम है, जिसके भाग के रूप में, हमारे कॉलेज से स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्रों और अन्य संस्थानों के छात्रों को एक स्नातकोत्तर शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए इन कॉलेजों के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में घुमाया जाता है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक कॉलेज विशेष व्याख्यान और अभ्यास विशेषज्ञता और विशेषज्ञता के अपने क्षेत्रों के आधार पर व्यवस्था करता है।

संकाय की संख्याः स्थायीः 5

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इस साल, कॉलेज को दो अद्वितीय सम्मेलनों के आयोजन का गौरव प्राप्त था, स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन और स्वास्थ्य और पर्यावरण पर रासायनिक जोखिम के प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। न्यूरो–सर्जरी ओटी में एलएनएच एनेस्थीसिया शुरू हुआ। कोशिकाजननप्रकरण और आणविक आनुवंशिकी प्रयोगशालाः मछली के साथ प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोप/कोशिकाजननप्रकरण सॉफ्टवेयर (एनाटॉमी)। हिस्टोलॉजी प्रयोगशाला (एनाटॉमी) के लिए क्रायोस्टेट और भ्रूण शव परीक्षण प्रयोगशाला (एनाटॉमी) के लिए मैग्नोस्कोप। विभिन्न हेमाटोलॉजिकल कैंसर और अन्य ठोस कैंसर में आनुवंशिक असामान्यताओं का पता लगाने के लिए एक अति विशिष्ट आणविक नैदानिक सुविधा अर्तात् बीसीआर–एबीएल ट्रांसलोकेशन, जेएके2 उत्परिवर्तन, ईजीएफआर उत्परिवर्तन आदि को विभाग में कार्यात्मक बनाया गया है। (बायोकेमिस्ट्री)।

आरएचटीसी बरवाला, रक्त शर्करा के स्तर के लिए मधुमेह के रोगियों की निगरानी, नए ग्लूकोमीटर की मदद से बेहतर प्रबंधन और मधुमेह के रोगियों के अनुपालन के लिए अग्रणी। (कम्युनिटी मेडीसिन), भाषण के लिए केंद्र और पोस्ट कर्णावत प्रत्यारोपण के रोगियों के लिए सुनने की शक्ति का पुनरुद्धार। (ईएनटी), (ईएनटी), 3 टेस्ला एमआर प्रणाली, (रेडियोलॉजी), एचडीआर ब्रेकीथेरेपी और सिम्युलेटर कोन बीम सीटी के साथ। रेडियोथेरेपी, बाल चिकित्सा रेडियोथेरेपी इकाई (रेडियोथेरेपी)।

सर्जिकल कौशल प्रयोगशाला को नई पीढ़ी के एंडोप्रशिक्षकों की स्थापना के साथ उन्नत बनाया गया। (जीआई सर्जरी, जेआईपीएमईआर)
मौखिक प्रत्यक्ष कोलानजियोस्कोपी के लिए अति पतली वीडियो एंडोस्कोपी। (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, जेआईपीएमईआर)

पुस्तकालय का विकास

स्वचालन और सुरक्षारू पुस्तकालय को "लिब व्यवस्था" स्वचालन सॉफ्टवेयर के साथ स्वचालित कर दिया गया है। सभी पुस्तकों, पत्रिकाओं और शोध प्रबंधों की डेटा एंट्री पूरी की गई और स्वचालित दस्तावेजों का प्रचलन शुरू करने के लिए तैयार की गई है। सभी पुस्तकों, पत्रिकाओं और शोध प्रबंधों को बारकोडित किया जा रहा है और रेडियो–फ्रीक्वेंसी (आरएफ) टैग किए गए पुस्तकालय में आगे भी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 3एम का चुंबकीय जांच गेट (यूएसए) स्थापित किया गया है

डिजिटलीकरणः उपयोगकर्ता पुस्तकालय की वेबसाइट www.library.mamc.ac.in पर इन पत्रिकाओं का उपयोग कर सकते हैं। 030ई किताबों तक भी हमारी पहुँच है।

ईआरएमईडी सदस्यताः ईआरएमईडी (मेडिसिन के इलेक्ट्रॉनिक संसाधन) सदस्यता का इस साल नवीकरण किया गया है, और हमारे उपयोगकर्ताओं ने इस संघ के माध्यम से दवा और संबद्ध विषयों की हजारों पत्रिकाओं का उपयोग किया है।

सम्मान/ विशिष्टता

डॉ. आर बी आहूजा, बर्न्स और प्लास्टिक– भारत के प्लास्टिक सर्जन एसोसिएशन से वर्ष का उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार।

डॉ. प्रभात श्रीवास्तवः 20 –22 फरवरी 2015 को लुधियाना में आयोजित वार्षिक सम्मेलन एनएबीआईसीओएन 2015 में 6 साल (2009–2015) के लिए एसोसिएशन के सचिव के रूप में "उत्कृष्ट सेवा" प्रदान करने के लिए बर्न्स–इंडिया की नेशनल एकेडमी से "राष्ट्रपति का प्रशंसा पुरस्कार" 2015 प्राप्त किया।

डॉ सिद्धार्थ रामजी ने 2015 में स्वास्थ्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिल्ली राज्य स्वास्थ्य पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

बी उमा, ए कोचर, यू वर्मा और आर राउतेला, (2015). ब्रोंकोस्कोपी और सांस की आंतरिक नली में बाधा डालने वाले ट्यूमर के लिए डीबल्किंग संवेदनाहारी प्रबंधन। एनेस्थीसिया की सऊदी पत्रिका, 9(4), 484.

एम सेठी, (2015). कर्णावत नाड़ीग्रन्थि न्यूरॉन्स के विकास का मार्फोमेट्रिकल विश्लेषणरू एक हल्का सूक्ष्म भ्रूण अध्ययन। क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च का पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-7860/jcdr/2015/11323-5997

जे जावेद, आर मीर, पी.के. जुल्का, पी सी राय, और ए सक्सेना, (2015). बैक्स जी (–248) एक जीन बहुरूपता और गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर के साथ इनके सहयोग का जोखिम –एक मामला नियंत्रण अध्ययन। एपोप्टोसिस की स्वतंत्र पत्रिका 04(02), 47–58.

आर बी आहूजा, पी चटर्जी और वी डेराजे, (2015). हाइपरट्राफिक निशान और केलोयडों के प्रबंधन के लिए गैर शल्य तौर तरीकों का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन। शल्य चिकित्सा की फॉरमोसन पत्रिका 48(2), 49–56.

सी कोहली, आर कुमार, जी मीना, एम सिंह, और जी इंगले, (2015). दिल्ली में मच्छर जनित रोगों के बारे में ज्ञान और निवारक प्रथाओं पर एक अध्ययन। मेडिकल साइंसेज की एमएएमसी पत्रिका, 1(1), 16.

एस बंसल, वी गर्ग, बी वाधवा और एन खुराना, (2015). एक वयस्क पुरुष में प्राप्त बंदरगाह–शराब दागः साहित्य की समीक्षा के साथ भारत से पहले मामले की सूचना। त्वचा विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 60(1), 104.

ए जैन, (2016). हाइपरट्रॉफिक पेसीमेनिनजइटिस और द्विपक्षीय ऑप्टिक न्युरैटिस के रूप में प्रस्तुत पुरानी माइलॉयड ल्यूकीमिया में पृथक सीएनएस विस्फोट संकटः एक मामले की रिपोर्ट। क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च की पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-7860/jcdr/2016/15813-7045.

बी उप्पल, (2015). भारत में आंतों के बैक्टीरिया और परजीवी संक्रमण का एक तुलनात्मक अध्ययन। क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च की पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-7860/jcdr/2015/11965.619.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अशोक कुमार, "गर्भावस्था में विटामिन डी पूरकता"।

डॉ. सुनीला गर्ग, "गर्भावस्था में घरेलू हिंसा के परिमाण का एक परिप्रेक्ष्य अध्ययन"।

डॉ. अल्पना सक्सेना, "स्तन कैंसर के रोगियों में आनुवंशिक परिवर्तन (माइक्रो आरएनए की भूमिका) का एक अध्ययन"।

डॉ. बी. सी. कोनार, डीएसटी परियोजना, शीर्षक "26 मायोट्यूब में इंसुलिन सिगनलिंग पर कीटनाशकों के प्रभाव"

डॉ. एम एम सिंह, "दिल्ली में लिंग आधारित हिंसा के बारे में स्वास्थ्य सुविधा तैयारियां और ज्ञान रवैया और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में प्रचलित प्रथाएं"

संकाय की संख्याः स्थायीः 275, अस्थायीः 5

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

पेटेंट दायरध्स्वीकृतरू "सबसे पहला पूर्ण जीनोम अनुक्रमण और एंटरोपैथोजेनिक एसकेरेशिया कोलाई सीरोटाइप 0146 के रूप में एमएएमसी 18 तनाव नामित जीनोम का एनोटेशन" (संस्था और लोकनायक अस्पताल के वार्ड 18 में जहां मरीजों को भर्ती कराया गया)।

विस्तार और पहुँच (आउटरीच) कार्य

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या	97
दाखिलध् शिविरों में शामिल लोगों की संख्या	6900
शिविरों में काम करने वाले छात्रों की संख्या	770.
शिविरों के लिए समर्पित घंटों की कुल संख्या	610 घंटे

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र संख्या	
अंडर ग्रेजुएट छात्रों का भीतर/ बाहर विनिमय	01
स्नातक ध् स्नातकोत्तर छात्रों का भीतर /बाहर विनिमय	01

- टेलीकांफ्रेंसिंग की सुविधा और 300 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ दो नए व्याख्यान थिएटर बनाये गए
- नया तीन मंजिला छात्रावास बनाया गया
- सीएएल (कम्प्यूटर एडेड प्रयोगशाला) का निर्माण प्रक्रिया के अंतर्गत
- लाइब्रेरी क्षेत्रों में वाई–फाई सुविधा उपलब्ध कराना प्रक्रिया के अंतर्गत है

औषध (यूसीएमएस)

सम्मान/विशिष्टताएं
ए अग्रवाल
चिकित्सकों के भारतीय कॉलेज की फैलोशिप
इलेक्ट्रो कार्डियोलोजी की भारतीय सोसायटी की फैलोशिप

ओ.पी. कालरा, बी सी रॉय अवार्ड।

एस वी मधु
दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 2016 में चिकित्सा भूषण पुरस्कार

भारत में मधुमेह के अध्ययन, पश्चिम बंगाल अध्याय के लिए रिसर्च सोसायटी का वार्षिक भाषण (2015)

राष्ट्रपति का भाषण 2015 भारत, राजस्थान और गुजरात अध्याय में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसायटी द्वारा
राष्ट्रपति का भाषण 2015 भारत, पंजाब व चंडीगढ़ अध्याय में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसायटी द्वारा।

प्रो. सैम जी पी मूसा
ज्योतिदेव के व्यावसायिक शिक्षा मंच के वार्षिक सम्मेलन 2015 में आरएसएसडीआई राष्ट्रपति का भाषण

प्रकाशन (चयनित):
कुल संख्या – 45

वी शर्मा, (2015). हेलिकोबैक्टर पाइलोरीः क्या यह कोरोनरी धमनी रोग के जोखिम को बढ़ाता है। कार्डियोलोजी की विश्व पत्रिका,7(1), 19–25.

ए अग्रवाल, एस श्रीवास्तव, एम अग्रवाल, और एस द्विवेदी, (2015). बालों का समय से पहले पकनाः धूम्रपान करने वालों में कोरोनरी धमनी की बीमारी के लिए एक स्वतंत्र जोखिम मार्कर – एक पूर्वव्यापी मामला नियंत्रण अध्ययन। स्वास्थ्य विज्ञान इथियोपिया की पत्रिका,25(2), 123–128.

एम असलम, एस अग्रवाल, के के शर्मा, वी गालव, और एस वी मधु, (2016). भोजन के बाद हाइपरट्रिंगलीसेरिडेमिया इंसुलिन प्रतिरोध ग्लूकोज असहिष्णुता और टाइप 2 मधुमेह के विकास भविष्यवाणी करती है। पीएलओएस वन, 11(1), म0145730. जारी करने की तारीख:10-1371/journal.pone.0145730.

एस गर्ग, एस गुप्ता, एम एस मोबीन, और एस वी मधु, (2016). टाइप 2 मधुमेह ग्रस्त व्यक्तियों में ऑक्सीजन संतृप्ति पर मोटापा और ग्लाईकेटेड हीमोग्लोबिन का प्रभावरू एक प्रायोगिक अध्ययन। मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोमः क्लीनिकल रिसर्च एवं समीक्षा, 10(3), 157–160.

एल जे वीवर और एस वी मधु, (2015). नई दिल्ली, भारत में महिलाओं के बीच टाइप 2 मधुमेह और चिंता के लक्षण। लोक स्वास्थ्य की अमेरिकी पत्रिका, 105(11), 2335–2340.

ए सिद्दीकी, एस वी मधु, एस बी शर्मा, और एन जी देसाई, (2015). अंतःस्रावी तनाव प्रतिक्रियाएं और टाइप 2 मधुमेह का खतरा। तनाव, 18(5), 498–506.
एल जे वीवर, सी एम वर्थमैन, जे ए डीकारो और एस वी मधु, (2015). तनाव के लक्षणरू नई दिल्ली, भारत में, महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह जैव सामाजिक तनाव के अंकन। सामाजिक विज्ञान और चिकित्सा, 131, 122–130.

एस मधु, (2015). विश्व मधुमेह दिवस 2015ः स्वस्थ जीवन और मधुमेह। चिकित्सा अनुसंधान की भारतीय पत्रिका, 142(5), 503–506.

एस कालरा, एस मधु, और एस बजाज, (2015). सल्फोनील्युरेयसः अतीत, वर्तमान और भविष्य में आस्तियां। एंडोक्रिनोलॉजी और चयापचय की भारतीय पत्रिका, 19(3), 314–316.

एस वी मधु, बी साबू, बी एम मक्कड़, जी सी रेड्डी, जे जना, जे के पांडा, वी पानीकर, (2015). टाइप 2 मधुमेह के प्रबंधन के लिए आरएसएसडीआई नैदानिक अभ्यास सिफारिशें–2015। विकासशील देशों में मधुमेह की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 35[S1] 1.71.

अनुसंधान परियोजनाएं
एस वी मधु
"भारत में कम उम्र में मधुमेह ग्रस्त लोगों की रजिस्ट्री की शुरुआत", द्वितीय चरण, 29.55 लाख रुपए का अनुदान।

"टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम में योग और मेथी की भूमिका – मधुमेह अध्ययन (आईपीडीएस) का भारतीय रोकथाम", द्वितीय चरण रुपए 15 लाख का अनुदान।

"क्लॉक जीन अभिव्यक्ति और स्वास्थ्य पाली श्रमिकों में भोजन के बाद हाइपरट्राइग्लीसेरिडेमिया" 17.44 लाख रुपए का अनुदान।
"भूमिका मधुमेह अपवृक्कता के रोगियों में एंजाइम निरोधक गुप्त एंजियोटेनसिन की रेनो–सुरक्षात्मक प्रभावकारिता पर रेनिनजियोटेन्सिन एल्डोस्टेरेन प्रणाली की आनुवंशिक बहुरूपता" 31.87 लाख रुपए का अनुदान।

"अभिनव एम–स्वास्थ्य व्यापक स्क्रीनिंग के लिए भागीदारी दृष्टिकोण का नेतृत्व और मधुमेह के उपचार (प्रभाव मधुमेह)" ईएफएसडी द्वारा वित्त पोषित।

संकाय की संख्याः स्थायीः 09

प्रसूति एवं स्त्री रोग (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इस वर्ष विभाग में "प्रजनन चिकित्सा" में राष्ट्रीय बोर्ड की फैलोशिप शुरू की गई। जिस उम्मीदवार को पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ उसे आईवीएफ और प्रजनन जीव विज्ञान केंद्र, प्रसूति विभाग एवं स्त्री रोग, एमएएमसी के लिए विकल्प दिया गया।
अक्टूबर 2015 में ओबीजीवाई विभाग द्वारा "ओबीजीवाई में18 वां व्यावहारिक पाठ्यक्रम और सीएमई" आयोजित किया गया। भारत भर से इस कोर्स में 300 से अधिक स्नातकोत्तर छात्र आये थे और पूरे संकाय ने व्याख्यान और मामलों पर चर्चा प्रस्तुत किया। विभाग से "गर्भावस्था में इस्तेमाल की जाने वाली औषधियां" शीर्षक एक पुस्तक प्रकाशित की गई थी। 15 प्रतिशत की सफलता दर के साथ बांझ रोगियों के लिए 221 आईयूआई प्रक्रियाएं की गईं। इस वर्ष के दौरान 42–45प्रतिशत की सफलता दर के साथ आईवीएफ/आईसीएसआई प्रक्रिया के 213 मामले किए गए। कुल 76 आईसीएसआई और 76 मामलों में क्रायो एट किया गया। प्रमुख स्त्री रोग सर्जरी की कुल संख्या 756 थी। कुल 1200 अल्ट्रासोनोग्राफी की गई थी।

प्रकाशन (चयनित)
कुल – मूल शोध लेख –14, मामले की रिपोर्ट –3, सार–28, पुस्तक–1।

एस प्रसाद, आर बस्सी, वाई कुमार और ए कुमार, (2015). गर्भाधान की दर में सुधार करने के लिए इन विट्रो निषेचन/शुक्राणु इंजेक्शन चक्र से पहले एडोमेट्रियोसिस के उपचार के विकल्प अपनाए गए। प्रसूति एवं स्त्री रोग की ताइवान की पत्रिका, 54(3), 316–318.

एस प्रसाद, ए कुमार और एस हजेला, (2016) प्रसूति एवं स्त्री रोग, संस्करण में औषधरू पुस्तक में 1ध्ई, अध्यायरू ओव्युलेशन प्रेरण ड्रग्स, प्रकाशकः जेपी, संपादकः अशोक कुमार, कृष्ण अग्रवाल, सुधा प्रसाद, 264–275.

एस शर्मा, ए कुमार, और एस प्रसाद, (2015). उत्तर भारतीय जनसंख्या में गर्भावस्था के दौरान विटामिन डी की स्थिति के मौजूदा परिदृश्य। भारत की स्त्री रोग और प्रसूति की पत्रिका, 66(2), 93–100.

एन सिंह, आर त्रिपाठी, वाई एम माला, और ए बत्रा, (2015) त्रिआयामी अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा कोरनुअल गर्भावस्था का निदान और मेथोट्रेक्सेट चिकित्सा द्वारा बहुत उच्च बीटा एचसीजी स्तर के बावजूद सफल प्रबंधन।, निदान और क्लीनिकल रिसर्च की पत्रिका, 9[1] QD12.QD1.

एल साहू, पी यादव, और ए तेम्पे, (2015). कम अवधि (4 घंटा) बनाम गंभीर प्रीक्लेम्पसिया में 24 घंटे प्रसवोत्तर मैग्नीशियम सल्फेट चिकित्सा के बीच यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन। प्रजनन, गर्भनिरोधक, प्रसूति एवं स्त्री रोग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-18203/2320&1770-ijrcog20150089

ए तेम्पे और जी कुमारी (2015). अपरिपक्व प्रसव को रोकने के लिए गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में असामान्य योनि फ्लोरा का इलाज किया जाना चाहिए। मेडिकल साइंसेज के एमएएमसी पत्रिका,1(2), 64–68.

डी के राठौर, डी नायर, एस रजा, एस सैनी, आर सिंह, ए कुमार, एन वाधवा, (2015). पूर्ण अवधि के कम वजन के भारतीय नवजात शिशुओं का गर्भनाल रक्त ल्युकोसैट फिनोटाइप में अंतर दिखाता हैः एक पार अनुभागीय अध्ययन। पीएलओएस वन , 10(4), म0123589. जारी करने की तारीख:10-1371/journal-pone-0123589

एम भीलवार, पी लाल, एन शर्मा, पी भल्ला, और ए कुमार, (2015 उत्तर–पूर्वी दिल्ली, भारत के एक शहरी झुग्गी बस्ती में रहने वाली विवाहित महिलाओं में प्रजनन पथ का संक्रमण और उनके निर्धारकों की व्यापकता, प्राकृतिक विज्ञान, जीव विज्ञान और चिकित्सा की पत्रिका, 6(3), 29.

ए कुमार, ए.के. शर्मा, एस मित्तल, और जी कुमार, (2014). उत्तर भारतीय महिलाओं के बॉडी मास इंडेक्स और रजोनिवृति से पूर्व और रजोनिवृति के बाद अस्थि खनिज घनत्व का संबंध। प्रसूति और स्त्री रोग भारत की की पत्रिका, 66(1), 52–56.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. सुधा प्रसाद, "सहायता प्रजनन के दौर से गुजरने वाली महिलाओं में नैदानिक गर्भावस्था की दर और गर्भाशय धमनी प्रवाह मानकों पर आधारित योग तनाव प्रबंधन के साथ परामर्श के प्रभाव का अध्ययन"। आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित

डॉ. अशोक कुमार, "गर्भावस्था में विटामिन डी पूरकता" यूजीसी द्वारा वित्त पोषित।

डॉ. अशोक कुमार, "मधुमेह ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में प्रीक्लेम्पसिया के लिए भविष्यवाणी मॉडल के विकास"। आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित।

आयोजित सम्मेलन

अठारहवीं व्यावहारिक पाठ्यक्रम और सीएमई 2014 मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली (9 वीं –11 अक्टूबर, 2015) में आयोजित किया गया। अध्यक्ष डॉ. सुधा प्रसाद और सचिव डॉ. अशोक कुमार।

6–7 मार्च 2016 से विभाग द्वारा आयोजित प्रथम मातृ एवं भ्रूण चिकित्सा ओबीएस एवं जीवाईएन कार्यशाला। अध्यक्ष डॉ. रेवा त्रिपाठी और सचिव डॉ. अस्मिता एम राठौर।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. सुधा प्रसाद

- 26 मार्च 2015 को किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए "वयस्क शिक्षा के क्षेत्र में परामर्श दाता के रूप में प्रसूतिशास्री की भूमिका" पर एक व्याख्यान दिया।
- 12 जुलाई को लुधियाना में आयोजित अत्याधुनिक तकनीक पर लाइव कार्यशाला में "आईयूआई और एआरटी चक्र पर ल्यूटल चरण समर्थन" पर एक व्याख्यान दिया।
- 14 अगस्त को आईजीआईएमएस, पटना में "सहायक प्रजनन तकनीक की मूल बातों" पर एक व्याख्यान दिया।
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में जेएलएन सभागार में 30 अगस्त को "आईयूआई और एआरटी चक्र पर ल्यूटल चरण समर्थन" पर एक व्याख्यान दिया।
- 5 सितम्बर, नई दिल्ली में "भ्रूणविज्ञान आईएसएआर में आईयूआई और एआरटी में ओव्यूलेशन ट्रिगर" पर एक व्याख्यान दिया।
- 2 दिसंबर 2015 को ईएसएचआरई भ्रूण विज्ञान प्रमाणीकरण प्रारंभिक पाठ्यक्रम पर पर महिला प्रजनन पर एक व्याख्यान दिया।
- 27 दिसंबर 2015 को नई दिल्ली – आईएमए एनएटीसीओएन पर "वीर्य विश्लेषण और इसकी व्याख्या" पर एक व्याख्यान दिया।
- नई दिल्ली में 28 अक्टूबर 2915 को "ओव्यूलेशन ट्रिगर की बार–बार नाकामी" पर एक व्याख्यान दिया। दिल्ली में 5 दिसंबर 2015 को फर्टीविजन 2015 में "ताजे बनाम जमे हुए भ्रूण के स्थानांतरण और आरोपण में सुधार" पर एक व्याख्यान दिया।
- 12– 14 फरवरी 2016 को प्रसूति में गहन देखभाल पर विश्व सम्मेलन में "आईवीएफ में प्रसूति जोखिम मूल्यांकन" पर एक व्याख्यान दिया।
- 6 मार्च 2016 को जेपी अस्पताल में स्त्रीरोग एंडोस्कोपी और बांझपन के खाके पर "ओएचएसएस – क्या आपको एक हल मिल गया है? पर एक व्याख्यान दिया।।

प्रसूति एवं स्त्री रोग (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इस वर्ष के दौरान हमारे विभाग को नए एमसीएच ब्लॉक में आंशिक रूप से स्थानांतरित कर दिया गया। हम जल्द ही एमसीटीएस (मातृ एवं बाल ट्रैकिंग सिस्टम) शुरू करने जा रहे हैं। कई पुरस्कार के अलावा, विभाग ने पिछले साल की तरह इस बार भी भारत में प्रसूति एवं स्त्री रोग में सबसे अच्छे शोध के लिए 12 वीं बार प्रतिष्ठित आर.डी. पंडित का पुरस्कार प्राप्त किया। इस के अलावा हमारे संकाय के सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय और

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित किया गया था। विभाग ने अगस्त 2015 में एनएआरसीएचआई दिल्ली शाखा का 22 वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। विभाग ने इस अवधि के दौरान एनएआरसीएचआई दिल्ली के तत्वावधान में समुदाय के प्रति जागरूकता के मासिक व्याख्यान का आयोजन किया। 4–11 मार्च 2016 के दौरान सरवाइकल और स्तन कैंसर जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया था।

सम्मान/विशिष्टताएं

नीरजा गोयल एवं एम स्वामी, कांस्य पदक, "एक गर्भनिरोधक विधि के रूप में पेरिमेनोपाजुअल महिलाओं में एलएनजी–आईयूएस बनाम डेसोगेस्ट्रेल का एक यादृच्छिक संभावित हस्तक्षेप परीक्षण", 31 और 1 नवंबर, 2015 को दिल्ली में 37 वां एओजीडी।

किरण गुलेरिया और एन शर्मा, स्वर्ण पदक, "आर्गेनोक्लोरीन के संदर्भ के साथ ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रीक्लेम्पसिया में एंटी ऑक्सीडेंट जीन की भूमिकारू एक केस नियंत्रण का अध्ययन", 37 वें वार्षिक एओजीडी सम्मेलन, आईएचसी दिल्ली में। 31 अक्टूबर – 1 नवंबर 2015.

बिंदिया गुप्ता

• पोस्टर का द्वितीय पुरस्कार (स्नेहा श्री, बी गुप्ता, राजाराम एस जननांग तपेदिकरू असामान्य प्रस्तुतियों), एनएआरसीएचआई, दिल्ली शाखा के 22 वें वार्षिक सम्मेलन में 22 –23 अगस्त, 2015.

• द्वितीय पुरस्कार (बी गुप्ता, एस राजाराम, पीके साथिजा, वी के अरोड़ा, एन गोयल ग्रीवा कोशिका विज्ञान स्मीयरों में पी16/केआई67 का मूल्यांकन"), उत्तरी जोन युवा स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी सत्र। पीजीआई चंडीगढ़ 18 वीं अक्टूबर 2015.

शालिनी राजाराम और पी.के. सथिजा

• रजत पदक (ग्रीवा अंतःउपकला रसौली के निदान के लिए बायोमार्कर पी16आईएनके4ए का मूल्यांकन/केआई–67 सरवाइकल कोशिका विज्ञान में), 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2015 को दिल्ली में 37 वां एओजीडी।

ऋचा शर्मा एफओजीएसआई कोरियन जूनियर पुरस्कार 2015, 15 – 17 जनवरी, 2016 को आगरा में 59 वां एआईसीओजी,

अमिता सुनेजा, पी मीना, फोगसी आर डी पंडित पुरस्कार (योनिभित्तिदर्शन पर अदृश्य स्क्वैमस स्तंभ जंक्शन के मामलों में परिवर्तन जोन के पूरा दृश्य के लिए ऑफिस हीस्टेरोस्कोप के साथ एंडोसरविकोस्कोपी), 15 – 17 जनवरी, 2016, आगरा में 59 वें एआईसीओजी, के लिए।

प्रकाशन

एस जैन, के गुलेरिया, ए सुनेजा, एन बी वैद, और एस आहूजा, (2016). गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती प्रसूति मरीजों के बीच परिणाम के मूल्यांकन के लिए अनुक्रमिक अंग विफलता आकलन स्कोर का उपयोग। स्त्री रोग और प्रसूति की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 132(3), 332–336.

बी गुप्ता, के गुलेरिया, ए सुनेजा, एन बी वैद, एस राजाराम और एन वाधवा, (2016). किशोरों में डिम्बग्रंथि जनतारू एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। प्रसूति एवं स्त्री रोग की पत्रिका,36(4), 515–517.

एस राजाराम, और बी गुप्ता, (2015) वल्वर कैंसर का प्रबंधन। हाल के नैदानिक परीक्षणों की समीक्षा 10(4), 282–288.

एस राजाराम, ए माहेश्वरी और ए श्रीवास्तव, (2015). योनि के कैंसर के लिए स्टेजिंग। श्रेष्ठ प्रैक्टिस एवं अनुसंधान नैदानिक प्रसूति एवं स्त्री रोग, 29(6), 822–832.

ए शर्मा, ए सुनेजा, के गुलेरिया, वाई मोटवानी, और एन सिंह, (2016). पोस्थीस्टेरेक्टोमी नालव्रण की मरम्मत के लिए लात्जको आपरेशनः एक अनुकरणीय विधि का पुनर्मूल्यांकन। गाइनोकोलॉजिक सर्जरी की पत्रिका,32(4), 211–214.

एस राजाराम, एस कावा, वी अरोड़ा, एन गोयल, एस अग्रवाल, और एस मेहता, (2015). परम्परागत कोशिका विज्ञान, ग्रीवा अंतःउपकला रसौली में एक बायोमार्कर के रूप में दृश्य परीक्षण और पी16 आईएनके4ए का मूल्यांकन। कैंसर की भारतीय पत्रिका, 52(3), 270–275.

पी जैन, एच श्रीवास्तव, एन गोयल, एफ खालिक, पी दीवान, आर शर्मा, और वी भारतीय, (2015). फेफड़े के कार्यों और प्रिमिग्राविदा महिलाओं में श्रम परिणाम पर प्रसव पूर्व अभ्यास का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। प्रजनन, गर्भनिरोधक, प्रसूति एवं स्त्री रोग के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। जारी करने की तारीख:10.18203/2320&1770.ijrcog20150732.

आर शर्मा, एस सिंह, वी भारतीय, जे गुप्ता, और जी राधाकृष्णन (2015) सिम्फिजियो–फंडल ऊंचाई और पेट की परिधि का उत्पादः जन्म के समय अनुमानित भ्रूण वजन का एक कारक। वैज्ञानिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका .3(9), 125–127.

ए सिंगला, एस मेहता, एस राजाराम, और एस श्री (2015). मेटर्नो–भ्रूण गर्भावस्था में वायरल हैपेटाइटिस का परिणाम. प्रसूति और स्त्री रोग की भारतीय पत्रिका, 66(3), 166–169.

के. गुलेरिया, (समूह के सदस्य). सीजेरियन सेक्शन शल्य चिकित्सा तकनीक और लंबी अवधि के परिणामरू अनुवर्ती कोरोनीस परीक्षण। द लैंकेट–डी–15–07374आर3.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अमिता सुनेजा, डॉ. किरण गुलेरिया (सह–अन्वेषक), "प्रसव पीड़ा के प्रेरण के लिए गर्भाशय ग्रीवा के पकने के लिए डिलापेन्स / डिलासॉफ्ट आसमाटिक डायलेटरों के उपयोग पर ई–रजिस्ट्री से पहले अंतर्राष्ट्रीय अवलोकन", 2015–16, मेडीकेम इंटरनेशनल, 2.5 लाख।

डॉ. किरण गुलेरिया (सह–अन्वेषक), "जीन– पर्यावरण परस्पर–क्रिया और उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के उच्च जोखिम" (जैव रसायन विभाग के सहयोग से), 2012– 2015, जैव रसायन विभाग, यूसीएमएस के लिए, आईसीएमआर से55 लाख की अनुदान।

डॉ. किरण गुलेरिया (सह–अन्वेषक), "पूर्वी दिल्ली में मातृ रुग्णता के कारण, जोखिम कारक और परिणामरू जनसंख्या और अस्पताल के आधार पर अध्ययन", (सामुदायिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से आईसीएमआर परियोजना) 2012 दिसम्बर – 2015, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, यूसीएमएस के लिए 9 लाख का आईसीएमआर अनुदान।

डॉ. बिंदिया गुप्ता (सह–अन्वेषक), "एजेंटों के प्रतिरोध का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर की प्राथमिक संस्कृतिः एक प्रायोगिक अध्ययन", 2015–2018, जैव रसायन विभाग, यूसीएमएस के लिए 23.5 लाख का डीबीटी अनुदान।

डॉ. ए जी राधिका, "लेबर रूम में तैनात नर्सिंग छात्रों को प्लॉट आईसीएमआर पार्टोग्राफ (प्रसवग्राफ) में शामिल करने की व्यवहार्यता – एक आईसीएमआर बहुकेंद्रीय अध्ययन", अगस्त 2015– जन, 2016 ।

डॉ. ए जी राधिका, "भारत में गर्भवती महिलाओं में खून की कमी में लौह सुक्रोज (एफईएसपीएडब्ल्यू) – एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", नवंबर 2015–नवंबर 2017, डब्ल्यूएचओ–जीओआई, रु.16,67,750 के अनुदान द्वारा वित्त पोषित।

आयोजित सम्मेलन

स्कोप परिसर में लोधी रोड, नई दिल्ली में 22 और 23 अगस्त, 2015 को एनएआरसीएचआई दिल्ली शाखा का 22 वां वार्षिक सम्मेलन।

एफओजीएसआई कैंसर विज्ञान और टीटी समिति एवं एओजीडी कैंसर विज्ञान समिति सीएमईरू प्रैक्टिस कर रहे स्त्रीरोग विशेषज्ञ के लिए जीवाईन कैंसर विज्ञान अद्यतन। 3 जनवरी 2016 को जुनिपर हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली

मार्च 2016 में, यूसीएमएस व जीटीबी अस्पताल में "गर्भावस्था में थायराइड विकार", पर सीएमई।

अंतर संस्थागत सहयोग

डॉ किरण गुलेरिया, कोरोनीस ट्रायल, अंतर्राष्ट्रीय सीएईएसईआर अध्ययन–एक अध्ययन अनुवर्ती कार्रवाई (2011–2014) 2011–2014 एनईयू, एम्स के लिए ऑक्सफोर्ड, ब्रिटेन केन्द्रीय अनुदान।

संकाय की संख्याः स्थायीः16, तदर्थः 1

नेत्र विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रकाशन

वी पी गुप्ता, पी गुप्ता, और आर गुप्ता, (2016). पुनः नेत्र प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी, 32(2), 154.

वी सहगल, एन सिंह, एस शर्मा, जे रोहतगी, आर ओबेराय, और के चटर्जी, (2015)..ट्यूबरस काठिन्य जटिलरू चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की निदान भूमिका। त्वचा विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 60(4), 421.

एन अग्रवाल, आर थवानी, एस गुप्ता, ए शर्मा, और यू धालीवाल, (2014). वस्तुनिष्ठ, वैज्ञानिक प्रस्तुतियों की योग्यता प्राप्त करने के लिए संरचित प्रारूप। सर्जरी की भारतीय पत्रिका, 77(एस3), 1001–1004.

एस गुप्ता, एस सिंह, और यू धालीवाल, (2015). भारत में स्नातक मेडिकल छात्रों में दर्शनीय फेसबुक प्रोफाइल और ई–व्यावसायिकता। स्वास्थ्य व्यवसायों के लिए शैक्षिक मूल्यांकन की पत्रिका, 12, 50. जारी करने की तारीख:10.3352/jeehp.2015.12.50.

यू धालीवाल, पी गुप्ता, और टी सिंह, (2015). विश्वसनीय व्यावसायिक गतिविधियांरू शिक्षण और नैदानिक क्षमता का आकलन। भारतीय बाल रोग, 52(7), 591–597.

यू धालीवाल, (2015) संपादकीयः एआरटी – दवा का दिल। आरएचआईएमई, 2रू 1–2।

यू धालीवाल, (2015) अध्याय 11. आंख की परीक्षा मेंरू गुप्ता, पी, संपादक। बाल रोग में नैदानिक तरीके। तृतीय संस्करण। सीबीएस प्रकाशकः दिल्ली।

आर्थोपेडिक्स (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के आर्थोपेडिक्स विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों के छात्रों के लिए हड्डी रोग के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के एक उच्च स्तर को बनाए रखा है। विभाग ने एक उच्च शैक्षणिक स्तर की अनेक लेख प्रकाशित किये हैं और इन्हें प्रतिष्ठित सहकर्मी की समीक्षा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया है/ स्वीकार कर लिया गया है। संकाय सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में अतिथि व्याख्यान और शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं और देश भर में विभिन्न पाठ्यक्रमों और मंचों में अतिथि संकाय और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किये गए हैं। विभाग हड्डी रोग में लोकप्रिय स्नातकोत्तर शिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन करना जारी रखा है, जिसने देश भर के 300 से अधिक स्नातकोत्तर छात्रों को सफलतापूर्वक आकर्षित किया है।

सम्मान/विशिष्टताएं

विभाग को एमएएमसी के दीक्षांत समारोह के दिन के दौरान वर्ष 2015 के लिए प्रतिष्ठित फ्लेमिंग ट्राफी से सम्मानित किया गया। यह ट्रॉफी सबसे अच्छा अनुसंधान कार्य करने वाले नैदानिक विभाग को दी जाती है।

प्रकाशन

वी.के. गौतम, एस वर्मा, एस बत्रा, एन भटनागर, और एस अरोड़ा (2015).. प्लेटलेट समृद्ध अड़ियल पार्श्व एपिकोंडलाइटीस के लिए कोर्टिकॉस्टेरायड इंजेक्शन बनाम प्लाज्माः नैदानिक और अल्ट्रा सोनोग्राफिक मूल्यांकन। आर्थोपेडिक सर्जरी की पत्रिका, 23(1), 1–5.

वी.के गौतम, ए शर्मा, एस वर्मा, और एस अरोड़ा, (2015). संपादक को पत्रः प्लेटलेट समृद्ध अड़ियल पार्श्व एपिकोंडलाइटीस के लिए कोर्टिकॉस्टेरायड इंजेक्शन बनाम प्लाज्माः नैदानिक और अल्ट्रा सोनोग्राफिक मूल्यांकन। आर्थोपेडिक सर्जरी की पत्रिका, सर्जन की पत्रिका,23(2), 270–271.

डी सबात, ए जैन और वी कुमार, (2016). विस्थापित पश्च क्रुसिकेट बंधन अलगाव भंगः खुले पश्च दृष्टिकोण और आर्थोस्कोपिक एकल सुरंग सिवनी निर्धारण के बीच एक पूर्वव्यापी तुलनात्मक अध्ययन। आर्थोस्कोपी। आर्थोस्कोपिक और संबंधित सर्जरी की पत्रिका। आर्थोस्कोपी, 32(1), 44–53.

एस सिंह, एस बत्रा, एल मैनी और वी के गौतम, (2015). समीपस्थ फीमर के जेंथोग्रेन्युओलोतमश अस्थिमज्जा प्रदाह का सौम्य बोन ट्यूमर का रूप धारण करना। अस्थि रोग की अमेरिकन पत्रिका, 44(8), म्272–274.

एम मोहिंद्रा, वी.के. गौतम, एल मैनी, एस कुमार, और एस वर्मा, (2015). सबएक्यूट पोस्टट्रामेटिक आरोही मेलोपैथीरू एक मामले की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। चिन जे ट्रामेटो, 18(1), 48–50.

पी गुप्ता, आर राममोहन, एल मैनी, वी.के. गौतम और एन खुराना, (2015). मेटाकार्पेल का ऑस्टिऑएड ऑस्टियोमा–एक मामले की रिपोर्ट। हैंड माइक्रोसर्जरी की पत्रिका, 7(1), 187–90.

एस सुरल और ए वर्मा, (2015). दिल्ली, भारत में एक प्रमुख अस्पताल में भाग लेने वाले बच्चों में मस्क्युलोस्केलेटल चोटों की नैदानिक प्रोफाइल। चिन जे ट्रामेटो पत्रिका, 6(1), 12–8.

एल मैनी और ए शर्मा, (2015). घुटने का श्लेष कोंड्रोमेटोसिस। चिकित्सा अनुसंधान की भारतीय पत्रिका, 142, 772–773.

ए शंकरन, ए थोरा, एस अरोड़ा और ए ढल, (2015). आकुंचिका मणिबंध अल्नेरिस का एकल पट्टा हस्तांतरण उच्च रेडियल तंत्रिका चोटों के लिए। आथोपेडिक सर्जरी की पत्रिका, 23(3), 345–348.

डी सबात और वी कुमार, (2015). अग्र क्रुसिएट लिगामेंट के प्रतीकात्मक आंशिक आँसुओं की चुनिंदा शारीरिक वृद्धि। ओर्थोपेडिक्स की भारतीय पत्रिका, 49, 129–135.

ए गोयल, डी सबात, और ए सांभरिया, (2015). एक 8 साल के बच्चे के अंकुशाकार ओस्टिअटिस के रूप में पेश कलाई का संयुक्त क्षय रोगरू एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। नैदानिक ओर्थोपेडिक्स और आघात की पत्रिका, 6(4), 293–295.

के नंदी, आर रमन, आर के विजय और एल मैनी, (2015). गैर–संयुक्त कोरोनल फ्रैक्चर ऊरु कंद, सैंडविच तकनीकरू एक मामले की रिपोर्ट। नानिक आर्थो. की पत्रिका, 6(1), 46–50.

ए सिंह, एस क्यूवास–कोवारुबियास, जी प्रधान, वी. के. गौतम, ओ मैसिना–बास, एल एम गोंजालेज हुर्ता, एम गोयल, और एस कपूर, (2015). अभिनव उत्परिवर्तन और पाइकोडोसेस्टिस ग्रस्त एक भारतीय बच्चे में सफेद पदार्थ की भागीदारी। भारत में बाल रोग, 82(5), 471–473.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अनिल ढल, "रीढ़ की हड्डी में ऑपरेशन के बाद संक्रमण के निदान और मूल्यांकन में मल्टीमोडल्टी इमेजिंग का मूल्यांकन"।

अंतर संस्थागत सहयोग

ए ढल, वी.के. गौतम, और एस सुरल, "वृद्धावस्था में चिकित्सा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम" इग्नू, भारत ।

संकाय की संख्याः स्थायीः 11, संविदात्मकः 2

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

डॉ सुमित सुरल को इंडो अमेरिकन रीढ़ एलायंस द्वारा रीढ़ सर्जरी के लिए बच्चों के श्राइनर्स हॉस्पिटल में नवंबर–दिसंबर 2015 में, फिलाडेल्फिया, संयुक्त राज्य अमेरिका फैलोशिप प्रदान किया गया था ।

नेत्र विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग की स्नातक पाठ्यक्रम में एक प्रमुख भूमिका है क्योंकि नेत्र विज्ञान एमबीबीएस का एक अलग विषय है और कॉलेज से हर साल 200 से अधिक छात्र स्नातक होते हैं। इस विषय में हर साल 4 एमएस छात्र रहते हैं। श्रीमती एस के अस्पताल और कलावती अस्पताल में आँखों के बाहर मरीजों को दैनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। रोगियों और स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं को नेत्र विज्ञान की विभिन्न अति–विशिष्टताओं के देने की पेशकश की जाती है। विभाग में मोतियाबिंद, ऑप्तलमोलोप्लास्टी, बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान और विट्रियो रेटिना रोगों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। यह नेत्र रोगों के लिए चौबीसों घंटे आपात सेवाएं प्रदान करता है। संकाय सदस्यों और आवासियों ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया गया है और साल 2015–2016 में कई शोध पत्र प्रस्तुत किए। 2015–2016 में एक पोस्टर को एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में और एक को राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला है। विभाग ने दिल्ली सरकार के मोतिया मुक्ति अभियान के सोलहवें चरण में भाग लिया। एम्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के द्वरा एम्स अस्पताल में कॉर्निया पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के भाग लेने की प्रक्रिया आरंभ की गई। इस विभाग में कॉर्निया शल्य चिकित्सा सेवाओं की शुरुआत में पहला कदम है।

सम्मान/विशिष्टताएं

चौधरी जेड, नागपाल एम, गर्ग आर, एस भयाना, जन्मजात नासो–इयाक्रिमल वाहिनी रुकावट और डाउन सिंड्रोम में अपवर्तक त्रुटियों। कोलकाता में 74 वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, भारत में "अग्र खंड– अश्रु" पर सत्र में ई–पोस्टर प्रस्तुति –पो – वोन 74 वें पर एएलओएस सम्मेलन में "अग्र खंड– अश्रु" पर सबसे अच्छा भौतिक पोस्टर पुरस्कार।

प्रकाशन

जेड चौधरी, और जे एल डिमर, (2015). आंख सिंड्रोम सैगिंग में न्यून कोण साइक्लोवर्टिकल तिर्यकदृष्टि के लिए वर्गीकृत लंब रेक्टस टीनाटामी। नेत्र विज्ञान की ब्रिटिश पत्रिका, 100(5), 648–651. जारी करने की तारीख:10.1136/bjophthalmol/2015/306783

जेड चौधरी, और जे एल डिमर, (2015इ). दुनिया के लिए औसत दर्जे के द्विपक्षीय विभाजन पार्श्व रेक्टस स्थानांतरण की चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग। नैदानिक और प्रायोगिक नेत्र विज्ञान के लिए ग्राफे के पुरालेख, 253(9), 1587दृ1590. जारी करने की तारीख:10-1007/s00417&015&3071&6

जेड चौधरी, और जे एल डिमर, (2015ब). उम्र से संबंधित विचलन एसोट्रोपिया की कमी के रोगियों में शल्य चिकित्सा के लक्षण और परिणाम। बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान और स्ट्राबिस्मस के लिए अमेरिकन एसोसिएशन की पत्रिका, 19(1), 98दृ99. जारी करने की तारीख:10.1016/j.jaapos.2014.11.004

जेड चौधरी और जे एल डिमर, (2015क). रेक्टस मांसपेशी तह प्रक्रिया–उत्तर। जेएएमए नेत्र विज्ञान, 133(2), 227. जारी करने की तारीखः10. 1001/jamaophthalmol.2014.4263

सम्मेलनों का आयोजन
एलएचएमसी के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में असमयता की रेटिनोपैथी (आरओपी) पर कार्यशाला, 1 दिसंबर 2015 .

पोस्टर प्रस्तुतियां
एस मदन, आर जैन, जेड चौधरी, (2015) पश्चिमी सिंड्रोम में नेत्र अभिव्यक्तियों। तिवउ 5–8 फरवरी को नई दिल्ली में 73 वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन (एआईओसी) में ई–पोस्टर।

पी प्रकाश, एम सिंह, आर जैन, जेड चौधरी, (2015) वैश्विक विकास देरी में नेत्र दोष का परिदृश्य। 5–8 फरवरी को नई दिल्ली में 73 वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन (एआईओसी) में ई–पोस्टर।

एम नागपाल, आर जैन, जेड चौधरी, (2015) सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) की नेत्र अभिव्यक्तियां। 5–8 फरवरी को नई दिल्ली में 73 वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन (एआईओसी) में ई–पोस्टर।

संकाय की संख्याः स्थायीः 5

आंख–नाक–गला चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
विभाग के प्रमुख प्रोफेसर पी पी सिंह को एक विशेष न्यूनतम इनवेसिव तकनीक सायलेंडोस्कोपी के लाइव शल्य प्रदर्शनों के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रकाशन
एस गोयल, एस शर्मा, एम कोतरु और एन गुप्ता, (2015). इंट्राओसीयस जबड़े के घावों के निदान में एफएनएसी की भूमिका। मौखिक पैथॉ मौखिक परि बुकल चिकित्सा, 20(3), 284–291.

एम कुमार, ए गोयल, एन गुप्ता, और आर.एस. रउतेला, (2015). चमड़े के नीचे वातस्फीतिः एयरवे में एक बाहरी शरीर की अनूठी प्रस्तुति। एनेस्थिसिया नैदानिक फार्माकोलॉजी की पत्रिका 31, 404–406.

एन गुप्ता, पी पी सिंह, और आर के बागला, (2015). क्या विकृत नाक पट के लिए सेप्टल सुधार सर्जरी से गंध की भावना में सुधार होगा? एक परिप्रेक्ष्य अध्ययन। सर्जरी अनुसंधान और अभ्यास, 2015, 1–5.

ए मल्होत्रा, और वी अरोड़ा, (2015). इंफ्राटेम्पोरल क्षेत्र के लिए चाकू चोट मर्मज्ञः मामले की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। सर्जरी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,2(4), 700–702.

एल वैद, एन जैन, वी गोगिया, और के मिश्रा, (2015). रोसाई– डोर्फमैन सिंड्रोम की साइनोनेजल अभिव्यक्ति। नैदानिक रिनॉल – एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1, 43–45.

सम्मेलनों में प्रस्तुति

एन गुप्ता, ए शर्मा, पीपी सिंह 2015. तेज मनोरंजनात्मक संगीत अत्यधिक जोखिम हानिकारक हो सकता हैः हमारे युवाओं को कैसे जागरूक किया जाए। कान पर पहला विश्व कांग्रेस और सुनने की शक्ति की देखभाल – सम्मेलन की कार्यवाही में, दिल्ली, 12–14 फरवरी2015.

संकाय की संख्याः स्थायीः 6

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

डॉ नीलिमा गुप्ता ने 30 वीं अप्रैल से 2 मई 2015 के दौरान, साओ पाउलो, ब्राजील में आयोजित की रिनोलॉजी के प्रतिष्ठित 16 वें वर्ल्ड कांग्रेस में दो ई–पोस्टर प्रस्तुत किए।

पेडोडोनेटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रकाशन

ए खत्री, एस कुमार, एन कालरा, और आर त्यागी, (2016). प्राथमिक दाढ़ की केंद्रीय छेनी में एक जटिल क्राउन रूट फ्रैक्चर के टुकड़े को फिर से लगाना और 1 वर्ष तक अनुवर्ती देखभाल। दंत चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान के एसआरएम पत्रिका, 7 (2), 124–127.

संकाय की संख्याः स्थायीः 4

पैथोलॉजी (एमएएमसी)

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. एस जैन

• "कोशिका विज्ञान की पत्रिका" के संपादकीय मंडल में।

• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में सरकार के अधीन "कैंसर जांच कार्यक्रम" के लिए नोडल अधिकारी

• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में सरकार के अधीन "स्त्री शक्ति अभियान" में महिलाओं में कैंसर का जल्दी पता लगाने की स्क्रीनिंग के लिए सह–समन्वयक।

प्रकाशन

एस शर्मा, वी.एन सहगल, एस एन भट्टाचार्य, जी महाजन, और आर गुप्ता, (2015). त्वचा तपेदिक का क्लीनीकोपैथॉलॉजिकल परिदृश्यः 165 भारतीयों का एक पूर्वव्यापी विश्लेषण, एएम जे डर्मेटोपैथॉला. स, 37(6), 444–50.

एस सेठी, बी साहू, एन गर्ग, और आर गुप्ता, (2015). एक मेटास्टेटिक ठंडे फोड़े से जटिल सीमा रेखा हैनसेन, लेप्र. रेव,86, 395–402.

एन गर्ग, डी.के सिंह, आर तोमर, और बी सिंह, (2015). दिल्ली, उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के रक्त समूह प्रणालियों के फेनोटाइप प्रसार में (एबीओ, आरएच, केल), स्वैच्छिक स्वस्थ दानदाताओं के अनुभव, रक्त विकार ट्रांसफ्यूशन की पत्रिका, 6, 297, जारी करने की तारीखः10. 4172/2155–9864.1000297.

डी सुब्रायन (2015). आंतों अविवरता की हिस्टोमार्फोलॉजिकल विशेषताएं और उनके नैदानिक संबंध। क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च का पत्रिका। जारी करने की तारीखः10-7860/jcdr/2015/13320-6838

आर विनीत, एस सुमित, के वी गर्ग, और एन खुराना, (2015). ब्लैस्को की तर्ज पर रैखिक और जोस्टेरीफार्म पैटर्न में दाद प्लेनस पिगमेटेसियस, डर्मटोल ऑनलाइन पत्रिका, 21, 10.

एस बोहरा, बी डे, एस अग्रवाल, जे एन भारती, एन खुराना, और पी सचदेवा, (2015). मेटास्टेटिक गुर्दे सेल कार्सिनोमा मस्तिष्कावरणार्बुद और गुर्दे सेल कार्सिनोमा के एक पोस्ट ऑपरेटिव मामले में एक प्राथमिक डिम्बग्रंथि ने मॉस का रूप धारण कर लिया। दुर्लभ ट्यूमर, 7(3), जारी करने की तारीखः10-4081/rt-2015-5824

बी डे, जे एन भारती, पी डांगे, पी ए देसाई, एन खुराना, और जे चंदर, (2015). पैराटेस्टीक्यूलर स्पिंडल सेल राबडोमायोसरकोमा, दुर्लभ ट्यूमर, 7(3), 5823.

एस सेठी, आर सरकार, वी गर्ग, और एन खुराना, (2015). पेंटाजोसाइन प्रेरित अल्सर पर पुनर्विचार, अंतर्राष्ट्रीय त्वचा पत्रिका., 55(1), 49–51.

एस गोयल, एन खुराना, ए मारवाह, और एस गुप्ता, (2015). मौखिक लिचेन प्लेनस में सीडीके4 और पी16 की अभिव्यक्ति। मौखिक मैक्सीलोफेस शोध की पत्रिका ,6 (2), 4.

पी गुप्ता, आर राममोहन, एल मैनी, वी के गौतम, और एन खुराना, (2015). मेटाकार्पल का ओस्टेयड ओस्टेयमा –एक मामले की रिपोर्ट, हस्त माइक्रोसर्जरी की पत्रिका, 7(1), 187–190.

जी भूषण, यू.के रैना. ए गुप्ता, वी भमभवानी, और एन खुराना, (2015). घोष बी, एक बच्चे में कंजाक्तिवा की पैपिलोमा में उल्टा म्युकोपिडेरमायड, एएपीओएस पत्रिका., 19(3), 266–267.

सी केसम, आर सरकार, एन खुराना, एन घोष, वी के गर्ग, और आर के मनोज, (2015). किकाट्रकल प्रस्तुत करने वाली एक वयस्क महिला में ट्रिकोफिटॉन रुब्रम की वजह से काले डॉट टिनिअ कैपिटिस, डर्मो. वेनरो, लेप्रो की भारतीय पत्रिका., 81(2), 224.

के राणा, वी वाधवा, ई के भार्गव, वी बत्रा, और एस मंडल, (2015). इविंग सारकोमा के बहुकेंद्रक मेटास्टेसिस टेम्पोरल और पश्चकपाल हड्डीः एक दुर्लभ प्रस्तुति, नैदानिक शोध की पत्रिका, 9(6), 4–5.

एस जैन, पी देसाई, जी गोयल, एन सिंह, और एस कौशल, (2015). मूत्र फाइलेरिया ने मूत्राशय ट्यूमर का रूप धारण कर लियारू साइटो–ऊतकीय संबंध के साथ एक मामले की रिपोर्ट। कोशिका विज्ञान की पत्रिका, 32(2), 124–126.

सम्मेलनों / कार्यशालाओं का आयोजन

डॉ श्याम लता जैन अध्यक्ष ने सितम्बर 2015 में "साइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी के दिल्ली चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन" आयोजित किया।

डॉ नीता खुराना ने नवंबर 2015 में एमएएमसी के तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य व्यवसायों के शिक्षा इंडियन एसोसिएशन द्वारा स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा के राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में "चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता आश्वासन" पर कार्यशाला के लिए आंतरिक समन्वयक।

सम्मेलनों / कार्यशालाओं / सेमिनारों में प्रस्तुतियाँ

डॉ श्याम लता जैन ने सेना अस्पताल (आर एवं आर), नई दिल्ली, 21 –22 अगस्त 2015 को पैथोलॉजी के एक उभरते परिभाषा पर "इंटर कमान अस्पताल" सीएमई –2015 में आमंत्रित संकाय के रूप में "नवोत्पादित यकृत में बड़े पैमाने पर घावों के कोशिकाविज्ञान दृष्टिकोण" पर एक व्याख्यान दिया था।

डॉ. श्याम लता जैन 19–22 नवंबर 2015, एचआईएमएस, देहरादून, उत्तराखंड में आईएसी के 45 वें वार्षिक सम्मेलन, साइटाकॉन 2015 में "पल्मोनरी घावों के कोशिका विज्ञान" पर पूर्व सम्मेलन सीएमई में संकाय वक्ता थीं।

डॉ श्याम लता जैन को 21 फरवरी, 2016 के फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला, नई दिल्ली "गैस्ट्रो हेप्टोलोजी पर क्लिनिकोपैथालॉजीकल सम्मेलन – एक मामले बेस चर्चा" में संकाय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, उन्होंने 2 सत्रों में दो केस आधारित अध्ययन प्रस्तुत किए।

डॉ श्याम लता जैन "हेप्टो– पैन्क्रेटो पित्त विकार के कोशिका विज्ञान" पर सीएमई में आमंत्रित संकाय वक्ता रहीं और 19 मार्च 2016 को सर गंगा राम अस्पताल में "जिगर और पित्ताशय घावों पर स्लाइड संगोष्ठी" में व्याख्यान दिया।

डॉ. नीता खुराना, ने एमएएमसी, एनाटॉमी विभाग द्वारा आयोजित इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री में बुनियादी तकनीकों पर कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया "इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री में परेशानियों को दूर करना" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. नीता खुराना ने चिकित्सा शिक्षा एमएएमसी विभाग द्वारा आयोजित चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी पर संशोधित मूल कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ ऋचा गुप्ता ने हैदराबाद 2015 में यूजी विकृति पाठ्यक्रम में "परिधीय रक्त स्मीयर परीक्षा" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. एस जैन को "गैस्ट्रो हेप्टोलॉजी पर क्लिनीकोपैथालॉजिकल सम्मेलन– प्रकरण आधारित अध्ययन" में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था, उन्होंने फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला, नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2016 को 2 सत्रों में – एक मामला आधारित चर्चा पर व्याख्यान दिया।

डॉ. नीता खुराना ने चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी पर वरिष्ठ आवासियों के लिए, चिकित्सा शिक्षा एमएएमसी विभाग द्वारा आयोजित कैप्सूल कोर्स में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ नीता खुराना ने चिकित्सा शिक्षा एमएएमसी विभाग द्वारा आयोजित चिकित्सा संकाय के लिए राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

संकाय की संख्याःस्थायीः –9, अनुबंधित–3

पैथोलोजी (यूसीएमएस)

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. किरण मिश्रा ने "पिक्रोसिरियस लाल दाग और ध्रुवीकृत प्रकाश माइक्रोस्कोपी का उपयोग कर गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और आसन्न म्यूकोसा में कोलेजन बाइरेफ्रिंजेन्स का मूल्यांकन" पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए टंडन पुरस्कार प्राप्त किया (डीएपीसीओएन 2016), 28 फरवरी, 2016.

प्रकाशन

ए रावत, एम सिक्का, यू रसिया और के गुलेरिया, (2015). एक प्रकार का वृक्ष थक्कारोधी और सहज, आवर्तक भ्रूण नुकसान के साथ महिलाओं में एंटीकारडियोलिप्लीन एंटीबॉडी, रुधिर और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन भारतीय पत्रिका, 31(2), 281–285.

एस गोयल, वी के अरोड़ा, एल गुप्ता, ए सिंघल, और एन कौर, (2015). लसिका नोड भागीदारी के साथ न्यूरोक्रिस्टिक हैमरटोमा: एक नैदानिक दुविधा, एएम जे डर्मोपैथोलॉजी, 37(7), 87–92.

जी मंगला, वी.के. अरोड़ा, और एन सिंह, (2015). एक सामान्य साय्टोपैथोलोजी सेवा में अल्ट्रासाउंड निर्देशित फाइन नीडल नैदानिक परीक्षा, कोशिका विज्ञान की पत्रिका, 32(1), 6–11.

एस गोयल, ए परिहार, वी पुरी, एन शर्मा, ए गोयल, और वी के अरोड़ा, (2015). आघात के बाद एक असामान्य बड़े पेट मेलकोपलाकिया: एफएनएसी पर निदान, नैदानिक कोशिका विज्ञान की पत्रिका., 43(6), 490–494.

ए परिहार, एस के टिक्कू, एस कुमार, एवं वी के अरोड़ा, (2015). एक्सपी 11 स्थानांतरित गुर्दे सेल कार्सिनोमा आकृति विज्ञान में एक वयस्क रोगी में स्पष्ट सेल पैपिलरी गुर्दे सेल कार्सिनोमा अनुरुपण: एक्सपी 11 स्थानांतरित गुर्दे सेल कार्सिनोमा स्पेक्ट्रम के विस्तार के एक मामले की रिपोर्ट, सर्जरी पैथोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 23(3), 234–237.

एस गोयल, एस शर्मा, एम कोतरु, और एन गुप्ता, (2015). इंट्राओसीयस जबड़े के घावों के निदान में एफएनएसी की भूमिका, चिकि. मौखिक पैथॉ. मौखिक परि. बुकल , 20(3), 284–291.

एस शर्मा, वी.एन सहगल, एस एन भट्टाचार्य, जी महाजन, और आर गुप्ता, (2015). त्वचीय तपेदिक के क्लिनीकोपैथालॉजिक परिदृश्य: 165 भारतीयों का एक पूर्वव्यापी विश्लेषण, एएम जे डर्मोपैथोलॉजी, 37(6), 444–450.
वी एन सहगल, एन सिंह, एस शर्मा, जे रोहतगी, आर ओबेराय, और के चटर्जी, (2015). ट्यूबरस काठिन्य परिसर: चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की नैदानिक भूमिका, त्वचाविज्ञान की भारतीय पत्रिका, 60 (4), 421.

एस गोयल, एस शर्मा, पी दिवाकर, (2015). नैदानिक भूमिका और मुंह तथा जबड़े की सूजन में एफएनएसी की सीमाओं, नैदानिक कोशिका विज्ञान, 43(10), 810–818.

ए गांधी, के पी मल्होत्रा, और एस शर्मा, (2015). वंक्षण लिम्फ नोड्स की सूजन मायोफाइब्रोब्लास्टिक ट्यूमर, लिंफोमा अनुकरण, कैंशर शोध की पत्रिका, 11(3), 645.

आर अफरोज, डी नेभनानी और एन वाधवा, (2015). शिश्न की चमड़ी का त्वचीय माइलॉयड सार्कोमा, तुर्क पएथोलॉजी डर., 31,131–135.

एस के ग्रोवर, एस अग्रवाल, एस गुप्ता, एन वाधवा, और एन शर्मा, (2015). इम्युनोहिस्टोकेमेस्ट्री द्वारा सौम्य और घातक प्रोस्टेट घावों में एस्ट्रोजन रिसेप्टर बीटा और केआई67 की अभिव्यक्ति, पैथो. आन्को. शोध, 21, 651–657.
पी दिवाकर, डी प्रधान, जी गर्ग, डी बिसारिया, के गोगोई, और एस मोहंती, (2015). गर्भाशय एंजियोलियोमायोमा: गर्भाशय लियोमायोमा का एक दुर्लभ प्रकार – एक मामले की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा, कैंसर शोध की पत्रिका, 11(3), 649.

डी बंसल, पी दिवाकर, पी गोगोई, डब्ल्यू नजीर, और ए टंडन, (2015). इंट्रापैरेनसाइमल एंजियोमेटस मस्तिष्कावरणार्बुद: एक नैदानिक दुविधा, नैदानिक शोध की पत्रिका, 9(10), 07–08.

एन तनवीर, (2016). न्यूरोफिवर्मा के साथ फॉलीक्यूलोसिबेसेअस सिस्टिक हैमार्टोमा: एक दुर्लभ संगठन, नैदानिक कैंसर शोध की पत्रिका श्र, 5, 169–171.

एन तनवीर, के मिश्रा, और यू आर सिंह, (2015). किमुरा रोग के कोशिकाविज्ञान विशेषताएं: ऊतकीय संबंध के साथ एक मामले की रिपोर्ट, नैदानिक कैंसर शोध की पत्रिका, 4, 752–755.

एन तनवीर, और एस बर्मन, (2015). माइक्रोस्पोरिडियम संक्रमण और वेध पेरिटोनिटिसः एक दुर्लभ एसोसिएशन, यौन संक्रमित रोगों की भारतीय पत्रिका., 36, 188–191.

ए.के. धवन, के बिशरवाल, सी ग्रोवर, और एन तनवीर, (2015). रैखिक ल्यूकोडर्मा के बाद इंट्रालेसिनल स्टेरॉयडः तीन मामलों की एक रिपोर्ट, क्यूटन एस्थेट सर्जरी की पत्रिका, 8(2), 117–119.

एन तनवीर, और के मिश्रा, (2015) . पॉलीपायड एडेनोमायोमा एंडोसर्वाइकल टाइप– दो मामलों की एक रिपोर्ट, बास प्रयुक्त चिकि.शोध की भारतीय पत्रिका,4 (3), 162–165.

एस गोंबर, पी जैन, एस शर्मा, और एम नारंग, (2016). मौखिक लोहे चेलेटरों की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा और थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों में उनका अभिनव संयोजन। भारतीय बाल रोग,53(3), 207–210

एम सिक्का, वी पुरी, (2015). सांघातिक अरक्ततारू यह कैसे आम है। रुधिर आजरू एक मामला आधारित दृष्टिकोण, अग्रवाल, एमबी द्वारा संपादित।, 67–75.

डब्ल्यू नीलम, (2015). सामान्य अंतर्गर्भाशयकला और गर्भाशय के कैंसर में एंडोमेट्रियल कैंसर में स्टेरॉयड रिसेप्टर्सः निदान और प्रबंधन । स्प्रिंगर, दिल्ली, 93–104.

आर सोढ़ी, एम सिक्का, जी सिंह और एम कोतरु, (2015). सिर में चोट के साथ मरीजों में हेमोस्टेटिक असामान्यताएं, हेमाटोल रक्त ट्रांसफ्यूजन की भारतीय पत्रिका 31 (पूरक) एस 17 एवं एस 18.

डी अग्रवाल, एम कोतरु, और एम सिक्का, (2015). संक्रमण में अस्थि मज्जा रेस्पायरेट्रस का रूपात्मक स्पेक्ट्रम, हेमाटोल रक्त ट्रांसफ्यूजन की भारतीय पत्रिका 31 (पूरक),एस 25–26.

एन भारद्वाज, ए तलवार, एम कोतरु, एस शर्मा, और एम सिक्का, (2015). तिल्ली बढ़ना के कारणों के मूल्यांकन में अस्थि मज्जा महाप्राण की भूमिका, हेमाटोल रक्त ट्रांसफ्यूजन की भारतीय पत्रिका 31 (पूरक),एस 32–33.

पी सिंह, वी पुरी, एम सिक्का, एम कोतरु, और एस शर्मा, (2015). ओआर 134 प्लाज्मासाइटोसिस और मल्टिपल मायलोमा के रोगियों में अस्थि मज्जा और एम प्रोटीन के साथ उनका संबंध है, हेमाटोल रक्त ट्रांसफ्यूजन की भारतीय पत्रिका 31 (पूरक), एस 44.

एम सिक्का, सोढ़ी, आर, कोतरु, एम, और सिंह जी (2015). पीआर 38 भारतीय रोगियों में पृथक प्रमुख आघात के साथ फाइब्रिनोलयन के मार्कर, हेमाटोल रक्त ट्रांसफ्यूजन की भारतीय पत्रिका 31 (पूरक), एस 81– एस 82.
एम कोतरु, एन गर्ग, एम सिक्का, ओ पी कालरा, और ए यादव, (2015). पीआर 39 क्या क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में लोहे की कमी एरिथ्रोपोएसिस की पहचान में ट्रांसइरिं संतृप्ति विश्वसनीय हैः एक पार अनुभागीय अध्ययनरू हेमाटोल रक्त ट्रांसफ्यूजन की भारतीय पत्रिका 31 (पूरक),एस 82.

सी कुमार, एस शर्मा, आर अवस्थी, और एम कोतरु, (2015). पीआर 74 एंडोथेलियल के एसोसिएशन नाइट्रिक ऑक्साइड सिन्थेज (एनोस) जीन बहुरूपता (जी894टी) मधुमेह में (टाइप 2), हेमाटोल रक्त ट्रांसफ्यूजन की भारतीय पत्रिका 31 (पूरक), एस92 .

आयोजित सम्मेलन / कार्यशालाएं

12 मार्च, 2016 को "मैनुअल ऊतक माइक्रोएरे निर्माण" पर कार्यशाला।

28 फरवरी, 2016 को "पैथोलॉजिस्ट एसोसिएशन दिल्ली अध्याय" (डीएपीसीओएन 2016), का वार्षिक सम्मेलन।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एम सिक्का, माइक्रोसाइटिक अल्पवर्णी एनीमियारू निदान के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण। कर्मरत पैथोलॉजिस्ट की एसोसिएशन के 8 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में। 7 फरवरी, 2016 ।

आर सोढ़ी, एम सिक्का, आर कोतरु और एच सिंह, भारतीय रोगियों में पृथक सिर दर्द के साथ फाइब्रिनोलयन के मार्कर। 57 वां वार्षिक सम्मेलन आईएसएचबीटी, बेंगलुरू, 5–7नवंबर, 2015।

आर सोढ़ी, एम सिक्का, आर कोतरु, और एच सिंह, भारतीय रोगियों में कोगुलोपैथी और पृथक सिर दर्द के साथ थ्रोम्बोसाइटोपेनिया। 57 वें वार्षिक सम्मेलन आईएसएचबीटी, बंगलोर, 5–7 नवंबर, 2015।

डी अग्रवाल, आर राठौर और एन तनवीर, (2015). प्रकोष्ठ के ऊपर उपास्थिसम सिरिंगोमा – एक असामान्य स्थान में एक दुर्लभ त्वचा ट्यूमर (सार), साइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली के दिल्ली चैप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में, पृष्ठ 22, सार पी33.

पी प्रोपन्ना, एन वाधवा, पी दिवाकर, एन तनवीर, वी के अरोड़ा, और ए टंडन, (2015). लिम्फोब्लासटिक लिम्फोमाः सिर और गर्दन के क्षेत्र में दो पहले से न सोचा मामलों (सार), साइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली के दिल्ली चैप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में:डीसीआईएसी, डीसीआईएसी, पृ. 25, सार पी 41.

एन तनवीर, के मिश्रा और यू आर सिंह, (2015). किमुरा रोग (सार) के एक मामले में वार्थिन फिंकेल्डे कोशिकाओं, साइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी, मेडिकल साइंसेज के हिमालयन इंस्टीट्यूट, देहरादून के 45 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में, पृ.57.

ए, यादव, और एन तनवीर, । (2016). गर्भाशय के ट्यूमर का टकरावः एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल सारकोमा और स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा। (सार) एपीसीओएन –2016 डीएपीसीओएन के दिल्ली चौप्टर के 31 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में पेंटल मेमोरियल स्वर्ण जयंती सभागार, वीपी चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित, पृ. 53, पीएनए–11.

एन निहारिका, और एन तनवीर, (2016). गैर केराटिनाइजिंग स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा के साथ कण्ठशालक बेसल कार्सिनोमाः एक मामले की रिपोर्ट। एपीसीओएन –2016 डीएपीसीओएन के दिल्ली चैप्टर के 31 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (सार) पेंटल मेमोरियल स्वर्ण जयंती सभागार, वीपी चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया है, पृष्ठ 54, पीएनए–13.

डी एन लीरा, सी कुमार, एम शर्मा, पी गोगोई, एन तनवीर, और यू आर सिंह, (2016) डिम्बग्रंथि मास के रूप में पेश जेनथोग्रेनुलोमेटस ओफोराइटिसःतीन मामलों की रिपोर्ट। पेंटल मेमोरियल स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित एपीसीओएन –2016 डीएपीसीओएन के दिल्ली चैप्टर के 31 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (सार), वीपी चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, पृष्ठ 55, पीएनए–16.

आर गोयल, , एन तनवीर, एन मीणा, और वी के अरोड़ा, (2016). एक असुरक्षित रोगी के रूप में अलग रूप से प्रस्तुत फेफड़े का हिस्टोप्लास्मोसिस मास।(सार) पेंटल मेमोरियल स्वर्ण जयंती सभागार, वीपी चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एपीसीओएन –2016 डीएपीसीओएन के दिल्ली चैप्टर के 31 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (सार), पृष्ठ 72, पीएनए–50.

एस मयूरिका, प्रपन्न त्यागी, डी प्रीति, और एस भरत (2015). नीलम वाधवा। गैर–स्थानिक क्षेत्र से एक असुरक्षित रोगी में चमड़े के नीचे हिस्टोप्लास्मोसिस। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में काइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी के दिल्ली चौप्टर क चौथे वार्षिक सम्मेलन की स्मारिका और कार्यवाही में। पोस्टर कोडः पी31.

जी नेहा, डब्ल्यू नीलम, और डी प्रीति (2015). एक ग्रीवा लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के रूप में प्रस्तुत मनोगत दिमागी थायराइड कार्सिनोमाः एक दुर्लभ प्रस्तुति। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में काइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी के दिल्ली चैप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की स्मारिका और कार्यवाही में। पोस्टर कोडः पी32.

पी पूजा, डब्ल्यू नीलम, डी प्रीति, टी नदीम, के.ए विनोद, और टी अनुपमा (2015). टी लिम्फोब्लासटिक लिम्फोमारू सिर और गर्दन के क्षेत्र में दो अनपेक्षित मामले। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में काइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी के दिल्ली चौप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की स्मारिका और कार्यवाही में । पोस्टर कोडः पी 41.

के बी हरीश, एन केतन, डी प्रीति, और डब्ल्यू नीलम, (2015). खोपड़ी की सूजनः मेटास्टेटिक ग्रंथिकर्कटता की एक असामान्य प्रस्तुति। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में काइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी के दिल्ली चौप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की स्मारिका और कार्यवाही में। पोस्टर कोडः पी 42.

एच.जी ज्योत्सना, डब्ल्यू नीलम, और डी प्रीति, (2015). चमड़े के नीचे की सूजन के रूप में हाइपोमाइसेट्स। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में काइटोलॉजिस्टों की इंडियन एकेडमी के दिल्ली चैप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की स्मारिका और कार्यवाही में।

सीमा, एस, डब्ल्यू नीलम, डी प्रीति, जी नीलिमा, और एम किरण (2016). पूर्वी दिल्ली में मौखिक बायोप्सी के 500 मामलों की हिस्टोपैथोलॉजिकल समीक्षा। स्मारिका दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम– डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस एवं जीटीबी अस्पताल। पोस्टर कोडः पीए – 03.

पी प्रिया, बी संदीप, डी प्रीति, और एम किरण (2016). गुर्दे के ट्यूमर में कोलेजन पैटर्न का अध्ययन। स्मारिका दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल।पोस्टर कोडः पीए – 14.

डी शिखा, डी प्रीति, डब्ल्यू नीलम, जी प्रियंका, और एम किरण (2016). असामान्य विशेषताओं के साथ प्राथमिक फैलोपियन ट्यूब कार्सिनोमा। स्मारिका दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल पोस्टर कोडः पीए – 22.

बी तरुणा, एस मोनिका, डी प्रीति, जी प्रियंका, और ए विनोद, (2016). प्रचुर मात्रा में जमा एमिलोयड के साथ एसिनिक सेल कार्सिनोमा के कूपिक संस्करण – एक असामान्य इकाई। स्मारिका दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल। पोस्टर कोडः पीए – 29.

सी शिपा, बी संदीप, जी प्रियंका, और डी प्रीति, (2016). जेजुनम का मेटाक्रोनस और तुल्यकालिक ग्रंथिकर्कटता, आरोही और उतरते पेट की ग्रंथिकर्कटता – एक दुर्लभ इकाई। स्मारिका दिल्ली चौप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल। पोस्टर कोडः पीए – 30.

जे रजत, डी प्रीति, डब्ल्यू नीलम, एस के अग्रवाल, और एम किरण (2016). एफएनएसी पर विल्म्स ''ट्यूमर के रूप में गलत निदान के साथ रेट्रोपेरिटोनियल एक्स्ट्रागोंडल जर्दी थैली ट्यूमर।'' स्मारिका दिल्ली चौप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल। पोस्टर कोडः पीए – 34.

बी निशु, वाई आशीष, डी प्रीति, जी प्रियंका, और एम किरण, (2016). इचिओसिस एंडोमेट्रियल ग्रंथिकर्कटता के साथ जुड़ी ग्रीवाः एक मामले की रिपोर्ट। स्मारिका दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल। पोस्टर कोडरू पीए दृ 12.

ए तन्वी, जे प्रज्ञा, डब्ल्यू नीलम, डी प्रीति, और एम किरण, (2016). संवहनी हैमरटोमाः अग्नाशय द्रव्यमान का एक असामान्य कारण। स्मारिका दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल। पोस्टर कोडः पीए :26.

एस पल्लवी, बी संदीप, जी प्रियंकाऔर डी प्रीति (2016). स्वर बैठने के साथ प्राथमिक मुखर गर्भनालएमीलोडोसिस के रूप में प्रस्तुत –एक मामले की रिपोर्ट। दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल की स्मारिका। पोस्टर कोडः पीए –52.

एस आकांक्षा, जे प्रज्ञा, डी प्रीति, जी प्रियंका और के नवनीत, (2016). गुर्दे का प्राथमिक लेइयोमायसरकोमाः एक मामले की रिपोर्ट। दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल की स्मारिका। पोस्टर कोडः पीए – 55.

ए दिव्या, डब्ल्यू नीलम, डी प्रीति, ए सतीश, एम किरण, (2016). अस्थानिक मुलेरियन (महिला) एक पुरुष गुर्दे में जननांग वाहिनी के साथ विल्म्स ट्यूमर। दिल्ली चैप्टर वार्षिक आईएपीएम – डीएपीसीओएन 2016, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल की स्मारिका। पोस्टर कोडः पीए – 56.

एन गोयल, वी अग्रवाल और के मिश्रा, (2016). स्तन की लेइयोमायसरकोमाः एक दुर्लभ घटना। 31वां डीएपीसीओएन, यूसीएमएस।

के चंदन, एस सतेंद्र, ए रजनीश, और के मृणालिनी, (2015). मधुमेह में एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड सिन्थेज (एनोस) जीन बहुरूपता (टाइप 2) का संयोजन। 57 वां वार्षिक सम्मेलन आईएसएचबीटी, बेंगलुरू, 2015,

एस मोनिका, एस सतेंद्र, ए रजनीश और डब्ल्यू नीलम, (2015). कोरोनरी धमनी की बीमारी के साथ युवा रोगियों में मेइलोपेरोऑक्साइडेज बहुरूपता। 5–7 नवंबर 2015 कोआईएसएचबीटी, बेंगलुरू में 57वां वार्षिक सम्मेलन ।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

मीरा सिक्का ने पंडित बी डी शर्मा विश्वविद्यालय, रोहतक में 7 वीं फरवरी 2016 को कर्मरत पैथोलॉजिस्ट के एसोसिएशन के 8 वें वार्षिक सम्मेलन में, माइक्रोसाइटिक अल्पवर्णी एनीमियारू निदान के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण पर व्याख्यान दिया।

प्रियंका गागोई ने 25 अप्रैल 2015 को जीटीबी अस्पताल और यूसीएमएस में इम्यूनोहेमाटोलॉजी पर उन्नत कार्यशाला (सूखे कार्यशाला), दिल्ली में "रक्त बैंकिंग में इम्यूनोहेमाटोलॉजी पर आधारित दिलचस्प मामले" पर एक व्याख्यान दिया।

संकाय की संख्याः निदेशक प्रोफेसरः 6, प्रोफेसरः 2, एसोसिएट प्रोफेसरः 3, सहायक प्रोफेसरः 1

बाल–चिकित्सा (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

बाल रोग विभाग, एमएएमसी निदेशक प्रोफेसर, डॉ. एस यादव की अगुआई में इस संस्था की पूरे अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट बाल चिकित्सा शिक्षण की जिम्मेदारी संभाल रहा है। इसके अलावा यह लोकनायक अस्पताल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के एक सार्वजनिक स्वास्थ्य अस्पताल के बाल चिकित्सा प्रवेश और आउट पेशेंट विभाग के प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल है और इस कॉलेज (डेटा संलग्न) से संबद्ध है। आईसीएमआर, डीबीटी और अन्य एजेंसियों की कई अनुसंधान परियोजनाओं में भागीदारी विशाल वैज्ञानिक अनुसंधान और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानित पत्रिकाओं में कई प्रकाशनों के लिए योगदान दिया है। इस विभाग की कई इकाइयों को राष्ट्रीय मान्यता और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। इस विभाग लगातार अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बाल चिकित्सा देखभाल प्रदान करने और खासकर बाल रोग शिक्षा प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।
बाल रोग विभाग ग्रेजुएट (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) के अंतर्गत शिक्षण प्रदान करता है। सभी संकाय सदस्य यूजी और पीजी शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल हैं और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई लेख प्रकाशित किए हैं। इसके अलावा कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का भी आयोजन किया गया है। उनमें से एक बड़ा अनुपात पीएचडी कार्यक्रमों और स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर सलाहकार समूह के एक भाग में शामिल हैं।

सम्मान/ विशिष्टताएं

डॉ. एस रामजी ने स्वास्थ्य, 2015 में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिल्ली राज्य स्वास्थ्य पुरस्कार प्राप्त किया है। इसके अलावा उन्होंने रामचंद्रन ओरेशन, भारत, 2015 के पोषण फाउंडेशन और मनीष मेमोरियल ओरेशन, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, एमएएमसी, 2016 पुरस्कार भी प्राप्त किये हैं।

डॉ उर्मिला झाम्ब ने डेंगू फैलने के दौरान अनुकरणीय कार्य किया, जिसके लिए उन्हें दिल्ली (सचिव स्वास्थ्य) सरकार से प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

प्रकाशन

एस भावे, और एस यादव, (2015). सामान्य किशोर विकास। व्यावहारिक बाल रोग भारतीय पत्रिका,17(2), 83:84.

एस के चौधरी, ए अग्रवाल, आर एन मंडल, और आर ग्रोवर, (2016). हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई के साथ जुड़े हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस सह–संक्रमण। भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका,83(6), 607–608. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098&015&2021&y

एस के चौधरी, ए अग्रवाल, आर एन मंडल, और आर ग्रोवर, (2016बी). हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस सह–संक्रमण। भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका,83 (6), 607–608. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098&015&2021&y

के दीपक, जी गरिमा, और यू झाम्ब, (2015). द्विपक्षीय तीव्र नवजात सुप्राटेटिव पैरोटिटीसः नवजात उम्र में एक दुर्लभ खोज।नवजात–प्रसवकालीन मेडिसिन के पत्रिका, 8(1), 63–65. जारी करने की तारीख:10-3233/npm&15814056
ए पी दुबे, (2016). खसरा। ए पार्थसारथी, के एम सी नायर, पी एस एन मेनन, और आर कुंडू में,(सं।) बाल रोग आईएपी पाठ्यपुस्तक। (6 संस्करण। संपा)। नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा) लिमिटेड।
ए पी दुबे, और एम भट्टाचार्य, (2016). ट्रांसफ्यूजन संचरित संक्रमणों। ए पार्थसारथी, के एम सी नायर, पी एस एन मेनन, और आर कुंडू में (सं.) बाल रोग आईएपी पाठ्यपुस्तक (6 संस्करण, संपा.)। नई दिल्लीःजेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा) लिमिटेड।

एम गोयल और एस कपूर, (2015). फैटी एसिड ऑक्सीकरण दोष। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी, और आर लोढ़ा में(सं.) बाल रोग स्नातकोत्तर पाठ्यपुस्तक (1 संस्करण, संपा.) (पृ. 86दृ90). नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

एस गुप्ता, एम गोयल, डी वर्मा, ए शर्मा, एन भारद्वाज, एम काबरा और एस कपूर (2015). गर्भावस्था से जुड़े कम प्लाज्मा प्रोटीन वाले रोगियों में प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामः भारतीय अनुभव। प्रसूति एवं स्त्री रोग के पत्रिका अनुसंधान, 41(7), 1003–1008. जारी करने की तारीख:10-1111/jog-12662

एम हफमैन , सी डी फॉल, ए खलील, सी ओस्मांड, एन टंडन, आर लक्ष्मी नई दिल्ली जन्म कोहर्ट (2015) की ओर से। एंथ्रोपोमेट्री, कार्डियेटाबोलिक जोखिम कारकों और प्रारंभिक जीवन कारकों एवं एंडोथेलियल कार्यों के वयस्क उपायों के बीच संयोजनः नई दिल्ली जन्म कोहर्ट से परिणाम। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान पत्रिका,142(6), 690. जारी करने की तारीखः10.4103/0971–5916.174559

ए जैन, पी कुमार, ए जिंदल और वाई के सरीन (2015). पटाओ सिंड्रोम के एक मामले में जन्मजात डिफ्रागमेटिक हर्नियाः एक दुर्लभ संयोजन। नवजात सर्जरी के पत्रिका, 4(2),

ए जैन और वी बी सातेनहल्ली (2015). सीपीएपी प्रवेशनी के पुनः उपयोग के कारण अनोखी चोट। भारतीय बाल रोग, 52(2), 161.

यू झाम्ब, (2015). बच्चों में विषाक्तता संक्षारक। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी और आर लोढ़ा (सं) में, बाल रोग में पीजी पाठ्यपुस्तक (संस्क.1) नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

एम जुनेजा, एस कौर, डी मिश्रा और एस जैन (2015). ओफिलिया सिंड्रोमः लिम्बिक इन्सेफेलाइटिस के साथ हॉगकिनलिंफोमा। भारतीय बाल रोग, 52(4), 335–336.

एम जुनेजा, एस कौर, डी मिश्रा और एस जैन (2015). ओफिलिया सिंड्रोमः लिम्बिक इन्सेफेलाइटिस के साथ हॉगकिनलिंफोमा। भारतीय बाल रोग, 52(4), 335–336.

एम काबरा, और एस कपूर (2015). नवजात स्क्रीनिंग। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी और आर लोढ़ा (सं.) में, बाल रोग में पीजी पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण संपा.) (पृ. 153–157)। नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

एस कपूर, एस पांडेय, एस पोलीपल्ली, मारवाह, एस गुप्ता, एम काबरा और एम कलावाणी (2015). क्या आहार रजोनिवृति पूर्व भारतीय महिलाओं के अस्थि खनिज घनत्व पर परदे का प्रभाव डालता है। मेडिकल साइंसेज के एमएएमसी पत्रिका, 1(1), 12. जारी करने की तारीखः10. 4103/2394–7438.150052

एस कपूर, एम गोयल, ए सिंह और यू कोरनाक (2015). चर्म लाक्सा के निदान दुविधारू जीनोटाइप विषमता के साथ दो मामलों में से एक रिपोर्ट। त्वचा विज्ञान के भारतीय पत्रिका,60(5), 521. जारी करने की तारीखः10.4103/0019–5154.164434

एस कपूर, एस रामजी, एम गोयल, ए गर्ग और एस कुमार (2015). जी6पीडी कमी के लिए नवजात की जांचःउत्तर भारत से 2 साल का डेटा , लोक स्वास्थ्य भारतीय पत्रिका,59(2), 145. जारी करने की तारीखः10-4103/0019/557x-157537

एस कपूर, एस रामजी, एम गोयल, ए गर्ग और एस कुमार (2015इ). जी6पीडी कमी के लिए नवजात स्क्रीनिंगः उत्तर भारत से 2 साल का डेटा। लोक स्वास्थ्य भारतीय पत्रिका,59(2), 145. जारी करने की तारीख:10-4103/0019/557x-157537

एस कौर, डी मिश्रा और एम जुनेजा (2015). एक बच्चे में पित्ताशय फेफड़ों के रोग फैलाना। फेफड़े भारत, 32(2), 186. जारी करने की तारीखः10. 4103/0970–2113.152653

वी खादिलकर, एस यादव, के.के अग्रवाल, एस तंबोली, एम बनर्जी, ए चेरियन, वी येवाले (2015). ऊंचाई, वजन और बॉडी मास इंडेक्स के लिए 5 से 18 साल की उम्र में भारतीय बच्चों के लिए संशोधित आईएपी विकास चार्ट। भारतीय बाल रोग,52(1), 47–55. जारी करने की तारीखः10-1007/s13312/015/0566/5

एस खलील और डी मिश्रा (2016). वैज्ञानिक समुदाय के साथ नैदानिक अनुभव साझा करनारू एक मामले की रिपोर्ट कैसे लिखें? भारतीय बाल रोग, 53(6), 513–16. जारी करने की तारीख:10-1007/s13312/016/0881/5

एस खलील और एस कपूर (2015). दिल की बीमारियों के आनुवंशिक आधार। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी और आर लोढ़ा (सं.) में, बाल रोग की पीजी पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण एड।) (पृ.1771–1775). नई दिल्ली, जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

ए खान, एस शर्मा, ए अग्रवाल और जी इंगले (2016). दिल्ली की ग्रामीण और शहरी मलिन बस्तियों में कुत्ते के काटने की घटनाओं की व्यापकताः एक समुदाय आधारित अध्ययन। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान के इतिहास,6(2), 115. जारी करने की तारीखः10. 4103/2141–9248.181836

आर खेड़ा, टी सिंह, एन खन्ना, एन गुप्ता और ए पी दुबे (2014). थैलेसीमिया सिंड्रोम और हिमोग्लोबिनोपैथिस में हीमोग्लोबिन प्रोफाइल के लक्षण वर्णन में एचपीएलसीरू एक क्लिनीकोहेमाटोलॉजिकल सहसंबंध। रुधिर और रक्त आधान की भारतीय पत्रिका, 31(1), 110–115. जारी करने की तारीखः10.10072/एस12288–014–0409–x

सी कुमारी, ए सिंह, एस रामजी, जे डी शूमेकर और एस कपूर (2014). एक स्वस्थ उत्तर भारतीय बाल आबादी में मूत्र कार्बनिक अम्ल की मात्रा का निर्धारण। क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री की भारतीय पत्रिका, 30(2), 221–229. जारी करने की तारीखः10.1007/एस 12291–014–0419–3

सी कुमारी, ए सिंह, एस रामजी, जे डी शूमेकर और एस कपूर (2014इ). एक स्वस्थ उत्तर भारतीय बाल आबादी में मूत्र कार्बनिक अम्ल की मात्रा का निर्धारण। क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री की भारतीय पत्रिका, 30(2), 221–229. जारी करने की तारीखः10.1007/एस 12291–014–0419–3

के लता, डी मिश्रा, वी मेहता और एम जुनेजा (2015). जन्मजात हृदय रोग के साथ 6–30 महीने के आयु वर्ग के बच्चों की न्यूरो विकासात्मक स्थिति। भारतीय बाल रोग, 52(11), 957–960. जारी करने की तारीखः10.1007/एस 13312–015–0752–5

एम मनटेन, डी ढींगरा, ए गुप्ता और जी सेठी (2015). एक बच्चे में गुर्दे की गंभीर चोटरू परोक्ष रूप से मनचुयेसन सिंड्रोम का एक मामला है। गुर्दा रोग और प्रत्यारोपण की सऊदी पत्रिका,26(6), 1279. जारी करने की तारीखः10.4103/1319–2442.168672

जे पी मीणा, ए गुप्ता, डी मिश्रा और एम जुनेजा (2015). अतिरिक्त कार्नियो स्पाइनल विषमता के साथ बील्स–हेच्ट सिंड्रोम (जन्मजात कान्ट्रैकट्रल एराक्नोडिसिटली)। बाल अस्थिरोग की पत्रिका बी, 24(3), 226–229. जारी करने की तारीख:10-1097/bpb-0000000000000121

जे पी मीणा, ए गुप्ता, डी मिश्रा और एम जुनेजा (2015इ). अतिरिक्त कार्नियो स्पाइनल विषमता के साथ बील्स–हेच्ट सिंड्रोम (जन्मजात कान्ट्रैकट्रल एराक्नोडिसिटली)। बाल अस्थिरोग की पत्रिका बी, 24(3), 226–229. जारी करने की तारीख:10-1097/bpb-0000000000000121

डी मिश्रा (2015ए). सांस पकड़ने के दौर। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी और आर लोढ़ा (सं.) में, बाल रोग की पीजी पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण एड।) (पृ. 766दृ767). नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

डी मिश्रा (2015बी). बचपन में सिरदर्द। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी और आर लोढ़ा (सं.) में, बाल रोग पीजी पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण सं.) (पृ. 2176दृ2181). नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

डी मिश्रा (2015ब). व्यवहार और प्रशिक्षण। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी और आर लोढ़ा (सं.) में, बाल रोग की पीजी पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण संनई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

डी मिश्रा, एन.के निकुंज, एम जुनेजा और बी तालुकदार (2015). सौम्य शिशु दौरे। भारतीय बाल रोग, 52(2), 151–152.
एम निमेश, ए दुबे और यू झाम्ब (2015). अनुभवजन्य विटामिन–डी चिकित्सा के बाद के प्रभावः विटामिन–डी नशामुक्ति। मेडिकल पोषण और न्यूट्रास्यूटिकल्स की पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-4103/2278/019x-151810

एस.के. पांडेय, एस.के. पोलिपल्ली और एस कपूर (2015). डाइमिथाइल मिथाइलीन ब्लू: एमपीएस स्क्रीनिंग के लिए एक उपकरण है। जैव विश्लेषण की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(9), 4269–4272.

वी पुरी, एन चौधरी, एस कपूर, ए मुरगई और ए देशमुख (2015). वैल्प्रोएट चिकित्सा से मिथाइलमैलोनिक अम्लमेह के मध्यवर्ती फिनोटाइप बदतर हो गया। बाल चिकित्सा न्यूरोसाइंसेस की पत्रिका, 10(2), 140. जारी करने की तारीखः10.4103ध्1817–1745.159203

के राजेश्वरी, बी उप्पल और आर सिंह (2015). बच्चों में मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट अँतड़ियों से संबद्ध रोगजनक ई कोलाई दस्त। रिसर्च संचार का अमेरिकन जर्नल, 3(5), 27–48.

के राजेश्वरी, बी उप्पल, आर सिंह, ए के मलकर और एस के चिकारा (2015). एसक्रेसिया कोलाई ओ146 का मसौदा जीनोम मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, भारत। जीनोम घोषणाएँ, 3(1), e01515–14. जारी करने की तारीख: 10-1128/genomea-01515/14

एस रामजी (2015). विलंबित कॉर्ड कटाई और जन्म के समय गर्भनाल दूहना। भारतीय बाल रोग, 52, 749.

एस रामजी (2015इ). भ्रूण का नवजात शिशु में संक्रमण। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी, और आर लोढ़ा (सं) में, बाल रोग पीजी पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण सं.) (पृ. 355 357.). नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

एस रामजी (2015ब). प्रसव के कमरे में नवजात शिशु की देखभाल। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी, और आर लोढ़ा (सं.) में, बाल रोग पीजी पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण सं.) (पृ. 368–371.). नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।(प्रथम संस्करण सं.)

एस रामजी (2016). प्रथम रेफरल स्वास्थ्य सुविधाओं में नवजात की देखभाल । भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका, 83(6), 491–492. जारी करने की तारीखः10.1007/एस12098–016–2129–8

एस रामजी (2016). नवजात का नामकरण और नवजात पुनर्जीवन। ए पार्थसारथी, एम के सी नायर, पी एस एन मेनन, और आर कुंडू (सं।), बाल रोग आईएपी पाठ्यपुस्तक (छठा संस्करण सं.) (पृ. 32दृ36). नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा) लिमिटेड

एस रामजी, ओ डी सगुस्ता और ए जैन (2014). नवजात शिशुओं में ऑक्सीजन थेरेपी की मौजूदा अवधारणाएं। भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका, 82(1), 46–52. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098/014/1571&8

पी राणा और डी मिश्रा (2015). पुराने तंत्रिका संबंधी विकारों के साथ बच्चों के अप्रभावित भाई बहन के जीवन की गुणवत्ता। भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका, 82(6),545–548. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098/014/1672&4

ए राउत, डी.के दीवान, ए पी दुबे, आर के बत्रा और एस सेठ (2015). महामारी जांच और प्रयोगशाला पुष्टिरू दिल्ली के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में खसरा फैलना। भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका, 83(3), 200–208. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098/015/1845&9

डी.के राठौर, डी नायर, एस रजा, एस सैनी, आर सिंह, ए कुमार, एन वाधवा, (2015). कम वजन वाले पूर्ण अवधि के भारतीय नवजात शिशुओं गर्भनाल रक्त ल्युकोसैट फिनोटाइप में अंतर दिखनाः एक पार अनुभागीय अध्ययन। पीएलओएस वन , 10(4), e0123589. जारी करने की तारीख:10-1371/journal-pone-0123589

आर के संजीव, एस कपूर, एम गोयल, आर कपूर और जे जी ग्लीसन (2015). विक्षिप्त जिगर समारोह परीक्षण के साथ दाढ़ दांत हस्ताक्षररू कोच सिंड्रोम के साथ एक भारतीय के मामले में। बाल रोग में मामले की रिपोर्ट, 2015, 1–3. जारी करने की तारीख:10-1155/2015/385910

आर शाहीन, ए अल्मोइशर, ई फाकीह, जेड बाबे, डी मोनीस, एन टसन, एफ एस अलकुराया, (2015). टीएमईएम 107 उत्परिवर्तन द्वारा एक नवल परिभाषित एमकेएस ठिकाने की पहचान। मानव आणविक आनुवंशिकी, 24(18), 5211–5218. जारी करने की तारीख:10-1093/hmg/ddv242

एन शर्मा, आर मिश्रा और डी मिश्रा, (2015). मानसिक विकारों (डीएसएम –5) के नैदानिक और सांख्यिकी मैनुअल का पांचवां संस्करणः बच्चों का चिकित्सक के लिए नया क्या है? भारतीय बाल रोग, 52(2), 141–143. जारी करने की तारीख:10-1007/s13312&015/0589/y

ए सिंह, (2015). उत्तरी भारत में तृतीयक केंद्र से बायोटिनिडेज कमी के रोगियों की नैदानिक, जैव रासायनिक और परिणाम प्रोफाइल। क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च का पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-7860/jcdr/2015/12958-6941

ए सिंह, एस क्यूवास – कोवरपबियास, जी प्रधान, वी.के गौतम, ओ मैसिना – बास, एल एम गोंजालेज हुएर्ता, एस कपूर, (2014). नवल उत्परिवर्तन और पाइकोंडीसोसाइटिस के साथ एक भारतीय बच्चे में सफेद पदार्थ भागीदारी।भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका, 82(5), 471–473. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098/014&1582/5

ए सिंह, एम गोस्वामी, जी प्रधान, एम.एस हान, जे वाई चोई और एस कपूर, (2015). सामान्य क्लाविकलों के साथ क्लेइडोकार्नियल डिसप्लासियाः एक अभिनव जीनोटाइप की रिपोर्ट और सात पिछले मामलों की समीक्षा। आण्विक सिंड्रोमोलॉजी, 6(2), 83–86. जारी करने की तारीख:10-1159/000375354

ए सिंह, एम एम ब्रायन, जे सी रोने, ए आर क्युलिनेन, डब्ल्यू ए गल, एन खुराना और एस कपूर, (2015). एक नैदानिक भारतीय उपमहाद्वीप से एक अभिनव जीनोटाइप के साथ प्रारंभिक अवस्था में चेडियाक –हिगासीसिंड्रोम की रिपोर्ट। त्वचा विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 55(3), 317–321. जारी करने की तारीख:10-1111/ijd-13019

एम सिंह, जी आर सेठी, एम मंतन, ए खन्ना और एम हनीफ, (2016). बच्चों में तपेदिक के निदान के लिए एक्सपटी एमटीबी/आरआईएफ परख। क्षय रोग और फेफड़ों के रोग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 20(6), 839–843.

ए सिंह, पी सोलंकी और डी मिश्रा, (2014). (एनईओसीओएन 2006). राष्ट्रीय नयूरोलोजी फोरम (छमवब्बद 2006) के छब्बीसवें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत वैज्ञानिक पत्र का प्रकाशन। भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका, 82(1), 25–28. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098/014/1475&7

वी एम वशिष्ठ, एस यादव, ए डबास, सी पी बंसल, आर सी अग्रवाल, वी एन येवले, पी जे मेहता, (2015). भारत में कण्ठमाला और टीकाकरण रणनीतियों के बोझ पर आईएपी स्थिति पत्र। भारतीय बाल रोग, 52(6), 505–514. जारी करने की तारीख:10-1007/s13312&015/0666/2

एम वालिया (2015). वातिलवक्ष और हवा लीक। पी गुप्ता, पी एस एन मेनन, एस रामजी, और आर लोढ़ा (सं.), बाल रोग पीजी पाठ्यपुस्तक में (प्रथम संस्करण सं.)। नई दिल्लीः जेपी स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक।

एस यादव और ए डबास, (2014). छोटे कद के प्रति दृष्टिकोण। भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका, 82(5), 462–470. जारी करने की तारीख:10-1007/s12098/014/1609&y

एस यादव और एल काव्या, (2015). फार्माकोकाइनेटिक्स और फार्माकोडाइनेमिक्स –बाल चिकित्सा पहलू। एन सैनी, यू बवेजा और आर साहा (सं) में, एंटीमाइक्रोबायलों का तर्कसंगत उपयोग – भारतीय परिप्रेक्ष्य (चच. 155–162). नई दिल्लीः आईएमए प्रकाशन।

के यादव, डी मिश्रा, वी मेहता और एम जुनेजा (2015). जन्मजात हृदय रोग के साथ 6–30 महीने के आयु वर्ग के बच्चों की मानसिक विकास की स्थिति। भारतीय बाल रोग, 52(4), 957दृ960.

एस यादव और डी रस्तोगी (2015). नवजात शिशुओं में रोगाणुरोधी चिकित्सा। एन सैनी, यू . बवेजा, एवं आर साहा में (संपा.), एंटीमाइक्रोबायलों का तर्कसंगत उपयोग – भारतीय परिप्रेक्ष्य (पृ. 41दृ425). नई दिल्लीः आईएमए प्रकाशन।
एस यादव, एवं डी रस्तोगी, (2015). गर्भावधि उम्र के लिए लघुः विकास और यौवन मुद्दे। भारतीय बाल रोग, 52(2), 135–140. जारी करने की तारीख:10-1007/s13312/015/0588/z

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. एस यादव, आर एवं डी बाह्य वित्त पोषण के साथ घटक, शीर्षक "एक अनुक्रमिक चरण तृतीय, यादृच्छिक, बहुकेंद्र एकल नेत्रहीन अध्ययन प्रतिरक्षाजनकता सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए, जब शिशुओं में आरटीओएवीएसी के साथ तुलना में एक 3–खुराक श्रृंखला के रूप में रहते तनु रोटावायरस वैक्सीन के तरल आरटीओएवीएसी 5सी तैयार करने की रेक्टोजेनीसिटी"

डॉ ए पी दुबे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, शीर्षक "गंभीर तीव्र कुपोषण वाले बच्चों का मुख आधारित प्रबंधन"।

डॉ ए पी दुबे,शीर्षक "सुरक्षा और तरल वेरिसिलिका टीके की प्रतिरक्षाजनकता। बाह्य वित्त पोषण के साथ अनुसंधान एवं विकास घटक।

डॉ एपी दुबे, शीर्षक "सुरक्षा और रोटावायरस वैक्सीन की प्रतिरक्षाजनकता" बाह्य वित्त पोषण के साथ अनुसंधान एवं विकास घटक।

डॉ यू झाम्ब, सीएसआईआर के वित्त पोषण से, शीर्षक "यांत्रिक वेंटीलेशन की अवधि पर सहज साँस लेने परीक्षण की भूमिका"।

डॉ. एस कपूर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के वित्त पोषण से शीर्षक "थैलेसीमिया की स्थिति के लिए महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच"।

डॉ एस कपूर, एसईआरबी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वित्त पोषण की शीर्षक "नवजात स्क्रीनिंग के विकारों के इलाज और दिल्ली राज्य में सहज चयापचय त्रुटियों के लिए महामारी विज्ञान डेटा बनाने के लिए एक नवल व्यवहार्यता अध्ययन"

डॉ एस कपूर, सीएसआईआर के वित्त पोषण से, शीर्षक "फैनकोनी एनीमिया के रोगी में टीएनएफ–ए की गुणसूत्र अस्थिरता और एमआरएनए अभिव्यक्ति का अध्ययन"

डॉ एस कपूर, आईसीएमआर के वित्त पोषण से, शीर्षक "नैदानिक जैव रासायनिक और आणविक लाइसोसोमल की विशेषता भंडारण में भारत–पहल अनुसंधान के लिए लाइसोसोमल भंडारण विकार में विकारों का बहु सहयोगात्मक अध्ययन" और "गुणवत्ता आश्वासन पर सहयोगात्मक अध्ययन के लिए वेब डिजाइन और गुणवत्ता आश्वासन"

डॉ एम जुनेजा व डॉ डी मिश्रा, आईसीएमआर के वित्त पोषण से, शीर्षक "आत्मकेंद्रित बच्चों के लिए साप्ताहिक बनाम 6 साप्ताहिक प्रशिक्षण सत्र के साथ देखभालकर्ता प्रशासित हस्तक्षेप कार्यक्रम की तुलनाः एक यादृच्छिक परीक्षण"

डॉ एस रामजी व डॉ आशीष जैन, चिकित्सा, प्रसवकालीन तंत्रिका विज्ञान, इंपीरियल नवजात सेवा केंद्र, क्वीन और चेलसीज अस्पताल, लंदन के वित्त पोषण से, शीर्षक "कम और मध्यम आय वाले देशों (हेलिक्स) में मस्तिष्क विकृति के लिए हाइपोथर्मिया परीक्षण"।

डॉ एस रामजी व डॉ आशीष जैन, वेलकम ट्रस्ट के वित्त पोषण से, शीर्षक "अपरिपक्व नवजात शिशुओं में श्वसन संकट सिंड्रोम (आरडीएस) के उपचार के लिए प्रभावकारिता और एक अभिनव और सस्ती गोट फेफड़ों सर्फेक्टेंट निकालने (जीएलएसई) की सुरक्षा का मूल्यांकनः एक बहु साइट यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण"।

डॉ डी मिश्रा और डॉ एस खलील, इंट्राम्युरल वित्त पोषण, शीर्षक "बाल चिकित्सा तृतीय वर्ष आवासियों की नैदानिक सक्षमता का आकलन करने के लिए एक मिनी नैदानिक मूल्यांकन व्यायाम (मिनी–सीईएक्स) कार्यक्रम का कार्यान्वयन"।

आयोजित सम्मेलन / सेमिनार /कार्यशालाएं

जनवरी 2015 में पेडीकॉन, नई दिल्ली के लिए "विकास और एंडोक्राइम विकारों" पर संगोष्ठी।

"किशोर एंडोक्राइनोलॉजी" पर संगोष्ठी।

डॉ एम जुनेजा द्वारा 7–8 मार्च 2015 को "विकास बाल रोग", पर आयोजित कार्यशाला ।

भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत में डॉ आशीष, द्वारा 15 और 16 जनवरी 2015 को "मध्यप्रदेश एसएनसीयू– डॉक्टरों और नर्सों के लिए सकारात्मक दबाव (सीपीएपी) जारी है।" पर आयोजित – कार्यशाला/संगोष्ठी

"नयूरोलोजी में हाल के अग्रिमों" पर 15 फरवरी, 2015 को एनबी माथुर और डॉ आशीष, नयूरोलोजी विभाग, एमएएमसी द्वारा एमएएमसी, नई दिल्ली में कार्यशाला /संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

9 मई, 2015 को बाल चिकित्सा ओपीडी, लोकनायक अस्पताल, नई दिल्ली में "अस्थमा पर सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम" पर कार्यशाला /संगोष्ठी आयोजित की गई।

"श्वसन अध्याय (दिल्ली), मासिक नैदानिक बैठक "भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी, बाल रोग विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, द्वारा 10 अक्टूबर, 2015 को कार्यशाला /संगोष्ठी आयोजित की गई।

सम्मेलनों में प्रस्तुति
डॉ एस कपूरः

•नवजात स्क्रीनिंग–2015 की इंटरनेशनल सोसायटी की 9वीं एशिया–प्रशांत क्षेत्रीय बैठक के साथ संयोजन के रूप में पूर्व सम्मेलन में "देश रिपोर्ट" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

• 7–9 दिसंबर 2015 को आईएसएनएस सम्मेलन की पेनांग, मलेशिया में आयोजित 9 वीं एशिया प्रशांत क्षेत्रीय बैठक में "राष्ट्रीय नवजात स्क्रीनिंग कार्यक्रम, देश की रिपोर्ट, विस्तारित नवजात स्क्रीनिंग कार्यक्रम– मुद्दों को मिलाना" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

• 19 –22 मार्च 2015 के दौरान आयोजित विरासत चयापचय रोग के लिए ताइवान ह्यूमन जेनेटिक्स सोसायटी और चौथे एशियाई कांग्रेस के सम्मेलन (एसीआईएमडी) 2015 में "एशियाई संभावनाओं में अंतर्जात चयापचय रोग" पर एक व्यख्यान प्रस्तुत किया।
• 16 से 19 सितंबरत, 2015 को हेनोई, वियतनाम में आयोजित ह्यूमन जेनेटिक्स पर 11 वें एशिया प्रशांत सम्मेलन (एपीसीएचजी) में सोमेश कुमार के साथ "उत्तर भारत के बच्चों में चयापचय स्पेक्ट्रम की जन्मजात त्रुटियांरू तृतीयक देखभाल केंद्र से 5 साल के भावी डेटा" पर प्रस्तुति दी।

• 16–19 सितंबर, 2015 के दौरान हनोई, वियतनाम में आयोजित ह्यूमन जेनेटिक्स पर 11 वें एशिया प्रशांत सम्मेलन (एपीसीएचजी) में "भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में नवजात स्क्रीनिंग के नजरिए से आईईएम की घटना" पर सौरभ बिधान के साथ प्रस्तुति।

डॉ आशीष जैनः बाल चिकित्सा शिक्षा सोसायटी (पीए) और बाल चिकित्सा अनुसंधान के लिए एशियन सोसायटी (एएसपीआर) के सैन डियागो, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित सम्मेलन में, "जन्म के समय 1250 ग्राम से कम वजन के शिशुओं में आक्रामक आहार का एक बेतरतीब परीक्षण" पर पोस्टर प्रस्तुति की।

डॉ. यू झाम्बः एनसीपीसीसी (जयपुर में बाल चिकित्सा गहन देखभाल के राष्ट्रीय सम्मेलन) में "पोस्ट स्क्सट्यूबेशन स्ट्राइडर में स्टेरॉयड की भूमिका" पर शोध पत्र प्रस्तुति।

डॉ यू झाम्ब द्वारा एनसीपीसीसी में "बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती बच्चों में सीरम कैल्शियम, फॉस्फेट और विटामिन डी का स्तर की असामान्यताएं" पर (जयपुर में बाल चिकित्सा गहन देखभालके राष्ट्रीय सम्मेलन) शोध पत्र प्रस्तुति।

डॉ. एस कपूर

• 19 जून, 2015 में एसकेआईएमएस मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर में डॉ. एस कपूर – "निदान एवं प्रबंधन लाइसोसोमल भंडारण विकारों" एक व्याख्यान दिया।

•19 वीं जुलाई, 2015 को एसएफएम एवं एओजीपी के अंतर्गत "भ्रूण के कानों के प्रति मन का उद्घाटन" के अवसर पर "प्रसूति प्रथाओं में जेनेटिक्स –एक सीएमई पर आरआर अस्पताल में ऑब्सट्रेसियन को क्या पता होना चाहिए" पर एक व्याख्यान दिया।

•9 अगस्त, 2015 को एएसआरएएम मेडिकल कॉलेज में जीनोडिमेटोसीस पर एक सीएमई में "जेनेटिक परामर्श और परीक्षण" पर एक व्याख्यान दिया।

• 9 अगस्त, 2015 को एएसआरएएम मेडिकल कॉलेज में जीनोडिमेटोसीस पर एक सीएमई में "जीन थेरेपी" पर एक व्याख्यान दिया।

• 15 अगस्त 2015 को आईसीएच कोलकाता में "मेटाबोलिक मायोपैथीस" पर एक व्याख्यान दिया।

• 27 से 29 नवंबर, 2015 को बी एम बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, जयपुर में आयोजित दुर्लभ रोगों की बाल चिकित्सा पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मौ एक व्याख्यान दिया।

• 22 नवंबर, 2015 को, राष्ट्रीय नयूरोलोजी फोरम और यूनिसेफ द्वारा आरएमएल अस्पताल, अंतर्राष्ट्रीय कक्षा सभागार में आयोजित संगोष्ठी में "डेटा रखने के द्वारा गुणवत्ता सुधार" पर एक व्याख्यान दिया।

• 26–27 सितंबर, 2015 को आईएपी पश्चिम दिल्ली नगर शाखा द्वारा होटल पिकाडिली, नई दिल्ली में आयोजित उत्तर भारत बाल चिकित्सा सम्मेलन (पीसीएनआई 2015) में "डाइसमार्फिज्मः आंख वही देखती है जो मन जानता है" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

• 12, 13 और 14 सितंबर, 2015 को सर्जरी के भविष्य के निर्देश के विषय पर आधारित कार्डियोवास्कुलर सर्जरी के 11वें राष्ट्रीय व्यापक पाठ्यक्रम पर "जीन थेरेपी" पर एक व्याख्यान दिया।

•19 जुलाई 2015 को भ्रूण चिकित्सा की सोसायटी और एओजीडी के तत्वावधान में सैनिक अस्पताल, आर एवं आर में आयोजित "भ्रूण की देखभाल के लिए मन को खोलने" पर सीएमई में "प्रसूति व्यवहार में आनुवंशिकी – प्रसूति परिचारक को क्या पता होना चाहिए" पर सीएमई पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. एम मंतनः

• 9–11 अक्टूबर 2015 के दौरान बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी की इंडियन सोसायटी के जयपुर में आयोजित 27 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोर्टीकोस्टेरायड पर नेफ्रोटिक सिंड्रोम के साथ बच्चों में एड्रेनोकार्टियल दमन" पर पोस्टर प्रस्तुति।

• 9–11अक्टूबर 2015 के दौरान जयपुर, भारत में आयोजित बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी इंडियन सोसायटी के 27 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ एम मंतन द्वारा "एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मूत्रमार्ग के पीछे के वाल्व के साथ लड़कों की प्रोफाइल" पर पोस्टर प्रस्तुति।

• 24 मई, 2015 को गंगा राम अस्पताल, दिल्ली में आयोजित बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी अद्यतन पर डॉ एम मंतन ने "स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम" पर एक व्याख्यान दिया।

• 9–11अक्टूबर, 2015 के दौरान बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी की इंडियन सोसायटी द्वारा जयपुर में आयोजित 27 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ एम मंतन ने "नवजात एकेआई" पर एक व्याख्यान दिया।

• 19 दिसंबर को पीजीआईएमईआर, आरएमएल अस्पताल, आईएपी दिल्ली मे आयोजित दिल्ली सम्मेलन में "आवर्तक यूटीआई के मेडिकल प्रबंधनरू केमोप्रोफिलेक्सिस" पर एक व्याख्यान दिया।

•3 अप्रैल 2016 के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित आईपीए एएसपीएनए जूनियर मास्टर वर्ग में डॉ. एम मंतन ने "मधुमेह इनसिपिडसरू मूल्यांकन और प्रबंधन" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सुमायरा खलील

19–21 नवंबर 2015 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित स्वास्थ्य व्यवसायियों की शिक्षा पर सातवें नेशनल कांफ्रेंस में "बाल चिकित्सा निवासियों के नैदानिक सक्षमता का आकलन करने के लिए एक मिनी नैदानिक मूल्यांकन व्यायाम (मिनी सीईएक्स) कार्यक्रम के कार्यान्वयन" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

अंतर संस्थागत सहयोग

बहु अध्ययन – आईसीएमआर एलएसडी परियोजना में सभी रोगों के साथ 7 केन्द्रों को शामिल कर केंद्र वार सहयोग वितरित किया गया ताकि जैव रासायनिक और आणविक स्पेक्ट्रम के मामले में लाइसोसोमल भंडारण विकारों के पूरे परिदृश्य को वितरित किया जा सके।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थेल्मा के सहयोग से नवजात स्क्रीनिंग में 5 इलाज विकारों की स्क्रीनिंग और महामारी विज्ञान डेटा बनाने के लिए ए दिल्ली के 20 अस्पतालों को शामिल कर, टेंडम मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा पता लगाए जा सकने वाले विकारों के लिए बड़ी बहु सेंटर परियोजना।

क. आनुवंशिक प्रयोगशाला विभिन्न दिल्ली सरकारी अस्पतालों से प्रसव पूर्व निदान के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य करती है
ख. विभिन्न संस्थानों में कुण्डल परीक्षण आयोजित किया जा रहा है।

संकाय की संख्याः स्थायीः 11, तदर्थः 1

अन्य महत्वपूर्ण सूचनाः

विभिन्न विशेषज्ञ निकायों के सदस्यः

डॉ. एस रामजी

• नवजात के स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सलाहकार समूह, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य
• वैज्ञानिक सलाहकार समूह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सदस्य
• बच्चों में एनीमिया पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य

डॉ एम जुनेजाः

• डॉ एम जुनेजा को सीडीजी–आईएपी द्वारा 17 और 18 नवंबर 2015 को मुंबई में आयोजित बच्चों में न्यूरो–विकासात्मक विकारों के लिए दिशा–निर्देश तैयार करने के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बैठक के लिए विशेषज्ञ /सलाहकार नामित किया गया था ।

डॉ. एस कपूरः

• भारतीय बाल रोग, बाल रोगों की भारतीय पत्रिका, बाल चिकित्सा आनुवंशिकी और चयापचय की पत्रिका, बाल रोग विश्व पत्रिका के लिए समीक्षक।

• एशिया–प्रशांत क्षेत्र में नवजात स्क्रीनिंग प्रयास के ह्यूमन जेनेटिक्स के एशिया प्रशांत सोसायटी के कार्य समूह स्क्रीनिंग को मजबूत बनाने वाले कार्य समूह के सदस्य।
• डाउन सिंड्रोम पर आरबीएसके समूह के मेडिकल साइंसेज के सदस्यों की एमएएमसी पत्रिका में नैदानिक व्यवहार में छवियों के एक अनुभाग के संपादक।

डॉ डी मिश्रा को आईसीएमआर द्वारा "बचपन में चोट लगने" और "कठिन परिस्थितियों में बच्चे" पर परियोजना समीक्षा समितियों में नामित किया गया था।

डॉ. आशीष

• डॉ. आशीष को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा 31 जनवरी, 2015 नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय नयूरोलोजी फोरम (एनएनएफ) के सहयोग से "बच्चों को बचाएं" "जन्म एसफेक्सिया "(सीएस–28) परियोजना के बेहतर प्रबंधन के माध्यम से उत्तर प्रदेश में नवजातों को बचाना" के अंतर्गत प्रशिक्षण सामग्री की समीक्षा करने और उसे साझा करने के लिए परामर्श बैठक में भारतीय राष्ट्रीय नयूरोलोजी फोरम और विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया था।
• डॉ. आशीष को भारतीय बाल चिकित्सा अकादमीरू सदस्य के रूप में नयूरोलोजी अध्याय, प्रकाशन समिति और 2013–2016 के लिए समूह लेखन द्वारा सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

• डॉ आशीष को नयूरोलोजी के डिवीजन, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली और डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ द्वारा भारत में डॉक्टरों और नर्सों, 2015 के नवजात प्रशिक्षण के एक ऑनलाइन प्रशिक्षण और उन्मुखीकरण कार्यक्रम में ऑनलाइन नवजात प्रशिक्षण के एक प्रशिक्षक के रूप में प्रमाणित किया गया था।

• डॉ. आशीष को आईएपी न्यूरोलोजी अध्याय द्वारा अस्पतालों के न्यूरोलोजी फैलोशिप कार्यक्रम के लिए आवेदन करने पर उनके अनुमोदन के लिए इकाई के निरीक्षण के लिए नामित किया गया था।
• सदस्य संपादकीय बोर्ड, न्यूरोलोजी की पत्रिका, राष्ट्रीय न्यूरोलोजी फोरम, भारत का एक प्रकाशन। 2013–2014।
• बाल रोगों की भारतीय पत्रिका के समीक्षक
• भारतीय बाल रोग के समीक्षक

औषध विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

औषध विज्ञान विभाग के एमबीबीएस, बीडीएस और औषध विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक समग्र शिक्षा का अनुभव प्रदान करना है। इस दिशा में शिक्षण और अधिगम की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है और लगातार सुधार किया जा रहा है। विभाग ने एमबीबीएस और एमडी दोनों कार्यक्रमों में सीखने की नई गतिविधियों को शामिल किया है। दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अधीन स्वास्थ्य सुविधाओं में काम कर रहे डॉक्टरों के लिए "दवाओं की उपलब्धता और विवेकपूर्ण उपयोग में सुधार" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। विभाग भारत सरकार के राष्ट्रीय फामार्कोविजिलेंस कार्यक्रम के लिए किसी मान्यता प्राप्त प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र है। इस दिशा में डॉक्टरों, नर्सों और फार्मासिस्ट के बीच फामार्कोविजिलेंस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा दो कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं। वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ वंदना रॉय को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति और अनुसंधान के फाउंडेशन (एफएआईएमईआर) फैलोशिप कार्यक्रम 2016 में चयनित किया गया है।

डॉ भूपेंद्र सिंह को पशु कल्याण प्रभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सीपीसीएसईए उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ एच वी बिम्बा, पर्यवेक्षक – डॉ वंदना रॉय, सह पर्यवेक्षक – डॉ शालिनी चावला, डा एम डागा, डॉ सुशांतो नियोगी, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के चिकित्सा और शल्य चिकित्सा विभागों में इस्तेमाल किए जाने वाले एंटीमाइक्रोबायलों उपयोगिता और उनकी लागत"।

डॉ. हिमांशु तायल, पर्यवेक्षक – डॉ. वंदना रॉय, सह पर्यवेक्षक – डॉ. एपी दुबे, डॉ शालिनी चावला अनुसंधान परियोजना शीर्षक "भारत में बाल चिकित्सा खुराक योगों की उपलब्धता, उपयोग और लागतः एक प्रकरण अध्ययन"।

डॉ. शंकर कुमार, पर्यवेक्षक – डॉ. शालिनी चावला, सह पर्यवेक्षक – डॉ. वंदना रॉय, डॉ. आर जिलोहा, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में एंटीसाइकोटिक दवा लिखना, प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी, उपचार की लागत और वाह्य विभाग के जीवन की गुणवत्ता का आकलन" ।

डॉ. साहिल कुमार, पर्यवेक्षक डॉ. उमा टेकुर, सह पर्यवेक्षक डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "अकार्यकर गर्भाशय रक्तस्राव अत्यार्तव और डिस्मोनेरिया के उपचार में मेफिनेमिक एसिड और डाईक्लोफेनाक –एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन"।

डॉ. सिद्धार्थ दत्ता, पर्यवेक्षक डॉ. शालिनी चावला, सह पर्यवेक्षक डॉ. वंदना रॉय, डॉ. पूनम लूंबा, डॉ. सिद्धार्थ श्रीवास्तव, अनुसंधान परियोजना शीर्षक सहज बैक्टीरियल पेरिटोनिटिस के लिए प्रोफिलेक्सिस प्राप्त करने वाले रोगियों में मल माइक्रोबायोटा पर ट्राइमेथोप्रिम–सल्फामेथोक्साजोलध्नॉरफ्लोक्सासिन, प्रतिरोध पैटर्न, प्रभावकारिता और सहनशीलता का प्रभाव।"

प्रकाशन (चयनित)

कुल सं. : 11, राष्ट्रीय पत्रिकाएंः 4, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएंः 7

ए आर्य, वी रॉय, ए लोमश, एस कपूर, ए खन्ना, जी रांगरी (2015) संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम, भारत (2009) के अंतर्गत बच्चों में फार्माकोकाइनेटिक्स रिफैम्पिसिन, टीबी और फेफड़ों के रोगों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,19(4): 440–445.

एस चव्हाण, वी रॉय, (2015), डिजाइनर ड्रग्स – एक समीक्षा। फार्मेसी और औषधि विज्ञान की विश्व पत्रिका,4(8):297–336.

ए दहिया, बी एस कालरा, ए सैनी, यू टेकुर (2016) एक शिक्षण तृतीयक देखभाल अस्पताल में रुमेटी गठिया के रोगियों में प्रिस्क्रिप्शन पैटर्न। एमएएमसी जे मेड साइंस., 2: 33–7.

के गुप्ता, एस जुनेजा, जी एस बाजवा, एस कौशल (2015) चूहे में मोतियाबिंद की घटना के फेरबदल में साइटोक्रोम मॉड्युलेटरों की भूमिका, क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च का पत्रिका, 9(7): एफएफ05–एफएफ07.

एम एन हसन, आर ए खान, एम नसीरुद्दीन और ए ए खान (2015), निजेला सातिवा तेल से प्रेरित जठरविकृति में गैर स्टेरायडल सूजन विरोधी दवा के सुधार –एक प्रायोगिक अध्ययन। औषधीय पौधों की यूरोपीय पत्रिका, 201510(2): 1–8.

एस जुनेजा, के गुप्ता, एम सिंगला, जी सिंह, एस कौशल (2015) पेरी–स्ट्रोक अवधि में नशीले पदार्थों की आवासीय उपयोग के बाद स्ट्रोक परिणाम। ग्रामीण अभ्यास में न्यूरोसाइंसेस की पत्रिका, 6(4):558–62.

आर कानिश, के गुप्ता, एस जुनेजा, बी एच सिंह, एस कौशल (2015), उत्तरी भारत में एक तृतीयक देखभाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाल रोग विभाग में पैटर्न और एंटीबायोटिक उपयोग की फार्माकोइकोनॉमिक्स विहित। ट्रॉपिकल मेडिसिन एवं पब्लिक हेल्थ का इतिहास,8(4):101–04.

पी राणा, वी रॉय (2015) जेनेरिक दवाएं: मुद्दे और वैश्विक स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिकता, मौलिक और चिकित्सीय औषध, 29(6):529–42.

जी रांगरी, वी रॉय, जी एस सेठी, टी के मिश्रा, ए कुमार (2015), भारत के संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आइसोनाइज्ड फार्माकोकाइनेटिक्स। क्षय रोग की भारतीय पत्रिका, 62:80–85.

वी रॉय, एम गुप्ता, आर घोष (2015), भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल डॉक्टरों और मरीजों के बीच पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा की अवधारणा, रवैया और उपयोग। औषध की भारतीय पत्रिका,2015:47(2): 137–142.

सम्मेलनों का आयोजन

डॉ वंदना रॉय: 30–31 मार्च, 2016 को मौलाना आजाद मेडिकल कालेज और संबद्ध अस्पतालों में दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य इकाइयों में काम कर रहे डॉक्टरों के लिए "सार्वजनिक स्वास्थ्य में दवाओं की उपलब्धता और वाजिब उपयोग में सुधार" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ शालिनी चावला– 18 फरवरी, 2016 को मौलाना आजाद मेडिकल कालेज और संबद्ध अस्पतालों में काम करने वाले स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए "फामार्कोविजिलेंस" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ वंदना रॉयरू 26 नवम्बर, 2015 को मौलाना आजाद मेडिकल कालेज और संबद्ध अस्पतालों में काम करने वाली नर्सों और फार्मासिस्टों के लिए रोगी सुरक्षा के लिए फामार्कोविजिलेंस पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ वंदना रॉय ने 19 – 21 नवम्बर, 2015 के दौरान स्वास्थ्य व्यवसायियों की शिक्षा पर सातवें नेशनल कांफ्रेंस में भाग लिया और "तर्कसंगत फार्माथेराप्टिकों में छात्रों के ज्ञान और कौशल पर औषध विज्ञान शिक्षण का प्रभाव" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली (स्वास्थ्य व्यवसायियों की शिक्षा के इंडियन एसोसिएशन के तत्वावधान में)। ।

डॉ वंदना तायल ने 5 – 6 दिसम्बर, 2015 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में फार्मोकोथेरेप्टिकों की इंडियन सोसायटी के 7 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "भारतीय बाजार में सेराटियेप्टाइडीडेज तैयारियां:वाजिब समझदारी और लागत का आकलन" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त पीएचडी और एमफिल डिग्रियों की
औषध विज्ञान में प्रदत्त एमडी – 3

संकाय की संख्या: स्थायी: 5, अनुबंध पर: 1

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग ने अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के हिस्से के रूप में निम्न अतिथि व्याख्यानों का आयोजन किया।

•प्रोफेसर रंजीत रॉय चौधरी मेमोरियल व्याख्यान। डॉ कैथलीन होलोवे, क्षेत्रीय सलाहकार, आवश्यक दवाएं और उपकरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन, दक्षिण पूर्व क्षेत्र ने 30 मार्च, 2016 को "दक्षिण पूर्व एशिया, में रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने पर एक व्याख्यान दिया।

• डॉ रवि घुई, सलाहकार क्लीनिकल रिसर्च, 12 फरवरी, 2016 को "दिशा निर्देशों से परे आचार" पर एक एक व्याख्यान दिया।उ

• डॉ तापस चकमा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डी जी, आई. सी. एम. आर आदिवासियों के लिए क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, जबलपुर, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, ने20 अगस्त 2015 को विभाग का दौरा किया और "फ्लोरोसिस शमन में पोषण की भूमिका" विषय पर एक व्याख्यान दिया,

डॉ शिल्पा डैनियलः 18–20 दिसंबर, 2015 के दौरान सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात में चिकित्सीय औषध सत्र (यूके सेठ) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित भारतीय भेषज सोसायटी के 48 वें वार्षिक सम्मेलन में "अत्याधुनिक औषध विज्ञानः समकालीन मुद्दे और भविष्य की चुनौतियों" पर मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

औषध विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 की अवधि में, विभाग ने विषय की प्रगति के लिए काफी योगदान दिया है। डॉ एच एस रेहान को डरहम विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में फार्मेसी, चिकित्सा और स्वास्थ्य के स्कूल में राष्ट्रमंडल फैलोशिप 2015–16 से सम्मानित किया गया है। विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में तीन श्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार जीते हैं। सहकर्मी समीक्षा की पबमेड अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल चार शोध पत्र प्रकाशित किया गया है। डॉ. एचएस रेहान, प्रोफेसर और विभाग प्रमुख ने विभिन्न विषयों में सीडीएससीओ के विषय विशेषज्ञ समिति यूजीसी की विच्छेदन निगरानी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। डॉ. ललित कुमार गुप्ता, विभाग के प्रोफेसर ने नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से विभाग भारत के फामार्कोविजिलेंस कार्यक्रम में भाग ले रहा है और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया की निगरानी के मामले में इसे शीर्ष पांच राष्ट्रीय केन्द्रों के बीच माना जाता है।

सम्मान/ विशिष्टताएं

आईएसआरपीटी के चौथे अंतर्राष्ट्रीय और सातवें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 2015 में एमडी अंतिम वर्ष के (औषध) स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉ अभिनव ग्रोवर द्वारा प्रस्तुत "स्टेटिन्स के पालन के लिए गोली की गिनती विधि के साथ मोरिस्की 8 मद दवा पालन स्केल की तुलना पद्धति और डाईस्लिपिडेमिया के बायोमार्कर के साथ उनके संबंध के अनुपालन का आकलन" शीर्षक अध्ययन के लिए फार्म पुरस्कार भूतपूर्व–फार्म पुरस्कार(प्रथम पुरस्कार मौखिक शोध पत्र)।

डाईस्लिपिडेमिया में नए क्षितिज दूसरे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (अगस्त 2015) के दौरान एमडी अंतिम वर्ष के (औषध) स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉ अभिनव ग्रोवर द्वारा प्रस्तुत "उनके लाभ का अनुकूलन करने के लिए उच्च तीव्रता स्टैटिन पर स्विच करने की बजाय उनके अनुपालन में सुधार पर विचार" शीर्षक शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार।

डाईस्लिपिडेमिया में नए क्षितिज दूसरे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (अगस्त 2015) के दौरान एमडी द्वितीय वर्ष की (औषध) स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉ नेहा गुहा द्वारा प्रस्तुत "स्टेटिन्स और परिधीय न्युरोपैथी में उनकी भूमिका" शीर्षक शोध पत्र के लिए तृतीय मौखिक पुरस्कार।

प्रकाशन

एस भार्गव, ए प्रकाश, एच एस रेहान और एल के गुप्ता (2015). सीरम एपोप्टोटिकमार्करों और अस्थमा के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर प्रणालीगत कोर्टिकोस्टेरायडों का प्रभाव। एलर्जी और अस्थमा कार्यवाही,36(4), 275–282.

एम कांबले, आर गुप्ता, एच एस रेहान और एल के गुप्ता (2016). प्रयोगात्मक मॉडल में लिराग्लुटाइड और सिटाग्लिपटीन का न्यूरो व्यवहार प्रभाव। औषध विज्ञान की यूरोपीय पत्रिका,774, 64–70.

के तंवर और एस माथुर (2015). स्नातक चिकित्सा छात्रों में एनाल्जेसिक स्व–दवा के पैटर्न, प्रभावकारिता और सहनशीलता का अध्ययन करने के लिएः एक प्रश्नावली के आधार पर सर्वेक्षण। बुनियादी और चिकित्सीय औषध के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। जारी करने की तारीख:10.18203/2319/2003-ijbcp20150012.

आई बनर्जी, एच रेहान, और यू सुरानगी, (2015). क्या हम आवश्यक दवाओं की एक नई परिभाषा की ओर बढ़ रहे हैं? औषध विज्ञान और फार्माकोथेराप्टिक्स की पत्रिका, 6(4), 234 235.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ अनुभूति गुप्ता, गाइड और डॉ ललित कुमार गुप्ता, डॉ एच एस रेहान, डॉ अनुपम प्रकाश सह–गाइड "वयस्क दमा रोगियों में साँस से लिए गए कार्टिकोस्टेरॉयड उपचार का सीरम सीडी28 स्तर की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन"।डॉ नेहा गुहा, गाइड और डॉ एचएस रेहान, डॉ ललित, डॉ मधुर यादव सह–गाइडः "स्टेटिनस लेने वाले रोगियों में सीरम सह एंजाइम क्यू10 के स्तर पर स्टेटिन उपचार के प्रभाव का अध्ययन"।

डॉ. आर अमृता– गाइड और सह–गाइडः डॉ ललित कुमार गुप्ता, डा हरमीत सिंह रेहान, "तीव्र लगातार और न्यूरोपैथिक दर्द के प्रयोगात्मक मॉडल में टोनाब्रेस्ट के प्रभाव का मूल्यांकन।"

"उचित हस्तक्षेप रणनीतियों के साथ लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के आईपीडी/ध्ओपीडी दोनों में नुस्खे की चल रही लेखापरीक्षा"।

"भारत के फामार्कोविजिलेंस कार्यक्रम के माध्यम से रोगी सुरक्षा हस्तक्षेप"।

अंतर संस्थागत सहयोग

- विभाग इंडियन फार्माकोपिया आयोग, भारत सरकार के सहयोग से भारत के फामार्कोविजिलेंस कार्यक्रम में भाग लेता है।
- डॉ. एच एस रेहान और डॉ. ललित कुमार गुप्ता विभिन्न विषयों में सीडीएससीओ के विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में सेवा करते हैं।
- डॉ. एच एस रेहान यूजीसी की विच्छेदन निगरानी समिति के एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य करते हैं।
- डॉ. ललित कुमार गुप्ता राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य करते हैं।

प्रदत्त पीएचडी /एमफिल/ एमडी डिग्रीः
एमडी (औषध): 3
संकाय की संख्याः स्थायीः प्रोफेसर –2, सहायक प्रोफेसर–5, अस्थाईः सहायक प्रोफेसरः 2

अन्य महत्वपूर्ण सूचना
आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से विभाग प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया की निगरानी के मामले में भारत की फामार्कोविजिलेंस कार्यक्रम में भाग लेता है और शीर्ष पांच राष्ट्रीय केन्द्रों में से एक है।

शरीर विज्ञान (यूसीएमएस)

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ शंकर, नीलिमा
- 2015 में भारत की फिजियोलॉजिस्ट एसोसिएशन की संयुक्त सचिव (उत्तर क्षेत्र)।

डॉ सतेंद्र सिंह
- 2015–2020 की अवधि के लिए दिल्ली मेडिकल काउंसिल के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित।

- 2015–2017 के लिए स्टेम सेल अनुसंधान, न्यूक्लियर मेडिसिन और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), दिल्ली के लिए संस्थागत समिति के सदस्य नियुक्त किए गए।

- यूसीएमएस व जीटीबी अस्पताल से 2015–2020 के लिए दिल्ली मेडिकल काउंसिल के सदस्य पद के लिए निर्वाचित सदस्य।
- 2016 में हेक्टोएन इंटरनेशनल के संपादकीय मंडल के सदस्य ।

डॉ वाने, नीलम, 2014–2019 के लिए अमरज्योति आईआरबी के सदस्य ।

प्रकाशन

डी खट्टर, (2016), मधुमेह में विलंबित श्रवण चालनः क्या मेटफार्मिन प्रेरित विटामिन बी 12 की कमी जिम्मेदार है? कार्यात्मक न्यूरोलॉजी। जारी करने की तारीख:10-11138/fneur/2016-31-2-095

डी खट्टर, एफ खालिक, एन वाने और एस मधु (2016). क्या मेटफार्मिन प्रेरित विटामिन बी 12 की कमी टाइप 2 मधुमेह में संज्ञानात्मक गिरावट के लिए जिम्मेदार है?, मनोवैज्ञानिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका,38(4), 285–290.

यू धालीवाल, एस सिंह और एन सिंह (2015) मानविकी के माध्यम से स्नातक मेडिकल छात्रों में क्षमता को बढ़ावा देना:एबीसीडीई प्रतिमान। राइम, 2, 28 –36.

एस गुप्ता, एस सिंह और यू धालीवाल (2015). भारत में स्नातक मेडिकल छात्रों में दर्शनीय फेसबुक प्रोफाइल और ई–व्यावसायिकता। स्वास्थ्य व्यवसायियों के लिए शैक्षिक मूल्यांकन की पत्रिका,12, 50.

जी मनीष, जी प्रतिभा और ओ टंडन (2015). यातायात पुलिसकर्मियों के व्यवसाय में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में अनावरण से मस्तिष्क की श्रवण शाखा में उत्पन्न संभावना। नैदानिक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका और प्रायोगिक फिजियोलॉजी, 2(1), 40–45.

एम मोहन, (2016). क्या मोबाइल फोन से पुराना अनावरण अनुभूति को प्रभावित करता है? कार्यात्मक न्यूरोलॉजी। जारी करने की तारीख:10-11138/fneur/2016-31-1-047

डी एम मोहन, डी एस सिंह, डी डी खट्टर और डी एन शंकर (2015). टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में मानवशास्त्रीय, जैव रासायनिक और संज्ञानात्मक मापदंडों पर योग का प्रभाव। चिकित्सा और फार्मेसी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(2),जारी करने की तारीख:10-15640/ijmp-v3n2a6

पी जैन, एच श्रीवास्तव, एन गोयल, एफ खालिक, पी दीवान, आर शर्मा और वी भरतीय, (2015). सीधी प्रिमिग्रेविदा महिलाओं में प्रसव पूर्व अभ्यास का फेफड़े के कार्यों और प्रसव परिणाम पर प्रभावरू एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। प्रजनन, गर्भनिरोधक, प्रसूति एवं स्त्री रोग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-18203/2320/1770-ijrcog20150732

एफ खालिक, वाई अंजना और एन वाने (2015). सीमा रेखा के बौद्धिक कार्य वाले बच्चों में घटना से संबंधित क्षमता का अध्ययन। मनोवैज्ञानिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, 37(1), 53–57.

ए यादव, एस सिंह, के पी सिंह और पी पाई (2015), कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर योग जीवन शैली हस्तक्षेप के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण का प्रभाव, चिकित्सीय अनुप्रयोगों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 30, 7–13.

एन शंकर और आर कौशिक (2016) गर्भनिरोधकों के फिजियोलॉजी। गर्भनिरोध में, नई दिल्लीरू जेपी प्रकाशक।

एम मोहन, एफ खालिक, एन वाने और ए पंवार (2015) स्वास्थ्य पर मोबाइल फोन के प्रभाव। एलएपी लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशक।

एस सिंह एवं पी गुप्ता (2016) विकलांग व्यक्ति (अध्याय 13)। गुप्ता, पी एवं खान, ए एम (सं) में, सामुदायिक चिकित्सा की पाठ्यपुस्तक। नई दिल्लीः सीबीएस प्रकाशकों, 545–74.

एस सिंह, (2016). दृढ़ता भुगतान करती हैः हानि से विकलांगता (अध्याय 15) । प्दरू लोरी जाप आसफ और संतोषी हलदर (सं.) में, स्प्रिंगर प्रकाशन।

एन वाने, (2016) इलेक्ट्रो निदान। ए के जैन (सं.) में, तुरेक की ओर्थोपेडिक्स। 7वां संस्करण। वोल्टर्स क्लुवर।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. नीलिमा शंकर,

• 26 –29 अक्तूबर 2015 के दौरान बरेली में आयोजित मेडिकल साइंसेज के एसआरएमएस संस्थान में भारत के फिजियोलोजिस्टों के एसोसिएशन के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष व आमंत्रित वक्ता।

डॉ. सतेंद्र सिंह

• 29 अक्तूबर, 2015 को बरेली में आयोजित मेडिकल साइंसेज के एसआरएमएस संस्थान में भारत की फिजियोलॉजिस्ट की एसोसिएशन के दूसरे नेशनल कांफ्रेंस, में आमंत्रित वक्ता।

• 31 मार्च, 2016 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवसायियों की शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी पाठ्यक्रम पर "शिक्षण मानविकी" के एक सत्र का आयोजन।

• 9–10 मार्च, 2016 के दौरान भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज, पुणे में "चिकित्सा शिक्षा में मानविकी को फिर से जीवित करने" पर कार्यशाला का आयोजन ।

• 22 नवंबर, 2015 को नई दिल्ली में परिवार चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान।

• 29 अक्तूबर, 2015 को एसआरएमएसआईएमएस, बरेली में आयोजित एसोपिकॉन, 2015 में "एमसीआई के एटीसीओएम मॉड्यूलरू क्या हम बदलाव के लिए तैयार हैं?" पर आमंत्रित व्याख्यान।

• 10 –12 सितम्बर, 2015 के दौरान जोरहाट मेडिकल कॉलेज, असम में मेडिकल मानविकी पर कार्यशाला का आयोजन।

• 12–13 जून, और 26 –27 जून, 2015 के दौरान एमसीआई में एमसीआई के रवैये और संचार (एटीसीओएम) मॉड्यूल के शुभारंभ पर दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम के लिए "चिकित्सा मानविकी" सत्र का संचालन करने के लिए आमंत्रित संकाय।

• 12 मई, 2015 को ग्रीनविच विश्वविद्यालय में नेतृत्व संकाय के रूप में डॉ. कार्लोस मोरेनो– लिगुइजमोन के साथ यूसीएमएस दिल्ली में आयोजित "दयालु देखभाल कार्यशाला"।

एफ खालिक

• 25 नवंबर से 28 नवंबर, 2015 के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर में भारत के फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्टों के संगठन के 61 वें वार्षिक सम्मेलन में मधुमेह कार्डियोमायोपैथी में मायोकार्डियल कार्य और स्वायत्त नियंत्रण के लिए (अतिथि व्याख्यान)।

• 20 फरवरी, 2016 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पतालों, नई दिल्ली में हृदय तनाव में औषधीय पौधे अर्जुन वृक्ष की भूमिका पर संगोष्ठी "तनाव से संबंधित विकारों में जीवन शैली हस्तक्षेप" (अतिथि व्याख्यान)।

• एन शंकर, 29 अक्तूबर, 2015 को चिकित्सा विज्ञान के एसआरएमएस संस्थान, बरेली में भारत के फिजियोलॉजिस्टों के एसोसिएशन के सम्मेलन में "नवाचार और शरीर विज्ञान शिक्षण और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रिम" पर संगोष्ठी

• एस सिंह, 29 अक्तूबर, 2015 को चिकित्सा विज्ञान के एसआरएमएस संस्थान, बरेली में भारत के फिजियोलॉजिस्टों के एसोसिएशन के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में एमसीआई का एटीसीओएम मॉड्यूलरू क्या हम बदलाव के लिए तैयार हैं? पर सम्मेलन में "फिजियोलॉजी शिक्षण और चिकित्सा शिक्षा में नवाचार और प्रगति" विषय पर संगोष्ठी।

शरीर विज्ञान (एमएएमसी)

प्रकाशन

आर वेंकटेशन, टी दिनेश, एम बेदी, वी पी वार्ष्णेय, जे मोहन और एस वेंकटस्वामी (2015), प्रासंगिक माइग्रेनरस और स्वस्थ स्वयंसेवकों के बीच लिपिड प्रोफाइल का तुलनात्मक अध्ययन। चिकित्सा विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 4(3), 327–330.

एम गौतम, एस चंद्र, आर के सारन, एस जैन और बी कृष्ण (2015), 6 ओएचडीए उपचारित पार्किंसंस रोग के बड़ी उम्र के चूहे मॉडल में स्ट्राइटल डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स पर एरीथ्रोपायोटीन के लाभदायक प्रभाव। बुनियादी और अनुप्रयुक्त फिजियोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,4(1), 174–182.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ ए कुमार जैन, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "वायरल के बाद थायरायडिटिस रोगियों में हृदय गति की परिवर्तनशीलता का एक अध्ययन"।

डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. जे एम कौल, डॉ. दामोर रॉबिन्सन, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "यातायात पुलिस कर्मियों में विभिन्न कार्डियोरैसपाइरेटरी रोगों के रोगजनन में पर्यावरण प्रदूषण के प्रभावों का मूल्यांकन"।

डॉ. वीपी वार्ष्णेय, डॉ. मोना बेदी, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "बच्चों में एएनएस में लिंग भेद"।

डॉ. वी पी वार्ष्णेय, डॉ. मोना बेदी, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "लिखावट की फिजियोलॉजी और पहचान की प्रक्रिया में इसका उपयोग"।

डॉ. वी पी वार्ष्णेय, डॉ. मोना बेदी, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "पीठ के निचले भाग में दर्द के रोगियों के उपचार में एक्यूपंक्चर की भूमिका"।

डॉ. वी पी वार्ष्णेय, डॉ. मोना बेदी, अनुसंधान परियोजना शीर्षक "टाइप 2 मधुमेह की पहली डिग्री में रिश्तेदारों में एएनएस और लिपिड प्रोफाइल का एक अध्ययन"।

अंतर संस्थागत सहयोग

डॉ. ए के जैन निम्नलिखित पर अतिथि व्याख्यान दिया
• राजमुंदरी (एपी) में आरईजीआईएनआईटीई–2015
• एलएचएमसी, एन डी में "तनाव से संबंधित विकार में जीवन शैली हस्तक्षेप" पर संगोष्ठी

संकाय की संख्याः स्थायीः 10

मनश्चिकित्सा
(जीबी पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा एवं शोध संस्थान)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज एवं जेआईपीएमईआर में मनोचिकित्सा विभाग अपने प्रतिष्ठित एमडी (मनोरोग) कार्यक्रम को चला रहा है। एमडी (मनोरोग) के दो छात्रों को इस साल विभाग में भर्ती किया गया। विभाग एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए अपना शिक्षण कार्यक्रम चलाता है। विभाग एमडी थीसिस के रूप में अनुसंधान के साथ ही अन्य परियोजनाएं भी चलाता है। संकाय सदस्य विभाग की ओर से बात करने के साथ ही मनोरोग विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य में विभिन्न मंचों पर सलाहकार की भूमिका निभाते हैं।

प्रकाशन

के कुमार, एम गुप्ता और आर रस्तोगी, (2015) एकध्रुवीय अवसाद के परिणाम में सुधार करने में मनोवैज्ञानिक शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलताः एक यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण के परिणाम। मनोरोग के पूर्व एशियाई अभिलेखागार, 25(1), 29–34.

ए झांझी (2015), चिकनगुनिया बुखार के रोगियों में मनोरोग रुग्णता, क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च का पत्रिका, 9(10), वीसी01– वीसी 03.

अनुसंधान परियोजनाएं

विभाग में निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईः

"मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता और उच्च विद्यालय के छात्रों में अवसाद के साथ कलंक के संबंध पर एक अध्ययन"
"देखभालकर्ता बोझ, तनाव और ओसीडी और द्विध्रुवी उत्तेजित विकारों की संतुष्टि के आकलन का एक तुलनात्मक अध्ययन"।

संकाय की संख्याः स्थायीः 4 , अस्थायीः 1

फेफडा औषध (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियां

• बायोमास ईंधन के धुएं के संपर्क के इतिहास के साथ सांस की लक्षणों में ब्रोन्कियल एंथ्राकोफाइब्रोसिस की घटना।
• बायोमास ईंधन के धूएं या तम्बाकू धूम्रपान करने के लिए जोखिम के साथ श्वसन लक्षणों के क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक मूल्यांकन।

•सीओपीडी के रोगियों में ब्रोन्किइक्टेसिस का उद्भव और प्रभाव।

• एलर्जी राइनिटिस, क्रोनिक रिनोसाइनासिस और नाक के पॉलीपोसिस के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता के साथ सीरम विटामिन डी का स्तर का सहयोग।

• सीओपीडी के साथ रोगियों में श्वासनलिकाविस्फार की घटनाः धूम्रपान करने वालों और कभी धूम्रपान न करने वालों और इन रोगियों में जीवन की गुणवत्ता के साथ ऊपरी वायु मार्ग के लक्षणों का संयोजन।

• उत्तर भारत से बच्चों के लिए स्पिरोमेट्री के भविष्यवाणी के समीकरण।
• क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के तीव्र प्रकोप में परिणामों का निर्धारण करने वाले कारक।
• स्पिरोमेट्री व्याख्या पर भारतीय समीकरणों का प्रभाव।
• उत्तर भारतीयों के लिए फेफड़ों के फैलने की क्षमता (स्थानांतरण कारक) के लिए भविष्यवाणी समीकरण।
• अंदर के वायु प्रदूषण और दिल्ली, भारत में बच्चों में अस्थमा।
• दमा और एलर्जी युक्त राइनिटिस के साथ रोगियों में चमड़े के नीचे एलार्जेन विशिष्ट प्रतिरक्षा करने की भड़काऊ प्रतिक्रिया।
• उत्तरी दिल्ली क्षेत्र में वायुमंडलीय पराग की गिनती।
• एक तुलनात्मक दमा और एलर्जी युक्त राइनिटिस के साथ भारतीय मरीजों में सीरम विशिष्ट आईजीई मापन बनाम त्वचा चुभन परीक्षण का अध्ययन।
• अस्थमा में कबूतर एलर्जी के लिए अतिसंवेदनशीलता।
• गैर–मोटे और मोटापे से ग्रस्त ब्रोन्कियल अस्थमा के रोगियों में उत्सर्जित नाइट्रिक ऑक्साइड और एटोपिक स्थिति का सहसंबंध।
• दिल्ली–एनसीआर के ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों के श्वसन स्वास्थ्य पर पर्यावरण के तम्बाकू के धुएं के जोखिम के प्रभाव को मापना।

• सामाजिक आर्थिक स्थिति का संयोजन और दिल्ली–एनसीआर के ग्रामीण क्षेत्र में घर के अंदर के वायु प्रदूषण स्तर का बच्चों के श्वसन तंत्र पर प्रभाव।
• उत्तरी दिल्ली क्षेत्र में बीच पराग की संख्या और रोगियों के अस्पताल के दौरों में संबंध
• भारत में जीवन कारक और अस्थमा – एक मामला नियंत्रण अध्ययन।
• क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर फेफड़े के पुनर्वास के साथ एन–एसिटाइलसिस्टीन की भूमिका का आकलन करने के लिए एक परिप्रेक्ष्य अध्ययन।
• मध्यम और गंभीर अस्थमा के अस्थमा रोगियों में फेफड़े के पुनर्वास बनाम अवसादरोधी दवाओं की भूमिका में अवसाद का संयोजन।
• दमा और क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के रोगियों के बीच अस्थमा–सीओपीडी ओवरलैप सिंड्रोम को चिह्नित करने के लिए पार अनुभागीय अध्ययन।
•रोग की गंभीरता और क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता के साथ लोहे की कमी के सहयोग का मूल्यांकन करने के लिए एक पार अनुभागीय अध्ययन।

अनुसंधान परियोजनाएं

विभाग में निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईः

"क्रोनिक अवरोधी फेफड़े की बीमारी से संबंधित बहुरूपताओं का जेनेटिक एसोसिएशन अध्ययन और उत्तर भारतीय जनसंख्या में इसके उपायरू सीओपीडी जेनेटिक्स कंसोर्टियम"

"पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, आम वायु अलर्जेन और खाद्य के लिए त्वचा परीक्षण की तुलना"

एलार्जेनः मोटे और गैर मोटापे से ग्रस्त ब्रोन्कियल अस्थमा के रोगियों में एक भड़काऊ मार्कर"

"घर के अंदर के वायु प्रदूषण और बच्चों में अस्थमा का प्रकोपः एक जनसंख्या आधारित अध्ययन"

अंतर संस्थागत सहयोग

अस्थमा के प्रकोप पर वायु प्रदूषण और मौसम परिवर्तन का प्रभावः एक सामूहिक अध्ययन (चिकित्सा विज्ञान और वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट का यूनिवर्सिटी कॉलेज)

प्रकाशन

के अग्रवाल, एस एन गौर और ए चौधरी (2015). क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के रोगियों में नैदानिक प्रस्तुति में फंगल संवेदीकरण की भूमिका। माइकोसेस, 58(9), 531द535.

एस के छाबड़ा, एम गुप्ता, एस रामास्वामी, डी जे दास, वी बंसल और के के दीपक, (2014). कार्डियाक सहानुभूति वर्चस्व और सीओपीडी में प्रणालीगत सूजन। सीओपीडीरू क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज की पत्रिका, 12(5), 552–559.

टी गर्ग, के गेरा और ए शाह (2015). मध्य पालि सिंड्रोमरू एंडोब्रोंकायल तपेदिक की एक असाधारण प्रस्तुति। न्युमोनोलोगिया आई एलर्गोलोगिया पोल्स्का, 83(5), 387–391.

के गेरा, आर रोशन, एम वर्मा– बेजिल और ए शाह (2015). जीर्ण क्लेबसिएला ऑक्सीटोका तपेदिक के नकली उतार के कारण जटिल निमोनिया। न्युमोनोलोगिया आई एलर्गोलोगिया पोल्स्का, 83(5), 383–386.

सी ग्रोवर, एन गोयल, सी आर्मर, पी वान एस्पेरेन, एस गौर, आर मोल्स और बी सैनी, (2016). अस्थमा ग्रस्त भारतीय बच्चों के लिए दवा शिक्षा कार्यक्रमः एक व्यवहार्यता संवर्धन। नैदानिक अभ्यास की नाइजीरियाई पत्रिका, 19(1), 76–84.

सी गोयल, एस न गौर, जी भाटी और एन अरोड़ा, (2015). डीसी टाइप 2 ध्रुवीकरण 10 की प्रति व्यक्ति और प्रोटीज गतिविधि की एलर्जी दोनों की स्थिति पर निर्भर करता है। प्रतिरक्षा जीव विज्ञान 220(10), 1113–1121.

सी गोयल, एन कालरा, बी एस द्वारकानाथ, एस न गौर और एन अरोड़ा (2015). प्रति एक 10 प्रोटीज गतिविधि प्रति परमाणु कारक–केएपीपीएबी मार्ग से वृक्ष के समान कोशिका की सतह पर सीडी40 अभिव्यक्ति को परिवर्तित करती है। क्लीनिकल एवं एक्सपेरिमेंटल इम्यूनोलॉजी, 180(2), 341–351.

पी गुप्ता, डी दास, आर मित्तल और एस के छाबड़ा (2015). धूम्रपान न करने वाली महिला मरीज में संयुक्त फेफड़े फाइब्रोसिस और वातस्फीति सिंड्रोम की अनुक्रमिक घटना। नैदानिक श्वसन पत्रिका। जारी करने की तारीख:10-1111/crj-12339.

एम इमरान, ए कोटवानी और एस छाबड़ा (2015). टियोट्रोपियम के लिए β 2 एगोनिस्ट लंबे अभिनय के युग्मरू मध्यम सीओपीडी पुरुष रोगियों में एक यादृच्छिक, दोहरा अंधा, प्लेसबो– नियंत्रित, सक्रिय दवा नियंत्रित, समानांतर डिजाइन शैक्षणिक चिकित्सीय परीक्षण। फार्मेसी प्रैक्टिस के अभिलेखागार, 6(2), 19–23.

एम इमरान, एस छाबड़ा और ए कोटवानी (2015). सीओपीडी रोगियों में टियोट्रोपियम और फार्मोटेरॉल के तीन आहार का एक तीव्र चिकित्सकीय मूल्यांकनः एक यादृच्छिक, दोहरा अंधा, प्लेसबो– नियंत्रित नैदानिक अध्ययन। चिकित्सा और मेडिकल रिसर्च की ब्रिटिश पत्रिका, 6(11), 1069दृ1077.

आर कुमार और एम सिंह (2015). चिड़ियों के शौकीनों के फेफड़ेः 15 मामलों में क्लिनिकल–रेडियोलॉजिकल प्रस्तुति। न्युमोनोलोगिया आई एलर्गोलोगिया पोल्स्का, 83(1), 39दृ44.

आर कुमार, एम एन पूनगदम और एम सिंह (2015). एलर्जी ब्रोंकोपल्मनरी एसपरगिलोसीस लोबार या कुल फेफड़ों के पतन के रूप में पेश किया। न्युमोनोलोगिया आई एलर्गोलोगिया पोल्स्का, 83, 144–150

आर कुमार, जे के नागर, एन गोयल, पी कुमार, ए एस कुशवाहा और एस एन गौड़ (2015). घर के अंदर वायु प्रदूषण और दिल्ली, भारत में बच्चों में अस्थमा। न्युमोनोलोगिया आई एलर्गोलोगिया पोल्स्का,83(4), 275–282.

एस कुणाल, वी पिलानिया और ए शाह (2016). मध्य फेफड़ों की बीमारी के साथ ब्रोन्कियल एंथ्राकोफाइब्रोसिसरू एक संघ जिस पर अभी तक प्रकाश नहीं डाला गया है। बीएमजे मामले की रिपोर्ट। जारी करने की तारीख:10-1136/bcr/2015/213940.

एस कुणाल, वी पिलानिया और ए शाह (2016). मध्य पालि सिंड्रोमरू जटिल फेफड़े जलस्फोट रोग की एक अकेली दुर्लभ प्रस्तुति। बीएमजे मामले की रिपोर्ट। जारी करने की तारीख:10-1136/bcr/2016/214670.

एस कुणाल, वी पिलानिया, एस जैन और ए शाह (2016). "क्रेजी–पेविंग" पैटर्नः क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के साथ जुड़े अज्ञातोत्पन्न आयोजन निमोनिया के एक असाधारण प्रस्तुति। बीएमजे मामले की रिपोर्ट। जारी करने की तारीख:10-1136/bcr/2016/215445.

ए मलिक, सी कौर, बी मेनन, एम वाई डार और एच वर्धन (2015). ऐन्टीट्रिप्सिन की कमी के बिना मध्यम सीओपीडी में प्रोटीज–एंटीप्रोटीज असंतुलन का मूल्यांकन।यूरोपियन रेस्पिरेटरी की पत्रिका, 46(पूरक 59),पीए3619. जारी करने की तारीख:10-1183/13993003-dkaxzsl/2015-pa3619

बी मेनन, सी कौर, एच वर्धन और एम यूसुफ डार (2016). एलर्जी युक्त राइनिटीस में विटामिन डी पूरकता का प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। अनुसंधान 3,. जारी करने की तारीख:10-13070/rs.en.3.1501.

बी मेनन, सी कौर, एच वर्धन और एम यूसुफ डार (2016). एलर्जी युक्त राइनिटीस में विटामिन डी पूरकता का प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण।। अनुसंधान 3,.जारी करने की तारीख:10-13070/rs.en.3.1501.

ई मीर, आर सरीन, आर कुलश्रेष्ठ और ए शाह, (2015). दो साल के लिए एक "गैर–समाधन योग्य समेकन" के रूप में पेश ब्रांकियोलोवाल्वर सेल कार्सिनोमा। न्युमोनोलोगिया आई एलर्गोलोगिया पोल्स्का, 83, 208–211.

जी नीमा, बी मेनन और एस झा (2015). अस्थमा में विटामिन डी का मूल्यांकनरू भड़काऊ मार्करों और नैदानिक प्रोफाइल पर इसका प्रभावः तालिका 1. यूरोपीय श्वसन पत्रिका, 46(पूरक 59), PA3959- जारी करने की तारीख:10-1183/13993003-congress/2015-pa3959.

वी पिलानिया, के गेरा, आर गोठी और ए शाह (2015). एक पहले से स्वस्थ व्यक्ति में प्रदूषित गंदे पानी में व्यावसायिक अनावरण के बाद शीघ्र ही तीव्र आक्रामक फेफड़े का एस्परगिलोसिस, जर्नल ब्रेसिलेरियो डी न्यूमोलोगिया, 41(5), 473–477.

वी पिलानिया, (2016). छवि निदानः उच्च संकल्प गणना टोमोग्राफी पर एकतरफा "क्रेजी–पेविंग" पैटर्न के रूप में पेश ब्रांकियोलोवाल्वर सेल कार्सिनोमा। द परमानेंट जर्नल. जारी करने की तारीख:10-7812/tpp/15/102.

वी पिलानिया, के गेरा, एस कुणाल और ए शाह (2016). मेटास्टेटिक फेफड़ों की बीमारी के रूप में फेफड़ों की तपेदिक। यूरोपीय श्वसन पत्रिका, 25(139), 97–98.

एम एन पूंगादन, एन गुप्ता और आर कुमार (2016). भारत में जीवन शैली कारकों और अस्थमा–एक मामला नियंत्रण अध्ययन। न्युमोनोलोगिया आई एलर्गोलोगिया पोल्स्का, 84(2), 104–108.

एस सहाय, के गेरा, एस के भार्गव और ए शाह (2016). अस्थमा और /या एलर्जी रिनिटिस के साथ रोगियों में साइनसाइटिस की घटना और प्रभाव। अस्थमा की पत्रिका, 53(6), 635–643.

ए शाह, के गेरा और सी पंजाबी (2016). एक मध्यम पालि सिंड्रोम के रूप में पेश बचपन एलर्जी ब्रोंकोपल्मनरी एस्परगिलोसिस। एशिया प्रशांत एलर्जी, 6(1), 67–69.

ए शाह और सी पंजाबी (2016). एलर्जी ब्रोंकोपल्मनरी एस्परगिलोसिसः एक हैरान करनेवाला नैदानिक इकाई। एलर्जी, दमा और इम्यूनोलॉजी अनुसंधान, 8(4), 282–297.

पी शर्मा, एस एन गौर, एन गोयल और एन अरोड़ा (2015). इन विट्रो और इन विवो तरीकों में ओस्मोट इंडेमोनस्ट्रेट हाईपोलरजेनीसिटी के इंजीनियर हाईपोलरजेनीक वेरिएंट। आण्विक इम्यूनोलॉजी, 64(1), 46–54.

पी शर्मा, एस एन गौर और एन अरोड़ा (2014). बी सेल एपिटोपों के साथ इम्यूनोथेरेपी बाल्ब/सी चूहों में एमिलिअरेट्स की भड़काऊ प्रतिक्रियाएं। क्लीनिकल एवं एक्सपेरिमेंटल इम्यूनोलॉजी, 179(1), 128दृ136.

एस छाबड़ा, (2015). अस्थमा में स्पिरोमेट्री का नैदानिक आवेदनः क्यों, कब और कितनी बार? लंग इंडिया, 32(6), 635–638.

एस के छाबड़ा (2015). स्पिरोमेट्री की व्याख्याः मूल्यों की भविष्यवाणी का चयन और परिभाषित विषमता। छाती के रोग व संबंधित विज्ञान की भारतीय पत्रिका., 57, 91–105.

टी गर्ग के गेरा, एन मोदी और ए शाह (2015) फेफड़े के तपेदिक के साथ जुड़े इंट्राथोरेसिकगोइटर। तपेदिक की भारतीय पत्रिका., 62, 117–120.

एस एन गौड़ (2015). साक्ष्य आधारित एलर्जी – अत्याधुनिक आईसीएआईसीओएन 2015 में।

एस गौड़ और जी भाटी (2015). दमा और क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग का ओवरलैप सिंड्रोमरू एनिग्मा की डिकोडिंग। एलर्जी, दमा और इम्यूनोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 29(1), 1–2.

एस एन गौड़ (2015). भारत में एलर्जी प्रतिरक्षा चिकित्सा के अभ्यास के लिए दिशानिर्देश। राज कुमार में, सं. सांस की एलजीः निदान और प्रबंधन, नीलम ग्राफिक्स, नई दिल्ली,283–319.

एस एन गौड़ और जी भाटी (2015). धूएं में साँस लेने के बाद विषाक्त श्वासनलिकाशोथ भारत के फेफड़े क्लीनिक में (अध्याय), सं. पी एस शंकर, श्वसन चिकित्सा के अकादमी के इतिहास द्वारा प्रकाशित,186–188.

पी गुप्ता, वी डोगरा, एन गोयल, ए चौधरी आर प्रसाद, और एस एन गौड़ (2015). फेफड़े के मास का एक असामान्य कारणः किरणकवकमयता। छाती के रोग व संबंधित विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 57, 177–179.

एम खन्ना, एल सक्सेना, एस गुप्ता और एस एन गौड़ (2015). सीओपीडी में एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक के रूप में श्वसन तंत्र के संक्रमण पर ध्यान। इनसाइट्स एलर्जी अस्थमा ब्रोंकाइटिस, 1(2:8), 1–3.

ए कोटवानी, एस कुमार, पी स्वेन, जे सूरी और एस गौड़ (अस्पताल में भर्ती रोगियों में समुदाय अधिग्रहित निमोनिया के लिए रोगाणुरोधी दवा लिखने पैटर्नः नई दिल्ली, भारत से एक पूर्वव्यापी प्रायोगिक अध्ययन।, औषध विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 47(4), 375–382.

आर कुमार, एन गुप्ता, और आई बिष्ट, (2015). चमड़े के नीचे एलर्चेन की भड़काऊ प्रतिक्रिया – दमा और एलर्जी रिनिटिस के रोगियों में विशिष्ट प्रतिरक्षा। एलर्जी, दमा और इम्यूनोलॉजी भारतीय पत्रिका, 29(1), 7–13.

आर कुमार, एम कुमार, के रॉबिन्सन, पी शाह, आई बिष्ट और एन गुप्ता (2015). उत्तरी दिल्ली क्षेत्र में वायुमंडलीय पराग की गिनती। एलर्जी, दमा और इम्यूनोलॉजी भारतीय पत्रिका,29(1), 32–39.

आर कुमार, एन गुप्ता, जे कानुगा और एम कानुगा (2015). दमा और एलर्जी युक्त रिनिटिस के साथ भारतीय मरीजों में त्वचा चुभन परीक्षण एक तुलनात्मक सीरम विशिष्ट आईजीई मापन बनाम का अध्ययन। एलर्जी, दमा और इम्यूनोलॉजी भारतीय पत्रिका, 57, 81–85.

आर कुमार, के सिंह, जे के नागर, एम कुमार, यू.के मेहता, जी राय और एन गुप्ता (2015). खाना बनाने के स्थान में प्रदूषण का स्तर और दिल्ली–एनसीआर के एक ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं में श्वसन लक्षण के साथ इसका संयोजन। छाती के रोग व संबंधित विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 57, 225–231.

ए शाह, एस कुणाल, के गेरा, वी पिलानिया, एस जैन और आर गोठी (2016). "क्रेजी–पेविंग" पैटनर्रू फेफड़े के वायुकोशीय प्रोटीनोसीस की एक विशेषता प्रस्तुति और भारत से साहित्य की समीक्षा। लंग इंडिया, 33(3), 335–342.

जी नीमा, वी डोगरा, एस झा और बी मेनन (2015). फेफड़े, फुफ्फुस और मीडियास्टीनल तपेदिक के नए मामलों में उपचार पूरा होने के बाद रेडियोलॉजिकल सिक्वेल का मूल्यांकन। लंग इंडिया, 32(3), 241–245.

ए मिश्रा, एस एन गौर, एस लवासा और एन अरोड़ा (2015). सुविधाओं और संभावित आईजीई बाध्यकारी क्षेत्रों के स्थानीयकरण के इन विट्रो आकलन में। खाद्य और रासायनिक विष विज्ञान,84, 18–187.

ए गुप्ता और ए शाह (2011). ब्रोन्कियल एंथ्राकोफाइब्रोसीसरू बायोमास ईंधन जोखिम के कारण उभरता फेफड़े का एक रोगख्समीक्षा लेख,। क्षय रोग और फेफड़ों के रोग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 15(5), 602–612.

एम सिंह और आर कुमार (2015). ट्रेकेओमेलॉजी ग्रस्त एक 54–वर्षीय व्यक्ति में सांस की नली डायवर्टीक्लस और ब्रोन्किइक्टेसिस – मॉनिअर–कुहन सिंड्रोम। एलर्जी, अस्थमा, प्रतिरक्षा की भारतीय पत्रिका., 57, 113–115.

रेडियोलॉजी (यूसीएमएस)

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. एल उप्रेती

- वे आईआरआई के दिल्ली राज्य अध्याय द्वारा राष्ट्रीय नेता पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे।
- रेडियोलॉजी और इमेजिंग की भारतीय पत्रिका जनवरी 2016–दिसंबर, 2016 के संयुक्त संपादक।
- फरवरी 2016 से फरवरी 2017 तक दिल्ली राज्य अध्याय के भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित ।
- फरवरी 2016 में आईआरआईए के दिल्ली राज्य अध्याय से शैक्षणिक संवर्धन पुरस्कार से सम्मानित

प्रकाशन

वी राठी, एस कुमार और ए टंडन (2015). वातिलवक्ष के निदान में छाती की सोनोग्राफी। छाती के रोग और संबद्ध विज्ञान की भारतीय पत्रिका,57, 7–11.

डी बंसल (2015). इंट्रापरेचिमल एंजिओमाटस मस्तिष्कावरणार्बुद / एक नैदानिक दुविधा। क्लीनिकल एवं डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च की पत्रिका।जारी करने की तारीखः10-7860/jcdr/2015/15950-6602

वी बत्रा, एम अग्रवाल, के मजूमदार, एल उप्रेती और डी सिंह (2015). व्यापक ओस्टेलिटिक खोपड़ी आधार एमीलोइडोमा अनुकरण द्रोहरू एक दुर्लभ नैदानिक दुविधा उत्पादन स्युडोट्युमर। कैंसर रिसर्च और चिकित्सा विज्ञान की पत्रिका, 11(3), 646. जारी करने की तारीखः10.4103 / 0973–1482. 137999

एन गुप्ता (2015). भ्रूण के निष्कासन के साथ सहज गर्भाशय भंगः अल्ट्रासोनोग्राफिक निदान। मामले की रिपोर्टों की पत्रिका। जारी करने की तारीखः10.17659 / 01.2015.0076

बी मिश्रा (2016). मेटास्टेटिक जिगर मास के रूप में पेश अच्छी तरह विभेदित थायराइड का पैपिलरी कार्सिनोमा। कान नाक और गले के तुर्की पत्रिका, 26(2), 109–113. जारी करने की तारीखः10-5606/kbbihtisas-2016-80090

एस सिरोही, ए टंडन और ए के श्रीवास्तव, (2015). γएच2एएक्स का एक बायोमार्कर के रूप में उपयोग करते हुए डीएनए पर नैदानिक विकिरण जोखिम के प्रभाव। बायोमेडिकल रिपोर्ट की पत्रिका, 2, 49.

एल उप्रेती और एन गुप्ता (2015). बच्चों में बाहरी शरीर प्रेरणा के निदान के लिए इमेजिंग? भारतीय बाल चिकित्सा,52(8), 659–660.

एल उप्रेती और एन गुप्ता (2015इ). बच्चों में विदेश के निदान शारीरिक आकांक्षा के लिए इमेजिंग। भारतीय बाल रोग,52, 659–660.

एल उप्रेती, एस पुरी, ए वर्मा और एस सेठी, (2015). पित्ताशय वाहिनी के कोलेडोकल पुटीरू तीन मामलों में इमेजिंग निष्कर्षों की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। रेडियोलॉजी और इमेजिंग की भारतीय पत्रिका, 25(3), 315. जारी करने की तारीखः10.4103/0971–3026.161468

अनुसंधान परियोजना

डॉ. अनुपमा टंडन, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) शीर्षक "एमडीसीटी के दौर से गुजर रहे रोगियों के विकिरण जोखिम के लिए एक बायोमार्कर के रूप में ल्युकोसैट डीएनए की क्षति" रु. 5 लाख।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. एल उप्रेती

- 21–24 जनवरी, 2016 को भुवनेश्वर में भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के 69 वें वार्षिक कांग्रेस में अतिथि संकाय, रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने "पेट की आपात स्थिति में अल्ट्रासाउंड" पर व्याख्यान दिया।
- 25 जुलाई 2015 नई दिल्ली में आयोजित केएसआर आईआरआईए मित्रता संगोष्ठी में छोटी आंत में ट्यूमर की इमेजिंग पर एक व्याख्यान दिया।
- 30 मई, 2015 को आईआरआईए के दिल्ली राज्य अध्याय द्वारा आयोजित रीढ़ इमेजिंग के सीएमई पर कार्नियोवर्टेब्ल जंक्शन की इमेजिंग पर एक व्याख्यान दिया।
- 17 से 19 अप्रैल 2015 को नई दिल्ली में आईआरआईए निवासियों के शिक्षा कार्यक्रम पर आयोजित पर छोटी आंत में ट्यूमर के लिए दृष्टिकोण पर एक व्याख्यान दिया ।

डॉ. शुचि भट्ट

- जेआईपीएमईआर, नई दिल्ली में दिल्ली इमेजिंग अद्यतन–2015 में फेफड़ों के ट्यूमर में इमेजिंग पर एक व्याख्यान दिया।
- आईआरआईए–डीएससीआई, दिल्ली, दिल्ली राज्य अध्याय द्वारा आयोजित कैंसर विज्ञान इमेजिंग और उपायों पर अद्यतन में गुर्दे ट्यूमर की इमेजिंग पर एक व्याख्यान दिया।
- बाल चिकित्सा की भारतीय सोसायटी द्वारा लखनऊ में आयोजित रेडियोलॉजी के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में फेफड़ों की जन्मजात विकृतियों पर एक व्याख्यान दिया।
- ब्रेस्टकॉन–2015 एसएचकेएम सरकार मेडिकल कॉलेज, मेवात, हरियाणा में इमेजिंग स्तन कैंसर पर एक व्याख्यान दिया
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान –2016, दिल्ली इमेजिंग अद्यतन में फुस्फुस की इमेजिंग पर एक व्याख्यान दिया

डॉ. अनुपमा टंडन

- अक्टूबर, 2015 को द्वारका नई दिल्ली, भारत में अंतर्राष्ट्रीय मस्कुलोस्कैलेटल अल्ट्रासाउंड सम्मेलन के लिए कार्यशाला में समर्थक संकाय के रूप में।
- कोच्चि में पोस्टर प्रस्तुति में आईआरआईए के 68 वें वार्षिक सम्मेलन में सह लेखक।
- 27 फरवरी 2015 को दिल्ली इमेजिंग अद्यतन (दीव) 2015– पूर्व सम्मेलन कार्यशाला में आमंत्रित संकाय।
- 22 और 23 अगस्त, 2015 को एनएआरसीएचआई दिल्ली शाखा के 22 वें वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित संकाय।
- 12 जुलाई 2015 को आईआरआईए दिल्ली की मस्क्युलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड कार्यशाला में आमंत्रित संकाय।
- 17–19 अप्रैल, 2015 के दौरान द्वारका नई दिल्ली में – आईआरआईए निवासी शिक्षा कार्यक्रम में आमंत्रित संकाय ।

डॉ. नताशा गुप्ता

- जनवरी 2016 को भुवनेश्वर, ओडिशा में आआरआईए की बाल चिकित्सा सीटी के 69 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में खुराक में कमी।
- 11.02.2016 से 14.02.2016 के दौरान जयपुर, राजस्थान में बच्चों में सैनिक विसंगतियों की इमेजिंग, पर बाल चिकित्सा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेप्टोबिलियरी, प्रत्यारोपण और पोषण–2016 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

• फरवरी 2016 में दिल्ली में दिल्ली इमेजिंग अद्यतन, 2016 में फिल्म पढ़ने का सत्र स्पॉट।

एम सार्थक स्वरूप, एल उप्रेती, एन गुप्ता, एस अग्रवाल, पी सिहाग, पी श्रीवास्तव, जनवरी 21– 24 जनवरी, 2015 के दौरान भुवनेश्वर में "जन्मजात क्रेनियो कशेरुका जंक्शन विसंगतियाँः एक सचित्र समीक्षा" भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के 69 वें राष्ट्रीय सम्मेलन।

नेहा मीणा, एल उप्रेती, एन गुप्ता, एस भट्ट, ए टंडन, एम एस स्वरूप, "जनवरी 21– 24 जनवरी, 2015 को भुवनेश्वर भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के 69 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पीएनएस मासेजः एक सचित्र समीक्षा"

एम सार्थक स्वरूप, एल उप्रेती, वी राठी, एन गुप्ता, दीपिका, पी श्रीवास्तव, एन मीणा, 21– 24 जनवरी, 2015 को भुवनेश्वर में भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के 69 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "असामान्य कर्णमूलीय घावः एक सचित्र समीक्षा" ।

वल्लभ भाई पटेल वक्ष संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक गतिविधियों में मुख्य रूप से स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रम अर्थात् पल्मोनरी मेडिसिन में डीएम, एमडी और पीएचडी शिक्षणध्प्रशिक्षण आयोजित करना शामिल था। संस्थान व्याख्यान, अनुसंधान, सीएमईएस, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों आदि के आयोजन में शामिल रहता है।
कुछ प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं– सीओपीडी के रोगियों में श्वासनलिकाविस्फार की घटना और प्रभाव, ऊपरी वायु–मार्ग लक्षण और कभी धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में जीवन की गुणवत्ता, घर के अंदर वायु प्रदूषण और बच्चों में अस्थमा, दिल्ली–एनसीआर के श्वसन स्वास्थ्य पर ग्रामीण बच्चों में पर्यावरण तम्बाकू धूम्रपान जोखिम का प्रभाव, ब्लेयोमाइसीन प्रेरित फेफड़ों के फाइब्रोसिस के विकास में सहज प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया तंत्र की भूमिका, सीआरटाएएसई प्रेरित फेफड़ों के कैंसरजनन में जीन की अभिव्यक्ति प्रोफाइल विभिन्न पोलीफिनायलों और उनके सिंथेटिक एनालॉग का उपयोग करने में अभिनव तंत्र द्वारा एसिटिलीकरण के माध्यम से एपिजेनेटिक मॉड्यूलन प्रेरित, एंटी ऑक्सीडेंट का सेवन उनकी फैटिकेबिलिटी और थकान से वसूली के लिए अवधि को कम करने और चूहों में फैटिगेबल फाइबर तेज करने के लिए धीमी गति से थकान प्रतिरोधी मांसपेशी फाइबर के रूपांतरण को रोकने के द्वारा पुरानी रुक–रुक कर हाइपोक्सिया के दौरान ऊपरी वायुमार्ग में जेनीयोहाइड मांसपेशियों की विफलता रोकना, एलर्जी की स्थिति में विटामिन डी की स्थिति, बायोमास ईंधन के धुएं में ब्रोन्कियल एंथ्रोकोफाइब्रोसिस, बच्चों में स्पिरोमेट्री के लिए भविष्यवाणी समीकरण, अस्थमा और रिनिटीस, एसपीटी और विशिष्ट आईजीई कबूतर अतिसंवेदनशीलता, वायुमंडलीय पराग गिनती में एससीआटी की भड़काऊ प्रतिक्रिया, अस्थमा में जीवन शैली कारक, पैरावेंट्रीक्युलर में हाइपोथेलेमस के नाभिक प्रदर्शन, फेफड़े, गुर्दे की पलटी खरगोशों में एक ग्लूटामेटरगिक मार्ग के माध्यम से मध्यस्थता बहुदवा में एंटीबायोटिक प्रतिरोध तंत्र प्रतिरोधी बैक्टीरियल रोगजनकों, दवा प्रतिरोध रूपरेखा और आणविक लक्षण वर्णन और एम तपेदिक की टाइपिंग आइसोलेट्स, तपका एम तपेदिक में एथेमब्युटोल प्रतिरोध, नाइट्रिक ऑक्साइड की भूमिका (सं.) और कोई मध्यस्थता संकेत देकर रास्ते में नियमन में पंप तनाव चूहों में प्रतिरक्षा परिवर्तन आदि।
संस्थान से जुड़े विश्वनाथन छाती अस्पताल (वीसीएच) में नैदानिक विशेषज्ञता, ओपीडी के साथ निदान और इलाज की सुविधा, इंडोर वार्ड, श्वसन इंटेंसिव केयर यूनिट, एलर्जी क्लिनिक, नींद की प्रयोगशाला, सांस की एलर्जी, अस्थमा के नेशनल सेंटर और एक तृतीयक देखभाल चेस्ट हॉस्पिटल उपलब्ध कराने, इम्यूनोलॉजी, तम्बाकू नशा उन्मूलन क्लिनिक, कार्डियो–फेफड़े का पुनर्वास क्लीनिक, योग चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र और 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं आदि चलाई जाती हैं।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ अनुराधा चौधरीः

• सितंबर 2015 से पैथोलॉजिस्टों के रॉयल कॉलेज (एफआरसीपाथ), लंदन, यूनाइटेड किंगडम के निर्वाचित फैलो हैं।

• 3–5 मार्च, 2016 के दौरान मैनचेस्टर ब्रिटेन में आयोजित एसपरगिलोसिस के खिलाफ प्रगति पर सातदें सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए प्रमाण पत्र प्रदान दिया गया।

प्रकाशन (चयनित)

कुलः 84

के राज, के एन जितेंद्र, जी नितिन, के पवन, एस के अलका और एन जी शैलेंद्र (2015). दिल्ली, भारत में इंडोर वायु प्रदूषण और बच्चों में अस्थमा, न्यूमोनोल एलर्जोल पोल, 83, 275–282.

एस के छाबड़ा, एम गुप्ता, एस रामास्वामी, डी.जे दास, वी बंसल और के के दीपक (2015). सीओपीडी में कार्डियाक सहानुभूति वर्चस्व और सीओपीडी में प्रणालीगत सूजन, 12, 552–9.

बी मेनन, वाई डार, टी गर्ग, एच भाटिया और सी कौर (2015). एलर्जी रिनिटिस में विटामिन डी पूरकता का प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण (एबीएसटी), ईयूआर रेस्पर पत्रिका, 46 (59), 271.

आर विश्वजीत, आर मुजीब, बी नीतू, एस अंजू, एस करुणा और अजित। (2015). एरलिच जलोदर ट्यूमर चूहे मॉडल में पोलीफेनोलिक एसीटेट और कैलरेटिक्यूलीन प्रेरित हाइपरएक्टीलेशन एपीजेनेटिक मॉड्यूलेशन के माध्यम से एपोप्टोसिस की भूमिका, मेडिकल साइंसेज की पत्रिका एशियाई, 7, 13–20.

एस मालिनी और जी जयंती (2016). पलमोनरी नोक्रेडॉयसिसःमामलों का एक अद्यतन और समीक्षा। कनाडा की श्वसन पत्रिका http://du.doi.org/10-1155/2016/7494202.

बी एम वर्मा और आर प्रसाद (2015). टिप्पणीः माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की एथिओनामाइड संवेदनशीलता परीक्षण के साथ दुविधाएंः विज्ञानियों और चिकित्सकों का एक सपना, चिकित्सा अनुसंधान की पत्रिका. 142(5), 512–514.

ए चौधरी, पी के सिंह, एस के कथूरिया और जे एफ मेइस(2015). म्यूकोरलों की चिह्नित प्रजातियों पर मोलीक्यूलरली के खिलाफ इसावुकोनाजोल, पोसाकोनाजोल और एम्फोटेरिसीन के लिए रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण पर यूरोपीय समिति का ब्रॉथ माइक्रोडिल्यूशन तरीका और नैदानिक और प्रयोगशाला मानक संस्थान की तुलना, एंटीमाइक्रोब एजेंट चेमोथर, 59, 7882–7887.

ए चौधरी, एफ हेगन, आई कुर्फ्स–ब्रियुकर, एच मैड्रिड, जी एस हूग और जे एफ मेइस (2015). एक्सरोहिलम के जीनोटाइप वियोजन के एक वैश्विक संग्रह के खिलाफ आठ रोधी दवाओं की विरोधी गतिविधि में, एंटीमाइक्रोब एजेंट चेमोथर, 59, 1–4.

ए चौधरी, सी शर्मा, एस कथूरिया, एफ हेगन और जे एफ मेइस (2015). दिल्ली में एक रेफरल अस्पताल में छाती के एसपरगिलुस फ्युमिगेटस में ट्रायोजोल प्रतिरोध की व्यवस्था का प्रसार और तंत्र, भारत और एशिया की स्थिति के एक अद्यतन, फ्रंट माइक्रोबायल, 6, 1–10.

के गुलाटी, ए चक्रवर्ती और ए राय (2015). तनाव प्रेरित गैस्ट्रिक अल्सर गठन में लिंग आधारित अंतर और नाइट्रिक ऑक्साइड से इनका विनियमन (एनओ)ः एक प्रायोगिक अध्ययन, वर्तमान फार्मा डिजाइन, 21, 3395–3401.

अनुसंधान परियोजनाएं

विभाग में निम्नलिखित परियोजनाएं पूरी की गईंः

"उत्तर भारतीय जनसंख्या में क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और अपने उपायों से संबंधित बहुरूपताओं का जेनेटिक एसोसिएशन अध्ययनः सीओपीडी जेनेटिक्स कंसोर्टियम"।

"इनडोर वायु प्रदूषण और बच्चों में अस्थमा का प्रसारः एक जनसंख्या आधारित अध्ययन"।

"बहुक्षेत्रीय अनुसंधान परियोजनाः बाह्य मैट्रिक्स की रिमॉडलिंग और फेफड़े के फाइब्रोसिस में मैट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेज की अभिव्यक्ति"।

"सीआरएचआरआई और जीआर जीन बहुरूपता पर एक अध्ययन और उत्तर भारतीय आबादी में अस्थमा में विभिन्न भड़काऊ साइटोकिन्स की अभिव्यक्ति के साथ उनका सह–संबंध"।

"नियमित रूप से पूरक ओ2 प्राप्त आईएलडी रोगियों पर जो परिश्रम पर सुखाए हुए वर्ग द्वारा एक्सर्शनल सांस की कमी में जुक्सटा–फेफड़े केशिका (जे) रिसेप्टर्स की भूमिका की जांच करना"।

"दवा प्रतिरोधी तपेदिक के प्ररूपी और जीनोटाइप संकेतकः क्या एमडीआर और एक्सडीआर टीबी के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली के रूप में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है?"

सम्मेलनों का आयोजन

6 अप्रैल 2015 को सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) "नाइट्रिक ऑक्साइडरू शोध से आवेदन करने के लिए" ।

सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) क्लिनिकल परीक्षण परः 14 मई 2015 को दाइची सैंक्यो भारत विकास और भारतीय दवा सोसायटी के साथ परिप्रेक्ष्य और रुझान सहयोग।

6 जुलाई 2015 को तंबाकू नियंत्रण और सीने के चिकित्सकों के नेशनल कॉलेज (भारत) की सोसायटी के सहयोग से सोने का अध्ययन पर कार्यशाला।

सांस की एलर्जी पर 40 वीं कार्यशालाः निदान और प्रबंधन 23 अक्टूबर 2015 .

अंतर संस्थागत सहयोग

मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग, सेनिसिअस विलहेल्मिना अस्पताल, रैडबाउड विश्वविद्यालय, निजमेजन नीदरलैंड विभाग।

माइकोटिक रोग शाखा, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र, अटलांटा, अमरीका।

भौतिकी एवं संबंधित विज्ञानों का रक्षा संस्थान, डीआरडीओ, तिमारपुर, चिकित्सा विज्ञान का दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विज्ञान केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया

पीएचडी डिग्री से सम्मानित
कुलः 14

पल्मोनरी मेडिसिनः 01
जैव रसायनः 01
फिजियोलॉजीः 02. 01 पुरस्कार के लिए योग्य घोषित
माइक्रोबायोलॉजीः 04
पैथोलॉजीः 01
औषधः 04

संकाय की संख्याः स्थायीः – 18

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

संस्थान में फेफड़े के रोग और संबद्ध विज्ञान के क्षेत्र में 10056 पुस्तकें, जे–23206 बाध्य पत्रिकाओं, 160 सीडी, 517 थीसिस और 13 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के साथ सबसे अच्छे पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय एक स्वतंत्र पहुँच प्रणाली का पालन करता है। लाइब्रेरी आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों से सुसज्जित है और सीएएस (वर्तमान जागरूकता सेवा) और एसडीआई (सूचना के चुनिंदा प्रसार) सेवाओं का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए इंटरनेट ६ ईमेल सेवाएं प्रदान करना जारी है।
पुस्तकालय "लिबएसवाईएस 4.0" सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग करता है, जो एक एकीकृत बहु उपयोगकर्ता पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली है।

अंतर–आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव–रसायन

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

जैव–रसायन विज्ञान विभाग जैव–रसायन विज्ञान में एक एम.एससी. कार्यक्रम और एक पी.एचडी. कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग जैव–प्रौद्योगिकी में एक अंतर्विषयक एम. फिल. पाठ्यक्रम में भी भाग लेता है। विभाग को यूजीसी–एसएपी तथा डीएसटी–पर्स अनुदानों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है। संकाय सदस्य अनुसंधान कार्य में गहनतापूर्वक शामिल रहते हैं, जो "विभिन्न मानव रोगों से लड़ने में आण्विक कार्यनीतियां" की सामान्य विचारधारा को अपने कार्यों के केन्द्र में रखते हैं।

प्रो. पी.सी. घोष प्रयोगशाला ने मोनेनसिन का स्टीरीलैमीन (एसए) उत्पादित लिपोसोमल वितरण विकसित किया है जो कल्चर में प्लासमोडियम फैल्सीपेरम (3डी7) और माइस मॉडल में प्लासमोडियम बेर्गहेई संक्रमण के दमन में स्वतंत्र मोनेनसिन की तुलनात्मक खुराक से अधिक प्रभावी है। अर्टेमिसिनिन के संयोजन में इस सूत्रीकरण ने इन विट्रो और इन वीवो परिस्थिति के अंतर्गत परजीवी विकास को उल्लेखनीय रूप से कम किया। प्रोफेसर विजय चौधरी की प्रयोगशाला ने चिकनगुनिया वायरस (चिकू) संक्रमण के प्रतिरक्षणरसायनी अन्वेषण के लिए रीजेंट्स उत्पादित किए हैं। इसमें रीकॉम्बिनेंट एन्वेलोप ई 1 और ई 2 तथा इन प्रोटीनों के विरुद्ध दर्जनों मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ शामिल हैं। इनमें से अनेक मैब्स को चिकवी से जोड़ने के लिए विशेषता–वर्णित किया गया है। डा. सुमन कुंडू ने पादप होमोग्लोबिन (अरबिडोप्सिस एचबी3) की त्रि–आयामी संरचना को हल करने के लिए सफलता हासिल की है तथा पहली बार प्रोटीन के एन और सी टर्मिनल एपेंडेजेज़ के संभावित कार्य को प्रदर्शित किया है। अलागप्पा विश्वविद्यालय के सहयोग से, वे यह प्रदर्शित करने के लिए एक उपकरण के रूप में प्रोटियोमिक्स का प्रयोग करने में सफल रहे हैं कि किस प्रकार मॉडल जीवाश्म सी. एलीगंस वैक्टीरिया के संक्रमण के विरुद्ध प्रतिक्रिया करते हैं तथा यह अध्ययन मानव में मेजबान – रोगजनक संपर्क को समझने में उपयोगी रहा है। डा. अलोनाग के अनुसंधान ने यह दर्शाया कि किस प्रकार आन्कॉग्निक मानव पैपिलोभावायरस 16 ई 7 Fo x M1b के सूमाइलेशन को मॉड्यूलेट करता है और इस प्रकार Fo x M1b और एचपीवी कार्सिनोजिनेसिस के पोस्ट –

ट्रांसलेशनल मॉडिफिकेशन के बीच अत्यंत महत्वपूर्ण संबंध उपलब्ध कराता है जिसके फलस्वरूप संभावित अभिनव निदान किए जा सकते हैं। इसके अलावा, डा. एलो नाग और डा. कुंडू ने सर्विकल कैंसर के विरुद्ध थेराप्यूटिक्स आधारित नूतन पेप्टाइड के लिए अनंतिम पेटेंट भी संयुक्त रूप से दाखिल किया है जो भारतीय महिलाओं के लिए शीर्षस्थ स्वास्थ्य संबंधी संकट है। डा. अमिता गुप्ता की प्रयोगशाला ने माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में विभिन्न तनाव परिस्थितियों के अंतर्गत टॉक्सिन – एंटीटॉक्सिन के क्रियाकलाप के विनियमन के लिए एक नवीन तंत्र विकसित किया है।

विभाग ने विभिन्न मानव रोगों के प्रति संघर्ष करने के लिए आण्विक कार्यनीतियों के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने के लिए यूजीसी–एसएपी कार्यक्रम का द्वितीय चरण सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। संस्वीकृत वित्त–पोषण की मात्रा 5 वर्ष के लिए 1 करोड़ रुपए से अधिक थी।

सम्मान/विशेष उपलब्धियां

प्रो. पी.सी. घोष ने भारतीय भेषजी विज्ञान जर्नल में भेषजी और नैदानिक भेषजी के क्षेत्र में श्रेष्ठ पत्र को प्रकाशित करने के लिए वर्ष 2013 का प्रो. एम.एल. खुराना स्मारक पुरस्कार 5 जून, 2015 को प्राप्त किया। यह पुरस्कार भारतीय भेषजिक एसोसिएशन द्वारा प्रदान किया गया।
प्रो. देबी पी. सरकार को पांच वर्षों के लिए (2015–2020) दूसरी बार डीएसटी से जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलोशिप प्रदान की गई।
प्रो. देबी पी. सरकार को आईएनएसए फेलो, 2015–2018 के चयन के लिए चयन समिति सं. x (कोशिका और जीव आण्विक विज्ञान) का सदस्य चुना गया।
प्रो. देबी पी. सरकार को सामान्य जीव–विज्ञान, 2016–19 में भारतीय विज्ञान अकादमी (बेंगलूर) फेलोज़ की चयन समिति का सदस्य चुना गया।
प्रो. एलो नाथ को प्रतिभागी कंपनियों के मूल्यांकन के लिए डीबीटी प्रायोजित बायोटेक औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (बीआईटीपी) का विशेष चुना गया।

प्रकाशन

विभाग के संकाय द्वारा 2015–16 के दौरान कुल 22 अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए गए। प्रकाशनों की सूची इस प्रकार हैः

दुधा एन., राणा जे., राजशेखरन एस., गबरानी आर., गुप्ता ए., चौधरी वी.के., गुप्ता एस. (2015). चिकनगुनिया वायरस एन्वेलोप प्रोटीन ई 1 और ई 2 के मेजबान–रोगजनक का पारस्परिक विश्लेषण। वायरस जीन्स। 50(2) : 200–9, डीओआई : 10.1007/एस 11262–014–1161– x.

गुप्ता ई., पचौरी एम., घोष पी.सी. और राजम एम.वी. (2016). आरएनए–आई के माध्यम से पॉलीएमीन बायोसिंथेटिक पाथवे लक्ष्यित करने से एमसीएफ 7 स्तन कैंसर लाइनों का उत्सादन कारित होता है। ट्यूमर बायलॉजी 37(1) : 1159 : 71.

जैसवाल एन., जॉन आर., चांद वी. और नाग ए. (2015). ऑन्क्लोजिक ह्यूमन पैपिलोमेवायरस Fo x M1b के सुमोलेशन को माड्यूलेट करता है। अंतर्राष्ट्रीय जैव–रसायन विज्ञान और कोशिका जीव विज्ञान जर्नल, 58सी, 28–38.

जेबा मर्सी जी., दुर्रे एस., मुरुधुंपाडियन एस, दसौली पी. कुंडू एस. और बालागुरुगन के (2016). प्रोटियस मिराबिलिस संक्रमण के विरुद्ध सीनोरहैब्डीटिज एलेगैंस इम्युनिटी में डीएएफ–2 की भूमिका। जे. प्रोटियोमिक्स 145, 81–90.

झा डी., राजा एम., अदाक टी. और घोष पी.सी. (2016). विभिन्न एंटी मलेरिया औषधियों के उपचार के साथ प्लास्मोडियम फैल्सीपेरम प्रोटियोम में परिवर्तन, जे. प्रोटीन्स प्रोटियोमिक्स 7(1), 1–17.

कुमार ए., आर्य आर., मकवाना पी., डांगी आर. यादव यू., सुरोलिया ए., कुंडू एस., और एन्ड एम. (2015). लेशमेनिया मेजर के होलो–एसिल कैरियर प्रोटीन की संरचना एक अत्यंत भिन्न फास्फोपेंटेथीनाइल ट्रांसफेरेज़ (पीपीटी) बाइंडिंग इंटरफेस प्रदर्शित करती है। जैव–रसायन विज्ञान, 54, 5632–5645.

मुखी एन., धिंडवाल एस., उप्पल एस., कपूर ए., आर्य आर., कुमार पी., कौर जे. और कुंडू एस. (2016). एराबिडोप्सिस ट्रंकेटेड होमोग्लोबिन में एन– और सी–टर्मिनल का संरचनात्मक और कार्यात्मक महत्व। जैव–रसायन विज्ञान 55(12), 1724–1740.

पचौरी एम., गुप्ता ई. और घोष पी.सी. (2015). पाइपेरिन लोडेड पीईजी–पीएलजीए नैनोपार्टिकल्स : एडजुवेंट ब्रेस्ट कैंसर कीमोथेरेपी के लिए तैयार करना, विशेषता वर्णन और लक्षित वितरण। जे ड्रग डिलीवरी साइंस टेक्नोल, 29 : 269–282.

पल्लवी एस., अनूप के., शौकत एच., एलो एन., मौसमी बी. (2015). एनएफकेबी 1/एनएफकेबीआईए पालीमोर्फिज्म्स ग्रामीण क्षेत्रों की एचआईवी–संक्रमित पोस्ट मीनोपॉज्ल महिलाओं में सर्विकल कार्सिनोमा की संवृद्धि से सहयोजित होते हैं। ट्यूमर बायला. 36(8) : 6265–76. डीआईआई : 10. 1007/एस/13277–015–3312–7.

राजशेखरन एस., कुमार के., राणा जे., गुप्ता ए., चौधरी वी.के., गुप्ता, एस. (2015). चांदीपुरा वायरस मेट्रिक्स प्रोटीन का मेजबान संपर्क। एक्टा ट्रॉप 149:27–31. डीओआई : 10.1016/जे. एक्टाट्रॉपिका 2015–04–027.

राजेन्द्रन वी., रोहरा एस., राजा एम., हसन जी.एम., दत्त एस. और घोष पी.सी. (2016). म्यूरीन मलेलिया में कल्चर और पी. वेर्धी संक्रमण में प्लासमोडियम फैल्सीपेरम की फ्री अर्टेमिसिनिन एलीमिनेट्स ब्लड अवस्थाओं के साथ संयोजन में मोनेन्सिन का स्टीयरीलेमिन लिपोज़ोमल वितरण। एंटीमाइक्रोब एजेंट्स कैमोदर 60(3), 1304–1318.

शर्मा एस., कुमार ए., कुंडू एस. और बंधोपाध्याय, पी. (2015). आण्विक गतिशीलता उत्प्रेरण यह दर्शाता है कि डिस्टल हैस्टिडीन के टायरोसिन बी 10 लिमिट्स मोशंस सोयाबीन लेघेमोग्लोबिन में सीओ बाइंडिंग को विनियमित करते हैं। प्रोटीन : स्ट्रक्चर फंक्शन, बायोइंर्फामेटिक्स, 83, 1836–1848.

शर्मा एस., राजमणि आर.एस., कुमार ए., भास्कर ए., सिंह ए., मणिवेल वी., त्यागी ए.के. और राव के.वी. (2015). मैक्रोफेज संक्रमण की पूर्व अवस्थाओं के दौरान उपस्थित माइकोबेक्टीरियम ट्यूबरक्युलोसिस के प्यूरेटिव प्रोटेक्टिव एंटीजेंस की पहचान करने के लिए विभिन्न प्रोटियोमिक्स साधन तथा डीएनए वैक्सीनों के रूप में उनका मूल्यांकन। भारतीय जे. एक्सप. बायलो., 53–429–430.

सिंह वी., कौर सी., चौधरी वे.के., राव के.वी., चटर्जी एस. (2015). एम. ट्यूबरकुलोसिस सीक्रेट्री प्रोटीन ईएसएटी–6 फोमी मैक्रोफेज विभेदन कारित करने के लिए मेटाबॉलिक फ्लक्स पर्टर बेशंस उत्प्रेरित करता है। साइंस रेप. 2015 अगस्त 7; 5 : 12906. डीओआई : 10.1038/सरेप 12906.

सिंह ए.के., राजेन्द्रन वी., पंत ए., घोष पी.सी., सिंह एन., लता एन., गर्ग एस., पाण्डेय के., सिंह बी.के. और सिंह बी., (2015). कार्यात्मक फ्थैलालिमिड्स का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन : फैल्सीपेन–2 के एंटीमलेरियल एवं इन्हिबिटर्स का एक नया वर्ग, जो मलेरिया परिजीवियों का प्रमुख हेमोग्लोबिनेज़ है। बायोआर्गेनिक मेडिसिनल कैम. 23(8), 1817–1827.

सिंह अनिल के., एस.आर., यान तांग, नाथन ई., गोल्डफार्ब, बेन एम. डन, विनोद राजेन्द्रन, घोष पी.सी., नीलू सिंह, एन. लता, ब्रजेन्द्र के. सिंह, मनप्रीत रावत और ब्रिजेश राठी (2015). प्लाज्मेप्सिन हिट्स के नए वर्ग के रूप में हाइड्रोक्सीइथाइलेमीन आधारित फ्थैलालिमिड्स : डिजाइन संश्लेषण और एंटीमलेरियल मूल्यांकन, पीएलओएस वन 2015, अक्तूबर 26, 10 (10) : ई 0139347. (प्रभाव कारक : 3.27)

सिंह के., शांडिल्य एम. कुंडू एस. और कायस्थ ए.एम. (2015). उष्मा अम्ल और रासायनिक रूप से उत्प्रेरित अनफोल्डिंग पाथवेज़, व्हीट–एमाइलेज़ में अनुरुपात्मक स्थायित्व और संरचना कार्य संबंध पीएलओएस वन. 10 (6) : ई 0129203.

सिंहल पी., शर्मा यू., हुसैन एस., नाग ए., और भारद्वाज एम. (2016). टीएनएफ रिसेप्टर 2 में आनुवांशिक वेरिएंट्स की पहचान जो सर्विल कार्सिनोवा के विकास से संबंधित हैं। बायोमार्कस मई 4 : 1–8 http://dx.doi.org/10.3109/1354750 x 2016.1172109.

त्यागी एन., त्यागी पी., पचौरी एम. और घोष पी.सी. (2015). कैंसर में प्लांट टॉक्सिन, रिसिन का संभावित नैदानिक अनुप्रयोग : चुनौतियां और प्रगति। ट्यूमर बायलॉजी 36 : 8239–8246.

उप्पल एस., मल्होत्रा एस., मुखी एम., जैदी एफ.के. सील एम., घोष डे एस, भट आर. और कुंडू एस. (2015). माया ग्लोबिन की अत्यधिक संवर्धित हेमे रिटेंशन योग्यता जिसे सिनेकोसिस्टक हेमोग्लोबिन में हेमे (विनाइल) के लिए नॉन–एक्सियल किस्टडीन द्वारा थर्ड कोवलेंट लिंकेज को मिमिक करने के लिए तैयार किया गया है। जर्नल ऑफ बायलोजिकल कैमिस्ट्री 290, 1979–1993.

विग्नेश कुमार बी., दुरै एस., कुंडू एस. और बालामुरगन के. (2016). प्रोटियोम विश्लेषण ने दर्शाया कि कायनोर हैब्डिटिस एलेगंस का ट्रांजीशनल प्रतिषेध प्सूडोमोनस एरुगिनोसा पीएओ 1 पैथोजिनेसिस की सुभेद्यता में वृद्धि करता है। जे. प्रोटियोमिक्स 145, 141–152.

यादव आर. कुंडू एस. और सरकार एस. (2015) ट्रोसोफिला ग्लोब 1 गतिशीलता अभिव्यक्त करता है तथा यह विकास और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रिया के लिए अपेक्षित है। जिनेसिस, 53, 719–737.

अनुसंधान परियोजनाएं

विभाग ने 18 चालू परियोजनाएं हैं जिन्हें 2015–16 के दौरान कुल 362 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अलावा, विभाग के संकाय सदस्यों ने 2015–16 के दौरान डीएसटी–पर्स अनुदान से 36.25 लाख रुपए तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुसंधान और विकास अनुदान के रूप में 21.0 लाख रुपए प्राप्त किए।

वर्ष 2015–16 में निम्नलिखित परियोजनाएं प्रदान की गई:

प्रो. सुमन कुंडू, यूजीसी–डीएई, अप्रैल, 2015 से मार्च, 2017, लेशमेनिया मेजर फोस्फोपेंटेथिनाइल ट्रासंफेरेज़ (एलएमजेपीपी रेज़) को समझना, 7.902 लाख रुपए।

प्रो. सुमन कुंडू, डीबीटी, जून, 2015–जूल 2018, कार्डियो–वैस्कुलर रोगों से लड़ने के लिए डोपामीन बीटा–हाइड्रोक्साइलेज़ के विरुद्ध सक्षम लघु आण्विक प्रतिरोधों का विकास, 78.903 लाख रुपए।

प्रो. सुमन कुंडू, डीबीटी, दिसम्बर 2015 – दिसम्बर 2020, जटिल रोगों की सिस्टम्स बायलॉजी : रूमैटॉइड अर्थराइटिस के लिए आनुवांशिक निष्कर्षों से लैड मॉलीक्यूल विकास – जीनोम विज्ञान और विधेयात्मक चिकित्सा उत्कृष्टता केन्द्र (फेज II) (समन्वयक : बी.के. थेल्मा), 60.62 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन

बायोटेक सेंटर सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर में 29 मार्च, 2016 को "जीनोम बायलॉजी और बिग डाटा बायोइंफार्मेटिक्स" आयोजित किया।

एस.पी. जैन सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर में 18 मार्च, 2016 को "प्रोटियोमिक्स रिसर्च में फ्रंटियर्स" आयोजित किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर में 15–18 जुलाई, 2015 तक "जीनोम इंफार्मेटिक्स माइक्रोएरे सुविधा" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मेलनों में प्रतिभागिता

आईआईटी मद्रास, चेन्नई, भारत में 22–24 जनवरी, 2016 तक अंतर्राष्ट्रीय कार्डियो वैस्कुलर ट्रांसलेशनल रिसर्च सम्मेलन तथा अंतर्राष्ट्रीय हृदय अनुसंधान सोसाइटी (आईएसएचआर, भारतीय खंड) के 13वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया (डा. सुमन कुंडू)।

भारतीय सूचना, प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, जबलपुर, भारत में 11–13 मई, 2015 तक "उत्पाद डिजाइन में अभिनवता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में भाग लिया (प्रो. अलो नाग को वार्ता और अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया)।

जीवन–विज्ञान विद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली, भारत में 9–10 फरवरी, 2016 को "कैंसर निवारण और उपचार में औषधीय पादपों की भूमिका" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में भाग लिया। (प्रो. अलो नाग को वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया)।

अंतर्संस्थानिक सहयोग

प्रो. देबी पी. सरकार के पास डा. सुमित्रा दास, माइक्रोबायलॉजी और सैल बायलॉजी विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलूर के साथ एक सहयोगी परियोजना है जिसका शीर्षक है – एचसीवी आरएनए का प्रतिरोध – लघु आरएनए का प्रयोग करते हुए रूपातंरणकारी और अनुकरणीय प्रयोग (2015–2018), 40 लाख रुपए।

प्रो. सुमन कुंडू के पास प्रो. एन. रमेश, आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली; प्रो. एस. मलिक, एम्स, नई दिल्ली के साथ एक सहयोगी परियोजना है जिसका शीर्षक है – कार्डियोवैस्कुलर रोगों से लड़ने के लिए डोपामीन बीटा – हाइड्रोक्साइलेज के विरुद्ध सक्षम लघु आण्विक प्रतिरोधियों का विकास (2015–2018), 78.903 लाख रुपए।

प्रो. अलो नाग के पास डा. मौसमी भारद्वाज, साइटोलॉजी एवं प्रीवेंटिव ऑन्कालॉजी संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश के साथ एक सहयोगी परियोजना है जिसका शीर्षक है – मेजबान और वायरल जीन संपर्क तथा सर्वकल कैंसर के विकास के दौरान उनका विनियमन और सर्विकल कैंसर के पूर्व–नैदानिक संकेतकों की पहचान (2015–2016).

प्रदान की गई पी.एचडी./एम.फिल. डिग्रियां : कुल 06

संकाय सदस्य – संख्या : स्थायी – 09.

जैवभौतिकी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

डा. मनीष गोयल की प्रयोगशाला क्रिस्टलोग्राफी के माध्यम से विभिन्न प्रोटीनों की संरचनाओं को हल करने पर कार्य कर रही है। आर्किया में अत्यंत दुर्लभ पाया जाने वाला चेपरोन सीएसए–ए को क्रिस्टलाइज्ड किया गया था और एक्स–रे डिफ्रेक्शन द्वारा संग्रहित किया गया था जिसकी इस प्रोटीन के उद्भव और कार्य पर प्रकाश डालने की संभावना है। विभिन्न प्रतिरोधकों की उपस्थिति में बी. लिचेनीफोर्मिस से जीजीटी क्रिस्टलाइज्ल्ड किया गया था। यूकेरायोटिस और बैक्टीरिया की तुलना में आर्किया में प्रोटीन फोल्डिंग प्रणालियों के तुलनात्मक विश्लेषण में सहायता करने के लिए आर्कियल चैप्रोनीज (Cr Ag Db) का डाटा बेस सृजित किया गया था। डा. शुभेंदु घोष की प्रयोगशाला में, वोल्टेज डिपेंडेंट एनाइन चैनल (वीडीएसी) के विनियमन मे एमएपी किनेज़ (जेएनके 3) द्वारा फास्फोराइलेशन की भूमिका का अन्वेषण करने पर बल दिया जा रहा है जो माइटोकोंडिया मीडिएटेड एपोप्टोसिस में महत्वपूर्ण है। एपोप्टोसिस में बीएएक्स और बीआईएफ 1 प्रोटीनों की भूमिका का अन्वेषण बायलेयर इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल अध्ययनों के माध्यम से किया गया है। एस 6 के माध्यम से करंट की चैनल नॉइस को खोलने के लिए बीएलएम पर केवीएपी (पोटाशियम चैनल) का विश्लेषण भी किया गया है। डा. मनीष कुमार की प्रयोगशाला "माइक्रोबियल प्रतिरोध" के तंत्र की व्याख्या करने पर कार्य कर रही है तथा एंटीबायोटिक प्रतिरोध और गैर–प्रतिरोधक एम. ट्यूबरकुलोसिस में विभिन्न प्रोटीनों का तुलनात्मक विश्लेषण पूर्ण

कर लिया गया है। वाई. एंट्रो कोलिटिका बायोवार 1ए के क्लीनिकल आइसोलेट्स में वीएफएस तथा एएमसी–प्रतिरोधी फीनोटाइप के बीच संबंध का भी मूल्यांकन किया गया है।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. मनीष कुमार (अपने पी.एचडी. छात्रों के दल के साथ) ने जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) भारत सरकार द्वारा स्थापित एक लाभकारी संगठन बायोटेक्नालॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) द्वारा एंटी–माइक्रोबियल प्रतिरोध पर बीआईआरएसी आइडिया–थोन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

विभाग के संकाय द्वारा 2015–2016 के दौरान कुल 10 शोध–पत्र प्रकाशित किए गए। इन प्रकाशनों की सूची निम्नानुसार हैः

श्री वास्तव आर., मलिक सी. और घोष एस. (2016). बाइलेयर लिपिड मेम्ब्रेन पर केवीएपी चैनल से एस 6 पेप्टाइड के ओपन चैनल करंट नॉइस विश्लेषण ने बाइमोडल पावर लॉ स्केलिंग दर्शाई। फिजिसिका ए, 451, 533–540.

गुप्ता आर और घोष एस. (2015). बाइलेयर लिपिड मैम्ब्रेन पर बीएएक्स और बीआईएफ–1 प्रोटीन संपर्क करते हैं और पोर निर्मित करते हैं। बायोकैम. वायोफिजिक्स, रिसर्च कम. 463, 751–755.

गुप्ता आर और घोष एस. (2015). सी–जन एन– टर्मिनल कीनेज़–3 द्वारा वोल्टेज–डिपेंडेंट एनाइन चैनल का फास्फोरिलेशन चैनल को बंद कर देता है। बायोकैम बायौफिजिक्स, रिसर्च कम. 459, 100–106.

तालुकदार एस. और घोष एस (2015). बार–बार सुनना किसी संगीत पैटर्न को याद करने में कैसे मदद करता है? अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी की कार्यवाहियां : वाक् और संगीत पर अनुसंधान के मोर्चे, आईआईटी खड़कपुर, पीपी 86–89.

सिंह वाई, गुप्ता एन., वर्मा वी.वी. गोयल एम और गुप्ता आर. (2016). डाइसल्फेट बांड्स के चयनात्मक व्यवधान ने क्रियाशील ऊर्जा को निम्न किया तथा ट्राइकोसपोरोन उसाही एमएसआर 54 से टीएएल आईपीबी में उत्प्रेरक क्षमता में वृद्धि की : एमडी उत्प्रेरणों ने लचीले लिड प्रदर्शित किए और म्यूटेंट में सब्सट्रेट बंध क्षेत्र विस्तारित किए। बायोकैम बायोफिस रेस कम्यु. 472(1) : 223–38.

वर्मा वी.वी., गुप्ता आर. और गोयल एम. (2015). गामा ग्लूटेमिल ट्रांस पेप्टीडेज (जीजीटी) उप–वंशों के मध्य कार्यात्मक विपथन का फीलोजेनेटिक और उद्भवकारी विश्लेषण। बायलॉजी डॉयरेक्ट, 14; 10:49. डीओआई : 10.1186/एस. 13062–015–0080–07.

रानी एस. श्रीवास्तव ए., कुमार एम और गोयल एम (2016). आर्चियल जीनोमो में एनोटेटेड चैपेरोन रेपेरटॉयर का CrAgDb-a डाटाबेस। एफईएमएस माइक्रोबियोल लेट. 363(6) पीआईआई : एफएनडब्ल्यू 030. डीओआई : 10.1093/फेम्स्ले/एफएन–डब्ल्यू 030.

सिंघल एन., कुमार एम एवं विर्दी जे एस (2016). एमॉक्सीसिलिन – क्वावुलेनेट का प्रतिरोध तथा येर्सीनिया एंट्रेकोलिटिका बायोवार 1ए में विरुलेंस – संबंधी कारकों से इसका संबंध भारतीय जे. मेड माइक्रोबायल 34(1) : 85–7. डीओआई : 10.4103/0255–0857. 174125.

सिंघल एन, कुमार एम, शर्मा डी और विष्ट डी (2016). माइकोबैक्टीरियम बोविस बीसीजी के इंट्राफेगोसोमल एक्सप्रेस्ड प्रोटीनों की तुलनात्मक प्रोटीन प्रोफाइलिंग, प्रोटीन पेप्ट ले. 23(1) : 51–4.

सिंघल एन., कुमार एम, कनौजिया पी.के. और विर्दी जे.एस. (2015). माल्डी–टोफ मास स्पेक्ट्रोमीट्री : माइक्रोबियल पहचान और निदान के लिए उभरती प्रौद्योगिकी। फ्रंट माइक्रोबायोल। 6:791 डीओआई : 10.3389/एफएमआईसीबी. 2015. 00791. ई–कलेक्शन 2015.

अनुसंधान परियोजनाएं

डा. मोनीशा गोयल, डीबीटी–आरजीवाईआई (युवा अन्वेषक के लिए त्वरित अनुदान) 2012–16 (3+1 वर्ष विस्तार) शीर्षक, "सीआरआईएसपीआर–सीएएस प्रोटीनों का क्रिस्टेलोग्राफिक संरचना निर्धारण", 23.0 लाख।

सम्मेलनों में प्रतिभागिता :

संकाय सदस्यो ने अनेक आमंत्रण वार्ताएं कीः

डा. मनीष कुमार

- माइक्रोबियल डोमेन में बायोइंफार्मेटिक्स आधारित जीनोमिक और प्रोटियोमिक डाटा विश्लेषण पर आईसीएआर – राष्ट्रीय कृषि–दृष्टि से महत्वपूर्ण सूक्ष्म–जीवाश्म ब्यूरो, मऊ (उ.प्र.) द्वारा 04–09 मार्च, 2016 को आयोजित कार्यक्रम में अतिथि वक्ता (एक अनुभव प्रदान करने वाले सत्र का संचालन भी किया)।

- भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज, नई दिल्ली में 16 मार्च, 2016 को आयोजित वार्षिक माइक्रोबायलॉजी महोत्सव "माइक्रोक्वेस्ट–16" में अतिथि वक्ता।

- पोस्टर प्रस्तुतीकरण, पांडिचेरी में 27–29 नवम्बर, 2015 को आयोजित भारतीय चिकित्सा माइक्रोबायोलॉजिस्ट संघ के वार्षिक सम्मेलन में।

डा. शुभेन्दु घोष

- "अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी : वाक् और संगीत पर अनुसंधान के मोर्चे" में अतिथि वक्ता, आईआईटी, खड़गपुर, 23–24 नवम्बर, 2015.

- रसायन विज्ञान और इसके भावी मार्ग पर हंसराज कॉलेज में 29 अक्तूबर, 2015 को आयोजित कार्यक्रम में अतिथि वक्ता।

अंतर्संस्थानिक सहयोग :

डा. शुभेन्दु घोष ने प्रो. (डा.) ई. एडा कैवेलकैंटीएडम, इंस्टिट्यूट फॉर फिजिकल कैमिस्ट्री, यूनीवर्सिटी ऑफ हेडेलबर्ग, इम–नेयुन हेमेर फेल्ड 253, 69120 हेडेलबर्ग, जर्मनी यूनीवर्सिटी ऑफ एसफैक्स, टुनिसिई के साथ सहयोग किया।

पीएच.डी./एम.फिल प्रदान किए गए

प्रदान किया गया एम फिल : 1

संकाय सदस्य–संख्या : स्थायी : 3

अन्य उल्लेखनीय जानकारी :

डा. शुभेन्दु घोष ने अतिथि अनुसंधान वैज्ञानिक के रूप में 28.05.2015 – 19.07.2015 तक टेक्नीकल यूनीवर्सिटी ऑफ ड्रेस्डेन, जर्मनी का दौरा किया।

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

संकाय सदस्य अनुसंधान और अनुसंधान कार्य के पर्यवेक्षण में सक्रिय रूप से कार्यरत है जिसके परिणामस्वरूप ऑप्टिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, माइक्रोवेव्स और माइक्रो–इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में पीएच.डी. डिग्री प्रदान की जाती है। विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग किया है तथा उसके पास यूजीसी, सीएसआईआर, डीएसटी, डीआरडीओ, जेएसपीएस (जापान) द्वारा वित्त–पोषित अनेक अनुसंधान परियोजनाएं हैं। पिछले वर्ष के दौरान, फाइबर और एकीकृत ऑप्टिकल उपकरणों में सैद्धांतिक अनुसंधान जारी रखने के अलावा, ऑप्टिकल फाइबर मापनों के क्षेत्र में प्रयोगात्क सुविधाएं भी सृजित की गई हैं। विभाग ने एनेकोइक चैंबर सुविधा भी शामिल की है। इस वर्ष, पहली बार एम.टेक सेमेस्टर III छात्रों ने विभाग में अनेक सीपीडब्ल्यू आधारित माइक्रोवेव प्लानार पैसिव अवयव और प्लावार एंटीना तैयार किए हैं। तीन पीएच.डी. छात्रों श्री अजय, श्री जयहिंद कुमार वर्मा और सुश्री अंजलि बालियान ने नई दिल्ली में 17–20 दिसम्बर, 2015 को आयोजित इंटरनेशनल आईईईई इंडिकॉन, 2015 में श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्राप्त किया। सुश्री शिवानी, सितल ने भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 'लाइट क्वांटा' आधुनिक संदर्श और अनुप्रयोग पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'आईसीएलक्यूएमपीए – 2015' में श्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतीकरण के लिए पुरस्कार प्राप्त किया तथा सुश्री निहारिका कोहली इंटैक परियोजना के माध्यम से सिटी यूनीवर्सिटी लंदन में। वर्ष के अनुसंधान के लिए डॉक्टोरल एक्सचेंज कार्यक्रक में चुनी गई 1 अक्तूबर, 2014 से 31 सितम्बर, 2015)।

इसके अलावा विभाग ने नियमित आधार पर सम्मेलनों, व्याख्यानों और वार्ताओं का आयोजन किया। इस वर्ष आईईईई–ईडीएस दिल्ली चैप्टर ने 14 दिसम्बर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर में प्रो. जुइन जे. लियो द्वारा "आधुनिक और भावी एकीकृत सर्किटों के इलेक्ट्रोस्टेटिक डिस्चार्ज (ईएसडी) संरक्षण का दृष्टिकोण और चुनौतियां" विषय पर एक आईईईई–ईडीएस अतिथि व्याख्यान वार्ता का आयोजन किया। आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी द्वारा जनवरी, 2015 में प्रो. विजय अरोड़ा, विल्केस विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., यूनीवर्सिटी टेक्नोलॉजी द्वारा "कार्बन–आधारित उपकरणों में क्वांटम परिवहन" पर एक अल्प पाठ्यक्रम का आयोजन भी किया। प्रो. दुर्गा मिश्रा, इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, न्यूजर्सी प्रौद्योगिकी संस्थान, नेवार्क, यूएसए को भी जनवरी, 2016 में "सब–14 एनएम सीएमओएस टेक्नालॉजी के लिए हाई–के गेट डाइलेट्रिक्स के साथ पर्फेक्ट डाइईलेट्रिक्स–सेमीकंडक्टर इंटरफेस सृजित करना" विषय पर आईईईई–ईडीएस अतिथि व्याख्यान वार्ता संचालित करने के लिए आमंत्रित किया गया। इसके अलावा, विभाग ने वार्षिक अतिथि कार्यक्रम भी आयोजित किया तथा इस वर्ष छात्रों से वार्तालाप करने के लिए शिक्षण और उद्योग जगत से उत्कृष्ट विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

प्रो. मृदुला गुप्ता ने नई दिल्ली में 17–20 दिसम्बर, 2015 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आईईईई इंडिया सम्मेलन (इंडिकोन) में दो पत्रों अर्थात् "सिलिंड्रिकल गेट जंक्शनलैस टनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर्स (सीजी–जेएल–टीएफईटी)" तथा "सीएसडीजी एमओएसएफईटी : सीएमओएस प्रौद्योगिकी के लिए एक प्रगत नूतन वास्तुकला" के लिए श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन – 20

अभिषेक, नारंग आर., सक्सेना एम. और गुप्ता एम., (2016). पॉकेट डोप्ड डबल गेट टनल एफईटी की वैद्युत विशेषताओं पर इंटरफेशियल फिक्स्ड चार्जों का प्रभाव। आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑफ डिवाइस एंड मैटीरियल रिलाइबिलिटी, 16(2), 117–122.

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2015). बायोसेंसर्स के रूप में अनुप्रयोग के लिए फोर गेट डाइइलेट्रिक्स माड्यूलेटेड का ड्रेन करंट मॉडल। आईईईई ट्रांस ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस, 62(8), 2636–2644

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2015). बायोसेंसर्स के रूप में अनुप्रयोग के लिए डाईइलेट्रिक्स माड्यूलेटेड (डीएम) डबल गेट (डीजी) जंक्शनलैस मोसफेट का अन्वेषण। सुपरलेटिसेस एंड माइक्रोस्ट्रक्चर, 85, 557–522.

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2015). बायो–मॉलीक्यूल्स के इलेक्ट्रिकल डिटेक्शन के लिए गेट अंडरलैप चैनल डबल गेट एमओएस ट्रांजिस्टर का विश्लेषण। सुपरलेटिसेस एंड माइक्रोस्ट्रचर्स, 88, 225–243.

कुमारी वी., मोदी एन., सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2015). फ्रिंजिंग फील्ड प्रभावों को ध्यान में रखते हुए डबल गेट जंकशनलैस ट्रांजिस्टर की मॉडलिंग और उत्प्रेरण। सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रेनिक्स, 107, 20–29.

कुमारी वी., मोदी एन., सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2015). एनलॉग और डिजिटल प्रोफार्मेंस के लिए डुएल मैटीरियल जंकशनलैस डबल गेट ट्रांजिस्टर का सैद्धांतिक अन्वेषण। आईईईई ट्रांस. ऑन इलेक्ट्रांन डिवाइसेस, 62 (7), 2098–2105.

कुमारी वी., सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2015). नैनोस्केल लेटेरल गौसेन डोप्ड चैनल एसिमेट्रिक डबल गेट डीजी मोस्फेट। जर्नल ऑफ नैनो रिसर्च, 36, 51–63.

कुमारी वी, इलैंगो ए, सक्सेना एम और गुप्ता एम (2016). नैनोस्केल टी–शेप्ड डबल गेट डीजी मोस्फेट :: एनालॉग/आरएफ और डिजिटल पर्फ्समेंस के लिए संख्यात्मक अन्वेषण। सुपरलेटिसिस और माइक्रोस्ट्रक्चर, 89, 97–111.

कुमार एम., हल्दर एस, गुप्ता एम और गुप्ता आर.एस. (2016). सर्फेस पोटेंशियल और सबथ्रेशेहोल्ड करंट ऑफ सिलेन्ड्रिकल शॉटकी बेरियर गेट ऑल अराउंड मोस्फेट विद हाई–के गेट स्टैक के लिए फिजिक्स आधारित विश्लेषणात्मक मॉडल। सुपरलैटिसिस एंड माइक्रोस्ट्रक्चर जर्नल, 90, 215–226.

नारंग आर., सक्सेना एम. और गुप्ता एम. (2015). डाईइलेट्रिक्स माड्यूलेटेड एफईटी और टीएफईटी आधारित बायोसेंसर का तुलनात्मक विश्लेषण, आईईईई ट्रांस ऑन नैनो टेक्नालॉजी, 14(3), 427–435.

प्रताप वाई, हल्दर एस, गुप्ता आर.एस. और गुप्ता एम. (2015). गैट मैटीरियल इंजीनियर्ड जंकशनलैस नैनोवायर ट्रांजिस्टर का लोकालाइज्ड चार्ज डिपेंडेट थ्रेशहोल्ड वोल्टेज विश्लेषण। आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस, 62(8), 2598–2605.

प्रताप वाई, गौतम आर., हल्दर एस, गुप्ता आर.एस. और गुप्ता एम. (2016). गैट की भौतिकी–आधारित ड्रेन करंट मॉडलिंग – डजिटल अनुप्रयोग के लिए ऑल–अराउंड जंकशनलैस नैनोवायर ट्विनगेट ट्रांजिस्टर (जेएन–टीजीटी), जर्नल ऑफ कंप्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स, 15(2), 492–501.

सचिन कुमारी वी., सिंह एस., सक्सेना एम. और गुप्ता एम (2015). नैनोस्केल – रिंग एफईटीः एसीई सहित एक विश्लेषणात्मक ड्रेन करंट मॉडल आईईईई ट्रांस ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस, 62(12), 3965–3972.

उपासना, नारंग आर. सक्सेना एम और गुप्ता एम. (2015). गैट मैटीरियल के लिए मॉडलिंग और टीसीएडी आकलन तथा गैट डाइडलेक्ट्रिक इंजीनियर्ड टीएफईटी आर्किटेक्चर्स : डिजिटल अनप्रयोगों के लिए सर्किट–स्तर अन्वेषण : आईईईई ट्रांसेक्शंस ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज, 62(10), 3348–3356.

उपासना, नारंग आर. सक्सेना एम और गुप्ता एम. (2016). ऊर्जा दक्ष टीएफईटी आधारित आर्किटेक्चर्स की रेखीयता और एनालॉग प्रदर्शन प्रापण : आरएफआईसी डिजाइन के लिए इष्टतमीकरण : आईईटीई तकनीकी समीक्षा, 33(1), 23–28.

उपासना, नारंग आर. सक्सेना एम और गुप्ता एम. (2016). हाइड्रो–डाइइलेक्ट्रिक आधारित टीएफईटी आर्किटेक्चर्स के लिए ड्रेन करंट मॉडल : इंवर्शन मोड विश्लेषण में संचयन, जर्नल ऑफ नैनो रिसर्च, ट्रांसटेक पब्लीकेशंस, 36, 31–43.

वर्मा जे.एच.के., हल्दर एस, गुप्ता आर.एस. और गुप्ता एम. (2015). सेंसर अनुप्रयोगों के लिए गेट मैटीरियल इंजीनियर्ड सिलिंड्रिकल। सराउंडेड गेट मोस्फेट की कैपिसिटेंस मॉडलिंग, सुपरलेटिसिस और माइक्रोस्ट्रक्चर्स जर्नल, 88, 271–280.

वर्मा जे.एच.के., हल्दर एस, गुप्ता आर.एस. और गुप्ता एम. (2015). संवर्धित इलेक्ट्रोस्टैटिक के लिए सिलेंड्रिकल सराउंडिग डबल गेट मोस्फेट के सबथ्रैशहोल्ड व्यवहार की मॉडलिंग और उत्प्रेरण। सुपरलेटिसिस और माइक्रोस्ट्रक्चर्स जर्नल, 88, 354–364.

वर्मा जे.एच.के., हल्दर एस, गुप्ता आर.एस. और गुप्ता एम. (2016). संवर्धित इलेक्ट्रोस्टैटिक एकीकरण और आरएफ निष्पादन के लिए सीएसजी मोस्फेट पर आंतरिक आवेश नियंत्रण गेट का प्रभाव, एडवांस्ड साइंस इंजीनियरिंग एंड मेडीसिन, 8, 95–101.

वर्मा जे.एच.के., हल्दर एस, गुप्ता आर.एस. और गुप्ता एम. (2016). हॉट कैरियर विश्वसनीयता और आरएफ निष्पादन के लिए वैक्यूम गेट डाइइलेक्ट्रिक के साथ सिलेंड्रिकल सराउंडिग डबल गेट (सीएसडीजी) मोस्फेट की मॉडलिंग और उत्प्रेरण।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. मृदुला गुप्ता (पीआई), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी). 2015–आज तक, संवेदी अनुप्रयोग के लिए चैनल मैटीरियल इंजीनियर्ड रिंग एफईटी की भौतिकी आधारित मॉडलिंग और उत्प्रेरण, 13.93 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन

प्रो. जूइन जे लियो, पेगासस अतिथि प्रोफेसर और लॉक्हीड मार्टिन सेंट लॉरेंट प्रोफेसर ऑफ इंजीनियरिंग यूनीवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा, ओरलैंडों, फ्लोरिडा, यूएसए, "आधुनिक और भावी एकीकृत सर्किटों के इलेक्ट्रोस्टैटिक डिस्चार्ज (ईएसडी) संरक्षण का दृष्टिकोण और चुनौतियां" 14 दिसम्बर, 2015.

विजय कुमार अरोड़ा, विल्केस यूनीवर्सिटी, यूएसए, यूनीवर्सिटी टेक्नोलॉजी मलेशिया, "कार्बन–आधारित उपकरणों में क्वांटम परिध्विन पर अल्प पाठ्यक्रम", 8 जनवरी, 2016.

प्रो. दुर्गा मिश्रा, इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, न्यू जर्सी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी नेवार्क, एनजे 07102, यूएसए "सब–14 एनएम सीएमओएस प्रौद्योगिकी के लिए हाई–के गेट डाइलेक्ट्रिक्स के साथ एक सटीक डाईइलेक्ट्रिक–सेमीकंडक्टर का सृजन", 13 जनवरी, 2016.

प्रदान की गईं एम.फिल. डिग्रियां : 4

संकाय सदस्य : स्थायी : 7, 1 बीएसआर फेलो.

आनुवांशिकी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग आनुवांशिकी में एम.एससी और पी.एचडी. कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग जैव–प्रौद्योगिकी में एक अंतर्विषयक एम.फिल पाठ्यक्रम का संचालन भी करता है। विभाग को यूजीसी–डीएसए (डीआरएस–III), डीएसटी–एफआईएसटी (स्तर–II) और डीएसटी–पर्स (चरण–II) अनुदानों से सहायता प्रदान की जाती है। विभाग में अग्रणी क्षेत्रों में अंतर्विषयक अनुसंधान कार्य किया जाता है, जैसे माइक्रोबियल जेनेटिक्स, पादप आनुवांशिकी, आण्विक प्रजनन और जैव–प्रौद्योगिकी, मानव आनुवांशिकी, ड्रोसोफिला आनुवांशिकी, खमीर आनुवांशिकी, पादप–माइक्रोब संपर्क, आरएनए–आई प्रौद्योगिकी, विकासात्मक आनुवांशिकी और आण्विक जैविकी।

विभाग की प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

प्रो. दीपक पेंटल और प्रदीप के वर्मा के दल ने सीआरवाई 1एसी जीन को वाहित करने वाली कपास की एक कीट प्रतिरोधी ट्रांसजीनिक पंक्ति को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय और केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान को अंतरित किया है ताकि उसकी विशेषता को कपास की पैदावार की जाने वाली किस्मों में अंतर्वेशित किया जा सके। प्रो. अक्षय प्रधान की प्रयोगशाला ने एक उच्च घनत्व एकीकृत मानचित्र का निर्माण किया और ब्रासिका जंशिया में पैदावार संबंधी विशेषताओं के लिए सामंजस्यपूर्ण क्यूटीएल की पहचान की। प्रो. एम.वी. राजम की प्रयोगशाला ने आरएनए–आई और अन्य ट्रांसजीनिक दृष्टिकोणों के आधार पर टमाटर और बैंगन के ट्रांसजेनिक्स विकसित किए जो कवकीय रोगजनकों और/अथवा कीट–पतंगों के प्रति के प्रति प्रतिरोधी थे। इस दल ने फल के विकास तथा अन्य विकासों के दौरान क्रमशः पॉलीएमीन और इथाइलीन स्तरों के आनुवांशिकी मैनीपुलेशन द्वारा विलंबित परिपक्वता और संवर्धित फल गुणवत्ता तथा साथ ही नर उर्वरक पंक्तियों के लिए टमाटर के पादप भी विकसित किए हैं। डा. जगरीत कौर की प्रयोगशाला ने डा. परविंदर कुमार, आईआईटी रुड़की के साथ सहयोग करते हुए दो एराबिडोप्सिस नॉन सिंबायोटिक हेमोग्लोबिन प्रोटीनों (एएचबी 1 और एएचबी 3) का क्रिस्टलीकरण और जैव–भौतिकी दृष्टि से विशेषता–वर्णन किया है। ट्रांसजीनिक पादपों की वृद्धि और विकास पर सीआरवाई 1 एसी प्रोटीन के अनाशयित प्रभावों के तंत्र की प्रो. प्रदीप बर्मा के दल द्वारा व्याख्या की जा रही है।

प्रो. बी.के. थेल्मा के दल ने संपूर्ण सक्जोम सीक्वेंसिंग द्वारा पार्किन्सन रोग के लिए दो नवीन रोग कारित करने वाले जीनों अर्थात् पीओडीएक्सएल और आरआईसी 3 की खोज की है। इस दल ने इम्युनोचिप और ट्रांस–एथनिक दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए जलनकारक बोवेल रोग के लिए 38 नए संवेदनशील लोकी की तथा डीप सीक्वेंसिंग द्वारा डोपामीन–β–हाइड्रोक्साइलेज़ जीन के डिस्टल प्रमोटर रीजन में नवीन विनियामक किस्मों की पहचान की है। ड्रोसोफिला मैलेनोगेस्टर में ग्लोब 1 के विकासात्मक कार्य का पहला प्रदर्शन तथा मानव न्यूरोडीजेनेरेटिव विकृतियों के लिए एमवाईसी की मॉडीफायर दक्षता पर अध्ययन डा. सुरजीत सरकार की प्रयोगशाला में संचालित किए गए है। डा. तपस्या श्रीवास्तव का दल प्राइमरी ट्यूमर्स में और मॉडल प्रणालियों में जीनोमिक अस्थिरता का अधिष्ठापन करने में योगदान देने वाले विभिन्न तंत्रों की व्याख्या करने में कार्यरत है। डा. कॉस्तव की प्रयोगशाला ने एक नूतन जीटी–पेज की पहचान की है, जो विशाल और अल्प रिबोज़ोमल सब यूनिट के स्तर को खमीर माइटोकोन्डिया के साथ समन्वित करता है। डा. अरुणा नाओरेम की प्रयोगशाला में बी.जैड.आई.पी. ट्रांसक्रिप्शन कारकों तथा पीपी–लेज़ के कार्यों का अध्ययन करते हुए डिक्टीओस्टेलियम डिसकोइडेयम की वृद्धि और विकास को रेखांकित करने वाले ट्रांसक्रिप्शन रेगुलेशन तंत्र की पहचान करने पर कार्य किया जा रहा है।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रा. एम.वी. राजम को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिली का फेलो निर्वाचित किया गया।

प्रो. एम.वी. राजम बीएमसी जैव–प्रौद्योगिकी और मनोविज्ञान आण्विक जीव–विज्ञान पादप के एसोसिएट एडिटर हैं तथा कोशिका और विकासात्मक जीवन–विज्ञान भारतीय जैव–प्रौद्योगिकी जर्नल, पादप प्रकोष्ठ जैव–प्रौद्योगिकी आण्विक जीव–विज्ञान और पादप जैव–रसायन विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी के संपादक मंडल के सदस्य हैं।

प्रकाशन

विभाग के संकाय–सदस्यों द्वारा वर्ष 2015–16 के दौरान लगभग 18 शोध–पत्र, पुस्तकों में 8 अध्याय, 2 संपादित पुस्तकें तथा 1 मोनोग्राफ प्रकाशित किया गया। इन प्रकाशनों की सूची इस प्रकार हैः

बिष्ट एन.सी., जगन्नाथ ए, ऑगस्टीन आर. बर्मा पी.के., प्रधान ए.के. और पेंटन डी (2015). नर अनुर्वर (बार्नेस) पंक्तियों के प्रभावी पुनःस्थापन के लिए ओवरलैपिंग और बारस्टार अभिव्यक्ति के उच्च स्तरों की आवश्यकता होती है : ब्रासिका जंशिया में बहु–पीढ़ी क्षेत्रीय विश्लेषण। जे. प्लांट बायोकैम, बायोटेक 24:393–399.

चालू एसआई और सरकार एस (2016). डीएमवाईसी का लक्षित अधोविनियमन हेट्रोक्रोमेटिन रिलेक्शेसन और ताउ हाइपरफास्फोरिलेशन को सीमित करते हुए ड्रोसोफिला में ह्यूमन न्यूरोनल ताओपैथीज के रोगजनकों का दमन करता है। मोता न्यूरोबायोल डीओआई : 10–1007/एस 12035–016–9858–6.

गोग्टे एन.जे. कपिलेश्वर एसआर, शाह एस.यू. बेंडखाले एस.आर., रामकृष्ण एस. श्रीधरन के., थेल्मा बी.के. एट.एल. (2016). स्वस्थ वयस्क पश्चिम भारतीयों में तथा तपेदिक रोधी हैप्टोटॉक्सिटी वाले रोगियों में साइटोक्रोम पी 4502 ई 1 पॉलीमार्फिज्म का मूल्यांकन। इंडियन जे फार्माकोल 48 : 42–46.

गुप्ता ए और थेल्मा बी.के. (2016). एसएलसी 44 ए 4 के भीतर, जो उत्तर भारतीयों में जीडब्ल्यूएएस में पहचाना गया एक अल्सेरेटिव कोलिटिस संवेदनशील जीन है, महत्वपूर्ण किस्मों की पहचान। जींस एंड इम्युनिटी डीओआई : 10 .1038/जीन. 2015–53.

गुप्ता ई.डी., पचौरी एम. घोष पी.सी. और राजाराम एम.वी (2015). आरएनए–आई के माध्यम से पॉलीएमाइन बायोसिंथेटिक पाथने को लक्षित करना एमसीएफ 7 वक्ष कैंसर कोशिका पंक्तियों का उत्सादन कारित करता है। 2016 जनवरी; 37(1) : 1159–71.

जॉन जे, भाटिया टी, कुकशाल पी., चन्द्रा पी, निमगांवकर वी.एल., देशपांडे एस.एन. और थेल्मा बीके (2016). सीजोफ्रेनिया और संबंधित विशेषताओं के साथ एमआईआरएसएनपी के संबंध का अध्ययन। सीजोफ्रेनिया अनुसंधान (प्रेस में).

लुई जे जैड, सोमेरन एस.वी. हुआंग एच, एनजीएससी, एल्बटर्स आर., ताकाहाशी ए, रिपके एस ....थेल्मा बी.के. एट एल (2015). ज्वलनशील बोवेल रोगों के लिए 38 संवेदनशील लोकी की पहचान के लिए सहयोति विश्लेषण तथा जनसंख्याओं के मध्य साझे आनुवांशिक जोखिमों को प्रदर्शित करना। नैट जीनेट 47(9), 979–86.

ममता, रेड्डी के.आर.के. और राजम एम.वी. (2016) मेजबान–उत्प्रेरित आरएनए इंटरफेरेंस द्वारा हेलीकोवेर्पारमिगेरा चिटिनेस जीन को लक्षित करने से तंबाकू और टमाटर में कीट प्रतिरोध उत्पन्न होता है। प्लांट मोल. बायलॉ. 90(3), 281–92.

मुखी एन., घिंडवाल एस., उप्पल एस., कपूर ए., आर्य आर, कुमार पी., कौर जे. और कुंडू एस. (2016). एरैबिडोप्सिस ट्रेकेटेड हीमोग्लोबिन में एन और सी टर्मिनल एजेंडेजस का संरचनात्मक और कार्यात्मक महत्व, जैव–रसायन विज्ञान 29; 55 : 1724–40.

पांडेय आर. गुप्ता ए., चौधरी ए., पॉल आर.के. और राजम एमवी (2015). फल–विशिष्ट प्रवर्तक के नियंत्रण के अंतर्गत माउस ओर्निथिन डीकार्बोक्साइलेज का ओवर–एक्सप्रेशन टमाटर में फल गुणवत्ता में वृद्धि करता है। प्लांट मोल बायलॉ 87(3), 249–60.

पंचैचिरा टी.जे., प्रसाद एस. देशपांडे एस.एन. और थेल्मा बी.के. (2016). गहन सीक्सेंसिंग डोपामीन–β–हाइड्रोक्साइलेज जीन के डिस्टल प्रवर्तक क्षेत्र में नवीन विनियाक किस्मों की पहचान करती है। [ई–पव, प्रिंटिंग से पूर्व]

राज के., चानू एस.आई और सरकार एस (2015). न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसॉडर्स में प्रोटीन मिस फोल्डिंग और एग्रगेशन : चैपरोन – मीडिएटेड प्रोटीन फोल्डिंग मशीनरी पर ध्यान–केन्द्रण, अंतर्राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान जर्नल 1:72–78.

शर्मा एम., मुखापाध्याय ए., गुप्ता वी, पेंटल डी. और प्रधान ए.के. (2016) बीजेयूबी, सीवाईपी 79 एफ 1 तिलहन सरसों ब्रासिका जंशिया में एलीफेटिक ग्लूकोसिनोलेट्स के प्रोफाइल फंशन के संश्लेषण को विनियमित करता है। पीएलओएस वन 11: ई 0150060.

सिंह डी., हेकर आर., शिहाचाकर डी. और राजाराम एम.वी. (2015), ट्रासजीनिक बैंगन पादपों में पर्याप्त चिटिनेज जीन की अभिव्यक्ति कवकीय म्लानियों के प्रति प्रतिरोध प्रदर्शित करती है। इंडियन जे बायोटेक्नोल, 14 : 233–240.

सिंह एम.डी., चानू एस.आई और सरकार एस. (2016). हयूमन पॉली (क्यू) विकृतियों के एनिग्मा का वर्णन : ड्रोसोफिला मेलेनोगास्टर का योगदान। अंतर्राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान जर्नल, 2 : 216–223.

सुधामान एस., मुथेन यूबी, बेहारी एम. गोविंदप्पा एस.टी. जुयाल आर.सी. और थेल्मा बी.के. (2016). नॉन–मोटर फीनोटाइप्स के साथ ऑस्टोसोमल – डोमिनेंट पार्किंसंस रोग के नवीन कारण के रूप में आरआईसी 3 एसेटील्कोलीन रिसेप्टर चैपेरोन का साक्ष्य। जे मेड जेनेट डीओआई : 10. 1136/जेमेडजेनेट–2015–103616.

सुधामान एस., प्रसाद पी, बेहारी एम. मुथेन यू.बी., जुयाल आर.सी. और थेल्मा बी.के. (2016) पोडोकैलिक्सनलाइक (पीओडीएक्सएल) जीन में फ्रेमशिफ्ट म्यूटेशन का अन्वेषण तटस्थ एडहेशन मॉलीक्यूल की ऑस्टोसोमल – रीसेसिव जुविनाइल पार्किंसनिज्म के लिए कैजुअल के रूप में कोडिंग। जे मेड जेनेट, पीआईआई, जेमेड जेनेट – 2015 – 103459, डीओआई : 10.1136/जेमेड जेनेट ' 2015–103459.

यादव आर. कुंडु एस. और सरकार एस. (2015) ड्रोसोफिला ग्लेब 1 गतिशीलतापूर्वक अभिव्यक्ति करता है तथा विकास और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेट प्रतिक्रिया के लिए अपेक्षित है। जीनेसिस 53 : 719–737.

चौबे ए. और राजम एम.वी. (2015) पुष्प पादपों के आर्गेनेलर जीनोम्स, इन : पादप जैव प्रौद्योगिकी : खण्ड III पादप जीनोमिकी और जैव–प्रौद्योगिकी (संपा. बीर बहादुर एट. एल.) स्प्रिंगर इंडिया, नई दिल्ली, पीपी 179–204.

मार्को एफ., बिटरियन एम., कैरेस्को पी., राजम एमवी एल्काजार आर और तिबुर्सियो एएफ (2015). पादपों में अजीवी तनाव सहिष्णुलता के लिए इंजीनियरी कार्यनीतियां, इनः पादप जैव–प्रौद्योगिकी : खण्ड II पादप जीनोमिकी और जैव–प्रौद्योगिकी (संपा. बीर बहादुर एट. एल.) स्प्रिंगर इंडिया, नई दिल्ली, पीपी 579–609.

पारिक एम., सचदेव एम. तेतोर्या, एम.बी. (2015). फ्यूजेरियूमोक्सीस्पोरम का ग्लास–बीड और एग्रोबैक्टीरियम–मीडिएटेड आनुवांशिक रूपांतरण। इन : कवक में आनुवांशिक रूपांतरण प्रणालियां : खंड 1, कवक जीव विज्ञान, वैन डेन बर्ग एम.ए. और मुरुथाचलम के (संपा.)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, स्विट्जरलैंड, डीओआई 10. 1007/978–3–319–1042–2–16.

पारिक एम. योगिन्द्रन एस. मुखर्जी एस.के. और राजम एम.वी. (2015). पादप माइक्रो आरएनए : बायोजीनेसिस, कार्य और अनुप्रयोग। इन : पादप जैव–प्रौद्योगिकी खण्ड II : पादप जीनोमिकी और जैव–प्रौद्योगिकी (संपा. बीर बहादुर एट. एल.) स्प्रिंगर इंडिया, नई दिल्ली, पीपी 639–661.

शिवसुब्रमणियन आर., मुखी एन और कौर जे. (2015). एराबिडोप्सिस थैलिएना : पादप जीवविज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी में पादक अनुसंधान के लिए मॉडल : खण्ड II : पादप जीनोमिकी और जैव–प्रौद्योगिकी, बीर बहादुर एट. एल. (संपा.) डीओआई 10.1007/978–81–322–2285–5–1 © स्प्रिंगर इंडिया 2015.

सौजन्य श्री के. और राजम एम.वी. (2015). पादपों में अजीवी तनाव के लिए आनुवांशिक इंजीनियरी कार्यनीतियां, इन : पादप जैव–प्रौद्योगिकी खण्ड II : पादप जीनोमिकी और जैव–प्रौद्योगिकी (संपा. बीर बहादुर एट. एल.) स्प्रिंगर इंडिया, नई दिल्ली, पीपी 611–622.

योगिन्द्रन एस. और राजम एम.वी. (2015) पादप कीटों के विरुद्ध पादप संरक्षण के लिए आरएनए इंटरफेरेंस कार्यनीति। इन : बैकिलस थुरिजीनसिस टाक्सिन उत्पादन करने वाली जीएम फसलों के लिए बीटी प्रतिरोध, विशेषता–वर्णन और कार्यनतियां (संपा. सोबेरोन एम. एट.एल.) सीएबीआई जैव–प्रौद्योगिकी श्रृंखला 4 सीएबी इंटरनेशन ऑक्सफोर्ड शयार, पीपी 162–172

योगिन्द्रन एस. और राजम एम.वी. (2015). फसल सुधार के लिए आरएनए–आई। इन : पादप जैव–प्रौद्योगिकी खण्ड II : पादप जीनोमिकी और जैव–प्रौद्योगिकी (संपा. बीर बहादुर एट. एल.) स्प्रिंगर इंडिया, नई दिल्ली, पीपी 623–637.

संपादित पुस्तकें

संपा. बीर बहादुर बी., राजम एम.वी., साहिजराम एल और कृष्णामूर्ति के.वी. (2015). पादप जीवविज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी खण्ड I : पादप जीनोमिकी और जैव प्रौद्योगिकी (2015). स्प्रिंगर इंडिया, नई दिल्ली।

संपा. बीर बहादुर बी., राजम एम.वी., साहिजराम एल और कृष्णामूर्ति के.वी. पादप जीवविज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी खण्ड II : पादप जीनोमिकी और जैव प्रौद्योगिकी (2015). स्प्रिंगर इंडिया, नई दिल्ली।

संपादकीय

योगेन्द्रन एस. घोष ए और राजम एम.वी. (2015). पादपों में विनिर्दिष्ट जीन साइलेंसिंग और इंजीनियरिंग के लिए कृत्रिम एमआई–आरएनए। ओएमआईसीएस जर्नल : कोशिका विकास जैविकी 4(3) डीओआई. आर्ग/10.4172/2168. 1000 ई 137.

अनुसंधान परियोजनाएं

विभाग में 31 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। वर्ष 2015–16 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाएं प्रदान की गई:

पो. थेल्मा बी.के., डीबीटी, 2015–20 शीर्षक "जीनोम विज्ञान और पूर्वानुमान चिकित्साशास्त्र (जीईएसपीआरईएम) – (चरण–II) : जटिल रोगों की प्रणाली जैविकी : रियूमैटॉइड अर्थराइटिस के लिए आनुवांशिक निष्कर्षों से लैड मॉलीक्यूल विकास", 718.0 लाख रुपए।

डा. जगजीत कौर, डीबीटी, 2015–18 शीर्षक "होस्ट मीडिएटेड पैथोजन जीन साइलेंसिंग : ब्रासिका जंशिया (भारतीय सरसों) में नेक्रोट्रोफिक रोगजनक स्क्लेरोटिनिएस्क्लेरोटियम के विरुद्ध प्रतिरोध की इंजीनियरिंग के लिए कार्यनीति विकसित करना, 49.0 लाख रुपए।

जगजीत कौर, डीबीटी, 2015–18 शीर्षक "पादप जैव–प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र के साथ सहयोगी परियोजना – चावल में फाल्स स्मट प्रतिरोध, आईएआरआई, दिल्ली, भारत", 14.0 लाख रुपए।

डा. कौस्तव दत्ता, एमईआरबी/डीएसबी, 2016–19 शीर्षक "नूतन यीस्ट क्लेड निर्दिष्ट डीई एक्स एच/डी बॉक्स हेलीकेस, वाईडीआर 332 डब्ल्यू (आईआरसी 3), सैक्रोमाइसेस सेरेविसिए" 50.00 लाख रुपए।

प्रो. एम.वी. राजम, डीबीटी, 2015–18 शीर्षक "आरएनए प्रतिरोध प्रौद्योगिकी के माध्यम से कीट प्रतिरोध के लिए ट्रांसजीनिक काउपी का विकास", 33.47 लाख रुपए।

अंतर्संस्थनिक सहयोग

डा. जगरीत कौर, राष्ट्रीय पादप–जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, आईएआरआई, दिल्ली के साथ "चावल में फाल्स स्मट प्रतिरोध" पर एक सहयोगी परियोजना कर रही हैं।

प्रदत्त पीएच.डी/एम.फिल डिग्रियां

प्रदत्त पीएच.डी : 7

प्रदत्त एम.फिल (जैव–रसायन विज्ञान : 5

संकाय सदस्य संख्या : स्थायी : 9

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

प्रो. बी.के. थेल्मा ने जीनोम विज्ञान और पूर्वानुमान चिकित्सा शास्त्र (जीईएसपीआरईएम), फेज II में उत्कृष्टता के लिए डीबीटी समर्पित केन्द्र स्थापित किया।

विभाग को यूजीसी–डीआरएम III (2013–14) और डीएमटी–एफआईएसटी (लेवेल III; 2013–2018)के अंतर्गत सहायता प्रदान की गई।

डा. तपस्या श्रीवास्तव को केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की सांस्थानिक नयाचार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

प्रो. पी.के. बर्मा को डियूगू, कोरिया गणराज्य में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जूनियर विज्ञान ओलम्पियाड के लिए भारतीय दल का नेतृत्व करने के प्रयोजनार्थ टीम लीडर के रूप में चुना गया।

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

माइक्रोबायलॉजी विभाग माइक्रोबायलॉजी में एम.एससी. कार्यक्रम और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग को यूजीसी–एसएपी और डीएसटी–पर्स अनुदान द्वारा सहायता प्राप्त होती है। विभाग माइक्रोबायलॉजी के दो व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान संचालित करता है : औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण उत्पाद/अवयव तथा माइक्रोबियल पैथोजेनिसिटी।

औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण उत्पादों का सृजन करने के लिए स्पोरोट्राइकम थर्मोफिले से फाइरेज, एसिडोफिलिक बैक्टीरियम बैकिलस एसिडिकोला से एसिडिक α–एमाइलेज तथा बैकिलस हेलोडुरांस से द्विकार्यात्मक सेलुलेज – जाइलानेत क्लोन किए गए हैं तथा उन्हें पिचिया पैस्टोरिस में कोशिकेत्तर रूप से अभिव्यक्त किया गया है। बी. हैलोडुरैंस और एरेबैकिलस पैलीडस से उल्कालीस्टेबल α–कार्बोनिक एन्हाइड्रेज और γ–कार्बोनिक एन्हाइड्रेज क्लोन किए गएहैं तथा उन्हें एस्चेरिशिया कोली में अभिव्यक्त किया गया है। उत्पादन माध्यम में लवण तनाव को समायोजित करते हुए बैकिलस लिचेनीफोर्मिस से γ–ग्लूटामिल ट्रांसपेप्टीजेड इंजाइम का संवर्धित उत्पादन प्राप्त किया गया है। ट्राइकोस्पोरोन एसाही से ट्राइएसाइल ग्लीसेरोल हाइड्रोलेज टीएएलआईपी–बी को ई. कोली में विषमजात रूप से अभिव्यक्त किया गया तथा डाइसल्फाइड बांडों के चयनात्मक व्यवधान द्वारा इसकी उत्प्रेरक कार्यकुशलता में उल्लेखनीय रूप से सुधार किया गया। इसके अलावा, समान प्रजातियों से फोस्फोलियोज पीएलबी–2 को भी अभिव्यक्त किया गया और उसका प्रयोग कच्चे सरसों के तेल की डीगमिंग के लिए किया गया। पिचिया पैस्टोरिस में कोशिकाइतर रीकॉम्बिनेंट स्ट्रेप्टरेकिनेज का उच्च स्तरीय उत्पादन किया गया जहां कल्चर ब्रॉथ में 4.25 जी/एल का वॉल्यूमीट्रिक उत्पाद संकेन्द्रण प्राप्त किया है।

माइक्रोबियल रोगजनकता के विभिन्न पहलुओं की बेहतर समझ प्राप्त करने के लिए नवीन β–लैक्टामासेस जैसे सीटीएक्स–एम–15 ईएसबीएल, एपीएमसी और कार्बापेनेमासेस की जीन एन्कोडिंग की विद्यमानता का भारत से पृथक किए गए ई–कोली स्ट्रेनो में अध्ययन किया गया है जो प्रदूषित शहरी जलीय पर्यावण से संबंधित थे। इस अध्ययन ने नए β–लैक्टामासेस को आश्रय देने वाले घरेलू ई–कोली स्ट्रेनों में एक्वीनोलोने प्रतिरोध प्रदान करने वाले जीनों की सह–विद्यमानता भी प्रदर्शित की। प्रोटोजोउन पैरासाइट लीशमेनिया डोनोवानी की कोशकीय जैविकी का अध्ययन भी किया जा रहा है। हिस्टोन एसेटील–ट्रांस फेरेज़ेज एचएटी 2, एचएटी 3 और एचएटी 4 की नॉकआउट लाइनों का प्रयोग करते हुए लीशमेनिया डोनोवैनी सेल्यूलर घटनाक्रमों को अनुकूल बनाने के लिए हिस्टोन आशोधनों के महत्व को भी प्रदर्शित किया गया है जकि एचएटी 2 डीएनए अनुकरण और प्रतिलिपि को विनियमित करता है, एचएटी 3 डीएनए की मरम्मत को विनियमित करता है तथा एचएटी 4 कोशिका चक्र के प्रारंभन को नियमित करता है। दो मानव ट्यूमर सहयोजित वायरसों अर्थात् एप्स्टेन बार वायरस (ईबीवी) तथा हैपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) का रोग को प्रारंभ करने में उनकी भूमिका के संदर्भ में अध्ययन किया गया था। ट्यूमर–सहयोजित वायरस रूपांतरण में वायरल प्रोटीनों द्वारा निभाई गई भूमिका को समझने तथा ट्यूमोरीजिनेसिस और मेटास्टैसिस के लिए निर्णायक मार्गों की पहचान करने के लिए एक अद्भुत अवसर उपलब्ध कराते हैं।

सम्मान/विशिष्ट योग्यताएं

प्रो. जे.एस. विर्दी को बायोफिजिक्स विभाग से सहयोगी दल के साथ वैक्टीरिया में एंटी बायोटिक प्रतिरोध का पता लगाने के लिए एक त्वरित परीक्षण विकसित करने के लिए डीबीटी–बीआईआरएसी प्रायोजित आइडिया–थोन में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रो. टी.सत्यनारायण ने भारतीय माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

प्रकाशन

विभाग के संकाय द्वारा 2015–16 के दौरान कुल 27 अनुसंधान पत्र/समीक्षा लेख प्रकाशित किए गए। प्रकाशनों की सूची निम्न प्रकार से हैः

अद्वितीय, डागर वीके, देवी एन और खासा वाईपी (2016). "पिचिया पैस्टोरिस फैड–बैच कल्चर में एक्टिव स्ट्रेप्टोकिनेस का उच्च स्तरीय उत्पादन" अंतर्राष्ट्रीय बायोलॉजिकल मैक्रो मॉलीक्यूल्स जर्नल 83:50–60.

बजाज पी. कनौजिया पी.के., सिंह एन.एस. शर्मा एस. कुमार एस. और विर्दी जे.एस. (2016). भारतीय शहरी जलीय पर्यावरण और उनकी जन–स्वास्थ्य विवक्षाओं से ईएसबीएल अथवा एम्प सी–उत्पादक एस्चेरीशिया कोली में क्वीनोलोन सह–प्रतिरोधक। एंवायर्न साइ. पॉल्यूट रेस 23(2) : 1954–1959.

बजाज पी., सिंह एनएस और विर्दी जे.एस. (2016). एस्चेरीशिया कोली β–लैक्टोमासेस : व्हाट रीयली मैटर्स. फ्रंट माइक्रबायल. 30, 7–417.

बजाज पी., सिंह एनएस, कनौजिया पीके और विर्दी जे.एस. (2015). भारतीय शहरी जलीय पर्यावरण से वियोजित एस्चेरीशिया कोली में सीटीएक्स–एम और ए एमपी सी β–लैक्टोमासेस इंकोडिंग करने वाले जीनों का वितरण और आण्विक विशेषता–वर्णन, साइ. टोटल एंवार्यन 505 : 350–356.

फरीदी एस. और सत्यनारायण टी. (2016). पॉली एक्स्ट्रीमोफिलिक बैक्टीरियम बैकिलस हल्डोडूरेंस से नूतन एल्कालीस्टेबल λ–कार्बेनिक एन्हाइड्रेस : त्ले गैस सीओ 2, सीक्वेस्ट्रेशन में विशेषता–वर्णन और प्रयोजनीयता। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान डीओआई : 10.1007/एस 11356–016–6642–0.

गांधी जे, गौड़ एन., खेड़ा एल., कॉल⊗ आर और राबर्ट्सन ई ⊗(⊗सह–कारेस्पोंडिंग ऑथर्स) (2015) सीओएक्स ईपी रिसेप्टर सिगनलिंग पाथवे की मॉड्यूलेटिंग करके प्रोस्टाग्लेडिन ई 2 के माध्यम से एप्स्टेन बार वायरस के लाइटिक रीएक्टिवेशन को उत्प्रेरित करता है। बीरोलॉजी 2015, 4 जून; 484 : 1–14.

गौड़ एन., गांधी जे. और कॉल आर. (2015). एप्सटेन बार वायरस कैंसर मेटास्टेसिस को प्रवर्तित करता है। वायरस अनुसंधान, खंड 4, सं. 2 दिसम्बर, 15, 1–2.

जोशी एस. और सत्यनारायण टी. (2015). रीकॉम्बीनेंट पिचिया एनोमला फाइटेज के कुशल उत्पादन के लिए जैव–प्रक्रिया तथा चिक फीड और होल व्हीट फ्लैट भारतीय ब्रेडों की डिफाइटीनाइजिंग में इसकी प्रयोजनीयता। जे. इंडस्ट माइक्रोबॉयाल. बायोटेक्नोल, 42 : 42 : 1389–1369.

जोशी एस. और सत्यनाराण टी. (2015). हेलोपेरोक्सीडेज के संश्लेषण में खमीर पिचिया एनोमला के फाइटेज की विशेषताएं और प्रयोजनीयता। एप्पल. बायोकैम. बायोटेक्नोल, 176 : 1351–1369.

जोशी एस. और सत्यनाराण टी. (2015). मल्टीफेरियस अनुप्रयोगों के साथ माइक्रोबियल इंजाइमों की इन विट्रो इंजीनियरिंग : संभावनाएं और संदर्श. बायोरिसोर्स टेक्नोल 176 : 273–283.

कनौजिया पी.के., बजाज पी., कुमार एस., सिंघल एन और विर्दी जे.एस. (2015). आयरन–परिपूर्ण और आयरन हीन परिस्थितियों के अंतर्गत मेर्सीनिया एंट्रोकोलिटिका बायावार 1ए का प्रोटियोमिक विश्लेषण आयरन होमियोस्टेसिस का कुशलतापूर्वक विनियमित तंत्र प्रदर्शित करता है। जे. प्रोटियोमिक्स 21 जून; 124 : 39'49.

कुमार वी और सत्यनारायण टी. (2015). पिचिया पैस्टोरिस में अभिव्यक्त पॉलीएक्स्ट्रोमोफिलिक बैक्टीरियम बैकिलस हाल्डोड्यूरांस के रिकॉम्बी नैंट थर्मी–एल्कली स्टेबल एंडोक्सोनेज का प्रयोग करते हुए माइक्रोवेव इरैडिएटेड एरगो रेंजीड्यूज़ से जाइलू लिगो सैक्राइड्स का सृजन। टेक्लोल 179 : 382–389.

कुमार डी. और साहा एस. (2015). लीशमेनिया डेनोवानी में यूवी विकिरणन के उपरांत पीसीएनए के एचएटी–3–मीडिएटेड एसेटाइलेशन पीसीएनए मोनोविक्विटिनेशन के बेहतर सिद्ध होते हैं। यूक्लेटिक एसिड्स रेस. 43 : 5423–5441.

कुमारी ए. सत्यनारायण टी और सिंह बी. (2016). थर्मोफिलिक मोल्ड स्पोरोट्राइकम थर्मोफिले द्वारा संवर्धित फाइटेज उत्पादन के लिए मिक्स्ड सब्सट्रेट फर्मेंटेशन तथा कुक्कुल आहार के लाभ के लिए इसका अनुप्रयोग। एप्ल. बायाकैम. बायोटेक्नोल 178 : 197–210.

मेहता डी. और सत्यनारायण टी. (2015). ज्योबैकिलस थर्मोलियोवोरंस के माल्टोजीनिक एमाइलेज में थर्मोस्टेबिलिटी के संरचनात्मक अवयव/इंटर्न जे. बायलॉ. मैक्रोमोल 79 : 570–576.

निशा एम. और सत्यनारायण टी. (2015). ज्योबैकिलस थर्मोलियोवोरंस के थर्मोस्टेबल एमाइलोपोलुलेनेज की विशेषताएं तथा इसके विकृत पकार। इंटर्न जे. बायलॉ. मैक्रोमोल 76 : 279–291.

निशा एम. और सत्यनारायण टी. (2015) एक्सट्रीम थर्मोलेयोबोरेंस के ज्योबैकिलस थर्मोलियोबोरंस के थर्मोस्टेबल एमाइलोपोलुलेनेज के क्रियाकलाप स्थायित्व, सब्सट्रेट विनिर्दिष्टता और रॉ स्टार्च बाइंडिंग पर एन1 डोमेन की भूमिका। एप्ल. माइक्राबायलॉ. बायोटेक्नोल, 99 : 5461–5474.

पराशर डी. और सत्यनारायण टी. (2016). संवर्धित थमोस्टेबिलिटी और कैटालाइटिक दक्षता के साथ बैकिलस एसिडिकोला और ज्योबैकिलस थर्मोलेयोबोरेंस से इंजीनियर्ड चिमेरिक α–एमाइलेज. जे. इन्डस्ट, माइक्रोबायलॉ, बायोटेक्नोल. 43 : 473–484.

रंजन बी. और सत्यनारायण टी. (2015). थर्मोफिलिक मोल्ड स्पोरो ट्रासइकम थर्मोफिले के रीकॉम्बिनेंट फाइटेज की विशेषताएं तथा आहार को डीफाइटिनाइज़ करने में इसका अनुप्रयोजनीयता। एप्ल. बायोकैम. बायोटेक्नोल. 177 : 1753 – 1766.

रंजन बी. और सत्यनारायण टी. (2015). थर्मोफिलिक मोल्ड स्पोरोट्राइकम थर्मोफाइल का रीकॉम्बिनेंट एचएपी फाइटेज : पिचिया पैस्टोरिस में कोडोन इष्टतमीकृत फाइटेज जीन की अभिव्यक्ति और अनुप्रयोग आण्विक जैव–प्रौद्योगिकी 58 : 137–147.

सिंह बी. फोकास–फोनसेका एम.जे., जौहरी बीएन और सत्यनारायण टी. (2016). थर्मोफिलिक मोल्ड्स : जीव–विज्ञान और अनुप्रयोग. क्रिट रेव. माइक्रोबाय–लॉ. 42 : 985–1006.

सिंह वाई, गुप्ता एन. वर्मा वीवी, गोयल एम और गुप्ता आर (2016). डाइसल्फाइड बांड्स के चयनित व्यवधान ने ट्राइकोस्पोरोन एसाही एमएसआर 54 से टीएएलआईसीबी में क्रियात्मक ऊर्जा को निम्न किया और उत्प्रेरक दक्षता में वृद्धि की : एमडी सिमुलेशन में म्यूटेंट में लचीले लिड प्रदर्शित किए तथा विस्तारित सब्सट्रेट बाइंडिंग क्षेत्र दिखाए। बायोकैमिकल और बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशंस, 472(1) : 223–30.

सिंघल एन., कुमार एम., कनौजियां पी.के. और विर्दी जे.एस. (2015). माल्डी–टोफ मास स्पेक्ट्रोमीट्री : माइक्रोबियल पहचान और निदान के लिए उभरती प्रौद्योगिकी, फ्रंट माइक्रोबायलॉ., अगस्त 5, 6 : 791.

सिंघल एन., श्रीवास्तव ए., कुमार एम., और विर्दी जे.एस. (2015). येर्सीनिया इंट्रोकोलिटिका के विभिन्न बायोवार्स के β–लैक्टोमेज (ब्ला ए) में संरचनात्मक विविधताएं : β–लैक्टम एंटीबायोटिक और β–लैक्टामेज़ प्रतिषेधकारी संवेदनशीलताओं के लिए विवक्षाएं। पीएलओएस सन 10(4) : ई 0123564.

शिवलता एल. और सत्यनारायण टी. (2015). थर्मोफिलिक और एल्कलीफिलिक एक्टिनो बैक्टीरिया : जैविकी और संभावित अनुप्रयोग, फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायलॉजी 6 : आर्टिकल : 1014 पीपी 1–29.

सिंह वाई और गुप्ता आर (2015). ट्राइकोस्पोरोन एसाही एमएसआर 54 से नवीन एस. एनैंटियोसेलेक्टिव लिपेज़ टीएएलआईपीवी : हेट्रेलोगस अभिव्यक्ति विशेषता–वर्णन, अनुरूपात्मक स्थायित्व और होमोलॉजी माडलिंग, इंजाइम और माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी. 83 : 29–39.

स्याल पी. और गुप्ता आर. (2015). यारोविया लिपोलाइटिका एमएसआर 80 से एनैन्टियोसेलेक्टिव लीपेज़, वाईएलआईपी 9 की क्लोनिंग अभिव्यक्ति और जैव रासायनिक विशेषता–वर्णन। एप्ल. बायोकैम बायोटेक्नोल, डीओआई 10.1007/एस/2010–015–1561 वाई.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. रानी गुप्ता, डीबीटी–वित्त पोषित परियोजना, 2014–17 शीर्षक "यारोविया लिपोलाइटिका से लीपेज का जीनोमव्यापक सर्वेक्षण : क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, जैव–रासायनिक विशेषता–वर्णन और अनुप्रयोग" – 44.5 लाख।

प्रो. रानी गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय से आर एंड डी अनुदान, 2015–16 शीर्षक "ट्राइको स्पोरो नैसी से फॉस्फोलिपेज बी की अभिव्यक्ति और विशेषता–वर्णन : क्रूड ऑयल की डिगमिंग में अनुप्रयोग", 3.0 लाख।

प्रो. जे.एस. विर्दी, आईसीएमआर – वित्तपोषित परियोजना, 2014–17 शीर्षक" एंटेरिक पैथोजनों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध को निर्मित करने में प्रोबायोटिक लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया की भूमिका", 40.0 लाख।

प्रो. जे.एस. विर्दी, आर एंड डी अनुदान दिल्ली विश्वविद्यालय 2015–16 शीर्षक "प्रतिषेधक प्रतिरोधी बीटा–लेक्टामेज़ जीनों का विशेषता–वर्णन और एस्चेरिशिया कोली के स्ट्रेनों में उनका आनुवांशिक परिवेश", 3.0 लाख।

प्रो. स्वाति साहा, डीएसटी वित्त–पोषित परियोजना 2015–20158. शीर्षक "प्रोटोजोअन परजीवी लीशमेनिया डोनोवान में डीएनए रेप्लीकेशन प्रोटीन सीडीसी 45 का अन्वेषण", 49 लाख।

प्रो. स्वाति साहा, दिल्ली विश्वविद्यालय आर एंड डी अनुदान, 2015–16 शीर्षक "कोशकीय प्रक्रियाओं को विनियमित करने में हिस्टोन एसीटाइलेशन घटनाओं की भूमिका", 3.9 लाख.

डा0 राजीव कौल, दिल्ली विश्वविद्यालय से आर एंड डी अनुदान, 2015–16. शीर्षक "ई. कोली में ह्यूमन ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर एल्फा उत्पादन : रीकॉम्बिनेंट अभिव्यक्ति और इसका इन विट्रो जैविक परीक्षण". 3.0 लाख।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित):

प्रो. भारत बी. अग्रवाल, प्रतिष्ठित प्रोफेसर कैंसर अनुसंधान, यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्सास, होस्टन (यूएसए), "कैंसर के निवारण और उपचार के लिए प्रकृति मां द्वारा डिजाइन किए गए एजेंटों द्वारा ज्वलनशील पाथवेज़ को लक्ष्यित करना", 20 अक्तूबर, 2015.

डा. रोहत के झागरा, एल्बर्ट एंस्टाइन स्कूल ऑफ मेडिसन, न्यूयार्क (यूएसए), "वायरल संक्रमणों के लिए अपेक्षित मेजबान कारकों की पहचान हेतु जीनोम–व्यापक स्क्रीनें", 28 मार्च, 2016.

सम्मेलनों में प्रतिभागिता

प्रो. जे.एस. विर्दी

भारतीय माइक्रोबायोलॉजी संघ (एमएमआई), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के वार्षिक सम्मेलन में 'माइक्रोबायलॉजी एक क्रांति के द्वार पर : जीनोमिकी, सूचना–विाान और स्वचालन" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया, दिसम्बर, 2015, नई दिल्ली, भारत।

डा. वाई.पी. खासा :

ट्रांसलेशनल जैव–प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "बायो–संगम 2016" में "पिचिया फेड–बैच फर्मेंटेशन में रीकॉम्बिनैंट स्ट्रेप्टोकिनेज का उच्च स्तरीय उत्पादन" पर एक व्याख्यान दिया, एमएनएनआईटी, इलाहवाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत।

आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज, आगरा मे "कृषि, जैव–चिकित्सा शास्त्र और पर्यावरणीय जैव–प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पिचिया पास्टोरिस में रीकाम्बिनैंट स्ट्रेप्टोकिनेज़ का कोशिकेत्तर उत्पादन" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

अंतर्संस्थानिक सहयोग

डा. विजेन्द्र सिंह, एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा,
डा. देवनंदा एन., मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर

प्रदत्त पीएच.डी/एम.फिल डिग्रियां

प्रदत्त पीएच.डी : 7
प्रदत्त एम.फिल : 1

संकाय सदस्य संख्या

स्थायी : 07

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

विभाग अपनी स्वयं की वेबसाइट microbio.du.ac.in चलाता है। इस वेबसाइट पर विभाग के संकाय और स्टाफ, चल रहे अनुसंधान के क्षेत्रों, प्रवेश नीतियों, विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, पाठ्यचर्या, संगोष्ठियों तथा अन्य विभागीय कार्यक्रमों के संबंध में नियमित रूप से अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

शारीरिक शिक्षा और खेद–कूद विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में शारीरिक शिक्षा के लिए सामान्य पाठ्यक्रम का विकास करने के लिए एक कार्यशाला का संचालन करने के संबंध में विशेष महत्वपूर्ण रहा है।

विभाग द्वारा एक अनुसंधान जर्नल प्रकाशित किया है अर्थात् भारतीय शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान जर्नल खण्ड 2 संख्या 1 एवं 2, जुलाई, 2014, आईएसवएसएन : 2320–7981.

सम्मान/विशेष योग्यताएं

डा. राकेश गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर को बालाजी आस्था शिक्षा और कल्याण सोसाइटी द्वारा प्राकशित अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान जर्नल के लिए 'सदस्य, सलाहकार बोर्ड' नियुक्त किया गया है।

डा. राकेश गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर को शारीरिक शिक्षा और खेलकूद मंच द्वारा प्रकाशित स्वास्थ्य और खेलकूद विज्ञान जर्नल के लिए 'सदस्य, सलाहकार बोर्ड' के रूप में नियुक्त किया गया है।

डा. राकेश गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर को भारतीय सामाजिक विज्ञान एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषयक दृष्टिकोण जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड के विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया है।

डा. राकेश गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर को पीएच.डी. चैम्बर और कॉमर्स, नई दिल्ली का 'सदस्य, खेलकूद समिति' के रूप में नियुक्त किया गया है।

डा. मीनाक्षी, सहायक प्रोफेसर को भारतीय शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान जर्नल के लिए चयन समीक्षाकर्ता' के रूप में नियुक्त किया गया , आईएसएसपी 2320–7981.

डा. ललित शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर को डीएवी सहस्राब्दि पब्लिक स्कूल, मेरठ (उत्तर प्रदेश) द्वारा 6 सितम्बर, 2014 को "शारीरिक शिक्षा का पुनः दृष्टिकोण तैयार करना" विषय पर आयोजित एक–दिवसीय कार्यशाला के लिए "विषय–विशेषज्ञ" के रूप में नियुक्त किया गया है।

डा. ललित शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर ने 27.06.2014 को पीजीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान खेलकूद मनोविज्ञान के लिए "संसाधन विशेषज्ञ" के रूप में कार्य किया।

डा. ललित शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर को स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, एमिटी यूनीवर्सिटी, नोएडा (उत्तर प्रदेश) द्वारा सदस्य, अध्ययन मंडल के रूप में नियुक्त किया गया।

डा. ललित शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर को 17.06.2014 को एमिटी यूनीवर्सिटी, नोएडा (उत्तर प्रदेश) द्वारा संकाय अनुसंधान समिति बैठक के लिए 'बाह्य सदस्य' के रूप में नियुक्त किया गया।

डा. धर्मेन्द्र कुमार सहायक प्रोफेसर को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18–22 फरवरी, 2015 तक आयोजित उत्तर क्षेत्र अंतर्विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरुष) टूर्नामेंट के लिए प्रबंधक के रूप में नामांकित किया गया।

प्रकाशन

कुमार पी., के. धनखार और ए.के. छिकारा। शैक्षणिक उपलब्धि – परीक्षण चिंता परिकल्पित तनाव और सतर्कता पर खिलाड़ियों और गैर–खिलाड़ी व्यक्तियों का तुलनात्क अध्ययन।

तिवारी एस और अमृता। शारीरिक शिक्षा और शिक्षा के छात्र–शिक्षकों के मध्य परिकल्पित सामाजिक सहायता का तुलनात्मक अध्ययन।

अनुसंधान परियोजनाएं

सत्र 2014–15 के दौरान अंतर्विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के दर्शन के साथ शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान के क्षेत्र में 54 अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गईं। इन अनुसंधान परियोजनाओं के परिणामों का प्रयोग समाज के कल्याण के लिए तथा शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विज्ञान की क्षमता का उन्नयन करने के लिए किया गया है। परियोजनाएं समाज की वर्तमान और भावी आवश्यकताओं पर आधारित थीं ताकि समाज की एक बेहतर और व्यावसायिक तरीके से सेवा की जा सके।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान संस्थान और विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा भारतीय खेलकूद मनोविज्ञान एसोसिएशन द्वारा 15–18 अक्तूबर, 2014 तक श्री शंकर लाल हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय में "खेलकूद मनोविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस" का आयोजन किया गया।

सम्मेलन हॉल, आईजीआईपीईएसएस, विकासपुरी, नई दिल्ली में 19 दिसम्बर, 2014 को "बेहतर शासन तथा ओरेटरी पर प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने में प्रौद्योगिकी और अभिनवता का प्रयोग" पर संगोष्ठी।

बी.ए. कार्यक्रम के लिए शारीरिक शिक्षा में आनुवांशिक पाठ्यक्रम" का विकास करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभिन्न कॉलेजों से अनेक एसोसिएट प्रोफेसर तथा सहायक प्रोफेसरों ने इस तीन–दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डा. राकेश गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने पीएच.डी. चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा 12 अगस्त, 2014 को 'स्पोर्ट्स फॉर ऑल – ए ट्रैक अहैड' पर आयोजित पीएच.डी. ग्लोबल स्पोर्ट्स कन्वेंशन 2014 में 'शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में व्यावसायिक तैयारी और कैरियर अवसर' शीर्षक पर एक अवधारणा पत्र प्रस्तुत किया।

अंतर्संस्थनिक सहयोग

भारतीय खेलकूद मनोविज्ञान एसोसिएशन के सहयोग से 15–18 अक्तूबर, 2014 तक सर शंकरलाल हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद मनोविज्ञान कांग्रेस।

प्रदत्त पीएच.डी डिग्रिया ं : 13

पादप आण्विक जीवविज्ञान

विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा किया गया कार्य पादप आण्विक जीवविज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी के उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग करते हुए अजीवी और जीवी तनाव सहिष्णुता पर विशेष बल प्रदान करते हुए जीन विनियमित पादप विकास के कार्यात्मक विश्लेषण के इर्द–गिर्द घूमता है। विभाग ने स्वयं को पादप जीनोमिकी के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित किया है जो रुचिकर जीनों के संरचनात्मक और कार्यात्मक विश्लेषण से संबंधित कार्य करता है। प्रो. जे.पी. खुराना की प्रयोगशाला प्रकाश सेंसरी रिसेप्टर्स, विशेष रूप से क्रिप्टोक्रोमेज पर ध्यान केन्द्रित करती है जो पादप ऊंचाई और पुष्पण समय को विनियमित करने के लिए यूवी–ए/ब्लू लाइट की परिकल्पना करताहै। डा. संजय कपूर नर गेमेटोफाइट विकास के आण्विक पहलुओं को समझने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। प्रो. अनिल ग्रोवर और प्रो. परमजीत खुराना महत्वपूर्ण फसलों जैसे क्रमशः चावल और गेहूं में उष्मा तनाव सह्यता पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। जबकि प्रो. ग्रोवर की प्रयोगशाला में सीएलपी बी परिवार का

विस्तारपूर्वक अन्वेषण किया जा रहा है, प्रो. खुराना कार्यात्मक विश्लेषण के लिए ट्रांसक्रिप्टोमिक दृष्टिकोण का प्रयोग कर रहे हैं। डा. इंद्रनील दासगुप्ता चावल और अन्य पादपों में पादप–वायरल संपर्कों का अन्वेषण कर रहे हैं तथा वायरल संक्रमण के दौरान महत्वपूर्ण लघु आरएनए की तुलना करते हैं। एस. रघुवंशी और सुरेखा करियार की प्रयोगशालाएं सूखे की परिस्थितियों के अंतर्गत एमआई–आरएनए की गहन सीक्वेंसिंग और कार्यात्मक विशेषता–वर्णन में कार्यरत हैं। डा. अरुण शर्मा की प्रयोगशाला विभिन्न जैव–प्रौद्योगिकीय दृष्टिकोणों द्वारा टमाटर में फोलेट स्तरों में वृद्धि करने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है तथा डा. गिरधर पाण्डेय विभिन्न पर्यावरणीय स्टीमुली के प्रति प्रतिक्रिया स्वरूप कैल्शियम मीडिएटेड – सिगनल ट्रांसडक्शन पाथवे का पता लगाने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं।

विभाग के पास एसएपी कार्यक्रम के अंतर्गत यूजीसी द्वारा द्वितीय चरण का वित्त–पोषण तथा अवसंरचना विकास के लिए डीएसटी–एफआईएसटी का अनुदान है।

सम्मान/विशिष्ट योग्यताएं

प्रो. जे.पी. खुराना को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत (एनएएसआई) द्वारा जुलाई, 2015 में डा. बी.पी. पॉल स्मारक व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रो. जे.पी. खुराना को हैदराबाद में अक्तूबर, 2015 को आयोजित एनजीबीटी सम्मेलन के दौरान स्की–जीनोम रिर्च फांउडेशन द्वारा लाइफटाम अचीवमेंट अवार्ड (2015) प्रदान किया गया।

प्रो. जे.पी. खुराना को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 2016 के परिषद का एनएएसआई सदस्य नामित किया गया।

प्रो. जे.पी. खुराना को पादप विज्ञान पर सेक्शनल समिति, आईएनएसए, 2016 के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. अनिल ग्रोवर को पादप प्रजनन जर्नल (स्प्रिंगेर, पराग विज्ञान पर विशेषांक) के अतिथि संपादक के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. अनिल ग्रोवर को 2016–2020 के लिए राष्ट्रीय समिति, आईएनएसए–आईयूबीएस के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. अनिल ग्रोवर को को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 2015–2020 के लिए सर जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलो के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया।

प्रकाशन

विभाग के संकाय द्वारा 2015–16 के दौरान कुल 45 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। प्रकाशनो की सूची इस प्रकार है:

दीक्षित एस., बिस्वाल ए.के., मिन ए., हेनरी ए., ओएन आरएच, रावराने एम.एल., लांग कुमार टी., पबुआयॉन आईएम., मुत्ते एस.के., वर्दराजन ए.आर, मोरो बी, गोविंदन जी, पुएफेल्ड बीए–ईएम, श्रीनिवासुलु एन., स्लामेट–लाएडिन आई, सुंदरवेल्पांडियन के, त्सेई वाई.सी., रघुवंशी एस., हूसिंग वाई–आईसी., कुमार ए., कोहली ए. (2015) को–लोकलाइज्ड ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर के इर्द–गिर्द विद्यमान मल्टीपल इंट्रा–क्यूटीएल जीनों की प्रतिक्रिया एक व्यापक प्रभाव क्यूटीएल को रेखांकित करता है। वैज्ञानिक रिपोर्टें 5 : 15183.

हैरत एस. एवं खुराना पी (2015). अर्जित थर्मोटालरेंस के लिए एजीलोप्स टॉश्ची और एजीलोप्स स्पलेटॉइड्स का मूल्यांकन : गेहूं प्रजनन कार्यक्रमों में विवक्षाएं, पादक आकारिकी, बायोकैम 95 : 65–74.

हैरत एस. एवं खुराना पी (2015). भारतीय ब्रेड व्हीट कृषि जोपजातियों में ब्रासिनोस्टेरिआड और कैल्शियमक्लोराइड के साथ उष्मा उपचारों से रिकवरी के दौरान प्रकाश–संश्लेषण प्रतिक्रियाओं में सुधार लाना, अमेर. जे. पादप विज्ञान 6 : 1827–1849.

जैन डी., कंधाल एच., खुराना, जे.पी. एवं चट्टोपाध्याय डी. (2015). साइटोटॉक्सिस एल्डेराइड्स के अपक्षय के लिए एल्डो/केटो रिडक्टेज के रूप में पैथोजिनेसिस संबंधित – 10 प्रोटीन सीए एआरपी कार्य पादप आण्विक विज्ञान 90 : 171–187.

जैसवाल वी., गहलौत वी., माथुर एस., अग्रवाल पी., खंडेलवाल एम., खुराना जे.पी., त्यागी ए.के., बाल्यान एचएस एवं गुप्ता पी.के. (2015) गेहूं (ट्रिटिकम एस्टीवम एल.) में खाद्यान्न भार और अन्य कृषीय विशेषताओं के साथ सहयोजित टीए जीडब्ल्यू 3–6ए की प्रवर्तक श्रृंखला में नवीन एसएनपी की पहचान. थीएलओएस वन 10(6) : ई 0129400.

कांत आर. शर्मा एस. एवं दासगुप्ता आई. (2015). एक वाहक के रूप में चावल टनग्रो बैसिलीफोरम वायरस का प्रयोग करते हुए चावल में कार्यात्मक जीनोमिकी के लिए वायरस–उत्प्रेरित जीन साइलेंसिंग (वीआईजीएस)। आण्विक जीव–विज्ञान में पद्धति 1287 : 201–217.

कौर जी. सिंह एस., सिंह एच., चावला एम., दत्ता टी., कौर एच., वेंदेर के., स्नेडेन डब्ल्यूए., कपूर एस. एवं प्रतीक ए. (2015). साइटोसोलिक अराबिडोप्सिस थालियाना साइक्लोफिलिन एटीसीवाईपी 19–13 की कैल्मोडुलिन–बाइडिंग क्रियाकलाप और पेप्टीडाइल–प्रोलाइल सिस–ट्रांस आइसोमेरेज़ का विशेषता–वर्णन। पीएलओएस वन. 10:ई 0136692.

खुराना एन., चौहान एच एवं खुराना पी. (2015). क्लोरोप्लास्ट लोकलाइज्ड गेहूं मेम्बरेन प्रोटीन (टीएआरसीआई) का विशेषता–वर्णन तथा एराबिडोप्सिस थालियाना में उष्मा, सूखा और लवणीय तनाव सह्यता में इसकी भूमिका। पादप जीन 4 : 45–54.

कुमार आर., जिवानी जी., पारिक ए., श्रवण कुमार टी., खुराना ए. एवं शर्मा ए.के. (2015) समूह–II पीएलपी–आश्रित डीकार्बोक्साइलेज़ जीन परिवार की उद्भव प्रोफाइलिंग टमाटर में हिस्टिडाइन डकार्बोक्साइलेज़ेज का विस्तार और कार्यात्मक विविधीकरण सुझाता है। दि प्लांट जीनोम, 9 (1) : डेओआई : 10.3835/प्लांट जीनोम 2015.07.0057.

कुमार आर. सिंह, ए.के., नेगी एम., लवानिया डी., सिद्दीकी एम.एच. एल–बहैबी एमएच एवं ग्रोवर ए. (2015) फाबा बीन (वीसिया फाबा एल.) पादपों से एचएचएसपी 17.9 – सीआईआई जीन की क्लोनिंग और ट्रांक्रिप्ट प्रोफाइलिंग। एक्टा फीजिओल प्लांट 37 : 190 (डीओआई 10.1007/एस 11738–015–1943–3).

कुमार आर., सिंह ए.के., नेगी एम., लवानिया डी., सिद्दीकी एम.एच. एल–बहैबी एमएच एवं ग्रोवर ए. (2015) उष्मा तनाव के प्रति प्रतिक्रिया में फाबा बीन (वीसिया फाबा एल.) पादपों में सीएलपीबी/एचएचएसपी 100 जीन का अभिव्यक्ति विश्लेषण/साउदी जर्नल बायलॉजिकल साइंसेज. 23/243–247 (डीओआई 10.1016/जे. एसजेबीएस. 2015. 03.006).

कुमार वी., सिंह ए., मित्रा एस.वी.ए., कृष्णमूर्ति एसएल, परीदा एस.के., जैन एस., तिवारी के.के., कुमार पी., राव ए.आर., शर्मा एस.के, खुराना जे.पी., सिंह एन.के. एवं महापात्र टी. (2015). चावल (ओराजी सतीवा) में लवणता सहिष्णुता की जोनाम व्यापक एसोसिएशन मैपिंग डीएनए रेस. 1–13.

कुशवाहा ए.के., रवीन्द्रन आर., दासगुप्ता आई (2015). निकोटीनिया बेंथामियाना पर तमिलनाडु, भारत से क्लोन्ड श्रीलंकाई कसावा मोज़ेक वायरस डीएनए–ए का फीलोजेनेटिक विश्लेषण और बायोलिस्टिक इंफेक्टिविटी. एक्टा विरोलॉजिका 59(1) : 57–63.

लवानिया डी., सिद्दीकी एम.एच., एल–बहैबी एम.एच., कुमार आर., सिंह ए.के. एवं ग्रोवर ए. (2015). फाबाबीन (वीसिया फाबा एल.) में उष्मा तनाव सह्यता के प्रजनन के लिए आनुवांशिक दृष्टिकोण एक्टा फिजियाला प्लांट 37 : 1–9.

लवानिया डी., ढींगरा ए., सिद्दीकी एम.एच. एल–बहैबी एमएच एवं ग्रोवर ए. (2015). गर्म जलवायु में पैदावार के लिए उच्च तापमान सह्य ट्रासंजीनिक फसलों के उत्पादन की वर्तमान स्थिति, पादप आकारिकी और जैव–रसायन विज्ञान. 86 : 100–108.

मणि बी., अग्रवाल एम. एवं किटियार अग्रवाल एस. (2015). चावल टेट्रोस्पैनिन जीनों की व्यापक एक्सप्रेशन प्रोफाइलिंग विकास और अजीवी तनाव के दौरान विविध भूमिकाएं दर्शाती हैं। फ्रंट प्लांट साइंस. 6 :1088.

मिश्रा आर.सी., रिचा ए. सिंह एवं ग्रोवर ए. (2015) राइस, सीएलपी बी–सी/एचएसपी 100 जीन के 5′ यूटीआर का विशेषता–वर्णन : पोस्ट–ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन में इसके शामिल रहने का साक्ष्य। सैल स्ट्रैस चैपरोन . 21 : 271–283.

पाण्डेय जी.के., कंवर पी., सिंह ए., स्टेन होर्स्ट एल., पाण्डेय ए., यादव ए.के., टोकस आई., सान्याल एस., बेयोम–किम बी–जी., ली. एस.सी., चेओंग वाई.एच. कुड्ला जे. एवं लुआन एस. (2015). सीबीएल–इंटरेक्टिंग प्रोटीन किनेज, सीआईपीके 21 अर्बिडोप्सिस में ओस्मोटिक और लवण तनाव प्रतिक्रियाओं को विनियमित करता है। पादप आकारिकी 169(1) : 780–92.

रिशीश्वर आर., मजूमदार वी. एवं दास गुप्ता आई (2015). विविधतापूर्ण और रीकॉम्बिनैंट बेगेमो वायरस और विविध सेटेलाइट्स भारत में ओकरा के मेंदी येलो वेन मोजेक रोग से सहयोजित हैं। जर्नल ऑफ प्लांट बायोमिस्ट्री एंडबायोटेक्नालॉजी 24 : 470–475.

सईद बी., बरनवाल बी.के. एवं खुराना पी. (2015) शहतूत में तुलनात्मक ट्रांसक्रिप्टोमिक्स एवं व्यापक मार्कर संसाधन विकास। बीएमसी जीनोमिकी 1–14.

सांगवान एन., लाम्र्बेट सी., शर्मा ए., गुप्ता वी., खुराना पी., खुराना जे.पी., सॉकेट आर.ई. गिल्बर्ट जे.ए. एवं लाल आर. (2015) अर्सेनिक समृद्ध हिमालयी हॉट स्प्रिंग मेटाजीनोमिकी सामान्यतः नूत प्रीडेटर–प्रे–जीनोटाइप दर्शाती है। पर्यावरण माइक्राबायलॉ. रिपोर्ट्स 7 : 812–823.

सिद्दीकी एम.एच., एल–खैशनी एम.वाई., अल–कातमी एम.ए., अल–बहैबी एम.एच., ग्रोवर ए. अली एच.एम., अल–वहैवी एम.एस. एवं बुखारी एन.ए. (2015). फाबा बीन पादपों के विभिन्न जीनोटाइपों के सूखा तनाव के प्रति पक्रिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर साइंसेजत्रः 16:10214–10227.

सिंह ए., पाण्डेय ए., श्रीवास्तव ए.के., फान ट्रान एल'एस, एवं पाण्डेय जी.के. (2015). पादप प्रोटीन फोसफोटेज़ेज 2सी : कार्यात्मक बहुलता के प्रति जीनोमिक विविधता से तथा तनाव प्रबंध में उनका महत्व, क्रिट रेव बायोटेक्नोल 18 : 1–13.

शर्मा ए., सांगवान एन., नेगी वी., कोहली पी., खुराना जे.पी., राव डी.एल.एन. एवं लाल (2015). प्सूडोमोनस जीन की पैन–जीनोम गतिशीलता हेक्सा क्लोरो साइक्लो हैक्सेन डंपसाइट के आस–पास परिपूर्ण होती है। बीएमसी जीनोमिकी 16 : 313.

शर्मा जी, गिरी जे. एवं त्यागी ए.के. (2015). चावल ओ.एस.आई एस.ए.पी. 7 ए.बी.ए. तनाव सिगनलिंग को नकारात्मक रूप से विनियमित करती है तथा एराबिडोप्सिस में जल–अल्पता तनाव के प्रति संवेदनशीता प्रदान करती है। पादप विज्ञान 237 : 80–92.

शर्मा एवं एवं पाण्डेय जी.के. (2015). डीयूबी : परिवर्तनीय यूबिक्विटिनेशन द्वारा विनियम जे. मोल बायलॉ इमेजिंग 2(1) : 1014.

सिन्हा एस., रक्सावल वी.के., जोशी बी., जगन्नाथ ए., कटियार–अग्रवाल एस., गोयल एस. कुमार ए. एवं अग्रवाल एम., (2015). भारतीय सरसों में शिंबी भरण अवस्थाओं के दौरान शीत–तनावयुक्त शिम्बियों की डीनोवो ट्रांसक्रिप्टम प्रोफाइलिंग (ब्रासिका जंशिया एल.). फ्रंट प्लांट साइं. 6 : 932.

श्री के.एस., महेश्वरी एस.सी., बोका के., खुराना जे.पी., केरेस्जेट्स ए., एवं स्पेन्टोथ के.जे. (2015). डकवीड वोल्फिया माइक्रोस्कोपिका : एक विशिष्ट जलीय मोनोकोट. फ्लोरा 210 : 31–39.

तिवारी के.के., सिंह ए., पटनायक एस.एस., संधु एम.एम., कौर एस., जैन एस., तिवारी एस., मल्होत्रा एस., अनुमाला एम. सामल आर., भारद्वाज जे., दुबे एन. साहू वी., खारसिंग जी.ए., जेलियांग पी.के., श्रीनिवास के. कुमार पी., परीदा एस.के., मित्रा एस.वी.ए., राय वी., त्यागी डब्ल्यू. अग्रवाल पी.के., राव ए.आर., पट्टनायक ए., नांदेल जी., सिंह ए.के., बिष्ट आई.एस., भट्ट के.वी., राव जी.जे.एन., खुराना जे.पी., सिंह एन.के., और महापात्र टी. (2015). भरतीय चावल जननद्रव्य संग्रहण से सूक्ष्म–कोर सेट की पहचान। पादप प्रजनन डीओआई : 10 . 1111/पीबीआर. 12252.

तिवारी एल.डी., मिश्रा आर.सी., मित्तल डी. एवं ग्रोवर ए. (2015). चावल चिमोट्रिप्सिन प्रोटीन इन्हिबिटर जीन ओसीपी 12 की निर्मात्मक अति–अभिव्यक्ति ट्रांसजीनिक एराबिडोप्सिस पादपों की वृद्धि और मोरमोटिक तनाव सहिष्णुता में वृद्धि करती है। पादप आकारिकी और जैव–रसायनी 92 : 48–55.

यादव ए.के., शंकर ए., झा. एस.के., कंवर पी. पांडेय ए. एवं पांडेय जी.के. (2015). एक समृद्ध टानोप्लास्टिक कैल्शियम एक्सचेंजर ओएससीसी एक्स 2 खमीर में सीए 2 + केटाइन परिवहन को मीडिएट करता है। वैज्ञानिक रिपोर्टें 26(5) : 17117.

अग्रवाल पी. परीदा एस.के., रघुवंशी एस. कपूर एस., खुराना पी. खुराना जे.पी. एवं त्यागी ए.के. (2016). जीनोम आधारित कार्यात्मक विश्लेषण तथा आण्विक प्रजनन के माध्यम से भारत में चावल संवर्धन 9 : 1 (डीओआई 10.1188/एस/12284–015–0073–2).

आर्य डी., कपूर एस. एवं कपूर एम. (2016). लवण और ओस्मोटिक तनाव से रिकवरी के लिए फिस्कोमिट्रेला पेटेंट डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज़ अपेक्षित है। एफईबीएस जर्नल. 283 : 556–570.

बर्नवाल वीके एवं खुराना पी (2016). मोरस नोटाबिलिस में विभिन्न विकासात्मक अवस्थाओं पर एनएसी जीन परिवार का जीनोम व्यापक विश्लेषण, अभिव्यक्ति गतिशीलता और किस्मीय तुलना। आण्विक आनुवांशिकी और जीनोमिकी डीओअई 10.1007/एस 00438 – 01671186–जैड.

झा एस.के. शर्मा एम. एवं पाण्डेय जी.के. (2016). पादपों में तनाव प्रबंधन में साइक्लिक न्यूक्लॉयड गेटेड चैनलों में तनाव प्रबंध, वर्तमान जीनोमिकी 17(4).

केल्कर वी., कुशवाहा ए.के. एवं दासगुप्ता आई (2016). निकोटीनिया बेंथामियाना में संलक्षण उत्पादन और वायरल टिटल को प्रभावित करने वाले श्रीलांई कसावा मोज़ेक वायरस के कोट प्रोटीन के एमिनो एसिड अवशिष्टों की पहचान। वायरस अनुसंधान 217 : 38–46.

लू जी.एच., पाण्डेय जी.के., यांग वाई.एच. (2016). लाइक सेक्स फोर 2 एराबिडोप्सिस में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेसीज होमोस्टेसिस को मॉड्यूलेट करते हुए जड़ विकास को विनियमित करता है। साइंस रे. 28(6) : 28683. डीओआई : 10.1038/एसआरईपी 28683.

मिश्रा आर.सी. एवं ग्रोवर ए. (2016). पादपों में सीएलपीबी/एचएसबी 100 प्रोटीन तथा उष्मा तनाव सहिष्णुता जैव प्रौद्योगिकी में निर्णायक समीक्षाएं, 36 : 862–874.

मिश्रा आर.सी. रिचा ए., सिंह एवं ग्रोवर ए (2016). चावल सीएलपी बी–बी/एचएसपी 100 जीन के 5^1 यूटीआर का विशेषता–वर्णन : पोस्ट–ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन में इसके शामिल होने के साक्ष्य। सैल स्ट्रैस चेपरोन (डीओई : 10.1007/एस 12192/015/0657/1).

पांडेय जी.के., पांडेय ए., प्रसाद एम. एवं बोहमर एम. (2016). संपादकीय : पादपों में अजीवी तनाव सिगनलिंग : कार्यात्मक जीनोमिकी हस्तक्षेप. फ्रंट प्लांट साइं. 2016. मई 20; 7:681 डीओआई : 10.3389/एफपीएलएस. 2016.00681 ई–कलेक्शन 2016. उद्धरण उपलब्ध नहीं।

पांडेय ए., शर्मा एम. एवं पांडेय जी.के., (2016). तनाव और विकास के प्रति पादप प्रतिक्रियाओं में स्ट्रिगो–लेक्टारेज की उभरती भूमिका। फ्रंट प्लांट साइंस 2016. अप्रैल 5; 7:681. डीओआई : 10.3389/एफपीएलएस. 2016.00434 ई–कलेक्शन समीक्षा।

शर्मा ए. एवं पांडेय जी.के., (2016). पादपों में तनाव और विकास के दौरान रिपीट डोमेन प्रोटीनों का विस्तार और कार्य. फ्रंट पादप विज्ञान 11(6):121.

सिंह ए, सर्राफ जी., दासगुप्ता आई एवं मुखर्जी एस.के. (2016). टमाटर में वायरस–इंड्यूसीबल टेसी–आरएनए–सृजनकर्ता टीएएस 4 लोकस की पहचान और विधि मान्यता। जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज 41 : 109–118.

वलारमथी पी., कुमार जी., रॉबिन एस., मैननमणि एस. दासगुप्ता आई. और रविन्द्रन आर. (2016). बैकक्रॉस प्रजनन द्वारा राइस टंग्रो बेसीलीफोर्म वायरस के विरुद्ध ट्रांसजीन के अंतरण के पश्चात् चावल कृषिजोपजाति एएसडी 16 के विषाणु प्रतिरोध और कृषीय प्रदर्शन का मूल्यांकन/वायरस जीन्स डीओआई : 10.1007/एस 11262–016–1318 एक्स।

झाओ पी., सोकोलोव एल.एन., ये जे, तांग सी वाई, शी जे, जेन वाई, लान डब्ल्यू, हांग जैड, क्वी. जे. लू. जी.एच. पांडेय जी.के. एवं यांग वाई.एच. (2016). लाइक सेक्स फोर 2 एराबिडाप्सिस में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीसीज़ होम्योस्टैरिस को मॉड्यूलेट करते हुए जड़ विकास को विनियमित करता है। साइंस रेप. 28(6) : 28683. डीओआई : 10.1038/एसआरईपी 28683.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. संजय कपूर, डीबीटी–नाउ 2015–19 उप–परियोजना IV : जीन–विनियामक नेटवर्कों और ट्रांसक्रिप्शनल तंत्रों का विशेषता–वर्णन जो नर गेमोटोफाइट को नियंत्रित करते हैं, राष्ट्रीय चावल कार्यात्मक जीनोमिकी कंसोर्टियम परियोजना के अंतर्गत, शीर्षक "चावल में प्रजनन विकास में शामिल जेनेटिक और एपिजेनेटिक विनियामक नेटवर्कों के चावल कार्यात्मक विशेषता–वर्णन का विकास।"

प्रो. गिरधर के., पाण्डेय, डीबीटी, 2015–17 शीर्षक "अजीवी तनाव परिस्थितियों के अंतर्गत एराबिडोप्सिस सीसीएक्स 1 और 2 का कार्यात्मक विशेषता–वर्णन (सीए 2 + कैटाइन एक्सचेंजर्स)", 48.79 लाख।

प्रो. गिरधर के., पाण्डेय, डीबीटी, 2015–17 शीर्षक "अजीवी तनाव परिस्थितियों के अंतर्गत चावल सीसी x 2 (सीए 2 + कैटाइन एक्सचेंजर्स) का कार्यात्मक विशेषता–वर्णन"। 46.43 लाख।

प्रो. जे.पी. खुराना, प्रो. ए.के. त्यागी, प्रो. पी. खुराना, एवं प्रो. ए. ग्रोवर, डीबीटी, 2015–18 शीर्षक "पादप तनाव और विकासात्मक जैविकी प्रगत अनुसंधान और अभिनवता केन्द्र" सीपीएमबी चरण IV, 367.085 लाख।

प्रो. जे.पी. खुराना और प्रो. पी. खुराना डीबीटी, 2010–16 शीर्षक "व्हीट क्रोमोजोम 2ए की फिजिकल मैपिंग एवं सैंपल सीक्वेंसिंग – अंतर्राष्ट्रीय व्हीट जीनोम सीक्वेंसिंग कंर्सोटियम", 751.46 लाख रुपए।

प्रो. आई. दासगुप्ता, डीबीटी, एनई टि्विनिंग कार्यक्रम, 2012–16 के अंतर्गत, शीर्षक "हेट्रोलोमस जीन एक्सप्रेशन प्रणालियां विकसित करने क लिए जेमिनीवायरल प्रवर्तकों का कार्यात्मक प्रतिच्छेदन।" 28.80 लाख रुपए।

प्रो. एस. कपूर एवं प्रो. ए. ग्रोवर, बीआईपीपी के अंतर्गत डीबीटी, 2012–17 शीर्षक "आरएनए इंटरफेरेंस का प्रयोग करते हुए, ओकरा में ट्रांजीनिक वायरस प्रतिरोध का सृजन।" 100.00 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में 2 मार्च, 2016 को "आण्विक जैविकी और जैव–प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति" पर यूजीसी–एसएपी कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रो. जे.पी. खुराना ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर, नई दिल्ली में 29 फरवरी, 206 को आईएनएसए – टीडब्ल्यूएएस प्रायोजित प्लेनरी व्याख्यानों का आयोजन किया और उनमें प्रतिभागिता की।

सम्मेलनों में प्रतिभागिता

संकाय के सदस्यों ने भारत और विदेश के विश्वविद्यालयों में अनेक आमंत्रित वार्ताएं संचालित कीं।

प्रो. जे.पी. खुराना

जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में अप्रैल, 2015 में एक व्याख्यान दिया।

इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नालॉजी, नई दिल्ली द्वारा 9–11 अगस्त, 2015 तक एनएसीआर परिसर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में प्लेनरी व्याख्यान दिया और उसमें प्रतिभागिता की।

हैदराबाद में अक्तूबर, 2015 में आयोजित भावी पीढ़ी जीनोमिकी, जैविकी और जैव–सूचना विज्ञान प्रौद्योगिकियां (एनजीबीटी) सम्मेलन के दौरान आधार व्याख्यान दिया।

एनबीआरआई, लखनऊ में 25 अक्तूबर, 2015 कोसीएसआईआर–एनबीआरआई के अवसर पर अतिथि व्याख्यान (सम्मानित अतिथि के रूप में) दिया।

महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी और सीएसआईआर–एनसीएल, पुणे द्वारा 29 अक्तूबर, 2015 को संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला में अतिथि व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) के वार्षिक सत्र के भाग के रूप में 8 दिसम्बर, 2015 को केआईआईटी, भुवनेश्वर में आयोजित बाल विज्ञान कांग्रेस के दौरान उच्च विद्यालय के छात्रों को एक व्याख्यान दिया।

जेएनयू, नई दिलली में 11–14 सितम्बर, 2015 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पादप आकारिकी कांग्रेस (आईपीपीसी 2015) में प्लेनरी व्याख्यान दिया।

आईएनएसए द्वारा आईआईएसईआर, भोपाल में 28–30 दिसम्बर, 2015 तक इसकी वार्षिक आम बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश वर्ष 2015 के उपलक्ष्य में आयोजित विचार–गोष्ठी में अतिथि व्याख्यान दिया।

जीव–विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी में फरवरी, 2016 को आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

डीबीटी द्वारा 5–6 फरवरी, 2016 तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "जैव–प्रौद्योगिकी उत्सव : गतव्य भारत" विषय पर आयोजत वैश्विक जैव–प्रौद्योगिकी शिखर–सम्मेलन 2016 में भाग लिया।

पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भंटिडा द्वारा 13–14 फरवरी, 2016 तक आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला मं एक अतिथि व्याख्यान दिया।

दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17 फरवरी, 2016 को डा. बी.पी. पॉल स्मारक पुरस्कार समारोह में व्याख्यान दिया।

प्रो. परमजीत खुराना

जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में 22 मई, 2015 को "आईएंड टी फेलोशिप और इंटर्नशिप के बारे में महिलाओं की जागरूकता के लिए डीएसटी – एनएएसआई कार्यशाला" में 'सम्मानित अतिथि' तथा 'वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरणों की कला' पर प्रस्तुतीकरण।

एनएएसाई द्वारा देहरादून में 4 जुलाई, 2015 को आईटीबीपी बल, उत्तराखण्ड के लिए आयोजित विशेष कार्यशाला में 'जलवायु परिवर्तन और पादप' पर प्रस्तुतीकरण।

डीएसटी, आईयूएसएसटीएफ तथा कोच द्वारा 2–6 सितम्बर, 2015 को भारतीय उद्यमिता संस्थान, गुवाहाटी में महिला वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए नेतृत्व और कैरियर विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "प्रस्ताव लेखन और ग्राफ्टमैनशिप" पर प्रस्तुतीकरण।

एनएएसआई द्वारा 25 सितम्बर, 2015 को "महिला शिक्षकों/शोधकर्ताओं/वैज्ञानिकों के उनके एस एंड टी प्रयासों के लिए जागरूक बनाने और उनकी प्रौद्योगिकीय अधिकारिता" पर सावित्रीबाई फूले विश्वविद्यालय पुणे में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण की कला" पर प्रस्तुतीकरण।

सीआईएमएपी में 28–29 नवम्बर, 2015 को 'मानव जाति के लिए एमएपी अनुसंधान को रूपांतरित करना" विषय पर आयोजित जिज्ञासा – 2015 में 'जिज्ञासा – 2015 में 'जिज्ञासा : मलबरी शोध में जीनोमिकी अंतर्दर्शन' पर पूर्ण व्याख्यान।

प्राकृतिक उत्पाद अध्ययन विद्यालय द्वारा सोसाइटी फॉर इथैनोफार्माकोलाजी (एसएफई–भारत) के सहयोग से जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता मे 5 दिसम्बर, 2015 को द्वितीय कन्वेंशन : एसएफई – इंडिया, 2015 में "फसल सुधार और उत्पाद विविधता के लिए मलबरी ट्रांसक्रिप्टोमिक्स की भूमिका' पर प्लेनरी व्याख्यान दिया।

डीबीटी द्वारा प्रदत्त स्टार स्टेटस के अंतर्गत मैत्रियी कॉलेज, नई दिल्ली में 15 दिसम्बर, 2015 को "इन विट्रो : तकनीक से प्रौद्योगिकी" पर आयोजित कार्यशाला में "पादप ऊत्तक प्रवर्धो का परिचय : तकनीकें और प्रौद्योगिकियां" विषय पर प्रारंभिक व्याख्यान दिया।

इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट फीजियोलॉजी द्वारा 11–14 दिसम्बर, 2015 तक जेएनयू में "पादप जैविकी अनुसंधान में चुनौतियां और कार्यनीतियां" विषय पर आयोजित तीसरी अंतर्राष्ट्रीय पादप शारीरिक विज्ञान कांग्रेस" में "गेहूं मे तापीय सहिष्णुलता की कार्यात्मक जीनोमिकी" विषय पर आधार व्याख्यान दिया।

डीबीटी द्वारा 5–6 फरवरी, 2016 तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक जैव–प्रौद्योगिकीय शिखर–सम्मेलन, 2016 में प्रतिभागिता।

देहरादून में 10 फरवरी, 2016 को आयोजित 10वें यूएसएसटीसी 2015–16 के दौरान "वैज्ञानिक पत्र लेखन और प्रस्तुतीकरण की कला" पर जागरूकता पत्र में एक आमंत्रित व्याख्याता के रूप में "वैज्ञानिक पत्र लेखन और प्रस्तुतीकरण का कौशल" पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत द्वारा 04–05 मार्च, 2016 तक संत गाडंगे बाबा अमरावती विश्वविद्यलय अमरावती में "वैज्ञानिक/शोध पत्र लेखन" पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "वैज्ञानिक लेखन और प्रस्तुतीकरण की कला" पर व्याख्यान।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत द्वारा 14–15 मार्च, 2016 तक वनस्थली विश्वविद्यालय द्वारा "महिलाओं की प्रौद्योगिकीय अधिकारिता पर जागरूकता कार्यशाला" में "महिला–पुरुष जागरूकता : मानसिकता में परिवर्तन लाना" पर व्याख्यान।

विकासशील देशों के अनुसंधान केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 13 जुलाई, 2016 को "विश्व जैव–प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान।

प्राकृतिक उत्पाद अध्ययन द्वारा सोसाइटी ऑफ एथेनोफार्माकोलोजी (एसएफई–भारत) के सहयोग से जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 5 दिसम्बर, 2015 को आयोजित दूसरे कन्वेशन : एसएफई इंडिया 2015 में "फसल सुधार और उत्पाद वैविध्यता के लिए मल्बरी ट्रांसक्रिप्टोमिक्स की भूमिका" पर प्लेनरी व्याख्यान।

प्रोफेसर अनिल ग्रोवर

बयोस्पार्क्स, जेएनयू, नई दिल्ली में "गर्मी और चावल के पादप" पर एक वार्ता संचालित की। (19 मार्च, 2016।

साउथ एशियन यूनीवर्सिटी, नई दिल्ली में 'उष्मा तनाव जैविकी और चावल के पादप' पर वार्ता संचालित की (26 फरवरी, 2016)

हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "भावी कृषि : तनाव सहिष्णु ट्रासजीनिक पादप" पर एक वार्ता संचालित की। (15 फरवरी, 2016)

एनआरसीपीबी, आईएआरआई परिसर, नई दिल्ली में "चावल के पादपों पर उष्मा तनाव के प्रभाव" पर वार्ता संचालित की (03 फरवरी, 2016)

भारतीय पादप आकारिकी कांग्रेस, जेएनयू, नई दिल्ली में "चावल के पादपों द्वारा उष्मा तनाव के अनुकूलन से सहयोजित आण्विक मशीनरी अवयवों की व्याख्या" पर वार्ता (11 दिसम्बर, 2015).

आईसीजीईबी, नई दिल्ली में "चावल की पैदावार और उष्मा तनाव" पर वार्ता (20 नवम्बर, 2015)

नेवी स्कूल, नई दिल्ली में "भावी कृषि : तनाव सहिष्णु ट्रांजीनिक फसलें : अजीवी तनाव सहिष्णु ट्रांसजीनिक फसलें पैदा करना' पर वार्ता। (05 मार्च, 2015)।

शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'उच्च तापमान तनावयुक्त चावल के पादपों की आण्विक जैविकी" पर एक वार्ता संचालित की (03 मार्च, 2015)।

डीएवी कॉलेज, जालंधर, पंजाब में "अजीवी तनाव सहिष्णु ट्रांसजीनिक पादप उगाना" पर एक वार्ता संचालित की (28 फरवरी, 2015)।

डा. सुरेखा कटियार – अग्रवाल

भारतीय पादप आकारिकी सोसाइटी द्वारा 11–14 दिसम्बर, 2015 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'तीसरी अंर्राष्ट्रीय पादप आकारिकी कांग्रेस' में "प्रोटीनों की टेट्रास्पैनिन फेमिली : चावल में विकास के लिए विनियामक तथा अजीवी तनाव प्रतिक्रिया" पर व्याख्यान दिया।

आईसीजीईबी, नई दिल्ली, भारत द्वारा 16–27 नवम्बर, 2015 तक "पादप विकास और तनाव में माइक्रो–आरएनए का सैद्धांतिक और व्यावहारिक मार्ग" पर आयोजित सम्मेलन में "एंडोजेनस स्मॉल आरएनए : पादपों में अजीवी और जीवी तनाव प्रतिक्रियाओं के लघु विनियामक" पर व्याख्यान दिया।

अंतर्सांस्थनिक सहयोग

प्रो. आर.के. सिंह और प्रो. टीआर. शर्मा, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली तथा प्रो. कुलदीप सिंह, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के सहयोग से गेहूं क्रोमोजोम 2ए की फिजिकल मैपिंग और सैंपल सीक्वेंसिंग – अंतर्राष्ट्रीय गेहूं जीनोम सीक्वेंसिंग कसोर्टियम (भारत) (2010–2016)।

डा. बसंत कुमार बोहरा, असम कृषि विश्वविद्यालय जोरहाट के सहयोग से पूर्वोत्तर क्षेत्र के साथ ट्विनिंग कार्यक्रम के अंतर्गत हेट्रोलूगस जीन अभिव्यक्ति प्रणालियों के विकास के लिए जेमिनी वायरस प्रवर्तकों का कार्यात्मक प्रतिच्छेदन (2012–2016)।

"उच्च तापमान तनाव के दौरान पराग अवशोषण में शामिल आण्विक अवयवों का विशेषता–वर्णन" पर भारत डच सहयोग परियोजना।

प्रदत्त पीएच.डी/एम.फिल डिग्रियां

प्रदत्त पीएच.डी : 11

संकाय सदस्य संख्या : स्थायी – 11

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में 2 मार्च, 2016 को "आण्विक जैविकी और जैव–प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति पर" पर यूजीसी–एसएपी कार्यशाला आयोजन किया।

प्रो. दासगुप्ता को नाथैवेस्ट ए एंड एफ विश्वविद्यालय, यांगलिंग, शन्क्सी, पी.आर. चीन की विजिटिंग प्रोफेसरशिप तथा भावी वैज्ञानिक सहयोग को संपोषित करने केलिए एरासमस मंडस मोबिलिटी कार्यक्रम के अतर्गत चार सप्ताह के लिए मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय, हाले–विटनबर्ग, जर्मनी का दो सप्ताह का शैक्षणिक दौरा प्रदान किया गया।

प्रौद्योगिकी संकाय

उपकरण और नियंत्रण इंजीनियरिंग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

17–20 दिसंबर, 2015 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई आईएनडीआईसीओएन 2015 में प्रेरणा गौड़ और अंकिता अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत "ग्रिड से जुड़े पीवी सिस्टम के लिए एमपीपीटी नियंत्रक आधारित एएनएन और एएनएफआईएस की तुलना" शीर्षक को शोधपत्र को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के रूप में सम्मानित किया गया।

प्रतिष्ठित आईईईई अखिल भारतीय विद्यार्थी कम्प्यूटर सोसायटी वाईपी कांग्रेस 2015 नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित की गई। 'एआईसीएसएसवाईसी –15' छात्रों और पेशेवरों के लिए जीवनकाल में एक बार आने वाला अवसर है, इस औपचारिक वार्ता में भाग लेने वालों को विभिन्न सूचनात्मक सत्रों से मिलने वाली जानकारियों को आत्मसात कर ज्ञान का संवर्धन करने और आपसी सहयोग के लिए अलग–अलग विचार विमर्श कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। तीन दिवसीय कार्यक्रम को एक बार में सब कुछ प्रदान करने, अर्थात् प्रेरक आईईईई और आईईईई सीएस नेताओं, औद्योगिक और व्यावसायिक जानकारों से प्रेरणादायक आईईईई व्याख्यान, आईईईई और सीएस के विभिन्न आयामों पर स्पष्टीकरण और उद्योग का दौरा, टीमों के बेहतर कार्यों और विश्लेषण, मनोरंजक घटनाओं से भरे कार्यक्रमों के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

डॉ प्रेरणा गौड़, एसोसिएट प्रोफेसर को आईईईई दिल्ली सेक्शन–2016 से उत्कृष्ट शाखा परामर्शदाता पुरस्कार।

प्रकाशन

2015–2016 के दौरान विभाग के संकाय द्वारा अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में कुल 40 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। आईसीई अनुभाग के प्रकाशनों की सूची इस प्रकार हैः

एस अग्रवाल, ए रानी, वी सिंह और ए पी मित्तल, (2016).प्रदर्शन मूल्यांकन और एफपीजीए स्मार्ट नैदानिक अनुप्रयोगों में एसजीएसएफ के आधार पर कार्यान्वयन। चिकित्सा प्रणालियों की पत्रिका, 40(3). जारी किए जाने की तारीखः 10.1007 /एस10916–015–0404–2.

पी अरोड़ा, एस बारेजा, के अरोड़ा और एस श्रीवास्तव, (2015). ग्रेडिएंट हिस्टोग्राम गाऊसियन छवि का उपयोग कर उन्नत गति की पहचान। प्रोसिडिया कंप्यूटर विज्ञान, 58, 408–413.

पी अरोड़ा, एम हैनमंडलू और एस श्रीवास्तव, (2015). गति जानकारी छवि सुविधाओं का उपयोग कर गति आधारित प्रमाणीकरण। पैटर्न पहचान पत्र, 68, 336–342.

पी अरोड़ा, एस श्रीवास्तव, एस सिंघल, (2015). गति मान्यता के लिए विस्तार तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग कर गति गाऊसी छवि और गति प्रवाह छवि का विश्लेषण। रफ सेट और डेटा विश्लेषण की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (2), 45–64.

एस बैजल, एस सिंह, ए रानी और ए अग्रवाल, (2015) सफेद और झिलमिलाहट शोर के आधार पर एस–गोले और एमए फिल्टर के निष्पादन का मूल्यांकन। इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग के क्षेत्र में प्रगति, 425, 245–255.

वी एच गेधाने, वाई वी होते, वी सिंह, (2016). बहुपद गुणांक और वर्णक्रमीय त्रिज्या के आधार पर छवि के केंद्र की माप। संकेत, छवि और वीडियो प्रसंस्करण। जारी किए जाने की तारीख 10.1007/एस11760–015–0775–3.

जी गर्ग और, वी सिंह (2016). एसवीएम जानकारी का उपयोग कर जैव चिकित्सा संकेतों के लिए तरंगिका सुविधाओं का चयन, विविध सेटिंग में डेटा विश्लेषण के लिए बुद्धिमान तकनीक का उपयोग। विविध सेटिंग्स में डेटा विश्लेषण के लिए बुद्धिमान तकनीक, 306–315. जारी किए जाने की तारीखः 10.4018ध्978–1–5225–0075–9.बी015.

जी गर्ग और, वी सिंह (2016). विभिन्न जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलित एकीकृत तरंगिका रूपांतरण विश्लेषण। विविध सेटिंग्स में डेटा विश्लेषण के लिए बुद्धिमान तकनीक, 1– 21.

गोपाल श्रीवास्तव, एस भारद्वाज, एवं एस भार्गव, (2016). हथेली की छाप और पृष्ठीय हाथ की नस के साथ हथेली–की उंगलियों के पोरों की छाप का विलय। अनुप्रयुक्त सॉफ्ट कम्प्यूटिंग की पत्रिका। जारी किए जाने की तारीखः 10.1016/जे-एएसओसी .2016.05.039.

वाई वी होते, (2015). मॉडल आदेश कमी में ग्रेसगोरिन प्रमेय के नए दृष्टिकोण। मॉडलिंग और अनुकरण की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 35 (3–4), 143–149.

एस कुमार झा, (2015). विज्ञान और अध्यात्म के बीच कट्टर सहजीवन का शोषण कर इंजीनियरिंग शिक्षा में बदलाव। इंजीनियरिंग शिक्षा में बदलाव की पत्रिका, 29(2), 25–30.

एस कुमार झा, (2016). उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं के निहितार्थः भारत दुनिया के लिए क्या योगदान कर सकता है? अर्थशास्त्र और व्यापार प्रबंधन के क्षेत्र में प्रगति की पत्रिका, 3(5), 554–559.

एस कुमार झा, (2016). रोट सीखनाः विज्ञान और अध्यात्म के बीच एक दिव्य पुल। इंजीनियरिंग शिक्षा में बदलाव की पत्रिका, 29(3), 143–149.

वी कुमार, पी गौर और ए.पी. मित्तल, (2015). उच्च प्रदर्शन डीसी सर्वो मोटर नियंत्रण के लिए अभिनव एआई आधारित ऑन–लाइन अनुक्रमिक सीखने की तकनीक। नियंत्रण इंजीनियरिंग और अनुप्रयुक्त सूचना विज्ञान की पत्रिका, इंडरसाइंस,17. जारी किए जाने की तारीखः 10.1504/आईजेसीएडी. 2013.057458.

वी कुमार, पी गौर और ए पी मित्तल, (2016). भविष्य कहनेवाले टोक और अस्पष्ट बहु–मानदंड निर्णय लेने का उपयोग कर एक प्रेरण मशीन ड्राइव के प्रेडिक्टिव टार्क और प्रवाह का नियंत्रण। साधना, स्वीकृत। एसएडीएच–डी –15–00116आर1.

एन पचौरी, ए रानी और वी सिंह, (2016). बायोरिएक्टर का जीए ट्यून्ड 2डीओएफपीआईडी आधारित बायोमास सांद्रता नियंत्रण। इंटेलिजेंट सिस्टम और कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में प्रगति, 479, 879–885.

आर शर्मा, पी गौर और ए पी मित्तल, (2015)। पेलोड के साथ रोबोट जोड़तोड़ के लिए स्वतंत्र आंशिक आदेश पीआईडी नियंत्रकों के दो–डिग्री प्रदर्शन का विश्लेषण। आईएसए ट्रांजेक्शन्स, एल्सेवियर, 58, 279–291.

आर शर्मा, वी कुमार, पी गौर और ए पी मित्तल, (2016), नियंत्रक की तरह एक अनुकूली पीआईडी चर पेलोड के साथ रोबोट जोड़तोड़ के लिए स्थानीय स्तर पर आवर्तक तंत्रिका नेटवर्क मिश्रण का उपयोग। आईएसए ट्रांजेक्शन्स, एल्सेवियर. जारी किए जाने की तारीखः10.1016/जे. आईएसटीआरए.2016.01.016.

एम तुषार, एस श्रीवास्तव, (2016). कर्नेल आधारित क्लस्टरिंग के लिए अलग कर्नेल कार्य की खोज। कृत्रिम इंटेलिजेंस और सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, अंतरराष्ट्रीय। प्रेस में

ए.के. यादव और पी गौड़, (2015)। अरेखीय अनिश्चित हैवी ड्यूटी वाहनों की गति पर नियंत्रण के लिए इंटेलीजेंट संशोधित आंतरिक मॉडल नियंत्रण। आईएसए ट्रांजेक्शन्स, एल्सेवियर, 56, 288दृ298. (प्रभाव कारकः 2.984).

ए.के. यादव, और पी गौड़, (2015). थ्रोटेल नियंत्रित एचईवी का एक अनुकूलित और बेहतर एसटीएफ–पीआईडी गति नियंत्रण। विज्ञान और इंजीनियरिंग का अरबी पत्रिका, स्वीकृत।

ए.के. यादव, पी गौड़, और पी सक्सेना, (2015). खैरितोनोव प्रमेय का उपयोग कर पैरामीट्रिक अनिश्चितता के साथ पीएमएसएम का मजबूत स्थिरता विश्लेषण। विद्युत प्रणाली की पत्रिका, आईएसआई थॉमसन रॉयटर्स, स्वीकृत।

जे यादव, ए रानी, वी सिंह और बी एम मुरारी, (2015)। एनआईआर आधारित अनाक्रामक ग्लूकोज माप प्रणाली का उपयोग कर अलग माप साइटों का तुलनात्मक अध्ययन। प्रोसिडिया कंप्यूटर विज्ञान, 70, 469–475.

जे यादव, ए रानी, वी सिंह, और बी एम मुरारी, (2015). लगभग अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर अनाक्रामक रक्त ग्लूकोज की निगरानी की संभावनाएँ और सीमाएं। जैवचिकित्सकीय संकेत प्रसंस्करण और नियंत्रण, एल्सेवियर विज्ञान, 18, 214–227.

जे यादव, ए रानी, वी सिंह, और बी एम मुरारी, (2015). लगभग अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर अनाक्रामक रक्त ग्लूकोज की निगरानी की संभावनाएँ और सीमाएं। जैवचिकित्सकीय संकेत प्रसंस्करण और नियंत्रण, 18सी, 214–227.

आयोजित संगोष्ठियाँ

सितंबर 2015 में एनएसआईटी के आईसीई प्रभाग में आईआईटी दिल्ली के डॉ. भीम सिंह द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया था।
नवंबर 2015 में एनएसआईटी के आईसीई प्रभाग में आईआईटी दिल्ली के डॉ. भीम सिंह द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया था।
अप्रैल, 2016 में एनएसआईटी के आईसीई डिवीजन में श्री संदीप मान द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया।

16–20 मार्च, 2016 के दौरान बीवीसीओई में इंडियाकॉम –2016 में एक "कृत्रिम बुद्धि पर विशेष सत्र" का आयोजन किया गया था।

संकाय की संख्या

स्थायी: 18

यांत्रिक अभियांत्रिकी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग बी.ई. (एमपीएई), बी.ई. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। वर्ष 2015–16 के दौरान संकाय सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 25 से अधिक प्रकाशन किए हैं। कई संकाय सदस्यों पेशेवर समाज और अनुदान एजेंसियों से जुड़े रहे हैं। कुछ संकाय सदस्यों को विभिन्न विश्वविद्यालयों के यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम की सलाहकार समिति में शामिल किया गया है और कुछ यूजीसी और डीएसटी के कई समितियों पर विशेषज्ञ हैं।

प्रकाशन

2015–2016 के दौरान विभाग के संकायों द्वारा निम्न शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे। प्रकाशनों की सूची इस प्रकार है:

ए कुमार, एस माहेश्वरी और एस के शर्मा, (2015). विकर्स कठोरता का अनुकूलन और जलमग्न आर्क वेल्डिंग तागुचि सिद्धांत द्वारा लिए सिलिका आधारित अपशिष्टों की प्रभाव शक्ति। एल्सेवियर सामग्री आज, 2(4), 1092–1101.

एम श्रीवास्तव, एस माहेश्वरी, और टी. के. कुंद्रा, (2015). आभासी मॉडलिंग और कार्यात्मक वर्गीकृत सामग्री घटक एफडीएम तकनीक के उपयोग का अनुकरण। एल्सेवियर सामग्री आज, 2 (4), 3471 –3480.

बी सिंह, जेड ए, खान, ए एन सिद्दीकी, और एस माहेश्वरी, (2016), विकसित समुच्चयित अपशिष्टों का उपयोग कर जलमग्न आर्क वेल्डिंग में प्रभाव शक्ति और कठोरता पर CaF_2, FeMn और NiO परिवर्धन के प्रभाव। मिश्र धातुओं और यौगिकों की पत्रिका,667, 158–169.

एम श्रीवास्तव, एस माहेश्वरी, टी के कुंद्रा, आर यशावी और एस राठी (2016). एफडीएम प्रक्रिया में निर्माण समय और मॉडल सामग्री की मात्रा पर प्रक्रिया के मानकों के प्रभाव की भविष्यवाणी के लिए प्रतिक्रिया सतह पद्धति के साथ अस्पष्ट लॉजिक का एकीकरण। डी.के. मंडल और सी एस स्यान में (संपा.) सीएडी/सीएएम, रोबोटिक्स और भविष्य के कारखाने, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट (पृ. 195–206). नई दिल्ली, भारतः स्प्रिंगर भारत।

एम श्रीवास्तव, एस माहेश्वरी, टी. के कुंद्रा, एस राठी, और आर यशावी, (2016). आरएसएम तकनीक का उपयोग कर एफडीएम प्रक्रिया में निर्माण के समय के आकलन के लिए प्रक्रिया के मानकों की प्रायोगिक जांच। डी.के. मंडल और सी एस स्यान में (संपा.) सीएडी/सीएएम, रोबोटिक्स और भविष्य के कारखाने, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट (पृ. 229–241). नई दिल्ली, भारतः स्प्रिंगर भारत।

आर सिंगला, एच पार्थसारथी, वी अग्रवाल, और आर राणा, (2016). गतिशीलता और प्रतिक्रिया में यादृच्छिक शोर की उपस्थिति में ट्रैकिंग मास्टर–स्लेव टेलीऑपरेशन के लिए प्रतिक्रिया अनुकूलन समस्या। अरेखीय गतिशीलता, 86(1), 559–586.

एस के चक, (2015). विद्युतरसायनिक निर्वहन मशीनिंग निर्वहन उत्पादनः एक समीक्षा। सामग्री विज्ञान और मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पत्रिका, 2 (10), 49–53.

एस के चक, (2016).मिट्टी के पात्र की स्पार्क–सहायता से विद्युतरसायनिक ड्रिलिंग। परिशुद्धता प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6(2), 171–189.

एस के चक, (2016). विद्युत रासायनिक निर्वहन मशीनिंगः प्रक्रिया क्षमताएं। मैकेनिकल और प्रोडक्शन इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

वी.वी वाणी एवं एस के चक, (2016). एएल आधारित एमएमसी के विद्युत रासायनिक निर्वहन मशीनिंग पर एक समीक्षा। मैकेनिकल और प्रोडक्शन इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

शिव मंजरी, बी. सी नकरा, और वी अग्रवाल, (2015). 5–डीओएफ औद्योगिक रोबोट जोड़तोड़ की काइनेमेटिक्स के लिए तुलनात्मक विश्लेषण। एक्तामेकानिकाएत आतोमेतिका, 9(4), 229–240.

पी कुमार बाजपेयी, के देबनाथ और आई सिंह, (2015). प्राकृतिक फाइबर प्रबलित पालीलैक्टिक एसिड लेमिनेट्स में छेद करना:एक प्रयोगात्मक जांच। थर्माप्लास्टिक कम्पोजिट सामग्री की पत्रिका। जारी किए जाने की तारीखः 10.1177/0892705715575094.

पी के बाजपेयी (2016).ग्रीन मिश्रित सामग्री जैवनिम्नीकरणयोग्य पॉलिएस्टर पर आधारित है। एस कालिया (संपा.) में, जैवनिम्नीकरणयोग्य ग्रीन कंपोजिट (अध्याय 9)। होबोकेन, एनजेः जॉन विले एंड संस, इंक,
सोनी एवं उमंग (2016). आपूर्ति श्रृंखला असुरक्षाः अनुभवजन्य विश्लेषण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ईबीएससीसी 2016, आईआईटी खड़गपुर।

वी चौधरी, पी.के बाजपेयी और एस माहेश्वरी, (2015)। जैव यौगिकों के यांत्रिक लक्षण वर्णनः एक समीक्षा। अनुप्रयुक्त इंजीनियरिंग अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 10(78).आईएसएसएन 0973–4562.

वी चौधरी, ए राजपूत, और पी के बाजपेयी, (2016)। पॉलिएस्टर आधारित यौगिकों के यांत्रिक गुणों पर कण भराव का प्रभाव। सामग्री आजः कार्यवाही।

ए तेवातिया और एस के श्रीवास्तव, (2016). असतत प्रबलित धातु मैट्रिक्स कंपोजिट की थकान दरार विकास के जीवन पर अवशिष्ट थर्मल तनाव का प्रभाव। इंजीनियरिंग सामग्री और संरचनाओं के थकान और फ्रैक्चर। जारी किए जाने की तारीखः 10.1111/एफएफई.12477.

ए तेवातिया और एस के श्रीवास्तव, (2015). छोटे–फाइबर प्रबलित धातु मैट्रिक्स यौगिकों के लिए संशोधित कतरनी अंतराल सिद्धांत आधारित थकान दरार विकास जीवन भविष्यवाणी मॉडल, थकान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 70, 123–129.

ए तेवातिया और एस के श्रीवास्तव, (2016). असतत प्रबलित धातु मैट्रिक्स यौगिकों की थकान दरार विकास जीवन की सूक्ष्ममशीनी जांच। इंजीनियरिंग में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सामग्री विज्ञान, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय।

ए तेवातिया और एस के श्रीवास्तव, (2015). बड़े पैमाने की उपज के तहत असतत प्रबलित धातु मैट्रिक्स यौगिकों के लिए थकान दरार विकास जीवन भविष्यवाणी मॉडल। उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण कार्यवाही पर राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रौद्योगिकी इलाहाबाद का मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय संस्थान।

ए तेवातिया और एस के श्रीवास्तव, (2015). फ्रैक्चर यांत्रिकी आधारित धातु संरचनाओं के लिए थकान दरार विकास मॉडलः एक समीक्षा। एफएमई–2015 की कार्यवाही, एमएमएमयूटी, गोरखपुर।

आर जैन, एस भगत, टी पांडे, डी वी गादरे और पी खन्ना, (2015). विभिन्न वेल्डिंग अभियानों के दौरान बेस प्लेट में लॉग तापमान उभरती प्रौद्योगिकी और उन्नत इंजीनियरिंग का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(8), 158–162.

ए वर्मा, अंजलि पी खन्ना और एस गुप्ता, (2015). चौनल के आकार के शीट धातु घटकों का उपयोग कर एक कंपनशील बाउल फीडर का चित्रमय विश्लेषण। अनुप्रयुक्त इंजीनियरिंग एवं अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 10(78), 69–73.

पी खन्ना और एस माहेश्वरी, (2016). एक मिग वेल्डिंग की प्रक्रिया में वेल्डिंग करेंट पर तार फीड दर, वोल्टेज और नोक से प्लेट दूरी के प्रभाव। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विलय पर पांचवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, नई दिल्ली, 305–310.

एस राज, एस गुप्ता, ए वर्मा और पी खन्ना, (2016). एक चुंबकीय बेल्ट प्रकार फीडर और ट्यूबलर घटकों के फीड दर के चित्रमय विश्लेषण का विकास। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विलय पर पांचवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, नई दिल्ली, 325–332.

एस गुप्ता, पी खन्ना, और एस गुप्ता, (2016). डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के साथ एक स्वचालित औद्योगिक घटक छँटाई प्रणाली की डिजाइन और विकास। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विलय पर पांचवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, नई दिल्ली, 339–345.

एस राज, एस गुप्ता और पी खन्ना, (2016). एक चुंबकीय बेल्ट प्रकार फीडर और ट्यूबलर घटकों के फीड दर के गणितीय विश्लेषण का विकास। कंप्यूटर और गणितीय विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 64–72.

पी पांडे, के वार्ष्णेय और पी खन्ना, (2016). उच्च कदम फीडर डिजाइन, निर्माण और इसके प्रदर्शन पर संचालन मानकों के प्रभावों का अध्ययन। इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और अनुप्रयुक्त विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(1), 89–93.

अंजलि वर्मा और पी खन्ना, (2016). चैनल के आकार के एक थरथानेवाला वाउल फीडर में फीड घटकों का गणितीय विश्लेषण। इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युतीय और कम्प्यूटेशनल प्रणालियों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(2), 124–133.

ए खत्री, एम सेठी और पी खन्ना, (2016). प्रदर्शन विश्लेषण के साथ एक लचीले ऊंची ग्रेविमेट्रिक आंशिक फीड प्रणाली का विकास। विज्ञान और इंजीनियरिंग में नवीन अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,2(7), 123–128.

सम्मेलनों में प्रस्तुति

श्री अभिषेक तेवातिया

17–19 मार्च, 2016 के दौरान जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित "इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीईएमएस 2016" में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

21–22 नवम्बर, 2015 के दौरान प्रौद्योगिकी के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय संस्थान, इलाहाबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित "उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण प्रोक. पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

06–07 नवंबर, 2015 के दौरान एमएमएमयूटी, गोरखपुर में आयोजित "एफएमई–2015 प्रोक." में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ उमंग सोनी ने 12–14 फरवरी, 2016 के दौरान आईआईटी खड़गपुर में आयोजित "ई–व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला प्रतिस्पर्धा (ईबीएससीसीसी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2016" में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ संजय चक ने, 21 अगस्त, 2016 को यांत्रिक और प्रोडक्शन इंजीनियरिंग पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमपीई) में "विद्युत रासायनिक निर्वहन मशीनिंगः प्रक्रिया क्षमताएं" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय की संख्याः स्थायीः 15

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईसीई)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धिया

विभाग प्रति वर्ष 190 छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईसीई) में बी.ई. कार्यक्रम और प्रति वर्ष 23 छात्रों को सिग्नल प्रोसेसिंग में एम टेक में कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अलावा, यह ईसीई के संबद्ध क्षेत्रों में पीएच.डी. भी कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। शिक्षण इसके अलावा, संकाय सदस्य और छात्र सख्ती से अनुसंधान करते हैं। विभाग में कई यूजीध्पीजी और अनुसंधान प्रयोगशालाएं हैं, जो अत्याधुनिक उपकरणों और उन्नत सॉफ्टवेयर से लैस हैं। विभाग में एंबेडेड उत्पाद और डिजाइन (टीआई– सीईपीडी) के लिए दो केंद्र अर्थात् इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईडीटी) और टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स केंद्र हैं। ईसीई विभाग टीआई–सीईपीडी, एनएसआईटी दिल्ली के अंतर्गत माइक्रो नियंत्रक आधारित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन पर आयोजन ग्रीष्म/शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित करता है।

प्रकाशन

ए अग्रवाल, टी के रावत और डी के उपाध्याय, (2016). विकासवादी और स्वार्म अनुकूलन तकनीकों का उपयोग कर इष्टतम डिजिटल एफआईआर फिल्टर की डिजाइन। एईयूईः इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। जारी किए जाने की तारीखः 10.1016/जेर.एईयूई.2015.12.012.

बी अग्रवाल, एम गुप्ता और ए के गुप्ता, (2016). वर्तमान विभिन्न दर्पण विन्यासों का एक तुलनात्मक अध्ययनः टोपोलॉजी और विशेषताएं, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक पत्रिका, 53, 134–155.

एम अग्रवाल, पी गर्ग और पी पुरी, (2015). दोहरे हॉप एएफ प्रसारित ऑप्टिकल वायरलेस संचार प्रणालियों का सटीक एमजीएफ आधारित प्रदर्शन विश्लेषण। आईईईइ/ओएसए प्रकाश तरंग प्रौद्योगिकी की पत्रिका, 33(9), 1913–1919.

डी आर भास्कर और आर सेनानी, (2015). केवल दो करेंट प्रतिक्रिया ओपी–एएमपीएस के साथ सिंथेटिक चल संकेतकों का बोध। विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की अमेरिकन पत्रिका, 3(4), 88–92.

के गौतम, टी के रावत, एच पार्थसारथी और एन शर्मा, (2015). एक समय–परिवर्तित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र में त्रिआयामी हार्मोनिक ऑक्सीलरेटर के आधार पर क्वांटम फाटकों का बोध। क्वांटम सूचना प्रोसेसिंग, 14(7). जारी किए जाने की तारीखः 10.1007/एस11128–015–1061–6.

के गौतम, टी के रावत, एच पार्थसारथी और एन शर्मा, (2015). क्षुब्ध हार्मोनिक ऑक्सीलेटर का उपयोग कर आमतौर पर इस्तेमालकिए जाने वाले क्वांटम फाटकों का बोध। क्वांटम सूचना प्रोसेसिंग, 14(7). जारी किए जाने की तारीखः 10.1007/एस11128–015–1059–0.

एम कुमार और टी के रावत, (2015). इष्टतम आंशिक देरी – कुकू खोज एल्गोरिदम का उपयोग कर आईआईआर फिल्टर की डिजाइन। आईएसए ट्रांजेक्शन्स, 59, 39–54. जारी किए जाने की तारीखः 10.1016/जे.आईएसएटीआरए.2015.08.007.

जे के पाठक, ए के सिंह और आर सेनानी, (2015). एक एकल सीडीबीए का उपयोग कर नया केनोनिकल लॉसी इंडक्टर और उसके अनुप्रयोग। इलेक्ट्रॉनिक्स की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। जारी किए जाने की तारीखः10.1080/00207217.2015.1020884.

एस के राय, और एम गुप्ता, (2016). जीएम बूस्टिंग के एक नये दृष्टिकोण का उपयोग करके वर्तमान डिफरेंशिंग ट्रांसकंडक्टेंस एम्पलीफायर (सीडीटीए) के प्रदर्शन को बढ़ाना और उसका अनुप्रयोग। ऑप्टिक – प्रकाश और इलेक्ट्रॉन प्रकाशिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 127(15), 6103–6144.

पी के शर्मा, ए बंसल, और पी गर्ग, (2015). सामान्यीकृत अशांति लोपन में प्रसार समर्थित द्विदिश संचार। आईईईई/ ओएसए लाइटवेभ प्रौद्योगिकी की पत्रिका, 33(1), 133–139.

आयोजित सम्मेलन

एनएसआईटी, दिल्ली में आयोजित एंबेडेड उत्पाद डिजाइन के टीआई केंद्र के अंतर्गत "माइक्रो नियंत्रक आधारित एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन" पर आयोजित ग्रीष्म/शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम।

संकाय की संख्याः स्थायीः 15, अस्थाईः 13

उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग इस प्रतिष्ठित संस्था के सबसे पुराने शैक्षणिक विभागों से एक है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग उच्च गुणवत्ता के स्नातक और स्नातकोत्तरों को तैयार कर, उच्च स्तर के उद्योगों में कैंपस प्लेसमेंट में अपनी बढ़त बनाए रखने और योग्य शिक्षकों के परामर्श द्वारा तैयार छात्रों की अंतर–विभागीय टीमों के माध्यम से अपने अभिनव उत्पाद के परामर्श विकास के बल पर अंतरराष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिताओं में एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह उत्पादन विज्ञान और प्रोडक्शन इंजीनियरिंग प्रणाली विश्लेषण में उसके महत्व, सीएडी, सीएफडी और पेशेवर सॉफ्टवेयर के उपयोग सहित डिजाइन और विश्लेषण, नवीनतम विनिर्माण प्रौद्योगिकी और नई सामग्री का ज्ञान, स्व अध्ययन (विशेषज्ञता और संबद्ध क्षेत्रों में मुक्त क्षेत्र समगोष्ठियों), प्रमुख और लघु परियोजनाओं, औद्योगिक प्रशिक्षण पर जोर देता है। विभाग से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले अधिकांश छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से उच्च स्तर के उद्योगों में नियुक्त गया। कुछ स्टैनफोर्ड, मिशिगन विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड, आईआईएम और एफएमएस जैसे भारत और विदेश में ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए चले गए।

सम्मान/विशिष्टता

सम्मानित अतिथि डॉ आर एस मिश्रा

सत्र 1ः 27 फरवरी 2016 को सुबह 10.00 बजे से 11.30 बजे तकः इंस्टीच्यूशंस ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) दिल्ली राज्य केन्द्र (अभियंता भवन) 2, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में अग्रिम अनुसंधान और नवाचार का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

तकनीकी सत्र चतुर्थः नवाचार, प्रबंधन रणनीतियाँ कौशल विकास और उद्यमिता पर 28 फरवरी, 2016 को सबह 09.30 बजे से–11.30 बजे तक, कौशल भारत पहल राष्ट्रीय सम्मेलनः चुनौतियां, अवसर और रणनीतियाँ, 27 और 28 फरवरी, 2016 को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के एस डी कॉलेज और प्रबंधन अध्ययन के एस डी कॉलेज मुजफ्फरनगर (यूपी) द्वारा आयोजित।

छठा सत्रः पर्यावरण की चिंताए और तकनीकी संस्थानों की भूमिका एवं कौशल भारत और समापन समारोह 28 फरवरी 2016 को 2.30 बजे से –5.30 बजे तकः कौशल भारत पहल पर राष्ट्रीय सम्मेलनः चुनौतियां, अवसर और रणनीतियाँ, 27 और 28 फरवरी, 2016 इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के एस डी कॉलेज और प्रबंधन अध्ययन के एस डी कॉलेज मुजफ्फरनगर (यूपी) द्वारा आयोजित।

30 जून, 2016 को हरिद्वार में विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता और अध्यक्ष (प्रथम सत्र) और सौर ऊर्जा शीतलन की उत्पादन प्रणालियों के गठबंधन का थर्मोगतिशील (ऊर्जा–एक्सर्जी) विश्लेषण पर पूर्ण व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

वी जे अरुलमोनी, आर एस मिश्रा, और एम एस रंगनाथ (2015). घर्षण वाहित वेल्डिंग/एल्यूमीनियम के प्रसंस्करण में सामग्री प्रवाह और सूक्ष्म संरचनात्मक अध्ययनः एक साहित्यिक की समीक्षा। अग्रिम अनुसंधान और नवाचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(2), 500–511.

वी जे अरुलमोनी, एम एस रंगनाथ ,आर एस मिश्रा, (2015).सूक्ष्म संरचना, कठोरता और कार्बन नैनोट्यूब के साथ एक 99.99% घन की तन्यता गुणों पर एकल और एकाधिक–पास घर्षण प्रसंस्करण का प्रभाव, अग्रिम अनुसंधान और नवाचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(3), 189–196.

वी जे अरुलमोनी, एम एस रंगनाथ और आर एस मिश्रा, (2015). घर्षण स्टिर संसाधित कॉपरः एक समीक्षा। सतत विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका, 3(8). आईएसएसएनः 2347–6176.

एस के गौर और आर एस मिश्रा, (2015). थर्मल वाष्पीकरण और सीडीटीई की सूक्ष्म संरचना का अध्ययन। अग्रिम अनुसंधान और नवाचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(2), 440–445.

एस के गौर और आर एस मिश्रा, (2016). सोने थर्मली सुखाई गई नैनो फिल्म की मोटाई की मॉडलिंग और सूक्ष्म संरचना का अध्ययन। अग्रिम अनुसंधान और नवाचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(1), 61–67.

एम एस रंगनाथ, विपिन, आर एस मिश्रा, प्रतीक, और निखिल, (2015). तागुची तकनीक का उपयोग कर एल्यूमीनियम 6061 के सीएनसी मोड़ में सतह के खुरदरेपन का अनुकूलन। आधुनिक इंजीनियरिंग अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,5(5), 42–50.

एन युवराज, विपिन, और आर एस मिश्रा, (2016). घर्षण हलचल संसाधित एएल 1050 मिश्र धातु के यांत्रिक पर गुजरने की संख्या और क्षय के गुणों के प्रभाव। अग्रिम अनुसंधान और नवाचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(1), 71–75.

संकाय की संख्याः स्थायीः 1

संगीत और ललित कला संकाय
संगीत

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वर्ष 2015–2016 में संगीत और ललित कला संकाय में शैक्षणिक और सांस्कृतिक दोनों क्षेत्रों में समग्र प्रगति और विकास देखा गया। संगीत के ज्ञान के प्रति समाज की बढ़ती रुचि के परिणाम स्वरूप विषय की मांग में वृद्धि हुई है और छात्रों की एक बड़ी संख्या को पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत किया गया। विभाग और बाहरी संस्थाओं द्वारा आयोजित विभिन्न सम्मेलनों, व्याख्यान प्रदर्शनों, संगीत कार्यक्रमों में शिक्षकों और में छात्रों द्वारा बहुमूल्य योगदान किए गए। छात्रों के प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और कुछ छात्रों को प्रतिष्ठित संगीत सम्मेलनों में भाग लेने के लिए चुना गया है, जबकि उनमें से कुछ ने ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के वर्गीकृत कलाकार बनने का सम्मान हासिल किया है। स्मित तिवारी, 2013 के एक पूर्व छात्र को 2015 के लिए प्रतिष्ठित बिस्मिल्लाह खान पुरस्कार के लिए चुना गया है, जो एक उभरते युवा कलाकार को केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी द्वारा दिया जा रहा है ।

विभाग अनुसंधान गतिविधियों में भी आगे बढ़ रहा है। पीएचडी कार्यक्रम के लिए अध्येता तकनीकी और वैज्ञानिक अध्ययन, महत्वपूर्ण विश्लेषण, व्यावहारिक पहलुओं के गहराई से अध्ययन, तुलनात्मक और सौंदर्य अध्ययन, आदि के अध्ययन में लगे हुए हैं। हमारे शैक्षिक कार्यक्रम ने केवल भारत से ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न भागों से छात्रों को आकर्षित किया है। आदेश में शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायता कार्यक्रम (डीएसए I) की मंजूरी दी है।

सम्मान/विशिष्टता

प्रोफेसर सुनीता कासलीवालः महेंद्रगढ़ संग्रहालय ट्रस्ट, जोधपुर द्वारा राजस्थानी संगीत और संगीत वाद्ययंत्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2015 का 'मारवाड़ रत्न पद्मश्री कोमल कोठारी अवार्ड' प्रदान किया गया ।
प्रोफेसर दीप्ति भल्लाः इराइम्मन थम्पी ट्रस्ट (त्रावणकोर, केरल का शाही परिवार) से नवम्बर 2015 में 'संगीत नृत्य विशारद' से सम्मानित। उन्हें 'नारद गान सभा पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है, चेन्नई, अक्टूबर, 2015.
प्रोफेसर प्रतीक चौधरीः श्रीमती शांति देवी गंगानी सम्मान से सम्मानित, दिल्ली 22 फरवरी 2016.
प्रोफेसर उमेश प्रताप सिंहः संगीत सभा, पठानकोट द्वारा 2016 में गान रत्न पुरस्कार से सम्मानित।
डॉ. हरीश तिवारीः कला सृष्टि, वाराणसी, द्वारा 2016 में गान सृष्टि सम्मान से सम्मानित।
डॉ. अजय कुमारः 2016 में कला सृष्टि, वाराणसी द्वारा ताल सृष्टि सम्मान से सम्मानित। उन्हें पंडित छोटे लाल मिश्रा संगीत कला महाविद्यालय, मोतिहारी, बिहार द्वारा, 2015 में तबला वादन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र भी मिला है।
डॉ. ऋषितोश को वी. एन. भाटखंडे संगीत महा विद्यालय, गाजियाबाद द्वारा 12 फरवरी को 2016 को आयोजित बैजू बावरा गीत–संगीत और नृत्य उत्सव में विदेश राज्य मंत्री जनरल विजय कुमार सिंह, द्वारा 'अभिनंदन' से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

दीप्ति भल्ला, ओम चेरी, (2015). संपादक 'बृहद्देशी', स्वर भारती, भारती विद्या भवन, नई दिल्ली।

दीप्ति भल्ला, ओम चेरी, (2015). स्वर भारती पत्रिका के संपादक, आईएसएसएन, 'बृहद्देशी' की विशेषता पर विद्वानों के लेख, भारती विद्या भवन, नई दिल्ली, द्वारा प्रकाशित पर (पृ.: 22–23 भूमिका)

एम. वी. बिंदु, (2016), हिंदुस्तानी रागों में स्वाति तिरुनल के हिन्दी भजन। वागेश्वरी, 29,(पृ.: 45–48)

अनन्य कुमार दे, (2015). बसंत ऋतु के रागः बसंत के मौसम में संगीतमय स्वाद। संगीतिका, 2(i), (पृ.:27–30)

अनन्य कुमार दे, (2015). मल्हार रागः बरसात के मौसम की भावना को उत्सवित करना। नाद–नर्तनरू नृत्य और संगीत की पत्रिका, 2(1), (पृ.: 80–85)

अनन्य कुमार दे, (2015). हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत पर आधुनिक रुझान का प्रभाव। वागेश्वरी, 28, (पृ.:61–65)

अनन्य कुमार दे, (2016). ग्रहः प्राचीन जाति और आधुनिक हिन्दुस्तानी रागों का शुरुआती तत्व। वागेश्वरी,29, (पृ.: 9–15)

अनन्य कुमार दे, (2016). रवींद्रनाथ टैगोर की संगीत रचनाओं पर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत का प्रभाव। संगीतिका, 2(2), (पृ.:14–20)

हरि किशन गोस्वामी, (2015), भारतीय संगीत और वैश्वीकरण, वागेश्वरी, 28, (पृ.:66–67)

हरि किशन गोस्वामी, (2016). संगीत कला में गुरु की महत्ता, वागेश्वरी, 29,(पृ.: 27–28)

गोपाल कृष्ण, (2015). हिंदुस्तानी शास्त्रीय वादन पर वैहाविक आधुनिक प्रवृत्तियों का प्रभाव। वागेश्वरी, 28,

गोपाल कृष्ण, (2016). सितार वादन में मैहर तथा इटावा घराने का वादन शिल्प एवं सौन्दर्यात्मक दृष्टिकोण। वागेश्वरी, 29, (पृ.: 31–33)

अजय कुमार, (2015). भारतीय ड्रम : तबला पर आधुनिक रुझान के वैश्विक प्रभाव। वागेश्वरी, 28, पृ.(75–78),

अजय कुमार, (2016). पंडित अनोखे लाल मिश्र की अमूर्त तबला रचनाएं रू वागेश्वरी, 29, (पृ.: 34–39)

ऋषितोश कुमार, (2015). "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आधुनिक तबला संगति" वागेश्वरी, 28, पृ.(

ऋषितोश कुमार,. (2016). "मृदंग के अग्रतिम साधकः–पंडित रामाशीश पाठक" वागेश्वरी, 29, (पृ.:40–42)

अजय कुमार, (2015), नाट्यशास्त्र. अवांध वाद्य. साहिबाबादः नैतिक प्रकाशन.

टी. वी. मणिकंदन (2015). कर्नाटक संगीत की शिक्षा की आधुनिक प्रवृत्तियों के वैश्विक प्रभाव। वागेश्वरी, 28. (पृ.:41–43)

टी. वी. मणिकंदन (2015). श्री कृष्ण लीला तरंगिणी, सह–संपादक, आईएसबीएन–978–93–93–85309–07–6,. वाराणसीरू कला प्रकाशन। (पृ. :38–42)

टी. वी. मणिकंदन (2016), संत अरुणागिरिनाथार और थिरुप्पुगज. अनहद लोक, आईएसएसएन–2349–137 X, सं.–IV, (पृ.:167–170)

टी. वी. मणिकंदन (2016), कृषणात्तम का संगीत. (द्वितीय संस्करण), वाराणसीः मनीष प्रकाशन. निजी पुस्तक–आईएसबीएन –978–93–81539–99–6.

जगबंधु प्रसाद,. (2016). भारतीय रागदारी संगीत में समय–सिद्धांत की अवधारणा. वागेश्वरी, 29, (पृ.:16–18)

राजपाल सिंह, (2016). संगीत साधनाः अद्वैत कासाक्षात्कार। वागेश्वरी, 29, (पृ.: 21–22)

सुरेंद्रनाथ सोरेन. (2016). एंकार एक रूप अनेक। वागेश्वरी, 29, (पृ.: 23–27)

शालिनी ठाकुर, (2016). खयाल गायन के साथ साथ ठुमरी तथा दादरा की शिक्षा लेना एवं उसकी प्रस्तुति देना संगीत साधकों एवं कलाकारों के सामने एक चुनौती। वागेश्वरी, 29, (पृ.:19–20)

हरीश तिवारी, (2015). हिंदुस्तानी शस्त्रीय गायन पर वैश्विक आधुनिक प्रवृत्तियों का प्रभाव।वागेश्वरी, 28, (पृ.:72–74)

हरीश तिवारी, (2016). भारतीय संगीत एवं घराना। वागेश्वरी, 29, (पृ.:20–30)

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अजय कुमार को वित्त पोषक एजेंसियांः संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, और यूनेस्को परियोजना मिला। परियोजना का शीर्षकः पंडित अनोखे लाल मिश्रा की परंपरा और सृजनः बनारस घराने की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण।

प्रोफेसर दीप्ति भल्ला को वित्त पोषक एजेंसियांः संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार परियोजना मिला। परियोजना का शीर्षकः दुर्लभ अभिनय रचनाएं कुल अनुदानः रु. 4 लाख

अंतर संस्थागत सहयोग

9–11 मार्च 2016 को प्रख्यात विद्वान, डॉ. विशाल कुमार द्वारा एमए (पी) के छात्रों के लिए "रिकॉर्डिंग तकनीकें और उपकरण" पर एक व्याख्यान श्रृंखला।

29 मार्च 2016 को डॉ. ज्योत्सना तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, कला और सौंदर्यशास्त्र शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली, और "संगीत बस्ती" के पेशेवरों द्वारा "संगीत शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर के अवसर" पर एक इंटरैक्टिव वार्ता।

31 मार्च, 2016 को प्रसिद्ध पखावज वादक पंडित दल चंद शर्मा द्वारा एम.फिल के छात्रों के लिए "ताल के दश प्राण" पर एक व्याख्यान प्रदर्शन।

आयोजित सम्मेलन

15–16 मार्च 2016 को ''भारतीय संगीत में प्रदर्शन अभ्यास के बदलते परिदृश्य'' पर एक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
सम्मेलनों/कार्यक्रम में भागीदारी और प्रस्तुतियाँः

दीप्ति भल्ला, नवम्बर 2015 में, भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार, के संगीत विभाग में 'भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण।

दीप्ति भल्ला, 'दस की शक्ति' नाट्य कला सम्मेलन, चेन्नई,दिसंबर. 2015.

दीप्ति भल्ला, 'प्राचीन ग्रंथों का महत्व', केरल विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में व्याख्यान,अक्टूबर, 2015.

एम. वी. बिन्दू, 15–16 मार्च 2016 को 'भारतीय संगीत में प्रदर्शन अभ्यास का बदलता परिदृश्य', पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कर्नाटक संगीत में प्रदर्शन अभ्यास का बदलता परिदृश्य'।

प्रतीक चौधरी, 9 फरवरी, 2016 को कार्सनी आश्रम, मथुरा में "कार्सनी उत्सव" में संगीत और नृत्य में व्याख्यान और प्रदर्शन।

प्रतीक चौधरी, कागज प्रस्तोता 19 मार्च, 2016 को दयाल बाग शैक्षिक संस्थान, दयालबाग, आगरा द्वारा "आध्यात्मिकता और विज्ञान" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संगीत और अध्यात्मवाद" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अनन्य कुमार दे, 15–16 मार्च, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में 'भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रदर्शन में बदलते परिदृश्य और अभ्यास', 'भारतीय संगीत में प्रदर्शन अभ्यास का बदलता परिदृश्य'।

हरि किशन गोस्वामी,15–16 मार्च 2016 को संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'भारतीय संगीत में प्रदर्शन अभ्यास के बदलते परिदृश्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय संगीत में मंच प्रदर्शन का बदलता स्वरूप'।

अजय कुमार, 26 जनवरी, 2015 को नाकोर्नस्वाल राजाभात विश्वविद्यालय, थाइलैंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय संगीत और संस्कृति' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया,।

अजय कुमार, 25 जनवरी–2 फरवरी 2016 तक थाईलैंड में बैंकाक के अंतर्राष्ट्रीय संगीत और नृत्य महोत्सव में संगीत और नृत्य समूह के समन्वयक थे।

अजय कुमार, संगीत निर्देशक, राष्ट्रीय तबला ग्रीष्मकालीन कार्यशाला, साहित्य कला परिषद, दिल्ली, 2015–16.

ऋषितोश कुमार ने युवा उत्सव में 24 फरवरी, 2016 को साहित्य कला परिषद, दिल्ली सरकार द्वारा सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में आयोजित 'दिल्ली सेलीब्रेट्स' में ''स्वर्गीय स्वर'' के लिए प्रदर्शन–संयोजन एवं निर्देशन किया।

ऋषितोश कुमार ने इंडिया हैबिटेट सेंटर में 17 और 18 मार्च 2016 को दो दिवसीय 'राष्ट्रीय संगीत महोत्सव' के अवसर पर ''तबला जादूगर पंडित अनोखे लाल मिश्रा और महान तबला वादक पंडित छोटे लाल के लिए एक श्रद्धांजलि'' शीर्षक आयोजन किया।

अनुपम महाजन, 'डोरी वाले उपकरण और उसके संगीत रूप का विकास', संगीत संरक्षणशाला, बीजिंग, चीन, अक्टूबर 2015.

अनुपम महाजन, भारतीय शास्त्रीय उपकरणों का विकास, इनमें हुए परिवर्तन के विशेष संदर्भ के साथ, फ्युजिआन सामान्य विश्वविद्यालय, फ्युजिआन, चीन, अक्टूबर, 2015।

जगबंधु प्रसाद, 15–16 मार्च, 2016 को, संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'भारतीय संगीत में प्रदर्शन अभ्यास का बदलता परिदृश्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी' में 'संगीत शिक्षा के बदलते स्वरूप में इंटरनेट की भूमिका'।

सुदीप्त शर्मा, मार्च, 2016 में आरजीएससी, बीएचयू बरकचा मिर्जापुर में 'मेक इन इंडियाः इसके निहितार्थ' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत में बनाओः समस्याएं और संभावनाएँ"।

राजपाल सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में 15–16 मार्च, 2016 को 'भारतीय संगीत में प्रदर्शन अभ्यास का बदलता परिदृश्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय संगीत प्रस्तुतिकरण एवं संस्थागत शिक्षण'।

शालिनी ठाकुर, 15–16 मार्च, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में 'भारतीय संगीत में प्रदर्शन अभ्यास का बदलता परिदृश्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रदर्शन और अभ्यास के बदलते परिदृश्य'।

हरीश तिवारी, अलाऊदीन खान उत्सव, चेम्बूर, मुंबई, 10 अप्रैल 2016.

हरीश तिवारी, चंडीगढ़ संगीत सम्मेलन, चंडीगढ़, 30 अक्टूबर 2015.

हरीश तिवारी, शिप्रा महोत्सव, उज्जैन, अलाऊदीन खान अकादमी, भोपाल, 7 फरवरी 2016.

हरीश तिवारी, दूरदर्शन कार्यक्रम, नई दिल्ली, जनवरी 2015.

हरीश तिवारी, गवर्नर हाउस, (भारत के उप राष्ट्रपति और थाइलैंड के प्रधानमंत्री के समक्ष), आईसीसीआर द्वारा आयोजित, 3 फरवरी 2016.

हरीश तिवारी, जवाहर कला केंद्र, जयपुर, 19 मार्च. 2016.

हरीश तिवारी, बैंकाक, ललित कला संकाय, सरिनाखारिनविरॉत विश्वविद्यालय, थाइलैंड में 25 जनवरी से 2 फरवरी 2016 को

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य एवं संगीत उत्सव में व्याख्यान और लाइव प्रदर्शन।

हरीश तिवारी, तानसेन समारोह, ग्वालियर, 26 दिसंबर 2015.

राजीव वर्मा, संगीत का राष्ट्रीय कार्यक्रम – सितार वादन, मई 2015.

राजीव वर्मा, सितार वादन – प्रसार कला मंच, के.एल. सहगल हॉल, जालंधर, सितंबर 2015.

प्रदत्त पीएच.डी. /एम.फिल. उपाधियां
एम.फिल.: 24
पीएच.डी.:18

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
साध्यायनः विभाग के भीतर से युवा और होनहार छात्रों को बढ़ावा देने के लिए समय–समय पर एक बैठक (समारोह की शैली में फर्श पर बैठना) आयोजित की जाती है, ताकि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कलाकारों के संगठन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच दिया जा सके। यह संगीत समारोह इस साल दो बार आयोजित किया जाता है।

मल्हार उत्सवः विभाग द्वारा बरसात के मौसम की भावना का उत्सव मनाने के लिए भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। रागों और रचनाएं प्यासी गर्मियों की गर्मी के बाद मानसून के आगमन की खुशी मनाते हैं। इस वर्ष 8–9 सितंबर 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सम्मेलन कक्ष, वाइस रीगल लॉज में दो दिवसीय उत्सव आयोजित किया गया था।

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय
व्यावसायिक अर्थशास्त्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च 2016 की अवधि के दौरान, व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने अपने व्यवसायिक अर्थशास्त्र में एमबीए और एक पीएच.डी. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक चलाया है। विभाग का नियोजन प्रकोष्ठ अंतिम वर्ष के 42 छात्रों, और प्रथम वर्ष के 54 छात्रों के लिए नियोजन पाने में सफल रहा। तीन छात्रों को डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया। पीएचडी छात्रों के लिए प्रधान घटक विश्लेषण और उन्नत समय श्रृंखला अर्थमिति पर एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई। विभिन्न विषयों पर इक्कीस साप्ताहिक संगोष्ठियां आयोजित की गईं। छात्रों को नई दिल्ली में अरावली जैव–विविधता पार्क की एक क्षेत्र की यात्रा पर ले जाया गया। विभाग में पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में कई फिल्में प्रदर्शित की गईं। विभाग में आयोजित अन्य छात्र गतिविधियों में विश्लेषण, वार्षिक पूर्व छात्रों से मिलन, वार्षिक सम्मेलन, अर्थनीति, मार्कक्वेस्ट और मूल्यांकन शामिल हैं। कई शिक्षकों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत किए और यूजीसी की ई–पीजी पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया।

प्रकाशन

नीतिका अग्रवाल, (2015). भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश के लिए संरचना बनाना। टैक्समन प्रकाशन। दिल्ली। आईएसबीएन नं 9789350716007.

ए. जी. दस्तीदार (2015). वैश्विक मंदी और उभरती अर्थव्यवस्थाएं। *व्यापारिक सोच की पत्रिका*। 6: 3–13.

यामिनी गुप्ता, और समराज सहाय, (2015). विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी की समीक्षाः एक प्रकरण अध्ययन दृष्टिकोण। अपशिष्ट प्रबंधन और अनुसंधान। 33: 7.

यामिनी गुप्ता, समराज सहाय, (2015). भारत में इस्तेमाल लीड एसिड बैटरियों का प्रबंधनरू ईपीआर–डीआरएस दृष्टिकोणों का मूल्यांकन। स्वास्थ्य और प्रदूषण की पत्रिका। 5: 8.

वी. के. कौल, (2015). भारत की विविधताः संघर्ष से अभिनवता, वैश्विक मामले। 19: 4. विंटर। अक्टूबर–दिसंबर।

वी. के. कौल (2015). भारत की विविधता और वैश्वीकरणः बलों और अभिनवता का एकीकरण, उभरती हुई अर्थव्यवस्था का अध्ययन। सेज, आईएमआईः 1, अंक 2 नवंबर।

वी. के. कौल (2016). प्रबंधन – पाठ और मामले। विकास पब्लिशिंग। नई दिल्ली। आईएसबीएन न. 9789325990173.

अनुसंधान परियोजनाए

डॉ. यामिनी गुप्ता, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से 43.25 लाख रुपए के अनुदान के साथ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और भारतीय अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता पर मॉडलिंग अध्ययन के लिए सह प्रधान अन्वेषक है।

सम्मेलन का आयोजन

11 अप्रैल, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में ''भारत की औद्योगीकरण रणनीति का पुनर्मूल्यांकन'' विषय पर आईसीएसएसआर वित्त पोषित सम्मेलन आयोजित किया गया। संयोजक श्री चंद्र मोहन थे।

14 अक्टूबर 2015 को होटल रैडिसन ब्लू, नई दिल्ली में ''अनुकूलनशीलता को अपनाना, अतीत का सम्मान, वर्तमान पर अधिकार, भविष्य को आकार देना'' पर बयालीसवें वार्षिक सम्मेलन 2015 का आयोजन किया गया था।

सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ अनन्या जी. दस्तीदार ने – ''घरेलू ऋण, स्कूल में नामांकन और बांग्लादेश में उच्च तकनीक निर्यात'' (संदीप सरकार और अरिफुज्जमान खान) एवं ''एनआईएफए के साथ आगे क्या?'' नामक दो शोधपत्रों पर चर्चा की। ''दक्षिण एशिया में आर्थिक विकास पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''दक्षिण एशिया में मुद्रा अभिसरण के पीछे के रुझानों और संघर्षों से एक सबक'' (डी. आई. जे. समरनायके और किंगा चोडेन), 18 फरवरी, 2016 को अर्थशास्त्र संकाय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित।

अंतर संस्थागत सहयोग
प्रोफेसर सुरेश चंद अग्रवाल को दिल्ली विश्वविद्यालय के एसजीटीबी खालसा कॉलेज के साथ संयुक्त रूप से व्यवसायिक अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विकास के लिए 91 लाख रुपऐ के अनुदान के साथ यूजीसी–ई–सामग्री विकास द्वारा प्रमुख अन्वेषक बनाया गया।

प्रोफेसर सुरेश चंद अग्रवाल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत श्रम पर एक प्रमुख शोधकर्ता हैं, विकास अर्थशास्त्र के केंद्र, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आर्थिक रूप से समर्थित "भारत के लिए गैर–एकीकृत उद्योग स्तर उत्पादकता विश्लेषणः द केएलईएमएस," शुरू की गई है।

प्रो. रश्मि अग्रवाल को 91 लाख रुपए के अनुदान सहित व्यवसायिक अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विकास के लिए एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए यूजीसी–ई–सामग्री विकास का सह प्रमुख अन्वेषक बनाया गया।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल डिग्रियों की संख्या
पीएच.डी. 03

संकाय की संख्या
स्थायीः 07
तदर्थः 01

स्लाव और फिनो–उग्रियन अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
स्लाव और फिनो –उग्रियन अध्ययन विभाग भारत का अकेला विभाग है जो फिनो–उग्रियन स्लाव समूह की भाषाओं अर्थात् बल्गेरियाई क्रोएशियाई, चेक, पोलिश, रूसी और हंगरी में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया, विभिन्न वैश्विक भाषाओं और संस्कृतियों के ज्ञान और समझ के संबंध में समकालीन छात्रों के समक्ष कई चुनौतियां प्रस्तुत करती है। विभाग यात्रा करने और अध्ययन और वैश्विक संस्थानों में रोजगार के लिए अकादमिक रूप से तैयार होने की इच्छा रखने वाले छात्रों की एक बड़ी संख्या की तत्काल जरूरत को संबोधित करता है। इस अर्थ में, विभाग छात्रों को एक समृद्ध विरासत के प्रति जागरूक और रोजगार के योग्य बनाकर देश की एक महत्वपूर्ण जरूरत को पूरा करता है, जिस पर बहुत कम कार्य किया गया है। विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के उद्देश्य हैं– छात्रों को इन भाषाओं का धाराप्रवाह उपयोगकर्ता बना कर सशक्त करना और उन्हें पूर्वी मध्य यूरोप और रूस के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की विविध और समृद्ध सभ्यताओं के साथ परिचित कराना। विभाग द्वारा अपनाई गई शिक्षण विधि अंतःविषय और अंतःसांस्कृतिक है और हमारा लक्ष्य एक व्यापक आधार वाला दृष्टिकोण बनाना है, जो छात्रों की महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ावा दे और उन्हें पारंपरिक और उभरते विषयों दोनों में अनुसंधान करने में सक्षम कर सके। विभाग पूर्व–मध्य यूरोप और रूस की कुछ श्रेष्ठ साहित्यिक कृतियों और विद्वानों के लेखों से परिचित करा कर छात्रों को भाषा और साहित्य के अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए एक रोमांचक, जीवंत, और मिलनसार वातावरण प्रदान करता है और उन्हें पश्चिमी यूरोपीय और भारतीय संस्कृतियों के समक्ष विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसे केवल पाठ्य–पुस्तकों और गतिशील बातचीत के माध्यम से ही नहीं, बल्कि फिल्म शो, प्रदर्शनियों, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, राष्ट्रीय त्योहारों आदि के जश्न जैसी अन्य गतिविधियों पर जोर देने के द्वारा भाषा कौशल विकसित कर बढ़ाया गया है। यह इन भाषाओं और इन समाजों की संस्कृतियों से प्रत्यक्ष अनावरण प्रदान करता है और एक स्थायी और दीर्घकालिक प्रभाव के साथ भाषा सीखने को एक अधिक सार्थक और मनोरंजक अनुभव बनाता है।

सम्मान /विषिष्टता
डॉ. नीलाक्षी सूर्यनारायण को "विदेशों में रूसी भाषा के अच्छे शिक्षक" नामक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के पहले दौर का विजेता घोषित किया गया और मेरिट के डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

डॉ. नीलाक्षी सूर्यनारायण को 20–24 अक्टूबर, 2015 को मास्को में आयोजित "विदेशों में रूसी भाषा के अच्छे शिक्षक" नामक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के दूसरे दौर में मेरिट के दो डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन
जनजिक", मारिजाना, (2015). 20 साल बाद पूर्व–मध्य यूरोप और रूस का समाज और संस्कृतिः "भाषा, राजनीति, राष्ट्रीयता, आजीविका" प्रकाशन संस्थान की हलचल, नई दिल्ली। आईएसबीएनः 978–93–82848–69–1.

रश्मि जोशी, (2015). 20 साल बाद पूर्व–मध्य यूरोप और रूस का समाज और संस्कृतिः "1989 के बाद के बल्गेरियाई साहित्य का एक मूल्यांकन" प्रकाशन संस्थान की हलचल में। नई दिल्ली। आईएसबीएनः 978–93–82848–69–1.

मार्गिट कोवेस, (2015). में लासज्लो क्रास्नाहोरकी के काम में अंतरिक्ष, शरीर और कलाः तुलनात्मकता और शैली गेटे सोसायटी के कार्य भारतीय इयरबुक 2015. संपा. चित्रा हर्षवर्धन, रेखा राजन, मधु साहनी, पीटर लैंग। दिल्ली, 9–22.

मार्गिट कोवेस, (2015), रोमांटिसिज्म और उत्तर आधुनिक साहित्य में व्यंग्य। साहित्य अध्ययन की पत्रिका, जुलाई, 1रू 2. 89–96.

मार्गिट कोवेस, (2015). पूर्व और पश्चिम के बीच। (2015)। फ्रंटलाइन, 18 सितंबर 91–93,. http://www.frontline.in/arts-and-culture/literature/between-east-west/article7603355.ece

मार्गिट कोवेस, (2015)।. कुल कथन की सीमाएं और लाज्लो क्रास्नाहोरकी के काम में पूर्व का अनुभव। सामाजिक वैज्ञानिक।, 43:9–10। सितंबर–अक्टूबर, 41–52,

मार्गिट कोवेस, (2015). लैंकजार गबोर वोल्ट एजेड यूरोपी इरोडलक एजेस्काजनक वेंडेगे डेल्ही बेन। हंगरीयन कवि गबोर लैंकजार दिल्ली में साहित्य की लंबी रात के अतिथि थे। *Litera* http://www.litera.hu/hirek/lanczkor-gabor-volt-az-europai-irodalmak-ejszakajanak-vendege-delhiben

मार्गिट कोवेस, (2016). धर्म में कला और काव्य की भूमिका। नैतिकता और समाज। 5 जनवरी। 1–14.

गलीना मोलहोवा याकोवा, (2015). संस्कृति कोड प्रणाली के भीतर दैहिक कोड। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन ''बल्गेरियाई रीडिंग्स''। सेजेड, हंगरी। 2015.

गलीना मोलहोवा याकोवा, (2015). बल्गेरियाई और अंग्रेजी बोली में भावनाओं के वैचारिक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए सोमेटिक फ्रजियोलोज्म्स। कोशविज्ञान और कोशकला के सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''21वीं सदी की शुरुआत में कोशकला'', विज्ञान की बल्गेरियाई अकादमी, सोफिया, बुल्गारिया, 2015।

गलीना मोलहोवा याकोवा, (2015). द लेक्चरशिप – दुनिया में बल्गेरियाई संस्कृति क्षेत्र। साक्षात्कार। राष्ट्रीय संस्करण एजेडबीयूकेआई। सोफिया, बुल्गारिया। 2015।

रंजना सक्सेना, (2015), 20 साल बाद पूर्व मध्य यूरोप और रूसी समाज और संस्कृतिरू ''चुप्पी तोड़कर सूटकेस खोलनाः मध्ययूरोप और भारत से महिलाओं की गवाही'' प्रकाशन संस्थान की हलचल, नई दिल्ली में। आईएसबीएनः 978–93–82848–69–1.

रंजना सक्सेना, (2015), सम्मेलन की कार्यवाही ''20 साल के बाद पूर्व मध्य यूरोप और रूस समाज और संस्कृति की समीक्षा। आईएसबीएनः –978–93–82848–69–1.

नीलाक्षी सूर्यनारायण, (2015). यशवंत प्लेस से यक्षः भारत में रूस के कमोडिफिकेशन का एक प्रकरण अध्ययन। टेलर और फ्रांसिस ऑनलाइन। http://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/13670050.2015.1115003.

सूर्यनारायण एन. (2015).किनो फिल्म ए. तारकोवस्कोवो "एन्ड्रेई रुब्लीयोव" ना जानयातियाखपो रसिकोइकल्चर वी इंडिसकोइआदितोरी. पेडोगागस्किओपित इन रसकियाजिक, लितरेचरए प्रोस्त्रेस्तवमिरोवोइकुलतुरी. सामग्री 21वीं कांग्रेस एमएपीआरवाईएएल वी 15 तोमाख। टाम 3 नाप्रेवेलिनिये2 रुसकायाकुलत्रा वी इपोखुग्लोबलाइजेत्सी. http://ru.mapryal.org/wpcontent/uploads/2015/10/MAPRYAL_T3_A5.pdf आईएसबीएन 978-5-9906635-3-4.

सूर्यनारायण एन. (2015). रुसीकिकिनेमातोग्राफ वी मासोवोइमेजकुलतोमोई कोमियुनिकात्सी (किनोफिल्म ए. तारकोवसकोवो "एन्ड्रेई रुब्लीयोव). स्रेडसत्वोमासोवोइकोम्युनिकेत्सी वीमनोगोपोलीर्मोम मायररू प्राब्लम आई पर्सपेकितिवि, संपाः वी. बराबाश, आरयूडीएन, मास्को।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. रश्मि जोशी को वर्ष 2015–16 के लिए ''भारतीय छात्रों के लिए बल्गेरियाई इतिहास पर एक पाठ्य पुस्तक'' पर एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना सौंपी गई थी।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. रश्मि जोशी ''बुल्गारिया के इतिहास और संस्कृति'' पर बुल्गारिया के दूतावास द्वारा 15 सितंबर 2015 को आयोजित एक संगोष्ठी की सह–संयोजक रहीं।

सुश्री आनन्द कपूर ने 29 अक्टूबर, 2015 को ''अगाल्याष हंगेरी फिल्म'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ
गिरीश मुंजाल और अन्ना दजिबन ने, 11 से 13 मई, 2015 के दौरान कोनिन, पोलैंड में ''एक विदेशी भाषा में बोलते हुए कक्षा में बातचीत की गुणवत्ता बढ़ाने'' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''पोलिश व्याकरण संबंधी मामलों का शिक्षण और अधिगम तथा भाषण में उनका प्रभावी उपयोग कैसे करें'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गिरीश मुंजाल ने पारंपरिक शिक्षा के सिलेसिया विश्वविद्यालय, अंग्रेजी के संस्थान, स्जेयर्क, पोलैंड में 25–27 अक्टूबर 2015 के विभिन्न आयामों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''पोलिश और हिंदी बोली के व्याकरण संबंधी मामलों का वाक्यात्मक और अर्थ विश्लेषण'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीलाक्षी सूर्यनारायण ने विश्व साहित्य के गोर्की संस्थान और रूसी विज्ञान अकादमी, मास्को, रूस द्वारा 24–26 जून 2015 के दौरान ''यूटोपिया और साहित्य, कला और रूसी आधुनिकता के दर्शन में परलोक विद्या'' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक अंतर–सांस्कृतिक दृष्टिकोण आयोजित ''एक भारतीय कक्षा में एन गुमिलेव की कविताओं में परलोक सिद्धांत विषयक रूपांकनों की व्याख्या'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीलाक्षी सूर्यनारायण ने 26–27 जून 2015 को पर्म स्टेट ह्युमेनिटी पेडागागिकल विश्वविद्यालय, पर्म, रूस में ''देशभक्ति, नागरिकता, राष्ट्रवादः समकालीन जन संस्कृति में राजनीतिक अवधारणाओं'' पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''21वीं सदी में स्टैंड अप कामेडीः नए क्षितिज, नए दृष्टिकोण'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीलाक्षी सूर्यनारायण ने भारतीय छात्रों के साथ रूसी संस्कृति पर एक कक्षा में आंद्रेई तारकोवस्की की फिल्म ''आंद्रेई रुब्लेव'': एक शैक्षणिक अनुभव'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। 13–20 सितंबर 2015 को एमएपीआरवाईएएल (रूसी भाषा और साहित्य के शिक्षकों का अंतर्राष्ट्रीय संगठन) के एक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में ''विश्व संस्कृति के अंतरिक्ष में रुसी भाषा और संस्कृति'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीलाक्षी सूर्यनारायण ने बुल्गारिया के संस्कृति दूतावास द्वारा 15 सितंबर 2015 को आयोजित ''बुल्गारिया का इतिहास और संस्कृति पर एक संगोष्ठी'' में ''मध्य युग के प्राचीन बल्गेरियाई इतिहास'' पर एक शोधपत्र पर प्रस्तुत किया।

डॉ. नीलाक्षी सूर्यनारायण ''अंतर संस्कृति संचार में रूसी सिनेमा'' पर पूर्ण वक्ता थीं। रूस, 20–21 अक्टूबर, 2015 को पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी ऑफ रशिया, मास्को, रूस में आयोजित ::एक बहुध्रुवीय दुनिया में जन संचार के साधनः समस्याएं और परिप्रेक्ष्य'' पर छठे अखिल रूसी सम्मेलन में आंद्रेई तारकोवस्की की ''आंद्रेई रिब्लोय'' ।

अंतर संस्थागत सहयोग
अबाई कजाख शैक्षणिक विश्वविद्यालय, कजाकिस्तानय पेक्स विश्वविद्यालय, हंगरीय रशियन स्टेट यूनिवर्सिटी फॉर ह्युमेनिटिज, मास्को, रशिया एंड टॉम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस के` साथ समझौता ज्ञापन किया गया है

प्रदत्तएम.फिल /पीएच.डी. की डिग्रियां
पीएच.डी.: 01
एम.फिलः 10

संकाय की संख्या
स्थायी : 03
तदर्थ : 05

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
नौ छात्रों (2 बल्गेरियाई, 1 क्रोएशियाई, 2 चेक, 3 पोलिश, 1 रूसी) को विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया है।

वाणिज्य और व्यापार संकाय
वाणिज्य

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
अंडर ग्रेजुएट कोर्सों के पाठ्यक्रम का संशोधन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए सुझावों के अनुसार चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) के अंतर्गत बी. कॉम (ऑनर्स) और बी. कॉम पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए, संकाय सदस्यों और कॉलेज के प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति ने प्रस्तावित यूजीसी–सीबीसीएस पाठ्यक्रम में सुधार करने पर काम किया है। मेल और टेलीफोन के माध्यम से पाठ्यक्रम पर कई शिक्षकों की 200 से अधिक टिप्पणियों को शामिल किया गया

था। वाणिज्य और व्यवसाय संकाय और संबंधित अधिकारियों के द्वारा विधिवत अनुमोदन के बाद पाठ्यक्रम को शैक्षणिक सत्र 2015–16 से लागू किया गया था।

संस्मरण '15 – एमबीए पूर्व छात्रों का मिलन
दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके संबोधन के बाद पूर्व छात्रों की वेबसाइट का शुभारंभ और पूर्व छात्रों के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में 04 अक्टूबर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के एम. कॉम के पूर्व छात्रों के मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों, संकाय सदस्यों और छात्रों ने बड़ी संख्या ने भाग लिया। डॉ, हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

एमबीए–आईबी और एमबीए–मानव संसाधन विकास के छात्रों द्वारा हर वर्ष दो दिन के वार्षिक प्रबंधन उत्सव ''अथर्व'' और मानव संसाधन उत्सव ''कॉनफल्क्स'' आयोजित किया गया है, जिसमें अन्य कॉलेज और प्रबंधन के छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

अजरबैजान विश्वविद्यालय के एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने 22 दिसम्बर, 2015 को डीएसई में वाणिज्य विभाग का दौरा किया, जिसमें बाहरी सरकार और छात्रों के मामलों के वाइस रेक्टर, एडीए विश्वविद्यालय के डॉ. फेरिजइस्माइलजादे, काउंसलर येगाना गाफगजली और वाइस रेक्टर प्रोफेसर डॉ रामेश्वर कंवर शामिल थे। तत्कालीन विभाग प्रमुख, प्रो. जे. पी. शर्मा ने स्टाफ के सदस्यों से मेहमानों का परिचय कराया और शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विभाग की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा और अनुसंधान के अच्छे अवसर प्रदान करना है।

स्टीलमैन स्कूल ऑफ बिजनेस, सेटान हॉल विश्वविद्यालय, साउथ ऑरेंज, संयुक्त राज्य अमरीका के प्रतिनिधिमंडल ने 3 मार्च, 2016 को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में वाणिज्य विभाग का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टीलमैन स्कूल ऑफ बिजनेस के पूर्ण प्रोफेसर प्रो. ए. डी. अमर ने किया था। प्रो. ए. डी. अमर ने ''ज्ञान के संगठन में विकास के अवसरों'' की खोज पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

आज के युग में जब हर देश और समाज आर्थिक विकास और प्रगति की एक तरफा सड़क पर चल रहा है, प्रकृति और पर्यावरण को पीछे धकेल दिया गया है। वाणिज्य विभाग ने ईको क्लब के गठन में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए कदम उठाया है।

सम्मान/विशेषताएं
वनिता त्रिपाठी और रितिका सेठ को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो कॉलेज द्वारा 26–27 फरवरी 2016 को आयोजित *भारत में बदलता व्यापार और आर्थिक वातावरणः विजन 2020* शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत ''सार्क देशों के शेयर बाजारों में बाजार दक्षता, अंतर – जुड़ाव और अस्थिरता संक्रमण'' के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अवार्ड प्रदान किया गया।

वनिता त्रिपाठी और कुमार अर्णव को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कामर्स द्वारा 4–5 फरवरी 2016 को उपलब्धियों से विकास की संभावनाओं की ओर फलतेफूलते रिसर्च सेवा क्षेत्र पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत उनके शोधपत्र ''सेवा क्षेत्र के शेयरों की क्षमता, निर्धारक और प्रदर्शनः भारत से साक्ष्य'' के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अवार्ड प्रदान किया गया।

वनिता त्रिपाठी और कुमार अर्णव को 27–28 नवंबर 2015 के दौरान जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन के विवेकानंद संस्थान द्वारा *उभरते वैश्विक बाजारों के लिए सतत व्यापार प्रथाओं* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत ''ब्रिक्स के शेयर बाजारों में व्यापक आर्थिक कारकों और सकल शेयर लाभ के बीच संबंध – एक पैनल डेटा विश्लेषण'' के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. सुनैना कनौजिया को 16–21 नवंबर, 2015, को फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमरीका में आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय वाणिज्य अर्थशास्त्र उन्नयन सम्मेलन (आईआईबीए) में ''भारत के बैंकों में प्रमुख संकट के बाद निगमित प्रशासन'' शीर्षक शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अवार्ड प्रदान किया गया।

प्रकाशन
मुनीम के. बराई, रबी नारायण कर और नीति भसीन (2015), ''एशिया प्रशांत सदी में भारत–जापान आर्थिक संबंध को समझना'' वैश्विक व्यवसाय समीक्षा (एक ऋषि प्रकाशन), संस्करण 16, नंबर 6, पृ. 1061–1081.

के. वी. भानु मूर्ति और नीति भसीन, (2016). ''पर्यावरण कुज्नेट वक्रः सीओ 2 उत्सर्जन, प्रदूषण वाले देश और आर्थिक विकास का प्रकार''। बहुराष्ट्रीय उद्यमों में स्थिरता की उभरते गतिशीलता, जॉन आर मैकेन्टायर, सिलवेस्टर इवान्ज, वेरा इवान्ज और रबी नारायण कर (संपा.)। एडवर्ड एल्गरः ब्रिटेन।

एन. भसीन और पी. जस्टिन, (2016). निर्यात और जावक एफडीआईः वे पूरक हैं या विकल्प? एशिया से साक्ष्य। बहुराष्ट्रीय व्यापार की समीक्षा। (एन एमरेल्ड पब्लिकेशन), 24 (1), 62–78.

नीति भसीन, के. वी. भानुमूर्ति और वंदना जैन, (2016). ''चयनित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से जावक एफडीआई पैदा करने वाले धकेलने वाले कारकः स्थिरता चिंता का विषय है?''। बहुराष्ट्रीय उद्यमों में स्थिरता की उभरती गतिशीलता, जॉन आर मैकेन्टायर, सिलवेस्टर इवान्ज, वेरा इवान्ज और रबी नारायण कर (संपा.)। एडवर्ड एल्गरः ब्रिटेन।

नीति भसीन, रबी नारायण कर और नेहा अरोड़ा (2015). ''भारत में हरित प्रकटीकरण प्रथाएंः चयनित कंपनियों का एक अध्ययन'', *एवरग्रीन (अभिनव कार्बन संसाधन विज्ञान और ग्रीन एशिया रणनीति की संयुक्त पत्रिका),* संस्करण 2, अंक 2, पृ. 5–13.

एस आर खन्ना, ए. सिंह, ए. सान्याल, आर. शर्मा, वाई अरोड़ा और ए. छिब्बर। (2015). भारतीय बाजार में समझौता और उपभोक्ता हानि का आकलन, *भ्वायस और जीआईजेड,* 260.

के. सैकिया और विजय कुमार श्रोत्रिय, (2016). पेट्रोलियम क्षेत्र में निगमित सामाजिक दायित्वः लाभार्थियों का एक अध्ययन, असम की तेल रिफाइनरियों में धारणाए *न्यू होराइजन्स लेवरेजिंग बिजनेस में दूसरा अध्याय* (संपा.) कविता शर्मा व सुनैना कनौजिया, अनमोल प्रकाशन, नई दिल्ली, 22–44.

के.शर्मा, और एस गर्ग, (2016). उपभोक्ता खोज और मूल्यांकन व्यवहार की एक जांचः ब्रांड नाम और कीमत की धारणाओं का प्रभाव। वि*जन – व्यापार के नजरिए की पत्रिका।20* (1), 24–36.

विजय कुमार श्रोत्रिय, (2016). सीएसआरः जिस तरह से आप इसे देखते हैं। *सीएसआर विजन,* 4 (11), 48–49.
विजय कुमार श्रोत्रिय, (2016). भारत कार्य योजना का आरंभः प्रावधान और संभावनाएँ। *सामग्री प्रबंधन की समीक्षा,* 12 (5), 23–24.

विजय कुमार श्रोत्रिय, (2015). भारत और उसके बाजार के लिए अच्छे दिन। *एसएमई विश्व,* 8 (11), 12–13.
आर के सिंह, (2015). प्रशिक्षण और संगठनात्मक प्रभावशीलता का निर्माणः एक प्रस्तावित मॉडल, *प्रबंधन की एमआईएमएस पत्रिका*, 10 (1), 2249–0116.

वी त्रिपाठी और वी भंडारी, (2016). बाजार की स्थितियां और भारत में सामाजिक रूप से जिम्मेदार स्टॉक पोर्टफोलियो का प्रदर्शन। *व्यापार के दृष्टिकोण,* 15 (1), 1–19। आईएसएसएन 0972–7612. बिमटेक, ग्रेटर नोएडा।

बराई, के. मुनीम, आर. एन. कर और एन. भसीन, (2015). एशिया प्रशांत सदी में भारत–जापान आर्थिक संबंधों को समझना। *ग्लोबल बिजनेस रिव्यू (ए सेज पब्लिकेशन),* 16 (6), 1061–1081.

ए. के. बर्धन और एच. के. डांगी, (2016). राहत श्रृंखला में प्रदर्शन के वाहक और संकेतकः एक अनुभवजन्य अध्ययन। *ग्लोबल बिजनेस रिव्यू* में प्रकाशन के लिए स्वीकृत 17 (1) 88–104.

एन भसीन, आर एन कर और एन अरोड़ा, (2015). भारत में हरित प्रकटीकरण प्रथाएंः चयनित कंपनियों का एक अध्ययन। *एवरग्रीन* (अभिनव कार्बन संसाधन विज्ञान और ग्रीन एशिया रणनीति की संयुक्त पत्रिका), 2 (2), 5–13.

के. शर्मा और एम. बंसल, (2016). बहुराष्ट्रीय उद्यम में स्थिरता की उभरती गतिशीलता में ''पर्यावरण चेतना का मापन'', संपा. जॉन आर मैकेन्टायर, सिलवेस्टर इवान्ज, वेरा इवान्ज और रबी नारायण कर (संपा.)। एडवर्ड एल्गरः ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका।

ए.के.सिंह, (2016). भारत में आईपीओ बाजार का दीर्घकालिक प्रदर्शन। *वित्तीय प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* आईएसएसएनः 2229–5682.

आर के सिंह, (2015). मानव कंप्यूटर इंटरफेसः कॉलेज जानेवालों का एक अध्ययन। *विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका* 4 (5), 2394–1537.

वी. त्रिपाठी और वी. भंडारी, (2015). भारत से अनुभवजन्य साक्ष्य – क्या नैतिक फंड पारंपरिक फंड से कम प्रदर्शन करते हैं। *विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार नीतिशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 4 (2) 10–19. आईएसएसएन 2278–3172. प्रकाशक – पब्लिशिंग इंडिया। वैज्ञानिक पत्रिका।

वी. त्रिपाठी और वी. भंडारी, (2015). सामाजिक जवाबदेह शेयर– भारत में निवेशकों के लिए एक वरदान। *प्रबंधन अनुसंधान में प्रगति की पत्रिका,* 12 (2) एमरेल्ड पब्लिकेशन। आईएसएसएन 0972–7981 खंड 12 नंबर, 2 जुलाई 2015.पृ. 209–225 जारी होने की तारीख 10.1108/जेएएमआर–03–2014–0021। प्रकाशक – एमरेल्ड पब्लिकेशन।

वी. त्रिपाठी और वी. भंडारी, (2016). भारतीय शेयर बाजार के पूरे क्षेत्र में सामाजिक रूप से जिम्मेदार स्टॉक पोर्टफोलियो का प्रदर्शन। *विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में व्यापारिक नीतिशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका*, 5 (1) 10–24. आईएसएसन 2278–3172.

वी. त्रिपाठी और अर्णव कुमार, (2016). भारतीय बैंकिंग शेयर लाभ में व्यवस्थित जोखिम के स्रोत – कुछ अनुभवजन्य सबूत। *व्यापार विश्लेषक*, 36 (2), 135–150.

वी. त्रिपाठी और एस मैगो (2015). भारत के इक्विटी और ऋण बाजार में विदेशी संस्थागत निवेश एक अनुभवजन्य विश्लेषण। *अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र की पत्रिका*, 6 (1), 107–117.

एच. के. डांगी और एस. दीवान, (2016). व्यापारिक अनुसंधान के तरीके। नई दिल्लीः सेनगाग इंडिया लिमिटेड (आईएसबीन–978–81–315–2960–7)

के. शर्मा और एस. कनौजिया, (2015). व्यापारिक लाभ के लिए नए क्षितिज। नई दिल्लीः अनमोल प्रकाशन। आईएसबीएन – 978–81–261–6498–1.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. एच. के. डांगी, धार्मिक स्थलों की आपदा तैयारी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1 लाख रु.।

प्रो. कविता शर्मा, ऊर्जा बचत उत्पाद और स्थायी शहर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रु.1.4 लाख।

प्रो. विजय कुमार श्रोत्रिय, भारत में संगठनात्मक खुशी के घटक पर एक खोजपूर्ण अध्ययन। दिल्ली विश्वविद्यालय, रु. 1.2 लाख।

प्रो मदनलाल, भारतीय के प्रसंस्कृत और सब्जी उद्योग की प्रतिस्पर्धा और निर्यात प्रदर्शन के एक अध्ययन, यूजीसी। रु. 6.74 लाख।

प्रो. रीतेश के. सिंह, स्थानीय बाजारों में उद्यमिताः पूर्वी उत्तर प्रदेश के शहरों का एक अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय, रु. 1.5 लाख।

सम्मेलनों का आयोजन

एमबीए (मानव संसाधन विकास) और एमबीए (इंटरनेशनल बिजनेस) के छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से 16 और 17 सितंबर, 2015 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग, नई दिल्ली में 20वें वार्षिक व्यापार सम्मेलन ''इरुडिशन 2015'' आयोजित किया गया था। इरुडिशन '15 का विषय था ''प्रज्वलन–द विजन फॉरवड''। इरुडिशन '15 ने शिक्षाविद्, उद्योगपति, उद्यमी, और प्रबंधन गुरुओं को छात्रों के साथ व्यावहारिक ज्ञान और विश्व स्तर पर वर्तमान व्यवसायिक प्रथाओं पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया है। इरुडिशन '15 के पहले दिन न्यायमूर्ति मार्कंडेय काटजू (भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश) मुख्य अतिथि और श्री अनुराग बत्रा (अध्यक्ष एवं एडिटर–इन–चीफ बीडब्ल्यू द्य बिजनेस वर्ल्ड) मुख्य वक्ता थे।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग ने कन्वेंशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय के कैम्पस में 18 और 19 दिसंबर, 2015 को दो दिवसीय चौथे वार्षिक अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पहले दिन श्री एन. आर. नारायण मूर्ति, संस्थापक, इंफोसिस ने मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की अध्यक्षता की। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में वाणिज्य विभाग के विशाल वार्षिक आयोजन में चौथे वार्षिक अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन– 2015 के दूसरे दिन देश भर के विद्वानों ने 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए।

वाणिज्य विभाग ने 02 सितंबर, 2015 को ::हृदय रोग की रोकथाम और विपर्यय'' पर डॉ बिमल थाजेर द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। विमल छाजेर एमबीबीएस, एमडी चिकित्सा विज्ञान की दुनिया में एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व हैं।

संगोष्ठियां

सितम्बर 2015 में एमबीए–एचआरडी के छात्रों के लिए मानव संसाधन संगोष्ठी और एमबीए–आईबी के छात्रों के लिए आईआईएसएसी संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

विशेष व्याख्यान

हेनले बिजनेस स्कूल, ब्रिटेन के प्रोफेसर रजनीश नरूला ने 28 मार्च, 2016 को ''विकासशील देशों के एमएनईएस और संगठनात्मक कौशल में कमजोरी'' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

केंट बिजनेस स्कूल, ब्रिटेन के डॉ. सुरक्षा गुप्ता ने 22 फरवरी, 2016 को ''सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका'' पर एक व्याख्यान दिया।

सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

प्रो. कविता शर्मा, ने 7–9 जनवरी, 2015 को आईआईएम, अहमदाबाद में आयोजित उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर छठे आईआईएमए सम्मेलन में ''ग्राहक के आजीवन मूल्य का एक अध्ययन और ग्राहक प्रतिधारण पर इसके प्रभाव'' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया था।

आईएससीटीई–आईयूएल–आईसीएन बिजनेस स्कूल और सेंटर फॉर इंटरनेशनल बिजनेस एजुकेशन एंड रिसर्च, जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा 13–15 दिसंबर, 2015 को लिस्बन, पुर्तगाल में आयोजित एमईएसडी'15 सम्मेलन में ''लेबल धारणाएं और उपभोक्ता व्यवहार– स्थिरता विरोधाभास के हल के लिए एक प्रायोगिक जांच'' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. एस. आर. खन्ना

एस. आर. खन्ना और ए. गोस्वामी ने 28–29 मार्च 2016 को नई दिल्ली में प्रबंधन शिक्षा में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर एआईएमए के 10 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''आभासी मंचों का एक तुलनात्मक मूल्यांकन और वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में इसका कार्यान्वयन'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. संजय कुमार जैन

गुरुवार, 1 अक्टूबर, 2015 को गीतारत्न अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य स्कूल, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विकास और बाधाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''व्यापार के लिए अदृश्य बाधाओं से निपटनाः मूल देश के प्रभाव और उपभोक्ता प्रजाति केंद्रिकता के प्रकरण'' पर एक विषय प्रस्तुति दी।

प्रो. विजय कुमार श्रोत्रियः

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस– 20 मार्च, 2015 को रंगसीत विश्वविद्यालय, थाईलैंड में आयोजित सतत खुशी और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय मंच ''सतत विकास की दिशा में प्रगति– सकल राष्ट्रीय खुशी के साथ भूटान के प्रयोग'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया)।

'राष्ट्रीय कल्याण के लिए रणनीतियाँः राष्ट्र निर्माण में एनएसएस की भूमिका' पर 5–6 मार्च, 2015 को एनईएचयू शिलांग में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भारत में युवा शक्ति की भूमिकाः गुंजाइश और चुनौतियां (एक सत्र की अध्यक्षता)।

प्रो. आर.के. सिंह

26–27 फरवरी, 2016 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित ''भूमंडलीकृत दुनिया में सीएसआर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः उभरते मुद्दे और चुनौतियां'' में सुश्री रजनी हीरा के साथ ''आध्यात्मिकता और प्रतिबद्धताः एक आधारभूत सिद्धांत का दृष्टिकोण'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

16–17 मार्च, 2016 को सुश्री रजनी हीरा के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित ''स्थिरता व्यापार मॉडल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः अभिनव रणनीतियां और प्रथाएं'' में ''आध्यात्मिकताः स्थिरता का एक लंगर'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. वनिता त्रिपाठी

वनिता त्रिपाठी और नीरजा (2015). 17 अप्रैल, 2015 को यूएसएमएस, जीजीएस आईपी यूनिवर्सिटी और एनएसई पर द्वारा आईपी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वित्तीय बाजार और आर्थिक विकास पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में ''क्या निवेश रणनीतियाँ व्यापक आर्थिक कारकों पर आधारित होती हैं? – ब्रिक्स शेयर बाजारों में निवेश विश्लेषकों के एक सर्वेक्षण'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और शिल्पा मैगो (2015). 17 अप्रैल, 2015 को यूएसएमएस, जीजीएस आईपी यूनिवर्सिटी और एनएसई पर द्वारा आईपी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वित्तीय बाजार और आर्थिक विकास पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय ऋण बाजार और बॉन्ड उपज में एफआईआई प्रवाह – अनुभवजन्य परिणाम'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और वरुण भंडारी (2015) 17 अप्रैल, 2015 को यूएसएमएस, जीजीएस आईपी यूनिवर्सिटी और एनएसई पर द्वारा आईपी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वित्तीय बाजार और आर्थिक विकास पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में ''नैतिक और परम्परागत फंड का निष्पादन मूल्यांकन –भारत में टारस म्युचुअल फंड का एक अध्ययन'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और शिल्पा मैगो ने 8 अप्रैल, 2015 को यूजीसी प्रायोजित और रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विपणन और वित्त में उभरते रुझान और समकालीन मुद्दों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में इक्विटी और ऋण बाजार में विदेशी संस्थागत निवेश का एक अनुभवजन्य विश्लेषण'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और अर्णव कुमार ने 6–7 अप्रैल, 2015 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित भारत में बैंकिंग क्षेत्र में सुधारः अनुभव, अवसर और चुनौतियां पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में बैंकिंग स्टॉक रिटर्न में व्यवस्थित जोखिम के सूत्रः कुछ अनुभवजन्य सबूत'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और नीरजा ने 18–19 फरवरी, 2015 के दौरान, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज द्वारा भारत में ऑनलाइन रिटेलः मुद्दे और चुनौतियां पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भारत में ई कॉमर्स फर्मों में निजी इक्विटी निवेश– रुझान और चुनौतियां'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और अर्णव कुमार ने 13–14 फरवरी 2015 को आईबीएस गुड़गांव द्वारा ''भारतीय पूंजी बाजार'' पर आयोजित नौवें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ब्रिक्स बाजारों में मुद्रास्फीति की दर और शेयर रिटर्न के बीच संबंधः पैनल सह–एकीकरण परीक्षण का उपयोग कर अनुभवजन्य साक्ष्य'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन में इस शोधपत्र को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार प्रदान किया गया ।

वनिता त्रिपाठी और नीरजा ने 13–14 मार्च, 2015 को आईबीएस गुड़गांव द्वारा 'भारतीय पूंजी बाजार'' पर आयोजित नौवें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''व्यापक आर्थिक कारक और उभरते बाजारों में शेयर प्रदर्शन – शेयर बाजार के विशेषज्ञों का एक सर्वेक्षण'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और प्रीति अग्रवाल ने 30 मार्च 2016 को अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज (सांध्य) द्वारा आयोजित ''ारतीय वित्तीय बाजार में वित्त पर व्यवहार की भूमिका'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मूल्य निवेश और व्यवहारिक वित्तः कुछ अनुभवजन्य साक्ष्य'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और नीरजा ने 29 मार्च, 2016 को शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''वैश्वीकरण, आर्थिक विकास और स्थिरता'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारतीय शेयर बाजार में लोकप्रिय निवेश रणनीतियों का प्रदर्शन'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वनिता त्रिपाठी और स्वाति गर्ग ने 26–27, फरवरी 2016 को अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो कॉलेज, द्वारा आयोजित ''भारत में बदलते व्यापार और आर्थिक वातावरणः विजन 2020'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की मूल्य निर्धारण क्षमता का एक देश पार विश्लेषण'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

18–19 दिसंबर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक वाणिज्य सम्मेलन में ''भारत की चयनित कंपनियों में कॉर्पोरेट सामाजिक और वित्तीय प्रदर्शन के बीच समान, पिछड़ी और अनौपचारिक सम्बन्ध'' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीति भसीनः 13–14 जून, 2015 को हेनले बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, ब्रिटेन में आयोजित रीडिंग–यूएनसीटीएडी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में ''संस्थागत तंत्र प्रतिस्पर्धा को कैसे प्रभावित करता है? चयनित देशों से अनुसंधान एजेंडा और साक्ष्य'' (डॉ. रवि नारायण कर और डॉ. स्लैगजाना के साथ संयुक्त रूप से) शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शीतल झुनझुनवाला ने 6–7 जनवरी, 2016 को सार्वजनिक उद्यमों के संस्थान, हैदराबाद में निगमित प्रशासन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारतीय बोर्डों में विविधता स्तर'' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री शिल्पी साहीरू 24 और 25 मार्च, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली में ''संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए उभरते मानव संसाधन आचरण''पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''प्रौद्योगिकी के साथ मानव संसाधन विकास का एकीकरण'' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री मनीषाः 19, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में डीएसई, वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित चौथे वार्षिक अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन के दूसरे दिन ''ग्रीन मार्केटिंगः सीएसआर का एक पहलू'' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वित्तीय अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वार्षिक सम्मेलन

वित्तीय अध्ययन विभाग ने 19 सितंबर 2015 को होटल शांगरी–ला, नई दिल्ली में ''वित्तीय क्षेत्र के विकास के माध्यम से विकास प्राप्त करनाः विजन 2020'' विषय पर अपने 28वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर को विभाग की वार्षिक पत्रिका, फिनस्कोप के प्रकाशन के रूप में चिह्नित किया गया। डॉ. पी. के. आनंद, वरिष्ठ सलाहकार, नीति आयोग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री डी. आर. डोगरा, एमडी और सीईओ, केयर रेटिंग ने मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया। श्री रवि क्रोवी (डीन, व्यवसायिक प्रशासन कॉलेज, अक्रान विश्वविद्यालय) सम्मानित अतिथि थे।

सम्मान/विशिष्टताए

देवांग मेहता राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार 2015 ''वित्त में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक आदान सहित बिजनेस स्कूल'' के रूप में।

8वें डीएनए एवं सितारे उद्योग समूह प्रस्तुति, शिक्षा शैक्षणिक और उद्योग इंटरफेस निर्माण में नवाचार के लिए पुरस्कार।

प्रकाशन

प्रो. **मुनीश कुमार** प्राथमिकता क्षेत्र उधार के अवधारकः भारत के बैंक ऋण पैटर्न से साक्ष्य। व्यवसाय और वित्त अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका संस्करण –10.

प्रो. संजय सहगलः एक अनुभवजन्य अध्ययन (2015): भारत के उपभोग्य संजातों पर उपभोग्य लेनदेन कर के संभावित प्रभाव। वैकल्पिक निवेश विश्लेषक की समीक्षा, क्यू 42014, खंड 3, अंक 3, पृ. 26–37

भारत के विदेशी मुद्रा बाजार में मूल्य के अनुसंधान और अस्थिरता के फैलाव की एक जांच (2015)। आर्थिक अध्ययन की पत्रिका, संस्करण 42.
भारत (2015) से मूल्य गति के विदारक स्रोतः भारत से साक्ष्य। उभरते बाजारों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 10.

रियल एस्टेट निवेश का चयन और संपत्ति की कीमतों में अनुभवजन्य विश्लेषणः गुड़गांव, भारत के लिए चयनित आवासीय परियोजनाओं का अध्ययन (2015)। अंतर्राष्ट्रीय रियल एस्टेट समीक्षा, संस्करण 18, पृ. 523–566.

बीआरआईआईसीकेएस शेयर बाजारों में व्यवस्था परिवर्तन और अस्थिरताः एक परिसंपत्ति आवंटन परिप्रेक्ष्य (2015)। उभरते बाजारों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 10, पृ. 383 – 408

आय की घोषणा के लिए शेयर की कीमत प्रतिक्रियाएंः भारत से साक्ष्य (2015)। विजनः व्यापार के नजरिए का पत्रिका, संस्करण 19, नं. 1, पृ. 25–36.

डॉ. अमिताभ गुप्ताः बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर ब्लॉक ट्रेडिंग की कीमत का प्रभाव, 2015, व्यवहारिक वित्त की आईयूपी पत्रिका, संस्करण 21 (3), 5–15.

भारत में क्रेडिट रेटिंग परिवर्तन के लिए बाजार की प्रतिक्रिया, 2015, विपणन, वित्तीय सेवाओं और प्रबंधन अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेएमएफएमआर), अप्रैल–जून संस्करण 4 (2), 36–46.

अनुसंधान परियोजनाएं
प्रो. संजय सहगलः सार्क क्षेत्र में वित्तीय एकीकरणः सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा अनुभवजन्य विश्लेषण और नीतिगत मुद्दे, नई दिल्ली, दो साल के लिए 2015–2017.

अंतर संस्थागत सहयोग

विभाग ने छात्रों के विनिमय और गर्मियों में प्रशिक्षण के लिए ईएससी पऊ, फ्रांस के साथ समझौता ज्ञापन किया है।

विभाग ने छात्र और संकाय विनिमय के साथ–साथ संयुक्त अनुसंधान के लिए, रैम्स बिजनेस स्कूल, फ्रांस के साथ एक समझौता ज्ञापन किया है।

विभाग ने छात्रों के विनिमय और संयुक्त अनुसंधान के लिए अक्रान विश्वविद्यालय, ओहियो, संयुक्त राज्य अमरीका के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया।

सम्मेलनों का आयोजन/भागीदारी
डॉ. अमिताभ गुप्ताः फर्म की विशेषताएं पूंजी संरचना को कैसे प्रभावित करती हैं? सी. बंगा के साथ भारतीय एसएमई साक्ष्य विश्व वित्त सम्मेलन में प्रस्तुत, ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना जुलाई 22–24, 2015.

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की डिग्रियां
पीएच.डी. – 5

संकाय की संख्याः स्थायीः 6, अतिथि संकायः 11

कॉलेज

आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

इंडिया टुडे (2015) द्वारा आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज (एएनडीसी) को भारत के श्रेष्ठ विज्ञान कॉलेजों के बीच दिल्ली में आठवें स्थान पर तथा भारत में 25वें स्थान पर रखा गया था। एएनडीसी को एनएएसी (मार्च 2016) द्वारा 3.31 अंकों के साथ 'ग्रेड ए' प्रमाणित किया गया था। विश्वविद्यालय द्वारा डा. सीमा मखीजा और डा. गगन धवन को पीएच.डी. मार्गदर्शकों के रूप में मान्यता दी गई थी। विद्यालय को ग्यारह अभिनवता परियोजनाएं प्रदान की गई थीं तथा एएनडीसी के चार छात्रों को विश्वविद्यालय का विज्ञान मेधावी पुरस्कार दिया गया था। कॉलेज के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एक अन्य भव्य समारोह 'रजतोत्सत' आयोजित किया गया था (6–8 फरवरी, 2016) जिसमें तीन दिवसीय प्रर्दशनी, अंतर्विद्यालय और अंतर्महाविद्यालय वॉलीबाल टूर्नामेंट, नृत्य, नुक्कड़ नाटक और वाद–विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी।

उत्कृटता सम्मान/विशिष्ट उपाधियां

डा. सावित्री सिंह (प्राचार्य) को यूनेस्को मुख्यालय, पेरिस में ''मुक्त शैक्षणिक संसाधन (ओआरई) रोडमैप बैठक'' के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया (30–31 मार्च, 2016)। वे आरओईआर 4 डी (विकास के लिए मुक्त शैक्षणिक अनुसंधान पर शोध) के परामर्शक समूह की सदस्य हैं जिसका वित्त–पोषण अंतर्राष्ट्रीय विकास अनुसंधान केन्द्र (आईडीआरसी), कनाडा द्वारा किया जाता है और जिसमें 11 ओईआर अंगीकरण अध्ययन तथा 8 ओईआर प्रभाव अध्ययन शामिल है, जो सभी ग्लोबल साउथ में स्थित हैं (ये मलेशिया, कोलम्बिया और भारत में तीन शोध परियोजनाओं का विशेष रूप से मार्गदर्शन कर रहे हैं) (2013–17) वे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनआरजी) तथा विद्यालयी शिक्षा में आईसीटी के राष्ट्रीय समूह (एनआरजी) की सदस्य भी हैं।

डा. गगन धवन ने उच्चतर शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा मेधावी शिक्षक पुरस्कार 2015 प्राप्त किया तथा यूजीसी द्वारा एक वर्ष के लिए यूएसए में पोस्ट डॉक्टोरल के लिए रामन फेलोशिप (2016–17) प्राप्त की।

डा. चारू के. गुप्ता, डा. सुनीता नारंग, डा. चन्द्रकांत सामल, डा. अमित गर्ग, डा. रूपेश तेहरी और डा. अरिजीत चौधरी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2014–15 के लिए अभिनवता में शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

शोध परियोजनाएं

डीएसटी (इंडो–स्लोवेनिया संयुक्त परियोजना) 2015–18, भारत और स्लोवेनिया के प्रभावित शहरों में परिवेशी वायु प्रदूषण (एएपी) और Hg संदूषण का अनुभव–प्रतिक्रिया आकलन : एक तुलनात्मक अध्ययन, 17.00 लाख

डीएसटी, 2014–17, परिवर्ती सितारों की प्रकाश वक्रताओं का अध्ययन, 6.6 लाख।

सीएसआईआर ओएसडीडी, 2013–16 : एमटीबी एमयूआर पाथवे एंजाइम्स : मल्टी–टार्गेट थैरेपी के संभावित उम्मीदवार, 37.63 लाख।

डीएसडी 2010–16, अभिनवता और उद्यमवृत्ति विकास केन्द्र (आईईडीसी) – यह प्रत्येक वर्ष छात्रों द्वारा 5 अभिनव परियोजनाओं के लिए निधि प्रदान करता है, 5 लाख

डीयू अभिनवता परियोजनाएं 2015–16, 59 लाख

विशिष्ट उपलब्धियों वाले छात्र

इस वर्ष प्रारंभ किया गया श्रेष्ठ छात्र सिल्वर जुबली पुरस्कार (10,000/– रुपए) बी.एमसी. (एच) प्राणिविज्ञान की सुश्री प्रियंका दास ने जीता।

पुस्तकालय विकास

एएनडीसी पुस्तकालय ने अपने पुस्तकालय की पुस्तकों की संख्या में 300 और वृद्धि की है तथा दो अतिरिक्त जर्नलों को सब्सक्राइब किया है।

प्रकाशन

सिन्हा, ए., कंडासामा ई., सिन्हा एस., लिन ए.एम., एवं वाजपेयी यू (2015) माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के आरवी 2345 अंतर्विष्ट करने वाले टीपीएस डोमेन का कार्यात्मक विश्लेषण जो इसके फोस्फेटेज क्रियाकलाप की पहचान करता है। प्रोटीन एक्सप्रेशन एवं ब्यूटीफिकेशनर, 111, 23–27 (डीओआई : 10.1016/जे पेप. 2015–03–003)।

अहमद, एस., खान, एफ आई वाजपेयी, यू. अली, एस., द्विवेदी, एन. एवं हसन, एम.आई. (2015)। ई. कोली और एस. ट्यूबरकुलोसिस से एमयूआर ए इंजाइम का तुलनात्मक आण्विक गतिशील अध्ययन। फार्माकोथेरेपी में अभिनवता, 3(3), 673–682.

धवन जी., चन्द्रा, आर. गुप्ता, के.सी. एवं कुमार पी. (2015) 1,4–एनहाइड्रोएरीथ्रिरोल–आधारित यूनीवर्सल पालीमर सपोर्ट से सिंथेटिक ओलिगो न्यूक्लोटाइड्स के क्लीवेज के लिए फैसाइल और रैपिड डेप्रोटक्शन परिस्थितियां। न्यूक्लियोसाइड्स, न्यूक्लि योटाइड्स एवं न्यूक्लेइक एसिड, 34(3), 149–162.

धवन. जी., गुप्ता, एस., जैन, एम., धवन, यू., दीपिका, डुंगरियाल, पी., जैदी, जैड, सिंह, वाई., ठाकुर, जे., धर्मेन्द्र चौहान, ए. एवं शर्मा, के., (2015) दिल्ली, भारत में पटरी पर बैठे डायरों द्वारा फैब्रिक डाइज़ के प्रयोग से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी और जागरूकता पर अन्वेषणात्मक अध्ययन। दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातकपूर्ण शोध और अभिनरवता जर्नल, 1(3), 20–25

चन्द्रा, एस., हूडा, एस., तोमर, पी.के., मलिक, ए., कुमार ए., मलिक एस. एवं गौतम, एस. (2016) थियोसाइनेटसेलेक्टिव इलेक्ट्रोड के लिए बिस–नाइट्रेटो (4–हाइड्रोजाइसेटोफीनोलेज माइकरबेंजोन) निकेल (II) काम्प्लेक्सेस आइनोफोर का संश्लेषण और विशेषता–वर्णन। पदार्थ विज्ञान और इंजीनियरी सी, 62, 18–27.

भटनागर वी., आहूजा, एस. एवं कौर एस (2015): डिस्क्रिमिनैंट एनालाइसिस – बेस्ड क्लस्टर एंसेम्बल। अंतर्राष्ट्रीय द्वारा माइनिंग, मॉडलिंग एवं प्रबंध जर्नल, 7(2), 83–107.

वरीकू, आर. एवं कुमार, एस. (2015) डेगू वाहक एडीजेगायप्टी के भारतीय स्ट्रेनों के विरुद्ध अर्गेमोनेमैक्सिकाना के पर्ण निष्कर्षणों का ओवीपोजीशन डेटेरेंस और ओवीसाइडल पोटेंशियल (डिप्टेरा : क्यूलीसाइडी)। एप्लाइड रिसर्च जर्नल, 1 (4), 208–2015.

मिश्रा, एम., गुप्ता, के.के., एवं कुमार, एस. (2015) हेलीकवरपारमिगेरा हबनर के अर्ली फोर्थ इंस्टार्स के मिडगट एपीथीलियम टिशू की पोषक क्षमता और ऊत्तक–विज्ञानी संरचना पर थेवेटियानेरीफोला के तना निष्कर्षण का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंसेक्ट साइंस, 7, 53–60, डीओआई : 10. 4137/आईजेआईएस. एस 29127.

दास पी., सोलंकी, आर. एवं खन्ना, एम. (2015) सॉइल एक्टिनो माइसेट्स के कोशिका–इतर एंजाइमों की विशेषता : आण्विक दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोटेक्नालॉजी ट्रेंड्स एंड टेक्नालॉजी, 10(2), 20–32.

मखीजा, एस., गुप्ता, आर, टुटेजा, आर., अब्राहम, जे.एस. एवं श्रीपूर्णा, एस. (2015)। सिलिएट स्टाइलोनाइचियमाइटिलस (सिलियोफोरा, हाइपोट्रिचिडा) मं कैडियम इंड्यूज्ड अल्ट्रास्ट्रक्चरल परिवर्तन।

जर्नल ऑफ सैल एंड टिशू रिसर्च, 15(3), 5151–5157. आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत किए गए शोध पत्र (श्रेष्ठ 5): हूडा एस. ने रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3–4 जुलाई, 2015 को ऊर्जा और स्वास्थ्य के लिए इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री पर आयोजित तीसरी इंडो–इटैलियन कार्यशाला में "पर्यावरणीय संरक्षण के लिए सीडी (II) आयन सेलेक्टिव पॉलीमेरिक इलेक्ट्रोकैमिकल सेंसर" विषय प एक पत्र प्रस्तुत किया।

श्रीपूर्णा एस., अब्राहम जे.एस., गुप्ता आर, टुटेजा आर और मखीजा एस. ने "टेट्मेमेना एन. स्प. में कैडमियन उत्प्रेरित एचएसपी 70 जीन का विशेषता–वर्णन तथा भारी धातु विषाक्तता के लिए एक आण्विक संकेतक के रूप में इसका प्रयोग" पर कैमेरीनो, इटली में आयोजित सिलिएट मॉलीक्यूलर बायलॉजी पर एक पत्र प्रस्तुत किया, 10–16 जुलाई, 2015.

श्री पूर्णा एस., अब्राहम जे.एस., गुप्ता आर, टुटेजा आर और मरवीजा एस. ने सिलिएट्स की जैव–विविधता के लिए इंटरनेशनल रिसर्च कॉर्डिनेशन नेटवर्क द्वारा प्रायोजित और क्वींगंदाओं चीन में आयोजित चौथी कार्यशाला में "मोर्फोलाजिकल और मल्टीपल मार्करों द्वारा टेटमेमेना स्प. की फिलोजीनी का आकलन करने के लिए उसका टॉक्सोनोमिक मूल्यांकन" विषय पर एक प्रस्तुत किया, 19–21 अक्तूबर, 2015.

खन्ना, एम, दास पी. और सोलंकी आर. ने कन्वेंशन सेंट, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एएमआई के 56वें वार्षिक सम्मेलन, माइक्रोबायलॉजी में उभरती हुई खोजों पर अंतर्राष्ट्रीय सिंपोजियम में "चिटिनेज और जाइलानेज़ उत्पादनकारी मृदा की स्क्रीनिंग और विशेषता–वर्णन" पर एक पत्र प्रस्तुत किया, 7–10 दिसम्बर, 2015

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी	:	74 + प्राचार्य
अस्थायी	:	02
तदर्थ	:	39

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (रुपए में)	: 26,73,73,484/–
उपयोग किया गया अनुदान (रुपए में)	: 22,34,58,410/–

नियोजन विवरण

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 68
(ख)	परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 07
(ग)	पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 03

गुटनिरपेक्ष और अन्य विकासशील देशों के विज्ञान और प्रौद्योगिकी केन्द्र (एनएएम एस एंड टी सेंटर) द्वारा प्रायोजित मंगोलिया के पग्मादुलम बल्दोर्ज (विकासशील देशों के वैज्ञानिकों के लिए शोध प्रशिक्षण फेलोशिप (आरटीएफ–डीसीएस) प्रशिक्षु) डा. मनीषा खन्ना के मार्गदर्शन के अंतर्गत प्राणिविज्ञान विभाग, एएनडीसी में "मंगोलिया से वियुक्त सूक्ष्म–जीवाश्मों की आण्विक जैव–विविधता तथा प्रभावी और औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेनों के लिए स्क्रीनिंग" विषय एक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं (जनवरी, 2016 –जुलाई, 2016)।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

(क) सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण :
- (i) इंफ्लिबनेट के माध्यम से उपलब्ध जर्नलों का सब्सक्रिप्शन
- (ii) डीयू इंटरनेट के माध्मय से विभिन्न जर्नलों की एक्सेस

(ख) सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) :
विद्यमान 25 जर्नलो के अलावा जर्नल ऑफ बायोसाइंस एंड साधना (इंजीनियरी के जर्नल) के दो नए जर्नल

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी

दस संकाय सदस्य अर्थात् डा. मनीषा खन्ना, डा. सरिता कुमार, डा. उर्मि वाजपेयी, डा. सुनीता हूडा, डा. अमित गर्ग, डा. उदयवीर सिंह, डा. शरणजीत कौर, डा. विभाग गौड़, डा. सीमा मखीजा और डा. गगन धवन दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएच.डी. शोध पर्यवेक्षकों के रूप में मान्यता प्राप्त हैं। एक पोस्ट–डॉक्टोरल फेलो तथा उस पीएच.डी. शोध स्कॉलर वर्तमान में एएनडीसी में पांच विभिन्न विभागों में नामांकित हैं। कॉलेज 'एलीट स्कीम' (जीवंत अभिनव प्रशिक्षण परिवेश में शिक्षा) भी संचालित करता है जिसमें एएनडीसी के छात्र ग्रीष्मकालीन अवकाश (दो माह) के दौरान अल्प शोध परियोजनाएं चलाते हैं। उन्हें कॉलेज द्वारा 1,000/– रुपए प्रतिमाह की फेलोशिप प्रदान की जाती है। इस वर्ष, 94 स्नातकपूर्व छात्रों ने ग्रीष्मकालीन शोध परियोजनाओं में भाग लिया। इस वर्ष एएनडीसी के सात संकाय सदस्यों ने पाठ्यपुस्तकों का लेखन किया। पुस्तकों में अध्यायों का योगदान दिया। पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा की। तीन संकाय सदस्यों ने वेब पर शैक्षणिक ई–विषय–वस्तु अपलोड की तथा सात संकाय सदस्यों ने कार्यशालाओं में संसाधन विशेषज्ञों की भूमिका निभाई जिसमें उन्होंने एनसीआरटी द्वारा तैयार की गई पाठ्यचर्या विद्यालयों की पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा की और उन्हें अद्यतन बनाया गया तथा शिक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशालाओं में भाग लिया। कॉलेज भारत में क्रिएटिव कॉमंस से निरंतर संबंध है तथा इसके यहां एक सक्रिय एसपीआईई (सोसाइटी फॉर फोटो आप्टिकल इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियर्स, यूएसए) छात्र चैप्टर है और यह विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधार बोर्ड, भारत सरकार द्वारा वित्त–पोषित नेशनल नेटवर्क ऑफ मेथेमेटिकल एंड कंप्यूटेशनल बायलॉजी (एनएनएमसीबी) का दिल्ली नोड बना हुआ है।

अदिति महाविद्यालय

प्रमख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज परिसर के भीतर दो मंजिले नए ब्लॉक का निर्माण किया गया है जिसके फलस्वरूप छह नए कमरे तथा बैठकों और सम्मेलनों के लिए एक बड़ा हॉल कॉलेज को प्राप्त हो गया है। इसके अलावा, आधारभूत दवाओं एक बिस्तर तथा प्राथमिक उपचार सुविधाओं से युक्त एक चिकित्सा–कक्ष का उद्घाटन भी 1 अक्तूबर, 20145 को किया गया है। कॉलेज की अवसंरचना में तेजी से सुधार हो रहा है क्योंकि कॉलेज को कॉलेज के हॉल के नवीकरण तथा पत्रकारिता स्टूडियो के निर्माण के लिए कुलपति से 55 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपाधियां

डा. नीलम राठी (हिंदी विभाग) ने 15 जून, 2015 को लंदन में विश्व हिन्दी साहित्य परिषद और कथा (यू.के.) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हिन्दी भाषा वैश्विक प्रसार में प्रतिष्ठित 'साहित्य सरिता सम्मान' प्राप्त किया।

डा. रितु शर्मा (मनोवैज्ञानिक विभाग) को 4 से 15 मई, 2015 तक माल्टा में आयोजित ''स्वास्थ्य संवर्धन, जीवन गुणवत्ता और कुशलता'' पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑन एजिंग यूनाइटेड स्टेट्स–माल्टा की ओर से आंशिक छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

शोध परियोजनाएं

दिल्ली की ग्रामीण जनसंख्या के आय सृजन कौशलों का संवर्धन, अभिनवता परियोजना एएम–301, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक वर्ष के लिए वित्त–पोषित।

संस्वीकृत राशि : 3 लाख रुपए

किशोरों के मध्य खाद्य लेबल संबंधी जानकारी की संवृद्धि करने के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम का विकासः पेरी अरबन दिल्ली, अभिनवता परियोजना एएम 302, दिल्ली की ग्रामीण जनसंख्या के आय सृजन कौशलों का संवर्धन, अभिनवता परियोजना एएम–301, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक वर्ष के लिए वित्त–पोषित।

संस्वीकृत राशि : 4 लाख रुपए

वृद्ध उपभोक्ताओं का मनोवैज्ञानिक, वाणिज्यिक और विधिक संघर्ष : स्व–सहायता समूह तकनीक, अभिनवता परियोजना एएस 303, दिल्ली की ग्रामीण जनसंख्या के आय सृजन कौशलों का संवर्धन, अभिनवता परियोजना एएम–301, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक वर्ष के लिए वित्त–पोषित।

संस्वीकृत राशि : 3 लाख रुपए

हिंदी रंगमंच के विकास में महिलाओं का योगदान। यूजीसी की तीन वर्ष की अवधि के लिए वित्त पोषित प्रमख शोध परियोजना। संस्वीकृत राशि : 11 लाख रुपए (लगभग)

विशिष्ट – उपलब्धियों वाले छात्र

सुश्री प्रीति, बी.ए. (आनर्स) राजनीतिक विज्ञान III वर्ष की छात्रा का चयन जूनियर राष्ट्रमंडल खेल, 2015–16 में जूडो टीम में प्रतिभागिता के लिए किया गया।

पुस्तकालय विकास

एक नए वाचनालय और नए पुस्तकालय कक्ष का निर्माण किया गया। दस कम्प्यूटर संस्थापित किए गए तथा लगभग छह सौ पुस्तकें शामिल की गईं।

प्रकाशन

राठी, नीलम (अक्तूबर–दिसम्बर, 2015) ''रामबाड़ा बह गया'' ई–मैगजीन एमन्टेल गंगा, एमस्टर्डम (हालैंड), आईएसएसएन–2213–7351.

अगस्त–अक्तूबर, 2015, हिंदी का प्रचार–प्रसार, देवनागरी लिपि का महत्व, शोध रितु, आईएसएसएन–2454–6283, 58–60.

गुप्ता रश्मि (2015) योग और प्राणायाम अभ्यास, आर्यन प्रकाशन, आईएसबीएन सं. 978–93–83913–39–8, दिल्ली।

सौशिल्या, अर्चना, ''लोक प्रशासन में प्रशासन के सिद्धांत : सिद्धांत एवं व्यवहार'', संपा. यादव, सुषम और गौतम, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद आईएसबीएन–9788125059479

शहरावत, प्रोमिला (फरवरी, 2015), स्व–सहायता समूहों की भूमिका : भारत में गरीबी उपशमन के लिए सूक्ष्म–वित्त के माध्यम से, सूक्ष्म–वित्त और सूक्ष्म उद्यमिता : सामाजिक विकास के लिए प्रतिमान परिवर्तन संपा. सुरेन्द्र मोर, विस्टा इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, आईएसबीएन नं. 978–8 3905–94–2.

(2015) भारतीय अर्थव्यवस्था का अध्ययन, मार्क्स बुक्स पब्लिशिंक हाउस, आईएसबीएन सं. 978–93–83131–9–18

जुल्फा ए और रिचा (2015), विशेष आवश्यकताओं वाले बालकों का समावेश : अपर प्राइमरी ग्रेड, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रशिक्षण और अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 9789350073322.

बधवानी डबास (2015), मनीषा, ''दिल्ली में विद्यालयों में गणित सीखने का अन्वेषण'', एपीस्टेम–6, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई, आईएसबीएन 978–93–85523–48–9, 67–75.

शर्मा, ममता (2015), ''कैमीफार्मेटिक्स : औषधि में एक आधुनिक उपकरण'', इंटरनेशनल जे. साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, आईएसएसएन – 2321–0613.

शर्मा, आर एवं डे, ए.बी. (2015), स्वस्थ वृद्धावस्था – एक सामाजिक उत्तरदायित्व। मध्य एशियाई आयुर्विज्ञान और शिक्षा जर्नल, खंड 1(1) (अक्तूबर–दिसम्बर, 2015). आईएसएसएन 2412–3684

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

डा. आशा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, 'हिन्दी विभाग ने 18–19 मार्च, 2016 को पीजीडीएवी (सांध्य) कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''स्वातंत्र्योत्तर कहानी : रचनात्मक सरोकारों की पड़ताल'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ज्ञान रंजन की कहानियों में निहित अंतर्दृष्टि' पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा. नीलम राठी, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग ने 15 जून, 2015 को 'वैश्विक हिंदी साहित्य परिषद, लंदन (यूके) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''देवनागरी लिपि का भविष्य'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा. पुण्यतोया पात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग ने 20 मार्च, 2016 को भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भूमि–उपयोग परिवर्तन, जलवायु विभीषिका और आपदा जोखिम में कमी पर आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ सम्मेलन में ''जम्मू–कश्मीर में भूस्खलन : भौगोलिक विश्लेषण'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा. सुनीति दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत विभाग ने 15 से 16 मार्च, 2016 तक संगीत और ललित कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भारतीय संगीत में प्रदर्शन प्रक्रियाओं पर बदलते परिदृश्य'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय–सदस्यों की संख्या

स्थायी संकाय : 59
तदर्थ : 47

वित्तीय आबंटन और उपयोग

(क) संस्वीकृत अनुदान रुपए में : 17.23 करोड़
(ख) उपयोग में की गई राशि रुपए में : 14.69 करोड़

नियोजन विवरण

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या – 68

(ख) परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या – 14

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या – 2

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए जर्नलों की संख्या : 1

अन्य उल्लेखनीय सूचना :

कॉलेज ने इस वर्ष औद्योगिक आर.ओ. की स्थापना करने के माध्यम से पेयजल की लंबे समय से चली आ रही प्रमुख समस्या का समाधान किया। अदित महाविद्यालय के कॉलेज ऐप का भी शुभारंभ किया गया।

अहिल्याबाई नर्सिंग कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

अहिल्या बाई नर्सिंग कॉलेज लोक नायक अस्पताल की स्थापना 1993 में 25 छात्राओं की प्रवेश क्षमता वाले नर्सिंग विद्यालय का नर्सिंग कॉलेज के रूप में उन्नयन करते हुए की गई थी जिसकी प्रवेश क्षमता बढ़ाकर 39 कर दी गई। वर्तमान में हम प्रतिवर्ष 75 छात्राओं को दाखिल करने की योजना बना रहे हैं। कुछ पदों को पहले ही संस्वीकृति मिल चुकी है। हमारे पास छात्राओं को समायोजित के लिए पर्याप्त अवसंरचना विद्यमान है। वर्ष 2016 से एम.एस.सी. नर्सिंग कार्यक्रम आरंभ करने का प्रस्ताव भेजा गया है। इस वर्ष, वर्ष 2016–17 के लिए छात्राओं का दाखिला ऑनलाइन किया गया। लोक नायक अस्पताल के कौशल विकास केन्द्र के लिए सुश्री एलेन बेक और सुश्री नूतन को केन्द्रीय समिति के सदस्यों के रूप में चुना गया। प्रति वर्ष छात्राओं का परिणाम 98 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की बीच रहता है। हमारे कॉलेज का चयन इग्नू द्वारा पोस्ट बेसिक बीएससी कार्यक्रम के केन्द्र के रूप में किया गया है। तीन वर्ष का यह पाठ्यक्रम 2009 से चल रहा है। सुश्री एलेन बेक इग्नू की नई पी/सी हैं। हमारी छात्राएं राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रही हैं। वे केन्द्र और राज्य स्तर पर आयोजित किए जाने वाले स्वास्थ्य मेलों में भी भाग लेती हैं। वर्ष 2013–14 में, हमारी छात्राओं ने एमटीएनएल द्वारा आयोजित स्वास्थ्य मेले में अनेक पुरस्कार जीते। वे स्वास्थ्य जांच में भी योगदान कर रही हैं। इंटर्नों द्वारा गोविंद वल्लभ पंत अस्पताल में 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मानाया गया। इंटर्नों ने 12 नवम्बर, 2016 को हीमोफीलिया पर आयोजित कार्यशाला में भी भाग लिया।

अमर ज्योति भौतिक–चिकित्सा संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

उच्चतम मानकों की शिक्षा प्रदान करने के अपने मिशन में अमर ज्योति फीजियोथैरेपी संस्थान निरंतर प्रगति कर रहा है तथा अब यह भारत में स्नातकपूर्व फीजियोथैरेपी शिक्षा के लिए एक सुप्रसिद्ध केन्द्र बन गया है। उत्कृष्ट शिक्षा के अलावा, संस्थान अपने विशेषज्ञतापूर्ण क्लीनिकों में प्रतिदिन लगभग 80–100 रोगियो ंको अपनी सेवाएं भी प्रदान करता है अर्थात् मस्कलोस्केटल एंड फीजियोथैरेपी, पीडिएट्रिक एंड एडल्ट न्यूरोलॉजिक फीजियोथैरेपी, महिला फीजियोथैरेपी क्लीनिक, ओबेसिटी क्लीनिक, फॉल्स प्रीवेंशन क्लीनिक तथा वेस्टीब्यूलर रीहैब्लीटेशन क्लीनिक। आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस नैदानिक उपकरणों जैसे इलेक्ट्रो जीनियोमीट्री, बबल नैदाति उपकरणों जैसे इलेक्ट्रो जीनियोमीट्री, बबल इंक्लीनोमीटर और अनेक स्वास्थ्य संबंधी उपस्करों जैसे स्पाइरोमीटर, कंप्लीट इलेक्ट्रोथैरेपी यूनिट के प्रयोग से विद्यमान नैदानिक सुविधाओं में और भी वृद्धि हुई है।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. जयंती एस. (पीटी), सहायक प्रोफेसर ने एम्स द्वारा आयोजित न्यूरैक्सिस 2015 में प्रस्तुत किए गए अपने पत्र ''न्यूरो लिंग्विस्टक प्रोग्रामिंग की भूमिका – फीजियोथैरेपी परिप्रेक्ष्य'' के लिए श्रेष्ठ पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया।

शोध परियोजनाएं

संस्थान में वर्तमान में तीन शोध परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

डा. जयंती एस. (पीटी), डा. राजू के. पराशर, वित्त पोषण एजेंसी : स्वयं; वर्ष/अवधि : 2016/17; शीर्षक : एटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर पर ध्यान देते हुए प्राथमिक विद्यालय छात्रों में शारीरिक स्वस्थता और मोटर कौशलों का मूल्यांकन; संस्वीकृत राशि : शून्य।

डा. प्रेरणा मोहन सक्सेना (पीटी), डा. राजू के. पराशर, वित्त पोषण एजेंसी : स्वयं; वर्ष/अवधि : 2016/17; शीर्षक : श्रवण–संबंधी विकलांगत से पीड़ित बालकों में'' स्वस्थता; संस्वीकृत राशि : शून्य।

डा. संपदा जागीरदार (पीटी), डा. राजू के. पराशर, वित्त पोषण एजेंसी : स्वयं; वर्ष/अवधि : 2016/17; शीर्षक : नी आस्टेयोअर्थराइटिस वाले वयस्कों के लिए बॉडी वेट सपोर्ट ट्रेड मिल प्रशिक्षण; मामला अध्ययन; संस्वीकृत राशि : शून्य।

विशिष्ट उपलब्धि वाले छात्र

छात्रों ने जून–जुलाई, 2015 को संचालित विश्वविद्यालय परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 55 विषयों में विशेष योग्यताएं प्राप्त की गई तथा 5 छात्रों को समग्र विशेष–योग्यताएं प्राप्त हुईं।

छात्र का नाम	वर्ष	विश्वविद्यालय में स्थान
सुश्री पिंकी मसीह	प्रथम	द्वितीय
सुश्री हरिथमा वधवा	द्वितीय	प्रथम
सुश्री गीतांजलि चावला	द्वितीय	द्वितीय
सुश्री प्रकेशा शर्मा	तृतीय	प्रथम
सुश्री दिव्या	समग्र (4½)	प्रथम

पुस्तकालय विकास :

क.	कुल बजट	: समग्र – 2,71,436.00 रुपए
ख.	शामिल की गई नई पुस्तकों की संख्या	: 75
ग.	सब्सक्राइब किए गए फीजियोथैरेपी संबंधी जर्नल	: 6

प्रकाशक

शुपक, बीएम, पराशर, आर.के., जिप पीजी (2016)

इलेक्ट्रो–डर्मल क्रियाकलाप की विश्वसनीयता : ऑटिज्म से बाधित बालकों में सेंसरी प्रोसेसिंग का परिमाणन। अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑकुपेशनल थैरेपी, 70(6)

''कार्यात्मक रूप से स्वतंत्र समुदाय के वृद्ध वयस्कों में समतल और असमतल सतहों पर चलने पर डुएल टास्किंग का प्रभाव'' विषय पर पोस्टर प्रदर्शित किया गया। एसीटीए संयुक्त वर्ग बैठक, इंडियानापोलिस, आईएन, यूएसए 2015.

''नवजात सघन देखभाल एककों में समय–पूर्व जन्मे शिशुओं के अभिभावक–बालकों के संपर्क में योगदान करने वाले कारक'' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया गया। एसीटीए संयुक्त सेक्शंस मीटिंग, इंडियाना पोलिस, आईएन, यूएसए 2015.

जयंती, एस. (2015, अप्रैल–जून) सी 6–सी 7 आब्सटेरिक ब्राकियल प्लेसस इंजरी पर पारंपरिक उपचार से संबद्ध नर्व ब्रांच सिमुलेशन का प्रभाव : मामला रिपोर्ट, भारतीय फीजियोथेरेपी एवं ऑकुपेशनल थेरैपी जर्नल, 9(2), 150–155.

जयंती एस. और नर्कीस, ए (2015 जून), ''मायोफेसियल पेन सिंड्रॉम पर क्रेनियो–सर्विकल की प्रभावकारिता : मामला अध्ययन।'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फीजियोथेरैपी एंड रिसर्च, 3(3), 1032–36.

सद्भावना, डी., शेफाली, जी., जयंती, एस. और नर्कीस, ए., (2016, जनवरी)। पंजाबी विश्वविद्यालय में फीजियोथेरैपी स्नातकपूर्व छात्रों के मध्य अधिगम शैली वरीयताएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 8(1), 25404–25409.

रिचा, एम., चित्रा, के., क्षितिजा, बी. (2015 दिसम्बर) गर्दन विकलांगता सूचकांक पर पेशी ऊर्जा तकनीक और स्थिर स्ट्रेचिंग के प्रभाव की तुलना करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 7(12), 24806–10

आयोजित किए गए सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

एकेडमी ऑफ इंडियन फीजियोथेरेपिस्ट्स द्वारा अमर ज्योति इंस्टिट्यूट ऑफ फीजियोथेरेपी के सहयोग से शुक्रवार, 7 अगस्त, 2015 को प्रोफेसर गिलियन वेब, चेयर, डब्ल्यूसीपीटी–एडब्ल्यूपी क्षेत्र के माध्यम से ''क्षितिज को विस्तारित करना – भविष्य की प्रवेश स्तरीय फीजियोथैरेपी शिक्षा'' पर एक व्याख्यान और पारस्परिक संपर्क सत्र का आयोजन किया गया था। दिल्ली–एनसीआर के विभिन्न संस्थानों और अस्पतालों से लगभग 40 शिक्षाविदों तथा फीजियोथैरेपी क्लीनिशियनों के समूह ने इस अनूठे समारोह में भाग लिया।

मुलिगन अवधारणा, स्पाइनल सेग्मेंटल आकलन और उपचार पर एक–दिवसीय अभ्यास कार्यशाला का आयोजन डा. दीपक कुमार, पीएचडी., एमपीटी (स्पोर्टर्स), कैप्री इंस्टिट्यूट ऑफ मैनुअल थेरेपी द्वारा 27 अगस्त, 2015 को किया गया था।

''बैंड्स बॉल्स और बैलेंस'' पर दो–दिवसीय अभ्यास कार्यशाला का आयोजन डा. आरती प्रसाद (पीटी) प्रमाणित थेरा–बैंड इंस्ट्रक्टर, बेंगलूर द्वारा 12 और 13 सितम्बर, 2015 को किया गया था।

संस्थान ने सुश्री एनीटे जार्गेन्सन और डा. हेमंत जुनेजा, वरिष्ठ व्याख्याता, जीलैंड विश्वविद्यालय, डेनमार्क के मार्गदर्शन में 20 और 24 नवम्बर, 2015 को ''लो बैक पेन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए न्यूरोमस्कुलर नियंत्रण'' तथा ''पैटेलो–फेमोरल पीड़ा संलक्षण'' पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किए थे।

डा. असावटी पेज (पीटी), परामर्शक, दीनाथ मंगेश्कर अस्पताल, पुणे द्वारा 6 फरवरी, 2016 को ''कार्डिएफ रीहैब्लीटेशन'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी : 7

संविदा पर : 3

विस्तार तथा संपर्क कार्य

(क)	आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या	– 11 शिविर
(ख)	शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या	– 60–70 रोगी
(ग)	शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या	– प्रत्येक शिविर में 6 छात्र
(घ)	इन शिविरों में लगाए गए घंटों की कुल संख्या	– प्रत्येक शिविर के लिए 4–5 घंटे

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

(क) सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) – 4

(ख) सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) – 3

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी

हमारे चौथे वर्ष के छात्रों ने विश्व तंत्रिका पुनर्वास परिसंघ तथा भारतीय हैड इंजरी फाउंडेशन में 27–28 नवम्बर को आयोजित समारोह में पोस्टर प्रस्तुत किए।

श्री आशीष जैन एवं सुश्री प्रियंका चौहान ने ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : कारण और विद्यमानता पर पोस्टर प्रस्तुत किया। सुश्री मेघा गोयल और सुश्री विजयलक्ष्मी ने स्पाइल कॉर्ड इंजरी : एक्यूट केयर मैनेजमेंट पर पोस्टर प्रस्तुत किया। निर्णायकों द्वारा इन पोस्टरों की पर्याप्त प्रशंसा की गई।

आईटीएस कॉलेज, गाजियाबाद ने 4 और 5 दिसम्बर, 2015 को एक अंतर्महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें हमारे छात्रों ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में नकद पुरस्कार जीते।

(क) फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में सुश्री प्रेक्षा और सुश्री रितिका को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

(ख) मैड आर्ट शो में श्री आशीष, श्री राहुल, सुश्री रितिका, सुश्री प्रेक्षा को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

(ग) रंगोली निर्माण प्रतियोगिता में श्री राहुल और सुश्री प्रेक्षा को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सरदार भगवान सिंह स्नातकोत्तर जैव–आयुर्विज्ञान और अनुसंधान संस्था, बालावाला, देहरादून ने 7–8 फरवरी, 2015 को सरदार गुरचरण सिंह स्मारक नौंवी राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें लगभग 50 कॉलेजों ने भाग लिया। वाद–विवाद का विषय था ''मेक इन इंडिया अभियान : वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रधानता के प्रति अनुराग,'' सुश्री शिवांगी शर्मा (तृतीय वर्ष), सुश्री स्पर्श जैन (तृतीय वर्ष), श्री दिग्विजय सिंह (द्वितीय वर्ष), सुश्री श्रेया वशिष्ठ (प्रथम वर्ष) ने इसमें भाग लिया और श्री दिग्विजय सिंह (द्वितीय वर्ष) ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

दयाल सिंह कॉलेज ने 2 मार्च, 2016 को एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में दिल्ली तथा आस–पास के लगभग 50 कॉलेजों ने भाग लिया। वाद–विवाद का विषय था "महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचारों का कारण कमजोरी नहीं, सामाजिक चेतना का अभाव है।" सुश्री शिवांगी शर्मा (तृतीय वर्ष) और श्री दिग्विजय सिंह (द्वितीय वर्ष) ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया तथा सुश्री शिवांगी शर्मा को दिल्ली के उप राज्यपाल द्वारा 'प्रोत्साहन पुरस्कार' प्रदान किया गया।

आर्यभट्ट कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक सत्र 2015–16 से, कॉलेज एक पूर्णतः स्वतंत्र दिवस कॉलेज बन गया जिसमें इसका अपना स्वतंत्र शैक्षणिक ब्लॉक था। कक्षाओं और स्टाफ रूम का प्रावधान करने के उपरांत एक संगोष्ठी कक्ष और एक नई कम्प्यूटर प्रयोगशाला तथा एक वाचनालय का भी निर्माण किया गया। विद्यमान प्रशासनिक भवन के एक भाग का नवीकरण और रीमॉडलिंग तथा एक भण्डार कक्ष के निर्माण का कार्य दिसम्बर, 2015 में आरंभ हुआ तथा कॉलेज आगामी शैक्षणिक सत्र के छात्र संपर्क कार्यालय के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अवसंरचना के विस्तार का कार्य पूरी तेजी से चल रहा है। एसपीएम ब्लॉक भाग–ख, जिसमें 10 कक्षाओं का निर्माण किया जा रहा है, एक दो मंजिला पुस्तकालय और एक दो–मंजिला जलपान–गृह के आगामी शैक्षणिक सत्र तक बनकर तैयार हो जाने की आशा है। अनेक वर्षों तक किए गए कठोर परिश्रम के उपरांत कॉलेज को नए शैक्षणिक और प्रशासनिक खंडों का निर्माण करने के लिए डीडीए से संस्वीकृति प्राप्त हो गई है तथा इस परियोजना पर कार्य शीघ्र ही आरंभ होगा। वर्ष के दौरान कॉलेज को चार नए ऑनर्स पाठ्यक्रम अर्थात् इतिहास, गणित, कम्प्यूटर विज्ञान और मनोविज्ञान आरंभ करने के लिए विश्वविद्यालय से अनुमोदन भी प्राप्त हुआ है।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

कॉलेज की पुरुष टीम ने डीयूएससी द्वारा आयोजित ताइक्वांडो अंतर्महाविद्यालय चैंपियनशिप जीती। कॉलेज की क्रिकेट टीम अंतर्महाविद्यालय क्रिकेट चैंपियनशिप में उप–विजेता रही तथा उसने यह खिताब पिछले दशक से अपने पास बनाए रखा है। कॉलेज के छह खिलाड़ियों का चयन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उत्तर जोन अंतर्विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम में किया गया तथा वे इसमें उप–विजेता रहे।

कॉलेज की टीम ने जनवरी, 2016 में जामिया मिलिया विश्वविद्यालय को पराजित कर एडिडास कप क्रिकेट टी–20 टूर्नामेंट जीता। कॉलेज की ओर से नौ खिलाड़ी दिल्ली विश्वविद्यालय की 15 सदस्यीय टीम का भाग थे। इस टीम ने आईआईटी ट्राफी, 2015–16 जीती। इस प्रतियोगिता में भारतीय विश्वविद्यालयों के ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश और नेपाल की टीमों ने भी प्रतिभागिता की थी।

शोध परियोजनाएं

एंड्रॉयड एप्लीकेशन का प्रयोग करते हुए कुपोषण की रीयल टाइम मॉनीटरिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त–पोषित संस्वीकृत राशि – 3.1 लाख रुपए।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

मनीषा ढींगरा; VI सेमेस्टर बीए (ऑनर्स) हिन्दी : 76.5 प्रतिशत

बालकृष्ण, II सेमेस्टर बीए (ऑनर्स) हिन्दी : 76.2 प्रतिशत

विवेक आनन्द II सेमेस्टर बीए कार्यक्रम : 76 प्रतिशत

हमारे कॉलेज के चार छात्रों का चयन किया गया और उनमें से तीन छात्र ग्यारह सदस्यों की खेलने वाली टीम का भाग थे तथा उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया के पैदान पर पिछले वर्ष के विजेता पश्चिम जोन द्वारा दिए गए 603 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पहली बार प्रतिष्ठित विज़ी ट्रॉफी जीतने में टीम के प्रयासों में सफलतापूर्वक योगदान दिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया था।

पुस्तकालय विकास

चूंकि वर्तमान वाचनालय छात्रों के लिए छोटा प्रतीत हो रहा था, पुस्तकालय के ऊपर (प्रथम तल पर) कम्प्यूटर और इंटरनेट सुविधाओं के साथ एक नए वाचनालय का निर्माण किया गया है जिसमें बैठने की क्षमता लगभग 100 छात्र है। इसके अलावा, लगभग 20 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता के साथ शिक्षकों के लिए भी एक वाचनालय पुस्तकालय के ऊपर (प्रथम तल पर) निर्मित किया गया है।

प्रकाशन

प्रदीप राय और धर्म कुमार (2016), संपा., 21वीं शताब्दी में पुस्तकालय और पुस्तकालयवृत्ति, नई दिल्ली, बुकेज प्रकाशन, आईएसबीएन : 978–93–83281–93–0.

दयाल, राजेन्द्र (2016) भारत में संवैधानिक लोकतंत्र : कार्यरत संस्थाएं, नई दिल्ली : बुकेज प्रकाशन।

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

19 फरवरी, 2016 को सिंधी पर विशेष बल देते हुए संसाधन विहीन भारतीय भाषाओं के लिए एनएलपी संसधन सुदृढ़ बनाना, राष्ट्रीय सिंधी भाषा संर्धन परिषद द्वारा वित्त–पोषित।

4–5 मार्च, 2016 को पाठ और प्रदर्शन में सहबद्ध प्रयोगों का वर्णन (अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित), यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित।

10–11 मार्च, 2016 को स्वतंत्र भारत में राजनीतिक नेतृत्व : चुनौतियां और उभरते हुए मुद्दे (राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित), यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित।

5 मार्च, 2016 को "सत्ता, संस्कृति एवं साहित्यिक भक्ति आंदोलन से आज तक" (हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित), यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय की संख्या

स्थायी : 58
तदर्थ : 13

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (रुपए में) : 20, 33,12,760 /–
उपयोग किया गया अनुदान (रुपए में) :11,26,01,643 /–

नियोजन विवरण

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 09
(ख) परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 06

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

(क) सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (आर्नलाइन + पेपरबैक संस्करण।
(ख) सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (आर्नलाइन + पेपरबैक संस्करण।

पुस्तकालय के संग्रहण में नई शामिल की गई पुस्तकों की संख्या : 1827
पुस्तकालय में पुस्तकों और दस्तावेजों की कुल संख्या : 45290
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय प्रिंट जर्नल : 22
सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों : 04

पुस्तकालय ने इफ्लिबनेट के एन–लिस्ट प्रोग्राम के माध्यम से अपने प्रयोक्ताओं को 5000 ऑनलाइन जर्नलों और 98000 पुस्तकों तक पहुंच प्रदान की।

आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप उपलब्धियां

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार के सहयोग से अभिनवता और उद्यमवृत्ति नेतृत्व केन्द्र (सीआईईएल) की स्थापना के साथ ही आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज अपने परिसर में प्रौद्योगिकी व्यवसाय उष्मायित्र रखने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत पहला कॉलेज बन गया है। इस वर्ष प्रस्तावों के प्रथम आमंत्रण में लगभग 40 प्रस्ताव प्राप्त हुए तथा उनमें से 15 को मंजूरी प्रदान की गई और अनुदान के लिए मंत्रालय को अनुसंशा की गई।

आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज को जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई स्टार कॉलेज स्कीम के अंतर्गत वित्त–पोषण प्रदान किया गया है। एआरएसडी को दिल्ली विश्वविद्यालय स्टार अभिनवता परियोजना स्कीम के अंतर्गत 7 अभिनव

परियोजनाओं के लिए 1.95 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है जो किसी भी विद्यालय को दी गई अनुदान राशि से अधिक है। 2015–16 में दिल्ली विश्वविद्यालय ने कॉलेज को ग्यारह अभिनव परियोजनाएं प्रदान कीं।

एआरएसडी कॉलेज की पूर्वोत्तर कल्याण समिति ने 10 फरवरी, 2016 को द्वितीय 'रेनबो फेस्ट' का आयोजन किया। इस समारोह में पूर्वोत्तर की विविधतापूर्ण संस्कृतियों का प्रदर्शन किया गया। एआरएसडी की नाट्य सोसाइटी 'रंगायन' ने सुप्रसिद्ध हिन्दी नाटक समालोचक डा. जयदेव तनेजा के सम्मान में 11 से 13 जनवरी, 2016 तक अपने दूसरे तीन–दिवसीय थिएटर फेस्टिवल में ''रंगशीर श्री जयदेव नाट्योत्सव'' का आयोजन किया। कॉलेज ने राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का आयोजन किया जिसमें संविधान दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस (मुख्य अतिथि के रूप में प्रफुल्ल केतकर के साथ) और राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं वर्षगांठ शामिल थी (जिसमें मुख्य अतिथि डा. शिव शक्ति नाथ बक्शी थे)।

समान अवसर प्रकोष्ठ ने 9 फरवरी, 2016 को ''सामाजिक बहिष्करण'' पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जिसे प्रो. मनोज कुमार झा, प्रमुख, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और श्री दिलीप सी. मंडल, पूर्व–प्रबंध संपादक, इंडिया टुडे ने संबोधित किया।

महिला विकास प्रकोष्ठ ने 28 अक्तूबर, 2015 को लिंग जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।। इसके पैनल में शामिल थे – डा. चारूवली खन्ना, पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय महिला आयोग और अधिवक्ता, भारत का उच्चतम न्यायालय, सुमेधा द्विवेदी, एसएसपी, राष्ट्रीय अधिकार मानव आयोग और आभा कुमार, महासचिव, हीलिंग इंडिया, जो महिलाओं की अधिकारिता के प्रति समर्पित एनजीओ है। ललितकला और शिल्प सोसाइटी, आर्टेसनिया ने कैलीग्राफी, मोमबत्ती निर्माण, क्विलिंग आर्ट तथा कॉफी पेंटिंग पर चार कार्यशालाओं का आयोजन किया। फिल्म एप्रीसिएशन सोसाइटी ने 17 फरवरी, 2016 को वर्चुअल लिट्रेसी और सिनेमेटिक टेक्स्ट्स पर एक–दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला के तत्वावधान में कॉलेज ने दो वार्ताएं आयोजित कीं। प्रथम व्याखन प्रोफेसर विवेक कुमार, जेएनयू द्वारा 6 अक्तूबर, 2015 को ''राष्ट्र निर्माता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर'' पर दिया गया था। दूसरे व्याख्यान का विषय था ''जन जागरूकता और लोक स्वास्थ्य'' जिसके वक्ता थे – डा. के.के. अग्रवाल तथा यह 14 मार्च, 2016 को दिया गया था।

मार्च, 2016 में, अंग्रेजी वाद–विवाद सोसाइटी निबंस ने अपनी प्रथम अंतर्कालेज वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से 40 छात्रों ने प्रतिभागता की। इस वाद–विवाद का विषय था, ''ऑड–ईवन नीति प्रदूषण की समस्याको समाप्त करने का एक विषम तरीका है।''

उत्कृष्ट समान/विशिष्ट उपलब्धियां

अपनी स्टार अभिनवता परियोजना स्कीम के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय ने 7 अभिनव परियोजनाओं के लिए एआरएसडी को 1.95 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जो विश्वविद्यालय के किसी भी कॉलेज को दी जाने वाली अधिकतम अनुदान राशि है।

एआरएसडी कॉलेज ने 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय, नार्थ कैंपस के 58वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया। कॉलेज को फर्न प्रदर्शों में 'अत्यंत उल्लेखनीय' प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। हमारे गलियारों और उद्यानों विशेष रूप से हर्बल उद्यान की निर्णायकों द्वारा पर्याप्त सराहना की गई। हर्बल उद्यान की प्रशंसा बेहतर रूप से उगाए गए, ताजे और विविधतापूर्ण औषधीय पादपों तथा उनकी पर्याप्त किस्मों के लिए की गई।

डा. ज्योत्स्ना फनीजा बोला को सत्यश्री सहिति पुरस्कार, 2015 प्रदान किया गया।

श्री गौतम चौबे को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7–9 सितम्बर, 2015 को ''भारतीय स्थानीय प्रदेश : भाषाएं, साहित्य और इतिहास'' विषय पर आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सम्मेलन में उनके ''आंदोलनों के मध्य 1930 के दशक मे हिन्दी सार्वजनिक क्षेत्र'' विषय पत्र के लिए श्रेष्ठ पत्र प्रस्तुतकर्ता से सम्मानित किया गया।

डा. जसपाली चौहान को प्रे फॉर इंडिया द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज के प्रति दिए गए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मदर टेरेसा गौरव आनंद सम्मान प्रदान किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), फरवरी, 2015–2019, ''जैविक महत्व के कुछ नवीन सामुद्रिक प्राकृतिक उत्पादों का डिजाइन और रणनीतिक संश्लेषण'' 43 लाख, डा. सुनीता भगत।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) नवम्बर, 2013–17, ''ई. जंबोलाना से विलगित प्राकृतिक उत्पादों का डिजाइन और संश्लेषण तथा एसटीजैड उत्प्रेरित मधुमेह चूहों में उनकी मधुमेहीरोधी क्षमता के आकलन के लिए उसका संरचनात्मक एनालॉग'', 54 लाख, डा. सुनीता भगत।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), ''मृत्तिका सामग्रियों को तैयार करने के लिए एI(III), V (V), T; (IV) और संबद्ध धातुओं के कतिपय एकल स्रोत आण्विक पुरोगामियों का संश्लेषण और विशेषता अध्ययन,'' 2013–17, 13.7 लाख, डा. राजीव सिंह।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

छाया चौधरी	बी.एस.सी. (आनर्स) गणित	तृतीय वर्ष : 93.62 प्रतिशत
अंशिका	बी.एस.सी. (ऑनर्स) सी.एस.	तृतीय वर्ष : 91.1 प्रतिशत
मोनिका	बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित	प्रथम वर्ष : 90.73 प्रतिशत
लक्ष्य सेठी	बी.एस.सी. (ऑनर्स) सी.एस.	तृतीय वर्ष : 90.18 प्रतिशत
भावना चौहान	बी.एस.सी. (ऑनर्स) रसायन	तृतीय वर्ष : 89.30 प्रतिशत

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 1,07,000 से अधिक पुस्तकें हैं जिनमें से लगभग 45,936 पाठ्यपुस्तकें हैं। यह 46 जर्नल, 19 समाचार पत्र और 29 पत्रिकाएं सब्सक्राइब करता है। मेजानीन स्लैबों का प्रयोग करते हुए, शिक्षकों के लिए वाचन स्थान तथा पुस्तकालय में अधि पुस्तकें शामिल करने के लिए पर्याप्त स्थान तथा पुस्तकालय में अधिक पुस्तकें शामिल करने के लिए पर्याप्त स्थान विकसित किया गया है।

प्रकाशन

भगत, एस, चक्रवर्ती, एस.एम., सिंह, सी.टी. महापात्रा, एस.सी., बवे, एस., नंदनवार, एस.यू. (2015), बेंजीन की हाइड्रोजीनेशन के लिए शिक बेस लिगैंड्स के निकेल (II) का संश्लेषण, स्पेक्ट्र और थर्मो एनालाइटिक अध्ययन, करंट कैटालाइसिस 4, 43–56.

सिंह, पी. (2015) ओर्गेनोटिव बीआईएस–कॉम्प्लेक्सेस : संश्लेषण, विशेषता–वर्णन, एंटी–माइक्रोबियल एक्टिवटी औरएंटी कैंसर (परिकलनात्मक) अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, 2320–5407.

कुमार, ए.,, ततेयामा, एस., यास्की, के., अली, एम.ए., तकाया, एन.त्र सिंह, आर., कनेको, टी. (2016) 4, 4' – डायमिनोस्टिलबेन से पाली (एमिक एसिड) औरपालीइमाइड्स का 1 एच एनएमआर और एफटी–आईआर डाटासेट आधारिक संरचनात्मक अन्वेषण, डाटा इन–ब्रीफ, 7, 123–128 सिंगला, एम., रंजन, आर., माहिया, के., महापात्रा, एस.सी., बेंजिमिडेजोल डाइमाइड नैनो–कॉर्डिनेशन कॉम्प्लेक्सों का नाइट्रिक आक्साइड अवरोधक, एंटीआक्सीडेंड और एंटीट्यूमर क्रियाकलाप, न्यू जे. कैम. (आरएससी), 39, 4316–4327.

प्रवीण, भट्टाचार्य, एम., जोगी, जे. (2015), माइक्रोवेल एप्लीकेशन के लिए आईएन एआईएएस/आईएन जीएएस/आईएन एआईएएस डीजी–एचईएमटी मिक्स की मॉडलिंग, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (आईओएसआर–जेईसीई), 10(4), 20–29.

बोला, जे (2015, अगस्त) "विकलांगता और कला का निर्वधन : एस्थेटिक्स के स्टीरियोटाइप्स" केफे डिसेंसर इन में http://cafedissensus.com/2015/08/14/interpreting-disability-ard-at-stereo types of aesthetics/

झा, जी. (2015), भाषा की राजनीति और राष्ट्रीय अस्मिता, नई दिल्ली : सस्ता साहित्य मंडल

भगेल, एस.एस., (2015), सामाजिक मीडिया और भारतीय युवा, दिल्ली : एपल बुक्स

प्रसाद, ए. (2015), दक्षिण एशिया में पहचान विवाद और नागरिकता विधियां : भूटान और श्रीलंका का मामला। दि जर्नल ऑफ सोशल साइंस स्कॉलर, खण्ड II, संख्या–IV, आईएसएसएन 2321–8266.

कुमार, वी. (2015), भूजंक अधिकार : अभय प्रसाद सिंह (संपा.) समकालीन भारत में विकास प्रक्रिया एवं सामाजिक आंदोलन, नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान, (आईएसबीएन 9788125059448)।

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

सुनीता भगत, "निकेल कैटेलिस्ट का प्रयोग करते हुए ट्राई सब्सिट्यूटेड इमिडेजोल्स के संश्लेषण के लिए माइक्रोवेव सहायता प्राप्त मल्टी–कम्पोनेट प्रतिक्रियाओं का अन्वेषण", 26–27 फरवरी, 2016, डीयू–जेएआईएसटी इंडो–जापान कैमेस्ट्री ऑफ फंक्शनल मॉलीक्यूल्स/मैटीरियल्स, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सुभाष चन्द्र महापात्र, "ट्रांजीशन धातुओं द्वारा प्रकार्यात्मक को–एनियन आश्रित नैनो ग्रेफीन का आकार", 7–8 अप्रैल, 2016, राष्ट्रीय सम्मेलन, एनसीसी–2016, पर्यावरणीय और सौहार्द विकास पर, श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र।

राजीव सिंह, "4–एमिनोसिनेमिक एसिड से उच्च निष्पादन के साथ फोटो–फंक्शनल सेमी बायो–बेस्ड पालीइमिड्स", 2015, नैनो–विज्ञान और इंस्ट्रूमेंटेशन प्रौद्योगिकी पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन, एनसीएनआईटी–2015, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, भारत।

विश्व मोहन झा, "प्रारंभिक भारत के कालिक चित्र में सांप्रदायिक पहचानों का पुनर्गठन," 29 जुलाई, 2015, उप–महाद्वीपों में इतिहास शिक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीगल फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा आयोजित।

इंद्र मोहन झा, "दक्षिण एशिया में आतंकवाद की उभरती चुनौतियां", 25–27 अक्तूबर, 56वां अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान सम्मेलन, बीएचयू, वाराणसी।

अमरसिंह, "दक्षिण चीन सागर विवाद : भारत और आस्ट्रेलिया के लिए नीतिगत विकल्प" 'भारत–आस्ट्रेलिया संबंधों तथा बहु–केन्द्रित विश्व व्यवस्था का विकास' विषय पर 26–27 नवम्बर तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, आयोजक – आस्ट्रेलियन स्टडीज़ प्रोग्राम, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, इग्नू, नई दिल्ली, मैक्वैरी विश्वविद्यालय सिडनी, आस्ट्रेलिया और केन्द्रीय केरल विश्वविद्यालय कसारागोड।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी : 140
तदर्थ : 50

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (रुपए में) : 3389.26 लाख रुपए
उपयोग किया गया अनुदान (रुपए में) : 3189.08 लाख रुपए

फाइल किए गए/प्रदत्त पेटेंटः

राष्ट्रीय पेटेंटों की संख्या और शीर्षक : 10

पेटेंटों का शीर्षक

पॉलीमर एलॉय (बर्हिवेधन सम्मिश्रण), प्रकाश सिंह एवं सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 906/डीईएल/91 दिनांक 25 सितम्बर, 1991.

पॉलीमर एलॉय (मेल्ट सम्मिश्रण), प्रकाश सिंह एवं सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 906/डीईएल/91 दिनांक 25 सितम्बर, 1991.

पॉलीमर एलॉय (घोल सम्मिश्रण), प्रकाश सिंह, सुनीता भगत एवं मधुमिता स्वरूप, आई.पी. आवेदन सं. 907/डीईएल/91 दिनांक 25 सितम्बर, 1991.

पॉलीमर एलॉय न्यूक्लीएटिंग एजेंट 12, आई.पी. आवेदन सं. 214/डीईएल/93

पॉलीमर एलॉय (मिनरल फिलर), प्रकाश सिंह, एस.के. शर्मा और सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 214/डीईएल/.93.

पॉलीमर एलॉय (ग्लास फाइबर), प्रकाश सिंह एवं सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 1151/डीईएल/91.

पॉलीमर एलॉय (इथाइल हिनाइल एसीटेट कोपॉलीमर), प्रकाश सिंह एवं सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 179/डीईएल/92.

पॉलीमर एलॉय (सॉडस्ट), प्रकाश सिंह एवं सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 180/डीईएल/92.

पॉलीमर एलॉय (प्लास्टीसाइबर), प्रकाश सिंह एवं सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 181/डीईएल/92.

पॉलीमर एलॉय (एक्रीलेट्स/पालीओलेफिंस), प्रकाश सिंह एवं सुनीता भगत, आई.पी. आवेदन सं. 182/डीईएल/92.

नियोजन विवरण

(क) सफलतापूर्वक नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 108

(ख) परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 06

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 01

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

(क) सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण):

इंफ्लिबमेंट 'एन' लिस्ट के माध्यम से 6000 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल उपलब्ध हैं।

(ख) सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 45 पेपर बैक

भागीदारों के साथ किए गए राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम :

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योगों के साथ : 03

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में, संस्था ने कक्षाओं के बाहर छात्र–संकाय संपर्कों को बढ़ाने के लिए अनेक प्रयास किए। एक परामर्शवृत्ति कार्यक्रम आरंभ किया गया है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षण की प्रक्रिया कक्षा तक ही सीमित न रहे। प्रत्येक शिक्षक को कुछ छात्रों के परामर्श का उत्तरदायित्व दिया गया है तथा वे उनके शैक्षणिक और वैयक्तिक कुशलता के पहलुओं का ध्यान रखते हैं।

इसके अलावा, प्रत्येक विभाग के लिए एक छात्र–संकाय समिति का भी गठन किया गया है जिसका उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों के बीच वार्तालाप का माध्यम खुला रखता है और जो छात्रों की चिंताओं, शिकायतों तथा उनके फीडबैक पर पारस्परिक चर्चा को सुकर बनाता है। इस फोरम में प्रत्येक विभाग से चार संकाय सदस्य तथा प्रत्येक कक्षा से शैक्षणिक क्षेत्र में अव्वल रहे छात्र शामिल होते हैं। छात्र निकाय द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों पर मुक्त चर्चा करने के अलावा यह समिति कॉलेज में शिक्षण, शिक्षा शास्त्र और सांस्कृतिक क्रियाकलापों में अभिनवता का समावेश करने पर भी ध्यान केन्द्रित करती है।

आयुर्वेदिक और यूनानी तिबिया कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

चूंकि यह कॉलेज अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है, अतः संस्थान में शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। कॉलेज ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जिसमें सभी संकाय सदस्यों और निदेशक आयुष ने भाग लिया। कॉलेज ने नए बालिका छात्रावास का निर्माण भी किया है। एं एंड यू तिबिया कॉलेज ने संहित सिद्धांत विभाग में शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई का आयोजन किया जिसमें समूचे भारत से संकाय–सदस्यों ने प्रतिभागिता की। संस्थान ने रोगियों के लिए ओपीडी ब्लॉक का नवीकरण करते हुए उसे पूर्णतः वातानुकूलित बना दिया है।

पुस्तकालय विकास : नई पुस्तकों के लिए आदेश दिया गया है।

प्रकाशन

राजन, एस. एट एल (2015), समयपूर्व वृद्धावस्था निवारक औषधि के रूप में अमलाकी – एक समीक्षा : आईजेएपीआर 3(12), 30–31.

कौसर, एफ. (2015) प्रसूति–विज्ञान और स्त्री रोग–विज्ञान में ज़रावी (एल्बाकस) का योगदान : यूनानी सिद्धा और होमेयोपैथी का समीक्षा और शोध जर्नल, 2(2)/8–21.

मिश्रा, डी. (2015), गर्भधारण के दौरान व्यावहारिक समस्याएं तथा उनका प्रबंध : आयुर्वेदिक दृष्टिकोण, कुमार भरतिया राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियां, दि रिनेसां – 2015, 12–14.

नासिर, ए. (2015), अमल–ए–काई–यूनानी चिकित्सा में एक अमूल्य धरोहर : इंडियन जर्नल ऑफ यूनानी मेडिसिन, 8(1), 21–26

महापात्र, एस. एट एल, (2015), आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली में धातुओं और खनिजों के प्रसंस्करण उपसिद्धांत : आयुर्वेद और आयुर्विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1(1), 14–18.

मोहराना, एच. (2015), शुष्क नेत्र में त्रिफला घृत के साथ नेत्रतर्पण की भूमिका – नैदानिक–रोग विज्ञानी विकास : एसटीएम जर्नल ऑफ आयुष, 4(3).

जैन, टी., शर्मा, ए., यादव, एस. (2015), विचारचिका पर विश्लेषणात्मक अध्ययन, 3(2), 1–2.

शामकुंवर, एम., राजन, एस., सिंघवी, एस., (2016) तामक श्वास में विरेचमकर्मा का अनुप्रयुक्त दृष्टिकोण : आईजेपाम, 1(1), 55–59.

जिंदल एन. (2015), पंचकर्म सिद्धी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश : चौखंबा ओरिएंटालिया,

शामकुंवर, एम., (2016 एडि. II) पंचकर्मा संग्रह, नागपुर, महाराष्ट्र : स्वतः

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र (श्रेष्ठ 5)

5–10 अक्तूबर, 2015 तक संहिता सि'द्धांत में सीएमई आयोजित की गई, आयुष, भारत सरकार

कौसर, एफ, मस्कुलर डिस्टॉफी – इलाज–बिल–तदबीर का एक दृष्टिकोण, 20–22 अगस्त, 2015, आयुष, भारत सरकार

नासिर, ए. जरहट के दो उर्दू तर्जीम, 19–20 फरवरी, 2016, जामिया मिलिया इस्लामिया एवं उर्दू विभाग

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या
स्थायी : आयुर्वेद (18), यूनानी (6)
अस्थायी : आयुर्वेद (12), यूनानी (12)
तदर्थ : आयुर्वेद (3), यूनानी (2)

वित्तीय आबंटन और उपयोग
संस्वीकृत राशि : योजनेत्तर 20,24,00,000 रुपए योजना – 6,49,00,000 रुपए
उपयोग की गई राशि :योजनेत्तर 19,84,76,072 रुपए योजना – 6,47,61,715 रुपए

भगिनी निवेदिता कॉलेज

मुख्य क्रियाकलाप और उपलब्धियां

20–21 जुलाई, 2015 को 2015–16 सत्र के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नए छात्रों के लिए स्वागत पार्टी का आयोजन 31 अगस्त, 2015 को किया गया। छात्र संघ के चुनाव 11 सितम्बर, 2015 को आयोजित किए गए। जोधपुर और जैसलमेर की तीन दिन और चार रातों की यात्रा 15 दिसम्बर, 2015 को आयोजित की गई। एनएएसी के केन्द्रीय दल ने 10–12 अगस्त, 2015 को कॉलेज का दौरा किया। एनएएसी की 14 सितम्बर, 2015 को हुई बैठक में कॉलेज को ग्रेड जारी किया गया। कॉलेज को 'बी' ग्रेड प्रदान किया गया है। आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज के सहयोग से एक दो–दिवसीय ''उद्यमवृत्ति जागरूकता शिविर'' का आयोजन किया गया। एनएसएस के छात्रों ने 31 अक्तूबर, 2015 को इंडिया गेट पर ''एकता के लिए दौड़िए'' में भाग लिया। छात्रों ने राव तुला राम अस्पताल, जाफरपुर में 15 जनवरी, 2016 को आयोजित रक्तदान शिविर में भी भाग लिया। एक स्व–वित्तपोषित एनजीओ ''एक काम देश का नाम'' ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से 29 फरवरी, 2016 को 'हिम्मत ऐप' का प्रचार–प्रसार करने के लिए एक कार्यशाला का संचालन किया। सांस्कृतिक समिति ने 1–3 मार्च, 2016 से वार्षिक अंतरा एवं अंतर्कालेज सांस्कृतिक समारोह 'नवरंग' का आयोजन किया। डा. बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ''भारत के संविधान की उद्देश्यिका'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भौतिकी विभाग द्वारा ''राष्ट्रीय विज्ञान दिवस'' पर आईयूएसी के दौरे का आयोजन किया गया। वाणिज्य विभाग द्वाराएसएमसी ग्लोबल सिक्यूरिटीज़ प्राइवेट लिमिटेड तथा पार्लेजी फैक्ट्री के दौरे आयोजित किए गए। गणित सोसाइटी अपने सदस्य छात्रों को नेहरू तारामंडल के भ्रमण पर ले गई। कॉलेज का वार्षिक दिवस 25 अप्रैल, 2016 को मनाया गया।

पुस्तकालय विकास

चालू वर्ष के दौरान पुस्तकालय में नई शामिल की नई पुस्तकों की संख्या 2041 है। पुस्तकालय समिति ने बैठने के लिए अधिक स्थान का सृजन करने तथा पुस्तकालय में अधिक प्रकाश और वायु की आवाजाही के लिए पुस्तकालय की बैठने की व्यवस्था में परिवर्तन किया है। इसने एक ऑडियो–वीजुअल खंड की स्थापना की है तथा डीवीडी के लिए आदेश दिया है। पुस्तकालय के भीतर ही शिक्षकों, छात्रों और पुस्तकालय कर्मियों के लिए कम्प्यूटर इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। मैनुअल कैटेलॉग के कार्य को अद्यतन बनाया गया है। छात्रों की मांग पर सीसीटीवी कैमरा स्थापित किया गया है। पुस्तकालय से संबंधित खरीद को मासिक आधार पर अद्यतन बनाया जाता है तथा इसके आंकड़े कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

प्रकाशन

डागर, पूनम (2013) नारी सशक्तिकरण एवं गांधी दर्शन नारी संवाद, सं. 88–89, 22–24

स्निग्धा (2016) ग्रामीण भारत में महिला शिक्षा की स्थिति। सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 4(1), 48–56

स्निग्धा (2015) कारपोरेट बांड बाजार तथा परिसमापन पैटर्न अनुभवहीनता, प्रबंध और वाणिज्य अभिनवता अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(2), 48–75

स्निग्धा (2015) भारत में एफडीआई तथा पूंजी प्रवाह पर इसके प्रभाव, प्रबंध और वाणिज्य अभिनवता अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(2), 23–29

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

आदित महाविद्यालय द्वारा 25 जनवरी, 2016 को 'प्रवासी साहित्य प्रसंग' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अभिमन्यु अनंत की काव्य चेतना" पर पत्र प्रस्तुत किया। (डा. पूनम राठी, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग)

हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली यूजीसी के सहयोग से आयोजित दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मधुमालती में नारी का सामाजिक अस्तित्व' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया। (डा. रीटा नामदेव, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग)।

भारत भाषा केन्द्र जेएनयू, नई दिली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में, छाकिन' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया (डा. सुमन सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग)

विश्वसनीय इंजीनियरी, गुणवत्ता और प्रचालन प्रबंध सोसाइटी (एसआरईक्यूओएम), प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा लूलिया यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नालॉजी, स्वीडन के सह–आयोजन के साथ 28–30 दिसम्बर, 2015 को आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इंफोकॉम प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रचालन सम्मेलन (रुझान और भावी दिशाएं) में "परिवर्तनीय कटौती तकनीक का प्रयोग करते हुए डाटा अंतर्वेशन विश्लेषण में कार्यकुशलता की तलाश" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया (सुश्री सीमा गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी : 40

तदर्थ : 28

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (रुपए में) :12,57,00,000/– रुपए

उपयोग किया गया अनुदान (रुपए में) : 12,77,91,822/– रुपए

नियोजन विवरण

सफलतापूर्वक नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 27

परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 03

पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 01

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण)

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण)

भारती कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2015–16 संवृद्धि और विकास का वर्ष रहा है। भारतीय कॉलेज को चार नए पाठ्यक्रम आबंटित किएगए हैं, अर्थात् अंग्रेजी में जन संपर्क और पत्रकारिता बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान तथा बी.ए. (ऑनर्स) समाजविज्ञान। कॉलेज ने कम्प्यूटर विज्ञान में बी.एस.सी. (ऑनर्स) तथा एम.ए. (संस्कृत) में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए भी आवेदन किया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए निरीक्षण दल ने पहले ही कॉलेज का

निरीक्षण कर लिया है। अंतिम अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है। हमने विज्ञान और प्रबंध पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने की योजना भी तैयार की है। कॉलेज को एनएएसी द्वारा अक्तूबर, 2015 में 2.85 अंकों अर्थात् ग्रेड 'बी' के साथ प्रत्यायित किया गया है। शैक्षणिक वर्ष 2015–16 के दौरान, गुणवत्ता संस्कृति के समावेशन और श्रेष्ठ प्रक्रियाओं के अंगीकरण के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में संवर्धन करने के लिए आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना की गई है। कॉलेज की प्राचार्या डा. कांतारानी भाटिया को दिल्ली संस्कृत अकादमी और फिक्की सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संस्कृत व्याकरण की अवधारणा पर यूजीसी में व्याख्यानों की श्रृंखला भी आयोजित करेंगी। उनके द्वारा इसी अवधारणा पर चार वीडियो व्याख्यान पहले ही दिए जा चुके हैं।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

अंग्रेजी विभाग की डा. नंदिनी सी. सेन को उच्चतर शिक्षा में उनके योगदान के लिए इंदौर विशिष्ट संस्थान द्वारा विशिष्ट शिक्षा सम्मान प्रदान किया गया है।

वाणिज्य विभाग की डा. पूनम को उनके शिक्षण, सामाजिक और सांस्कृत योगदान के लिए भागीरथी सम्मान समारोह द्वारा भागीरथी पुरस्कार प्रदान किया गया है।

शोध परियोजनाएं

"युवाओं में सामाजिक संवेदनशीलता सक्षमता में वृद्धि करने के लिए हस्तक्षेप कार्यनीतियां" को यूजीसी द्वारा 2013 से 2015 के लिए 6 लाख रुपए लगभग की राशि के साथ वित्त–पोषित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "युवा वयस्कों के मध्य तनाव कारकों का आकलन : एक तनावरहित और युवा भारत का निर्माण करने के प्रति योगदान" को 3.25 लाख रुपए की राशि के साथ वित्त–पोषित किया गया।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

हिना ने 32वीं दिल्ली राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप तथा दक्षिण–पश्चिम जिला चैंपियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया।

मोनिका झा ने मिरांडा हाउस के वार्षिक खेल समारोह एरोबर्न में कांस्य पदक प्राप्त किया।

एस.यू.ओ. किरण, जे.यू.ओ., साक्षी वशिष्ठ, जे.यू.ओ. टी. रीताबाला देवी तथा सीपीएल हिमांशी ने प्वाइंट–टु–प्वांइट मांच और बास्केटबॉल प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा हिमाचल प्रदेश में आयोजित अखिल भारतीय बालिका ट्रैकिंग अभियान में सांस्कृतिक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज के पास एक विशाल और विभिन्न विषयों एवं विषयक्षेत्रों पर नवीनतम पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों और जर्नलो से सज्जित पुस्तकालय है। सामान्य पाठन और प्रोत्साहित करने तथा छात्रों के बौद्धिक क्षितिजों को व्यापक बनाने के उद्देश्य से इसमें सामान्य रूचि की पुस्तकें, जर्नल और पत्रिकाएं भी हैं। इस वर्ष, पुस्तकालय के भण्डार में 1342 पुस्तकं और जोड़ी गईं जिससे इसमें उपलब्ध पुस्तकों की कुल संख्या 49,842 हो गई है। पुस्तकालय अंग्रेजी और हिंदी में 19 समाचारपत्र, 29 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल तथा 20 पत्रिकाएं भी सब्सक्राइब करता है। पुस्तकालय के पास दृष्टि–बाधित छात्रों के लिए ब्रेल लिपियों का संग्रह भी है। संकाय सदस्यों के मध्य शोध क्रियाकलापों को प्रोत्साहित करने के लिए पुस्तकालय ने एन–लिस्ट की सांस्थानिक सदस्या भी ली है। इस वर्ष पुरानी पुस्तकों की छंटाई भी की गई। इस वर्ष पुस्तकालय के भीतर वाई–फाई तथा फोटोकॉपी की सुविधा भी सुलभ कराई गई है।

प्रकाशन

द्विवेदी, एस.एस. (2015), "चीन का उदय : पाकिस्तानी संदर्श", ग्रिफ्त एशिया तिमाही, 3(1).

द्विवेदी, एस.एस. (2016), दक्षिण एशिया और पूर्व एशिया के साथ नेपाल के संबंधों का पुनर्अन्वेषण : भारत और चीन का तुलनात्मक संदर्श, यूनीक एशिन ट्राइंगल : भारत, चीन और नेपाल में, जी.बी. बुक्स।

गुप्ता, एस. (2015, जुलाई–दिसम्बर) क्षरण और लाभ अंतरण : अंतर्राष्ट्रीय कराधान का नया ढांचा, जर्नल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड इंफार्मेशन सिस्टम्स, 2(2), 108–114.

गुप्ता, एस. (2015, नवम्बर) व्युत्पन्न उपकरण : भारतीय प्रतिभूति बाजार के संदर्भ में विकल्पों, भविष्य, स्वैपों और पोर्टफोलियो बीमा संविदा के कार्यकरण को समझना। भारतीय अनुप्रयुक्त अनुसंधान जर्नल, 5(11), 60–63.

गुप्ता, एस. (2015, अक्तूबर–दिसम्बर,) लघु वित्त बैंक : बैंकिंग और वित्त समावेशन क्षेत्र में वृहद् सास्थानिक कदम, वीथिका, 1(3), 13–22.

झा. एस. (2015), ईको क्रिटिकल रीडिंग्स : प्रकृति और पर्यावरण का पुनर्चिंतन : पैट्रिज।

कटारिया, के (2015, अक्तूबर), एनसीआर में महिला उद्यमियों के संगठन प्रबंध पर जनसांख्यिकी परिवर्तियों का प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरी और प्रबंध अनुसंधान जर्नल, 5(5).

कौशिक, एस. (2015), लागत लेखाकर्म, दिल्ली : गलगोटिया प्रकाशन।

लवलीन एवं पांडा, पी.के (2015), सूक्ष्म अर्थव्यवस्था।

I: प्राथमिक ज्ञान. दिल्ली : डीपीएस पब्लिशिंग हाउस। लवलीन एवं पांडा, पी.के. (2015) सूक्ष्म अर्थव्यवस्था।

II: प्राथमिक ज्ञान, दिल्ली : डीपीएस पब्लिशिंग हाउस। रजनी, (2016, जनवरी–मार्च), पर्यावरणीय नयाचार : व्यापार और परिवेश के बीच संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरप्रेन्यूरशिप एंड बिजनेस एंवार्यमेंट पर्सपेक्टिव्स, 5(1), 1987–1993.

रजनी एवं चड्ढा, पी. (2016) अभिनव वित्त–पोषण : भारत से एंसीडोर, एशिया जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनियरी स्टडीज़, 4(4).

रजनी एवं चड्ढा, पी. (2016, जनवरी–मार्च), भारत में शिक्षा वित्त–पोषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड फाइनेंशियल पर्स पेक्टिव्स, 5(5, 2073–2085.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

समकालीन विश्व में व्यवसाय रूपांतरण, मुद्दे और चुनौतियां, 31 अक्तूबर, 2015 को वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित, यूजीसी द्वारा वित्त–पाषण।

कालीदास महोत्सव, 13–14 फरवरी, 2016, कालीदास अकादमी द्वारा आयोजित।

डा. रजनी और डा. कल्पना कटारिया ने आइडियल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 21 जनवरी, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अभिनव वित्त–पोषण धन से अधिक" शीर्षक पर एक लेख प्रकाशित किया।

डा. रजनी ने गुरु गोविंद सिंह वाणिज्य उद्योग दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5–6 फरवरी, 2016 को फलते–फूलते सेवा क्षेत्र पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिजिटल वित्तीय सेवाएं – मोबाइल मनी" विषय पर एक लेख प्रस्तुत और प्रकाशित किया।

डा. राखी जैन ने यूरोपियन नेटवर्क ऑफ कंपेरेटिव लिटेररी स्टडीज़ द्वारा अगस्त, 2015 में राष्ट्रीय आयरलैंड विश्वविद्यालय, गालवे में "महिला : संपत्ति की तलाश में" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या:

स्थायी	:	55
अस्थायी	:	01
तदर्थ	:	51

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (रुपए में)	: 1878.77 (लाख में)
उपयोग किया गया अनुदान (रुपए में)	: 1730.54 (लाख में)

नियोजन विवरण

सफलतापूर्वक नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 74
परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 07
पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 02

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ : क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय (आईएलओ), यूएस दूतावास, नई दिल्ली के साथ समझौता–ज्ञापन।

भारतीय/विदेशी कंपनियों के साथ : एनआईईएलआईटी में अर्हता प्राप्त करने के लिए एनआईआईटी एम्बिट कम्प्यूटिंग प्रा.लि. के साथ समझौता–ज्ञापन।

विस्तार और संपर्क कार्यक्रम

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित किए गए शिविरों की संख्या : 03

शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए व्यक्तियो ंकी संख्या : 150

शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या : 70

इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटो की कुल संख्या : 21

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 25

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 04

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी

संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत विभाग को 'स्वप्नवसवदत्त्म' नामक एक संपूर्ण नाटक का मंचन करने के लिए चुना गया तथा इसे इस प्रदर्शन के लिए एक लाख रुपए प्राप्त हुए। इस नाटक का निर्देशन डा. कांता रानी भाटिया द्वारा किया गया था। शैक्षणिक वर्ष 2015–16 से, कॉलेज की आईक्यूएसी इकाई ने एक संपर्क विस्तार प्रकोष्ठ आरंभ किया है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से कॉलेज विभिन्न मुद्दों जैसे परामर्श, घरेलू हिंसा, लिंग जागरूकता और कौशल विकास पर कार्य करने के लिए अनेक एनजीओ के साथ सहयोजित होता है। कॉलेज के छात्र बालिकाओं के अधिकारों, लिंग निर्धारण और लिंग चयन के प्रति जागरूकता का सृजन करने के लिए सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीएफएआर) के साथ कार्य कर रहे हैं। कॉलेज प्रौद्योगिकीय जागरूकता में संवृद्धि करने तथा आस–पास के विद्यालयों में छात्रों से संबंधित अन्य मुद्दों का निवारण करने के लिए सोसाइटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट (एसएडी) के साथ भी सहयोग कर रहा है। कॉलेज ने सीआरवाई (क्राई) के साथ भी भागीदारी स्थापित की है तथा कॉलेज में एक बाल अधिकार क्लब का गठन किया है। बी.ए. (आनर्स) गणित तथा बी.ए. (आनर्स) राजनीति विज्ञान में कोई भी छात्र अनुतीर्ण नहीं हुआ और न ही किसी को पुनः परीक्षा देनी पड़ी। डा. सोनाली जैन ने ''इंटरनेशनल कांफ्रेस थीट्स एंड किपलिंग : रीट्रोस्पेक्टिव्स, पर्सपेक्टिव्स'' के लिए डब्ल्यू.बी. थीट्स ''दि वड्स अपॉन दि विंडो पेन'' का निर्देशन किया। भारतीय कॉलेज की फैशन सोसाइटी 'एलांट्रे' को दिल्ली की 'श्रेष्ठ फैशन सोसाइटी के रूप में चुना गया। कॉलेज परिसर को पूरी तरह ''वाई–फाई समर्थ'' बनाया गया है।

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप

ईसीए ने वर्ष 2015–16 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया:

देशभक्ति के विषय के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह।

21–22 जनवरी, 2016 को ''सभी के लिए शांति'' विषय पर वार्षिक सांस्कृतिक समारोह 'सृजन, 2016'.

24 फरवरी, 2016 को संस्कृति परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 'भारत के गीत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भास्करचार्य अंतर्कालेज टूर्नामेंट का आयोजन 18 जनवरी, 2016 से 4 फरवरी, 2016 तक आयोजित किया गया।

कॉलेज का खेल दिवस 12 फरवरी, 2016 को आयोजित किया गया।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग को जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा स्टार विभाग स्थिति प्रदान की गई।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. रिजवाना को शैक्षणिक वर्ष 2014–15 के दौरान 01 मई, 2015 को अभिनव परियोजना 'कृषि–अपशिष्ट प्रबंध : अपशिष्ट से समृद्धि की ओर' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से 1 मई, 2015 को अभिनवता के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

डा. आनंद भारद्वाज को शैक्षणिक वर्ष 2014–15 के दौरान 01 मई, 2015 को अभिनव परियोजना 'कृषि–अपशिष्ट प्रबंध : अपशिष्ट से समृद्धि की ओर' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से 1 मई, 2015 को अभिनवता के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

डा. एस.के. शुक्ला को शैक्षणिक वर्ष 2014–15 के दौरान 01 मई, 2015 को अभिनव परियोजना 'कृषि–अपशिष्ट प्रबंध : अपशिष्ट से समृद्धि की ओर' के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से 1 मई, 2015 को अभिनवता के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

डा. उमा धवन को बोस्टन विश्वविद्यालय, मासा सुशेट्स, यूएसए में पोस्ट–डॉक्टोरल शोध के लिए यूजीसी–रामन फेलोशिप प्रदान की गई।

अनुसंधान परियोजनाएं

किफायती थेरापेयोटिक उत्पादों के रूप में बायोसिमिलर्स की क्षमता का अन्वेषण, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त–पोषित।

अयूरजीनोमिक्स दृष्टिकोण के माध्यम से अंतवैयक्तिक विभेदों में मैक्नोट्रांसडक्शन नेटवर्क का अन्वेषण, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त–पोषित।

विशिष्ट योग्यता वाले छात्र

श्वेता वारियर	बी.एससी. (ऑनर्स) जैव–चिकित्सा विज्ञान	प्रथम
आंचल राजपाल	बी.एससी. (ऑनर्स) / बी. टेक कम्प्यूटर विज्ञान	प्रथम
गौरव राज सेंगर	बी.एससी. (ऑनर्स) / बी. टेक इलेक्ट्रॉनिक्स	प्रथम
अदिति	बी.एससी. (ऑनर्स) / बी. टेक कम्प्यूटर जैव–प्रौद्योगिकी	प्रथम
अनुराग कुमार	बी.एससी. (ऑनर्स) / बी. टेक पॉलीमर विज्ञान	प्रथम

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय की संवृद्धि

पुस्तकालय में पुस्तकों के 23132 खंडों का संकलन है जिसमें सदर्भ पुस्तकें जर्नलों के 336 बाउंड खंड तथा 491 सीडी–रोम्स भी शामिल हैं। कुछ जर्नलों को नियमित रूप से सब्सक्राइब करने के अलावा, पुस्तकालय ने इस वर्ष इनफ्लिबनेट के एन–लिस्ट (विद्वत विषय–वस्तु के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा अवसंरचना) प्रोग्राम के लिए भी सब्सक्रिप्शन दिया है। इसने छात्रों तथा स्टाफ को पूरे वर्ष में 24 x 7 बड़ी मात्रा में ई–संसाधनों तक पहुंच बनाने की सुविधा प्रदान की है।

परिचालन और विलंब प्रभार

पुस्तकालय का परिचालन (पुस्तकों को जारी तथा वापस किया जाना) जुलाई, 2014 से जून, 2015 की अवधि के दौरान 42162 के आंकड़े तक पहुंच गया।

पुस्तकालय ने विलंब प्रभारों के रूप में अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 की अवधि के दौरान 80503 रुपए एकत्र किए। इस राशि को लेखा विभाग में जमा कराया गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान, कॉलेज के शासी मंडल ने इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया कि विलंब प्रभारों के संग्रहण को "विविध पुस्तकालय विकास निधि" के रूप में रखा जाए तथा उसका उपयोग पुस्तकालय विभाग के लिए किया जाए। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान (9 फरवरी, 2016 की स्थिति के अनुसार) पुस्तकालय ने विलंब प्रभारों के रूप में कुल 62801 रुपए एकत्र कर लिए हैं जिनमें से 52966 रुपए 'विविध पुस्तकालय विकास निधि' के अंतर्गत डाले गए हैं।

पुस्तकालय अभिमुखीकरण और सूचना जागरूकता कार्यक्रम

पुस्तकालय ने 20 जुलाई, 2015 को प्रथम वर्ष के सभी छात्रों के लिए एक अभिमुखीकार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों को विभिन्न बैचों में पुस्तकालय की पुस्तकों के संग्रहण, उसकी सेवाओं और सुविधाओं के विषय में जानकारी दी गई। इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम में पुस्तकाध्यक्ष द्वारा दिया गया एक व्याख्यान तथा ओपीएसी और स्टैक रैंकों का भ्रमण भी शामिल था।

बीएमएस	1100 बजे
सीएम	1120 बजे
ईएल एवं आईएन	1140 बजे

एमबी	1150 बजे
पीएस	1200 बजे
एफटी एवं पीएच	1240 बजे

पुस्तकालय ब्लॉग

ब्लॉग को समय–समय पर अद्यतन बनाया जाता है। इस ब्लॉग के आरंभ होने के बाद में, विश्व के विभिन्न भागों से 22240 पेज व्यूज़ (31 मार्च, 2015, 1910 बजे तक की स्थिति) दर्ज किए जा चुके हैं, जिसका ब्योरा इस प्रकार है:–

भारत	20039
यूनाइटेड स्टेट्स	1791
जर्मनी	540
यूक्रेन	358
रूस	389
फ्रांस	184
यूएई	184
इंडोनेशिया	76
जपान	79
यूनाइटेड किंगडम	60

पुस्तकालय प्रशिक्षण

पुस्तकालय ने छात्रों को पुस्तकालय और सूचना–विज्ञान के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया।

2015–16 के लिए भावी योजनाएं

पुस्तकालय में आरएफआईडी प्रणाली लागू करना।

डी स्पेस का प्रयोग करते हुए कॉलेज के लिए एक सांस्थानिक निक्षेपागार को डिजाइन और विकसित करना।

केओएचए – ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर की स्थापना की व्यावहारिकता का अध्ययन करना।

पुस्तकालय के वाचनालय के लिए पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था करना।

प्रकाशन

संगीता श्रीवास्तव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एर्मेजिंग टेक्नालॉजी एंड एडवांस्ड इंजीनियरिंग में "वेब जीआरएल आवश्यकता मॉडल तथा ईए–ओओएच मॉडल के लिए यूएमएल प्रोफाइल, खण्ड 5, अंक 8, पृष्ठ 313–322, अगस्त, 2015 आईएसएसएन 2250–2459.

साक्षी शर्मा, हरीश पार्थसारथी, अक्षय तयाल, गीता भट्ट, मनोज खन्ना और उपदेश शर्मा, क्वांटम गेट के डिजाइन के अनुमान के प्रति दृष्टिकोण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड टेक्नालॉजी एंड इंजीनियरिंग, एक्सप्लोरेशन आईएसएसएन (प्रिंट): 2294–5443 आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 2394–7454. खंड 2, अंक 8, जुलाई 2015.

टीएस. प्रजापति, एस. झा, एस. जैन, टी. धेवा, जे. कुमार, ए. कुमार "माइक्रोबियल सेंसिंग के लिए सत्व, प्रवृत्तियां और प्रस्तावित डिजाइन", "अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास जर्नल", अक्तूबर, 2015, पृष्ठ 30–33.

तनिया एस. प्रजापति, एस. जैन, टी. धेवा, जे. कुमार, अमित कुमार "माइक्रोबियल सेंसिंग के लिए सत्व, प्रवृत्तियां और प्रस्तावित डिजाइन", "अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास जर्नल", अक्तूबर, 2015, पृष्ठ 30–33.

एम. गर्ग, पी.के. सबरवाल, एस. शर्मा, एस.जी. वरमानी और एस.डी. साधु, थिन लेयर डाइंग का वर्णन करने तथा ट्रे डिजाइन का प्रयोग करते हुए पोटाटो पील की शुष्कता दर का निर्धारण करने के लिए गणितीय मॉडलों का मूल्यांकन;'' अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान इंजीनियरी और अनुप्रयुक्त विज्ञान जर्नल, खण्ड 1(7), पृष्ठ 1–15.

अनिल राठी, राकेश, मनोज कुमार, गीता भट्ट, अश्विनी कपूर; ''पॉलीमर बफर लेयर का प्रयोग करते हुए टीई पास पोलाराइजर के लिए क्रोमियम क्लैड ऑप्टिकल वेवगाइड का विश्लेषण'', अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरी और अनुप्रयुक्त विज्ञान जर्नल, जुलाई, 2015, खंड 7, सं. 02, पृष्ठ 31–36.

भारतीय ठोस रसायन और संबद्ध क्षेत्र, दिल्ली एसोसिएशन पर 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक।

एस.के. शुक्ला, सुधीश के. शुक्ला, पेन्नी पी. गोवेंदेर, एरिक एस. एर्गोकू, पालीनिलीन मेट्रिक्स माइक्रोकिमिका एक्टा में संपुटित क्रिस्टेलीन टिन ऑक्साइड नैनोपाटिकल्स पर आधारित प्रतिरोधक प्रकार का आर्द्रता सेंसर, 183(2), (2016) 573–580.

एस.डी. साधु, ए. सोनी और एम. गर्ग, स्टार्कहैंड पॉलीविनाइल एल्कोहल फिल्म तथा इसके नैनो कंपोजिट्स का थर्मल अध्ययन; जर्नल ऑफ नैनोमेड नैनोटेक्जोल, 2016 (स्वीकृत).

सिद्धार्थ सिरोही, धीरेन्द्र सिंह, रत्याक्षी नैल, दमबरुधार परीदा, अश्विनी के अग्रवाल और मनजीत जसाल, नैनोइंकैडसुलेटेड एन ऑक्टाडीकेन, आरएससी एडवांसेस के साथ लोडेड पीवीए के इलेक्ट्रोस्पन कंपोजिट नैनोफाइबर, 2015, 5, 34377–34382.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

ठोस रसायन और संबद्ध क्षेत्रों की भारतीय एसोसिएशन, दिल्ली पर 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक।

यूएसएफडीए, भारत कार्यालय के सहयोग से आयोजित बेहतर प्रक्रिया नियंत्रण विद्यालय के समन्वयक।

विभागीय पॉलीमर विज्ञान सोसाइटी 'पर्ल्स' द्वारा भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज में 25 जनवरी, 2016 को ''पॉलीमर मोडिफिकेशन, प्रोसेसिंग और विशेषता–वर्णन'' पर आयोजित एक–दिवसीय संगोष्ठी में समन्वयक।

एएफएसटी (I) दिल्ली चैप्टर के सहयोग से बीसीएएस में 2 सितम्बर, 2015 को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के आयोजन के दौरान ''प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के विकास में पोषण का महत्व'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

शिक्षण – 46 नियमित शिक्षण–संकाय + 01 पुस्तकाध्यक्ष तदर्थ शिक्षण संकाय – 38

आबंटित और उपयोग किया गया वित्तीय आबंटन

संस्वीकृत अनुमान : 17,95,29,675.58 रुपए (योजना/योजनेत्तर)

उपयोग की गई राशि : 13,28,24,974.98 रुपए (योजना/योजनेत्तर)

स्थापन विवरणः

सफलतापूर्वक नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 04

विस्तार और संपर्क संबंधी कार्य

89 कार्यकर्ताओं से मिलकर बनी कॉलेज की एनएसएस इकाई का विश्वास है कि छात्रों के ज्ञान और ऊर्जा का प्रयोग समाज की सेवा के लिए किया जाना चाहिए। एनएसएस इकाई ने 24 सितम्बर, 2015 को एनएसएस दिवस मनाया जिसमें कॉलेज परिसर के भीतर एक स्वच्छता अभियान आरंभ किया गया जिसके अंतर्गत छात्र कार्यकर्ता अपने आस–पड़ोस के परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित हुए और वे इसमें शामिल भी हुए। एनएसएस इकाई ने 31 अक्तूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर 'एकता के लिए दौड़' कार्यक्रम में भी भाग लिया है। इस दिन को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है। संकाय सदस्यों तथा छात्रों से पुस्तकें, कपड़े और खिलौने एकत्र किए गए तथा उन्हें दान में दिया गया। 10 फरवरी, 2016 को, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे पुनःचक्रित कागज का प्रयोग करते हुए वर्तमान पर्यावरणीय मुद्दों पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, अपशिष्ट से बेहतर वस्तु निर्माण प्रतियोगिता तथा दिल्ली में सम–विषम कार स्कीम पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता जिनका उद्देश्य छात्रों के मध्य जागरूकता का सृजन करना था। एनएसएस इकाई ने पर्यावरण क्लब के सहयोग से वसंत पंचमी के अवसर पर 12 फरवरी, 2016 को 'वसंतोत्सव' के रूप में सरस्वती पूजा का आयोजन किया। यह समारोह 'वैदिक हवन' के साथ आरंभ हुआ जिसके बाद अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। किया गया। कुल 78 छात्रों ने इस

शपथ के साथ वृक्ष रोपे कि वे कॉलेज में अपनी शिक्षा पूरी करने तक इस वृक्षों का संरक्षण करेंगे और साथ ही उनके आने वाले जन्म दिवसों पर भी एक वृक्ष लगाएंगे। इन पौधों को बाद में कनिष्ठ छात्रों द्वारा अपनाया जाएगा तथा सक्रिय रूप से भाग लेने वाले छात्रों की स्मृति में इनका परिरक्षण किया जाएगा। इस समारोह की समाप्ति संकल्प फाउंडेशन की अध्यक्ष डा. सीमा उपाध्याय के सुरुचिपूर्ण व्याख्यान–सह–वृत्तचित्र प्रस्तुतीकरण के साथ हुई जो 'हिमालय जैव–विविधता में वैश्विक उष्मण' विषय पर था।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

कॉलेज ने एन–लिस्ट (विद्वत विषय–वस्तु के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा) को सब्सक्राइब किया।

भीमराव अंबेडकर कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

महिला–पुरुष जागरूकता समिति ने 9–10 अप्रैल, 20145 को "जेंडर बेंडर" पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कॉलेज की एनसीसी इकाई ने 5–7 अप्रैल, 2015के दौरान उत्तर प्रदेश ललितपुर जिले में बनपुर गांव में तीन–दिवसीय "ग्राम जागृति योजना" कार्यक्रम का आयोजन किया।

कॉलेज में राष्ट्रीय एकता उत्सव मनाया गया जिसके दौरान तीन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रीय एकता के विषय पर 29 अक्तूबर, 2015 को अंतर्कालेज रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रंद्धाजलि अर्पित करने के लिए 31 अक्तूबर, 2015 को 'एकता के लिए दौड़' का आयोजन किया गया। 3 नवम्बर, 2015 को 'युवा नीति भारत दृष्टिकोण 2020' का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में, कॉलेज की एनएसएस इकाई ने एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।

हमारे कॉलेज के पूर्व–छात्र क्लब ने कॉलेज की रजत जयंती के अवसर पर 25 अगस्त, 2015 को दिल्ली श्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें एसयूओ महेन्द्र सिंह ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में अनेक कॉलेजों और विद्यालयों ने भाग लिया तथा इसके मुख्य अतिथि एनसीसीडीजी ले. जनरल ए. चक्रवर्ती थे। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए तथा कैडेटों को एक प्रेरणाप्रद भाषण दिया। बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर 9वां बाबा साहेब स्मारक व्याख्यान सुप्रसिद्ध प्रोफेसर डा. विवेक कुमार द्वारा दिया गया जिन्होंने भारतीय समाज पर बाबा साहेब के सामाजिक और राजनीतिक योगदानों का उल्लेख किया।

पुस्तकालय विकास

34,302 पुस्तकों के साथ कॉलेज का पुस्तकालय पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत है जिसमें छात्रों और संकाय–सदस्यों के लिए ऑनलाइन सुविधाएं सुलभ कराई गई हैं। इस वर्ष लगभग 6302 नई पुस्तकों को जोड़ा गया। पुस्तकालय लगभग 127 पत्रिकाओं को सब्सक्राइब करता है जिसमें 92 अंग्रेजी की था 35 हिंदी की पत्रिकाएं हैं। कॉलेज ने छात्र सहायता निधि (एसएएफ़) स्कीम के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पुस्तकें उपलब्ध कराते हुए उनकी सहायता की है। इस वर्ष एसएएफ के अंतर्गत 90 पुस्तकें खरीदी गईं तथा उनका वितरण छात्रों को किया गया। इसके अलावा, पुस्तकालय अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं भी प्रदान कर रहा है, जैसे 100 पाठकों के लिए स्थान जबकि शिक्षकों के लिए अलग से वाचनालय की सुविधा मुहैया कराई गई है। पुस्तकालय अपने प्रत्येक पाठक को ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटालॉग) की सुविधा भी उपलब्ध कराता है, संकाय–सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए एन–लिस्ट (ई–जर्नल) सुविधा प्रदान करता है; अम्बेडकर, गांधी, नेहरू और अन्य व्यक्तित्वों पर पठन के अलग–अलग परामर्श खंडों का प्रावधान करता है; परामर्श के लिए प्रत्येक तल पर शब्दकोश मुहैया करता है; पुस्तकालय के भीतर एक डिस्प्ले बोर्ड रखता है जिसमें पुस्तक मेलों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं की सूचना होती है; विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के प्रयोग के लिए वातानुकूलित केबिन की व्यवस्था करता है तथा न्यू डाटा सेक्शन, जारी न की जाने वाली पाठ्यपुस्तक सेक्शन तथा महत्वपूर्ण प्राचीन जर्नल सेक्शन आदि अनुरक्षित करता है।

प्रकाशन

डा. जी.के. अरोड़ा, 2015 : "भारत का वैश्वीकरण : राजनीतिक अर्थव्यवस्था के आयाम", द्वितीय खंड दि रीडर्स पैराडाइज, नई दिल्ली (आईएसबीएन–978–93–82100–75–0, खंड I); (आईएसबीएन–978–93–82110–76–7, खंड–II); एवं (आईएसबीएन–978–93–82110–55–5, सेट); (चौथी पुस्तक)।

संजीव कुमार, 2015 "थॉट्स स्वीट एंड सोर (भाग–I) पार्ट्रिज द्वारा (पेंग्विन रैंडम हाउस कंपनी)।

श्री कुमार सत्यम (2015), "बिहार में जनजातीय विकास : पूर्णिया जिले की विशेष संदर्भ में निर्णायक विश्लेषण एशियाई विज्ञान और मानविकी जर्नल में, खंड 06, अंक – 02, 2015. आईएसएसएनः 0976–9803 (सह–लेखक श्री रवि राज)।

डा. अतुल प्रताप सिंह (2015) 'सामाजिक कार्य प्रक्रिया : बदलता परिप्रेक्ष्य' भारत में राष्ट्रीय वृत्तिक सामाजिक कार्यकर्ता एसोसिएशन के सहयोग से प्रो. संजय भट्ट, रीडर्स पैराडाइज (एनएपीएसडब्ल्यूआई), नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से आईएसबीएन–978–93–82110–43–9 (2015)।

डा. कुसुम नेहरा (2015) 'आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य', (अक्षर प्रकाशनः आईएसबीएन– 978–93–85600–02–9.

डा. विष्णु मोहन दास (2015) "ग्लॉबलाइज्ड भारत में बाल श्रम : यूपीयूईए इकानामिक जर्नल में एक समीक्षा, खंड 11, 2015.

डा. नवीन कुमार (2015, अप्रैल) लेक्सिस नेक्सिस से 'क्रिमनल साइकोलॉजी' (रीड एल्सवियर का डिवीजन), आईएसबीएन–978–93–5143–423–8.

डा. सुजीत कुमार (2015) "परिवर्तन का प्रतिरोध–गीता का मार्ग" अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रबंध रूपांतरण जर्नल में प्रकाशित http://www.igtbm.com

श्री क्रांतिदीप वर्मा (2015, मई) "जेपी का अन्वेषण अथवा भारत में पूर्ण क्रांति : एक विश्लेषण", पैरीपेक्स : भारतीय अनुसंधान जर्नल में।

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

11 मार्च, 2016 को "भू–स्थानिक प्रौद्योगिकियां, स्मार्ट शहर और संपोषणीय विकास" पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

महिलाओं की अधिकारिता में सहकारिताओं की भूमिका–उपलब्धियां और चुनौतियां : भारतीय अनुभव "भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), लखनऊ, नोएडा कैंपस द्वारा आयोजित भारतीय प्रबंध अकादमी का चौथा द्विवार्षिक सम्मेलन में (11–13 दिसम्बर, 2015)।

"भारत की शहरी पर्यावणीय चुनौतियां : दिल्ली का मामला अध्ययन" लोमोनोसोव विश्वविद्यालय, मास्को, रूस में इंटरनेशनल भौगोलिक यूनियन के क्षेत्रीय भौगोलिक सम्मेलन में, 17–21 अगस्त, 2015.

27 फरवरी से 1 मार्च, 2015 तक आईएपीजी और मानव रचना विश्वविद्यालय द्वारा सकारात्मक मनोविज्ञान पर आयोजि प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंध विश्वविद्यालय विभाग, विनोवा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड द्वारा आयोजित 68वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन, 2015 में "सोशल नेवर्किंग साइटों पर वेब विज्ञापनों की विषय–वस्तु का विश्लेषण" (6–8 नवम्बर, 2015)।

"ग्रामीण भारत में वृद्ध लोगों के मुद्दे और चुनौतियां : उत्तर प्रदेश का मामला अध्ययन, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 14 फरवरी, 2015 को आयोजित "भारत में वृद्धों के मुद्दे और चिंताएं" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी : 78

अस्थायी : 01

तदर्थ : 36

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 20,39,00,000/– रुपए दिल्ली सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त–पोषित)

उपयोग की गई राशि : 19,36,51,840/– रुपए

नियोजन विवरणः

(क) सफल नियोजन पाने वाले छात्रों की संख्या : 89

(ख) परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 05

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 03

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित किए गए शिविरों की संख्या : कॉलेज की एनएनएस इकाई ने उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के बनपुर गांव में 5–7 अप्रैल, 2015 तक तीन–दिवसीय 'ग्राम जागृति योजना' का आयोजन किया। एनएसएस की कार्यक्रम समन्वयक डा. सरला भारद्वाज ने इस शैक्षणिक भ्रमण पर 39 छात्रों के समूह का नेतृत्व किया। तीन अन्य शिक्षक डा. डी.के. पाण्डेय, डा. के.के. शर्मा और डा. शक्ति वासुदेव भी इस दौरे पर गए थे। कुप्रथाओं के विषय में ग्रामवासियों के मध्य जागरूकता का सृजन करना था।

शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या : 44

इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या : 32

विनियम कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या

पिछले 3 वर्षों के दौरान जापानी छात्रों के साथ नियत किए गए स्नातकपूर्व विनियम कार्यक्रम

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : एन–लिस्ट सब्सक्रिप्शन

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : एन–लिस्ट सब्सक्रिप्शन

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एनजीओ बैठक और दिवाली मेला : एनजीओ बैठक तथा दिवाली मेले का आयोजन 7 नवम्बर, 2015 को किया गया। इस समारोह में 23 से अधिक एनजीओ ने भाग लिया जिसमें छात्रों तथा शिक्षकों की सक्रिय प्रतिभागिता देखी गई।

विशेष आयोजन : मिस दिल्ली (सुश्री मुस्कान खूबचंदानी) द्वारा 7 सितम्बर, 2015 को छात्रों के व्यक्तित्व विकास तथा में पर प्रदर्शन के लिए उन्हें तैयार करने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मेक–अप के सूत्रों पर एक अन्य कार्यशाला का आयोजन 17 सितम्बर, 2015 को किया गया। सोसाइटी ने बिट्स द्वारा आयोजित किए गए ऑडीशन के अनेक चक्रों में भाग लेते हुए बिट्स 2015 में अपनी प्रविष्टि सुनिश्चित की। टेक्निका वर्चस्वा, 2015 में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया गया।

कॉलेज भूकंप विज्ञान प्रभाग निदेशक (डीएसटी) – डीयू–आईआईटी रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से संचालित परियोजना के अंतर्गत दिल्ली में भूकंपों की रिकार्डिंग और मॉनीटरिंग के लिए दिल्ली में 20 भूकंपरोधी सुदृढ़ भूमिगत मोशन स्टेशनों में से भी एक है।

कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र ऐसा कॉलेज है जिसने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहयोग करते हुए उद्यमवृत्ति विकास के विचार के साथ अपने छात्रों को अधिकारिता प्रदान करने के लिए कार्य प्रारंभ किया है। 70 छात्रों का हमारा प्रथम बैच शीघ्र ही उद्यम प्रारंभन और उद्यम सृजन का कार्य आरंभ करने के लिए तैयार हो जाएगा।

कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज़

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज ने सर्तकता सप्ताह मनाए जाने के दौरान 25 अक्तूबर, 2015 को एयर इंडिया के साथ सहयोग करते हुए एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका शीर्षक था – "भ्रष्टाचार का निवारण – क्या यह सरकार की जिम्मेदारी है अथवा लोगों की है।"

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. इंद्रजीत, कॉलेज के प्राचार्य को विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) के विकास का समन्वय और पुनरीक्षण करने के लिए गठित की गई यूजीसी विशेषज्ञ समिति में नामांकित किया गया था। उन्हें समुदाय महाविद्यालय की स्कीम के अंतर्गत संस्थाओं की समीक्षा करने के लिए यूजीसी की समिति के लिए भी नामांकित किया गया था।

डा. अनु सत्याल, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग को "भारत में फर्म–स्तरीय अभिनवता, राष्ट्रीय अभिनवता प्रणालियों का विश्लेषण करने तथा चीन के साथ तुलना करने" पर की गई शोध हेतु वर्ष 2016–18 के लिए यूजीसी शोध पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

शोध परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय, सीवीएस–301, अभिनवता परियोजना – कॉलेज नियोजन में अभिनवता लाना : चुनौतियां और उद्योग के साथ बदलती गतिशीलता, 2015–16, 2.5 लाख रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय, सीवीएस–302, अभिनवता परियोजना – स्वर्णिम त्रिभुज में उभरते आकर्षण का मूल्यांकन (दिल्ली, आगरा, जयपुर), 2015–16, 2.5 लाख रुपए।

रिया भटनागर – बीए (बीएस) एचआरएम – 1817/2400 प्रथम स्थान

संजना वर्मा – बी. कॉम (आनर्स) – 2107/2400 प्रथम स्थान

पूर्वा चेतल – बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र – 1909/2400 प्रथम स्थान

बी.ए. (वीएस) पर्यटन के प्रथम वर्ष के छात्र अजय रावत ने दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद द्वारा 2015–16 में रामनुजन कॉलेज में आयोजित अंतर्कालेज श्रेष्ठ शारीरिक सौष्ठव टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता!

एथलेटिक्स में, बी.ए. अर्थशास्त्र (आनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र विजय सिंह ने 400 मीटर में स्वर्ण पदक और 200 मीटर में रजत पदक (दिल्ली राज्य प्रतियोगिता) जीता।

पुस्तकालय विकास

स्टॉक में पुस्तकें – 51911

इंटरनेट सुविधा का उन्नयन : इंटरनेट इंफ्लिबनेट सुविधाओं के माध्यम से लाइब्रेरी के प्रयोक्ताओं को वाई–फाई संयोजनता, लैपटॉप संयोजनता और ई–संसाधनों तक पहुंच।

शिक्षकों को उनके अपने–अपने संबंधित क्षेत्रों में शैक्षणिक क्रियाकलापों/अनुसंधान कार्य के लिए यूजीसी/इंफ्लिबनेट/एन लिस्ट के ई–संसाधनों तक पहुंच प्रदान की जाती है।

प्रकाशन

सत्याल, अनु., (2015) 'अपराध और दण्ड : भारतीय परिदृश्य में इच्छापूर्वक व्यतिक्रम की समस्या और उसका समाधान, दि इंक्लूसिव, 1(7), इंक्लूसिव, ऑर्ग से लिया गया।

देव, अशीष तारू (2016), भारतीय अर्थव्यवस्था क्षेत्रक मुद्दे (ई–रीडर संस्करण) http://epgp.inflibhet.ac.in/team.phy?syl.id=11# से लिया गया।

श्वेता (2015) प्रतिस्पर्धी स्मार्ट फोन बाजार में प्रोत्साहन रणनीति : भारतीय और चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियों का मामला अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय वणिज्य आईटी और प्रबंध अनुसंधान जर्नल (07), (66–69) ijrcm.org.in/ से लिया गया।

श्वेता (2015) विज्ञान में भारतीय महिलाओं की छवि को निष्कृष्ट बनाना : भारतीय टेलीविजन का मामला एडुकेटर – एफआईएमटी जर्नल, VIII (जून–दिसम्बर) (92–96)।

आशुतोष के. (2015) राजस्थान पर्यटन, अतीत और वर्तमान, ए.के. पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

आशुतोष के. (2015) ग्रामीण पर्यटन, du.ac.in से लिया गया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी : 47

अस्थायी : 01

तदर्थ : 39

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रुपए इक्कीस करोड़ अड़तालीस लाख

उपयोग किया गया अनुदान : रुपए सोलह करोड़ तिरेपन लाख

नियोजन विवरणः

सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 112

परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 25

पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 05

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता–ज्ञापन) की संख्या और नाम :

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योगों के साथ – 04

विस्तार और संपर्क कार्यः

आस–पड़ोस के क्षेत्रों में आयोजित किए गए शिविरों की संख्या : 01

शिविर में नामांकित/शामिल किए गए व्यक्तियों की संख्या : 23

शिविर में काम करने वाले छात्रों की संख्या : 23

इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या : छह घंटे

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 1

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 23

कॉलेज ऑफ आर्ट

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

बीएफए और एमएफए में नए प्रवेश लेने वाले छात्रों कोउने माता–पिता के साथ संकाय–सदस्यों, स्टाफ और छात्रों से भेंट करने के लिए 19 जुलाई, 2015 को आयोजित 'अधिष्ठान समारोह' में भाग लेने के लिए कॉलेज बुलाया गया। वार्षिक कला प्रदर्शन में बीएफए और एमएफए के छात्रों के चुनिंदा कार्य को प्रदर्शित किया गया था जिसका उद्घाटन माननीय उप मुख्य मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा 16 अप्रैल, 2016 को किया गया तथा यह 22 अप्रैल, 2016 तक चली। श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव, सचिव, डीटीटीई, श्री नंद कल्याल, प्रतिष्ठित कलाकार (पेंटिंग 1961 बैच), प्रो. (श्रीमती) सुनीरा कसलीवाल (डीन, संगीत एवं ललित कला संकाय), दिल्ली विश्वविद्यालय सम्मानित अतिथिगण थे। कॉलेज ने 26 मार्च, 2016 को करनैल सिंह स्टेडियम, नई दिल्ली में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। कॉलेज ने तृतीय और चतुर्थ वर्ष के बीएफए छात्रों की छह विषय क्षेत्रों की विशेषीकृत कक्षाओं के लिए 6 मार्च, 2016 से 20 मार्च, 2016 तक वार्षिक शैक्षणिक अध्ययन दौरा, 2013–16 का आयोजन किया। कॉलेज ने एमएफए पेंटिंग के छात्रों के लिए 23–25 फरवरी, 2016 तक प्रसिद्ध पोलिश पेंटट और ग्राफिक डिजाइनर श्री रायस्जार्ड काजा के साथ तीन दिन की कार्यशाला का आयोजन भी किया। कॉलेज ऑफ आर्ट के आमंत्रण पर कनाडा की सुप्रसिद्ध पेंटर और प्रिंट मेकर सुश्री कैरोलीन रिडेल ने छात्रों के साथ एक चर्चा और स्लाइड शो सत्र में भाग लिया। कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक समारोह में, 15 और 16 मार्च, 2016 को यूजीसी की राष्ट्रीय संगोष्ठी ''भारतीय संगीत में प्रदर्शन प्रक्रियाओं का बदलता परिदृश्य'' में भाग लिया। छात्रों के कार्य को प्रदर्शित किया गया तथा दर्शाया गया। कॉलेज के छात्रों ने 12–19 दिसम्बर, 2015 तक चमराजेन्द्र दृश्य–कला राजकीय कॉलेज, मैसूर (सीएवीए) में 8वीं राष्ट्रीय स्तर की छात्र कार्यशाला में भाग लिया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

कॉलेज के बधिर और मूक छात्रों ने कोरियाई सांस्कृतिक केन्द्र, दिल्ली में 'साइलेंट वॉइस' पर एक कला प्रदर्शनी–सह–कार्यशाला का आयोजन किया।

शिमला कला समारोह–2015 के दौरान कॉलेज के एमएफए पेंटिग छात्रों ने भी अपने कार्य को प्रदर्शित किया। कला समारोह का आयोजन 28 से 31 मई, 2015 तक जिला प्रशासन, शिमला द्वारा किया गया था।

विरेन्द्र सिंह बीएफए शिल्पकला, चतुर्थ वर्ष ने "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" में प्रतिभागिता की तथा जानकी देवी स्मारक कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

प्रदीप बघेर, बीएफए (पेंटिग)	– अंतिम वर्ष	– 752 / 1000	प्रथम
प्राज्ञ गुप्ता, एमएफए (अनुप्रयुक्त कला)	– अंतिम वर्ष	– 815 / 1000	प्रथम
इस्मत पाल सिंह, एमएफए (अनुप्रयुक्त कला)	– अंतिम वर्ष	– 802 / 1000	प्रथम
अक्षिता अग्रवाल, एमएफए (प्रिंट मेकिंग)	– अंतिम वर्ष	– 761 / 1000	प्रथम
अराधिका सिंह, एमएफए (विजुअल कम्यु)	– अंतिम वर्ष	– 832 / 1000	प्रथम

पुस्तकालय विकास

(क) कुल बजट : 4 लाख रुपए प्रति वर्ष

(ख) शामिल की गई पुस्तकों की संख्या : 196

(ग) सब्सक्राइब किए गए जर्नल : 24

स्थायी / अस्थायी / तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी : 16

नियोजन विवरणः

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 24

छात्रों का 2016 में कलिकार डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड चयन किया गया। 26 छात्र नवम्बर, 2015 में एनआईआईटी में शॉर्टलिस्ट किए गए।

(ख) परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों / उद्योगों की संख्या : 05

अनेक विज्ञापन एजेंसियां, कला स्टूडियो, प्रकाशन गृह, एनआईआईटी, आर्ट गैलरियां नियोजन के लिए छात्रों का चयन करती है।

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 01 एनआईआईटी

नर्सिंग आर्मी अस्पताल कॉलेज (अनुसंधान व निर्दिष्ट)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियांः

सेना अस्पताल (आर एंड आर) दिल्ली कैंट में स्थित है तथा यह सशस्त्र चिकित्सा सेवाओं का तृतीयक चिकित्सा, देखरेख प्रदाता और अनुसंधान केन्द्र है। कॉलेज ऑफ नर्सिंग प्रतिवर्ष 30 छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम आयोजित करता है।

7 अप्रैल, 2015 को डब्ल्यूएचओ दिवस मनाया गया : आरएमएल अस्पताल के सहयोग से "खाद्य सुरक्षा – फार्म से प्लेट पर" एक अंतर्कालेज पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा में द्वितीय स्थान और पोस्टर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

22 अप्रैल, 2015 : कॉलेज ऑफ नर्सिंग में कॉलेज दिवस के अवसर पर "क्नैक फेस्ट" आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति उन्नी, अध्यक्ष, आर्मी वाइफ्स वेलफेयर एसोसिएशन यूनिट एएच (आर एंड आर) थीं।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

ले. कर्नल रजूषा राजू, सहायक प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग को 26 जनवरी, 2016 को सी–कमन्डेशन में जीओसी प्रदान किया गया।

जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी पाठ्यक्रम की तृतीय वर्ष की छात्रा पीएन सुरण्य सुरेश ने दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर के द्विवार्षिक सम्मेलन छात्र नर्स एसोसिएशन जेवलिन प्रतियोगिता में भाग लिया।

अनुसंधान परियोजनाएं

तृतीयक स्वास्थ्य–देखरेख अस्पताल में तृतीयक स्वास्थ्य–देखरेख कार्यकर्ताओं के मध्य नीडल स्टिक इंजुरी के विद्यमान प्रोटोकॉल के क्रियान्वयन का आकलन का वर्णनात्मक अध्ययन।

प्रधान कार्यकर्ता : ले. कर्नल डोला बनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, वर्ष : 2014–2016.

वित्त–पोषण सशस्त्र बल चिकित्सा अनुसंधान समिति द्वारा संस्वीकृत राशि : 20,000/– रुपए

तृतीयक देख–रेख अस्पताल में नवजात शिशुओं के मध्य पीड़ा प्रतिक्रिया की पारपंरिक देखरेख बनाम कंगारु माता देख–रेख के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।

प्रधान कार्यकर्ता : ले. कर्नल रजूषा राजू, सहायक प्रोफेसर, वर्ष : 2014–16, वित्त–पोषण सशस्त्र सेना चिकित्सा अनुसंधान समिति द्वारा।

संस्वीकृत राशि : 65,000/– रुपए

किसी तृतीयक देखरेख अस्पताल के सीसीटीवी केन्द्र में कार्डियक सर्जरी करवा रहे रोगियों में एंटीबायोटिक उपयोग की प्रभाविता का विश्लेषण करने के लिए वर्णनात्मक अध्ययन। सदस्य : पीएन प्रियंका प्रकाश, पीएन अनीता पॉल, पीएन अलम्मा थॉमस, पीएन रेवती अरविंद टी, पीएन अभिलाषा। मार्गदर्शक : ले. कर्नल अल्का थॉमस, वर्ष–2015, छात्रों द्वारा स्व–वित्तपोषित क्योंकि अध्ययन उनकी पाठ्यचर्या का भाग था।

किसी तृतीयक देखरेख अस्पताल के चयनित एक्यूट वार्डों में रोगी देखरेख सेवाओं के साथ मरीजों की संतुष्टि का आकलन करने के लिए वर्णनात्मक अध्ययन। सदस्य : पीएन रिनी जोसफ, पीएन ज्योति कृष्णन, पीएन जीजो थॉमस, पीएन दीपा मौर्या, पीएन ज्योति रानी मार्गदर्शन : ले. कर्नल रीना ओझा, वर्ष 2015, छात्रों द्वारा स्व–वित्तपोषित क्योंकि अध्ययन उनकी पाठ्यचर्या का भाग था।

चतुष्क देखरेख सेटिंग में भर्ती हुए बालकों के मध्य जटिलताओं का पता लगाने में लक्ष्य निर्देशित मॉनीटरिंग बनाम नेमी महत्वपूर्ण संकेत मॉनीटरिंग की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए वर्णात्मक अध्ययन।

सदस्य : पीएन स्नेहा अजी जॉन, पीएन साक्षी शर्मा, पीएन एश्ली थॉमस, पीएन प्रियंका चौहाना, पीएन अलीनाडी डिलीफ, मार्गदर्शक : ले. कर्नल राजुषा राजू,वर्ष 2015, छात्रों द्वारा स्व–वित्तपोषित क्योंकि अध्ययन उनकी पाठ्यचर्या का भाग था।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

इंटर्नशिप जीएनएम परीक्षा फरवरी, 2015, डीजीएएफएमएस – पीएन प्रियंका प्रकाश एजे, पीएन साक्षी शर्मा और पीएन अनीता पॉल।

तृतीय सेमेस्टर बी. एससी (आनर्स) नर्सिंग परीक्षा – नवम्बर–दिसम्बर, 2015 डीयू – : एन/कैडेट ज्योत्स्ना।

द्वितीय सेमेस्टर बी. एससी (आनर्स) नर्सिंग परीक्षा – मई–जून, 2015 डीयू – : एन/कैडेट दिक्शीला ओए।

प्रथम सेमेस्टर बी. एससी (आनर्स) नर्सिंग परीक्षा – नवम्बर–दिसम्बर, 2015 डीयू – : एन/कैडेट पारूल।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज ऑफ नर्सिंग में पुस्तकों की कुल संख्या – 4577

सेना अस्पताल (आरएंडआर) पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या – 10,000

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

29 अप्रैल, 2015 को 'फ्लेबॉटनी' पर स्टाफ विकास कार्यक्रम : कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा आयोजित और वित्त–पोषित। समस्त संकाय और छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता की गई।

08 मई, 2015 को 'नर्सें – परिवर्तन की शक्ति : देखरेख प्रभावी और किफायती' विषय पर नर्सिंग विचार–गोष्ठी 250 नर्सिंग छात्राओं और अधिकारियों ने प्रतिभागिता की।

सेना अस्पताल (आर एंड आर) द्वारा वित्त–पोषित।

09 मई, 2015 को 'परिसंकटमय औषधियों का सुरक्षित निपटान' विषय पर स्टाफ विकास कार्यक्रम : बीडी कंपनी द्वारा आयोजित। सभी संकाय–सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

21 अगस्त, 2015 को 'अस्पताल अर्जित संक्रमण' पर पैनल चर्चा : रोग विज्ञान विभाग, एएचआरआर द्वारा आयोजित और वित्त–पोषित। छात्राओं तथा संकाय द्वारा प्रतिभागिता।

11 मार्च, 2015 को "किडनी रोग और बालक – इसके निवारण के लिए शीघ्र कदम उठाएं" पर विचार–गोष्ठी। छात्राओं ने एम्स में विश्व किडनी दिवस के उपलक्ष्य में इसमें भाग लिया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

कुल संकाय : 23

तदर्थ संकाय : 03

वित्तीय आबंटन और उपयोग

(क) संस्वीकृत अनुदान

एसीजी अनुदान	: 41,09,067/– रुपए
टीटीआईईजी अनुदान	: 1,60,560/– रुपए
सीएसडी निधि	: 28,86,007/– रुपए
आईएचक्यू निधि	: 62,500/– रुपए

(ख) उपयोग – 100 प्रतिशत का उपयोग किया गया।

फाइल/प्रदत्त पेटेंट

राष्ट्रीय पेटेंटों की संख्या और शीर्षक – शून्य

अंतराष्ट्रीय पेटेंटों की संख्या और शीर्षक – शून्य

सहयोगी पेटेंटों–उद्योगों की संख्या और शीर्षक – शून्य

नियोजन विवरणः

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: सभी

15 छात्राओं ने जीएनएस पाठ्यक्रम की समाप्ति के उपरांत सेना नर्सिंग सेवा में कमीशन प्राप्त कर ली।

(ख)	परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या

किसी भी कंपनी को कैंपस भर्ती के लिए आमंत्रित नहीं किया गया क्योंकि कॉलेज ऑफ नर्सिंग एएचआरआर सशस्त्र सेना का संगठन है तथा प्रशिक्षण की समाप्ति के उपरांत सभी छात्राओं को सेवा में ले लिया जाता है।

विस्तार तथा संपर्क कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या	– 06 विवरण इस प्रकार हैः

03 मई, 2015 : सशस्त्र सेना कार्मिकों तथा उनके परिवारों के मध्य स्तन कैंसर पर जागरूकता का सृजन करने तथा उसकी जल्द पहचान के विषय में बताने के लिए आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। छात्राओं ने स्तर कैंसर की स्वयं जांच के लिए एक नाटक का मंचन किया।

06 मई, 2015 : छात्राओं ने एयर फोर्स स्टेशन, पालम में 'किशोर स्वास्थ्य' पर एक नाटक का मंचन किया।

09 मई, 2015 : संकाय तथा छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के उपलक्ष्य में सलोक्य कॉलेज द्वारा कनॉट प्लेस में आयोजित 'रन फॉर हैल्थ' में भाग लिया।

अक्तूबर, 2015 : छात्राओं और संकाय ने राष्ट्रीय खेल के प्रतिभागियों के लिए एनसीसी शिविर में दस दिन तक चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप से योगदान दिया।

04 जनवरी, 2016 : छात्राओं ने पीएचसी द्वारका सेक्टर 2 में अंडर 5 स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

20 मार्च, 2015 : छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर 'महिला भ्रूण–हत्या' पर एक नुक्कड नाटक का मंचन किया जिसके बाद चिकित्सा शिविर भी लगाया गया।

(क)	शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या – 100–200 रोगी

(ख)	शिविरों में काम करने वाली छात्राओं की संख्या	– 20–50

(ग)	इन शिविरों में लगाए गए घंटों की कुल संख्या	– 6–7 घंटे

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

(क)	सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) – 90

(ख)	सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) – 09

दौलत राम कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में अनेक शिक्षणेत्तर और सहशिक्षण क्रियाकलाप संचालित किए गए। कॉलेज ने एक अंतर्राष्ट्रीय और दो राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। 20 से अधिक प्रतिष्ठित वक्ताओं ने परिसर का दौरा किया तथा विभिन्न विषय क्षेत्रों पर अनेक शीर्षकों पर व्याख्यान दिए। कॉलेज की पुनःचक्रण इकाई को कॉलेज को शून्य–उत्सर्जन परिसर बनाने के उद्देश्य से कार्यात्मक स्वरूप प्रदान किया गया। कॉलेज ने परिसर के भीतर पौधों की 100 से अधिक किस्मों की गणना की तथा सभी 300 वृक्षों पर उनके वानस्पतिक नामों और आम नामों के साथ लेबल लगाए गए। परिसर में एक सुंदर हर्बल गार्डन भी बनाया गया है जिसने परिसर की सुंदरता में चार चांद लगाए हैं। छात्र संघ के चुनाव पेपरलेस आयोजित किए गए। कॉलेज ने विभिन्न विषय क्षेत्रों में छात्रों को लाभान्वित करने के लिए आतंरिक कौशल विकास प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम भी आरंभ किए। मनोविज्ञान विभाग द्वारा चलाया जाने वाला परामर्श केन्द्र अत्यधिक मांग में था। वरिष्ठ नागरिक दिवस और बेहतर शासन दिवस के साथ–साथ बसंत पंचमी होली, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस भी धूमधाम से मनाए गए। स्वच्छता अभियान भी संचालित किया गया। इस प्रकार कॉलेज छात्रों के मध्य

आधुनिक शिक्षा के साथ समुचित मूल्यों का समावेश करने तथा उनके व्यक्तित्व और अंतर्वैयक्तिक कौशलों का विकास करने के लिए पर्याप्त प्रयास किए हैं।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. सविता राय (प्राचार्य) ने 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

डा. पद्म श्री मुद्गल ने 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

डा. कामना विमल ने 2014–15 में दिल्ली संस्कृत अकादमी से समराध का सम्मान प्राप्त किया।

शोध परियोजनाएं

स्टार अभिनवता परियोजना–

परिसर संपोषणीय सूचकांक : कार्बन फुट प्रिंट तथा हैंड प्रिंट का विश्लेषण करना।

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातकपूर्व कॉलेज छात्राओं के मध्य पॉलीसिस्टिक ओवरी संलक्षण की घटना का अन्वेषण करना।

पर्यावरणीय प्रभाव विवरण : माइक्रोबियल फ्यूल सैलों के साथ अपशिष्टों से स्वच्छ ऊर्जा।

ई–अपशिष्ट और उसके अनुप्रयोगों से पुनःचक्रित पॉलीविनाइल एल्कोहल।

जैव–आधारित मेसोपोरस सामग्री का संश्लेषण और जल शुद्धिकरण में इसका अनुप्रयोग

दिल्ली में महिलाओं, बालकों और युवाओं की स्थिति : स्वास्थ्य, शिक्षा और नियोजन पर विशेष बल के साथ एक मॉडल प्रणाली के रूप में जेब्रा फिश का प्रयोग करते हुए वर्टेब्रेट विकास और आर्गेनोजीनेसिस पर सामान्य खाद्य योगजों के प्रभाव का मूल्यांकन।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10 अभिनव परियोजनाओं का वित्त–पोषण किया गया।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

विश्वविद्यलय में स्थान हासिल करने वाले छात्र – बानी मल्होत्रा, एम.ए. फाइनल (मनोविज्ञान) – प्रथम स्थान।

कॉलेज के ऑलरांउड श्रेष्ठ छात्रा – इसरत जहां, बी.एस.सी.(ऑनर्स) जैव–रसायनी।

उच्चतम अंक प्राप्तकर्ता (विज्ञान) – दिव्या, बी.एससी. (आनर्स) गणित सभी तीन वर्षों में मिलाकर – 93.7 प्रतिशत।

उच्चतम अंक प्राप्तकर्ता (वाणिज्य) – गरिमा गर्ग, बी.कॉम. (आनर्स) गणित सभी तीन वर्षों में मिलाकर – 89.5 प्रतिशत।

उच्चतम अंक प्राप्तकर्ता (मानविकी) – पूनम बामेल, बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र सभी तीन वर्षों में मिलाकर – 83.9 प्रतिशत।

संपत्ति काउंटर का निर्माण किया गया।

प्रथम तल पर नए पुस्तकालय प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया।

कम्प्यूटर सुविधाओं केसाथ शिक्षकों के लिए विशेष कमरे का निर्माण किया गया।

पुस्तकालय में 1235 नई पुस्तकें शामिल की गईं।

कुछ पुस्तकों को प्रथम तल से भूतल में स्थानांतरित किया गया क्योंकि प्रथम तल के स्टैक पूरी तरह से भर गए थे।

कुल अनुदान 15,77,600/– रुपए (आवर्ती) है।

22,500/– रुपए (यूजीसी की सहायता)

2,50,000/– रुपए (बारहवीं योजना अनुदान) जिसमें से 1,50,000/– रुपए व्यय किए गए।

सब्सक्राइब किए गए जर्नलों (राष्ट्रीय) – 40

सब्सक्राइब किए गए जर्नलों (अंतर्राष्ट्रीय) – 1

यूजीसी–इन्फ्लिबनेट, एन–लिस्ट की सदस्यता का नवीकरण किया गया। इस साइट पर एक हजार जर्नल उपलब्ध हैं।

प्रकाशनः

प्रोमिला (कॉलेज की पत्रिका) पिछले 30 वर्षों से हर वर्ष प्रकाशित की जाती है।

श्रेष्ठ (महिला विकास प्रकोष्ठ का जर्नल, डीआरसी) जो आईएसबीएन : 978–93–83745–12–8 के साथ 2015 से प्रकाशित किया जा रहा है।

रॉय, सविता, (2016) III-V सेमीकंडटरों का डेंस प्लाज्मा फोकस–बेस्ड नैनोफैब्रिकेशन : अनूठी विशेषताएं और हालिया प्रगति, जर्नल ऑफ नैनोमैटीरियल्स, खण्ड 6(4) (आईएसएसएन : 1687–4110)

अरोड़ा सुषमा, (2015) व्यवसाय विधि (प्रथम संस्करण), टैक्समैन प्रकाशन, नई दिल्ली, (आईएसबीएन : 978–93–5071–825–4).

अरोड़ा सुषमा, (2016) व्यवसाय और औद्योगिक विधि (प्रथम संस्करण), टैक्समैन प्रकाशन, नई दिल्ली, (आईएसबीएन : 978–93–5071–773–8).

खोसला, मीतू, दूसरों की भावनाओं को समझना सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन अनुसंधान जर्नल 5(9), 69–74 (आईएसएसएन सं. 22511571).

शर्मा, कविता, (2014), महिला बास्केटबॉल के चुनिंदा एंथ्रोपोमीट्रिक मापनों तथा प्रदर्शन के बीच संबंध –कम्प्यूटिंग प्रौद्योगिकी जर्नल, खण्ड 3 (10) (आईएसएसएन सं. 2278–3814).

जैन, अंजू (2015), उष्मा तनाव तथा अनुकूलन के जैव–रसायनी प्रभाव, डीयू स्नातकपूर्व अनुसंधान और अभिनवता जर्नल, खण्ड 1 (3), 49–56.

भट्टाचार्य, मोइत्री, (2015), जाति की निर्वाचक राजनीति का अभ्युदय : पश्चिम बंगाल में मतुआज का मामला आईए एसएसआई तिमाही, भारतीय सामाजिक विज्ञान को योगदान, खण्ड 33(2–4), 126–134.

विमल, कामना (2016), वर्तमान–शिक्षक व्यवस्थायम–आचार्य शिष्य संबंध तस्य औपनिशिदिक आदर्श परिशीलमन (उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी)

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

दौलत राम कॉलेज द्वारा एक एनजीओ कृषि संस्कृति के साथ सहयोग से सद्भावना भवन में 15–16 जनवरी, 2016 को ''जन स्वास्थ्य : मुद्दे, चुनौतियां, अवसर, निवारण और जागरूकता'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

अंग्रेजी विभाग द्वारा 28–29 जनवरी, 2016 तक ''प्रवास और पहचान : शहरी विषय'' पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन जिसे यूजीसी द्वारा प्रायोजित किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दौलत राम कॉलेज तथा भारतीय मास कम्युनिकेशन एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से 12 अगस्त, 2015 को ''प्रिंट मीडिया और महिलाएं पर'' राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग ने कॉलेज की ओर से 26–27 फरवरी, 2016 को ''हरित रसायनी और संपोषणीय विकास में अभिवन प्रवृत्तियां ''विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला–सह–संगोष्ठी का आयोजन कर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया (जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा स्टार कॉलेज के तत्वावधान में)।

मनोविज्ञान विभाग ने 22 सितम्बर से 4 नवम्बर, 2015 तक वैल्यू इंगेजमेंट प्रोग्राम पर एक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

तदर्थ : 109

स्थायी : 71

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 3–5 करोड़ रुपए लगभग

उपयोग की गई राशि : 36.5 करोड़ रुपए लगभग

नियोजन विवरणः

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 82 (जिसमें से 69 ने नियोजन प्राप्त किया तथा 13 ने इंटर्नशिप प्राप्त की)।

(ख) परिसर में नियोजन के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 2015–16 में 5 कंपनियां

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 04

कंपनियां (टाइम्स प्रो, जेनपफैक्ट, विप्रो और ईवाई)

भागीदारों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम :

(क) भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ

दौलत राम कॉलेज तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणिविज्ञान विभाग के बीच 2016 में समझौता–ज्ञापन (पीसीओएस पर स्टार अभिनवता परियोजना)

दौलत राम कॉलेज के जैव–रसायनी विभाग तथा इंस्टिट्यूट ऑफ इंटेग्रेटेड बायलॉजी एंड जीनोमिक्स के बीच 2015 में समझौता ज्ञापन (जैब्रा फिश परियोजना)।

दौलत राम कॉलेज के जैव–रसायनी विभाग तथा प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच 2015 में समझौता–ज्ञापन (स्टार अभिनवता परियोजना)।

राष्ट्रीय इम्युनोलॉजी विभाग तथा डीआरसी के बीच 2015 में विज्ञान सेतु–कार्यक्रम क्रियान्वित करने के लिए समझौता–ज्ञापन।

(ख) भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ

दौलत राम कॉलेज के पर्यावरण क्लब 'धारा' तथा ग्रीनोबिन के बीच 2015 में समझौता–ज्ञापन (कागज) पत्रिका और समाचार पत्रों के पुनः चक्रण पर परियोजना)।

कृषि संस्कृति तथा जैव–रसायनी और प्राणिविज्ञान विभाग, दौलतराम कॉलेज के बीच 2014 में समझौता–ज्ञापन (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन के लिए)।

विस्तार तथा संपर्क कार्य

आयोजित शिविरों/शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या/घंटों की कुल संख्या

एनएसएस द्वारा 5 शिविर आयोजित किए गए

स्वास्थ्य जागरूकता सृजित करने के लिए 5 दिवसीय एनएसएस शिविर/90 छात्र/25 घंटे

रक्तदान शिविर (1 दिन + 1 दिन)/34 + 53 छात्र/1 + 1 दिन

3 आत्म–रक्षा शिविर/500 छात्र/45 दिन/15 दिनों के लिए 1 घंटा

एनसीसी के मानदण्डों के अनुसार एनसीसी शिविर भी आयोजित किए गए (कुल नामांकित छात्र – 130)।

अप्रैल, 2015 में 15 दिवसीय योग शिविर	– 40 छात्र
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शिविर	– 40 छात्र
राष्ट्रीय एकता शिविर (हिमाचल प्रदेश)	– 4 छात्र
राष्ट्रीय एकता शिविर (हैदराबाद)	– 8 छात्र
जुलाई में 10–दिवसीय सीएटीसी शिविर	– 50 छात्र
दिसम्बर में स्टार सीटीसी शिविर (उत्तरकाशी)	– 01 छात्र

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या :

स्नातकपूर्व आने वाले/जाने वाले विनिमय छात्र

मिनेसोटा, यूएसए से अमरीकी शिष्टमंडल के साथ पारस्परिक –सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम। एक वर्ष छोड़कर अगले वर्ष सेंट ओलफ कॉलेज, मिनेसोटा, यूएसए से छात्रों का एक दल दो प्रोफेसरों के साथ मनोविज्ञान विभाग का दौरा करता है। इससे उनके और हमारे छात्रों के बीच शैक्षणिक चर्चा का परिवेश बनता है तथा पारस्परिक पारिवारिक परंपराओं, सामाजिक व्यवस्था और शोध अवसरों पर परस्पर विचार–विमर्श किया जाता है।

स्नातकपूर्ण इनबांउड/आउटबांउड विनियम छात्र : लागू नहीं

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : एक

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : चालीस

दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2015–16 को कॉलेज के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया गया जिसके दौरान विभिन्न शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर अंतरा और अंतर कॉलेज क्रियाकलापों का विशेष विषयों के साथ आयोजन किया गया।

कॉलेज के शोध निक्षेपागार को और भी सुदृढ़ बनाया गया है जिसमें संकाय सदस्यों ने पीर रिव्यूड अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय जर्नलों और पत्रिकाओं में 90 लेखों का योगदान दिया। 21 पुस्तकों का प्रकाशन किया। पुस्तकों में 14 अध्याय लिखे, 20 पुस्तकों/सम्मेलनों की कार्यवाहियों का संपादन किया, 16 तथा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों में 16 मौखिक और 10 पोस्टर प्रस्तुतीकरण पेश किए। यूजीसी ने एक प्रमुख परियोजना तथा तीन प्रारंभिक अनुदानों का अनुमोदन किया। इसके अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा छह अभिनव परियोजनाएं भी संस्वीकृत की गई। लगभग 30 स्नातकोत्तर छात्र किसी न किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन के अधीन कार्य कर रहे हैं जो समूचे भारत में पीएच.डी., एम.फिल और एम.एससी. शोध–प्रबंध के लिए नामांकित हैं। चार सदस्य स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या निर्माण और आधुनिकीकरण समितियों का भाग थे। बी.ए. प्रथम वर्ष के अमन सैनी बैंकांक, थाइलैंड में 2016 को आयोजित एशिया कप (जूनियर) चरण– I तीरंदाजी प्रतियोगिता (कंपाउंड–मैन) में कांस्य पदक जीतकर अपने कॉलेज का नाम रोशन किया। बी.एस.सी (आनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रथम वर्ष के छात्रों ने एसएसपीएल, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मार्च, 2016 में आयोजित अंतर्कालेज रोबोटिक्स प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। बी.टेक इलेक्ट्रॉनिक्स–VI सेमेस्टर

के छात्रों ने सीईएनएसई, आईआईएससी, बेंगलूर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय छात्र विचार–गोष्ठी पिंक नैनो 2016 में प्रथम पुरस्कार जीता। कॉलेज की शैक्षणिक प्रतिभा तब सामने आई, जब इस वर्ष स्नातक होने वाले 2012–15 बैच के पांच छात्रों ने विश्वविद्यालय में शीर्ष तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा अन्य सात छात्र 2014–15 के दौरान हुई वार्षिक परीक्षा में तीसरे स्थान पर थे।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. अर्पिता शर्मा को कम्प्यूटर विज्ञान में पीएच.डी. डिग्री प्राप्त करने का सम्मान प्राप्त हुआ जो दिल्ली विश्वविद्यालय से उनके पर्यवेक्षण के अधीन प्रथम छात्र को प्रदान की गई।

डा. दीपक जैन को 2015–18 की अवधि के लिए इंटर–यूनीवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए) पुणे में विजिटिंग एसोसिएट चुना गया है।

डा. मनोज सक्सेना आईईईई ईडीएस न्यूजलैटर (आईएसएसएन 10741879) के दक्षिण एशियाई क्षेत्र के संपादक हैं जिसका प्रकाशन इलेक्ट्रान डिवाइसेस सोसाइटी ऑफ दि इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स, इंक द्वारा किया जाता है, मुख्यालय : 3 पार्क एवेन्यू, 17वां तल, न्यूयार्क, एनवाई में है तथा यह यूएसए में मुद्रित होती है।

डा. मनोज सक्सेना ने 17–20 दिसम्बर, 2015 के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स ऊर्जा, पर्यावरण, संचार, कम्प्यूटर, नियंत्रण (ई–3 सी–3) पर आयोजित 12वें आईईईई भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडिकॉन 2015 में श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।

(सत्र 1, पत्र आईडी : 1570186951 शीर्षक ''सिलिंड्रिकल गेट जंक्शनलैस टनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर का विश्लेषण (सीजी – जेएल – टीईईटी)'' अजय, राखी नारंग, मनोज सक्सेना और मृदुला गुप्ता)

डा. वर्निका भाटिया को प्लांट रिसर्च सोसाइटी तथा वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5–7 फरवरी, 2016 को आयोजित पादप विज्ञान अनुसंधान : पर्यावरणीय एवं कृषि क्रांति के लिए 21वीं शताब्दी से भी परे देखना (एसपीआरईए 2016) पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रेष्ठ मौखिक पत्र का पुरस्कार दिया गया (पत्र भाटिया वी; भट्टाचार्य आर, उनियाल पीएल द्वारा था तथा शीर्षक था ''क्यूटिकल प्रोटीन जीन : आरएनए हस्तक्षेप के माध्यम से सैप–सकिंग एफिड्स के नियंत्रण के लिए एक पोटेंट लक्ष्य'')।

अनुसंधान परियोजनाएं

डा. मनोज सक्सेना को ''सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए चैनल मैटीरियल इंजीनियर्ड रिंग एफईटी की फिजिक्स आधारित मॉडलिंग और सिमुलेशन'' विषय पर यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित अनुसंधान परियोजना 2015 में प्रदान की गई है जिसकी संस्वीकृत राशि 17,89,00/– रुपए है।

डा. ज्योति सिंह को ''ग्रेफीन क्वांटम डॉट्स का सोल्यूशन आधारित संश्लेषण तथा फोटो लूमिनेसेंट एमीशन प्रोपर्टी का अध्ययन'' विषय पर 2015 में यूजीसी बीएसआर अनुसंधान प्रारंभिक अनुदान प्राप्त हुआ है जिसकी संस्वीकृति राशि 6,00,000/– रुपए है।

डा. कपिल बोहरा को ''न्यूक्लियोबेस – मॉडिफाइड न्यूक्लियोसाइडम की वाया डीएल्स–एल्डर प्रतिक्रिया तक फैमाइल एक्सेस'' पर यूजीसी–बीएसआर अनुसंधान प्रारंभिक अनुदान प्राप्त हुआ है जिसकी संस्वीकृत राशि 6,00,000/– रुपए है।

डा. सन्नी मनोहर को ''मेगनेटिकली एक्टिव आयोनिक लीक्विड्स : डिजाइन, संश्लेषण और यौगिक रूपांतरकों में उनका अनुप्रयोग'' पर यूजीसी–बीएसआर अनुसंधान प्रारंभिक अनुदान प्राप्त हुआ है जिसकी संस्वीकृत राशि 6,00,000/– रुपए है।

श्री पी.एल. मीणा को यूजीसी द्वारा 2015 में ''एथेनॉल सेंसिंग के लिए एक आयामी Zno नैनोस्ट्रक्चर्स का विकास'' पर लघु अनुसंधान परियोजना प्रदान की गई है जिसकी संस्वीकृत राशि 2,80,000/– रुपए है।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

बीए. प्रथम वर्ष के अमन सैनी ने बैंकांक, थाइलैंड में 20–26 मार्च, 2016 तक आयोजित एशिया कप (जूनियर) चरण– I तीरंदाजी प्रतियोगिता (कंपाउंड–पुरुष) में भारतीय दल के सदस्य के रूप में कांस्य पदक जीता।

बीए (आनर्स) अंग्रेजी, द्वितीय वर्ष की अल्पना सिंह 25–28 जून, 2015 को चंडीगढ़ में आयोजित 28वीं जूनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रहीं तथा उन्होंने 24–30 मार्च, 2016 को ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित 33वीं सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया।

बीबीएस (2012–15) की रचिता कोचर और बी.एस.सी. (आनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स के संदीप कुमार 2014–15 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहे।

बीबीएस (2012–15) की दीपन्विता और बी.एससी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर विज्ञान के मणि बंसल (2012–15) 2014–15 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में द्वितीय रहे।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (2012–15) की नेहा मलिक 2014–15 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में तृतीय रहे।

पुस्तकालय विकास

(क)	कुल बजट	: 10,66,000/– रुपए
(ख)	नई शामिल की गई पुस्तकों की संख्या	: 1414

प्रकाशन

ली सियोंग–की, ली जे–बोक, सिंह ज्योति, राणा कुलदीप, आहन जोंग–ह्यूआन (2015), ''ट्रांजीशन मेटल डिकैल्कोजीनाइड वायर्स और उनकी विविध संरचनाओं का ड्राइंग–मीडिएटेड सेल्फ–एसेम्बेल्ड विकास'', एडवांस्ड मैटीरियल्स, 27(28), 4142–4149.

नायर रेम्या, झिंगन संजय, जैन दीपक (2015) ''दूरी और आयु के कॉस्मोलॉजिकल मापन के बीच निरंतरता का परीक्षण'', फिजिक्स लैटर्स बी, 745–64–68.

सोलंकी रेणु, कुंडु अदिति, दास पायल, खन्ना मोनिषा (2015)'' स्ट्रेप्टोमाइसिस स्प. से एंटीमाइक्रोबियल कंपाउंडों का विशेषता–वर्णन ''वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स रिसर्च, 4(7) : 1626–1641.

रानी निशा, जैन दीपक, महाजन शोभित, मुखर्जी अमिताभ, निल्जा पेरिस (2015), ''ट्रांसीशन रेडशिफ्ट : पैरामीट्रिक और नॉन–पैरामीट्रिक पद्धतियों से नई बाधाएं'', जर्नल ऑफ कास्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 012, 045–1 से 045–24.

गीता, रिचा और शर्मा एमएल (2015) ''हिमाचल प्रदेश, भारत के किन्नौरा आदिवासियों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली पारंपरिक जंगली सब्जियों का पोषण मूल्य'', अंतर्राष्ट्रीय भेषज और जैव–विज्ञान, जर्नल, 6(2) : बी 551.

भाटिया वी, मेसनाम जे, जैन ए, शर्मा के, भट्टाचार्य आर (2015) ''ट्रांसजीनिक एराबिडोप्सिस थालियाना ओवर एक्सप्रेसिंग फार्नेसिल्डी फास्फेट सिंथेज 2 में एफिड रेपेलैंट फीरोमोन ई β – फार्नेसेन सृजित होता है'' वनस्पति–विज्ञान का शास्त्र 115(4) : 581–591. डीओआई : 10. 1093/एओबी/एमसीयू 250.

मनोहर सन्नी, पवन वी. सत्या, टेलर डेल, कुमार दीपक, प्रिजा पोन्नत, वाइजनर लुबे और रावत दीवान एस. (2015), आगामी पीढ़ी के संभावित एंटीमैटीरियल एजेंटों के रूप में अत्यंत सक्रिय 4–एमिनोक्वीनोलाइन – पाइरीमिडाइन आधारिक आण्विक हाइब्रिड्स'', आरएससी एडवांसेस, 5,28171–28186.

उपमन्य मुदित और सक्सेना रत्नेश, (2015) ''किसी धुंधले पर्यावरण में बहु–उद्देशीय निश्चित आवेश समस्या का समझौतापूर्ण समाधान प्राप्त करना'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्यूर एंड एप्लाइड मैथेमैटिक्स, 98(2), 193–210.

त्रिपाठी सच्चिदानंद और रघुवंशी अखिलेश एस. (2015). संसाधन परिवर्तनीयता के प्रति कटिबंधी शुष्क वन वृक्ष प्रजातियों की प्रतिक्रिया, आईएसबीएन : 978–3–659–74807–3.

छाबड़ा, टी.एन., (2015), औद्योगिक प्रबंधन, नई दिल्ली, सन इंडिया पब्लिकेशंस, आईएसबीएन सं. 978–93–85071–06–5.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

प्रबंध अध्ययन विभाग ने दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में ''मंदी उपरांत अवधि में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में उभरते मुद्दे'' पर 23–24 फरवरी, 20146 को दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया, यूजीसी द्वारा प्रायोजित।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग ने दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में 18–19 मार्च, 2016 ''साफ्ट कम्प्यूटिंग की ओर कदम : तकनीकें और अनुप्रयोग पर दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, यूजीसी द्वारा प्रायोजित।

रसायन विभाग ने फरवरी, 2015 को दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में ''तकनीकी प्रौद्योगिकी और विज्ञान शिक्षण'' पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसे वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दकोश आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सहयोग प्रदान किया गया था।

डा. दीपक जैन ने आईआईएसईआर, मोहाली में 14–18 दिसम्बर, 2014 तक गुरुत्वाकर्षण और अंतरिक्ष विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीजीसी) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वार्ता प्रस्तुत की।

डा. अनेक गोयल ने एंशिएट ओलम्पिया में 10–17 जुलाई, 2015 को उच्चतर शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए आयोजित 11वें अंतर्राष्ट्रीय सत्र में ''संपोषणीयता और विकास के लिए एक उपकरण के रूप में खेल'' पर पत्र प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी	:	94
तदर्थ	:	27

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (कुल)	: 27,95,62,774 रुपए
आवर्ती	: 27,35,85,986 रुपए
अनावर्ती	: 27,05,788 रुपए
खेल	: 32,71,000 रुपए
उपयोग की गई राशि (कुल)	: 21,36,37,919 रुपए
आवर्ती	: 21, 36,37,919 रुपए
अनावर्ती	: शून्य
खेल	: शून्य

नियोजन विवरण

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 70
(ख)	परिसर में नियोजन के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 04

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पड़ोस के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या	: 250
शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या	: 59
इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या	: 2832

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (एन–लिस्ट के माध्यम से 5800 ऑनलाइन + 01 पेटर बैक संस्करण)

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (एन–लिस्ट के माध्यम से 200 ऑनलाइन + 33 पेपर बैक संस्करण) :

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी

कॉलेज आगामी शैक्षणिक सत्र 2016–17 से अपना परिसर सेक्टर 3, द्वारका, नई दिल्ली 78 में स्थानांतरित कर रहा है। यह एक अत्याधुनिक बहु मंजिला भवन है जो 7.7 एकड़ के भूखण्ड पर निर्मित की गई है जिसमें हरित भवन की अनेक विशेषताएं भी शामिल हैं। इसमें वर्षा जल संचयन प्रणाली तथा जल पुनःचक्रण संयंत्र पहले ही स्थापित किया गया है। भवन की छत को सौर ऊर्जा के सृजन के लिए आशयित किया गया है। आगामी अवधि में कॉलेज जैव–अपशिष्ट निपटान के मुद्दे का हल करने के लिए अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित करने की योजना भी बना रहा है।

हाल ही में विकसित आधुनिक अवसंरचना कॉलेज में शिक्षण और अधिगम को सुकर बनाएगी। भवन की कुछ विशिष्ट विशेषताएं हैं : व्याख्यान हॉल/कक्ष, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, कम्प्यूटर केन्द्र, सभागार, संगोष्ठी कक्ष जो आधुनिक दृश्य–श्रव्य उपकरणों तथा किसी उच्चतर शिक्षा संस्था के लिए अपेक्षित अन्य उपकरणों से सज्जित है। खेल सुविधाओं में शामिल हैं – इंडोर स्क्वैश कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, टेबल–टेनिस, कैरम बोर्ड, जिमनेजियम की सुविधाएं तथा तीरंदाजी रेंज।

इस भवन में अद्यतन सुविधाओं के साथ अन्य समस्त आधारभूत प्रसुविधाएं विद्यमान हैं जिसमें पार्किंग, कॉमन रूम (छात्रों और छात्राओं के लिए अलग–अलग) चिकित्सा कक्ष तथा अतिथि गृह शामिल हैं। कॉलेज छात्रों के लिए (पुरुष एवं महिला) छात्रावास सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगा जिसमें कैफीटेरिया के अलावा अलग मैस भी होगी।

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रय एकता दिवस, संविधान दिवस और राष्ट्रीय युवा दिवस आयोजित किए। स्वच्छ भारत अभियान भी पूरे उत्साह से मनाया गया जिसे दौरान कॉलेज में एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। कॉलेज को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक अभिनवता परियोजना भी प्रदान की गई है। डा. नसीम अंसारी (अर्थशास्त्र) को अर्थशास्त्र विभाग, अलीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. प्रदान की गई।

श्री बीरसिंह, सुश्री मीरा मल्हान (अर्थशास्त्र), श्री अमित कुमार यादव (अंग्रेजी) और लाखन मीना (इतिहास) अपनी पी.एचडी. डा. वी.बी. सिंह (कम्प्यूटर विज्ञान) के पर्यवेक्षण में कर रहे हैं। एक छात्र को कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से पी.एचडी. प्रदान की गई। वे उसी विश्वविद्यालय के तीन अन्य पी.एचडी. छात्रों का पर्यवेक्षण भी कर रहे हैं। डा. राजीव गोयल (वाणिज्य), डा. शालिनी सक्सेना और डा. दीप्ति तनेजा (अर्थशास्त्र), डा. द्विवेदी आनंद प्रकाश शर्मा (हिन्दी) तथा डा. अनुराधा गुप्ता (गणित) भी देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के पी.एचडी. छात्रों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

उत्कृष्ट सम्मान और विशिष्ट उपलब्धियां

डा. नीरू कपूर, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग को उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए बिलीव इंडिया तथा बेटी एवं शिक्षा फांउडेशन द्वारा 12 मार्च, 2016 को गांधी दर्शन, राजघाट मे ंआयोजित एक समारोह में ''स्त्री उद्यमी पुरस्कार 2016'' से सम्मानित किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं:

हाशिए पर रह रही शहरी महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक अधिकारिता के लिए कौशल विकास, 3,50,000/– रुपए, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित।

यूजीसी एमएचआरडी ने 2014–16 के लिए अंग्रेजी विभाग की डा. अनीता भेला को 6 लाख रुपए की राशि के साथ एम.ए. अंग्रेजी (साहित्य आलोचना) के लिए एमएचआरडी–यूजीसी की ई–पाठशाला परियोजना हेतु सामग्री तैयार करने के प्रयोजनार्थ एक परियोजना संस्वीकृत की।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

पद्म कोरोल, बी.ए. (ऑनर्स), अंग्रेजी, प्रथम वर्ष ने चाइनीज ताइपे में आयोजित आईआईएचएफ–आइस हॉकी चैलेंज कप, एशिया में देश का नेतृत्व किया।

रोहन राठी, बी. कॉम (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष तथा विक्रांत बी.ए. (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष ने चण्डीगढ़, पंजाब में आयोजित अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यलय तैराकी प्रतियोगिता 2015–16 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट : 6,35,896/– रुपए

शामिल की गई पुस्तकों और जर्नलों की संख्या : 1137

इंटरनेट सुविधा उन्नयन : डीयूएलएस के माध्यम से एन–लिस्ट प्रोग्राम, इलेक्ट्रॉनिक बुक्स और जर्नलों का सब्सक्रिप्शन।

प्रकाशन

संपादित/लिखी पुस्तकें/संपादित पुस्तकों और जर्नलों में अध्याय

कपूर, नीरू (2016), विज्ञापन और ब्रैंड प्रबंधन, नई दिल्ली, भारत : पिनेकल लर्निंग

बनर्जी स्मिता, एन. एलावादी और एम. मल्हान (2015) तवाइफ और ट्रेवलिंग वायस्कोप, नई दिल्ली, दिल्ली : एपल बुक्स।

बसरा, अमृत (2015), पंजाब में सांप्रदायिक दंगा, 1923–28, नई दिल्ली, भारत श्री कला प्रकाशन।

बसरा, अमृत (2015), प्रेस और पॉलिटिक्स इन दि पंजाब, 1860–19205, नई दिल्ली, भारत श्री कला प्रकाशन।

यादव, नीलम (2016), दि लॉस्ट आइडेंटिटी : अर्बन विलेजेज़ इन इंडिया, उच्चतर शिक्षा के आयाम, दिल्ली : न्यू दिल्ली पब्लीशर्स।

पाठक, ज्योत्सना (2016), 3 ईडियडट्स : फैंटाइजिंग हायर एजुकेशन, उच्च शिक्षा के आयाम, दिल्ली न्यू दिल्ली पब्लीशर्स।

सिंह वी.बी. (2015), कोड परिवर्तन की जटिलता का प्रयोग करते हुए बग प्रीडिक्शन मॉडलिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशुरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 6(1), 44–60.

सक्सेना, शालिनी और आर. शर्मा (2015) उच्चतर शिक्षा की पहुंच में बाधाओं को समाप्त करना : दिल्ली विश्वविद्यालय में निःशक्त छात्रों का मामला अध्ययन ''दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातकपूर्व अनुसंधान और अभिनवता जर्नल, खंड–1, अंक 1

316–337 <http://gournals.du.ac.in/ugresearch/pdf/shalini%2Osakseno%zozo.pdf>

तनेजा दीप्ति, (2015), भारत में कौशल विकास को समझने के मोज़ेक, विशेष अंक (दिसम्बर), 174–186

चिचुआन, कृष्णा (2015), उदारवादी/प्रतिनिधित्व लोकतंत्र की व्याख्या, एनएएम टुडे, खंड XXXXIX, सं. 7, 15–19.

आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियों में प्रतिभागिता/सम्मेलन/प्रस्तुत पत्रः

'हिन्दी साहित्य में हाशिए का विमर्श : चुनौतियां एवं संभावनाएं, 15–16 मार्च, 2016, यूजीसी

प्रकृति के व्यापक महत्व पर समकालीन सिद्धांत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मंच, 20–23 दिसम्बर, 2015, स्व–वित्त पोषित पत्र का शीर्षकः'' प्रकृति का निर्माण : रित्विक घटक की पार्टीशन ट्रायलॉजी में इमोशनों का लैंडस्केप''।

संपोषणीय भविष्य – 2016 पर अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी, 2016 (आईएसएसएफ–2016), 5–7 फरवरी, 2016, स्व–वित्तपोषित पत्र का शीर्षक :'' आर्थिक सुधारों के दो दशक उपरांत भारतीय राज्यों में आर्थिक विकास और मानव विकास।''

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः 59 (स्थायी)/32 (तदर्थ)

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 20,87,00,000/– रुपए

उपयोग की गई राशि : 17,73,00,000/– रुपए (अनंतिम)

नियोजन विवरण

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 130 + (इंटर्नशिप सहित)

(ख) कैंपस भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 94 +

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 10

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम :

कॉलेज ने कॉलेज छात्रों के लिए कौशल आधारित पाठ्यक्रम संचालित करने के प्रयोजनार्थ दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से एनएसडीसी (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विस्तार और संपर्क कार्य

डीसीएसी की एनएसएस इकाई ने ब्लड कनेक्ट के साथ सहयोगी अपनी परंपरा को जारी रखा तथा 6 अगस्त, 2015 और 3 फरवरी, 2016 को दो रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। दोनों ही अभियान अत्यंत सफल रहे; ब्लड कनेक्ट अधिक उत्साही कार्यकर्ताओं को प्राप्त करने में सफल रहा तथा उसने अपने रक्तदान आधार को अधिक व्यापक बनाया। कॉलेज की परियोजना तानजील के कार्यकर्ताओं ने तान–जील में भाग लिया जिसका उद्देश्य निर्धन बालकों में चहुंमुखी विकास करना है, जो सप्ताह में पांच दिन, दिन में 2.30 से 4.30 बजे तक केन्द्र में आते हैं। इन बच्चों को न केवल गणित, अंग्रेजी और हिन्दी के विषय पढ़ाए जाते हैं, बल्कि उनकी नैतिक शिक्षा और व्यक्तित्व विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाता है। तान जील

परियोजना के तहत निरंतर भ्रमण के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनमें बच्चों को दिल्ली के नए–नए स्थानों को देखने के लिए ले जाया जाता है। इस वर्ष, बच्चों को नेहरू तारामंडल ले जाया गया। इकाई ने अत्यंत सफल वस्त्र वितरण अभियान भी संचालित किया जिसका नाम था ''स्प्रैड दि वार्म्थ'' अभियान जिसके तहत कॉलेज के छात्रों को उनके पुराने वस्त्रों को दान करने के लिए प्रेरित किया गया था, जिन्हें उन बच्चों और उनके परिवारों में बांट दिया गया। स्वच्छ एवं हरित परियोजना ने समूचे वर्ष भर कॉलेज परिसर में तथा उसके आस–पास अनेक स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान संचालित किए। डीसीएसी की पर्यावरण सोसाइटी – प्रकृति ने कॉलेज में तथा उसके आस–पास अनेक वृक्षारोपण–सह–जागरूकता अभियानों का संचालन किया। इसने समुचित ई–अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक अभियान और जागरूकता रैली का आयोजन भी किया जिसका उद्देश्य समुचित ई–अपशिष्ट प्रबंधन था तथा लगभग 20 किग्रा ई–अपशिष्ट संग्रहित करके इस अभियान में सहयोगी चिंतन को दिया गया। कार्यकर्ताओं ने दिवाली के अवसर पर ''पटाखों को ना कहें'' अभियान भी संचालित किया। इसी प्रकार, होली के त्योहार के उपलक्ष्य में एक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। छात्रों को पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से, जनवरी माह में छात्रों ने कॉलेज की चारदीवारी को पेंट किया। डीसीएसी एकक के एनसीसी कैडेटों ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित सम–विषम परिवहन अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। कॉलेज की सहायता प्रदान करने वाली इकाई 'समान अवसर प्रकोष्ठ' ने विभिन्न जागरूकता अभियानों और परिचय कार्यक्रमों का आयोजन किया।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल : 2 (पेपर बैक संस्करण) तथा डीयूएलएस और एन–लिस्ट प्रोग्रामों के माध्यम से ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रदान किया गया है।

राष्ट्रीय जर्नल : 15 (पेपर बैक संस्करण) तथा ऑनलाइन जर्नल डीयूएलएस और एन–लिस्ट के माध्यम से प्रदान एक्सेस किए जाते हैं।

दिल्ली भेषज विज्ञान और अनुसंधान संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

प्रो. एस.एस. अग्रवाल, डा. एस.के. गुप्ता, डा. एस.आर. वकोडे,डा. मीनाक्षी के. चौहान तथा डा. रजनी माथुर को विभिन्न स्कीमों जैसे ''युवा वैज्ञानिकों के लिए फास्ट ट्रैक स्कीम'', ''सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक विशेषज्ञता का उपयोग स्कीम'' के अंतर्गत अनुसंधान के लिए कुल 1,87,38,400 रुपए संस्वीकृत किए गए। कॉलेज द्वारा 2015 में विभिन्न समारोहों का आयोजन किया गया जैसे, भेषज दिवस, गुरुपर्व, खेल दिवस, फ्रेशर्स दिवस, शिक्षक दिवस और स्वतंत्रता दिवस।

शोध परियोजनाएं

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने यूकेरी परियोजना, 2015–17 प्रायोजित की, डायबेटिक रेटीनोग्राफी के निवारण और उपचार के लिए हर्बल औषधि का विकास तथा प्रयोगात्मक मूषक मॉडल में उनके क्रियात्मक तंत्र की व्याख्या करना, 18,24,000/– रुपए।

डीएसटी, भारत सरकार ने 'सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक विशेषज्ञता का उपयोग (यूजर्स) स्कीम के अंतर्गत नैदानिक ऑक्यूलर फार्माकोलॉजी एवं थेराप्यूटिक्स प्रायोजित की, 9,66,00/– रुपए

डीएसटी ने युवा वैज्ञानिकों के लिए फास्ट ट्रैक्ट स्कीम, 2015–2018 के अंतर्गत अभिनव फॉस्फोडाइस्ट्रेज–4 (पीडीई–4) प्रतिषेधकों का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन प्रायोजित किया, 25 लाख रुपए।

डीएसटी ने युवा के लिए फास्ट ट्रैक्ट एवं इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2015–2018 के अंतर्गत, एल्जाइमर्स रोग, पार्किन्सन रोग और डेमेंशिया के उपचार के लिए रिवास्टिगमाइन लोडेड नैनोस्ट्रक्चर्ड लिपिड कैरियर (एनएलसी) एकीकृत स्कैफोल्ड्स ट्रांसडर्मल पैच प्रणाली को प्रायोजित किया, 19.38 लाख रुपए।

डीबीटी ने फ्रुक्टोज उत्प्रेरित बालकपन – अधिक भार/मोटापा के रोडेंट मॉडल में आंतों के फ्रुक्टोज संवहन (जीएलयूटी 2 एवं जीयूएलटी 5 ट्रांसपोर्टर्स) का अध्ययन करने और उसमें औषधीय पादपों की परिरक्षण क्षमता के अन्वेषण को प्रायोजित किया, 19,38,000/– रुपए।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

खुश्बू, बी–फार्म	प्रथम वर्ष
आरजू ठाकुर, बी–फार्म	द्वितीय वर्ष
नेहा त्यागी, बी–फार्म	तृतीय वर्ष

कनिका जैन, बी–फार्म चौथा वर्ष

शिप्रा मलिक, बी–फार्म प्रथम वर्ष

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में समूचे भारत की सर्वाधिक समृद्ध भेषजिक पुस्तकों का संग्रहण है जहां 17,000 से अधिक पुस्तकें हैं जिनमें भेषजिक विज्ञान की समस्त शाखाओं को शामिल किया गया है जैसे औषध–निर्माण विज्ञान, भेषजिक रसायनी, भेषज–विज्ञान, भेषज–निर्माण जैव–प्रौद्योगिकी, फार्माकोग्नोसी, भेषज–निर्माण प्रौद्योगिकी तथा साथ ही इसमें आधारभूत विज्ञान जैसे मेडिसिन, पैथोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और माइक्रोबायलॉजी जैसे आधारभूत विज्ञान की पुस्तकों का भी संग्रहण विद्यमान है। वर्ष 2015–16 के दौरान, पुस्तकालय ने 334 नई पुस्तकें शामिल की। इसने 8 अंतर्राष्ट्रीय और 17 राष्ट्रीय जर्नलों को भी सब्सक्राइब किया।

प्रकाशन

अर्चना शर्मा, विपिन कुमार, सुनील कुमार, धर्म सिंह पाठक, 2016, संभावित एंटीमाइक्रोबियल और एंथेल माइनिटिक एजेंटों के रूप में कुछ इमिडेजोल बीयरिंग हाइड्राजोंस का जैविकीय मूल्यांकन और विशेषता वर्णन बुलेटिन ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च, 2016, आईएफ. 3. 974

अर्चना शर्मा, विपिन कुमार, सुनील कुमार, धर्मपाल पाठक, 2016. संभावित एंटीमाइक्रोबियल और एंथेलमाइनिटिक एजेंटों के रूप में कुछ इमिडेजोल बीयरिंग थियाजोलिडीन–4–वंस का जैविकीय मूल्यांकन और विशेषता–वर्णन करंट कैमिकल बायलॉजी, 9(2), 113–122, आईएफ 0.67.

सतीश मनचंदा, पी.के. साहू, दीपक के. मजूमदार, 2016. ''थोक औषध में एर्सेटा जोलामाइड के अनुमान के लिए आरपी ''एचपीएलसी पद्धति का विकास और विधिमान्यता तथा फोर्स्ड अपक्षयी अध्ययनों के साथ सूत्रीकरण'' डेर फार्मेसिया लैटरे, 8 (1); 338–347.

मीनाक्षी के. चौहान और निधि भट्ट, 2015 ''एचपीएलसी का प्रयोग करते हुए वेंकोमाइसिन के विकास की साधारण और आशोधित पद्धति'', जे क्रोम. सेप. टेक, खंड 6, सं. 7.

महासेठ आर, कुमार आर, शगुन, सेहगल आर, राजोरा पी, माथुर आर, 2015, आइसोलेटेड टिशू प्रीपेंशंस का प्रयोग करते हुए मैस्कैरिनिक सीरोटोनेर्जिक और एड्रेनर्जिक रिसेप्टर प्रणालियों के साथ सीडियम गुआजावा लिन. (माइर्टेसिया) के एक्वसलीफ एक्सट्रेक्ट का इंट्रेक्शन : एक फार्मा कोडिनेमिक अध्ययन, भारतीय जे फार्मा–विज्ञान; 77 (4) : 493–99.

अग्रवाल एच, कौर एच, सकलानी आर, सबा एन, चौधरी एस, डोगरा एस, श्रीवास्तव एस, माथुर आर, गुप्ता एस.के., 2015. भारत के महानगर दिल्ली में मोटापे तथा उससे संबद्ध हाइपरटेंशन और मधुमेह की विद्यमानता इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेसिएलिस्ट्स, 6 : 82–7.

कोमल शर्मा और अमृता पार्ले 2015, डायबिटीज मेलीटस को सर्वाधिक प्रभावी और सुरक्षित जवाब : एलोग्लीप्टिन बेंजोएट, अमेरिक जर्नल ऑफ फार्मा टेक रिसर्च; 5(4); 60–80

इश्प्रीत कौर, शरद वकोडे, हरशरण पाल सिंह, सतीश मनचंदा, 2016. ''स्थायित्व का विकास और विधिमान्यता – थोक तथा भेषजिक खुराक रूप में कैनेग्लीलोजीन के निर्धारण के लिए रिवर्स फेज़ एचपीएलसी–पीडीए पद्धति प्रदर्शित करना. फार्मा मैथड्स; 7(1):1–9.

मीनाक्षी के चौहान, पी.के. साहू, आर.एस. रावत, ए.सिंह, ए. बमराडा, डी. शर्मा, 2015. ''बिलाजोसोम्स : ओरल इमुनाइजेशन में चुनौतियों का सामना करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण'', रीसेंट पैट ड्रग डेलिव फार्मुला, [मुद्रण से पूर्व ई–प्रकाशन]

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

''चौथा अंतर्राष्ट्रीय फार्मा को इकानामिक्स एंड आउटकम रिसर्च सम्मेलन, 31 अक्तूबर, 2015 डीएसटी, डीबीटी और आईसीएमआर द्वारा वित्त–पोषित।

अंतर्राष्ट्रीय अनुकूलन चिकित्सा सोसाइटी के साथ सहयोग करते हुए ''हृदय स्वास्थ्य और अनुसंधान में हालिया प्रगति'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 22 अप्रैल, 2016 डीपीएसआरयू द्वारा आयोजित।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी : 11

अस्थायी : 05

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 8,49,00,000/– रुपए

उपयोग की गई राशि : 6,96,47,268/– रुपए

नियोजन विवरणः

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 31
(ख)	परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 16
(ग)	पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 08

भागीदारों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ : यूकेरी परियोजना : एक – अरविंद मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन के बीच अनुसंधान सहयोग

माधुरी और डिप्सार (दिल्ली विश्वविद्यालय) के बीच एआरपीई–19 सैल लाइन के लिए।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 08

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 17

देशबंधु कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज के उत्कृष्ट संकाय–सदस्यों तथा छात्रों ने अपनी विशिष्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्राप्त सम्मानों के फलस्वरूप राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्था का नाम रोशन करने में सहायता प्रदान की है। कॉलेज की टीमों ने विशेष रूप से क्रीड़ा और खेलकूद क्रियाकलापों में तीरंदाजी और बालावॉल में राष्ट्रीय/विश्वविद्यालय स्तर के खिताबों पर वर्चस्व बनाए रखा है; उनमें से कुछ ने राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में भी शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में हमारे शिक्षकों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं। विभिन्न विभागों ने उल्लेखनीय रुचि के सम्मेलनों/संगोष्ठियों/वार्ताओं का आयोजन किया है जिनमें समूचे देश से (प्रो. डी.एन. राव, आई.आई.एस.सी. बेंगलूर आदि) तथा विदेश से (प्रो. यासुओ कमाता, जापान, डा. विवेक कुमार, आईआरआरआई फिलीपींस, आदि) शिक्षाविदों और प्रसिद्ध हस्तियों को आमंत्रित किया गया है तथा साथ ही विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन भी किया है। हमें यह बताते हुए हर्ष है कि आगामी शैक्षणिक सत्र से, हम दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्ताव किए गए अनुसार ''एड ऑन'' पाठ्यक्रम भी संचालित करने वाले हैं तथा हमने अपनी रिपोर्ट एनएएसी प्रत्यायन के लिए प्रस्तुत कर दी है।

उल्लेखनीय सम्मान और विशिष्ट उपलब्धियां

कृष्णन उन्नी पी., अंग्रेजी विभाग ने मलयालम में फिक्शन शीर्षक ''केरलम : ओरू डॉकुमेंटा'' के लिए करूर नीलकांडा पिल्लई स्मारक पुरस्कार प्राप्त किया (उन्होंने यह पुरस्कार कोट्टयम, केरल में 28 जनवरी, 2016 को प्राप्त किया)।

डा. आरती बरुआ, दर्शन विभाग ने 29 अगस्त, 2015 को आईआईएफएस (भारत अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सोसाइटी) द्वारा भारत ज्योति पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार डा. बरुआ को उने असाधारण योगदान और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और खिलाड़ियों को क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रदान किया जाता है।

डा. आरती बरुआ को 2015 में भारत के श्रेष्ठ नागरिक का पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय पब्लिशिंग हाउस (2015) द्वारा क्रियाकलाप के उनके चुने हुए क्षेत्र में असाधारण क्षमता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ''भारत के श्रेष्ठ नागरिक'' से सम्मानित किया गया।

डा. जी.सी. पंत को अगस्त, 2015 में दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत संवर्धक पुरस्कार प्रदान किया गया।

डा. इंद्रकांत के. सिंह को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी यूएसए में 2016–17 को अनुसंधान कार्य करने के लिए रामन पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप प्रदान की गई।

अनुसंधान परियोजनाएं

डा. इन्द्रकांत के. सिंह. डीएसटी की एक परियोजना क्रियान्वित कर रहे हैं, शीर्षक मक्का (जीमेस) में सोडोप्टेरा लितूरा के विरुद्ध प्रतिरक्षा में शामिल जीनों की पहचान और विशेषता वर्णन, प्रारंभ न तारीख : नवम्बर, 2013 अवधि तीन वर्ष, अधिकतम पांच वर्ष। वित्त पोषण एजेंसी : विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।

डा. प्रतिभा कुमार डीएसटी – एसईआरबी. प्रारंभिक अनुसंधान परियोजना पर कार्य कर रही हैं, शीर्षक ''नोवल कैलिक्सारेनेज़ फंक्शनेलाइज्ड मेग्नेटिक नैनो मैटीरियल्स का संश्लेषण तथा अपशिष्ट जल शोधन में उनका संभावित अनुप्रयोग : बड़ी समस्या का छोटा समाधान।'' (2016–19).

डा. रंजना सेठ अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) द्वारा प्रायोजित परियोजना (आईएईए अनुसंधान संविदा संख्या 15852/आरबी) का संचालन कर रही है। शीर्षक, ''संक्रमणकारी कृषि सामग्री को संक्रमण प्रदान करने वाली मीलीबग के फोटो से निटरी उपचार के लिए जेनेरिक इरैडिएशन खुराकों का विकास'', आईएईए सीआरपी डी 62008 के अंतर्गत, संगरोध उपचार के लिए जेनेरिक इरैडिएशन खुराकों का विकास,'' 2015–16 के लिए विस्तारित (अंतिम चरण)।

अभिनवता शोध परियोजना बीसी 302 : दिल्ली के जलाशयों को बचाने के लिए धार्मिक क्रियाकलापों से उत्पन्न होने वाली यौगिक सामग्री का पुनःचक्रण।

डीबीसी 303 : कैटेलाइटिक और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए सिल्वर चाल्को जीनाइड नैनोपार्टिकल्स।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

फेंसिंग खेल में आतिश पराशर ने हरियाणा, राज्य फेंसिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता तथा राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए टीम में अपना स्थान पक्का किया। उनका चयन भारतीय शिविर के लिए भी किया गया तथा उनहोंने दिल्ली विश्वविद्यालय की फेंसिंग टीम और अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय फेंसिंग चैंपियनशिप के लिए भी अपना स्थान पक्का किया।

अक्षय कुमार ने 54वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता तथा विभिन्न अन्य स्तरों पर अनेक अन्य पदक जीते।

कॉलेज की तीरंदाजी टीम ने अंतरकालेज चैंपियनशिप का खिताब जीता तथा दिल्ली राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप का खिताब भी बरकरार रखा।

कॉलेज की वालीबॉल टीम ने अंतरकालेज बालीबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जीतकर कॉलेज का नाम रोशन किया।

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 2757 पुस्तकों की और वृद्धि की तथा पुस्तकालय की कुल पुस्तकों की संख्या 1,08,350 हो गई। पुस्तकालय ने 37 जर्नलों/पत्रिकाओं तथा 15 दैनिक समाचार पत्रों को भी सब्सक्राइब किया। एन–लिस्ट कार्यक्रम : ई–जर्नलों और ई–पुस्तकों को एक्सेस करने के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा, ई–जर्नलों और ई–पुस्तकों की एक्सेस के लिए यूजीसी इंफोनेट, पुस्तकों के यूनियन कैटेलॉग तथा जर्नलों के यूनियन कैटेलॉग को एक्सेस करने के लिए डेल–नेट।

प्रकाशन : अंतर्राष्ट्रीय

सिंह, ए., भारती सिंह, नाथ ओ. और सिंह आई के.* (2015) ने सेरिया मेनिनजिटाइडिस के हाइपोथेटिकल प्रोटीनों का कार्यात्मक एनोनेशन और वर्गीकरण एच 44/76 अमेरिकन जर्नल ऑफ बायोसाइंस एंड बायो इंजीनियरिंग 3(5): 57–64 डीओआईः 10.11648/जे. बायो. 20150305.16 *कॉरेसपोंडिग ऑथर.

सिंह, ए. सिंह, एस. एवं सिंह आईके (2016) कीट पादप संपर्क के दौरान जसमोनेट के आण्विक तंत्र में हालिया इनसाइट, आस्ट्रेलियन प्लांट पैथोलॉजी 45:123–133 (डीओआई 10.8007/एस 13313–015–0392–1).*कॉरेसपोंडिग ऑथर.

डोगरा, साक्षी (2015) ''पोस्ट कोलोनिएलिटी'' : लेपिस लाजुली में नेशन–स्टेट और ग्लोबल कैपिटेलिज्म के बीच संबंध का अन्वेषण'' खण्ड 5, सं. 1, आईएसएसएन 2249–4529.

कुशवाहा, वर्षा (2015) शोध पत्र शीर्षक ''स्मृति और आघात : जे.एम. कोएत्जी और एम.जी. वासनजी के उपन्यासों में इतिहास का पुनर्गठन'' दि कॉमन वैल्थ रिव्यू में प्रकाशित।

पंत जी.सी. (2015) ने ''भारवी विविराचित किरातार जुनियाम महाकाव्य में सामाजिक प्रश्नम'', वाक–सुधा (एन इंटरनेशनल रेफ्रीड क्वार्टरली रिसर्च जनरल, आईएसएसएन : 2347–6605, खण्ड–4.

राष्ट्रीय

कृष्णन उन्नी पी. (2016) ''एम. सुकुमारम की कहानियों में नयाचार और 'राजनीतिक' नयाचार का स्थान'' सोशल आर्बिट में : जर्नल ऑफ सोशल साइंस खंड 1, केरलः फारूक कॉलेज (आईएसएसएन : 2395–77189).

कृष्णन उन्नी पी. (2016) ''डू दीज़ रुइंस नेरेट अवर पास्ट्स 'डिसनैरेशन : दि अनसैड मैटर्स' में डब्ल्यू.जी. सेबाल्ड के वर्णन का परीक्षण, संपा. सुधा शास्त्री, नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान (आईएसबीएन : 978–81–250–6238–7).

मोहन ललित (2015) ''मध्यकालीन हिन्दी कवयित्रियों की सामाजिक चेतना'', नई दिल्ली : समकालीन प्रकाशन आईएसबीएन – 978–81–909927–94.

कुमार आशुतोष (2016) ग्लोबल इशूज़ इन एंवायर्नमेंटल डिस्कोर्स, एटलांटिक पब्लीशर्स, नई दिल्ली आईएसबीएन : 978–81–269–25159–1.

मौर्य ऐ.के., सिंह आई.के. और मोनिता (2015) ''पर्यावरण अध्ययन – एक परिचय'' बुक एज पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978–9383281–60–2.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

सिंह ए., सिंह, आई.के. और जैन डी. (2015) ने हेलीकोवेर्पा – चिकन पी का पैथोजिनेसिस संबद्ध अभिप्रेरक प्रोटीन 4 ए (पीआर–4ए) का कार्यात्मक विशेषता–विवरण'' पर एक पत्र प्लांट बायलोजी 2015 (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ प्लांट बायलोजिस्ट्स की वार्षिक बैठक) में प्रस्तुत किया जो 26–30 जुलाई, 2015 तक कंवेन्शन सेंटर, मिनिएपोलिस, मिनीसोटा यूएसए में आयोजित की गई।

डीएसटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इंस्पायर इंटर्नशिप प्रोग्राम, समन्वयक : डा. इंद्रकांत के सिंह,

प्रो. यासुओ कामाता, जापान द्वारा ''अर्थव्यवस्था और पारिस्थिकी के सौहार्द के लिए धर्मों की व्यावहारिक विचारधारा : शोपेन्हार अनुसंधान के संदर्भ में'' पर एक संगोष्ठी वार्ता का आयोजन डा. आरती बरुआ द्वारा दर्शन विभाग, डीबीसी एवं शोनेन्हार सोसाइटी के भारतीय डिवीजन (आईडीएसएस) की ओर से 3 अक्तूबर, 2015 को देशबंधु कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित की गई थीः माननीय संसद सदस्य श्री रमेनडेका मुख्य अतिथि थे।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

कॉलेज के पास शिक्षण कर्मचारिवृंद में 133 स्थायी और 77 तदर्थ सदस्यों तथा गैर–शिक्षण स्टाफ में 122 सदस्यों की प्रभावी संख्या है।

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान 2015–16 : 346,868,008/– रुपए केवल

तथा उपयोग किया गया अनुदान : 287,941,768/– रुपए केवल

नियोजन विवरणः

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 150

(ख) परिसर में नियोजन के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 10

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

कॉलेज ने विज्ञान सेतु (डीबीटी – एनआईआई की पहल) के लिए राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, 2015, नोडल अधिकारी : डा. इंद्रकांत के. सिंह।

विस्तार और संपर्क कार्यः

देशबंधु कॉलेज की एनएसएस इकाई 2015–16 सत्र के दौरान अत्यंत संक्रिय बनी रही है। मार्च माह में, इसने "पर्वतों को प्लास्टिक–मुक्त" बनाने के लिए लैंसडाउन, उत्तराखंड में एक स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया। 31 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए एक संगीत समारोह का आयोजन किया गया।

सब्सक्राइब जर्नल

पुस्तकालय में सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या 4 है (पेपर बैक + जे – स्टोर, प्रोजेक्ट म्यूज (एन–लिस्ट, यूजीसी–इंफोनेट, डेलनेट) तथा सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या 33 है (पेपर बैक)

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी

हमारे कॉलेज ने प्रत्यायन के लिए राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) को कॉलेज रिपोर्ट प्रस्तुत की है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त–पोषित स्वायत्त निकाय है।

दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन (दृष्टि बाधित)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज ने 20–21 अगस्त, 2015 को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसआर्डर पर दो–दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। सभी शिक्षकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कॉलेज ने 4 सितम्बर, 2015 को स्मार्ट केन तकनीक पर एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कॉलेज ने 20 फरवरी, 2016 को 'वार्षिक खेल दिवस' का आयोजन किया। सभी दृष्टिबाधिता और नेत्रवान शिक्षक प्रशिक्षुओं ने वार्षिक खेल दिवस में भाग लिया।

उल्लेखनीय सम्मान और विशिष्ट उपलब्धियां

डा. स्वाति संयालवास दृष्टि बाधित पर आरसीआई की विशेष समिति की सदस्य हैं, जो आरसीआई के दो–वर्षीय बी.एड (विशेष शिक्षा) तथा एम.एल. (विशेष शिक्षा) पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या का विकास करती है। उन्होंने मानव संसधन विकास मंत्रालय द्वारा अगस्त, 2015 को विज्ञान भवन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति तैयार करने संबंध बैठक में भाग लिया। वे अंतर्वेशी शिक्षा के लिए उपकरणों का विकास करने की परियोजना की सदस्य भी है जिसकी बैठक डीआईईटी, मोतीबाग में **21–22 दिसम्बर, 2016** को आयोजित की गई। उन्होंने 11 जनवरी, 2016 को आईआईसी में एएआरपी और एनआईईपीएमडी से "सम्मान" भी प्राप्त किया।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

स्वाति और राम मिलन यादव ने डा. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1 फरवरी, 2016 को आयोजित रजत जयंती अंतर्महाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकें –

पुस्तकों की कुल संख्या (प्रिंट + ब्रेल) : 4131

टाइटलों की कुल संख्या : 2049

विशेष शिक्षा तथा शिक्षा पर प्रिंट जर्नल : 22

सम्मेलनों की कार्यवाहियों / शोध बुलेटिन / वार्षिक रिपोर्टें आदि

टॉकिंग बुक्स (एमपी 3 फार्मेट और डेजी फार्मेट) : 70 +

ई–संसाधन (ऑनलाइन) यूजीसी–इंफोनेट : 200 +

डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के अंतर्गत एन–लिस्ट प्रोग्राम के माध्यम से

ई – जर्नल : 6000 +

ई – पुस्तकें : 93000 +

प्रकाशन

झा, एन.के. तथा सान्याल, एस (2014) बी.एड विशेष शिक्षा के दौरान ब्रेल शिक्षण में दृष्टिवान शिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा महसूस की गई समस्याओं का अध्ययन – दृष्टिबाधितों का पाठ्यक्रम, भारतीय पुनर्वास परिषद जर्नल (जेआरसीआई) खंड 10, सं. 1 और 2, 1–16 (2016 में प्रकाशित)।

अग्रवाल, पी. (2015) दृष्टिबाधित छात्र के जीवन में सामाजिक कौशल सीखने का महत्व : सिंहावलोकन स्कॉलरली रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन 2319–4766, इंपैक्ट फैक्टर 4.889.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

डा. स्वाती सान्याल गीतारतन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एंड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट द्वारा 24 नवम्बर, 2015 द्वारा 'चुनौतियां और सुविधाएं' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता थीं।

डा. स्वाती सान्याल सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मार्च, 2016 में 'विकलांगता, मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षक तैयार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में वक्ता थीं।

डा. एस.के. दुबे ने लाजपत नगर, नई दिल्ली में अगस्त, 2015 को डीआईईटी में अंतर्वेशी शिक्षा पर व्याख्यान दिया।

डा. पुबाली अग्रवाल ने श्यामा प्रसार मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10.03.2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'दृष्टि बाधित बालकों को अंतर्वेशी सुविधाएं प्रदान करने में सहायक प्रौद्योगिकी की भूमिका'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा. पुबाली अग्रवाल ने आईआईटी, दिल्ली द्वारा 20.11.2015 को ''दृष्टिबाधित बालकों की शिक्षा को सुकर बनाने के लिए टेक्सटाइल आरेखों की प्रभाविता'' विषय पर एक फीडबैक सत्र में प्रस्तुतीकरण पेश किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी : 04

वित्तीय आबंटन और उपयोग

राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान (एनआईवीएच) देहरादून से 32,32,210 (बत्तीस लाख बत्तीस हजार दो सौ दस रुपए) का संस्वीकृत अनुदान

प्राप्त राशि : 16,16,000

प्राप्त होने वाली राशि :16,16,210

नियोजन विवरण

सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 10

पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : छात्र विशेष शिक्षकों के रूप में विभिन्न सरकारी विद्यालयों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

भागीदारों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय

कॉलेज ने अतिथि व्याख्यानों, प्रश्न–पत्र तैयार करने, परीक्षा आयोजित करने के लिए इग्नू, डीआईईटी, एनसीईआरटी, आरसीआई और एनआईवीएच आदि के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किए हैं।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) = (00 + 01)

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) = (00 + 02)

दयाल सिंह कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

100 किलोवाट के सोलर पावर पैनल से जुड़ी ग्रिड तथा आईजीएल गैस पाइपलाइन प्रयोगशालाओं और कैंटीनों में स्थापित की गई। कॉलेज ने 'विज्ञान सेतु' कार्यक्रम में राष्ट्रीय रोग–प्रतिरक्षण संस्थान के साथ सहयोग किया जिनका उद्देश्य स्नातकपूर्व स्तर पर अनुसंधान को प्रोत्साहन देना था। महिला और बाल विकास विभाग तथा एनडीएमसी के साथ भागीदारों में भागीदारी जन सहयोग समिति के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित किया गया। ''सुशासन के लिए एक उपकरण के रूप में निवारक सतर्कता'' विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का अयोजन किया गया। ''राष्ट्र निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका'' विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सीआईआई वाईआई युवा डीएससी सदस्यों ने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे ''भारत का दृष्टिकोण'', ''दिल्ली युवा कॉन्क्लेव'', ''वाईआईयुवा नेतृत्व शिविर''। 12 छात्रों को एक समर्थकारी परिवेश सुकर बनाने के लिए ''जैंडर चैंपियनों'' के रूप में उत्प्रेरित कर तैयार किया जहां बालिकाओं के साथ मर्यादापूर्ण और आदर का व्यवहार किया जाता है। प्रत्येक शिक्षक को 25 छात्रों का एक बैच आबंटित किया गयाजो संवेदनात्मक और शैक्षणिक मुद्दों के निवारण के रूप में उने परामर्शक थे।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

कॉलेज को विश्वविद्यालय पुष्प प्रदर्शनी में कॉलेज लॉन उद्यान, गुलाब उद्यान और कटे पुष्पों की श्रेणियों में क्रमशः एक प्रथम पुरस्कार, एक द्वितीय पुरस्कार और तीन तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। कॉलेज द्वारा आयोजित कराई गई पुरुषों की अंर्तमहाविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कॉलेज ने पुरुष चैंपियनशिप जीती तथा पुरुष वर्ग में 7 स्वर्ण और 2 कांस्य तथा महिला वर्ग में 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक प्राप्त किया।सीआईआई वाईआई युवा डीसीएस को युवा भारत राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन – टेक प्राइड 2016 में समूचे देश में 'सर्वाधिक सक्रिय चौपाल' के लिए पुरस्कार दिया गया। डा. अनीता गोयल ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अभिनवता परियोजना के लिए शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया। कला और संस्कृति सोसाइटी ने विभिन्न समारोहों के दौरान आयोजित वाद–विवाद फोटोग्राफी, फैशन शो, भारतीय शास्त्रीय समूह गान, विज्ञान निर्माण, सृजनात्मक लेखन आदि प्रतिस्पर्धाओं में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए।

अनुसंधान परियोजनाएं

यूजीसी, 2015–16, प्रवासी पंजाबी साहित्य, 9,974,400/–

डीबीटी, 2015–16,ग्लूटैथियोन स्टिमुलस पर फ्लोरोसेंट नैनो एग्रेडेट्स संपरिवर्तनीय जैव–अपक्षयित नैनो–आर्किटेक्चर प्लेटफार्म।

अभिनवता परियोजना दिल्ली विश्वविद्यालय, 'डीएस–301 : ई–म्यूजियम देव ....' 'डीएस–302 : लीक्विड – लीक्विड एक्स्ट्रैक डाइज़ ....' 'डीएस–303 : उच्चतर शिक्षा के मापदण्डों का अन्वेषण' 'डीएस–304 : कोर्की ऑर्गडाइज का डीग्रेशन ....' 'डीएस– 305 : कीटनाशकों का डी ग्रेडेशन ....' और डीएस–306 : आटो मेटेड सोलर पावर्ड कार ....' 2015–16, 31 लाख रुपए।

एनएएस, 2015–16 सौर ऊर्जा के लिए परियोजना, 35,000/– रुपए

एससीईआरबी, 2015–18 अर्सेनिक कटौतियों के लिए बायोसेंसर्स, 13,50,000/– रुपए

विशेष योग्यता वाले छात्र

विश्वविद्यालय विज्ञान मेधावी पुरस्कार, श्री मोहित यादव, बी.एससी. (आनर्स) प्राणिविज्ञान, प्रथम वर्ष

पुस्तकालय विकास

97,000 से अधिक पुस्तकों, बड़ी संख्या में पत्रिकाओं और जर्नलों तथा इंटरनेट सुविधा से सज्जित पुस्तकालय जिसमें दृष्टि–बाधित छात्र/संकाय सदस्यों के लिए आईटी आधारित सेवाएं भी हैं।

प्रकाशन

आर्य पी.वी. और एच.एस. सिंह (2015) प्राणि–भौगोलिक वितरण – सहउद्भव का साक्ष्य : ताजे पानी के फिश पैरासाइटिक मोनोजेनियम जीनम मिजेलेस और उसकी मेजबान विविधता अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान जर्नल; 4(6), 589–590.

चतुर्वेदी, डीडी तथा ए.के. भागी (2016) पर्यावरणीय अध्ययन, दिल्ली : स्कॉलर टेक प्रेस

गोयल, ए., एस. तनेजा, ए.पी. सिंह, आई एस बक्शी, एस.सी. गुप्ता, डी बजाज, एस.के. रिछारिया, एच, शर्मा, आर. भारद्वाज, के. त्रिपाठी, एल. ओझा, ए. द्राल, टी. दत्ता, एम. स्वामी और एम. कुमार (2015). डीयूआईटी : अंतर्विषयक दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए विकसित मोबाइल ऐप. स्नातकपूर्व शोध और अभिनवता डीयू जर्नल; 1(1), 79–89

गोयल आर., एस. गोपाल और ए. गुप्ता (2015). सेल्फ एसेम्बली ऑफ बी–एलानीन होमोटेट्रामेर : औषध वितरण के लिए नैनोवैसिकल्स का निर्माण पदार्थ रसायनी जर्नल, 3, 5849–5857.

कुमार, आर., बी. द्विवेदी, एन. नायर, एच. वर्मा, ए.के. सिंह, पी. रानी, डी.एल.एन.राय और आर. लाल (2015), पैरापेडोबैक्टर इंडिक्स स्प. नोव, हैक्साक्लोरो–साइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) संदूषित मृदा से विलगित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्ट. पर्या. माइक्रोबायलॉजी, 65, 129–134.

नैन ए.के. और एम. लाथेर (2015). विभिन्न तापमानों पर एक्वसस्ट्रिप्टेमाइसिन सल्फेट सोलूशन में 1–हिस्टिडीन और 1–अर्गिनीन के सोल्यूट–सोल्यूट और सोल्यूट–सॉल्वेंट संपर्क : फीजियोकोकैमिकल अध्ययन, जे. मोल. लिक्वी., 211, 178–186.

नैन ए.के. और पी. द्रोलिया (2016) नियमित विलयन सिद्धांत का प्रयोग करते हुए अल्ट्रासोनिक गति और सघनता डाटा से मिथाइल एक्रीलेट + 1 एल्कानोल्स (सी 4–सी 10) बायनरी मिश्रणों की आंतरिक दबाव, मुक्त मात्रा और अतिरिक्त थर्मोडाइनेमिक विशेषताएं तथा स्केल्ड पार्टिकल थियोरी का प्रयोग करते हुए अल्ट्रासोनिक गति का सैद्धांतिक अनुमान। इंडियन जर्नल ऑफ कैमिकल्स. ए 55, 23–33.

पाण्डेय पी.के., (2015). सैकेंड आर्डर लीनियर फ्रेडहोल्म इंटेग्रो–डिफरेंशियल इक्वेशन के न्यूमेरिकल विलयन के लिए गैर–मानक परिमित विभेद पद्धति इंटरनेश्नल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल मॉडलिंग एंड कंप्यूटेशनंस, 5(3), 259–66.

पाण्डेय पी.के., (2015). नॉन–लीनियर जनरल टू–प्वाइंट बाउंड्री वैल्यू समस्याओं के अंकीय समाधानों के लिए ज्यामितिक मेश एक्सपोनेंशियल परिमित विभेद पद्धति, न्यूट्रल पैरेलल एंड साइंटिफिक कम्प्यूटेशनंस 23, 153–168.

सिंह, डी., पी.वी. आर्या, ए. शर्मा, एम.पी. डोभाल और आर.एस. गुप्ता (2015). विस्टार एल्बिनो रैट्स में एंटीआक्सीडेंट स्थिति के माध्यम से हैपेटिक ऑक्सीडेटिव तनाव के विरुद्ध α–एमीरिन की मॉड्यूलेट्री क्षमता. जर्नल ऑफ एथनोफार्माकोलॉजी, 161, 186–193.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

जैन–रसायनिक और पर्यावरणीय गतिशीलता में अभिनव प्रगत अनुसंधान, 9–10 अक्तूबर, यूजीसी एवं एनएमपीबी द्वारा प्रायोजित।

एंजियोस्पर्म्स की प्रजनन जैविकी, 16–17 मार्च, 2015 आईएलएलएल एंड यूडीएससी द्वारा प्रायोजित।

प्रतिस्पर्धी विश्व में चुनौतियों का सामना करने के लिए कौशलों में संवृद्धि, 7 अप्रैल, 2015 एनडीआईएम द्वारा प्रायोजित।

छिकारा ए., पी. कुमार और एम. चोपड़ा (2015) पॉली (इथाइलीन ग्लाइकोल) आधारित जैव–अपक्षयी नैनाजेल्स का प्रयोग करते हुए एटोपोसाइड और वोरीनोस्टेट का सह–वितरण, औषध वितरण एवं नैदानिक विश्व कांग्रेस बोस्टन, 22–25 जुलाई, 2015.

गुप्ता ए. (2015) पार्किन्सनरोधी औषधि एन. डोपा के वितरण वाहनों के रूप में बी – पेप्टाइड आधारित नैनो–संरचनाएं, नैनोस्ट्रक्चर्ड पॉलीमेरिक सामग्रियां और पॉलीमेरिक नैनोकंपोजिट्स, 13–15 नवम्बर, 2015, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल।

अभय, आर.के. (2016) केंदुझर प्लेटू, ओडीशा में कृषि लाभों पर भूमि–अपक्षय का प्रभाव आईआईजी कांग्रेस और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 11–13 फरवरी, 2016, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी : 166

अस्थायी : 88

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 51,72,70,760.00 / – रुपए

उपयोग की गई राशि :41,38,17,254.00 / – रुपए

नियोजन विवरण

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 210+
(ख)	परिसर में नियोजन के लिए आने कंपनियों / उद्योगों की संख्या	: 35+
(ग)	पुनरावृत्ति करने वाली कंपनियों की संख्या	: 05

विस्तार तथा संपर्क कार्य

(क)	आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या	: 5
(ख)	शिविरों में नामांकित / शामिल किए गए लोगों की संख्या	: 100–150
(ग)	शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या	: 20
(घ)	इन शिविरों में लगाए गए घंटों की कुल संख्या	5–8 घंटे / शिविर

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 2+380 ई–जर्नल और लगभग 80,000 ई–पुस्तकें यूजीसी – इंफ्लिबनेट / मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एन – लिस्ट कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध हैं।

यूजीसी–इंफ्लिबनेट / मानव संसाधन विकास मंत्रालय

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 20

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी (पैराग्राफ फार्मेट)

कॉलेज ने कॉलेज की रैंकिंग के लिए एनएएसी को स्व–अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

दयाल सिंह कॉलेज (संध्या)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

दयाल सिंह सांध्य कॉलेज विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित स्नातकपूर्व संस्था है जिसकी स्थापना 1958 में हुई थी। शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में, कॉलेज ने विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया जैसे 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस', युवा दिवस', 'रक्तदान शिविर' और स्वच्छता अभियान; कॉलेज का एक सक्रिय छात्र संघ है जो अनेक कार्यक्रम आयोजित करता है।, जैसे स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर युवा दिवस का आयोजन, दान अभियान : कपड़ों और भोजन का वितरण, सुशासन पर संगोष्ठी और रक्तदान शिविर में प्रतिभागिता (एनएसएस के साथ सहयोग करते हुए)। कॉलेज की एलएसएस इकाई ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया। विभिन्न रोगों जैसे डेंगू और मलेरिया के बढ़ते हुए खतरे के विषय में जागरूकता का प्रचार–प्रसार करने के लिए एनएसएस के कार्यकर्ताओं द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया। कॉलेज के एनसीसी एकक ने गणतंत्र दिवस शिविर 2016 में भाग लिया। एनसीसी नौसेना विंग के छात्रों ने अखिल भारतीय नौसेना शिविरों मं भाग लि। कॉलेज के समान अवसर प्रकोष्ठ ने भिन्न रूप से समर्थ छात्रों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

उत्कृष्ट सम्मान / विशिष्ट उपलब्धियां

चिकित्सा पर्यटन पर इसकी अभिनव परियोजना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कॉलेज को श्रेष्ठ आर्थिक जोन पुरस्कार प्रदान किया गया।

शोध परियोजनाएं (अधिकतम 5)

डा. भावना पाण्डेय, डा. पूनम गुप्ता और डा. साजिद हुसैन द्वारा 'चिकित्सा पर्यटन' पर अभिनवता परियोजना संचालित की गई जिसका वित्त–पोषण वर्ष 2014–5 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था, संस्वीकृत और राशि थी 3 लाख रुपए।

पुस्तकालय विकास

वातानुकूलित तथा अर्ध पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय जिसमें वित्तीय वर्ष 2015–16 में 1944 पुस्तकों को और जोड़ा गया।

प्रकाशन

शर्मा पी.के. (2015), फूइंट शोलिंग (भूटान) की ग्रॉसरी दुकानों पर आईएनआर में आई मंदी के प्रभाव का आकलन। एशियन सोशल साइंस, कनाडाई विज्ञान और शिक्ष केन्द्र, खंड 11 (28), आईएसएसएन : 1911 : 2017.

भार्गव आर.के. (सह–लेखक) (2014). सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) : वित्तीय अंतर्वेशी समर्थकारक. भारतीय स्ट्रीम्स रिसर्च जर्नल, नई दिल्ली।

कुमार संजय (सह–लेखक) (2015). वित्तीय अंतर्वेशन–ग्रामीण और शहरी वर्ग द्वारा अनुमानित लाभों का परिमाणात्मक आकलन, स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लीनरी स्टडीज़, नई दिल्ली।

वरेजा, सुषमा (2016) रिजर्व मानीटरिंग सूक्ष्म–वित्त : भारत के विशेष संदर्भ में महिला अधिकारिता के लिए एक सशक्त उपकरण, टेक्समैन्स कारपोरेट प्रोफेशनल टुडे, खण्ड 19 अंक 5, 318–326.

गुप्ता, पूनम (सह–लेखक) (2015). भारत में कारपोरेट क्षेत्र द्वारा नियत आस्तियों के वित्त–पोषण के समझदार पैटर्न, नई दिल्ली, आईएसएसएन 0970–3772.

पाण्डेय भावना (सह–लेखक) (2015). चिकित्सा पर्यटन में सोशल मीडिया की भूमिका। अंतर्राष्ट्रीय प्रबंध, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शोध जर्नल, नई दिल्ली।

बिस्वास, ब्राती (सह. संपा.) (2016) साहित्य के माध्यम से भाषा प्राइमस बुक्स, नई दिल्ली।

आभा सिंह (2015) शेक्सपीयर का वैश्विक विश्व : अनुवाद, अनुकूलन, रूपांतरण प्रेस्टीज, नई दिल्ली।

सिंह शिवानी (संपा.) (2015) शासन : मुद्दे और चुनौतियां. सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली.

त्यागी अल्का (2015) पी.के. वर्मा द्वारा अनूदित गुलजार की 'हरित' कविता पर समीक्षा लेख, रिव्यू साहित्य अकादमी मासिक जर्नल भारत लिट्रेचर, सं. 285 नई दिल्ली।

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

कॉलेज के वाणिज्य विभाग, द्वारा 29–30 मार्च, 2016 को 'वित्त में उभरती प्रवृत्तियां और समकालीन मुद्दे' विषय पर आयोजित दो–दिवसीय वाणिज्य सम्मेलन, यूजीसी द्वारा प्रायोजित।

कॉलेज द्वारा 'मानव मूल्यों और वृत्तिक नयाचारों' पर एक कार्यशाला का आयोजन और प्रायोजन किया गया जिसमें आईआईटी दिल्ली के प्रो. आर. आर. गौड़ द्वारा 29 फरवरी, 2016 को एक व्याख्यान दिया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 12 अगस्त, 2015 को 'आपातकाल के 40 वर्ष' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका वित्त–पोषण कॉलेज द्वारा किया गया था।

एसओईडीएस, इग्नू द्वारा 31–22 जनवरी, 2016 को दक्षिण एशिया में नृजातीयता और विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''शहरी संरचना में प्रवास : चांगजीजी (थिम्पू) भूटान का मामला'' पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

डब्ल्यूसीएएस, ओमान द्वारा 24–25 फरवरी, 2016 को 'इंजीनियरी और प्रबंध के क्षेत्र में अभिनवताएं, ओमान विजन 2020 : अवसर और चुनौतियां' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में ''निवेश पोर्टफोलियो इष्टतमीकरण : एनपीपीएफ (भूटान) का मामला अध्ययन'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

संकाय की संख्या

कुल : 86
स्थायी : 34
अस्थायी : 02
तदर्थ : 50

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (रुपए में) : 12,29,98,760 / –
उपयोग की गई राशि (रुपए में) : 13,28,05,363 / –

नियोजन विवरण

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 48
(ख) परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों / उद्योगों की संख्या : 05
(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 02

भागीदारों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ – 1

शोध और पारस्परिक विचार–विनियम तथा संकाय विकास कार्यक्रमों के लिए वल्जाट कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़, मस्कट, ओमान के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय / विदेशी कंपनियां / उद्योग – 1

सामाजिक–आर्थिक रूपांतरण केन्द्र के तत्वावधान में डा. भवना पाण्डेय के नेतृत्व में उत्तराखण्ड के एक एनजीओ मानव भारती के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या – 05
शिविरों में नामांकित / शामिल किए गए लोगों की संख्या – 124
शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या – 75
इन शिविरों में लगाए गए घंटों की कुल संख्या – 120

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) – 2
ग्रंथ
बिजनेस हारवर्ड
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 22

कोई अन्य उल्लेखनीय जानकारी

एनएएसी रिपोर्ट को संकलित किया गया तथा इसे कॉलेज की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। कॉलेज की कला और संस्कृति एसोसिएशन ने 100 से भी अधिक अंतर्कालेज पुरस्कार जीते।

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

गार्गी कॉलेज का एनएएसी द्वारा प्रथम बार मूल्यांकन किया गया तथा कॉलेज ने 'एक' ग्रेड प्राप्त किया। एनएएसी के दल ने कॉलेज द्वारा संचालित किए जा रहे शोध कार्य, शिक्षण और शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों की पर्याप्त सराहना की। अनेक छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में शीर्ष स्थान प्राप्त किए। अनेक छात्रों ने अपने कार्य को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया। हमारी छात्रा अभिलाषा माथुर और दशलीन कौर ने ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया में एचआईवी, एड्स पर अपने शोध कार्य प्रस्तुत किया। इस वर्ष हमारे छह संकाय सदस्यों डा. वंदना लूथरा, डा. गीता मेहता, डा. इंदु दत्त, डा. इंदु ठक्कर सिधवानी, डा. सुष्मिता चौधरी और डा. वीना ठक्कर ने दिल्ली विश्वविद्यालय से ''अभिनवता के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार'' प्राप्त किया। विभिन्न विभागों के चार संकाय सदस्यों को पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की गईं। हमारे संकाय सदस्यों ने इस वर्ष 70 से अधिक शोध पत्र तथा पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए हैं।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

गार्गी कॉलेज ने एनएएसी द्वारा किए गए आकलन के प्रथम चक्र के दौरान सीजीपीए 3.30 के साथ 'एक' ग्रेड प्राप्त किया। हमारे छह संकाय सदस्यों यथा, डा. वंदना लूथरा, डा. गीता मेहता, डा. इंदु दत्त, डा. इंदु ठक्कर विघवानी, डा. सुष्मिता चौधरी और डा. वीना ठक्कर को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'अभिनवता` लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान किया गया। यूजीसी–यूकेरी सहयोग के अंतर्गत गार्गी कॉलेज और यूनीवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूके द्वारा तीन भारत–यूके सम्मेलनों का आयोजन किया गया। स्टार कॉलेज स्कीम के अंतर्गत, गार्गी कॉलेज ने जैव–प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से ''फोल्डस्कोप'' पर एक पारस्परिक चर्चा सत्र का आयोजन किया जिसका संचालन डा. भानु प्रकाश, स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

शोध परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय ने एक वर्ष के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं का वित्त–पोषण किया:

जीसी–301 : शिक्षण और अनुसंधान के लिए निम्न लागत की और नूतन एकीकृत परीक्षण, मापन और विश्लेषण स्टेशन (आईटीएमएएस) : मुक्त स्रोतों के लिए हिमायत : भारत में गणित शिक्षा के लिए प्रतिमान परिवर्तन राशि 4 लाख रुपए।

जीसी–302 : हरित और संपोषणीय रसायन प्रयोगशाला .... एक सुदूरवर्ती कल्पना .... अथवा एक वास्तविकता राशि : 5 लाख रुपए।

जीसी–303 : जैव–अपशिष्ट उपयोग के लिए पारिस्थिकीय जैव–प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण : बायोपॉलीमर और बायोफ्यूल। राशि : 6 लाख रुपए।

जीसी–304 :दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में भारत स्वच्छता अभियान का तुलनात्मक अध्ययन, राशि : 3.3 लाख रुपए।

जीसी–305 : दिल्ली क्षेत्र में अरावली श्रृंखला की घास के लिए डीएनए बारकोडिंग तथा डीएनए बारकोड सीक्वेंस सूचना के डाटाबेस का पश्चात्वर्ती सृजन : भावी संरक्षण कार्यनीतियां तैयार करने के लिए अनिवार्य अध्ययन, राशि : 5.5 लाख रुपए।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

शिल्पा मोहंती, माइक्रोबायलॉजी (आनर्स) को दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल करने के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की छात्रा सुश्री शुभ गुलाटी ने सॉफ्ट टेनिस विश्व चैंपियनशिप, दिल्ली–2015 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हिन्दी (आनर्स) की छात्रा सुश्री डॉली शर्मा ने दक्षेस खेल, 2016 के लिए भारतीय शिविर में भाग लिया। रिचा नकोटी और डॉली शर्मा ने कनिष्ठ राष्ट्रीय और वरिष्ठ राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में भारत राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

पुस्तकालय विकास

गार्गी कॉलेज में अप्रैल, (8–9), 2015 माह के दौरान ''साहित्य–चोरी' और इसका निवारण करने के तरीके'' पर छात्रों और शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई। पुस्तकालय अभिमुखीकरण कार्यक्रम 22.7.15 से 28.7.15 के दौरान प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। वेबोपैक और यूजीसी इंफ्लिबनेट की सुविधा तथा डीयू पुस्तकालय पुस्तक–सूची तक पहुंच वर्ष के दौरान जारी रही। गार्गी कॉलेज की वेबसाइट वर्ष के दौरान विकसित की गई ताकि पुस्तकालय के संसाधनों और सुविधाओं की आसान समझ और ऑनलाइन एक्सेस प्राप्त की जा सके। 17.3. 2016 तक 734 पुस्तकें जोड़ी गई जिससे पुस्तकों की कुल संख्या 72672 हो गई। वर्तमान में पुस्तकालय में 217 सीडी हैं तथा उसने 47 पत्रिकाओं और 10 समाचार पत्रों को सब्सक्राइब किया है। ई–संसाधनों के लिए इलेक्ट्रानिक संसाधन प्रबंध पैकेज : एन–लिस्ट द्वारा उपलब्ध कराया गया यूजर नियंत्रण। पुस्तकालय, यूजीसी– इंफोनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों को सब्सक्राइब करता है जिसमें लगभग 97000

+ ई–पुस्तकें और 6000 + ई–संसाधन और दिल्ली विश्वविद्यालय की संयोजनता शामिल है, जो वाई–फाई और कम्प्यूटर प्रयोगशाला के साथ वर्तमान पुस्तकालय में उपलब्ध है। प्रयोक्ताओं द्वारा लगभग 171071 पुस्तकों से परामर्श लिया गया तथा उन्हें उनके द्वारा लिया भी गया जिसमें शामिल है – संदर्भ और सामान्य खण्ड का परामर्श तथा पत्रिकाओं के पृथक अंकों का प्रयोग शामिल नहीं है।

प्रकाशन

सरीन बी., मार्टिन जे.पी., चुरुंगू बी. और मोहंती ए., (2015), जंगली ब्रासिकास में क्लोरोप्लास्ट डीएनए विविधताएं और प्रजनन तथा जनसंख्या आनुवांशिक अध्ययनों में उनकी विवक्षा साइंटिफिका, डीओआई, ओआरजी/10.1155/2015/952395.

राजेन्द्रन ए. (2015). अपरिचित नारीत्व : समकालीन लेस्बियन भारतीय पाठों का अध्ययन, दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस।

देव ए.एन. (2015) दि ट्रीज इन ए सिंगल आरेंज – ए.के. रामानुजम की कविता में घर की स्मृतियां। जोसफ धोरेराज और हेमा राघवन द्वारा संपादित भारतीय अंग्रेजी कवियों पर निर्णायक निबंध, नई दिल्ली : वर्ड्स वर्थ इंडिया, आईएसबीएन : 978–93–82955–04–7.

जैन. एम. (2016) सती – इवानजेलिकल्स, बैपरिस्ट मिशनरीज़ और बदलते हुए उपनिवेशी डिस्कोर्स, आर्यन बुक इंटरनेशनल। (आईएसबीएन : 978–81–7305–5522–2)

शाह ए.एच., रावल एम.के., धमगए एस., कोमथ एस.एस., सक्सेना ए.के. और प्रसाद आर. (2015). म्यूटेशनल एनालाइसिस ऑफ इंट्रासेल्युलर लूप्स कैरेक्टेराइजेज़ क्रॉस टॉक बिटवीन न्यूक्लोटाइड बाइडिंग डोमेंस एंड इंट्रासेल्युलर लूप्स ऑफ यीस्ट एबीसी ट्रांसपोर्टर सीडीआर 1 पी. वैज्ञानिक रिपोर्ट्स 5 : 11211.

दास एस. (2015). उष्मा अंतरण के लिए नैनोफ्लूइड्स : थर्मो–फिजिकल विशेषताओं का विश्लेषण, आईओएसआर जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 7(5), 34–40.

लूथरा, वी., सिंह ए., पुघ डी.सी. एवं पार्किन आई. (2015). $Zn_{0.99}M_{0.01}O$ (M=Al/Ni) नैनोपाउडरों की इथनोल सेंसिंग विशेषता–वर्णन. फिसिका स्टेस सोलिडी ए. 213 (1), 203–209.

पुघ डी., लूथरा वी., सिंह ए. एवं पार्किन आई. (2015) इंडियन डोप्ड जाइन आक्साइड नैनोपाउडर्स का संवर्धित गैस सेंसिंग निष्पादन, आरएससी एडवांसेस, 5(104), 85 767–74.

पराशर आर.के. एवं नेगी बी. (2015) कैमिस्ट्री ऑफ हेट्रोसाइलिक कंपाउंड्स एने बुक्स प्रा.लि. एवं सीआरएस प्रेस टेलर और फ्रांसिस ग्रुप आईएसबीएन : 978–146–6517–13–4.

चुघ एस., जग्गी एम. और राव यू.आई. (2015). इन विट्रो रैपिड प्लांटलेट्स रीजेनेरेशन ऑफ आर्चिड हाइब्रिड कैटल्या समर सांग, फाइटोमोरफोलाजी 65 (3 और 4), 95–108.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

गार्गी कॉलेज के विज्ञान विभाग ने जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से डा. भानू प्रकाश, स्टेनफोर्ड यूनीवर्सिटी द्वारा 'फोल्डस्कोप' पर एक पारस्परिक संपर्क सत्र का आयोजन किया।

गीता सैनी ने सम्मेलन केन्द्र दिल्ली विश्वविद्यालय में 4 मार्च, 2016 तक आयोजित पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी आईसीएमटी–206 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

आकृति चौधरी ने गुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में 4–5 फरवरी, 2016 को आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में'' उपभोक्ता के विक्रय निर्णय लेने की प्रक्रिया पर सोशल मीडिया की भूमिका'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नेहा सरीन, सचिन, अजय के. अरोड़ा, रिचा जैन, इवान पी. पार्किन, वंदना लूथर (2015) रासायनिक सेंसरों में हालिया प्रगति पर तीसरे भारत–यूके सम्मेलन (25–26 अगस्त, 2015) में ''स्ट्रॉटियम टिटानेट का इथानोल सेंसिग निष्पादन'' पर पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री अभिलाषा माथुर ने ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया में सितम्बर, 2015 को आयोजित विश्व एसटीआई और एचआईवी कांग्रेस में ''क्लीनिकली एसिम्प्टोमेटिक और एड्स प्रस्तुत करने वाले विषयों में क्लेड–विशिष्ट वायरस–होस्ट प्रतिक्रियाओं का विशेषता–वर्णन'' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी	:	157
अस्थायी	:	01
तदर्थ	:	64

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान (लाख रुपए में) – अनुरक्षण अनुदान : 3674.27 रुपए
उपयोग की गई राशि (लाख रुपए में) – उपयोग किया गया अनुरक्षण अनुदान : 3704.84 रुपए

नियोजन विवरण

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 64
(ख)	परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 15
(ग)	पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 08

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ

गार्गी कॉलेज ने राष्ट्रीय रोग–प्रतिरक्षण संस्थान के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है जिसके अंतर्गत संस्थान के वैज्ञानिक छात्रों और संकाय–सदस्यों के साथ संपर्क करेंगे।

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या

इस वर्ष, एनएसएस ने अनेक एनजीओ के साथ मिलकर अनेक सत्रों का आयोजन किया जैसे एमएडी, 3 एचएस, ब्लड कनेक्ट, यूथ फॉर सेवा, सेव दि क्वेस्ट, सत्यसाई सेवा संगठन। पिकेथन और टीच फॉर इंडिया। इसके अलावा, वार्षिक नियमित कार्यक्रम भी संचालित किए गए जैसे रक्तदान शिविर, एनजीओ दिवाली मेला, मैत्री दिवस और बाल दिवस। रक्तदान शिविर में 133 लोगों ने रक्त दान किया तथा इससे पिछले सारे रिकार्ड टूट गए।

शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या – 200 से अधिक छात्र

शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या – 200 से अधिक

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या

स्नातकपूर्व आने वाले/जाने वाले विनिमय छात्रों की संख्या : यूके से जुलाई, 2015 में 60 छात्रों तथा सितम्बर, 2015 में 50 छात्रों ने यूकेरी कार्यक्रम के अंतर्गत गार्गी कॉलेज का दौरा किया।

स्नातक/स्नातकोत्तर आने वाले/जाने वाले विनिमय छात्रों की संख्या : शून्य

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 06

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 41

प्रमुख क्रियाकलाप और विशिष्ट उपलब्धियां

कॉलेज अवसंरचनात्मक सहायता में सुधार लाने तथा छात्रों को प्रभावी शिक्षा ग्रहण करने और पर्याप्त सुविधाएं प्राप्त करने में समर्थ बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता है। 2015–16 के दौरान, प्राथमिकता के आधार पर अनेक परियोजनाएं संचालित की गई। प्रमुख उपलब्धियों में शामिल था – 3000 एलपीएच की क्षमता के केन्द्रीय आर.ओ. संयंत्र की स्थापना; कम्प्यूटर प्रयोगशाला में 50 तथा भिन्न रूप से समर्थ छात्रों के लिए स्थापित सहायक एकक में 6 नए कम्प्यूटरों की संस्थापना; शूटिंग रेंज में स्विच इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग प्रणाली तथा समस्त कॉलेज में डिस्प्ले बोर्डों और संकेत–चिह्नों की स्थापना। इसके अलावा, अनेक अन्य क्रियाकलाप भी उक्त अवधि के दौरान संचालित किए गए हैं, जैसे सामने वाले उद्यान का सौंदर्यीकरण तथा उसमें एक फुव्वारे का निर्माण; समस्त कॉलेज में वाई–फाई संयोजनता; अति–आधुनिक प्रौद्योगिकी के 40 नए सीसीटीवी कैमरों की संस्थापना; विभागीय कक्षों और नए शौचालयों का निर्माण; वाहनों के लिए मार्किंग; कार्यालय, पुस्तकालय और छात्रावास में लेखाओं के लिए नवीनतम सॉफ्टवेयर प्रदान करना तथा आवश्यक संख्या में अतिरिक्त कूड़ादानों की व्यवस्था; कौशल विकास केन्द्र की स्थापना, आदि।

उत्कृष्ट सम्मान और विशिष्ट उपलब्धियां

कॉलेज को इंडिया टुडे द्वारा भारत में श्रेष्ठ 5 कॉलेजों के मध्य रैंक प्रदान किया गया।

कॉलेज को जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'स्टार कॉलेज स्कीम' के तत्वावधान में विशेष अनुदान प्राप्त हुआ।

शोषितों का उत्थान करने की प्रतिज्ञा के तहत कॉलेज एनएसएस की एक विशिष्ट अवधारणा 'पढ़ाकू' निकटतम गंदी बस्तियों के जरूरतमंद बच्चों को कॉलेज परिसर के भीतर शिक्षा प्रदान करती है।

युवाओं में भारतीय मूल्यों तथा नयाचारों को आत्मसात कराने के प्रयोजनार्थ, कॉलेज के पास एक 'यज्ञशाला' भी है जहां प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को हवन किया जाता है जिसमें कॉलेज के सभी वर्गों के लोग भाग लेते हैं।

स्वामी विवेकानंद की आस्थाओं, सिद्धांतों और शिक्षा को आत्मसात कराने के लिए कॉलेज में प्रत्येक वर्ष सार्वभौमिक भाईचारा दिवस मनाया जाता है।

अनुसंधान परियोजनाएं

हिंदी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श (1990 से अद्यतन) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 2015 में वित्त–पोषित और डा. रामा को प्रदत्त, संस्वीकृत राशि 12,99,600/– रुपए।

ऑटोटेट्राप्लॉइड इंडक्शन, इस्युइंग हेट्रोप्लॉइड हाइब्रिडाइजेशन एंड एसोसिएटेड रैपिड डीएनए चेंजेज एज़ ए पॉसिबल मींस ऑफ जेनेटिक इंप्रूवमेंट ऑफ डिप्लॉइड टिनोस्पोरा कोर्डीफोलिया एंड टी सिनेंसिस, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), भारत सरकार द्वारा तीन वर्ष 2014–17 के लिए वित्त पोषित, डा. विजय रानी राजपाल को प्रदत्त, संस्वीकृत राशि : 19.360 लाख रुपए (एचआरसी), 8.613 लाख रुपए (एमिटी)।

भारत में एक्सबीआरएल आधारित कार्पोरेट डिक्लोजर प्रैक्टिसेज – अवसर और चुनौतियां, यूजीसी द्वारा तीन वर्ष 2013–16 के लिए वित्त–पोषित, डा. मनजीत सग्गी को प्रदत्त। संस्वीकृत राशि : 7.0 लाख रुपए।

चार औषधीय पादपों का जंगली, पैदावार और नियंत्रण परिस्थितियों के अंतर्गत उनके प्रदूषण भार का तथा पैदावार गुणवत्ता के संदर्भ में उनके जैव–सक्रिय संघटकों की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन और विश्लेषण, यूजीसी द्वारा तीन वर्ष 2015–18 के लिए वित्त–पोषित, डा. मोनिका कॉल को प्रदत्त, संस्वीकृत राशि : 9.81 लाख रुपए।

चिकपी से उत्प्रेरक हेवेन–समान प्रोटीन हेलिकोकर्पा की क्लोनिंग और कार्यात्मक विशेषता–वर्णन, डीएसटी–एसईआरबी द्वारा तीन वर्षों 2013–2016 के लिए वित्त–पोषित, डा. अर्चना सिंह को प्रदत्त, संस्वीकृत राशि 18.25 लाख रुपए।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

दीपक कुमार जायसवाल	(एम.ए. हिन्दी)	: स्वर्ण पदक
अभिषेक पटेल	(बी.ए. आनर्स, संस्कृत)	: स्वर्ण पदक
पूजा मित्तल	(बी.एससी. ऑनर्स, गणित)	: स्वर्ण पदक
साहिल गोयल	(एम.एससी. फिजिक्स)	: स्वर्ण पदक

अर्जुन मान (बी. कॉम. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष : ट्रैप शूटिंग में स्वर्ण पदक

फिनलैंड में आयोजित जूनियर विश्व कप, दोहा में आयोजित एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप तथा जयपुर में शूटिंग प्रतियोगिता।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकों की संख्या : 1,32,225

जर्नल/पत्रिकाएं : 22/43

पुस्तक बैंक : 8844

प्रकाशन

बतरा आर., वशिष्ट एस. (2016) आंशिक आर्डरड् मीट्रिक स्थान के लिए डब्ल्यू–दूरी के अंतर्गत सामान्यीकृत संकुचन सिद्धांत. बुल. गणितविज्ञान सोसाइटी http://dx.doi.org/10.1007/s40840-016-0347-x

बत्रा आर., वशिष्ट एस. और संकुचन के लिए ग्राफ के साथ नियत बिंदु (जी, Φ), फिलोमैट।

विश्वास एस., कॉल एम और भटनागर ए. (2015) ट्राइकोम अल्ट्रास्ट्रक्चर पर असेर्निक का प्रभाव, अनिवार्य तेल पैदावार और ओसिमम बैसिलिकम आई की गुणवत्ता, औषधीय पादप अनुसंधान, बायोलाइन पब्लीशर्स, कनाडा, 5(6), 1-7. http://dx.doi.org/10.5376/mpr.2015.05.0006

ह्यूटन ए. (2015) एस 5 के लिए जैविकी कार्यक्रम, रवांडा एजुकेशन बोर्ड, रवांडा।

कुमार आर, पाल एस. और अरविंद (2015), पेयरिंग से पहचान आधारित क्रिप्टोग्राफिक स्कीमों के डिजाइन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल साइंसेज़ एंड एप्लीकेशंस, 5(1).

मल्होत्रा एम. (2015) भारतीय विनिर्माण उद्योगों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के अतिरेक्य प्रभावों के लिए इनपुट–आउटपुट मॉडलों का अनुप्रयोग, व्यापार संभावनाएं 14(2), 10–21.

रियाज ए. (2015), कनाडाई दर्शन में ईश्वर की अवधारणा, अंतर्राष्ट्रीय दर्शन और योग जर्नल, 3(9–10), 33–37.

रियाज ए. (2015), धार्मिक आस्था के बारे में विटगेनस्टेन की तथा इस्लामी अवधारणा, आइडिया, 27, 361–372, www://dx.doi.org/10.15290/idea.2015, 77.20

सेन एन. (2015) परिवार, विद्यालय और राष्ट्र : बीसवीं शताब्दी के बंगाल में बालक और साहित्यिक निर्माण न्यूयार्क और लंदन : राउटलेज.

सिंह आई. (2016), नैनोबायोटेक्नालॉजी : मानव–स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुप्रयोग और जोखिक जर्नल ऑफ मैटीरियल्स नैनोसाइंस 3(1).

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

डा. मुकुंद माधव मिश्रा ने 7–9 दिसम्बर, 2015 के दौरान ''आपरेटर स्पेसों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला'' का आयोजन किया; वित्त–पोषण एजेंसी : एनबीएचएम और यूएससी एसएपी।

डा. अमित सहगल ने ''शिक्षण और अधिगम में आईसीटी को एकीकृत करना ''विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जिसका प्रायोजन जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 11–18 दिसम्बर, 2015 को हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में किया गया।

डा. लोकेश चन्द्र मिश्रा ने प्राणिविज्ञान विभाग, हंसराज कॉलेज में 'बायोइफार्मेटिक्स' पर एक कार्यशाला का आयोजन कियाः वित्त–पोषण एजेंसी : स्टार कॉलेज परियोजना के अंतर्गत जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार), 28 सितम्बर, 2015.

डा. आमिर रियाज ने बिस्कू विश्वविद्यालय, श्रीलंका में 4–5 दिसम्बर, 2015 को आयोजित एक सम्मेलन में ''पंचशील के बौद्ध लोकाचार : वर्तमान और भावी समस्याओं के लिए समाधान' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा. निवेदिता सेन ने हेमर्टन कॉलेज, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में सितम्बर, 2015 में एलिस इन वंडरलैंड की 150वं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन एलिस थ्रू दि एजेज़ में 'द्विभाषिक पाठकों के लिए एलिस का पुनर्गठन'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी : 126
अस्थायी : 02
तदर्थ : 53

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत राशि : 4,068 रुपए (लाख में)
उपयोग की गई राशि : 3,581 रुपए (लाख में)

नियोजन विवरण

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 165
(ख)	परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 62
(ग)	पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 15

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या – 04
शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या – 62
शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या – 15
इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या – 48 x 24

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 10
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 12

हिंदू कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और विशिष्ट उपलब्धियां

हिंदू कॉलेज ने 15 फरवरी, 2016 को अपना 117वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर डा. अरविन्द पाणिग्रह, उपाध्यक्ष, नीति आयोग मुख्य अतिथि थ। इसके कुछ उल्लेखनीय क्रियाकलाप इस प्रकार रहेः डा. सुब्रमणियम स्वामी द्वारा "भारतीय उच्चतर शिक्षा को वैश्विक मानकों के समकक्ष कैसे लाया जा सकता है" विषय पर वार्ता, वक्तव्य 16–हिंदू कॉलेज का वार्षिक कॉन्क्लेव, मुशायरा 2016 – वार्षिक साहित्यिक समारोह, मीरा – वार्षिक सांस्कृतिक समारोह, वन महोत्सव – वनारोपण अभियान, भारतीय सेना के पाइप बैंड द्वारा प्रदर्शन, वृत्त चित्र तिरंगा का फिल्मांकन, स्वच्छ भारत अभियान, विश्व योग दिवस, 'टीच फॉर इंडिया' अभियान, स्वामी विवेकानंद की 153वीं जयंती तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 16 जनवरी, 2016 को भारत में उद्यमियों के प्रारंभिक सम्मेलन में दिए गए भाषण का प्रसारण।

उत्कृष्ट सम्मान और/विशिष्ट योग्यताएं

डा. मनोज कुमार वार्शने सांख्यिकी में सहायक प्रोफेसर ने एक एनजीओ के माध्यम से भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी माननीय जीवीजी कृष्णमूर्ति से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में "शिक्षा और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उभरती हुई युवा–शक्ति" के रूप में पुरस्कार प्राप्त किया।

डा. सोमा एम. घोराई, प्राणिविज्ञान में सहायक प्रोफेसर को मर्सिया, स्पेन में 28 जून, से 10 जुलाई, 2015 को आयोजित तेरहवीं आईएसडीसीआई (अंतर्राष्ट्रीय विकासात्मक और तुलनात्मक रोग प्रतिरक्षण विज्ञान सोसाइटी) कांग्रेस में उनके "लिजार्ड इम्युनोम का अन्वेषण : स्प्लेनिक ट्रांसक्रिप्टोम की डीनोवो सीक्वेंसिंग और प्रतिरक्षण–प्रासंगिक जीनों की क्लस्टरिंग" विषय पर पत्र के लिए श्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने केरल में अगस्त, 2015 में आयोजित 25वें सीईआईपी (तुलनात्मक एंडोक्राइनोलॉजी और एकीकृत मनोविज्ञान) सम्मेलन में स्क्वामेट, हेमीडेक्टीलस फ्लेविविरिडिस में टाइप–1 आरएफएन (आईएफएन α और आईएफएन–β) का उद्भवन संरक्षण" विषय पर प्रस्तुत किए गए पोस्टर के लिए भी श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

शोध परियोजनाएं

कॉलेज को वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2015–16 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त–पोषित कुल आठ अंतर्विषयक अभिनव परियोजनाएं प्रदान की गई। इन परियोजनाओं के अंतर्गत वनस्पति विज्ञान, रसायन–विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, भौतिकी, प्राणिविज्ञान और पुस्तकालय से 24 संकाय–सदस्यों ने 80 छात्रों के साथ सक्रिय शोध कार्य आरंभ कर दिया है। इनमें से कुछ का विवरण नीचे दिया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय 2015–16, कुछ हरित माइक्रोएल्गी का न्यूट्रासियूटिकल मूल्यांकन, 5,50,000/– रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय 2015–16, एमआरआई कंट्रास्ट एजेंट के रूप में करक्यूमिन – ओलिगोन्यूक्लॉइड – रेयर अर्थ मैटल आधारित नैनोपार्टिकल जांचों के साथ थेरानोस्टिक्स (थेराप्यूटिक और नैदानिक) आधारित उत्पाद का विकास, 6,00,000/– रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय 2015–16, इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला – सह नोटबुक (ईएलएमएन) का डिजाइन और क्रियान्वयन, 4,50,000/– रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय 2015–16, साइक्लोहैक्सेन प्रोपियोनिक एसिड में सौम्य स्टील के लिए अपक्षयी प्रतिरोधकों के रूप में कुछ पीईजी आधारित पॉलीयूरेथेंस का थर्मोडायनेमिक, इलेक्ट्रोकैमिकल और क्वांटम कैमिकल अन्वेषण, 5,00,000/– रुपए।

दिल्ली विश्वविद्याय 2015–16, किफायती प्राइवेट स्कूलों में शिक्षण में संवृद्धि करने के लिए आईसीटी तथा अन्य अभिनव तरीकों का प्रभावी प्रयोग, 4,00,000/– रुपए।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

विभिन्न अंतिम विश्वविद्यालय परीक्षाएं देने वाले कुल 920 छात्रों में से, 734 छात्र परीक्षाओं में उत्तीर्ण रहे जिससे उनके उनके उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 79.78 रहा। 637 अथवा 69.23 प्रतिशत छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। 90 अथवा 9.78 प्रतिशत ने द्वितीय तथा केवल 3 अथवा 0.76 प्रतिशत ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की। स्नातकोत्तर स्तर पर, विभिन्न अंतिम वर्षीय विश्वविद्यालय परीक्षाएं देने वाले कुल 381 छात्रों में से, 291 उत्तीर्ण रहे जिससे उनका प्रतिशत 76.37 रहा। इनमें से 223 अथवा 58.53 प्रतिशत ने प्रथम श्रेणी, 67 अथवा 17.58 प्रतिशत ने द्वितीय श्रेणी तथा केवल 1 अथवा 0.28 प्रतिशत ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की।

निम्नलिखित छात्रों ने मई/जून, 2015 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया:

भुवनेश	बी.एससी (आनर्स) भौतिकी
प्रिया मोदी	एम.एससी रसायन विज्ञान
मयूरी मुखर्जी	एम.एससी (अन्तिम वर्ष) वनस्पति विज्ञान
एस.एम. रिजवान	एम.ए. (अंतिम वर्ष) दर्शन–शास्त्र

पुस्तकालय विकास

कुल बजट 9,25,000/– + 9,25,000/– (पुस्तकालय विकास शुल्क)
नई शामिल की गई पुस्तकों और जर्नलों की संख्या : 2229
उन्नयित आंतरिक सुविधा : पुस्तकालय में वाई–फाई उपलब्ध कराया गया।

प्रकाशन

निर्मल्या गांगुली, नीरजा वधवा, अब्दुल उस्मानी, नीतू कुंज, नीलांजन गांगुली, राजेश कुमार सरकार, सोमा एस. घोरई और सुबीर एस. मजूमदार (2016). स्पर्मेटोगोनिकल स्टेम सैल प्रत्यारोपण से संबंधित अध्ययनों के लिए जर्म सैल डिप्लीटेड एनिमल मॉडल तैयार करने के लिए प्रभावी पद्धति। स्टेम सैल रिसर्च एंड थैरेपी, 7 : 142.

मनीष प्रियम, ममता त्रिपाठी, उमेश राय, सोमा मंडल घोरई (2016), पशु रोग–प्रतिरक्षण विज्ञान और प्रतिरक्षण–रोग विज्ञान 172. 26–37.

जितेंद्र एम. खुराना, देवंशी मगू, किरण दावरा (2015), 1,3 – ऑक्साथियोलेंस के निकेल ब्रामाइड मीडिएटेड क्लीवेज : प्रतिसंरक्षण और कटौती के लिए एक सुविधाजनक दृष्टिकोण मोनाटशेफ्टे फिर कैमिए – कैमिकल मासिक, पृष्ठ 1.

एम.ए. देवसिया (2016), नाटक, थिएटर और गैर–द्विवाद, दर्शनशास्त्र पूर्व और पश्चिम : तुलनात्मक दर्शनशास्त्र तिमाही। विशेष अंक : तीन महान दार्शनिक संस्कृतियों में थिएटर और चरित्र संवर्धन 66(1), 5–12.

अनन्या बरुआ (2015) मेनो : नैतिकता (एरेटे) की अवधारणा को समझते हुए प्लेटों की राय और ज्ञान का अध्ययन क्रिस्टल सर्च, 2(1), 2394–3467.

मनोज कुमार वार्शने (2015), ''एंटीरेट्रोवियल थैरेपी पर एचआईवी/एड्स रोगियों में अनुवर्ती जांच न करने के जोखिमों पर सीडी 4 सैल काडर के प्रभाव का आकलन करने के लिए संयुक्त मॉडलिंग दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ स्टैटेस्टिक्स एंड एप्लीकेशंस, 5(3), 99–108.

अनन्या बरुआ (2015), सामाजिक वास्तविकता का द्वि–ध्रुवीकरण : हिंसा के विषय में बौद्ध मत. फ्लेमब्यू–बहुविषयक अनुसंधान अध्ययनों का अग्रिम चरण, 2(2), 2393–8226.

सुदर्शन कुमार लक्मैन ओ. ओलासंकन्मी, इंद्र बहादुर, हेमंत वर्मा, गुरमीत सिंह, इमे बी. ओबोट और एनो ई. एबेन्सो (2016). कतिपय संश्लेषित पॉलीयूरेथीन ट्राई–ब्लॉक को–पॉलीमर्स द्वारा सौम्य स्टील अपक्षय के प्रतिरोधन के प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक अध्ययन, प्रकृति वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6 : 30937.

ललित कुमार, इश्पाल रावल, अमरजीत कौर, एस. अन्नापूर्णी (2017). पैलीएनीलीन सी. सेंसरों तथा एक्युएटर्स बी पर आधारित लचीले कमरा तापमान अमोनिया सेंसर : कैमिकल 240, 408–416.

अनु बेनीवाल, जर्नेल एस बंग्रुवा, राजन वालिया, विवेक वर्मा (2016). मल्टीफेरोइक $Bi_xCexFex_yO_3$ पर विश्लेषणात्मक अध्ययन : संरचनात्मक, चुंबकीय और विद्युत विशेषताएं, सेरेमिक्स इंटरनेशनल 42, 10373–10379.

अनुबेनीवाल, जर्नेल एस. बंग्रुवा, वलेश वशिष्ठ एस.पी. गैरोला, विवेक वर्मा (2016) ''पीआर डोप्ड बिस्मथ फेरिटेस की संरचनात्मक, विद्युत और चुंबकीय विशेषताओं का आशोधन'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड टेक्नालाजी (आईजेईआरटी), 5 (03), 2278–0181.

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता/प्रस्तुत पत्र

नाभिकीय ऊर्जा राष्ट्र को प्रगति के पथ पर ले जा रही है (कार्यशाला) 23–24 अगस्त, 2016, रसायन विज्ञान विभाग, हिन्दू कॉलेज।

एक–दिवसीय कार्यशाला (मच्छरों की शक्ति के विरुद्ध हमारा संघर्ष) 21 अक्तूबर, 2016 प्राणिविज्ञान विभाग, हिन्दू कॉलेज।

डा. शालिनी सूर्यनारायण एसोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र ने मैसूर विश्वविद्यालय में 24–27 नवम्बर, 2015 तक आयोजित ''चिकित्सा और सामाजिक विज्ञान के प्रथम मैसूर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''घर और कार्यः कारपोरेट महिला के लिए ''कल–डी–सैक'' – कर्नाटक के आईटी क्षेत्र में महिला प्रबंधकों के मध्य लाइफ–वर्क तनावों और थकान का सामाजिक–शास्त्र अध्ययन'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

जैन विश्वविद्यालय बेंगलुरु द्वारा आई–नरचर एजुकेशन प्रा.लि. के सहयोग से 29–30 जनवरी, 2016 तक 'जनसांख्यिकी – लाभ अथवा हानि' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कार्यस्थल पर महिला–पुरुष समानता : क्या महिलाएं सुदृढ़ हो रही हैं? आईटी क्षेत्र पर एक निर्णायक दृष्टि'' विषय पर प्रस्तुत किया गया।

41वें अखिल भारतीय सामाजिक विज्ञान सम्मेलन, बेंगलुर में 27–29 दिसम्बर, 2015 तक ''मेरी घाटी कितनी हरित है? सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के मद्देनजर में कर्नाटक राज्य के विकास का मूल्यांकन'' विषय पर एक प्रस्तुत किया गया।

डा. जनमोहन, संस्कृत के सहायक प्रोफेसर ने निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किया : ''उपनिदेशों के आदर्श में जीवन प्रबंधन के सूत्र'' 22–23 अप्रैल, 2015 तक हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

कुल संस्वीकृत शिक्षण संकाय सदस्यों की संख्या	: 141 + 6
(द्वितीय ट्रांचे)	= 147
तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे शिक्षकों की संख्या	: 27

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान	: 31,76,72,765/– रुपए
उपयोग की गई राशि	: 30,46,44,525/– रुपए

नियोजन विवरण

सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 70
परिसर नियोजन के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 59

पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 15 से 20 (अप्रैल 2016 तक)

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ : सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर के साथ समझौा – ज्ञापन पर कार्रवाई की जा रही है।
भारतीय/विदेशी कंपनियों के साथ : एक

विज्ञान सेतु

कॉलेज ने 'विज्ञान सेतु कार्यक्रम' के लिए भारत के अग्रणी अनुसंधान संस्थानों में से एक अर्थात् राष्ट्रीय रोग–प्रतिरक्षणविज्ञान संस्थान, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य स्नातकपूर्व छात्रों और विज्ञान के बीच अंतर को कम करना है और इस प्रकार युवा मस्तिष्कों को उनके कैरियर विकल्प के रूप में विज्ञान को लेने के लिए प्रोत्साहित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के प्रति योगदान करना है।

विस्तार और संपर्क कार्यक्रम

कॉलेज में विस्तार क्रियाकलाप एनएसएस, एनसीसी तथा कुछ अन्य सोसाइटियों के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं जिनमें मुख्य हैं – पर्यावरण सोसाइटी (पंचतत्व), समान अवसर प्रकोष्ठ (अंकुर), महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) आदि।

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित किए गए शिविरों की संख्या

एनएसएस : स्वास्थ्य कैंप, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, गणतंत्र दिवस–पूर्व शिविर आदि

एनसीसी : राष्ट्रीय एकता शिविर, प्रशिक्षण शिविर, योग शिविर, तैराकी शिविर, नौसैनिक शिविर, वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, गणंतत्र दिवस शिविर, प्रधान मंत्री रैली।

शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए व्यक्तियों की संख्या
एनएसएस : 200 से अधिक नामांकन
एनसीसी : 48
शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या
एनएसएस : विभिन्न शिविरों में 180 से अधिक उपस्थिति
एनसीसी : तैराकी शिविर में 16
22 कैडेटों ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया।
2 कैडेटों ने गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया।
1 ने प्रधानंत्री की रैली में भाग लिया।
2 ने नौसैनिक कैंप, कारवार में भाग लिया।

इन शिविरों में लगाए गए घंटो की कुल संख्या

तैराकी शिविर	: 30 दिन
शिप अटैचमेंट शिविर	: 10 दिन
गणतंत्र दिवस शिविर	: 60 दिन
प्रधानमंत्री की रैली का शिविर	: 10 दिन
संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर	: 10 दिन
नौसैनिक शिविर	: 12 दिन

विनियम कार्यक्रमों के अंतर्गत छात्रों की संख्या

स्नातकपूर्ण विनियम छात्र : 3
निम्नलिखित छात्र विनियम कार्यक्रमों के अंतर्गत हिन्दू कॉलेज आएः–
श्री स्टीफन गोएर टलेर – हेडेलबर्ग विश्वविद्यालय, बी.एस.सी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान
श्री एलेक्जेंडर फोर्स – यूबीसी कनाडा, बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र
श्री जैंस रीडर, हेडेलबर्ग विश्वविद्यालय, बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने इसके युवा विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत 5 अगस्त, 2015 को 22 सदस्यीय कोरियाई छात्रों के शिष्टमंडल का दौरा हिन्दू कॉलेज में आयोजित किया। हिन्दू कॉलेज संसद द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के छात्रों के मध्य विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना था।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण)
(ऑनलाइन एक्सेस दिल्ली विश्वविद्यालय और इंफ्लीबनेट के माध्यम से)
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण)
(ऑनलाइन एक्सेस दिल्ली विश्वविद्यालय और इंफ्लीबनेट के माध्यम से)
पुस्तकालय 18 समाचार पत्र और 32 जर्नलों/पत्रिकाओं को भी सब्सक्राइब कर रहा है।

होली फैमिली नर्सिंग कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

छात्राओं ने शैक्षणिक सत्र की शुरुआत फ्रेशर्स पार्टी ततथा टेलेंट शो के साथ की। अस्पताल में नैदानिक तैनाती होने से पूर्व दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम संचालित किया गया जहां छात्राओं ने रोगियों की अत्यंत प्रभावी तरीके से देखरेख करने की शपथ ग्रहण की। नर्स छात्रा संघ (एसएनए) निकाय के चुनाव सितम्बर, 2015 को आयोजित किए गए। एसएनए छात्राओं के लिए शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप संचालित करने तथा छात्राओं को सहायता प्रदान करने के कार्य करता है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस आयोजित किए गए।

होली फैमिली अस्पताल में 'अस्पताल दिवस' 4 दिसम्बर, 2015 को मनाया गया तथा छात्राओं ने आईएलबीएस द्वारा आयोजित नाटक और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया और क्रमशः प्रथम और तृतीय पुरस्कार जीते।

17–18 अक्तूबर, 2015 को कॉलेज की छात्राओं ने एमटीएनएल स्वास्थ्य मेले में भाग लिया तथा एमएएमसी, दिल्ली में चिकित्सा के सभी छात्रों के लिए मेडिको–मस्ती का आयोजन किया गया था। छात्राओं ने वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

कॉलेज ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए अनेक त्योहार जैसे दिवाली, क्रिसमस आदि मनाए।

स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाए गए।

1 दिसम्बर, 2015 को, छात्राओं ने एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता का प्रचार–प्रसार करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया।

होली फैमली अस्पताल में वार्षिक मेला 29 जनवरी, 2016 को आयोजित किया गया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के समारोह में कॉलेज की छात्राओं ने सेना अस्पताल द्वारा आयोजित पोस्टर अैर नाटक प्रतियोगिता (7 अप्रैल) तथा आरएमएल अस्पताल द्वारा आयोजित फ्यूजन डांस, क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। अस्पताल तथा शहरी मलिन बस्तियों में विभिन्न क्रियाकलाप संचालित किए गए जैसे नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां और 'मधुमेह पर विजय' पर स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम।

1 दिसम्बर, 2015 को, छात्राओं ने एचआईवी/एड्स के विषय में जागरूकता का सृजन करने के लिए अस्पताल और शहरी मलिन बस्तियों में कार्यक्रम आयोजित किए। 24 मार्च को, आरएचटीसी, नजफगढ़ में तपेदिक पर जागरूकता सृजित करने के लिए एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मार्च माह में, छात्राओं ने समाज में तपेदिक के विषय में जागरूकता का सृजन किया।

फरवरी में वार्षिक खेलकूद आयोजित किए गए।

16 मई को डेंगू दिवस आयोजित किया गया। कॉलेज की छात्राओं ने नाटकों सहित जनता के लिए जागरूकता कक्षाएं संचालित की।

छात्राओं ने एसएनए द्वारा आयोजित विभिन्न इकाई स्तरीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग के प्रथम बैच ने मई 2015 को अपना पाठ्यक्रम पूर्ण किया।

अनुसंधान परियोजनाएं

नई दिल्ली के एक चुनिंदा अस्पताल में प्रसवपूर्व ओपीडी में प्रसवपूर्व उपचार के लिए आने वाली माताओं के मध्य स्टेम सैल और अम्बिलिकल कॉर्ड ब्लड बैंकिंग के बारे में जानकारी और उनकी मनोवृत्ति का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन। नई दिल्ली के एक चुनिंदा अस्पताल में प्रसवपूर्व उपचार के लिए आने वाली माताओं के मध्य ऑब्स्ट्रेटिक मोर्बिटीज से संबंधित जानकारी और उनके स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।

नई दिल्ली के एक चयनित प्राइवेट अस्पताल में प्रसवपूर्व क्लीनिक आने वाली गर्भवती महिलाओं के मध्य एनीमिया के निवारण और प्रबंध के बारे में जानकारी और उसके संबंध में कार्रवाई का आकलन करने क लिए वर्णनात्मक अध्ययन।

नई दिल्ली के एक चुनिंदा अस्पताल में बाल–चिकित्सा इकाई में बच्चों के मध्य व्यवहार संबंधी समस्याओं के बारे में माताओं को जानकारी का आकलन करने के लिए वर्णनात्मक अध्ययन।

नई दिल्ली के एक चुनिंदा अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के मध्य ज्ञान और अभिवृत्ति के संदर्भ में एंटीबायोटिक निदान के बारे में योजनाबद्ध शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकारिता का आकलन और मूल्यांकन करने के लिए पूर्व प्रयोगात्मक अध्ययन।

दिल्ली की एक चुनिंदा शहरी मलिन बस्ती में योजनाबद्ध शिक्षण कार्यक्रम से पूर्व और उसके बाद प्रजनन ट्रैक्ट संक्रमण पर वयस्क महिलाओं की जानकारी का आकलन करने के लिए अध्ययन।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र
एल्फी अल्फोंसा जार्ज
अंजलि बाबू
ब्लेसी बाबू
दिवा जोस
एलिज्बेथ टी. थॉमस
जेनी जेम्स

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय के कुल क्षेत्र को 2014–15 में बढ़ाकर 3691.6 फीट कर दिया गया। 1 अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 तक, कुल 129 नर्सिंग की पुस्तकों की खरीद की गई। जर्नलों की कुल संख्या 112 है। वर्ष 2016 के लिए, 15 नए जर्नल सब्सक्राइब किए गए हैं। अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 तक नर्सिंग पाठ्यपुस्तकों पर खर्च की गई राशि 1,34,775 रुपए है।

हालिया विषयों और सामान्य रुचि पर पत्रिकाओं की कुल संख्या 12 है।

वर्ष 2015–2016 में पुस्तकालय में नर्सिंग की पुस्तकों की कुल संख्या 4421 थी।

संकाय ने सीएनई के दौरान स्टाफ नर्सों के लिए विभिन्न विषयों पर सत्रों का आयोजन किया। सत्रों के विषय थे, ''प्रबंध कौशल, परिवर्तन के लिए नर्स शक्ति, किफायती और कुशल देखरेख, पुरानी किडनी व्याधियां, रूमैटिक हृदय रोग, मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन, आपदा प्रबंधन और मधुमेह मेलीटस .''

प्रकाशन

अरोड़ा एस. जोशी यू. गुप्ता एस. अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिव डिसॉर्डर (एडीएडी) और कंडट डिसॉर्डर (सीडी) से पीड़ित बच्चों के मध्य एडजस्मेंट समस्याएं। इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग 11(1), 33–39, जनवरी, 2016.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

कॉलेज में 26 से 28 अक्तूबर, 2015 तक ''नर्सिंग में हालिया प्रगति'' पर तीन–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 51 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसका वित्त पोषण कॉलेज द्वारा किया गया था।

विदेश मंत्रालय और नोर्का के सहयोग से 'विदेश में रोजगार' विषय पर एक–दिवसीय पूर्व–अभिमुखीकरण संगोष्ठी का आयोजन 9 फरवरी, 2016 को किया गया था जिसमें 155 छात्राओं और कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिल्ली पुलिस की महिला और बालकों के लिए विशेष इकाई द्वारा अक्तूबर, 2015 में होली फैमिली अस्पताल द्वारा दो सप्ताह का आत्म–रक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इसका वित्त–पोषण अस्पताल द्वारा किया गया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

संकाय की कुल संख्या : 25 (स्थायी)

वित्तीय आबंटन और उपयोग
संस्वीकृत अनुदान रुपए में – स्व–वित्तपोषित (सृजित की गई आय – 15088531/– रुपए
होली फैमिली अस्पताल से योगदान – 1741696/– रुपए
उपयोग की गई राशि (रुपए में) – 16830227/–

नियोजन विवरण

सफलतापूर्वक नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 100 प्रतिशत

परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : आमंत्रित नहीं किया जाता क्योंकि सभी छात्राओं को वरीयता देते हुए मूल अस्पताल (होली फैमिली अस्पताल) में ही रोजगार की पेशकश की जाती है।

बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग छात्राओं के पहले बैच ने मई, 2015 को अपना पाठ्यक्रम पूर्ण किया। सभी छात्राओं को मूल अस्पताल (होली फैमली अस्पताल) में ही नौकरियों की पेशकश की गई। 41 छात्राओं में से 38 ने वहां कार्यभार ग्रहण किया, 2 ने मैक्स हास्पिटल ज्वाइन किया और 1 छात्रा ने उच्चतर अध्ययन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ज्वाइन किया।

विस्तार और संपर्क कार्यक्रम

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित किए गए शिविरों की संख्या :
शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए व्यक्तियों की संख्या :
शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या :
इन शिविरों में लगाए गए घंटो की कुल संख्या :
स्वास्थ्य देख–रेख शिविर – जनवरी, 2016 माह में। इस शिविर में नामांकित/शामिल किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 110 थी। इस शिविर में 51 छात्राओं ने कार्य किया।
विद्यालय स्वास्थ्य शिविर सितम्बर, 2015 माह में आयोजित किया गया। एक प्राइवेट स्कूल में 100 छात्रों का पूर्ण स्वास्थ्य आकलन (आंखों, दांतों की जांच तथा पोषण–संबंधी आकलन) किया गया। आवश्यकता आधारित स्वास्थ्य शिक्षा सत्र भी संचालित किए गए जिनमें प्रदर्शन और नुक्कड़ नाटक भी शामिल थे। विटामिन और कृमि–नाशी दवाइयों की अपेक्षा रखने वाले छात्रों को उचित औषधियां दी गईं। इस शिविर के दौरान बड़े चिकित्सालयों के लिए रेफरल सेवाएं भी प्रदान की गई। इस शिविर में 46 छात्राओं ने भाग लिया।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 05
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 11

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

होली फैमली अस्पताल में बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) की पाठ्यचर्या का अनुमोदन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। कॉलेज को शैक्षणिक सत्र 2016–17 से 32 छात्राओं की वार्षिक प्रवेश–क्षमता के साथ मास्टर ऑफ नर्सिंग प्रोग्राम और पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग प्रोग्राम प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई है।

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उलपब्धियां

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष अनेक संगोष्ठियों और अंतर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं (दिल्ली विश्वविद्यालय की) का संचालन करने के लिए अत्यंत विशिष्ट रहा है। प्रमुख क्रियाकलापों के विवरण नीचे दिए गए हैं:–

संस्थान ने शैक्षणिक और अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की संभावनाओं पर 08.02.2016 को वोल्वरबैम्प्टन विश्वविद्यालय के खेल प्रमुख डा. क्रिस्टोफर सेलार्स द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया। संस्थान में 10.03.2016 को कैरियर काउंसलिंग के लिए एक कार्यक्रम का संचालन किया गया। संस्थान में दिसम्बर, 2015 माह में अंतर्विश्वविद्यालय हैंडबॉल चयन शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान द्वारा जनवरी–फरवरी, 2016 (27. 01.2016 से 02.02.2016) में पुरुषों के लिए अंतर्कालेज हैंडबॉल टूर्नामेट 2015–16 का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए अंतर्कालेज हैंडबाल टूर्नामेंट 2015–16 का सफल आयोजन फरवरी, 2016 (23.02.2016 से 26.02.2016 में किया गया। 25 मई से 17 जून, 2015 (ग्रीष्मकाल अवकाश के दौरान) तक तथा 15.12.2015 से 04.01.2016 तक (शीतकालीन अवकाश के दौरान) दो फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स (एफआईटीसीओ) आयोजित किए गए। शपथ दिवस के रूप में 26.11.2016 को संविधान दिवस मनाया गया। संस्थान ने 12.01.2016 को स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई और स्वामी विवेकानंद के जीवन पर एक वृत्तचित्र कर्मचारियों और छात्रों को दिखाया गया। 11.03.2016 को वार्षिक एथलेटिक प्रतियोगिता 2016 आयोजित की गई। वार्षिक समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह 21.03.2016 को आयोजित किया गया। छात्रों का सांस्कृतिक समारोह 'शंखनाद' 18.04.2016 को आयोजित किया गया। 08.01.2016 को 'बातचीत की कला' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डा. बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर ''भारतीय संविधान के प्रतिमान'' पर एक संगोष्ठी 30.11.2015 को आयोजित की गई। ''शारीरिक शिक्षा के प्रतिमान में पाठ्यचर्या और

पाठ्यविवरण डिजाइन'' पर एक–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 22.03.2016 को किया गया। ''शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में एसपीएसएस का शोध डिजाइन और अनुप्रयोग'' पर दस–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 05.05.2016 से 11.05.2016 तक किया गया (आगामी कार्यशाला के लिए तारीखें अनंतिम रूप से 13.06.2016 से 17.06.2016 निश्चित की गई हैं)। ''समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव'' विष्य पर अंतर्कक्षा वाद–विवाद प्रतियोगिता 16.10.2015 को आयोजित की गई। अंतर्कक्षा प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता 18.09.2015 को आयोजित की गई। इस अवधि के दौरान विभिन्न खेलों/क्रीड़ाओं का आयोजन किया गया जैसे 22.01.2016 से 29.01.2016 तक टग–ऑफ–वॉर, 12.02.2016 से 19.02.2016 तक फुटबॉल, 26.02.2016 से 04.03.2016 तक हैंडबॉल, 09.03.2016 को कबड्डी, 03.07.2016 को बास्कटबॉल। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग में शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में 13 स्कॉलरों को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई है।

अनुसंधान परियोजनाएं

अभिनव परियोजना कोड : आईजीपीई 301, शीर्षक ''खिलाड़ियों के लिए पोषण की स्थिति और शरीर की संरचना चयनित मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वस्थता मापदण्डों के साथ संबंध'' दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक वर्ष के लिए वित्त–पोषित, संस्वीकृति राशि 500,000.00/– रुपए।

अभिनव परियोजना कोड : आईजीपीई 302, शीर्षक ''डीयू कॉलेज छात्रों की शैक्षणिक और खेल उपलब्धियों के संदर्भ में अभिवृत्ति, कुशलता और मैत्री – एक संदर्भात्मक समझ'' दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक वर्ष के लिए वित्त–पोषित, संस्वीकृति राशि 3,00,000/– रुपए।

विशेष योग्यता वाले छात्र

गीतांजली गौतम	बी.एससी. एफवाईयूपी	सेमेस्टर VI
दीपाली सेठ	बी.एससी. एफवाईयूपी	सेमेस्टर VI
उमेश कुमार अहलावत	एम.पी. एड.	सेमेस्टर VI
मोनिका रूहिल	एम.पी. एड.	सेमेस्टर VI
शिखा धांडाएम.पी. एड.	सेमेस्टर VI	

पुस्तकालय विकास

डिजिटल पुस्तकालय का सफल क्रियान्वयन, आईजीआई–पीईएसएस के प्रयोक्ताओं को डिजिटल फार्मेट में पूर्ण टेक्स्ट डॉक्युमेंटों की एक्सेस है, अर्थात् पुराने प्रश्न–पत्र, एम.पी. एड, बी.पी. एड और बी.एससी. पाठ्यचर्या, 2013 के बाद से प्रदान किए गए समस्त पीएच.डी. शोध –पत्र और समस्त एम.पी.एड. शोध प्रबंध। वर्तमान में, आईजीआई–पीईएसएस लाइब्रेरी डाटाबेस ''विद्या : पुस्तकालय प्रबंध सॉफ्टवेयर'' को एक्सएएमपीपी सर्वर के माध्यम से ऑनलाइन कर दिया गया है तथा प्रयोक्ता अपने मोबाइल फोनों/लैपटॉप/डेस्कटॉप मशीन के माध्यम से दस्तावेजों की उपलब्धता तथा उनके वितरण की वास्तविक स्थिति को देख सकते हैं। समस्त प्रकार का पुस्तकालय कार्य अर्थात् पुस्तकें जारी/वापस करना, कैटालॉग अनुरक्षण, और स्टॉक टेकिंग क्रियाकलाप आदि को पुस्तकालय सॉफ्टवेयर क माध्यम से प्रबंधित किया जा रहा है। आईजीआईपीईएसएस लाइब्रेरी के डाटाबेस को उन्नयित किया गया है तथा यह दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वर पर रखे जाने के लिए तैयार है जिससे प्रयोक्ता भी नए सत्र से इसकी एक्सेस कर पाने में समर्थ होंगे। इस संबंध में नए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लि समस्त कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

कुल पुस्तकालय संग्रहण (6843 टाइटलों में 11653 दस्तावेज) डाटाबेस में कम्पयूटरीकृत और बारकोडेड किए गए हैं जिन्हें ऑनलाइन ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटेलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से सर्च किया जा सकता है। पुस्तकालय ने भौतिक और डिजिटल सूचना संसाधनों के प्रयोग में वृद्धि करने के लिए तीन पुस्तकालय अभिमुखीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं।

प्रकाशन

विवरणिका : कॉलेज की विवरणिका प्रकाशित की गई।

विनायक अनिल, त्यागी सरिता और वसुजा मोनिका (मई 2015), फिटनेस प्रशिक्षकों के लिए फिटनेस प्रशिक्षक नियमावली – एरोबिक्स एवं ग्रुप प्रशिक्षक (नया संस्करण)।

त्यागी सरिता, विनायक अनिल और वसुजा मोनिका (दिसम्बर, 2015), फिटनेस प्रशिक्षकों के लिए फिटनेस प्रशिक्षक नियमावली – एरोबिक्स एवं ग्रुप प्रशिक्षक (नया संस्करण)।

शाह धनंजय, पवन कुमार (2015), ''भारतीय सेवानिवृत्त खिलाड़ियों के विद्यमान (क्लीनिकल) मानदण्डों और विकसित मानदण्डों के बीच तुलना'' अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषयक अनुसंधान जर्नल द्विमासिक आईएसएसएन 2249–9598, खण्ड–V, अंक–IV, जुलाई–अगस्त, 2015.

भारद्वाज मानसी, तिवारी संध्या, शाह मोहम्मद, उजामिल (2016). ''विद्यालय शारीरिक क्रियाकलाप कार्यक्रम के भीतर और उसके उपरांत प्रतिभागिता करने वाले छात्रों के बीच कार्डियोरेस्परेटरी स्वस्थता : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिसीप्लीनरी रिसर्च एंड माडर्न एजुकेशन (आईजेएमआरएमई), आईएसएसएन : 2454–6119, 2(1).

त्यागी सरिता, ''फुटबॉल खिलाड़ी के चयनित मोटर फिटनेस अवयवों पर ब्लॉक ट्रेनिंग प्रोग्राम का प्रभाव'' शोध पत्र 18–20 फरवरी, 2016 तक शारीरिक शिक्षा और खेल में वैज्ञानिक संस्कृति पर वैश्विक सम्मेलन की कार्यवाहियों में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब में प्रस्तुत किया गया (यूजीसी और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित) पृष्ठ 1982–87, आईएसबीएन : 978–93–85446–45–0.

विनायक अनिल और अरोड़ा सुनीता, प्राणायाम, उसके चरण, लाभ और सावधानियां, 18–20 फरवरी, 2016 तक शारीरिक शिक्षा और खेल में वैज्ञानिक संस्कृति पर वैश्विक कार्यशाला की कार्यवाहियों में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब में प्रस्तुत किया गया। (यूजीसी और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित) पृष्ठ 1962–87, आईएसबीएन : 978–93–85446–45–0.

विनायक अनिल शारीरिक शिक्षा के युवा संभावित शिक्षकों के मोटर फिटनेस अवयव – प्रोफाइल अध्ययन, 18–20 फरवरी, 2016 तक शारीरिक शिक्षा और खेल में वैज्ञानिक संस्कृति पर वैश्विक कार्यशाला की कार्यवाहियों में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब में प्रस्तुत किया गया। (यूजीसी और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित) पृष्ठ 2145–2152, आईएसबीएन : 978–93–85446–45–0.

कुमार प्रदीप, जैन शिल्पी (2015). महिला खिलाड़ियों तथा तीरदांजी के खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धी चिंता स्तरों की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन, अंतर्राट्रीय शारीरिक शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य जर्नल, आईएसएसएन 2391–1685, खण्ड I (4) : xxxxx.

कुमार प्रदीप, जग्गी सिंह देवेन्द्र (2015) चयनित मनोवैज्ञानिक व्युत्पन्नों और हॉकी खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बीच संबंध ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषयक अनुसंधान जर्नल (द्विमासिक), आईएसएसएन 2249–9598, खण्ड V, विशेष अंक।

कुमार प्रदीप, नाथ राजेन्द्र (2015) पुरुष जंपर्स की चयनित मोटर योग्यताओं पर 8 सप्ताह के प्लायोमीट्रिक प्रशिक्षण का प्रभाव, ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषयक अनुसंधान जर्नल (द्विमासिक), आईएसएसएन 2249–9598, खण्ड V.

कुमार मोहित, वसुजा मोनिका और गुलाटी ए, अंतर्कालेज स्तरीय पुरुष हैंडबॉल खिलाड़ियों का पोषणीय प्रोफाइल, ऊर्जा संतुलन और शरीर संरचना 18–20 फरवरी, 2016 तक शारीरिक शिक्षा और खेल में वैज्ञानिक संस्कृति पर वैश्विक कार्यशाला की कार्यवाहियों में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब में प्रस्तुत किया गया। (यूजीसी और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित) पृष्ठ 2089–2095, आईएसबीएन : 978–93–85446–45–0.

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

08.01.2016 को ''बातचीत की कला'' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

डा. बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर 30.11.2015 को ''भारतीय संविधान के प्रतिमान'' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

22.03.2016 को ''शारीरिक शिक्षा के प्रतिमान पर पाठ्यचर्या और पाठ्यविवरण डिजाइन'' पर एक–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

05.05.2016 से 11.05.2016 तक ''शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में एसपीएसएस के अनुसंधान डिजाइन और अनुप्रयोग'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया (आगामी कार्यशाला के लिए अनंतिम तारीखें 13.06.2016 से 17.06.2016 निश्चित की गई है)।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः
स्थायी : 27 + 1 (प्राचार्य)
प्रतिनियुक्त : 01 (पुस्तकाध्यक्ष)

वित्तीय अनुदान

उपयोग किया गया अनुदान : 9,56,85,748/– रुपए (नौ करोड़ छपपन लाख पिचासी हजार सात सौ अड़तालीस रुपए)

सब्सक्राइब किए गए जर्नल
सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन : दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से लगभग 40 डाटाबेस पेपर बैक संस्करण : 04
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : पेपर बैक संस्करण : 17

अन्य उल्लेखनीय जानकारी
राष्ट्रीय कैडट कोर (एनसीसी) : कुछ छात्रों ने एनसीसी के क्रियाकलापों में भाग लिया तथा कैडेटों ने एनसीसी के विभिन्न शिविरों में रैंक हासिल किए।
राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) : संचालित किए गए नियमित एनएसएस कार्यक्रम।

इन्द्रप्रस्थ महिला कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप

93वां कॉलेज दिवस मनाया गया। कॉलेज ने 17 विश्वविद्यालय स्थान हासिल किए जिनमें 5 प्रथम स्थान, 6 द्वितीय स्थान तथा 6 तृतीय स्थान थे। कॉलेज को प्रथम शताब्दिक दशक स्नातकपूर्व अनुसंधान अनुदान प्रदान किया गया। सीबीसीएस के अंतर्गत स्व–वित्त पोषण पाठ्यक्रम बी.ए. (आनर्स) मल्टी मीडिया और जनसंपर्क के लिए एक अभिनव और अनूठी पाठ्यचर्या 23 पाठ्यचर्या अनुमोदित की गई है। कॉलेज ने मई, 2015 में अपनी स्व–अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा एनएएसी पीटीवी ने 18–30 फरवरी, 2016 तक कॉलेज का दौरा किया। उपशिक्षकों ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत किए। 34 शिक्षकों ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत किए। 33 शिक्षकों ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नलों में पुस्तकें और लेख प्रकाशित किए। 26 शिक्षकों ने विशेषज्ञों, अध्यक्षों और विषय–विशेषज्ञों के रूप में कार्य किया। 2 गैर–शिक्षण कर्मचारियों ने अपनी शैक्षिक योग्यता का उन्नयन किया और दो ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। छात्राओं ने पूर्व–छात्र डा. अरुणा रॉय के आहवान पर परियोजना नीव–शिक्षा स्वैच्छिक रूप से योगदान किया। एनैक्टस–आईपी के अतर्गत छात्राओं के कार्यकर्ताओं का एक दल 'आइपन' परियोजना के अंतर्गत स्थानीय कला रूपों का नृजाति–वर्णन करने के लिए शीतकाल 2015 के दौरान उत्तराखण्ड के दौरे पर गया। आई.पी. कॉलेज की पूर्व छात्राओं के एक दल ने 20 नवम्बर, 2015 को आयोजित टाइटन की आमंत्रण वाद–विवाद प्रतियोगिता जीती।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

कॉलेज को 3.33 ग्रेड प्वाइंटों के साथ एनएएसी 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया।

कॉलेज ने 14 अगस्त, 2015 को छठा राष्ट्रीय निःशक्त व्यक्ति नियोजन संवर्धन केन्द्र (एनसीपीईडीपी)– एमपीएचएएसआईएस सार्वभौमिक डिजाइन पुरस्कार जीता।

डा. बबली मोइत्रा सर्राफ प्राचार्य ने उत्कृष्ट सेवा और आजीवन उत्कृष्टता प्रदर्शित करने के लिए सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का सीएफ एड्रूज़ प्रतिष्ठित एजुमनस पुरस्कार प्राप्त किया।

डा. शुभ्रा सेठ, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग को आस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय और सिंगापुर विश्वविद्यालय के सहयोग से ग्लोबल साइंस एंड टेक्नालॉजी फोरम द्वारा बैंकाक, थाइलैंड में 14–15 सितम्बर, 2015 तक आयोजित पांचवें वार्षिक पीएसएसआईआर सम्मेलन में ''ईश्वर विस्थापित नहीं करता है – भारत में सांप्रदायिक हिंसा और विस्थापन की राजनीति'' शीर्षक पर पत्र के लिए श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया।

डा. ज्योति त्रेहन शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग और डा. हर्ष बाला शर्मा, सहायक प्रोफेसर हिन्दी विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केन्द्रमें 27 सितम्बर, 2015 को ''पर्यावरण सामाजिक विज्ञान और मानविकी में हालिया अनुसंधान विकास'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भाषा शिक्षण में अभिनवता के लिए मेटाकॉग्नीशन के रूप में प्रतिबिंबकारी शिक्षण'' शीर्षक पर पत्र के लिए श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शोध परियोजनाएं

डा. विनीता सिन्हा, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग (प्रधान अन्वेषक) ''सबवर्जन ऑन दि मार्जिन – बिहार और बंगाल के लोक गीतों और मौखक वर्णन का अध्ययन''। प्रमुख परियोजना, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 2015–16.

डा. अनीता ई. मेरियन, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग (प्रधान अन्वेषक), आगामी खंड के संपादक और योगदानकर्ता, प्रमुख परियोजना, प्रो. हेल्वीटिया, स्विस आर्ट काउंसिल गोथे इंस्टिट्यूट, राजा फाउंडेशन ईटीसी, 2014–16.

डा. शगुफ्ता, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग (प्रधान अन्वेषक), ''उत्तर–उदारवादी युग में भारतीय राज्यों की परिकल्पना – नीति अभिमुखीकरण में कल्याणवाद के परिप्रेक्ष्यो पर अध्ययन'' लघु परियोजना, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16.

डा. अंशु श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग (प्रधान अन्वेषक), ''आर्थिक सुधार, भारत में नव महानगरीय मध्यम वर्ग और लोकतंत्र : नोएडा में साफ्टवेयर वृत्तिकों की मनोवृत्ति का मामला अध्ययन'', लघु परियोजना, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2014–16.

डा. ज्योति त्रेहन शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, डा. हर्ष बाला शर्मा, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग और श्री विजय गौतम, पुस्तकाध्यक्ष (प्रधान अन्वेषक), ''एक नए क्षितिज के लिए बाधाओं का निवारण : सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए समुदाय संपर्क कार्यक्रम'', अभिनवता परियोजना, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16.

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

विश्वविद्यालय परीक्षा, 2014–15 में पांच प्रथम स्थान और छह द्वितीय स्थान।

बास्केटबॉल, तीरंदाजी, बैंडमिंटन और बाक्सिंग के खेलों में (राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय) पांच स्वर्ण पदक।

सुश्री आकांक्षा वर्दानी, बीए (आनर्स) अर्थशास्त्र की अंतिम वर्ष की छात्रा ने 'दक्षिण एशियाई अर्थशास्त्र छात्रों की बैठक में (एसएईएसएम), कोलंबो' में ''कौशल विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता भारत और श्रीलंका का आईटी उद्योग'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री नारायणी तिगनाथ, बीए (आनर्स) दर्शनशास्त्र की अंतिम वर्ष की छात्रा ने मैंसफील्ड कॉलेज, ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी, यू.के. में ''भारत में अंतिम संस्कार स्थलों की या.ा'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री मोनिका बारी द्वितीय वर्ष की छात्रा, बीए (ऑनर्स) मल्टी मीडिया एवं जन संपर्क ने 18–19 नवम्बर, 2015 को मलेशिया को गए भारतीय युवा शिष्टमंडल की सदस्या के रूप में प्रतिभागिता की।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2014–15 के दौरान नई शामिल की गई पुस्तकें : 1034
ऑनलाइन सेवाएं : ओपीएसी, यूजीसी–एनलिस्ट, डीईएलएनईटी
रेप्रोगोफिक सेवा : फोटो कॉपी और प्रिंटिंग सेवा
बुक बैंड सेवा : जरुरतमंद छात्रों को पाठ्यपुस्तकें
पीएच/वीएच सुविधाएं और सेवाएं
कार्यात्मक लिफ्ट के माध्यम से पूर्णतः पहुंचयोग्य कम्प्यूटरों के साथ विशेष क्यूबिकल्स
प्री–इन–वन एंजेल पॉकेट डेजी प्लेयर
डेजी पुस्तकें (टॉकिंग बुक्स)
ब्रेल पुस्तकें
ब्रेल पत्रिकाएं
ब्रेल संदर्भ पुस्तकें – शब्दकोश
स्कैनरों के साथ जॉज़–समर्थ कम्प्यूटर
एम्बॉसर (ब्रेल प्रिंटर)
नोटबुक्स के साथ लेक्स–एयर कैमरा (प्रिंट सहायक उपकरण)
छात्रों के लिए पुस्तकालय परिबोधन और कार्यशाला आयोजित की गईं।

पुस्तकालय विस्तारित सेवाएं:
पंजाबी, बंगाली, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी की पुस्तकें अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र में स्थानांतरित की गईं।
नोट बुक और एम्बॉसर (ब्रेल प्रिंटर) के साथ ब्रेल पुस्तकें, लेक्स–एयर कैमरा स्थानांतरित किया गया है तथा उन्हें ईओसी/इनेबलिंग यूनिट में पुनः व्यवस्थित किया गया है।
आईसीटी सेंटर

प्रकाशन

सेन गुप्ता डी. (2016), बंगाल का विभाजन : कमजोर सीमाएं और नई पहचान : कैम्ब्रिज यूनीवर्सिटल प्रेस।

स्वामी ए., मलिक एन. और महेन्द्र एस. (2015). योग दर्शनशास्त्र में तकनीकी शब्दों की अवधाणात्मक शब्दकोश, दिल्ली : विद्यानिधि प्रकाशन।

शर्मा एच.बी. (2015) हिंदी कहानी संचयन, दिल्ली : श्री नटराज प्रकाशन।

बेकुली एस., कोरिया एल.आर., ड्यूश जे.जी. और जोशी सी. (संपादक) (2015) परिवहन में श्रम : वैश्विक दक्षिण से इतिहास, सी 1750–1950 कैम्ब्रिज : कैम्ब्रिज विश्वविविद्यालय, प्रेस।

त्रिवेदी पी. और चौधरी एस. (संपादक) (2015) सेवा के क्षेत्र : खेल, साहित्य और संस्कृति, नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान।

ओबराय बी. (2015), भारतीय वस्त्र उद्योग में संरचनात्मक परिवर्तन, प्रौद्योगिकी और नियोजन : 1980–2010, अर्थनीति (नई श्रृंखला), XI (1–2), 25–46.

सिंघल आर. (2015), स्क्रीन विहीन प्रदर्शन – उभरती हुई प्रौद्योगिकी, अंतर्राष्ट्रीय कम्प्यूटर विज्ञान और साफ्टवेयर इंजीनियरी प्रगत अनुसंधान जर्नल, 5(11), 579–584.

कौर एस. (2015), उपयोग कलस्टर की वेटेड फ्रीक्वेंट आइटमसेट रिफाइनमेंट क्रियाविधि का प्रयोग करते हुए अनुशंसक/अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय आसूचना और डाटा खनन जर्नल, 10(2), 95–122.

शारदा एस. (2015) ऋण रेटिंग एजेंसियां : निगरानीकर्ता कितने सतर्क हैं? अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय और प्रबंध जर्नल, III (IV), 266–271.

गुप्ता वी. (2014), नृतकों और गैर–नृतकों के मध्य सृजनात्मकता और आत्मस्वाभिमान : एक तुलनात्मक अध्ययन। सामाजिक विज्ञान और संगठनात्मक व्यवहार जर्नल, 3(1–2), 1–11.

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

दर्शनशास्त्र विभाग (यूजीसी प्रायोजित), राष्ट्रीय चेतना सम्मेलन, 7–8 मार्च, 2016.

डा. रेखा सेठी, 'हिन्दी के विश्व का विस्तार : संभावनाएं और चुनौतियां'' पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में ''हिंदी में उच्चतर शिक्षा : दिल्ली का परिप्रेक्ष्य'', 3–5 अप्रैल, 2015, रटजर्स यूनीवर्सिटी, न्यू जर्सी, यूएसए।

डा. मनस्विनी एम. योगी, 27वें अंतर्राष्ट्रीय दर्शनशास्त्र, वैश्विक नयाचार और राजनीति सम्मेलन में ''परिणामवाद अथवा डीकॉन्टोलाजी'', वोलिएगमेनी–एथेंस, ग्रीस, 11–16 जुलाई, 2015.

सुश्री जयस्त्री बोरा, ''एक विनाशक और पुनरूद्धारक उपकरण के रूप में अध्ययन'', एलआईटीसीआरआई, 15/IV साहित्यिक समालोचना सम्मेलन 'स्मृति और साहित्य', 13–14 नवम्बर, 2015, डीएकेएएम (ईस्टर्न मेडीटेरियन एकेडेमिक रिसर्च सेंटर), इस्तांबुल, तुर्की।

डा. वंदना गुप्ता ''किशोरावस्था और वयस्कता के दौरान वैयक्तिक निधन का भय'', अंतर्राष्ट्रीय कला और विज्ञान जर्नल (आईजेएएस), अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान और मानविकी सम्मेलन, 18–21 मई, 2015, रयेरसन यूनीवर्सिटी, टोरेंटो, कनाडा।

डा. शुभ्रा सेठ, ''ईश्वर विस्थापित नहीं करता है – भारत में सांप्रदायिक हिंसा और विस्थापन की राजनीति'' वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम द्वारा यूनीवर्सिटी ऑफ आस्ट्रेलिया तथा यूनीवर्सिटल ऑफ सिंगापुर के सहयोग से 14–15 सितम्बर, 2015 तक बैंकाक, थाइलैंड में आयोजित 5वां वार्षिक पीएसएसआईआर सम्मेलन।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्याः

स्थायी	:	95
अस्थायी	:	01
तदर्थ	:	63

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 21,92,38,000/– रुपए (आरई के आधार पर अनंतिम)
उपयोग की गई राशि : 26,82,01,000/– रुपए (वास्तविक व्यय)

नियोजन विवरण

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 68
(ख)	परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 12
(ग)	पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 05

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या – 13
शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या – 213
शिविर में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या – 100 (लगभग)
इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या – 4 घंटे/सप्ताह

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (पेपर बैक संस्करण) : 17
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (पेपर बैक संस्करण) : 42

इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकानॉमिक्स

प्रमुख क्रियाकलाप उपलब्धियां

1961 में स्थापित इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकानॉमिक्स कौशलपूर्ण शिक्षाशास्त्र अनुसंधान और विस्तार क्रियाकलापों के संयोजन के माध्यम से उच्चतर शिक्षण का केन्द्र है। संस्थान गृह–विज्ञान, माइक्रोबायलॉजी, बायोकैमिस्ट्री, खाद्य प्रौद्योगिकी और प्राथमिक शिक्षा में स्नातकपूर्व कार्यक्रम; खाद्य और पोषण तथा वस्त्र और परिधान विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम; आहार और लोक स्वास्थ्य पोषण तथा स्वास्थ्य और सामाजिक गेरोन्टोलॉजी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और पी.एचडी. संचालित करता है।

उत्कृट सम्मान और/विशिष्ट उपाधियां

निधि गुलाटी, प्राथमिक शिक्षा विभाग की संकाय–सदस्या, ने फुलब्राइट–नेहरू डॉक्टोरल फेलोशिप पूर्ण की तथा वे पाठ्यचर्या और शिक्षण विभाग, यूनीवर्सिटी ऑफ विस्कांसिन, मेडिसन के साथ सहयोजित हुईं।

सविता बंसल को महिला यूजीसी पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान की गई।

नीति वेद 20 नवम्बर, 2015 को नई दिल्ली में आयोजित वीमेन इन वर्ल्ड समिट (प्रख्यात पत्रकार टीना ब्राउन द्वारा 2010 में प्रारंभ की गई) में भारत में 20 युवा महिला उपलब्धिधारकों में से एक चुनी गईं।

अनुसंधान परियोजनाएं

गीता त्रिलोक कुमार ''विद्यालय के बच्चों में प्रसुप्त तपेदित संक्रमण के निवारण के लिए विटामिन डी अनुपूरकों का परीक्षण (विडी किड्स), चिकित्सा अनुसंधान परिषद यूके द्वारा वित्त–पोषित।

सीमा पुरी, ''कम वजन वाले शिशुओं में जीवन के प्रथम वर्ष मे विकास और वृद्धि के लिए पोषण संबंधी जोखिम कारक'' (2014) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त–पोषित तथा ''दक्षिण एशियाई देशों में आईवाईसीएफ नीतियों का विश्लेषण (2013)'' दक्षिण एशियाई शिशु आहार और अनुसंधान नेटवर्क (एसएआईएफआरएन) द्वारा वित्त–पोषित।

नीति गुलाटी और ममता सिंघल, ''सरकारी विद्यालयों की कक्षाओं में निर्माणात्मकता को सुकर बनाना'' सीएसआईआर द्वारा वित्त–पोषित।

शिप्रा गुप्ता, सह–अन्वेषक ''भारत–यूके सहयोगों में वृद्धि लाने के लिए सांख्यिकीय और जानपादिक–रोग विज्ञान क्षमता निर्माण'' (2014–2016), यूके–भारत शिक्षा और अनुसंधान पहल द्वारा वित्त–पोषित।

सविता अग्रवाल और डा. गीता पुनहानी, ''लिंग और जलवायु अनुकूल कृषि : ग्रामीण महिलाओं की अनुकूलन क्षमता में वृद्धि'', यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित।

विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्र

सुश्री सुमति, एम.एससी. (खाद्य और पोषण) द्वितीय वर्ष तथा सुश्री रिंकी डबास, एम.एससी (वस्त्र और परिधान विज्ञान) द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सुश्री स्वाति यादव और सुश्री एस. शिल्पा, एम.एससी. (वस्त्र और परिधान विज्ञान) प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षा में क्रमशः प्रथम और द्वितीय रैंक हासिल किया।

सुश्री दिव्या रावत, पीजी डिप्लोमा–आहार एवं लोक स्वास्थ्य पोषण विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पर रहे।

सुश्री मैरी लीन संग, तृतीय वर्ष, गृह विज्ञान (पास) ने विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय की पुस्तकों पर व्यय किया गया कुल बजट : 3,97,913/– रुपए

31.03.2016 को पुस्तकों की कुल संख्या : 24998

2015–16 में जोड़ी गई अतिरिक्त पुस्तकों की संख्या : 211

प्रकाशन

प्रकाशित/स्वीकृत शोध पत्र

निगम, आरती (2015) "बैकिलस सबटिलिस केराटिनेज का परिष्करण और विशेषता वर्णन तथा खाद्य उद्योग में इसे संभावित अनुप्रयोग", एक्टा बायोलॉजिका जेगेदिएंसिस (स्वीकृत)

चौधरी एच., गुप्ता डी, गुप्ता सी (2016) "सेरिसन और बेसिक डाइज के साथ पॉलिस्टर की त्रुटिपूर्ण डाइंग और फिनिशिंग", दि जर्नल ऑफ दि टेक्सटाइल इंस्टिट्यूट, डीओआई 10.1080/0405000, 2016.1165401, प्रभाव कारक : 0.725, आईएसएसएन सं. 0040:0–5000.

गुप्ता वी, गुलाटी पी, भगत एन, धर एम और विर्दी जे एस (2015). खाद्य में येर्सीनिया एंट्रो कोलिटिका पाया जाना : विहंगावलोकन, यूर जेक्लिन माइक्रोबियल इंफेक्ट दिस, 2015 34:641–650.

हुसैन डी., खन्ना के., पुरी एस., हधीधिजादेह एम. (2015) "सोय इंसोफ्लेवोनेस संविर्धत यौन हार्मोनों, रक्त चाप और मासिक धर्मोत्तर संलक्षणों का अनुपूरण" जे.एम. कोल न्यूट्र 2015, जनवरी 2; 34(1) : 42–48.

जागृति खेर, सविता अग्रवाल और गीता पुनहानी "जल कर्षकों के रूप में महिलाएं : असमान बोझ की साझेदारी"। दि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज़ इन डेवलपिंग सोसाइटीज़ इंदरसाइंस जर्नल (पत्र स्वीकृत)।

मलिक आर, अरोड़ा आर एवं अग्रवाल एस. (2015) कच्चे दूध के उपभोग के बारे में उपभोक्ता जारूकता : जोखिम और स्वास्थ्य संबंधी खतरों की समीक्षा खण्ड 3, अंक 17, नवम्बर, पीपी –1–7, आईएसएसएन : 2321–7871.

मंजुला सूरी, नमीता सैनी और शिप्रा गुप्ता (2016). "योग के मनोवैज्ञानिक प्रभावों का अन्वेषण : अति आधुनिक समीक्षा". इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हैल्थ, खण्ड 3, अंक 2, मार्च–अप्रैल 2016, आईएसएसएन : 2394–1693.

प्रीति खन्न और बानी तम्बेर ऐरी. "आहार और मानसिक स्वास्थ्य के बीच गैर–अन्वेषित संबंध : एक समीक्षा" जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड क्लीनिकल रिसर्च, खण्ड 4(2) : 9556–9572.

शिप्रा गुप्ता, के. गीता, गीता मेहतो (2016). दिल्ली में हाइपरटेंसिव पुरुषों और महिलाओं के मध्य स्व–देखरेख व्यवहार प्रक्रियाएं और संबंधित कारक" एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी स्टडीज़, खण्ड 4, अंकन, जनवरी, 2016, पृष्ठ 12–19.

सिंघल एम. (2015) "सभी के लिए वैज्ञानिक साक्षरता–स्वप्न की चुनौतियां" अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और समीक्षा।

आयोजित/प्रतिभागिता किए सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र

चंचल और सुधा ढींगरा ने बीजिंग, चीन में 2016 में इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फैशन टेक्नालॉजी इंस्टिट्यूट के वार्षिक सम्मेलन में ''ऑल (मोरिंडा सिट्रीफोलिया) के साथ प्राकृतिक संघारणीय डाइंग के रंग'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

दीपाली जैन और बाली टी. ऐरी, कोलंबो में 23–24 नवम्बर, 2015 को सेफर्न और यूनिसेफ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मातृत्व और बाल पोषण सम्मेलन में ''मातृत्व और बाल स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग : पूर्वी दिल्ली के शहरी मलिन क्षेत्रों की महिलाओं की अवधारणा और प्रक्रियाएं'' विषय पर।

मंजूला सूरी 22–24 मई, 2015 तक हैंगजोऊ, चीन में आयोजित बीआईटी की छठी वार्षिक विश्व कांग्रेस में तंत्रिका–वार्ता के लिए ''पेन मॉडुलेशन में बीटा एंडोफिन की मनोवैज्ञानिक भूमिका।''

पूनम मागू ने लास वेगास, यूएसए में 26–30 जुलाई, 2015 तक आयोजित VI अनुप्रयुक्त मानव फैक्टर एवं एर्गोनॉमिक्स सम्मेलन में ''पाथ प्रोसेस फैक्टर एवं एर्गोनॉमिक्स सम्मेलन में ''पाथ प्रोसेस चार्ट – समय और गति अध्ययन संचालित करने की तकनीक'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पुरी एस. गेडहेन ए, फर्नांडीज़ एस., पुरानायक ए., आनंद डी, जिहरूद्दीन क्यूएस, पटेल ए. ने कोलंबो, श्रीलंका में 23–24 नवम्बर, 2015 तक मातृत्व और बाल पोषण अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में शिशुओ और छोटे बालकों के आहार की नीतियों की विषय–वस्तु और हितधारक विश्लेषण'' विषय पर एक प्रस्तुत किया।

सुनीता मिश्रा, सटजर्स यूनीवर्सिटी, यूएसए में मई, 2015 को द्विभाषावाद पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में ''हिन्दी फिल्मों के गीतों के माध्यम से भारतीय बहु–भाषावाद का अर्थ निकालना'' विषय पर।

राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र

हर्षिता चौधरी, दीप्ती गुप्ता, चारु गुप्ता ने लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10–11 फरवरी, 2015 को खाद्य और वस्त्र उद्योग – उभरती प्रवृत्तियां और परिप्रेक्ष्य पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''सिल्क अपशिष्ट से सेरिसिन के निष्कर्षण के लिए अभिनव इंफ्रारेड प्रौद्योगिकी'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

ज्योति अग्रवाल ने 16–17 अप्रैल, 2015 को समकालीन भारत के अन्वेषण पर सामाजिक विज्ञान के शोधकर्ताओं के प्रथम राष्ट्रीय कोलोक्विम में ''परिधान के अभिलक्षण : बदलता परिदृश्य'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

कशिश वोहरा और शिप्रा गुप्ता ने राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद में 9–10 अक्तूबर, 2015 तक भारतीय पोषण सोसाइटी के 47वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''अर्ध–व्यावसायिक और व्यावसायिक महिला नृतकियों में आहार पद्धतियों, जीवन–शैली पैटर्नों और पोषण की स्थिति'' पर पत्र प्रस्तुत किया।

रेनू गुलाटी ने 2 मार्च, 2016 को इग्नू में ''तनाव और मानसिक स्वास्थ्य : बच्चों और किशोरों में पोषण सकारात्मकता'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''किशोरों के मध्य झुंझलाहट सहिष्णुता और आक्रामकता'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

रुचिरा दास ने ग्लोबल रिसर्च फोरम ऑन डायस्पोरा एंड ट्रांसनेशनलिज्म (जीआरएफडीटी) द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंट, दिल्ली में 20–21 फरवरी, 2016 तक प्रवास, डायस्पोरा और विकास पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''स्वदेशी भूमि और शहर के बीच : कोलकाता के संथाल प्रवासियों के साथ बातचीत और उनके अनुभव : विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

वक्ताओं के रूप में आमंत्रित

निधि गुलाटी, नवम्बर–दिसम्बर, 2015 में शिव नादर विश्वविद्यालय के लिए उनके ''शिक्षा और सामाजिक रूपांतरण के लिए थिएटर'' के लिए ''बाल्यावस्था को समझना''।

सुनीता मिश्रा, जाकिर हुसैन शैक्षणिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा सितम्बर, 2015 में आयोजित समारोह में ''ज्ञान, अंतर्वेशन और समाज : अंतर्विष्टायक परिप्रेक्ष्य''।

संकाय सदस्यों की संख्या : अस्थायी / तदर्थ : 47 / 45

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत राशि (रुपए में) : 18,86,65,760 / –

नियोजन विवरण

(क)	सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 50+
(ख)	परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 30+
(ग)	पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 05+

विस्तार और संपर्क कार्य

'ईच वन टीच वन' – समुदाय शिक्षा कार्यक्रम, पोषण शिक्षा और आहार परामर्श शिविर, छात्रों को अनेक एनजीओ जैसे क्राई, मोबाइल क्रच, नेहरू युवक केन्द्र, हैल्प एज इंडिया के कार्यक्रमों के साथ जोड़ा जाता है और वे रोहिणी गधिआके फाउंडेशन के टीच फॉर इंडिया के साथ भी जुड़े हैं।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

(क) सब्सक्राइब किए गए मुद्रित अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 2

(ख) सब्सक्राइब किए गए मुद्रित राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 19 जर्नल, 10 पत्रिकाएं

मानव व्यवहार व संबद्ध विज्ञान संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

इंस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज की वर्ष 2015–16 की प्रमुख उपलब्धियां हैं – मोबाइल मानिकस स्वास्थ्य इकाइयों के अंतर्गत समुदाय की सेवा, तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू नियंत्रण संसाधन केन्द्र, तथा आपदा नियंत्रण प्रकोष्ठ के अंतर्गत राष्ट्रीय आपदा प्रबंध दिशानिर्देश तैयार करने में भूमिका निभाना और इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में भी पहचाना गया है तथा यह एनएसीओ के अंतर्गत वायरल लोड के लिए एक रेफरल सेंटर भी है।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट योग्यताएं

डा. मुकुल के जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, न्यूरोएनेस्थीसिया को आईएमए–ईडीबी द्वारा उत्कृष्टता पुरस्कार–2015 प्रदान किया गया।

डा. राजीव ठाकुर प्रोफेसर, माइक्रोबायलॉजी विभाग को 1–7 मई, 2015 तक कैरो में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठक के लिए डब्ल्यूएचओ ईएमआरओ के अस्थायी सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

माइक्रोबायलॉजी विभाग : टीबीएमके रोगियों से एम. ट्यूबरकुलोसिस में औषधि प्रतिरोधक जीन का आण्विक निदान और विशेषता–वर्णन।

न्यूरो कैमिस्ट्री विभाग : आईसीएमआर द्वारा वित्त–पोषित ''विषय विकिरण क्षति का आकलन करने के लिए नवीन बायो–डोसिमीट्रिक दृष्टिकोणों का तुलनात्मक मूल्यांकन''।

तंत्रिका–विज्ञान विभाग : सामान्य चिकित्सकों स्वास्थ्य देखरेख कार्यकर्ताओं और समुदाय में थ्रोम्बोलाइसिस (एक्यूट स्ट्रोक मैनेजमेंट) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्रेन–प्रपोजल को सुरक्षित रखना'', विश्व तंत्रिका–विज्ञान परिसंघ द्वारा वित्त–पोषित।

पुस्तकालय विकास

संबंधित विषय–क्षेत्रों में अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों जैसे राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय (एनएसएल), यूसीएमएस, निम्हैंस, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) आदि के साथ विनियम कार्यक्रम स्थापित किए गए। पुस्तकालय सेवाओं के अलावा, पुस्तकालय और सूचना केन्द्र द्वारा संस्थान सेवाओं के अलावा, पुस्तकालय और सूचना केन्द्र द्वारा संस्थान विभिन्न अन्य क्रियाकलापों का संचालन भी यिका गया, जैसे कम्प्यूटरीकरण, वेब अद्यतनीकरण, एमआईएस द्वारा तथा जीएनसीटी के ई–ऑफिस प्रोग्राम का क्रियान्वयन।

प्रकाशनः

कार एस.के., बोरासी, एम., कुमार डी. और गुप्ता एस.के. (2015) आचरण विकृति वाले किसी किशोर बालक में कार्बोम्जेयिन उत्प्रेरित ऑफिटक न्यूरोपैथी : एक दुलर्भ मामला रिपोर्ट : भारतीय जे. साइकिएट्री;

त्रिपाठी, पी., गुप्ता एस.के., गोयल पी. और कार एस.के. (2015) बाइपोलर विकृति वाले रोगियों में पूर्व चेतावनी वाले लक्षण के रूप में ओलफैक्ट्री हैलुसिनेशंस का सफल प्रयोग। आस्ट्रेलियन एंड न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ साइकिमाट्री, मार्च 18:0004867415577436.

शर्मा एस0, सेठी जीआर, गुप्ता यू (2015) मानक उपचार दिशा–निर्देश : मेडिकल थेरापेटिक्स के लिए नियमावली, दिल्ली : सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ रैशनल यूज ऑफ ड्रग्स एंड वोल्टर्स क्लूवर हैल्थ।

तलवार पी., सिल्ला वाई, ग्रोवर एस., गुप्ता एम., अग्रवाल आर., कुशवाहा एस., कुकरेती आर (2014). एल्जाइमर्स रोग में कैंरिडेट जीनों की पहचान के लिए जीनोमिक कन्वर्जेंस और नेटवर्क विश्लेषण दृष्टिकोण : बीएमसी जीनोमिक्स 15(1) : 199.

तलवार पी., सिन्हा जे., ग्रोवर एस. रावत सी., कुशवाहा एस., अग्रवाल आर., तनेजा बीआर, कुकरेती आर (2015). एलजाइमर्स रोग पैथोजिनेसिस की डाइसेक्टिंग कॉम्प्लेक्स और मल्टीफैक्टोरियल प्रकृति : नैदानिक, जीनोमिक और प्रणाली जैविकी संदर्श, एमओआई न्यूरोबिओल; डीओआई 10. 1007/एस 12035–015–9390–0.

गुप्ता आर., ठाकुर आर., जालान एन., पुमानसी आर. पॉल एम., और कुशवाहा (2016). ट्यूबरकुलोसिस मेनिनजाइटिस के निदान के लिए इन हाउस रीयल टाइम आईएस 6110, नेस्टेट पीएमटी 64 पीसीआर और रोचे एम्प्लीकोर 16 एसआर–आरएनए पीसीआर का तुलनात्मक मूल्यांकन : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीजेज़, 45 (1) : 33.

पंत एल, चतुर्वेदी एस, झा. डी.के., कुमारी आर. और प्रतेकी एस. (2015)। रेडियोलॉजिक पैथोलोजिक कोरिलेशन और नैदानिक दृष्टिकोण जे. न्यूरोसाइंस सरल प्रैक्ट; 6:191–97.

गुप्ता ए., छवि और सर्वजीत खुराना (2015). तृतीयक तंत्रिका–विज्ञान केन्द्र में न्यूरोसाइकियाट्रिक विकृतियों के स्पेक्ट्रम में कुल क्रिटिनाइन किनेज़ स्तरों का मूल्यांकन : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हैल्थ में, 5(4) : 361–5.

सिंह रविन्द्र (2015), हिमालय में मौसमीय परिवर्तनों का प्रभाव : एंथ्रोपोलॉजी में हाशिए पर : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्यू एज माइंड, खण्ड 48, 6:15–18.

सोनी एस., अग्रवाल पी. कुमार एन. मित्तल जी., निशाद डी.के., चौधरी एन.के., भटनागर ए और छिब्बर एन. (2016). विषय विकिरण क्षति के लिए संभावित विषय विषाक्तता मापदण्डों के रूप में सैलीवरी बायोमैमिकल मार्कर्स : छोटे प्रयोगात्मक पशुओं पर अध्ययन : हम एक्स टॉक्सीकोल, खंड 35(3)221–228.

शैलेश झा, अमित गर्ग, अमिल खन्ना (2015). किशोर हेमी–पार्किंसोनियम को रेखांकित करने के लिए डिसोसिएटिव डिसॉर्डर मैनिफेस्टिंग : न्यू क्रोनोलॉजीज फॉर ओल्ड ममीज़ : एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, 16, 61–62.

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता

सम्मेलन में प्रतिभागिता

डा. मुकुल जैन, न्यूरोएनेस्थीसिया विभाग, 26–29 दिसम्बर, 2015 को इस्कॉन 2015. जयपुर में ''एंटीरियर सर्विकल स्पाइन सर्जरीज़ के दौरान एंडोट्रैकियल ट्यूब कफ दबाव (ईटीटी) की मॉनटरिंग की प्रासंगिकता।''

डा. रेनू गुप्ता, माइक्रोबायलॉजी विभाग, ट्यूबरकुलोसिस मेनिनजाइटिस के निदान के लिए इन हाउस रीयल टाइम आईएस 6110, नेस्टेट पीएमटी 64 पीसीआर और रोचे एम्प्लीकोर 16 एसआर–आरएनए पीसीआर का तुलनात्मक मूल्यांकन : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीजेज़ (आईसीआईडी 2016). हैदराबाद में 2–5 मार्च, 2016 तक आयोजित।

डा. सर्बजीत खुराना, एपीडेमियोलॉजी विभाग, ''भारत में वयस्कों में सीएडी का बोझ : एक व्यवस्थित समीक्षा'', गांधीनगर, गुजरात में 7–9 जनवरी, 2016 तक आयोजित 43वें आईएपीएसएम वार्षिक सम्मेलन 2016 में।

संकाय सदस्यों की संख्या : स्थायी : 40, तदर्थ : 02

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 8700 लाख रुपए

उपयोग की गई राशि : 8014.62 लाख रुपए

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पड़ोस क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या :

1. बौद्धिक निःशक्तता वाले बालकों के लिए 27 मार्च, 2016 को निःशक्तता आकलन और प्रमाणन शिविर।
2. समुदाय के मध्य जागरूकता का पता लगाने के लिए पूर्वी दिल्ली के विभिन्न स्थानों में पक्षाघात जागरूकता शिविर।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

(क) सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 107

(ख) सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 50

जानकी देवी कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

एक शैक्षणिक उत्कृष्टता समिति का गठन भी किया गया है जिसका अधिदेश ऐसी परियोजनाएं संचालित करना है जो अभिनव और अनुसंधान–उत्प्रेरित हों तथा इसमें संगोष्ठियों और/अथवा कार्यशालाओं का आयोजन करना भी शामिल है। कॉलेज के छात्रों के लिए पन्द्रह दिन का आत्मरक्षा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिन छात्रों ने इसमें भाग लिया था उन्हें सुश्री मीनाक्षी लेखी, संसद सदस्य, लोक सभा द्वारा प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया गया। कॉलेज के समान अवसर प्रकोष्ठ और समर्थकारक एकक ने हाल ही में आईआईटी द्वारा विकसित स्मार्ट केन्स उपलब्ध कराई। इन छात्रों के लिए एक माह की अवधि की आत्मरक्षा कार्यशाला भी आयोजित की गई थी। इसके अलावा, छात्रों के लैपटॉपों में ऐसे साफ्टवेयर संस्थापित किया गया जो पठन और प्रिंटिंग को आसान बनाता है तथा उन्हें उसका प्रयोग करने का समुचित प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। जेडीएमसी सुनिश्चित करती है कि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के कारण कोई भी छात्र उपेक्षित न रहे। कॉलेज ने उपचारात्मक कक्षाओं का आयोजन भी किया है जिसके लिए 200 से भी अधिक छात्रों ने विकल्प दिया जिससे उनके द्वारा विभिन्न विषयों में सामना की जा रही कठिनाइयों का निवारण किया जा सके। बी.एससी. (ऑनर्स) कॉलेज के द्वितीय और तृतीय वर्ष के 88 छात्रों ने एस.पी. कॉलेज पुणे तथा होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र, प्रतियोगिता में भाग लिया जिसका आयोजन समूचे भारत में 13 दिसम्बर, 2015 को किया गया था।

उल्लेखनीय सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. अनुराध आनंद, अर्थशास्त्र विभाग की पूर्व–कार्यवाहक प्राचार्य को डा. एस. राधाकृष्णन स्मारक राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षा पुरस्कार 2015 प्रदान किया गया।

डा. राज्यलक्षी, समाजविज्ञान विभाग ने आईसीएसएसआर के साथ अपना पोस्ट डाक्टोरल शोध–कार्य पूर्ण किया जिसका शीर्षक था, ''नृजातीय पहचान के प्रतीक के रूप में भाषा : आंध्र प्रदेश के तेलंगाना जिले में मल्की आंदोलन का अध्ययन''।

डा. सौम्या गुप्ता, इतिहास विभाग, को मार्च, 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''उत्तर भारतीय उपनिवेशी शहर, कानपुर का सामाजिक इतिहास सी. 1850–1950'' विषय के लिए सम्मानित किया गया।

डा. रुचि श्री, राजनीति विज्ञान विभाग को राजनीति अध्ययन केन्द्र (सीपीएस) जेएनयू में ''प्राकृतिक संसाधन के रूप में जल की राजनीति : दो आंदोलनों (प्लाचीमाडा और तरुण भारत संघ) शीर्षक के शोध प्रबंध के लिए, अप्रैल, 2015.

डा. आभा जैन, खेल विभाग ने अक्तूबर, 2015 में 10वीं दिल्ली मास्टर्स एक्वैटिक प्रतियोगिता में 5 रजत पदक जीते तथा राष्ट्रीय मास्टर्स प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त की। उन्होंने ऑडेक्स क्लब पैरीसियन (एसीपी) फ्रांस के अंतर्गत ऑडेक्स इंडिया रैंडोनेमर्स (एआईआर) द्वारा आयोजित 200 किमी की साइकिलिंग प्रतियोगिता ब्रेवेट डेल मोडिएक्स (बीआरएम) को पूरा किया। उन्होंने दिसम्बर, 2015 में जीएफआर, गुड़गांव, हरियाणा में आयोजित ग्रेन फोंडो साइकिलिंग रेस में दूसरा स्थान भी प्राप्त किया।

विशेष योग्यता वाले छात्र

लीज़ा वधवा, बी. कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष को यूनाइटेड नेशंस द्वारा रियो 23 + विश्व मानवीयता शिखर–सम्मेलन प्रमाणन कार्यक्रम 2016 के प्रोग्राम मेंटर के रूप में नियुक्त किया गया है।

अपर्णा कुमारी और अद्वैता पराशर, बी.ए. (ऑनर्स) समाज–शास्त्र (तृतीय वर्ष) का चयन टेरी द्वारा दक्षिण एशियाई युवा कॉन्क्लेव के लिए किया गया।

निहारिका शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र, तृतीय वर्ष का चयन टेरी और जेन पैक्ट द्वारा एक वर्ष के लिए मार्गदर्शित एलईए ड्रेथ शिप फेलोशिप के लिए किया गया है। इस फेलोशिप में नेतृत्व और संपोषणीतया पर बल प्रदान किया जाता है।

वृंदा चतुर्वेदी, बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र, तृतीय वर्ष ने बीबीटी ब्रिटिश हाईकमीशन डिबेट द्वारा आयोजित ग्रेट डिबेट, 2015 में प्रथम रनर–अप स्थान प्राप्त किया। उन्होंने यूएन तथा नासास से जलवायु परिवर्तन के लिए प्रमाण–पत्र भी प्राप्त किया।

मोना और पूजा, बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष ने दिल्ली ओलिम्पिक खेल 2015 तथा दिल्ली राज्य हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया तथा दोनों ही प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वे दिल्ली की हैंडबॉल टीम का भाग भी थे तथा उन्होंने 12–15 जुलाई, 2015 तक नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में आयोजित फेडरेशन कप हैंडबॉल टूनार्मेंट में चौथा स्थान प्राप्त किया।

रक्षा पंवार बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, तृतीय वर्ष आकांक्षा, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, तृतीय वर्ष, राखी और इनिकादीप कौर बी.ए. (प्रोग्राम), द्वितीय वर्ष तथा मोहिनी चौधरी, बी.ए. (प्रोग्राम), प्रथम वर्षका चयन डीयू फुटबॉल टीम के लिए किया गया जिसने कानपुर में आयोजित उत्तर क्षेत्र विश्वविद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट में रनर अपर ट्राफी जीती तथा उनहोंने 26 फरवरी से 1 मार्च, 2016 तक चेन्नई में आयोजित अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भी भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

हमारा पुस्तकालय पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत है जिसमें लिबासिस सॉफ्टवेयर (एकीकृत पुस्तकालय प्रबंध प्रणाली) का प्रयोग किया गया है जहां सभी हाउसकीपिंग कार्य लिबासिस के माध्यम से निष्पादित किए जाते हैं। पुस्तकालय में संग्रहणों को ढूंढने के लिए ओपीएसी सुविधा है। पुस्तकालय में प्रयोक्ताओं की सहायता के लिए दो ओपीएसी मशीनें संस्थापित की गई हैं। ओपीएसी मे बेसिक और एडवांस सर्च सुविधा विद्यमान है। हम अपने दृष्टि–बाधित प्रयोक्ताओं की आवश्यकताओं से भी अवगत हैं। उन्हें भी समान पहुंच प्रदान करने के लिए पुस्तकालय ने एक स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर (साफा) तथा ऑडियो रिकॉर्डर/सीडी प्लेयर संस्थापित किए हैं तथा दृष्टि–बाधित प्रयोक्ताओं को प्लेक्सटॉक्स एंगल पाकेट रिकार्डर जारी किए जाते हैं तथा हम उनके लिए ब्रेल पुस्तकों और बोलती पुस्तकों की व्यवस्था भी करते हैं। हमारे दृष्टि–बाधित छात्रों/शिक्षकों के लिए एक कम्पूयटर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। यह जे.डी.वी.सी. दिल्ली पुस्तकालय एसोसिएशन और एनआईओएस के छात्रों के लिए सी.एल.एस. (पुस्तकालय विज्ञान में प्रमाण–पत्र) का प्रशिक्षण केन्द्र भी है। जे.डी.एम.सी. पुस्तकालय में महिला अध्ययन संसाधन केन्द्र भी है।

प्रकाशन

पुस्तकें

अनुरागी, रजनी बाला, 2015, डा. तेज सिंह का स्त्री चिंतन, दिल्ली आरोही (आईएसबीएन 987–93–81883–30–3).

.... 2015, वर्चस्व के बरकस, दलित स्त्री रचनाकारों की कहानियां, दिल्ली, आरोही (आईएसबीएन 987–93–81883–31–3).

चंचल, 2015 इंदिरा गांधी और कांग्रेस का समाजवाद (1967 से 1977 तक उनकी नीतियां और उपलब्धियां, दिल्ली, साहित्य संचय (आईएसबीएन 978–93–82597–11–7).

.... 2015, तुलनात्मक सरकार और राजनीति, नई दिल्ली, न्यू सेंचुरी पब्लिकेशंस (आईएसबीएन 978–81–7708–407–2).

चन्द्रा, राजश्री, (2016), दि कनिंग ऑफ राइट्स : लॉ, लाइफ, बायोकल्चर्स, दिल्ली ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस (आईएसबीएन 10: 0–19–945967–2).

गर्ग, संध्या, 2015, देश विभाजन और समकालीन कथा साहित्य, नई दिल्ली, पारवी प्रकाशन (आईएसबीएन 978–93–81501–24–5).

.................., 2015, अज्ञेय का कथा साहित्य : आधुनिकता बोध के संदर्भ में, नई दिल्ली पारवी प्रकाशन (आईएसबीएन 978–93–81501–28–3).

नागपाल, पायल (2015), संस्कृति में बदलते प्रतिमान : जीन जेनेट द्वारा तीन नाटकों का अध्ययन : दि मेड्स, दि बालकोनी और दि ब्लैक्स, नई दिल्ली, न्यू कैसेल (आईएसबीएन 13:978–1443876988).

पाल, स्वाति (2015), भारत–आस्ट्रेलियाई संबंध, सिंहावलोकन और संभावनाएं, नई दिल्ली, पिनैकल लर्निंग (आईएसबीएन 978–93–83848–16–4).

रियामेई, लंग लुई यांग (2015), कुर्दिश प्रश्न : स्व–निर्धारण के लिए पहचान, प्रतिनिधित्व और संघर्ष, नई दिल्ली, नॉलेज वर्ल्ड पब्लीशर्स लि. (आईएसबीएन 978–93–83649–36–5).

तिवारी, जे.पी. (2015), पारिस्थिकी, संप्रेषण और पर्यावरण, नई दिल्ली, के.के. पब्लिकेशन (आईएसबीएन 978–81–7844–266–2).

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

चचंल, मई, 2015, ऊर्जा विकास और ऊर्जा सुरक्षा के प्रति भारत की रणनीति – चुनौतियां और अवसर, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरी जर्नल, खंड 1, सं. 2, पीपी 31–39 (आईएसएसएन 2381–7275 ऑनलाइन, 2381–7267 प्रिंट)।

चरण, अमिता, 2015, भारतीय कार बाजार में डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन उपभोक्ता व्यवहार, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंध जर्नल, खण्ड 4, सं. 2 (आईएसएसएन 2278–8913), ए डबल ब्लाइंड पीर रिव्यूड जर्नल।

दीपशिखा, जुलाई, 2015, भारत में पश्चिमोत्तर आईआर सिद्धांत की अनुपस्थिति पर पुनर्विचार : वैकल्पिक ज्ञान–मीमांसात्मक संसाधन के रूप में 'एडवेटिक मोनिज्म', यूरोपीय अंतर्राष्ट्रीय संबंध जर्नल।

गुप्ता, तानु, मार्च, 2016, त्रिकोणीय साइक्लिक स्ट्रेस लोडिंग के अंतर्गत समय–सेंसर्ड शून्य विफलता एएलटी योजना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पर्फोमेटिबिलिटी इंजीनियरिंग, खण्ड 12, सं. 2.

रावल, तनूजा, अक्तूबर–दिसम्बर, 2014, भगवदगीता के अनुसार जीवन के उद्देश्य, अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषप्तक अनुसंधान जर्नल, खंड 15, पीपी 24–31. (आईएसएसएन एन 2249–6114),

राष्ट्रीय जर्नल

चौधरी शिल्पा, 2016, भारतीय कृषि में सकल कारक उत्पादकता में अभिवृत्तियां : गैर–पैरामीट्रिक सीक्वेंशियल मामक्विस्ट सूचकांका का प्रयोग करते हुए राज्य स्तरीय साक्ष्य इंपीरियल अंतर्विषयक अनुसंधान जर्नल, खंड 2, सं. 2.

ब्रहमचारी, देवहूति, जुलाई, 2015, उपेक्षितों तक पहुंचना : सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत मोबाइल विद्यालयों (चलता–फिरता स्कूल) पर अध्ययन, आईओएसआर मानविकी और सामाजिक–विज्ञान जर्नल, खंड 20, सं. 7 (आईएसएसएन 2279–0837),

नागपाल, पायल, जुलाई, 2015, कविता का अनुवाद : प्रसिद्ध कश्मीरी कवि लाल देग का मामला, साहित्यिक अध्ययन जर्नल खंड 1.

सिंह, गुरिंदर एच, सितम्बर, 2015 ''हिन्दुस्तानी गायन संगीत पर आधुनिक प्रवृत्तियों का वैश्विक प्रभाव'', बगेश्वरी, खंड 18 (आईएसएसएन 0975–7872),

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

आयोजित सम्मेलन

जानकी देवी स्मारक कॉलेज ने 1 और 2 अप्रैल, 2016 को बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'डाइवर्जेंस' का आयोजन किया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया जिन्होंने लोकतंत्र, राष्ट्रवाद, मीडिया, पर्यावरण, लिंग–भेद आदि से संबंधित वर्तमान मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया। यह सम्मेलन अनूठा सम्मेलन था जिसने संकाय के बहुलवादी दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया।

गांधी अध्ययन सर्किल, जो कॉलेज स्तर पर ऐसी सोसाइटी है जिसका कार्य है महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन करने के माध्यम से गांधीवादी मूल्यों को प्रोत्साहित करना, ने भी 'शांति और विवाद सम्मेलन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें वक्ताओं, डा. अनिका मामस्टेन साल्टिन, प्रमुख, भाषा, साहित्य और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, कार्लस्टेड विश्वविद्यालय, स्वीडन तथा डा. आशिद कोलस, पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट ओस्लो (पीआरआईओ), नार्वे ने अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्वैयक्तिक विवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए और छात्रों और संकाय के साथ जीवंत संपर्क स्थापित किया। विभिन्न मुद्दों जैसे राजद्रोह कानून पर चर्चा करने के लिए गांधी सर्किल द्वारा अनेक सुविख्यात शिक्षाविदों और व्यावसायियों को आमंत्रित किया गया था।

सम्मेलनों में प्रतिभागिता

सुश्री बिजोयता योनजोन, अर्थशास्त्र विभाग ने प्रबंध अध्ययन विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा 11 और 12 मार्च, 2016 को ''3–आई–'इंटेलीजेंस, इनोवेशन और इन्क्लूजन : वैश्विक उत्कृष्टता के लिए श्रेष्ठ, प्रक्रियाएं'' पर आयोजित दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''समकालीन भारत में श्रम बाजारों के विभाजन को समझना'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया तथा उन्हें श्रेष्ठ पत्र का पुरस्कार दिया गया।

डा. सौम्या गुप्ता, इतिहास विभाग ने रॉबिंसन कॉलेज, कैंब्रिज विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में 31 मार्च से 1 अप्रैल, 2016 तक ''इतिहास में शहर के स्थान का पुनर्मूल्यांकन'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शहरी इतिहास समूह सम्मेलन में ''एक सड़क की जीवनी और शहरी जनता की निर्माण–गाथा : कानपुर में मेस्टन रोड, सी–1900–1950'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा. जयंती पी. साहू, दर्शन–शास्त्र विभाग ने इंडियन डिवीजन ऑफ शोपेनहॉर सोसाइटी तथा देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शन–शास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से शोपेनहॉर रिसर्च सेंटर, यूनीवर्सिटी ऑफ मेंज, जर्मनी में विशेष संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जेएनयू के सहयोग से 23 से 25 मार्च, 2015 तक जेएनयू में ''स्वयं, विश्व और नैतिकता : उपनिषदों (ऑपनेक हाट) के विशेष संदर्भ में शोपेनहॉट और भारतीय दर्शन'' पर आयोजित तीन–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''स्वयं, विश्व और नैतिकता पर उपनिषेदिक विचार : आर्थर शोपेनहॉर के विशेष संदर्भ में आकलन'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा. शिप्रा चौधरी, अर्थशास्त्र विभाग ने श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 4 और 5 अप्रैल, 2016 को यूजीसी–प्रायोजित सम्मेलन ''डब्ल्यूटीओ के अंतर्गत व्यापार बातचीत : विकासशील विश्व के समक्ष मुद्दे'' में ''डब्ल्यूटीओ के साथ सुरक्षा : भारत के लिए मुद्दे चुनौतियां और विवक्षाएं'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्या :स्थायी/अस्थायी 142

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 28,94,39,760.00 रुपए

उपयोग की गई राशि : 26,47,26,360.00 रुपए

नियोजन विवरणः

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 192

(ख) परिसर नियोजन के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 07

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 04

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

भारतीय और विदेशी कंपनियों/उद्योग के साथ : एक

एजूरे पावर इंडिया प्रा. लि. के साथ बिल्ड–ओन–ऑपरेट स्कीम के आधार पर 88 किलोवाट के सौर–ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए जहां एजूरे पावर 25 वर्ष की अवधि के लिए संयंत्र के वित्त–पोषण, डिजाइनिंग, निर्माण, स्वामित्व, प्रचालन और अनुरक्षण की समस्त जटिलताओं का प्रबंध करेगा।

विस्तार और संपर्क कार्यः

क. आस–पड़ोस के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या : 07

ख. शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या : लगभग 250 छात्र

ग. शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या :

घ. इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या : एक सप्ताह में लगभग 3–4 घंटे।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 11 (केवल प्रिंट)

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 62 (केवल प्रिंट)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज में अनुसंधान क्रियाकलापों को प्रोत्साहित करने तथा छात्रों और संकाय सदस्यों को सामाजिक–आर्थिक और सामाजिक–राजनीतिक परिवेश को प्रभावित करने वाले प्रासंगिक मुद्दों का अनुभव देने के प्रयास में, जीसस एंड मेरी कॉलेज ने अपना स्वयं का जर्नल प्रकाशित किया है, जिसका शीर्षक है ''जेएमसी समीक्षा–सिद्धांत, आलोचना और व्यवहार का अंतर्विषयक जर्नल''। कॉलेज को खेलों में श्रेष्ठ महिला कॉलेज बनने रहने के लिए पुनः कुलपति की ट्रॉफी प्रदान की गई।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डा. रेनी थॉमस, समाज शास्त्र विभाग अमेरिकन एकेडमी ऑफ रिलीजन (एएआर) यूएसए से प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेता हैं तथा वे दक्षिण एंड दक्षिण पूर्व एशियाई संस्कृति और धर्म अध्ययन एसोसिएशन (अंतर्राष्ट्रीय धर्म इतिहास एसोसिएशन के अंतर्गत) की सदस्य भी हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

डा. रेनी थॉमस, समाज विज्ञान विभाग। ''अकादमी और उद्योग में आयुध पुजा'', प्रो. रॉबर्ट गेराची (न्यूयार्क) के साथ अमेरिकन एकेडमी ऑफ रिलीजन द्वारा सहयोगी अंतर्राष्ट्रीय अनुदान 2015–16.

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय एक चार मंजिला भवन की तीन मंजिलों में स्थित है। यह पूर्णतः वातानुकूलित है तथा ''ट्रूडोन सॉफ्टवेयर पैकेज'' द्वारा पूर्णतः स्वचालित है जो एकीकृत बहु–प्रयोक्ता पुस्तकालय प्रबबंध प्रणाली है। हम एन–लिस्ट (इंफ्लिबिनेट) के सदस्य भी हैं जिसमें प्रयोक्ता अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से 6000 ई–जर्नलों और 9700 ई–पुस्तकों तक कहीं से भी आसानी के साथ पहुंच बना सकता है।

प्रकाशन

मारवाह, ए. डि सीक्रेट वर्ल्ड ऑफ विपासना एंड मैथेमैटिक्स–जीरो टु इंफिनिटी।

तोहन, एस. एवं धर्मरा एस. (2015). विनिर्दिष्ट युक्तिसंगत दरों और अवशोषण के साथ जन्म–मृत्यु प्रक्रिया द्वारा चालित द्रव्य पंक्ति का सटीक ट्रांजिएंट समाधान : ओप्सर्च, खंड 5214, पीपी 746–755.

सहगल ए., मुखोपाध्याय आर. एवं एस.आर. रोजिली टी.एल (2015) सामाजिक रूप से वंचित समूह की लोच को समझना : औपचारिक स्कूल प्रणाली में समावेशन : दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातकपूर्व अनुसंधान और अभिनवता जर्नल, खंड 1, अंक 2.

मणि अरुल नंदी (2015) भारत में आर्थिक विकास नीति संभावनाएं और निष्पादन, बी.कॉम के लिए पाठ्यपुस्तक, नई दिल्ली, गलगोटिया पब्लीशर्स।

राज, आर. (2015). सिक्किम में बौद्ध–धर्म : सांस्कृतिक समन्वयवाद का अध्ययन : स्नातकपूर्व अनुसंधान और अभिनवता जर्नल, खण्ड 1, अंक 2, पीपी 291–302.

................,(2015) 'हस्तक और इसकी विषयःवस्तु : रंगीला रसुल और उपनिवेशी पंजाब में इसके इर्द–गिर्द विवाद का मामला अध्ययन, 1923–29. दक्षिण एशिया का इतिहास और समाजशास्त्र, खंड 9.2.

जॉन एम. (2015) (डी) स्कलिंग कास्ट : उत्तर–उपनिवेशी भारत में जाति, राज्य विनियमों और श्रम बाजार के बीच संबंध का अन्वेषण : दि वर्नाकुलेराइजेशन ऑफ लेवर पालिटिक्स, संपादक सत्यसाची भट्टाचार्य और राणा पी. बहल।

..................,'दि ''हाफ–टाइमर'' : समय विनियमन में बाल श्रमिकों का उपनिवेशी भारतीय विनियम', रेगुलेटिंग टाइम में : विधि, विनियम और अस्थायित्व, संपादित खंड, राउटलेज सोशल जस्टिस बुक सीरीज [आगामी]।

दास मौसमी एवं नवीन जे. थॉमस (2016), संरचनात्मक रूपांतरण और आर्थिक विकास में लघु और मध्यम उद्यमों की भूमिका सं. 255 अर्थशास्त्र विकास केन्द्र, दिल्ली अर्थशास्त्र विद्यालय।

मनचंदा एन. और चौधरी के. (2016)। भारत में निर्धनों के लिए स्वास्थ्य देखरेख : निर्धनों के लिए पहुंच से बाहर स्वास्थ्य देखरेख व्यय और स्वास्थ्य बीमा। लोक स्वास्थ्य अवसंरचना परिवर्तन के दौर में, ब्लूम्सबेरी पब्लिशिंग, इंडिया।

दासगुप्ता ए. और मनचंदा एन (2016). भारत में दाल प्रसंस्करण क्षेत्र की स्थिति : बाधाएं और अवसर : अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति संस्थान (आईएफपीआरआई), दक्षिण अफ्रीका।

श्रीवास्तव आर. और मनचंदा एन (2016). उड़ीसा में सामाजिक संरक्षण : मैपिंग अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, दक्षिण एशिया।

आयोजित सम्मेलन/प्रस्तुत पत्र

आयोजित सम्मेलन

जानकी देवी स्मारक कॉलेज ने 1 और 2 अप्रैल, 2016 को बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'डाइवर्जेंस' का आयोजन किया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया जिन्होंने लोकतंत्र, राष्ट्रवाद, मीडिया, पर्यावरण, लिंग–भेद आदि से संबंधित वर्तमान मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया। यह सम्मेलन अनूठा सम्मेलन था जिसने संकाय के बहुलवादी दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया।

गांधी अध्ययन सर्किल, जो कॉलेज स्तर पर ऐसी सोसाइटी है जिसका कार्य है महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन करने के माध्यम से गांधीवादी मूल्यों को प्रोत्साहित करना, ने भी 'शांति और विवाद सम्मेलन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें वक्ताओं, डा. अनिका मामस्टेन साल्टिन, प्रमुख, भाषा, साहित्य और अंतसांस्कृतिक अध्ययन विभाग, कार्लस्टेड विश्वविद्यालय, स्वीडन तथा डा. आशिद कोलस, पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट ओस्लो (पआरआईओ), नार्वे ने अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्वैयक्तिक विवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए और छात्रों और संकाय के साथ जीवंत संपर्क स्थापित किया। विभिन्न मुद्दों जैसे राजद्रोह कानून पर चर्चा करने के लिए गांधी सर्किल द्वारा अनेक सुविख्यात शिक्षाविदों और व्यावसायियों को आमंत्रित किया गया था।

श्रीवास्तव आर. और मनचंदा एन. (2015) उड़ीसा में सामाजिक संरक्षण : मैपिंग अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, दक्षिण एशिया।

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता

आयोजित सम्मेलन

समाज–शास्त्र विभाग द्वारा 7–8 अप्रैल, 2016 को ''समाजशास्त्र में पर्यावरण : उभरती प्रवृत्तिया'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय यूजीसी संगोष्ठी।

गणित विभाग द्वारा 22–23 सितम्बर, 2015 को ''नियोजनीयता के लिए गणित की प्रासंगिकता'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय यूजीसी संगोष्ठी।

वाणिज्य विभाग द्वारा 17–18 मार्च, 2016 को ''ऑनलाइन रिटेलिंग – भारत के खुदरा परिदृश्य का प्रतिमान परिवर्तन'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय यूजीसी संगोष्ठी।

सम्मेलनों की प्रतिभागिता

अल्का मरवाह, गणित विभाग, लॉयला कॉलेज (स्वायत्तशासी), चेन्नई में 3–5 फरवरी, 2016 को मानव उत्कृष्टता की आधारशिला पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''उच्चतर शिक्षा में मूल्य संरचना।''

अमिता पालीवाल 8–9 मार्च, 2016, ''उन्नीसवीं शताब्दी का साहित्य तथा पश्चात्वर्ती मुगल वास्तुकला।'' राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी।

''के.के.टी.एम. कॉलेज, कोडनगुलूर, थ्रिसूर, केरल में 26–27 नवम्बर, 2015 को यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''समकालीन साहित्य में यथा प्रतिबिंबित अंतिम मुगल भवन।''

एस.जी.टी.बी. खालसा कॉलेज में 29 अक्तूबर, 2015 को ''महरौली में भुला दिए गए अंतिम मुगल महल परिसर का इतिहास।''

सीएचएस, जेएनयू में 24 सितम्बर 2015 को ''अंतिम मुगल महल परिसर, जफर महल, महरौली का इतिहास''।

एसआर. (डा.) मॉली, यूनीवर्सिटी ऑफ एविला, स्पेन में अगस्त 2015 में कांग्रेसों इंटर यूनिवर्सिटारियो ''सानता तेरेसा दे जीजस, मस्टरा डी विदा'' में ''सुधार के लिए टेरेसाई अन्वेषण।''

सेंट बेडेज कॉलेज, शिमला, हिमाचल प्रदेश में अक्तूबर, 2015 को ''कार्यस्थल पर महिलाओं का स्वास्थ्य और तनाव प्रबंध : बेहतर समाज के लिए बाध्यकारी प्राथमिकता''।

माया जॉन, इतिहास विभाग, ''विधि का श्रम व्यर्थ : भारतीय श्रम विधि का लंबा इतिहास'', अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला ''श्रम का कालक्रम : वैश्विक संदर्श।'' आयोजक : भारतीय श्रम इतिहासकार एसोसिएशन (एआईएलएच), बी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान (नोएडा) तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रगत अध्ययन केन्द्र (आईसीएएस : एमपी, जर्मनी) दिनांक 22–23 जनवरी, 2016.

''श्रम संबंधों के उन्नीसवीं शताब्दी के विनियम के साथ विश्राम का अन्वेषण, नए संविदावाद का अभ्युदय तथा त्रिपक्षों का सांस्थानीकरण ''श्रम इतिहासः कर्मकारों, श्रम और मध्यवस्था पर ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन. आयोजक : वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान (नोएडा) एवं भारतीय इतिहासकार एसोसिएशन (एआईएलएच) तारीख : 21–23 मार्च, 2016.

''भारतीय श्रम विधि का संक्षिप्त इतिहास : इसके दृष्टांत और संभावनाएं'' श्रम विधि सुधार और असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 के क्रियान्वयन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। आयोजक : महात्मा गांधी श्रम संस्थान (अहमदाबाद), 31 मार्च, 2016.

संकाय सदस्यों की संख्या :स्थायी – 83, तदर्थ – 23, अस्थायी – 4

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 25,64,18,760.00 रुपए

उपयोग की गई राशि : 24,08,52,195.00 रुपए

नियोजन विवरणः

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 130

(ख) परिसर भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 70

(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 20

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

(i) कॉनकोर्डिय कॉलेज, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

(ii) ब्राविजया विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया के साथ समझौता–ज्ञापन हस्ताक्षर किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

विस्तार और संपर्क कार्यः

आस–पड़ोस के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या : एनसीसी ने 10 शिविरों/कार्यशालाओं का आयोजन किया।

शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या : 75

इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या : 75–80

एनएसएस भी सामाजिक विस्तार और संपर्क कार्य संचालित करता है जो अधिकांशतः कॉलेज के भीतर ही किए जाते हैं जैसे (i) स्वच्छता अभियान (ii) आपदा राहत के लिए धन–एकत्र करना (iii) रक्तदान केन्द्र आदि। लगभग 900 छात्र एनएसएस में नामांकित है। प्रत्येक छात्र को 120 घंटे इसके लिए देना आवश्यक है।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 16 (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 79 (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण)

कालिंदी कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक सत्र 2015–16 शैक्षणिक, सह–शैक्षणिक और अवसंरचना विकास के क्षेत्रों में किए गए कार्यों और प्राप्त सराहना की दृष्टि से अत्यंत सफल और संतोषजनक रहा है जिसके फलस्वरूप हमारे कॉलेज का पूर्णतः चहुंमुखी विकास हुआ। 2015–16 के दौरान कॉलेज ने 3557 नियमित छात्रों, लगभग 1300 गैर–कॉलेज छात्रों तथा लगभग 2000 मुक्त शिक्षण विद्यालय छात्रों को शिक्षा प्रदान की। आगामी शैक्षणिक सत्र में, कॉलेज रसायन–विज्ञान, वनस्पति–विज्ञान, प्राणि–विज्ञान और भूगोल में चार नए ऑनर्स पाठ्यक्रम, और दो नए व्यावसायिक डिग्री पाठ्यक्रम अर्थात् बी. वोक. (प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी) और बी. वोक. (वेब डिजाइनिंग) प्रारंभ कर रहा है। तीन विभागों ने उनके न्यूजलैटर प्रकाशित किए अर्थात् सेंटेटियस (पत्रकारिता, मासिक), ग्रामर ऑफ पालिटिक्स (राजनीति–विज्ञान, एक वर्ष में दो), हिन्दी साहित्य संगम पत्रिका (हिन्दी वार्षिक)। कॉलेज के वार्षिक दिवस पर रेफरीड वार्षिक अकादमिक जर्नल का 15वां अंक जारी किया गया। हमारे कॉलेज के 41 छात्रों ने 100 प्रतिशत अंक, 343 छात्रों ने 95 से 99.5 प्रतिशत अंक तथा 565 छात्रों ने 90 से 94.5 प्रतिशत अंक विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न पत्रों में प्राप्त किए। 26 सितम्बर, 2015 और 17 अक्तूबर, 2015 को कॉलेज में अभिभावक–शिक्षक संपर्क सत्र आयोजित किया गया जिनमें अभिभावकों और छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कालिंदी कॉलेज ने महिला अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क (डब्ल्यूआईएन) के साथ सहयोग करते हुए 9.2.2016 को 160 बालिकाओं को निःशुल्क कम्पयूटर शिक्षा प्रदान की। कालिंदी कॉलेज 58वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में लगातार तीसरे वर्ष (2014–16) अपने औषधीय उद्यान के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने पर अत्यंत गर्व का अनुभव कर रहा है। कॉलेज ने एक रॉक गार्डन में तीसरा पुरस्कार तथा श्रेणी 'ए' क्लास–III में प्रथम पुरस्कार भी जीता। वार्षिक अंतर्कालेज सांस्कृतिक समारोह 'लहरें–2016' इस वर्ष 19–20 फरवरी को आयोजित किया गया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट योग्यताएं

डा. अनुला मौर्या, प्राचार्या ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2015) के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय और सराहनीय योगदान देने के लिए माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री कलराज मिश्रा से 'श्रेष्ठ शैक्षणिक पुरस्कार 2015' प्राप्त किया।

डा. पुनीता वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग ने कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, किरोड़ी मल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7–8 मार्च, 2016 को आयोजित 'टेक्नीवाल' वार्षिक टेक. समारोह, 2016 में प्रथम पुरस्कार जीता।

डा. संगीता ढल, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग ने ''ई–शासन की संभावनाएं और चुनौतियां : उड़ीसा में सूचना संचार प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं का अनुभवजन्य अध्ययन'' विषय पर मार्च, 2016 में यूजीसी पोस्ट–डॉक्टोरल रिसर्च अवार्ड प्रस्तुत किया।

डा. के. वंदना रानी, सहायक प्रोफेसर, प्राणि–विज्ञान विभाग का दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नाटिंघम विश्वविद्यालय, यूके में शैक्षणिक सत्र 2015–16 के लिए ''एडवांस्ड जीनोमिक्स एंड प्रोटियोमिक सांइसेज़'' में एक–वर्षीय मास्टर पाठ्यक्रम के लिए चुना गया है।

डा. निशा गोयल, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग को संस्कृत दिवस के अवसर पर 19.09.2015 से दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा ''संस्कृत संवर्धक सम्मान'' से सम्मानित किया गया।

शोध परियोजनाएं

शोध परियोजनाओं का शीर्षक : विषाक्ता के लिए पैकेज्ड भोजन का आकलन, परियोजना कोर्ड : केसी 301

प्रधान अन्वेषण : डा. शनुजा बेरी, डा. के. वंदना रानी, डा. मनीष अरोड़ा पंडित, (प्राणि विज्ञान), डा. एम. अरुणजीत सिंह (वनस्पति विज्ञान), छात्र अन्वेषक : 10

शोध परियोजना का शीर्षक : माइक्रोबियल फ्यूल सैल : प्रयोगशाला सृजित अपशिष्ट जल से अशुद्धियों को हटाने के लिए इलेक्ट्रोकैमिकल सैलों के लिए एक दक्ष सौम्य संरचना, परियोजना कोड : केसी –302.

प्रधान अन्वेषक : डा. तारकेश्वर (प्राणि विज्ञान), डा. अमित कुमार (रसायन विज्ञान), छात्र अन्वेषक : 03, बी.एमसी (ऑनर्स) प्राणि विज्ञान; 05, बी.एससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान; 01, बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान और 01 बी.एससी. (पी) जीव–विज्ञान

शोध परियोजना का शीर्षक : दिल्ली के वृद्धआश्रमों में वृद्धों की स्थिति का सामाजिक–आर्थिक अध्ययन, परियोजना कोड : के.सी.–303.

प्रधान अन्वेषक : डा. रुचि त्यागी, डा. इंदु चौधरी, सुश्री कर्निका गौड

छात्र अन्वेषक : 04 छात्र बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता द्वितीय वर्ष, 02 बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष, 01 बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, द्वितीय वर्ष 02 बी.ए. (ऑनर्स), अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष और 01 बी.एससी. (ऑनर्स) गणित द्वितीय वर्ष से।

छात्र अन्वेषक : 03 बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणिविज्ञान; बीएससी (ऑनर्स), रसायन विज्ञान, 01 बी.एस.सी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान तथा 01 बीएससी (पी) जीव विज्ञान से।

शोध परियोजना का शीर्षक : प्रकाश रोटर टर्बाइनों का प्रयोग करते हुए दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर पवन ऊर्जा का विद्युत ऊर्जा में परिवर्तन, परियोजना कोड : केसी 304.

प्रधान अन्वेषक : डा. पुनीता वर्मा, डा. नीतू अग्रवाल, डा. रीमा जैन।

छात्र अन्वेषक : 08 छात्र बी.एससी. भौतिकी (ऑनर्स), तृतीय वर्ष और 02 बी. टेक कम्प्यूटर विज्ञान तृतीय वर्ष से।
शोध परियोजना का शीर्षक : शहरी संरचना में तितली संरक्षण की इंवेंट्री और सृजन, परियोजना कोड : केसी 305.
प्रधान अन्वेषक : डा. वर्षा सिंह (प्राणिविज्ञान) डा. सनावर सोहम (वनस्पति विज्ञान)।
छात्र अन्वेषक : 10 छात्र बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणि विज्ञान; बीएससी (ऑनर्स), रसायन विज्ञान, बी.एस.सी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान तथा 01 बीएससी (पी) जीव विज्ञान।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2015–16 के दौरान पुस्तकालय के संसाधनों में वृद्धि की गई है तथा पुस्तकालय के पुस्तकों का कुल संग्रहण बढ़कर 78,518 पुस्तकों तक पहुंच गया है जिसमें पुस्तक बैंक तथा छात्र सहायता प्राप्त फांउड बुक्स भी शामिल हैं। वर्तमान में पुस्तकालय अपने पाठकों की रुचि के विभिन्न क्षेत्रों में अंग्रेजी और हिंदी में 87 पत्रिकाएं/जर्नल तथा 13 समाचार पत्र सब्सक्रइाब कर रहा है। पुस्तकालय के प्रथम तल पर वेब केन्द्र उपलब्ध है जो छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए ई संसाधनों की पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय के पास परामर्श प्रयोजनों के लिए पृथक वाचनालय है तथा छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए फोटोकॉपी सुविधा प्रदान की जाती है।

प्रकाशन

मौर्या ए. (2015) जून–जुलाई ''कालिदास के साहित्य में अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश वर्ष की झलक'' समसामयिक शोध अंतर्विषयक जर्नल, 2(3–2), 19–20.

मौर्या ए. (2015 जुलाई–सितम्बर) वैश्वीकरण के युग में संस्कृत की प्रासंगिकता'', 'अनुकृति' 5(6)

सिंह ए. (2015) पद्माकर के काव्य में बिंव विधान, दिल्ली, एपल पब्लीकेशन।

सिंह ए. (2015) स्वच्छंदतावाद के दो ध्रुव–घनानंद और प्रसाद, दिल्ली, एपल पब्लीकेशन।

सिंह ए. (2015) स्वच्छंदतावाद काव्य और प्रसाद, दिल्ली, एपल पब्लीकेशन।

देशराज (2015) प्रतिभा विमर्श, दिल्ली, भारती विद्या प्रकाशन।

देशराज (2015) रंगमंच एंव नाट्यकला एक समग्र अध्ययन, दिल्ली विद्या प्रकाशन।

देशराज (2015) शोध : क्यों और कैसे दिल्ली भारतीय कारपोरेशन।

त्यागी आर (2015) आधुनिक भारत का राजनीतिक चिंतन, दिल्ली, हिन्दी मध्यम कार्यान्वयन निदेशालय।

राणा पी. (2015 मई) फ्रांसीसी उत्तर प्रभाववादी पेंटिंगों और फ्रांसीसी शहरी कविता में वैयक्तिता और समग्र प्रभाव तलाशना। रिसर्च स्कॉलर, (3–2), 11–13

ढल एस (2016, जनवरी–मार्च) अतिसक्रिय सरकारी नीति के माध्यम से सामाजिक अधिकारों को समर्थ बनाना : भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों का लेखांकन, भारतीय लोक प्रकाशन जर्नल, 52(1)

तारकेश्वर और सिंह के. (2015) जैव–विविधता और इसका संरक्षण, आधारभूत पर्यावरणीय अध्ययन, पीपी–77–114.

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता

आयोजित कार्यशाला

सुश्री श्वेता राज और सुश्री गुंजन वर्मा ने राष्ट्रीय उद्यमवृत्ति अधिकारिता संस्थान तथा राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीयूडी) नोएडा के सहयोग से 19 मार्च, 2016 को ''उद्यमवृत्ति की अधिकारिता'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मेलन में प्रतिभागिता

डा. पुनीता वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग ने टोलेडो, स्पेन में 22–28 जुलाई, 2015 को आयोजित ''XXIX अंतराष्ट्रीय फोटोनिक, इलेक्ट्रॉनिक और एटॉमिम कोलीजंस सम्मेलन, आईसीपीईएसी–13'' में भाग लिया तथा ''इनर सैल कपलिंग्स के लिए आणविक आर्बिटल संदर्भ : लेवल डायग्राम्स'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्या :स्थायी – 86, तदर्थ – 73

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 22,01,00,000/– रुपए
उपयोग की गई राशि : 24,86,00,000/– रुपए

नियोजन विवरण

(क) सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 48 चयनित
(ख) परिसर नियोजन के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 12
(ग) पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या : 05

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योगों के साथ
भारतीय उद्योग के साथ
बी.वोक. (मुद्रण प्रौद्योगिकी) और बी.वोक. (वेब डिजाइनिंग) यूजीसी अनुमोदित
यूजीसी द्वारा संस्वीकृत सीटें : 50 बी.वोक. (मुद्रण प्रौद्योगिकी) भागीदार : दैनिक जागरण, नोएडा
यूजीसी द्वारा संस्वीकृत सीटें : 50 बी.वोक (वेब डिजाइनिंग), उद्योग भागीदार : सिसॉफ्ट टेक्नालाजीज।

विस्तार और संपर्क कार्य

आस–पड़ोस के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या : एनएसएस–1, एनसीसी–5
इन शिविरों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या : 2 ग्राम (कैर और मित्राओं)
शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या : एनएसएस–50, एनसीसी–130
इन शिविरों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या : एनसीसी विशेष शिविर – 168 घंटे, एनसीसी – 10 दिन।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 1 डीयूएलएस औरएन–लिस्ट के माध्मय से अंतर्राष्ट्रीय और ऑनलाइन जर्नल।
सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 21 डीयूएलएस और एन–लिस्ट के माध्मय से राष्ट्रीय और ऑनलाइन जर्नल।

कमला नेहरू कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उलपब्धियां

राजनीति–विज्ञान विभाग ने 1 फरवरी, 2016 को ''दक्षिण एशियाई क्षेत्र में महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और कुशल अधिकारिता'' विषय पर एक संपर्क पैनल चर्चा का आयोजन करने के लिए कनाडाई उच्च आयोग के साथ सहयोग किया। पैनल में शामिल थे – प्रीमियर ऑफ स्टेट ऑफ ऑनटेरियो सुश्री कथलीन वायने और अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और भारत की महिला सांसद।

फ्रेंच भाषा प्रयोगशाला का उद्घाटन 2015 में किया गया था तथा इसके साथ ही के.एन.सी. ने ऐसी व्यवस्था करने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रथम कॉलेज के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया।

सभी के लिए यूएन संधारणीय ऊर्जा दशक' (2014–24) के उपलक्ष्य में, आईएआरसी यूएन केन्द्र ने राजनीति विज्ञान के साथ सहयोग करते हुए ''आरआईओ प्लस यूएन सभी के लिए संधारणीय ऊर्जा अखिल भारतीय कार्यक्रम'' के अंतर्गत संधारणीय ऊर्जा पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम का संचालन किया जिसके पश्चात् 2016 में यूएन प्रमाणन परीक्षा का आयोजन हुआ।

सुश्री टोनी मैक लाफलॉन (डेलावेयर विश्वविद्यालय) क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय (आरईएलओ, अमरीका दूतावास) के अंग्रेजी भाषा फेलो (ईएलएफ) कार्यक्रम के साथ सहयोग के भाग के रूप में 2015–16 के लिए कमला नेहरू कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के साथ विजिटिंग संकाय–सदस्य के रूप में नामित है तथा वे 3–5 मई, 2016 तक संकाय विकास कार्यक्रम में शामिल थे।

उत्कृष्ट सम्मान/विशेष उपलब्धियां

डा. सरिता सिंह (संस्कृत) और डा. गीतेश निर्बन (दर्शनशास्त्र) को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वर्ष 2013–14 के लिए यूनाइटेड स्टेट्स में भारतीय स्कॉलरों के लिए पोस्ट–डॉक्टोरल शोध हेतु रामन फेलोशिप प्रदान की गई। वे नार्दर्न एरीजोना यूनीवर्सिटी, फ्लैग स्टाफ तथा कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, बेरकेली, सीए में विजिटिंग स्कॉलर हैं।

डा. कार्मल क्रिस्टी (पत्रकारिता) को 2015 में यूएस में फल्बराइट–नेहरू पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान की गई।

डा. सोना मंडल, अर्थशास्त्र विभाग को आईआईएएस, शिमला में कार्यरत यूजीसी अंतर्विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान केन्द्र में पोस्ट डॉक्टोरल एसोसिएट के रूप में चुना गया है।

पत्रकारिता के रमेश अरोली के काव्य के दूसरे संग्रह जुलुमे ने दिसम्बर, 2015 में बेंगलूर में प्रतिष्ठित कन्नड़ साहित्यिक पुरस्कार ''पु.ती.ना. काव्य प्रशस्ति–2014'' प्राप्त किया।

डा. रीता मल्होत्रा का साहित्यिक कार्य 2016 में मुंबई विश्वविद्यालय में पुरस्कृत शोध प्रबंध में शामिल किया गया है।

सुश्री नमिता पॉल, सुश्री सुसान थॉमस और सुश्री अमृता सिंह (अंग्रेजी) को 'टीईएसओएल के आधारभूत सिद्धांत और टीचिंग इंगलिश कम्युनिकेटिवेली' पर ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय (आरईएलओ, अमरीकी दूतावास) द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, सुश्री सुसान थॉमस और सुश्री अमृता सिंह को ईएसएल/ईएफएल व्यवहार में लाने (द्वितीय भाषा के रूप में अग्रेजी/विदेशी भाषा के रूप में अंग्रेजी) के लिए वृत्तिक विकास यात्रा अनुदान भी प्रदान किया गया जिसके कारण वे बाल्टीमोर यूएस में 5–8 अप्रैल, 2016 तक टीईएसओएल कन्वेंशन की 50वीं वर्षगांठ में भाग लेने में समर्थ रहे।

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली में ''ऊर्जा की बचत करने वाले प्रकाश और गृह उपकरणों की ओर रुख'' अभियान का सफल क्रियान्वयन, अनुदन 4,00,000/– रुपए

प्रधान अन्वेषक : डा. सोमा सेन गुप्ता, डा. सोना मंडल, डा. पंकज कुमार, परामर्शक : डा. अंजन सेन, सहायक प्रोफेसर (भूगोल), दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, डीयू।

भौतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रयोग करते हुए शिक्षण निःशक्तता से प्रभवित बालकों को सामाजिक संपर्क कौशलों में संवृद्धि करना, अनुदान : 3,50,000 रुपए।

प्रधान अन्वेषक : डा. मनदीप कौर, डा. सरयू रौतेला डा. अर्चना प्रसाद, परामर्शक : डा. एन.के.चड्ढा (मनोविज्ञान), दिल्ली विश्वविद्यालय।

अभिनव शिक्षण अनुप्रयोगों का प्रयोग करते हुए छात्रों की प्रतिभागिता और सहयोगी शिक्षण को प्रोत्साहित करना : दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों में प्रायोगिक संकाय – प्रशिक्षण कार्यक्रम संचाति करना, अनुदान : रुपए 3,50,000/–

प्रधान अन्वेषक : डा. रुपा बासु, डा. सरिता घई, डा. रीना देवी, परामर्शक : डा. जे.बी. सिंह, प्राचार्य, श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कामर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय।

भारत में वित्तीय सेवाओं का उपभोक्ता मूल्यांकन अनुदान 4,00,000/– रुपए

प्रधान अन्वेषक : डा. शीतल कपूर, डा. अंजला कामिल, विभूति वशिष्ठ, परामर्शक : प्रो. श्री राम खन्ना, वाणिज्य और व्यापार संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय।

विशेष योग्यता वाले छात्र

एनसीसी कैडेट सुश्री अनन्या ने 2015 में श्रीलंका में देश का प्रतिनिधित्व कर कॉलेज का नाम रोशन किया। पूजा, कनिका, शिवानी और हीना ने अखिल भारतीय अंतर्कालेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया तथा एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। केएनसी ने राजीव गांधी स्टेडियम, बवाना में अक्तूबर, 2015 को आयोजित दिल्ली ओलम्पिक में बॉक्सिंग प्रतिस्पर्धा में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। जसजोत कौर ने दिल्ली ओलम्पिक सप्ताह में जिमनास्टिक्स में कांस्य पदक प्राप्त किया। दिल्ली राज्य जूडो चैंपियनशिप में एक रजत और एक स्वर्ण पदक प्राप्त किया गया। भारत में अनेक पदक जीतने के उपरांत ज्योति ने भारतीय 63 किग्रा भार श्रेणी भारतीय कुराश दल का चाइनीज़ ताइपे, चीन 2015 में प्रतिनिधित्व किया और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पुस्कालय विकास

कॉलेज का पुस्तकालय पूर्णतः स्वचालित है तथा प्रतिष्ठित डेलनेट की सदस्यता हासिल की गई है। इसमें वर्ष 2014–15 के दौरान 2660 से अधिक पुस्तकों को शामिल किया गया तथा पुस्तकों की कुल संख्या अब बढ़कर 92736 हो गई है तथा 354 सीडी और 445 डीवीडी भी इसके अतिरिक्त हैं। इसके अलावा, 80 जर्नलों/पत्रिकाओं तथा 11 दैनिक समाचारपत्रों (अंग्रेजी/हिंदी) को भी सब्सक्राइब किया जाता है।

प्रकाशन

गुप्ता सोमा सेन (2015). ''प्लास्टिक की थैलियों को ना कहें'' अभियान की सोशल मार्केटिंग : पुष्कर का मामला अध्ययन। एकाडेमोस – केएनसी।

खन्ना सनम (2015)। हंगर गेम्स ट्रायलॉजी में खेल, निगरानी और गति, पूनम त्रिवेदी और सुप्रिया चौधरी (संपादक) खेल के क्षेत्र : खेल, साहित्य और संस्कृति, दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान, आईएसबीन 978–81–2507550.

वर्मा संगीता (2015) हिन्दी भाषा शिक्षण : संभावना के विकल्पों की खोज एकाडेमोस – केएनसी।

निर्बन गीतेश, (स्प्रिंग 2015), पर्यावरणीय चिंताओं की नृजातीय विवक्षाएं, एनएयू ग्लोबल : अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र प्रकाशन, उत्तर एरिजोना विश्वविद्यालय।

निर्बन गीतेश, (दिसम्बर, 2015), महाभारत में कबूतरों का धर्म : नृजातीय प्रतिबिंबन वगीसा रेफर्ड संस्कृत ई–जर्नल 1(1), आईएसएसएन 2455–4413.

निर्बन गीतेश, (दिसम्बर, 2015), महिला–पुरुष विवाद का मामला : महाभारत में अतिवादी अम्बा, संस्कृत मंजरी, दिल्ली संस्कृत अकादमी का अंतर्राष्ट्रीय रेफरीड़ तिमाही शोध जर्नल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार), 13 (1–2), आईएसएसएन 2278–8360.

सेठी मीनाक्षी (जनवरी, 2015) उड़ीसा में मध्यकालीन वैष्णवाद। श्री चैतन्य–करितामर्त्य और चैतन्य भागवत पर अध्ययन। उड़ीसा समीक्षा, आईएसएसएन सं. 0970–8669.

सेठी मीनाक्षी (जनवरी–मार्च, 2015) उड़ीसा में मध्यकालीन वैष्णवाद। श्री चैतन्य–करितमर्त्य और चैतन्य भागवत पर अध्ययन। नीलाद्री विहार, 4(6).

सेठी मीनाक्षी (जुलाई–सितम्बर, 2015) वैष्णवाद में भक्ति। नीलाद्री विहार, 5(1).

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता

आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

अंग्रेजी विभाग ने वर्ष 2015 में भारत अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, दिल्ली में ''शहरी स्थान : भारतीय उपमहाद्वीप में प्रतिनिधित्व, प्रक्रियाएं, अनुभव'' पर दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

समाजशास्त्र विभाग ने वर्ष 2015 में ''संस्कृति के आयामों का परिमाणन : अतिव्याप्तियां और मतभेद'' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया।

हिन्दी विभाग ने वर्ष 2015 में ''भारतीय साहित्य में दलित स्त्री का चित्रण और चिताएं – विशेष संदर्भ सामाजिक परिवेश'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

पत्रकारिता विभाग ने जुलाई 2015 में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैरीलीना की सुश्री लिबी पॉल के नेतृत्व में ''सृजनात्मक लेखन'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

मनोवैज्ञानिक–विभाग ने विषय–विशेषज्ञों के रूप में डा. अमित सेन और डा. कविता अरोड़ा के साथ ''वैकल्पिक निदान'' पर एक छह–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया तथा अगस्त, 2015 में क्रिएटिव मूवमेंट थेरेपी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से ''डांस एंड मूवमेंट थैरेपी'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

इतिहास विभाग ने 'विरासत जानकारी' पर 29 फरवरी – 28 मार्च, 2016 तक आईएनटीएसीएच के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया।

गणित विभाग ने मार्च, 2016 में 'गणित और उसका अनुप्रयोग' पर एक राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

भूगोल विभाग ने 12 अप्रैल, 2016 को ''हिमालयी संदर्श : भूमि, लोग और संसाधन'' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सम्मेलनों में प्रतिभागिता : संकाय द्वारा सम्मेलनों/संगोष्ठियों में प्रस्तुतीकरण

डा. रीता मल्होत्रा (गणित)

* अंतर्राष्ट्रीय गणित सम्मेलन (आरएओटीए), दिल्ली विश्वविद्यालय में जनवरी, 2016 में टू स्टेज इंस्टिट्यूशनिस्ट फजी टाइम मिनिमाइजिंग ट्रांस पोर्टेशन प्रॉब्लम।

डा. सोमा सेन गुप्ता (वाणिज्य)

* 'इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन' (आईजीयू) सम्मेलन, मास्को में 17–22 अगस्त, 2015 तक समसामयिक वैश्वीकृत विश्व में पारंपरिक हरित उत्पाद का पुनः आविष्कार : पारंपरिक पर्फ्यूम 'इतर' की सोशल मार्केटिंग।

डा. ज्योति धवन (वाणिज्य)

* वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18–19 दिसम्बर, 2015 तक कारपोरेट शासन और सीएसआर : सिहांवलोकन और संभावनाएं विषय पर आयोजित चौथे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में ''जीसी डिस्क्लोजर प्रैक्टिसेस : चयनित कंपनियों का अध्ययन।

सुश्री पॉल नमीता (अंग्रेजी)

* भारतीय एडवांस्ड स्टडीज इंस्टिट्यूट (आईआईएसी) शिमला द्वारा 26–28 मई, 2015 तक ''21वीं शताब्दी में भारत की अवधारणा : सिनेमेटिक संदर्श'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्पाई थ्रिलर्स एंड दि नेशन्स'।

डा. कल्पना भाकुनी (भूगोल)

* भारत में अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में 6 अप्रैल, 2015 को 'स्मार्ट सिटीज : दृष्टिकोण और चुनौतियां'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''स्मार्ट सिटीज़ : भावी पीढ़ी के महानगर आ गए हैं।''।
* रीजनल स्टडीज़ एसोसिएशन द्वारा मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया में 30 अगस्त से 2 सितम्बर, 2015 तक आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में ''हिमालयी क्षेत्र में पारिस्थितिकीय संपोषणीयता का प्रबंधन : चुनौतियां और समाधान।''
* जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में 15–17 दिसम्बर, 2015 तक स्मार्ट सिटीज का विकास, आयोजन तथा आपदा प्रबंधन, सीएसआरडी विषय पर आयोजित 35वी आईएनसीए अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में ''जीआईएस अनुप्रयोग के माध्यम से नैनीताल जिले में संभावित ईको–पर्यटक क्षेत्रों की पहचान।''

डा. संगीता वर्मा (हिन्दी)

* भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 9–10 फरवरी, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चले न देश में देसी भाषा – हिन्दी व अन्य भारतीय भाषाओं की सत्ता, स्वाधीनता; अस्मिता की पहचान।''
* लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 18–19 फरवरी, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मुक्त करो नारी को मानवः सुमित्रानंदन पंत की दृष्टि में नारी।''
* विवेकानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 26–27 मार्च, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''हिन्दी कविता शिक्षण के विविध आयाम।''
* रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 31 मार्च से 1 अप्रैल, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''हिन्दी फिल्मों में किसान।''

डा. शोभना वारियर (इतिहास)

* प्रथम ईएलएचएन तुरिन सम्मेलन, 2015 में ''उपनेवेशी मद्रास प्रेजीडेंसी में श्रमिकों के लिंग, वर्ग और समुदाय।''

डा. गीतेश निर्बन (दर्शन शास्त्र)

* सेपिएंजा विश्वविद्यालय, रोम–इटली में 11–15 मई, 2016 को सतर्कता पर आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भगवत गीता में एक मानवीय आदर्श के रूप में सतर्कता।''
* टेरी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 18–20 मार्च, 2016 को ''भारत दोराहे पर'' दक्षिण एशियाई अध्ययन एसोसिएशन की दसवीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सामाजिक रूपांतरण के साध्न के रूप में पर्यावरणीय नयाचार : महाभारत के धार्मिक अध्ययन के माध्यम से अंतदर्शन।''
* ''हिन्दूवाद में जूनून : भारत के परिप्रेक्ष्य से विश्लेषण'', सैन फ्रांसिस्को स्टेट यूनीवर्सिटी–यूएस में 3–5 जून, 2015 को ''सतर्कता और जूनून : विचारशील व्यवहार की कला और विज्ञान'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।''
* दक्षिण एशियाई अध्ययन विभाग, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, बेर्कले –यूएस में 20 अप्रैल, 2015 को ''महाभारत के परिवेश और नयाचार।''
* सांता क्लारा विश्वविद्यालय, कैलीफोर्निया–यूएस में 20–22 मार्च, 2015 को अमेरिकी धर्म एकेडमी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''महाभारत में पर्यावरणीय चिंताएं।''
* सेडोना अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, सेडोना – एरिजोना–यूएस में 15 मार्च, 2015 को ''फिल्म में भारतीय सांस्कृतिक परंपरा – 1000 रुपए का नोट।''
* तुलनात्मक सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, नार्दर्न एरिजोना यूनीवर्सिटी–यूएस द्वारा 8 मार्च, 2015 को ''प्राचीन हिन्दू ग्रंथ हमें क्या सिखा सकते हैं'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा और नाटकीय प्रतिबिंबन में ''महाभारत में हिडम्बी।''

* तुलनात्मक सांस्कृतिक अध्ययन, नार्दर्न एरिजोना विश्वविद्यालय–यूएस द्वारा 7 मार्च, 2015 को महाभारत पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में ''परिवेश और महाभारत।''

डा. मैत्रियी कुमारी (संस्कृत)

* दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा 27–28 फरवरी, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''संस्कृत सेविका पंडिता रामबाई।''
* हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22–23 अप्रैल, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''उपनिषद कालीन शिक्षा के आधुनिक संदर्भ में उपयोगिता।''
* उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार द्वारा 27–29 नवम्बर, 2015 तक आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पुराणेषु सृष्टि विज्ञानम।''
* राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 4–6 दिसम्बर, 2015 तक आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''संस्कृत नाट्य साहित्य में प्राकृत विवेचन।''

संकाय सदस्यों की संख्या : स्थायी–99, तदर्थ–62, अतिथि–16

वित्तीय आबंटन और उपयोग

(क)	संस्वीकृत अनुदान (रुपए में)	: 22,23,39,760/– रुपए
(ख)	उपयोग की गई राशि	: 25,75,92,835/– (गैर–लेखापरीक्षित)

नियोजन विवरण

परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 5
पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 4

विस्तार और संपर्क कार्य

कॉलेज के महिला विकास प्रकोष्ठ ने एनएसएस के साथ सहयोग करते हुए ज्यूरिख से क्राउड गार्ड की सहायता से संयुक्त रूप से सितम्बर, 2015 मे एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा संबंधी मुद्दों की अवधारणा पर युवाओं के मध्य सर्तकता में वृद्धि करना था।

केशव महाविद्यालय

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज को एनएएसी द्वारा ग्रेड 'ए' प्रदान किया गया। एनएएसी के अधिदेश के अनुसार एक 'आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)'' की स्थापना की गई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया। छात्रों और संकाय, सदस्यों ने एकता दिवस पर ''एकता के लिए दौड़'' में प्रतिभागिता की। समूचे वर्ष विभिन्न संगोष्ठियों का आयोजन किया गया अर्थात् भारतीय संविधान के प्रति डा. बी.आर. अम्बेडकर के दृष्टिकोण और विचार महिलाओं के मुद्दे तथा दिल्ली महिला प्रकोष्ठ द्वारा उनका न्यायोचित समाधान तथा सेंटर फॉर साइट के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर।

मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। गूगल इंडिया के सहयोग से ''साइबर सुरक्षा और चुनौती'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

छात्रों ने विभिन्न मंचों जैसे आईआईटी, एसआरसीसी, एलएसआर और एआईआईएमएस में शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर दोनों ही क्रियाकलापों के लिए कॉलेज का नाम रोशन किया तथा विभिन्न खेल मंचों जैसे दिल्ली ओलम्पिक खेल, राष्ट्रीय और अंतर्कालेज ताइक्वांडो चैंपियनशिप, दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज बॉल बैंडमिंटन, नेटबॉल चैंपियनशिप और तैराकी प्रतियोगिता में भी अनेक उपलब्धियां हासिल कीं।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

फरवरी, 2016 माह में हमारे कॉलेज को एनएएसी अर्थात् राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद् द्वारा ग्रेड 'ए' प्रदान किया गया।

डा. जसमीत सिंह, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग को यूएसए में अनुसंधान करने के लिए यूजीसी द्वारा रामन पोस्ट डॉक्टोरियल फेलोशिप के लिए चुना गया।

डा. विपिन नेगी, एसोसिएटी प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान की गई पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप कर रहे हैं।

कॉलेज की साहित्यिक सोसाइटी वाग्मिता को शिक्षा ट्री द्वारा श्रेष्ठ साहित्यिक सोसाइटी चुना गया, जिसमें कविता स्कंध द्वारा 50 उपलब्धियां तथा वाद–विवाद स्कंध द्वारा 20 से अधिक उपलब्धियां हासिल कीं।

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16 उपभोक्ता क्रय व्यवहार पर प्रोडक्ट हार्म क्राइसेस (मैगी नूडल्स रिवेलेशन) के प्रभाव का विश्लेषण : एक व्यवस्थित सर्वेक्षण आधारित अध्ययन और मिलावट की आधारभूत परीक्षण पद्धतियों के बारे में उपभोक्ताओं के मध्य जागरूकता का सृजन करना, 3.5 लाख।

दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, कॉलेज छात्रों के मध्य शैक्षणिक तनाव और चिंता को प्रबंधित करने के लिए वास्तविक अनुप्रयोग का विकास करना, 3.5 लाख।

दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय रेडियो ट्रांसमीशन और प्रबंधन के लिए स्वचालित प्रणाली का विकास : साफ्टवेयर विकास और इसके क्रियान्वयन का आकलन, 5 लाख।

दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, मोटर वाहनों से SOx और Nox के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए उपकरण/उपस्कर डिजाइन और विकसित करना, 5 लाख।

विशेष योग्यता वाले छात्र

विक्रम सिंह दलाल, सौरभ कौशिक, गौरव लोकाब और निश्चिय त्रिहन ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज तैराकी प्रतिस्पर्धा 2015–16 में 4 x 100 मीटर मेडले रिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विरेन्द्र कुमार ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2015–16 में द्वितीय स्थान हासिल किया।

विरेन्द्र और सार्थक ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज ताइक्वांडों चैंपियनशिप 2015–16 में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आदित्य ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज ताइक्वांडों चैंपियनशिप 2015–16 में दूसरा स्थान हासिल किया।

तरुण मुद्गल को वर्ष 2016 के लिए माइक्रोसॉफ्ट स्टूडेंट पार्टनर चुना गया तथा उन्हें गूगल इंडिया द्वारा यूडैसिटी एंड्रायड डेवलपर नैनो डिग्री स्कालरशिप भी प्रदान की गई।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2015–16 में पुस्तकालय ने 951 पुस्तकें खरीदीं। अब पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 23919 है। पुस्तकालय ने इस वर्ष 19 समाचारपत्र और 25 पत्रिकाएं भी खरीदीं। इसके अलावा, वर्ष 2015–16 में विभिन्न सहायक उपकरण भी खरीदे गए जैसे वैक्यूम क्लीनर (1), पुस्तकालय की कुर्सियां (50) और स्लॉडेट एंगल रैक्स (20)।

प्रकाशन

कुमार पी., ''संगठित और असंगठित खुदरा आउटलेटों के ग्राहकों के खरीददारी व्यवहार को अवधारित करने वाले कारक : दिल्ली और एनसीआर में ग्राहकों के खरीददारी व्यवहार का सांख्यिकीय सर्वेक्षण'' (2015) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, आईटी और इंजीनियरिंग, आईजेएमआईई, 5(4). 150–184.

अरोड़ा एच. एवं अरोड़ा पी (2015) ''सेवा गुणवत्ता आयाम : सरवक्वाल का प्रयोग करते हुए भारत में वाणिज्यिक बैंकों का अनुभवजन्य अन्वेषण'' अंतर्राष्ट्रीय सेवा और प्रचालन प्रबंध जर्नल, 21(1), 50–72.

गोयल एन., सहगल पी. (2015) ''परिपक्वता अनुमान के लिए पैदावारपूर्व टमाटरों का अस्पष्ट वर्गीकरण,'' एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 36, 45–56.

कौर डी. शर्मा वी.के., कपूर ए. (2015) ''दृश्यमान क्षेत्रों में प्रचालन कर रहे लोसी मोड रेजोनेंस सेंसर्स की संवेदनशीलता पर प्रिज्म इंडेक्स का प्रभाव।'' जर्नल ऑफ नैनोफोटोनिक्स 9(1), 093042–1–16.

सिंह डी., एट एल. (जुलाई, 2015) ''दो–स्तरीय व्यापार ऋण वित्त–पोषण के अंतर्गत अधिकतम लाइफटाइम के साथ अपक्षय होती मदों के लिए इंवेट्री मॉडल का विनिर्माण,'' अंतर्राष्ट्रीय कम्प्यूटर अनुप्रयोग जर्नल, 121(15), 0975–8887.

राठौर डी. और डा. भाटिया एच. ''संवेदनात्मक आसूचना का उद्भव'' सकारात्मक मनोविज्ञान जर्नल, 4(1, 2), 89–95.

कोछड़ आर.के. और शर्मा डी. (2015) ''संबंधों की संतुष्टि में प्रेम की भूमिका'', अंतर्राष्ट्रीय भारतीय मनोविज्ञान जर्नल, 3(1), 81–107.

सिंह एस. (2015) ''पुल अप्स पर विभिन्न प्रकार के वार्म अप का प्रभाव'' अंतर्राष्ट्रीय संचलन शिक्षा और खेल विज्ञान जर्नल (आईजेएमईएसएस) एनुमल रेफेर्ड एंड पीर रिव्यूड जर्नल, 3(1), 81–85.

आयोजित सम्मेलन

मनोविज्ञान विभाग ने 28 और 29 मार्च, 2016 पर ''समकालीन समाज में युवा : मुद्दे और चुनौतियां'' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा सह–प्रायोजित किया गया था।

संकाय सदस्यों की संख्या : स्थायी – 48, तदर्थ – 49 (7 अवकाश रिक्ति पर) अतिथि – 05

वित्तीय आबंटन और उपयोग

(क) संस्वीकृत राशि : 14,38,00,000.00 रुपए
(ख) योजनेत्तर : (13,85,00,000.00 + 13,00,000) + योजना (40,00,000.00)
(ग) उपयोग किया गया अनुदान : 13,97,04,208.00
योजनेत्तर : (12,84,73,769.00 + 8,93,369) + 9,32,759.00) + योजना (94,04,311.00)

नियोजन विवरण

सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	: 39
परिसर नियोजन के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 15
पुनरावृत्ति करने वाले नियोजकों की संख्या	: 06

विस्तार और संपर्क कार्य

(क)	आस–पड़ोस के क्षेत्रों में आयोजित अभियानों की संख्या	: 03
(ख)	इन अभियानों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या	: 60
(ग)	इन अभियानों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या	: 80
घ.	इन अभियानों में समर्पित किए गए घंटों की कुल संख्या	: 260

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

पुस्तकालय के पास इंटरनेट का प्रयोग करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा उपलब्ध/प्रदान कराए गए सभी अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय जर्नलों तक पहुंच बनाने की सुविधा है।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

विभिन्न सरकारी संगठनों जैसे इस्पांयर और सीबीएसई द्वारा अनेक छात्रों को छात्रवृत्तियां और फेलोशिप प्रदान की गईं। बी.एससी (ऑनर्स) भौतिकी तृतीय वर्ष के अनेक छात्रों ने जेईएसटी (संयुक्त प्रवेश स्क्रीनिंग परीक्षा) तथा जेएएम (संयुक्त प्रवेश स्क्रीनिंग परीक्षा) उत्तीर्ण की है। प्रबंध अध्ययन विभाग ने वर्ष के दौरान विभिन्न अतिथि वार्ताओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया। उनमें कुछ हैं – सीए यतीन्द्र खेमका ने 15 मार्च को ''नए कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार इंड एएस, आईएफआरएस और वित्तीय विवरणियों का परिचय और रोडमैप'' पर एक सत्र का आयोजन किया, डा. संजय सिंह (एरास्मस मंडुस बिल पावर फेलो), एशिया पेसेफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में संकाय ने 17, 19 और 29 फरवरी को अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए तीन–दिवसीय प्रमाणित एसपीएसएस कार्यशाला का आयोजन किया, विशेष जैन और प्रणव आर्या (बीबीएस के पूर्व–छात्र) कौशल निर्माण तथा नियोजनीयता संवृद्धि के लिए अग्रणी संस्था 'टेलेंटियो' के संस्थाक ने 5 और 12 फरवरी, 2016 को एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें साक्षात्कार की तैयारी के सभी पहलुओं को शामिल किया गया था।

किरोड़ी मल कॉलेज

कॉलेज ने अपने पूर्व के प्रदर्शन को कायम रखते हुए अपने समस्त क्रियाकलापों में श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया है। शिक्षक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से प्रतिभागिता करते हैं। छात्र अत्यंत उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इस वर्ष विभिन्न स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों से 32 छात्रों को शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किया गया। अनेक छात्रों ने रसायन–विज्ञान, भौतिकी और अन्य विषय क्षेत्रों से अनेक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है जैसे बीएआरसी, बीएचयू, आईआईएसईआर, टीआईएफआर। 25 से अधिक छात्रों ने प्रतिष्ठित

आईआईटी–जेएएम 2016 में शीर्ष 200 रैंक हासिल किए हैं। कॉलेज ने 414 छात्रों को 8.5 लाख रुपए से भी अधिक की शुल्क रियायत प्रदान की। विदेश छात्र एसोसिएशन, फोस्टास, जो दिल्ली विश्वविद्यालय में इस प्रकार की पहली सोसाइटी है, ने वर्ष के दौरान अपनी स्थापना का एक दशक पूर्ण कर लिया। हमारे छात्र राहुल गुप्ता, भूगोल अंतिम वर्ष ने कारकोरम श्रृंखला के समीप पश्चिमी हिमालय की जांस्कार श्रृंखला में स्थित अनेक चोटियों पर चढ़ाई की है तथा कॉलेज को गौरव प्रदान किया है।

वर्ष के दौरान, कॉलेज ने छात्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक सोसाइटियां गठित की हैं जैसे पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ, समान अवसर प्रकोष्ठ, पूर्व–छात्र एसोसिएशन और शिक्षण–अधिगम में गुणवत्ता को आश्वासित करने के लिए आईक्यूएसी।

यह वर्ष इस मायने में उल्लेखनीय रहा है कि हमने समूचे वर्ष डा. बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं वर्षगांठ मनाई जिसके दौरान अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे जैसे प्रोफेसर सुब्रतो मुखर्जी, श्री संदीप कुमार, समाज कल्याण मंत्री, दिल्ली सरकार, डा. सुब्रमणियम स्वामी, प्रभात झा, राज्य सभा सांसद तथा अनेक अन्य।

अनुसंधान परियोजनाएं

रसायन विज्ञान

डा. रीना सक्सेना : Cr (III) और Cr (VI) के जाति–उद्भवन के लिए आशोधित रेसिंस का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन प्रीकसेंट्रेशन तथा फ्लेम एटॉमिक एबजार्प्शन स्पेक्ट्रोमीट्री और आयन क्रोमेटोग्राफी एसईआरबी द्वारा जल में विनिर्धारण, डीएसटी 23,48,000/–

डा. रूपेश कुमार : धातु संचयन पादपों से रीमीडिएट संदूषित स्थलों तक के संयोजन में माइक्रोबियल प्रणाली का विकास, डीएसटी 15,76,000/–

डा. विनोद कुमार : यौगिक प्रदूषकों के फोटोकैटलिक अपक्षय के लिए नैनोक्रिस्टेलिन मैटल आक्साइड का अन्वेषण, यूजीसी स्टार्ट अप अनुदान 6,00,000/–

डा. सुनील कुमार सिंह : कार्बोहाइड्रेट–डेराइव्ड वाटर सोल्युबल बायलॉजिकली एक्टिव डीहाइड्रोपिराइडीस एंड अदर हेट्रोसाइकल्स, यूजीसी स्टार्ट–अप अनुदान 6,00,000/–

भूगोल

डा. कौशल कुमार शर्मा (पीआई)। डा. ए.के. त्रिपाठी (सह–पीआई) 2013 से आज तक उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग जिले के गवनी और चन्द्रपुरी गांवों में संपोषणीय आजीविका और सामाजिक–आर्थिक अधिकारिता के लिए ग्रामीण समुदायों के पुनर्गठन और पुनर्वास के लिए आधारभूत सर्वेक्षण, मझगांव डॉक लिमिटैड 1,49,000/– रुपए।

डा. सीमा एस. परिहार, 'जैंडर एटलस ऑफ इंडिया : एक विषय संबंधी संदर्श, श्रृंखला (प्रधान अन्वेषक), महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 7,07,000/–

प्राणि विज्ञान

डा. अनीता कामरा वर्मा : मॉडल के रूप में बाल्ब/सी माइस का प्रयोग करते हुए एबोला वायरस ग्लाइकोलप्रोटीन पेप्टाइड के विरुद्ध ह्यूमोरल एक्यून प्रतिक्रिया का आकलन, डीआईपीएएस, डीआरडीओ 10,00,000/– रुपए।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट : 24,06,015/– रुपए
शामिल की गई नई पुस्तकों की संख्या : 3024
कुल पुस्तकें : 144678

– पुस्तक बैंक में 5897 पुस्तकों का संग्रह है
– नए संस्करणों की 25 पुस्तकें संदर्भ खंड में शामिल की गई हैं।
– दृष्टिबाधितों के लिए 38 एंजेल्स, 75 नोटबुक्स।

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता

रसायन विभाग ने सम्मेलन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 3–4 फरवरी, 2016 तक ''रसायन विज्ञान में उभरती अभिवृत्ति और भावी चुनौतियां (ईटीएफसी–2016)'' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

फोस्टास, विदेशी छात्र संघ ने ''विवाद, समाधान और शांति'' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें प्रो. एस.डी. मुनि, पूर्व राजदूत और विशेष उपराजदूत भारत सरकार तथा श्री जाहिद उल इस्लाम, भारत में बांग्लादेश के उच्चायोग के काउंसलर ने प्रतिभागिता की। इस कार्यक्रम में 17 विभिन्न देशों के अनेक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के 125 प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।

सम्मेलनों में प्रतिभागिता

डा. सीमा जोशी : नई दिल्ली में : भारत में महिला श्रमिक बल के प्रतिभागिता रुझान और नीतियां'' विषय पर एपीओ के विशेषज्ञों की समन्वय बैठक।

डा. ममता सरीन ने 11 अप्रैल, 2015 को ''वायरलैस और मोबाइल संचार और नेटवर्क'' विषय पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''वायरलैस नेटवर्क सुरक्षा सुभेद्यताएं और प्रति उपाय'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री मधुर अजमानी सेठी ने बेन्दंग स्पिरिट कांफ्रेस 2015, इंडोनेशिया में ''महिलाओं के विरुद्ध हिंसा से निपटने के लिए नीतियों को पुनः परिभाषित करना'' पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा. रीना सक्सेना ने मानव रचना इंजीनियरी कॉलेज, फरीदाबाद द्वारा ''विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हरित पहलकदम पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र (पोस्टर) प्रस्तुत किया।

डा. अखिलेश भारती ने रसायन–विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र (पोस्टर) प्रस्तुत किया।

श्री विनोद कुमार ने जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा ''विश्लेषणात्मक विज्ञान और अनुप्रयोग में हालिया प्रगति'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में एक पत्र (मौखिक) प्रस्तुत किया।

डा. अनीता कुमार वर्मा ने नैनो–विज्ञान विशेष केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा ''नैनो–विज्ञान इंटरफेस में हालिया प्रवृत्तियां'' विषय पर आयोजित समारोह में ''क्लीनिकल डायग्नोस्टिक्स में नैनो–प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया (आमंत्रण द्वारा)।

डा. हरीश ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, कालीदास अकादमी और भारतीय कॉलेज द्वारा 13–14 फरवरी, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्य संख्या : स्थायी/अस्थायी/तदर्थ : 157/0/42

वित्तीय आबंटन और उपयोग (लाख में)

आबंटन : 3,914.43 रुपए

उपयोग : 3,914.43 रुपए

नियोजन विवरण

सफल नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : 62

परिसर में भर्ती के लिए आने कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 11

भागीदारों के साथ हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नामः

कॉलेज ने विज्ञान सेतु कार्यक्रम मेंएक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है जिसे डीबीटी, भारत सरकार और एनआईआई, राष्ट्रीय रोग–प्रतिरक्षण संस्थान द्वारा आरंभ किया गया है जिसका उद्देश्य स्नातकपूर्व कॉलेजों तथा शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों के बीच अंतर को कम करना है।

विस्तार और संपर्क कार्य

एनएसएस सहयोग : निर्धन परिवारों से संबंधित बालकों के लिए सोमवार से शनिवार दोपहर 3 बजे से सांय 5 बजे तक नियमित रूप से कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 50 बच्चे हैं और 38 कार्यकर्ता उन्हें अध्ययन में पारंगत बनाने के लिए सहायता करते हैं।

एनएसएस साहस : एनएसएस महिला अधिकारिता पर कार्यशालाओं का आयोजन करता है जिनमें विशेष रूप से चन्द्रावल गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्रों को शामिल किया जाता है।

पर्यावरण प्रकोष्ठ : पर्यावरण में सुधार लाने के लिए कॉलेज की पौधशाला में कृमिखाद से युक्त क्यारियां (12 x 4 x 2 फुट) तैयार की गई हैं।

रक्तदान शिविर : एनएसएस और प्राणिविज्ञान सोसाइटी ने रोटरी क्लब के सहयोग से 12 अक्तूबर, 2015 तथा 2 मार्च, 2016 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

डीएसटी इंस्पायर शिविर 21–25 दिसम्बर, 2015 तक आयोजित किया गया जिसका प्रयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसमें विद्यालयों के 200 छात्रों को मौके पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

पुस्तकालय विभिन्न विषयों में 28 जर्नल, सामान्य रुचि की 30 विभिन्न आबधिक पत्रिकाएं/पत्रिकाएं तथा 19 दैनिक/आवधिक समाचार पत्र सब्सक्राइब कर रहा है। पुस्तकालय शिक्षकों के लिए एनलिस्ट भी मुहैया करा रहा है।

लेडी इर्विन कॉलेज

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

चौदहवां रोशन देशपांडे स्मारक व्याख्यान, प्रौद्योगिकी अभिनवता : अपेक्षित समुदायों के लिए मूल्य सृजन, वक्ता डा. अरुण कुमार, अध्यक्ष, डेवलपमेंट अल्टर्नेटिव्स एंड प्रबंध निदेशक, तारा मशींस एंड टेक सर्विसेज, अध्यक्षता प्रो. (डा.) के.के. द्विवेदी, अध्यक्ष ग्लोबल एकेडमी ऑफ डॉक्टोरेट्स, विभाग द्वारा 9 मार्च, 2015 को आयोजित। संधारणीय विकास पर वार्षिक विचार–गोष्ठी ''निर्माण में हरित ऊर्जा : प्रतिमान परिवर्तन'' का आयोजन संसाधन प्रबंध और डिजाइन अनुप्रयोग विभाग, लेडी इर्विन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग, डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन, मिशियन स्टेट यूनीवर्सिटी, यूएसए द्वारा 11 मार्च, 2015 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में किया गया था और जिसमें नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सहयोग दिया गया था। दो–दिवसीय कॉन्क्लेव ''विकास के लिए संचार (सी 4 डी)'' पर 13 और 14 मई, 2015 को आयोजित किया गया। राजकुमारी अमृत कौर बाल अध्ययन केन्द्र का वार्षिक दिवस फरवरी, 2015 में मनाया गया जिसमें एमएससी (एचडीसीएस) कार्यक्रम के छात्रों द्वारा सहयोग दिया गया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

शिक्षक पुरस्कार, सितम्बर, 2014, डा. अनूपा सिद्धू, निदेशक' को नीना सिबल पुरस्कार, अगस्त, 2014, डा. अनूपा सिद्धू, निदेशक को इंडियाज़ नं. 1 ब्रांड अवार्ड 2015 द्वारा श्रेष्ठ शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान पुरस्कार।

इंडो ग्लोबल चेम्बर ऑफ कामर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर (पुणे, भारत) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और नेतृत्व शिखर–सम्मेलन में युवा पीढ़ी को सेवाएं प्रदान करने तथा कार्य के उत्कृष्ट निष्पादन और उसमें योगदान के लिए श्रेष्ठ कॉलेज पुरस्कार।

उत्कृष्टता के लिए एमेरैल्ड लिटरैटी नेटवर्क पुरस्कार, क्वाट्रा एस., पाण्डेय एस और शर्मा एस, भारत में किसी शहरी व्यवस्था में ई–अपशिष्ट पर समझ, जनता के मध्य जानकारी तथा जागरूकता : दिल्ली के लिए मामला अध्ययन, मैनेजमेंट ऑफ इंवायर्नमेंटल क्वालिटी, खंड 25 सं. 6, 2014, पीपी 752–765, आईएसएसएन : 14777835.

शैक्षणिक वर्ष 2014–15 के दौरान अभिनवता परियोजना में दर्शाएं गए उल्लेखनीय कार्य के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1 मई, 2015 को 93वें स्थापना दिवस के अवसर पर अभिनवता के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार।

शोध परियोजनाएं

प्रमुख परियोजनाएं

विवाद समाधान : विद्यालय जाने वाले बालकों में हिंसा और आक्रामकता से निपटना।

एनसीआर में युवा बीपीओ कर्मचारियों के मध्य मेटाबॉलिक संलक्षणों की विद्यमानता और जोखिम कारक : जीवन–शैली प्रबंध कार्यक्रम का विकास जिसमें मेटाबॉलिक संलक्षण के आशोधन योग्य जोखिक कारकों पर ध्यान केन्द्रित किया गया हो।

एथलीटों के लिए व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण माड्यूल का विकास

जलयोजन और खेल : बीबीसी माड्यूल की प्रभावकारिता

समुदाय रेडियो तथा स्वास्थ्य संप्रेषण में पर्वतीय महिलाओं की प्रतिभागिता

संधारणीय विकास के लिए ऊर्जा प्रबंधन के बारे में युवाओं का क्षमता–निर्माण
जीवन संबंधी पाठ्यक्रम का अध्ययन।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय पूर्णतः स्वचालित पूर्णतः वाई–फाई युक्त है तथा यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की ऑनलाइन एक्सेस है। शोध स्कालरों, पीजी छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए पुस्तकालय और वाचनालय के भीतर कम्प्यूटर प्रयोगशाला है।

प्रकाशन

चौधरी एन. (2015) टीका–टिप्पणी माताएं एवं अन्य : स्वाभाविक और अस्पष्ट पहचानों का सांस्कृतिक निर्माण। के. केबेल, सी. कोर्नेजों और जे. वाल्सीनेर में। अर्ध निर्माण, मातृत्व निर्माण। चाटलोट्टे, एनसी : इंफार्मेशन एज।

चड्ढा आर. एवं माथुर पी. (संपा) (2015). पोषण : जीवन–शैली दृष्टिकोण। नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक्स्वान। आईएसबीएन 978–81–25055301.

सिंह ए. एट. एल. (2015) मानव विकास की आधारशिला : जीवन–काल दृष्टिकोण, ओरिएंट ब्लेकस्वान।

शेखरी एस. (2014) वस्त्र विज्ञान की पाठ्यपुस्तक : विनिर्माण के आधारभूत सिद्धांत, सीएचआई शिक्षण प्राइवेट लिमिटेड – नई दिल्ली (2010) (पुनः मुद्रित, अक्तूबर, 2014). आईएसबीएन 978–81–7844–331–0.

मलवीय आर. (2014) अंधेरे से आशा की किरणें : बालों के लिए बिबलियोथैरेपी, नई दिल्ली, ग्लोबल बुक्स आर्गेनाइजेशन, आईएसबीएन 978–93–80570–61–.

खन्ना ए.एस. सेन, गौड़ आर, घंडा के. (2015) ''जानकर भी अनजान'' (कठपुतली कथा पुस्तक)। असीम पूर्त शिक्षा न्यास (दिल्ली) और युवा और जनसाधारण संवर्धन सोसाइटी (एसपी–वाईएम), दिल्ली द्वारा प्रकाशित। आईएसबीएन 978–81–928043–5–4.

गोयल एस., सीतारमण पी. एवं कक्कड़ ए. (2015) इंटीरियर स्पेस डिजाइनिंग (द्वितीय संस्करण), नई दिल्ली : एलीट पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि.।

मित्तल एम. एवं जैन एम. (2015) प्रमख संसाधनों का पर्यावरणीय प्रबंध, संपोषणीय विकास का परिचय, संसाधनों की अवधारणा का परिचय, संसाधन और विकासात्मक मुद्दे : प्रमुख संसाधनों, संपोषणीय व्यवसाय प्रक्रियाओं के संघारणीय विकास, अनवरता और प्रबंध की आवश्यकता। रिसोर्सेस एंड सस्टेनेबिलिटी। नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक्स्वान पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड।

जर्नलों में लेख/पुस्तकों में अध्याय

सिद्धू ए. एवं माथुर पी. (2015) ऊर्जा. आर. चड्ढा एवं पी. माथुर (संपा.) पोषण : जीवन – चक्र दृष्टिगोण (पीपी 31–45) नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक स्वान, आईएसबीएन 978–81–25059301.

चौधरी एन. एवं शुक्ला एस. (2014) बच्चों का काम खेलना है' : भारतीयों के मध्य बाल्यावस्था से संबंधित धारणाएं और व्यवहार। जे.एल. रूपनारायण, एम. पाट्टे, जे.ई. जॉनसन एवं डी. कुश्चेनर (संपा.)। बालकों के खेल पर अंतर्राष्ट्रीय संदर्श। ओपन यूनीवर्सिटी प्रेस। मैकग्रॉ हिल एजुकेशन।

बंसल पी.जी. टुटेजा जी. एस., भाटिया एन. किशोर एन.बी. और सिद्धू ए. (2015). एनेमिक किशोर बालिका पर विटामिन वी 12 के साथ अथवा उसके बिना मासिक आयरन फॉलिक एसिड अनुपूरकों का प्रभाव : एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। यूर जे चिन न्यूटर 23, 1–8 (प्रभाव कारक : 2.709)।

मालवीय आर. (2015) निःशक्तताः केन्द्रीय और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण माड्यूल, केन्द्रीय और राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों के प्रमुख पदधारियों तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (भारत सरकार) तथा भारतीय पुनर्वास परिषद के लिए अन्य सेवा प्रदाताओं का सेवाकालीन प्रशिक्षण और जागरूकता।

कार्ला एम.बी., चड्ढा आर. माथुर पी. (2015). विद्यालय के बालकों के लिए स्वस्थ भोजन विकल्प भारत आईएसबीएन 978–81–25059301. सेठ यू. एवं कौल भाटिया एन. (2014) किशोरों की स्वस्थ जीवन शैली के लिए पोषण शिक्षा माड्यूल का विकास। तकनीकी श्रृंखला में, लेडी इर्विन कॉलेज, ग्लोबल बुक्स आर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली।

आनंद एस. एवं कुमार ए. (2015) क्या गुणवत्ता को वास्तव में प्राप्त किया जा सकता है? समुदाय की भूमिका का विश्लेषण – स्वास्थ्य संप्रेषण मे माध्यस्थ संचार अंतर्राष्ट्रीय संचार जर्नल 25 (1–2), 137–155.

कामिना एच. एवं गोयल एस. (2015). संवर्धित खुदरा अनुभव के लिए कार्यनीति के रूप में संवेदनाओं को उत्प्रेरित करना। अंतर्राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त गृह–विज्ञान जर्नल, 2 (11 और 12), 264–267. आईएसएसएन : 2394 : 1413.

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता

16 फरवरी, 2015 को ''वस्त्र शिल्प में अभिनव विकास'' विषय पर संजय रंधावा स्मारक संगोष्ठी आयोजित की गई।

शिक्षा विभाग, लेडी इर्विन कॉलेज, नई दिल्ली, भारत द्वारा शिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया (13 मार्च, 2015)।

प्रोटीन भोजन और पोषण के सहयोग से 4 सितम्बर, 2014 को ''सक्रिय युवाओं के लिए सुरक्षित और पोषणीय भोजन'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन कर राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2014 मनाया गया।

परिवार और समाज में प्रतिरोध की लय, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, एचडीसीएस विभाग, लेडी इर्विन कॉलेज; आईएएसएसआर और यूनीवर्सिटी ऑफ आलबोर्ग, डेनमार्क, 24–26 सितम्बर, 2014, इंडिया हैबिटेट सेंटर।

संकाय सदस्यों की संख्या : स्थायी/अस्थायी/तदर्थ : 54 : 55 = 109

सब्सक्राइब किए गए जर्नल

सब्सक्राइब किए गए अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 33

सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या : 70

लेडी श्रीराम महिला कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां कॉलेज

वर्ष 2015–16 के दौरान लेडी श्रीराम महिला कॉलेज में कई कार्यकलापों का आयोजन किया गया । 'युवा और महिला होना' : फेयरफिल्ड यूनिवर्सिटी, कनेक्टिकट के छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ वार्तालाप का आयोजन 5 जनवरी, 2016 को किया गया था। इस कार्यक्रम में जिन विषयों पर बातचीत की गयी उनमें विकास में परिवार की भूमिका, जटिल और विजातीय समाजों में पहचान रचना, संबंध/ आत्मीयता और बहुवादी दुनिया के साथ समझौता जिसमें युवा स्वयं को एक साथ जुड़ा पाता है, शामिल थे । 20 जनवरी, 2016 को जेएनयू में आपदा अनुसंधान कार्यक्रम के सहयोग साथ आपदा जोखिम शमन और समुदाय लचीलापन निर्माण के संबंध में आधे दिन के कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह एक भागीदारी पूर्ण प्रतिवेश मैपिंग कार्यक्रम में युवाओं को शामिल कर उन्हें संवेदनशील बनाने की एक पहल थी। एलएसआर की पहचान इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए एक नोडल कॉलेज के रूप में की गयी है जिसका लक्ष्य छात्रों और विभिन्न सोसाइटियों यथा एनएसएस, एन्वायरमेंट क्लब के साथ कार्य करना है ताकि इन्हें संवेदनशील और सामाजिक नागरिक वर्ग का भाग बनाया जा सके। भारत– अमेरिका संबंध और अमेरिकी संस्कृति पर 22 सितम्बर, 2015 को ग्लोबल यूथ इंडिया और अमेरिकी सेंटर के सहयोग से राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'राजनयिक के साथ बातचीत' सत्र की मेजबानी की गयी। आंध्र प्रदेश से प्राचार्यों का दौराः आंध्र प्रदेश के महिला प्रशासकों के लिए एनयूईपीए द्वारा आयोजित नेतृत्व विकास संबंधी पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 6 जनवरी, 2016 को आंध्र प्रदेश के कॉलेज युक्त शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक के साथ सरकारी महाविद्यालयों के 30 प्राचार्यों और व्याख्याताओं ने लेडी श्रीराम महिला कॉलेज का दौरा किया। ये प्राचार्य गुंटूर, अंनतपुर, ओंगोल, विशाखापतनम जैसे स्थानों से आए हैं। महिलाओं के प्रति घरेलु हिंसा और यौन उत्पीड़नः कार्य स्थल और साझा घर के परिसरों में महिलाओं की सुरक्षा संबंधी महिला विकास समिति के साथ कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा शहर के कुछ शीर्ष न्यायिक मैजिस्ट्रेटों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। अनुबंध– 100 मील समुदायः सुश्री इला भट्ट को उनकी अनुबंध नामक अद्यतन पुस्तक पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया उसके पश्चात 21वीं सदी में सतत विकास की प्रासंगिकता एवं सचेत पूंजीवाद पर प्राचार्य और दो छात्र प्रतिनिधियों के साथ पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। आस्ट्रेलिया के उच्चायोग का दौराः 22 जनवरी को आस्ट्रेलिया– भारत संस्थान के सदस्यों के साथ महामहिम श्री पैट्रिक सकलिंग ने आस्ट्रेलिया– भारत संबंधों पर छात्रों के साथ बातचीत की। पंडित हरिप्रसाद चौरसिया का बांसुरी वादनः स्पाइस मैके –एलएसआर चैप्टर के तत्वावधान में पंडित जी को एलएसआर में बांसुरी वादन के लिए आमंत्रित किया गया।

उत्कृष्ट आदर/ सम्मान

डॉ. वसुधा पांडेः वर्ष 2016 के लिए शैल सवेरा और न्यूजपेपर ऑनर कांग्रेस द्वारा उत्तराखंड की बेटी का पुरस्कार दिया गया।
डॉ. वर्तिका नंदाः मानवीय दिलचस्पी वाली कहानियों में योगदान के लिए ओजस्विनी वशिष्ठ अलंकरण, जावित्री देवी जोशी पुरस्कार और दिल्ली अध्ययन समूह द्वारा वूमन अचिवर पुरस्कार एवं तिहार जेल में महिला कैदियों द्वारा लिखी गयीं कविताओं के प्रथम संग्रहण की रचना के लिए वर्ष 2015 के लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स में प्रधानता दिया गया।

डॉ. सुनालिनी कुमारः कोलंबिया विश्वविद्यालय, अमेरिका से अनुसंधान करने के लिए फुलब्राइट नेहरू पोस्ट डोक्टोरल फेलोशिप 2016–17।
सुश्री मीनाक्षी पाहूजा : लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड 2016
श्री अनुग्यान नागः 34वें ला ज्योर्नेट सिनेमा डेल म्यूटो पोर्डेनोन, इटली में कोलेजियम सदस्य

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत नवोन्मेषी परियोजना स्कीम, प्रोजेक्ट कोड एलएसआर 301 पुरस्कार कॉलेज के मनोविज्ञान और प्रारंभिक शिक्षा विभाग को प्रदान किया गया। परियोजना अवधिः 2015–16। वित्तपोषण एजेंसी– दिल्ली विश्वविद्यालय। संस्वीकृत राशि– 3 लाख रूपए

केंद्रीय विद्यालय स्कूलों में ग्राफिक कैलकुलेटर का समाकलनः एक कैसियो इंडिया इंडस्ट्री प्रायोजित कार्यक्रम। परियोजना अवधि– जुलाई 2014 से मई 2015। संस्वीकृत राशि– यह एक परियोजना थी जिसको कैसियो द्वारा प्रयोजित किया गया था जिनमें उन्होंने संसाधनों और इस पर आए खर्चों का ध्यान रखा।

जेएनयू – आपदा संबंधी तैयारी और सामुदायिक लचिलापन की प्रतिवैस मैपिंग के संबंध में आपदा अनुसंधान परियोजना। परियोजना अवधि – जुलाई 2015 से मार्च 2017। वित्तपोषण एजेंसी– । संस्वीकृत राशि– 2.5 लाख।

एलएसआर इनेक्टस टीम के लिए इनेक्टस महिन्द्रा राइज स्पेशल कंपिटिशन ग्रांट, केपीएमजी बिजनेस एथिक ग्रांट और इनेक्टस वालमार्ट वीमेंस इकॉनोमिक एन्वायरामेंट प्रोजेक्ट। परियोजना अवधि – 2015– 2016। वित्तपोषण एजेंसी– महिंद्रा राइज, केपीएमजी और वालमार्ट, क्रमशः तीन अनुदानों में प्रत्येक के लिए।

प्रतिष्ठित छात्र

हमारे छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार जीते और कॉलेज के लिये प्रतिष्ठा अर्जित की।

एनएसएस– एलएसआर स्वयंसेवकों अपूर्वा शर्मा, अक्षिता सिंगला और मालविका वर्मान ने बस्ताः कचरा से मूल्यवान वस्तु नामक से एक ग्रामीण उद्यमशिलता माडल की संकल्पना की और उन्हें अमेरिका स्थित नॉन प्रोफिट ए मिलियन फॉर ए बिलियन तथा भारतीय साझेदार कनेक्टिंग ड्रीम फाउंडेशन कार्यक्रम की ओर से न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय में अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए चुना गया।

अर्पणा सचदेव को किंग्स कॉलेज, लंदन में विदेश में शिक्षा ले रहे छात्र संबंधी कार्यक्रम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। उन्हें आकेत कांसिल मेमोरियल पुरस्कार भी प्राप्त हुआ जिसे सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले दृष्टिहीन छात्रों के लिए प्रदान किया गया।

आशी रस्तोगी ने कुवैत में आयोजित एशिया एयर गन चैम्पियशित और एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

अनन्या चोपड़ा ने फिनलैंड में आयोजित 7वीं जूनियर शॉटगन चैम्पियनशिप और इटली में हुए 12वें इंटरनेशनल शॉट गन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया।

एसयूओ सुरभि मीना ने रूस में एनसीसी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के एक भाग के रूप में यूथ एंबेसेडर के तौर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया।

एसयूओ दामिनी राठौड़ ने सिंगापुर में एनसीसी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के एक भाग के रूप में एक यूथ एंबेसेडर के तौर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया।

दीक्षा पांडेय, इप्सिता दासगुप्ता, मेहर पंवार, निवेदिता झा और रिझिमा रिषी को बढ़ चला बिहार शीर्ष वाले समावेशी विकास के संबंध में क्षेत्र अनुसंधान परियोजना के लिए बिहार सरकार के पैनलबद्ध आई एवं पीआरडी सिटीजन्स अलायंस द्वारा चयनित किया गया।

स्वस्तिका जाजू ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय ब्लॉगर प्रतियोगिता को जीता। उन्हें 18 से 26 जनवरी, 2016 तक इस फेस्टिवल के लिए आधिकारिक तौर पर लिखने के लिए आमंत्रित किया गया और उन्हें 1 और 2 अक्टूबर, 2015 में दोहा, कतर में ग्लोबल यूथ कंस्लटेशन में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बाल और युवा समूह के सदस्य के रूप में भाग लेने के लिए चुना गया जहां वे प्रारूप समिति का एक हिस्सा थीं।

परीनाज सैनी को लॉस एंजेलिस, अमेरिका में भारतीय खेल प्राधिकरण के विशेष औलंपिक इवेंट – जेनुइनः सामाजिक प्रभाव सम्मेलन के अंतर्गत विशेष औलंपिक भारत द्वारा देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया।

पुस्तकालय विकास

कुल बजटः 20 लाख रूपए

शामिल किए गए पुस्तक एवं जर्नलः 989 पुस्तक और जर्नल

इंटरनेट सुविधा उन्नत बनाए गए – हां

प्रकाशन

पुस्तकः

अकालामकम, के (2016)। ग्रोथ विथ साइंस। कक्षा 6, 7 और 8। नई दिल्लीः हेडवर्ड पब्लिसर्स। आईएसबीएन– 978-38-393275-7

वर्मा, के. (2016) हिंदी में शेक्सपीयर के सुखांत नाटकः अनूदित भाषा और कथ्य। नई दिल्लीः ईपीएच। आईएसबीएन - 978-93-5073-610-4.

जोशी, आर. (2015) । द शिमला पेंटिंग्स एंड अदर स्टोरीज। दिल्लीः हेरिटेज पब्लिसर्स।

कालरा, एस. (2016) । मुक्तिबोध और रघुवीर सहाय के काव्य की अंतर्वस्तु। दिल्लीः संजय प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-81-7453-324-1.

नंदा वी. (2015) रनियन सब जानती हैं। नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन। आईएसबीएनः 978-93-5072-929-8 ।

नंदा, वी (2015) खबर यहां भी। नई दिल्लीः सामयिक प्रकाशन। आईएसबीएनः 978-81-7138-286-6 ।

नाग, ए. (2015) । लोकेटिंग रितुपर्णो घोष इन टॉलीवुड। इन एस. दत्ता, के. बक्शी एवं आर. के. दासगुप्ता (संपादक), रितुपर्णो घोषः सिनेमा, जेंडर एंड आर्ट। राउटलेज। आईएसबीएनः 978-1-138-95390-1 ।

नाथ, डी. (2015) । मेमोरी, इमेजिनेशन, हिस्ट्री एंड इडेंटिटीः डेविड मेलोफ्स राइटिंग एंड द पोस्ट कोलोनियल । इन एस. सेटी (संपादक), ए वार्वल ऑफ कोलोनियल वॉयसः एन एंथोलॉजी ऑफ शार्ट स्टोरीज एंड पोयम्स, भाग दो। दिल्ली वर्ल्डव्यू। आईएसबीएनः 978-93-82267-16-4.

नाथ, डी. (2016) । पोस्ट कोलोनियल लिटरेचर एंड क्वेश्चन्स ऑफ फार्म। इन एस. सेटी (संपादक), राइटिंग द पोस्ट कोलोनियलः पोयटिक्स, पॉलिटिक्स एंड प्रैक्सिस। दिल्लीः वर्ल्डव्यू। आईएसबीएनः 978-93-82267-15-7.

मेनन, के. (2016) । ऑन द क्वेश्चन ऑफ फ्री स्पीच एंड सेंसरशिप। इन रामदेव, डी. नाम्बियार एंड भट्टाचार्य (संपादक)। सेंटिमेंट, पॉलिटिक्स, सेंसरशिप– द स्टेट ऑफ हर्ट। (पृष्ठ 252–264) । नई दिल्लीः सेज । आईएसबीएन 978-93-515-0304-0.

मलहोत्रा, एम. एवं मेनन, के. (2016) । स्टेट इंटरवेंशन इन वीमेंस राइट्स। इन बी. विश्वास एंड आर. कौल (संपादक), वीमेन एंड एम्पावरमेंट इन कांटेम्पोरेरी इंडिया। (पीपी 142–154)। नई दिल्लीः वर्ल्ड व्यू पब्लिकेशन्स। आईएसबीएन 9789382267256.

मंडल, एम. ''नैरेटिंग क्विर लाइव्स'' (यूनिट 4) फॉर द एम. ए. कोर्स इन वीमेंस एंड जेंडर स्टडीज, इग्नू कोर्स कोडः एमडब्लूजी– 008। कोर्स शीर्षकः जेंडर एंड लाइफ नैरेटिव्स। एमपीडीडी/ इग्नू/ पीओ 5एच/ जेयूएनई 2014। आईएसबीएन: 978-81-266-6704-8.

जोशी, एम. (2016) । राहुल सांकृत्यायन एंड बुद्धिज्मः ए कॉम्प्लेक्स एंगेजमेंट। इन एस. चटर्जी एंड एस. भट्टाचार्य (संपादक), ऑन द ट्रेल ऑफ बुद्धिज्म इन एशियाः रिफ्लेक्शंस ऑन ट्रेडिशान एंड प्रैक्टिश (पीपी 76–87)। कोलकाताः मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीच्यूट ऑफ एशियन स्टडीज/ पेंटागन प्रेस। आईएसबीएन 978-81-8274-830-9.

कुमारी, पी. (2015) । द आर्कटिक काउंसिल एंड इंडिजेनस पॉपुलेशन । इन वी. सकुजा एंड जी. एस. खुराना (संपादक)। आर्कटिक पर्सपेक्टिव। नई दिल्लीः नेशनल मैरिटाइम फाउंडेशन। आईएसबीएन: 978-81-930159-2-6.

कुमारी, पी. (2015) । आर्कटिक लिटोरल्स आगुमेंट मिलिटरी कैपेब्लिटीज। इन वी. सकुजा एंड जी. एस. खुराना (संपादक)। आर्कटिक पर्सपेक्टिव्स। नई दिल्लीः नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन। आईएसबीएनः 978-81-930159-2-6.

अत्री, पी., अरोड़ा, बी., भाटिया, आर., चोई, ई.एच., एवं वेंकटेशु, पी.। प्लाज्मा टेक्नोलॉजीः ए न्यू रेमेडियेशन फॉर वाटर प्युरिफिकेशन विद ऑर विदाउट नैनोपार्टिकल्स। इन अजय कुमार मिश्रा (संपादक)। यूएसएः वेली– स्क्राइवेनेर पब्लिसर्स । आईएसबीएन -10: 1118496302, 63-75.

आयोजित सम्मेलन

लड़खड़ाते कदम से आत्मविश्वास से भरी छलांगः सकारात्मक मनोविज्ञान की शक्ति संयोजनः मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार, 19–20 फरवरी, 2016

18–19 मार्च, 2016 को आयोजित सामाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई शहरीकरण संबंधी अंतर विषयक विचार गोष्ठी।

मार्च, 2016 में अंगेजी विभाग द्वारा आयोजित ''बॉडिज ऑफ कंक्वेस्टः नैरेटिव्स ऑफ टेरेटेरी इन मायथॉलोजी''।

शिक्षक शिक्षा में शैक्षणिक भाषण– शैक्षणिक माध्यम के रूप में फिल्मों का उपयोग, 7 सितम्बर, 2015 को यूएसआईईएफ के सहयोग से प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित।

ईसीओएनवीआईएसटीएः 28–30 जनवरी, 2016 को एक्सिस बैंक, एडुकेशन ट्री, कोका कोला एवं कैरियर लाउंचर के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दूसरा अंतरराष्ट्रीय छात्र विचार गोष्ठी।

अप्रैल, 2016 को राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ''20वीं सदी में युद्ध की समझ''।

माजिओ मुस्तकबिलः द फ्यूचर ऑफ इंडियन पास्ट्स, 26–27 फरवरी, 2016 को इतिहास विभाग द्वारा आयोजित।

वे सम्मेलन जिनमें हिस्सा लिया गया
डॉ. सुमन शर्मा, कॉलेज प्राचार्य ने 8–10 जून, 2015 को नीदरलैंड के हेग में हुए आईएसए मानवाधिकार संयुक्त सम्मेलन में 'महिला न्याय और मानवाधिकार– दक्षिण एशिया में विधवाओं संबंधी मामला अध्ययन' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया गया।

डॉ. जोनाकी घोष ने 16 से 20 दिसम्बर, 2015 को चीन के लेसान में आयोजित 20वें एशियाई गणित प्रौद्योगिकी सम्मेलन (एटीसीएम) में 'टेक्नोलॉजी इन द मेथेमेटिक्स क्लासरूमः एक पर्सपेक्टिव फ्राम इंडिया' शीर्षक से एक आमंत्रित वार्तालाप की। इस प्रपत्र को सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशित किया गया है।

डॉ. कृष्णा मेनन, राजनीतिक विज्ञान विभाग, ने 24–26 अगस्त, 2015 को जापान के हिरोशिमा में एशियाई सामाजिक विज्ञान, समाजशास्त्र और वैश्वीकरण के संबंध में सम्मेलन में 'स्कूलिंग द इंडियन वीमेंस बॉडी क्वेश्चन्स ऑफ जेंडर एंड ग्लोबलाइजेशन इन एशिया' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी –90, अस्थायी –8 और तदर्थ –31

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता
6 लाख रूपए में उपयोग में कुल संस्वीकृति
प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा
सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या: 125
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 64
बार बार आने वाले भर्तीकर्ताओं की संख्या: 26
भारतीय/ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी के लिए जिन घरेलु / अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए उनकी संख्या और उनके नामः 11
ब्राउन विश्वविद्यालय, अमेरिका
ला ट्रोब विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया
एनयूएस, सिंगापुर
मिडलबरी महाविद्यालय, अमेरिका
फुकुओका वीमेंस युनिवर्सिटी, जापान
किंग्स कॉलेज, लंदन
ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन
साइंस पीओ, पेरिस
अमेरिकन ग्रेजुएट, पेरिस
यूसीडी मिशेल स्मरफिट ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, आयरलैंड
भारतीय/ विदेशी कंपनियों के साथः 3 (केपीएमजी, मुंडो लेटिनो और ई एवं वाई)
विस्तार और पहुंच संबंधी कार्य
आसपास के क्षेत्रों में आयोजित किए गए शिविरों की संख्याः 20
शिविरों में नामांकित लोगों की संख्याः प्रत्येक शिविर में 25
इन शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्याः 400
इन शिविरों में समर्पित घंटों की कुल संख्याः प्रति सप्ताह प्रति छात्र 3 घंटे
आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या
अंतः स्नातक बहिर्गामी अदला बदली छात्रों की संख्याः 10
अंतःस्नातक अंतर्गामी अदला– बदली छात्रों की संख्याः 41
अभिदत्त जर्नल

अंतरराष्ट्रीय जर्नल: 29

राष्ट्रीय जर्नल: 73

लक्ष्मीबाई कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

लक्ष्मीबाई कॉलेज ने जुलाई, 2015 में एक शिक्षण संस्था के रूप में अपना 50 वर्ष पूरा किया। संकाय सदस्यों और छात्रों ने वर्तमान वर्ष में शिक्षा और खेल के क्षेत्र में कॉलेज के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा हासिल किए हैं। कई शिक्षकों ने अपना पीएचडी पूरा किया, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेपर प्रस्तुत किया और जर्नलों में पुस्तकों और पेपरों को प्रकाशित कराया है। 'उच्च शिक्षा में गुणता आश्वासन' और 'मूडल प्लेटफार्म के साथ एमओओसी अभिकल्प' जैसे विषयों पर कई संकाय विकास कार्यक्रमों को शुरू किया गया। कॉलेज ने आईक्यूएसी के माध्यम से एनएएसी के अंतर्गत गुणता आश्वासन प्रक्रिया में शीघ्रता लाने के लिए शिक्षण कर्मी की बैठक और शिक्षकों व छात्रों के बीच बेहतर संवाद के लिए प्रत्येक माह छात्र परिषद के साथ बैठक को शुरू किया। इन्होंने अपने वेबसाइट को पूर्णतः पुनरूज्जीवित किया और परस्पर संवाद और प्रयोगकर्ता अनुकूल बनाया। किशोर अवस्था में मोटापा पर डीयू द्वारा वित्तपोषित नवोन्मेषी परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया गया और तीन नए अनुसंधान परियोजनाओं की शुरूआत की गयी। कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से अच्छी खासी संख्या में छात्रों की भर्ती की गयी।

उत्कृष्ट प्रतिष्ठा/ सम्मान

डॉ. प्रत्यूष वत्सला, प्राचार्य 'महिलाओं के विरूद्ध अपराध की रोकथाम किस प्रकार की जाए?' विषय पर चर्चा के लिए दूरदर्शन के पैनल में थीं। 2015

डॉ. अनिता मल्होत्रा, एसोशिएट प्रोफेसर जून, 2015 में सेंटर ऑफ ग्लोबल हेल्थ, त्रिनिटी कॉलेज, डबलीन, आयरलैंड में 'भारत में किशोरावस्था में मोटापा– उभरती प्रवृत्ति' विषय पर एक आमंत्रित वक्ता थीं। उन्हें वर्ष 2015 में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) में अनाज, दाल और फलियों व उनके उत्पादों (बेकरी सहित) से संबंधित वैज्ञानिक पैनल के सदस्य के रूप में नामित किया गया। डॉ. मल्होत्रा को अगस्त, 2015 में खाद्य वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों (।), दिल्ली चेप्टर, के कार्यकारी समिति में सम्माननीय सचिव के रूप चुना गया । उन्हें मार्च, 2016 में बीआरएस (विज्ञान) द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएचडी के छात्रों को स्वतंत्रत रूप से मार्गदर्शन देने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की गयी।

डॉ. सीमा कौशिक, सहायक प्राध्यापक ने अप्रैल, 2015 में गोवा में हुए राष्ट्रीय मार्स्टर्स एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण पदक (1500 मीटर) और 2 कांस्य पदक (4X100 मीटर, 4X400 मीटर) हासिल किया।

श्रीमती सारिका भटनागर, सहायक प्राध्यापक ने 'एक उभरती अर्थव्यवस्था में विदेशी और सरकारी क्षेत्र के बैंकों का तुलनात्मक अध्ययन– भारत का एक केस अध्ययनः वर्ष 2000– 2014 की अवधि के लिए' शीर्षक से एक अनुसंधान पत्र के लिए सबसे बेहतर प्रपत्र पुरस्कार जीता। इस प्रपत्र को अर्थावन, 20151 (1), 20–28 में प्रकाशित किया गया।

संजना (छात्र) ने हांगकांग में नौंवे एशियाई युवा नेटबॉल चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अकांशी, सोनाली, फातिमा, दिव्या अग्रवाल, आरती, राखी (छात्रों) ने बॉक्सिंग/ योग में स्वर्ण पदक हासिल किया।

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'विद्यालय जाने वाले किशोरों में मोटापे के संभावित निर्धारक को समझना' नवोन्मेषी परियोजना (2013-15) का वित्तपोषण (6,00,000 रूपए) किया। परियोजना जांचकर्ता– डॉ. अनिता मल्होत्रा, डॉ. गायत्री, सुश्री सोनिका और डॉ. अनु।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'निम्न लागत प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण' विषय पर नवोन्मेषी परियोना (2015-16) का वित्तपोषण (5,00,000 रूपए) किया। परियोजना जांचकर्ता – डॉ. अमृता शिल्पी, सुश्री राजश्री, सुश्री गोबिना।

आईसीएसएसआर ने सीएआरडी (2016–18) को संस्वीकृत अनुसंधान परियोजना को प्रायोजित किया 'सोशल – साइकोलोजी ऑफ मारजिनलाइजेशन एंड एक्सक्लूजनः ए स्टडी ऑफ 'डोम' एंड 'मुसहर' कम्युनिटीज इन बिहार' (15,00,000 रूपए) । परियोजना के सह निदेशक – डॉ. अमृता शिल्पी।

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग ने छोटी परियोजना (2015 के बाद) 'जेंडर डेवलपमेंट इन कंटोम्पोरेरी इंडियाः इंटरप्रेटिंग पॉलिसीज ऑफ द स्टेट' का वित्तपोषण किया (1,25,000 रूपए) । मुख्य जांचकर्ता – डॉ. मधु झा।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकों की संख्या – 87,368

जर्नल एंव पत्रिकाएं -55

प्रकाशन

वत्सला, पी. (2015) । ह्यूमन राइट्स एजुकेशनः इश्यूज एंड चैलेंजेज। नई दिल्लीः अटलांटिक पब्लिसर्स।

नांजिया, आर. (2015) । कोर्पोरेट गवर्नेंस प्रैक्टिस इन आईटीसी लिमिटेड इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ द कामर्स, आर्ट एंड साइंस (ऑनलाइन), 6(6)।

कौल, आर. (2015)। जेंडर इनइक्वलिटीः चैलेंजेज ऑफ एजुकेटिंग द गर्ल चाइल्ड। सोशल चेंज, 45(2), 224-233।

शर्मा, एल. (2015) । ई–कामर्स ऑपरेशनल आस्पेक्ट्स, एकाउंटिंग, ऑडिटिंग एंड टेक्सेशन इश्यूज। न्यू देल्हीः न्यू सेंचुरी पब्लिकेशन।

शर्मा, एल., हर्नेजा, ए. और कौशिक, एस. (2015) एनॉलिसिस ऑफ ग्रोथ स्ट्रेटेजिज ऑफ एडिडास ग्रूप। रिसर्च रिइंफोर्समेंट जर्नल, 2, 7-10 ।

गायत्री एवं रेखा (2015) । कंज्यूमर्स एटिट्यूड टूवार्ड्स मोबाइल मार्केटिंग – ए कांटेम्पोरेरी कम्यूनिकेशन टूल। प्राबधान गुरू, 5(1-2), 1-9 ।

भटनागर, एस. (2015) । ए कॉमपेरेटिव स्टडी ऑफ प्रोफिटेब्लिटी ऑफ फारेन एंड पब्लिक सेक्टर बैंक्स इन एन एमर्जिंग इकोनॉमी – ए केस स्टडी ऑफ इंडिया फार द पीरियड 2000– 2014। आईटी और प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल (ऑनलाइन) , 5(10) ।

यादव, एम. पी. (2015) । इंटरनेरशनल जर्नल ऑफ रिसर्च 5 (2) ।

खोंग्रेइवो, आर. (2015) । नागाज एंड प्री–कोलोनियल मणिपुर किंगडमः हिस्ट्री ऑफ इग्नोरेंस, रेड्स एंड टेरिटोरियल फ्यूडिटी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडिजेनश एंड मार्जिनलाइज्ड अफेयर्स, 1(1), 62-79 ।

छाबरा, ए. (2015) । एस्टीमेटिंग प्रिवेलेंस ऑफ सेक्सुअल एब्यूज बाय एन एक्विंटेंस विद ऑप्टिमल अनरिलेटेड क्वश्चन आरआरटी मॉडल, नॉर्थ कैरोलिना जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स, 2, 1–9।

सम्मेलन जिनमें भाग लिया गया और प्रपत्र जिन्हें प्रस्तुत किया गया

मल्होत्रा, ए. ने 23–24 नवम्बर, 2015 को श्रीलंका के कोलंबो में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के सहयोग से दक्षिण एशिया शिशु स्तनपान अनुसंधान नेटवर्क (एसएआईएफआरएन) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृत्व एवं बाल पोषण सम्मेलन में 'बाहरी दिल्ली में कम आय वर्ग वाले लोगों में पोषण संबंधी शिक्षा से मातृत्व पोषण, प्रसूति परिचर्या और गर्भाधान में सुधार होता है' पर एक अनुसंधान प्रपत्र को प्रस्तुत किया।

चावला, आई. ने दिनांक 27–28 नवम्बर, 2015 को राष्ट्रीय प्रगत अध्ययन संस्थान (एनआईएएस), बंगलौर की मेजबानी में वैश्विक साझा ज्ञान मंच द्वारा आयोजित 'प्रौद्योगिकी, विकास और धारणीयता' विषय पर ज्ञान मंच के दसवें वार्षिक सम्मेलन में 'फिल्म प्रोडक्टिविटी एंड फारेन इंवोल्वमेंटः एन एनालिसिस फॉर मैनूफेक्चरिंग फर्म्स इन इंडिया' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

पोर्चेल्वी, ए. ने 5–6 दिसम्बर, 2015 को चंडीगढ़ के पंजाब विश्वविद्यालय के पंजाब यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल द्वारा आयोजित लेखांकन शिक्षा और अनुसंधान पर 38वें अखिल भारतीय लेखांकन सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में 'भारत में पर्यावरणीय लेखांकनः पर्यावरण संबंधी कानून की आवश्यकता और विकास' शीर्षक पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

यादव, एम. पी. ने 18 फरवरी, 2016 को पीएसजी इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अन्ना विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिलनाडु, भारत में आयोजित बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय अकादमी अनुसंधान सम्मेलन में मानव संसाधन विकासः भिन्न रूप से सशक्तजनों के लिए सामाजिक शिक्षा पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

गउबा, एस. ने 31 अक्टूबर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में आयोजित 'समकालीन विश्व में कारोबार परिवर्तन – मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए स्टडी ऑन इंपेक्ट ऑफ डेमोग्राफिक फैक्टर्स ऑन इंवेस्टमेंट प्रिफेरेंसेज ऑफ सेलरीड इन्डिविजुअल एक्रास एनसीआर' शीर्षक पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया और इसे 'अर्थावान' जर्नल के अक्टूबर, 2015 के अंक में प्रकाशित किया गया।

आहूजा, आर. ने जाकिर हुसैन कॉलेज में 'एमर्जिंग चैलेंजेज एंड ऑपर्च्युनिटीज इन बिजनेस एंड इकोनॉमिक एंवारामेंट' शीर्षक वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इस्लामिक बैंकिंग' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

उमा ने 19–20 फरवरी, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अफ्रीकी अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'अफ्रीका सिंस 2000ः ट्रांजिशन एंड चेंज' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द इंडियन ओशन रिम एसोशिएशनः ए केस स्टडी ऑफ इंडिया –केन्या ट्रेड रिलेशन' पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी 95/ अस्थायी 0/ तदर्थ 72

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान:

यूजीसी- 25,59,90,760 रूपए

राज्य सरकार- 15,00,000 + 50,000 (खेल के लिए) +20,000 (पर्यावरण हेतु) रूपए

उपयोग किए गए रूपए:

25,88,74,000 (लगभग) रूपए

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या - 36

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों / उद्योगों की संख्या- 2

बार बार आने वाले भर्तीकर्ता की संख्या-1

विस्तार और पहुंच संबंधी कार्य

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्या– कैर और मित्रां गांव में एक एनएसस विशेष कैंप का अयोजन किया गया और लक्ष्मीबाई को बेहतर कार्यनिष्पादन कर्ता के रूप में घोषित किया गया।

इन कैंपों में नामांकित /शामिल होने वाले लोगों की संख्या– 225 घरों में दौरा किया गया।

इन कैंपों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या- 50

इन कैंपों में समर्पित घंटों की कुल संख्या - 160 घंटे

अभिदत्त जर्नल 55 (जर्नल एवं पत्रिकाएं)

कोई अन्य महत्वपूर्ण सूचनाः छात्रों के बीच जागरूकता सृजन, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य के साथ कॉलेज अगले अकादमी वर्ष (2016–17) से राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रशिक्षण साझेदारों के सहयोग से कुछ एड ऑन/अल्पावधि / प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

महराजा अग्रसेन कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सरदार पटेल मेमोरियल व्याख्यानः 31 अक्टूबर को इस कॉलेज में एकता दिवस के रूप में मनाया गया। माननीय पर्यटन मंत्री, राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार, श्री कपिल मिश्रा इसमें मुख्य अतिथि थे।

स्वामी विवेकानंद मेमोरियल व्याख्यानः 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जन्मशती मनाने के लिए पद्म विभूषण डॉ. करण सिंह द्वारा यह व्याख्यान दिया गया। कॉलेज ने संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर के योगदान को स्मरण करने के लिए 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाया। संविधान के प्रस्तावना की प्रतियां छात्रों और कर्मचारियों के बीच बांटा गया। आईक्यूएसी के तत्वावधान में अंतर्विषयक कार्यशाला श्रृंखला यथा 'क्वालिटी एन्हांसमेंट इन बेसिक कम्प्यूटर' (लेवल I, II और III) ; 'क्वालिटी पैरामीटर्स ऑफ डाटा एनालिसिस एंड इंटरप्रिटेशन यूजिंग एमएस एक्सेल' ; और ''बी साईबर सेक्यूर'' आयोजित किया गया। इस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील सोंढ़ी द्वारा ''फ्राइडे फैकल्टी रिसर्च सेमीनार सीरीज'' का उद्घाटन भाषण दिया।

अनुसंधान परियोजनाएं

कॉलेज स्टार नवोन्मेषी स्कीम और नवोन्मेषी परियोजना स्कीम के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं का प्रबंधन करता है जिसका पूर्ण वित्तपोषण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है।

चल रही परियोजनाएंः वैश्विक संगठनों में सभ्यता और संवाद, साइबर सुरक्षा सहायता प्रणाली, दिल्ली विश्वविद्यालय में कर्मचारियों का इन हाउस कार्यनिष्पादन मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए कार्यनीति विकसित करना, उच्च शिक्षा के लिए ई– शिक्षण सामग्रियों को तैयार करना।

पुस्तकालय विकास

इस पुस्तकालय को 16 लाख रूपए का बजट प्राप्त हुआ और इस प्रकार इसमें 1301 पुस्तकें जोड़ी गयीं।

इस अकादमी वर्ष में ओपीएसी के कार्यान्वयन के साथ पुस्तकालय का डिजिटलीकरण किया गया, जिससे छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए यह पुस्तकालय और अधिक सुगम्य हो गया। इस पुस्तकालय में बैठने की क्षमता में भी वृद्धि की गयी तथा उच्च सुरक्षा एवं तकनीकी अनुकूल माहौल के लिए आरएफआईडी (रेडियो आवृत्ति पहचान उपकरण) को लागू करने की प्रक्रिया में है।

प्रकाशन

श्रीवास्तव, प्रेम के. (2015) स्टेंडिंग वाय द वेसाइड। पोयट्री स्पेस लिमिटेड ब्रिस्टल, यूनाइटेड किंग्डम।

---. (2015): "कंसिडर द सोर्स, बट हाउ मच? रस्किन ब्रांउ और विशाल भारद्वाज की बॉलीवुडिजिंग लिटरेचर, फॉर्जिंग सिनेमा विषय पर 'द ब्लू अंब्रेला' (संपादन सिमरन चड्ढा), रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली।

----. (2015) "नॉलेज कीपर्सः कैनेडियन सिनेमा अबॉउट द इंडिजेनस'' इन जेंडर और डायवरसिटीः भारत, कनाडा और वियोंड (संपादन मालाश्री ला एट ला) रावत पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

वर्मा, विनोद (2016) बार्डर्स, पिलग्रिम्स, नो मेंस लैंड एंड पोयेटिक पिलग्रिमेज, इंडियन यूनिवर्सिटी, अमेरिका, गेटवे ऑफ इंडिया, दिल्ली।

कोहली, रितु (2015) 'डा. शयामा प्रसाद मुखर्जी और कश्मीर समस्या' प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

---, (2015) 'फार्मर्स मूवमेंट' इन कंपनी टू द क्राउन, प्रिजन, दिल्ली।

रिंटेंन, सुधीर के. (2016) "एंटरटेनमेंट एज न्यूज मीडिया कंटेंट", टीवी न्यूज चैनल्स इन इंडिया, सेंटर फार मीडिया स्टडीज एंड एकेडेमिया फाउंडेशन।

जिन सम्मेलनों में भाग लिया गया

आभा मित्तल, वाणिज्य विभाग ने आबू धाबी विश्वविद्यालय के बिजनेस ऐडमिनिस्ट्रेशन कॉलेज द्वारा 22–23 नवम्बर, 2015 को आयोजित संगठन और प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'गुड कार्पोरेट गवर्नेंस : द रोड टू फाइनेंसियल परफारमेंस' में भाग लिया।

22–23 नवम्बर, 2015 को आबू धाबी विश्वविद्यालय के बिजनेस प्रशासन कॉलेज द्वारा आयोजित "कुप्रबंधन के कारण यूनानी संकट" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगठन और प्रबंधन सम्मेलन।

3 जुलाई से 5 जुलाई, 2015 तक मेन्सफिल्ड कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, यूके, में विनोद वर्मा, अंग्रेजी विभाग द्वारा ''पिल्ग्रीमेज अपसाइड डाउनः कबीर एस ए पिलग्रिम ऑफ उलट बंशी ओर अपसाइड डाउन लैंग्विज' ।

-----रिकॉगनाइजिंग एंड एक्सप्लोरिंग पेडागोगी आफ साइलेंस एंड साइलेंस ऑफ पेडागॉगी थ्रू ए टेक्स्टबुक द इंडिविडुअल एंड सोसाइटी, मेंसफिल्ड कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, यू के, 7 से 8 जुलाई, 2015।

16 –17 अप्रैल, 2015 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित ''डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के समावेशी विचार' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में संजीव तिवारी, राजनीतिक विज्ञान विभाग 'डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की संविधान निर्माण में भूमिका'।

ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत (एनसीआर) के इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी और इंडियन सोसाइटी फॉर कॉमनवेल्थ स्टडीज द्वारा आयोजित (25–27 जनवरी, 2016) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – बहुसंस्कृतिवाद और वैश्विकवादः भारत और विश्व – में शिल्पा गुप्ता, अंग्रेजी विभाग ने 'फ्राम होमलेसनेस टू हाइब्रिडिटी इन सलमान रशदीज ''द इमेजनरी होमलैंड्स'' और ''स्टेप एक्रास द लाइन''।

पूनम सिंह, रसायन विभाग ने 1–4 मार्च, 2016 को मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''स्टेबिलाइजेशन ऑफ ऑक्सीफ्लूराइड कंटेनिंग सीओ इन आईवी बाय हाइपर हैलोजंस''।

25–27 जनवरी, 2016 को ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ''बहुसंस्कृतिवाद और विश्ववादः भारत और विश्व'' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देबोस्मिता पॉल, अंग्रेजी विभाग ने ''मल्टीकल्चरलिज्म एंड द मेकिंग ऑफ इंडियाः ए स्टडी ऑफ द स्वदेशी मूवमेंट ऑफ 1905 थ्रू सेलेक्ट बंग्ला राइटिंग्स'' हिस्सा लिया।

संकाय सदस्यों की संख्या : स्थायीः 64, अस्थायीः 01, तदर्थः 52

वित्तीय अनुदान और उपयोगिता

अनुदान संस्वीकृति : 19,84,00,000 / – रूपए

उपयोग की गयी राशि– 18,90,20,176/- रूपए

विस्तार और पहुंच कार्य

वर्ष 2014 में शुरू किए गए एनएसएस पेडल पावर क्लब स्वच्छ और प्रदूषण रहित पयार्वरण के लिए भी कार्य करता रहा है। पेडल पावर ने दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता अभियान एप की सहायता के लिए दिसम्बर, 2015 के महीने में स्वच्छता अभियान को शुरू किया और एमएसी के निकट के क्षेत्रों में कचरे के ढ़ेर का पता लगाने में सहायता की।
11 और 12 मार्च, 2016 को राष्ट्रीय छात्र अकादमी सम्मेलन (एनएसएसी) का अयोजन किया गया था।
अदला बदली कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या
महराजा अग्रसेन कॉलेज ने फरवरी, 2016 के महीने में टोक्यो, जापान में टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फारेन स्टडीज के साथ दीर्घवधि शैक्षणिक और संस्कृति आदान प्रदान कार्यक्रम को शुरू किया । संकाय सदस्यों सहित 21 छात्रों ने 22 फरवरी को महराजा अग्रसेन कॉलेज का दौरा किया और बाद में वे आगरा व अमृतसर गए।

अभिदत्त जर्नल
इस पुस्कालय में केन्द्रीय डीयूएलएस प्रणाली के माधम से 43000 से अधिक ई –जर्नल अभिदत्त किया गया है।

महर्षि वाल्मिकी कॉलेज ऑफ एजुकेशन

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां
अकादमी सत्र की शुरूआत नए दो वर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं का समाधान करते हुए एक सुनियोजित अभिमुखी पाठ्यचर्या के साथ हुई। कॉलेज के कार्यों में छात्रों की भागीदारी को छात्र पंचायत के चुनाव के माध्यम से सुनिश्चित की गयी जिसकी विधिवत स्थापना 16 दिसम्बर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त संकाय सदस्य डॉ. एस. पी. पाठक द्वारा की गयी। महर्षि वाल्मिकी जयंती पर 'जाति, लोग और लोकतंत्र' विषय पर दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर सतीश देशपांडे ने संबोधन किया। 16 नवम्बर, 2015 को इस कॉलेज का फाउंडेशन दिवस मनाया गया, प्रोफेसर कृष्णा कुमार, एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक और दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा प्रोफेसर ने 'पढ़ाना, बताना सीखाना' विषय पर संबोधित किया। कॉलेज ने 29 फरवरी, 2016 को अपना वार्षिक दिवस मनाया। 2 मार्च, 2016 को वार्षिक पिकनिक का आयोजन किया गया। बी. एड. छात्रों के क्षेत्र निरीक्षण के लिए उन सभी के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राष्ट्रीय बाल भवन और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र के दौरे का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, इसके अतिरिक्त, कतिपय संकाय सदस्यों द्वारा अध्यापन पाठ्यक्रम से जुड़े छात्रों के लिए चयनित ऐतिहासिक स्थलों, कृषि मेलों आदि के दौरों का आयोजन किया गया। आवश्यक कई सरकारी और पब्लिक स्कूलों के सहयोग से क्षेत्र कार्य को सफलतापर्वूक पूरा किया गया। छात्रों ने माननीय प्रधान मंत्री द्वारा इंडिया गेट पर 31 अक्टूबर, 2015 को शुरू किए गए 'एकता दौर' में पूरी निष्ठा से भार लिया और विनिर्दिष्ट दिवसों पर 'स्वच्छता अभियान' में भाग लिया। 21 जून, 2015 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया । मानवाधिकार दिवस और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भी आयोजन किया गया जिनमें छात्रों ने पूरी निष्ठा से भागीदारी की।

पुस्कालय विकास
पुस्तकालय के विकास पर 303365 रूपए की राशि खर्च की गयी और इसके परिणाामस्वरूप 320 अतिरिक्त पुस्तकें शामिल की गयीं। इस पुस्तकालय ने 18 जर्नलों को अभिदत्त किया।

प्रकाशन
कुमार आर. (2015) एकोमोडेटिंग टीचर्स एनकाउंटर्स एंड लर्नर्स स्पेकुलेशंस रिलेटेड टू अल्टरनेटिव फ्रेमवर्क्स इन साइंस । इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्नोवेटिव एजुकेशन (आईएसएसएन 2393–8404), भाग 2 (अंक1)।

कुमार, आर. (2015). भारत में सेवा पूर्व शिक्षकों की आकांक्षाओं के आधार पर एनसीईआरटी और पीएचईटी द्वारा विकसित तुलनात्मक सीएल सामग्रियों का तुलनात्मक विश्लेषण। अंतरराष्ट्रीय नवोन्मेषी शिक्षा संबंधी जर्नल (आईएसएसएन 2393–8404), भाग 2 (अंक 2)।

कुमार, आर. (2015)। सेवापूर्व विज्ञान शिक्षकों की कंप्यूटर रहित अथवा इमेजनरी कंप्यूटर रिफ्लेक्टिव एक्सरसाइज से शिक्षा। अंतरराष्ट्रीय नवोन्मेषी शिक्षा जर्नल (आईएसएसएन 2393–8404), भाग2 (अंक 1)।

कुमार, आर. (2015)। कंप्यूटर सुविधा युक्त शिक्षा में किए गए अनुसंधानों की प्रकृतिः इनके वर्गीकरण के लिए मुख्य क्षेत्रों की पहचान करना। अंतरराष्ट्रीय नवोन्मेषी शिक्षा जर्नल (आईएसएसएन 2393–8404), भाग2 (अंक 2)।

कुमार, आर. (2015) । शैक्षणिक अनुसंधान डिजाइनों की समझः विवेचनात्मक अध्ययन। अंतरराष्ट्रीय नवोन्मेषी शिक्षा जर्नल (आईएसएसएन 2393–8404), भाग2 (अंक 3)।

आयोजित /भाग लिए गए सम्मेलन

आयोजित सम्मेलन

राकेश कुमारः ''नई शिक्षा नीति –2015ः पणधारक का दृष्टिकोण'' के संबंध में राष्ट्रीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका आयोजन 10 दिसम्बर, 2015 को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के सहयोग से जीआडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा किया गया।
राकेश कुमारः उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर विज्ञान और गणित में पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तकों के अध्ययन के लिए अनुसंधान परियोजना में संसाधन व्यक्ति। इसका आयोजन 28–29 मार्च, 2016 को एनसीईआरटी के विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

सम्मेलन में भाग लेने वाले

पी. के. शर्माः दो वर्षीय बी. एड. प्रोग्रामः मुद्दे और चुनौतियां संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में वक्ता, इसका आयोजन 30 मार्च, 2016 को गीतारतन इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज एंड ट्रेनिंग, (गुरू गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय) द्वारा किया गया और यह रोहिणी, नई दिल्ली में आयोजित हुआ।
पंकज दासः भारतीय शिक्षा व्यवस्था में अनुपस्थितिवादः भारत में शिक्षा संबंधी नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में सरकारी विद्यालयों के बच्चे के विद्यालयी व्यवहार का स्थितिजन्य विश्लेषणः सर्वेक्षण और आगे का रास्ता, 10–11 मार्च, 2016 को मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन द्वारा आयोजित किया गया।
भारत में सामाजिक रूप वंचित समूहों की शिक्षा के संबंध 'प्राथमिक शिक्षा में वंचित बच्चों का मौन अपवर्जनः मध्य प्रदेश का केस अध्ययन' में राष्ट्रीय सेमीनार, जिसका आयोजन 04–06 मार्च, 2016 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), भोपाल द्वारा आयोजित किया गया।
भारत में राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य विचार गोष्ठीः चिंताएं और जागरूकता' में 'प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा और किशोरवय बालिकाः भारत में आध्यात्मिक विश्लेषण' का आयोजन 12 फरवरी, 2016 को देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।
उत्पन्न सामाजिक बदलावः प्रतिरोध प्रचलन विषय पर 'नारी सुलभ सामाजिकरण और विद्यालयी शिक्षाः विद्यालय को बीच में छोड़ने संबंधी राजनीति' वीएमएमएफ अनुसंधान विद्वान के कार्यशाला का आयोजन 30–31 जनवरी, 2016 को महिला विकास अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा आईआईसी द्वारा किया गया।
विक्लांग छात्रों के लिए शिक्षा तक पहुंचः मुद्दे और चुनौतियां के संबंध में 'वंचित का समावेशनः दिल्ली के विद्यालयों में विशेष आवश्यकता के साथ बच्चों का केस अध्ययन' पर राष्ट्रीय सेमीनार (एईएसडीआईसी–2015) का आयोजन बीएचयू, वाराणसी के सांख्यिकीय विभाग द्वारा किया गया।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी/ अस्थायी/ तदर्थ: 14/5/3

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

वित्तीय वर्ष 2015–16 के लिए इस कॉलेज में वित्तीय आवंटन और उपयोगिता की स्थिति निम्न है–

रूपए में	वेतन	सामान्य (गैर योजना)	सामान्य (योजना)	पूंजी (गैर योजना)
संस्वीकृत अनुदान	59466461	1601308	1020739	2178692
उपयोगिता	40568149	1162714	979231	303433

विस्तार और पहुंच संबंधी कार्यकलाप

छात्रों ने आसपास के क्षेत्रों में कई प्रकार से विद्यालयों में नामांकित और अनामांकित बच्चों की सहायता करते हुए सामुदायिक सेवा की।

अभिदत्त जर्नल

इस पुस्तकालय ने डीयूएलएस के माध्यम से उपलब्ध तीन जर्नलों के अलावा 18 भारतीय जर्नल को अभिदत्त किया।

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

स्मारिका पुरस्कारः दो स्मारिका पुरस्कारों (एक) प्रोफेसर आर. पी. शर्मा स्मारिका पुरस्कार बी. एड. पाठ्यक्रम के सबसे अच्छे छात्र के लिए कॉलेज के स्वर्गीय आर. पी. शर्मा, फाउंडर प्राचार्य (ओएसडी) के परिवार द्वारा 100000 रूपए की राशि से शुरू किया गया जिसे प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है और (दो) अपनी स्वर्गीय मां मोहिंदर कौर के स्मरण में कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रभाजोत कुलकर्णी द्वारा 50,000 रूपए से सृजित प्रतिवर्ष विज्ञान विषय के लिए छात्राओं को विश्वविद्यालय के बी. एड. वार्षिक परीक्षा में महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने के लिए श्रीमती मोहिंदर कौर स्मारक पुरस्कार।
एनएएसी प्रत्यायनः इस कॉलेज को दिनांक 17.03.2016 से पांच वर्षों की अवधि के लिए मान्य 'ए' ग्रेड के चार प्वाइंट स्केल पर 3.15 के सीजीपीए के साथ राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद् (एनएएसी) द्वारा कॉलेज को प्रत्यायित किया गया है।

मैत्रीय कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस कॉलेज ने शैक्षणिक क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य किया। कुल 3098 छात्रों ने वार्षिक परीक्षा दी और इनमें से 1946 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की, और समग्र पास प्रतिशत 96.7 प्रतिशत था। अगस्त के महीने में भारत के महामहिम राष्ट्रपति के साथ एक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यकलापों के साथ अगस्त के महीने में ''परिवर्तन'' अभियान को शुरू किया गया जिससे कैंपस स्वच्छ हुआ। इसके बाद दिल्ली पुलिस के सहयोग से 5 दिनों के लिए आत्म रक्षा कार्यशाला आयोजित किया। यूकेआईईआरआई द्वारा समर्थित ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से जेनरेशन यूके इंडिया स्टडी कार्यक्रम को आयोजित किया गया और इसे इंडोजेनियस ने प्रदान किया। इस वर्ष मैत्रीय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों के यूके के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुलाई और सितम्बर, 2015 में दो समूहों से लगभग 90 छात्रों की मेजबानी की। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यकलापों का आयोजन किया गया। इसने यूके के छात्रों के साथ परस्पर संवाद के लिए हमारे उन छात्रों को अद्वितीय मंच प्रदान किया जो मैत्रीय कॉलेज द्वारा उनके किए गए स्वागत सम्मान से बहुत प्रसन्न थे। जून, 2015 में हमारे कॉलेज के दो छात्रों और एक संकाय सदस्य के एक समूह ने यूकेरी सूप (यूके भारत शिक्षा और अनुसंधान पहल– अध्ययन यूके कार्यक्रम) के अंतर्गत एक सप्ताह के लिए लंदन का दौरा किया । उन्होंने ऑक्सफोर्ड पर एक पूरे दिन के सत्र सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों का दौरा किया। वार्षिक सांस्कृतिक समारोह आरएचएपीएसओडीवाई– 2016, 28–29 जनवरी को आयोजित किया गया। इसका उद्‌घाटन सुश्री निशा सिंह, मुख्य अतिथि और श्री मेहराज हसन, गेस्ट ऑफ ऑनर द्वारा किया गया। इसका आयोजन व्यापक पैमाने पर हुआ और 10,000 से अधिक छात्रों ने इसे देखा। प्रथम दिन आध्या बैंड की अनुपस्थिति और दूसरे दिन रॉक स्ट्रिंग बैंड एवं गायक गुरू संधावा द्वारा सिलेब्रिटी प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम को एचटी सिटी में कवर किया गया था।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2014–15 के दौरान इस कॉलेज पुस्तकालय ने 1611 पुस्तकें खरीदीं। इसने लोकप्रिय पत्रिकाओं के साथ 53 जर्नल को अभिदत्त किया। पुस्तकालय में 19 समाचार पत्रों का संग्रह है। पुस्तकालय में कुल संग्रहण सीडी सहित बढ़कर 94369 हो गया है। इसने छह हजार से अधिक ई– जर्नल और एन लिस्ट के माध्यम से एक लाख से अधिक ई बुक अभिदत्त किया है।

प्रकाशन

लुम्ब, शालिनी और विनोद प्रसाद (2016) "टू फोटोन प्रोसेस इन एन एटम कंफाइंड इन गॉउसियन पोटेंशियल" एटम्स 4, 6.

लुम्ब, शालिनी, सोनिया लुम्ब, दीप्ति मुंजाल और विनोद प्रसाद (2015) "इंटेन्स फील्ड इंड्यूस्ड एक्साइटेशन एंड आयोनाइजेशन ऑफ एन एटम कंफाइन्ड इन ए डेंस क्वांटम प्लाज्मा" भौतिकी, एससीआर. 90. , 095603

लुम्ब, सोनिया, सालिनी लुम्ब और विनोद प्रसाद (2015) "स्टेटिक पोलोराइजेब्लिटी ऑफ एन एटम कंफाइंड इन गुसेन पोटेंशियल", ईयूआर. भौतिकी. जे. प्लस. 130, 149

---, (2015) "फोटोएक्साइटेशिन एंड आयोनाइजेशन ऑफ ए हाइड्रोजन एटम कंफाइंड बाय ए कंबाइंड इफेक्ट ऑफ ए स्फेरिकल बॉक्स एंड डिबे प्लाज्मा" भौतिकी. लेट. ए 379, 1263

लुम्बा, सोनिया, शालिनी लुम्ब और विनोद नौटियाल (2015) "फोटोएक्साइटेशन एंड आयोनाइजेशन ऑफ हाइड्रोजन एटम कंफाइंड इन डिबे एन्वायरनमेंट" इयूआर. भौतिकी जे. डी. 69, 176

कुमारी, सुशील (2015) "कठोप्निषद् में दार्शनिक निवेचना" , आईएसएसएन 2394-7519 (अंतरराष्ट्रीय संस्कृत अनुसंधान जर्नल) ।

---, (2015) "महर्षि वाल्मिकी की करूण रसाभिव्यक्ति" 14 अनंत आईएसएसएन 2394-7519 (अंतरराष्ट्रीय संस्कृत अनुसंधान जर्नल) ।

सम्मेलन जिन्हें आयोजित किया गया / जिनमें भाग लिया गया

आयोजित सम्मेलन

11 और 12 फरवरी, 2016 को ''मेन मेड डिजिज –एन अर्बन मिनेस'' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ।

''नैनोसाइंस– ऑपरच्युनिटीज एंड चैलेंजेज'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। 19 और 20 फरवरी, 2016 को हुए दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान नैनोसाइंस और प्रौद्योगिकी संस्थान (मोहाली), डीआरडीओ (ग्वालियर), टीआईएफआर (मुम्बई), आईआईटी (दिल्ली), एनपीएल (दिल्ली) और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने इस विकसित हो रहे क्षेत्र पर व्याख्या प्रस्तुत किया । इस सम्मेलन में 300 से अधिक छात्र और अनुसंधानकर्ताओं और 20 महाविद्यालयों से लगभग 90 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में प्रपत्र और पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुति दी गयी।

जिन सम्मेलन में हिस्सा लिया गया

सुश्री अनुरिता जलान, सामाजशास्त्र विभाग ने 'सिंगलहुड' सिद्धांत पर जापान के टोक्यो विश्वविद्यालय में एक सम्मेलन में अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए।

सुश्री मंजु भारद्वाज, कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने 14 से 17 नवम्बर, 2015 को अटलांटिक सिटी, न्यू जर्सी, अमेरिका में हुए आईईईई आईसीडीम 2015 पीएचडी फोरम में ''एक्यूरेट क्लासिफिकेशन ऑफ बायोलॉजिकल डाटा'' विषय पर अनुसंधान प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रदीप राय, पुस्कालय अध्यक्ष ने 12–15 मार्च, 2016 को सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात में हुए ''सस्टेनिंग द एक्सेलेंसः ट्रांसफर्मिंग लाइब्रेरिज थ्रू टेक्नोलॉजी, इन्नोवेशन एंड वेल्यू एडेड सर्विसेज इन गूगल एरा'' विषय पर 61वें आईएलए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया और ''प्लानिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ लाइब्रेरी स्पेस फार चेंजिंग यूजर्स नीड'' विषय पर सह लेखक के रूप में एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी– 111/ अस्थायी –शून्य/ तदर्थ –72 (31 मार्च, 2016 तक)

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

अनुदान संस्वीकृति– 387079760 रूपए

उपयोग की गयी राशि - 35,39,46,108/- रूपए

दर्ज पेटेंट/ संस्वीकृत पेटेंट

राष्ट्रीय पेटेंट की संख्या और नाम -

डॉ. हेमा भंडारी, रसायनशास्त्र विभाग

दर्ज पेटेंट संख्या : 3813/डीईएल/2013 (समुद्री पर्यावरण में अपरदन से रक्षा के लिए पॉलीमर कंपोजिट करते स्मार्ट कोटिंग)। इन नवोन्मेष ने डीएसटी– लॉकहिड मार्टिन इन्नोवेषन ग्रोथ प्रोग्राम, 2014 में स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या - 38

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों / उद्योगों की संख्या - 19

बार–बार आने वाले भर्तीकर्ताओं की संख्या - 07

अदला बदली कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या

अंतःस्नातक इन्बाउंड / आउटबाउंड एक्सचेंज छात्र

हमारे कॉलेज के दो छात्रों ने यूके का दौरा किया और जुलाई एवं सितम्बर, 2015 में आयोजित यूकेआईईआरआई के अंतर्गत विभिन्न विषयों से संबंधित यूके के विभिन्न विश्वविद्यालयों से दो समूहों में लगभग 90 छात्रों की मेजबानी की।

स्नातक/ स्नातकोत्तर इन्बाउंड/ आउटबाउंड एक्सचेंज छात्र

अभिदत्त जर्नल

(क) अभिदत्त अंतरराष्ट्रीय जर्नलों की संख्या

एन लिस्ट के माध्यम से ऑनलाइन – कॉलेज परिसर में सभी डीयूएलएस ई संसाधन और जर्नल सहज उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त एन लिस्ट के माध्यम से जर्नल उपलब्ध है।

पेपर बैक संस्करण - 04

(ख) अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या

एन–लिस्ट के माध्यम से ऑनलाइन – कॉलेज परिसर में सभी डीयूएलएस ई संसाधन और जर्नल सहज उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त एन लिस्ट के माध्यम से भी जर्नल उपलब्ध हैं।

एन लिस्ट पहुंच के माध्यम से ई बुक तक पहुंच की संख्या 1,45,000.

पेपर बैक संस्करण - 26

महाविद्यालय ने मुद्रित रूप में भी 23 लोकप्रिय पत्रिकाओं को अभिदत्त किया।

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

हमारे कॉलेज को डीबीटी, भारत सरकार द्वारा विज्ञान के चार विभाग को लगातार स्टार दर्जा दिया जाता रहा है। मैत्रीय कॉलेज का वर्दन्त कैंपस इस कॉलेज के पुरस्कार जीतता रहा है जिसने बड़े उत्साह के साथ विश्वविद्यालय के वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में सदा हिस्सा लिया । कई पुरस्कारों को जीतते हुए इस कॉलेज की मालियों के कठिन कार्य की प्रशंसा हुई। इसमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय का देशबंधु कप सबसे अच्छा लॉन था। साथ हीं कॉलेज ने 'रोज गार्डन' और 'रॉक गार्डन' की श्रेणियों में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त इसे 'गार्डन' श्रेणी में प्रशंसा प्राप्त हुई। कॉलेज को 'हरियाली और स्वच्छता' श्रेणी में दिल्ली विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ और 'बॉर्डर मिक्स्ड फ्लावर' श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। कॉलेज के श्री जगेश्वर को वर्ष 2016 के लिए सबसे बेहतर माली का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

माता सुन्दरी महिला कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् (एनएएसी) की श्रेष्ठ टीम ने मई, 2015 में एनएएसी को सौंपे गए स्व अध्ययन रिपोर्ट (एसएसआर) के प्रमाणन और विधिमान्यकरण के लिए कॉलेज का दौरा किया। यह दौरा 28 से 30 मार्च, 2016 तक तीन दिनों तक की अवधि तक चला। विश्वविद्यालय के आवास, स्वास्थ्य और अनुशासन बोर्ड, ऑडिनेंस (अध्याय 6) द्वारा नियुक्त जांच समिति ने 6 अप्रैल, 2016 का दौरा किया। उन्होंने कॉलेज में कैंटिन, शौचालयों और इसके परिसरों में सफाई और स्वच्छता और रखरखाव की जांच की। उन्होंने कॉलेज के आसपास सुरक्षा की स्थिति की जांच की। उन्होंने कॉलेज के सुरक्षा प्रोटोकॉल की भी जांच की। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्मशती मनाने के लिए 29 अक्टूबर, 2015 को राष्ट्रीय एकता उत्सव के रूप में मनाया गया। 30 अक्टूबर, 2015 को सर्तकता जागरूकता सप्ताह

मनाया गया। वर्ष के दौरान क्विज प्रतिस्पर्धा, खेल स्पर्धा, कार्यशाला, वाद–विवाद प्रतिस्पर्धा, व्याख्यान, सेमीनारों, फिल्म शो का भी आयोजन किया गया।

उत्कृष्ट सम्मान/ प्रतिष्ठा

हमारे कॉलेज के तीन छात्र सुश्री याशिका गुलाटी, सुश्री दिव्या शर्मा और सुश्री शालिनी त्यागी ने 13 से 15 सितम्बर, 2015 को ताओयूआन शहर एनटीएसयू–चीन में हुए एशियाई जूनियर एवं कैडेट कुराश चैम्पियनशिप में भाग लिया। उन्होंने क्रमशः एक रजत पदक और दो कांस्य पदक हासिल किया। पंजाबी (प्रतिष्ठा) तृतीय वर्ष की छात्रा अमृता कौर ने 18 से 20 सितम्बर, 2015 को नई दिल्ली, भारत के तालकटोरा स्टेडियम में हुए कॉमनवेल्थ कराटे डू चैम्पियनशिप 2015–16 में कांस्य पदक जीता। 13 से 15 सितम्बर, 2015 तक ताओयूयान शहर, एनटीएसयू–चीन में हुए एशियाई जूनियर एवं कैडेट कराटे चैम्पियनशिप 2015–16 में याही गिलाती ने रजत पदक और दिव्या व शालिनी ने कांस्य पदक जीता।

पुस्तकालय विकास

इस अकादमी वर्ष के दौरान 2022 (दो हजार बाईस) पुस्तकें शामिल की गयीं। इस पुस्तकालय ने 63 जर्नल और पत्रिकाओं को भी अभिदत्त किया। वर्ष 2015–16 में पुस्तकालय के रिकार्ड से कुल 13,225 पुस्तकों को हटाया गया।

प्रकाशन

कुमार गुप्ता, लोकेश। (2015) कसक करेजा मान्ही । श्री साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।

सविता (2015) "हिंदी उपन्यासों के सामंती जीवन में कृतियां की स्थिति", मेरठ विश्वविद्यालय के इतिहास एलुमनाई का जर्नल (मुहा पत्रिका अर्द्धवार्षिक इतिहास जर्नल)।

कुँवर, निधि (2016) 'क्रिएटिंग डिपेंडेंट रीडर्स एंड राइटरः आवर कम्पलिकेटेड सिम्पल पेडागोगिक एप्रोच' लैंग्विज एंड लैंग्विज टीचिंग' पृष्ठ 21–25 भाग 5 संख्या 1 अंक नौंवा।

नर्मा, रश्मि, बी. के. दास और नमिता शर्मा (2015) । 'द पेकिंग रेडियस ऑफ ए पोसेट ब्लॉक कोड' इन डिस्क्रट मैथेमेटिक्स, एग्लोरिथम एंड एप्लीकेशंस (वर्ल्ड साइंटिफिक), भाग 7 संख्या 4.

शर्मा, रूबल (2015) डायनामिक्स आफ कोपरेशन बिटविन इंडिया एंड आसियान सिंस 2000, मानक पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड।

कौर, जगजीत। पंजाबी कहानीः समाज–सब्याचार्क सरोकार । नेशनल बुक शॉप, दिल्ली।

प्रधान, दिव्या। (2015) । 'फिलिंग इन द ब्लैंक' इन ट्रांसलेशन टूडे, सेंटर फॉर इंडियन लैंग्वेज, मैसूर, भाग 9 सं0 1

शर्मा, रेणु (2016). 'स्पेस मैनेजमेंट इन लाइब्रेरीजः लर्निंग एंड सोशल स्पेस' लाइब्रेरीज एंड लाइब्रेरियनशिप इन ट्विंटी फर्स्ट सेंचुरी। संपादक प्रदीप राय और धरम कुमार, बुक एज पब्लिकेशन।

गलहोत्रा, एम. के. (2016). "इंर्फोमेशन लिटरेसी इन एकेडेमिक एडुकेशन।" पुस्तकालय और सूचना व प्रौद्योगिकी जर्नल भाग 12 संख्या 1

कौर, रवनीत। (2015). "पोर्ट्रेयाल ऑफ डिसेब्लिटी इन टेक्स्ट बुकः ए साइको एजुकेशनल पर्सपेक्टिव" भारतीय शिक्षा जर्नल, भाग 41 (1).

आयोजित किए गए / भाग लिए गए सम्मेलन

सुश्री किरणप्रीत कौर ने 26–27 फरवरी, 2016 को 'स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज एक्सेस टू फाइनेंस एंड देयर इम्प्लीकेशन इन इंडिया ग्रोथः विजन 2020' विषय पर 'चेंजिंग बिजनेस एंड इकोनॉमिक एंवायरमेंट इन इंडिया विजन 2020'' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार में दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरविंदो कॉलेज में एक प्रपत्र पस्तुत की।

रेणु अरोड़ा ने यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टीज, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, द्वारका काम्प्लेक्स, नई दिल्ली द्वारा 'वित्तीय बाजार और आर्थिक विकास' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में दिनांक 17 अप्रैल, 2015 को 'वाणिज्यिक बैंक ऋण में ऋण जोखिम आकलन में मूल्यांकन दृष्टिकोण' पर एक अनुसंधान प्रपत्र को प्रस्तुत किया।

डॉ. ललीता मीना ने 25 जनवरी, 2016 करे दिल्ली विश्वविद्यालय में अदिति कॉलेज द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में 'प्रवासी भारतीयों की समस्या'' शीर्षक पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जसमीत कौर ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में 24–25 फरवरी, 2015 को हुए 'शिक्षा में शिक्षा संबंधी तकनीक'' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षणः क्या एसएनएस एक उपयुक्त माध्यम है?'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. निधि कंवर ने 26 मार्च, 2015 को केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एमएचआरडी प्रायोजित सेमीनार 'बाल साहित्य और भाषा कक्षा' में 'चिल्ड्रेन्स लिटरेचर एंड राइटिंग– क्रियेटि।ग ऑपरच्यूनिटी विद रिस्पांस जर्नल' पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी/ अस्थायी/ तदर्थ: 92/0/64

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान. – 23,83,40,000 रूपए (तेईस करोड़ तेरासी लाख और चालीस हजार रूपए)

उपयोग की गयी राशि – 27,16,92,228 रूपए (सत्ताईस करोड़ सोलह लाख बानवे हजार दो सौ उन्नतीस)

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा
सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या: 289 (दो सौ नवासी)
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों / उद्योगों की संख्या: 7 (सात)
बार बार आने वाले भर्तीकर्ताओं की संख्या: चार (कांसेंन्ट्रिक, जेनपेक्ट, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और टाटा कंस्लटेंसी सर्विस)

अभिदत्त जर्नल
अभिदत्त अंतरराष्ट्रीय जर्नलों की संख्या: 5 (पांच)
अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या: 21 (ईक्कीस)

मौलाना आजाद दंत्य विज्ञान संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां
यह संस्थान प्रतिमाह 216 इंप्लांट और 2379 प्रोथेसिस के साथ प्रतिदिन औसतन 1317 रोगियों की जरूरतों को पूरा करता है। सतत प्रयासों के साथ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए संस्थान के मिशन की निरंतरता में हमें 2017 तक तीन वर्षों की समयावधि के लिए एनएबीएच द्वारा पुनः प्रत्यायित किया गया है। 6 मोबाइल डेंटल क्लिनिक हैं जो उत्तर पूर्व और पश्चिम दिल्ली के औषधालयों में कार्यरत हैं और उन्होंने ने इस वर्ष 31569 रोगियों की देखभाल की और 16951 रोगियों को निशुल्क चिकित्सा जांच की। मुख स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए 30 आशा और एएनएम प्रशिक्षण प्रदान किया गया। क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव, क्लिंटन फाउंडेशन, अमेरिका के अंतर्गत डेंटल रिसाइक्लिंग इंटरनेशनल, इंक (इंक) के साथ नई दिल्ली में मौलाना आजाद दंत्य विज्ञान संस्थान द्वारा क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव– मर्करी रिडक्शन इनिशिएटिव। इस संस्थान को आउटलुक पत्रिका –दृष्टि डेंटल कालेज सर्वेक्षण, 2015 द्वारा भारत में प्रथम श्रेणी के कॉलेज का दर्जा दिया गया है।

उत्कृष्ट सम्मान / प्रतिष्ठा
डॉ. महेश वर्मा को 27 फरवरी, 2015 को प्रथम अंतरराष्ट्रीय और तीसरे राष्ट्रीय 'सकारात्मक मनोविज्ञानः तरंग प्रभाव संबंधी सम्मेलन के दौरान भारतीय सकारात्मक मनोविज्ञान संघ और मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ''लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार'' प्रदान किया गया है।
डॉ. महेश वर्मा को सितम्बर, 2015 को दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च द्वारा ''अतिविशिष्ट शिक्षक सह प्रशासक पुरस्कार'' प्रदान किया गया।
डॉ. महेश वर्मा को सितम्बर, 2015 को इंस्टीच्यूट फॉर एन्वारामेंट, योग एंड सोशल सिक्यूरिटी द्वारा ''एम. एन. पी. शर्मा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार'' प्रदान किया गया है।
डॉ. गीता मल्होत्रा को 20 अक्टूबर, 2015 को दिल्ली में स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में उनके सराहनीय सेवा के लिए वर्ष 2012–13 के लिए राज्य पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार एमएएमसी आडिटोरियम में हुए एक समारोह में राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली सरकार में माननीय उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा प्रदान किया गया था।
श्री श्याम सुंदर चुग, दंत्य चिकित्सक को 20 अक्टूबर, 2015 को दिल्ली में स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में उनके सराहनीय सेवा के लिए वर्ष 2012–13 के लिए राज्य पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार एमएएमसी आडिटोरियम में हुए एक समारोह में राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली सरकार में माननीय उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा प्रदान किया गया था।
अध्येतावृत्ति का पुरस्कार सितम्बर, 2015 के महीने में इंडियन बोर्ड ऑफ फारेंसिक ऑडोन्टोलॉजी द्वारा डॉ. जे. अगस्टीन को प्रदान किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं
वित्तपोषण एजेंसी– वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), वर्ष/ अवधि– 2013 से 2017, शीर्षक– नई सहास्राब्दि भारतीय प्रौद्योगिकी नेतृत्व पहल (एनएमआईटीलआई) के अंतर्गत देशी दंत्य इंप्लांट की डिजाइन और निर्माण, संस्वीकृत राशि– 310.8 लाख रूपए।
वित्तपोषण एजेंसी– वर्ष/ अवधि 2015 से 2018 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), शीर्षक–रेडियोग्राफिक स्केलेटल मैच्युरिटी इंडिकेटर्स के साथ बायोकैमिकल मार्कर और उनका तुलनात्मक मूल्यांकन। संस्वीकृत राशि– 14 लाख रूपए ।
वित्तपोषण एजेंसी– विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) वर्ष/ अवधि 2015 से 2018, शीर्षक– ओएलपी (ओरल लिचेन प्लानस) के साथ रोगियों की उपचार संबंधी प्रतिक्रिया के लिए मुंह के कैंसर और उनके के साथ मैलिग्नेंट पोटेंशियल का मूल्यांकन के लिए मोलेकुलर मार्कर एनएफ–केबी, एनएफ–केबी, साइटोकिन्स ली–ला, ।।–8, आईएफनएफ–एक्स, सीओएक्स–2 और पी53की भूमिका'' शीर्षक वाली प्रमुख अनुसंधान परियोजना। संस्वीकृत राशि– 13.45 लाख रूपए।
वित्तपोषण एजेंसी– विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), वर्ष/ अवधि– 2014 से 2017 तक। शीर्षक– एसिड एच और लेजर एच के साथ पिट एवं फिशर सीलेंट के प्रतिधाररण पर एक क्लीनिकल अध्ययन। संस्वीकृत राशि-38.75 लाख रूपए।

वित्तपोषण एजेंसी– भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, वर्ष / अवधि– 2012 से 2013। शीर्षक– ''डेंटल फ्लोरोसिस के लिए आईसीएमआर मानदंड'' के मान्यकरण के लिए कृतिक बल अध्ययन। संस्वीकृत राशि–4.59 लाख रूपए।

उत्कृष्टता प्राप्त छात्र

सुश्री जसवीबल बेसन (डॉ. एन. सी. संगल मेमोरियल स्वर्ण पदक 2015)

सुश्री निडा नैयर (डॉ. पी. एल. खुराना पुरस्कार 2015)

सुश्री अंशुल भारती (डॉ. एस. पी. अग्रवाल पुरस्कार 2015)

सुश्री समृद्धि माहेश्वरी

सुश्री दिव्या नांगिया

पुस्तकालय विकास

इस पुस्कालय में छह सुसज्जित डेस्कटॉप हैं। वर्तमान में 6241 पुस्तक हैं और वर्ष 2015–16 में 359 पुस्तक और 486 भाग खरीदा जाना है। 59 ऑनलाइन पुस्तक और 44 ऑनलाइन जर्नल हैं। इस पुस्तकालय में 109 अंतरराष्ट्रीय और 24 भारतीय जर्नल हैं।

प्रकाशन

अंतरराष्ट्रीय

वर्मा, एम. (2015). डेंटल रिसर्चः द मिसिंग ब्लॉक इन द डेंटल इंस्टीच्युशन। जर्नल ऑफ द इंटनेशनल क्लीनिकल डेंटल रिसर्च, 7(1), 3-5. डीओआई:10.4103/2231-0754.153474

कौर, एच., नंदा, ए., कोली डी., वर्मा एम., सिंह एच., विश्नोई आई., पाठक, पी., गुप्ता ए., (2015) । एन अल्टरनेट विस्टा इन रिहेब्लिटेशन ऑफ क्रेनियल डिफेक्टः कम्बाईनिंग डिजिटल एंड मैनुअल तकनीकी टू फैब्रिकेट ए हाइब्रिड क्रेनियोप्लास। जर्नल आफ क्रेनियोफेसिल सर्जरी, 26(4), 1313-1315. डीओआई: 10.1097 / एससीएस. 0000000000001633

धर्मानी, यू., राजपूत, ए., कमाल, सी., तलवार, एस. और वर्मा, एम. (2015) । सक्सेसफूल आटो ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ए मैचुरेमेसियोडेन टू रिप्लेस ए ट्रामुटाइज्ड मैक्सीलरी सेंट्रल इंसिजरः केस रिपोर्ट । इंटरनेशनल इंडोडोंटिक जर्नल, 48(6), 619-626.

यादव, पी., पुराथी, पी. जे., नवल, आर. आर., तलवार, एस. और वर्मा, एम. (2015). नेवेल यूज आफ प्लेटलेट रिच फैब्रिन मैट्रिक्स एंड एमटीए एज एन एपिकल बैरियर इन द मैनेजमेंट आफ ए फेल्ड रिवेस्कुरेराइजेशन केस। डेंटल ट्रामाटोलॉजी, 31(4), 328-331.

त्रिपाठी, टी., नेहा, गिल एस. और राय, पी. (2015). मल्टीडिसिप्लीनरी रिहैबिलिटेशन इन ए केस आफ कंजेनिटल एग्लोसिया विद सिट्स इंभर्सेस टोटालिस। इंटरनेशनल जर्नल आफ ऑर्थोडोन्टिक्स मिल्वाउकी, 26(2), 39-43.

चवला, एच., उर्स, ए.–बी., अगस्टीन जे. और कुमार पी. (2015). कैरेक्टेराइजेशन ऑफ मसल्स अल्टरेशन इन ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस– सिकिंग न्यू एविडेंस। मेडिसिना ओरल, पेटोलोजिया ओरल वाई सिरूगिया ब्यूकाल, 20(6), ई670-ई677. एचटीटीपी://डीओआई. ओआरजी/10.4317/मेडोरल. 20656.

यूटनेजा, एस., नवल, आर. आर., तलवार, एस. और वर्मा, एम. (2015). करंट पर्सपेक्टिव्स आफ बायो सेरामिक टेक्नोलॉजी इन इंडोडोन्टिक्सः कैल्शियम इनरिच्ड मिक्सचर सीमेंट– रिव्यू ऑफ इट्स कंपोजिशन, प्रोपर्टीज एंड एप्लीकेशंस। रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडोन्टिक्स, 40(1), 1-13. एचटीटीपी://डीओआई. ओआरजी/10.5395/आरडीई.2015.40.1.1

गोयल, एस., खुराना, एन., मरवाह, ए. और गुप्ता, एस. (2015). एक्सपेंसन ऑफ सीडीके4 एंड पी16 इन ओरल लाईचेन प्लेनस। जर्नल आफ ओरल एंड मैक्सीलोफेसियल रिसर्च, 6(2), ई4. एचटीटीपी://डीओआई. ओआरजी/10.5037/जेओएमआर. 2015.6204

गुप्ता, एस. आर., सरन, आर. के. शर्मा, पी. और उर्स, ए. बी. (2015). ए रेयर केस आफ एक्सट्रास्केलेटल मेसेन्चीमल कोन्ड्रोसारकोमा विद डिडिफरेन्सीएशन एराइजिंग फ्राम द ब्यूकल स्पेस इन ए यंग मेल। जर्नल आफ मैक्सीओफिसिअल एंड ओरल सर्जरी, 14(सप्लीमेंट 1), 293-299. एटीटीपी ://डीओआई. ओआरजी/10.1007/एस12663-013-0500-0

सिंह, ए., गोस्वामी, एम., प्रधान, जी., हन, एम. एस., चोई, जे. वाई. एवं कपूर, एस. (2015). क्लेईडोक्रेनियल डिस्पेसिया विद नार्मल क्लेविकल्सः ए रिपोर्ट आफ ए नोवल जीनोटाईप एंड ए रिव्यू आफ सेवेन प्रीवियस केसेस। मोलेकुलर सिंड्रोमोलोजी, 6(2), 83-86. एचटीटीपी://डीओआई. ओआरजी/10.1159/000375354

सम्मेलन जिन्हें आयोजित किया गया / जिनमें भाग लिया गया

अंतरराष्ट्रीय

93 वें आईएडीआर जेनरल सेशन बोस्टन, मैसेच्युएट, अमेरिका, दिनांक – 11–14 मार्च, 2015, वित्तपोषण एजेंसी सहायता– यूजीसी।

ओरल एंव मैक्सिलोफेसिएल सर्जरी के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2015, मेलबार्न, 27–30 अक्टूबर, 2015, वित्तपोषण एजेंसी सहायता– यूजीसी।

8वां अंतरराष्ट्रीय ऑर्थोडोटिक कांग्रेस, लंदन, 27–30 सितम्बर, 2015, वित्तपोषण एजेंसी सहायता– यूजीसी

भारतीय

बाल शोषण और लापरवाही– मेडिको लीगल और फारेंसिक पर्सपेक्टिव, 17 अप्रैल, 2015, वित्तपोषण एजेंसी सहायता– स्ववित्तपोषित।

दंत्य शिक्षा में गुणवत्ता– एनसीएचपीई-2015, 19 Nov. 2015, वित्तपोषण एजेंसी सहायता – चिकित्सा शिक्षा विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी/ अस्थायी/ तदर्थ: 43/10/21

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान – 32.0 करोड़ रूपए

उपयोग की गयी राशि – 28.62 करोड़ रूपए

दर्ज/ संस्वीकृत पेटेंट

राष्ट्रीय पेटेंटों की संख्या और नाम –

डेंटल इंप्लांट चरण एक का विकास

एक पिट और फिशर सीलेंट कंपोजिशन

अंतरराष्ट्रीय पेटेंटों की संख्या और नाम –

डेंटल इंप्लांट चरण दो का विकास

सहयोगपूर्ण पेटेंट उद्योग की संख्या और नाम

प्लेसमेंट संबंधी विवरण

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्याः

83 प्रतिशत अंतःस्नातक छात्रों को ग्रेजुएट सीटें प्राप्त हुईं।

संस्थान से पास होने वाले स्नात्कोत्तर के 98 प्रतिशत प्लेसमेंट

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों /उद्योगों की संख्याः 1 (क्लोव डेंटल)

बार बार आने वाले भर्तीकर्ताः 1

साझेदारों के साथ घरेलु / अंतरराष्ट्रीय समझौते की संख्या और नाम

भारतीय/ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथः 5 विदेशी विश्वविद्यालय

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा

न्यू जर्सी डेंटल स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन एवं डेंटिस्ट्री ऑफ न्यू जर्सी, यूएसए

टफ्ट यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन, यूएसए

रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स एंड सर्जन्स, ग्लासगो

भारतीय/ विदेशी कंपनियां/ उद्योगः

अंतरराष्ट्रीय

डेंटल रिसाइक्लिंग इंटरनेशनल, आईएनसी. (डीआरआई)

विस्तार और पहुंच कार्य

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्या: 161

कैंपों में नामांकित/ शामिल लोगों की संख्या: 7086

कैंपों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या: 78

इन कैंपों में समर्पित घंटों की कुल संख्या: 815 घंटे

अदला बदली कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या

अंतस्नातक इनबाउंड/ आउटबांड अदला बदली किए गए छात्रों की संख्या : 3

अंतस्नातक / स्नात्कोत्तर इनबाउंड/ आउटबांड अदला बदली किए गए छात्रों की संख्या : 2

अभिदत्त जर्नल्स

अभिदत्त अंतरराष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण): 109

अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण): 24

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

एमएआईडीएस के द्वितीय चरण का निर्माण नई अनुसंधान सुविधाओं और प्रतिस्पर्धी गुणवत्ता उपकरण के साथ शुरू किया गया है। टिश्यू बैंक और टीएमजे क्लीनिक की नई सुविधाएं, जो भारत में लगाए गए अपने प्रकार का एक ही। है। लोक स्वास्थ्य डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा स्कूली बच्चों के लिए 'बबलू और रानी' नामक नए कॉमिक चरित्रों को शुरू करना और आईईसी के लिए धारावाहिक को स्कूली बच्चों के लाभ के लिए शुरू किया गया । मानसिक रूप से अशक्त लोगों के लिए आशा किरण होम एशिया में सबसे बड़ा है और रोकथाव व उपचारात्मक सेवाएं प्रदान कर एक साथ रहने वालों के मुंह के स्वास्थ्य में सुधार के लिए अंतरविषयक प्रयास किए गए जा रहे हैं। मुंह

संबंधी स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के भाग के रूप में केयर टेकर और नर्सों का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। संस्थान ने 35वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में 14–27 नवम्बर, 2015 तक प्रगति मैदान में एनसीडी, परीक्षण और जागरूकता शिविरों में मुंह के स्वास्थ्य और मुंह के कैंसर के परीक्षण में प्रमुख भूमिका अदा की। 10, 17 और 31 जनवरी, 2015 को शनिवार को भारत में माननीय मुख्य न्यायधीश श्री एस. के. दत्तु के रमणीय उपस्थिति में सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में एमएआईडीएस द्वारा प्रथम डेंटल चेक अप और उपचार शिविर का अयोजन किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के कुल 402 कर्मचारियों की जांच की गयी और इनमें से 11 प्रतिशत को किन्हीं अन्य रोगों के लिए उपचार किया गया।

मिरांडा हाउस

प्रमुख कार्यकलाप एवं उपलब्धियां

मिरांडा हाउस ने वर्ष 2015 में 11 डीयू नवोन्मेषी परियोजना और 3 डीयू नवोन्मेषी परियोजनाओं को पुरस्कार प्रदान किया । भौतिकी विभाग की डॉ0 मोनिका तोमर शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार, 2016 प्राप्त करने वाली एकमात्र कॉलेज शिक्षिका थीं। एक दस सप्ताह वाले एड ऑन पाठ्यक्रम जिसका शीर्षक प्रत्यक्ष पुनर्विचार : विकास अलंकरण की समीक्षा को अमेरिका के जार्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के सहयोग से शुरू किया गया। एमईटीकेआईडीएस कार्यक्रम के अंतर्गत कॉलेज में एक स्वचालित मौसम केन्द्र की स्थापना की गयी। मिरांडा हाउस के छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नार्थ कैंपस में और उसके आस पास आसपास के क्षेत्रों की मैपिंग और आपदा जोखिम आकलन नामक एक परियोजना को शुरू किया। मिरांडा हाउस ने एक तीन दिवसीय जैंडर मेले का आयोजन किया जिसमें कई एनजीओ और पक्षपोषण समूहों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। शहरी मामले की राष्ट्रीय संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत कार्यशाला में भाग लेने वाले नगरपालिका के अधिकारीगण नियमित रूप से मिरांडा हाउस के पुनर्चक्रण संयंत्रों का नियमित दौरा करते हैं। जुलाई, 2015 में हुए पांचवें इंस्पायर इंटर्नशिप कार्यक्रम में 35 विद्यालयों से 278 छात्रों ने हिस्सा लिया।

उत्कृष्ट आदर / सम्मान

डॉ. प्रतिभा जॉलीः इन्हें 26 जुलाई, 2012 के एक आदेश द्वारा भारत सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडल की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति (एसएसी– सी) के सदस्य के रूप में नामित किया गया। वे सदस्य के रूप में कार्य कर रहीं हैं, उन्हें दिल्ली चैप्टर, भौतिकी संस्थान, यूके के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया और श्रीराम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान परामर्श समिति (आरएसी) में नामित किया गया।

डॉ. मोनिका तोमर को विश्वविद्यालय फाउंडेशन दिवस 1 मई, 2016 को महाविद्यालयों में शिक्षकों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया। यह बड़ा ही महत्वपूर्ण है कि वे इस पुरस्कार के लिए चयनित होने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय की एकमात्र शिक्षक थीं।

डॉ. शर्मिला पुरकायस्थ को 2016– 2017 का फुलब्राइट नेहरू पोस्टडोक्टोरल फेलोशिप प्राप्त हुआ।

डॉ. देवयानी रे को यू के के तीन सप्ताह दौरे के लिए नवम्बर, 2015 को चार्ल्स वालेंस पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. रामा यादव को दो अकादमी वर्षों के लिए ईएलटीई विश्वविद्यालय, बुडापेस्ट, हंगरी में हिंदी के आईसीसीआर पीठ के लिए विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में प्रतिनियुक्ति के लिए चयनित किया गया।

सुश्री सुवासिनी को शिक्षा में पी. एचडी करने के लिए सुसेक्स विश्वविद्यालय से चांसलर अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

दिल्ली की दो नवोन्मेषी परियोजनाओं, जलवायु परिवर्तन, जल सुरक्षा और आजीविका लचीलापनः राजस्थान, भारत में परंपरागत ज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकियों की भूमिका (एमएच 306) और हरित व प्रकृति अनुकूल जैविक रूप से सक्रिय एजेंट का इस्तेमाल कर वहनीय जल शुद्धिकरण उपकरण का अभिकल्प (एमएच 306) को 1 मई, 2016 को सराहनीय प्रमाणपत्र का पुरस्कार दिया गया और पोस्टर प्रस्तुतिकरण के रूप में चयनित किया गया। यह 400 डीयू नवोन्मेषी परियोजनाओं में से 20 शीर्ष चयनित नवोन्मेषी परियोजनाएं थीं।

अनुसंधान परियोजनाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) स्टार कॉलेज स्कीन ने वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायनशास्त्र, भौतिकी ओश्र कंप्युटर विज्ञान विभागों को 55 लाख रूपए संस्वीकृत किया। इस परियोजना को दो और वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया। वर्ष 2014–15 के लिए डीबीटी द्वारा 10 लाख रूपए की राशि जारी की गयी और वर्ष 2015–16 में डीबीटी से 19 लाख रूपए की राशि प्राप्त हुई।

दिल्ली विश्वविद्यालय नवोन्मेषी स्टार परियोजनाएं

नवम्बर, 2015 से तीन वर्षों के लिए 1.3 करोड़ रूपए के अनुदान के साथ तीन परियोजनाएं प्रदान की गयीं।

युरेका माईलैब! दृष्टिहीनों के लिए संसाधन और हैंडऑन विज्ञान कार्यकलापों को विकसित करना अऔर अनुकूल बनाना –एमएच01 (37.50 लाख रूपए)।

औषधीय पादपों की उपचार क्षमताः कल्वर, एक्सट्रेक्शन, फिजियोकैमिकल विशेषताएं और उनकी साइटोटोक्सीन अथवा इम्युनोस्टीमुलेटोरी विशेषताओं का परीक्षण – एमएच02 (26.67 लाख रूपए)।

3 आरः कम करना, पुनर्प्रयोग और पुर्चक्रण– एमएच03 (40.88 लाख रूपए)।

स्टार नवोन्मेषी परियोजना स्कीम के अंतर्गत कॉलेज अवसंरचना के मुख्य विकास (26 लाख रूपए)।

दिल्ली विश्वविद्यालय नवोन्मेषी परियोजनाएं

अगस्त 2015 –अगस्त, 2016 तक कुल 53.5 लाख रूपए के अनुदान के साथ ग्यारह परियोजनाएं।

जलवायु परिवर्तन, जल सुरक्षा और आजीविका लचीलापनः राजस्थान, भारत में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकियों की भूमिका– एमएच 301 (4.5 लाख रूपए)।

भारत में बच्चों के लिए तस्वीर वाली पुस्तकें: इतिहास पर पुनर्विचार करना, कहानी बताना और शिक्षण– एमएच 302 (3.5 लाख रूपए)।

भारत की विदेश नीति में राष्ट्रीय हित के प्रति युवा दृष्टिकोण में निरंतरता और बदलावः जादवपुर और मद्रास विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को तुलनात्मक अध्ययन– एमएच 303 (3.5 लाख रूपए)। कारोबारी इथिक्सः भगवत गीता में कारोबार लीडरशिप – एमएच 304 (3.5 लाख रूपए)।

मोबाइल! माय लैबः किसी समय, कहीं भी– एमएच 305 (6.5 लाख)।

हरित और पारिस्थिकी रूप से बायो सक्रिय एजेंट का प्रयोग कर वहनीय जल शुद्धिकरण उपकरण डिजाइन – एमएच 306 (6 लाख रूपए)।

हीना (लाउसोनियनेरमिस) के सिंथेसिस आधारित स्केफोल्ड और उसके रंग और एंटीमाइक्रोबियल कार्यकलाप से तुलना –एमएच 307 (6 लाख रूपए)।

प्रायोगिक विपणन के नए रूप के रूप में रिवार्ड नेटवर्क– एमएच 308 (3.5 लाख रूपए)।

पारिस्थतिकी रूप से बायो सक्रिय एजेंटों का प्रयोग करते हुए टेक्सटाइल का एंटीमाइक्रोबियल फिनिशिग –एमएच 309 (6.5 लाख रूपए)।

ईख से अतिसूक्ष्म कणः हरित नैनो टेक्नोटेक्नोलॉजी एक भविष्य – एमएच 310 (5 लाख रूपए)।

भारी धातु संक्रमण का फाइटोरेमेडिएशन और नैनो पार्टिकल्स का निष्कर्षण– एमएच 311 (5 लाख रूपए)।

डॉ. मोनिका तोमर, सेंसिंग एप्लीकेशन के लिए प्लेटफार्म के रूप में पतला फिल्म सर्फेस एकाउस्टिक वेव डिवाइस के विकास के लिए 424.38 लाख रूपए (नवम्बर, 2014 से नवम्बर, 2019 तक); सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्रालय से पीएलडी द्वारा एलईडी के प्रदर्शन के लिए 450 लाख रूपए (दिसम्बर, 2013 से जून, 2015 तक); गेल से सीएनजी और पीएनजी के लिए कम लागत सेंसर आधारित धातु आक्साइड के विकास के लिए 95.40 लाख रूपए (अक्टूबर, 2013 से अक्टूबर, 2015 तक); देश में ही विकसित टेबल टॉप सरफेस प्लाजमोन सिस्टम (एसपीआर) प्रणाली के डीएसटी प्रायोजित परियोजना मान्यकरण और सुधार के लिए 3 लाख रूपए (फरवरी 2015 से जनवरी, 2016 तक), प्लेटेनियम आधारित माइक्रोहीटर/ माइक्रो एवोपरेशन सोर्स फॉर एस्पेस एप्लीकेशन के विकास के लिए 32 लाख रूपए (नवम्बर 2014 से अक्टूबर 2015) ।

डॉ. साधना शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (2013–16) से मजबूत टी–सेल ईपीटोप्स के साथ एम. ट्युबरक्लोसिस के तीन हाइपोथेटिकल प्रोटीन के मोलेकुलर क्लोनिंग और इम्युनोलॉजीकल मान्यकरण के लिए 66.48 लाख रूपए।

पुस्तकालय विकास

कुल 16,55,700 रूपए का बजट संस्वीकृत किया गया था। वर्ष 2015–16 के दौरान जोड़ी गयी पुस्तकों की संख्या 1655 और 8 जर्नल थीं। इस वर्ष पुस्तकालय को बाधा रहित लंबे गलियारे के निमार्ण, मंहगे पठन कक्ष जिसमें प्राकृतिक प्रकाश और हवा का आना जाना हो, कोटा पत्थर के साथ नया फर्श, पोलिश युक्त बुक शेफ, अच्छी रोशनी युक्त क्षेत्र, नई कुर्सियां, हरियाली युक्त और प्रदर्शनी के लिए संग्रहालय की वस्तुएं देकर पुनरूद्धार किया गया। संकाय पठन कक्ष को भी फिर से डिजाइन किया गया है। इससे पुस्तकालय में बैठने की क्षमता में भी वृद्धि हुई।

प्रकाशन

भाटिया, एस. एस., बाहरी, एस., मोइत्रा, एस. और शर्मा, एस. (2015) एन इंटरडिसिप्लीनरी पेडागोगिकल एप्रोच टू डेवलप ए मोड्यूल फॉर फायटोरेगुलेटरी प्रोफाइल आफ नैनोपार्टिकल्स। इंटरनेशनल जर्नल फॉर साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, पृष्ठ 70–71, आईजेएसआरडी/कान्फ/एनसीआईएल/2015/017, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2321-0613

शाक्या, आर. (2016.) सिंथेटिक बायोलॉजीः रॉल आफ ओपन सोर्स एप्रोचेज। इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंसेज एंड एप्लाइड रिसर्च। 3(3): 26-31.

शर्मा, एम., पाठक, एम., राय, बी., चांद, ए., धांडा, जी., अब्बासी, एन., और पांचाल, जी., (2016) ग्रीन सिंथेसिस ऑफ गोल्ड नैनोपार्टिकल्स एंड देयर 29 ओमपेरिजन29एस2929ऑन। जर्नल ऑफ मटेरियल नैनोसाइंस 3(1): 8-10.

विरमनी, जी. और श्रीवास्तव, एम. (2015.) ऑन लेविटिन पोलिएक वेल पोज्डनेस ऑफ पर्टर्ब्ड वेरियेशनल– हेमिवेरियेशनल इनइक्विलिटी। ऑप्टीमाइजेशन 64(5): 1153-1172

शर्मा, एस., पालीवाल, ए., तोमर, एम., सिंह, एफ., पुरी एन. के. एवं गुप्ता, वी. (2016.) इफेक्ट ऑफ आयन बीम इरेडियेशन आन डायइलेक्ट्रीक प्रोपर्टीज आफ बीएटीआईओ3 थिन फिल्म यूजिंग सर्फेस प्लाजमोन रेजोनेंस। जर्नल आफ मटेरियल साइंस 51: 4055-60.

शर्मा, एस., तोमर, एम., पुरी, एन. के. एवं गुप्ता, वी. (2015.) एन्हांस्ड फेरोइलेक्ट्रीक फोटोवोल्टीक रिस्पांस आफ बीआईएफई03/ बीएटीआई03 मल्टीलेयर्ड स्ट्रक्चर। जर्नल ऑल एप्लाइड फिजिक्स 118: 074103.

राय, पी. (2015.) इंपेक्ट आफ 30ओम्पेरिजन30एस30 ऑन ट्रेड यूनियन मूवमेंट। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन भाग 61 (संख्या 3): 480–480 आईएसएसएन 0091–5561

नंदा, बी., नंदा, ए.आर. एवं शर्मा, ओ पी. (2015.) वीमेंस हैल्थ एंड राइट्स इन इंडियाः इश्यूज एंड कंसर्न। इंडियन जर्नल आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन भाग 61 (4.): 697-713. आईएसएसएन 0019-5561.

झा, आर. और झा, आर. (2015.) रॉल आफ फारेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट इन इंडियाज इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट इन इकोनॉमिक्स। इंडियन इंडस्ट्रीयलाइजेशन, भाग 1 (संपादक सी. पी. चन्द्रशेखर), आईसीएसएसआर रिसर्च सर्वे एंड एक्सप्लोरेशंस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, आईएसबीएन 0-19-945893-6, पृष्ठ 126-163.

स्रकार, ए. (2016.) वाटरशेड डेवलपमेंट एंड वाटर मार्केटिंग। लैंड, वाटर एंड एग्रीकल्चर (संपादक एच. एस. शर्मा एंड एम. एच. कुरैसी), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृष्ठ 128–170

चक्रवर्ती, यू. (2015.) ए जेंडर्ड पर्सपेक्टीव आफ डिसेब्लिटी स्टडीज; डिसेब्लिटी, जेंडर एंड द ट्रेजेक्टोरिज आफ पावर (संपादक ए. हंस), सेज, इंडिया, आईएसबीएन: 9789351501237.

आयोजित सम्मेलन

प्रबंधन और सांस्कृतिक संदर्भ में भारत– डच संयुक्त कार्यक्रम, उत्रेच्च बिजनेस स्कूल, नीदरलैंड के अंतरराष्ट्रीय सहयोग से, समन्वयक डॉ. मोनिका विज और डॉ. बिलासिनी देवी (25–29 जनवरी, 2016)

जेनिथ मॉडल युनाइटेड नेशंस सम्मेलन 2015, इकोनॉमिक्स सोसाइटी द्वारा आयोजित (14 और 15 मार्च 2015).

संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए सम्मेलन

डॉ. साधना शर्मा ने 22–25 जुलाई, 2015 को अमेरिका के बोस्टन में ड्रग डिस्कवरी एंड थेरेपी वर्ल्ड कांग्रेस, 2015 में ए एपीटोप आधारित वैक्सीन डिजाइन के लिए माइकोबैकटेरियम ट्यूबरक्लोसिस के माईएमए ओपेराने प्रोटीन्स के प्रोमीस्क्यूअस सीटी लेपीटोप्स के सिलिको आईडेंटिफिकेशन में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. मोनिका शर्मा ने 13–15 अप्रैल, 2015 को बेथेस्डा, एमडी, अमेरिका में 18वें वार्षिक वैक्सीन अनुसंधान सम्मेलन में पोटेंशियल वैक्सीन कैंडिडेट्स के रूप में एम. ट्यूबरक्लोसिस के डीओएसआर रेगुलोन प्रोटीन से टी सेल इपीटोप्स को परिभाषित करते हुए एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. साधना शर्मा ने 9–12 अप्रैल, 2016 को एम्सटरडम, नीदरलैंड में क्लीनिकल माइक्रोबायलॉजी और संक्रमणकारी रोगों के संबंध में यूरोपीय सम्मेलन के 26वें ईसीसीएमआईडी सम्मेलन में माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस के लिए लेटेन्सी सम्बद्ध एंटीजेन आरवी2032 और आरवी 2032 का एक बेहतर वैक्सीन कैंडिडेट के रूप में उभरने पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रतिभा शर्मा ने 3 जुलाई, 2015 को एच यू बिजनेस स्कूल, उत्रेच्च, नीदरलैंड में इंटेंशिव इंटरनेशनल प्रोग्राम में बिजनेस इथिक्स के संबंध में व्याख्यान दिया।

डॉ. विजया लक्ष्मी नंदा ने 09–11 सितम्बर, 2015 को पांचवी एशिया और प्रशांत अध्ययन सम्मेलन, 2015 के जनसांख्यिकी और लैंगिक परिदृश्य से एशियाई जनसंख्या नीति के महत्वपूर्ण मूल्यांकन के संबंध में एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. विजया लक्ष्मी नंदा ने 21–22 मई, 2015 को बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यूके में ग्लोबल जेंडर जस्टिसः न्यू डायरेक्शन के संबंध में सम्मेलन में भारत में लिंग चयन कर गर्भपात कराने और राज्यः जेंडर न्याय के संबंध में दुविधा पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रामा यादव ने 9 मई, 2015 को दक्षिण एशिया, तिब्बती और बौद्ध अध्ययन विभाग, विएना यूनिवर्सिटी में कविता के माध्यम से मीराबाई की जीवन गाथा के संबंध में एक प्रपत्र को प्रस्तुत किया।

डॉ. मोनिका तोमर ने 25 फरवरी, 2016 को थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला में 31 ओमपेरिजन31वें और कैंसर का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकैमिकल बायोसेंसर तथा मटेरियल सांइस में माइक्रोस्कोपी (एएमएसटी–2016) विषय पर दूसरे सम्मेलन में भाषण दिया।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी– 144, अस्थायी– 02 और तदर्थ –55

वित्तीय आबंटन और उपयोग

वर्ष 2015–16 के दौरान अनुदान संस्वीकृति : 42,26,40,760 रूपए, उपयोग की गयी राशि: 38,95,80,619 रूपए

फाइल किए गए / मंजूर किए गए पेटेंट डॉ. मोनिका तोमर ने दो पेटेंटों के लिए आवेदन दिया है।

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलता पूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या ~90 (90 प्रतिशत छात्र जिन्होंने प्लेसमेंट के लिए आवेदन किया था।)

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/ उद्योगों की संख्या– हमारे कॉलेज से 20 कंपनियों ने भर्ती की।

बार बार भर्ती के लिए आने वाले भर्तीकर्ता की संख्या– 18

साझेदारों के साथ घरेलु / अंतरराष्ट्रीय समझौते की संख्या और उनके नाम

भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालय

विज्ञान सेतु प्रोग्रातः राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान (एनआईआई) के साथ समझौता

इंडो इच प्रोग्राम : उत्रेच्च बिजनेस स्कूल, नीदरलैंड के साथ समझौता

लेंचबर्ग कालेज, अमेरिका के साथ समझौता; संकाय सदस्यों और छात्रों की द्विपक्षीय अदला बदली।

विस्तार और पहुंच संबंधी कार्य

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्या– 2 (स्वास्थ्य और शिक्षा)
इन कैंपों में नामांकित / कवर किए गए लोगों की संख्या: 300
इन कैंपों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या: 30
इन कैंपों को समर्पित घंटों की कुल संख्या: 144 घंटे
एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र :
एस. पी. जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंटः इनिशिएटिव एट मिरांडा हाउस (दिसम्बर, 2015 में 2 छात्र)
28 जुलाई से 16 अगस्त, 2014 तक इस सत्र में किंग्स लंदन समर स्कूल में (चार छात्रों को पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त हुई)
29 जून से 3 जुलाई , 2015 तक उत्रेच्च बिजनेस स्कूल आन स्ट्रेटजी मैनेजमेंट एंड कल्चर में (2 संकाय सदस्य और 12 छात्र)
लेंचबर्ग कॉलेज (विज्ञान शिक्षा में स्नाकोत्तर डिग्री के लिए एक छात्र का चयन किया गया है। उन्हें उदार वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।)
विस्कोंसिन विश्वविद्यालय (2 संकाय सदस्य और 2 छात्र अगस्त, 2015 में)
शिकागो विश्वविद्यालय (1 छात्र को लिबरल आर्ट में मास्टर डिग्री की पढ़ाई के लिए उदार वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है।)
यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स (ससेक्स यूनिवर्सिटी इंटरनेशल समर स्कूल के लिए एक छात्र को जुलाई–अगस्त, 2016 को वैश्विक परिदृश्य में स्वास्थ्य पर चार सप्ताह के समर स्कूल में जाने के लिए चुना गया है।)

अभिदत्त जर्नल

अभिदत्त अंतरराष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन और पेपर बैक संस्करण)ः मिरांडा हाउस डीयूएलआईबी और डीईएलएनईटी का सदस्य है।
अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्याः 119 तथा मिरांडा हाउस डीयूएलआईबी एवं डीईएलएनईटी का एक सदस्य है।

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

छात्रों का बेहतरीन संस्थानों में इंटर्नशिप के लिए चयन किया गया है। विज्ञान के लगभग 20 छात्रों ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, इसरो, चैन्ई मैथेमेटिकल इंस्टीच्यूट, एनआईयूएस, टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, फिजिक्स रिसर्च लेबोरेटरी, इंडियन इंस्टिच्यूट ऑफ साइंस, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सिलिरेटर सेंटर, जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर) ने समर इंटर्नशिप किया। पचास से अधिक छात्रों ने मिरांडा हाउस के डी. एस. कोठारी विज्ञान शिक्षा अनुसंधान और नवोन्मेष केन्द्र में समर इंटर्न के रूप में कार्य किया।
अकादमी वर्ष 2015–16 में छात्रों के अंतरराष्ट्रीय अनुबंध के उल्लेखनीय उदाहरण निम्न रूप में हैः
उन्नति अखउरी, बी. एससी. (प्रतिष्ठा) भौतिकी द्वितीय वर्ष को 2 जून– 13 अगस्त, 2016 तक एक्सपेरिमेंटल पार्टिकल फिजिक्स डिविजन में प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, अमेरिका में एस. एन. बोस स्कॉलर प्रोग्राम के लिए इंटर्नशिप का अवसर प्रदान किया गया।
ए. फ्रोयिया, बी. एससी. (प्रतिष्ठा) रसायन शास्त्र, तृतीय वर्ष को सितम्बर, 2015 में दो वर्ष के लिए ऋण प्रतिधारण के आधार पर टोक्यो विश्वविद्यालय में तीसरे वर्ष में दाखिला प्रदान किया गया।
ज्योति अग्रवाल, बी. एससी. (प्रतिष्ठा) रसायन शास्त्र तृतीय वर्ष को फॉल सिमेस्टर, 2016 में लेंचबर्ग कॉलेज, अमेरिका में विज्ञान शिक्षा प्रोग्राम में उदारतापूर्वक वित्तीय सहायता प्रदान किया गया है।
प्रयाग चावला, बी. एससी. (प्रतिष्ठा) भौतिकी को लेडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड में एस्ट्रोनोमी में अनुसंधान हेतु मास्टर्स की शिक्षा के लिए मेकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा और उर्ट अध्येतावृति के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति।

मोतीलाल नेहरू कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस कॉलेज के अकादमी अवसंरचना में आठ नए इको ग्रीन, अर्द्ध स्थायी कक्षाओं (पीजी ब्लॉक) और तीन नई कक्षाएं (जेनरेटर ब्लॉक के निकट) जोड़ा गया है। 11 अप्रैल , 2016 को कॉलेज में 11,000 वोल्ट का नया एच.टी. कनेक्शन स्थापित किया गया और इसका उद्घाटन कॉलेज के वार्षिक उत्सव के दिन दिल्ली के उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने किया। कॉलेज परिसर पूर्णतः वाईफाई युक्त है। हमारे संकाय सदस्यों ने प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय जर्नलों/ पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए है। इसके अतिरिक्त कॉलेज ने पीडब्लूडी युक्त अवसंरचना सुनिश्चित किया है।

उत्कृष्ट सम्मान/ प्रतिष्ठा

डॉ. वंदना मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, राजनीतिक विज्ञान विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट फेलो डेवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेंटर के रूप में चुना गया है।
डॉ. कौशल पंवार, संस्कृत विभाग ने बोस्टन एम. ए., अमेरिका में 8 जून, 2015 को वेस्ट ईस्ट इंस्टीच्यूट द्वारा आयोजित हार्वर्ड विश्वविद्यालय में 2015 में अंतरराष्ट्रीय अकादमी सम्मेलन में सत्र पीठ का संचालन किया।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. कृष्ण कुमार और डॉ. ए. एम. खान, रसायनशास्त्र विभाग और डॉ. वाई कुमार प्रेम सिंह, भौतिकी विभाग को फोटोवोल्टीक सेल में नैनोपार्टिकल के सिंथेसिस नवोन्मेषी परियोजना एमएनसी– 303 और उनके अनुप्रयोग के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्री मुनीष तमांग और सुश्री कुंतल तमांग, अंग्रेजी विभाग और सुश्री शिप्रा गुप्ता, गणित विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतस्नातक अध्ययन के लिए दिल्ली आने वाले छात्रों के सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के लिए नवोन्मेषी परियोजना एमएनसी 302 पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सीमा वत्स, भौतिकी विभाग और डॉ. स्वाति अग्रवाल, रसायनशास्त्र विभाग को '' पारिस्थितिकी अनुकूल गैर परंपरागत तकनीक से विद्युत उत्पादन'' के लिए नवोन्मेषी परियोजना एमएनसी– 301 पुरस्कार प्रदान किया गया।

पुस्तकालय विकास

हमारा पुस्तकालय पूर्णतः पीडब्लूडी युक्त है जिसमें दृष्टिहीन छात्रों के लिए जॉस साफ्टवेयर लगाया गया है। इसके अतिरिक्त हम अपने छात्रों और शिक्षकों को अद्यतन पुस्तकाल सुविधा मुहैया कराने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

कुल बजट: 13, 87, 500/- रूपए

जोड़े गए पुस्तक: 2157

अभिदत्त जर्नलः 49 और 6000 से अधिक ई जर्नल यूजीसी इंफोनेट, दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से।

प्रकाशन

कुमार, कृष्ण (2016) एनपीवाईएफ ए किमेरिक पेप्टाइड आफ मेट एनकेफाइलीन एंड एनपीएफएफ, इंड्यूसेस टालरेंस फ्री एनालजेसिया। केम बायो ड्रग डेस।

भान, सूरज. (2016). कांटेस्टेशंस एंड एकोमोडेशन्सः मेवात एंड मेओस इन मुगल इंडिया, ऑक्सफोर्ड यूनिर्वसिटी प्रेस, दिल्ली।

भान, सूरज (2015). 'मिथक और यथार्थ का द्वंदः जाट खाप पंचायतों के विशेष संदर्भ में एक ऐतिहासिक विश्लेषण' नेहरू मेमोरियल म्यूजियम और पुस्तकालय, नई दिल्ली।

खोले टिमोथी पोउमाई, एस. के. कौशिक (2015) "रेट्रो बेनाच फ्रेम्स, अलमोस्ट एक्जेक्ट रेट्रो बनाच फ्रेम्स इन बनाच स्पेसेज", बुल। मैथ. एनल. एप्पल. 7 (2015), संख्या.1, 38-48. (एमआर 3340290) मैथसाइंसनेट

खोले टिमोथी मोउमाई, एस. के कौशिक (2016) "फ्रेम्स एंड नॉन लिनियर एप्रोक्सीमेशंस इन हिलबर्ट स्पेसेज", जर्नल ऑफ कंटेम्पोरेरी

मैथेमेटिकल एनालिसिस, स्प्रिंगर 2016, भाग. 51(1), पृष्ठ 1-9 आईएसएसएन: 1068-3623, जर्नल संख्या.11957.

अग्रवाल, अजय कुमार (2015). "एन इंवेन्ट्री मॉडल विद वेरियेबल डिमांड रेट फॉर डिटेरियोरेटिंग आईटम्स अंडर पर्मिसिबल डिले इन पेमेंट्स" इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशंस टेक्नॉलोजी एंड रिसर्च भाग 4, अंक 12, 947 – 951.

मिश्रा, वंदना (2016). पॉलिटिकल आइडियाज आफ विपिन चंद्र पाल, संवाद मीडिया पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

मिश्रा, वंदना (2016). पोलिटिकल रिस्पांसी टू इंडियन इकॉनोमिक रिफार्म्स, संवाद मीडिया पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

मिश्रा, वंदना (2016). कोयलिशन पोलिटिक्सः ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ इटली, जापान एंड इंडिया।

कौशल्या (2016) "शुद्र स्त्रीः परतंत्रता एवं प्रतिरोध" , शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली।

कौशल्या (2016) "क्वेस्टेशन ऑफ ह्यूमन राइट्सः इंडियन सोसाइटी" डॉ. कौशल पंवार द्वारा संपादित, सानिध्य बुक्स, आईएसबीएन: 978-81-932311- 2-7 नई दिल्ली.

सम्मेलन जिनमें भाग लिए गए

डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने 27 और 28 नवम्बर, 2015 को विवेकानंद इंस्टीच्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कार्पोरेट फायनेंशियल रिपोर्टिंग प्रैक्टिश'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कृष्ण कुमार ने 19–21 नवम्बर, 2015 को पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत में ''प्रोस्पेक्ट आफ फार्मेसी एजुकेशन इन इंडिया'' शीर्षक पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. सूरज भान ने 3–4 मार्च, 2016 को अंग्रेजी और संस्कृति अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में 'रिप्रेजेंटेशन आफ जेंडर, कास्ट एंड रीलीजन इन इंडियन राइटिंग्स' विषय पर दो दिवसीय यूजीसी एसएपी राष्ट्रीय सेमीनार में 'मिथ एंड रियलिटी आफ खाप पंचायतः ए केस स्टडी आफ जाट' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कौशल्या ने 8–10 जून,2015 को डब्लूईआई 2015 हार्वर्ड कंफ्रेंस इंटरनेशनल एकेडेमी कंफ्रेंस बोस्टन, यूएसए द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''लैंग्विज एंड इनइक्वलीटीः दलित लैंग्विज एंड लिटरेचनर'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कौशल्या ने 7–8 सितम्बर, 2015 को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल एंड हिस्ट्री (आईजेसीटी) टोरंटो, कनाडा द्वारा आयोजित 5वें इंटरनेशनल कंफ्रेंस ऑन ह्यूमिनिटीज, सोसाइटी एंड कल्चर (आईसीएचएससी 2015) में ''वैदिक लिविंग इन मॉडर्न वर्ल्ड– कंट्राडिक्शन ऑफ कंटेम्पोरेरी इंडियन सोसाइटी'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कौशल्या ने 27–30 दिसम्बर, 2015 को विशेष संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 22वें अंतरराष्ट्रीय वेदांता सम्मेलन में ''वेदांतिक बेसिस ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक इक्वलिटी'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
स्ंकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी/ अस्थायी/ तदर्थः 91/01/61

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता
संस्वीकृत अनुदानः 31, 29, 35, 000/-रूपए

उपयोगिता: 27, 92, 66, 000/- रूपए

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा
सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या: 45
कैंपस प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों/ उद्योगों की संख्या: 35
बार बार आने वाले भर्तीकर्ताओं की संख्या: 10

अभिदत्त जर्नल
अभिदत्त अंतराष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन और पेपर बैक संस्करण):–
6000 से अधिक ई जर्नल और यूजीसी इंफोनेट के माध्यम से 4
अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण):-
6000 + यूजीसी इंफोटेक के माध्यम से अभिदत्त ई जर्नल + 48
छात्रों और संकाय सदस्यों को डेलनेट सुविधा भी प्रदान की गयी है।

मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सायंकालीन)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां
2015 मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सायंकालीन) के गोल्डन जुबली की शुरूआत है। यह कॉलेज इस अवसर को मनाने के लिए साल भर चलने वाला एक श्रृंखलाबद्ध अकादमी और अन्य पाठ्यचर्या कार्यकलापों को आयोजित कर रहा है। मोती लाल नेहरू कॉलेज (सायंकालीन) की स्थापना जुलाई, 1965 को प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. आर. के. भान, जो इसके प्रथम प्राचार्य भी थे, द्वारा की गयी थी, यह दिल्ली विश्वविद्यालय का एक मान्यताप्राप्त कॉलेज है जो दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के निकट बेनिटो जुआरेज सड़क पर मुख्य स्थल पर अवस्थित है। बी. ए. (प्रतिष्ठा) अंग्रेजी, बी.ए. (प्रतिष्ठा) हिंदी, बी. ए. (प्रतिष्ठा) इतिहास, बी.ए. (प्रतिष्ठा) राजनीतिक शास्त्र, बीकॉम और बी. ए. के लिए तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के विभिन्न लोकप्रिय विषयों में शिक्षा देने के अतिरिक्त यह कॉलेज छात्रों को चरित्र निर्माण पर जोर डालने और विचारशील, जिम्मेदार और आत्वविश्वासी मानव बनाने के लिए उनमें नैतिक मूल्यों को समाहित करता है। सायंकालीन कॉलेज की बाधाओं के बावजूद यह सुसज्जित मैदान में फुटबॉल, हॉकी और वॉलीबॉल जैसे खेलों की सुविधाएं भी प्रदान करता है।

उत्कृष्ट सम्मान/ प्रतिष्ठा
डॉ. अश्विनी कुमार, हिंदी विभाग, डॉ. राजेश कुमार, अंग्रेजी विभाग और डॉ. प्रहलाद कुमार बैरवा, राजनीतिक विज्ञान विभाग को 2016 से 2018 के लिए यूजीसी विख्यात शिक्षक फेलो रिसर्च पुरस्कार के लिए चुना गया है।
डा. जया प्रियदर्शनीः 18वें सेंचुरी मारवार में 'रिडिफाइनिंग सोशल वर्ल्डः द मेनियल एंड सर्विस जाती' विषय पर थीसिस के लिए वर्ष 2015 में पीएचडी डिग्री प्रदान किया गया।

पुस्तकालय विकास
कुल बजट: 3,50,283/-रूपए (आवर्ती अनुदान) & 3,54,297/- रूपए (यूजीसी 12 योजना)
शामिल पुस्तक: 1732

प्रकाशन

कुमार, बिपुल (2015) "हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास" श्री नटराज प्रकाशन

(2015) संपादन। ''हिंदी काव्य संकलन'' श्री नटराज प्रकाशन

प्रखर (2015) "हरियाणा के हिसार जिले में जाति प्रथा" यूएमआर जर्नल, भाग 1, अंक अगस्त, 2015, पृष्ठ 21-26.

"चुनावः चुनौतियां और समाधान" द ओपिनियन में प्रकाशित भाग 4 संख्या 8, जुलाई–दिसम्बर, 2015 पृष्ठ 149-154 आईएसएसएन-2277-9124.

भल्ला, प्रिया (2015) "डू मर्जर एंड एक्वीजिशन एनहांस टेक्नीकल इफिसिएंसी? एन इंपीरिकल एसेसमेंट" । जर्नल ऑफ बिजनेस एंड पॉलिसी रिसर्च, भाग 10 संख्या 1 जुलाई, 2015

---, "एक्स एंटी कैरेक्टरिस्टीक्स ऑफ एक्वारर्स एंड टार्गेट्स इन इंडियन फाइनेंशियल सेक्टरः एन इंपिरिकल एनालिसिस". इंटरनेशनल जर्नल आफ फाइनेंशियल सर्विसेज मैनेजमेंट, 2015, भाग. 8, संख्या.2, पृष्ठ 110-132.

दहिया, ज्योति जाखड़ (2015) (सह लेखक).' अन्टोल्ड एंड फॉरटोल्ड: सोसियोलॉजिकल एंड हिस्टीरियोग्राफिकल इंसाइट्स इनटू मरकज क्रोनिकल आफ ए डेथ फोरटोल्ड इन पोस्ट कोलोनियल लिटरेचरः वायसेज फ्राम द अदर , संपादक मधुमिता चक्रवर्ती, नई दिल्लीः बुक एज सीरीज।

त्रिपाठी, राधा नाथ (2015)." टोकेनिज्म टू प्रो एक्टीविज्मः डि सेंट्रलाइजेशन आफ डिजास्टर मैनेजमेंट एंड पंचायती राज इन इंडिया'' इन डायनेमिक्स ऑफ द स्टेट एंड सोसइटी इन इंडिया, संपादक डॉ. अजय परमार और अमिताभ भट्ट, दिल्ली, प्रकाशन पब्लिशिंग हाउस, पृष्ठ 389–412

आयोजित किए गए / भाग लिए गए सम्मेलन
आयोजित सम्मेलन
अंग्रेजी विभाग ने सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत भारत के कॉलेज में अंतःस्नातकों के लिए अंग्रेजी भाषा कौशल के शिक्षण के लिए शिक्षा और प्रविधि' विषय पर 15 मार्च, 2016 को यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया ।
अर्थशास्त्र विभाग ने 18–19 मार्च, 2016 को ''वस्तु और सेवा करः भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव'' विषय पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
हिंदी विभाग ने 28–29 मार्च, 2016 को 'दलित साहित्यः अम्बेडकरवादी चिंतन और भारतीय समाज' विषय पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया।

सम्मेलन जिनमें भाग लिया गया
प्रदीप शरण ने 9–11 जुलाई, 2015 को ईएलटीएआई और आरकेजी इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर वूमन, गाजियाबाद द्वारा आयोजित 'पॉलिटिक्स इन द काउज आफ द डिजास्ट्रस फॉल इन द क्वालिटी आफ टीचर एंड द टिचिंग आफ इंगलिश इन इंडिया' विषय पर एक अनुसंधान प्रपत्र प्रस्तुत किया।
25–27 जनवरी, 2016 को आईएससीएस और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत द्वारा आयोजित और सत्र का अध्यक्षता में 'मैल्टीकल्चरलिज्म एंड ग्लोबलिज्म' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''द थीम आफ आइडेंटिटी इन द पोयम्स ऑफ मार्गेट अटवुड, डेरेक, वालकोट एंड कमला दासः ए पोस्ट कोलोनियल पर्सपेक्टिव' विषय पर एक अनुसंधान प्रपत्र प्रस्तुत किया।
हेमा दहिया ने 8–10 अक्टूबर, 2015 को एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित ''लैंग्विज इन शेक्सपीयरः रेटोरिक, एस्थेटिक, कम्युनिकेटिव'' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''पावर आफ लैंग्विज इन एनाटॉमी एंड क्लेओपेट्रा'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
---, 16–18 नवम्बर, 2015 को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''शेक्सपीयर इन इंडियन एंड यूरोपीयन लैंग्विजेजः ए पोस्टमार्डन रिव्यू'' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''रिएप्रोप्रिएश आफ शेक्सपीयर इन कोलोनियल बंगाल'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत की।

ज्योति जाखड़ दहिया ने दिनांक 3–4 मार्च, 2016 को जाकिर हुसैन कॉलेज (संध्याकालीन), दिल्ली द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंफ्लिकटिंग पोपुलर कल्चरः ए केस स्टडी ऑफ द रिसेप्शन आफ टेंग्ल्ड इन इंडिया' विषय पर एक अनुसंधान प्रपत्र प्रस्तुत किया।

प्रिया भल्ला ने 4–5 फरवरी, 2016 को गुरू गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित ''बूमिंग सर्विस सेक्टरः फ्राम अचिवमेंट टू ग्रोथ प्रोस्पेक्ट्स' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''परफॉमेंस आफ फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर एन्टीटीजः प्री एंड पोस्ट मर्जर एंड एक्वीजीशन'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया और इस सत्र में इस प्रपत्र को सबसे अच्छे प्रपत्र के रूप में पुरस्कृत किया गया।

अंजली अग्रवाल ने 29–30 मार्च, 2016 को जाकिर हुसैन कॉलेज (संध्याकालीन) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में 'प्रोडक्टीविटी इन ऑर्गनाइज्ड मेनुफेक्चरिंग इंडस्ट्री'' विषय पर एक अनुसंधान प्रपत्र प्रस्तुत किया।

रवीन्द्र त्रिपाठीः 26–27 नवम्बर, 2015 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय , भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रयोजित भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित 'भारत में सामाजिक कल्याण प्रशासनः डिजिटल इंडिया से संबद्ध' विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार में ''कल्याण को अधिकार बनानाः सामाजिक कल्याण प्रशासन के प्रति अधिकार आधारित दृष्टिकोणों का अनुप्रयोग' के संबंध में एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

--- दिनांक 11–12 मार्च, 2016 को एमएमएच महाविद्यालय, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) द्वारा आयोजित ''गांधी और उनकी कार्यप्रणालीः 21वीं सदी में इनके महत्व'' पर आईसीएचआर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार ''गांधी के मानवाधिकार संबंधी विचार''।

प्रखरः दिनांक 26.03.2016 को बघोला, पलवल (हरियाणा) के हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ में हुए आधुनिक संदर्भ में संस्कृत भाषा की उपयोगिता संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में ''इतिहास के अध्ययन में संस्कृत भाषा के योगदान'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी/अस्थायी/ तदर्थः 75

वित्तीय आवंटन और उपयोग

अनुदान संस्वीकृति –139995760 रूपए

उपयोग की गयी राशि– 13,58,50,067/-रूपए

नेहरू होम्योपैथिक चिकित्सा कॉलेज और अस्पताल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

डिस्प्ले बोर्ड और साइनेज की स्थापना और सीसीटीवी कैमरे को लगाने की प्रक्रिया।

आयोजित किए गए / भाग लिए गए सम्मेलन

2 अगस्त, 2015 को भारतीय होम्योपैथिक फिजिसियन (आईआई एचपी) द्वारा डा. के. जी. सक्सेना मेमोरियल सेमीनार ऑन लाइफ स्टाइल डिजीज।

दिनांक 08.01.2016 से होम्योपैथी पर राष्ट्रीय सेमीनार

विज्ञान भवन में 9 और 10 अप्रैल, 2016 को लिगा मेडिकोरम हौम्योपैथिका इंटरनेशल्स द्वारा विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन

संकाय सदस्यों की संख्या : स्थायी/ अस्थायी/ तदर्थः 25/10/0

नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप एवं उपलब्धियां

इस संस्थान में 2,700 से अधिक अंतःस्नातक और 70 स्नात्कोत्तर और 100 पीएचडी के छात्रों ने दाखिला लिया। अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में 900 से अधिक अनुसंधान प्रपत्रों का प्रकाशन हुआ और राष्ट्रीय जर्नलों में कई सौ प्रपत्र प्रकाशित हुए तथा इस संस्थान के संकाय सदस्यों ने कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिस्सा लिया। इस संस्थान का प्लेसमेंट रिकार्ड देश के बेहतरीन इंजीनियरिंग महाविद्यालयों की तुलना में अच्छा है; यहां के छात्र देश एवं विदेश स्थित शीर्ष उद्योगों और विश्वविद्यालयों में स्थान बनाए हुए है। यहां के छात्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में लगातार पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं। अंतः स्नातक छात्रों ने शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों में समर इंटर्न को स्वीकार किया । कई एनएसआईटी छात्रों ने कैट/जीआरई में 100 परसेंटाइल हासिल किया। न केवल पीएचडी विद्वान और एम टेक के छात्र बल्कि बी. ई. के छात्र भी प्रतिवर्ष प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में अपने अनुसंधान प्रपत्रों को प्रकाशित कराने में सफल रहा । द इंडियन टूडे सर्वे ने भारत के 100 तकनीकी विद्यालयों में वर्ष 2013 में एनएसआईटी 17वां रैंक दिया। एनएसआईटी को इसके अकादमी प्रभाग में पीएचडी डिग्री को अनुसंधान कार्य के लिए एआईसीटीई (भारत सरकार) द्वारा क्यूआईपी सेंटर के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है।

उत्कृष्ट सम्मान / प्रतिष्ठा

डॉ. संजीव कुमार को आईआइटी, दिल्ली से 2016 का डॉक्टोरल अनुसंधान पुरस्कार और एसईआरबी, डीएसटी से अर्ली कैरियर रिसर्च पुरस्कार– 2016 प्रदान किया गया ।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2015–16 में बजट सुविधाएं: . 1,093,4,479/- रूपए

वर्ष 2015–16 में मुद्रित पुस्तकों की संख्या : 4,284

आनलाइन पुस्तकों की संख्या : मेक्ग्रा हिल्स पुस्तक (पुस्तकों की कुल संख्या 380)

आवधिक:

पूर्ण टेक्स्ट जर्नलों का ऑनलाइन पैकेज -5

आईईएल

एसीएम डिजिटल पुस्तकालय

एएसएमई

एमरेल्ड (95 जर्नल्स)

कम्प्युटर विज्ञान और अभियांत्रिकी (जर्नलों की कुल संख्या - 275)

ऑनलाइन जर्नल

विली ऑनलाइन जर्नल (11 शीर्षक)

टेलर और फैंसी (4 शीर्षक)

एसीएस जर्नल (4 शीर्षक)

एसआईएजीएम ऑनलाइन जर्नल (2 जर्नल)

एसएजीई जर्नल (1 शीर्षक)

ऑनलाइन बिबिलियोग्राफिक डाटाबेस -1 एक (स्कोपस)

प्रिंट जर्नल (6 शीर्षक)

समाचार पत्र की कुल संख्या- 20

समाचार पत्रिकाओं की कुल संख्या -67

केन्द्रीय पुस्तकालय में वर्ष 2015–16 में जोड़े गए यूजरों की कुल संख्या

पुस्तकालय में बी. ई. छात्र यूजरों की कुल संख्या - 915

पुस्तकालय में एम. टेक. छात्र यूजरों की कुल संख्या – 49

पुस्तकालय में टीआरएफ /आरएफ यूजरों की कुल संख्या - 31

प्रकाशन

चौधरी पी, प्रजापति एस. के., मलिक ए. (2016)। स्क्रीनिंग नेटिव माइक्रोअलागल कंसोर्टियम फार बायोमास प्रोडक्शन एंड न्यूट्रिशन रिमूवल फ्राम रूरल सेक्टर वेस्ट वाटर्स। पारिस्थितिकीय अभियांत्रिकी 91:221-230 (इल्सेवियर, आईएफ:3.041).

तिवारी, एम. और दूबे, ए. के. (2016) साइपरमेथरिन बायोरेमेडियेशन इन प्रेजेन्स ऑफ हैवी मेटल्स बाय ए नोवल हैवी मेटल टोलेरेंट स्ट्रेन, बैसिलस एसपी. एकेडीएआई। इन्ट. बायोडिटेरियोरेशन एंड बायोडिग्रेडेशन, डीओआईः 10.1016/ जे. आईबीआईओडी.2015.11.025.

जे. के. पाठक, ए. के. सिंह और आर. सेनानी । (2015) 'न्यू केनोनिकल लॉसी इंडक्टर यूजिंग ए सिंगल सीडीबीए एंड इट्स एप्लिकेशन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स (यूके), 2015, डीओआई : 10.1080 /00207217 .1020884.

मनीष कुमार, एस. शंकर, जी.डी. द्विवेदी, ए. अंशुल, ओ. पी. ठाकुर, और अनूप के. घोष, (2015) "मेग्नोटो– डायलेक्ट्रीक कपलिंग एंड ट्रांसपोर्ट प्रोपर्टीज ऑफ द फैरोमेटिक– बीएटीआईओ 3 कंपोजिट", एप्लाइड फिजिक्स लैटर्स (एआईपी पब्लिसिंग) 106(7), 072903 डीओआई:10.1063/1.490955.

मनीष कुमार, एस. शंकर, शिव कुमार ओ. पी. ठाकुर और अनूप के. घोष (2016) । " स्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक, डायइलेक्ट्रिक एंड मैग्नेटो – डायइलेक्ट्रिक कपलिंग एनॉलिसिस ऑफ फेरोमैग्नेटिक – पीबीजेडआर 0.52 टीआई 0.48 ओ 3 नैनो कंपोजिट्स", जे मेटर साइंस: मेटर इलेक्ट्रॉन (2016), डीओआई 10.1007/ एस 10854-016- 4637-8 (स्प्रींगर) ।

नंदिनी शर्मा, रंजना झा। (2015) । ''इंफ्लूएंस ऑफ डि–अलानिन फ्यूल कंशन्ट्रेशन ऑन स्ट्रक्चरल एंड मैग्निटिक प्रोपर्टीज ऑफ निकेल फेराइट नैनोपार्टिकल्स'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्नोवेटिव रिसर्च इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी, भाग 4, संस्करण 5, पीपी – 3508– 3515, आईएसएसएन (ऑनलाइन)।

मनीष कुमार, एस. शंकर, जी. डी. द्विवेदी, ए. अंशुल, ओ. पी. ठाकुर, और अनूप क. घोष (2015)। ''मैग्नेटो – डायइलेक्ट्रिक कपलिंग एंड ट्रांसपोर्ट प्रोपर्टीज ऑफ द फेरोमैग्नेटिक – बीए टीआई ओ 3 कंपोजिट्स'', एप्लाइड फिजिक्स लेटर्स (एआईपी पब्लिसिंग) "106(7), 072903 डीओआई: 10.1063/1.4909553.

मनीष कुमार, एस. शंकर, शिव कुमार, ओ. पी. ठाकुर और अनूप क. घोष, (2016)। ''स्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक, डायइलेक्ट्रिक एंड मैग्नेटो – डायइलेक्ट्रिक कपलिंग एनालॉसिस ऑफ फैरोमैग्नेटिक – पीबवी जेडआर 0.52 टीओई 0.48 ओ3 नैनोकंपोजिट'', जे मैटर साइंसः मेटर इलेक्ट्रॉन (2016), डीओआई 10.1007/ एस10854-016-4637-8 (स्प्रींगर)

नंदिनी शर्मा, रंजना झा। (2015) । "इंफ्लूएंस ऑफ डि एलानिन फ्यूल कंस्ट्रेशन ऑन स्ट्रक्चरल एंड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज ऑफ निकेल फेराइट नैनोपार्टिकल्स", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्नोवेशन रिसर्च इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भाग 4, संस्करण 5, पृष्ठ संख्या 3508– 3515

ओम प्रकाश ठाकुर और निधि अग्रवाल। (2015)। "मॉडलिंग ऑफ सेंसिंग परफार्मेंस ऑफ इलेक्ट्रोस्ट्रीक्टिव कैपेसिटिव सेंसर", पुस्तक शीर्षक- सेंसिंग टेक्नोलॉजीः करेंट स्टेटस एंड फ्युचर ट्रेंड्स ।।।, भाग 11, पृष्ठ 341 – 358।

विनोद कुमार, अनु राना और ओ पी ठाकुर। (2015) इलेक्ट्रीकल प्रोपर्टीज ऑफ एमएन 0.5एफई1.8आरई0.2 ओ4 (आरई = एफई, जीडी, एलए, एसएम) नेनो स्ट्रक्चर्ड फैराइट्स'', नैनो टेक्नोलॉजीः नोवल पर्सपेक्टिव एंड प्रोस्पेक्ट्स'', इंटरनेशनल पब्लिसर्स मैग्रा हिल्स, अमेरिका पृष्ठ -494-498.

आयोजित सम्मेलन/ भाग लिए गए सम्मेलन

आयोजित सम्मेलन

एम्बेडेड प्रोडक्ट डिजाइन, एनएसआईटी, दिल्ली के टीआई सेंटर के अंतर्गत एम्बेडेड प्रणाली अभिकल्प के आधार पर माइक्रोकंट्रोलर संबंधी आयोजित समर/ विंटर इंटरर्नशिप प्रोग्राम।

जिन सम्मेलनों में भाग लिया गया

नंदिनी शर्मा, रंजना झा, सौर बैट्री में प्रभावी कैथोड परतें: एक समीक्षा, सोलर–आइकन 2016, 13वां सौर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 28–30 जनवरी, 2016, हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, भारत।

नंदिनी शर्मा, रंजना झा, जिंक आक्साइड सूक्ष्म कणों के रचनात्मक विशेषताओं पर विलयन का प्रभाव, सोलर–आइकन 2016, 13वां सौर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 28–30 जनवरी, 2016, हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, भारत।

नंदिनी शर्मा, रंजना झा और सरिता बघेल, कार्बनिक सौर सेलों में हाल की प्रगति की समीक्षा, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्प्यूटर एप्लिकेशन में प्रगति संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन, 4–5 फरवरी, 2016, शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

मनीष कुमार, एस शंकर, ओ पी ठाकुर, अनूप के. घोष, ध्रुव 6– 7 जून, 2015 ''स्ट्रक्चरल एंड इलेक्ट्रीकल प्रोपर्टीज ऑफ को सब्स्टीच्युटेड नैनो कोबाल्ट फेराइट्स'' तीसरे राष्ट्रीय नैनोसाइंस इंस्ट्रुमेंटेशन एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन (एनसीएनआईटी) (मौखिक प्रस्तुतिकरण)।

एस. शंकर, मनीष कुमार, प्राची चौधरी, ओ. पी. ठाकुर, अनूप के. घोष, ''बीएफओ–बीटी सॉलिड सोल्युशनः एन एमर्जिंग मैग्नेटइलेक्ट्रीक मटेरिय'', रसायनिक सेंसरों में हाल के विकास के संबंध में तीसरा सम्मेलन, 25–26 अगस्त, 2015 (पोस्टर प्रस्तुतिकरण)।

नंदिनी शर्मा, दर्शन शर्मा और रंजना झा, स्ट्रक्चरल प्रोपर्टिज आफ जिंक ऑक्साइड नैनो पार्टिकल सिंथेसाइज्ड बाय को प्रिसिपिटेशन मेथड फॉर सोलर एनर्जी कंवर्जन, छठा विश्व नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी सम्मेलन, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी। इसे 21 से 24 अगस्त, 2015 को दिल्ली, भारत में प्रस्तुत किया जाना था।

नंदिनी शर्मा, रंजना झा, 30 जुलाई से 1 अगस्त, 2015 को पुणे, भारत में प्रस्तुत होने वाले सोलर ऊर्जा परिवर्तन के लिए एडवांस्ड काउंटर इलेक्ट्रोड मटेरियल के कैटेलिस्ट प्रभाव का अध्ययन, सोलर एशिया–2015, सावित्री फुले, पुणे विश्वविद्यालय।

नंदिनी शर्मा, रंजना झा, अगस्त, 2015 को शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में राष्ट्रीय कार्यमूलक सामग्री सम्मेलन में सोलर बैट्री के लिए डायगनेस्टिक और कैरेक्टेरिस्टिक पद्धति।

संकाय सदस्यों की संख्या : स्थायी - 100; तदर्थ- 01

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

अनुदान संस्वीकृति. : 33,000 लाख रूपए

उपयोग की गयी राशि : 3291.86 लाख रूपए

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या – 640

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों / उद्योगों की संख्या -172

बार बार आने वाले भर्ती कर्ताओं की संख्या -115

साझेदारों के साथ घरेलु / अंतरराष्ट्रीय (समझौता ज्ञापन) की संख्या और नाम

भारतीय /विदेशी कंपनियों /उद्योगों के साथ :

भारतीय कंपनी : एसटी माइक्रोइलेक्ट्रोनिक्स

विदेशी कंपनी : टेक्सास इंस्ट्रुमेंट्स (टीआई सेंटर फॉर एम्बेडेड प्रॉडक्ट डिजाइन)

अभिदत्त जर्नल

जर्नलों की कुल संख्या : 275

पी. जी. डी. ए. वी. कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वर्षा जल संचयन, नई कैंटीन, छात्र सुविधा ब्लॉक और कंप्युटर प्रयोगशाला का निर्माण किया गया और परिचालित किया गया। सीसीटीवी कैंमरों को समग्र कॉलेज में स्थापित किया गया।

उत्कृष्ट सम्मान/ प्रतिष्ठा

श्री ललित मोहन, बी.ए. (पास कोर्स) प्रथम वर्ष ने अंतरराज्जीय और राष्ट्रीय स्तर पर तायक्वांडो चैम्पियनशिप में 3 स्वर्ण पदक जीता। उनका भारतीय कैंप के लिए चुनाव किया गया है।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. पिंकी पुनिया वृंदावन के विशेष संदर्भ के साथ (2013–15) 'विंडोज लाइफ स्ट्रगल'' नवोन्मेषी परियोजना के साथ जुड़ी हैं; इस परियोजना का वित्त पोषण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया (3 लाख रूपए) ।

डॉ. मनोज कुमार सिन्हा, डॉ. अभय प्रसाद सिंह, डॉ. रजनी जगोता, श्री चेतन चोइडब और दस अन्य छात्र ''जन धन योजना और वित्तीय समावेशन (2015–16) '' नवोन्मेषी परियोजना के साथ जुड़े; इसका वित्तपोषण दिल्ली विश्वविद्यालय (4.5 लाख रूपए) द्वारा किया गया है।

डॉ. गिरीधर गोपाल शर्मा, संस्कृत विभाग ने 18 पुराणों में संदर्भित ''ऋषि तीर्थ और पर्व'' पर एक अनुसंधान परियोजना शुरू किया। यूजीसी ने इसके लिए उन्हें 205000 रूपए का अनुदान दिया है।

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष इस पुस्तकालय ने 11,85,153 रूपए की कुल राशि व्यय कर और एक लाख की कुल पुस्तकों के साथ 2384 पुस्तक की खरीद की। इसके अतिरिक्त, हमारे पुस्तकालय को 27 पुस्तकें उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं । वर्तमान में इस कॉलेज में 63 आवधिक और 19 समाचार पत्र के साथ 4317 बाउंड जर्नल अभिदत्त हैं। हमने भिन्न रूप से सशक्त छात्रों के लिए पांच कार्यस्थलों वाला एक समर्पित प्रकोष्ठ भी है। इनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के ब्रेल पुस्तकालय तक पहुंच के साथ सहायक साफ्टवेयर भी लगे हुए हैं। भिन्न रूप से सशक्त छात्रों के अध्ययन में सहायता प्रदान करने के लिए एबकस, ज्योमैट्री किट, एमपी3 रिकार्डर, एंजेल डेजी रीडर, टेक्स्ट टू स्पीच साफ्टवेयर, जूम एक्स इंस्टेंट टेक्स्ट रीडर, लैपटॉप आदि जैसे विभिन्न सहायक उपकरण लगाए गए हैं। इस पुस्तकालय में एक बुक बैंक खंड, एसएएफ इकाई है जो आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को सहायता प्रदान करता है। वर्तमान में इस बुक बैंक में 12,069 पुस्तकें हैं। इस वर्ष कॉलेज ने बुक बैंक खंड के लिए 1,30,998 रूपए खर्च कर 484 पुस्तकों की खरीद की है।

प्रकाशन

एस. एस. अवस्थी, (संपादक) (2016) "पंजी– 21वीं सदी में'' बी. एस. बागला द्वारा थॉमस पिकेटी की पुस्तक '6 कैपिटल इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी'' का हिंदी अनुवाद और यूनिकार्न बुक्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

__________दिल्ली का राजनीतिक इतिहास, अभिषेक पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

सिंह ए. बी. (2016) समकालीन भारत में विकास प्रक्रिया और सामाजिक अभियान, पिन्नेकल लर्निंग पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

शर्मा आर एवं पोपली आर एस, फाइनेंशियल एकाउंटिंग, छठा संस्करण, किताब महल, नई दिल्ली।

डॉ. अश्विनी महाजनः

''इंडियन इकोनॉमी'' दत्त एवं सुंदरम का 72वां संस्कररण, सुल्तान चांद, नई दिल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था का 55वां संस्करण, सुल्तान चांद, नई दिल्ली।

आयोजित/ भाग लिए गए सम्मेलन
पायल मलिक (अर्थशास्त्र विभाग) ने सीपीआर साउथ, 2015 ताइपे, ताइवान में प्लेटफार्म बाजारों में प्रतिस्पर्धा संबंधी मुद्दों पर 'इकोनोमिक्स ऑफ कंपिटिशन लॉ' और 'न्यू चैलेंजेज फॉर कंपिटिशन रेग्युलेशन' विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रप़त्र प्रस्तुत किए।

संगीता मंडल ने हवाना, क्यूबा में आयोजित 13वें ग्लोबलिक्स अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'फर्म कैपेब्लिटीज एंड प्रोडक्टिविटी स्पील ओवर फ्रॉम एफडीआईः एविडेंस फ्राम इंडियन मेन्यूफेक्चरिंग फर्म' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

संगीता मंडल ने सीडीएस, त्रिवेंद्रम, केरल में आयोजित तीसरे इंडियालिक्स इंटरनेशनल कंफ्रेंस में 'एक्सपोर्ट स्पीलओवर फ्रॉम डायरेक्ट इंवेस्टमेंट इन इंडियाः ए फर्म लेवल एनालिसिस' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

उर्वशी साहु ने ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कॉमनवेल्थ स्टडीज (आईएससीएस) और ओस्मानिया यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंटरनेशनल प्रोग्राम (ओयूसीआईपी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल कंफ्रेंस ऑन पोस्ट कोलोनियलिज्म में 'पाकिस्तानी वूमन पोएट्स एंड देयर निगोसिएशन विद रिलीजन' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

गीता कलूचा ने कोटा विश्वविद्यालय, राजस्थान में ''स्टेटिसटिक्स एंड इंफोर्मेटिक्स इन एग्रीकलचर रिसर्च'' में 69वें वार्षिक भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसाइटी सम्मेलन पर ''इंप्रूव्ड रेसियो एंड रिग्रेशन एस्टीमेटर्स आफ दी मीन आफ ए सेंसिटिव वेरियेवल इन स्ट्रेटिफाइड सैंपलिंग'' विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्या – स्थायी (118), अस्थायी (03) & तदर्थ (38)

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता
संस्वीकृत अनुदान : 29,13,61,760/- रूपए
उपयोग की गयी राशि : 27,30,20,519/- रूपए

प्लेसमेंट ब्यौरा
सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या: 340
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों /उद्योगों की संख्याः 15
बार बार आने वाले भर्तीकर्ताओं की संख्या: 08

विस्तार और पहुंच संबंधी कार्य
आस पास के क्षेत्रों में आयोजित किए गए कैंपों की संख्या: (05)
इन कैंपों में नामांकित / शामिल लोगों की संख्या
इन कैंपों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या: (82)
इन कैंपों को दिए गए घंटों की कुल संख्या : (25 घंटे)

अभिदत्त जर्नल
अभिदत्त अंतरराष्ट्रीय जर्नलों की संख्या: डीयू एलएएन पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अभिदत्त सभी ई जर्नल।
अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्याः 63 पेपरबैक आवधिक पत्रिकाएं

पी. जी. डी. ए. वी. कॉलेज (सांध्यकालीन)
(पन्नालाल गिरधारीलाल दयानन्द एंग्लो वैदिक महाविद्यालय)

उत्कृष्ट सम्मान / प्रतिष्ठा
डॉ. संजय कुमार और डॉ. मोतिउर रहमान खान, इतिहास विभाग ने दिसम्बर, 2015 और फरवरी, 2016 में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली पर दो ग्यारह दिवसीय कार्यशालाओं में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
डॉ. एस. आर. राज, राजनीतिक विज्ञान, ने जनवरी, 2016 को 'सहकारी संघवादः राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और अंतरराष्ट्रीय अनुभव ' विषय पर अंतरराज्यीय परिषद्, गृह मंत्रालय, भारत सरकार और संघ फोरम, कनाडा, विज्ञान भवन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
डॉ. मीना शर्मा को 'भारतीय नवजागरण और स्त्री चेतना' विषय पर अनुसंधान के लिए आगरा विश्वविद्यालय द्वार डी. लिट. का पुरस्कार प्रदान किया गया।

अनुसंधान परियोजना

डॉ. आशा रानी, हिंदी विभाग, श्री रमेश कुमार, वाणिज्य विभाग और सुश्री मीनाक्षी यादव, वाणिज्य विभाग 'पर्सेप्शन ऑफ स्टुडेंट्स एंड फेक्ल्टी मेम्बर्स ऑन एम्प्लाब्लिटी स्कीलः ए स्टडी ऑन सिलेक्टेड कॉलेजेज इन दिल्ली एंड चंडीगढ़' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय की नवोन्मेषी परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

श्री हरि प्रताप, गणित विभाग, श्री अनिल कुमार, हिंदी विभाग और केवल सिंह, वाणिज्य विभाग भी दिल्ली विश्वविद्यालय की नवोन्मेषी परियोजना में शामिल हैं।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट: 3,79,462

जोड़े गए पुस्तकों की संख्या: 1,128

अभिदत्त जर्नल: 63

प्रकाशन

सेठी, पी. के. कंपेरिजन ऑफ इफेक्ट ऑफ योग निद्राः आटोजेनिक ट्रेनिंग ऑन बास्केट बॉल प्लेयर्स। एन एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिशिप्लीनरी स्टडीज, भाग 3, अंक 10

कुमार, अनिरूद्ध (संपादक), आशा रानी, ए. के. सिंह। 'हिंदी शोधः स्वरूप और संभावना'।

मीना, ओ एल. 'बदलते हुए भारत में हिंदी साहित्य के सामने उठते हुए प्रश्न, शंकाएं और समाधान'। अंतरराष्ट्रीय सैद्धांतिक समीक्षा, भाग 3।

तिवारी, अवधेश कुमार। ट्रेंड इन ग्लोबल एफडीआईः इंडिया वर्सेज चाइना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी एंड ह्युमिनिटीज, भाग 6।

विप, श्रुति (2015). मदर्स पर्सेप्शन्स एंड इंपेक्ट ऑन एजुकेशनः ए स्टडी आफ रूरल चाइना इन इन्क्लुसिव। कोलकाता सेंटर फॉर कंटेम्पोरेरी स्टडीज, भाग 7 ।

आयोजित किए गए / भाग लिए गए सम्मेलन

आयोजित सम्मेलन

डॉ. एस. सी. शर्मा, हिंदी विभाग ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से मार्च, 2016 को 'स्वतंत्रोयत्तर हिंदी कहानीः रचनात्मक सरोकारों की नयी पड़ताल' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया। इसी के तत्वावधान में फरवरी 2016 में 'बदलता भारतीय परिदृश्य और स्वतंत्रयोत्तर हिंदी नाटक' विषपर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया।

भाग लिए गए सम्मेलन

कृष्णा शुक्ला ने फरवरी 2016 में (आमंत्रण द्वारा) सत्यवती कॉलेज (सांध्यकालीन) द्वारा 'अम्बेडकर एंड क्लासः आंसर थ्रू टाइम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में संबोधित किया।

वृंदावन अनुसंधान केन्द्र और व्यंजना कला संस्कृति सोसाइटी, इलाहाबाद द्वारा आयोजित (आमंत्रण द्वारा) 'वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में राधा–कृष्ण के प्रेम की प्रासंगिकता' विषय पर संबोधन।

डॉ. ज्योत्सना प्रभाकर, जुलाई, 2015 में महिला अध्ययन केन्द्र, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित (आमंत्रण द्वारा)'एम्पावरिंग वीमेन थ्रू प्रिज्म आफ सोशल जस्टीस' संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में 'वूमनहुड एम्पावरमेंट एंड द आइडिया आफ सोशल जस्टीसः ए स्टडी इन कंपेरिजन' विषय पर संबोधन किया।

संकाय की संख्याः स्थायी/ अस्थायी/ तदर्थः 42/0/43

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

अनुदान संस्वीकृत (रूपए में) :

अनुरक्षण : 12,31,10,760.00

ओबीसी: 1,69,60,000.00

उपयोग की गयी राशि (रूपए में):

अनुरक्षण: 12,74,31,712.00

ओबीसी: 1,62,04,874.00

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या: 20

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/ उद्योगों की संख्या: 5

विस्तार और पहुंच कार्य
आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्याः 5
इन कैंपों में नामांकित /शामिल किए गए लोगों की संख्याः 100 (लगभग)
कैंपों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्याः 60 (लगभग)
इन कैंपों को समर्पित घंटों की कुल संख्याः 4–5 घंटे प्रतिदिन (लगभग)

अभिदत्त जर्नल
अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन और पेपर बैक संस्करण): 63

पंडित दीन दयाल उपाध्याय शारीरिक विक्लांग संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां
यह संस्थान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के वित्तीय नियंत्रण में फिजियोथेरेपी स्नातक (बीपीटी), ऑक्यूपेशनल थेरेपी स्नातक (बीओटी) और प्रोस्थेटिक्स एवं आर्थोटिक्स स्नातक (बीपीओ) का पाठ्यक्रम चलाता है। पीडीडीयूआईपीएच ने 3 दिसम्बर, 2015 को अन्य रूप सक्षम लोगों हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह के सफल आयोजन के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की सहायता की और सक्रिय रूप से भाग लिया।

अनुसंधान परियोजनाएं
फिजियोथेरेपी विभाग
वर्टिगो के प्रबंधन के लिए मैनुअल थैरेपी के प्रभाव का आकलन करना – श्रीमती मंदा चौहान और श्री अनूप अग्रवाल
मध्य आयु और बुढ़े लोगों में अपरिचित बेनाइन पैरोक्सीमल पोजिशनल वर्टिगो (बीपीपीवी) की व्याप्ति को सुनिश्चित करने के लिए एक क्रास सेक्शन अध्ययन– श्रीमती मंदा चौहान और श्रीमती रजनी कालरा
युवा वयस्कों में फुट प्रकार और स्थैतिक पोस्चुरल बैलेंस नीति के संबंध में एसोसिएशन ऑफ एंथ्रोपोमेट्रिक विशेषताएं– श्रीमती मंजू वत्स और श्रीमती प्राची राज मीना

आक्यूपेशनल थेरेपी विभाग
डॉ. मीनाक्षी बत्रा, डॉ. विजय बत्रा, अनूप कुमार अग्रवाल द्वारा सेंसोरीमीटर प्रोसेसिंग समस्या वाले बच्चों में द्विपक्षीय समेकन और अभ्यास योग्यताओं पर एनएफडीआर का प्रभाव
डॉ. मीनाक्षी बत्रा, डॉ. विजय बत्रा द्वारा रिकेट समस्या से ग्रस्त बच्चों में लोअर एक्सट्रिमिटी एंग्युलर बीमारियों में विभिन्न उपचार तरीकों का प्रभाव
स्ट्रोक पश्चात पुनर्वास में इंटरलिम्ब कपलिंग। (दिसम्बर, 2015 से) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित।
स्ट्रोक पश्चात हेमिपेरेशिस में मोटर रिकवरी के इंड्यूशिंग में दीर्घकालिक कार्य आधारित मिरर की भूमिका। (दिसम्बर, 2015 से) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित।
स्ट्रोक में लोअर लिम्ब मोटर रिकवरी के संबंध में कार्यकलाप आधारित मिरर थेरेपी का प्रभाव (नवम्बर, 2014 से मार्च 2016) पीडीयूआईपीएच द्वारा वित्तपोषित।
स्ट्रोक रोगियों के लिए थेरेपी कार्यक्रम सर्जरी आधारित थेरेपी कार्यक्रम। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (जुलाई से)।

पुस्तकालय विकास
कुल बजट (2015-16) = 16,000,00/- रूपए
पुस्तकों की कुल संख्या = 12980
पेशेवर / गैर पेशेवर पुस्तकों पर व्यय = 11,31,000/- रूपए (लगभग)
जर्नलों पर व्यय = 5,02,000/- रूपए (लगभग)
पुस्तकालय प्रयोगकर्ता = 29406
हम अपने सीडी/ डीवीडी के डिजिटलीकृत अभिलेखागार को सृजित करने की प्रक्रिया में हैं जिससे इस संस्थान परिसर में पीडीयूआईपीएच के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए सुगम्य होगा।

प्रकाशन
यादव, रश्मि, शैफाली वालिया, मंजू वाट्स, माजूमी नूनी (2016) । दीर्घकालिक स्ट्रोक में संतुलन कार्यनिष्पादन के संबंध में सामान्य संतुलन प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ विशिष्ट संतुलन नीतिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकारिता की तुलना। जेपीएमआर एससीआई।

गुंजन वधवा और रूबी एइकत (2015) । स्पाइनल कोर्ड इंजरी में 'सिटिंग बैलेंस उपाय (एसबीएम) के विकास, वैधता और विश्वसनीयता। स्पाइनल कोर्ड 54: 319-323; डीओआई: 10.1038/एससी.2015.148

केएन, आर्य, पांडियन एस., कुमार, डी., पुरी वी. जे.(2015) । स्ट्रोक के बाद हेमिपेरेसिस में कार्य आधारित मिरर थेरेपी आगुमेंटिंग मोटर रिकवरीः रेंडोमाइज्ड नियंत्रित ट्राईल। स्ट्रोक सेरेब्रोवास्क डिस 2015 जून 18 पीआईआई: एस1052-3057(15)00138-X डीओआई:10:1016/जेजेस्ट्रोकसेरेब्रोवासडिस.2015.03.026

पांडियन, शांता, कमल नारायण आर्य और धर्मेन्द्र कुमार (2015) । स्ट्रोक पश्चात सब्जेक्ट्स में कम प्रभाव वाले साइड (एमटीएलए) को शामिल करते हुए मोटर प्रशिक्षण का प्रभावः एक पायलट रेंडोमाइज्ड नियंत्रित ट्राइल। स्ट्रोक रिहैबलिटेशन में विषय, 22(5):357-6

के एन, आर्य (2015) । मिरर थेरेपी के न्यूरल तंत्र का उद्धरणः स्ट्रोक में मोटर रिहैबलिटेशन के लिए इम्लिकेशन। न्यूरल इंडिया।
आर्य केएन, गर्ग आर.के. (2015)। क्षतिग्रस्त मस्तिष्क की पहचान करने के लिए विभिन्न चरणः क्या इससे गंतव्य तक पहुंचा जा सकता है? न्यूरल इंडिया , 63(3):307-9. डीओआई:10.4103/0028-3886.158162.

बत्रा, विजय, मीनाक्षी बत्रा, रवीन्द्र मोहन पांडेय, विजय प्रकाश शर्मा, गिरिधर गोपाल अग्रवाल। (2015) न्यूरोलॉजिकल विकास विलंब वाले बच्चों में विकास प्रतिक्रिया (एनएफडीआर) दृष्टिकोण के न्यूरो प्रसुविधा का प्रयोग करते हुए मोटर विकास को बढ़ावा देने के लिए मोड्यूलेटिंग टोन। एमएएलएवाईएस जे एमईडी एससीआई, 22(5): 50-56.

जी, पांडियन। लोअर लिम्ब एम्पीट्यूज और प्रोस्थैटिक्स फिटमैंट प्रोसेस का आंतरिक अध्ययन। भारतीय ऑर्थोटिक्स एंव प्रोस्थेटिक्स संघ (ओपीएआई) का इंडेक्ड जर्नल।

आयोजित किए गए और भाग लिए गए सम्मेलन
आयोजित सम्मेलन
दिनांक 12.02.2016 से 14.02.2016 तक तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में भारतीय प्रोस्टेटिक्स संघ (ओपीएआई) के साथ प्रोस्थेटिक्स एवं ऑथोटिक्स विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

सम्मेलन जिनमें भाग लिया गया
मीनाक्षी बत्राः 29–31 जनवरी, 2016 को एसआरएम, चेन्नई में एआईओटीए के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में समयपूर्व घुटना अस्टीयोअर्थिराइटिश (सह लेखक के रूप में) वाले रोगियों में सेरेब्रल पाल्सी (लेखक के रूप में) में मोटर बिहेवियर को सुधारने और गैट पैरामीटरों को मोडुलेटिंग करने तथा मल्टी ज्वाइंट कपलिंग नीति का प्रयोग करने के लिए एटेंशनल सेंशोरीमीटर टास्क प्रशिक्षण।
प्लांटर वेट डिस्ट्रीब्यूशन पैटर एक्रास नॉर्मल पोपुलेशन में जेंडर आधारित वेरियेंस और नी ऑस्टीयोआर्थराइटिस पोपुलेशन इन इंडिया (सह लेखक रूप में) और बहुउद्देशीय सेंसोरीमोटोर हेड गियर। (लेखक के रूप)।
नवम्बर, 2015 दिल्ली में इंडिया हैबिटेट सेंटर में इंटरनेशनल हेड इंजुरी सम्मेलन में एससीआई के साथ बच्चों में विभिन्न उपचार तकनीक के न्यूरोरिहैब स्किल कंपेरिजन विकसित करना।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग
पांडियन, सहायक प्राध्यापक (पी और ओ) 22 जून से 25 जून तक, 2016 तक लियोन, फ्रांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स एंव आर्थोटिक्स सम्मेलन।
भारतीय आर्थोटिक्स एवं प्रोस्थेटिक्स संघ (ओपीएआई) प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स पेशा के विकास के लिए एक राष्ट्रीय प्रत्यायित मंच है और इसमें कार्यरत पेशेवर लोग सक्रिय रूप से निशक्तों के पुनर्वास में लगे है। ओपीएआई का लक्ष्य उपयुक्त प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के माध्यम से समाज में अधिक स्वतंत्र और समेकित होने के लिए समर्थ होना है। इस लक्ष्य के साथ ''एबिलिटेट एसोशिएशन रिहैब्लिटेशन'' विषय पर ओपीएआई –2016 राष्ट्रीय सम्मेलन आगे बढ़ता है।
संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी / अस्थायी / तदर्थः 28 / 26
वित्तीय आवंटन और उपयोगिता
अनुदान संस्वीकृति (लाख रूपए) 1085 लाख रूपए (योजना) 748.97 लाख रूपए (गैर योजना) 275 लाख रूपए (एडीआईपी योजना)
उपयोग की गयी राशि (लाख रूपए) 1251.43 लाख रूपए (योजना) 861.52 लाख रूपए (गैर योजना) 248.62 लाख रूपए (एडीआईपी योजना)
प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरे
सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या : 24

कैंपस भर्ती आने वाली कंपनियों की संख्या: 11

बार बार भर्ती करने वालों की संख्या: 5

भारतीय/ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारों द्वारा घरेलु/ अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन की संख्या और नाम – पी एवं ओ विभाग

(एक) नेताजी सुभाष इंस्टिच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

विस्तार और पहुंच कार्य

आस पास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्या – 13

कैंपों में नामांकित/शामिल किए गए लोगों की संख्या – 1105

इन कैंपों को समर्पित घंटों की कुल संख्या – 220

अभिदत्त जर्नल – 14

राजधानी कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस कॉलेज को संस्कृत (स्नातक) में अधिकतम संख्या में छात्रों को नामांकित करने के लिए दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। कंप्युटर विज्ञान विभाग ने एलआईजीपी प्रोग्राम आयोजित किया, यह प्रोग्राम विभिन्न मोड्यूलों सहित युवाओं हेतु नैतिक शिक्षा के लिए अभिकल्प प्रेरक प्रस्तुत श्रृंखला थीं जिसने जीवन की विभिन्न महत्वपूर्ण परिस्थितियों से जूझ रहे छात्रों के लिए एक मार्ग निर्देशन के रूप में कार्य किया। एनसीसी कैडेट में से एक को भारत के राष्ट्रपति से बहादुरी का पुरस्कार प्राप्त हुआ। कॉलेज को दिल्ली राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप में दो कांस्य और एक रजत पदक, दिल्ली राज्य ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2015–16 में एक कांस्य पदक, दिल्ली राज्य भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और एक रजत पदक और दिल्ली राज्य चैम्पियनशिप 2015–16 में 10 किमी. प्रतिस्पर्धा में एक रजत पदक प्राप्त हुआ। पीआईईटी (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय), बार्क (दिल्ली विश्वविद्यालय), एनआईआईटी (राजस्थान) में त्रयम्बकम नामक नाटक सोसाइटी ने इस कॉलेज को सम्मान दिलाया और मिरांडा हाउस (डीयू) द्वारा आयोजित डब्लूडीसी कार्यक्रम में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

उत्कृष्ट सम्मान/ प्रतिष्ठा

डॉ. गनिता भूपाल, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग ने जुलाई, 2015 को रूस के उफा में आयोजित प्रथम ब्रिक एससीओ युवा सम्मेलन में पांच सदस्यीय शिष्टमंडल के भाग के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. एस. के. ढ़ाका, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने दिसम्बर, 2015 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह (आईआईएसएफ) के छात्र– वैज्ञानिक संवाद के अधिकांश हिस्से में संयोजक के रूप में सेवा प्रदान किया।

अनुसंधान परियोजनाएं

रोबोटिक सोसाइटी ने भारत सरकार के डिजिटल इंडिया और कौशल भारत कार्यक्रम की तर्ज पर ई–यात्रा, आईआईटी बम्बई के सहयोग से कॉलेज में एक प्रयोगशाला की स्थापना की।

गत वर्ष 12 परियोजनाएं नामतः ब्लूटूथ मोड्यूल के माध्यम से जेसचर कंट्रोल रोबोट संवाद, रिमोर्ट कंट्रोल एयरोप्लेन, एक्सोस्केलेटन आर्म, मेज सोल्विंग लाइन फौलोवर रोबोट, जीबी मोड्यूल के माध्यम से जेस्चर कंट्रोल रोबोट संवाद, सेल्फ बैलेंसिंग रोबोट, रोबो–बार रोबोट, टॉक्सिक गैस सेंसिंग रोबोट, ऑब्सटेकल एब्यायडिंग रोबोट, आईसी टेस्टिंग बोर्ड, टेम्परेचर एंड ह्युमिडिटी सेंसर, वाकी टॉकी, नोआइज डिटेक्टर एंड वायस रिकार्डर को सफलता पूर्वक पूरी की गयी।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय में एक लाख से अधिक अध्ययनशील पुस्तक हैं और यहां लगभग 32 समाचार पत्र एवं 50 आवधिक पत्रिकाएं आती है । इस कॉलेज का पुस्तकालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एन सूची कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है जिसके माध्यम से संकाय सदस्य और छात्र पुस्तकालय से पासवर्ड प्राप्त कर रिमोर्ट लॉग इन सुविधा के साथ 6000 से अधिक ई जर्नल और 1 लाख से अधिक पुस्तक तक अपनी पहुंच बना सकते हैं।

प्रकाशन

सिंह, चन्द्र शेखर। पंजाबी स्वर शैलीः एक प्रयोगात्मक अध्ययन। मुएनचेन, जर्मनीः लिंकम यूफोरिया

भूपाल, गनीता। (2016) लोक स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की लंबाई और मनरेगा का प्रभावः मुद्दे, चुनौतियां, अवसर, रोकथाम, जागरूकता (लोक स्वास्थ्यः 2016), भाग–1

अग्रवाल, मेघा ।(2015) ।मीन वेरियेंस इफिसिएंट पोर्टफोलियो सेलेक्शन में विकास। युनाइटेड किंग्डम : पालग्रेव मैकमिलन।

पायल, रितु। (2016) । हवेदर टू वरी विद वेस्टः ए रिव्यू ऑन एक्टिवेटेड कार्बन परकर्सर फ्राम वेरियस वेस्ट मटेरियल्स। आधुनिकि अनुसंधान के अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 4(1), 14–20 ।

चामंडिया, सपना। (2016) राजे वाली स्त्री।

लुम्ब, सोनिया। (2015) । स्टैटिक पोलेराइज्बिलिटी ऑफ एन एटम कंफाइंड इन गौसियन द ए पेपर आईपोटेंशियल। इंटरनेशनल यूर. फिजिक्स जर्नल प्लस 130।

कुमार, सुमन। (2016) । फल्सफा। इशा ज्ञानदीप प्रकाशन।

कुमार, सुशील (2016) । वेवलेट लाइक ट्रांस्फर्म का प्रयोग कर इमेज डिनोइजिंग। आधुनिक अनुसंधान और नवोन्मेष का अंतरराष्ट्रीय जर्नल (आईजेएआरआई)।

गुप्ता, वर्षा। (2016)। कम्युनिकेशन स्किलः ए की टू ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप इन इंटरप्रिटेशन्स। प्रेस्टीज पब्लिकेशन

सम्मेलन जिनमें भाग लिया गया

सुश्री दिव्या सिंह, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, ने भारतीय परमाणु और आण्विक भौतिक सोसाइटी (आईएसएएमपी) के सहयोग से भारतीय खान विद्यालय आईएसएम–धनबाद द्वारा 9–11 जनवरी, 2016 को आयोजित परमाणु, अणु और सामग्री (क्यू–पीएसीई–2016) में आवेशित कण टकराव और इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया संबंधी अंतरराष्ट्रीय सामयिक सम्मेलन में प्लाज्मा में टीएचजेड विकिरण उत्तपत्ति के तंत्र के संबंध में इलेक्ट्रॉन उदासीन टकराव और ओहमिक हीटिंग के परिणामस्वरूप इसके प्रभाव के संबंध में एच. के. मलिक के साथ एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की संख्याः स्थायी : 96, तदर्थः 63, और अतिथि संकाय :02

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या– 11

कैंपस भर्ती के लिए आने वाले कंपनियों / उद्योगों की संख्याः 4

अभिदत्त जर्नल

एन– लिस्ट, डीयूएलएस एंव यूजीसी– इंफोनेट डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से ई–संसाधन तक पहुंच।

एन लिस्ट इंफि्लवनेट प्रोग्राम की सदस्यता 1,00000 ईबुक और 6000 ई जर्नल तक पहुंच प्रदान करता है।

राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य चेतन अभियान में भाग लिया। वार्ड स्वास्थ्य संगठन दिन, तंबाकू मुक्त दिवस, क्षय रोग दिवस और मातृ स्तनपान सप्ताह आदि मनाया।

उत्कृष्ट सम्मान / प्रतिष्ठा

एमएससी अंतिम वर्ष के पांच छात्रों को अपने विषयों में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त हुए।

अनुसंधान परियोजनाएं

भारतीय नर्सिंग कार्यक्रम परिषद् के अंतर्गत राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग कॉलेज के संकाय के पर्यवेक्षणा के अंतर्गत डाक्टेरेट प्रोग्राम के एक भाग के रूप में अनुसंधान किए गए।

दिल्ली के कुछ चुने हुए अस्पतालों में विकिरण प्रेरित त्वचा प्रतिक्रिया प्रबंधन की जानकारी और व्यवहार के संदर्भ में योजित शिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव को विकसित करने और खोज करने के विचारार्थ रेडियोथेरेपी ले रहे कैंसर रोगियों में विकिरण प्रेरित त्वचा प्रतिक्रिया की व्याप्ति के आकलन का अध्ययन।

दिल्ली के चुने हुए समुदाय में सर्वाइकल कैंसर के उच्च जोखिम वाले मामलों में महिलाओं में जानकारी, प्रवृत्ति और अभिव्यक्त व्यवहार और इनकी जांच के संदर्भ में रोकथाम संबंधी योजनाबद्ध स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम और कैंसर का पहले से ही पता लगाने के लिए प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।

खिड़की गांव, दिलली के चुने हुए क्षेत्र में ज्ञान और स्व अभिव्यक्त व्यवहार के संदर्भ में उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए ''मधुमेह मेलिटस की रोकथाम'' पर स्व अनुदेशित मोड्यूल की प्रभावकारिता को विकसित करने और मूल्यांकन करने के विचारार्थ टाइप 2 मधुमेह मेलिटस क्लाइंटों की व्याप्ति का आकलन करने के लिए अध्ययन।

दिल्ली के चुने हुए अस्पताल में दर्द और खरोंच के स्तर के संदर्भ में निम्न आण्विक वजन हेरापिन (एलएमडब्लूएच) के सबक्यूटेनस इंजेक्शन लेने वाले रोगियों में सर्द अनुप्रयोग के साथ इंजेक्शन अवधि के प्रभाव के आकलन का तुलनात्मक अध्ययन।

मेघालय के चुने हुए ग्रामीण क्षेत्र में किशोर बालिका (14–19 वर्ष) के ज्ञान, प्रवृत्ति और व्यवहार के संदर्भ में अवांछित किशोरावस्था गर्भधारण संबंधी स्वास्थ्य पैकेज की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।

प्रकाशन

गोयल, हरिन्दरजीत। पेट की शल्य चिकित्सा के लिए नर्सिंग कर्मी की जानकारी और व्यवहार तथा रोगियों के परिणाम के संदर्भ में आपरेशन पूर्व और आपरेशन पश्चात परिचर्या विकसित करना और नर्सिंग मानक का मूल्यांकन । आईएसएसएन– 0075–6841

रस्तोगी, शारदा। हाइपोथेसिस परीक्षण अनुसंधान अध्ययन का अनुसंधान प्रबंधन। आईएसएसएन– 2231-1475

---.दिल्ली के चुने हुए अस्पतालों में दाखिल हुए गर्भाशय कैंसर से पीड़ित रोगियों को स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सुविधाओं और इसके इस्तेमाल के बारे में जानकारी तक पहुंच। आईएसएसएन – 2231-1475

--- योजनाबद्ध शिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के बाद बाल जीवन और स्वस्थ्य मातृत्व कार्यक्रम के लिए सुविधाओं के बारे में महिला स्वास्थ्य कर्मी की जानकारी और अभ्यास का आकलन करने संबंधी अध्ययन। आईएसएसएन– 2231-1475

यादव, संतोष। दिल्ली में चुने हुए स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रसव पूर्व महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में महिला स्वास्थ्य कर्मी की जानकारी और कार्य के आकलन के लिए अध्ययन। आईएसएसएन – 2231–1475

---. नर्सिंग के आधार पर अनुसंधान एथेइजेशन और साक्ष्य पर –प्रैक्टिस नर्सिंग अनुसंधान और सांख्यिकी। पियर्सन पब्लिकेशन (एनएसआरआई) आईएसबीएन संख्या 978-81-31-7570-7

पउलोज, राम्या एंड बाबू मोली इटेल। (2015) । जन्म के समय कम वजन के अवस्था संबंधी कठिनाई और शारीरिक मानक पर नेस्टिंग का प्रभाव। आईओएसआर जर्नल नर्सिंग और स्वास्थ्य विज्ञान भाग 4ः संस्करण 1

मर्लिन एवं बाबू, मोली (2015) । तमिलनाडु के कुछ चुने हुए विशेष विद्यालयों में मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के संबंध में सूचना संबंधी पुस्तिका तैयार करने के विचारार्थ माता पिता और देखभाल करे वालों द्वारा ऐसे मानसिक रूप से कमजोर बच्चों की देखभाल में महसूस की गयी माता पिता की भूमिका। आईओएसआर जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड हैल्थ साइंस, भाग 4ः संस्करण 2

शर्मा, पूनम एवं बाबू, मोली। (2016) । दिल्ली में पीएलएचआईवी चयनित एआरटी केन्द्र का जीवंत अनुभव। एक सुनियोजित समीक्षा। अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान। मानव संसाधन और सामाजिक विज्ञान के जर्नल। भाग 3ः संस्करण 4।

सम्मेलन जिनका आयोजन किया गया / जिनमें भाग लिया गया

आरएकेसीओएन द्वारा राष्ट्रीय स्तर के दो सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

संकाय सदस्यों की संख्या: स्थायी – 34

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या –100 %

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/ उद्योगों की संख्या- 10 से 11

बार बार आने वाले भर्तीकर्ताओं की संख्या – अधिकांशतः बार बार आते हैं।

अंतर संस्थागत सहकार्य

आईएनसी के साथ सहकार्य में जीएफएटीएम परियोजना

विस्तार और पहुंच संबंधी कार्य

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्या	:	10 से 12
इन कैंपों में नामांकित /शामिल किए गए लोगों की संख्या	:	100 से 150 प्रति कैंप
उन छात्रों की संख्या जिन्होंने इन शिविरों में कार्य किया	:	सभी छात्रों को अपने पाठ्यक्रम के एक हिस्से के रूप में उनके लिए आवश्यक है।
इन कैंपों हेतु समर्पित कुछ घंटों की संख्या	:	4 से 6 घंटे प्रति कैंप

अभिदत्त जर्नल

अभिदत्त अंतरराष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण)	:	10
अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण)	:	11

रामलाल आनंद कॉलेज

क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

इस वर्ष कॉलेज ने अप्रैल महीने में दो दिवसीय वार्षिक कॉलेज फेस्ट ग्रैंड फेस्ट 'बज' का आयोजन किया। इस उत्सव में विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर महाविद्यालयी फिनाले का आयोजन किया। पंजाबी गायक मिका सिंह ने भी इस उत्सव में अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें लगभग 10,000 छात्रों ने इसका आनंद उठाया। अंतर महाविद्यालयी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए और विभिन्न प्रायोजकों द्वारा छोटे छोटे पुरस्कार प्रदान किए गए।

विशिष्ट सम्मान / गौरव

इस विश्वविद्यालय द्वारा इस कॉलेज के दो छात्रों को पुरस्कृत किए गए।

अनुसंधान परियोजनाएं

नवोन्मेषी परियोजनाएं:-	आरएलए 201	4,50,000/-
	आरएलए 202	6,00,000/-
	आरएलए 203	5,00,000/-
	आरएलए 204	3,00,000/-
	आरएलए 205	7,00,000/-
	आरएलए 206	5,00,000/-
	आरएलए 208	3,50,000/-

पुस्तकालय विकास

कुल बजट : 8,80,000/-

शामिल पुस्तक : 1281

संकाय की संख्या : स्थायी / अस्थायी / तदर्थ :80

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान 146870000.00 रूपए

उपयोग की गयी राशि 75215000.00 रूपए

प्लेसमेंट संबंधी ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्याः 50

कैंपस आने वाली कंपनियां/उद्योगों की संख्या 5-6 भर्ती

अभिदत्त जर्नल

अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन + पेपर बैक संस्करण) : 52+14 समाचार पत्र

रामानुजन कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

रामानुजन कॉलेज को एनएएसी द्वारा ग्रेड 'ए' (सीजीपीए 3.09) से प्रत्यायित किया गया है। कॉलेज की पहली शैक्षिक संपरीक्षा की गई है। अब हमारा कॉलेज दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर नॉलेज एक्वीजीशन एंड अपग्रेडेशन ऑफ स्किल्ड ह्यूमन एबिलिटीज एंड लिवलीहुड (कौशल) केन्द्र है। इस केन्द्र में दो बी. व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान किए जाएंगे। हमारे लिए विश्वविद्यालय ने पाँच *स्टार इनोवेशन* परियोजनाएँ और सात *इनोवेशन परियोजनाएँ* मंजूर की हैं। हमारे तीन छात्रों को विदेशों में शैक्षिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए छात्रवृत्तियाँ/पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। स्पेक्ट्रो एनेलिटिकल लैब्स लिमिटेड द्वारा कॉलेज की पर्यावरणीय संपरीक्षा की गई थी। अतिरिक्त कक्षाओं, चिकित्सा कक्ष, क्रियाकलाप कक्ष और एक इन्डोर जिमनेजियम के लिए 12 और पोर्टाकेबिनों का निर्माण किया गया है। एक आउटडोर जिमनेजियम भी शुरु किया गया है। नवीनतम जीरो थिंक लाइन प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए पैंतालीस कंप्यूटर स्टेशन के साथ एक अतिरिक्त कंप्यूटर लैब की स्थापना की गई है। कॉलेज में पाँच प्रमुख संगोष्ठियाँ/सम्मेलन और दो संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंततः कॉलेज के बहु प्रतीक्षित नए भवन का निर्माण कार्य शुरु हो गया।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

डॉ. एस.पी. अग्रवाल, वाणिज्य विभाग को पीपीएस मिलेनियम नेशनल टीचर अवार्ड तथा एसआरसीसी से डिस्टिंग्विश्ड एलुमनाई अवार्ड प्राप्त हुआ।

डॉ. जफर ऐजाज, प्रशासनिक अधिकारी को उनकी पुस्तक 'साहिर लुधियानवी शख्सियत और फ़न', 2015 के लिए उत्तर प्रदेश अकादमी और दिल्ली उर्दू अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुए।

जज़्बा के नुक्कड़ नाटक 'भूख' को अंतर–कॉलेज प्रतियोगिता, 2015 में सर्वश्रेष्ठ नुक्कड़ नाटक के लिए साहित्य कला परिषद पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शोध परियोजनाएँ

क. दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के लिए यूजीसी–प्रायोजित 'स्टार इनोवेशन परियोजना' *(87.5 लाख रु.) :*

ए स्टडी ऑफ लाइफ स्टाइल्स एंड हैल्थ (फिजीकल एंड मेन्टल) रिलेटेड प्रॉब्लम्स अमंग एडोलीसेंट

रिलायबल डाटा ऑन द रीयल वर्ल्ड ऑफ इनोवेशंस

टेकिंग द वर्ल्ड ऑफ रामानुजन टू द नेक्स्ट लेवलः एन इनोवेटिव प्रोजेक्ट इन कार्टोग्राफी

रोबोटिक्स इन हैल्थ केयर

सोश्योवेशन

ख. दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मंजूर 'इनोवेशन प्रोजेक्ट्स' *(25 लाख रु.) :*

प्राइवेट कोचिंग वर्सेज़ क्लासरूम टीचिंग इन स्कूल्स/यूनिवर्सिटीज़

डिजाइनिंग डिस्ट्रीब्यूशन चैनल स्ट्रेटेजी : फोर्जिंग कंज्यूमर एंड प्रोड्यूसर सिंक्रोनी

टू स्टडी द साइकोसोशल एंटीसीडेंट्स ऑफ प्रो–सोशल बिहेवियर एंड देयर रेलेटिड इंपैक्ट ऑन सब्जेक्टिव वेल–बीइंग इन एडोलीसेंस

फ्रॉम ट्रेडिशनल टू मॉडर्निटीः नेरेटिंग फॉकलोर इन मधुबनी पेंटिंग्सः ए फिल्म

डिकोडिंग प्रीवेलेन्ट कॉपिंग स्ट्रेटेजीज़ अमंग द वार वल्नरेबल इनहैबिटैंट्स अक्रॉस जम्मू बॉर्डर

हाउ डीकमीशनिंग ऑफ ओल्ड कार्ट कैन हैल्प इंडस्ट्री एंड सोसाइटी बेनेफिट्स

सुपर 30' या कोटा कोचिंग का तुलनात्मक अध्ययन

ग. कॉलेज की शोध समिति द्वारा मंजूर शोध परियोजनाएँ

एटीट्यूड टू एक्शनः ए स्टडी ऑन एनवायरमेंटल अवेयरनेस एंड प्रेक्टिस अमंग अंडरग्रेजुएट लेवल कॉलेज स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू जेंडर एंड एकेडमिक स्ट्रीम्स
फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट इन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री इन इंडियाः बून ऑर बेन?
रिजर्वेशन फॉर इकॉनोमिकली वीकर सेक्शन चिल्ड्रन इन अनऐडेड प्राइवेट स्कूल्स : प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स
गुलजार द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्मों में मानवीय संवेदना का वस्तु विश्लेषण
उच्च शिक्षण संस्थान और मीडिया रिपोर्टिंग
माइंड एंड इनवायरमेंट कंप्रीहेन्सिव स्टडी ऑन द इम्पैक्ट ऑफ एनवायरमेंट ऑन राइटर'स क्रियेटिविटी विद स्पेशल रेफरेंस टू रामगढ़ (उत्तराखंड)

विशिष्ट छात्र

बिट्टू चौहान (बी.टेक (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस, तृतीय वर्ष का छात्र) तथा डॉ. निखिल कुमार राजपूत (संकाय) ने 2015 ग्रीष्मकाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के यूकेआईईआरआई कार्यक्रम के अंतर्गत गेमिंग परियोजना के लिए वेस्ट कॉलेज, स्कॉटलैंड (यूके) का दौरा किया।

रोहन रावत (बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान, प्रथम वर्ष का छात्र) को 47वें एन्युअल रुडोल्फ ड्रीकुर्स के दो सप्ताह के पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए इंटरनेशनल कमेटी फॉर एडलेरियन समर स्कूल एंड इंस्टीट्यूट्स (यूनिवर्सिटी ऑफ केंट, केंटरबरी, यूके) से हाफ मेजर स्कोलरशिप प्राप्त हुई।

नीति पाहवा (बी.एससी. (ऑनर्स) गणित की तृतीय वर्ष की छात्रा) को विश्वविद्यालय परीक्षा के चौथे सत्र, अप्रैल–मई 2015 में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए।

शुभम अग्रवाल (बी.टेक (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस, तृतीय वर्ष का छात्र) लंदन स्कूल ऑफ इकनोमिक्स (यूके) में तीन सप्ताह की इंटर्नशिप के लिए गया।

आदित्य गोपाल गांगुली (बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान, द्वितीय वर्ष का छात्र) ने 'साथी' – ग्रामीण भारत में किशोर प्रजनन तथा यौन स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का सामना करने के लिए एक मोबाइल एप – के डिजाइन के लिए हैल्थ हैक ऑन प्रतियोगिता जीती।

कॉलेज की नाटक सोसाइटी जज़्बा से परमजीत ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में प्रवेश लिया।

आर्य तन्मय गुप्ता, बी.टेक कंप्यूटर साइंस, तृतीय वर्ष (अनुक्रमांक –13/0110) को भारतीय विज्ञान अकादमी (साइंस अकेडमीज़' समर रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम) से अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय का जीर्णोद्धार किया गया है; एक नया टीचर्स रीडिंग लांज और एक संदर्भ अनुभाग जोड़ा गया है जो कि आईटी सुविधाओं तथा नवीनतम पुस्तकों से पूर्णतः सुसज्जित है; तथा वाचनालय में 100 नई सीटें जोड़ी गई हैं। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस केटेलॉग (ओपीएसी) प्रतिष्ठापित किया गया है, रिसोर्स शेयरिंग नेटवर्क रिसोर्सेज डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) के साथ–साथ इन्फलिबनेट (यूजीसी) के एन–लिस्ट कार्यक्रम के माध्यम से ई–पुस्तक और ई–जर्नल मंगाए गए हैं। पुस्तकालय के पुराने रैक/अलमारियों के स्थान पर गोदरेज के नए बुक रैक लाए गए हैं। जनवरी 2016 में एक पुस्तक मेला आयोजित किया गया था। पुस्तकालय के वर्तमान आँकड़े और वर्ष 2015–16 में हुए विकास का ब्यौरा निम्नलिखित है
पुस्तकों की कुल संख्या = 32000 (इस वर्ष 2000 पुस्तकें जोड़ी गई)
शीर्षकों की कुल संख्या = 19500 (इस वर्ष 1500 शीर्षक जोड़े गए)
पुस्तकालय का उपयोग (जारी/वापिसी) = वर्ष 2015–16 में 30000 लेन–देन

प्रकाशन

अग्रवाल, एस.पी., एवं अंशिका अग्रवाल (2016) ए स्टडी ऑफ सीएपीएम टेस्टिंग इन एजुकेशन कंटेक्स्ट, *रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च,* 1

राजपूत, निखिल (2016) रैंक फ्रीक्वेंसी एनेलिसिस ऑफ कैरेक्टर्स इन गढ़वाली टेक्स्टः इमरजेंस ऑफ जिफ्स लॉ, *करेंट साइंस,* 110(3)

जैन, श्रुति (2015) *टुडे आई एम अलाइव,* मुंबई : फ्रॉग बुक्स

कुमार, अजय (2015) पंडिता रमाबाई सरस्वती : स्त्री शिक्षा की अग्रदूत (1858–1922) *आधुनिक भारत का राजनीतिक चिंतन : एक विमर्श,* संपा. रुचि त्यागी, दिल्ली : हिंदी कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्व विद्यालय

कुमार, विभाष (2015) *ऑर्गनाइजेशनल* बिहेवियर, नई दिल्ली : इंटरनेशनल बुक हाउस

पांडेय, आलोक रंजन (2015) *हिंदी भाषा और संप्रेषण,* नई दिल्ली : सतीश बुक

पॉल्स, मोहिंदर (2015) ग्रोथ ऑफ कांगड़ा सेन्ट्रल को–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड – एन इवेल्यूएशन, *अभिनव नेशनल मंथली : रेफर्ड जर्नल ऑफ रिसर्च इन कॉमर्स एंड मेनेजमेंट,* 40(5)

नागपाल, सुमित, आर. मेंदीरत्ता एवं वी.रविचंद्रन (2015 रेडिई ऑफ स्टारलाइकनेस एंड कॉनवेक्सिटी फॉर एनेलिटिकल फंक्शंस विद फिक्स्ड सेकेंड कोएफिशियेंट सेटिसफाइंग सर्टेन कोएफिशियेंट इनइक्वेलिटीज़, *क्युंगपुक मैथेमेटिकल जर्नल,* 55(2), 395–410

साहिल, पाठक (2015), एन एनर्जी एफिशियेंट एंड लोड बेलेन्सड क्लस्टरिंग स्कीम इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर नेटवर्क्स एंड वायरलेस कम्यूनिकेशंस* 5(4)

सैनी,पारुल (2015), मेजर स्कैम्स इन इंडियन केपिटल मार्केट, *ऐकेडेमीशिया : एन इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल* 5(5)

शर्मा, हरि के. (2016), ट्रेन्ड्स ऑफ रीजनल इंटीग्रेशन एंड सार्क, *इंटर–स्टेट कन्फलिक्ट्स एंड कंटेन्शस इश्यूज़ इन साउथ एशिया : चैलेंजेस एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सार्क,* संपा. एमेन्यूअल नाहर, दिल्ली; कल्पाज़ पब्लिकेशंस

सिंह, राहुल (2015), ग्रिब्नेर बेसिस एंड इट्स एप्लीकेशंस, *इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च परिपेक्ष,* 4(11)

तोमर, सचिन (2015) इन्फरेन्सेज़ ऑन द मिक्सचर मॉडल विद टाइप टू हाइब्रिड सेंसर्ड डाटा, *जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स इन इंजीनियरिंग, साइंस एंड ऐरोस्पेस,* 6(2), 309–317

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

वाणिज्य विभाग ने ''लर्निंग रिसर्च टूल्स फॉर क्वालिटी रिसर्च'' विषय पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय एफडीपी आयोजित किया, 15–20 जून 2015

वाणिज्य विभाग ने ''रिफेक्शंस ऑन इमर्जिंग पेडागोगी इन हायर एजूकेशन एंड क्वालिटेटिव रिसर्च'' विषय पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय एफडीपी आयोजित किया, 18–24 नवंबर 2015

वाणिज्य विभाग और आचार एवं मूल्य केन्द्र ने बहाई हाउस ऑफ वर्शिप के सहयोग से 'सोशल रेस्पोंसिबिलिटी : द एथिकल डाइमेंशन' विषय पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, 12–13 मार्च 2016

कंप्यूटर विज्ञान और सांख्यिकी विभाग ने 'रीसेंट स्टेटिस्टिकल कंप्यूटिंग टेक्नीक्स एंड देयर एप्लीकेशंस' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया, 11–12 मार्च 2016

आचार एवं मूल्य केन्द्र और वाणिज्य विभाग ने 'कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी : द रोल ऑफ इथिक्स' विषयपर एक संगोष्ठी आयोजित की।

वाणिज्य विभाग ने 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स कंटेम्परेरी इश्यूज़ इन फाइनांस एंड मार्केटिंग' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, 8 अप्रैल 2015

हिंदी विभाग ने 'साहित्य और सिनेमा में समाज और संस्कृति' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, 31 मार्च – 1 अप्रैल 2015

डॉ. एस.पी. अग्रवाल ने 12वें अफ्रीकन फाइनांस जर्नल कॉन्फरेंस में पत्र प्रस्तुत किया, मई 2015, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका

संकाय संख्या

स्थायी : 44

तदर्थ : 33

अंशकालिक/विजिटिंग/अतिथि : 16

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रु. में)

दीन दयाल उपाध्याय कौशल *(कुल मंजूर 2.45 करोड़ रु)*

दिल्ली विश्वविद्यालय की स्टार इनोवेशन योजना *(कुल मंजूर 87.5 लाख रु.)*

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा *इनोवेशन प्रोजेक्ट्स (कुल मंजूर 25 लाख रु.)*

कॉलेज में खेल अवसंरचना के उन्नयन के लिए 22 लाख रु. का विशेष यूजीसी अनुदान। आउटडोर और इन्डोर जिम के लिए अतिरिक्त उपस्कर स्थापित किए गए हैं।

उपचारात्मक कक्षाओं के लिए 7 लाख रु. और प्रतियोगी कक्षाओं के लिए 7 लाख रु. बारहवीं योजना का अनुदान।

प्लेसमेंट का ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या : **229**

कैम्पस में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या : **10**

जेनपैक्ट, डाटा फ्लो, नौकरी.कॉम, आईसीआईसीआई प्रूडेन्शियल, टेलोसिटी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, बजाज फाइनांस और अर्नस्ट एंड यंग

दोहराई गई भर्तियों की संख्या : **15**

साझीदारों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय (एमओयू) की संख्या और नाम

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ : **02**

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीडी) के साथ समझौता ज्ञापन, जिसके अंतर्गत उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास का एक केन्द्र स्थापित किया गया था।

रोबोटिकी अनुसंधान एवं विकास के लिए ई–यंत्र (आईआईटी बंबई) और क्लस्टर इनोवेशन सेंटर के साथ सहयोग।

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योगों के साथ: **03**

इंटरनेशनल फाइनैंशियल रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड्स संबंधी यूजीसी–मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम चलाने के लिए एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल अकाउंटेंट्स (एआईए, लंदन, यूके), एनसीआर चैप्टर के साथ समझौता ज्ञापन, जिसमें 58 प्रतिभागियों का नामांकन किया गया है।

टैली ईआरपी.9 के संबंध में छात्रों के प्रशिक्षण के लिए टैली के साथ समझौता ज्ञापन, जिसके अंतर्गत 71 छात्रों ने नामांकन कराया है।

एसोसिएट एनेलिटिक्स संबंधी पाठ्यक्रम चलाने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ सहयोग, जिसके अंतर्गत 70 छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

विस्तार एवं आउटरीच कार्यक्रम

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने एलईसीआईएन के स्वयंसेवकों के सहयोग से 21 अक्तूबर 2015 को गोविंदपुरी में मलिन बस्ती का दौरा आयोजित किया।

आचार एवं मूल्य केन्द्र के अंतर्गत छात्रों ने भगवंत धाम आश्रम नामक वृद्धालय का दौरा किया (23 सितंबर और 30 अगस्त तथा 6 सितंबर 2015)

सेंटर फॉर सोशल इनोवेशन के अंतर्गत छात्रों ने दिल्ली के विभिन्न भागों में स्वच्छता सुविधाओं की प्रभाविता का मूल्यांकन करने के लिए *क्लीनलीनेस एंड सेनिटेशन* थीम पर एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया और इस पर एक विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की।

आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या

बिट्टू चौहान (बी.टेक (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस, तृतीय वर्ष का छात्र) तथा डॉ. निखिल कुमार राजपूत (संकाय) ने 2015 ग्रीष्मकाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के यूकेआईईआरआई कार्यक्रम के अंतर्गत गेमिंग परियोजना के लिए वेस्ट कॉलेज, स्कॉटलैंड (यूके) का दौरा किया।

सब्सक्राइब जर्नल

कॉलेज के पुस्तकालय में कुल 41 पत्रिकाएँ और जर्नल हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

श्रीनिवास अय्यंगार रामानुजन की 128वीं जयंती को अविस्मरणीय बनाने के लिए 22 सितंबर 2015 को कॉलेज स्थापना दिवस मनाया गया था। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान से प्रो. कर्मेशु, जो कि एक प्रख्यात शिक्षाविद और गणितीय विज्ञान में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता (1993) हैं, द्वारा 'पॉवर ऑफ मैथेमेटिकल मॉडलिंग : सम सोसाइटल इश्यूज़' पर तीसरा श्रीनिवास अय्यंगार रामानुजन स्मारक व्याख्यान दिया गया।

11 मार्च 2016 को खेलों के सभी उत्साहियों के लिए बहु प्रतीक्षित वार्षिक एथलेटिक मीट 2015–16 का आयोजन किया गया। डॉ. अनिल कुमार कलकल (निदेशक, खेल परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होकर इस अवसर की शोभा बढ़ाई तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी प्रदान की।

कॉलेज ने 17 से 19 मार्च 2016 तक वार्षिक अंतर–सांस्कृतिक उत्सव 'जोश 16' मनाया। कॉलेज के थियेटर समूह जज़्बा ने 12 मार्च 2016 को सागर नागर स्मारक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेजों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

कॉलेज ने अध्यापकों,छात्रों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए शोध, शिक्षण, अभिनव शिक्षण, संस्थागत प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक सुधारों में असाधारण योगदान को बढ़ावा देने के लिए *रामानुजन अवार्ड्स एंड स्कोलरशिप* प्रारंभ की।

रामजस कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

रामजस अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। 99 गौरवशाली वर्ष बीत चुके हैं और रामजस देश का सर्वश्रेष्ठ कॉलेज बनने की दिशा में प्रति वर्ष उत्तरोत्तर छोटे परंतु प्रभावी कदम उठा रहा है। अखिल भारतीय स्तर पर तथ्यपरक रैंकिंग के आधार पर जुलाई 2015 में इंडिया टुडे ने रामजस कॉलेज को निम्नवत सूचीबद्ध किया है :

कला : 05

विज्ञान : 04

वाणिज्य : 05

ये स्थान 'रामजस परिवार' के संकाय सदस्यों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों और सभी छात्रों के संगठित और सहयोगपूर्ण प्रयासों को प्रदर्शित करते हैं।

शैक्षिक सत्र 2015 के लिए कॉलेज के खाते में बड़ी संख्या में उपलब्धियाँ शामिल हैं जो इस प्रकार हैं:

दिल्ली पुलिस आयोग के सहयोग से एनएसएस रामजस ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सुरक्षित बनाने के लिए महिला आत्म रक्षा कैंप का आयोजन किया।

1 अक्तूबर 2015 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया और 2300 किग्रा रद्दी कागज को पुनर्चक्रित किया गया।

2 अक्तूबर 2015 को एनएसएस रामजस के छात्रों ने गांधी भवन पर स्वयंसेवा की और भित्ति चित्रण रचना प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहायता की।

डॉ. चंद्रिमा साहा, निदेशक, एनएलएल द्वारा 4 सितंबर 2015 को रामजस कॉलेज में साइंस सेतु कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

एनएलएल द्वारा आयोजित डीएनए फिंगरप्रिंटिंग संबंधी कार्यशाला में रामजस कॉलेज सात सहयोगी कॉलेजों में से एक था।

दो सेटेलाइट कार्यक्रम : 'स्टेम सेल' पर एक अंतर–कॉलेजी निबंध प्रतियोगिता तथा 'डीएनए फिंगरप्रिंटिंग' पर एक अंतर कॉलेजी पोस्टर प्रतियोगिता प्रतियोगिता और एक कार्यशाला भी आयोजित की गई तथा रामजस कॉलेज की छात्रा सुष्मिता महंत ने निबंध प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

एचएसबीसी केस स्टडी प्रतियोगिता में रामजस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसमें प्रतिष्ठित आईआईटी, आईआईएम और दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर के कॉलेजों सहित देश के शीर्ष कॉलेजों ने भाग लिया था।

विशिष्ट छात्र

छात्र का नाम	पाठ्यक्रम का नाम
दीपेन्दर कौर	बी.ए. (कार्यक्रम)
मेधा जोशी	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
धुव दीक्षित	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी
राजीव कुमार चौधरी	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास
अरविंद कुमार दुबे	बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी
सुभाष कुमार	बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत
पिंकी कुमारी	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

देवेश सिंह	बी.ए. (ऑनर्स) संगीत
शुभम सिंघानिया	बी.कॉम. (पास)
मोहित गुप्ता	बी.कॉम. (ऑनर्स)
हर्ष धनकर	बी.एससी. (पास) जीवन विज्ञान
अभिलाषा पांडेय	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित
सुदेष्णा पेरवाल	बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी
अपूर्वा	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी
कृष्ण कुमार	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन
अरुण पैटर	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी विज्ञान
आकांक्षा भारद्वाज	बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान
तरुण जैन	बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान

शोध परियोजनाएँ

जैव प्रौद्योगिकी विभान (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा 2011 में डीबीटी स्टार कॉलेज परियोजना मंजूर की गई थी। परियोजना के विगत चार वर्षों के दौरान अवर–स्नातक छात्रों के कौशल को और अधिक बढ़ाने हेतु अंतः अनुशासनिक परियोजनाओं को कार्यान्वयित करने के लिए विज्ञान के सभी विभागों ने हाथ मिलाया। सभी विभागों द्वारा कई कार्यशालाएँ, अग्रणी प्रयोगशालाओं एवं उद्योगों का शैक्षिक भ्रमण, वाद–विवाद, चित्र तथा पॉवरपॉइंट प्रस्तुतीकरण आयोजित किए गए।

डॉ. सुरेश कुमार को एसईआरबी(डीएसटी) द्वारा 'एनेलिसिस ऑफ बॉयोएक्टिव कम्पाउन्ड्स प्रेजेंट इन मेडिसिनल प्लांट एनेस्लिया फ्रेग्रान्स वालिश एंड देयर एंटीयूरोलिथियेटिक स्टडीज़' नामक प्रमुख परियोजना मंजूर की गई।

कॉलेज को दिल्ली विश्वविद्यालय से अधिकतम परियोजनाएँ (09) प्राप्त हुई जिनमें हमारे कॉलेज के विभिन्न विभागों से प्रतिष्ठित अध्यापकों के निर्देशन के अंतर्गत शोध गतिविधियों में 90 छात्र शामिल हैं।

इकॉनोफिजिक्स अप्रोच टू इंडियन स्टॉक मार्केटः नेटवर्क्स एंड मल्टीफ्रेक्टल एनेलिसिस।

एन इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी ऑफ लाइट पॉल्यूशन इन इंडियन कंटेक्स्ट (एक्सटेंशन)।

सिंथेसिस ऑफ न्यूअर क्विनाजोलीनन एंड एस–ट्रायाजीन डेरिवेटिव्स एंड एनेलिसिस ऑफ देयर इनहिबिटरी एक्टीविटी अगेन्स्ट फंगल पेथोजेन केन्डिया स्प।

एक्स्प्लोरिंग द इम्पैक्ट ऑफ आईसीटी ऑन जेंडर गैपः एविडेन्स फ्रॉम इंडिया।

इन्फ्ल्यूएंस ऑफ एडीटिव्स ऑन प्रोपर्टीज़ एंड एफिशिएंसी ऑफ माइक्रोअलगाई बायोडीज़ल।

टू एसेस इन्सेक्टिसाइडल एक्टिविटी ऑफ सम प्लांट एक्स्ट्रैक्ट्स अगेन्स्ट ट्राइबोलियम कन्फ्यूसम एंड क्वालिटेटिव एस्टीमेशन ऑफ देयर फाइटोकेमिकल कंस्टीट्यूएंट।

डेवलपमेंट ऑफ पीजोइलेक्ट्रिक नेनो–कंपोजिट प्रोटोटाइप फॉर पॉवर थ्रू ह्यूमन लोकोमोशन।

इन्फ्लूएंस ऑफ ऐडीटिव्स ऑन प्रोपर्टीज़ एंड एफीशिएंसी ऑफ माइक्रोअलगाई डेराइब्ड बॉयोडीजल।

एथ्नोबोटैनिकल एंड एंटीमाइक्रोबाइयल स्टडी ऑफ फ्लोरा एंड फॉना ऑफ मणिपुर, ए बायो–डायवर्सिटी हॉटस्पॉट रीजन ऑफ नोर्थईस्ट इंडिया।

पुस्तकालय का विकास

वर्ष 2015–16 में खरीदी गई पुस्तकों की संख्या : 2572

पुस्तकालय में इन्फ्लिबनेट द्वारा प्रदत्त ई–संसाधन तक ऑनलाइन एक्सेस है।

प्रकाशन

चंद्र, सुलेख, वंदना, सुरेश कुमार (2015), सिंथेसिस, स्पेक्ट्रोस्कोपिक, एंटीकैंसर, एंटीबैक्टीरियल एंड एंटीफंगल स्टडीज़ ऑफ निकेल (II) एंड कॉपर (II) कॉम्प्लेक्सेज़ विद हाइड्राजाइन कार्बोक्सामाइड, 2 [3 मिथाइल 2 थाइनाइल मेथिलीन], *स्पेक्ट्रोकीमिका एक्टा पार्ट एः मोलीक्यूलर एंड बॉयोमोलीक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी,* 135

कुमार, आलोक (2016) प्रोडक्शन, ऑप्टीमाइजेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ ऑर्गेनिक सोल्वेंट टोलेरेंट सेलुलेजिज फ्रॉम ए लिग्नोसेलुलोसिक वेस्ट–डीग्रेडिंग एक्टीनोबेक्टीरियम, प्रोमाइक्रोमोनोस्पोरा स्प. वीपी111. *एप्लाइड बॉयोकेमिस्ट्री एंड बॉयोटेक्नोलोजी,* 179(5). 863–879

कुमार आलोक एट.आल. (2015) मायरॉयड इंडीकस स्प. नवंबर,आइसोलेटेड फ्रॉम गार्डन सॉयल। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टेमेटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबॉयोलोजी,* 65.4008–12

कुमार, सुरेश (2016) *मेडिसिनल प्लांट्स,* दिल्लीः कैम्पस बुक इंटरनेशनल

कुमार, सुरेश एवं वंदना (2015) *एन्वायरमेंट एंड केमिस्ट्री,* दिल्लीः कैम्पस बुक इंटरनेशनल

मुखर्जी, सौम्या एवं सुरेश कुमार (2015) एसेन्शियल ऑयल्सः एप्लीकेशन, कॉमर्शियलाइजेशन एंड ओवरकमिंग द लिमिटेशंस, *मेडिसिनल प्लांट्स*

मुखर्जी, सौम्या (2015) रेगुलेटरी रोल्स ऑफ सेरोटोनिन एंड मेलाटोनिन इन एबॉयोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस इन प्लांट्स। *प्लांट सिग्नलिंग एंड बिहेवियर,* 10(11)

पांडा, पी.के. (2016) *कंट्रीब्यूशन ऑफ ओडिशा टू संस्कृत*। द्वितीय संस्करण, नई दिल्लीः प्रतिभा प्रकाशन

शर्मा, सुमन एवं संदीप कौशिक (2015) एसेसमेंट ऑफ जेनेटिक वेरिएशन एंड रिलेशनशिप अमंग ब्रासिका स्प. बाय आरएपीडी मार्कर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च इन बॉयोसाइंस एंड प्लांट बॉयोलोजी,* 2(6). 35–42

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया :

अंग्रेजी विभाग ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, 17–18 मार्च, 2016

स्निग्धा देवल, अर्थशास्त्र विभाग ने 'अंडरस्टैंडिंग कॉम्प्लेक्स सिस्टम्स, इंस्टीट्यूशंस एंड पॉलिटिकल एंटरप्रेन्योरशिप दृ केसेज फ्रॉम यूरोप, चाइना एंड इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया, जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी, यूएसए, सितंबर 28, 2015

3 अप्रैल 2015 को कोलंबो, श्रीलंका में 12वां दक्षिण एशिया अर्थशास्त्र छात्र सम्मेलन आयोजित हुआ। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जो कि एसएएसईएम के सभापति हैं, के नेतृत्व में 17 छात्रों का एक दल भारत से कोलंबो गया। साथ में कॉलेज के दो अध्यापक, डॉ. मिहिर पांडेय, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग तथा डॉ. देब कुसुम दास, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग भी गए। इस आयोजन की थीम थी – 'साउथ एशिया इन द एशियन सेंचुरी'।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायी	: 100 + पुस्तकालयाध्यक्ष + प्रधानाचार्य
तदर्थ	: 125
अस्थायी	: 1

वित्तीय आबंटन तथा उपयोग (रु. में)

मंजूर अनुदान	: 4116.64 लाख रु.
प्रयुक्त	: 4101.43 लाख रु.

प्लेसमेंट का ब्यौरा

वर्ष 2015–16 प्लेसमेंट सेल के लिए अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हुआ। विभिन्न कॉरपोरेट संस्थाओं द्वारा आयोजित की गई प्लेसमेंट ड्राइव में सभी शाखाओं और विषयों से लगभग 250 छात्रों ने भाग लिया। कुल मिलाकर 34 कुलीन कंपनियों से कैम्पस का दौरा किया और विपणन से लेकर अनुसंधान, लेखापरीक्षा तथा विषयवस्तु लेखन तक विभिन्न प्रकार के रोजगारों की पेशकश की। दौरा करने वाली कुछ शीर्ष कंपनियाँ थी – विप्रो, केपीएमजी, डेलोयट, एनआईआईटी, जेनपेक्ट तथा अनेक अन्य स्टार्ट–अप कंपनियाँ। औसतन 4–5 लाख प्रति वर्ष का पैकेज पेश किया गया जिसमें अधिकतम 11 लाख प्रति वर्ष का था। वर्ष के दौरान अंतिम रूप से प्लेसमेंट वाले छात्रों की संख्या 100 थी।

साझीदारों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय (एमओयू) की संख्या और नाम

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र (सीआईई), रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय इस कॉलेज की प्रतिष्ठा में चार चाँद लगाए हुए है। इस कॉलेज का 7 संस्थाओं के साथ शैक्षिक सहयोग का समझौता है। ये हैं – इंटरनेशनल एजुकेशन ऑफ स्टूडेंट्स (आईईएस), यूएसए, द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू जर्सी, यूएसए, डेनमार्क'स इंटरनेशनल स्टडी प्रोग्राम (डीआईएस), कोपेनहेगन, यूनिवर्सिटी ऑफ एंटवर्प, बेल्जियम के साथ संकाय एवं छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम, लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एलयूएमएस) ।

वाशिंगटन सेंटर, वाशिंगटन डी.सी., यूएसए के साथ भी एक समझौता ज्ञापन/सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वाशिंगटन सेंटर फॉर इंटर्नशिप एंड एकेडमिक सेमिनार्स अवरस्नातक छात्रों को चार सप्ताह से छह माह तक सार्वजनिक एजेन्सियों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करता है। वाशिंगटन सेंटर जनवरी–मई सत्र के दौरान कुछ छात्रों को पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

स्कूल ऑफ बिजनेस एंड सोशल साइंसेज़, आरहुस यूनिवर्सिटी, डेनमार्क के साथ एक समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप दिया गया है। इस समझौते में दोनों संस्थाओं के मध्य छात्रों एवं संकाय का आदान–प्रदान शामिल है। छात्र एक या दो सत्रों के लिए मेजबान संस्था द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से अध्ययन कर सकते हैं। आरहुस यूनिवर्सिटी प्रति सत्र रामजस से दो छात्रों को यात्रा अनुदान प्रदान करेगी। संकाय आदान–प्रदान में मेजबान संस्था में शोध एवं अध्यापन के लिए अवसर भी शामिल है। इस समझौते में संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेमिनारों एवं शैक्षिक बैठकों में प्रतिभागिता, शैक्षिक सामग्री का आदान–प्रदान तथा ग्रीष्मकालीन विद्यालय सहित विशेष लघु अवधि शैक्षिक कार्यक्रमों को भी उल्लेख है।

साइंस सेतु कार्यक्रम – हाल ही में राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान तथा रामजस कॉलेज के मध्य साइंस सेतु कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन पर 26 मार्च 2015 को हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम से छात्रों को प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के साथ अन्वेषण, अधिगम और बातचीत करने तथा एनआईआई की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा करने में सहायता मिलेगी।

विस्तार एवं आउटरीच कार्य

3 नवंबर 2015 को हमारी एनएसएस इकाई ने 'शिक्षार्थ' नामक एक एनजीओ के बच्चों को हमारे उप–आयोजन 'डॉ. राय केदार नाथ इनीशिएटिव' के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान किया।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित कार फ्री डे और डिजीटल इंडिया अभियान में भी भाग लिया।

सब्सक्राइब जर्नल

यह पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए इंटरनेट संपर्क के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा खरीदे गए सभी इलेक्ट्रॉनिक जर्नलों तक ऑनलाइन पहुँच प्राप्त करता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एनेक्टस रामजस अंतरराष्ट्रीय संगठन की छत्रछाया के अंतर्गत एक संगठन है। यह सोसाइटी उपेक्षित तथा सुविधाओं से वंचित समुदायों के उत्थान के लिए बनाई गई थी। यह सोसाइटी एनेक्टस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में द्वितीय आई जहाँ पर समूचे देश से एनेक्टस टीमों ने अपनी परियोजनाएँ प्रदर्शित की थी। ये छात्र 22 ट्रांसजेन्डरों को यौनकर्म छोड़ने तथा जेवर डिजाइनर की भूमिका में वैकल्पिक रोजगार खोजने में समर्थ रहे। ये कॉरपोरेशनों यथा वाल्मार्ट तथा इंडस टॉवर्स से प्रमुख विकास अनुदान जीतने तथा एक अंतरराष्ट्रीय संगठन से भी वित्तपोषण प्राप्त करने में सफल रहे। 7 निर्धन महिलाओं की जहाँगीर पुरी में अपनी स्वयं की दर्जी की दुकान स्थापित करने में सहायता करना इन छात्रों की एक प्रमुख उपलब्धि रही।

सत्यवती कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

यह कॉलेज कॉलेज की नर्सरी में ग्रीन हाउस तथा कॉलेज के वाहन चालकों एवं मालियों के लिए अस्थायी आश्रय तैयार करके अपनी अवसंरचना का विस्तार करने में सफल रहा। लिफ्ट लगाने और चारदीवारी की ऊँचाई बढ़ाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है। एनेक्टस सत्यवती केपीएमजी, वाल्मार्ट, ब्लू डार्ट, एचयूएल, महिंद्रा राइज़ द्वारा प्रायोजित अनेक राष्ट्रीय स्तर के अनुदान प्राप्त किए।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

कोई नहीं

विशिष्ट छात्र

हमारे कॉलेज की छात्रा सुश्री दीक्षा मल्होत्रा ने इस वर्ष दिल्ली में आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्सव में भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी तथा साथ ही उनकी उल्लासपूर्ण प्रस्तुति के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स के लिए नामांकित किया गया।

शोध परियोजनाएँ

दो इनोवेटिव परियोजनाएँ इस प्रकार हैं:

एसेसिंग द रोल ऑफ स्टूडेंट्स इनीशिएटिव्स इन इंप्रूविंग एक्सेस टू सोशल स्कीम – केस स्टडी ऑफ डेल्ही स्लम्स।

द पेनफुल लाइव्स ऑफ यूनुच कम्यूनिटी।

पुस्तकालय का विकास

कुल बजट	: 983100/– रु.
खरीदी गई पुस्तकें	: 1671
खरीदे गए आईटी कंपोनेंट	: 3 कंप्यूटर, 1 प्रिंटर
समाचार पत्र, पत्रिकाएँ व जर्नल	: 48

प्रकाशन

सिंह ए और सिंह आर (2015) न्यू कन्सेप्ट ऑफ यूज़िंग जेनेटिकली इंजीनियर्ड माइक्रोबियल बॉयोसेंसर। केमिस्ट्री एंड फिजिक्स ऑफ कॉम्प्लेक्स मेटीरियल्स। संपादकः प्रो. मारिया राजकिएविज़, पोलैंड, विक्टर ताइस्केइविक्ज़ तथा प्रो. अली पौराहाशमी, यूएसए। एप्पल ऐकेडमिक प्रेस, एनजे, यूएसए। पृ. स. 45–66 (आईएसबीएन – 9781926895604) डॉ. राजीव सिंह द्वारा।

सिंह ए और सिंह आर (2015) इम्यूनोलॉजिकल डाटाबेसिज़ एंड इट्स रोल इन इम्यूनोलॉजिकल रिसर्च। लाइफ केमिस्ट्री रिसर्च बॉयोलोजिकल सिस्टम्स। संपा. प्रो. रोमनजोस्विक, पोलैंड, प्रो. गेनाडी ई. जायकोव, रूस, प्रो. ए.के. हाग़ी, कनाडा। सीआरसी प्रेसः टेलररेंड फ्रांसिस ग्रुप, यूएसए। (आईएसबीएन –9781771880688) डॉ. राजीव सिंह द्वारा।

'अतिपरिचित के भीतर से अपरिचित अर्थ की पहचान' शीर्षक से 'पक्षधर' (2231–1173) पत्रिका में समीक्षा प्रकाशित (खंड–17, पृष्ठ 287–291: अप्रैल 2015) पुस्तक – लिटन ब्लाक गिर रहा है (कहानी–संग्रह), लेखक ए.आर. हरनोट, प्रकाशक – आधार प्रकाशक प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा, प्रथम संस्करण, 2014

अम्बेडकर और महिला सशक्तीकरण, यह शोध पत्र नेचर एण्ड सोसाइटी नामक शोध जर्नल में प्रकाशित हुआ। आईएसएसएन : 2394–1340 जुलाई–सितंबर 2015 (डॉ. लाजपत राय)

गांधी और महिला समानता, यह शोध पत्र हिन्दुस्तानी जबान पत्रिका में प्रकाशित हुआ। आईएसएसएन : 0378–3928 अक्तूबर–दिसंबर 2015 (डॉ. लाजपत राय)

सिंह आर. एवं सिंह ए. (2015) रोल ऑफ डाटाबेसेज़ इन बॉयोलोजिकल डाटा एनेलिसिस। संपादकः प्रो. एना क्रिस्टीना फारिया रिबेरो, प्रो. सिसीलिया आई.ए.वी. सेन्टोस, प्रो. गेनाडी ई. जायकोव। सीआरसी प्रेस, एप्पल एकेडेमिक प्रेस,एनजे, यूएसए (आईएसबीएन 9781771882590) डॉ. राजीव सिंह द्वारा।

सिंह ए., सिंह आर. और गुप्ता एन (2015) रोल ऑफ सुपरकंप्यूटर इन बॉयोइन्फोर्मेटिक्स। रिसर्च एंड एप्लीकेशंस इन ग्लोबल सुपरकंप्यूटिंग। संपादकः प्रो. सेगल, रिचर्ड एस., यूएसए, जेफरी एस. कुक, यूएसए तथा प्रो. किंग्यू झंग, चीन। आईजीआई ग्लोबल, यूएसए। पृ. सं. 223–241 (डीओआई:10. 4018/978–1–4666–7461–5)। डॉ. राजीव सिंह द्वारा।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों का आयोजन

'रेलीवेंस ऑफ गांधियन थॉट' पर राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, 10 अक्तूबर 2015

'इंडिया'ज़ फॉरेन पॉलिसी एंड द नेबरिंग स्टेट्स' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, 19 जनवरी 2016
'इंडिया एट 67' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 29 मार्च 2016
'रोल ऑफ बिहेवियरल फाइनांस इंडियन फाइनांस मार्केट' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 30 मार्च 2016

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी	: 116
अस्थायी	: 01
तदर्थ	: 24

वित्तीय आबंटन एवं उपयोग (रु. में)

मंजूर अनुदान	: 25581/–
प्रयुक्त	: 2651.33/–

प्लेसमेंट का ब्यौरा

सफल प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या	: 81
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 4

विस्तार एवं आउटरीच कार्य

आसपास के क्षेत्र में आयोजित शिविरों की संख्या	: 5
शिविरों में नामांकित/शामिल लोगों की संख्या	: 350
शिविरों में काम करने वाले छात्रों की संख्या	: 90
इन शिविरों में समर्पित कुल घंटों की संख्या	: 75

सब्सक्राइब जर्नलः 28 (ऑनलाइन+पेपर बैक संस्करण)

सत्यवती कॉलेज (सांध्य)

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

हमारे छात्रों ने बी.कॉम. पाठ्यक्रम में 70%-84%; बी.ए. (प्रोग्राम) में 65%-80%; अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास और राजनीति विज्ञान ऑनर्स पाठ्यक्रमों में 70% से अधिक अंक प्राप्त करके उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हमारे कॉलेज ने छात्रों को कलाओं एवं शिल्प, फोटोग्राफी, नृत्य, नाटक, वाद–विवाद तथा रचनात्मक लेखन के लिए भी प्रोत्साहित किया। खेलों में हमारी टीमों ने अंतर कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों और खेलों में भाग लिया। हमारे कॉलेज ने शरीर सौष्ठव में दो स्वर्ण पदक और पॉवर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण पदक जीता। हमारी एनसीसी इकाई ने अपने वार्षिक महोत्सव 'शौर्य' का आयोजन किया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनों और प्रस्तुतिकरणों में अंतर कॉलेज छात्रों में भाग लिया – इस प्रयास का दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा उप मुख्यमंत्री द्वारा अत्यधिक सराहना की गई। हमारी एनएसएस इकाई व्यापक गतिविधियों में सक्रिय है, छात्रों के प्रवेश के समय हेल्प डेस्क लगाई, स्वच्छता अभियान चलाया, ऐम्स के डॉ. अभिषेक शंकर के निर्देशन में 'पिंक चेन कैम्पेन' चलाया तथा दीवाली डोनेशन कैंप लगाया। हमारे कॉलेज का संकाय और छात्र पारस्परिक प्रेरणा प्रदान करते हैं यह इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि उनकी रुचि के अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कॉलेज को तीन इनोवेशन परियोजनाएँ प्रदान की गई हैं।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

डॉ. एस.सी. पांडा और उनकी छात्रा राशि थरेजा को जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य) में नवंबर 2015 में आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार प्रदान किया गया। शोध पत्र का शीर्षक था 'एन एम्पायरिकल एनेलिसिस ऑफ द मोटिवेशनल फैक्टर्स फॉर वीमेन टू अंडरटेक एंटरप्रीनियोरियल एक्टीविटी'।

डॉ. मयंक कुमार, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग को उनके कार्य 'ह्यूमन्स एंड नेचुरल वर्ल्डः ए स्टडी इन द सोशल पर्सेप्शंस, इंटरेक्शंस एंड रेस्पांसेज़ इन द 17थ एंड 18थ सेंचुरी राजस्थान' के लिए यूजीसी राष्ट्रीय शोध पुरस्कार 2014–15 प्रदान किया गया।

शोध परियोजनाएँ

डॉ. भरत सिंह, डॉ. राजीव कुमार वर्मा, डॉ. वेद प्रकाश बंसल, डॉ. शीबा सी. पांडा और डॉ. प्रभात मित्तल को 'पार्टीसिपेशन ऑफ वीमेन इन मनरेगा : ए केस स्टडी ऑफ सिलेक्टिड डिस्ट्रिक्ट्स इन हिमाचल प्रदेश' नामक विश्वविद्यालय इनोवेटिव परियोजना (एसईसी 301) प्रदान की गई।

डॉ. आशुतोष कुमार, सुश्री तारकेश्वरी नेगीर, डॉ. शशि भूषण सिंह और डॉ. निरंजन महतो को 'डिमिनिशिंग वाटर अवेलेबिलिटी इन द नेशनल पार्क्स एंड इम्प्लिकेशंस फॉर वाइल्डलाइफ : ए स्टडी इन द फीजिबिलिटी ऑफ इनिशिएटिव्स इन द सिलेक्टेड रीजन्स ऑफ राजस्थान' नामक विश्वविद्यालय इनोवेटिव परियोजना (एसईसी 302) प्रदान की गई।

डॉ. मंजुल सिंह, श्री हिमांशु सिंह और श्री धर्मेन्द्र कुमार को 'सोश्यो–इकॉनोमिक एम्पॉवरमेंट ऑफ मुस्लिम वीमेन इन इंडियाः केस स्टडी ऑफ अलीगढ़' नामक विश्वविद्यालय इनोवेटिव परियोजना (एससीई 303) प्रदान की गई।

डॉ. शीबा सी. पांडा, सह प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग ने 'एंटरप्रीन्योर्शिप एंड द अंडरप्रिविलेज्ड' (2013–15) नामक विश्वविद्यालय प्रमुख शोध परियोजना सफलतापूर्ण रूप से पूरी की।

पुस्तकालय का विकास

कॉलेज पुस्तकालय में एक पूर्णतया वातानुकूलित वाचन कक्ष है जिसमें 80 लोगों के बैठने की क्षमता है। ग्यारह वर्क स्टेशनों वाला एक समर्पित कंप्यूटर अनुभाग, जिसमें दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया सॉफ्टवेयर है, का विकास किया गया है। यह पूर्णतः ऑटोमेटेड है और इसमें नेटलिब लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के माध्यम वाला इन–हाउस ऑपरेशन है। इसका अपना वेब–पोर्टल है जिसमें पुस्तकालय की सारी सूचना और दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम (डीयूएलएस) का लिंक दिया गया है। विभिन्न सूचना सेवाएँ यथा संदर्भ सेवा, ई–संदर्भ सेवा, सीएएस,एसडीआई, आर्टिकल ऑन डिमांड आदि भी प्रदान किए गए हैं।

पुस्तकालय संबंधी आँकड़े

पुस्तकें	: 71000+
जर्नल एवं पत्रिकाएँ	: 30
समाचार–पत्र	: 23
कंप्यूटर	: 11
स्कैनर	: 03
प्रिंटर	: 03
प्रोजेक्टर	: 02
मल्टीमीडिया बोर्ड	: 02

प्रकाशन

पुस्तकें

कश्यप, वीरेन्द्र सिंह (2015) *आंचलिक उपन्यास और रामदर्श मिश्र कृत पानी की प्राचीर*, दिल्लीः सूर्यप्रभा प्रकाशन।
मिश्रा, विजय शंकर (2016) *तुलसी काव्य में इतिहास बोध*। नई दिल्लीः स्वाक्षर प्रकाशन।
रविचंद्रन, ए. (2015) *ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंटः इश्यूज़ कन्फ्रंटिंग इंडियन हायर एजुकेशन,* जर्मनीः स्कॉलर्स प्रेस।
सिंह, नीरजा (2015) *पटेल, प्रसाद एंड राजाजीः मिथ ऑफ द इंडियन राइट*, भारत, सेज, 2015

जर्नल लेख और पुस्तक अध्याय

गुप्ता, केशव (2015) एम्पिरिकल स्टडी ऑफ कंप्यूटर शोपिंग बिहेवियर इन रिटेल स्टोर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड फाइनांशियल मैनेजमेंट एआरएसईएम* 3(11), 21–37
कुमार, मयंक (2015) मानसून से सामंजस्य बनाता समाजः संदर्भ राजस्थान, *प्रतिमान* 3(3), 602–606
मित्तल, प्रभात (2016) क्वांटिफाइंग द बुलव्हिप इन मल्टी–लोकेशन सप्लाई चेन नेटवर्कः द इम्पैक्ट ऑफ डिमांड फोरकास्टिंग। *बीयूएलएमआईएम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च* 1(1), 55–60
सिंह, भरत (2015) एनेलिसिस ऑफ स्किल इन्टेन्सिटी ऑफ मैनपॉवर इन इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर, *एसपीईटीइ रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज* 3(2), 69–76
सिंह, रामेश्वर (2016) स्पोर्ट एंड एंटी–स्पोर्टः बिग गेम हंटिंग इन जिम कॉर्बेट'स इंडिया*। स्पोर्टः आइडेंटिटी एंड कम्यूनिटी*। संपा. एंडी हार्वे और रिचर्ड किम्बॉल। ऑक्सफोर्डः इंटर–डिसिप्लिनरी प्रेस। 41–51
वर्मा, राजीव कुमार (2015) लिंकेज बिटवीन सोसाइटी, एनवायरमेंट, डेवलपमेंट, एजूकेशन। *वीथिका – एन इंटरडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल* 1(2), 117–126

आयोजित सम्मेलन और प्रस्तुत शोध–पत्र

'डॉ. बी.आर. अंबेडकर'स विज़न फॉर मॉडर्न इंडिया' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। 08 फरवरी 2016
संस्कृति मंत्रालय, नेहरु स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली और इतिहास और भारतीय संस्कृति विभाग, जयपुर विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से '*महाराणा प्रताप एंड हिज टाइम्स*' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 04 मार्च 2016

डॉ. तनुजा कोठियाल के सहयोग से 14–15 अक्तूबर 2015 को नेहरु स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय में '*राजस्थान हिस्ट्रीज़ः फ्रेश अप्रोच्स*' पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

डॉ. मयंक कुमार ने 30 जून–03 जुलाई 2015 को यूनिवर्सिटी ऑफ वर्साइल्स–सैंट–क्वेन्टिन–एन–इवेलाइन्स द्वारा आयोजित एट्थ इंटरनेशनल यूरोपियन सोसाइटी फॉर एन्वायरमेंटल हिस्ट्री कॉन्फ्रेन्स में 'वाटरस्केप्स ऑफ डेजर्टः ए स्टडी इन द हाइड्रोलोजी एंड सोश्योलोजी ऑफ स्टेप–वेल्स एंड जोहड़ ऑफ 13थ–17थ सेंचुरी राजस्थान, इंडिया' में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी	: 51+01 (ओएमएसपी अनुदेशक)
तदर्थ	: 48+01 (डीपीई)

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रु. में)

मंजूर अनुदान	(करोड़ में)	: 1967.76
प्रयुक्त		: 1654.49

प्लेसमेंट का ब्यौरा

सफल प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या	: 17
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 03

कॉलेज की एनसीसी इकाई द्वारा विस्तार एवं आउटरीच कार्य :

क.	आसपास के क्षेत्र में आयोजित शिविरों की संख्या	: 06
ख.	शिविरों में नामांकित/शामिल लोगों की संख्या	: 200
ग.	शिविरों में काम करने वाले छात्रों की संख्या	: 150
घ.	इन शिविरों में समर्पित कुल घंटों की संख्या	: 12घंटे/कैडेट (लगभग)

सब्सक्राइब जर्नल

कॉलेज के पास दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम द्वारा प्रदान किए गए इन्फ्लिबनेट संसाधनों तक पहुँच है। इसके अतिरिक्त, इसने चार राष्ट्रीय जर्नल भी खरीदे हैं।

स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वर्ष 2015–2016 (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष) के सभी अवरस्नातक (ऑनर्स) कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश किए गए थे। हालाँकि, बी.ए. कार्यक्रम, प्रथम वर्ष के प्रवेश बड़ी संख्या में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन के अलावा पूरी दिल्ली में फैली आईडीबीआई की शाखाओं के माध्यम से ऑफलाइन भी किए गए। सभी ऑनर्स पाठ्यक्रमों के लिए पहचान–पत्र/हॉल टिकट और मांग–सह–परीक्षा प्रपत्र ऑनलाइन माध्यम से जारी किए गए। शैक्षिक वर्ष 2015–16 के लिए अवर स्नातक कार्यक्रमों की व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम कक्षाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एसओएल के लगभग 30 अध्ययन केन्द्र स्थापित किए गए थे। आंतरिक शिकायत समिति, एसओएल ने 21–09–2015 से 30–03–2015 के दौरान पाँच अलग–अलग बैचों में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कक्षाएँ आयोजित की।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय को मुक्त, दूरस्थ तथा ऑनलाइन लर्निंग में सर्वोत्तम विश्वविद्यालय के लिए एसोचेम इंडिया एजूकेशनल, नेशनल एक्सीलेंस अवाड्र्स 2016 प्रदान किया गया।

पुस्तकालय का विकास

एसओएल पुस्तकालय ने इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएलएमएस) को अंगीकार किया है जो कि पुस्तकालय प्रबंधन के विभिन्न प्रकार्यों यथा अधिग्रहण, केटेलॉगिंग, परिचालन, क्रम, ओपीएसी आदि वाला एक एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सिस्टम है। इसकी इन्फ्लिबनेट ई–संसाधनों तक पहुँच है। इसमें डिजीटल लाइब्रेरी फॉर ओपन लर्नर (डीएलओएल) भी सम्मिलित है। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) के साथ–साथ इसने विशेष उपकरण यथा डेज़ी प्लेयर, रीड ईज़ी रीडिंग मशीन, रीडइट एचडी स्कॉलर, ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल सेन्स यू2 भी खरीदे हैं और दृष्टिबाधित छात्रों की सहायता कर रहा है।

कुल बजट	: 83 लाख
खरीदी गई पुस्तकें	: 15807

प्रकाशन

भट्ट, मयंक और शबनम पांडेय (2016) ट्रेफिक कॉलीज़न एवॉयडेन्स इन वीएएनईटी यूज़िंग कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (आईजेईटी)* 8(1) 364–370

पांडेय, अंजली (2016) क्लाउड कंप्यूटिंगः ए ग्रीन सॉल्यूशन। *कंप्यूटर साइंस एंड इन्फोर्मेशन टेक्नॉलोजीः ट्रेन्ड्स, चैलेंजेस एंड इश्यूज़।* नई दिल्ली 279–284

सम्मेलनों का आयोज किया/भाग लिया

स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग तथा डेवलपिंग कंट्रीज़ रिसर्च सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'न्यू डायरेक्शंस इन इंडियन पॉलिटी : द वे फॉरवर्ड' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। 11 मार्च 2016

स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ने ई–कंटेंट डेवलपमेंट एट कंसोर्टियम फॉर एजूकेशनल कम्यूनिकेशंस विषय पर एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया, 4 फरवरी 2016

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी : 30

अस्थायी : 01

सब्सक्राइब जर्नल : 04

शहीद भगत सिंह कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

डॉ. शिवानी अरोड़ा, वाणिज्य विभाग को मानव संसाधन विकास केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा 2015–16 के दौरान आयोजित अभिमुखीकरण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों हेतु सत्रों को संबोधित करने के लिए रिसोर्स पर्सन के तौर पर आमंत्रित किया गया। उन्हें जुलाई 2015 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इन्फोर्मेशन, नेशनल ताइपेई यूनिवर्सिटी, ताइवान के मुख्य संपादक द्वारा समीक्षा में असाधारण योगदान का प्रमाण–पत्र भी प्रदान किया गया तथा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकॉनोमिक साइंसेज की सदस्यता भी प्रदान की गई।

डॉ. मीरा मेहता, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग को विश्व वित्त सम्मेलन, न्यूयॉर्क, 2016 के लिए समीक्षक के तौर पर नामांकित किया गया।

डॉ. निकिता सेतिया, सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'हाई एक्यूरेसी ऑफ–स्टेप डिस्क्रीटाइजेशन फॉर द मल्टी–डाइमेंशनल क्वासी–लीनियर एलिप्टिक एंड पैराबोलिक पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशंस' नाम शोध प्रबंध पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. रित्यूषा मणि तिवारी, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विभाग को विदेश मंत्रालय, पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा आयोजित 15–22 दिसंबर 2015 तक चाइना (बीजिंग व शंघाई) जाने वाले 20 सदस्यों के उच्च स्तरीय शैक्षिक प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के तौर पर नामांकित किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय सुरक्षा, एशिया प्रशांत में आर्थिक एकीकरण, आतंकवाद से निपटने, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था एवं वित्त में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मुद्दे पर भारत और चीन के विद्वानों के विचारों का आदान–प्रदान शामिल था।

डॉ. शांतेश कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, भारत द्वारा 2015–16 के लिए मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में डॉ. एस. राधाकृष्णन पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति के लिए चुना गया।

शोध परियोजनाएँ

डॉ. स्वाति राजपूत, प्रधान जाँचकर्ता, डॉ. कविता अरोड़ा और डॉ. रचना माथुर (सह–जाँचकर्ता) 'स्टिपुलेटिंग द रोल ऑफ अर्बन एग्रीकल्चर एंड फोरेस्ट्री इन द अर्बन एनवायरमेंटः मैपिंग एंड ऐनेलाइजिंग ग्रीन स्पेस इन अर्बन लैंड यूज़ ऑफ डेल्ही' संबंधी अनुसंधान परियोजना पर कार्य कर रही हैं।

डॉ. विश्वा राज शर्मा, प्रधान जाँचकर्ता, डॉ. नेहा अरोड़ा तथा श्री के.कृष्णादास (सह जाँचकर्ता) 'अर्थक्वेक डिजास्टर वल्नरेबिलिटी एसेसमेंट एंड मैनेजमेंट इन डेल्ही' संबंधी अनुसंधान परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

पुस्तकालय का विकासः

कुल बजट (रु. में)	: 17,86,502/–
खरीदी गई पुस्तकें व जर्नल	: 2854
इंटरनेट सुविधाओं का उन्नयन	: हाँ

प्रकाशन

पाउ, के.बी.वीयो (2015) *लिटरेरी कल्चर्स ऑफ इंडिया'ज़ नॉर्थईस्ट : नागा राइटिंग्स*, नई दिल्ली : हेरिटेज पब्लिशिंग हाउस।

रमन, वी.ए.वी (2016) *इंटरफ्लयूस्स इन मिडिल गंगा प्लेन : ए स्टडी ऑफ रीसेंट चैनल डायनामिज़्म एंड लैंड यूज़ चेंज*, नई दिल्लीः बुक एज पब्लिकेशंस

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

वाणिज्य विभाग ने 'मार्केटिंग इन द 21स्ट सेंचुरीः इश्यूज़ एंड चैलेंजेस' विषय पर 5–6 फरवरी 2016 को 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

भूगोल विभाग ने 'लैंड यूज़ चेंज, क्लाइमेट एक्सट्रीम्स एंड डिजास्टर रिस्क रिडक्शन' विषय पर 18–20 मार्च को 9वां आईजीयू इंटरनेशनल सम्मेलन आयोजित किया।

अंग्रेजी विभाग ने इंडियन सोसाइटी फॉर कॉमनवेल्थ स्टडीज़ के सहयोग से 'मल्टीकल्चरिज्म एंड ग्लोबलिज्मः इंडिया एंड द वर्ल्ड' विषय पर 29 जनवरी 2016 को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

राजनीति विभाग ने 'रीविजिटिंग डॉ. भीम राव अंबेडकर इन द ऐरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन' विषय पर 12 मार्च 2016 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

डॉ. जय राम मीणा ने इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकॉनोमिक साइंसेज, वियेना, आस्ट्रिया द्वारा 21–25 जून 2015 को आयोजित बिजनेस एंड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेन्स में 'सोशल नेटवर्किंग एडिक्शन : आर द यूथ ऑफ इंडिया एंड यूएस एडिक्टेड' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सूरज मल ने यूनाइटेड नेशन इंटरनेशनल स्ट्रेटेजी फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (यूएनआईएसडीआर), जेनेवा, स्विट्जरलैंड द्वारा 27–29 जनवरी 2016 को आयोजित 'साइंस एंड टेक्नोलोजी कॉन्फ्रेन्स ऑन द इंप्लीमेंटेशन ऑफ सेन्डाई फ्रेमवर्क फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन 2015–30' में 'इम्प्लीकेशंस ऑफ सेन्डाई फ्रेमवर्क ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन फॉर साउथ एशिया : पोस्ट जेनेवा फोलो–अप एक्शन बाइ ट्रांसडिसिप्लिनरी एकेडमिक कम्यूनिटी फॉर पॉलिसी ब्रीफिंग' पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

डॉ. विश्वा राज शर्मा ने इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) रीजनल कॉन्फ्रेन्स, मॉस्को, रूस में 'डायनैमिक्स ऑफ अर्बनाइजेशन एंड डिटीरियोरेटिंग एटमोस्फीयरिक क्वालिटी इन मेट्रोपॉलिटन रीजन्स ऑफ इंडिया – ए केस ऑफ आगरा' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया 16–21 अगस्त 2015

डॉ. बागेश्री चक्रधर ने इंडियन लिटरेरी एंड आर्ट सोसाइटी ऑफ ऑस्ट्रेलिया इंक. (आईएलएएसए), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी की भाषा नीति' विषय पर एक शोध–पत्र प्रस्तुत किया, 12–14 जून 2015 ।

डॉ. बागेश्री चक्रधर ने नॉर्दर्न रीजन इंडियन सीनियर्स एसोसिएशन (एनआरआईएसए), मेलबॉर्न, आस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में 'प्राकृतिक आपदाओं पर साहित्य की भूमिका' विषय पर एक शोध–पत्र प्रस्तुत किया, 20–22 जून 2015 ।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी	: 101
तदर्थ	: 50

प्लेसमेंट का ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या	: 200 से अधिक
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 20 से अधिक

शहीद भगत सिंह (सांध्य) कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

कॉलेज ने 23 मार्च, 2016 को शहीद दिवस पर शहीद भगत सिंह स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया। प्रसिद्ध पत्रकार पदमश्री राम बहादुर राय ने शहीद–ए–आज़म भगत सिंह के जीवन और दर्शन पर इस वर्ष का स्मारक व्याख्यान दिया। कॉलेज के इतिहास विभाग ने 9 मार्च, 2016 को इतिहास दिवस मनाया ताकि छात्रों को उनके द्वारा प्रदर्शित ऐतिहासिक स्मृतिचिन्हों (डैगर, सींग, प्लेयर्स, कप, बोल, पेंटिंग, वस्त्र, आभूषण, सिक्के, पाइप और माप उपकरण) को संरक्षित करने और उनकी प्रशंसा करने हेतु प्रेरित किया जा सके। कॉलेज के एनएसएस के 23 वालंटियरों ने महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए युवाओं को सशक्त बनाने हेतु 30 जनवरी, 2016 को रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन में भाग लिया।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

भारत के माननीय गृहमंत्री द्वारा उत्तरांचल उत्थान परिषद द्वारा 1 अप्रैल, 2015 को उत्तराखंड में समाज की सहायता करने हेतु कार्य करने के लिए भूगोल विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा.एस.के.बन्दूनी को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

डा.एस.के.बन्दूनी सीएसटीटी (वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के 'बिहार का भूगोल, 2015' हेतु गठित संपादन सह विशेषज्ञ बोर्ड के भी सदस्य थे।

शोध परियोजनाएं

डा. एस.के. बन्दूनी, डा. विजयलता त्यागी और डा. अनुपमा एम. हसीजा को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (पी–301) ''गढ़वाल हिमालय में लाचीगाद वाटरशेड़ में मुख्यतया आउट माइग्रेशन के कारण बदलती भू–उपयोग पद्धतियों की पहचान करने तथा उनका निर्धारण करने में जीपीएस और जीआईएस का उपयोग'' प्रदान किया गया।

डा.वी.एस.नेगी, श्री एस. के. सिन्हा और डा. सी.एस. दूबे को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (पी–302); ''जलवायु परिवर्तन, परम्परागत जीवन शैली और आजीविका संबंधीप्रश्नःपश्चिमी हिमालय में सुदूर स्थित समाजों की सामाजिक–सांस्कृतिक और भौगोलिक बाधाओं को समझना'' प्रदान किया गया।

पुस्तकालय का विकास

हमारे कॉलेज के पास एक पूर्णतया वातानुकूलित और कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है। पुस्तकालय में 43000 से अधिक पुस्तकें है और कई पत्र–पत्रिकाएं, आवधिक पत्रिकाएं, समाचार–पत्र और जर्नल हैं। पाठ्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने वाली पुस्तकों के अतिरिक्त, हमारे पास कम्प्यूटर, खेलकूद, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षा, धर्म, दर्शनशास्त्र, बागवानी, पाककला, बाल साहित्य और पुस्तकालय विज्ञान की पुस्तकें हैं। इस पुस्तकालय को दिल्ली विश्वविद्यालय के ई–संसाधनों तक पूरी पहुंच होने पर गर्व है।

आयोजित सम्मेलन

कॉमर्स विभाग ने 30–31 मार्च, 2016 को इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में, 'ग्लोबल ट्रेड इन सर्विसः ए डब्ल्यू टी ओ पर्सपेक्टिव' विषय पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार का उद्घाटन प्रो. विश्वजीत धर, सेंटर फॉर इकोनामिक स्टडीज एंड प्लानिंग, जेएनयू, पूर्व महानिदेशक, रिसर्च एंड इन्फोरमेशन सिस्टम फॉर डब्लपिंग कंट्रीज और आईआईएफटी दिल्ली स्थित डब्ल्यू टी ओ के संस्थापक ने किया और एक आधार व्याखान भी दिया।

राजनीति विज्ञान विभाग ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से 18 अप्रैल, 2016 को ''डा.बी.आर. अम्बेडकर टाइमलेस लीगेसी'' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने सेमिनार का उद्घाटन किया। आईआईएमसी नई दिल्ली के महानिदेशक के.जी.सुरेश ने आधार व्याख्यान किया।

सम्मेलनों में भाग लिया

डा. एस.के. बन्दूनी, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग ने 5–6 नवम्बर, 2015 को मिजोरम विश्वविद्यालय (केन्द्रीय) के भूगोल और संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार और नार्थ ज्योग्राफिकल सोसाइटी के तकनीकी सत्र में 'पूर्वोत्तर भारत के विशेष संदर्भ में जलवायु परिवर्तन और सामाजिक बदलाव' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया और सेमिनार में तकनीकी सत्र–प्ट की अध्यक्षता भी की।

डा. सबीना पिल्लई, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग ने अप्रैल, 2016 में बर्मिंघम, यू.के.में आईएटीईएफएल में 'डिक्शनरी मेटर्स' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डा. एस. के. बन्दूनी, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग ने शहीद भगत सिंह कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18–20 मार्च, 2016 को आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ (आईजीयू) सम्मेलन में ''गढ़वाल हिमालय में पासोलगाद वाटर शैड में सामाजिक आर्थिक स्थिति पर आउट माइग्रेशन का प्रभाव'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
डा.एस.के. बन्दूनी एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग ने शहीद भगत सिंह कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18–20 मार्च, 2016 को आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ (आईजीयू) सम्मेलन में ''कार्पोरेट सामाजिक दायित्व और सततताः गढ़वाल उत्तराखंड भारत में नौगोरा वाटरशेड केस स्टडी'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायी	:	59
तदर्थ	:	42

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रुपए में)

स्वीकृत अनुदानः 18,47,08,760/–
प्रयुक्तः 17,28,68,258/–

प्लेसमेंट का ब्यौरा

क. सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्याः 105
ख. कैम्पस भर्ती हेतु आने वाली कंपनियों/इंडस्ट्रीज की संख्याः 11

विस्तार और आउटरीच कार्य

क. आसपास के क्षेत्र में आयोजित कैंपों की संख्याः 2
ख. कैंपों में नामांकित/शामिल हुए लोगों की संख्याः 600
ग. कैंपों में काम करने वाले छात्रों की संख्याः 300
घ. इन कैंपों में काम के कुल घटेः 8

सब्सक्राइब जर्नल 7+56 (ऑनलाइन+ पेपर बैंक वर्जन)

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेज फॉर वूमेन

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा श्एश ग्रेड दिया गया। एनएएसी प्राधिकारियों द्वारा गठित पियर रिव्यू कमेटी ने 5–7 नवम्बर, 2015 को कॉलेज का दौरा किया। कॉलेज ने 09 अक्तूबर, 2015 को एंटरप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट सेल की स्थापना की जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के उप–मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने किया। यह ई–सेल आईएसबीए की सहायता से कॉलेज में एक इंक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने की योजना बना रहा है ताकि छात्रों को अपने सपनों को मूर्त रूप देने तथा अपने स्टार्ट–अप शुरू करने में सहायता मिल सके। सभी लैब में अच्छी लैब प्रक्रिया को सुकर बनाया गया है और सभी उपकरणों के लिए समुचित प्रकार से लॉगबुक रखी जा रही है साथ ही छात्रों के फीडबैक को उन्नत बनाया गया है और अब इसे ऑनलाइन प्राप्त किया जा सकता है। अभिभावकों/माता–पिता का फीडबैक प्राप्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। कॉलेज में एक केन्द्रीय

डाटा बैंक को भी विकसित किया जा रहा है। सिस्को (सीआईएससीओ) नेटवर्किंग एकेडमी ने सिस्को नेटवर्किंग सिस्टम्स के साथ मिलकर 23 फरवरी, 2016 को 'वूमेन रॉक आई टी' नामक एक शानदार इवेंट का आयोजन किया।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

डा. दया भारद्वाज को टेरी यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई।

डा. शालू शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, गणित विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

योगेश प्रताप, असिस्टेंट प्रोफेसर, इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग को ''सीएसडीजीएमओएसएफईटी'' एन एडवांस नोवल आर्किटेक्चर फॉर सीएमओएस टेक्नोलॉजी'' नामक शीर्षक वाले पत्र के लिए 17–20 दिसम्बर, 2015 को जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''इंडिकॉन'' में ''बेस्टपेपर अवार्ड'' प्रदान किया गया।

शोध परियोजनाएं

इस वर्ष कॉलेज के 18 इनोवेशन प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए जो यूनिवर्सिटी में सर्वाधिक हैं। इनमें से इस समय 14 पर काम चल रहा है। ये निम्नानुसार हैंः–

डा. अल्का वोहरा कुआनर, सुश्री सोनिया अहलावत और डा. रेखा मेहरोत्रा को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (301)ः ''सिथेंसिज एंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ मैंग्नेटिक नैनो पार्टिकल्स फॉर ट्यूमर ट्रीटमेंट'' मिला।

डा. आकांक्षा, सुश्री टीना सचदेवा और सुश्री नेहा गर्ग को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (302); ''ग्रुप बेस्ड्स कॉर्डिनेशन फॉर इंर्फोमेशन एक्सचेंज इन एडहाक नेटवर्क्स'' मिला।

डा. इंदु अरोड़ा, सुश्री चयनिका बब्बर और डा. हेमा कुंदरा को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (303); ''ट्रांजिशन मेटल बेस्ड स्पाइनल ऑक्साइड–ग्राफेन नैनो रिबन कम्पोजिट्स फॉर रिमूवल ऑफ पेस्टीसाइड्स फ्रॉम वाटर'' मिला।

सुश्री वेनिका गुप्ता, डा. प्रोजेसरॉय और सुश्री सीमा ठाकुर को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (304), ''इम्पेक्ट ऑफ बिहेविरल एडिक्शन टू यूज ऑफ गैजेट्स ऑन फिजिकल एंड मैंटल हेल्थ'' मिला।

सुश्री दीपाली बजाज, सुश्री पारा ढोलकिया और सुश्री आशा यादव को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (306); ''हेल्थ बड्डी–एन्ड्रायड बेस्ड मोबाइल एप्लीकेशन टू टैक न्यूट्रीशनल इनटेक ऑफ यंग कालेज स्टूडेन्टस'' मिला।

डा. वर्षा मेहराए डा. रंजना सिंह और सुश्री शिखा को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (307)य श्बॉयोएक्टिव कंपोनेंट क्वान्टीफिकेशन एंड इनहेबिटरी एक्टिविटी ऑफ मुरया कोइनिगी (कुरीलीफ़) एक्ट्रेक्स अगेंस्ट की एंजाइम्स लिंक्ड टू दि पैथोलाजी एंड कंप्लीकेशंस ऑफ टाइप–टू डाइबिटीजश मिला।

डा. मनीषा खत्री, डा. दीपा जोशी और डा. पायल मागो को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (308); ''डिजाइन, सिंथेसिस एंड इवेल्यूएशन ऑफ एंटी डाइबेटिक एक्टिविटी ऑफ सब्सीटयूटिड एल्काइलकार्बोसिलिक एसिड डेरिवेटिव्स एज़ जीपीआर 40 एगोनिस्ट्स'' मिला।

डा. जसजीत कौर, सुश्री दया भारद्वाज और डा. शुचि ढींगरा को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (310); ''एसेसमेंट एंड को रिलेशन ऑफ एयर क्वालिटी इंडेक्स ऑफ ईस्ट–दिल्ली रीज़न विद वाइटल रेस्पिरेटरी पैरामीटर्स ऑफ एडोलसेंट पापुलेशन'' मिला।

डा. साधना जैन, डा. पुनीता सक्सेना और डा. रितु जैन को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (311); ''बायोकेमिकल इवेल्यूएशन ऑफ स्प्राउटिड फेनुग्रीक सीड्स फॉर न्यूट्रासियुटिकल मैनेजमेंट ऑफ टाइप–टू डायबिटीज यूजिंग इन विट्रो एसायेज'' मिला।

डा. मो. साकिब अंसारी डा. सफदर अली और श्री दीपक जायसवाल को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (312); ''कम्लेक्सिटी ऑफ रिपीट सिक्वेंसिज इन डिफरेंट जीनोम्स ऑफ प्लांट/एनीमल इंफेटिंग वारयूज'' मिला।

डा. राधिका बक्शी, सुश्री सौम्या चतुर्वेदी और डा. नेहा कत्याल को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (313); ''अनरावेलिंग दि जेनेटिक बेसिज ऑफ एक्यूट मेलाइड ल्यूकेमिया (ए एम एल)'' मिला।

डा. श्रुति बंसवाल, सुश्री वंदना और सुश्री उर्मिल भारती को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (314); ''आइसोलेशन एंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ हालोटालरेंट बैक्टीरिया फ्रॉम सेलाइन इंवायरमेंट्स एंड स्टडी दि इफेक्ट्स इन वीट सीडलिंग्स'' मिला।

डा. अमिता कपूर, डा. सुरूचि चावला और सुश्री शालू शर्मा को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (315); ''डेवलपमेंट ऑफ गार्डन–वॉटः एन ओटोमेटिक इरिगेशन सिस्टम सेंसिंग सायल मॉस्चर कंटेंट यूजिंग सेल्फमेड सेंसर फॉर एफीसिंएंट–यूज ऑफ रिसोर्सिज एंड ऑप्टिमम फ्लो ऑफ वाटर इन दि फील्ड्स'' मिला।

डा. स्नेहा काबरा, सुश्री हिमानी दुआ और सुश्री रितिका चोपडा को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (316); ''लो कॉस्ट इकोफ्रैंडिली सोलर इर्न्वटर–ए स्टेंडअलोन सौलर पावर सिस्टम फॉर हाउसहोल्ड्स'' मिला।

सुश्री प्रीति सिंघल, सुश्री मोनिका त्यागी और श्री सुमित कुमार को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट (317); मोबाइल फोन बेस्ड अटेंडेस एपः एनइनोवोटिव अप्रोच टुवार्ड्स फ्यूचिरिस्टिक ई–कॉलेजिज'' मिला।

पुस्तकालय का विकास

कॉलेज के पुस्तकालय ने डीयूएसएलए और आईएनएफएलआईबीएनईटी ई–रिर्सोसिज के अतिरिक्त एनएलआईएसटी डिजिटल रिर्सोसिज को भी सब्सक्राइव करना शुरू कर दिया है। एनएलआईएसटी के पास लगभग 6000+इलेक्ट्रानिक जर्नल्स और 135000+इलेक्ट्रानिक बुक्स हैं जिन्हें लॉग–इन/पासवर्ड के माध्यम से देखा जा सकता है यह प्रतिबंधित आईपीएडेस से मुक्त है इसीलिए इसे कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है।

प्रकाशन

गुप्ता, वेनिका, मधुपांडे, पायल गुप्ता, श्रेया राय, श्वेता गुप्ता और सोनिया अहलावत (2016) आईआईआर डिजिटल लो पास फिल्टर डिजाइन एंड रिसर्च एंड सिमुलेशन रिजल्ट ऑन साईलैब दि कांफ्रेंस प्रोसिडिंग ऑफ नेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसमेंट इन इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स।

सिंघल, प्रीति, मोनिका त्यागी, सुमित कुमार, दामिनी भट्ट, अक्षरा राय, मधु पांडे और रितु गुप्ता, (2016) डिजाइनिंग ए मोबाइल एप्लीकेशन विद ओटीपी टेक्नीक एज एन एन्हासमेंट टू ई–अटेंडेस। दि कांफ्रेंस प्रोसिडिंग ऑफ नेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांसमेंट इन इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स।

सक्सेना, पुनीता, आरआर सक्सेना और दीपक सहगल (2016), एफिसियेंसी इवेल्यूएशन ऑफ दि एनर्जी कम्पनीज इन सीएनएक्स 500 इंडेक्स ऑफ एनएसई। इंडिया यूजिंग डाटा एनवलपमेंट एनलिसिस। बेंचमार्किंगः एन इंटरनेशनल जर्नल, 23 (1) 113–126 सोढी, जीएस और जसजीत कौर, (2016) फिजिकल डेवलपर टेकनीक फॉर डिटेक्शन ऑफ लेटेंट फिंगरप्रिंटसः ए रिव्यू, इजीप्टियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइसेज.6

ढोलकिया, पारा, अथिरा उन्नीकृष्णन, दिशा गुप्ता, काव्या रविन्द्रन, लविका सिंह, मानसी मनचन्दा। विटामिन डी डेफिसियेंसीः इमर्जिंग एपिडेमिक मीटिंग दि चैलेंज। दि कांफेस प्रोसीडिंग ऑन नेशनल कांफेस ऑन एडवांसिज इन फूड साइंस एंड टेक्नोलाजी, दिल्लीः चिरूब 103–107

बजाज, दिपाली, ईशा मंगल और आशा यादव (2015); टूवार्डस एन अंडरस्टेडिंग ऑफ ली–फीः नेक्स्ट जनरेशन विजिबिल लाइट कम्युनिकेशन टेक्नोलाजी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड कम्प्यूटर साइंस, 4.11638–1164

समीम मोहम्मद, मोहम्मद अनवर, दीपक यादव, स्वाति जैन, सुमित कपूर, इंदु अरोडा और श्वेता रस्तोगी (2016) साइज एंड शेप डिपेंडेट क्लीनिकल एंड साइकॉलोजिकल एफीकेसी ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स ऑन डेंड्रफ। इंटरनेशल जर्नल ऑफ नैनोमेडिसन, 147

आलम, सीएम, ए इकबाल, बी भंडारी, सफदर अली, (2016) आइमेक्स थेस्ड एनालेसिस ऑफ रिपीट सिक्वेंसिस इन फ्लावीवायरस जीनोम्स, इनक्यूडिंग डेंगू वायरस। जे डाटा माइनिंग इन जीनोमिक्स एंड प्रोटियोमिक्स 7(1)

कत्याल, नेहा, सलोनी मेहता और रूचिका झा (2016) होलोग्राफिक डाटा स्टोरेजः रिव्यू। दि कांफ्रेंस प्रोसीडिंग ऑन एडवांसमेंट्स इन इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स।

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

इलेक्ट्रानिक्स और कम्प्यूटर सांइस विभाग ने 4–5 फरवरी, 2016 को यूजीसी और डीईआईटीवाई द्वारा प्रायोजित नेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांसमेंट इन इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स का आयोजन किया।

फूड टेक्नोलाजी विभाग ने 16–17 मार्च, 2016 को एडवांसिस इन फूड सांइस एंड टेक्नोलाजी पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

कॉलेज द्वारा 8–13 फरवरी, 2016 को बायोलॉजिकल, बायोकमिकल, एनालेटिकल टेकनीक के क्षेत्र में एम.एस सी एंथ्रोपोलोजी के छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

कम्प्यूटर सांइस एंड इलेक्ट्रानिक्स विभाग ने 14–22 दिसम्बर, 2015 को एक्सपेरिया इंफोटेक प्रा.लिमि. नोएडा के सहयोग से 'एंड्रायड टेक्नोलाजी' पर एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।

छात्रों तथा संकाय ने स्टार कॉलेज स्कीम के तहत डीबीटी के सहयोग से कालेजों में विभिन्न लाइफ साइंस विभागों के अध्यापकों और छात्रों के लिए वार्तालाप सत्र सहित डीबीटी द्वारा आयोजित श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में फोल्डस्कोप, एक ऑर्गेसी माइक्रोस्कोप पर कार्यशाला–सह–कैंप तथा गार्गी कॉलेज में जन व्याख्यान में भाग लिया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायीः 21

तदर्थः 23

वित्तीय आवंटन और उपयोग (रुपये में)

स्वीकृत अनुदानः11ए 82ए84ए600.00

प्रयुक्तः10ए10ए90ए765ए67

विस्तार और आउटरीच कार्य

एन एस एस द्वारा किए गए कार्यए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, एनएसएस दिवस समारोह, एकता दिवस, शहीद राजगुरू दिवस, साक्षरता अभियान, आत्मरक्षा की कक्षाएं, वर्मी कम्पोस्टिंग, संग्रहण अभियान, नेत्र जांच कैंप और डिजिटल इंडिया अभियान।

छात्रों ने अध्यापकों के साथ वसुन्धरा एनक्लेव में डीडीए मार्किट का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। 5 छात्रों तथा 2 अध्यापकों के एक समूह ने रोजाना दौरा किया। उन्होंने बाजार संघ के अध्यक्ष और सचिव से बातचीत की तथा उनके समक्ष आ रही समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने मार्किट में फिक्स्ड मैटेलिक कूडेदान लगाए और कूडा उठाने तथा कूडेदान को प्रयोग करना भी सिखाया।

वूमेन डेवपमेंट सेल ने वूमेन इनीसिएटिव फॉर लिब्रेशन, ग्रोथ एंड एक्शन (डब्ल्यू आईएलजीए) के साथ मिलकर क्रमशः 10 अक्तूबर 2015 तथा 14 मार्च 2016 को 'महिलाओं के प्रति हिंसा' पर एक पैनल चर्चा और वार्तालाप सत्र तथा कार्यशाला का आयोजन किया।

सब्सक्राइब जर्नल : 02

शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

गत एक वर्ष में हमने नई बुलंदियों का छुआ है। हमारे छात्रों ने गुणवत्तापरक तथा मात्रात्मक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। छात्रों के प्लेसमेंट में प्रस्तावों की संख्या तथा पैकेज में वृद्धि हुई है। हमारे छात्रों ने अनेक स्टार्ट–अप उद्यम शुरू किए उनमें काम किया और सफलता प्राप्त की। सम्मेलनों, एफडीपी, प्रबोधन और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भाग लेने से संकाय का विकास हुआ। छात्र–अध्यापक शोध तथा सामाजिक विकास को सुकर बनाने हेतु कई नवोन्मेषी परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। हम जल्दी ही रोहिणी स्थित नए परिसर में चले जाएंगें। एनएएसी द्वारा दिया गया 'ए' ग्रेड प्रमाण पत्र हमारी उपलब्धियों तथा शैक्षणिक विश्वसनीयता का परिचायक है। हमारा कॉलेज एक मात्र ऐसा स्नातक कॉलेज है जिसे उद्यमिता और स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने हेतु एक इंक्यूवेशन सेंटर की स्थापना करने हेतु राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा चुना गया है और वित्तीय अनुदान दिया गया है जो हमारे छात्रों और कालेज की उद्यमिता संबंधी क्षमताओं का एक प्रमाण है।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

कॉलेज को एनएएसी द्वारा श्एश् ग्रेड दिया गया है।
यह एकमात्र एक स्नातक कॉलेज है जिसे उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु एक इंक्यूवेशन सेंटर की स्थापना करने हेतु राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा चुना गया है और 1.5 करोड रुपए का आरंभिक अनुदान दिया गया है।

विशिष्ट छात्र

लोकेन्द्र सिंह (बी.टेक) ने कॉलेज द्वारा–क्लाउड स्टोरेज सिस्टमए नेटवर्क सिक्युरिटी एनालाइज्ड रिपोर्ट, कॉलेज मोबाइल एप और लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर विकसित किए हैं।
अर्जुन कसाना (बीएमएस) ने सभी को डिजिटल सहायता के साथ स्व–शिक्षण वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से एक ट्रस्ट 'थिंक एंड राइज' की स्थापना की। इन्हें यूपीएफ (यूनीवर्सल पीस फाउंडेशन) पुरस्कार मिला। मेरे द्वारा शुरू की गई एक हेल्थ केयर पहल प्रोजेक्ट ई–बल्डबैंक को भारत सरकार ने सारे देश में अनिवार्य किया है।
जयन्त वर्मा (वीएमएस) जो एक क्विज़र हैं, ने अनेक क्विज़ में कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया और डीयू कॉलेजों, आईआईटी, टेरी यूनिवर्सिटी, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली और डीटीयू तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों द्वारा आयोजित 25 से अधिक क्विज़ प्रतियोगिताओं में (प्रथम द्वितीय और तृतीय) पुरस्कार जीता।

शोध परियोजनाएं

शीर्षकः पर्यावरण पर कॉर्पोरेट कार्यकलापों के प्रभाव को बढाना।
अवधिः अगस्तए 2015–अगस्तए 2016
शिक्षकः प्रो. संजय सहगलए डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल स्टडीज,
दिल्ली विश्वविद्यालय (दक्षिणी परिसर)
मुख्य जांचकर्त्ताः डॉ. कुमार बिजॉय
शीर्षकः प्रोजेक्ट राहत
अवधिः अगस्त 2015–अगस्तए2016
शिक्षकः श्री के.के.शर्माए कार्यकारी अभियंता, डीयूएसआईबी
मुख्य जांचकर्त्ताः डॉ. अनुजा माथुर
शीर्षकः किसी शैक्षिक संस्थान के स्व–मूल्यांकन हेतु वेष आधारित ऑटोमेशन
अवधिः सितम्बर, 2015–अगस्त, 2016
शिक्षकः डॉ. नवीन कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, कम्प्यूटर साइंस विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
मुख्य जांचकर्त्ताः डॉ. अनामिका गुप्ता
शीर्षकः ई–वेस्ट मैनेंजमेंटः ए सोशल रेस्पांसिबिलिटी टूवार्डस सस्टेनीबिलिटी
अवधिः सितम्बर, 2015–मार्च, 2016

शिक्षकः कर्नल आर.जौहरी, एमई (एन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग), सीनियर फैलो और प्रबंध सचिव, आई डब्ल्यू एफ, दि एनर्जी एंड रिर्सोसिज इंस्टीट्यूट (टेरी)
मुख्य जांचकर्ताः श्री रमेश कुमार
शीर्षकः भारतीय युवाओं में वित्तीय साक्षरताः दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों का अध्ययन
अवधिः अगस्त, 2015 से अभी तक
शिक्षकः प्रो.सी.पी. गुप्ता, पूर्व डीन–फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज, डीयू
मुख्य जांचकर्ताः श्री नरेन्द्र कुमार निगम

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय नियमित आधार पर अपने संग्रह में नई पुस्तकें शामिल करता रहता है जो अब 19,870 पुस्तकों का है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय ने 52 पत्रिकाओं और जर्नलों (40 राष्ट्रीय और 12 अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के) और 13 राष्ट्रीय और बिजनेस समाचार पत्रों को सब्सक्राइब किया है। पुस्तकालय ने वर्ष के दौरान छात्रों को उनसे संबंधित विषय की विभिन्न पुस्तकों और आवधिक पत्रिकाओं की जानकारी बढ़ाने हेतु बिजनेस कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर साइंस, अर्थशास्त्र, वित्त, मानव संसाधन, प्रबंधन, विपणन तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों में खरीद की है। प्रिंटिग संसाधनों के अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय लाइब्रेरी नेटवर्क के माध्यम से कई इलेक्ट्रानिक संसाधनों यथा–इलेक्ट्रानिक जर्नल, रिपोर्ट और केस स्टडीज को एक्सेस करके शिक्षण और शोध में भी सहायता की जाती है जिसमें 02 फेडरेटिड/कॉमनकॉमन सर्चइंजन नामतः जेसीसीसी और निम्बस, 10 रेफरेंस और साइटेशन सोर्स, 06 बिबिलोग्राफिक सोर्स, 02 साइटेशन एनालिसिस रिर्सोस नामतः स्कोपस और वेब ऑफ साइंस और मैनेजमेंट स्टडीज और कम्प्यूटर साइंस के क्षेत्र में अन्य पूर्ण टेक्स्ट डाटाबेस आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय के पास डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क और नेशनल लाइब्रेरी एंड इंर्फोमेशन सर्विसिज इंफ्राटस्ट्रचर फॉर स्कोलरली कंटेंट (एन.लिस्ट) की संस्थागत सदस्यता है। इसके ई–रिर्सोसिज (ई–जर्नल एंड वेब बुक्स) वेब एड्रस ीजजचरू्ध्क्मसदमजण्दपबण्दद्–ीजजचरू्ध्दसपेजण्दसिपइदमजण्बण्पद का प्रयोग करके वर्ल्डवाइड वेब के माध्यम से एक्सेस किए जा सकते हैं।

सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे कॉलेज के सभी पुस्तकालय कार्यकलापों को संपूर्ण आधुनिक वेब आधारित ओपन सोर्स सोल्यूशन अर्थात् कोहा (केओएचए), जो अंतर्राष्ट्रीय ख्यातियाति प्राप्त समेकित लाइब्रेरी प्रबंधन प्रणाली है, का प्रयोग करके पुस्तकालों में से एक है जिसने लिबटेक डोस आधारित लाइब्रेरी सिस्टम से कोहा ओपन सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर को अपनाया है। कोहा को मई, 2014 में शुरू किया गया था। कोहा का मूल उद्देश्य संसाधनों अर्थात् पुस्तकों, जर्नलों, समाचार–पत्रों आदि प्रदान करके अपने अपने प्रयोक्ता आधार की जरूरतों को पूरा करना है। कोहा सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रानिक संसाधनों अर्थात् शोध पत्र, लेखों आदि के प्रयोग से हमारे कॉलेज के संकाय सदस्यों को तैयार किया जाता है और उसे इंटरएक्टिव लाइब्रेरी कैटलॉग की रिसर्च पब्लिकेशन्स श्रेणी के अंतर्गत रखा जाता है जोकि हमारे कॉलेज पुस्तकालय के नवसृजित शोध खंड का एक भाग है।

छात्र, संकाय और स्टॉफ के सदस्य ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग को एक्सेस करके पुस्तकालय संसाधनों की स्थिति की आसानी से जांच कर सकते हैं। यह कैटलॉग स्थानीय एक्सेस योग्य लाइब्रेरी वेबसाइट के माध्यम से अमेजन, गूगल और लाइब्रेरी आदि से कंटेट लेकर कैटलॉग प्रदर्शित करने वाले एंडवास सर्च स्ट्रेटीज़ की सहायता करता है।

पुस्तकालय में आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए एक हिन्दी साहित्य पुस्तक और पुस्तकों का एक पृथक खंड है।
इसके अलावा, पुस्तकालय के कार्यकरण को तेजी प्रदान करने के लिए, सभी पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों को बार कोड किया गया है। संरक्षकों के आगमन हेतु चेक डेस्क पर एक सॉफ्टवेयर को अद्यतन किया गया है।

प्रकाशन

बापरा, आर.के. (2016)ः सस्टेनेबल मार्किटिंगः इकोलॉजिकल इश्यू इनः आर. कुमार एडीशन कंटेम्परी इश्यूज इन मार्किटिंग, पहला संस्करण, नई दिल्लीः ग्लोबल विजन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली आईएसबीएनः 978–81–82220–775–2

भट्ट, एस और केसरी, एन. (2015) लीडरशिप डिक्टोमीः वूमेन आर मोर इफेकेशियम इन वर्किंग विद डाइवर्स पीपल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 3(1) पी.पी.–78–85 ईएसबीएन 2348–5396

गुप्ता, एस;खत्री, बी;गुप्ता, टी एंड कुमार, एन; (2015) मोडिफाइड पार्टीशन इंटीग्रेशन मेथड फॉर कम्युनिटी डिटेक्शन इन मल्टीडाइमेशनल सोशल नेटवर्क्स इनः 11 इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन नेचुरल कम्प्यूटेशन (आईसीएनसी) अगस्त 15–17, 2015 झांग जियाजी।

कुमार, ए., सहरावत, एन.के., रानी.ए., एंड शर्मा, एम. (2015) कौज एंड इफेक्ट्स रिलेशनशिप बिटविन फाइनेंशियल इंक्लूजन एंड इकोनामिक ग्रोथः इनपिरिकल स्टडी, रिसर्च एरिना, 2(10), पृ. 77–88 आईएसएसएन 2320–6263

निगम, एन.के., जैन, एस., आर्य,पी., (2016) पर्सेप्शन ऑफ मैगी नूडल्स अमंग दिल्ली रेजिडेंटसः बिफोर एंड ऑफ्टर कंट्रावर्सी आईओएसआर जर्नल इन बिजनेस एंड मैनेंजमेंट (आईओएसआर जेबीएम), 18(2), पीपी 159–166 आई एसएसएनः 2278–487 एक्स इंपेक्ट फैक्टर (2015): 1.458

सहरावत, एन.के., कुमार, ए, रानी, ए., एंड चौधरी, एम. (2014) कार्पोरेट सिकनेसः कैश फ्लो रेशो एज इंडीकेटर्स/ दि थिमेटिक्स जर्नल ऑफ कामर्स एंड मैनेजमेंट 4(4), पीपी–56–68 आईएसएसएन 2231–4881 आईएसएसएन 2395–3748

सहरावत, एन.के.कुमार, ए.,रानी,ए, एंड गुप्ता, डी (2015): इंपेक्ट ऑफ प्रोडक्ट डाईवर्सीफिकेशन स्ट्रेटजी ऑन फाइनेंशियल परफोर्मेंसः एन इमपीरकल इवेल्यूएशन इन दि इंडियन कंटेक्स्ट। बुलेटिन ऑफ इंडयिन सोसाइटी एंड कल्चर, 12(6), पीपी 82–96

सुष्मिता, (2015) महात्मा गांधी नेशनल रूरल एमप्लोयमेंट गारंटी एक्टः ए रिव्यू। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्टस, हयूमेनिटीज एंड मैनेंजमेंट, 1(7), पी.पी. 18–26 आईएसएसएन 2395–0692.

सुष्मिता, (2016) कंसेप्टयुलाइजिंग स्मार्ट सिटी कंसेप्ट वेद सस्टेनेबल इकोनामिक डेवलपमेंट इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेड एंड ग्लोबल बिजनेस पर्सपेक्टिस, 5(1), पीपी. 2154–2162. आई एसएनएनः 2319–9059 (प्रिंट) आईएसएसएनः 2319–9067 (ऑनलाइन), इंपेक्ट फैक्टर–2015: 6.533, 2014:5.912, 2013:5.017, 2012:3.946

सुष्मिता, रूम्मन, एम.एंड बजाज, एच (2015) डिकोडिंग दि ऑयल प्राइस काइसिस–2014 इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन कॉमर्स इकोनामिक्स एंड मैनेजमेंट, 5(9), पीपी 53–58 आईएसएसएन 2231–4245

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

कॉलेज ने 03–04 नवम्बर, 2015 को सरदार वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट ऑडिटोरियम में कन्वर्जेस 15: वार्षिक लीडरशिप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इसका विषय था 'इंडिया अनलीशड–दि लीप फारवर्ड'

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायीः 35
तदर्थः 01

प्लेसमेंट का ब्यौरा

क. सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या–176

ख. कैंपस में भर्ती हेतु आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या–62
ग. दोबारा भर्ती करने हेतु आने वालों की संख्या–22

साझीदारों के साथ हस्ताक्षररित राष्ट्रीय/अंरर्राष्ट्रीय (एमओयू) की संख्या और नाम

उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु आई–सीड
आईएफएमएफई (इंटिग्रेटिड फाइनेंशियल मॉडलिंग एंड फाइनेंशियल इकोनामिक) कोर्स चलाने हेतु बीएसई
एनसीसीएमपी (एनएसई सर्टिफाइड कैपिटल मार्किट्स प्रोफेशनल) कोर्स चलाने हेतु एनएसई।

एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की संख्या

क. इनबाउंड–यू.के.यूनिवर्सिटी के 30 छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की पहल यूके–इंडिया एजुकेशन एंड दि रिसर्च इनीसिएटिव (यूकेआईईआरआई) के तत्वावधान में कॉलेज का दौरा किया।

ख. आउटबाउंड एक छात्र ने वाइस चांसलर्स स्टूटेंड फंड से यात्रा अनुदान का उपयोग करके 14–18 मार्च, 2016 को जर्मनी स्थित कोलोगन यूनिवर्सिटी में आयोजित वर्ल्ड बिजनेस डायलॉग–2016 में भाग लिया।

सब्सक्राइब जर्नल

अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन+पेपर बैंक): 12
राष्ट्रीय जर्नलों की संख्या (ऑनलाइन+पेपर बैंक): 40
(डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क की विस्तारित संस्थागत सदस्यता के माध्यम से और अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय जर्नलों को एक्सेस किया जा सकता है।)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हम बहुत जल्दी रोहिणी, दिलली में स्थित एक नए बहुमंजिला परिसर में स्थानान्तरित हो जाएंगें। 5 एकड़ में फैले हमारे नए कैम्पस में सभी आधुनिक सुख सुविधाएं जैसे हॉस्टल, ऑडिटोरियम, एम्पीथियेटर, खेलकूद की सुविधा (इंडोर और आउटडोर), योग रूम, एक बड़ी लाइब्रेरी, कर्मचारियों के लिए आवास, सैन्ट्रल एयरकंडीशनिंग और कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान पर्यावरणीय पहलुओं जैसे जल संचयन, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणानुकूल भवन मानकों को ध्यान में रखकर बनाए गए इस परिसर से एसएससीबीएस के लिए एक बड़े और नए दौर की शुरूआत होगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार ने उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु एक इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करने के लिए इस कॉलेज को चुना है। यह दिल्ली स्थित 6 संस्थानों में से एकमात्र ऐसा स्नातक कॉलेज है जिसे इस कार्य हेतु चुना गया है। सरकार द्वारा कॉलेज को 1.5 करोड़ रुपए का आरंभिक अनुदान दिया गया है। यह राशि 07 मार्च, 2016 को दिल्ली सचिवालय में आयोजित राशि वितरण समारोह में दिल्ली के उप–मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा प्रधानाचार्य को सौंपी गई। कॉलेज की इंटरप्रिन्योर सोसाइटी (युवा) के छात्रों ने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया और अपने स्टार्ट–अप के बारे में अपने अनुभव साझा किए। कॉलेज का लक्ष्य इस राशि का उपयोग एक समावेशी और लाभप्रद तरीके से कॉलेज के छात्रों के बीच उद्यमिता और उद्यमपरक उद्यमों को बढ़ावा देने हेतु करने का है। इसकी व्यवस्था हेतु 8 कंपनियों के एक खंड की स्थापना की जा रही है।

शिवाजी कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शिवाजी कॉलेज ने शैक्षणिक और समग्र उत्कृष्टता हासिल की है और उसे राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायायन परिषद(एनएएसी), बंगलौर द्वारा 'ए' ग्रेड दिया गया है। कॉलेल सभी प्रकार के छात्रों के समग्र शैक्षणिक विकास को बढावा देता है। कॉलेज ने अनेक अच्छी प्रक्रियाओं को अपनाया है जिसमें उन भारतीय/विदेशी नागरिकों को 'जीजाबाई पुरस्कार' दिया जाता है जो बेसहारा महिलाओं के उत्थान के लिए काम करते हैं, पुलिस कांस्टेबलों को कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है और पर्यावरणीय समझ पैदा करने हेतु महिला संवेदी कार्य किया जाता है। वूमेन डेवलमेंट सेल (डब्ल्यूडीसी) प्रतिवर्ष महिला संबंधी मुद्दों पर एक पुस्तक प्रकाशित करता है और इस वर्ष इसे 'उत्कर्ष' नाम दिया गया है। इसके अतिरिक्त कॉलेज ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों/ सेमिनारों का आयोजन किया है और कई संकाय सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय आदान–प्रदान कार्यक्रमों में भाग लिया है। कॉलेज के पास दिल्ली विश्वविद्यालय के 15 इनोवेशन प्रोजेक्ट हैं और उसने छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव पैदा करने हेतु नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलाजी (सांइस सेतु) के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। कॉलेज कई सांस्कृतिक सोसाइटी जैसे वायम (नुक्कड नाटक), शटरबग (फोटोग्राफी), डिक्टम (वाद–विवाद), रिवर्ब (संगीत), फुटलूज (नृत्य) और बिजारे (फैशन) के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करता है।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

डा. अमरजीव लोचा को 2015–2019 के लिए एसएसईएएसआर (साउथ एंड साउथ ईस्ट एशियन एसोसिएशन फॉर दि स्टडी ऑफ कल्चर एंड रीलिजन) का अध्यक्ष तथा 2015–20 हेतु यूनेस्को से संबंद्ध सीआईपीएसएच के तहत आईएएचआर (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हिस्ट्री ऑफ रीलिजन) का कार्यकारी समिति सदस्य नियुक्त किया गया है। उन्हें 27 फरवरी, 2016 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल हेरिटेज, कोलकाता द्वारा राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है और उन्हें रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ लैंग्वेजिज एंड कल्चर्स ऑफ एशिया, माहिडोल यूनिवर्सिटी, किंग्डम ऑफ थाइलैंड में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में चुना गया है।

डा. ज्योति शर्मा को लाउसेन यूनिवर्सिटी, स्विटजरलैंड में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में नियुक्त किया गया है।

डा. सुरभि मदान और सुश्री आभा वासल को इनोवेशन हेतु शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया है।

डा. जयिता ठाकुर और डा. एशना निगम को दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित पब्लिक हेल्थः इश्यू, चेलैंजिंज, आपोर्च्युनिटीज, प्रिवेंशन, अवेयरनेंस (2016) नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट ओरल प्रिजेन्टेशन हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

डा. अरविंद कुमार यादव को दलित साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा 'महात्मा ज्योतिबा फूले' नेशनल फैलोशिप अवार्ड, 2015 से सम्मानित किया गया।

शोध परियोजनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोगः सर्च ऑफ गुड रोटेशन पैटनर ऑन सक्ससिव ओकेजंस एंड इट्स एप्लीकेशंस, 10.5 लाख रुपए 2015–2018 (3 वर्ष)
यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट, एसएचसी–309: रीयल टाइम एंड्रायड एप्लीकेशन फॉर ट्रैवल कनवीनियेंस, 4 लाख रुपए 201516 (1 वर्ष) यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट, एचएससी–312: एल–एसपाराजिनेस, एन एंटी–ट्यूमर एजेंटः प्रोडक्शन, करेक्ट्रारिजेशन एंड मोलिक्यूलर अप्रोचिस, 6 लाख रुपए 2015–16 (1 वर्ष)
यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट, एचएससी–313: कंपेरिटिव एनालिसिस ऑफ हैवीमेटल टॉक्सिसिटी एंड पेस्टीसाइडस कंटेमिनेशन इन वेजीटेबल्स कलेक्टिड फ्रॉम लोकल साइट्स एंड आर्गेनिक स्टोर्स इन दिल्ली, 6 लाख रुपए 2015–16 (1 वर्ष) यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट, एचएससी–315: इंवेन्ट्री एंड प्रोस्पेक्ट ऑफ वाटर कंजर्वेशन इन वेस्टर्न राजस्थान, 4.5 लाख रुपए 2015–16 (1 वर्ष)

विशिष्ट छात्र

सुश्री बबीता बी.ए. (आनर्स) रा.विज्ञान तृतीय वर्ष, एक घुडसवार, जिसने घुडसवारी प्रतिस्पर्धा में एनसीसी द्वारा प्रदत्त सर्वोच्च पुरस्कार एनसीसी कमेंडेशन कार्ड जीता। उसने बैंकाक में थाइलैंड इक्विसटेरियन फंडरेशन द्वारा आयोजित ड्रेसेज प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल भी जीता।

सुश्री हेमा जोशी, बी कॉम (प्रो.) प्रथम वर्ष 26वीं सीनियर नेशनल अट्टापट्टा चैंपियनशिप में पहला स्थान प्राप्त किया।
सुश्री कमलजीत कौर, बीएससी (आनर्स) जूलॉजी को विज्ञान मेधावी पुरस्कार (2014–15) दिया गया।
सुश्री प्रीति बी.ए. (आनर्स) संस्कृति ने तीसरी राष्ट्रीय थ्रो–बाल चैंपियनशिप में पहला स्थान प्राप्त किया।

पुस्तकालय का विकास

कुल बजटः 20,23,588 / –
पुस्तकें बढ़ाई गईः 3,537
कॉलेज पुस्तकालय दिव्यांगों के लिए अनेक सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है जैसेः–
7 एंगल रिकार्डिंग सिस्टम
2 ब्रेल किट्स
286 ब्रेल पुस्तकें
ब्रेल साहित्य की 30 सीडी
10 आई–पॉड

प्रकाशन

बामेल, के. (2015) निकोटिन प्रमोट्स रूटिंग इन लीफ एक्सप्लांट्स ऑफ इन विट्रो रेज्ड सीडलिंग इन टोमाटो, लाइकोपर्सीकोनस्युलेंटम मिलर वर्सेस पूसा रूबी इंटरनेशनल इम्युनोफार्माकोलोजी, खंड 29,231–234
भारती एन. त्रिपाठी, एस, एंड भाटला एस.सी (2015) फोटोमॉड्यूलेशन ऑफ स्ट्रिंगोलैक्टोन बायोसिंथेसिस एंड एक्यूमुलेशन ड्यूरिंग सनफ्लावर सीडलिंग ग्रोथ, प्लांट सिग्नलिंग एंड बिहेवियर, 10(8): ई 1049792
भट्टाचार्य ए., गुप्ता, ए., कौर, ए., एंड मालिक डी. (2015) साइमलटेनियस बायोरिमिडिएशन ऑफ फिनोल एंड सीआर (टप) फ्रॉम टेनरी वेस्ट वाटर यूजिंग बैक्टीरियल कंसोटियम इन दि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एरलायड साइंस् बायोटैक्नोलाजी 3(1), 50–55
गौतम, के.के.एस., गुप्ता, एम. एंड वालिया, ए., (2015) ए सर्वे ऑफ क्यूओएस फॉर आईईईई 802.22 डब्ल्यू आर ए एन टेक्नोलॉजिज इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलाजी, खंड 3 (टप्प्)
कुलश्रेष्ठ, पी, तिवारी, ए, प्रियंका, जून, एस, सिन्हा, एस.एंड भटनागर आर. (2015) इन्वेस्टीगेशन ऑफ ए पैनल ऑफ मोनो क्लोनल एंटीबाडीज एंड पालिक्लोनल सेरा अंगेस्ट एंथ्रेक्स टॉकसिन्स रिजल्टिड इन आइडेंटिफिकेशन ऑफ एन एंटीलीथल फैक्टर एंटीबाडी विद डिजीज–एनहेंसिग करेक्टरसिस्टेक्स मोली क्यूलर इम्युनोलाजी खंड 68(2) भाग ए–185–193
मलिक डी, ठाकुर जे., दुआ, ए, अग्रवाल जे एंड निझावन, एस, (2016) लाइफस्टाइल डिसआर्डर्स ए केस स्टडी ऑफ क्यूलेट्स इंडेक्स एंड डब्ल्यू एच आर इन अंडर ग्रेजुएट स्टूडेंटस प्रोसीडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन पब्लिक हेल्थः इश्यू, चैलेंज अपार्च्युनिटी प्रिवेंशन, अवेयरनेस 232–236
शर्मा एस.के., कौर, एन., सिंह, जे., शंकर, रूस. गौड, एस., ली. एस., किम, डी वाई, सिंह एन., एंड सिंह, एच (2015) इलेक्ट्रोकेमिकल सेनसिटिव डिटर्मिनेशन ऑफ नैनोमोलार गुवेनाइन फ्रॉम जेड एन ओ नैनोरोड्स कॉटेड प्लेटिनम इलेक्ट्रोड इलेक्ट्रोनालिसिस 27,2537–2543
सिंह, ए, एंड सिंह, आर (2015) जेनोटॉक्सिक इफेक्ट्स ऑफ कैडमियन ऑन पॉलीथीन क्रोमोसोम्स ऑफ सार्कोफागुरूफिकार्निस (एफएबी) (सार्कोफागीडाई डाईपेट्रा) इन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट ऑफ रिसर्च खंड 5 (09) 5458–5462
सिंह, एम., गुप्ता, डी.एन., एंड सुक एच (2015) एफीसिएंट सैंकिंड एंड थर्ड हार्मोनिक रेडिएशन जनरेशन फ्रॉम रिलेटिविस्टिक लेजर प्लाज्मा इंटरएक्शंस फिजिक्स ऑफ प्लाज्मा खंड 22 पीपी 063303
वर्धन आर. (2015) एनालिसिस ऑफ टांक्सिक कंपाउंउस इन मिल्क बाई जी–एमएस इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ नेचुरल एंड एप्लायड सांइस खंड 2 45–57

सम्मेलन आयोजित / पत्र प्रस्तुत किए गए

इंटरनेशनल सेमिनार ऑन एक्युलिटुरेशनः रीलिजन सोसाइटी लैग्वेंज 17–18 फरवरी, 2016 भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीएसएसआर), भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), सैण्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा समर्थित वित्तपोषण एजेंसी।
नेशनल सिम्पोजियम ऑन लाइफ स्टाइल डिसआडर्सः अंडरस्टेंडिंग दि मोलिक्युलर मैकेनिज्म, 28–29 जनवरी, 2016; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (डीबीटी) द्वारा समर्थित वित्तपोषण एजेंसी। नेशनल कांफ्रेंस ऑन ग्लोबलाइजेशन, इकोनामिक डेवलपमेंट एंड सस्टेनिबिलिटी, 29 मार्च, 2016 यूजीसी द्वारा समर्थित वित्तपोषण एजेंसी।
नेशनल सेमिनार ऑन वाटर एंड एयर क्वालिटी इन अर्बन इकोसिस्टम, 22 मार्च, 2016; पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा समर्थित वित्त पोषण एजेंसी।
नेशनल सेमिनार ऑन ''वूमेन क्राइम एंड लॉः प्रोटेक्शन और एसर्शन'' 31 मार्च, 2016,
ठाकुर जे., लाइफ स्टाइल डिसआडर्सः ए केस स्टडी ऑफ क्विटीलेट्स इंडेक्स एंड डब्ल्यू एच आर इन अंडरग्रेजुएट्स स्टूडेंटसः 15–16 जनवरी, 2016, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित ''जन स्वास्थ्य मुद्दे, चुनौतियॉ, अवसर, निवारण, जागरूकता (पब्लिक हेल्थः 2016)'' संबंधी इंटरनेशनल कांफ्रेस में प्रस्तुत किया गया।
निगम,ए; हैवी मेटल कंटेमिनेशन इन वेजीटेबल्सः सोर्स ऑफ

न्यूट्रीशन और हेल्थ हजार्ड 15–16 जनवरी, 2016 दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित ''जन स्वास्थ्य मुद्दे, चुनौतियॉ, अवसर, निवारण, जागरूकता (पब्लिक हेल्थः 2016)'' संबंधी इंटरनेशनल कांफ्रेस में प्रस्तुत किया गया।

सिंह,एस;एंड श्रीवास्तव, ए; ''पब्लिक वेलफेयरः दि फारेंसिक साइकोलाजिकल टूल्स एम्लायेड टूवाड्स ए क्राइम फ्री सोसाइटी''
15–16 जनवरी, 2016 दौलत राम कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित ''जन स्वास्थ्य मुद्दे, चुनौतियॉ, अवसर, निवारण, जागरूकता (पब्लिक हेल्थः 2016)'' संबंधी इंटरनेशनल कांफ्रेस में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, ए., इश्यूज, चैलेंजिज इन हैंडलिंग लोकलाइजेशन इन ई–गवर्नेंस ए रिव्यू: 2016 'रोल ऑफ सांइस एंड टेक्नोलाजी फॉर' सस्टेनेबल डेवलपमेंट विद फोकस ऑन मेक इन इंडिया संबंधी इंटरनेशनल वर्कशाप–सह–सेमिनार में प्रस्तुत किया गया।

चौधरी, जे.के, 'क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ मल्टीडाइमेंशनल हेल्थ एंड नान–हेल्थ इश्यूज एंड चैलेंजिज फेस्ड वाई वूमेन इन इंडियाः पुटिंग दि बेस्ट फुट फारवर्ड' 15–16 जनवरी, 2016 दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली भारत द्वारा आयोजित ''जन स्वास्थ्य मुद्दे, चुनौतियॉ, अवसर, निवारण, जागरूकता (पब्लिक हेल्थः 2016)'' संबंधी इंटरनेशनल कांफ्रेस में प्रस्तुत किया गया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायीः 116
तदर्थः 65
गेस्टः 04

वित्तीय आवंटन और उपयोग (रुपये में)

स्वीकृतः 3415.22 लाख रुपए
प्रयुक्तः 3260.45 लाख रुपए (लेखा परीक्षा के अध्यधीन)

प्लेसमेंट का ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्याः 56
कैंपस भर्ती के लिए आनेवाली कंपानियों/उद्योगों की संख्याः 05
दोबारा भर्ती हेतु आने वाले की संख्याः 03

साझीदारों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (एमओयू) की संख्या और नाम अंतर्राष्ट्रीय

कॉलेज ने रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ लैग्वेंज एंड कल्चर्स ऑफ एशिया माहिडोल यूनिवर्सिटी, किंग्डम ऑफ थाइलैंड जैसे शैक्षणिक संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

राष्ट्रीय

सांइस सेतु प्रोग्राम के तत्वावधान में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलाजी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
कॉलेज के कौशल आधारित पाठ्यक्रमों के लिए स्किल ट्री कंसल्टिंग प्रा.लिमि. (इंडस्ट्री) के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

विस्तार और आउटरीच कार्य

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्या : 7
कैंपों में नामांकित/शामिल लोगों की संख्याः झ 2000
कैंपों में काम करने वाले छात्रों की संख्याः 100
इन कैंपों में काम के कुल घंटों की संख्याः 60

सब्सक्राइब जर्नल

जर्नल (पेपर बैंक):2
एन–लिस्ट के माध्यम से ई–जर्नलः 6328

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी (पैराग्राफ फार्मेट में)

शिवाजी कॉलेज पर्यावरण के प्रति सजग है और कैंपस को वाहन मुक्त, धुंआ मुक्त और प्लास्टिक मुक्त रखता है। यह छात्रों को मामूली प्रीमियम पर एक लाख रुपए को दुर्घटना/जीवन बीमा पालिसी देने वाला यूनिवर्सिटी का पहला कॉलेज है। कॉलेज के संकाय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 42 पत्र तथा नेशनल पीर रिव्यू जर्नल में 24 पत्र, 9 पुस्तकें और संपादित पुस्तकों में 19 अध्याय प्रकाशित कराए हैं। 6 संकाय सदस्य पीएचडी के छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। शिवाजी कॉलेज के पास दूसरे सर्वाधिक इनोवेशन प्रोजेक्ट हैं जिसमें से एसएचसी–309 'रीयल टाइम एंड्राइड एप्लीकेशन फॉर ट्रेवल कन्वीनियंस' की काफी प्रशसां की गई है। टीम को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस 1 मई, 2016 को अपना कार्य प्रस्तुत करने हेतु बुलाया गया था।

श्री राम कालेज ऑफ कामर्स

मुख्य कार्याकलाप और उपलब्धियाँ

कॉलेज ने 18 अप्रैलए 2016 को अपना 90वां वार्षिक दिवस मनाया। इस समारोह में माननीय विद्युत, कोयला और नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री पीयूष गोयल मुख्य अतिथि थे। कार्यवाहक प्रधानाचार्य डा. आर.पी.रूस्तगी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि चेयरपर्सन, जी.बी. और प्रधानाचार्य ने छात्रों को उनकी शैक्षणिक तथा पाठ्येत्तर गतिविधियों के लिए पुरस्कार दिए। छात्र संघ ने मार्च, 2016 में अपने वार्षिकोत्सव 'क्रॉस रोड्स' का आयोजन किया जिसमें बॉलीवुड के फरहान अख्तर, शंकर, अहसान, लॉय तथा पलाश सेन ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। छात्र संघ और सोसाइटी ने कोरियोग्राफी, फैशन शो, नुक्कड़ डांस, नुक्कड नाटक, रॉक म्यूजिक, पाश्चात्य नृत्य, वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी और अन्य कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। कॉलेज ने संविधान दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, सफाई अभियान, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यशाला, ई–पाठशाला का भी आयोजन किया। खेलों में कुहू गर्ग ने बैडमिंटन में, मधुरिमा शंकर और योगेश गौतम ने शतरंज में भारत का प्रतिनिधित्व किया। खेल विभाग ने फरवरी, 2016 में वार्षिक युवा खेल उत्सव का आयोजन किया।

विशिष्ट छात्र

पलक कक्कडः एम.कॉम टॉपर
आयुष मित्तलः जीबीओ में पीजी डिप्लोमा टॉपर
इप्शिता अग्रवालः बीकॉम (आनर्स) टॉपर
हार्दिक वधवाः बी.ए. (आनर्स) इको. टॉपर

यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट्स

सुश्री आस्था धवन, डा. एस्थर एन. नगाहिते और डा. नवीन मित्तल को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट ''एसोसिंग दि वायबिलिटी ऑफ कंट्रेक्ट फार्मिंग फॉर स्माल एंड मार्जिनल फार्मर्स'' मिला।

डा. संतोष कुमार, सुश्री अनुराधा अग्रवाल और श्री अश्वनी कुमार को यूनिवर्सिटी इनोवेशन प्रोजेक्ट ''इवेल्यूऐशन ऑफ अपकमिंग टेक्नोलॉजिज (इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंटरनेट ऑफ एर्विसिज एंड इंडस्ट्री 4.0) फॉर देयर सुटेबिलिटी इन दि इंडियन मार्किट प्लेस'' मिला।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय ने एल स्मार्ट–आर एफ आई डी सिस्टम के माध्यम से अपने संग्रह का डिजिटाइजेशन किया है और वर्तमान में यह वेब आधारित इंटिग्रेटिड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम, लिबसिस 7.0 सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर रहा है। सूचना के मूल और गौण स्रोत को संरक्षित करने के लिए एक आर्काइव यूनिट भी शुरू की गई है।
पुस्तकालय ने प्रोवेस एंड इकोनॉमिक आउटलुक डाटाबेस (फाइनेंशियल परर्फोमेंस) और यूआरकेयूएनडी प्लागेरिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर भी प्राप्त कर लिया है।

प्रकाशन

दीपाश्री (2015) मेक्रो इकोनामिक्स दिल्ली, दिल्लीः मयूर पेपरबैक्स
दीपाश्री (2015) इंडियन इकोनामिक्स दिल्ली, दिल्लीः मयूर पेपरबैक्स
दीपाश्री (2015) प्रिंसिपल्स ऑफ माइक्रो इकोनामिक्स दिल्ली, दिल्लीः मयूर पेपरबैक्स
कुमार, आलोक (2015) बेसिक कार्पोरेट अकांउटिंग, दिल्ली दिल्लीः गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी
कुमार, अनिल (2015) इंडिस्ट्रियल लॉ, दिल्ली, दिल्लीः इंटरनेशनल बुक हाउस
कुमार, आलोक (2015) कार्पोरेट अकांउटिंग, दिल्ली, दिल्लीः गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी
कुमार, राज (2015) कार्पोरेट अकांउटिंग, दिल्ली दिल्लीः कार्पोरेट लॉ एडवाइजर
ठुकराल, जे.के. (2015) फंडामेंटल्स ऑफ बिजनेस स्टेटिस्टिक्स, दिल्ली
तिवारी, एच.एन.एंड जैन, एच.सी. (2015) कम्प्यूटर फंडामेंटल एंड एशेंशियल टूल्स दिल्ली, दिल्लीः इंटरनेशनल बुक हाउस।

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

यूथ कांफ्रेंस

थीमः बट दि विक्टर कैरीज ऑन
ब्यौराः सम्मेलन 15 सितम्बरए 2015 को हुआ जिसमें माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह, एक्सिस बैंक की सीईओ सुश्री शिखा शर्मा, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, कपिल देव, नवाजुद्दीन सिद्दकी, राहुल कंवल उपस्थित थे।

बिजनेस कनक्लेव

थीमः बिज इन दि एयर
ब्यौराः यह कार्यक्रम 3–5 फरवरी, 2016 को हुआ जिसमें केन्द्रीय मंत्रिमंडल से श्री नितिन गडकरी, श्रीमती निर्मला सीतारमण और श्री जयंत सिन्हा, मीडिया से श्री रजत शर्मा और राजदीप सरहेसाई, उद्योग से श्री सुनील भारती मित्तल, आदि गोदरेज, जीएमआर राव और डी. शिव कुमार, बॉलाबुड से ऋषि कपूर और क्रिकेटर सुरेश रैना ने इस कार्यक्रम में अपने विचार रखे।

फाइनेंस समिट
थीमः चैंजिग ग्लोबल फाइनेंशियल सिनेरियो
ब्यौराः यह कार्यक्रम 26 फरवरी, 2016 को हुआ जिसमें कार्पोरेट के सीईओ और वरिष्ठ प्रबंधकों ने छात्रों का ज्ञानवर्धन क्रिया।
मार्किट समिट
थीमः इनोवेटिव मार्किटिंग फिलोसफीज़
ब्यौराः यह कार्यक्रम 02 अप्रैल, 2016 को हुआ जिसमें कार्पोरेट के सीईओ, मुख्य तथा वरिष्ठ प्रबंधकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।
एचआर समिट
थीमः दि फ्यूचर ऑफ एच.आर. ए रेडिकली डिफरेंट प्रोपोजिशन
ब्यौराः यह कार्यक्रम 22 अगस्त, 2015 को हुआ जिसमें कार्पोरेट के सीईओ, एचआर हेड ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या
स्थायीः 63
तदर्थः 63
गेस्टः 02

वित्तीय आवंटन और उपयोग (रुपये में)
स्वीकृत बजटः 2,087.76 लाख
प्रयुक्तः 1,878.46 लाख

प्लेसमेंट का ब्यौरा
सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्याः 348
कैंपस भर्ती हेतु आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्याः 82
पुनः भर्ती की संख्याः 36

विस्तार और आउटरीच कार्य
क. आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्याः दिल्ली में 4 कैंप कैर गांव, मित्राऊ गांव, जनकपुरी, कुदसिया घाट
ख. कैंपों में नामांकित/शामिल हुए लोगों की संख्याः दिल्ली और आसपास के भिन्न–भिन्न समुदायों 1050 लोग
ग. कैंपों में काम करने वाले छात्रों की संख्याः 102 छात्र
घ. इन कैंपों को समर्पित कुल घंटेः सभी छात्रों द्वारा कुल 160 घंटे

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत छात्रों की संख्या
एसआरसीसी ने अपने परिसर में लगभग 6 इनबाउंड कोलेबरेटिव प्रोगाम आयोजित किए जिनमें विदेशी यूनिवर्सिटियों और एसआरसीसी के कुल 126 छात्रों ने भाग लिया।

सब्सक्राइब्स जर्नल
क. सब्सक्राइब इंटरनेशनल जर्नलों की संख्याः 12 (ऑनलाइन+पेपर बैंक वर्जन)

ख. सब्सक्राइब नेशनल जर्नलों की संख्याः 22 (ऑनलाइन+पेपर बैंक वर्जन)

अन्य महत्वूर्पण जानकारी
मृत्युंजय शर्मा, बीकॉम (आर्नस) तृतीय वर्ष के छात्र ने 121 घंटे पियानो बजाकर 104 घंटे पियानो बजाने के वर्तमान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड को तोडा। उसने 11 अक्तूबर, 2015 को कॉलेज के ऑडिटोरियम में 10:30 बजे पियानो बजाना शुरू किया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड ने एक प्रमाण पत्र देकर उसकी उपलब्धि को मान्यता दी।

श्याम लाल कॉलेज

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान
वर्ष के दौरान कॉलेज ने 'सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल्सः इनोवेटिव स्ट्रेटजीज एंड प्रैक्टिसिसः' नामक विषय पर अपनी पहली इंटरनेशल कांफ्रेस की। इसके अतिरिक्त, इतिहास, रसायन और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 3 नेशनल कांफ्रेस आयोजित की गई। श्याम लाल कॉलेज की पुरूष हॉकी टीम दिल्ली विश्वविद्यालय की इंटर कॉलेज हाकी टूर्नामेंट की विजेता बनी। कॉलेज ने वर्चुअल कक्षाओं का आयोजन किया जिसमें कॉलेज के छात्रों ने जापान और आस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों के साथ बातचीत की। कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा चेष्टा चौधरी ने इंटर कॉलेज एक्वेटिक चैंपियनशिप, 2015 में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा 3 मी. स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग प्रतियोगिता में रजत पदक भी जीता तथा उसे दिल्ली राज्य और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न टूर्नामेंट में उनकी टीम का प्रतिनिधित्व करने हेतु भी चुना गया। कॉलेज के प्लेसमेंट सेल ने प्लेसमेंट अभियान चलाने के लिए प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित किया जिसमें तृतीय वर्ष के लगभग 185

छात्रों को चुना गया और लगभग 70 प्रतिशत छात्रों को फाइनल प्लेसमेंट के लिए तथा शेष छात्रों को बाद में होने वाले निर्णायक दौर के लिए छांटा गया। अभियान में भाग लेने वाली कंपनियों में रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, बजाज कैपिटल, रॉकस्पोर्ट आदि शामिल हैं।

विशिष्ट छात्र

सुश्री चेष्टा चौधरी, बीकॉम (प्रो.) प्रथम वर्ष ने ऑल इंडिया वर्सिटी एक्वेटिक चैंपियनशिप 2015–16 में 3 मी. स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग इवेंट में रजत पदक जीता।

सुश्री खुशबू, बी कॉम (आनर्स) तृतीय वर्ष ने दिल्ली स्टेट एक्वेटिक चैंपियनशिप 3 मी. स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग इवेंट 2015–16 में स्वर्ण पदक जीता।

जितेन्द्र, बी.ए. (प्रो.) प्रथम वर्ष ने दिल्ली स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2015–16 में 5000 मी. में स्वर्ण पदक जीता।

सरबजीत सिंह एम.ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष ने सीनियर नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2015–16 में 4X100 मी. रिले में स्वर्ण पदक जीता।

सचिन गिरि, बीएससी (जनरल) द्वितीय वर्ष को दिल्ली स्टेट बेसबाल टीम में चुना गया जिसने सीनियर नेशनल बेसबाल चैंपियनशिप 2015–16 में स्वर्ण पदक जीता।

पुस्तकालय का विकास

कुल बजटः 614,815

पुस्तकें शामिल की गईः 1683

सब्सक्राइब जर्नलः 31 पत्र–पत्रिकाएं और मैंगजीन

इंटरनेट सुविधा को उन्नत करके उसे प्रयोक्ताओं को प्रयोग हेतु उपलब्ध कराया गया।

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

कॉलेत के वाणिज्य विभाग द्वारा आईसीएसएसआर, बीएसई, सैण्ट्रल बैंक, दिल्ली मेट्रो के सहयोग से 16–17 मार्च, 2026 को इंडिया इंटरनेशल सेंटर, नई दिल्ली में ''सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल्सः इनोवेटिव स्ट्रेटजीज़ एंड प्रैक्टिसीस'' नामक पहली इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई।

कॉलेज के रसायन विभाग द्वारा 7–8 अप्रैल, 2016 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली को यूजीसी प्रायोजित ''एन्वायरमेंट एंड हार्मोनियस डेवलपमेंट'' नामक नेशनल कांफ्रेंस (एनसीसी–2016) आयोजित की गई।

एसएलसी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 4–5 अप्रैल, 2016 को यूजीसी प्रायोजित नेशनल कांफ्रेंस ''ट्रेड नेगोशिएशंस अंडर डब्ल्यूटीओः इश्यूज बिफोर डेवलपिंग वर्ल्ड'' का आयोजन किया गया।

कॉलेज के इतिहास विभाग ने 19–20 फरवरी, 2016 को यूजीसी प्रायोजित नेशनल कांफ्रेंस 'कास्ट एंड जेंडरः हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' का आयोजन किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायीः 69

तदर्थः 61

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रुपए में)

स्वीकृत अनुदानः 26,13,16,760/–

प्रयुक्तः 26,13,16,760/–

प्लेसमेंट का ब्यौरा

सफलतापूर्वक प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्याः 10 जून, 2016 तक 185 छात्र, 70 प्रतिशत को प्लेसमेंट मिला और 30 प्रतिशत को अंतिम दौर के लिए चुना गया।

कैंपस भर्ती हेतु आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्याः 10

पुनः भर्ती हेतु आने वालों की संख्याः पूर्व भर्ती का कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं।

विस्तार और आउटरीच कार्य

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित एनसीसी कैंपों की संख्याः 07

कैंपों में नामांकित/शामिल लोगों की संख्याः 25

कैंपों में काम करने वाले छात्रों की संख्याः 25

इन कैंपों को समर्पित कुल घंटों की संख्याः 600

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज स्किल इंडिया जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में जोरशोर से भाग ले रहा है और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दिवस मना रहा है। कॉलेज में एक स्किल डेवलमेंट कमेटी गठित की गई है और इसने कम्प्यूटर साक्षरता के लिए एक दिवसीय कार्यशाला से लेकर एक माह तक के कार्यक्रमों का आयोजन किया है। कॉलेज महिला विकास और महिला संवेदीकरण के लिए भी कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। कॉलेज ने 24 नवम्बर, 2015 को भारत का 'संविधान दिवस' मनाया। कॉलेज ने 13 अप्रैल, 2016 को बाबा साहेब डा. अम्बेडकर की 125वीं वर्षगांठ मनाई। इन अवसरों पर विशेषज्ञों के व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया।

श्यामलाल कॉलेज (संध्याकालीन)

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

कॉलेज द्वारा 11–12 फरवरी 2016 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) में डॉ. एस.पी.शर्मा की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन को कम करने में नवीकरणीय ऊर्जा की भूमिका और योगदान पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें नवीन और नवीनकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली में आर्थिक सलाहकार डॉ. जे.सी. शर्मा, आई.ई.एस.मुख्य अतिथि थे। कॉलेज ने वाणिज्य और प्रबंधन की अंर्तराष्ट्रीय पत्रिका 'एसपीरेर' के दूसरे अंक (आई.एस.एस.एन. संख्या 2394–0484) और ई–पत्रिका आई.एस.एस.एन. संख्या 2394–6601 ई का सितंबर 2015 के दौरान सफलतापूर्वक प्रकाशन किया। इस पत्रिका को अग्रणी इण्डेक्सिंग संस्थान जैसे स्कालर स्टीर वर्ल्ड कैट, ई.एस.जे.आई.एल.आई वी आई वी ओ और डी ए आई जे द्वारा इण्डेक्स किया गया। इस पत्रिका के प्रधान संपादक प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीण कुमार हैं और डॉ. आदित्य पी. त्रिपाठी संपादक बोर्ड के प्रबंधन संपादक हैं। कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने 17–24 फरवरी, 2016 के एक प्लेसमैंट वीक का आयोजन किया जिसमें 123 छात्रों के आई.सी.आई.सी.आई प्रूडेंशियल, टाटा वेस्ट साईड, एच.डी.बी. फाईनेंस, जैनपैक्ट, हाई लाईन इत्यादि जैसे प्रख्यात नियोक्ताओं द्वारा रखा गया। व्याख्यान एवं कार्यशाला श्रृखंला में डॉ. संजीव कुमार शर्मा, निदेशक आऊटरीच, कौशल विकास एवं उद्यम वृत्ति विद्यालय, अंसल विश्वविद्यालय, गुडगांव, हरियाणा, ने 6 अप्रैल 2016 को रियल इस्टेट में कैरियर के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

विशिष्ट छात्र

सुश्री दिव्या वधवा, बीएपी तृतीय वर्ष–86.67 प्रतिशत
सुश्री दीपिका हाण्डा, बीएपी तृतीय वर्ष–83.46 प्रतिशत
श्री मनीष अग्रवाल, बीसीपी प्रथम वर्ष–80.25 प्रतिशत
सुश्री प्रीति अग्रवाल, ईसीएच, तृतीय वर्ष–79.04 प्रतिशत
सुश्री नेहा अग्रवाल, बीएपी, तृतीय वर्ष–78.88 प्रतिशत
सुश्री प्रीति अग्रवाल, ईपीएच, तृतीया वर्ष–79.04 प्रतिशत
श्री दामोद कांडपाल, बीसीएच– 77.22 प्रतिशत
सुश्री श्रेया गुप्ता, बीसीएच, द्वितीय वर्ष–76.17 प्रतिशत
श्री अनिल कुमार, बीसीएच, तृतीय वर्ष–76.04 प्रतिशत
श्री प्रभात दीक्षित, ईसीएच, प्रथम वर्ष–75.86 प्रतिशत

पुस्तकालय का विकास

भू–तल पर कॉलेज लाइब्रेरी और ऊपरी स्टैकों को पूरी तरह वातानूकुलित किया गया है। हमारे पुस्तकालय में 48179 पुस्तकें है और वर्तमान में यहाँ हिन्दी और अंग्रेजी के 11 समाचार पत्र, 19 पत्रिकाऐं आती हैं। इसकी सुविधाऐं छात्रों और स्टॉफ के लिए मुक्त रूप से उपलब्ध हैं। पुस्तकालय की कंप्यूटर लैब में 36 कंप्यूटर हैं जो कि दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय के ऑनलाईन उपलब्ध संसाधनों को देखने के लिए छात्रों के लिए उपलब्ध है। स्टॉफ/छात्र सदस्यों के लिए जिरोक्स सुविधा भी उपलब्ध है। पुस्तकालय बार कोडिड पुस्तकें और सदस्यता पत्रों के साथ कंप्यूटरीकृत है।

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

जनवरी 2016 को एस.एन.डी.टी. कॉलेज ऑफ कार्मस एण्ड ऑर्टस द्वारा आयोजित हिन्दी और मराठी भाषा–अस्मिता का सवाल पर राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. हरीश खन्ना द्वारा मुख्य भाषण दिया गया।

मार्च 2016 को एस.एन.डी.टी. कॉलेज आफ कॉमर्स एण्ड आर्टस द्वारा उच्च शिक्षा में संकट विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. हरीश खन्ना द्वारा मुख्य भाषण दिया गया।

9–10 मार्च, 2016 को आई.सी.एस.एस.आर के साथ सहयोग करते हुए दौलतराम कॉलेज द्वारा ''सामाजिक–आर्थिक विकास की अवधारणा और आदिवासी समाज'' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. अमित सिंह ने ''हवाओं के विद्रोह में आदिवासी स्वर'' लेख की प्रस्तुति की।

10 फरवरी 2016 को लखनऊ के विद्यांत हिन्दू पी.जी. कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा ''केंन्द्रीय बजट 2016–17 कृषि विकास'' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. अशोक कुमार यादव ने एक लेख प्रस्तुत किया।

30 मार्च, 2016 को सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. अजय गुप्ता द्वारा ''भारत के आर्थिक विकास में अवसंरचना की भूमिका'' पर एक लेख प्रस्तुत किया गया।

सितंबर 2015 में एक सह–समन्वयक के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के यू.जी.सी. ऐकेडमिक स्टॉफ कॉलेज के सेंटर फॉर प्रोफेश्नल डेवलेपमेंट इन हाईयर ऐजूकेशन (सीपीडीएचई) में श्री राजीव रंजन सिंह द्वारा ''आईसीटी यूसेज इन टिचिंग'' पर एक सप्ताह लंबी कार्यशाला का संचालन किया गया।

अक्तूबर 2015 में हिन्दू कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विभाग में श्री राजीव रंजन सिंह ने ''रोल ऑफ इंटरनेट इन आई सी टी एण्ड मस्ट नो ऑनलाईन आईसीटी टूल्स'' पर एक व्याख्यान दिया।

13–14 जनवरी 2016 को एसईएसओएमयू गलर्स कॉलेज श्री डूँगढ़गढ़, बीकानेर, राजस्थान द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. संदीप कुमार यादव ने ''वायसिज़ ऑफ डिसेंट स्ट्रक्चरलिस्ट फेमिनिस्ट रिडिंग ऑफ दा पोईट्री ऑफ रिंसेट इण्डियन पोएट्स'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

27 फरवरी, 2016 को केएमजी पीजी कॉलेज जी.बी. नगर, उत्तर प्रदेश द्वारा भारत में विकास मुद्दे चुनौतियाँ और रणनीतियां विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में डा अम्बेडकर का दृष्टिकोण और जनजातीय साहित्य पर डॉ. संदीप कुमार यादव द्वारा एक लेख की प्रस्तुति की गई।

30–31 मार्च 2016 को मोतीलाल नेहरू कॉलेज (प्रातःकालीन) में ''मानव अधिकार का प्रश्नः भारतीय समाज'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में श्री मनोज कुमार ने ''दिल्ली रिक्शा चालक संवैधानिक अधिकार एवं मानवाधिकार न्यायिक परिप्रेक्ष'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या
स्थायीः 50
तदर्थः 30
अतिथिः16

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रुपये में)
संस्वीकृत अनुदानः 131894760.00
उपयोगः 131894760.00

प्लेसमेंट का ब्यौरा
सफलतापूर्वक नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्याः123
कैम्पस भर्ती के लिए आने वाली कम्पनियों/इंडस्ट्रीज की संख्याः11
भर्ती के लिए पुनः आने वाली कम्पनियों की संख्याःशून्य
मंगवाई जाने वाली पत्रिकाएंः04

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज (महिलाओं के लिए)

मुख्य कार्यकलाप और उपलिब्धियाँ
एस.पी.एम. कॉलेज के लिए यह एक अच्छा वर्ष रहा जिसमें कॉलेज जगत के बहूआयामी क्षेत्रों मे कई गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ प्राप्त की गई। शिक्षा क्षेत्र में दो अध्यापकों ने पीएचडी की उपाधी प्राप्त की और एक अध्यापक पीएचडी शोध निबंध के लिए सह मार्गदर्शक थे। अध्यापकों द्वारा लिखी गई दो पुस्तकें और 34 लेख प्रख्यात पत्रिकाओं में छपे। कॉलेज में 3 नवोन्मेश्क परियोजनाऐं चल रही हैं। विभिन्न विभागों द्वारा एक राष्ट्रीय सेमिनार, 14 कार्यशालाऐं और लगभग 50 सह–पाठ्यचर्चा संबंधी कार्यकलापों जिनमें व्याख्यान भी शामिल है, का आयोजन किया गया। कॉलेज जगत के अन्य क्षेत्रों में भी हम व्यस्त रहे। हमारी हॉकी तथा खो खो टीम इंटर कॉलेज चैंपियन है और हैंड बॉल, वालीबॉल, साफ्ट बॉल तथा कबड्डी टीमों ने भी विशिष्ट स्थान प्राप्त किऐ। एनएसएस के अंर्तगत हमारे आऊटरीच

कार्यक्रम द्वारा कॉलेज के आसपास के समुदाय के लिए कई कार्यकलापों का आयोजन किया गया जिनमें कालेज छात्रों द्वारा लगभग 1840 घण्टों का समय दिया गया। कॉलेज द्वारा पश्चिमी दिल्ली के 50 पुलिस कर्मियों के लिए लिंग भेद संवेदीकरण पर एक कार्यशाला की मेज़बानी और आयोजन किया गया। हमने अपने परिसर के सभी वृक्षों की गिनती तथा पहचान की और हमारे उद्यानों के वार्षिक दिल्ली यूनिवर्सिटी फ्लावर शो में 10 पुरस्कार मिले।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

मई 2015 में शिक्षा विभाग की डॉ. ममता राजपूत को ''अंण्डरस्टैडिंग ऑफ पैडागोजिकल एण्ड कंटैंट नॉलेज अमंग सांईस टीचर्स'' विषय पर पीएचडी की उपाधि दी गई।

जुलाई 2015 में डॉ. कविता गौड को ''अंडरस्टैडिंग दा हाऊस हॉल्ड नार्मस एण्ड ऐव्रीडे लाईवस इन टैक्सटूअल ट्रैडिशन्स (सी. थर्ड सेंचूरी बीसीई टू फीफ्थ सेंचूरी सीई) पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि दी गई।

उत्कृष्ट छात्र

सुश्री आदिति अग्रवाल ने बीएससी (एच) कम्प्यूटर सांईस के तृतीय वर्ष में 96 प्रतिशत अंको के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सुश्री सोनिया ने बीएलएड प्रथम वर्ष में 76 प्रतिशत अंको के साथ दिल्ली यूनिवर्सिटी में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
सुश्री रजनी ने बीएससी (एच) कम्प्यूटर सांईस द्वितीय वर्ष में 95 प्रतिशत अंको के साथ कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुश्री वर्षा अग्रवाल ने बी.काम. (एच) द्वितीय वर्ष में 92.5 प्रतिशत अंकों के साथ कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
सुश्री राधिका बूडाकोली और सुश्री हिमांशी पोपली दोनों ने अप्लाईड साईकॉलाजी (एच) तृतीय वर्ष में 81.6 प्रतिशत अंकों के साथ कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शोध परियोजनाऐं

डॉ. वीना कपूर और सुश्री शुभा सिन्हा को विश्वविद्यालय न्वोन्मेश परियोजनाऐं (एसपीएम 301) मिली; ''मोदी जी की मेक इन इण्डियाः स्वेदशी और विदेशी'', धनराशिः 3,50,000।

डॉ. कुलबीर कौर, डॉ. गरिमा और श्री विरेन्द्र प्रताप यादव के विश्वविद्यालय नवोन्मेश परियोजना (एसपीएम 302) मिली; ''ऐग्रेशन एंड बिहेवियर एण्ड मोडीफिकेशनः ए सोशियों सॉईकॉलाजिक्ल स्टडी ऑफ ज्यूविनाईल्स; धनराशि 3,50,000।

डॉ. पूजा वशिष्ट और डॉ. बलजीत कौर को विश्वविद्यालय नवोन्मेश्क परियोजना (एमपीएम 303) मिली; पब्लिक पूलिंग सिस्टम फॉर वुमन सेफ्टीः धनराशि 4,00,000।

पुस्तकालय का विकास

कॉलेज का पुस्तकालय लगभग 73,237 पुस्तकें के डेटाबेस के साथ पूर्णतः कप्यूट्रिकृत है। पुस्तकालय के संसाधनों तक सरल और सुगम पहूँच हेतु एक कप्यूट्रिकृत कैटालॉग का प्रयोग किया जाता है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर पुस्तक संग्रह सामान्य संग्रह पठन पुस्तकें तथा हिन्दी और अंग्रेजी के नवीनतम कथा साहित्य पुस्तकें शामिल हैं। पुस्तकालय में लगभग 50 पत्रिकाएं आती है जिनमें जरनल, पिरियोडिक्ल और सामान्य पठन के लिए पत्रिकाऐं शामिल है। पुस्तकालय के सूचना केंद्र में इंटरनेट सुविधा से लैस 25 कंप्यूटर हैं जिनसे शोध सामग्री देखी जा सकती है। वाईफाई की सुविधा के छात्र तथा संकाय के सदस्य अपने लैपटाप पर इंटरनेट सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। सभी सदस्यों को यूजीसी इंफोनेट के माध्यम से 4,000 से अधिक पत्रिकाओं, ई–डाटा बेस उपलब्ध करवाने के लिए व्यक्तिगत पासवर्ड दिए गए हैं। पुस्तकालय में विशेष ब्रेल पुस्तकों का एक संग्रह है। दिव्यांग छात्रों को उनकी पूरी कोर्स की अवधि के दौरान रिकार्डर और लैपटाप ज़ारी किए जाते है जिनमें विशेष सॉफ्टवेयर है।

क. कुल बजट 12,62,500.00 रुपए
ख. शामिल की पुस्तकों की संख्या 1408
ग. शामिल की पत्रिकाओं की संख्या 03
घ. पुस्तकों की कुल संख्या 73,237

प्रकाशन

भगत आर (2015) फोर्जिंग पाकिस्तान रीजन एण्ड पोलिटिक्सः मुस्लिम लीग एण्ड द मूवमेंट फॉर पाकिस्तान 1940–46। नई दिल्ली, दिल्लीः अनामिका पब्लिशर्स

भाटिया एस. (2015) डज रिजर्वेशन एल्टर द माइन्ड सेट? दा रिसर्च इन्क्वारी विस–अ–विस फीअर ऑफ फैलियर लोकस लॉफ कंट्रोल एण्ड पर्सनल इफैक्टिवनेस अमंग अन्डर ग्रेजुएट।

गेरा जे. (2015) आइडेन्टिफाइंग सिग्निफिकेंट फीचर्स टू इम्प्रूव क्राउड फन्डिड प्रोजेक्टस सक्सेस। इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इनोवेशन्स इन कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग वोल्यूम 413,211–218

घोष, एस (2015) लाइफ स्टाइल चेन्जेंज फॉर बूस्टिंग ब्रेन पावर एण्ड इन्हन्सिंग काग्निटिव एबिलिटीज़ एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन 10(2) 1–13।

गर्ल्स स्टूडैंट ऐक्रोस डिसिप्लिस, इण्डियन जरनल ऑफ कम्यूनिटि साईकलॉजी (आईजेसीपी), 11(2) 326–337।

मारवाह,ई.बी. (2015) प्रिविलेंस ऑफ इटिंग डिस्आर्डर अंमग इण्डियन वेट लिफ्टरस। इण्डियन जरनल ऑफ सोईकालाजी एण्ड ऐजूकेशन (आईजेपी), वोल्यूम 5,43–47

माथूर, सी (2015) मास मिडिया इन इण्डियाः राज टू स्वराज, नई दिल्ली, दिल्ली शिवालिक प्रकाशन।

मिर्जा, ए (2015) डिबेटिंग ग्लोबलाईजेशन। इंटरनेशनल जरनल ऑफ सोसाइटी एण्ड हयूमेनिटिज वोल्यूम 7,112–118

थरेजा आर. (2015) इन्फोरमेशन टैक्नालॉजी एण्ड इटस ऐप्लीकेशन इन बिजनेस, नई दिल्ली, दिल्ली ऑक्सफोर्ड यूनिवसिर्टि प्रैस।

थरेजा, आर (2015) ओबज़ेक्ट ओरिएंटिड प्रोग्रामिंग विद सी++ नई दिल्ली, दिल्ली, ऑक्साफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

वशिष्ट पी. (2015) आरम्यूमेंटशन इनेबल्ड इंट्रैस्ट बेस्ड पर्सनलाईज्ड रिकेमैंडर सिस्टम। जनरल ऑफ ऐक्सपेरिमेंटल एण्ड थियोरेटिक्ल आर्टिफिशियल इंडेलिजेंस (जेईटीएआई) 27(2) 199–226

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

एस पी एम कॉलेज के शिक्षा विभाग ने 10–11 मार्च 2016 को इमर्जिंग ट्रैंडस इन ऐजूकेशनः न्यू पैराडाईमंस पर एक दो दिवसिय सेमिनार आयोजित किया जिसमें काफी लोगों ने भाग लिया।

22 फरवरी 2016 के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 'इंमर्जिंग ट्रैण्ड एंड टैक्नोलॉजी' पर सेमिनार आयोजित किया।

23 फरवरी 2016 के राष्ट्रीय लोक वित्त संस्थान में प्रोफेसर तथा भारत सरकार में भूतपूर्व प्रधान आर्थिक सलाहकार डॉ. इला पटनायक द्वारा ''इंडियाःग्रोथ एण्ड प्रोस्पेक्ट्स'' पर वार्षिक व्याख्यान दिया गया।

8 अप्रैल 2016 के डॉ. अनिता चार्ल्स फुल ब्राईट फैलो और डॉयरेक्टर ऑफ टीचर्स ऐजूकेशन की अध्यक्षता में बेट्स कॉलेज, लेविस्टन, मेन यूएसए में ''लर्नर सेटर्ड इंस्ट्रकशंसः क्लासरूम प्रैक्टिसस, इंक्लूडिंग यूज़ ऑफ टैक्नालॉजी इन हाईपर ऐजूकेशन एंड दा अण्डर ग्रेजुएट लेवल'' पर गोलमेज़ सम्मेलन किया गया।

16 मार्च 2016 को ''डैमोक्रेसी एण्ड डिसेंट तथा फ्रिडम ऑफ स्पीच, डिसैंट एण्ड दा क्वेश्चन ऑफ नेशनलिज्म'' विषय पर दो पैनल चर्चाएं की गई।

18 फरवरी 2016 को ब्लैक हिस्ट्री माह के भाग के रूप में अमेरिकन सेंट्रल लाइब्रेरी में डॉ. नीता एन कुमार (पदेन प्रधानाचार्य) द्वारा ''अफ्रिकन अमेरिकन लिट्रेचर एण्ड पालिटिक्स इन दा पीरियड ऑफ द सिविल राईट्स मूवमेंट'' पर व्याखान दिया गया।

23 जून 2015 को डा. सुदिप्ता, घोष शिक्षा विभाग ने युनिवर्सिटी ऑफ लोअर सिलेसिया, पोलैंड में आयोजित अतर्राष्ट्रीय विशेष शिक्षा परिसंघ के 14वें छमाही सम्मेलन में ओवरकमिंग बैरियरस टू इनक्लूसिव ऐजूकेशन इन ए डिवैलिपिंग सोसाइटीः फोरजिंग न्यू ऐवेन्यूज़'' विषय पर एक लेख प्रस्तुत किया।

शिक्षा विभाग की डॉ. वीना कपूर ने सितंबर 2015 में हॉवर्ड विश्वविद्यालय में 21वीं शताब्दी की मुख्य चुनौतियों का सामना करने के लिए नवोन्मेश को सुगम बनाने प्रेरित करने और संरक्षित करने से संबंधित सम्मेलन में ''टीचर ऐजूकेशन इन दा ऐज़ ऑफ टैक्नालॉजी'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

शिक्षा विभाग की सुश्री नीता अरोड़ा ने अक्तूबर 2015 में कोबे जापान में इंटरनेशनल एकैडमिक फोरम द्वारा आयोजित 7वें एशियाई शिक्षा सम्मेलन में ''दा मैट्रिक्स ऑफ ऐजूकेशन पावॅर एण्ड ऐमपावॅरमैंडः वेयर टू वी स्टैंड'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

नवंबर 2015 में भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित पौराणिक सृष्टि विज्ञान पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. अमित कुमार शर्मा ने ''विष्णु पुराण में भौतिक सृष्टि विमर्श'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

दिसंबर 2015 में भारतीय पुरातत्व विज्ञान सोसाइटी नई दिल्ली में संचयतादुक्केदवादा संगोष्ठी में डॉ. अमित कुमार शर्मा ने ''विशिष्ट अद्वैतसिद्धांतानुसार जदजिवेश्वर विमर्श'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

दिसंबर 2015 में भारतीय संस्कृत पत्रकार संघ द्वारा आयोजित पांचवें राष्ट्रीय संस्कृत पत्रकार सम्मेलन में डॉ. अमित कुमार शर्मा ने ''स्रोत एवं दर्शक की दृष्टि में संस्कृतवर्थ'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायीः 91

तदर्थः 44

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रुपये में)
संसस्वीकृतः 38,06,93,000
दिल्ली सरकार से अतिरिक्त अनुदानः 20,00,000
उपयोग की गई राशि:100 प्रतिशत

प्लेसमेंट का ब्यौरा
क. बीकॉम (एच) तथा इक्नॉमिक्स (एच) के 69 छात्रों का जैनपैक्ट में नियोजन। बीकॉम (एच) के 4 छात्र डीआईसीसीआई एचएमई पोर्टल में नियोजित किए गए। बीएड और बीएलएड के लगभग सभी छात्र प्रीज़ेडियम, हैरिटेज़ जैसे प्रख्यात पब्लिक स्कूलों में नियोजित हुए।
ख. कैंपस में भर्ती हेतु आने वाली कंपनियों/इंडस्ट्रीज की संख्या:4
ग. भर्ती के लिए पुनः आने वाली कंपनियां:1 (जेनपेक्ट)

साझीदारों द्वारा हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एमओयू की संख्या और नाम
"महिलाओं के मुद्दों से संबंधित क्षेत्रों पर विशेष बल देते हुए मानव अधिकारों की बेहतरी" के लिए एक साथ कार्य करने के लिए हयूमन राइट्स डिफेंस इंटरनेशनल, नई दिल्ली के साथ कार्य किया गया।

विस्तार और आउटरीच कार्य
कॉलेज के संकाय सदस्यों सुश्री रेनू मेहता तथा डॉ. शुभा परमार द्वारा कॉलेज परिसर में पश्चिमी दिल्ली के लगभग 500 पुलिस कर्मियों के लिए एक लिंग भेद संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें व्याखान दिए गए तथा कार्यशालाएं की गई।

<u>एनएसएस कार्य</u>
क. समीपवर्ती क्षेत्र में आयोजित शिविरों की संख्याः 23
आसपास के क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसेः
मादीपुर (कॉलेज छात्रों ने गरीब बच्चों को पढ़ाया),
पीरागढी (सड़क किनारे मज़दूरों को वस्त्र वितरण, गरीब बच्चों को पढ़ाया),
नागलोई (छात्रों ने गरीब बच्चों को पढ़ाया),
जनकपुरी (सड़क किनारे के मज़दूरों को वस्त्र वितरण),
विकासपुरी (सड़क किनारे के मज़दूरो को वस्त्र वितरण),
बवाना (बवाना के निकट रह रहे गरीब बच्चों को छात्रों द्वारा पढ़ाया गया),
सुल्तानपूरी, मंगोलपूरी (छात्रों ने गरीब बच्चों को पढ़ाया),
रघूवीर नगर (22 अक्तूबर 2015 के कॉलेज द्वारा सफाई अभियान आयोजित किया गया)
ख. इन शिविरों में शामिल लोगों की संख्याः लगभग 1000
ग. शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्याः लगभग 700
घ. इन शिविरों के लिए कुल कितने घंटे समय दिया गया

इस कार्यक्रम में शामिल प्रत्येक छात्र द्वारा लगभग 5 घंटे 5X120=600

वस्त्र एकत्रण के लिए लगभग 4 घंटे 4X70=280

झुग्गी–झोपड़ियों में वस्त्र वितरण के लिए लगभग 4 घंटे 4X100=400

सफाई के लिए लगभग 4 घंटे 4X140=560

<u>पत्रिकाएं</u>
कुल पीरियोडिकल तथा पत्रिकाएंः 50 पत्रिकाएं+30 पीरियोडिकल=80

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
<u>खेल</u>
खेल विभाग इस वर्ष कई मैचों और आयोजनों में व्यस्त रहा।
कॉलेज की टीम ने श्रीमती मंजीत मदान ने कॉलेज मैदान में आयोजित इन्टर–कॉलेत हॉकी टूर्नामेंट में प्रथम स्थान हासिल किया। टीम ने दिल्ली हॉकी चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान, दिल्ली महिला हॉकी फेस्टीवल चैम्पियनशिप तथा दिल्ली स्टेट हॉकी चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान, दिल्ली ओलम्पिक हॉकी चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान तथा दिल्ली हॉकी लीग में चौथा स्थान प्राप्त किया।
कॉलेज की खो–खो टीम पिछले पांच सालों से प्रथम स्थान जीत रही है। यह टीम इन्टर–कॉलेज चैम्पियन है।

कॉलेज की कबड्डी टीम ने डॉ. ओ पी चौधरी द्वारा कॉलेज के मैदान में आयोजित इंटर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट में द्वितीय पुरस्कार जीता।
कॉलेज टीम को दिल्ली महिला चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान मिला।
कॉलेज की सॉफ्टबाल टीम को सॉफ्टबाल इंटर–कालेज टूर्नामेंट में दूसरा स्थान मिला।
कॉलेज की बेसबॉल टीम को इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में तीसरा स्थान मिला।
कॉलेज की क्रॉस कंट्री टीम को इंटर–कॉलेज क्रास कंट्री प्रतिस्पर्धा में तीसरा स्थान मिला। इस प्रतिस्पर्धा में 31 कॉलेजों ने भाग लिया।
कॉलेज की वोलीबॉल टीम को भारतीय कप टूर्नामेंट में प्रथम स्थान मिला। कई छात्रों जो कि खेलों से जुड़े नहीं थे, ने पूरे वर्ष योग और एरोबिक्स सीखा और कॉलेज के खेल दिवस पर प्रदर्शन दिखाया। विभाग ने 26 और 27 मार्च 2016 को 15वें दिल्ली स्टेट आर्म्स रेस्लिंग तथा दिल्ली स्टेट योगा कम्पीटीशन का आयोजन किया।

एनसीसी

एसपीएम कॉलेज की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की यूनिट जिसकी समन्वयक डॉ. पूजा वशिष्ठ और डॉ. चन्द्रकांता माथुर है, ने दिल्ली तथा देश के अन्य भागों में कई आयोजनों में भाग लिया।
99 कैडेटों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया।
एक उन्नत नेतृत्व कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप में दो कैडेट जेयूओ नीतू डाला और एस जी टी आंचल गुप्ता ने भाग लिया। पैराट्रूपरों के साथ आगरा छावनी के अंतर्गत एक पैरा बैसिक कैंप लगाया गया। इस कैंप में कैडेट अनु ने सर्वश्रेष्ठ कैडेट पुरस्कार जीता।
कैडेट सीपीएल रजनी डबास ने थल सैनिक कैंप सफलतापूर्वक पूर्ण किया। राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में 50 कैडेटों ने भाग लिया। काकीनाड़ा, आंध्र प्रदेश में हुए स्पेशल नेशनल इन्टिग्रेशन कैंप में दिल्ली निदेशालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए कॉलेज के 6 कैडेट चुने गए
मेरठ में आर्मी अटैचमेंट कैंप लगा। 3 कैडेट चुने गए।
एक संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप नेवल सीएटीसी आयोजित किया गया।
एसजीटी प्रिया आनन्द ने रॉक क्लाइबिंग प्रशिक्षण कैंप में भाग लिया और तीन स्वर्ण पदक जीते।
28 जनवरी 2016 को प्रधान मंत्री रैली में पैराट्रूपर स्लीदरिंग करने के लिए 3 कैडेट को चुना गया।

छात्र परिषद और सांस्कृतिक आयोजन

छात्र परिषद ने 3 और 4 मार्च 2016 को अपने परिसर में हर्ष, जोश और स्टाइल के साथ अपना वार्षिक सांस्कृतिक फैस्टीवल 'सृजन' 2016 मनाया। इसमें कई प्रतिस्पर्धाएं की गईं जिनमें मोनो–एक्टिंग, रंगोली, फोटोग्राफी, एड मैड शो, एकल गान, स्ट्रीट प्ले, ट्रेजर हंट, टैटू डिज़ाइनिंग, मुख चित्रण, न्यूजपेपर ड्रेस डिज़ाइनिंग, एकल नृत्य, समूह नृत्य, टर्नकोट डिबेट, फैशन शो, क्विज और फिल्म क्विज शामिल है। सभी आयोजनों में दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों से बड़ी संख्या में भागीदारी दिखी।

हमारा उद्यान हमारी शान

हमारे कॉलेज को नार्थ कैम्पस के मुगल गार्डन में हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के 58वें वार्षिक फ्लावर शो में कई पुरस्कार मिले। श्रेणी 'ए' में कमेटी को तीन तृतीय पुरस्कार मिले। एक सर्वश्रेष्ठ कॉलेज गार्डन दूसरा कॉलेज में हरियाली और सफाई के लिए तथा एक सर्वश्रेष्ठ हर्बल गार्डन के लिए। कट फ्लावर कम्पीटिशन में हमारे कॉलेज को एक ही डेलिया के लिए चार प्रथम पुरस्कार तथा मथियोला तथा सेन्टोरिया के लिए दो द्वितीय पुरस्कार मिले।

श्री अरबिंदो कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

अपने व्यस्त शैक्षिक जीवन के बावजूद छात्रों के कॉलेज जीवन को सम्पूर्ण करने के लिए पिछले पूरे वर्ष विविध कार्यकलाप किए गए। हर बार की तरह वर्ष 2015–16 में विभागों में सेमिनार और कार्यशालाएं की गई। प्रत्येक विभाग ने अपना इन्टर–कॉलेज फेस्टीवल मानाया और ⸝मण के लिए गए। 28 से 30 जनवरी 2016 को कॉलेज का तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक फैस्टिवल 'महक 2016' मनाया गया। इसमें उप–मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया मुख्य अतिथि थे। 6–8 अप्रैल 2016 को कॉलेज में हुई वार्षिक खेल प्रतियोगिता की विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।
पिछले शैक्षिणक वर्ष में कॉलेज की कल्चरल सोसाइटी अपनी नौं सोसाइटियों के साथ विभिन्न सहपाठ्यचर्या क्रार्यकलापों में सक्रिय रूप से जुटी रही। इसमें सेज़ (डिबेटिंग सोसाइटी) भी शामिल है जिसमें वाईएमसीए और दयाल सिंह कॉलेज में सर्वश्रेष्ट टीम की ट्रॉफी जीती और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रो. बी.एम. जोहरी रोलिंग शिल्ड प्राप्त की। डांस सोसाइटी 'क्रंक' ने आईआईटीएम और यूसीएमएस में पहला स्थान एलएसआर में दूसरा स्थान तथा एम्स में तीसरा स्थान प्राप्त किया। आंतरिक शिकायत समिति ने एक विधि साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया। इसके साथ ही एम्स के सहयोग से एक दो–दिवसीय चिकित्सा स्वास्थ्य चैकअप तथा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कॉलेज ने तीसरा वार्षिक एनसीसी महोत्सव 'हौसला 2016' भी मनाया। समग्र रूप से इन सभी गतिविधियों से कॉलेज जीवन ज्वलंत और व्यस्त रहा।

विशिष्ट छात्र
नीतू (फिजिकल साईंस 85.10)
निखिल कुमार (फिजिकल साईंस 83.60)
हिमांशु सिंघल (बी.कॉम पास 81.24)
शैली श्रीवास्तव (बी.कॉम पास 80.20)
वर्षा सहरावत (बी.कॉम पास 80.00)

शोध परियोजनाऐं
डॉ. अमित झा को यूजीसी की एक प्रमुख परियोजना 'ओरल ट्रैडिंशन इण्डियन हिस्ट्री' मिली; अनुदान राशिः 9,12,100।
डॉ. मंजू एम गुप्ता को यूपीसीसी एक प्रमुख परियोजना 'मोनिटरिंग आरबसकूलर माइकोरहिज़ल फंगल बायोडाइवर्सिटी इन नोरदन इण्डिया विद कंप्यूटेशनल डाटा बैसिस एण्ड प्लेटफार्मस' मिलीः अनुदान राशिः 15,60,000।
डॉ. अपराजिता चौहान को विश्वविद्यालय नवोन्मेश परियोजना 'वेस्ट टू वेल्थः वाटर हाईसिंक–अ न्यू ग्रीन फ्यूल सोर्स' मिली अनुदान राशिः 5,50,000।
डॉ. सुधीर प्रताप सिंह को विश्वविद्यालय नवेन्मेष परियोजना 'हिन्दी की विभिन्न विधाओं के दो प्रमुख साहित्यकारों के जीवन पर आधारित वृतचित्र' मिली; अनुदान राशिः 4,00,000
डॉ. अश्विनी कुमार को विश्वविद्यालय न्वोन्मेष परियोजना 'डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ डुअल बैंड, ट्रिपल बैंड, पेटां बैंड एण्ड हैग्जा बैंड बैंडस्टॉप फिलटर्स फॉर वायरलैस लोकल एरिया नेटवर्क' मिली; अनुदान राशि 5,50,000।

पुस्तकालय का विकास
इस सत्र के दौरान पुस्तकालय में 2170 पुस्तकें शामिल की गई।

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया
रसायन विभाग ने सीएसटीटी, एमएचआरडी के सहयोग से 'रिसेंट ट्रेडंस इन टैक्निकल टर्मिनॉलाजी इन साईंस' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।
रसायन विभाग ने आईसीएसएसआर के सहयोग के ''इमर्जिंग इकोनॉमिक्स एण्ड चैलेंजिंगस सस्टेनेबिलिटी टुवार्डस डैवलिपिंग नेशन्स'' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।
वाणिज्य विभाग ने 'चैंजिग बिजनेस एण्ड इकानॉमिक एनवायरमेंट इन इंडिया; विजन 2020' पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।
हिन्दी विभाग ने 'वैश्विकरण और भक्ति काव्य' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या
स्थायीः 64
तदर्थः 66

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रुपये में)
असंस्वीकृत अनुदानः 231805760 रु. (यूजीसी द्वारा) प्लस 1250000 रु. (दिल्ली सरकार द्वारा)
214427235 रु. का उपयोग किया गया।

प्लेसमेंट का ब्यौरा
सफलतापूर्वक नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्याः 187
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/इंडस्ट्रीज़ की संख्याः 12
भर्ती के लिए पुनः आने वाली कंपनियों की संख्याः 05

विस्तार तथा पहूंच बनाने संबंधी कार्य
आसपास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्याः कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा एम्स के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 'नो टोबैको ड्राईव' का भी आयोजन किया गया।
सूचीबद्ध/शामिल किए गए लोगों की संख्या–45
इन शिविरों से कार्य करने वाले छात्रों की संख्या–45

कॉलेज में आने वाली पत्रिकाऐं
फॉरेन ट्रेड रिव्यू
इंडियन क्वार्टर्लि
इंडियन इकॉनामिक एंड सोशल हिस्ट्री रिव्यू

इंडियन हिस्टारिकल रिव्यू
फाइटोमार्फोलॉजी
सज़ोस्पस
चार्टड अकंउटेंट

श्री अरबिंदो कॉलेज (सांध्यकालीन)

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

कॉलेज 3–4 जनवरी 2016 के इंडिया हैबिटेट सैंटर, लोधी रोड़, नई दिल्ली में आयोजित 17वें अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन 'मेक इन इंडियाः दा रोड अहैड' के आयोजन में शैक्षिणक सहयोगकर्ता और सहप्रायोजक था। इस सम्मेलन में विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, यू.के., ईरान, साऊथ अफ्रीका, नाईज़ीरिया और इण्डोनेशिया से आए प्रख्यात शिक्षाविदों ने भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किए। 8–9 अक्तूबर, 2015 के डिपार्टमेंट ऑफ एप्लाइड साईकॉलाजी के 52 छात्रों और संकाय सदस्यों ने द्वितीय अंर्तराष्ट्रीय साईकॉलाजी सम्मेलन में तथा पीजी गर्वमेंट कॉलेज चण्डीगढ़ के डिपार्टमेंट ऑफ साईकलॉजी द्वारा ''साईकलॉजिक्ल वेलबिंगःदा कंसर्न्स एण्ड डिवेलेपमेंट'' पर आयोजित चतुर्थ भारतीय साइकॉलाजिक्ल साईस कंग्रेश्न में भाग लिया। इन दोनों सम्मेलनो में 22 छात्रों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। डिपार्टमेंट ऑफ एप्लाईड साईकालॉजी के 14 छात्रों ने साईकॉलाजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 1–2 मार्च 2016 को आयोजित अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

उत्कृष्ट उपाधि/सम्मान

वाणिज्य विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुमति वर्मा को फ्लोरिडा टेक्नीकल यूनिवर्सिटी के एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक परीक्षणात्मक प्रोजेक्ट–प्रोजेक्ट एक्स–कल्चर के कार्यकारी बोर्ड में नियुक्त किया गया। वह प्रोजेक्ट एक्स–कलचर में परामर्शदाता थी। यह प्रोजेक्ट 800 विश्वविद्यालय में फैला एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट है जिसमें 2500 छात्रों एवं सम्बद्ध संकाय सदस्य शामिल है।

विशिष्ट छात्र

श्रुति दुआ बीए (एच) अप्लाइड फिजिक्स तृतीय वर्ष –82.7 प्रतिशत
मयंक शर्मा बीए (एच) अप्लाइड फिज़िक्स तृतीय वर्ष –79.8 प्रतिशत
शंकर सिंह चौहान बी कॉम आनर्स तृतीय वर्ष –78.1 प्रतिशत
निशा कुमारी बी कॉम आनर्स द्वितीय वर्ष –78 प्रतिशत
सुनील भार्गव बी कॉम आनर्स प्रथम वर्ष – 78 प्रतिशत

शोघ परियोजनाएं

डॉ. महेश कुमार डरोलिया, श्री प्रज्ञेन्द्र तथा डा. विवेक चौधर को विश्वविद्यालय नवोन्मेष परियोजना ''साइको सोशल डेट्रीमेंटस ऑफ स्पोर्रिंग कल्चर इन इंडिया'' मिली।

प्रकाशन

सुशान्त कुमार बाग (2015) कोलोनियल स्टेट, अगरेरियन ट्रांजिशन एंड पोपुलर प्रोटेस्ट इन ओडिसा 1921–1947, नई दिल्लीः प्राइमस।
प्रशांत कुमार (2016) कार्पोरेट गवर्नेसः ए ब्रोडर पर्सपेक्टिव। आईओएसआर जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एण्ड फाइनेंस 6(2). 01–08।
सुमति वर्मा (2015) मोटिव्स एज लोकेशनल डिटरमिनेंटस–दा स्टडी ऑफ एफडीआई बिटवीन इंडिया एण्ड लैटिन अमरीका एण्ड द केरेबियन। ट्रांसनेशनल कार्पोरेशन रिव्यू 7(3)

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया

डीएसपीएसआर के सहयोग से वाणिज्य विभाग ने इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 3–4 जनवरी, 2016 को दूसरा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'मेक–इन–इंडियाःद रोड अहैड' आयोजित किया।
नेशनल एसोसिएशन ऑफ साइकोलॉलीकल साईसेज (एनएपीएस) के साथ सहयोग में डिपार्टमेंट ऑफ अप्लाइड साइकोलाजी ने 18–19 मार्च, 2016 को ''सोशल हार्मनी एण्ड वेल बींगः इशूज़ एण्ड चैलेन्जेज'' पर एक दो–दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायी 43
तदर्थ 19

वित्तीय आबंटन तथा उपयोग (रुपए में)

संस्वीकृत अनुदानः 10,90,65,000 रु.
उपयोगः 10,75,28,000

विस्तार और आउटरीच कार्य

बी.ए. (आनर्स) अप्लाईड साईकालॉजी के 52 छात्रों और विभाग के संकाय सदस्यों ने घरेलू हिंसा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, बाल अधिकार और बाल दुर व्यापार जैसे ज्वलंत सामाजिक मुद्दों के प्रति समुदाय के सदस्यों और छात्रों के संवेदनशील बनाने और जागरूक करने के उद्देश्य से हरियाणा राज्य के एक छोटे गाँव बादशाहपुर का दौरा किया। समुदाय साईकालॉजी के परिस्थितिकीय मॉडल का प्रयोग करते है छात्रों ने गाँव वालों से उनके तनाव बिंदुओं को समझने के लिए बातचीत की और इन बिंदुओं से निपटने के लिए सुझाव दिए।
कॉलेज में मगंवाई जाने वाली पत्रिकाएं

क. अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं

1. हावर्ड बिज़नैस रिव्यू साउथ एशिया (पेपरबैंक)
2. इक्नॉमिक्स (पेपरबैंक)
3. डिसिज़न (ऑन लाईन+पेपरबैंक)

ख. राष्ट्रीय पत्रिकाएं

1. इक्नामिक एण्ड पालिटिकल वीकलि (पेपरबैंक)
2. साईकालाजी एण्ड डिवेलेपिंग सोसाइटीज (ऑनलाईन+पेपर बैंक)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शैक्षक सत्र 2016–17 में वाणिज्य विभाग अपनी वार्षिक शोध पत्रिका 'वाणिज्य विचार' (आईएसएस नम्बर के साथ) निकालेगा।

श्री गुरू गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

कॉलेज में संबद्ध विभागों एवं पाठ्यक्रमों के लिए कई अकादमिक सोसाइटीयाँ हैं और ये सोसाइटियाँ संबद्ध मार्गदर्शक के परामर्श से विभिन्न आयोजनों के प्रबंधन और आयोजन में कौशल विस्तार के उचित अवसर प्रदान करती है। इन सोसाइटियाँ और क्लबों के मुख्य रूप से अकादमिक, कला सृजनात्मकता, छात्र समूह विविधता और समावेशन, समुदायिक एवं लोक नियोजन तथा कैरियर, कौशल एवं व्यवसायिक विकास में वर्गीकृत किया गया है। कार्यकलापों का पूरा ब्यौरा वार्षिक पुस्तक में दिया गया है। इस वार्षिक पुस्तक में हमारे छात्रों एवं संकाय सदस्यों की सभी शैक्षिणक और सांस्कृतिक उपलब्धियों का सार होता है। यह वर्ष हमारे लिए मूल्यवान है क्योंकि हमारे कॉलेज के भारत को शीर्ष वाणिज्य कॉलेजों में दर्जा मिला और एनएएसी द्वारा ग्रेड 'ए' प्रदान किया गया। हमने अपनी अवसंरचना को सुदृढ़ किया है और शिक्षा को अधिक छात्र केंद्रित बनाया है। छात्रों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उन्हें बढ़ावा देने के लिए कई छात्रवृतियाँ भी दी गई।

उत्कृष्ट सम्मान/उपाधियाँ

हमारे प्रधानाचार्य डॉ. जतिंद्र वीर सिंह को वर्ष 2015–2020 के लिए बिज़नेस स्कूल बिजिंग नार्मल यूनिवर्सिटी में मानद एडजैंक्ट प्रोफैसरशिप दी गई। उन्हें कमोडिटि डेरिवेटिव संबंधी सेबी उपसमिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

विशिष्ट छात्र

प्रतीक इस कॉलेज से कंप्यूटर सांईस कर रहा है और अभी तृतीय वर्ष में है। उसे 20–22 नवंबर 2015 को आसियान इलाईट फोरम में भारत के राजदूत के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। उसे इलाईट फोरम और आसियान इंटरप्रियोन्योर समिट, क्वालालम्पूर, मलेशिया में पहुँच बनाने संबंधी उद्यम के भाग के रूप में भारत से चुना गया। उसने यूएनईएससीएपी तथा एसडब्ल्यू यूनिवर्सिटी में जीएलआई कार्यबल के साथ सम्मेलन आयोजित किया और भारत से 4 उम्मीदवारों का चयन किया। जिनमें से 3 हमारे कॉलेज से थे।
बी.ए. आनर्स (इक्नामिक्स) द्वितीय वर्ष के छात्र पीयूष गाँधी ने यूथ ऐक्सचेंज़ प्रोग्राम 'कीजूना' के एक भाग के रूप में जापान में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उसे अप्रैल 2016 में बेल्जियम में होने वाले केस स्टडी कंपीटिशन के ग्लोबल फाईनल के लिए भी चुना गया।
उत्कर्ष जैन को ''रियो+22यूएनएसई 4 ऑल'' प्रोग्राम में ए+ दिया गया। यह संयुक्त राष्ट्र आम सभा के तालमेल से छात्रों के लिए एक लघु अवधि सह पाठ्यचर्या कार्यक्रम के रूप में एक राष्ट्रीय स्तर का प्रयास था।

शोध परियोजनाएं

डॉ. सिमरप्रीत (प्रधान जाँचकर्ता), सुश्री वंदना कालरा (सहजॉचकर्ता), और सुश्री सुप्रिया चोपड़ा (सहजाँचकर्ता) की विश्वविद्यालय नवोन्मेश परियोजना एसजीजीएससीसी–301 मिली: 'इनोवेशन्स टूवार्ड ए सस्टेनेबल वर्ल्ड एण्ड इम्पैक्ट ऑफ दा एयर क्वालिटी क्राईसिस–ए कंपेरेटिव एनालाईसिस ऑफ डेली, बिज़िग, लास ऐंजिलिस एण्ड लंदन'

डॉ. कंवल गिल 'प्रधान जाँचकर्ता' डॉ. रेखा शर्मा (सहजाँचकर्ता) और डॉ. रेनु गुप्ता (सहजांचकर्ता) को विश्वविद्यालय नवोन्मेश परियोजना एसजीजीएससीसी–302 मिली; 'एमपावरिंग डिफरैंटिली–ऐबल्ड स्टूडैंटस थ्रू ई–लर्निग एट हॉयर ऐजूकेशन'।

श्री अजय चतुर्वेदी (परामर्शदाता), मीनू गुप्ता (प्रधानजाँचकर्ता), सुश्री अराधना नंदा (सहजाँचकर्ता) और रसलिन कौर (सह जाँचकर्ता) को एसजीजीएससीसी–303 मिली; 'ए स्टडी ऑफ सीएसआर एण्ड सोशल बिज़नेस एज़ पेनेशिया फॉर सोशल प्राब्लम्स'

डॉ. हरप्रीत कौर (प्रधानजाँचकर्ता), डॉ. जे.बी.सिंह (सहजाँचकर्ता) और सुश्री उरलिन कौर (सहजाँचकर्ता) को एसजीजीएससीसी– 304 मिली; 'फूड इन्सिक्योरिटी इश्यूज़ इन चिल्ड्रिन एण्ड वूमन इन नॉर्थ इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू दा नेशनल फूड सिक्योरिटि एक्ट, 2013'।

पुस्तकालय का विकास
4.90 लाख रुपए के परिव्यय के साथ लगभग 1482 पाठ्य/संदर्भ पुस्तकें पुस्तकालय में शामिल की गई। पुस्तकालय में लगभग 45 पत्रिकाऐं आती है जिनका शुल्क 44,000 है। पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के इंट्रानेट के माध्यम से यूजीसी इंफ्लिबेनेट के ई–संसाधन प्राप्त करता है। कॉलेज ने पुस्तकालय विकास पर लगभग 2.3 लाख रुपए खर्च किए।

प्रकाशन
संगीता डोडराजका (2015) सेलिब्रिटी ऐण्डोर्समेंट इफेक्टिवनेस ऑन ब्रैंड लायलिटि। इंटरनेशनल जनरल ऑफ एंडवासड रिसर्च इन मैनेजमैंट एण्ड सोशल साइंस, 4 (12)।
संतविंद्र कौर (2015) कॉरपोरेट डिस्क्लोज़र प्रैक्टिसिज़ इन सिलेक्टिड इंडियन कंपनिज। इंटरनेशनल जरनल ऑफ मैनेज़मेंट 3 (10)।
रेनू गुप्ता (2015) बैंकिंग मार्किट एण्ड दा रन अप टूर्वाडस लिब्रेलाईजेशन। इंटरनेशनल जरनल ऑफ ट्रेड एण्ड ग्लोबल बिजनेस परसपेक्टिव 4(3)।
हरप्रीत कौर, अपर्णा सजीव और सिमरत कौर (2015) सिरियल एण्ड फ्यूल प्राईस इंटररेक्शनः ईक्नामैट्रिक ऐविडैंस फ्राम इंडिया। जरनल ऑफ बिज़नेस थॉट, 6,14–37।

सम्मेलनों का आयोजन किया/भाग लिया
4–5 फरवरी 2016 के 'बूमिंग सर्विंग सेक्टर फ्राम एचिवमेंटस टू ग्रोथ प्रोसपैक्टस' पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या
स्थायी 45
तदर्थ 25

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रुपए में)
संस्वीकृत अनुदानः 1370.00 लाख
उपयोग में लाया गयाः 1365.00 लाख

नियोजन ब्यौरा
क. सफलतापूर्वक नियोजित छात्रों की संख्याः 130
ख. भर्ती के लिए कैंपस आने वाली कंपनियों की संख्याः 14
ग. भर्ती के लिए दोबारा आने वाली कंपनियों की संख्याः 06

विस्तार और पहूँच संबंधी कार्य
क. आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्याः 06
ख. शामिल किए गए लोगों की संख्याः 300
ग. कार्य करने वाले छात्रों की संख्याः 70
घ. समर्पित घण्टों की कुल संख्याः 100 घण्टे

आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंर्तगत छात्रों की संख्या
अंडर ग्रेजुएट आवकः 02

मँगवाई जाने वाली पत्रिकाएं
क. सबस्क्राईब की गई अंर्तराष्ट्रीय पत्रिकाओं की संख्याः02
ख. सबस्क्राईब की गई राष्ट्रीय पत्रिकाओं की संख्याः 28

श्री गुरू नानक देव खालसा कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

यह शैक्षणिक वर्ष सभी मोर्चों चाहे वो शैक्षिक हो, खेल हो या सह–पाठ्यचर्या कार्यकलाप हो पर अच्छा रहा। शैक्षिक रूप से छात्रों ने पिछले वर्ष की तुलना में अधिक प्रथम श्रेणियाँ प्राप्त की। जबकि खेलों में विश्वविद्यालय, अंतर–विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय स्तरों पर छात्रों की प्रशंसा हुई और उन्होंने कई 'मीट रिकार्ड' बनाए। सह–पाठ्यचर्या कार्यकलापों में भी कालेज ने अपनी छाप छोड़ी और अंतर–कॉलेजी प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया और कई पुरस्कार जीते। कॉलेज की अन्य उपलब्धियों में हरित पहल के माध्यम से पर्यावरण पर मुख्य ध्यान देते हुए बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाने के प्रति इसकी वचनबद्धता शामिल है। इसके फलस्वरूप अब पूर्णतः चलित लिफ्ट है।
एक पूर्णतः चलित वर्षा जल संचयन ईकाई है।
एक कार्यात्मक 1 किलोवाट वाला नॉन ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र।
परामर्शदाता कक्ष सहित एक स्वतंत्र डाक्टर/मेडिकल कक्ष।
प्रामाणिक माइक्रोसॉफ्ट विन्डोज़ 10 तथा एमएस ऑफिस वाले छः कम्प्यूटर लैब।
पूर्णत: कम्प्यूट्रीकृत पुस्तकालय ने रद्दी–पेपर को रिसाइकल करके हरित पहल की शुरूआत की।
प्रत्येक कक्षा में मल्टीमीडिया सक्षम शिक्षण माहौल प्रदान करने वाले श्रव्य–दृश्य उपकरण लगाए गए।

उत्कृष्ट उपाधियां/सम्मान

श्री दया शंकर शर्मा को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला ''कार्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी–अकाउंटिंग एण्ड डिस्क्लोज़र प्रेक्टिसिज़ इन इंडिया'' पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

मीना सिंह को पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला द्वारा ''रीजनल ट्रेडिंग ब्लाक्स एण्ड इंडियाज़ ट्रेंड विद नाफ्टा कन्ट्रीज़'' पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

विशिष्ट छात्र

मेघा कुशवाहा को दिल्ली विश्वविद्यालय में बीबीई (89 प्रतिशत) में प्रथम स्थान मिला
राहुल ने एसएएफ खेलों में एथलेटिक्स (पुरूष) में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
विभिन्न अंतर–कॉलेजी प्रतिस्पर्धाओं में वेस्टर्न डान्स सोसाइटी 'मेगस' ने सात प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए। इसे मीडिया फैडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा फिक्की ऑडिटोरियम में आयोजित 10वें मीडिया उत्कृष्टता पुरस्कार 2016 में प्रदर्शन करने का भी सम्मान प्राप्त हुआ।
कॉलेज की भांगडा टीम ने अंतर–कॉलेज तथा अंतर विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धाओं में छः प्रथम पुरस्कार जीते। इसके अतिरिक्त टीम ने रूज़वेल्ट हाउस में अमरीकी राजदूत के समक्ष भी प्रस्तुती दी।
कॉलेज की डिबेटिंग सोसाइटी 'वेदांग' ने भी पूरी दिल्ली में बारह प्रथम पुरस्कार जीते।

शोध परियोजनाएं

विश्वविद्यालय नवोन्मेष परियोजनाएं

'अंडरस्टेडिंग दा ऐटिट्यूड ऑफ कॉलेज स्टूडेटंस टूवार्डस रिलिज़न एण्ड पॉलिटिक्स'
अध्यापकः डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. दविंदर कौर चावला और डॉ. विनयनीत कौर परामर्शदाता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से प्रोफेसर वी उपाध्याय।
छात्रों की संख्या:10
एस.जी.एन.डी 301: 'अवेयरनेस लेवल अमंग पर्सनस विद डिस्ऐबिलिटिस (पीडब्ल्यूडी) रिगार्डिंग गवर्नेमेंट प्रोग्राम्स एण्ड क्नसेशंन्सः ए स्टडी ऑफ पीडब्ल्यूडी इन डेल्ही सलम'
अध्यापकः डॉ. पीके मेहता, डॉ. मनमोहन कौर और डॉ. मीना सिंह
परामर्शदाताः डॉ. वंदना मिश्रा
छात्रों की संख्याः 10
एस.जी.एन.डी 302: 'रिस्पांस ऑफ यूथ टूवार्डस स्वदेशी इनिशिऐटिवस इन इनडिपेंडट इंडियाः आईडेंटिफाइंग चेलेंजेज़
अध्यापक डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. गुरमोहिन्द्र सिंह और डॉ. विनयनीत कौर
परामर्शदाताः स्वदेशी जागरण मंच से श्री कमलजीत
छात्रों की संख्याः 10

पुस्तकालय का विकास

सामान्य पुस्तकें:1600
एस.ए.एफ (छात्र सहायता निधि): 129
बी.बी.ई(बैचलर ऑफ बिज़नेस इकॉनामी): 28
हिन्दी पत्रकारिता: 152
चालू वर्ष में सबस्क्राईब की गई पत्रिकाएं: 17
पत्रिकाएं: 35
समाचार पत्र: 21
प्रकाशन
धनश्याम बेरवा (2015): इंटर स्टेट डिस्पेरिटिज़ इन पब्लिक ऐक्सपेंडिचर आन प्राईमरी ऐजूकेशन इन इंडिया। जनरल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड इनफारमेंशन सिस्टमस 2(1)
प्रिया जैन (2016) दा कन्सेप्ट ऑफ एग्ज़ाईल इन दा फिक्शन ऑफ कानरेड। दिल्ली: नार्दनबुक सेंटर
बलबीर कुंद्रा (2015) हिन्दी भाषा और संप्रेषण। दिल्ली: दीपशिखा प्रकाशन।
पी.के मेहता और मीना सिंह 2016 टेक्स्ट बुकस ऑन माइक्रोइकानॉमिक्स टेक्स मैन पब्लिकेशन्स (पी) लिमिटेड, दिल्ली।
पी.के मेहता और मीना सिंह, 2015 'इण्डियाज़ ट्रेड विद नाफ्टा कंट्रीजः ग्रोथ एण्ड कंपोजिशन' इन मैन एण्ड डिवलेपमैंट संग्रह–37 संख्या–2, जून।

सम्मेलनों का आयोजन किया/ भाग लिया

21 से 31 मार्च 2016 को शोध समिति द्वारा एस.जी.एन डी खालसा कॉलेज, देवनगर में 'रिसर्च मैथाडालाजी इन सोशल सांईसिज़' विषय पर यू.जी.सी प्रायोजित एक दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
17 मार्च 2016 को सोफिका सोसाइटी फार फाइनेनशियल लिट्रेसी एण्ड कंजयूमर अवेयरनेस के साथ सहयोग में उद्यमिता (एंडर प्रिनोयरशिप सोसाइटी) द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के घरेलू चेस्ट आडिटारियम में स्टॉर्टअप इंण्डिया दा रोड अहेड विषय पर कॉलेज के वार्षिक कन्वेनशन का आयोजन किया गया।
9–10 फरवरी, 2016 को अंग्रेजी विभाग द्वारा एस.जी.एन.डी खालसा कॉलेज, देव नगर में 'एक्सजीसस ऑफ स्पेस इन लिट्रेचर एण्ड कर्लचर' विषय पर यू.जी.सी प्रायोजित एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।
30 मार्च 2016 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एसजीएनडी खालसा कॉलेज, देवनगर में 'मेक इन इंडिया' विषय पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक एक–दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।
25–26 फरवरी 2016 के हिन्दी विभाग द्वारा एसजीएनडी खालसा कॉलेज देव नगर में 'संस्कृति, मिडिया और उपभोक्तावाद' पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक दो–दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।
17 सितंबर 2016 को इंटरनेट पर मुक्त शैक्षिक संसाधनों के साथ अध्यापकों को जागरूक करने के लिए कॉलेज में एक एक–दिवसीय ओईआर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4–5 मई, 2015 को ब्रिस्टिल होटल, गुड़गॉव में 'अप्रोचिज़, प्रोसेसिस एण्ड टूल्स ऑफ ऐजूकेशन्स' विषय पर कॉलेज द्वारा एक दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य संकाय विकास था।
एस.जी.एन.डी. खालसा कॉलेज में फरवरी, 2016 को हुए यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार 'एक्सजोसिस ऑफ स्पेस इन लिटरेचर एण्ड कल्चर' पर 'बियोंड इंटरप्रेटिड कंफाईसः इन महाभारतताज़ द डाईसिंग' लेख अभिषेक शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।
भगवंत कौर ने 9 जनवरी 2016 को इंटरनेशनल सेन्टर ऑफ सिख स्टडीज़ '' यूरोपियन सोर्सेज ऑन बाबा बन्दा सिंह बहादूर'' नामक एक लेख प्रस्तुत किया और 11 और 12 दिसम्बर 2015 को वूमेन्स सेन्टर पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में '' एम्पावरिंग वूमेन एम्पावरिंग ह्यूमेनिटी'' शीर्षक पर हुए अंतर्राष्ट्रीय संम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की
गुनताशा कौर ने एस.जी. एन. डी. खालसा कॉलेज में फरवरी 2016 को हुए यू जी सी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार में श्जेन्डर एण्ड स्पेस इन सिख जर्नल्सश्‍ लेख प्रस्तुत किया; दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 7–9 सितम्बर, 2015 को हुए राष्ट्रीय संम्मेलन में ''पंजाबी लैंग्वेज एण्ड मॉडर्न सिख आइडेन्टिटी(1900–1920)'' नामक एक लेख प्रस्तुत किया।
जास्मीन कौर ने एस.जी. एन. डी. खालसा कॉलेज में 30 मार्चए 2015 को ''मेक इन इंडिया–ए ड्रीम कम ट्रू और ए डिस्टेन्ट रिएलिटी'' शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया।
जस्विन्दर कौर बिंद्रा ने पंजाबी साहित सभा में 30 मार्च, 2015 को ''हर वार नवा मोड़ मुड़दी जिन्दगी'' नामक लेख प्रस्तुत किया।
मन मोहन कौर ने 11 और 12 दिसम्बर 2015 को वुमेन्स सेन्टर पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में '' एम्पावरिंग वूमेन एम्पावरिंग ह्यूमेनिटी'' शीर्षक से हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
मनमीत कौर ने आई आई एम कोलकाता में 16 दिसम्बर, 2015 को '' एन इवेल्यूएशन ऑफ कार्पोरेट गवर्नेंस इन्डेक्स एण्ड पर्फोर्मेंस ऑफ बैंक्स इन इंडिया'' एक लेख प्रस्तुत किया।
परमजीत कौर ने इंटरनेशनल सेन्टर ऑफ सिख स्टडीज़ में 9 जनवरी, 2016 को '' डा. गैंदा सिंह रचित पुस्तक– बाबा बन्दा सिंह बहादुरःपुनर्विचार'' लेख प्रस्तुत किया; भाई वीर सिंह साहित्य सदन, नई दिल्ली में अक्टूबर 2015 में ''गुरू ग्रंथ साहिबःसमझ अते वातावर्णिक दृष्टि'' लेख प्रस्तुत किया।

सुखविन्दर कौर और मनमीत कौर ने 30 मार्च, 2016 को एस.जी. एन. डी. खालसा कॉलेज में "स्टार्ट अप्स–द अवेकनिंग इंडिया इन नेशनल सेमीनार ऑन मेक इन इंडिया" शीर्षक वाला एक संयुक्त लेख प्रस्तुत किया।

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय संख्या

स्थायी संकाय सदस्य रू 57
तदर्थ संकाय सदस्य रू 26

वित्तीय आबंटन और उपयोग (रूपयों में):

गैर–योजना व्यय लगभग 2014.00 लाख रूपये है।

प्लेसमेंट का ब्यौरा

(क)सफलतापूर्वक नियोजन पाने वाले छात्रों की संख्या: 86
(ख) कैम्पस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियां/इंडस्ट्रीज़: 7
(ग) दोबारा आने वाली कम्पनियां: 4

विस्तार और आउटरीच कार्य

(क) आस पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या : 4
(ख) कैम्पस से पंजीकृत लोगों की संख्या :165
(ग) इन शिविरों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या : 57

सबस्क्राइब जर्नल: 04
संचार माध्यम
कम्यूनिकेटर
इंडियन लिटरेचर
फॉरेन ट्रेड रिव्यू

श्री गुरू तेग बहादुर खालसा कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज अपने विका और नए सत्र के नए चरण हेतु तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम अवसंरचना विस्तार, विज्ञान प्रयोगशालाओं के उन्नयन, क्रीड़ा सुविधाओं ओ पुस्तकालय संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकगण आईसीटी साधनों के प्रयोग करके वैश्विक ई–अभिग्रहण प्रक्रियाओं में प्रोन्नतियों की तर्ज पर नए शैक्षणिक कौशल को आत्मसात करने में सतत् प्रयासरत हैं। हमारी कंप्यूटर विज्ञान, न्यायालयिक विज्ञान और प्रबंधन अध्ययनमें नए पाठ्यक्रम लागू करने की योजना के साथ–साथ रोमांचक खेल जोड़ने जैसे पाठ्यक्रम भी जोड़ने के लिए प्रयासरत हैं। संकाय गूजवत्ता शिक्षा प्रदान करने के अलावा छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी उनवरत रू‍प से कार्यरत है। परिवर्तित पाठ्यक्रम और निरंतर परिवर्तित आजीविका संभावनाओं की चुनौतियों से कॉलेज निपट रहा है। इन कार्यकलापों के अलावा, नियमित कार्यक्रम और कार्यकलाप जैसेकि अनुस्थानपन दिवस, स्थापना दिवस, वार्षिक दिवस और वार्षिक मेला अत्यंत उत्साहपूर्वक आयोजित किए गए। अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप था, वनस्पति उद्यान का नवीनीकरण जिसमें अनेक औद्याधीय और सुगंधित पौधे लगाए गए। मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षक और प्रशिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत तीन विषयों नामतः रसायन, वाणिज्य और अर्थशास्त्र के लिए प्रतिष्ठित ''शिक्षण अभिग्रहण केंद्र'' का आबंटन हाल में ही श्री गूरू तेग बहादूर खालसा कॉलेज को किया गया हे। यह केंद्र गुरू अंबद देव शिक्षण अभिग्रहण केंद्र के रू‍प में शीघ्र कार्य करन प्रारंभ करेगा।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

हमें याह सहभाजन करते हुए गर्व है कि तीन संकाय सदस्यों–डॉ. मिश्रा, डॉ. नचिकेता सिंह और श्री धर्मेन्द्र कुमार को लिंग संवेदनशीलता में योगदान करने हेतु 17 मात्र, 2016 को ''लाडली मीडिया और विज्ञापन पुरस्कार 2014–15'' प्रदान किया गया।

वर्ष 2015–16 में तीन संकाय सदस्यों ने पीएच.डी पूर्ण की–डॉ. अखिलेश कुमार ओर डॉ. माधवी जुत्शी, अंग्रेजी विभाग और डॉ. हर्षदीय कौर, वाणिज्य विभाग। ''खेल क्रीड़ा '' का संपादन करके द्विभाषी मासिक खेल समाचार–पत्र की प्रथम महिला संपादक बनने पर डॉ. स्मिता मिश्रा का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया।

डॉ. कोमल कामरा, पीओ नवाचार परियोजना ''मेरूदण्ड छेड़छाड़ और चोट की जानकारी और जागरूकता प्रदान करने हेतू मोबाईल एप आधारित प्रयोक्ता अनुकूल एन्ड्रायड विकास'' को श्रेष्ठ नवाचार और डिजिटल दुनिया में नवाचार और श्रेष्ठ डिस्पले हेतु शिक्षण उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रसायन, वाणिज्य, न्यायालयिक, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, और व्यापार अर्थशास्त्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के ई–पीजी पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत स्नातकोत्तर हेतू डिजिटल सामग्री तैयार करने में ई–अभिग्रहण केंद्र पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। अब इन विषयों का चयन उनकी ई–सामग्री को एमओडीसी (वृहत मूक्त आनलाईन पाठ्यक्रम), शीघ्र, प्रारंभ होने वाली नई परियोजना, के विकास हेतु अगले चरण में ले जाने के लिए हुआ है।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. कोमल कामरा डीएसटी की परियोजना पर कार्य कर रही हैं जिसका शीर्षक है ''प्रदूषण के संसूचकों के रूप में मूक्त जीवन्त रोमक प्रजीवों के लक्षण–वर्णन और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, भारत के जरिए बह रही यमुना नदी के सूक्ष्म–पारिस्थितिकी पर उनका प्रभाव।

विलूप्त अपराध घटना पर अंगुली–छाप का संसूचन–दिल्ली विश्वविद्यालय वित्त–पेषित परियोजना, डॉ. जी.एस.सोढ़ी।
सीएसआईआर वित्त पोषित ''नई भौतिकी के संकेत–वर्तमान और भावी विरोधक''। डॉ. ममता

पूस्तकालय विकास

पूर्ण स्वचालित, कंप्यूटरीकृत और सुसज्जित पुस्तकालय एक मूल्यवान संसाधन के रूप में ऊभर रहा है। परिवर्तित पाठ्यक्रम से तालमेल के लिए पुस्तकालय ने स्टाफ और छात्रों के लिए 12 जनवरी, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से विद्यमान ई–साधनों ओर खेज तकनीकी की जागरूकता पर एक सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया। मुर्दित जर्नल के अलावा पुस्तकालय ने आईएनएफएलआईबीएनईआई के एन–लिस्ट (अध्ययनशील विषय वस्तु हेतु राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा अवसंरचना) कार्यक्रम को भगाना शुरू किया है। इसने छात्रों और स्टॉफ को पूरे वर्श 24X7 अधिकांश ई–संसाधन की अभिगम्यता दी है। संग्रहण में जोड़ी गई पत्रिकाओं और जर्नल में हैं: करेंट साईंस, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रडिशनल नॉलेज, रिसोनांस एंड इंडियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। कुछ पत्रिकाएं हैं: आजकल, आलोचना, हंस और आर्गेनाईजर।

प्रकाशन

अग्रवाल, वी. (2015), पिछले दिनोंः वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
अग्रवाल, वी. (2015), संपादन 'प्रेमचंद की संपूर्ण कहानियां' वाणी प्रकाशन
घाली, आर. (2015), भारतीय इतिहास कांग्रेस द्वारा प्रकाशित भारतीय इतिहास कांग्रेस, 75वें सत्र की कार्यवाही में ''राजस्थान में 19वीं और 20वीं सदी में लोक संप्रदाय के ब्राहणवाद की प्रकिया की 83–789 खोजः गोग अध्ययन,'' अलीगढ़
कौर, एस. (2015),एक व्याख्या 'न्यूरोस्पोशः एक संघटित शरीर रचनाः दि बोटेनिका, खंड 64 व 65, 17–22
कुमार, एस., कामरा के., भारती,डी., ला तेजा, ए. सेहगल, एनः, वारेन, ए., एंड सपरा, जी.आर. (2015), साईलेंट नेशनल पार्क, भारत से स्टरकीलेटेट्रसिराटा एन.एसपी. (सिलोओफोरा, आक्सी ट्राईचाईड) से आकृति–विज्ञान, संरचना विकास और आणविक फाईलोजीनी इरोप. जे. प्रोटिस्टोल, 51,86–97
पाहवा,के.के (2016), पंजाबी सहित परिपेख शिलालेख प्रकाशन, दिल्ली
रैना, एच.एस., रावत, वी., सिंह, एस., डेभी, जी., शकरड, एम., राजगोपाल, आर (2015) आर्सिनोफोनस का उन्मूलन और प्रतिजैविक उपचार द्वारा जीवाणु सहजीविता विविधता में कभी से श्वेत मसिका की दुरूस्ती में वृध्दि, बेमिसिएटाब की संक्रमण, आनुवांशिक और क्रमिक विकास, 32:224–230. Doi:http://dx.doi.org/10.1016/j.meegid.2015.03.022
सिंह, एच. (2015) संपादनः गदर का गुंजनः मनप्रोत प्रकाशन, दिल्ली–31
सिंह एच, (2015) संपादन 'बन्नी गुरू तेग बहादुर', एचके प्रकाशन, दिल्ली–31
सिंह, जे., कामरा के., (2015) यूरोसोमाईडा–नोटोहाईमेना–साईरटोहाईमेना ग्रुपके ओंटोजेनेसिस पर टिप्पणी सहित साईरटोहाईमेनासिट्रिना (साईलोफोरा, हाईपोट्रीचा) की भारतीय संख्या का आकृति–विज्ञान और आणविक फाइलोजीनी, ईरोप जे प्रोटिस्टोल,51,280
लघवा, जे.के. (2016) भारतीय केंद्रीय सरकार के वित्त का अनुभूतिमूलक विश्लेषणः प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में 4(1), 257–266

सम्मेलन आयोजित/प्रतिभागिता

अपराध स्थल प्रबंधन पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 3 व 4 मार्च, 2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठि व कार्यशास्त्र प्रायोजित
यौन उत्पीड़न निवारक समिति ने कामकाजी महिलाओं के सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 13 अक्तूबर, 2015 को कॉलेज में साईबर सूरखा पर एक कार्यशाला आयेजित की। कार्यशाला का आयोअन गूगल (भारत) के साहयोग से अखिल भारतीय महिला शिक्षा निधि एसोसिएशन ने किया।
युवा और राष्ट्रानिर्माण के लिए रोमांचक खेलों पर देश का पहला सेमिनार एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने आईएमएफ के साहयोग से अयोजित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन 20 मई, 1965 को एवरेस्ट पर्वत के भारत के प्रथम सफल सम्मेलन की स्वर्ण जयंती पर किया गया।

संकाय संख्याः स्थायी संकाय : 99 अस्थायी संकाय : 01; तदर्थ संकाय : 44

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता (रुपये में)

मंजूर अनुदान : 267,386,532/-

उपयोगित : 268,386,532/-

दायर/मंजूर पेटेंट

नियुक्ति ब्यौरा

सफल नियुक्ति ब्यौरा पाने वाले छात्रों की संख्या : : 70+

भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 20

पुनः आने वाले नियोक्ता : 02

विस्तार और अभिगम्यता कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या : 02
(एम्स स्कूल प्रोजेक्ट मार्गदर्शन के साथ वक्ष/मुंह कैंसर जागरूकता)

अभिदत्त जर्नल

क. अभिदत्त अंतर्राष्ट्रीय जर्नल की संख्या (आर्नलाईन और पेपर बैंक संस्करण): दो पत्रिकाएं: दि इकोनोमिस्ट और टाईम
ख. अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नल की सांचा (आनलाईन और पेपर बैक संस्करण) :12 जर्नल, 16 पत्रिकाएं एनसूची के जरिए ई संसाधन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज वाणिज्य विषय में दूरस्थ अभिग्रहण में 2500 छात्रों को शिक्षण सुविधाएं भी प्रदान कर रहा है।
सीआईएसएफ द्वारा महिला आत्म–रक्षा कार्यशाला: महिलाओं के प्रति बहते अपराध को ध्यान में रखते हुए कॉलेज ने केंद्रीय भारतीय सुरक्षा बल और दिल्ली पुलिस के सहयोग से 15 दिवसीय महिला सुरक्षा शिविर आयोजित किया जिसका उद्घाटन 20 सितंबर, 2015 को हुआ।
भारत–पाक युदृध 1965 की याद: शांति और विवाद के 50 वर्ष के आयोजन पर 21 सितंबर,2015 को एक संगोष्ठि का अयोजन किया गया और यूद्ध सैनिकों के साथ–साथ आम आदमी जिन्होंने खेतों में कार्यरत पंजाबी कृषकों द्वारा सैंकडों पेरा–सैनिकों की भोज विफल करने पर, रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में कार्य किया।

कॉन्फेरो

आदर्श संयुक्त राष्ट्र ने 2 और 3 अप्रैल, 2016 को सम्मेलन आयोजित किया और उत्तरी कैम्पस में याह सबसे बडा एमयूएन था
जिसमें अखिल भारत से 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के लिए शैक्षणिक वर्ष 2015–16 एक और पुरस्कृत वर्ष रहा। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रामाणन परिषद ने कॉलेज के 'क' ग्रेड प्रदान किया। इसने शैक्षणिक और संबंधित कार्यकलाप में उत्कृष्टता के अपने चलन को जारी रखा। संकाय और छात्र भी शैक्षणिक, अनुसंधान, साहित्य, प्रकाशन और विषय विकास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान करके कॉलेज के उन्नयन में लगातार योगदान कर रहे हैं। कॉलेज ने अनुसंधान और छात्र विनियम कार्यक्रम के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अनेक समझौते किए हैं।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

कॉलेज की शैक्षणिक समृद्धि में एनएएसी के ग्रेड 'ए' का प्रमाणन प्रमुख घटना रही।
कॉलेज जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमरीका से संबद्ध रहा और 'फोल्डस्कोप' पर एक कार्यशाला आयोजित की।
कॉलेज के जैव सूचना केंद्र को अति विशिष्ट जर्नलों में अधिकतम प्रकाशनों के डीबीटी–बीटीआईएस में प्रथत पुरस्कार प्रदान किया गया।
डॉ. वंदना जोशी, इतिहास विभाग का ईंस्टिट्यूट ऑफ कल्चरल स्टडी, हमबोल्डट् यूनिवर्सिटी, बलिन, जर्मनी ने एलेकजेंडर वोन हमबोल्डट् फैलों के रूप में चयन किया है। वे इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चरल स्टडी, हमबोल्डट् यूनिवर्सिटी, बलिन, जर्मनी ने एलेकजेंडर वोन हमबोल्डट् फैलों के रूप में चयन किया है। वे इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चरल स्टडी, हमबोल्डट् यूनिवर्सिटी, बर्लिन, जर्मनी में अतिथि प्रोंफेसर भी है। डॉ. ई. मूरलीधर राव, तेलुगु विभाग, को तेलुगु साहित्स में उत्कृष्टता के लिए मन्मथ उगादी पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ. राव को तेलुगु साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

डॉ. वर्तिक माथुर, प्राणी–विज्ञान विभाग के द्विवतीय पर्यावरण और पारिस्थिति की अंतराष्ट्रीय सम्मेलन जिसका आयोजन अंतर्रष्ट्रीय पर्यावरण और परिस्थितिकी फाउंडेशन ने 7 मार्च, 2016 को भारतीय विश्वविद्यालय, कोमम्बतूर, तमिलनाडु, भारत ने किया, में रसायन–विज्ञान पारिस्थितिकी के क्षेत्र में ''वर्ष 2015 का युवा वैज्ञानिक'' पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अनुसंधान परियोजनाए

सर वेंकटेश्वर कॉलेज में अनुसंधान एक धारणा का अभिन्न अंग है। कॉलेज ने प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ अनेक अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय सहयोग करके स्नातक–पूर्व अनुसंधान की महत्ता बढ़ाई है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय विनियम कार्यक्रमों के अंतर्गत बेलारूस, रूस और नीदरलैंड जैसे देशों से प्रतिष्ठित फैलोशिप के साथ–साथ अनुसंधान परियोजनाएं प्राप्त हुई।

बेलारशियन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से डीएसटी भारत–बेलारूस विनिमय कार्यक्रम (2015) के अंतर्गन डॉ. एन.लता की परियोजना शीर्षस्थ'' जैवआसूचना और नेनोऔषध में योगदानः नई लघु पेप्टाइड और फैटी एसिड के साथ–साथ उनके स्व–संकलित नेनो स्ट्रक्चर का संक्रमित रोगों के प्रति आणविक साधन के रूप में उनका कंप्यूटशनल, जैवरसायन और जैवभौतिक मूल्यांकन'' का संयुक्त कार्यान्वयन हेतु अनुयोदन हुआ। इसे ''भारत बेलरूस संयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी ''डीएसटी, भारत सरकार के अंतर्गत 2015 में अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय सहयोग के अंतर्गत किया गया।

डीएसटी, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा भारत–रूस परियोजना के अंतर्गत डॉ. अनंत पांडे अनुसंधान प्रस्ताव शीर्षस्थ ''हैवी चार्जड् पार्टिकल्स और इलैक्ट्रोमेग्नेटिक रेडिएशन की डोसिमेट्री में उनके अनुप्रयोग हेतु नेनोक्राईस्टेलाईन थर्मोलूमिंसेंट फोस्फोरस का संश्लेषण'' के लिए अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुई।

कॉलेज को राष्ट्रीय स्तर पर क्लस्टर नवाचार केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत रुपये 1 करोड़ 20 लाख मूल्य की पांच सितारा नवाचार परियोजनाए सफलतापूर्वक प्राप्त हुईं। जैवरसायन, वनस्पति–विज्ञान, और भौतिकी ने इन परियोजनाओं की मंजूरी दी है जिसके प्रथम चरण की अनुदान रुपये 77 लाख है। इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित संकाय सदस्यों को डीबीटी और डीएसटी जैसे वित्त–पोषित एजेंसियों द्वारा व्यैक्तिक अनुसंधान परियोजनाएं प्राप्त हुईः

डॉ. वंदना मल्होत्रा को डीबीटी की पुमख परियोजना शीर्षस्थ ''एम.टूबरकोलोसिस प्रोटीन किनासे के की हाई–थ्रुआउट सब्सट्रेट प्रोफाईलिंग'' प्राप्त हुई जिसका मूल्य 4400 लाख है।

डॉ. के चद्रमणि सिंह को परियोजना शीर्षस्थ ''फैरोइलेक्ट्रिक एंड पीजोइलेक्ट्रिक प्रोपर्टिज ऑफ मोडिफाईड बेरियम टिटानेट सिरेमिक'' के लिए रुपये 28.44 लाख की डीएसटी बाइय अनुसंधान वित्त–पोषण मंजूर किया गया।

एनएएमएसएंडटी केंद्र–डीएसटी ने विषय शीर्षस्थ'' टमाटर (लाईको पर्सिकोन इनकूलेंटम) के संघटन और प्रेरित प्रतिक्रिया पर जैव उर्वरकों का प्रभाव'' के लिए रुपये 2,70,000/– मूल्य के विकासशील देश वैज्ञानिक हेतु अनुसंधान प्रक्षिण फैलोशिप प्रदान की गई। कॉलेज ने विगत वर्ष में दिल्ली विश्वविद्यालय से 14 नवाचार अनुसंधान परियोजनाएं प्राप्त हुई जिनमें विभिन्न विभागों के संकाय सफल अंतर–आयामी के साथ–साथ पार–आयामी अनुसंधान कर रहे है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत अनुसंधान वाले विषय हैं– जैव विविधता, नेनोप्रौद्योगिकी, जिनोमिक, संगाल एंतिहासिक खगोल विद्या और भारत की विलुप्तप्रायः भाषाएं हैं।

पुस्तकालय विभाग

केंद्रीय पुस्तकालय में एक लाख बीस हजार से अधिक पुस्तके हैं और 65 जर्नल/पत्र–पत्रिकाओं और चार भाषाओं में 14 समाचार मंगवाए जाते हैं। इसमें 250 से अधिक शैक्षिणक सीडी और विश्वकोश के लगभग 20 सैट हैं। कॉलेज का पुस्तकालय मुक्त अभिगम्य प्रणाली सहित पूर्णतः स्वचालित है जो छाों और संकाय को ई–संसाधनों (ई–जर्नल,ई–पूस्तकें और यूजीसी–इंफों नेट डिजिटल पुस्तकालय संघ और एन–सूचि) को सुगम अभिगम्यता प्रदान की जाती है। छात्रों को कॉलेज में दिल्ली विश्वविद्यालय के नेटवर्क पर उपलब्ध ई–संसाधनों की अभिगम्यता है। कॉलेज में अनेक ऑनलाईन आधार आंकडे नामतः जेसीआईडीआर, प्रोजेक्ट एमयूएसई, पीआरओडब्लयूईएसएस, पीयूबीएमईडी, इंडियास्टेट, सांईंस डायरेक्ट, प्रोक्वेस्ट आदि उपलब्ध हैं।

प्रकाशन

अनुसंधान और नवाचार को शोध–पत्रो, समीक्षा लेखों, पुस्तकों, पुस्तक अध्याय और समाचार–पत्र कॉलम के रूप में संबंधित साहित्य में नियमित रूप से परिवर्तित किए जाए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नल में 52शोध7प़ प्रकाशित किए। इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों ने 8 पुस्तके, 10 पुस्तक अध्याय और विभिन्न भाषाओं के सामाचार–पत्रों और पत्रिकाओं में अनेक लेख प्रकाशित किए। शोध करने वाले छात्र जर्नल और सम्मेलनों में प्रकाशित शोध–पत्रों के सक्रिय योगदानकर्ता हैं। संकाय सदस्यों ने यूजीसी व्याख्यानमाला में सहभागिता की और प्रभावकारी व्याख्यान दिए।

प्रकाशन

ज्योति तलवार, आर.के.मोहंती और स्वर्ण सिंह (2015) ए न्यूस्प्लाईन इन कम्पैरिजन एपरोक्सिमेशन फॉर वन स्पेस डायमेंशलनल क्वासीलीनियर पेराबोलिक इक्वेशंस ऑन ए वेरिएब मेश, एप्लाईड मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटेशन, 260, 82–96 एलसेवियर साईंस इंक (अमरीका), एससीआई।

कुमार, कृष्णा, (2015) लोषल इमबेलेन्सीज सिंस दि फाइनांशियल क्राइसिसः इफेक्ट आन इमरजिंग मार्केट इकोनोमिक्स। वर्ल्ड एफेयर्स. दि जर्नल आफ इंटरनेशलन इश्यू, खण्डः 19

मीता जे अडवाणी, मालिनी राजगोपालन और पी.हेमलता रेड्डी (2014), संक्रमण में एम. टूबरकुलोसिस एच 37 आरबी से कल्मोड्यूलिन प्रकार का प्रोटिन वांछित है *Sci Rep*. 4:6861 doi. 10.1038/srep06861. ISSN: 2045-2322. Impact factor: 5.578.

राजशेकर, के, एम नारायणस्वामी, एम कुहार, एस वैश्य, आर शनमुगनायन, एन देवराज (2015). इंटरवर्टेब्रल डिस्क डीजनरेशन में एपोपटोसिस, नेकरोसिस अथवा सिनेसीन प्रवृत करने में ऑक्सीडेटिव दाब की भूमिका, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लनरी एजूकेशनल रिसर्च, 4 (1): 114–133,

सिंह ए के, राठोड़ एस, तंग वाई, गोल्डफार्ब, एन ई, डन बीएम, राजेन्द्रन वी. घोष पी सी, लता एन, सिंह वी और राठी बी. (2015), प्लाज्मेप्सिन हिट्स की नई श्रेणी के रूप में फथलीमाईड्स आधारित हाईड्रोक्सी इथीलमाइनः डिजाईन, संश्लेषण और मलेरियारोधी निर्धारण, प्लोस वन (स्वीकार्य)

शैलजा ठाकुर (2015), जानजातीय उद्यमिता की समझ, औपचारिक और अनोपचारिक संस्थानों पर प्रभावस मीजो उद्यमियों का मामला अध्ययन मानव और समाज, आईसीएसएसआर

विवेकनंथन, एस. (2015), अविकल यूथंकल पीकलः वरालारम वाझीपादय (स्प्रिट, डिमोन और डेविड का अध्ययन), चैन्नईः काव्य प्रकाशन।

सम्मेलन आयोजित/प्रतिभागिता

प्रोफेसर मनु प्रकाश, स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा डिजाईन और विकसित 'फोल्डस्कोपः दि 'ओरिगामी माईक्रोस्कोप' हेतु कार्यशाला के आयोजन में श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, डीबीटी और स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय से संबद्ध हुआ''। यह कार्यशाला अपने आप में अनूठी है और स्कूल व कॉलेज के छात्रो, वैज्ञानिको और संकाय सदस्यों ने इसकी काफी सराहना की। फोल्डस्कोप पर हस्तप्रशिक्षण, इसके प्रयोग के प्रशिक्षण ने प्रतिभागियों को घंटो तक बांधे रखा। ओरिगामी आधारित साईक्रोस्कोप में बाल, पत्तियों, कोटो आदि के नमून देखकर प्रतिभाषियों को एन नए किस्म का अनुभव हुआ (दिसंबर 2015)

कॉलेज का प्रख्यात डीबीटी विज्ञान–सेतु कार्यक्रम का हिस्सा बनने हेतु चयन किया गया जिसका उद्देश्य स्नातक पूर्व कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों के बीच खाई को पाटने, लम्बवत अंतः संवाद करने और छात्रों की गतिशलता है। इसके अंतग्रत प्रतिष्ठत राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान, नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है, एक अंतः संवाद सत्र का आयोजन किया गया जिसमें एनआईआई के वैज्ञानिक डॉ. विनय के नंदीकूरी, डॉ. प्रफुल टेलर और डॉ.ए.के.बनर्जी ने छात्रों से एचआईवी, एड्स, विषाणु आदि पर वार्ता की (अगस्त 2015)।

दायर/मंजूर पेटेंट :

डॉ. आर.पी.सिंह रसायन विभाग को ''एरिल अलकी इर्थस एंड मैथड देयरऑफ'' पर पेटेंट मंजूर किया गया। भारतीय पेटेंट संख्या 2406/DEL/ 2015.

विनिभय कार्यक्रमः

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज यूनाइटिड किंगडम के साथ हस्ताक्षरित हुए समझौता–ज्ञापन का पक्षकार रहा है और विगत चार वर्षों से यूकेआईईआरआई (यूके–भारत शिक्षा अनुसंधान पहल) नामक छात्र विनिमय कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है। वर्ष 2015 में कार्यक्रम जिसका यूग–यूके भारत अध्ययन भारत कार्यक्रम 2015 के रूप में पुनःनामकरण किया गया था, की अत्यंत प्रशंसा हुई क्योंकि कॉलेज ने विनिमय की भावना को विदेशी प्रतिभागियों के लिए वास्तविक अनुभवमें परिवर्तित किया। विभिन्न ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के चालीस छात्रों हमारे यहां आए और भारतीय विश्वविद्यालयों में कक्षा शिक्षण और प्रयोगशाला पद्धति में अंतर्दृष्ट प्राप्त की। उनका भारतीय संस्कृति में भी प्रकटन हुआ जिसकी उन्होंने प्रशंसा की। हमारे छात्रों ने अपने साथी ब्रिटिश छात्रों से संवाद किया और विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक विषयों पर चर्चा की।

सदभावनाः हमारे कॉलेज के संकाय सदस्यों और छात्रों ने जम्मू व कश्मीर के आतंक–ग्रस्त क्षेत्रों के ग्रामों में भारतीय सेना के सहयोग से सदभावना ट्रिप में भाग लिया। इसमें जोकि अब वार्षिक कार्यक्रम बन गया है, हमारे छात्रों ने राज्य के आतंकग्रस्त क्षेत्रों के अपने साथियों के साथ उनकें विश्वास की भावना उजागर की और भारत की मुख्य धारा में जोड़ने में उनकी मदद की। इस पर्यटन को काफी सफलता मिली और विभिन्न सामाजिक चुनौतियों का सामना करने वाले विभिन्न लोगों के प्रति हमारे छात्रों को संवेदी भी बनाया।

टेरीः कालेज, ऊजा और संसाधन संस्थान द्वारा प्रायोजित 'टेटरापैक यूवा पहल कार्यक्रम' का हिस्सा रहा और संलिप्त छात्रों और शिक्षकों ने विभिन्न उन्मुख कार्यक्रम और व्याख्यान में भाग लिया।

'विज्ञान को विद्यालय तक ले जाना': सामुदायिक आभिगम्यता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के शिक्षकों ने विद्यान, सोनीपत, हरियाणा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया और माध्यमिक छात्रों को कुछ मूलसूत्र प्रयोगों का प्रदर्शन किया।

सैंट स्टीफन कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलउब्धियां

सैंट स्टीफन कॉलेज में शिक्षा में सदैव चरित्र निर्माण, कॉलेज के सभी संघटकों में संबंध गहरे करने और राष्ट्रीय चेतना और सार्वजनिक सेवा की भावना पोषित करने पर जोर दिय जाता रहा है। यह विरासत इस अभिज्ञान से जारी है कि प्रत्येक महान परम्परा को सुरक्षित रखने, नवीनीकरण करने और सदैव परिवर्तित परिवेश में पुनः व्यक्त करने की आवश्यकता है। डॉ. (सेवा–निवृत) वल्सान थंबु 29 फरवरी, 2016 को प्रधानाचार्य के पद से सेवा–निवृत हुए और प्रोफेसर जॉन वर्गीज ने कॉलेज के 13 वें प्रधानाचार्य के रूप में 1 मार्च,2016 को कार्यभार ग्रहण किया। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में कॉलेज ने एनएएसी से सर्वोच्च ए ग्रेड प्राप्त किया। शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में कॉलेज ने अपने छात्रों को देश में उपलब्ध श्रेष्ठ शैक्षणिक और पाठ्येत्तर परिवेश प्रदान करने की परंपरा जारी रखी। कॉलेज ने स्थापना दिवस पूर्व छात्र मिलन, कॉलेज दिवस समारोह और विदाई सेवा अयोजित की। इसमें सक्रिय सोसाइटियों की अनेक सोसायटी क्लब और सैल जैसे कि वाद–विवाद सोसायटी, शेक्सपीयर सोसायटी, छात्र यूनियन सोसायटी, सामाजिक सेवा लीग आदि है और इन्होंने सराहनीय कार्य किए हैं और इनकी अनेक उपलब्धियां हैं।

क. नागरिकता और सांस्कृतिक समृद्धता पाठफयक्रम
ख. शैक्षणिक सभा

कॉलेज में अनेक सकिगय शोध–केंद्र हैं। सैंट स्टीफन सैद्धांतिक भौमिकी केंद्र छात्रों को सैद्धांतिक भौमिकी में उन्नत शोध परियोजनाएं चालू करने का अवसर प्रदान करता है। लिंग–भेद, संस्कृति और सामाजिक प्रक्रिया केंद्र संस्कृति और सामाजिक विज्ञान विषयों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करता है। अनुवाद अध्ययन केंद्र नियमित रू॰ से सेमिनार और कार्यशालांए आयोजित करता हैं। सैंट स्टीफन अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र आर्थिकी में विभिन्न विषयों में अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह छात्र शोध परियोजनाएं भी आयोजित करता है।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

डॉ. सी.बी.झा संस्कृत विभाग को अखिल भारतीय विद्वत परिषद, काशी द्वारा वाराणसी में अयोजित अधिष्ठायन समारोह में विद्वत भूषण पुरस्कार प्रदान किय गया। माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पुरस्कार प्रदान किया।

डॉ. सी.बी.झा संस्कृत विभाग को झारखंड सरकार में माननीय खाद्य और आपूर्ति मंत्री ने संस्कृत भूषण पुरस्कार प्रदान किया। डॉ. राखी थरेजा, डॉ. वीना बैरी और छात्र ईवा लांस और निधि शर्मा ने नेनो विज्ञान–अवसर और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (फरवरी, 2016) में ''भारतीय कसावा मोजाईक विषाणु और स्वर्ण व रजत नेनोकण सहित आईसीएमवी के डॉकिंग'' शीर्षस्थ पोस्टर के रूप में प्रस्तुत शोध के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।,

डॉ. रेनिश गीवर्गाज अब्राहम, अंग्रेजी विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2015 में अंग्रेजी अध्ययन में पीएच.डी प्रदान की।
डॉ. प्रशांतों चैटर्जि गणित विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय में मई, 2015 में गणित में पीएच.डी प्रदान की।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. सतीश कुमार, भारी धातु आयन हेतु फोटोउलटनीय चिलेटर का विकास. डीएसटी तुरंत कार्यवाही युवा वैज्ञानिक, अनुदानः 25 लाख।
डॉ. विभा शर्मा और डॉ. एकता कुन्दरा अरोड़ा पारगमन धातु आयन के नोवल हेटसेसाइक्लिक योगिक पदार्थ का संश्लेषण, लक्षण–वर्णन और अनुप्रयोग, यूजीसी प्रमुख परियोजना, अनुदान रुपये 9,05,00/–
डॉ. विभा शर्मा, डॉ. एकता कुन्दरा अरोड़ा, डॉ. अनु मल्होत्रा और श्रीमती सोनाली बत्राः पदार्थो के फिजिको–रसायन और नेनोस्केल विशेषताओं की जांच और होम्पोपैथी के संदर्भ में विलयन के गणित का अध्ययन दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना।
डॉ. राखी थरेजा, डॉ. डॉ. रश्मी सचदेवा और डॉ. वीना बैरी : भारतीय फल और सब्जियों में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण बीगोमोविष्णु का इनसिलिको और इनविट्रो अध्ययन दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने वर्ष 2015–16 के दौरान पुस्तकों की खरीद पर रुपये 15,62,237/– की राशि व्यय की और पुस्तकालय संग्रहण में कुल 1316 पुस्तकें जोड़ी गई, पुस्तकालय 10 अंतर्राष्ट्रीय जर्नल और 09 राष्ट्रीय जर्नल मंगवाता है। कॉलेज पुस्तकालय ने ट्रोडोन सॉफ्टवेयर के अद्यतन संस्करण को अपग्रेउ किया है अर्थात ट्रूडोन 5.5 अपने प्रयोक्ताओं को गहन वेब ओपीएसी सेवा देता है।

प्रकाशन

अरोड़ा, एकता कुंद्रा और विभा शर्मा (2016) जीवन के रसायन में तत्व, विज्ञान रिपोर्टर, निस्केयर 20–23

थरेजा, राखी, ज्योती सिंह, और रिटा कक्ड़,(2016) कुछ एलिफैटिक और सुंगेघित डाययाईन्स सहित सीडीएसई क्वांटम डॉट की सहक्रिया, एकीकृत विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 4(2).51–52

थरेजा, राखी, मोनिका राव, सूक्रीता देव और अलाईस पासकिन, (2016) भारतीय कसावा मोजाई विषाणु की सैदघांतिक मॉडलिंग प्रतिरूप एसोसिएशन प्रोटीन, एकीकृत विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल. 4(2). 81-86.

सम्मेलन आयोजित/प्रतिभागिता

डॉ. सी.बी.झा ने बैंग्कॉक, थाईलेंड में 16 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में जर्मन काव्य का समीक्षात्मक मूल्यांकन ''पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सी.बी.झा ने दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन में जर्मन काव्य का परिचय और वैशिष्ट्य'' शीर्षस्थ पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नताशा डब्लयू वशिष्ट ने हार्टफोर्ड, फनेक्टिकट, अमरीका में नेमला कन्वेंशन में 17–20 मार्च, 2016 को ''अटारी से कमोडियरः डारियो फो के लोकप्रिय रंगमंच असहमत हास्य परम्परा'' शीर्षस्थ शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नताशा डब्लयू वशिष्ट ने ''डेरियो फो प्रोलेटारियन फीस्टः प्रहसन, स्वांग और किसी अराजकतावादी की दुर्घटना मृत्यु में कार्निवलेस्क्यू का अध्ययन'' शीर्षस्थ शोध–पत्र 7–8–9 अक्तूबर, 2015 को पमुक्कले विश्वविद्यालय डेनिज्ली, टर्की में चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय वाकिया संगोष्ठीः परिहास पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नताशा डब्लयू वशिष्ट ने इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली में 19–21 फरवरी, 2016 को आयोजित मेलस–मेलो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में '' डेरिया फो कांट पे? वोंट पे में आच्छदन सांस्कृतिक साम्राज्यवादः सर्वहारा अनधिकार ग्रहण'' शीर्षस्थ शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय संख्याः स्थायी संकाय : तदर्थ संकाय : 20

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता (रुपये में)

मंजूर अनुदान : रुपये 17,06,85,000/-

उपयोगित : रुपये 18,60,73,044/- (अनलेखापरीक्षित)

नियुक्ति ब्यौरा

सफल नियुक्ति ब्यौरा पाने वाले छात्रों की संख्या :: 89

कैम्पस भर्ती के लिए आनेवाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 52

पुनः आने वाले नियोक्ता: 43

विस्तार और अभिगम्यता कार्य

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में कॉलेज की सामाजिक सेवा लीग ने अनेक कार्यकलाप आयोजित किए जिनमे कॉलेज छात्रों ने विदेशों से सहक्रिय इनमे से कुछ कार्यक्रम हैं'' विद्याज्योति–गुरू तेग बहादुर नगर में स्लम में आर्थिक पिछड़े परिवारों के 40 छात्रों को मौलिक शिक्षा देने के पहल। परियोजना में, गणित, अंग्रेजी में मौलिक प्रशिक्षण देना शामिल है और छात्र स्वयंसेवकों ने पाठ्येत्तर कार्यकलाप भी आयोजित किए। संध्या कक्षाएं–एसएसएल के स्वयं सेवक कॉलेज परिसर में और आस–पास रहने वाले गैर–शिक्षण स्टाफ के बच्चों और अन्य आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को प्रत्येक संध्या को निःशुल्क ट्यूशन देते हैं।

प्रज्ञा चक्षु– एसएसएल का एक हिस्सा जो दृष्टि बाधित छात्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है जैसेकि उन्हें कॉलेज कैम्पस से संवेदी बनाना, लिखने की व्यवस्था करना, पुस्तकों की स्कैनिंग आदि। खाने का त्याग–एक प्रयास जिसमें कॉलेज के आवासीय शोधकार्य शरणार्थी गृह में वितरण करने हेतु महीने में एक बार अपना रविवार के भोजन का त्याग करते हैं। निर्मल हृदय को दौरा, मजनू का टीला में एक वृद्धाश्रम का 10 अक्तूबर 2015 को दौरा। परिवर्तन ने लायंस क्लब के सहयोग से 17 अक्तूबर, 2015 को चिकित्सा शिविर आयोजित किया। शिविर का लक्ष्य कॉलेज के कर्मचारियों और उनके परिवारों और गुरूतेग बहादुर नगर के स्लम निवासियों की स्वास्थय स्थिति में सुधार करता है।

अभिदत्त जर्नल :

अंतर्राष्ट्रीय : 10

राष्ट्रीय : 09

स्वामी श्रृद्धानंद कॉलेज

पुस्तकालय विकास

कुल बजटः 30 लाख (लगभग)

जोड़ी गई पुस्तकें: 5000

जर्नलः 10

पुस्तकालय के अद्यातन कार्यकलापः शिक्षकों के कार्य करते हुए एक पृथक वातानुकूलित पठन कक्ष बनाया गया है। पुस्तकालय सचलीकरणः पुस्तकालय पूरी पुस्तकालय प्रणाली के कंप्यूटरीकरण के लिए कठोर प्रयास कर रहा है। हमारा विश्वास है कि निकट भविष्य में हम पूर्ण कंप्यूटरीकृत पुस्तकालय परिवेश दे सकेगें। विभिन्न प्रकार की ई–मेल को ढूंढ़ने के लिए पुस्तकालय में ई–मेल, इंटरनेट ब्राउजिंग की सूविधा उपलब्ध है।

सम्मेलन आयोजित/प्रतिभागिता

डॉ. भूपेंद्र गिरी वनस्पति–विज्ञान विभाग ने पौध नैदानिक विभाग, उत्तरी कैरोलीन, राज्य विश्वविद्यालय, एन.सी, अमेरीका में 28 मई 2015 को पाक्षिक सेमिनार श्रृंखला में ''माईकोरिहजल पौधों में लवण ख्याने की कार्यविधि'' पर वार्ता दी।

डॉ. भूपेंद्र गिरी,वनस्पति–विज्ञान विभाग को 13–16 मई, 2015 के 20 वें पैन स्टेट जीव–विज्ञान संगोष्ठी में भाग लेने के लिए पेन्नीसिलवानिया स्टेट विश्वविद्यालय ने यात्रा अनुदान प्रदान की।

डॉ. पी.वी.खत्री, वाणिज्य विभाग ने प्रमुख भाषण दिया और विश्वविद्यालय अनुदान द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन और राजकीय प्रथम ग्रेड कॉलेज, बंगलूर विश्वविद्यालय, मलूर, जिला कोलाट, कर्नाटक द्वारा 25 और 26 अगस्त 2015, को अयोजित ''जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य प्रबंधनःएक भारतीय परिप्रक्ष्य' पर शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. लक्षमण राम पालीवाल, वाणिज्य विभाग ने0–12 अक्तूबर 2015 को ''भारत में मानव संसाधन लेखांकनः अवधारणा और पद्धति'' और ''सृजनात्मक लेखांकनः अवधारणात्मक रूपरेखा और आचरण'' पर दो शौध प्रस्तुत किए जिसका आयोजन व्यापार वित्त और आर्थिक विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने किया।

डॉ. लक्षमण राम पालीवाल, वाणिज्य विभाग ने पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में 5–6 दिसंबर, 2015 को 'अखिल भारतीय लेखांकन एसोसिएशन, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार व सम्मेलन में ''लेखांकन शिक्षण में सुगम कौशल ओर आचरण'' और एकीकृत रिपोर्टिंग में समकालीन मुद्दे'' पर शौध –पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. लक्षमण राम पालीवाल, वाणिज्य ने जेआईईटी समूह संस्थान, प्रबंध अध्ययन विभाग, जोधपुर में 18–19 फरवरी, 2016 को राष्ट्रीय सम्मेलन में 'व्यवसायिक और वाणिज्य शिक्षा में निवर्तमान प्रोन्नति' पर शोघ प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रभाकर पलक अंग्रेजी विभाग ने पश्चिमी भाषा विभाग, बुराफा विश्वविद्यालय, पटाया, थाईलेंड द्वारा 20–21 अगस्त, 2015 को आयोजित 'भाषाः दलितों का सशक्तीकरण अथवा असशक्तीकरण' में भाग लिया और शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. आनंद मलिक, भूगोल विभाग ने भूगोल–स्थानिक प्रौद्योगिकी में एनआरडीएमएस (डीएसटी) प्रायोजित शीत स्कूल प्रशिक्षण में भूगोल विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में 8 दिसंबर और 15–17 दिसंबर, 2015 को सत्रोत व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. आनंद मलिक, भूगोल विभाग ने कॉलेज में 3 फरवरी, 2016 को विश्वविद्यालय अनुदान द्वारा प्रायोजित अतिरिक्त पाठ्यक्रम में स्त्रोत व्यक्ति के रूप में 'आपदा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी और लीडरशीप' पर व्याख्यान किया।

डॉ. विनिता कुमारी हिंदी विभाग ने कला व संस्कृति निदेशालय, पणजी, गोवा में 26–28 सितंबर, 2015 को आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'भारतीय भाषाओं का अंतरसंबंध पर व्याख्यान दिया।

विवेकानंद कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज ने इंद्रप्रस्थ बागवानी सोसायटी द्वारा आयोजित कॉलेज बगीचा प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (2015–2016) प्राप्त किया। वार्षिक कॉलेज समारोह पल्लवी के अलावा, अंग्रेजी, वाणिज्य, राजनीति विज्ञान, गणित और कंप्यूटर विज्ञान विभागों ने भी कॉलेज में अपने संबंधित विषयों पर समारोह आयोजित किए। हिंदी विभाग द्वारा एक भित्ती पत्रिका 'कस्तूरी'की देखभाल की जाती है। वाणिज्य विभाग ने अपने समाचार–पत्र 'दिब्लू इंकपोट' का द्वितीय संस्करण निकाला और अंग्रेजी विभाग ने अपने समाचार–पत्र 'वर्ल्ड वीव्स' का द्वितीय अंक प्राकशित किया। सुश्री सरस्वती सुब्बु द्वारा निर्देशित यूगेने लोनेस्को के नाटक 'दिचेयर्स का संपन अंगेजी (ऑनर्स) के तृतीय वर्ष के छात्रों ने किया। उन्होने ''डिकन्स डिलाईट'' के भाग के रूप में चार्ल्स डिकेन्स द्वारा चित्रकथा बुरलेटा का मंचन करने के लिए तृतीय वर्ष अंग्रेजी (ऑनर्स) के छात्र–समूह का मार्गदर्शन किया जो उनके कार्यों और आचरण से प्रेरित प्रदर्शनी में परिलक्षित हुआ। छात्रों ने दो लोकप्रिय विक्टोरियन नृत्य' 'पोल्का' और 'क्वाडरिलें' भी किए।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

डॉ. नीता माथुर को अमृत फाउंडेशन ने 10 मई, 2015 को 'श्रेष्ठ कला शिरोमणी 'पुरस्कार ने सम्मानित किया।

डॉ. मीरा सूद ने विवेकानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2015–16 के लिए हुई योग अंतर–कॉलेज पुरूष और महिला प्रतियोगिता में संयोजक के रूप में कार्य किया।

अनुसंधान परियोजनाएं

श्रीमती राधिका श्रीनीवासन, सुश्री रूपेल वर्मा और श्री अमित कुमार को विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना (वीसीा–302): ''मणिपुरी महिला उद्यमीः इतिहास, साहित्स और वाणिज्य में'' प्राप्त हुई। प्रथम चरण में प्राप्त अनुदान–रुपये 2,50,000/–

डॉ. शिवंतिका शरद, डॉ. सूनील वर्मा और श्री मुकेश बर्नवाल को विश्वविद्यालय नवाचार 'परियोजना' दूसरी ओर घस सदैव हरी नहीं होतीः पुरूश पार्श्वीकरण और अत्याचार पर अध्ययन'' प्राप्त हुई।

डॉ. सूनील वर्मा को आईसीएसएसआर परियोजना 'अन्योन्याश्रित समाज में अंतर–पीढ़ी संबंध में मनोसामाजिक' प्राप्त हुई।

छात्र उत्कृष्ट विशिष्टता

निधि शर्मा, स्नातक (ऑनर्स) संस्कृत को दिल्ली संस्कृत अकादमी ने पुरस्कृत किया

निर्मला चौधरी, विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) गणित को इंस्पायर कार्यक्रम के अंतर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से रुपये 80,000/– की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

अंजली, वाणिज्य स्नातक (ऑनर्स) तृतीय वर्षः हॉकी

मनीशा राणा, राजनैतिक विज्ञान (ऑनर्स) तुतीय वर्षः कुश्ती व नेट बाल (राज्यस्तर)

पुस्तकालय विकासः

पुस्तकालय का कुल बजटः प्रचालनात्मक:		रुपये 6,80,814/-
	एनआरः	रुपये 80,000/-
	कुल	रुपये 7,60,814/-

पुस्तकों की संख्या 61,622

परिचालन अनुभाग में लगभग 45,500 लेन–देन हुए और पुस्तक बैंक योजना के अंतर्गत पूरे सेमेस्टर के लिए 722 पुस्तकें जारी की गई। स्टॉक सत्यापन 2014 की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसका अधिशासी मंडल ने अनुमुदोन किया।

पुस्तकालय में भगोपा गया नया फर्नीचर

पुस्तकालय में इंटरनेट सुविधा अद्यतन की गई

प्रकाशन

अंतर्राष्ट्रीय

चौधरी, एस.आर. (2015). स्त्रोक्त सर्वेक्षानोर इतिहास लेखन की परंपरा, परिसंवाद, 1(2), 64–70

माथुर, एन (2015) हिंदुस्तान शास्त्रीय संगीत पर आधुनिक चलन का वैश्विक प्रभाव, वागीश्वरी, XXV111, 93-97.

सूद, एम. और शर्मा आर. (2015) शोध और संबंधित परिवर्तनशील के विभिन्न योगिक क्षेत्र का जनसंख्यिकी अंतर्राष्ट्रीय शारिरिक शिक्षा स्वास्थ्य और खेल विज्ञान जर्नल, 4 (2), 43- 48.

सूद, एम. और शर्मा आर (2015) पुरूष और महिलाओं की खेल चोटों के चलन की तुलना ऑनलाईन अंतराष्ट्रीय अंतरआयामी अनुसंधान जर्नल, VI (I), 447- 459.

नंदराजोग, एच. (2016) पर्यटक की निगाह और अंतरंग की दृष्टि शोधकर्ता, 4 (I), 105- 113.

नंदराजोग एच. (2016) जख्मी शब्दः अनुवाद एक उपचार के रूप में शोधकर्ता 4 (I), 40-50.

राष्ट्रीय

चौधरी एस.आर. (2015). भारत–नेपाल संबंध–एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण, नई दिल्लीः अनामिका पब्लिशन और वितरक लिमिटेड

बेगम, एस (2015). उर्दू में तारीख निगारी की तारीख इबतेदौर इर्तेकः अट्ठारवीं सदी से 1947 तकत्र (पुनमुद्रित) दिल्लीः लाहोटी प्रिट एड.

जैन, एस (2015). भिन्नात्मक कुण्डलीकरण और वितरण परः अभिन्न रूपांतर और विशेष कार्य 26 (11) 885-899.

नंदराजोग, एच. (सह–संपादित) (2015) चौनवियन बरतनवी कहानियां. दिल्लीः साहित्य अकादमी सूरी.एस. (2015) खाद्य और पोषण में प्रौन्नतियां, नोएडाः विकास पब्लिशर्स।

सम्मेलन आयोजित/प्रतिभागिता

अंतर्राष्ट्रीय

डॉ. सूखनीत सूरी कोशोध ''किशोर बालक और बालिकाओं का आहारव्यवहार, शारिरिक गतिविधि स्वरूप और शरीर मॉस इंडेक्स'' को आईआईसी, नई दिल्ली में विज्ञान प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर हुए तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रेष्ठ शोध पुरस्कार मिला।

डॉ. संध्या जैन ने दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय (सार्क राष्ट्र द्वारा स्थापित), दिल्ली में 8–12 दिसंबर, 2015 को प्रकार्य अन्तराल और असामनताओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सामान्यीकृत संवलित और इसके अनुप्रयोग'' पर शोघ प्रस्तुत किया।

डॉ. सरोज कुमारी ने शिमला में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में ''छायावाद युगीन पत्रकारिता और निराला'' शीर्षस्थ शोघ प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

विवेकानंद के संस्कृत विभाग ने ''वेदिक गणित'' पर 23 फरवरी, 2016 को कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।

डॉ. संध्या शर्मा ने उन्नत अध्ययन केंद्र द्वारा 23–25 फरवरी, 2016 को राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भक्तिकाल के परे भक्ति'' पर शोघ प्रस्तुत किया।

संकाय संख्याः स्थायी संकाय : – 48 (01कार्यवाहक प्रधानाचार्य सहित) तदर्थ संकाय : – 53

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता (रुपये में)

मंजूर अनुदान	: **रुपये** 22,13,90,760/-
उपयोगित	: **रुपये.** 22,13,90,760/0-

नियुक्ति ब्यौरा

सफल नियुक्ति ब्यौरा पाने वाले छात्रों की संख्या :: 50 छात्र

कैम्पस भर्ती के लिए आनेवाली कंपनियां/उद्योग: 11

पुनः आने वाले नियोक्ता: 01

विस्तार और अभिगम्यता कार्य

कॉलेज ने डीएम पूर्वी जोन कार्यालय के सहयोग से परियोजना प्रोत्साहन/आशा नामक सामुदायिक अभिगम्य पापलर काग्रक्रम चलाया। हमारे कॉलेज के छात्रों ने नजदीकी सरकारी विद्यालय का मार्गदशैक के रूप में दौरा किया।

अभिदत्त जर्नल

अनेक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल मंगवाएं गएः अनेक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय ऑनलाईन जर्नल उजलब्ध हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त, यूजीसी कंसोर्टिया, इन्फलिब्नेट के एन–लिस्ट कार्यक्रम और डेलनेट की सदस्यता के जरिए काफी ई–जर्नल की अभिगम्यता उपलब्ध है।

अभिदत्त राष्ट्रीय जर्नल की संख्याः 16 पेपरबैक

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

श्रीमती सूशमा अग्रवाल ने कॉलेज में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 35 छात्रों के लिए अप्रैल 2015 से अप्रैल 2016 तक साकल्य व्यक्तिव विकास के विषयों जेसैकि 'व्यक्तित्व विकास,' ''पोषण संबंध'', ''दाब प्रबंधन'' आदि विषयों पर 7 कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की।

सूश्री रचना मेघ के मार्गदर्शन में विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए 18 मार्च, 2016 को ''सामर्थ सोसायटी'' ने प्रतिभा खोज का आयोजन किया। विभिन्न कॉलेजों के प्रतिनिधि ने इससे अपनी प्रतिभा दिखाई। वाणिज्य विभाग के देहरादून, मंजूरी और घनोल्टी का शैक्षणिक दौरा आयोजित किया। सुकृत पाल कुमार द्वारा ''इस्मत चुघतई'' उनका जीवन और समय'' पर एक व्याख्यान दिया और साहित्य अकादमी के सहयोग से ''मेरी खिड़की से'' कार्यक्रम का आयोजन किया।

इतिहास विभाग ने छात्रों के लिए शिमला का पर्यटन आयोजित किया। डॉ. संध्या शर्मा, डा्. शहनाज और कुमारी दीप्ति छात्रों के साथ थीं। पर्यावरण अध्ययन और इसके लचीलेपन केंद्र विवेकांनद कॉलेज चैप्टर ने सितंबर 2015 से मार्च 2016 के बीच 12 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रमों में कार्यशालाएं (मृदा, वायु, गुणता, ऊर्जा कुशलता), पैनल चर्चा, स्थानीय समुदाय के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, तन्यकता सप्ताह समारोह, तन्यमयता एटल्स 2015 का प्रारंभ, सामुदायिक दिवस समारोह, अंतर–कॉलेज प्रतियोगिता, वायु गुणवत्ता पर चार्टर घोषणा, पड़ोसी परियोजना प्रारंभ करना और डॉ. सीमा शर्मा के पर्यवेक्षण में विभिन्न परियोजनाओं पर कार्यरत छात्रों ने शेघ–पत्र प्रस्तुत किए।

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

कॉलेज का वार्षिक दिवस 12 अप्रेल, 2016 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिाि श्री चंडीप्रसाद भट्ट, जाने–माने पर्यावरण थे। कॉलेज ने सौर फीटोवोल्टिक स्थापित करने के लिए अजूरे पावर के साथ 9 मई, 2016 को एक विद्युत–क्रय करार पर हस्ताक्षर किए। इससे रुपये 2,50,00/– प्रतिवर्ष की बचत होगी और कार्बन डायोक्साइड के 1733.73 टन नित्सर्जन में कमी आएगी। प्रोफेसर इब्बा कोच, सांस्कृति अनुसंधान के राष्ट्रीय फैलो ने ''मुगल संबंध के ईरानी करव'' पर 25 फैरवरी, 2016 को 28 वां जाकिर हुसैन स्मारक व्याख्यान दिया। प्रख्यात उर्दू कवि जनबा गुलजार देहलवी ने ''दिल्ली की तारीख और तहजीब'' पर 18 जनवरी, 2016 को 9 वां दिल्ली कॉलेज व्याख्यान दिया। छमाही भीष्म साहनी पुस्तक मेला 10–11 मार्च, 2016 को आयोजित किया गया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

(वनस्पति विभाग) को पोलीविनाइल क्लोराइड के क्रमिक अद्योगति में देशज विकसित जीवाणु समूह की प्रतिक्रिया,'' प्रोटोप्लाज्मा के श्रेष्ठ शोध–पत्र पर उत्तराखण्ड राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्होंने ''घान जीमोटाईप, प्लज्मा में शुष्क सहनता में सुधार करने में ट्राईकोडर्मा हर्जियानय की गहन–आश्रित'' प्रतिक्रिया ''के श्रेष्ठ शोध–पत्र पर भी उत्तराखण राज्यपाल पुरस्कार (2016) प्राप्त हुआ।

डॉ. के.के.अरोड़ा (रसायन–विभाग) को सीबीएसई (2016) के रसायन–विज्ञान को पाठ्यक्रम हेतु समिति का संयोजक नियुक्त किया गया। उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (2015–16) की परियोजना आईसीटी के जरिए 'राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन' के अंतर्गत यूजीसी पाठ्यक्रम पर आईआईटी (कड़की) में 12 वीडियो व्याख्यान रिकार्ड किए। डॉ. अरोड़ा ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के इन्सपायर कार्यक्रम शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली, पंचकुल और हिमाचल प्रदेश (2015–16) में नौं आमंत्रित व्याख्यान दिए।

डॉ.सुलेखा चंद्रा (रसायन–विभाग) को पर्यावरण और पर्यावरण विज्ञान की उत्तरी सोसायटी (2016) का अध्ययन चुना गया।

डॉ. दिवेश विजय इतिहास ने नेहरू स्मारक संग्रहकय और पुस्तकालय, नई दिल्ली में जुलाई 2015 में दो वर्ष की फैलोशिप सफलतापूर्वक पूर्ण की जिसमें उन्होंने दो कार्यकारी दस्तावेज प्रस्तुत किए और एक पुस्तक शीर्षस्थ 'दलित और प्रजातंत्रः दो उत्तर भारतीय समुदायों, मुबंइ में परागमनः हिमाचल प्रकाशन, (2016) उन्होंने अक्तूबर और दिसंबर, 2015 के बीच भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को दो बड़ो शोध परियोजनाएं प्रस्तुत की। उन्हें समकालीन विश्व में पेपर मुद्दों पर पाठ्यक्रम संशोधन समिति का 2015–16 में संयोजक नियूक्त किया गया।

डॉ. सोनू त्रिवेदी (राजनैतिक विज्ञान) को प्रबंधन में पांच–वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (2015–16) हेतु भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर में अतिथि संकाय कें रूप में आमंत्रित

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. महोम्मद वाहिद अंसारी (वनस्पति विभाग) , विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा शोघ परियोजना शीर्षस्थ ''आम विकृति में फ्यूसेरियम आम के जरिए ईथीलीन प्रेरित लक्षण–वर्णन' में प्रधान जांचकर्ता हैं। मंजूर राशिः रुपये 19,39,000 वर्ष 2013–16

डॉ. रतनू कौल वतल (वनस्पति विभाग) को नवाचार परियोजना शीर्षथ 'नोएडा/ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आ रही जल समस्या के समाधान के लिए गणितीय मॉडल की डिजाईनिंग' प्रदान की गई जिसके वित्त–पोषण अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय किया। मंजूर राशिः रुपये 3,50,000 वर्षः 2015–16

डॉ. एस.के.रजोरिया भौतिकी को दिल्ली विश्वविद्यालय की नवाचार परियोजना ''प्रोढ़ों के स्वास्थ्य पर योग और शारिरिक व्यायाम'' प्रदान की गई। मंजूर राशि रुपये 3,50,000. वर्ष : 2015-16.

डॉ. सतिश गंता (प्राणी विज्ञान) को दिल्ली विश्वविद्यालय की नवाचार परियोजना ''कीटनाशक दवाईयों के अभिज्ञान हेतु प्रयोक्ता अनुकूल निम्न लागत पोर्टेबल जैवसंकेतक का विकास'' प्रदान की गई। मंजूर राशि रुपये 7,00,000. वर्ष 2015-16.

डॉ. सुनील कुमार (प्राणी विज्ञान) को दो दिल्ली वश्वविद्यालय नवाचार परियोजनाएं प्रदान की गई जिनमें से एक थी ''कीटनाशक दवाईयों के अभिज्ञान हेतु प्रयोक्ता अनुकूल निम्न लागत पोर्टेबल जैवसंकेतक का विकास'' और दूसरी परियोजना शीर्षस्थ ''नोएडा/ग्रटर नोएडा क्षेत्र में हाने वाली जल समस्या के समाधान के लिए गणितीया मॉडल की डिजाईनिंग'' मंजूरी राशिः रुपये 3,50,000 और रुपये 7,00,000 क्रमशः वर्ष 2015-16.

छात्रों की उत्कृष्टता

महोम्मद अबदूल कलाम को स्नातक (आनर्स) अरबी में 80.55 प्रतिशत के साथ विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ

राखी गोस्वामी को स्नातक (आनर्स) बंगाली में 63.35 प्रतिशत के साथ विश्वविद्यालय पदक प्राप्त हुआ।

एनसीसीः इस वर्ष हमारे एनसीसी केडेट का गणतंत्र दिवस शिविर सेना संयोजन शिविर, अखिल भारतीय ट्रेकिंग शिविर , वार्षिक प्रशिषण केंद्र, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में चयन हुआ और उनमें भाग लिया और कॉलेज की प्रतिष्ठाा बढ़ाई। 26 जनवरी, 2016 को 8 केडेट को सम्मन गारद के लिए चयन किया गया और 5 केडेट का पुष्पहार भेंट समारोह के लिए चयन किया गया और सीडीटी प्रिंस चौधरी का

अमर जवान ज्योति घटना हेतु सेना गार्ड कमांडर के रूप में चयन किया गया।
एनएसएसः एक छात्र, अंकित कुमार का पूर्व–गणतंत्र दिवस शिविर परेड के लिए चयन किया गया।

पूस्तकालय विकासः

आबंटित अनुदान : रुपये 13,35,000/-

खर्च : रुपये 13,35, 787/-

जोड़ी गई पूस्तकें और जर्नल : 3005

प्रकाशन

अबदुल्ला (2016) वाल्श–फोरियर ट्रांसफोर्म प्रयुक्त करके पोजिटिव हॉफ लाईन पर पी–वेवलेट फ्रेम की आवश्यक अवस्था। अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटर व गणित विज्ञान जर्नल 5,(2) 105–109
आलम आफताब (2016) भेदभाव और आपवादः भारत में दलित मुस्लिम का मामला असमान विश्वः आधुनिक भारत में भेदभाव और सामाजिक असमानता, (ईडी) विद्यु वर्मा, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, नई दिल्ली।
आरिफ, मोहम्मद (2016) प्राईमरिज की गुरूत्वाकर्षी ताकतों के प्रभाव सहित आयोजक चुंबकीय बिनरिज समस्या का तुल्य कालन, अंतर्राष्ट्रीय विशान और अनुप्रयुक्त अुनसंधान जर्ननल 2 (12). 112-121.
गुप्ता, श्रुति (2015) सामाजिक उद्यमिताः चलन और चुनौतियां अंतर्राष्ट्रीय उद्यमिता और व्यापार परिवेश परिप्रेक्ष्य जर्नल 4(3). 1813-18.
महेशवरी, अंकुर (2016) एलियूसाईन प्रजाति में आनुवांशिक सुधार जीन पूल विविधता और फसल सुधार (ईडी) वी.आर.राजपाल ईटीएएल, स्विटजरलैंडः स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय पब्लिशिंग।
पंडिता, संगीता (2015) घास–फूस और एग्रो–आधारित अवशिष्ट का उपयोग और हाथ से कागज बनाने हेतु उनका मिश्रण डीयू स्नातक–पूर्व अनुसंधान और नवाचार जर्नल 1(3) 169-79.
रीटा (2015) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र कंपनियों में मानव संसाधन लेखांकन पद्धति। मानव संसाधन प्रबंधन में चलन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 4(1). 16-26.
रेहमान, जीमल–उर और जमशेद खान (2016) अहेड–ई–वास्ता की दिल्लीः तहजीबी झलकियां दिल्लीः ग्रेटबुक कन्ट्रक्टर।
सिंह, श्रद्धा ए. (2015) कनाडियन बहुसंस्कृतिवाद में वर्तमान संकट का परिचयन, लपीस लाजुलीः एक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक जर्नल 5(1).360–370
त्रिवेदी, सोनू (2015) अधिकारिता से प्रजातंत्र में पारगमनः इंडीनेशिया और मसंमार का तूलनात्मक अध्ययन, नई दिल्ली : अटलांटिक।

सम्मेलन आयोजित/प्रतिभागिता

वनस्पति–विज्ञान विभाग ने यूजीसी द्वारा प्रापोजित ''फसल सुधार में जैव–प्रौद्योगिकीः संभावनाएं और चुनौतियां'' पर 1 अप्रेल, 2016 को राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित की।
राजनैतिक विज्ञान विभाग ने 'दृष्टि के रंग' पर मार्च, 2016 में एक दिवसीय यूजीसी प्रायाजित राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया।
गांधी स्टडी सर्कल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से ''गांधी और समकालीन विश्व'' पर 24–25 फरवरी, 2016 को सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में दो द्विसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

महोम्मद अफज़ल अंग्रेजी ने 'भारतीय मातृभाषाः भाषा, साहित्य और ईतिहास' का यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में शोध प्रस्तुत किया जिसका आयोजन अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सितंबर 2015 में किया।
सुश्री श्रृद्ध अदित्यवीर सिंह अंग्रेजी ने ब्रिटिश पुस्तकालय, लंदन यूनाइटिड किंगडम में 20 अप्रेल 2016 को कनाडियन अध्ययन सम्मेलन हेतु 41 वीं ब्रिटिश एसोसिएशन में शेध प्रस्तूत किया। उन्हें इसके लिए यूजीसी यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।

संकाय संख्याः स्थायी संकाय : : 149; अस्थायी : 03; तदर्थ : 45

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता (रुपये में)

मंजूर अनुदान: रुपये 38,35,45,760

उपयोगित : रुपये 38,85,94,231

दायर/मंजूर पेटेंट

राष्ट्रीय

सौर जल शोधन, भारतीय पेटेंट आवेदन 472/DEL/2013 (परिणात 2016-2017 में) – भौतिकी विभाग

नियुक्ति ब्यौरा

सफल नियुक्ति ब्यौरा पाने वाले छात्रों की संख्या : : 76

कैम्पस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योंगो की संख्या : 06

पुनः आने वाले नियोक्ता: 02

विस्तार और अभिगम्यता कार्य

आस–पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या

ग्रामीण मेरठ का 14 अप्रेल, 2016 के अध्ययन दौरा

एनएसएस द्वारा 24 सितंबर, 2015 को डेंगू जागरूकता शिविरों में पंजीकृत/शामिल व्यक्तियों की संख्याः 35ः पडोस के लगभग 5000 व्यक्तियों को प्रभावित किया।

शिविरों में काम करने वाले छात्रों की संख्याः 25 :400

इन शिविरों में सामर्पित कुल घंटे : 10 घंटेः 3 घंटे

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

राजनैतिक विज्ञान विभाग को म्यांमार के छात्रों और शिक्षकों के आगंतुक शिष्टमंडल का आतिथ्य करने का अवसर मिला और उसने अक्तूबर 2015 में उनके साथ चर्चा की।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रकृति और पर्यावरण सोसायटी की निवर्तमान परियोजना के भाग के रूप में 40 छात्रों का एक समह'' बीज संग्रहण और संरक्षण यात्रा'' में असोला भाटी वन्यजीवन अभ्यारण्य में गया।

जाकिर हुसैन स्नातकोत्तर कॉलेज (संध्या)

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रथम अमीर हसन अबीदी स्मारक व्याख्यन का आयोजन 14 अप्रेल 2016 को हुआ जिसमें प्रोफेसर शहीद मेहदी, पूर्व कुलपति, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रथम महमूद बेग स्मारक व्याख्यान 19 अप्रेल, 2016 को आयोजित किया गया जिसमें प्रोफेसर रमेश चन्द, सदस्य, नीति आयोग मुख्य अतिथि थे। जेडएचडीसी (ई) राष्ट्रीय सेवा स्कीम ने 1 अक्तूबर, 2015 को स्वच्छ भारतअ अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए। सरदार वल्लभ भाई पटेल के वार्षिक स्मरणोत्सव, राष्ट्रीय एकता उत्सव का 29–31 अक्तूबर, 2015 को कॉलेज में अयोजित हुआ। एनएसएस ईकाई ने भी 12 जनवरी, 2016 को स्वामी विवेकानंद की जन्मशती अयोजित की। उर्दू साहित्यिक और संस्कृति सोसायटी, बज्म–ए–अदब ने उर्दू कवि अखतर–उल–ईमान पर व्याख्यान का आयोजन किया। संस्कृत विभाग ने 4 फरवरी, 2016 को सेवानिवृत प्रोफेसर प्रवेश सक्सेना ने वेद और गीता पर व्याख्यान दि। इतिहास विभाग ने प्रोफेसर नजफ हैदर, जेएनयू, और प्रोफेसर पी.के.बसंत, जामिया मिलिया इस्लामिया, द्वारा 29 फरवरी, 2016 और 18 मार्च, 2016 को सेमिनार का आयोजन किया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टता

डॉ. प्रभात रंजन, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, को उनकी पुस्तक कोठागोई के लिए जयपूर साहित्यिक समारोह 2016 में 'प्रथम भास्कर युवा लेखक सम्मान प्रदान किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. मधुमिता चक्रबर्ती, श्री संजय कुमार और श्रीमती अमरीन के विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना ''दिल्ली विश्वविद्यालय में अल्पसंख्यक छात्राओं की गिरती दरः दिल्ली विश्वविद्यालय'' व चयनित कॉलम का अध्ययन'' प्राप्त हुई।

डॉ. अनिल शर्मा को 'हिंदी रंगमंच के विकास में नाट्य संस्थाओं का योगदान'' पर यूजीसी परियोजना प्राप्त हुई।

पूस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 2015–16 सत्र में 16938 पाठ्यपुस्तकें जोड़ी गई। पुस्तकालय का कार्यकारी कार्यकाल 3.00 बजे सांय के स्थान पर 3.00 बजे सांया से 9.00 बजे सांय तक बढ़ाया गया। छात्र यूनियन ने पाठ्पुस्तकों की खरीद के लिए रुपये 20,000 का दान दिया। पुस्तकालय को पूर्ण वातानुकुलित बनाया गया। शिक्षक पठन कक्ष में सम्मेलन/सेमिनार आदि में प्रयोगार्थ प्रिंटर और स्कैनर सहित एक कंप्यूटर सेट स्थापित किया गया। पुसतकालय में एक फोटोकोपियर मशीन भी स्थापित की गई। पुस्तकों की खोज के लिए पुस्तकालय में दो नए ओपीएसीा स्थापित किए गए। सभी पुस्तक अल्मारियों और रंग को पेंट किया गया।

सम्मेलन आयोजित/प्रतिभागिता

वाणिज्य और अर्थशास्त्र विभागों ने 3–4 नवंबर, 2015 को ''व्यापार और आर्थिकी में उभरती चुनौतियां व अवसर'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 3–4 मार्च, 2016 को ''इमेजिंग दि इंडियन पापूलरः ग्लोबेलाईजेशन एंड इट्स (डिस) कंटेंट'' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

पर्यावरण विभाग ने 21–22 मार्च, 2016 को '' 21 वीं सदी के पर्यावरण मुद्दे: भारतीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयाजित किया।

राजनैतिक विभाग ने अर्थशास्त्र, हिंदी, दर्शन शास्त्र और इतिहास विभागों के सहयोग से 29–30 मार्च, 2016 को 'भारत में बनाएं: नीति, मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजति किया।

संकाय संख्याः स्थायी संकाय : 53; तदर्थ 34

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता (रुपये में)

मंजूर अनुदान रुपये 16,07,82,760/-

उपयोगित रुपये 14,64,42,140/-

नियुक्ति ब्यौरा

सफल नियुक्ति ब्यौरा पाने वाले छात्रों की संख्या	: 14
कैम्पस भर्ती के लिए आनेवाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या	: 01

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अंबेडकर–गांगुली महिला छात्रावास

अम्बेडकर–गांगुली महिला छात्रावास अक्टूबर 2003 में आरंभ किया गया था और इसका रखरखाव दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए एक बड़ा और आत्मनिर्भर निवास है। यह निन्यानबे आवासियों और चार अतिथि आवासियों तक समायोजित कर सकता है। इस छात्रावास को सौंदर्य की दृष्टि से प्रत्येक शाखा में 50 कमरों के साथ दो विशाल और हवादार पक्षों में बांटा गया है। छात्रावास में एक सुसज्जित कम्प्यूटर कक्ष, कॉमन रूम, जिम, अध्ययन कक्ष सह– पुस्तकालय और एक आधुनिक रसोईघर के साथ विशाल डायनिंग हॉल है। छात्रावास विश्वविद्यालय परिसर तक जाने और छात्रावास वापस लौटने के लिए शटल बस सेवा प्रदान करता है।

प्रोवोस्ट इस छात्रावास के प्रमुख हैं और वार्डन तथा आवासी अध्यापक कार्यालय के कर्मचारियों की सहायता से दिन–प्रतिदिन का प्रशासन संभालते हैं।

इसमें दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और इसके विभागों अर्थात् अर्थशास्त्र, भूगोल और समाजशास्त्र के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उनचास सीटें हैं। अन्य पचास सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए आरक्षित हैं। कुल 99 सीटों में से 5% सीटें दिव्यांग श्रेणियों के लिए आरक्षित हैं। सभी सीटों को संबंधित विभागों द्वारा प्रदान मेरिट सूची के संदर्भ सहित, विभिन्न विषयों के आवेदकों के बीच योग्यता के क्रम से आवंटित किया गया है।

शैक्षणिक सत्र 2015–2016 के लिए आवेदन पत्रों की बिक्री 13 जुलाई, 2015 से आरंभ की गई।

28 जुलाई से छात्रों का दाखिला आरंभ हुआ और उसी दिन यानि 28 जुलाई, 2015 से छात्रावास को फिर से खोल दिया गया।

21 सितंबर को 2015 स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (एसडब्ल्यूए) के चुनाव के साथ शैक्षणिक सत्र 2015–2016 आरंभ हुआ। समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रावास में कार्यकारी सदस्यों और हॉस्टल अधिकारियों तथा निर्वाचित एसडब्ल्यूए की मदद से विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गई।

कुछ आयोजित कार्यक्रमों की एक झलक

15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण, राष्ट्रीय गान का गायन हुआ और उसके बाद मिठाइयां बांटी गईं। इस दिन पर, छात्रावास अधिकारियों के साथ–साथ छात्रावास स्टाफ ने मेस में एक साथ नाश्ता किया। 6 अक्टूबर को शानदार तरीके से फ्रेशर पार्टी मनाई गई। इस अवसर पर प्रो. दिनेश सिंह मुख्य अतिथि थे। 11 वीं नवंबर 2015 को दीवाली उत्सव मनाया गया जिसमें छात्रावास भवन को प्रकाशित किया गया था और दीये और मिठाई के साथ परंपरागत तरीके से त्योहार मनाया गया। क्रिसमस के दिन कैरोल गायन, छात्रों के साथ केक काटने और क्रिसमस पेड़ को सजावटी वस्तुओं और रोशनी के साथ सजा कर, क्रिसमस मनाया गया। 13 जनवरी, 2016 को अलाव जला कर लोहड़ी का समारोह मनाया गया था, सभी छात्राओ ने अलाव में आहुति दी। गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रीय गान का गायन हुआ और आवासियों एवं कर्मचारियों में मिठाई व नमकीन बांटा गया। इस दिन छात्रावास के अधिकारियों के साथ–साथ छात्रावास के कर्मचारियों ने एक साथ नाश्ता किया।

फरवरी 2016 के पहले सप्ताह में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा छात्रावास में सात दिनों का एक ''हा+.'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे कई आवासियों को लाभ हुआ है।

24 मार्च, 2016 को रंग के साथ होली मनाई गई और कर्मचारियों एवं छात्रों में मिठाई बांटी गई।

उत्सव के कार्यक्रम विभिन्न संस्कृतियों के आवासियों को साथ लाते हैं, जहां वे अपने अनुभवों को साझा कर छात्रावास में अपने प्रवास को यादगार बनाते हैं।

6 मार्च, 2016 को छात्रावास का वार्षिक समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। सुश्री सायेमा रहमान, आरजे, रेडियो मिर्ची मुख्य अतिथि थीं और विश्वविद्यालय के दिव्यांग छात्रों की निरूस्वार्थ मदद करने वाले, श्री ईश्वर दास, एक उदार स्वयंसेवी इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे। समारोह में प्रबंधन समिति के कुछ सदस्यों ने भी भाग लिया। छात्रों ने मंच पर कई संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया, जिसकी अतिथियों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई थी। इसके बाद एक शानदार डिनर और जाम सत्र का आयोजन किया गया था।

छात्रों की सुविधा को देखते हुए, 2015–2016 की अवधि के दौरान निम्नलिखित खरीद/सुविधाएं निर्मित की गई और छात्रावास के आवासियों के लिए प्रदान की गई हैं:

1. चिकित्सा कक्ष की सुविधा (बिस्तर, ड्रिप स्टैंड, प्रथमिक दवाओं, थर्मामीटर, रक्त ग्लूकोज मशीन आदि के साथ)
2. एक हाथ सुखाने की मशीन और नौ साबुन डिस्पेंशर
3. दो हॉट प्लेटें
4. एक वजन करने की मशीन
5. ध्वनि प्रणाली (एक एम्पलीफायर, दो स्पीकर, दो माइक्रोफोन और एक कॉलर माइक के साथ)

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

अरावली स्नातकोत्तर पुरुषों के छात्रावास को 2005 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर द्वारा स्थापित किया गया था, यह दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के वास्तविक शोधार्थी और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आवास की सुविधा प्रदान करता है।

छात्रावास में एकल अधिभोग के आधार पर 74 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता है। हर कमरा एक बिस्तर, गद्दा, स्टडी टेबल, स्टडी चेयर, पर्दे, आराम कुर्सी और एक सफेद बोर्ड के साथ सुसज्जित है। छात्रावास में दुहरे अधिभोग के लिए एक अतिथि कक्ष है, जो गर्मी में एयर कंडीशनर और सर्दियों में हीट कनवेक्टर के साथ ही एक डेजर्ट कूलर युक्त एक उपयोगिता कक्ष के साथ सुसज्जित है।

छात्रावास में उच्च गुणवत्ता का कॉमन रूम है, जिसे मनोरंजन के लिए डी2एच सेवा के साथ एक हाई डेफिनेशन टीवी सेट से सुसज्जित किया गया है। छात्रावास में दर्जनों अखबारों और पत्रिकाओं और टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम आदि इनडोर खेल के लिए उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के साथ एक अच्छा वाचनालय है। आवासियों के लिए आसान और तेजी से इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए छात्रावास आधुनिक वाई–फाई सुविधा से लैस है। सभी प्रकार की अप्रिय गतिविधियों और संदिग्धों की निगरानी के लिए छात्रावास के आसपास पांच सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये गए हैं। सरामाती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास के साथ सहयोग से आवासियों के लिए कपड़े धोने की एक अनूठी सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। अरावली छात्रावास आईएनएसए/डीएसटी प्रेरित कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिणी परिसर में आने वाले प्रशिक्षुओं और विशेष रूप से गर्मियों की छुट्टी के दौरान अन्य संस्थानों के प्रशिक्षुओं को भी आवास प्रदान करता है।

छात्रावास ने स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और सारामाटी छात्रावास के साथ 12 मार्च, 2016 को वार्षिक छात्रावास रात्रि षमिलेंगे 2016ष भी मनाया।

आवासियों को छात्रावास द्वारा लगातार निगरानी में गुणवत्ता युक्त भोजन प्रदान किया जाता है। इस के अलावा, भोजन कक्ष में मनोरंजन की सुविधा के लिए डी 2 एच सेवा के साथ टेलीविजन भी उपलब्ध है। रसोई और भोजनकक्ष को डीप फ्रीजर, उच्च क्षमता रेफ्रिजरेटर, डेजर्ट कूलर, रिवर्स ऑस्मोसिस, वाटर प्युरिफायर और अन्य गुणवत्ता युक्त रसोई उपकरणों के साथ सुसज्जित किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा संस्थान

केंद्रीय शिक्षा संस्थान में पुरुषों और महिलाओं के लिए दो छात्रावास, श्री भवन और शक्ति भवन, 1950 में स्थापित किए गए थे। श्री भवन के आठ कमरों में तेईस छात्राओं को समायोजित किया जाता है और शक्ति भवन के तीन शयनगृह और एक दो सीट वाले कमरे में चौबीस छात्रों को समायोजित किया गया है। हॉस्टल में बी.एड., एम.एड., एम.फिल और पीएच.डी. पाठ्यक्रम के छात्रों को समायोजित किया जाता है।

टीवी और पढ़ने की सुविधा के साथ एक अतिथि कक्ष है। इसके अलावा आवासियों के लिए पढ़ने की अलमारियों की सामान्य किताबें, आवधिक पत्रिकाएं और नियमित रूप से अखबार की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। छात्रों को विभागीय व्यवस्था के माध्यम से खेल की सुविधा प्रदान की जाती है। आवासी अलग–अलग तरीकों से छात्रावास में विभिन्न त्योहार मनाते हैं। आवासी सम्मुख चर्चा, बहस, नुक्कड़ नाटक के रूप में अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। छात्रावास मेस का संचालन छात्रावास के आवासियों द्वारा किया जाता है। हर महीने दो पुरुष और दो महिला आवासियों के साथ एक नई समिति बनाई जाती है। वे वार्डन/आवासी अध्यापक के परामर्श से छात्रावास की भोजन सूची तैयार करते हैं। यह आवासियों में अपनेपन और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करता है। छात्रावास मेस समिति के अलावा, वहाँ साफ–सफाई और शिकायत समितियां भी हैं। छात्रावास जागरूकता और सामान्य रखरखाव से संबंधित मुद्दों के साथ समय–समय पर बैठकों का आयोजन करता है। एक पैनल चर्चा, विभिन्न मुद्दों पर दो व्याख्यान, कविता पाठ आदि का भी आयोजन किया गया।

हॉस्टल में श्री भवन और शक्ति भवन प्रत्येक के लिए दो–दो, स्वचालित कुल चार, वाशिंग मशीनें हैं। दोनों होटलों के साथ–साथ मेस में आरओ द्वारा शुद्ध और वाटर कूलर के साथ संलग्न पेयजल आपूर्ति उपलब्ध है। शक्ति भवन में वाईफाई सुविधा भी उपलब्ध है।

डी.एस. कोठारी छात्रावास

डी.एस. कोठारी छात्रावास, प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और एक जाने–माने शिक्षाविद्, स्वर्गीय प्रोफेसर डी.एस. कोठारी के नाम पर 1997 में स्थापित किया गया था, जो दिल्ली विश्वविद्यालय का प्लेटिनम जुबली वर्ष है। इसमें 39 डबल सीट और 19 एकल सीट वाले कमरे हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों और शोध छात्रों को समायोजित किया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के समग्र दिशा निर्देशों और नीतियों के अंतर्गत प्रबंधन समिति ने छात्रावास की नीतियां तय की हैं।31 मार्च, 2015 से 1 अप्रैल, 2016 के दौरान छात्रावास में निम्नलिखित विकास हासिल किया गया था।

आवासियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संस्कृति से परिचित कराने के लिए सभी राष्ट्रीय दिवस और त्यौहारों को मनाया गया।

छात्रावास ने सफलतापूर्वक वार्षिक समारोह ''आहंग–2016'' का आयोजन किया।

छात्रावास के आवासी छात्र संघ का चुनाव को निर्विरोध सुचारू रूप से आयोजित किया गया।

हॉस्टल विकास निधि से 2 रूम कूलर और 10 मेस कुर्सियां (स्टील) तथा योजना अनुदान से 2 वाटर कूलर और 10 मेस कुर्सियां (स्टील) खरीदी गईं।

26 फरवरी, 2016 को आयोजित 58 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में छात्रावास को जे.स्वरूप कप प्रदान किया जाएगा।

सामाजिक कार्य विभाग छात्रावास

विभाग का अपना निजी छात्रावास है। इस होस्टल का शिलान्यास श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख, अध्यक्ष, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 25.07.1962 को किया गया था। हालांकि, छात्रावास 16 जुलाई 1966 से कार्यात्मक बना। यह इसके अस्तित्व के 50वां वर्ष है। परिसर के भीतर एक संलग्न छात्रावास होने के नाते, यह सामाजिक कार्य के छात्रों के समग्र व्यक्तित्व के विकास के लिए योगदान करता है और पेशेवर तत्वों को मजबूत करने में मदद करता है। यहाँ, सामाजिक कार्य में एम.ए., एम. फिल. और पीएच. डी. करने वाले छात्र और छात्राएं, दोनों रहते हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 50 कमरों में 37 छात्राएं और 51 छात्र (कुल 88) रह रहे हैं। इस समय एम फिल और पीएच. डी. अध्येता एकल अधिभोग कमरों में और बाकी एक दो लोगों की साझेदारी के आधार पर रह रहे हैं।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं: परिसर दिव्यांग व्यक्तियों के लिए काफी अनुकूल है। इसके प्रवेश द्वार संशोधित कर उनकी विशेष जरूरतों के अनुरूप करने के लिए इके साथ रैंप फिट किया गया है। इसमें 59 कमरे, छात्रों द्वारा प्रबंधित अच्छी तरह से सुसज्जित रसोई घर और भोजन की सुविधा के साथ मेस, रिवर्स ऑस्मोसिस छानने की सुविधा के साथ तीन पेयजल बिंद, एक पूरी तरह सुसज्जित कॉमन रूम, एक मिनी जिमनेजियम, एक अध्ययन

सह बैठक कक्ष, कार्यालय कमरेय वार्डन का निवास, हरे भरे लॉन, पेड़ और उद्यान, नगर जल आपूर्ति के अलावा एक बोर वेल, सुरक्षा सेवाओं के अलावा सीसीटीवी निगरानी, परिसर में वाई–फाई सेवा, कॉमन रूम में डीटीएच सेवाओं के साथ टीवी, शैक्षणिक उपयोग के लिए पढ़ने के कमरे में लैपटॉप और कई समाचार पत्र, पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। डीएसडब्ल्यू छात्रावास में छात्रावास के बारे में विभिन्न जानकारी देने के लिए अपनी निजी इंटरेक्टिव वेबसाइट http://dswh.du.ac.in है। विभाग के परिसर में दिन भर सुरक्षा सेवा रहती है। छात्रावास के लिए, सायं 5 बजे से सुबह 9 बजे तक अतिरिक्त सुरक्षा का प्रबंध है। दो सुरक्षा गार्ड दैनिक दो पारियों में अपनी सेवा प्रदान करते हैं।

छात्रावास यूनियन क्लबः 11 सितंबर 2015 को छात्रावास यूनियन क्लब के सदस्यों के लिए चुनाव आयोजित किया गया था। यह छात्रावास की गतिविधियों में सभी आवासियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आमतौर पर एक महीने में एक बार अपनी आम सभा की बैठक आयोजित करता है। छात्रावास यूनियन क्लब छात्रों की नए बैच के स्वागत और उत्तीर्ण छात्रों को विदा करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करता है। यह स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, ईद, दीवाली, लोहड़ी, होली जैसे विभिन्न त्योहारों को भी मनाता है। मौजूदा सत्र में, फ्रेशर्स की स्वागत पार्टी 28 सितंबर 2015 को छात्रावास में आयोजित की गई थी। इस अवसर महाविद्यालय के अध्यक्ष और वार्डन उपस्थित थे।

गीतांजलि छात्रावास

छात्रावास ने 04 मार्च, 2016 को अपनी वार्षिक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। हर वर्ष की तरह चित्रांकन, हिंदी और अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन, कोलाज, फोटोग्राफी और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और आवासियों को वार्षिक दिवस समारोह के दौरान पुरस्कार दिए गए। आवासियों ने महान उत्साह के साथ क्रिसमस, लोहड़ी, होली और दीवाली जैसे त्योहारों का जश्न मनाया। उन्होंने बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का भी आयोजन किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने देशभक्ति के विषय पर एक छोटे से सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों बड़े उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। छात्रों और छात्रावास के कर्मचारियों ने श्स्वच्छ भारत अभियानश् में सक्रिय रूप से भाग लिया।

2015 की गर्मियों की छुट्टियों में, नवीकरण का प्रमुख काम किया गया था, जिसमें सभी कमरों की पुताई और फिर से रंग–रोगन और सभी शौचालयों, खिड़कियों, दरवाजे की मरम्मत आदि की गई। छात्रावास के लिए एक वेबसाइट भी आरंभ की गईः http://www.geetanjalihostel.du.ac.in, जिसमें छात्रावास की सुविधाओं, रूपों, आयोजित कार्यक्रमों का विवरण और एक प्रतिक्रिया प्रपत्र तथा ''छात्रावास से होकर गुजरो'' नामक एक वीडियो शामिल हैं।

इस वर्ष, छात्रावास में आवासी लड़कियों के लिए अत्याधुनिक जिम और इनडोर व्यायाम की सुविधा स्थापित की गई है। इसमें ''मैग्नेटिक अपराइट बाइक'', ''ट्वीस्टर'', ''मल्टी बेंच'' के तीन सेट और कॉमन रूम में रखा गया एक ''थ्रेड मिल'' शामिल है।

इसके अलावा, ग्रीन और स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करने की दिशा में एक कदम के रूप में, छात्रावास के गलियारों और रास्ते जैसे आम क्षेत्रों की सभी ट्यूब लाइट्स और परंपरागत बल्बों को, एलईडी बल्ब से बदल दिया गया है, जो अधिक ऊर्जा कुशल हैं।

ग्वेयर हॉल

ग्वेयर हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित छात्रावास है। इस छात्रावास की एक अद्वितीय विशेषता है कि यहां छात्र और संकाय सदस्य साथ रहते और एक साथ भोजन करते हैं। इन वर्षों में ग्वेरियनों भारत और विदेशों में जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। छात्रावास यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाता है कि अपने अस्तित्व के वर्षों से चली आरही भावना और समृद्ध विरासत को बचाए रखा जाए और यह आगे पनपना जारी रखे।

प्रवेशः चालू शैक्षणिक वर्ष 2015–2016 के दौरान इस हॉल में प्रवेश के लिए एक विशाल भीड़ रही और विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर, एलएलबी, सीआईसी, एम.फिल., पीएच.डी., बी.एड. तथा एम.एड. पाठ्यक्रम के छात्रों से लगभग 900 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। प्रवेश समिति ने सावधानी पूर्वक जांच के बाद, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से खाली सीटों को भरा। प्रवेश विशुद्ध रूप से योग्यता के आधार पर प्रदान किया गया था।

विकास– छात्रावास की व्यायामशाला के आसपास की जगह पर पत्थर लगाए गए हैं और छात्रावास के परिसर में कुछ अन्य क्षेत्रों को भी सीमेंट से पुख्ता किया गया है। कैंटीन और जिमनैजियम के बाहर के क्षेत्र को भी विकसित किया गया है। आवासियों के लिए एक नए अखबार कक्ष प्रदान किया गया है। टीसी/डीसी के कमरे की छत का नवीनीकरण किया गया है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया है।

संघ के चुनावः सत्र के दौरान ग्वेयर हॉल में छात्र संघ के विभिन्न पदों के लिए संघ का चुनाव लिंगदोह समिति के प्रावधान के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। आवासी और संघ के प्रतिनिधि शांतिपूर्ण और दोस्ताना माहौल बनाए रखने में सक्रिय रहे।

स्वच्छता उपाय– स्वच्छता सुविधाओं को बढ़ाने के लिए, समय समय पर ऊपर के पानी के टैंकों को साफ किया गया है। उपाय भी प्राथमिकता के आधार पर रसोई, पैंट्री, स्टोर और शौचालय सहित हॉल पर सभी स्थानों पर साफ–सफाई सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए गए हैं।

त्योहार और उत्सव–ग्वेयरहॉल ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 56 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और उसे वर्ष 2015–2016 के लिए प्रथम पुरस्कार मिला है।

हॉल के आवासियों बुद्ध पूर्णिमा, स्वतंत्रता दिवस, दीवाली, क्रिसमस, नए वर्ष, गणतंत्र दिवस, सरस्वती पूजा, ईद–उल–फितर, होली और बी.आर. अम्बेडकर जयंती जैसे मौकों जश्न मनाने के लिए विभिन्न समारोहों का आयोजन किया।

वाई–फाई – विश्वविद्यालय द्वारा हॉल के आवासियों को यह सुविधा प्रदान की गई है।

खेल– आवासियों ने जुबली हॉल द्वारा आयोजित अंतर छात्रावास क्रिकेट और बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लिया। छात्रावास के आवासियों ने सिंगल और डबल बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरस्कार जीता। आवासियों ग्वेयर हॉल छात्र संघ द्वारा आयोजित इंट्रा–छात्रावास वॉलीबॉल टूर्नामेंट में भाग लिया।

नए उपकरण– दो नए कंप्यूटर और दो कार्यालय टेबल खरीदे गये हैं।

दिव्यांग आवासियों के लिए सुविधाएं– दिव्यांग छात्रों के लिए शौचालय बनवाए गए हैं और रैंप का निर्माण भी किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय द्वारा 1964 में विदेशी छात्रों और स्नातकोत्तर भारतीय छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का छात्रावास स्थापित किया गया था। इसमें 98 कमरे हैं और सभी एक व्यक्ति के रहने के लिए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2015–16 के दौरान 30 भारतीय छात्रों के अलावा 28 देशों के 64 विदेशी छात्रों को इस छात्रावास में प्रवेश कराया गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय संस्कृति का एक समामेलन और विविध पच्चीकारी प्रस्तुत करता है। अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रकृति के कारण, आईएसएच दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रावास प्रणाली में एक विशेष स्थान रखता है। छात्रावास के वर्तमान प्रशासन में अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर राजीव गुप्ता और वार्डन के रूप में प्रोफेसर महेंद्र नाथ भी शामिल हैं।

आवासियों ने इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस संघ के लिए मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2015 को श्री मनीष कुमार सोनकर (भारतीय नागरिक) को अपना अध्यक्षय श्री कैत्सा लेसोता (लेसोथो नागरिक) को सचिव और श्री राघव सिंघल को कोषाध्यक्ष (भारतीय नागरिक) निर्वाचित किया। छात्रावास की सांस्कृतिक, खेल, मेस, हाउस, कॉमन रूम, कम्प्यूटर कक्ष और घर की अन्य गतिविधियों की देखरेख के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। अपनी स्थापना के बाद से आईएसएच अपने विविध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रशंसित है। हाउस संघ ने 2015–2016 में निम्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कियारू–

26 अक्टूबर, 2015 को नए छात्रों के स्वागत की पार्टी के साथ हाउस संघ के उद्घाटन का आयोजन किया गया।

हाउस ने आनन्द और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस, दीपावली, क्रिसमस, नव वर्ष दिवस, गणतंत्र दिवस, लोहड़ी, स्वामी विवेका नंद जयंती, ईद–उल–फितर, ईद–उल–जुहा, सरस्वती पूजन और होली मनाई। इन अवसरों ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भारतीय संस्कृति के बारे में जानने का अवसर दिया और भारतीय छात्रों को विदेशी संस्कृतियों के बारे में जागरूक किया।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के हाउस संघ फरवरी, 2016 में इंट्रा–अंतर छात्रावास आईएसएच खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया।

आईएसएच ने 27 फरवरी, 2015 को अपना 52वां वर्ष मनाया और वार्षिक दिवस के उत्सव को ''मील का पत्थर 16'' नाम दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, प्रोफेसर तरुण कुमार दास इसके मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम के दौरान, पूर्व छात्रों से मिलन समारोह का आयोजन किया गया और योग्य आवासियों को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए विभिन्न पुरस्कार, सम्मान और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।. भारत, श्रीलंका, फिजी, इथियोपिया, कंबोडिया, इंडोनेशिया, नेपाल, मॉरीशस, अफगानिस्तान, थाईलैंड और नाइजीरिया सहित विभिन्न देशों के छात्रों और कलाकारों सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कार्यक्रमों के साथ दर्शकों का मनोरंजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय कई विशिष्ट अतिथियों और राजनयिकों ने भी इस रगारंग समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मेहमानों और आवासियों के लिए एक विशेष डिनर आयोजित किया गया था।

इस वर्ष को आवासियों के लिए सेवाओं में सुधार के द्वारा चिह्नित किया गया, उनके लिए एक अतिरिक्त कपड़े धोने की मशीन की खरीद, एक एलईडी (टीवी) 48'', कम्प्यूटर कक्ष के लिए एक एयर कंडीशनर, स्टील के चार सोफे (तीन सीट वाले), कॉमन रूम के लिए रूम कूलर, कॉमन रूम और और कंप्यूटर रूम का नवीकरण, वाचनालय में अखबारों के स्टैंड की स्थापना और और छात्रों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे खरीदे गए।

अंतरराष्ट्रीय महिला छात्रावास

महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास का बहुसांस्कृतिक चरित्र उनके द्वारा आयोजित गतिविधियों के केंद्र में है। 30 से अधिक देशों की आवासी छात्राएं संयुक्त रूप से सद्भाव और दोस्ती की भावना के साथ अपने सांस्कृतिक उत्सवों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय त्यौहारों को मनाती हैं। ध्यान विविधता में एकता पर केंद्रित है।

पिछले वर्ष की तरह, 2015–16 में दिल्ली विश्वविद्यालय की राइट ऑफ समिति के सदस्यों द्वारा छात्रावास के उपकरणों और फर्नीचर आदि के निपटान के बाद छात्रावास प्रशासन ने निम्न सुविधाओं को बहाल करने/या बढ़ाने का फैसला किया हैः –

- 01 बीकन मोनो ब्लॉक 7.5 एचपी मोटर पम्प तृतीय चरण
- 01 48'' एलसीडी टीवी सोनी ब्राविया मॉडल 48आर562सी
- 03 एलजी माइक्रोवेव संवहन मॉडल एमसी 3283एजी
- 08 एलजी डबल डोर फ्रिज 310 लीटर
- 03 1.5 टन वोल्टास विंडो एसी
- 03 आईएफबी वॉशिंग मशीन 7.5 किलोग्राम – टीएलआरसीएच टॉप लोड
- 04 फिलिप्स स्टीम आयरन
- 08 गीजर 50 लीटर
- 04 गीजर 15 लीटर
- 02 यूरेका फोब्स आरओ सिस्टम 50 एलपीएच भंडारण के साथ
- 01 ट्रेडमिल एयरोफिट एएफ 749
- 02 इलिप्टिकल एयरोलिफ्ट एएफ 720
- 02 रिकम्बेन्ट बाइक एयरोफिट एएफ 8719 आर
- 01 मल्टी–फंक्शन होम जिम एयरोफिट एएफ 1315
- 03 03 बजाज विद्युत केतली
- 01 सैमसंग 23'' एलईडी टीवी 23एच4003 सीसीटीवी के साथ संलग्न
- 04 वोल्टास 1.5 टन स्पलिट एसी
- 03 वोल्टास 1 टन स्पलिट एसी
- 12 लेनोवा थिंक सेंटर एम93पी कोर आई5 4जेन/4जीबी रैम/500जीबीएचडीडी/18.5''/ डीवीडीआरडब्ल्यू/यूएसबी केबी एम/विंडो 8 प्रोफेशनल
- 01 एचपी लेजरजेट प्रिंटर एम100 सह स्कैनर

छात्रावास मेस में स्थापित

- 01 सोनी होम थियेटर म्युजिक सिस्टम
- 04 फिलिप्स फोर स्लाइस टोस्टर
- 02 यूरेका फोब्स आरओ सिस्टम 50 एलपीएच भंडारण के साथ
- 02 एक्वागार्ड रिवाइवा आरओ शोधक प्रणाली
- 01 डीप फ्रीजर ब्लू स्टार 700 लीटर डीप फ्रीज
- 01 डीप फ्रीजर कूलेक्स, वर्टिकल, 02 दरवाजा, एसएस चिलर, 650 टीएनएम

फर्नीचर

- 01 दो सीटों वाला लकड़ी का सोफा
- बैक रेस्ट के साथ 21 सिंगल बेड
- 06 तीन सीटों वाले सोफे
- 01 दो सीटों वाला सोफे
- 36 अध्ययन मेज
- 10 क्लॉथ स्टैंड
- 01 स्टील कैबिनेट

शैक्षणिक सत्र 2015–16 के निम्नलिखित के साथ आरंभ हुआः–

ध्वजारोहण, राष्ट्रीय गान के गायन और विशेष नाश्ते और रात के खाने के साथ भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। ईद उल फितर को रमजान के दौरान उपवास करने वाली लड़कियों को ध्यान में रखकर रात का खाना परोसा गया था और मिठाई वितरित की गई।

हाउस में बड़े धूमधाम से दीवाली मनाई गई। दीवाली से एक दिन पहले घर को रोशनी से सजाया गया था। रात के खाने का भव्य आयोजन किया गया था और आवासियों में से अधिकांश पारंपरिक भारतीय वस्त्रों में थे। शाम एक जाम सत्र के साथ समाप्त हुई। शुक्रवार, 24 अक्टूबर–2015 को हाउस के लाउंज रूम में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। शुक्रवार, 16–10–2015 को रात के विशेष खाने के साथ एक फ्रेशर्स पार्टी (2015–16) आयोजित की गई थी। क्रिसमस यूलटाइड और खुशी का समय है। क्रिसमस कैरोल, एक अलाव, नृत्य और संगीत के रूप में सभी ने क्रिसमस की भावना को अभिव्यक्त किया। नए वर्ष के आगमन का जश्न मनाने के लिए छात्रावास में नए वर्ष की पार्टी का आयोजित किया गया था।

एक अलाव और नृत्य के साथ लोहड़ी मनाई गई। गणतंत्र दिवस को ध्वजारोहण, राष्ट्रीय गान के गायन डायनिंग हॉल में विशेष नाश्ता का आयोजन किया गया। उसके बाद सुबह 9:00 पर आईएसएचडब्ल्यू आवासियों के बीच प्रतियोगिता, खेल और विभिन्न अन्य गतिविधियों के साथ खेल दिवस की गतिविधियाँ आरंभ हुईं। इसके पश्चात् विशेष नाश्ता और जलपान आदि की व्यवस्था थी। शुक्रवार, 26 फरवरी 2016 को वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें आईएसएचडब्ल्यू ने सबसे अच्छे माली का पुरस्कार जीता। होली मनाई गई। हल्के नाश्ते के साथ होली मिलन का उत्सव मनाया गया।

शनिवार, 12 मार्च 2016 को संध्या 6:00 बजे वार्षिक अतिथि रात्रि समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष का विषय था ष्पेरिवाल्लोष्। श्री पी.ए. सुमेधा पोन्नमपेरूएम, मंत्री काउंसलर, श्रीलंकाई उच्चायोग मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मानव विज्ञान विभाग की ओर से प्रोफेसर एस. एम. पटनायक, आईएसएचडब्ल्यू के प्रबंध समिति के अध्यक्ष, सम्मानित अतिथि थे। विभिन्न दूतावासों के राजनयिकों और दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों से आवासियों के दोस्तों सहित 400 से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से कई मेहमान उपस्थित थे।

पुस्तकालय समिति ने शनिवार, 20 फरवरी, 2016 को राष्ट्रीय प्राणी उद्यान की एक यात्रा का आयोजन किया। वर्ष 2015–16 के आवासियों ने निवर्तमान आवासियों के लिए एक विदाई पार्टी दी जिसमें उन्होंने उस अद्भुत समय के बारे में बताया, जो उन्होंने उस घर में बिताया था।

जुबली हॉल

जुबली हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए निवास का एक प्रमुख स्थान है। इसे 1947 में विश्वविद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर स्थापित किया गया था। हॉल का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन अध्यक्ष में निहित हैं, जिन्हें एक वार्डन और एक आवासी अध्यापक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

हॉल निम्नलिखित के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य करता हैः

अध्यक्ष	प्रो. दीवान एस रावत
वार्डन	प्रो. पी.पी. चक्रवर्ती
आवासी अध्यापक	डॉ. मोहम्मद नईमुदिन

हॉल में कई गतिविधियों का प्रदर्शन किया गयाः

- जुबली हॉल ने अपना वार्षिक समारोह ''उत्साह'' मनाया और कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों और अन्य प्रसिद्ध हस्तियों ने इसमें हिस्सा लिया।
- इस वर्ष भी इसने अपनी महिमा बनाए रखी और बहुत से आवासियों का भारत सरकार की अखिल भारतीय प्रतिस्पर्धी सेवाओं में उच्च पदों के लिए चयन किया गया था।

सद्भाव और ''विविधता में एकता'' के अपनी बुनियादी चरित्र को बनाए रखने के लिए हॉल में सरस्वती पूजा, होली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, दीपावली और क्रिसमस अर्थात् सभी त्योहारों को बहुत उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया।

मानसरोवर छात्रावास

मानसरोवर छात्रावास पूर्ण कालिक स्नातकोत्तर और शोध छात्रों का छात्रावास है, इसमें लिए भारत के विभिन्न भागों और विदेशों से दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के लिए आने वाले 165 आवासियों को समायोजित करने की क्षमता है।

प्रशासन– प्रोवोस्ट छात्रावास के प्रशासनिक प्रमुख हैं। प्रशासनिक प्रयोजनों के लिए, उन्हें वार्डन और आवासी अध्यापक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जो क्रमशः छात्रावास के दैनन्दिन कार्यों के प्रभारी, और पाठ्येतर गतिविधियों तथा आवासियों के सामान्य कल्याण के मामलों की देखरेख करते हैं। प्रोवोस्ट, वार्डन और आवासी अध्यापक विश्वविद्यालय की नियुक्ति कार्यकारी परिषद की ओर से कुलपति द्वारा की जाती है।

प्रवेशः छात्रावास में प्रवेश और पंजीकरण के लिए कुल 600 आवेदन पत्र मुद्रित किये गए और इनमें से 520 आवेदन पत्र, विभिन्न आवेदकों को बेंचे गए थे। छात्रावास कार्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदकों से 476 आवेदन पत्र प्राप्त किये गए। रिक्ति के अनुसार 69 छात्रों को प्रवेश दिया गया। विभिन्न श्रेणियों के आवासियों का विवरण इस प्रकार हैं:

आवासियों की कुल संख्या	सामान्य/अपिब के छात्र	अजा छात्र	अजजा छात्र	विदेशी छात्र	दिव्यांग छात्र
165	115	25	12	08	05

उपलब्धियाँ/विकास

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अत्याधुनिक शौचालय उपलब्ध हैं। अलग ढंग से सक्षम व्यक्तियों के छात्रावास में आसान पहुँच के लिए दो रैंपों का निर्माण किया गया। छात्रावास में मरम्मत के विभिन्न कार्य पूरे हो चुके हैं। छात्रावास पूरी तरह से वाई –फाई सक्षम परिसर बन गया है। छात्रावास परिसर में नई कैंटीन और फोटोकॉपी की दुकान के लिए सफलता से बोली लगाई गई और ठेका हासिल किया गया था।

मेघदूत छात्रावास

मेघदूत छात्रावास ने शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में उत्साह के साथ कई गतिविधियों और नवाचारों को मनाया। उनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सवरू

मेघदूत छात्रावास के आवासियों और कर्मचारियों ने 5 जून, 2015 को पहली बार ष्सतत खपत और उत्पादनष विषय के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। विषय के लिए नारा था ष्सात अरब सपनेष एक ग्रह। ष्ध्यान से उपभोगष। प्रबंधन समिति के सदस्यों और सभी स्टाफ सदस्यों ने इस उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लिया। आवासियों के साथ ही प्रबंधन समिति सदस्यों और छात्रावास के कर्मचारियों द्वारा पेड़–पौधे और औषधीय पौधे (200 संख्या में) लगाए गए।

22–26 जून, 2015 के बीच स्वच्छता अभियान सप्ताह मनाया गया:

22–26 जून, 2015 में छात्रों और वार्डन एवं अध्यक्ष के साथ छात्रावास के कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान सप्ताह में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर साफ–सफाई अभियान के दौरान पार्किंग स्थल और रास्ते सहित परिसर के साझा क्षेत्रों को साफ किया गया था। स्वच्छता अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए छात्रावास परिसर में साफ–सफाई की निगरानी के लिए छात्रावास के वार्डन, प्रभारी, छात्र प्रतिनिधि और मेस स्टीवर्ड की टीम बनाई गई थी। सभी आवासियों को उनके कमरों/गलियारों/लॉन, मेस, आदि साफ करने का निर्देश किया गया। छात्रावास परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए अपशिष्ट निपटान के लिए कचरे के डिब्बे रखे गये थे।

इफ्तार पार्टी का उत्सव:

इफ्तार रमजान के धार्मिक रीति–रिवाजों में से एक है और अक्सर इसे एक समुदाय के रूप में किया जाता है जहां लोग साथ मिलकर अपना ब्रत तोड़ते हैं। 15 जुलाई, 2015 को छात्रावास के आवासियों ने पहली बार मुस्लिम आवासियों के साथ मेस में इफ्तार पार्टी का जश्न मनाया। अध्यक्ष (प्रोवोस्ट) और वार्डन के साथ–साथ सभी आवासियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह:
15 अगस्त 2015 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। वार्डन द्वारा तिरंगा ध्वज फहराया गया था। इस दिन प्रत्येक आवासी ने राष्ट्र के प्रति प्रेम और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में झंडा के एक ब्रोच के साथ सफेद, भगवा या हरे रंग की पोशाक पहनी थी।

ईद का उत्सव:
सभी आवासियों ने 25 सितंबर को ईद–उल–जुहा (बकरीद) मनाया जिसके बाद रात के विशेष भोजन की व्यवस्था की गई।

डीयूडब्ल्यूए: डॉ. (श्रीमती) नीलांजना सिंह, अध्यक्ष, डीयूडब्ल्यूए द्वारा विशेष व्याख्यान:

डॉ.(श्रीमती) नीलांजना सिंह, तत्कालीन अध्यक्ष, डीयूडब्ल्यूए (दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन), ने 19.10.2015 को शाम 5.30 बजे छात्रावास के कॉमन रूम में ''स्वस्थ भोजन का रहस्य'' विषय पर पहला विशेष वक्तव्य दिया। सभी आवासियों ने व्याख्यान में भाग लिया जिसके बाद हाई टी और पौधों का रोपण किया गया।

दशहरा उत्सवः

22 अक्टूबर, 2015 को रात के विशेष भोजन और रावण दहन के साथ छात्रावास आवासियों द्वारा शानदार तरीके से दशहरा मनाया गया। आवासियों ने सांस्कृतिक नृत्य और संगीत का प्रदर्शन किया।

दीवाली का उत्सवः

11 नवंबर, 2015 को रोशनी का त्योहार दीवाली मनाया गया। छात्रावास को खूबसूरती से प्रकाशित किया गया था और मेघदूत को इस तरह से देखना अद्‌भुत था। आवासियों के लिए यह आनंद का समय था और आवासियों ने पटाखे न जलाने और पर्यावरण अनुकूल माहौल में दीपावली मनाने का फैसला किया। वार्डन और आवासियों ने लक्ष्मी पूजा में भाग लिया और छात्रावास में विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया।

नए छात्र संघ का चुनावः

मेघदूत छात्रावास छात्र संघ के पदाधिकारियों, अर्थात् अध्यक्ष, उप–अध्यक्ष, महासचिव, सांस्कृतिक सचिव, मेस सचिव और खेल सचिव के लिए 17 नवंबर 2015 को चुनाव आयोजित किया गया था। सदस्यों मेघदूत छात्रावास छात्र संघ कार्यालय के लिए निम्नलिखित का चुनाव किया गया था, अर्थात् सुश्री ज्योत्सना – अध्यक्ष, सुश्री श्रुति पांडे – उपाध्यक्ष, सुश्री नम्रता साहूदृ महासचिव, सुश्री त्रिपर्ना घोष –सांस्कृतिक सचिव, सुश्री प्रीति कुलहरी – खेल सचिव और सुश्री दिव्या झा – मेस सचिव।

क्रिसमस का उत्सवः

आवासियों ने विशेष रात्रिभोज और केक के साथ 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाया। क्रिसमस कैरोल के गायन और सांता क्लॉज द्वारा उपहार बांटने के साथ उत्सव आरंभ हुआ। एक विशेष रात्रिभोज और आवासियों द्वारा आपस में ''उपहार विनिमय'' के साथ समारोह समाप्त हो गया। इसने एक अद्‌भुत वर्ष 2015 के अंत को चिह्नित किया।

फ्रेशर्स पार्टीः

मेघदूत छात्रावास परिवार में नए आवासियों के स्वागत के लिए, छात्रावास छात्र संघ द्वारा 31 जनवरी, 2016 को विशेष फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई थी।

लोहड़ी, पोंगल और बिहू के उत्सवः

आवासियों ने पवित्र अग्नि की परिक्रमा कर एक–दूसरे को खुशी और समृद्ध वर्ष की शुभकामना देते हुए साथ मिलकर त्यौहार मनाया। वार्डन और प्रबंधक ने पवित्र आग जलाई और सभी आवासियों द्वारा एक पंजाबी लोक नृत्य सत्र के बाद प्रसाद बांटा गया।

गणतंत्र दिवस समारोहः

26 जनवरी 2016 को गणतंत्र दिवस मनाया गया। वार्डन द्वारा तिरंगा ध्वज फहराया गया और उन्होंने एक उत्साही और देशभक्ति पूर्ण भाषण दिया। इसके बाद आवासियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत और नृत्य आदि प्रस्तुत किए। खेल की व्यवस्था की गई थी, जिसमें बोरी दौड़, तीन पैर पर दौड़ और रस्सी खींचना आदि कई खेल शामिल है।

सरस्वती पूजा का उत्सवः

13 फरवरी 2016 को आवासियों ने बसंत पंचमी मनाई। सभी आवासियों मे मिलकर ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा की थी। सभी आवासियों और छात्रावास के कर्मचारियों में प्रसाद वितरित किया गया।

58 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी–2016:

मेघदूत छात्रावास ने फूलों और लॉन की विभिन्न प्रविष्टियां देकर 26 फरवरी, 2016 को आयोजित 58 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और कार्यक्रम में एम. एम. बेग ट्रॉफी और हंसराज कॉलेज कप प्राप्त किया।

वार्षिक रात्रि समारोह मेघ यामिनी–2016:

छात्रावास में 11 मार्च, 2016 को स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा बहुप्रतीक्षित समारोह अर्थात् *मेघ यामिनी–2016* आयोजित किया गया और सभी आवासियों ने इसमें उत्साह सहित भाग लिया। रजिस्ट्रार, प्रो. तरुण कुमार दास को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, हालांकि पहले से कियी कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण वे समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

सम्मानित अतिथि, श्री मधुर वर्मा, डीसीपी (उत्तर), आईपीएस ने इस अवसर की गरिमा बढ़ाई। प्रो. सुषमा बत्रा ने समारोह की अध्यक्षता की। खूबसूरत रात्रि, सांस्कृतिक कार्यक्रम और उपहार वितरण का आनंद उठाने के लिए सभी कर्मचारी और आवासी मौजूद थे। इसके पश्चात् एक विशेष रात्रिभोज और डिस्को जॉकी का प्रबंध था।

होली का जश्नः
24 मार्च 2016 को आवासियों ने छात्रावास परिसर में रंग के साथ होली का त्योहार मनाया। सभी ने सुरक्षित और रंगीन होली खेली। आवासियों ने इसका भरपूर आनंद उठाया।

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास

यह पूर्वोत्तर की छात्राओं के महिला छात्रावास का 14वां वर्ष था। छात्रावास की 101 सीटों के लिए लगभग 400 छात्राओं ने आवेदन किया। मुख्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट इस प्रकार हैः

प्रवेश – पूर्वोत्तर की छात्राओं के महिला छात्रावास में 101 कमरे और 1 अतिथि कक्ष है, जिनमें से 70ः सीटें पूर्वोत्तर क्षेत्र के सात राज्यों की छात्राओं के लिए आरक्षित हैं, और 30% सीटें अन्य राज्यों की छात्राओं के लिए खुली हैं। 2015–2016 में, 101 आवासियों को छात्रावास में दाखिल किया गया। 69 आवासी पूर्वोत्तर क्षेत्र और 32 अन्य राज्यों से थीं। असम, नागालैंड और मणिपुर की आवासियों की संख्या का बढ़ना जारी है।

गतिविधियाँ – छात्रावास ने कई गतिविधियों का आयोजन किया और उनके लिए आगंतुकों को आमंत्रित किया गया। इन का विवरण इस प्रकार हैंः

छात्रावास में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्रोवोस्ट, वार्डन, आवासी अध्यापक और कार्यालय के कर्मचारियों की उपस्थिति में आवासियों द्वारा झंडा फहराया गया था।

छात्रावास के पुरानी आवासियों ने 9 सितंबर, 2015 को नई आवासियों के लिए एक स्वागत पार्टी का आयोजन किया, जिसमें रात का खाना और नृत्य शामिल था।

दीवाली उज्ज्वल और रंगीन रही। आवासियों ने छात्रावास को रोशनी और दीयों से प्रकाशित किया और फूलों तथा रंगोली से सजाया था। आवासियों में मिठाई बांटी गई।

आवासियों द्वारा लोहड़ी मनाई गई।

क्रिसमस के बाद केक काटने, गायकों के एक समूह द्वारा गायन और उपहार के आदान–प्रदान के साथ 17 जनवरी, 2016 को समारोह मनाया गया।

छात्रावास में गणतंत्र दिवस और खेल दिवस भी मनाये गए।

7 फरवरी, 2016 को छात्रावास रात्रि के लिए धन जुटाने के लिए आवासियों द्वारा एक उत्सव आयोजित किया गया था।
छात्रावास रात्रि समारोह मनाया गया। प्रो. मधु विज, अध्यक्ष एनईएसएचडब्ल्यू, 11 मार्च, 2016 को आयोजित इस समारोह की मुख्य अतिथि थीं।

छात्रावास की जूनियर आवासियों ने 8 अप्रैल, 2016 को पुरानी आवासियों के लिए एक विदाई पार्टी का आयोजन किया, जिसमें रात के खाने और नृत्य का आयोजन किया गया था।

सुविधाएं

छात्रावास अपने आवासियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता हैः

केबल कनेक्शन एक एलईडी टीवी, डीवीडी प्लेयर और म्यूजिक सिस्टम से सुसज्जित कॉमन रूम। यहां शतरंज, कैरम, जैसे बोर्ड खेल भी उपलब्ध हैं। पत्रिकाओं, समाचार पत्र आदि के साथ एक वाचनालय, आवासियों द्वारा अध्ययन प्रयोजनों के लिए इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। आगंतुकों और आवासियों के लिए एक विस्तृत लॉबी है। आवासियों द्वारा सुबह 7:30 बजे से रात 9:00 बजे के बीच उपयोग के लिए वजन करने की एक

मशीन, स्टेपर, साइकिल आदि से सुसज्जित एक कपड़े धोने का कमरा और एक आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट भी उपलब्ध है। कुल 4 हॉट प्लेटें, विभिन्न मंजिलों पर वितरित हैं। गैर–शाकाहारियों के लिए तीन और शाकाहारियों के लिए दो फ्रिजरेटर, आवासियों द्वारा उपयोग के लिए कॉमन रूम के पास रखे हैं। डायनिंग हॉल में एक एलईडी टीवी है। एक वाटिका है, जिसका अच्छी तरह से रखरखाव किया जाता है। छात्रों को छात्रावास से दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर के ढाका परिसर में लाने और वापस छात्रावास लाने के लिए एक बस सेवा है। ब्रॉडबैंड कनेक्शन के साथ 12 कंप्यूटर एक वातानुकूलित कम्प्यूटर कक्ष में रखे गए हैं। सौर ऊर्जा के माध्यम से 24 घंटे गर्म पानी की आपूर्ति। आवासियों द्वारा उपयोग के लिए गर्म और ठंडे पानी के दो जल वितरक उपलब्ध हैं। आवासियों के लिए चार माइक्रोवेव ओवन उपलब्ध हैं।

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

स्नातकोत्तर छात्रों का छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत और द्वारा स्थापित एक ''निवास हॉल'' है। 24 अक्टूबर 1975 को तत्कालीन कुलपति, प्रोफेसर आर. मेहरोत्रा द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के 100 प्रमाणित पूर्णकालिक, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बोर्डिंग, लॉजिंग और अन्य सुविधाएं प्रदान करता है।

प्रशासन–छात्रावास का प्रशासन दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा नियुक्त एक वार्डन और एक आवासी अध्यापक की सहायता से प्रोवोस्ट द्वारा किया जाता है।

प्रबंधन समिति –छात्रावास में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विधिवत गठित एक प्रबंधन समिति है। प्रबंधन समिति को रहने की अवधि, विभिन्न विषयों के लिए सीटों के आवंटन, विषयों, श्रेणियों, आवासी और अतिथि के दर्जे तथा फीस आदि के बारे में नीतियां/नियम बनाने का अधिकार है। समिति ने इस होस्टल के एक भूतपूर्व आवासी स्वर्गीय श्री अजीत सिंह यादव की माँ श्रीमती सुदर्शन यादव के, अजीत सिंह यादव मेमोरियल बहस के लिए एक बंदोबस्ती कोष के लिए धन के अनुरोध को स्वीकार कर लिया, यह धन स्वर्गीय श्री अजीत सिंह यादव की मां द्वारा प्रदान किया जाएगा। अजीत सिंह यादव मेमोरियल बहस में 22 अप्रैल, 2015 को ''उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरणः वरदान या अभिशाप'' विषय पर बहस आयोजित की गई थी।

राजीव गांधी स्नातकोत्तर बालिका छात्रावास

लड़कियों का राजीव गांधी छात्रावास (आरजीएचजी), ढाका छात्रावास परिसर, मुखर्जी नगर में स्थित एक बहुत विशाल और सुंदर छात्रावास है। छात्रावास भवन का निर्माण पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर/एनईसी) और जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमटीए) की वित्तीय सहायता से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। कुलपति प्रो. दिनेश सिंह 28 जून 2012 को छात्रावास परिसर का उद्घाटन किया था। इस छात्रावास ने जुलाई 2012 में कामकाज आरंभ कर दिया।

छात्रावास परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाली पूर्वोत्तर और भारत के अन्य हिस्सों की छात्राओं (स्नातकोत्तर और अनुसंधान अध्येता) का एक आत्मनिर्भर निवास है।

छात्रावास 8 समूहों में विभाजित है, प्रत्येक समूह पानी की आपूर्ति, आराम करने के कमरे आदि के मामले में स्वतंत्र है। प्रत्येक समूह में हर दूसरी मंजिल एक पेंट्री सुविधा सहित चार मंजिलें हैं, इन पेंट्री सुविधाओं का आवासियों द्वारा कुछ आपातकालीन भोजन तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

प्रशासन और प्रबंधन

छात्रावास का प्रबंध विश्वविद्यालय द्वारा गठित प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को माननीय कुलपति द्वारा नामित किया है। शुल्क संरचना, संविदात्मक कर्मचारियों की नियुक्ति, आवासियों से संबंधित कुछ मुद्दों के बारे में बड़े प्रशासनिक निर्णय प्रबंधन समिति के साथ चर्चा करने के बाद लिए जाते हैं। प्रशासनिक मुद्दों को निपटाने और छात्रावास के कामकाज के बारे में फीडबैक प्राप्त करने के लिए प्रबंध समिति के साथ प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में कम से कम दो, नियमित बैठकों की व्यवस्था है। छात्रावास के आंतरिक प्रशासन और अनुशासन का अधिकार प्रोवोस्ट में निहित है। वार्डन और आवासी ट्यूटर की सहायता से प्रोवोस्ट दैनन्दिन गतिविधियों की देखरेख करते हैं।

अनुभाग अधिकारी और जूनियर सहायक के स्तर पर संविदात्मक कार्यालय स्टाफ द्वारा प्रशासनिक सहायता प्रदान की जाती है। खरीदारी पानी, बिजली, नागरिक कार्य आदि सभी आवश्यक सेवाओं के लिए दो केयरटेकर रखे गए हैं। मेस और आवासियों की उपस्थिति की देखभाल करने की जिम्मेदारी हाउसकीपर (एचके) पर है।

सुलभ अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संगठन द्वारा प्रदान की स्वच्छता सेवाओं द्वारा साफ–सफाई और रखरखाव का ध्यान रखा जाता है। आवासियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, नाइट वॉच द्वारा प्रदान किए गए सुरक्षा कर्मी कार्यरत है।

सुविधाएं

दो लोगों की साझेदारी के आधार पर 386 कमरे हैं। छात्रावास 772 छात्रों को समायोजित कर सकता है। आवासियों के आराम से रहने के लिए छात्रावास के सभी कमरे काफी बड़े और हवादार हैं। सभी कमरों में सिलिंग पंखे हैं। प्रत्येक आवासी को विस्तर, एक अलमारी/वार्डरोब, दीवार पर लगे बुक रैक और दर्पण प्रदान किए जाते हैं।

वॉश रूम
प्रत्येक स्नान कक्ष में ठंडे/गर्म पानी की आपूर्ति और दर्पण उपलब्ध है।

खेल सुविधाएं
खेल में रुचि रखने वाली आवासियों के लाभ के लिए छात्रावास में खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रावास बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, टेबल टेनिस, व्यायामशाला, योग और कैरम, लूडो, शतरंज आदि जैसे इनडोर खेलों की सुविधा प्रदान करता है
पेंट्रीरू प्रत्येक समूह में हर मंजिल पर एक पेंट्री है। पेंट्री में वाटर कूलर है। आवासियों के उपयोग के लिए हॉट प्लेटें भी प्रदान की जाती हैं।

मनोरंजन/अवकाश की सुविधा
1. एक विशाल कॉमन रुम केबल कनेक्शन आदि के साथ बड़े परदे के रंगीन टीवी सहित कई बेहतरीन मनोरंजन सुविधाओं से लैस है।
2. आवासियों द्वारा सेमिनारों के आयोजन की व्यवस्था करने या सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के लिए एक प्रोजेक्टर स्थापित किया गया है।
3. वाचनालय एवं पुस्तकालय।

आगंतुक कक्ष
एक अच्छी तरह से सुसज्जित अतिथि कक्ष है, जहां आवासी अपने रिश्तेदारों और दोस्तों का स्वागत कर सकते हैं। आगंतुक कक्ष में केबल कनेक्शन के साथ बड़े परदे का एक एलईडी रंगीन टीवी स्थापित किया गया है।

भोजनालय और भोजन कक्ष
भोजनालय अनुबंध के आधार पर खाना पकाने के द्वारा चलाया जाता है। छात्रावास में स्वतंत्र रसोई और स्वच्छ तरीके से खाना पकाने की सुविधा और सुरक्षित पीने के पानी के साथ भोजन कक्ष है। मेस में हर आवासी के लिए स्वस्थ और स्वच्छ भोजन प्रदान किया जाता है।

मिठाई की दुकान
छात्रावास में एक टक शॉप है, जो अनुबंध के आधार आवासियों को चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और आवासियों की आवश्यकता के अनुसार अन्य स्वच्छ हल्के खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराता है।

चिकित्सा सुविधाएं
छात्रावास के आवासियों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जाने वाले डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र के सदस्य के रूप में खुद को नामांकित कराने का अवसर दिया जाता है। डब्ल्यूयूएस सभी प्रकार की सुविधाओं के साथ बुनियादी और आपातकालीन स्वास्थ्य उपचार प्रदान करता है। इसके अलावा छात्रावास द्वारा आपात समय में आवासियों की मदद करने के लिए प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस एक चिकित्सा कक्ष है। चिकित्सा आपात स्थिति के मामले में, आवासी को सबसे पास उपलब्ध अस्पताल ले जाया जाता है, स्थानीय अभिभावक को सूचित किया जाता है और उनके लिए तुरंत अपने बच्चे का प्रभार लेना आवश्यक है।

लॉन और उद्यान
छात्रावास की सुंदरता बढाने के लिए छात्रावास में लॉन और उद्यान का रखरखाव किया जाता है। उल्लेखनीय है कि छात्रावास ने 2014 और 2015 तथा 2016 में विश्वविद्यालय की पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया लगातार दो वर्षों से प्रतिष्ठित लाइब्रेरी कप और लेडी श्री राम कॉलेज महिला कप जीता है

अतिरिक्त सुविधाएं
1. सीसीटीवी कैमरे
2. अतिथि कमरे
3. 24 घंटे की सुरक्षा
4. रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) वाटर कूलर पेय जल
5. आवासियों के लिए सिलाई और इस्त्री करने की सुविधा उपलब्ध है।

विकास
छात्रावास के बिजली के बिल को कम करने और एक हरित परिसर के विकास की दिशा में पहले कदम के रूप में सौर लाइटें स्थापित की गई हैं।

परामर्श सेवा का प्रावधानः छात्रावास के आवासियों के लाभ के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवा उपलब्ध कराने के लिए इसका आरंभ किया गया। परामर्श दाता एक सप्ताह में कम से कम दो बार दो घंटे के लिए छात्रावास का दौरा करते हैं।

आवासियों की सुविधा के लिए एक पार्लर कक्ष भी तैयार किया गया है।

कम्प्यूटर लैबः कम्प्यूटर कक्ष में लकड़ी का एक मॉड्यूलर कार्य केंद्र तैयार किया गया है और 15 कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं। छात्रावास के आवासियों के लिए वाई–फाई की सुविधा ली गई है।

छात्रावास ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने के लिए अपनी वेबसाइट www.rghg-du.in विकसित की है।
आवासियों की सुविधा के लिए, वर्ष 2015–16 के दौरान निम्न की खरीद की गई है।

- पढ़ने की तीन लंबी मेज और चालीस कुर्सियों की खरीद के द्वारा पुस्तकालय कक्ष को उन्नत बनाया है।
- आगंतुक कक्ष एसी, आगंतुक सोफे और सेंटर टेबल से सुसज्जित है ।
- खुली जगह में और लॉन में ठोस सीमेंट की बेंचें लगाई गई हैं।
- छात्रावास के समिति कक्ष के लिए एक सम्मेलन मेज तैयार की गई है।

प्रवेश
सत्र 2015–16 के लिए सूचना बुलेटिन की बिक्री 14 जुलाई 2015 को आरंभ की गई। स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (एसडब्ल्यूए) के चयन के साथ सत्र आरंभ हुआ।

इस अवधि के दौरान कुछ स्वयंसेवकों और आवासियों की सांस्कृतिक समिति तथा छात्रावास के अधिकारियों की मदद से छात्रावास में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

सीटों का वितरण
छात्रावास में सीटों की कुल संख्या 772 है। सीटों का श्रेणी वार वितरण इस प्रकार हैरू

वर्ग
अनुसूचित जनजाति की छात्राओं (स्नातकोत्तर और मौजूदा स्नातक दोनों) सहित पूर्वोत्तर राज्यों की छात्राओं के लिए
: 300 सीटें
पूर्वोत्तर राज्यों सहित अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए : 200 सीटें
सामान्य और अन्य आरक्षित श्रेणियों के लिए (केवल स्नातकोत्तर) : 232 सीटें
विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) : 40 सीटें

छात्र कल्याण संगठन (एसडब्ल्यूए)

आवासी एक सामंजस्यपूर्ण सामुदायिक के जीवन में योगदान के लिए छात्रावास की सहज और कुशल संचालन में भाग लेते हैं। अध्यक्ष, महा सचिव और अन्य सचिव दैनिक कामकाज और हॉस्टल के आवासियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ
छात्रावास ने 15 अगस्त, 2015 को बड़े उत्साह के साथ छात्रावास में 69वां स्वतंत्र दिवस मनाया। माननीय कुलपति, प्रो. दिनेश सिंह नेवछात्रावास का दौरा किया और आवासियों को संबोधित किया। आवासियों और कर्मचारियों के बीच मिठाइयां बांटी गईं। इस अवसर पर प्रॉक्टर और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

आवासियों ने कार्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ छात्रावास में एक फ्रेशर स्वागत पार्टी का आयोजन किया।
दीवाली उत्सव में छात्रावास भवन के रोशनी से सजाना और एक विशेष रात्रिभोज भी शामिल था।

सर्दियों की छुट्टियों के दौरान *फन फेयर* के साथ क्रिसमस का उत्सव मनाया गया। लोहड़ी का समारोह अलाव जलाकर मनाया गया और सभी छात्रों ने अग्नि में आहुति दी। गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा राष्ट्रीय गान किया गया। आवासियों में मिठाई बांटी गई। आवासियों द्वारा 12 फरवरी, 2016 को सरस्वती पूजा भी की गई।

छात्रावास के अधिकारियों के मार्गदर्शन में 5 मार्च, 2016 को, एक प्रमुख और वार्षिक उत्सव छात्रावास दिवस के *''रागाज –2016''* का आयोजन किया गया। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के न्यायमूर्ति डॉ. मुकुंदकम शर्मा, मुख्य अतिथि और प्रबंध समिति के अध्यक्ष, प्रो. आनंद

प्रकाश सम्मानित अतिथि थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पीछे की मंशा आवासियों को एकजुट होने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। आवासियों द्वारा उत्कृष्ट नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से भारत के विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक पहलुओं का प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात् रात्रिभोज हुआ।

सारामति स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

पुरुषों के सारामाटी स्नातकोत्तर छात्रावास ने 1 अक्टूबर 2002 काम आरंभ किया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत देश के पूर्वोत्तर हिस्सों से छात्रों के साथ ही अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों और दक्षिणी परिसर के प्रमाणित छात्रों को आवासीय सुविधा प्रदान करता है। यह विश्वविद्यालय के अच्छी तरह से सुसज्जित हॉस्टल में से एक है।

छात्रावास में लगभग 130 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता और एक विशाल भोजन कक्ष है। छात्रावास में प्रत्येक आवासी को एक गद्दे का बिस्तर, अध्ययन मेज, कुर्सी, जूतों का रैक और पर्दे प्रदान किए जाते हैं। छात्रावास गुणवत्ता युक्त भोजन प्रदान करता है और भोजन की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जाती है। छात्रावास में दो पलंगों वाला एक वातानुकूलित अतिथि कक्ष और मनोरंजन की सुविधा तथा एक वाचनालय भी है। छात्रावास के आसपास के परिदृश्य ने छात्रावास परिसर की सुंदरता को बढ़ाया है।

आवासियों को कंप्यूटिंग और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करने के लिए छात्रावास में एक अलग कंप्यूटर प्रयोगशाला है, जो विश्वविद्यालय नेटवर्क प्रणाली से जुड़ी है। वर्ष 2015–2016 के दौरान वाई–फाई की बुनियादी सुविधाओं का उपयोग कर तेज और अधिक सुरक्षित नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए इंटरनेट सुविधा का आधुनिकीकरण किया गया है। सभी आवासियों को ऑनलाइन इंटरनेट/इंट्रानेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए नवीनतम कंप्यूटर और वायरलेस नेटवर्क प्रणाली स्थापित की गई है। छात्रावास सुसज्जित जिम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज और कैरम आदि के साथ अंदर और बाहर खेले जाने वाले खेलों के लिए उत्कृष्ट खेल सुविधाएं प्रदान करता है। छात्रावास शैक्षणिक सत्र के अंत में खेलों का आयोजन करता है और विजेताओं को वार्षिक दिवस समारोह पर पुरस्कार और ट्राफियों के साथ प्रोत्साहित किया जाता है। आवासियों के लिए स्वचालित वाशिंग मशीन और ड्रायर के साथ कपड़े धोने की सुविधा भी उपलब्ध है। 2015–2016 के दौरान छात्रावास में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के साथ सुरक्षा को बढ़ाया गया था।

स्नातक–पूर्व बालिका छात्रावास

यह छात्रावास अक्टूबर, 2012 में स्थापित किया गया था। छात्रावास को सौंदर्य की दृष्टि से 7 ब्लॉकों के साथ एक विस्तृत परिसर में बनाया गया है, इसमें दो व्यक्तियों के अधिभोग के लिए 344 कुल कमरे हैं ।

यह दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों के 49 कालेजों/विभागों की छात्राओं को समायोजित करनेवाला पहला छात्रावास है। छात्रावास खेल सुविधाओं, एक वाचनालय, जिम, एलसीडी सुविधा ये साथ कॉमन रूम, अतिथि कक्ष, कंप्यूटर की सुविधा और एक नर्स के साथ एक सुसज्जित चिकित्सा कक्ष है, जिसमें हफ्ते में तीन बार डॉक्टर की आते है। इनके अलावा, आवासियों के लिए एक भोजन कक्ष है, जिसमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

छात्रावास में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, दीवाली, क्रिसमस, लोहड़ी और होली आदि त्यौहार मनाये गए। आवासियों द्वारा फ्रेशर्स के स्वागत और विदाई समारोह भी आयोजित किए गए।

पूरी इमारत सीसीटीवी की निगरानी में है। इसके अलावा, आवासियों के उपयोग के लिए लॉन का अच्छी तरह से रखरखाव किया जाता है। सत्र 2015–16 में विभिन्न कॉलेजों और श्रेणियों से संबंधित कुल 635 छात्रों को छात्रावास में भर्ती कराया गया।

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास

वर्ष 1973 में स्थापित, विश्वविद्यालय महिला छात्रावास (यूएचडब्ल्यू) दिल्ली विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। छात्रावास में देश के विभिन्न भागों और विदेशों की स्नातकोत्तर और शोधरत छात्राओं के लिए 320 सीटों की क्षमता है, और यह नारीत्व की देदीप्यमान भावना के खिलने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। छात्रावास 2012 के बाद से नवीकरण के अंतर्गत था और शैक्षणिक सत्र 2015–2016 में आंशिक प्रवेश के साथ इसे फिर से खोल दिया गया है।

यूएचडब्ल्यू में हमेशा से कई उत्सवों और समारोहों का आयोजन करने की परंपरा रही है। नवीकरण के कारण सभी त्योहारों को नहीं मनाया जा सका। हालांकि, 2015–2016 में निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गए।

प्रो. भारती बवेजा, नवंबर 2012 से जुलाई 2015 में विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त होने तक यूएचडब्ल्यू की प्रोवोस्ट रहीं। छात्रावास में उनके बहुमूल्य योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया गया था। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आवासियों ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में हिस्सा लिया और राष्ट्रीय गान और देशभक्ति के अन्य गीतों का गायन किया।

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास (यूएचएम) ने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित स्वच्छ भारत अभियान के अनुसार और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रधानमंत्री की दृष्टि के कार्यान्वयन की दिशा में योगदान के लिए अभियान के हिस्से के रूप पहल की और परिसर और आसपास के क्षेत्र को साफ करना जारी रखा। प्रोवोस्ट और छात्रावास के सभी कर्मचारी और आवासी सफाई अभियान में भाग लेते हैं।

दीवाली पर एक छोटा सा मिलन समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें सभी कर्मचारी और सत्र 2015–2016 के लिए भर्ती सभी आवासी शामिल हुए।

सर्दियों के अंत और बसंत की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए, आवासियों ने लोहड़ी मनाई। जिसमें रात के खाने में साग व मक्की की रोटी का एक विशेष पंजाबी भोजन तैयार किया गया था और आवासियों ने इसे बहुत पसंद किया था।

प्रोवोस्ट द्वारा झंडा फहराने के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का आरंभ हुआ, जिसके बाद आवासियों और कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय गान, देशभक्ति के गीतों का गायन और नृत्य का प्रदर्शन किया गआ। प्रोवोस्ट द्वारा एक प्रेरक भाषण और मिठाई के वितरण के साथ समारोह संपन्न हुआ।

छात्रावास के आवासियों ने 13 फरवरी, 2016 को भक्ति सहित सरस्वती पूजा की। इस अवसर आवासियों ने रंग और फूलों से सुंदर रंगोली बनाई। आवासियों ने भक्ति गीत भी गाये, वीना वादन हुआ और सभी को प्रसाद की वितरित किया गया था।

रंगों का त्योहार होली छात्रावास लॉन में कार्बनिक रंगों के साथ मनाई गई और मिठाई वितरित की गई।

वर्ष 2015–2016 केवल व्यक्तियों के ही नहीं बल्कि एक पूरी संस्था के विकास का साक्षी रहा।

वी. के. आर. वी. राव. छात्रावास

प्रमुख गतिविधियाँ

छात्रावास के आवासियों ने परिसर में राष्ट्रीय अखंडता और सांस्कृतिक एकीकरण के माहौल को चिह्नित करने के लिए उल्लास और उत्साह के साथ सभी राष्ट्रीय दिवस और त्योहारों का जश्न मनाया।

तिरंगा झंडा फहराने के साथ स्वतंत्रता दिवस के जश्न का आरंभ हुआ। दीवाली के त्योहार पर परिसर में धूमधाम और रोशनी की गई। छात्रावास में नए आवासियों के स्वागत के लिए फ्रेशरों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। छात्रावास आवासियों ने औपचारिक रूप से तिरंगा झंडा फहरा कर गणतंत्र दिवस मनाया। उन्होंने काफी उत्साह के साथ लोहड़ी मनाई।

इसके अलावा, आवासियों ने बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा की और शिक्षा की देवी का आह्वान करने के लिए भजन गायन के एक समारोह का आयोजन किया ।

छात्रावास का वार्षिक अतिरंजित उत्सव *उमंग–16* 21 मार्च, 2016 को मनाया गया था। अन्य हॉस्टल से कई गणमान्य व्यक्ति, मेहमान और छात्र इस अवसर पर उपस्थित थे। बाद में, आवासियों ने रात के खाने पर अपने मेहमानों के साथ एक मिलन समारोह के साथ शाम का आनंद लिया।

छात्रावास ने *स्पिक मैके* समारोह में पंडित बिस्वाजी रॉय चौधरी, एक प्रख्यात सरोद वादक की मेजबानी की। कलाकार ने अपने संगीत से दर्शकों को अभिभूत कर दिया।

कुल मिलाकर, वर्ष उत्पादक रहा और वी. के. आर. वी. राव छात्रावास विकास और सामूहिक उत्साह से भरा रहा है।

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास

2015–16 के दौरान ऊपर उल्लिखित किया प्राधिकारियों के अलावा प्रबंध समिति के सदस्य ये लोग हैः

1.	प्रो. (सुश्री) तुलसी पटेल	–	सदस्य
2.	प्रो. (सुश्री) मिनी साहनी	–	सदस्य
3.	प्रो. (सुश्री) सतवंती कपूर	–	प्रॉक्टर
4.	सुश्री देवा प्रिया सिन्हा	–	स्थानीय प्रतिनिधि

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास विश्वविद्यालय की शिक्षिकाओं, अतिथि शिक्षिकाओं और पोस्ट–डॉक्टरेट शोधकर्ताओं का आवास है, इसमें 18 कमरे हैं। 1990 में छात्रावास को वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सेवा से विश्वविद्यालय द्वारा ले लिया गया था। प्रो. (सुश्री) श्रीमती चक्रवर्ती छात्रावास के प्रशासन की देखरेख रही हैं।

आवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं: –

1. आगंतुक कक्ष (वातानुकूलित)
2. कलर टी.वी, रेफ्रिजरेटर
3. समाचार पत्र (हिंदी और अंग्रेजी)
4. वाटर कूलर
5. कंप्यूटर,

आवासी दीवाली, क्रिसमस, होली, नए वर्ष जैसे विभिन्न त्योहारों को मनाते हैं।

मेस को सहकारी आधार पर आवासियों द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
वर्ष 2015 के वार्षिक लेखे

विषय–सूची

क्रम संख्या	विवरणी का नाम
	क. दिल्ली विश्वविद्यालय
1	तुलन–पत्र
2	आय और व्यय लेखा
3	तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां 1,2,3,4,5,6,7,8
4	आय व व्यय का अंग बनने वाली अनुसूचियां 9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22.
5	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां : अनुसूची 23
6	आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां : अनुसूची 24
7	प्राप्तियां और भुगतान लेखा
	ख. भविष्य निधि लेखा
8	तुलन–पत्र
9	आय और व्यय लेखा
10	प्राप्तियां और भुगतान लेखा
	ग. नई पैंशन योजना
11	तुलन–पत्र
12	आय और व्यय लेखा
13	प्राप्तियां और भुगतान लेखा
	घ. विश्वविद्यालय मुद्रणालय
14	तुलन–पत्र

15 लाभ व हानि लेखा
16 प्राप्तियां और भुगतान लेखा

ड. हॉल और छात्रावास

17 समेकित तुलन पत्र
18 समेकित आय और व्यय लेखा
19 समेकित प्राप्तियां और भुगतान लेखा

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2016 को तुलन–पत्र

राशि रुपये में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
निधियों के स्त्रोत			
कॉर्पस/पूंजी निधि	1	-----	6990180640
नामित/अंकित/वृत्ति निधियां	2	5357432601	4921753268
चालू देयताएं और प्रावधान	3	26232916117	8541470803
कुल		**31590348718**	**20453404711**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	1277695518	1352882158
अमूर्त परिसंपतिया		4989982	7655275
पूंजीगत कार्य प्रगति में		4065825877	4015825877
अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश	5	345583000	195783000
निवेश–अन्य	6	-----	-----
चालू परसंपतियां	7	10827860131	10274489001
ऋण, अग्रिम और जमा	8	4643845213	4606769400
कॉर्पस/पूंजी निधि		10424548997	-----
कुल		**31590348718**	**20453404711**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24

<u>31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का आय व व्यय लेखा</u>

राशि रुपये में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	1029225856	955976585
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	4703623481	4902810857
निवेश से आय	11	18720318	26727341
अर्जित ब्याज	12	12445873	13222694
अन्य आय	13	80645038	92832495
पूर्वावधि आय	14	-----	-----
कुल (क)		**5844660566**	**5991569972**
व्यय			
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	4582273832	3481940216
शैक्षणिक व्यय	16	483295923	424901368
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	17	837297033	1133635252
परिवहन खर्चे	18	3654582	5149419
मरम्मत और अनुरक्षण	19	188886402	175957757
वित्त लागत	20	376220	418815
मूल्यह्रास	4	290791961	331913994
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	21	291954779	238399353
पूर्वावधि व्यय	22	16843799499	
कुल (ख)		**23522330231**	**5792316174**
शेष, व्यय से अधिक आय के कारण है (आय से अधिक व्यय)		(17677669665)	199253798
नामित निधि में/से अंतरित			
शेष, पूंजी निधि में अग्रेनीत अधिशेष (घाटा)		**(17677669665)**	**199253798**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		

31–03–2016 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 1–पूंजी निधि			वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष			6990180640		6517073034
जमा:	कॉर्पस/पूंजी निधि में अंशदान–योजना लेखा		-----		-----
जमा:	कॉर्पस/पूंजी निधि में अंशदान		-----		-----
जमा:	पूंजी व्यय की उपयोगिता सीमा तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुदान				
	(क) योजना लेखे	90362873		133193972	
	(ख) गैर–योजना लेखे	81536928	171899801	114607103	247801075
जमा:	अंकित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियों				
	(क) विविध लेखे	15750330		7819228	
	(ख) अन्य अंकित निधियां	52850925	68601255	8741780	16561008
जमा:	प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय परिसंपत्तियां, जहां स्वामित्व संस्थान है				
जमा:	परिसंपत्तियां दान दी/उपहार प्राप्त कीं	2415		629	
जमा:	बंद परियोजनाओं की परिसंपत्तियां	23920291		11195469	
जमा:	अन्य वृद्धियां	----	23922706	2757	11198855
घटा:	अंकित निधि से संबंधित समायोजन				(1200000)
घटा:	वर्ष के दौरान निपटाई गई परिसंपत्तियों की डब्लयू.डी.वी.		(1483734)		(507130)
जमा:	व्यय से अधिक आय/(आय से अधिक व्यय) आय व व्यय लेखे से अंतरित		(17677669665)		199253798
वर्ष के अंत में शेष			**(10424548997)**		**6990180640**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 नामित/अंकित/वृत्ति निधियां

राशि रुपये में

विवरण	निधि–वार विभाजन					कुल	
	विधि लेखा	प्रकाशन	वृत्ति निधिया	दाखिला प्रक्रिया प्रभार	अन्य अंकित	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क.							
क) अथ शेष	**387254834**	**4763995**	**656688605**	**96982**	**3872948852**	**4921753268**	**4282041663**
ख) वर्ष के दौरान वृद्धि	0	-----	-----	-----	0	0	154851297
ग) निधियों से निवेश से आय	17972167	266188	39848771	0	212167123	270254249	196157518
घ) निवेश/अग्रिम पर उपार्जित ब्याज	16457841	66202	11567587	0	85373737	113465367	148723116
ड.) बचत बैंक खाते में ब्याज	3069087	38775	1372742	1913	16633833	21116350	23520041
च) अन्य वृद्धि (स्वरूप निर्दिष्ट करें)	308122699	330	8410888	0	506431613	822965530	535118787
कुल (क)	**732876628**	**5135490**	**717888593**	**98895**	**4693555158**	**6149554764**	**5340412422**
ख.							
निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय							
ii) पूंजी व्यय	15750330	-----	-----	-----	52850925	68601255	16561008
ii) राजस्व व्यय	46603796	29	19938475	98895	656879713	723520908	402098146
कुल (ख)	**62354126**	**29**	**19938475**	**98895**	**709730638**	**792122163**	**418659154**
वर्ष के अंत में इतिशेष (क -ख)	**670522502**	**5135461**	**697950118**	**0**	**3983824520**	**5357432601**	**4921753268**
प्रस्तुतकर्ता							
नगद और बैंक शेष							
चालू लेखे	3940860	-----	-----	-----	-----	3940860	1334039
बचत लेखे	47266474	1669259	29999531	0	284235512	363170776	511079925
निवेश	26000000	400000	254600000	-----	64500000	345500000	195700000
सावधि जमा	565320238	3000000	401700000	-----	3466560372	4436580610	3918605574

उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	21831412	66202	11567587	-----	85732972	119198173	217298553
शेयर	0	-----	83000	-----	0	83000	83000
अन्य ऋण और अग्रिम	6163518	-----	-----	-----	22347129	28510647	66786423
यूडीएफ से विविध में ऋण	0	-----	-----	-----	50000000	50000000	-----
एलसी मार्जिन	0	-----	-----	-----	-----	0	643000
विद्युत जमा	-----	-----	-----	-----	9409500	9409500	9409500
वापसनीय टीडीएस	0	-----	-----	-----	1039035	1039035	813254
कुल	**670522502**	**5135461**	**697950118**	**0**	**3983824520**	**5357432601**	**4921753268**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 क वृत्ति निधियां राशि रुपये में

1. क. सं	2. वृत्ति का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान वृद्धि		कुल			इतिशेष		
		3. वृत्ति	4. संचयी ब्याज	5. वृत्ति (विविध प्राप्तियां)	6. ब्याज	7. वृत्ति (3+5)	8. संचयी ब्याज (4+6)	9 वर्ष के दौरान प्रयोजन पर व्यय	10. वृत्ति	11. संचयी ब्याज	कुल (10+11)
1	सर शंकर लाल संगीत संस्थान (298355)	2257725	73902	16198	156454	2273923	230356	93060	2273923	137296	2411219
2	सर शंकर लाल भौतिकी चेयर (298399)	7037749	606649	23800	599239	7061549	1205888	0	7061549	1205888	8267437
3	शंकर लाल रसायन–विज्ञान चेयर (298402)	7872989	686651	21000	671664	7893989	1358315	0	7893989	1358315	9252304
4	प्रबंधन अध्ययन संकाय में आईएफसी चेयर(298683)	13817970	1348704	45500	1226000	13863470	2574704	57	13863470	2574647	16438117
5	एसपी जैन उन्नत प्रबंधन अनुसंधान (299041)	1951468	118091	1400	172799	1952868	290890	0	1952868	290890	2243758
6	पंडित मन मोहन नाथ घर (298956)	1265507	104734	0	106292	1265507	211026	29	1265507	210997	1476504
7	अर्थव्यवस्था में प्रोफेसरशिप (298741)	12961431	1129056	10500	1213137	12971931	2342192	0	12971931	2342192	15314123
8	ओरियंट इन्सेक्ट का प्रकाशन (299416)	550899	37733	0	40281	550899	78014	0	550899	78014	628913
9	डीयू वृत्ति निधि (299733)	179930282	11015072	2604619	15471288	182534901	26486360	5343288	182534901	21143072	203677973
10	पंडित मन मोहन कृष्ण कौल (299880)	1523632	114950	3500	129647	1527132	244597	0	1527132	244597	1771729
11	पुस्तक अनुदान आरटीएल (300228)	274306202	18865070	188155	23964710	274494357	42829780	10220290	274494357	32609490	307103847
12	एन्टर डेव. में डीयू एमवेच प्रोफेसरशिप (300705)	11221794	952699	216100	999143	11437894	1951842	200000	11437894	1751842	13189736
13	क्लस्टर नवाचार केंद्र कॉपर्स निधि	100000000	6937646	280000	8010686	100280000	14948332	1539428	100280000	13408904	113688904
14	एमएचआरडी आईपीआर चेयर			5000116	27762	5000116	27762	2542323	2485555	0	2485555
	कुल	**614697648**	**41990957**	**8410888**	**52789102**	**623108536**	**94780059**	**19938475**	**620593975**	**77356143**	**697950118**

टिप्पणी

1 तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अंकित निधियों की अनुसूची 2 में ''वृत्ति निधियों'' कालम में अथशेष के रूप में कॉलम 3 और 4 का जोड़

2 कॉलम 9 का जोड़ प्रायः कॉलम 8 के जोड़ से कम होना चाहिए क्योंकि वृत्तियों के प्रयोजन पर व्यय हेतु केवल ब्याज का प्रयोग किया जाना है (चेयर हेतु वृत्ति के अलावा)

3 अनुसूची में सामान्यतः नामें शेष नहीं होना चाहिए। कतिपय मामले में यदि किस वृत्ति निधि में नामें शेष है तो नामें शेष अनुसूची 8 ऋण, अग्रिम और जमा में ''प्राप्य'' के रूप में

तुलन –पत्र की परिसंपत्ति में दर्शित होना चाहिए।

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 3–चालू देयताएं और प्रावधान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क. चालू देयताएं		
1. स्टाफ द्वारा जमा	-----	-----
2. छात्रों द्वारा जमा	-----	-----
3. विविध लेनदार		
क सामान के लिए	19168355	15385469
ख) अन्य	-----	-----
4. जमा–अन्य (ईएमडी–प्रतिभूति जमा सहित)	378068	378068
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूई कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)		
क) अन्य निकाय लेनदेन	719883	1428917
ख) शुल्क व कर	16593	5132
6 अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन	-----	-----
ख) प्रायोजित परियोजनाएं से प्राप्तियां	1270313169	1200300810
ग) प्रायोजित फैलोशिप व छात्रवृत्ति से प्राप्तियां	35279562	80676441
घ) अनुपयोगित अनुदान	7146469470	7156385397
ड.) यूजीडी को वापसनीय राशि	15873025	14784938
च) अग्रिम अनुदान	-----	-----
छ) अन्य निधियां	67972682	66757739
ज) एसीबीआर देयताएं	-----	-----
झ) अन्य देयताएं	56000000	3531680

कुल (क)	**8612190807**	**8539634591**
ख. प्रावधान		
1. कर के लिए	-----	-----
2. ग्रेच्यूटी	1086698993	-----
3. अधिवर्षिता पेंशन	15517616630	-----
4. संचयी छुटट्ी नगदीकरण	1015840343	-----
5. व्यापार वारंटियां / दावे	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें) / देय खर्चे	569344	1836212
कुल (ख)	**17620725310**	**1836212**
कुल (क +ख)	**26232916117**	**8541470803**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 3 (क) प्रयोजित परियोजनाएं

राशि रुपये में

1	2	3	4	5	6	7	8	
क्रम. संख्या	परियोजना का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	इतिशेष	
		क्रेडिट	नामे				क्रेडिट	नामे
1	अनुसंधान योजना लेखा (298650)	430088616		216961483	647050099	240368664	406681435	
2	आईएएसई स्कीम करना (295853)	2537553		190886	2728439	1096128	1632311	
3	अनुसंधान स्कीम लेखा (546386)	586724275		260679757	847404032	231208266	616195766	
4	बी.आर.ए. परियोजना लेखा (298264)	31113283		34683916	65797199	25343830	40453369	
5	युवा अनुसंधान वैज्ञानिक लेखा (298593)	129222504		113677073	242899577	57852855	185046722	
6	सीईएमडीई / जैव–विविधता उद्यान(डीडीए)	20614579		45273721	65888300	45584734	20303566	
कुल		**1200300810**		**671466836**	**1871767646**	**601454477**	**1270313169**	

1. परियोजनाओं को प्रत्येक एजेंसी हेतु उप–जोड़ सहित एजेंसी–वार सूची बद्ध किया जाए।
2 कॉलम (जमा) का जोड़ तुलन–पत्र की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा (अनुसूची 3)
3. कॉलम 9(नामें) का जोड़ तुलन–पत्र की परिसंपतियों में अनुसूची 8– ऋण, अग्रिम और जमा में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगा।

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **3(ख)** प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति

राशि रुपये में

क्रम. संख्या	प्रायोजक का नाम	01.04.15 को अथशेष		वर्ष के दौरान लेन–देन		**31.03.16** को इतिशेष	
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
		क्रेडिट	नामे	**क्रेडिट**	नामे	**क्रेडिट**	नामे
1	सीएसआईआर फैलोशिप (298413)	35564290		65325345	86049622	14840013 0	
2	यूजीसी फैलोशिप (298560)	22235478		191397624	235445691	0 0	21812589
3	अन्य निकाय छात्रवृत्ति (298707)	17023884		32116374	29780533	19359725 0	
4	सीएसआईआर फैलोशिप (एसडीसी) (545269)	1939810		15298682	16966714	271778 0	
5	यूजीसी फैलोशिप (एसडीसी) (545258)	3912979		10000000	13104933	808046	
	कुल	**80676441**		**314138025**	**381347493**	**35279562**	**21812589**

टिप्पणी

1. कालम का जोड़ (क्रेडिट) तुलन–पत्र (अनुसूची 3) की देयताओं की तरफ उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा।
2. कालम 8 का जोड़ (नामें) अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) में तुलन–पत्र की परिसंपत्तियों की तरफ प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगी।

अनुसूची 3(ग)यू.जी.सी., भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुपयोगित अनुदान

राशि रुपये में

		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क. योजना अनुदानः भारत सरकार			
अग्रानीत शेष			
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्तियां			
	कुल (क)	0	0
घटा:: वापसी			
घटा:: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित			
घटा:: पूंजी व्यय के लिए उपयोगित			
	कुल (ख)	0	0
अग्रेनीत अनुपयोगित		0	0
विश्वविद्यालय अनुदान योजना			
अग्रानीत शेष		7156385397	7346106930
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		526128355	381134399
	कुल (ग)	7682513752	7727241329
घटा:: वापसी		0	
घटा:: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		445681409	437661960
घटा:: पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		90362873	133193972
	कुल (घ)	536044282	570855932
अनुपयोगित अग्रेनीत (ग -घ)		**7146469470**	**7156385397**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

ग. यू.जी.सी. अनुदान गैर–योजना			
अग्रानीत शेष		0	
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		4339479000	4579756000
	कुल (ड.)	4339479000	4579756000
घटा:: वापसी		0	0
घटा:: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		4257942072	4461845758
घटा:: पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		81536928	117910242
	कुल (च)	**4339479000**	4579756000
अनुपयोगित अग्रेनीत (ड.-च)		0	0
घ. राज्य सरकार से अनुदान			
अग्रानीत शेष		0	0
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		0	0
	कुल (छ)	0	0
घटा:: वापसी			
घटा:: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		0	0
घटा:: पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		0	0
	कुल (ज)	0	0
अनुपयोगित अग्रेनीत (छ -ज)		**0**	**0**
कुल जोड (क +ख + ग +घ)		**7146469470**	**7156385397**

टिप्पणी

अनुपयोगित अनुदान में पूंजी लेखा में अग्रिम शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान में आगामी वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान परिसंपत्तियों की तरफ बैंक शेष, बैंको में अल्पविधि शेष और पूंजी लेखे में अग्रिम के रूप में दर्शित है।

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **4 -** अचल परिसंपत्तियां

क्रम. संख्या	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौति\ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2015 को डबल्यू. डी. वी
1	भूमि		19716892	0	0	19716892	0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लधु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	717493144	40289069	0	757782213	37889111	719893102	717493144
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विघुत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	234357510	34508883	1263933	267602460	53520492	214081968	234357510
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	135934853	56891932	44514	192782271	77112908	115669363	135934853
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	123257	723385	11	846631	423316	423315	123257
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	95926938	29497294	44791	125379441	50151776	75227665	95926938
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	103019606	16746333	130433	119635506	29908877	89726629	103019606
14	खेल–कूद उपकरण	50%	100341	14753	0	115094	57547	57547	100341
15	वाहन	25%	2357123	6601	52	2363672	590918	1772754	2357123
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	40542494	35090071	0	75632565	37816282	37816283	40542494
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		3310000	0	0	3310000	0	3310000	3310000
कुल (क)			**1352882158**	**213768321**	**1483734**	**1565166745**	**287471227**	**1277695518**	**1352882158**
19	पूंजीगत कार्य प्रगति में **(ख)**		**4015825877**	**50000000**	**0**	**4065825877**	**0**	**4065825877**	**4015825877**
क्रम. संख्या	**अमूर्त परिसंपत्तियां**	**मूल्यह्रास की दर**	**वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी.**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान**	**वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य**	**वर्ष का परिशोधन**	**31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी**	**31.03.2015**

			वी		प्राप्तियां कटौति \ बिक्री				को डबल्यू. डी. वी
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	7631594	655441	0	8287035	3314814	4972221	7631594
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	23681	0	0	23681	5920	17761	23681
कुल (ग)			**7655275**	**655441**	**0**	**8310716**	**3320734**	**4989982**	**7655275**
कुल जोड (क +ख +ग)			**5376363310**	**264423762**	**1483734**	**5639303338**	**290791961**	**5348511377**	**5376363310**
विगत वर्ष (2014-15)			**5435665265**	**326753259**	**54141220**	**5708277304**	**331913994**	**5376363310**	

टिप्पणी: पूंजीगत–कार्य–प्रगति में शीर्ष में सकल ब्लाक के अंतर्गत ''कटौतियां'' कालम में आंकड़े वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों से अंतरित के रूप में दर्शित हैं।

परिसंपत्तियों 1से14 में सकल ब्लाक के अंतर्गत वर्ष के दौरान वृद्धियां कालम में आंकड़े में वर्ष के दौरान ओर वर्ष के दौरान अधिग्रहित कार्य–प्रगति–में से अंतरित शामिल है।

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **4** क - योजना

राशि रुपये में

क्रम. संख्या	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	दौरान कटौति \ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2016 को डबल्यू. डी. वी	31.03.2015 को डबल्यू.डी. वी
1	भूमि		0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/लधु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	261502153	30892589	0	292394742	14619737	277775005	261502153
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विघुत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	121116889	11584742	0	132701631	26540326	106161305	121116889
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	83124248	25504583	0	108628831	43451532	65177299	83124248
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	103893	299600	0	403493	201747	201746	103893
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	60459613	16393507	0	76853120	30741248	46111872	60459613
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	39692885	1997684	0	41690569	10422642	31267927	39692885
14	खेल–कूद उपकरण	50%	0	0	0	0	0	0	0
15	वाहन	25%	732586	0	0	732586	183147	549439	732586
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	4994239	3690168	0	8684407	4342204	4342203	4994239
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		1310000	0	0	1310000	0	1310000	1310000
कुल (क)			**573036506**	**90362873**	**0**	**663399379**	**130502583**	**532896796**	**573036506**
19	पूंजीगत कार्य प्रगति में **(ख)**		**804296182**	**0**	**0**	**804296182**	**0**	**804296182**	**804296182**

क्रम. संख्या	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरानं कटौति \ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूलय	वर्ष का परिशोधन	31.03.2016 को डबल्यू. डी. वी	31.03.2015 को डबल्यू. डी. वी
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	0	0	0	0	0	0
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0

22	पेटेंट	25%	0	0	0	0	0	0	0
कुल (C)			**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
कुल जोड (क +ख +ग)			**1377332688**	**90362873**	**0**	**1467695561**	**130502583**	**1337192978**	**1377332688**
विगत वर्ष (2014-15)			**1402667074**	**184389049**	**51385077**	**1535671046**	**158338358**	**1377332688**	

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **4B** - योजनेन्तर

राशि रुपये में

क्रम. संख्या	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौति \ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2015 को डबल्यू.डी. वी
1	भूमि		19716892	0	0	19716892	0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लधु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	370564634	7904692	0	378469326	18923466	359545860	370564634
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विघुत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	79205006	13793178	1263933	91734251	18346850	73387401	79205006
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	18242274	6618748	44514	24816508	9926603	14889905	18242274
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	10697	62197	11	72883	36442	36441	10697
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	29562545	10173199	44791	39690953	15876381	23814572	29562545
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	53028847	11698453	130433	64596867	16149217	48447650	53028847
14	खेल–कूद उपकरण	50%	99968	14753	0	114721	57361	57360	99968
15	वाहन	25%	1624537	6600	52	1631085	407771	1223314	1624537
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	34618795	30796030	0	65414825	32707413	32707412	34618795

17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			**606674195**	**81067850**	**1483734**	**686258311**	**112431504**	**573826807**	**606674195**
19	पूंजीगत कार्य प्रगति में **(ख)**		**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

क्रम. संख्या	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौति \ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का परिशोधन	31.03.2015 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2014 को डबल्यू.डी. वी
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	7631594	469078	0	8100672	3240269	4860403	7631594
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	23681	0	0	23681	5920	17761	23681
कुल (ग)			**7655275**	**469078**	**0**	**8124353**	**3246189**	**4878164**	**7655275**
कुल जोड (क +ख+ग)			**614329470**	**81536928**	**1483734**	**694382664**	**115677693**	**578704971**	**614329470**
विगत वर्ष (2014-15)			**630685924**	**114607103**	**1746143**	**743546883**	**129217414**	**614329470**	

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 ग अमूर्त परिसंपत्तियां

राशि रुपये में

क्रम. संख्या	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू. डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौति \ बिक्री	अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास\परिशोधन	31.03.2016 को डबल्यू. डी. वी	31.03.2015 को डबल्यू. डी. वी
1	पेटेंट और कॉपीराईट	25%	23681	0	0	23681	5920	17761	23681
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	7631594	655441	0	8287035	3314814	4972221	7631594
3	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
कुल			7655275	655441	0	8310716	3320734	4989982	7655275
विगत वर्ष (2014-15)			**31575**	**12719324**	**0**	**12750899**	**5095624**	**7655275**	

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 4((ग) (I) पेटेंट और कॉपीराईट	अथ शेष	वृद्धि	सकल	परिशोधन	निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....
क. मंजूर पेटेंट						
1. 2008-09 मे प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये.../-)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2- 2010-11 मे प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये .../-)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3. 2012-13 मे प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये .../-)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
4. वर्तमान वर्ष मे मंजूर पेटेंट	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----

विवरण	अथ शेष	वृद्धि	सकल	पेटेंट मंजूर /नामंजूर	निवल ब्लॉक 2013-14	निवल ब्लॉक 2012-13
क. आवेदित पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट						
1. 2009-10 से 2011-12 मे किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2. 2012-13 मे किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3. 2013-14 मे किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग. कुल जोड (क +ख)	**-----**	**-----**	**-----**	**-----**	**-----**	**-----**

टिप्पणीः भाग क (मंजूर पेटेंट) में वृद्धि वर्ष के दौरान मंजूर पेटेंट, भाग ख (कालम–पेटेंट मंजूर/नामंजूर) से अंतरित आंकड़े होंगे। वर्ष के दौरान नामंजूर अनुदान की राशी को आय व व्यय लेखे में बट्टे खाते डाला गया है।

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4घ - अन्य

राशि रुपये में

क्रम. संख्या	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौति \ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत / मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2015 को डबल्यू.डी. वी
1	भूमि		0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास / लधु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	85426357	1491788	0	86918145	4345907	82572238	85426357
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विघुत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	34035615	9130963	0	43166578	8633316	34533262	34035615
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	34568330	24768601	0	59336931	23734772	35602159	34568330
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	8666	361588	0	370254	185127	185127	8666
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	5904781	2930588	0	8835369	3534148	5301221	5904781
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	10297873	3050196	0	13348069	3337017	10011052	10297873
14	खेल–कूद उपकरण	50%	372	0	0	372	186	186	372
15	वाहन	25%	0	1	0	1	0	1	0
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	929459	603873	0	1533332	766666	766666	929459
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0

18	कला कार्य		2000000	0	0	2000000	0	2000000	2000000
कुल (क)			**173171453**	**42337598**	**0**	**215509051**	**44537139**	**170971912**	**173171453**
19	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)		**3211529695**	**50000000**	**0**	**3261529695**	**0**	3261529695	**3211529695**
क्रम. संख्या	**अमूर्त परिसंपत्तियां**	**मूल्यह्रास की दर**	**वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान कटौति \ बिक्री**	**वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य**	**वर्ष का परिशोधन**	**31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी**	**31.03.2015 को डबल्यू.डी. वी**
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	186363	0	186363	74545	111818	0
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	0	0	0	0	0	0	0
कुल (C)			**0**	**186363**	**0**	**186363**	**74545**	**111818**	**0**
कुल जोड (क+ख ग)			**3384701148**	**92523961**	**0**	**3477225109**	**44611684**	**3432613425**	**3384701148**

टिप्पणीः वर्ष के दौरान निम्नलिखित से वृद्धि शामिल हैः

उपहार	2415
बंद परियोजना	23920291
विविध लेखा निधि	15750330
अन्य अंकित निधि	52850925
कुल	**92523961**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 5 - अंकित / वृत्ति निधियों से निवेश	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1.केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में	345500000	195700000
2.राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
3.अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-----	-----
4.शेयर	83000	83000
5.डिबेंचर और बॉड	-----	-----
6.बैंकों में सावधि जमा	-----	-----
7. अन्य (निर्दिष्ट करे)	-----	-----
कुल	**345583000**	**195783000**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 5 (क) अंकित / वृत्ति निधियां (निधि वार) से निवेश

राशि रुपये में

क्रम. संख्या	निधियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	विविध लेखे - सकारी प्रतिभूति	26000000	26000000
2	प्रकाशन - सरकारी प्रतिभूति	400000	100000
3	वृत्ति निधि - सरकारी प्रतिभूति	254600000	134500000
4	अन्य अंकित निधि - सरकारी प्रतिभूति	64500000	35100000
5	वृत्ति निधि - शेयर	83000	83000
	कुल	**345583000**	**195783000**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 6 - निवेश–अन्य	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. केंद्र सरकार प्रतिभूति मे		
2. राज्य सरकार प्रतिभूति मे	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूति	-----	-----
4. शेयर	-----	-----
5. डिबेंचर और बॉड	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
कुल	-----	-----

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 7 - अचल परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. स्टॉक		
क) भंडार और फालतू पुर्जे	-----	-----
ख) खुले पुर्जे	-----	-----
ग) प्रकाशन	-----	-----
घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य और कांच का सामान	-----	-----
ड.) भवन सामग्री	-----	-----
च) विद्युत सामग्री	-----	-----
छ) स्टेशनरी	-----	-----
ज) जल आपूर्ति सामग्री	-----	-----
2. विविध देनदार		
क) छह माह से अधिक अवधि के अन्य बकाया	-----	-----
ख) अन्य	-----	-----
3. नगद और बैंक शेष		
क) अनुसूचि बैंकों में		
- चालू खाते मे	69881547	192009972
- सावधि जमा लेखों में	9716383113	7219616295
- बचत लेखों में	1040611971	2861835734
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
-सावधि जमा लेखों में	-----	-----
- बचत लेखों में	-----	-----
ग) हाथ में नगद शेष(चैक/ड्राफ्ट सहित)	983500	1027000
4. डाक घर बचत लेखे	-----	-----
कुल	**10827860131**	**10274489001**

टिप्पणीः अनुबंध ''क'' बैंक लेखों का ब्यौरा दर्शाता है

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां अनुबंध ''क''

राशि रुपये में

I	चालू खाता	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	बी.आर.अंबेडकर केंद्र सामान्य निधि लेखा	8189	11976
2	आईसीआईसीआई बैंक	11231597	11231914
3	एसबीआई विधि केंद्र II	45824	1246193
4	एसबीआई एमजी I	9934317	60898115
5	एसबीआई एमजी II	6497782	321823
6	एसबीआई एमजी III	18215818	43508862
7	एसडीसी परीक्षा लेखा	3754753	7355075
8	एसडीसी सामान्य निधि लेखा	764492	3590845
9	प्रयोजित परियोजना बैंक खाता	1632311	2537553
10	योजना चालू खाता	13855603	59973576
11	अंकित निधि के चालू खाते	3940860	1334039
		69881547	**192009972**
II	**बचत बैंक लेखे**		
1	बाह्य उम्मीदवार सैल लेखे	5382691	5002054
2	एनसीडब्ल्यूई लेखा	4583219	2102710
3	एसबीआई विभागीय प्राप्तियां लेखे	799244	5140817
4	एसबीआई सामान्य निधि लेखे	374329796	926248441
5	एसबीआई चिकित्सा प्रतिपूर्ति लेखे	3432754	7133079
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	168115128	286725178
7	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति	63090664	52780432
8	योजना बचत लेखे	57702884	1065434138
9	अंकित निधि के बचत खाते	363170776	511079925
10	सीपीएफयू.जी.सी. को वापसनीय सीपीएफ लेखा	4815	188960
		1040611971	**2861835734**

III	**सावधि जमा लेखे**		
1	अंकित निधि से सावधि जमा रसीद	4436580610	3919248574
2	यू.जी.सी.वापसनीय लेखे से सावधि जाय रसीद	15685000	14400000
3	एसीबीआर लेखे से सावधि जमा रसीद	703553	709802
4	समाजिक कार्य लेखे से सावधि जमा रसीद	2660351	2660351
5	अनुरक्षण अनुदान से सावधि जमा रसीद	830000000	-----
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	934498766	737932971
7	प्रायाजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति	-----	27000000
8	योजना लेख से सावधि जमा रसीद(मार्जिन राशि सहित)	3496254833	2517664597
		9716383113	**7219616295**

31.03.2016 को तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 8 - ऋण , अग्रिम और जमा	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर ब्याज धारक)		
क) वेतन	-----	-----
ख) त्यौहार	1351902	1252353
ग) चिकित्सा अग्रिम	504000	-----
घ) छुट्‌टी यात्रा रियायत	6518738	2526270
ड.) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
2. कर्मचारियों को दीर्घावधि अग्रिम (ब्याज धारक)		
क) वाहन ऋण /परिवहन/कंप्यूटर	1302085	1504599
ख) गृह ऋण /भवन निर्माण अग्रिम	2678255	3777905
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
3. अग्रिम और अन्य राशि नगद अथवा वस्तु में प्राप्तनीय अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य		
क) पूंजी खाते पर	-----	-----
ख) आपूर्तिकर्ताओं को	-----	-----
ग) दिल्ली विश्वविद्यालय पैंशन लेखे	2980000	2980000
घ) दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय	17395000	17395000
ड.) सर शंकर लाल रसायन–विज्ञान चेयर निधि लेखा	1100000	1100000
च) अंकित निधियों से अन्य अग्रिम	24530307	61503919
छ) अनुरक्षण अनुदान लेखों से अन्य अग्रिम	589657643	532398249
ज) परियोजना परियोजनाओं से अन्य अग्रिम	165865271	129821226
झ)योजना लेखों से अग्रिम	3413653773	3381092587
ञ) अन्य	1063463	867417
4. पूर्व–प्रदत्त खर्चे		
क) बीमा	-----	-----

ख) अन्य खर्चे	31302664	51810275
5. जमा		
क) टेलीफोन	-----	-----
ख) पट्टा भाड़ा	-----	-----
ग) विद्युत	20794500	20794500
घ) एआईसीटीई, यदि लागू	-----	-----
ड.) डेसू (प्रतिभूति)	4795	4795
च) अन्य	52373	502373
6. उपर्जित आय:		
क) अंकित / वृत्ति निधियों से निवेश पर	119198173	217298553
ख) एसीबीआर/ यू.जी.सी. वापसनीय लेखों से निवेश पर	210917	263111
ग)यू.जी.सी. वापसनीय से निवेश पर	183210	-----
घ) प्रायोजित परियोजनाओं से निवेश पर	56201693	43283881
ड.) प्रायोजित परियोजनाओं और छात्रवृत्ति से निवेश पर	376309	896009
च) योजना से निवेश पर	165002377	135696379
छ) ऋण और अग्रिम पर	-----	-----
ज) अन्य (अप्राप्य देय आय शामिल)	-----	-----
7. अन्य यू.जी.सी. प्रोयोजित परियोजनाओं से प्राप्तनीय अचल परिसंपत्यिों		
क) प्रायोजित परियोजनाओं में नामें शेष	-----	-----
ख) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति में नामें शेष	21812589	-----
ग) प्राप्तनीय अनुदान	-----	-----
घ) अन्य प्राप्तनीय	105176	-----
8. प्राप्तनीय दावे	-----	-----
कुल	**4643845213**	**4606769400**

टिप्पणीः

यदि कर्मचारियों को भवन निर्माण, कंप्यूटर ओर वाहन अग्रिम के लिए चक्रीय निधि का सृजन दिया गया है तो अग्रिम, अंकित/वृत्ति निधि के भाग के रूप में दर्शित होगा। इन ब्याज–धारक अग्रिम के शेष इस अनुसूची में दर्शित नहीं होगें।

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 9 शैक्षणिक प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
छात्र शुल्क से		
शैक्षणिक		
1. ट्यूशन शुल्क	12748817	11626254
2. दाखिला शुल्क	5304278	19308858
3. पंजीकरण शुल्क	66067298	32961333
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	744536	733979
5. प्रयोगशाला शुल्क	85738	113440
6. खेल–कूद और एथलेटिक एसोसिएशन शुल्क	10856058	8681460
7 कंप्यूटर शुल्क	228000	239000
8. कला और शुल्क	-----	-----
9. पंजीकरण शुल्क	39150	-----
10. पाठ्यक्रम शुल्क	-----	-----
11. अन्य शुल्क	145544277	15644023
कुल (क)	**241618152**	**89308347**
परिक्षा		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	-----	-----
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	698972386	784137855
3. अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	14018100	15163880
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	60551778	49062166
कुल (ख)	**773542264**	**848363901**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	-----	-----
2. जुर्माना/ विविध शुल्क	-----	-----
3. चिकित्सा शुल्क	-----	-----

4. परिवहन शुल्क	-----	-----
5. होटल शुल्क	-----	-----
कुल ((ग)	0	0
बिक्री प्रकाशन		
1. दाखिला प्रपत्रों की बिक्री		-----
2. पाठ्यक्रम और प्रश्न–पत्र आदि की बिकी	-----	-----
3. बिक्री दाखिला प्रपत्रों सहित सूची–पत्र की बिकी	14065440	18304337
कुल (घ)	**14065440**	**18304337**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
1. कार्यशालाओं/कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क		-----
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक स्टॉफ कॉलेज)	-----	-----
कुल (ड.)	0	0
कुल जोड (क +ख +ग +घ +ड.)	**1029225856**	**955976585**

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 10- अनुदान /आर्थिक सहायता (प्राप्त अनुदान बेबदल अनुदान)

राशि रुपये में

विवरण	योजना			कुल योजना	गैर–योजना यू.जी.सी.	वर्तमान वर्ष कुल	विगत वर्ष कुल
	भारत सरकार	यू.जी.सी.					
		योजना	विशिष्ट स्कीम				
अग्रानीत शेष		**7156385397**		7156385397		7156385397	7346106930
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		526128355	0	526128355	4339479000	4865607355	4960890399
कुल		7682513752	0	7682513752	4339479000	12021992752	12306997329
घटा: : यू.जी.सी. शेष में वापसी				0		0	0
घटा: : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित (क)		90362873	0	90362873	81536928	171899801	247801075
शेष		7592150879	0	7592150879	4257942072	11850092951	12059196254
घटा:: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित **(ख)**		**445681409**	**0**	**445681409**	4257942072	**4703623481**	**4902810857**
शेष अग्रेनीत **(ग)**	-	**7146469470**	**0**	**7146469470**	**0**	**7146469470**	**7156385397**

क - यह वर्ष के दौरान पूंजीनिधि में वृद्धि और अचल परिसंपत्तियों में वृद्धि के रूप में दर्शित

ख - लेखे में आय के रूप में दर्शित

ग- (I) तुलन–पत्र में चालू देयताओं के अंतर्गत दर्शित ओर आगामी वर्ष का अथशेष बनेगा

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 11- निवेश से आय	अंकित / वृत्ति निधियां वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	अन्य निवेश वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूति पर	-----	-----	-----	-----
ख. अन्य बॉड / डिबेंचर	-----	-----	-----	-----
2. सावधि जमा पर ब्याज	383719616	344880634	18720318	26727341
3. कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम पर सावधि जमा/ब्याज पर उपर्जित किंतु देय नहीं आय	-----	-----	-----	-----
4. बचत बैंक खाता पर ब्याज	21116350	23520041	-----	-----
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----
कुल	404835966	368400675	**18720318**	**26727341**

अंकित / वृत्ति निधियों में अंतरित	**404835966**	**368400675**

टिप्पणीः भवन निर्माण अग्रिम निधि, वाहन अग्रिम निधि और कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर उपर्जित किंतु देय नहीं ब्याज ओर कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिमों को यहां शामिल किया जाएगा किंतु केवल उन्हीं मामलों में जहां ऐसे अग्रिमों के लिए चक्रीय निधियां बनाई गई हैं।

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	12445873	13222694
2. ऋण पर		
क. कर्मचारी/स्टॉफ	-----	-----
ख. अन्य	-----	-----
3. देनदारों और अन्य प्राप्तनीय पर	-----	-----
कुल	**12445873**	**13222694**

टिप्पणीः

1.अंकित/वृत्ति निधियों के बैंक लेखों के संबंध में मद 1 में राशि का अनुसूची 11 (पहला भाग) और अनुसूची 2 में संव्यवहार किया गया है।

2. मद 2(क) तभी लागू है यदि ऐसे अग्रिमों के लिए चक्रीय निधि बनाई गई है।

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 13 - अन्य आय

राशि रुपये में

क. भूमि और भवन से आय	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. भवन/भूमि आदि से किराया	4397265	13753253
2लाईसेंस शुल्क	11347017	9526158
3. सभागार/क्रीड़ा मैदान/सम्मेलन आदि का किराया प्रभार	-----	-----
4. वसूल किय गया विद्युत प्रभार	-----	-----
5. वसूल किया गया जल प्रभार	-----	-----
कुल (क)	**15744282**	**23279411**

ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री

ग. कार्यक्रमों के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/क्रीड़ा समारोह से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाः वार्षिक कार्यक्रम/क्रीड़ा समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय		
2. समारोह से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाः समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय		
3. शैक्षणिक दौरों हेतु सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाः दौरों पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय		
4. अन्य (निर्दिष्ट करें और पृथक प्रकटन करें)	-----	-----
कुल (ग)		

घ. अन्य		
1. परामर्शी से आय	-----	-----
2. आरटीआई शुल्क	26965	190797
3. स्वत्व शुल्क से आय	-----	-----

4 आवेदन प्रपत्र (भर्ती) की बिक्री	7650	9200
5. विविध प्राप्तियां (टेंडर प्रपत्र, रद्दी कागज आदि की बिक्री)	879624	3542202
6 परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क) ली गई परिसंपत्तियां	-----	-----
ख) निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-----	-----
7. संस्थानों कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-----	-----
8. स्वास्थय केंद्र अंशदान	31579859	31502492
9. छुट्टी वेतन और पैंशन अंशदान	17814448	14408400
10. अन्य (निर्दिष्ट करें)	14592210	19899993
कुल (घ)	**64900756**	**69553084**
कुल जोड (क+ख+ ग+घ)	**80645038**	**92832495**

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 14- पूर्वावधि व्यय आय

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. शैक्षणिक प्राप्तियां	-----	-----
2. निवेश से आय	-----	-----
3. अर्जित ब्याज	-----	-----
4. अन्य आय	-----	-----
कुल	-----	-----

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 15 स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष योजना	वर्तमान वर्ष गैर–योजना	वर्तमान वर्ष कुल	विगत वर्ष योजना	विगत वर्ष गैर–योजना	विगत वर्ष कुल
क) वेतन और मजदूरी						
त्कनीकी स्टॉफ	49679059	1289118549	1338797608	71341714	1177706402	1249048116
गैर–तकनीकी स्टॉफ	16913123	889213446	906126569	14276438	818264285	832540723
निम्न अधीनस्थ स्टॉफ	-----	251568833	251568833	755025	231393892	232148917
ख) भत्ते और बोनस	-----	4147622	4147622	-----	4701566	4701566
ग) भविष्य निधि में अंशदान	0	4641093	4641093	2178412	4874551	7052963
घ) अन्य निधियों में अंशदान (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	-----	-----	0
ड.) स्टॉफ कल्याण खर्चे						
(वर्दी)	-----	2206092	2206092	-----	950609	950609
च) सेवानिवृत्ति और अंतिम हितलाभ	1926265	1865572237	1867498502	-----	955278556	955278556
छ) छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा	0	20805922	20805922	61710	29131306	29193016
ज) चिकित्सा सुविधा	-----	126404323	126404323	-----	102041852	102041852
झ) बाल शिक्षा भत्ता	327900	12312051	12639951	45000	11309925	11354925
ञ) मानदेय	462580	46974737	47437317	245660	57383313	57628973
ट) अन्य	-----	-----	0	-----	-----	0
कुल	**69308927**	**4512964905**	**4582273832**	**88903959**	**3393036257**	**3481940216**

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 15 क – कर्मचारी सेवा–निवृत्ति और अंतिम हितलाभ

राशि रुपये में

	Pension	Gratuity	Leave Encashment	कुल
01.04.15 को अथशष	**14850709262**	**1046844910**	946245327	**16843799499**
वृद्धि : अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-	**0**
कुल (क)	**14850709262**	**1046844910**	**946245327**	**16843799499**
घटाः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	823855713	137353151	88744353	**1049953217**
31.03.16 को उपलब्ध शेष (क -ख)	14026853549	909491759	857500974	**15793846282**
वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.16 को वांछित प्रावधान(घ)	15517616630	1086698993	1015840343	**17620155966**
क. वर्तमान वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान (घ - ग)	1490763081	177207234	158339369	**1826309684**
ख. नई पैंशन योजना में अंशदान	-----	-----	-----	39082553
ग. सेवा–निवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-----	-----	-----	-----
घ. सेवा निवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	-----	-----	-----	-----
ड.. जमा संबद्ध बीमा भुगतान	-----	-----	-----	180000
कुल (क +ख + ग +घ +ड.)	**1490763081**	**177207234**	**158339369**	**1865572237**

टिप्पणी:

1. इस उप अनुसूची में जोड़ (क +ख ग +घ**)** अनुसूची 15 में सेवा निवृत्ति और अंतिम हितलाभ के आंकडे होंगे
2 मद ख,ग,घ और ड़ का उपार्जन आधान पर लेखांकन किया जाएगा और प्रदत्त किंतु 31/3/16 को भुगतान हेतु बकाया बिल शामिल होंगे।

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क) प्रयोगशाला खर्चे	31846369	16228822	48075191	17389414	15756564	33145978
ख) क्षेत्र कार्य/सम्मेलनों में सहभागिता	-----	-----	0	222023	-----	222023
ग) संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर खर्चे	2852612	6476881	9329493	3820710	3163320	6984030
घ) पुरस्कार और छात्रवृत्ति	130797570	932845	131730415	-----	531862	531862
ड.) शैक्षणिक व्यय	34865	1262481	1297346	-----	3494242	3494242
घ) अतिथि संकाय को भुगतान	-----	-----	0	78641	-----	78641
ड.) परीक्षा	-----	286948598	286948598	102199	272095556	272197755
च) शुल्क वापसी	-----	892870	892870	-----	940618	940618
छ) प्रवेश परीक्षा	-----	-----	0	-----	14905670	14905670
च) छात्र कल्याण खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
छ) दाखिला खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ज) दीक्षांत खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
झ) प्रकाशन	899012	-----	899012	1106118	-----	1106118
ञ) वृत्ति/साधन–व–मैरिट छात्रवृत्ति	-----	-----	0	90753660	-----	90753660
ट) अंशदान खर्चे	-----	-----	0	540771	-----	540771
ठ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	4122998	-----	4122998	-----	-----	0
कुल	**170553426**	**312742497**	**483295923**	**114013536**	**310887832**	**424901368**

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 17 - प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क अवसंरचना						
क) बिजली और विद्युत		289663747	289663747	-----	293299907	293299907
ख) जल प्रभार		73511827	73511827	(3327)	53490549	53487222
ग) बीमा			0	-----	-----	0
घ) किराया,दर कर (संपत्ति कर सहित)		39385922	39385922	-----	346346900	346346900
ख) संचार			0	-----	-----	0
ड.) डाक और टेलीफोन	74858	12028018	12102876	13110	9131210	9144320
च) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट प्रभार			0	-----	-----	0
छ) संयोजकता खर्चे		57749535	57749535		30242959	30242959
ग) अन्य			0	-----	-----	0
ज) मुद्रण और स्टेशनरी (उपभोज्य)	3461265	33507042	36968307	4643565	30058626	34702191
झ) यात्रा और परिवहन खर्चे	6958639	11596075	18554714	42781527	13266777	56048304
ञ) आतिथ्य	1369792		1369792	-----	-----	0
ट) लेखापरीक्षक पारिश्रमिक			0	-----	426595	426595
ठ) विधिक और व्यवसायिक प्रभार		11357139	11357139	2247	9828101	9830348
ड) विज्ञापन और प्रचार	5530	2941457	2946987	47210	5272995	5320205
ढ) पत्रिकाएं और जर्नल	420142	59487837	59907979	8950210	73271669	82221879
त) सुरक्षा खर्चे	702136	57445318	58147454	-----	57473959	57473959
थ) गृहण्यवस्था खर्चे		41702093	41702093	-----	25239503	25239503
द) खेल और क्रीड़ा	0	10593937	10593937	-----	8922247	8922247
ध) चिकित्सा खर्चे	47276	64819879	64867155	-----	58717741	58717741
न) अन्य/ आकास्मिक	5890115	52577454	58467569	33293159	28917813	62210972
कुल	**18929753**	**818367280**	**837297033**	**89727701**	**1043907551**	**1133635252**

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 18 परिवहन खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)	-----	-----	0	-----	-----	0
क) संचालन खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ख) मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	0
ग) बीमा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
2 किराए / पट्टे पर वाहन	-----	-----	0	-----	-----	0
क) किराया / पट्टा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
3 वाहन (टैक्सी) किराया खर्चे	2777759	876823	3654582	3297500	1851919	5149419
कुल	**2777759**	**876823**	**3654582**	**3297500**	**1851919**	**5149419**

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 19 मरम्मत और अनुरक्षण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क) भवन		146437703	146437703	5138873	139033133	144172006
ख) फर्नीचर और फिक्सचर	22853	2835277	2858130	285183	9002254	9287437
ग) संयंत्र और मशीनरी	8784428	18788010	27572438	-----	10600045	10600045
घ) कार्यालय उपकरण			0	2948522	-----	2948522
ड.) कंप्यूटर	4975557		4975557	1737668	-----	1737668

च) प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण		345501	345501	-----	202130	202130
छ) श्रवण दृश्य उपकरण			0	-----	-----	0
ज) सफाई सामग्री और सेवांए			0	-----	-----	0
झ) पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार			0	-----	-----	0
ञ) बागवानी	32425	4852402	4884827	-----	5112409	5112409
ट) संपदा अनुरक्षण			0	-----	-----	0
ठ) वाहन		1812246	1812246	-----	1897540	1897540
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)		-----	-----	-----	-----	0
		-----	-----			
कुल	**13815263**	**175071139**	**188886402**	**10110246**	**165847511**	**175957757**

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 20 वित्त लागत		वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क)	बैंक प्रभार	195475	180745	376220	190016	228799	418815
ख)	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल		**195475**	**180745**	**376220**	**190016**	**228799**	**418815**

टिप्पणीः यदि राशि लागू नहीं है तो बैंक प्रभार शीर्ष को लुप्त किया जाए और इनका अनुसूची 17 में प्रशासनिक खर्चों के रूप में लेखांकन किया गया।

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 21 अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष योजना	गैर–योजना	कुल	विगत वर्ष योजना	गैर–योजना	कुल
क) खराब और संदिग्ध ऋण/अग्रिम हेतु प्रावधान	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ख) अप्राप्तीय शेष बट्टे खाते डाला	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग) अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/आर्थिक सहायता	170100806	121853973	291954779	131419002	106980351	238399353
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	**170100806**	**121853973**	**291954779**	**131419002**	**106980351**	**238399353**

टिप्पणी: अन्य खर्चों के अचल परिसंपत्तियों आदि की बिक्री पर अचल परिसंपत्तियों की हानि और हानि बट्टे खाते, प्रावधान, विविध खर्चों, निवेश की हानि आदि के रूप में वर्गीकृत और प्रकटित किया जाएगा।

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 22: पूर्वावधि व्यय

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
1 स्थापना खर्चे	0	16843799499	16843799499	-----	-----	-----
2 शैक्षणिक व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3 प्रशासनिक खर्चे	-----	-----	-----	-----	-----	-----
4 परिवहन खर्चे	-----	-----	-----	-----	-----	-----
5 मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	-----	-----	-----	-----
6 अन्य खर्चे	-----	-----	-----	-----	-----	-----
	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	**0**	**16843799499**	**16843799499**	-----	**0**	**0**

31मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 23: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1 लेखे तैयार करने का आधार:

क. वित्तीय विवरणियां ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर और जब तक अन्यथा कथित न हो प्रायः लेखांकन की उपाजित विधि पर तैयार की जाती हैं।

2 राजस्व अर्जन

क. छात्रों से शुल्क, प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री, स्वत्व शुल्क प्रत्येक सिमेस्टर के ट्यूशन शुल्क और बचत बैंक खातों पर ब्याज का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता हैं।

ख. भूमि से आय, भवन और अन्य संपत्ति का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता है और निवेश पर ब्याज का लेखांकन उपर्जित आधार पर किया जाता है।

ग. भवन निर्माण, वाहन और कंप्यूटर के क्रय हेतु स्टॉफ को ब्याज वाले अग्रिम का लेखांकन उपार्जित आधार पर किया जाता है, हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के पूर्ण भुगतान के पश्चात प्रारंभ होती है।

3 अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास :

क. अचल परिसंपत्तियां का आंकलन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है जिसमें आंतरिक भाड़ा, शुल्क और कर और अधिग्रहण, स्थापना और प्रचालन घटा मूल्यह्रास से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्चे शामिल हैं। विश्वविद्यालय से किसी प्रतिफल केप्राप्त अचल परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरणी में नाममत्र मूल्य अर्थात एक रुपया प्रति संपत्ति पूंजीकृत किया गया है।

3.1 उपहार/दान दी गई परिसंपत्तियों का नाममात्र मूल्य पर मूल्यांकन किया जाता है अर्थात रुपये 1/–प्रति संपत्ति। उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैटअप किया जाता है और संस्थान की अचल परिसंपत्ति में मिलाया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर प्रभारित किया जाता है।

3.2 उपहार में प्राप्त पुस्तकों का नाममात्र मूल्य अर्थात रुपये 1/–(एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्तियां का मूल्यांकन संचयी मूल्यह्रास घटाकर लागत पर लगाया जाता है। अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा जारी मार्गदर्शक टिप्पणी में यथा निर्दिष्ट प्रतिलेखित मूल्य विधि पर निम्नलिखित दरों पर किया जाता है:

मूर्त परिसंपत्तियां :

क सं	परिसंपत्ति का स्वरूप	Rate
1	भूमि	0%
2	भवन	5%
3	फर्नीचर और फिक्सचर	25%
4	वैज्ञानिक उपकरण	40%
5	कंप्यूटर, प्रिंटर,यूपीएस आदि सहित	40%
6	पुस्तकालय पुस्तकें	50%
7	बसें, वैन आदि	30%
8	कार , स्कूटर	25%
9	एयर कंडीशनर, जनरेटर, अग्निशमन, टेलीफोन, टेलीवीजन सैट, फोटोकॉपीयर, फैक्य मशीन, वाटर कूलर, प्रोजेक्टर आदि सहित संयंत्र और मशीनरी	20%
10	संगीत वाद्य	50%
11	क्रीड़ा उपकरण	50%

अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन) :

1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
2	पेटेंट	25%

3.4 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियां में वृद्धि के संबंध में मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिए प्रावधानित किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों से बिक्री कटौतियों के संबंध में कोई मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता

3.5 अंकित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से सृजित परिसंपत्तियों जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय है, उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैट–अप किया जाता है और विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर प्रभारित मे से क्रय की गई परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित–पोषित एजेंसी की संपत्ति

रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना की परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों के साथ संबंधित अचल परिसंपत्तियों को केडिट करके प्रतिलेखित मूल्य पर मिला दिया जाता है।

3.6 परिसंपत्तियों, जिनका व्यैक्तिक मूल्य रुपये 5000/– अथवा कम है, का पुस्तकालय पुस्तकों के अलावा का राजस्व व्यय के रूप में संव्यवहार किया जाता है। तथापि, ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा जारी भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रहता है।

4. **अमूर्त परिसंपत्तियां:**

पेटेंट , कापी राईट और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अभूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत समूहित किया जाता है।.

4.1 पेटेंट : पेटेंट प्राप्त करने के लिए समय–समय पर किए गए व्यय को अस्थायी रूप से पूंजीकृत किया जाता है और तुलन–पत्र में अमूर्त परिसंपत्तियों के भाग के रूप में दिखाया जाता है। पेटेंट के आवेदन अस्वीकार करने पर, आवेदन अस्वीकार करने के वर्ष में, पेटेंट विशेष पर किए गए संचयी व्यय को आय व व्यय में प्रतिलेखित किया जाता है। इसके अलावा, पेटेंट पर वित्तीय वर्ष के दौरान कोई राशि वयय नहीं की गई। मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 25 प्रतिशत की दर पर किया जाता है।

4.2 इलैक्ट्रोनिक जर्नलः ई–जर्नल पर खर्च की गई राशि को जिस वर्ष में राशि खर्च की गई है उस वर्ष में राजस्व व्यय के रू‍प में माना जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर व्यय को कंप्यूटर और अनुषंगियों को पृथक किया गया है। सॉफ्टवेयर के संबंध में मूल्ह्रास की दर चूंकि काफी ज्यादा है, अतः 1.4.2014 से मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 40 प्रतिशत की दर से किय गया है।

5 **स्टॉकः**

भंडार और फालतू पुर्जों, खुले पुर्जों, निर्माण सामग्री विद्युत सामग्री, प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्यो, कांच के सामान, प्रकाशन, स्टेशनरी और जल आपूर्ति सामग्री के कय पर व्यय का कया के वर्ष में राजस्व व्यय के रूप में लेखांकन किया जाता है।

6- सेवा–निवृत्ति हितलाभः

सेवा–निवृत्ति हितलाभ अर्थात पैंशन, ग्रेच्यूटी ओर छुट्टी नगदीकरण का प्रावधान लेखांकन मानक 15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। पैंशन,ग्रेच्यूटी और छुट्टी नगदीकरण के वास्तविक भुगतान को संबंधित प्रावधानों के लेखों में डेबिट किया जाता है। विगत वर्षो के प्रावधान को आय व व्यय लेखे को पूर्वावधि खर्चे के रूप में डैबिट करके और संबंधित प्रावधान को केडिट करके दर्शाया गया है।

.

7.निवेश :

सभी निवेश लागत पर कथित हैं।

8. **अंकित / वृत्ति निधियां :**

अंकित निधि, जिसमें कॉर्पस निधि, अन्य निधियां गृह भवन निधि, परिवहन निधि (कंप्यूटर अग्रिम सहित) शामिल है, दीर्घावधि निधियां हैं और विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अंकित हैं। निधियों में से प्रत्येक का पृथक बैंक खाता है। वृहत, शेष वालों का विशिष्ट प्रयोजनों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचर और उपार्जित आधार पर बॉड और बैंकों में सावधि जमा में भी निवेश है उपार्जित आधार पर अग्रिम (गृह भवन, परिवहन और कंप्यूटर)से आय और बचत बैंक खातों पर ब्याज को संबंधित निधि में नगदी आधार पर क्रेडिट किया जाता है। व्यय और अग्रिम (गृह भवन परिवहन/कंप्यूटर) को संबंधित निधियों में डेबिट किया जाता है। संस्थान के स्वामित्व में अंकित निधि से सृजित परिसंपत्तियों को बराबर राशि की पूंजी निधि क्रेडिट करके संस्थानों की परिसंपत्तियों में मिलाया जाता है। संबंधित निधि में शेष को अग्रेनीत किया जाता है और बैंक, निवेश और उपार्जित ब्याज के शेष में परिसंपत्तियों की तरफ दर्शाया जाता है।

8.1 अंकित/वृत्ति निधि के आय व व्यय का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता है संबंधित निधियों के शेष को तुलन–पत्र की देयता की तरफ अग्रेनीत किया जाता है और तुलन–पत्र की परिसंपत्ति की तरफ बैंक शेष, अग्रिम, सावधि जमा और निवेश का प्रतिनिधित्व करता है।

8.2 परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास होने की स्थिति में अंकित निधियों से क्रय/सृजित परिसंपत्तियों को संबंधित अचल परिसंपत्तियां खाते में डेबिट करके और पूंजी निधि खाते को क्रेडिट करके विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दर पर प्रभारित किया जाता है।

8.3 वृत्ति निधिः वृत्ति निधियां विभिन्न व्यैक्तिक दाताओं, न्यासों और अन्य संगठनों से चेयर स्थापित करने और दाताओं द्वारा निर्दिष्ट मंडल और पुरस्कारों के लिए प्राप्त होती हैं। प्रत्येक वृत्ति निधि के निवेश से आय को निधि में जोड़ा जाता है। मंडल और पुरस्कारों पर व्यय संबंधित वृत्ति निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से किया जाता है और शेष को अग्रेनीत किया जाता है। तथापि, चेयर के संबंध में, वृत्ति के कार्पस का भी प्रयोग किया जाता है। आरबीआई बॉड और सावधि जमा में निवेश, सभी वृत्तियों के लिए समान बचत बैंक खाते और निवेश पर उपार्जित ब्याज, शेष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

9. **सरकार और यू.जी.सी. अनुदान:**

9.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान का पावती आधार पर लेखांकन किया जाता है। तथापि, संबंधित वर्ष की अनुदान निर्मुक्ति की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होने पर किंतु, अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होने पर, अनुदान का लेखांकन उपचित आधार पर किया जाता है और दाता से वसूलनीय के रूप में बराबर की राशि दर्शाई जाती है।

9.2 पूंजी व्यय(उपचित आधार पर) सरकारी अनुदान और यूजीसी से अनुदान को उपयोगित सीमा तक पूंजी निधि में अंतरित किया जाता है।

9.3 राजस्व व्यय उपचित आधार पर की पूर्ति हेतु सरकारी और यूजीसी अनुदान को वसूली के वर्ष की आय के रूप में उपयोगित सीमा तक माना जाता है।

9.4 अनुपयोगित अनुदान (ऐसी अनुदानों से प्राप्त अग्रिम सहित) को तुलन–पत्र में अग्रेनीत और देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

10. अंकित निधि से निवेश और ऐसे निवेश पर उपार्जित ब्याज व्यय:

ऐसी निधियों के प्रति व्यय के लिए तत्काल आवश्यक न होने वाली उपलब्ध राशि को बचत बैंक खाते में शेष छोड़कर अनुमोदित प्रतिभूतियों और बॉडो में निवेश किया जाता है अथवा बैंकों में सावधि जमा में जमा किया जाता है। प्राप्त ब्याज उपार्जित और देय ब्याज और ऐसे निवेश पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय नहीं माना जाता।

11. प्रायोजित परियोजनाएंः

11.1 प्रायोजकों से चालू प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में प्राप्त राशि को ''चालू देयताएं और प्रावधान–चालू देयताएं–अन्य देयताएं– चालू प्रायोजित परियोजनाओं से प्रति प्राप्ति '' शीर्ष में क्रेडिट किया जाता है। ऐसी परियोजनाओं के संबंध में जब कभी व्यय किया जाता है। अग्रिम दिया जाता है अथवा संबंधित परियोजना लेखे को आबंटित ऊपरी खर्चों सहित डेबिट किया जाता है, देयता खाते को डेबिट किया जाता है।

11.2 यूजीसी फैलोशिप द्वारा वित्त–पोषित कनिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप हेतु अंकित निधियों के अतिरिक्त विभिन्न संगठन छात्रवृत्ति भी प्रायोजित करते है इनका लेखांकन प्रायोजित परियोजना की भांति ही किया जाता है। सिवाय इसके कि व्यय प्रायः फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विवरण पर होता है जिसमें फैलो और शोध–छात्रों द्वारा आकस्मिक व्यय हेतु भत्ते शामिल हो सकते हैं।

11.3 संस्थान स्वयं भी फैलोशिप और छात्रवृत्ति देता है जिसका लेखांकन शैक्षणिक व्यय में किया जाता है।

11.4 बाह्रय एजेंसियों द्वारा वित्त–पोषित परियोजना से क्रय परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्त–पोषित एजेंसी की संपति रहती है।

12. आयकर :

संस्थान की आय को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23) (ग) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। अतः लेखों में कर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 24: आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां

1 आकस्मिक देयताएं :

विश्वविद्यालय के वर्तमान/पूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर विभिन्न दावे औघोगिक अधिकरण और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। दावों की मात्रा का निर्धारण नहीं है।

2 पूंजी प्रतिबद्धता (पूंजीगत कार्य प्रगति में)

पूंजीगत कार्य प्रगति में निम्मनलिखित परियोजनाओं के निर्माण के लिए 31 मार्च, 2016 तक विश्वविद्यालय द्वारा भुगतान की गई राशि शामिल हैः

I.	राष्ट्रमंडल खेलों के लिए स्टेडियम का निर्माण	रुपये 311,18,50,653
II.	ढाका उत्तरी कैम्पस में स्नातक–पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 1500 सीट वाले राजीव गांधी बालिका छात्रावास का निर्माण	रुपये 74,72,81,869
III.	ढाका में 70 'डी' टाईप फ्लैट का निर्माण	रुपये 8,38,20,926
IV.	अंकित/वृत्ति निधि से अन्य परियोजनाएं	रुपये 12,28,72,429

3 अचल परिसंपत्तियां :

3.1 अनुसूची में वर्ष से जुड़ी अचल परिसंपत्तियों के योजना निधि रुपये 9,03,62,873/–, योजनेत्तर निधि रुपये 8,15,36,928/– अंकित/वृत्ति निधि रुपये 6,86,01,255, प्रायोजित बंद परियोजनाओं रुपये 2,39,20,291/– और संस्थान को उपहार में रुपये 2,415/– (रुपये1/– प्रति परिसंपत्ति के नाममात्र मूल्य पर) के मूल्य की पुस्तकालय पुस्तकें व अन्य परिसंपत्तियां शामिल हैं। परिसंपत्तियों को पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैटअप किया गया है।

3.2 31 मार्च, 2014 के तुलन–पत्र और पूर्व वर्षों के तुलन–पत्र में योजना निधि से सृजित अचल परिसंपत्तियों और योजनेत्तर निधि से सृजित अचल परिसंपतित्यों को स्पष्ट रूप से नहीं दर्शाया गया था। इसके अलावा, योजना, योजनाएं निधियों और अन्य निधियों और उन वृद्धियों पर मूल्यह्रास को अचल परिसंपत्ति (अनुसूचीय) की मुख्य अनुसूची की उप–अनुसूची क,ख,घ में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है।

3.3 अनुसूची 4 में निर्धारित अचल परिसंपत्तियों में संस्थानों द्वारा परियोजना संविदा के रूप में धारित और प्रयुक्त प्रायोजित परियोजना की निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं किंतु यह शर्त शामिल है कि परियोजना निधियों से क्रय की गई ऐसी सभी परिसंपत्तियां प्रायोजक की संपत्ति बनी रहेगीं।

4 पेटेंट :

वित्तीय वर्ष 2013–14 में पहली बार पेटेंट पर व्यय के संबंध में एक लेखांकन नीति बनाई गई।

5 जमा देयताएं:

बयाना जमा राशि और प्रतिभूति जमा की ऐसी कोई राशि नहीं है जिसे राजस्व खाते में अंतरित किय गया हो।

6 विदेशी मुद्रा में व्यय:

भुगतान/वसूली की तारीख को लागू विनिमय दर पर विदशी मुद्रा में वर्णित लेन–देन।

7 चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम और जमाः

7.1 प्रबंधन के मत में,चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम का साधारण दशा में कम से कम तुलन–पत्र में दर्शित कुल राशि के बराबर वसूली पर मूल्य है।

7.2 तुलन–पत्र की परिसंपत्ति की ओर दर्शित ऋण व अग्रिम में अंतिम विवरणी हेतु 31 मार्च, 2006 की अवधि से संबंधित अग्रिम जो अभी तक बकाया हैं शामिल नहीं है। इन अग्रिम को अग्रिम की निमुक्ति के समय संबंधित लेखा–शीर्ष में प्रभारित किया गया था।

8 बैंक शेष :

बचत बैंक खातों, चालू खातों और बैकों के पास सावधि जमा के शेषों का ब्यौरा चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची के संलग्नक ''क'' के रूप में संलग्न है।

9 पूर्व वर्ष के आंकडों को यथावश्यक पूनर्समूहित/पनर्व्यवस्थित किया गया है।

10 अंतिम लेखों में आंकडों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

11 संलग्न अनुसूची 1 से 24 31 मार्च, 2016 को तुलन–पत्र और 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे की अभिन्न अंग हैं।

12 **भविष्यि निधि लेखा :**

नई पैंशन स्कीम निधि सहित भविष्य निधि लेखों का स्वामित्व चूंकि विश्वविद्यालय के स्थान पर उनकी निधियों के सदस्यों के पास है, अतः इस लेखों को विश्वविद्यालय लेखों से अलग कर दिया गया था। तथापि, प्राप्तियों और भुगतान लेखा, आय व व्यय लेखा (उपचित आधार पर) और भविष्य निधि लेखे और वर्ष 2015–16 की नई पैंशन योजना विश्वविद्यालय के लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

13 वेतनः

वेतन पर व्यय मार्च 2015 से फरवरी 2016 की अवधि का है। मार्च, 2061 माह के वेतन का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

14 हॉल और छात्रावास:

हॉल और छात्रावास चूंकि पृथक ईकाइयां है अतः उनके लेखे विश्वविद्यालय लेखों से अलग तैयार किए जाते हैं। तथापि सभी हॉल, छात्रावास और अतिथि गृह के समेकित प्राप्तियां व भुगतान लेख, समेकित आय व व्यय लेखा और समेकित तुलन–पत्र विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न हैं।

15 दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय:

विश्वविद्यालय मुद्रणालय चूंकि पृथक ईकाई है अतः इसके लेखे पृथक तैयार किए जाते हैं और विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

16 वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान लेखांकन नीति में परिवर्तनः

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपये में

	प्राप्तियां		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I.	**अथ शेष**				**I.**	खर्चे		
क)	नगद शेष		----	----	क)	स्थापना खर्चे	3805917365	3481940216
ख)	बैंक शेष				ख)	शैक्षणिक व्यय	483295923	424901368
	i. चालू खाते मे		192009972	176227475	ग)	प्रशासनिक खर्चे	814066327	1144955744
	ii. खाते मे		2861835734	3196004183	घ)	परिवहन खर्चे	3654582	5149419
	iii. जमा खाते मे		7219616295	6828824844	ड.)	मरम्मत और अनुरक्षण	188886402	175957757
					च)	वित्त लागत	376220	418815
II.	**प्राप्त अनुदान**				छ)	अनुदान पर व्यय	291954779	238399353
क)	भारत सरकार से		----	----	ज)	पूर्वावधि व्यय	----	----
ख)	राज्य सरकार से		----	----				
ग)	यू.जी.सी. से				**II.**	अंकित / वृत्ति निधि के प्रति भुगतान	723520908	402894673
	i) पूंजी व्यय- गैर–योजना हेतु अनुदान	81536928		----				
	ii) राजस्व व्यय- गैर–योजना हेतु अनुदान	4257942072		----	**III.**	प्रायोजित परियोजनाओं / स्कीमों के प्रति भुगतान	601454476	590718472
	घटा:: प्राप्त अग्रिम अनुदान	0	4339479000	3935839000				
घ)	अन्य स्त्रोतों से (ब्यौरा)				**IV.**	प्रायोजित परियोजनाओं / स्कीमों	381347493	364164735

					के प्रति भुगतान		
	(पूंजी ओर राजस्व व्यय हेतु अनुदान/उपलब्ध होने पर पृथक दिखाया जाए						
				V.	योजना लेखों के प्रति भुगतान	----	----
III.	शैक्षणिक प्राप्तियां			VI.	किया गया निवेश और जमा		
क)	शुल्क अंशदान	1015160416	937672248	क)	अंकित/ वृत्ति निधि से	149800000	----
ख)	प्रकाशनों की बक्री	14065440	18304337	ख)	स्वत्व निधि से (निवेश-अन्य)	----	----
IV.	अंकित / वृत्ति निधियों के प्रति प्राप्तियां			VII.	अनुसूचित बैंक से सावधि जमा	----	----
		822965530	714286652				
				VIII.	अचल परिसंपत्तियों पर व्यय और पूंजी कार्य प्रगति में व्यय	----	----
V.	प्रायोजित परियोजनाओं/ स्कीमों के प्रति प्राप्तियां	646136569	736849745	क)	अचल परिसंपत्तियां	190272737	259344109
VI.	योजना के प्रति प्राप्तियां	253258797	96915333	ख)	पूंजी कार्यप्रगति में	50000000	5037256
VII.	प्रयोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति			IX.	सांविधिक भुगातन सहित अन्य		
		310780925	275930178		अन्य निकाय लेनदेन	160848782	83300225
VIII.				X.	अनुदान की वापसी	----	----
क)	अंकित / वृत्ति निधियां	502936345	292880808				
	योजना लेखे	243563560	165630007	XI.	जमा और अग्रिम		

ख)							
ग)	प्रायोजित परियोजनाएं	68412455	64805331	क)	त्यौहार अग्रिम	8622309	7224695
घ)	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवत्ति	3876800	6309472	ख)	अग्रिम	91064729	232397492
				ग)	स्थायी अग्रिम	8998597	18500
IX.	**प्राप्त ब्याज**			घ)	चिकित्सा अग्रिम	504000	237400
क)	बैंक जमा	18576534	40109065	ड.)	छुट्टी यात्रा रियात अग्रिम	3992468	2516270
ख)	ऋण और अग्रिम	----	----	च)	प्रेषण	1039991	----
ग)	बचत बैंक खाता	12445873	----				
X.	**निवेश नगदीकरण**	----	----	**XII.**	**अन्य भुगतान**		502373
XI.	**अनुसूचित बैंको के सवधि जमा का नगदीकरण**			**XIII.**	**इतिशेष**		
		----	----	क)	हाथ में नगद	----	----
				ख)	बैंक शेष		
XII.	अन्य आय (पूर्वावधि व्यय)मदों सहित)	80645038	92832495		- चालू खाते मे	69881547	192009972
					- बचत खाते मे	1040611971	2861835734
XIII.	**जमा और अग्रिम**				- जमा खाते मे	9716383113	7219616295
क)	त्यौहार अग्रिम	8522760	6793714				
ख)	छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	0	8751812				
ग)	चिकित्सा अग्रिम	0	803200				
घ)	स्थायी अग्रिम	9042097					
XIV.	**संविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां**	162063724	95828996				
XV.	**कोई अन्य प्राप्तियां**	1100855	1941977				
	कुल	**18786494719**	**17693540873**		**कुल**	**18786494719**	**17693540873**

भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 2016 का तुलन–पत्र

राशि	देयताएं	राशि	राशि	परिसंपत्तियां	राशि
	सामान्य भविष्य निधि				
2858624363	अथ शेष	3065289213	1138345000	निवेश (बॉड)	1167800000
471823710	जमा: वर्ष में अंशदान	481646120	2541533706	जमा लेखे (मियादी जमा)	2810000000
246612974	जमा: ब्याज क्रेडिट	267517470	279972894	उपार्जित ब्याज 31.03.2016 को	230416092
(511765232)	घटा:: अग्रिम / निकासी	(507133969)			
(6602)	घटा:: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	(14724)			
3065289213	इतिशेष	3307304110			
	अंशदायी भविष्य निधि				
683177783	अथ शेष	682905444		एसबीआई बैंक में बचत लेखे में शेष	
61644991	जमा: वर्ष के दौरान अभिदान और अग्रिम का अंशदान पुनर्भुगतान	58708641			
			35770917	जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	37125058
55504241	जमा: ब्याज क्रेडिट	60097341	16610898	सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	48068865
(117421571)	घटा:: अग्रिम /निवासी /अंतिम निपटान	(100160893)			
-	घटा:: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन (93432+10)	(93442)			
682905444	इतिशेष	701457091			

	ब्याज आरक्षित				
235696971	अथ शेष	264038758			
28341787	जमा: व्यय से अधिक आय	20610056			
264038758	इतिशेष	284648814			
4012233415	**कुल**	**4293410015**	**4012233415**		**4293410015**

भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि / Rs.)

राशि 31/03/15	व्यय	राशि 31/03/16	राशि 31/03/15	आय	राशि 31/03/16
	ब्याज क्रेडिट :		373811182	निवेश पर अर्जित ब्याज	397678481
246612974	जीपीएफ लेखा	267517470	147036390	जमा: वर्ष 2015-16 के दौरान उपार्जित ब्याज	125812577
55504241	सीपीएफ लेखा	60097341	6602	जमा: **विगत वर्ष से संबंधित समायोजन** (जीपीएफ लेखा 14724 + सीपीएफ लेखा 93442)	108166
3217	बैंक प्रभार	4978	(190391955)	घटा: वर्ष 2012-13,	(175369379)
	(जीपीएफ लेखा 3852 + सीपीएफ लेखा 1126)			2013-14, 2014-15 के लिए उपार्जित ब्याज किंतु वर्ष 2015-16 में वसूल	
28341787	**व्यय से अधिक आय**	20610056			
330462219	**कुल**	**348229845**	**330462219**	**कुल**	**348229845**

भविष्यनिधि लेखा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

(राशि / Rs.)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
01/04/15 को अथ शेष			
जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	35770917	जीपीएफ अग्रिम/वापसी/अंतिम निपटान	507133969
सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	16610898	सीपीएफ अग्रिम/वापसी/अंतिम निपटान	100160893
जीपीएफ अभिदान	481646120	वर्ष के दौरान निवेश	3462300000
सीपीएफ अंशदान और विश्वविद्यालय अंशदान	58708641	बैंक प्रभार (जीपीएफ लेखा 3852+सीपीएफ लेखा 1126)	4978
		इतिशेष :	
निवेश नगदीकरण	3164378706	जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	37125058
ब्याज प्राप्त	397678481	सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	48068865
कुल	**4154793763**	**कुल**	**4154793763**

एनपीएस टायर–1 लेखा

31 मार्च, 2016 का तुलन–पत्र तुलन–पत्र

(राशि रुपये)

राशि	देयताएं	राशि	राशि	परिसंपत्तियां	राशि
	एनपीएस टायर–1 लेखा				
365981	अथ शेष	365981	2155294	निवेश	2422000
63145932	जमा: अभिदान+विश्वविद्यालय अंशदान	79694147	79853	उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	73833
-	जमा: अधिक पावतियां (प्रेषण)	7810	3321	बैंक बचत खाते में शेष	11970
(63145932)	घटा:: Transferred to NSDL	(79694147)			
1654856	व्यय से अधिक आय 01.04.2015 को शेष	1872487			
217631	जमा: वर्ष के दौरान	261525			
2238468	कुल	**2507803**	**2238468**	कुल	**2507803**

एनपीएस टायर–1 लेखा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि / Rs.)

राशि	व्यय	राशि	राशि	आय	राशि
1466	बैंक प्रभार	1452	2391984	निवेश पर प्राप्त ब्याज	1940687
217631	व्यय से अधिक आय	261525		घटा::	
			(1987600)	i) जीपीएफ लेखा से संबंधित ब्याज (बॉड पर)	(1621726)
			(133706)	ii) जीपीएफ लेखा से संबंधित ब्याज (बॉड पर)	(49964)
			(131434)	iii) उपार्जित ब्याज 31/03/16	(79853)
			79853	जमा: उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	73833
219097	**कुल**	**262977**	**219097**	**कुल**	**262977**

एनपीएस टायर–1 लेखा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

(राशि / रुपये)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
01/04/2015_को अथ शेष	3321		
एनपीएस टायर–1 लेखा		निवेश	2422000
स्व अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	79694147	एनएसडीएल को निकासी/वापसी	79694147
		प्रेषित अधिशेष की वापसी	9724
निवेश पर प्राप्त ब्याज (एनपीएस)	202239		
जीपीएफ लेखा से संबंधित बॉड पर ब्याज	1621726	बॉड पर ब्याज जीपीएफ लेखा में अंतरित	1621726
जीपीएफ लेखा से संबंधित सावधि जमा पर ब्याज	49964	सवधि जमा पर ब्याज जीपीएफ लेखा में अंतरित	49964
बचत बैंक खाता पर ब्याज	66758		
निवेश नगदीकरण (सावधि जमा)	2155294		
जीपीएफ लेखा से संबंधित सावधि जमा परिपक्वता (मूल) राशि	533706	जीपीएफ लेखा में अंतरित सावधि जमा (मूल) राशि	533706
जीपीएफ लेखा से संबंधित बॉड परिपक्वता	24845000	जीपीएफ लेखा बैंक प्रभार में अंतरित बॉड परिपक्वता राशि	24845000
			1452
अधिशेष प्राप्तियां (प्रेषण)- (9724+7810)	17534		
		31.03.2016 को इतिशेष	11970
कुल	**109189689**	**कुल**	**109189689**

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

31 मार्च, 2016 का तुलन–पत्र तुलन–पत्र

निधियां और देयताएं	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
	रुपये	रुपये
1. पूंजी	3,996,503.00	4,046,372.00
2. वर्तमान देयताएं		
(क) वेतन बिल से कटौतियां	1,018,671.00	942,058.00
(ख) देय बिल	605,322.00	3,565,340.00
(ग) किए जाने वाले कार्य हेतु अग्रिम	130,000.00	130,000.00
(घ) अंतर बैंक अंतरण	17,395,492.00	17,395,492.00
(ड.) यूएफडी से ऋण	10,000.00	10,000,000.00
(च) ब्याना राशि	50,500.00	50,500.00
कुल	**23,206,488.00**	**36,129,762.00**

परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
	रुपये	रुपये
1. मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	328,141.00	392,307.00
2. प्राप्तनीय राशि	20,845,348.00	25,708,119.00
3. हाथ में स्टॉक		
(क) कच्चा माल	1,128,533.00	811,364.00
(ख) तैयार माल	49,850.00	25,405.00
4. प्रगति में कार्य	365,000.00	1,277,000.00
5. बैंक में नगदी	482,316.00	7,730,739.00
6. त्यौहार अग्रिम	6,300.00	4,400.00
7. स्थायी परिसंपत्तियां	1,000.00	1,000.00
8. अग्रिम	शून्य	179,428.00
कुल	**23,206,488.00**	**36,129,762.00**

विश्वविद्यालय मुद्राणालय

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. प्रारंभिक स्टॉक :			1. आय :		
(क) कच्चा माल	811,364.00	1,153,289.00	(क) मुद्रण और जिल्दसाजी से आय	22,341,971.00	27,677,584.00
(ख) तैयार माल	25,405.00	81,535.00			
2. प्रगति में कार्य में	1,277,000.00	799,000.00			
3. वेतन व भत्ते में	7,473,557.00	7,839,317.00	2. अंतिम स्टॉक द्वारा		
(क) छुट्टी यात्रा रियायत	353,566.00	192,581.00	(क) कच्चा माल	1,128,533.00	811,364.00
(ख) ट्यूशन शुल्क	57,000.00	39,750.00	(ख) तैयार माल	49,850.00	25,405.00
(ग) बोनस	44,902.00	51,810.00			
(घ) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	266,016.00	544,506.00			
4. कच्चे माल के क्रय में	5,564,643.00	7,339,525.00	3. प्रगति में कार्य द्वारा	365,000.00	1,277,000.00
5. विविध आकस्मिक खर्चे	66,364.00	58,652.00			
6. दर, किराया और कर	6,025.00	10,019.00			
7. बाह्य एजेंसी से कराए गए काम	7,853,930.00	8,112,608.00	4. इस वर्ष की हानि द्वारा	5,290.00	Nil
8. *मूल्यह्रास:*					
(क) मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	90,872.00	110,760.00			
9. लाभ	Nil	3,458,001.00			

कुल	**23,890,644.00**	**29,791,353.00**	कुल	**23,890,644.00**	**29,791,353.00**

दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय लेखा संख्या 10851295354

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपये में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I अथ शेष			I खर्चे		
बैंक शेष	7730739	1364664	स्थापना खर्चे	8033541	8423573
बैंक में जमा	----	----			
II मुद्रण और जिल्दसाजी से प्राप्तियां	27160163	18114135	II अन्य प्रशासनिक खर्चे		
III कटौति \ वसूली	3333066	3932733	व्यय	16449758	13360835
त्यौहार अग्रिम	12600	15300	त्यौहार अग्रिम	14500	18000
यूडीएफ से प्राप्त ऋण	----	10000000	प्रेषण	3256453	3888685
अन्य प्राप्तियां	----	----	यूडीएफ को ऋण वापसी	10000000	----
सावधि जमा रसीद पर ब्याज	----	----	बयाना राशि	0	5000
			III इतिशेष		
			बैंक शेष	482316	7730739

कुल	38236568	33426832		38236568	33426832

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2016 का तुलन–पत्र तुलन–पत्र

राशि रुपये में

निधियां का स्त्रोत	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
कार्पस/पूंजी निधि	221169522	187151346
नामित/अंकित/वृत्ति निधियां	39760341	37963396
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	14973043	8843540
कुल	**275902906**	**233958282**
निधियों का अनुप्रयोग		
अचल परिसंपत्तियां		
मूर्त परिसंपत्तियां	28402677	25214572
अमूर्त परिसंपत्तियां	11436	0
पूंजी कार्य–प्रगति में कार्य	0	0
अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश		
दीर्घवधि	9906032	18000
अल्पवधि	0	0
निवेश - अन्य	49061064	91136815
अचल परिसंपत्तियां	178660692	117643118
ऋण, अग्रिम और जमा	9915229	0
विविध व्यय	(54224)	(54224)
कुल	**275902906**	**233958282**

हॉल और छात्रावास
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
(क) आय		
शैक्षणिक **प्राप्तियां**	52730755	78995265
अनुदान/आर्थिक सहायता	115084624	106253779
निवेश से आय	11491579	0
अर्जित ब्याज	2595584	10914560
अन्य आय	50850888	11550643
पूर्वावधि आय	0	0
कुल (क)	**232753430**	**207714247**
(ख) व्यय		
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	119933527	103873718
शैक्षणिक व्यय	48308	0
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	64376319	69508390
परिवहन खर्चे	570265	0
मरम्मत और अनुरक्षण	9634277	0
वित्त लागत	42431	9319
मूल्यह्रास	8594865	7032257
अन्य खर्चे	8210	0
पूर्वावधि व्यय	0	0
कुल (ख)	**203208202**	**180423684**
व्यय से अधिक आय (आय से अधिक व्यय) (क -ख)	**29545228**	**27290563**
शेष पूंजी निधि में अग्रेनीत अधिशेष (घाटा)	**29545228**	**27290563**

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपये में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I. अथ शेष				I. खर्चे		
-	278911	279767		(क) स्थापना खर्चे	118581944	104053419
- बैंक शेष	62190809	78836786		(ख) शैक्षणिक व्यय	48308	0
-	777720	2879773		(ग) प्रशासनिक खर्चे	65919282	71640712
- जमा	114097925	42075463		(घ) परिवहन खर्चे	570265	0
				(ङ.) मरम्मत और अनुरक्षण खर्चे	8584504	0
II. अन्य बैंक शेष	0	26731023		II. (क) अंकित निधि	12676258	4609865
III. प्राप्त अनुदान	121583774	107013012		(ख)	0	951642
IV. शैक्षणिक प्राप्तियां	46592774	0		III. निवेश और जमा	48379057	5210325
V. अंकित / वृत्ति निधियां से प्राप्तियां	15313825	0		IV. अचल परिसंपत्तियां और पूंजी कार्य–प्रगति में पर व्यय	11159096	4894932
VI. प्राप्त ब्याज	3162327	4340945		V. वित्त प्रभार	29651	6461
VII. निवेश से आय	13022047	3765836		VI. जमा और अग्रिम	6796359	0
VIII. अन्य आय	55752119	91754840		VII. अन्य भुगतान	4773539	18873467
IX. जमा और अग्रिम	47038156	0		VIII. इतिशेष		
X. अन्य प्राप्तियां	11260433	29908744		- हाथ में नगदी	46552	278911
				- बैंक शेष	86082586	62190809
				- पेशगी	113578	777720
				- जमा लेखा	127309841	114097925
कुल	**491070820**	**387586189**		**कुल**	**491070820**	**387586189**

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
Office of the Registrar
University of Delhi, Delhi 110007
Tel. 011 27667853
Email: registrar@du.ac.in, Website: www.du.ac.in